॥ श्री गणेशाय नमः ॥

ज्योतिष ज्ञान प्रचारार्थ आर्य संस्कृति पोषके

श्री आर्यभट्ट पंचांगम् विद्वद् वृन्द समर्पिते

ॐ ह्रीं महासरस्वत्यै नमः

ॐ श्री सरस्वत्यैमया दृष्ट्वा वीणापुस्तक धारिणी।
हंसयुक्त विमानूढ़ा विद्या दान ददातु मे॥

राजा शनि

मन्त्री सूर्य

ज्योतिः शास्त्र समुद्रं प्रमथ्य मति मन्दराद्रिणाथ मया।
लोकस्य लोक करः शास्त्र शशांकः समुत्क्षिप्तः॥

पूर्वाचार्या ग्रन्था नोत्सृष्टाः कुर्वतामया शास्त्रम्।
तान वलोक्येदं च प्रयतध्वं कामतः सुजनाः॥

श्री लक्ष्मीनारायण शर्मा, ज्योतिष वाचस्पति

भारतीय ज्योतिष विद्या केन्द्र के प्रधानाचार्य

श्री आर्यभट्ट अनुसंधान केन्द्र दिल्ली
द्वारा प्रणीत तथा सम्मानित

श्री आर्यभट्ट-पञ्चांगम्

श्री विक्रम सम्वत्-2076 शकः-1941 सन्-2019-2020 भारतीय गणराज्य सम्वत् 70-71

प्रधान सम्पादक : पं. लक्ष्मी नारायण शर्मा ज्योतिष वाचस्पति बी.ए. प्रभाकर साहित्यरत्न प्रधानाचार्य
सम्पादक : धर्मपाल अग्रवाल, 2/45-ए, वैस्ट ऐवन्यू मार्ग, पंजाबी बाग, नई दिल्ली-110026

मूल्यः 110.00

नई सड़क
दिल्ली-110006

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

राजा
शनि

श्री आर्यभट्ट अनुसंधान केन्द्र दिल्ली
द्वारा प्रणीत तथा सम्मानित

श्री आर्यभट्ट-पञ्चांगम्

श्री विक्रम सम्वत्–2076 ● शाके :–1941

सन्–2019–2020 ई. ● भारतीय गणराज्य संवत् 70–71

प्रधान सम्पादक
पं. लक्ष्मी नारायण शर्मा ज्योतिष वाचस्पति
बी.ए. प्रभाकर साहित्यरत्न, प्रधानाचार्य
भारतीय ज्योतिष विद्या केन्द्र, नई दिल्ली

सम्पादकः
धर्मपाल अग्रवाल
आर्यभट्ट अनुसंधान केन्द्र, 2/45-ए,
वैस्ट ऐवन्यू मार्ग, पंजाबी बाग, नई दिल्ली-26

प्रकाशकः

धर्मसन प्रकाशन

2596, नई सड़क, दिल्ली-110006 ❖ दूरभाष : 011-23264986, 23285234, 41730050, 7290900095

विषय सूची–2076

आर्यभट्ट पंचांग देखने की विधि

1. हमारे **"आर्यभट्ट पंचांग"** का निर्माण ग्रीनविच (ब्रिटेन) से उत्तर अक्षांश 28°।38 एवं पूर्व रेखांश 77°।12 के आधार पर किया गया है। अतएव इस पंचांग में निर्णीत सूर्यादयास्त भी पूर्वोक्त अक्षांशादि वाले स्थान अर्थात् दिल्ली शहर के हैं।
2. **आर्यभट्ट पंचांग** के गणित में प्राचीन ज्योर्तिविदों द्वारा प्रमाणित तथा भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त सूक्ष्म दृक्गणित एवं चित्रा पक्षीय **निरयण पद्धति** को ही अपनाया गया है।
3. पक्षवाले सभी पृष्ठों पर दैनिक सूर्योदय और सूर्यास्त भारतीय समयानुसार दिल्ली शहर के हैं। सूर्योदयास्त में किरण-वक्री-भवन संस्कार के कारण वास्तविक क्षितिज वृत्त के उदयास्त में अंतर आना स्वाभाविक है। अतः प्रत्यक्ष देखने के लिए सूर्योदय में 2 मिनट ऋण (–) तथा सूर्यास्त में 2 मिनट योग (+) करने की आवश्यकता है।
4. इस पंचांग में करण सूर्योदय कालीन दिये गये हैं। अग्रिम करण उससे आगे वर्तमान तिथि के अर्धभाग तक जानें।
5. सूर्य, चन्द्रादि ग्रहों का राश्यादि संचार एवं भद्रा-पंचक, ग्रहों के उदयास्त, वक्र-मार्ग आदि भा.स्टै.टा. में है। जो भारत में सर्वत्र उसी टाइम में होंगे। यह इस पंचांग की विशेषता है।
6. महीनों में अष्टमी, पूर्णिमा एवं अमावस्या के ग्रह स्पष्टों के राश्यादि स्टै.टा. प्रातः 5 घं. 30 मि. के हैं। नीचे उस दिन की गति और वक्री-मार्गी, उदयास्त व ग्रहों के नक्षत्र चरण दिये हैं। ग्रह स्पष्टों के साथ कुण्डली भी उपरोक्त समय की है।
7. लस्टर में A, B, C, D आदि चिन्ह दिये गये हैं, उनका मतलब यह है कि मैटर उस लाईन में नहीं आ सका, जो चिन्ह यहां लगाया वैसा ही चिन्ह कहीं दूसरी लाईन में लगाकर शेष मैटर लिखा है। नीचे लिखी संकेतवाली को पंचांग देखने में काम लेने से सम्पूर्ण विषय समझ में आजावेंगे।
8. वार, तिथि, नक्षत्र, योग तथा करणों के साथ सामने दिये गये घटी-पल, उनका समाप्ति काल दर्शाते हैं जोकि स्थानीय सूर्योदय के उपरांत से माना जाये। उन घटी-पलों के घटा-मिनट बनाकर उसमें पंचांग के स्थानीय सूर्योदय के घंटा-मिनट जोड़ देने से तिथि, नक्षत्र, योगादि का समाप्ति काल भा.स्टै.टा. में ज्ञात हो जायेगा।
9. पाठकों की सुविधा के लिए तिथि, नक्षत्रादि के घटी-पलों के समाप्ति काल (सूर्योदय संस्कार करके) घंटा-मिनट में भी दे दिये गये हैं। जिससे तिथि, नक्षत्रादि के समाप्ति काल को घंटा-मिनट में जानने के लिए कोई परेशानी नहीं हो रही है। सीधे ही तिथ्यादि का समाप्ति काल घंटे-मिनट में पढ़ा जा सकता है। जहां 24 लिखा हो वह रात्रि के ठीक 12 बजे समझे जायें। जहां 27।18 लिखा हो वहां 27 में से 24 घटाकर रात्रि के 3 बजकर 18 मि. समझे जायें। यह समय भारतीय ज्योतिष परम्परानुसार सूर्योदय से पहले तक पूर्व तिथि में ही माना जायेगा।
10. पक्षवाले पृष्ठों पर शुक्ल पक्ष में तिथि के कॉलम में 15 को पूर्णमासी तथा कृष्ण पक्ष में 30 को अमावस समझा जाये। शुक्ल पक्ष को सुदी, कृष्ण पक्ष को बदी भी कहते हैं।
11. रा. मि. पहले कॉलम में दी गई हैं। दिनमान घटी-पलों में दिया गया है। करणों के कॉलम के पश्चात् दि.मा.घ.प. में दिये गये हैं। उसके पश्चात् सूर्योदयास्त, प्रविष्ठा, मु. तारीखें फिर अंग्रेजी तारीखें लिखी है।
12. दैनिक ग्रह स्पष्ट भा.स्टै.टा. प्रातः 5।30 बजे (दिल्ली) के दिये गये हैं और लग्न का समाप्ति काल लिखा गया है। अपने अभिष्ट समय पर उनको ग्रह की दैनिक गति का संस्कार त्रैराशिक विधि से करके मार्गी ग्रह में युक्त करने, वक्रीग्रह में से घटाने से इष्ट समय के ग्रह स्पष्ट हो जाते हैं।
13. तिथि के क्षय के आगे (पक्ष वाले पृष्ठों में) शून्य (0) चिन्ह लगाया गया है। तिथि, नक्षत्रादि के आगे 60।00 घटी लिखा है। उस तिथि नक्षत्रादि की वृद्धि समझें।

पंचांग में लिखे शब्दों की संकेतावली (अकारादि क्रम से)

अ.–अश्विनी (नक्षत्र), अतिगंड (योग), अग्नि (पंचक), अगस्त-अप्रैल-अक्टूबर (मास)
अनु.–अनुराधा (नक्षत्र)
आ.–आर्द्रा न., आयुष्मान् यो., आषा., आश्विन
अं.–अंश, अंग्रेजी (मास तारीख)
उ.–उदय, उपरांत
उ.फा.–उत्तरा फाल्गुनी (नक्षत्र)
उ.षा.–उत्तराषाढ़ा (नक्षत्र)
उ.भा.–उत्तरा भाद्रपद (नक्षत्र)
ऐं–ऐन्द्र (योग)
क.–कर्क-कन्या (राशि), कला
का.–कार्तिक मास
क्रांति सा.–साम्य (महापात)
कृ.–कृतिका नक्षत्र, कृष्ण पक्ष
कु.–कुंभ राशि
गु.–गुरु (वार), गुरु ग्रह
गु.द्व.–गुरु दान से
गो.–गोधूलि (लग्न)
गं.–गंड (योग)
घ.–घटी
घं.–घंटा
चि.–चित्रा (लग्न)
चै.–चैत्र (मास)
चौ.–चौर (पंचक)
चं.–चन्द्र (सोमवार), चन्द्र ग्रह
ज.–जयंती, जनवरी (मास)
जू.–जून (मास)
जु.–जुलाई (मास)
ज्ये.–ज्येष्ठ (मास), ज्येष्ठा (नक्षत्र)
ता.–तारीख
तु.–तुला राशि
दि. ल.–दिन में लग्न
ध.–धनु (राशि), धनिष्ठा (नक्षत्र)
धूलिमु.–धूलिमुख (अन्यगोधूली) लग्न
धु.–ध्रुव (योग)
धृ.–धृति (योग)
नि.–निम्बार्क (सम्प्रदाय)
नृ.–नृप (पंचक)
प.–परिघ (योग), पल
प्र.–प्रवेश
प्रा.–प्रारंभ
प्री.–प्रीति (योग)
पु.–पुष्य (नक्षत्र)
पुन.–पुनर्वसु (नक्षत्र)
पू.फा.–पूर्वा फाल्गुनी (नक्षत्र)
पू.षा.–पूर्वाषाढ़ा (नक्षत्र)
पू.भा.–पूर्वाभाद्रपदा (नक्षत्र)
फाल्गु.–फाल्गुन (मास)
ब्र.–ब्रह्म योग
वृ.–वृद्धि योग
बु.–बुध (वार), बुध ग्रह
भ.–भरणी (नक्षत्र), भद्रा
भाद्र.–भाद्रपद (मास)
म.–मघा (नक्षत्र), मकर (राशि), मई (मास)
मा.–मार्गशीर्ष, माघ, मार्च (मास)
मि.–मिनट, मिथुन राशि (लग्न), मिति
मी.–मीन राशि
मु.–मुहूर्त्त
मू.–मूल (नक्षत्र)
मे.–मेष (राशि) लग्न
मृ.–मृगशिर (नक्षत्र), मृत्यु (पंचक)
र.–रवि (वार), रवि (ग्रह)
रा.–राहु (ग्रह), राष्ट्रीय, राशि
रे.–रेवती (नक्षत्र)
रो.–रोहणी (नक्षत्र), रोग (पंचक)
ल.–लग्न
व.–वज्र, वरियान् यो., वाणिज क., वक्र गति
व्र.–व्रत
व्य.–व्यतिपात (योग)
वृ.–वृद्धि (योग), वृष, वृश्चिक (राशि)
व्या.–व्याघात (योग)
वि.–विशाखा (नक्षत्र), विष्कुंभ (योग), विकला
वि.मु.–विवाह मुहूर्त
वै.–वैष्णव सम्प्रदाय, वैधृत योग, वैशाख मास
श.–शनिवार, शनिग्रह, शतभिषा नक्षत्र
शि.–शिव योग
शु.–शुक्रवार, शुक्रग्रह, शुभ, शुक्लयोग, शुक्ल पक्ष
श्रा.–श्रावण (मास)
सा.–साध्य (योग)
स्वा.–स्वाती (नक्षत्र)
स्मा.–स्मार्त (सम्प्रदाय)
सि.–सिद्धि (योग), सितंबर मास
सिं.–सिंह (राशि)
सु.–सुकर्मा (योग)
सौ.–सौभाग्य (योग)
ह.–हस्त (नक्षत्र), हर्षल (योग)
हि.–हिन्दी (मास तारीख)

वक्तव्य

श्री आर्यभट्ट अनुसंधान केन्द्र की स्थापना सन् 1983 में हुई और भारत सरकार से इसका पंचीकरण भी यथाविधि हो चुका है। इसका उद्देश्य भारत की प्राचीन विद्याओं, ज्योतिष गणित, सामुद्रिक शास्त्र, हस्तरेखा विज्ञान, अंक ज्योतिष, रमल ज्योतिष, यंत्र-मंत्र-तंत्र शास्त्र, स्वरोदय, राजयोगादि का प्रचार-प्रसार करना है। पहले इन विद्याओं को राज्याश्रय प्राप्त था और हिन्दू राजाओं के राज्यकाल में इनकी बहुत उन्नति हुई। परन्तु इस्लामी तथा ईसाई धर्मावलम्बी शासन में हमारी प्राचीन संस्कृति का उत्थान तो क्या उत्तरी भारत में प्राचीन ग्रन्थों तथा इनके आश्रय स्थलों का बलात् संहार किया गया। इसके ज्ञाता विद्वानों की संख्या में दिनोदिन कमी होती गई और विदेशी प्रभाव के फलस्वरूप देशी लोगों का इन विद्याओं पर विश्वास कम होता गया। इसमें स्वार्थी, ठग व अज्ञानी ज्योतिषियों के व्यवहार ने भी जनता के मानस में इन विद्याओं के प्रति अविश्वास तथा अरुचि की ही वृद्धि की।

स्वाधीनता प्राप्ति के बाद धर्म निरपेक्ष संविधान के अंतर्गत अन्य धर्मों तथा संस्कृतियों के समान हमको अपने प्राचीन लुप्त गौरव संस्कृति तथा महान् विद्याओं को फिर से उजागर करने की स्वतंत्रता प्राप्त हुई। विशेष रूप से जब विदेशी विद्वानों ने हमारे वेद, पुराण, शास्त्रों, उपनिषदों आदि के अध्ययन के पश्चात् हमारी विद्याओं, कलाओं और दर्शन आदि को प्रकाशित तथा प्रशंसित किया, तब हमारे देशवासियों को भी अपने यथार्थ का ज्ञान हुआ और हम भी इनकी खोज, अनुसंधान, प्रचार-प्रसार की ओर अधिक आकर्षित हुये। इस युग के महापुरुष श्री रामकृष्ण परमहंस देव के जीवन दर्शन को मैक्समूलर तथा रोमारोलां जैसे प्रख्यात विदेशी विद्वानों ने विश्व के समक्ष प्रस्तुत किया। परमहंस देव के योग्य शिष्य स्वनाम धन्य स्वामी विवेकानन्द जी ने संयुक्त राज्य अमेरिका के शिकागो नगर में विश्व धर्म सम्मेलन में हिन्दू धर्म की विजय पताका फहराई। स्वामी विवेकानंद जी ने अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप आदि देशों में घूम-घूमकर हिन्दू धर्म का यथाशक्ति प्रचार किया। तदोपरांत स्वामी रामतीर्थ जी ने भी विदेशों में यथाशक्ति प्रचार-प्रसार किया। इन महापुरुषों द्वारा स्थापित प्रचार केन्द्र देश-विदेश में आज तक अपना कार्य कर रहे हैं और इनके बताये मार्ग पर चलते हुए प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। उसके बाद तो अनेकों संत-महापुरुषों तथा योगियों ने इसी मार्ग का अवलंबन किया। इन सब प्रयासों के फलस्वरूप देश-विदेश में जन-मानस में अपनी प्राचीन विद्याओं के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न हुई।

इस समय अपने देश में बहुत सी संस्थाएं हैं जो देश के प्राचीन गौरव, संस्कृति, कला-कौशल तथा लुप्त विद्याओं के पुररुत्थान तथा प्रचार-प्रसार में लगी हुई हैं। ज्योतिष विद्या हमारी प्राचीन विद्याओं में एक मुख्य विद्या है। वैदिक काल से यह चली आ रही है। यह हमारा दुर्भाग्य ही है कि न तो इसे राज्य से कोई संरक्षण या प्रोत्साहन प्राप्त है और न देश के सम्पन्न वर्ग का सहयोग ही। फिर भी कुछ उत्साही जन अपने सीमित साधनों से इसको अपना उचित स्थान दिलाने के प्रयास में लगे हुए हैं। उत्तर भारत पर विदेशी बर्बर जातियों के लगातार आक्रमणों के फलस्वरूप हमारे बहुत से मठ, मन्दिरों, पूजा स्थलों के साथ-साथ बहुत से अमूल्य हस्तलिखित ग्रन्थ नष्ट हो गये। विदेशी प्रभाव से धर्म परिवर्तन से बचें। लोगों के मानस पर अपने धर्म ग्रन्थों तथा प्राचीन विद्याओं की ओर रुचि नहीं रही। इस कारण उत्तर भारत में इस विद्या का सबसे अधिक ह्रास हुआ। जबकि दक्षिण भारत में धर्म साहित्य तथा प्राचीन विद्याओं का ज्ञान भंडार अभी भी बहुत अंशों में सुरक्षित है। उस भू-भाग के कतिपय विद्वान् प्राचीन ग्रन्थों को अंग्रेजी भाषा के माध्यम से प्रचारित व प्रसारित करने के प्रयत्नों में लगे हुए हैं। उत्तर भारत में विशेष रूप से हिन्दी भाषी जनता को इन विद्याओं का ज्ञान कराने की बहुत आवश्यकता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए देश के केन्द्र राजधानी दिल्ली में कुछ उत्साही जिज्ञासुओं ने आर्यभट्ट अनुसंधान केन्द्र को पंजीकृत कराया है। इस केन्द्र ने ज्योतिष प्रेमी सज्जनों के लिए अत्यंत उपयोगी ग्रन्थ **"शतक मार्त्तण्ड"** का सम्पादन व प्रकाशन करवाया है।

ज्योतिष शास्त्र आज जिस स्थान पर है, उसको इस स्तर तक पहुंचने में सैकड़ों वर्ष लगे हैं। समय-समय पर जिन विद्वानों ने नई खोजों, आविष्कारों तथा गणित के नियमों द्वारा इसकी प्रगति में सहयोग किया है, उनका नाम ज्योतिष इतिहास में सदा अमर रहेगा। ऐसे ही एक महापुरुष ज्योतिष शास्त्र के परम ज्ञाता **श्री आर्यभट्ट** थे, जिनका जन्म 476 ई. में हुआ था। उन्होंने ज्योतिष का प्रसिद्ध ग्रन्थ **"आर्य भटीय"** कुसुमपुर (पटना) में लिखा। इसमें सूर्य और तारागणों के स्थिर होने और पृथ्वी के घूमने के कारण दिन और रात होने का वर्णन है। सूर्य और चन्द्रग्रहण के वैज्ञानिक कारणों की व्याख्या है। स्वर और व्यंजनों की सहायता से बड़ी-बड़ी सख्याओं की गणना करने की रीति बनाई है। वर्ग, वर्गमूल, घन, घनमूल आदि गणित विद्याओं का वर्णन सर्वप्रथम इसी ग्रन्थ में मिलता है। इन्ही महापुरुष के नाम पर **आर्यभट्ट अनुसंधान केन्द्र** का नाम रखा गया है। आशा है इनके नाम से प्रोत्साहन पाकर अर्वाचीन विद्वान नये-नये प्रयोग व आविष्कार करने में सफल होंगे।

शतक मार्त्तण्ड जैसे उपयोगी ग्रन्थ का प्रकाशन करने के बाद एक ऐसे पंचांग के प्रकाशन का निर्णय लिया गया जिसमें ज्योतिषियों के लिए उपयोगी अधिक से अधिक विषय सरल सुलभ भाषा में समाविष्ट किये जा सकें। अतः हमने **श्री आर्यभट्ट पंचांग** ज्योतिषियों के लाभार्थ सम्पादन तथा प्रकाशन आरंभ किया। ज्योतिष प्रेमी सज्जनों तथा विद्वानों से हमारा विनम्र निवेदन है कि वे त्रुटियों के लिए क्षमा प्रदान करते हुए अपने सुझाव तथा परामर्शों द्वारा प्रोत्साहन प्रदान करेंगे ताकि अगले अंक में अधिक से अधिक परम उपयोगी विषयों का समावेश किया जा सके।

–सम्पादक

महर्षि आर्यभट्ट

वराहमिहिर और आर्यभट्ट हमारे प्राचीनतम आचार्यों में से हैं। वराहमिहिर ने प्रसिद्ध ज्योतिष ग्रन्थ **वृहत् जातक** की रचना की और आर्यभट्ट प्रथम ने **आर्यभटीय** ग्रन्थ लिखा। ज्योतिष का क्रमबद्ध इतिहास आर्यभट्ट के समय से ही मिलता है। यद्यपि वेदों के समय से ज्योतिष का ज्ञान आरंभ हो गया था और ज्योतिष वेद के प्रमुख अंगों में से एक है। तब से आर्यभट्ट के समय तक सूर्यादि ग्रह, काल बोध, ग्रह-नक्षत्र, धूमकेतु, ग्रहण, ग्रह-नक्षत्रों की गति स्थिति का ज्ञान, सिद्धांत, होरा, प्रश्न, शकुन, ज्योतिष आदि का आविष्कार हो गया था। नक्षत्रों की आकृति, स्वरूप, गुण, प्रभाव आदि की परिभाषा, ऋतु, अयन, दिनमान लग्नादि के शुभाशुभ फलों का ज्ञान, राशियों और ग्रहों के स्वरूप, रंग, दिशा, तत्व, धातु आदि का विवेचन, ब्राह्मण और आरण्यक ग्रन्थों की रचना काल तक पूर्णरूप से ज्ञात हो गये थे। ग्रहों की गति, स्थिति; अयनांश, मुहूर्त, शुभाशुभ समय का निर्णय, यथा ज्योतिष के पांचों अंगों-होरा सिद्धांत, गणित संहिता, मुहूर्त, फलित प्रश्न तथा शकुन शास्त्र की निरंतर उन्नति होती गई थी।

अन्य शास्त्रों के समान ज्योतिष के आविष्कर्त्ता भी भारतीय ही हैं। योगाभ्यास द्वारा प्राचीन ऋषियों ने अपनी सूक्ष्म प्रज्ञा से शरीर के अंदर ही समस्त सौर मण्डल के दर्शन किये और आत्म-निरीक्षण से आकाशीय सौर मण्डल की व्याख्या की। अंक विद्या ही इस शास्त्र का आधार है और इसका श्री गणेश भारत में ही हुआ था। प्राचीन भारत में तक्षशिला, नालन्दा आदि स्थानों पर विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षण संस्थाएं थीं, जहां पर दूर-दूर देशों के विद्यार्थी विद्या अध्ययन करने के लिए आते थे और अपने देशों में जाकर इसका प्रचार करते थे। ऋग्वेद तथा शतपथ ब्राह्मण के अध्ययन से पता चलता है कि कम से कम 28000 वर्ष पहले भी भारतीयों ने खगोल तथा ज्योतिष शास्त्र का पूर्ण रूप से मन्थन कर लिया था।

आर्यभट्ट नाम के दो विद्वान् ज्योतिषी हुए हैं। आर्यभट्ट प्रथम का जन्म ईस्वी सन् 476 में हुआ था। अपने प्रसिद्ध ग्रन्थ **आर्यभटीय** में इन्होंने सूर्य एवं तारागण के स्थिर होने तथा पृथ्वी के घूमने के कारण दिन और रात होने का वर्णन किया है। इन्होंने पृथ्वी की परिधि 4967 योजन बताई है। सूर्य और चन्द्रग्रहण के वैज्ञानिक कारणों की व्याख्या की है। काल-क्रिया पाद में युग के दो समान भाग करके पूर्व भाग को उत्सर्पिणी तथा उत्तर भाग को अवसर्पिणी संज्ञा दी है तथा प्रत्येक के छः-छः भेद बताये हैं। ग्रहों को स्पष्ट करने की विधि बतलाई है। बुध और शुक्र को विलक्षण संस्कार से स्पष्ट करना बताया है। सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य इन्होंने यह किया कि अंक (संख्या) के द्योतक क, ख, ग, आदि वर्णों की कल्पना की और अ, आ, इ, ई आदि स्वर वर्ण तथा क, ख, ग आदि व्यंजन वर्णों को एक-एक संख्या वाचक अर्थ देकर बड़ी-बड़ी संख्याओं को लिखने की विधि का आविष्कार किया। इसी विधि को बाद में रोमनों ने अंग्रेजी अक्षरों में भी लिया-जैसे पांच के लिए V, दस के लिए X आदि-आदि।

महर्षि आर्यभट्ट ने क=1, ख=2, ग=3, घ=4, ङ=5, च=6, छ=7, ज=8, इसी प्रकार क्रम से म=25, य=30, र=40, ल=50, व=60, श=70, ष=80, स=90, ह=100; क=एक, कि=सौ, कु=दस हजार, कृ=दस लाख, क्लृ=दस करोड़, के=दस अरब, कै=दस खरब, को=दस नील, कौ=दस शंख, इसी प्रकार ख=दो, खि=दो सौ, खु=बीस हजार आदि-आदि। इसी प्रकार वर्णों द्वारा संख्यायें लिखने की विधि विस्तार से समझायी है। आर्यभट्ट ने अपने विख्यात ग्रन्थ **आर्यभटीय** की रचना प्राचीन कुसुमपुर (जो आज का पटना नगर है) में रहकर की थी। इस ग्रन्थ के गणित पाद (प्रकरण) में वर्ग, वर्गमूल, घन, घनमूल एवं अन्य व्यवहार श्रेणियों का विशद् विवेचन किया है।

आर्यभट्ट द्वितीय ब्रह्मगुप्त के बाद, यानि 598 ई. के बाद और भास्कराचार्य, जिनका काल 1114 ई. के पहले का है, इन दोनों के मध्य कभी हुए थे। इनका रचित ग्रन्थ **महा आर्यभटीय** है। इसमें 18 अध्याय हैं। जिनमें पाटी गणित, क्षेत्र व्यवहार तथा बीजगणित भी सम्मिलित है। प्रथम आर्यभट्ट के सिद्धांतों में इन्होंने कई संशोधन किये। इस ग्रन्थ की परम्परा को बाद के अनेक ज्योतिषियों ने अपनाया। इसी कारण इनका ग्रन्थ **महा आर्यभटीय** भी बहुत महत्त्वपूर्ण माना जाता है। इनके जीवन के विषय में विशेष कुछ ज्ञात नहीं है परन्तु इनकी अपूर्व विद्वता तथा महान पाण्डित्य इनके अनुपम ग्रन्थ से ही ज्ञात हो जाता है। दोनों ही आर्यभट्ट ज्योतिष के महान विद्वान् थें और इसी कारण भारत ने अपने उपग्रह का नाम इनके नाम पर रखा। ये दोनों विद्वान् महान गणितज्ञ थें और आधुनिक वैज्ञानिक उपग्रह प्रणाली आदि उन्हीं के द्वारा बनाये गणित को और आगे बढ़ाते हुए आज की उच्च अवस्था तक पहुंची है।

हमने अपनी अनुसंधान संस्था का नामकरण इन्हीं विभूतियों के नाम पर किया है और आशा करते हैं कि इनके आशीर्वाद से हम ज्योतिष विद्या में नई-नई बातों का शोध तथा आविष्कार करने में सफलता प्राप्त करेंगे और इनके नाम के अनुसार प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। हम ज्योतिष प्रेमियों से पूर्ण सहयोग की आशा करते हैं और अनुरोध करते है कि आप अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें।

— लक्ष्मी नारायण शर्मा
बी.ए. प्रभाकर, साहित्यरत्न
ज्योतिष वाचस्पति

प्रमुख व्रतोत्सव, अवकाश दिन तथा वर्गीकृत व्रत पर्वादि सं. 2076 वि.

भारत सरकार द्वारा मान्य अवकाश दिन (ता. 18 मार्च 2018 से 05 अप्रैल 2019 ई. तक)

अवकाश	तिथि
श्री राम नवमी	13 अप्रै.
वैशाखी	14 "
डॉ. अम्बेडकर जयंती	14 "
श्री महावीर जयन्ती	17 "
शब-ए-बारात (ऐ.)	22 "
मई दिवस	01 मई
बुद्ध पूर्णिमा	18 "
ईद-उल-फित्र	05 जून
गंगा दशहरा	12 "
ईद-उल-जुहा (बकरीद)	12 अग.
भा. स्वतंत्रता दिवस 73वां वर्ष	15 "
रक्षा बंधन	15 "
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (वै.)	24 "
श्री गणेश जन्म चतुर्थी	02 सितं.
मुहर्रम ताजिया	10 "
अनन्त चतुर्दशी	12 "
श्री अग्रसेन जयंती	29 "
महात्मा गांधी व शास्त्री ज.	02 अक्टू.
विजया दशमी	08 "
श्री वाल्मीकि जयंती	13 अक्टू.
चैहल्लुम (ऐ.)	21 "
दीपावली	27 "
महावीर निर्वाण दिवस	27 "
भैया दूज	29 "
ईद-ए-मिलाद (ऐ.)	10 नवं.
गुरु नानक देव जयंती	12 "
ईद-ए-मौलाद (ऐ.)	15 "
गुरु तेग बहादुर बलिदान दि.	01 दिसं.
क्रिसमस डे	25 "
अंग्रेजी नववर्ष 2020 प्रा. (ऐ.)	01 जन.
गुरु गोविन्द सिंह जयंती	02 "
लोहड़ी उत्सव (पं.-हरि.-हि.प्र.)	13 "
मकर संक्रांति (ऐ.)	14 "
भा. गणतंत्र दिवस 72वां वर्ष	26 "
वसंत पंचमी	30 "
श्री महाशिवरात्री व्रत	21 फर.
होलिका दहन	09 मार्च
शब-ए-मिराज (ऐ.) 2020	23 "

प्रमुख व्रत पर्वोत्सवादि

व्रत पर्व	तिथि
नववर्ष प्रा., गुडी पड़वा, गौतम ज.	06 अप्रै.
चेटीचण्ड, झूलेलाल जयंती	07 "
गणगौरी 3, गौरी 3, सौभाग्य 3	08 "
विनायक 4, श्री पंचमी, कल्पादि 5	09 "
स्कंद षष्ठी व्रत	10 "
यमुना जयंती	11 "
श्री दुर्गाष्टमी (भवान्युत्पत्ति)	13 "
महाष्टमी, अशोकाष्टमी	13 "
श्री रामनवमी	13 "
वैशाखी, नवरात्र पूर्ण	14 "
कामदा एकादशी व्रत स्मा.	15 "
हरिदमनोत्सव, वामन द्वादशी	16 "
अनंग त्रयोदशी, महावीर ज.	17 "
दमनक चतुर्दशी	18 अप्रै.
गुड फ्राइडे	19 "
चैत्री पूर्णिमा, श्री हनुमान जयंती	19 "
वैशाख स्नान प्रा.	19 "
अनुसुइया जयंती	23 "
बाबू कुंवर सिंह जयंती	23 "
शीतला पूजन, बूढ़ा बासोड़ा	27 "
विश्व मजदूर दिवस	01 मई
देव दामोदर पुण्य तिथि (असम)	05 "
कल्पादि तृतीया, टैगोर जयंती	07 "
परशुराम जयंती, अक्षय तृतीया	07 "
रमजान रोजे प्रारंभ	07 "
शंकराचार्य जयंती	09 "
श्री गंगा सप्तमी (गंगोत्पत्ति)	11 "
श्री सीता नवमी (जानकी ज.)	13 "
श्री नृसिंह जयंती	17 मई
कूर्म जयंती, छिन्नमस्ता ज.	18 "
वैशाख पूर्णिमा व्रत, पीपल पूजन	18 "
वैशाख स्नान पूर्ति, बुद्ध पूर्णिमा	18 "
देवर्षि नारद जयंती	19 "
श्री दादूदयाल पुण्य तिथि	27 "
मधुसूदन द्वादशी	31 "
वटसावित्री व्रत (अमा.) प्रा.	01 जून
वटसावित्री व्रत (अमा.) पूर्ण	03 "
भावुका अमावस्या	03 "
करवीर व्रत	04 "
रम्भा तृतीया व्रत	05 "
विश्व पर्यावरण दिवस	05 "
जामित्र षष्ठी (बंगाल)	08 "
धूमावती जयंती	10 "
महेश नवमी	11 "
श्री गंगा दशहरा (मे. हरिद्वार)	12 "
चम्पक द्वादशी	14 "
वट सावित्री व्रत प्रा. (पूर्णिमा)	15 "
वटसावित्री व्रत पूर्ण (पू.)	17 "
ज्येष्ठी पूर्णिमा	17 "
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	21 "
मनोरथ द्वितीया (बंगाल)	04 जुला.
जगदीश रथ यात्रा (पुरी)	04 "
कुमार षष्ठी व्रत	07 "
वैवस्वत सप्तमी (सूर्य पूजन)	08 "
भड्डली नवमी, शूद्रादि 9	10 "
चातुर्मास प्रा.	12 "
चातुर्मास्य व्रत नियमादि प्रा. जैन	15 "
आषाढ़ी पूर्णिमा, मन्वादि 15	16 "
गुरु पूर्णिमा, व्यास पूजा	16 "
अशून्य शयन व्रत प्रा. (बंगाल)	18 "
नाग पंचमी मरुस्थले	22 "
लोकमान्य तिलक जयंती	23 "
हरियाली-मन्वादि-चित्तलगी 30	01 अग.
सिंधारा (राजस्थान)	02 "
मधुश्रवा (छोटी) तीज, हरियाली 3	03 अग.
वरद चतुर्थी, बहुला चतुर्थी	04 "
नाग पंचमी (देशाचारे)	05 "
शीतला सप्तमी (सिंध), भानु 7	07 "
पवित्रार्पण द्वादशी	12 "
हयग्रीव जयंती	14 "
भा. स्वतंत्रता दिवस 72वां वर्ष	15 "
श्रावणी पूर्णिमा, रक्षाबंधन	15 "
गायत्री ज., अमरनाथ दर्शन (कश्मीर)	15 "
कज्जली (बड़ी) तीज, सातुड़ी तीज	18 "
संकट चतुर्थी, बहुला चतुर्थी	19 "
रक्षा पंचमी (उड़ीसा)	20 "
चंदन 6, ऊभी 6, ललही 6	21 "
श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत (स्मा.)	23 "
श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत (वै.)	24 "
मां आद्यकाली जयंती	24 "
गोगा नवमी, नंदोत्सव (गोकुल)	25 "
गोवत्स द्वादशी	27 "
कैलाश यात्रा	28 "
अघोरा चतुर्दशी	29 "
कुशोत्पाटिनी पिठोरी अमावस्या	30 "
मन्वादि 30, लोहार्गल स्नान (राज.)	30 "
हरितालिका 3, गौरी 3	01 सितं.
मन्वादि तृतीया	01 "
विनायक 4, कलंकी 4, पत्थर 4	02 "
ऋषि पंचमी व्रत	03 "
सूर्य षष्ठी व्रत, ललिता 6 (गुज.)	04 "
बलदेव षष्ठी	04 "
मुक्ताभरण 7, संतान सप्तमी	05 "
श्री राधा जयंती, ऋषि दधीचि ज.	06 "
श्री चन्द नवमी, अदुःख नवमी	07 "
भुवनेश्वरी जयंती, वामन ज.	10 "
अनन्त चतुर्दशी व्रत	12 "
महालयारंभ	13 "
प्रोष्ठपदी पूर्णिमा व्रत	14 "
जीवित्पुत्रिकाष्टमी व्रत	22 "

नोट-अवकाश (ऐ.) को ऐच्छिक अर्थात् वैकल्पिक समझें। मुस्लिम [illegible] है। अवकाशों को सरकारी गजट से मिला लेना आवश्यक है।

नोट-अवकाश (ए.) को ऐच्छिक अर्थात् वैकल्पिक समझें मुस्लिम त्योहार चांद से होते हैं। स्थान भेद आदि कारणों से कभी-कभी एक दिन का फर्क आ जाता है। अवकाशों को सरकारी गजट से मिला लेना आवश्यक है।

पर्व	तिथि
सौभाग्यवती स्त्रीणां श्राद्ध	23 सितं.
शारदीय नवरात्र प्रा., घटस्थापन	29 "
महात्मा गांधी व शास्त्री जयंती	02 अक्टू.
उपांग ललिता पंचमी व्रत	02 "
सरस्वती आवाहनम्	04 "
सरस्वती पूजनं	05 "
भद्रकाल्यावतार	05 "
महाष्टमी, दुर्गाष्टमी	06 "
महानवमी, नवरात्र पूर्ण	07 "
सरस्वती विसर्जन	07 "
विजया दशमी (रावण दाह)	08 "
अपराजिता व शमी पूजन	08 "
भरत मिलाप, पापांकुशा 11 व्रत	09 "
कोजागर व्रत, कार्तिक स्नान प्रा.	13 "
शरत्पूर्णिमा, रास पूर्णिमा (वृंदावन)	13 "
करवा चौथ, कर्क 4, दशरथ 4	17 "
अहोई अष्टमी, राधा जयंती	21 "
गोवत्स द्वादशी (गोवत्स पूजन)	25 "
धनतेरस	25 "
धन्वंतरी ज., यमाय दीपदानम्	25 "
नरकहारिणी रूप 14	27 "
दीपावली, महालक्ष्मी पूजन	27 "
महावीर निर्वाण दिवस	28 "
गोवर्धन पूजा, अन्नकूट, बली पूजा	28 "
भैया दूज, यम द्वितीया	29 "
चित्रगुप्त पूजन, यमुना स्नानं	29 "
सरदार पटेल ज.	31 "
इन्दिरा गांधी पुण्य दि.	31 "
सूर्य षष्ठी व्रतारंभ (बिहार)	01 नवं.
सौभाग्य पंचमी, पाण्डव 5	01 "
सूर्य षष्ठी (डाला छठ) पूजा (बिहार)	02 "
गोपाष्टमी	04 "
अक्षय नवमी, कूष्माण्ड नवमी	05 "
आंवला नवमी, कृतयुगादि 9	05 "
भीष्म पंचक व्रत प्रा.	08 "
प्रबोधिनी एकादशी व्रत, चातुर्मास स.	08 "
कालीदास जयंती, तुलसी विवाह	09 "
वैकुण्ठ चतुर्दशी व्रत	10 "
चातुर्मास्य व्रत नियमादि पूर्ण (जैन)	11 "
गुरु नानकदेव जयंती	12 "
देव दीपोत्सव	12 नवं.
मन्वादि 15, भीष्मपंचक पूर्ण	12 "
कार्तिक स्नान पूर्ण	12 "
कार्तिकी पूर्णिमा	12 "
जवाहरलाल नेहरू ज., बाल दिवस	14 "
श्रीमती इंदिरा गांधी जन्म दिवस	19 "
श्रीमहाकाल भैरवाष्टमी, भैरव पूजन	19 "
विश्व एड्स दिवस	01 दिसं.
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ज. दि.	03 "
भारतीय झण्डा दिवस	07 "
विश्व मानवाधिकार दिवस	10 "
श्री दत्तात्रेय जयंती	11 "
वृत्तिकार भगवान् बोधायन जयंती	23 "
क्रिसमस डे (बड़ा दिन)	25 "
न्यू ईयर ईवनिंग डे	31 "
सन् 2020 ई.	
नववर्ष प्रारंभ	01 जन.
पौषी पूर्णिमा पुण्यं, माघ स्नान प्रा.	10 "
लाल बहादुर शास्त्री पुण्य दिवस	11 "
लोहड़ी उत्सव, संकष्ट चतुर्थी	13 "
मकर संक्रांति	14 "
पोंगल पर्व, भारतीय थलसेना दिवस	15 "
श्री रामानंदाचार्य जयंती	16 "
स्वामी विवेकानन्द जयंती	17 "
श्री शीतलनाथ जन्म-तप (जैन)	21 "
नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयंती	23 "
ऋषभदेव मोक्ष	23 "
मौनी अमावस्या	24 "
भारतीय गणतंत्र दिवस 72वां वर्ष	26 "
गौरी तृतीया व्रत, गोंतरी (पं.)	28 "
वरद-तिल चतुर्थी	28 "
वसन्त (श्री) पंचमी	29 "
रति कामोत्सव, सरस्वती पूजन	30 "
महात्मा गांधी पुण्य दि.	30 "
तक्षक पूजा	30 "
दारिद्र्य हरण 6, शीतला 6 (बंगाल)	31 "
आरोग्य 7, अचल 7, रथ सप्तमी	01 फर.
मन्वादि 7, चन्द्रभागा सप्तमी	01 "
भीष्माष्टमी, दुर्गाष्टमी	02 "
भीष्म द्वादशी (भीष्म तर्पण)	06 "
संत रैदास जयंती	09 फर.
ललिता जयंती, माघ स्नान पूर्ण	09 "
वैलेण्टाइन डे	14 "
समर्थ गुरु रामदास जयंती	17 "
महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती	18 "
शिवाजी जयंती	19 "
श्री महाशिवरात्री व्रत	21 "
शिव खप्पर पूजन	23 "
फुलरिया दूज	25 "
रामकृष्ण परमहंस ज.	25 "
पं. लेखराम वीर तृतीया	26 "
महर्षि याज्ञवल्क जयंती	29 "
गोरूपिणी षष्ठी (बंगाल)	01 मार्च
दादूदयाल जयंती	03 "
होलाष्टक प्रारम्भ	03 "
होलिका दहन, होलाष्टक पूर्ति	09 "
मन्वादि 15	09 "
चैतन्य महाप्रभु जयंती	09 "
छारेंडी, होली (धुलैण्डी)	10 "
वसन्त प्रतिपदा	10 "
रंग पंचमी	13 "
एकनाथ षष्ठी व्रत	14 "
शीतला पूजन, शीतलाष्टमी	16 "
रंग त्रयोदशी	22 "
मन्वादि 30, चान्द्र संवत्सर 2076 पू.	24 "

विनायक चौथ व्रत (शुक्ल पक्षीय)

मास	वार	तिथि
चैत्र	मंगलवार	09 अप्रै.
वैशाख	बुधवार	08 मई
ज्येष्ठ	शुक्रवार	07 जून
आषाढ़	शनिवार	06 जुला.
श्रावण	रविवार	04 अग.
भाद्रपद	सोमवार	02 सितं.
आश्विन	बुधवार	02 अक्टू.
कार्तिक	गुरुवार	31 "
मार्गशीर्ष	शनिवार	30 नवं.
पौष	सोमवार	30 दिसं.
सन् 2020 ई.		
माघ	मंगलवार	28 जन.
फाल्गुन	गुरुवार	27 फर.

चतुर्थी व्रत (कृष्ण पक्षीय)

मास	वार	तिथि
वैशाख	सोमवार	22 अप्रै.
ज्येष्ठ	बुधवार	22 मई
आषाढ़	गुरुवार	20 जून
श्रावण	शनिवार	20 जुला.
भाद्रपद	सोमवार	19 अग.
आश्विन	मंगलवार	17 सितं.
कार्तिक	गुरुवार	17 अक्टू.
मार्गशीर्ष	शनिवार	16 नवं.
पौष	रविवार	15 दिसं.
सन् 2020 ई.		
माघ	सोमवार	13 जन.
फाल्गुन	बुधवार	12 फर.
चैत्र	गुरुवार	12 मार्च

मासिक दुर्गाष्टमी व्रत

मास	वार	तिथि
चैत्र	शनिवार	13 अप्रै.
वैशाख	रविवार	12 मई
ज्येष्ठ	सोमवार	10 जून
आषाढ़	मंगलवार	09 जुला.
श्रावण	गुरुवार	08 अग.
भाद्रपद	शुक्रवार	06 सितं.
आश्विन	रविवार	06 अक्टू.
कार्तिक	सोमवार	04 नवं.
मार्गशीर्ष	बुधवार	04 दिसं.
सन् 2020 ई.		
पौष	शुक्रवार	03 जन.
माघ	रविवार	02 फर.
फाल्गुन	मंगलवार	03 मार्च

मासिक कालाष्टमी व्रत

मास	वार	तिथि
वैशाख	शुक्रवार	26 अप्रै.
ज्येष्ठ	रविवार	26 मई
आषाढ़	मंगलवार	25 जून
श्रावण	बुधवार	24 जुला.
भाद्रपद	शुक्रवार	23 अग.
आश्विन	शनिवार	21 सितं.
कार्तिक	सोमवार	21 अक्टू.
मार्गशीर्ष	मंगलवार	19 नवं.

पौष	गुरुवार	19 दिसं.
सन् 2020 ई.		
माघ	शुक्रवार	17 जन.
फाल्गुन	शनिवार	15 फर.
चैत्र	सोमवार	16 मार्च

एकादशी व्रत

चैत्र	शुक्ल	कामदा	15 अप्रै.
वैशाख	कृष्ण	वरूथिनी	30 "
"	शुक्ल	मोहिनी	15 मई
ज्येष्ठ	कृष्ण	अपरा	30 "
"	शुक्ल	निर्जला	13 जून
आषाढ़	कृष्ण	योगिनी	29 "
"	शुक्ल	देवशयनी	12 जुला.
श्रावण	कृष्ण	कामिका	28 "
"	शुक्ल	पवित्रा	11 अग.
भाद्रपद	कृष्ण	अजा	26 "
"	शुक्ल	पद्मा (जलझू)	09 सितं.
आश्विन	कृष्ण	इन्दिरा	25 "
"	शुक्ल	पापांकुशा	09 अक्टू.
कार्तिक	कृष्ण	रमा	24 "
"	शुक्ल	देव प्रबोधिनी	08 नवं.
मार्गशीर्ष	कृष्ण	उत्पत्ति	22 "
"	शुक्ल	मोक्षदा	08 दिसं.
पौष	कृष्ण	सफला	22 "
सन् 2020 ई.			
"	शुक्ल	पुत्रदा	06 जन.
माघ	कृष्ण	षट्तिला	20 "
"	शुक्ल	जया	05 फर.
फाल्गुन	कृष्ण	विजया	19 "
"	शुक्ल	आमलकी	06 मार्च
चैत्र	कृष्ण	पापमोचनी	19 "

प्रदोष व्रत

चैत्र	शुक्ल	बुधवार	17 अप्रै.
वैशाख	कृष्ण	गुरुवार	02 मई
वैशाख	शुक्ल	गुरुवार	16 "
ज्येष्ठ	कृष्ण	शुक्रवार	31 "
"	शुक्ल	शुक्रवार	14 जून
आषाढ़	कृष्ण	रविवार	30 "
"	शुक्ल	रविवार	14 जुला.
श्रावण	कृष्ण	सोमवार	29 जुला.
"	शुक्ल	सोमवार	12 अग.
भाद्रपद	कृष्ण	बुधवार	28 "
"	शुक्ल	बुधवार	11 सितं.
आश्विन	कृष्ण	गुरुवार	26 "
"	शुक्ल	शुक्रवार	11 अक्टू.
कार्तिक	कृष्ण	शुक्रवार	25 "
"	शुक्ल	शनिवार	09 नवं.
मार्गशीर्ष	कृष्ण	रविवार	24 "
"	शुक्ल	सोमवार	09 दिसं.
पौष	कृष्ण	सोमवार	23 "
सन् 2020 ई.			
"	शुक्ल	बुधवार	08 जन.
माघ	कृष्ण	बुधवार	22 "
"	शुक्ल	शुक्रवार	07 फर.
फाल्गुन	कृष्ण	गुरुवार	20 "
"	शुक्ल	शनिवार	07 मार्च
चैत्र	कृष्ण	शनिवार	21 "

मासिक शिवरात्री व्रत

वैशाख	शुक्रवार	03 मई
ज्येष्ठ	शनिवार	01 जून
आषाढ़	सोमवार	01 जुला.
श्रावण	मंगलवार	30 "
भाद्रपद	बुधवार	28 अग.
आश्विन	शुक्रवार	27 सितं.
कार्तिक	शनिवार	26 अक्टू.
मार्गशीर्ष	सोमवार	25 नवं.
पौष	मंगलवार	24 दिसं.
सन् 2020 ई.		
माघ	गुरुवार	23 जन.
फाल्गुन	शुक्रवार	21 फर.
चैत्र	रविवार	22 मार्च

पूर्णिमा व्रत

चन्द्रोदय व्यापिनी	मास	सूर्योदय व्यापिनी
18 अप्रै.	चैत्र	19 अप्रै.
18 मई	वैशाख	18 मई
16 जून	ज्येष्ठ	17 जून
16 जुला.	आषाढ़	16 जुला.
14 अग.	श्रावण	15 अग.
13 सितं.	भाद्रपद	14 सितं.
13 अक्टू.	आश्विन	13 अक्टू.
12 नवं.	कार्तिक	12 नवं.
11 दिसं.	मार्गशीर्ष	12 दिसं.
सन् 2020 ई.		
10 जन.	पौष	10 जन.
08 फर.	माघ	09 फर.
09 मार्च	फाल्गुन	09 मार्च

अमावस्याएं

पितृकार्या तर्पणादि निमित्त	मास	देवकार्या स्नान दानार्थ
04 मई	वैशाख	04 मई
02 जून	ज्येष्ठ	03 जून
02 जुला.	आषाढ़	02 जुला.
31 "	श्रावण	01 अग.
30 अग.	भाद्रपद	30 "
28 सितं.	आश्विन	28 सितं.
27 अक्टू.	कार्तिक	28 अक्टू.
26 नवं.	मार्गशीर्ष	26 नवं.
25 दिसं.	पौष	26 दिसं.
सन् 2020 ई.		
24 जन.	माघ	24 जन.
22 फर.	फाल्गुन	23 फर.
23 मार्च	चैत्र	24 मार्च

श्री सत्यनारायण व्रत

चैत्र	गुरुवार	18 अप्रै.
वैशाख	शनिवार	18 मई
ज्येष्ठ	रविवार	16 जून
आषाढ़	मंगलवार	16 जुला.
श्रावण	बुधवार	14 अग.
भाद्रपद	शुक्रवार	13 सितं.
आश्विन	रविवार	13 अक्टू.
कार्तिक	मंगलवार	12 नवं.
मार्गशीर्ष	बुधवार	11 दिसं.
सन् 2020 ई.		
पौष	शुक्रवार	10 जन.
माघ	शनिवार	08 फर.
फाल्गुन	सोमवार	09 मार्च

सायन संक्रांतियां

वृष	शनिवार	20 अप्रै.
मिथुन	मंगलवार	21 मई
कर्क	शुक्रवार	21 जून
सिंह	मंगलवार	23 जुला.
कन्या	शुक्रवार	23 अग.
तुला	सोमवार	23 सितं.
वृश्चिक	बुधवार	23 अक्टू.
धनु	शुक्रवार	22 नवं.
मकर	रविवार	22 दिसं.
सन् 2020 ई.		
कुम्भ	सोमवार	20 जन.
मीन	बुधवार	19 फर.
मेष	शुक्रवार	20 मार्च

निरयण संक्रांतियां (पुण्यकाल)

मेष	रविवार	14 अप्रै.
वृष	बुधवार	15 मई
मिथुन	शनिवार	15 जून
कर्क	मंगलवार	16 जुला.
सिंह	शनिवार	17 अग.
कन्या	मंगलवार	17 सितं.
तुला	गुरुवार	17 अक्टू.
वृश्चिक	शनिवार	16 नवं.
धनु	सोमवार	16 दिसं.
सन् 2020 ई.		
मकर	मंगलवार	14 जन.
कुम्भ	गुरुवार	13 फर.
मीन	शनिवार	14 मार्च

षडऋतु, गोल एवं अयनारंभ

तारीख	ऋतु	अयन	गोल
21 अप्रै.	ग्रीष्म	उत्तर	उत्तर
22 जून	वर्षा	दक्षिण	"
24 अग.	शरद	"	"
24 सितं.	"	"	दक्षिण
24 अक्टू.	हेमन्त	"	"
23 दिसं.	शिशिर	उत्तर	"
20 फर.20	वसन्त	"	"
21 मार्च	"	"	उत्तर

आश्विन कृष्ण पक्ष के श्राद्ध (महालय)

महालय श्राद्ध (पू.)	13 सितं.
प्रतिपदा श्राद्ध	14 "
द्वितीया श्राद्ध	15 "
तृतीया श्राद्ध	17 "
चतुर्थी श्राद्ध	18 "
पंचमी श्राद्ध	19 "
षष्ठी श्राद्ध	20 "
सप्तमी श्राद्ध	21 "
अष्टमी श्राद्ध	22 "
नवमी श्राद्ध (सौभाग्यवती श्राद्ध)	23 "
दशमी श्राद्ध	24 "
एकादशी श्राद्ध	25 "
द्वादशी श्राद्ध	26 "
त्रयोदशी श्राद्ध	26 "
चतुर्दशी श्राद्ध (दुर्मरण श्राद्ध)	27 "
मातामह-अमा. श्राद्ध (सर्वपितृ श्राद्ध)	28 "

दशावतार जयन्तियां

श्री मत्स्य जयंती	08 अप्रै.
श्री राम जयंती	13 "
श्री परशुराम जयंती	07 मई
श्री नृसिंह जयंती	17 "
श्री कूर्म जयंती	18 "
श्री बुद्ध जयंती	18 "
श्री कल्की जयंती	06 अग.
श्री कृष्ण जयंती (स्मा.)	23 "
श्री कृष्ण जयंती (वै.)	24 "
श्री वराह जयंती	01 सितं.
श्री वामन जयंती	10 "

दसमहाविद्या जयंतियां

श्री महातारा जयंती	13 अप्रै.
श्री मातंगी जयंती	06 मई
श्री बगलामुखी जयंती	12 "
श्री छिन्नमस्ता जयंती	18 "
श्री धूमावती जयंती	10 जून
आद्या मां श्रीकाली जयंती	26 अग.
श्री भुवनेश्वरी जयंती	10 सितं.
श्री त्रिपुर भैरवी जयंती	17 अक्टू.
श्री कमला जयंती	26 नवं.
श्री ललिता जयंती	12 दिसं.

जैन व्रत, पर्वोत्सव

दशलक्षण व्रत प्रा.	9 अप्रै.
श्री अजितनाथ जी मोक्ष	10 "
रोहिणी व्रत	10 "
श्री संभवनाथ जी मोक्ष	11 "
आर्यबिल ओली प्रा.	12 "
आ. भिक्षु अभिनिष्क्रमण	14 "
श्री सुमतिनाथ जन्म-ज्ञान-मोक्ष	15 "
श्री महावीर जयंती	17 "
दशलक्षण व्रत पूर्ण	18 "
आर्यबिल ओली पूर्ण	19 "
श्री कुन्थुनाथ जन्म-तप-मोक्ष	05 मई
रोहिणी व्रत	07 "
श्री अभिनन्दन नाथ जी मोक्ष	10 "
श्री महावीर स्वामी कैवल्य ज्ञान	14 "
ज्येष्ठ जिनवर व्रत प्रा.	19 "
श्री अनन्त नाथ जन्म-तप	31 "
श्री शांति नाथ जी मोक्ष	02 जून
रोहिणी व्रत	03 "
श्री धर्मनाथ जी मोक्ष	06 "
श्रुति पंचमी	07 "
ज्येष्ठ जिनवर व्रत पूर्ण	17 "
श्री विमलनाथ जी मोक्ष	25 "
रोहिणी व्रत	01 जुला.
श्री नेमीनाथजी मोक्ष	08 "
अष्टान्हिका पर्व प्रा.	09 "
चातुर्मास व्रत नियम प्रा.	15 "
अष्टान्हिका पर्व पूर्ण	16 "
तेरापन्थ स्थापना दिवस	16 "
रोहिणी व्रत	28 "
श्री पार्श्वनाथ मोक्ष	07 अग.
श्री श्रेयांशनाथ जी मोक्ष	15 "
रोहिणी व्रत	24 "
पर्युषण पर्व प्रा.	27 "
कल्पसूत्र पाठ	31 अग.
तेलाधर तप	01 सितं.
पर्युषण पर्व पूर्ण	02 "
दशलक्षण व्रत प्रा.	03 "
संवत्सरी महापर्व	03 "
ऋषि पंचमी	03 "
श्री कालू निर्वाण दिवस	04 "
श्री पुष्पदन्त जी मोक्ष	06 "
सुगन्ध दशमी	08 "
रत्नत्रय प्रा.	11 "
आचार्य भिक्षु निर्वाण दि.	11 "
दस लक्षण व्रत पूर्ण	12 "
रत्नत्रय पूर्ण	14 "
क्षमावाणी पर्व	15 "
रोहिणी व्रत	21 "
आर्यबिल ओली प्रा.	04 अक्टू.
आर्यबिल ओली पूर्ण	13 "
रोहिणी व्रत	18 "
श्री पद्मप्रभु जन्म-तप	26 "
श्री महावीर निर्वाण दिवस	28 "
जैन संवत् प्रारंभ	28 "
आ. तुलसी जन्म	29 "
ज्ञान पंचमी	01 नवं.
अष्टान्हिका पर्व प्रा.	04 "
तुलसी विवाह	09 "
चातुर्मास्य व्रत नियमादि पूर्ण	11 "
अष्टान्हिका पर्व पूर्ण	12 "
रथ यात्रा	12 "
रोहिणी व्रत	14 "
श्री महावीर स्वामी दीक्षा दिवस	22 "
मौनी एकादशी	08 दिसं.
रोहिणी व्रत	11 "
आचार्य श्री तुलसी दीक्षा दिवस	16 "
श्री पार्श्वनाथ जन्म-तप	21 "
श्री चन्द्रप्रभु जन्म-तप	21 "

सन् 2020 ई.

रोहिणी व्रत	08 जन.
मेरु त्रयोदशी	22 "
श्री ऋषभदेव मोक्ष	23 "
दशलक्षण व्रत प्रा.	30 "
रोहिणी व्रत	04 फर.
श्री जिनेन्द्र रथयात्रा	08 "
दशलक्षण व्रत पूर्ण	08 "
श्री पद्मप्रभु मोक्ष	12 "
श्री सुपार्श्वनाथ जी मोक्ष	15 "
अष्टान्हिका पर्व प्रा.	02 मार्च
रोहिणी व्रत	02 "
श्री चन्द्रप्रभु जी मोक्ष	02 "
अष्टान्हिका पर्व पूर्ण	09 "
श्री अनंतनाथ जी मोक्ष	24
श्री अरहनाथ मोक्ष	24 "

इस्लामी त्यौहार

शब-ए-बारात (मु.)	22 अप्रै
पाक रोजे शुरू	07 मई
सहादत-ए-हजरत अली	27 "
जमात-ए-अलविदा	31 "
ईद-उल-फित्र (मीठी ईद)	05 जून
ईद-उल-जुहा (बकरीद)	12 अग.
मोहर्रम हिजरी सन् 1441 प्रा.	01 सितं.
मुहर्रम ताजिया	10 "
चेहल्लुम शहीद करबला	21 अक्टू.
आखरी चाहर शम्बा	23 "
सहादत-ए-इमाम हसन	28 "
ईद-ए-मिलाद (बारावफात)	10 नवं.
ईद-ए-मीलाद	15 "
फातिहा यजदहूम	09 दिसं.
हजरत अली जन्म (2020ई.)	09 मार्च
शब्बे मिराज (2020ई.)	23 "

क्रिश्चियन पर्व

पाम सण्डे	14 अप्रै
गुड फ्राइडे	19 "
ईस्टर सण्डे	21 "
क्रिसमस डे (बड़ा दिन)	25 दिसं.
ईसा जयंती	25 "
न्यू ईयर ईवनिंग डे	31 "
न्यू ईयर सन् 2020 प्रा.	01 जन.
वेलेण्टाईन डे	14 फर.

महापुरुष जयन्तियां

श्री गौतम जयन्ती	06 अप्रै.
श्री झुलेलाल जयंती	07 "
डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती	14 "
श्री बाबू कुंवरसिंह जयंती (बिहार)	23 "
श्री वल्लभाचार्य जयंती	30 "
परशुराम जयंती, मातंगी जयंती	07 मई
कवि श्री रविन्द्रनाथ टैगोर जयंती	07 "
आद्य जगद्गुरु श्री शंकराचार्य जयंती	09 "
श्री सूरदास जयंती	09 "
श्री रामानुजाचार्य जयंती (द.भा.)	10 "
श्री नरसिंह जयंती	17 "
छिन्नमस्ता जयंती	18 "
श्री नारद जयंती	19 "
श्री महाराणा प्रताप जयंती	06 जून
संत कबीर जयंती	17 "
लोकमान्य बालगंगाधर तिलक जयंती	23 जुला.
कल्की जयंती	05 अग.
गोस्वामी तुलसीदास जयंती	07 "
हयग्रीव जयंती	14 "
संत ज्ञानेश्वर जयंती	24 "
संत सुथरेशाह जयंती	30 "
डॉ. सर्वपल्ली श्री राधाकृष्णन जयंती	05 सितं
ऋषि दधीचि जयंती	06 "
स्वामी शिवानन्द जयंती	08 "
पंडित गोविन्द वल्लभ पंत जयंती	09 "
महाराजा अग्रसेन जयंती	29 "
महात्मा गांधी व शास्त्री जयंती	02 अक्टू.
माधवाचार्य जयंती	08 "
महर्षि वाल्मीकि जयंती	13 "
सरदार पटेल जयंती	31 "
कविकुल गुरु कालीदास जयंती	09 नवं.
वीर वैरागी जयंती (नकोदर)	10 "
श्री निम्बार्काचार्य जयंती	12 "
सत्य साईं बाबा जयंती	23 "
बालाजी जयंती	25 "
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जन्म दिवस	03 दिसं.
भक्त नरसी मेहता जयंती	03 "
गीता जयंती	08 "
दत्तात्रेय जयंती	11 "
वृत्तिकार भगवान बोधायन जयंती	23 दिसं.
ईसा मसीह जयंती (क्रिश्चियन)	25 "
पं. मदनमोहन मालवीय जयंती	25 "
सन् 2020 ई.	
स्वामी विवेकानन्द जयंती	12 जन.
श्री रामानन्दाचार्य जयंती	16 "
नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जयंती	23 "
योगीराज बाबा लाल दयाल जयंती	26 "
लाला लाजपत राय जयंती	28 "
भक्त रविदास जयंती	09 फर.
समर्थ गुरु रामदास जयंती	17 "
महर्षि दयानन्द सरस्वती जयंती	18 "
श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती	25 "
पं. लेखराम वीर जयंती	26 "
महर्षि याज्ञवल्क जयंती	28 "
संत श्री दादूदयाल जयंती	03 मार्च
श्री चैतन्य महाप्रभु जयंती	09 "
संत तुकाराम जयंती	11 "

सिक्ख गुरु पर्व (प्रा. मत से)

प्रकाश दिवस

गुरु तेगबहादुर जी	24 अप्रै.
गुरु अर्जुनदेव जी	26 "
गुरु अंगददेव जी	05 मई
गुरु अमरदास जी	17 "
गुरु हरगोविन्द जी	18 जून
गुरु हरकिशन जी	26 जुला.
गुरुग्रंथ साहिब जी	31 अगं.
गुरु रामदास जी	15 अक्टू.
गुरु ग्रंथ साहिब जी गद्दी	29 "
गुरु नानकदेव जी	12 नवं.
गुरु गोविन्द सिंह जी (2020ई.)	02 जन.
गुरु हरराय जी (2020ई.)	07 फर

गुरुयाई मिली (प्रा. मत से)

गुरु नानकदेव जी	अवतार दिन से
गुरु अमरदास जी	06 अप्रै.
गुरु तेगबहादुर जी	18 "
गुरु हरगोविन्द जी	27 मई
गुरु अर्जुनदेव जी	01 सितं.
गुरु रामदास जी	11 "
गुरु अंगददेव जी	19 "
गुरु हरकिशन जी	22 अक्टू.
गुरु गोविन्द सिंह जी	29 नवं.
गुरु हरराय जी (2020ई.)	22 मार्च

ज्योति जोत समाए (प्रा. मत से)

गुरु अंगददेव जी	09 अप्रै.
गुरु हरगोविन्द जी	10 "
गुरु हरकिशन जी	18 "
गुरु अर्जुनदेव जी	07 जून
गुरु रामदास जी	01 सितं.
गुरु अमरदास जी	14 "
गुरु नानकदेव जी	24 "
गुरु हरराय जी	22 अक्टू.
गुरु गोविन्द सिंह जी	01 नवं.
गुरु तेगबहादुर जी	01 दिसं.

प्रकाश दिवस

(नानकशाही कैलेण्डर से)
(शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अनुसार)

खालसा पंथ साजना	
गुरु अंगददेव जी	18 अप्रै.
गुरु तेगबहादुर जी	18 "
गुरु अर्जुनदेव जी	02 मई
गुरु अमरदास जी	23 "
गुरु हरगोविन्द जी	05 जुला.
गुरु हरकिशन जी	23 "
गुरु ग्रंथ साहिब जी	01 सितं.
गुरु रामदास जी	09 अक्टू.
गुरु ग्रंथ साहिब जी गद्दी	
गुरु नानकदेव जी	12 नवं
गुरु गोविन्द सिंह जी (2020)	05 जन.
गुरु हरराय जी	31 "

गुरुयाई मिली

गुरु नानकदेव जी	अवतार दिन से
गुरु हरराय जी	14 मार्च
गुरु तेगबहादुर जी	16 अप्रै.
गुरु अमरदास जी	16 अप्रै.
गुरु हरगोविन्द जी	11 जून
गुरु रामदास जी	16 सितं.
गुरु अर्जुनदेव जी	16 "
गुरु अंगददेव जी	18 "
गुरु हरकिशन जी	20 अक्टू.
गुरु गोविन्द सिंह जी	24 नवं.

ज्योति जोत समाए

गुरु अंगददेव जी	16 अप्रै.
गुरु हरकिशन जी	16 "
गुरु अर्जुनदेव जी	16 जून
गुरु अमरदास जी	16 सितं.
गुरु रामदास जी	16 "
गुरु नानकदेव जी	22 "
गुरु हरराय जी	20 अक्टू.
गुरु गोविन्द सिंह जी	21 "
गुरु तेगबहादुर जी	24 नवं.
गुरु हरगोविन्द जी	14 मार्च

मेले एवम् उत्सवादि

मेला चीमा नानकसर (पंजाब)	06 अप्रै.
मेला गणगौर (जयपुर)	08 "
मेला माई सरखाना (पंजाब)	11 "
मेला बाहुफोर्ट (जम्मू-कश्मीर)	13 "
मेला ज्वालामुखी (हरचोवाल, गुरदासपुर)	13 "
मेला श्री राम जन्मोत्सव (अयोध्या)	13 "
मेला माता कांसा देवी (कांसल रोपड़) प्रा.	17 "
मेला देवी हथीहरा (कुरुक्षेत्र)	18 "
मेला बालासुन्दरी देवबंद (उ.प्र.)	18 "
मेला मानकपुर शरीफ (पंजाब)	19 "
मेला हनुमान जयंती सालासर (राज.)	19 "
मेला पीपल जातर (कुल्लू)	29 "
मे. श्रीबांकेबिहारीजी चरणदर्शन (वृन्दा.)	07 मई
मेला डूंगरी जातर (मनाली) प्रा.	15 "
मेला बंजार 4 दिन का प्रा. (कुल्लू)	15 "
मेला साढ़ी जातरनगर प्रै. (हि.प्र.)	19 "
मेला गंगा दशहरा (हरिद्वार)	12 जून
मेला पाण्डवों की बाड़ी का (सोलन)	15 "
मेला भून्तर (कुल्लू) प्रा. 3 दिन का	15 "

मेला	तारीख
मेला क्षीर भवानी (कश्मीर)	10 जून
मेला सपोर यात्रा धारलदा (ऊधमपुर)	12 "
मेला बरहं भटिण्डा (पंजाब)	13 "
मेला पीपलू (ऊना) हि.प्र.	13 "
मेला संतोष सिंह जी नानकसर चीमा प्र.	09 जुला.
मेला श्री जगन्नाथ रथयात्रा (पुरी)	04 "
मेला शरीफ भवानी (कश्मीर)	10 "
मेला परिक्रमा नैमिषारण्य	16 "
मेला गुरु पूर्णिमा (कुराली)	16 "
मेला बाबा प्यारासिंह जी चमकौर प्रा.	05 अग.
मेला नैना देवी व चिंतपूर्णी (हि.प्र.)	08 "
मेला अमरनाथ दर्शन (कश्मीर)	15 "
मेला गोगा पीर (पंजाब)	25 "
मेला द्रौण दनकौर प्रा. (उ.प्र.)	23
मेला श्री कृष्ण जन्मोत्सव	24 "
मेला नंदोत्सव नन्दगांव, बरसाना	25 "
मेला कैलाश यात्रा (कश्मीर)	29 "
मेला सुथरेशाह (दिल्ली)	30 "
स्नान मेला (लोहार्गल) राज.	30 "
मेला राणीसती (झुंझुनू) राज.	30 "
मेला गुसाईं आंणा कुराली (पंजाब)	01 सितं.
मेला गणेश जन्मोत्सव (मण्डी) हि.प्र.	02 "
मेला गणेश जन्मोत्सव (महा.)	02 "
मेला पट्टा प्रा. (कश्मीर)	03 "
मेला देवछटी व्रजमण्डल व गौतम	04 "
मेला श्रीराधा जन्मोत्सव बरसाना (उ.प्र.)	06 "
मेला गरुड़ गोविन्द छटीकरा (उ.प्र.)	06 "
मेला बाबारामदेवजी पूर्ण रुणीचा व तारानगर	08 "
मेला चारभुजानाथ मेवाड़ (राज.)	09 "
मेला वामन द्वादशी अंबाला	10 "
मेला बाबासोढल व छपार (जालंधर)	12 "
मेला गोइंद वाल साहिब (तरनतारन)	14 "
मेला आशापति यात्रा (कश्मीर)	27
मेला फल्गु पिहोवा (हरि.)	28 "
मेला ज्वालामुखी, तारादेवी (हि.प्र.)	06 अक्टू.
मेला ज्वालामुखी (हरचोवाल, गुरदासपुर)	06 "
मेला दशहरा (रावणदाह) सर्वत्र	08 "
मेला शाकंभरी देवी (उ.प्र.)	12 "
मेला देवि हथींहरा (कुरुक्षेत्र)	12 "
मेला महारासोत्सव (व्रजमण्डल)	13 "
मेला राधाकुण्ड स्नान गोवर्धन (उ.प्र.)	21 "
मेला दीपावली (अमृतसर)	27 अक्टू.
मेला अन्नकूट गोवर्धन (उ.प्र.)	28 "
मेला यमुना स्नान मथुरा (उ.प्र.)	29 "
मेला जुगल जोड़ी परिक्रमा (वृंदावन)	05 नवं.
मेला रेणुका (नाहन) हि.प्र.	08 "
मेला बाबा रुद्रानंदनारी (ऊना)	09 "
मेला खाटूश्याम (राज.)	09 "
मेला वीर वैरागी नकोदर (पंजाब)	10 "
मेला रामतीर्थ (अमृतसर)	12 "
मेला पुष्कर (राज.), गढ़गंगा (उ.प्र.)	12 "
मेला कपालमोचन (हरि.)	12 "
मेला पुरमण्डल देविका स्नान (जम्मू)	25
मेला श्रीबांकेबिहारी जी प्राद्. (वृंदा.)	01 दिसं.
मेला श्री घालदास ज. रामधाम खेड़ापा	07 "
मेला कपर्दीश्वर यात्रा दर्शन (कश्मीर)	11 "
मेला बोधायनसर 2 दिन प्रा. (बिहार)	22 "
मेला जोड़ फतेहगढ़ साहब (पं.)	26 "
मेला संगीत (बाबा हरवल्लभ) प्रा.(जाल.)	27 "

सन् 2020 ई.

मेला	तारीख
मेला हतापन नाशन स्नान (चेन्नई)	10 जन.
मेला लोहरी उत्सव (पं. हरि. हि.प्र.)	13 "
मेला माघी मुक्तसर (पंजाब)	14 "
मेला मकर संक्रांति (सर्वत्र)	14 "
मेला पोंगल पर्व (द.भा.)	14 "
मेला मौनी अमावस्या (प्रयाग व हरिद्वार)	24 "
मेला वसन्त पंचमी (सर्वत्र)	30 "
मेला वेणेश्वर (मुख्य) बांसवाड़ा	06 फर.
मेला पंचखण्डपीठ विराटनगर (राज.)	07 "
मेला माघी पूर्णिमा (उ.प्र.)	09 "
मेला नीलकण्ठ महादेव (उत्तरांचल)	21 "
मेला होलियां, होलाष्टक प्रा.	03 मार्च
मेला फूलडोलोत्सव शाहपुरा (मेवाड़)	06 "
मेला श्यामजी खाटू (राज.)	07 "
मेला पंखा झज्जर (हरि.)	10 "
मेला होला श्रीआनंदपुर साहिब (पं.)	10 "
मेला गुरु रामसहाय (देहरादून)	13 "
मेला बीरमदास बधौछी (पटियाला)	13 "
मेला शीतला माता कुराली (पं.)	15 "
मेला केशरिया (मेवाड़)	16 "
मेला कैलादेवी 15 दिन का प्रा.-करौली	16 "
मेला पृथूदक पिहोवा (हरि.)	23 "

पंचक सं. 2076 वि.

प्रारंभ		समाप्त	
तारीख	घं. मि.	तारीख	घं. मि.
01 अप्रै.	08:21	06 अप्रै.	07:22
28 "	15:45	03 मई	14:40
25 मई	23:43	30 "	23:03
22 जून	07:39	27 जून	07:43
19 जुला.	14:58	24 जुला.	15:42
15 अग.	21:28	20 अग.	22:28
11 सितं.	27:28	16 सितं.	28:22
09 अक्टू.	09:41	14 अक्टू.	10:20
05 नवं.	16:47	10 नवं.	17:18
02 दिसं.	24:56	07 दिसं.	25:27
30 "	09:34	04 जन.20	10:05
26 जन.20	17:39	31 "	18:10
22 फर.	24:29	27 फर.	25:08
20 मार्च	30:20	26 मार्च	07:16

पचंक–धनिष्ठा नक्षत्र के तीसरे चरण से रेवती के अन्तिम चरण तक का समय अर्थात् कुंभ एवं मीन राशि से चन्द्रमा के गोचर के समय को पंचक कहा जाता है। मुहूर्त ग्रंथों एवं शास्त्रों के अनुसार पंचकों में नये भवन का निर्माण, घास की खरीद, अग्नि दाह, शैयादान, पंचकों में शवदाह, दक्षिण की यात्रा करना, खाट बुनना, घर के ऊपर छप्पर-शेड लगाना वर्जित है। साथ ही काष्ठ, घास एकत्रित करना भी वर्जित है परन्तु तम्बू लगाया जा सकता है।

गण्ड मूलादि नक्षत्र सं. 2076 वि.

प्रारंभ		समाप्त	
तारीख	घं. मि.	तारीख	घं. मि.
04 अप्रै.	29:36	07 अप्रै.	08:44
14 "	07:40	15 "	28:01
22 "	16:45	24 "	18:35
02 मई	13:02	04 मई	15:47
11 "	13:13	13 "	10:27
19 "	26:07	21 "	27:31
29 "	21:18	31 "	24:12
07 जून	18:56	09 जून	15:49
16 "	10:07	18 "	11:50
26 "	05:37	28 "	09:11
04 जुला.	26:30	06 जुला.	22:10
13 "	16:27	15 "	18:51
23 "	13:14	25 "	17:39
01 अग.	12:11	03 अग.	06:44
09 "	21:58	11 "	24:45
19 "	19:48	21 "	24:47
28 "	22:55	30 "	17:11
05 सितं.	28:09	08 सितं.	06:29
15 "	25:44	18 "	06:44
25 "	08:53	26 "	28:01
03 अक्टू.	12:10	05 अक्टू.	13:18
13 "	07:53	15 "	12:30
22 "	16:38	24 "	13:18
30 "	21:59	01 नवं.	21:52
09 नवं.	14:55	11 "	19:17
18 "	22:21	20 "	20:04
27 "	08:12	29 "	07:33
06 दिसं.	22:57	08 दिसं.	27:30
15 "	28:00	17 "	25:26
24 "	16:59	26 "	16:50
03 जन.20	07:20	05 जन.	12:27
12 "	11:49	14 "	07:55
20 "	23:30	22 "	24:20
30 "	15:12	01 फर.	20:53
08 फर.	22:05	10 "	17:06
16 "	28:53	18 "	30:06
26 "	22:08	28 "	28:03
07 मार्च	09:05	08 मार्च	28:10
15 "	11:23	17 "	11:46
24 "	28:19	27 "	10:09

गण्ड मूल–गंडान्त काल अशुभ काल फलदायक होता है। तिथि-नक्षत्र-लग्न गंडान्त में बालक का जन्म हो तो जीवित नहीं रहता, परन्तु यदि जीवित रह जाये तो धनी होता है। गंडान्त काल में विवाह आदि शुभ कार्य नहीं किये जाते। इसमें विशेषता यह है कि अभिजित संज्ञक मुहूर्त में शुभ कार्य करने से गंडान्त दोष नहीं होता। किसी आचार्य के मत से दिन में उत्पन्न कन्या को एवं रात्रि में उत्पन्न पुत्र को गंडान्त दोष नहीं होता। गंडान्त मूल में ज्येष्ठा, रेवती तथा आश्लेषा नक्षत्र के अन्तिम दो दंड तथा मूल, अश्विनी तथा मघा के प्रारम्भ के दो दंड वर्जित हैं।

ग्रहण विवरण संवत् 2076 विक्रमी वर्ष 2019-20

विक्रम संवत् 2076 (6 अप्रैल 2019 ई. से 24 मार्च 2020 के मध्य) में पृथ्वी पर सूर्य व चन्द्र के कुल 4 ग्रहण होंगे। जिनमें दो सूर्यग्रहण एवं दो चन्द्रग्रहण हैं। भारतीय भू-भाग पर चन्द्र के दो और सूर्य का एक ग्रहण दिखाई देंगे। भारतीय भू-भाग पर जो ग्रहण दृश्य नहीं होगा, उसका धार्मिक महत्व-स्नान, दान, सूतकादि का विचार नहीं होगा।

1. **खग्रास सूर्यग्रहण** (भारते अदृश्य) मंगल/बुध ता. 2/3 जुलाई 2019 ई.।
2. **खण्डग्रास चन्द्रग्रहण** (भारते दृश्य) बुधवार ता. 17 जुलाई 2019 ई.।
3. **कंकणाकृति सूर्यग्रहण** (भारते दृश्य) गुरुवार ता. 26 दिसंबर 2019 ई.।
4. **खण्डग्रास चन्द्रग्रहण (भारते दृश्य)** शुक्रवार ता. 10 जनवरी 2020 ई.।

भारत में दिखाई न देने वाले ग्रहणों का विवरण

1. खग्रास सूर्यग्रहण (ता. 2/3 जुलाई 2019 ई.)

आषाढ़ी अमावस मंगलवार की रात्रि दिनांक 2 जुलाई 2019 को भा.स्टे.टा. 23।31 पर प्रारम्भ होने वाला खग्रास सूर्यग्रहण चिली, अर्जेन्टीना के कुछ भू-भागों में दिखाई पड़ेगा। इक्वेडोर, ब्राजील, उरुग्वे तथा परागुवे में आंशिक सूर्य ग्रहण होगा। इसके अतिरिक्त यह ग्रहण उत्तरी अमेरिका के दक्षिण भागों में, दक्षिणी अमेरिका के अधिकांश भू-भाग पर तथा पैसिफिक सागर में दिखाई पड़ेगा। रात्रि होने के कारण यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। भारत में दृश्य नहीं होने के कारण इसका सूतक-पातक दोष मान्य नहीं होगा। भारतीय मानक समयानुसार ग्रहण का विवरण इस प्रकार है-

ग्रहण प्रारंभ	**22।25**	2 जुलाई
खग्रास प्रारंभ	23।31	2 "
ग्रहण मध्य	**24।52**	3 "
खग्रास समाप्त	26।15	3 "
ग्रहण समाप्त	27।21	3 "
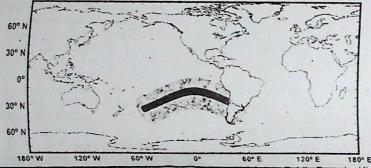
भारत में दिखाई देने वाले ग्रहण का विवरण

1. खण्डग्रास चन्द्रग्रहण (ता. 17 जुलाई 2019 ई.)

आषाढ़ी पूर्णिमा, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र, धनु एवं मकर राशि, बुधवार मध्य रात्रि दिनांक 17 जुलाई 2019 को भा.स्टै.टा. 01।32 पर प्रारम्भ होने वाला खण्डग्रास चन्द्रग्रहण सम्पूर्ण भारत के अतिरिक्त यूरोप, एशिया, आस्ट्रेलिया, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, पैसेफिक, अटलांटिक तथा हिन्द महासागर तथा अन्टार्कटिक में दिखाई पड़ेगा। ग्रहण का मोक्ष क्षितिज के नीचे होगा तथा मोक्ष एवं चन्द्रास्त दर्शन नहीं होगा। भारतीय मानक समयानुसार ग्रहण का विवरण इस प्रकार है-

ग्रहण प्रारंभ	**00।14**	17 जुलाई
खग्रास प्रारंभ	01।32	17 "
ग्रहण मध्य	**03।01**	17 "
खग्रास समाप्त	04।30	17 "
ग्रहण समाप्त	**05।48**	17 "
ग्रहण की अवधि	5 घंटा 34 मिनट	

ग्रहण वेध (सूतक)-ता. 16 जुलाई 2019, मंगलवार को सायं 4।32 से शुरू हो जायेगा। ग्रहण वेध काल में बालक, वृद्ध और रोगी जनों को छोड़कर सूतक के समय भोजन, शयन, मूर्ति पूजा, स्पर्श, हास्य विनोद इत्यादि करना निषेध है। ग्रहण अवधि में अन्न, वस्त्र, धन, स्वर्ण का दान, होम देव पूजन विशेष फलदायक होता है। गर्भवती स्त्री को शांत भाव से ईश्वर व जगत् जननी मां दुर्गा जी का कीर्तन व भजन करना चाहिए। ग्रहण मोक्ष के समय श्राद्ध और अन्न, वस्त्र, धन आदि का दान करें। पश्चात् स्नान अवश्य करें।

ग्रहण का मेषादि राशियों पर शुभाशुभ प्रभाव

मेष-चिन्ता	वृष-सौख्य	मिथुन-दंपति वियोग	कर्क-रोग
सिंह-अपमान	कन्या-सिद्धि	तुला-लाभ	वृश्चिक-हानि
धनु-घात	मकर-हानि	कुंभ-धन प्राप्ती	मीन-विध्वंश

2. कंकणाकृति सूर्यग्रहण (ता. 26 दिसंबर 2019 ई.)

पौष अमावस, मूल नक्षत्र, धनु राशि, गुरुवार की प्रात: दिनांक 26 दिसंबर 2019 को भा.स्टै.टा. 08।00 पर प्रारम्भ होने वाला कंकणाकृति सूर्यग्रहण सम्पूर्ण भारत के अतिरिक्त पूर्वी यूरोप, एशिया के अधिकांश देशों, उत्तरी तथा पश्चिमी आस्ट्रेलिया, पूर्वी अफ्रीका, पैसेफिक तथा हिन्द महासागर में दिखाई पड़ेगा। ग्रहण की कंकणाकृति केरल, तमिलनाडु तथा कर्नाटक के दक्षिण भागों में दिखायी देगी। शेष भारत में यह खण्डग्रास रूप में दिखाई देगा। दिल्ली में ग्रहण प्रारंभ 08।17 तथा समाप्ति 10।57 बजे होगी। भारतीय मानक समयानुसार ग्रहण का विवरण इस प्रकार है-

ग्रहण प्रारंभ	08।00	26 दिसम्बर
खग्रास प्रारंभ	09।05	26 "
ग्रहण मध्य	10।48	26 "
खग्रास समाप्त	12।31	26 "
ग्रहण समाप्त	13।36	26 "
ग्रहण की अवधि	2 घंटा 40 मिनट	

ग्रहण वेध (सूतक)-ता. 25 दिसम्बर 2019 ई., बुधवार की रात्रि 23।00 से शुरू हो जायेगा। ग्रहण वेध काल में बालक, वृद्ध और रोगी जनों को छोड़कर सूतक के समय भोजन, शयन, मूर्ति पूजा, स्पर्श, हास्य विनोद इत्यादि करना निषेध है। ग्रहण अवधि में अन्न, वस्त्र, धन, स्वर्ण का दान, होम देव पूजन विशेष फलदायक होता है। गर्भवती स्त्री को शांत भाव से ईश्वर व जगत् जननी मां दुर्गा जी का कीर्तन व भजन करना चाहिए। ग्रहण मोक्ष के समय श्राद्ध और अन्न, वस्त्र, धन आदि का दान करें। पश्चात् स्नान अवश्य करें।

ग्रहण का मेषादि राशियों पर शुभाशुभ प्रभाव

मेष-चिन्ता	वृष-सौख्य	मिथुन-दंपति वियोग	कर्क-रोग
सिंह-अपमान	कन्या-सिद्धि	तुला-लाभ	वृश्चिक-हानि
धनु-घात	मकर-हानि	कुंभ-धन प्राप्ती	मीन-विध्वंश

3. उपच्छाया चन्द्रग्रहण (ता. 10 जनवरी 2020 ई.)

पौषी पूर्णिमा शुक्रवार की रात्रि दिनांक 10 जनवरी 2020 को भा.स्टै.टा. 22।37 पर प्रारम्भ होने वाला उपच्छाया चन्द्रग्रहण सम्पूर्ण भारत के अतिरिक्त यूरोप, एशिया, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया में दिखाई पड़ेगा। ग्रहण का मोक्ष क्षितिज के नीचे होगा तथा मोक्ष एवं चन्द्रास्त दर्शन नहीं होगा। केवल मामूली सी चन्द्रकांति मलिन होगी। भारतीय मानक समयानुसार ग्रहण का विवरण इस प्रकार है-

ग्रहण प्रारंभ	22।37	10 जनवरी 2020 ई.
ग्रहण मध्य	24।40	10 "
ग्रहण समाप्त	02।42	10 "
ग्रहण की अवधि	4 घंटा 05 मिनट	

ग्रहण वेध (सूतक)-ता. 9 जनवरी 2020 ई., शुक्रवार की मध्यान्ह 13।37 से शुरू हो जायेगा। ग्रहण वेध काल में अन्न, वस्त्र, धन, स्वर्ण का दान विशेषफल दायक होता है। तथा स्नान, होम, देवपूजन, श्राद्ध, तर्पण, मन्त्रानुष्ठान का विशेष महत्व होता है। ग्रहण की अवधि में सभी जल गंगा के समान पवित्र कहे गये हैं। तथापि गर्म जल की अपेक्षा ठंडे पानी से स्नान अधिक पुण्यकारक माना गया है।

ग्रहण का मेषादि राशियों पर शुभाशुभ प्रभाव

मेष-लाभ	वृष-हानि	मिथुन-घात	कर्क-हानि
सिंह-धन प्राप्ति	कन्या-विध्वंश	तुला-चिन्ता	वृश्चिक-सौख्य
धनु-दम्पति वियोग	मकर-रोग	कुंभ-अपमान	मीन-सिद्धि

ग्रहण का मेषादि राशियों पर शुभाशुभ प्रभाव

मेष-चिन्ता	वृष-सौख्य	मिथुन-दंपति वियोग	कर्क-रोग
सिंह-अपमान	कन्या-सिद्धि	तुला-लाभ	वृश्चिक-हानि
धनु-घात	मकर-हानि	कुंभ-धन प्राप्ती	मीन-विध्वंश

2. कंकणाकृति सूर्यग्रहण (ता. 26 दिसंबर 2019 ई.)

पौष अमावस, मूल नक्षत्र, धनु राशि, गुरुवार की प्रात: दिनांक 26 दिसंबर 2019 को भा.स्टै.टा. 08।00 पर प्रारम्भ होने वाला कंकणाकृति सूर्यग्रहण सम्पूर्ण भारत के अतिरिक्त पूर्वी यूरोप, एशिया के अधिकांश देशों, उत्तरी तथा पश्चिमी आस्ट्रेलिया, पूर्वी अफ्रीका, पैसेफिक तथा हिन्द महासागर में दिखाई पड़ेगा। ग्रहण की कंकणाकृति केरल, तमिलनाडु तथा कर्नाटक के दक्षिण भागों में दिखायी देगी। शेष भारत में यह खण्डग्रास रूप में दिखाई देगा। दिल्ली में ग्रहण प्रारंभ 08।17 तथा समाप्ति 10।57 बजे होगी। भारतीय मानक समयानुसार ग्रहण का विवरण इस प्रकार है-

ग्रहण प्रारंभ	**08।00**	26 दिसम्बर
खग्रास प्रारंभ	09।05	26 "
ग्रहण मध्य	**10।48**	26 "
खग्रास समाप्त	12।31	26 "
ग्रहण समाप्त	**13।36**	26 "
ग्रहण की अवधि	2 घंटा 40 मिनट	

ग्रहण वेध (सूतक)-ता. 25 दिसम्बर 2019 ई., बुधवार की रात्रि 23।00 से शुरू हो जायेगा। ग्रहण वेध काल में बालक, वृद्ध और रोगी जनों को छोड़कर सूतक के समय भोजन, शयन, मूर्ति पूजा, स्पर्श, हास्य विनोद इत्यादि करना निषेध है। ग्रहण अवधि में अन्न, वस्त्र, धन, स्वर्ण का दान, होम देव पूजन विशेष फलदायक होता है। गर्भवती स्त्री को शांत भाव से ईश्वर व जगत् जननी मां दुर्गा जी का कीर्तन व भजन करना चाहिए। ग्रहण मोक्ष के समय श्राद्ध और अन्न, वस्त्र, धन आदि का दान करें। पश्चात् स्नान अवश्य करें।

ग्रहण का मेषादि राशियों पर शुभाशुभ प्रभाव

मेष-चिन्ता	वृष-सौख्य	मिथुन-दंपति वियोग	कर्क-रोग
सिंह-अपमान	कन्या-सिद्धि	तुला-लाभ	वृश्चिक-हानि
धनु-घात	मकर-हानि	कुंभ-धन प्राप्ती	मीन-विध्वंश

3. उपच्छाया चन्द्रग्रहण (ता. 10 जनवरी 2020 ई.)

पौषी पूर्णिमा शुक्रवार की रात्रि दिनांक 10 जनवरी 2020 को भा.स्टै.टा. 22।37 पर प्रारम्भ होने वाला उपच्छाया चन्द्रग्रहण सम्पूर्ण भारत के अतिरिक्त यूरोप, एशिया, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया में दिखाई पड़ेगा। ग्रहण का मोक्ष क्षितिज के नीचे होगा तथा मोक्ष एवं चन्द्रास्त दर्शन नहीं होगा। केवल मामूली सी चन्द्रकांति मलिन होगी। भारतीय मानक समयानुसार ग्रहण का विवरण इस प्रकार है-

ग्रहण प्रारंभ	**22।37**	10 जनवरी 2020 ई.
ग्रहण मध्य	**24।40**	10 "
ग्रहण समाप्त	**02।42**	10 "
ग्रहण की अवधि	4 घंटा 05 मिनट	

ग्रहण वेध (सूतक)-ता. 9 जनवरी 2020 ई., शुक्रवार की मध्यान्ह 13।37 से शुरू हो जायेगा। ग्रहण वेध काल में अन्न, वस्त्र, धन, स्वर्ण का दान विशेषफल दायक होता है। तथा स्नान, होम, देवपूजन, श्राद्ध, तर्पण, मन्त्रानुष्ठान का विशेष महत्व होता है। ग्रहण की अवधि में सभी जल गंगा के समान पवित्र कहे गये है। तथापि गर्म जल की अपेक्षा ठंडे पानी से स्नान अधिक पुण्यकारक माना गया है।

ग्रहण का मेषादि राशियों पर शुभाशुभ प्रभाव

मेष-लाभ	वृष-हानि	मिथुन-घात	कर्क-हानि
सिंह-धन प्राप्ति	कन्या-विध्वंश	तुला-चिन्ता	वृश्चिक-सौख्य
धनु-दम्पति वियोग	मकर-रोग	कुंभ-अपमान	मीन-सिद्धि

दैवज्ञ की दृष्टि में संसार चक्र संवत् 2076 वि.

आकाशीय परिषद् की गणना एवं विविध लग्नों तथा वर्ष प्रवेश, वर्षेश प्रवेश, आर्द्रा प्रवेश, लग्नानुसार मेदनीय ज्योतिष गणना से वि-सं- 2076 शाके 1941 का सारांश सूत्र के भविष्य संसार चक्र इस प्रकार रहेगा:

- इस वर्ष का राजा शनि मंत्री सूर्य होने से अनेक विवादास्पद मामलों से जनता में द्वेषता बढ़ेगी। परस्पर टकराव, विरोध चलेगा। राजनैतिक पार्टियों का व्यवहार परस्पर घृणात्मक एवं स्वार्थ पूर्ति बावत् टकराव चलेगा। संसार में कुछ देशों में आंतरिक कलह युद्ध का रूप ले सकता है।
- सामाजिक गतिविधियों में उपद्रव बढ़ेंगे। धन लोलुपता के सहारे हत्यायें भी अधिक होने का योग बनेगा। पारिवारिक मर्यादायें भंग होंगी। स्त्री वर्ग अपनी सुरक्षा के प्रति लालायित रहेगी।
- आगामी लोक सभा चुनाव में विपक्ष की ओर से विरोध से यत्र-तत्र विवाद चलेगा। मिली-जुली सरकार का योग बनता है। स्त्री वर्ग तेज रहेगा।
- भारत में विश्वस्तरीय आर्थिक परिवर्तन होगा। सामाजिक दृष्टि से काफी हल-चल से गृह क्लेश बढ़ने का योग बनता है।
- देश के विभिन्न भागों में स्थानीय पार्टियों का वर्चस्व बढ़ेगा। इनके सहयोग से अन्य पार्टियों को सफलता मिलेगी। सहयोगी बनना शुभ रहेगा।
- आगामी चुनावों में सभी दलों की स्थिति दयनीय होगी। संगठन से कार्य बनेगा। कृषक वर्ग में कुछ अनुसंधानात्मक कार्यों का योग बनता है।
- औद्योगिक क्रांति से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। कुछ असमाजिक तत्वों एवं आतंकवादियों का गोपनीय प्रदर्शन चिन्तादायक रहेगा।
- प्राकृतिक आपदाओं का संकट जनता में छाया रहेगा। नेताओं के भाषण एवं कार्य योजना में अंतर चलेगा। गरिमामय जीवन भूल जायेंगे।
- प्रान्तीय सरकारों को केन्द्रीय सरकार का सहयोग न्यून मिलेगा। केवल आश्वासन मात्र से कार्य सम्पादन करायेंगे।
- श्रीराम मन्दिर निर्माण के नाम पर वोट मांगने की नीति चलायेंगे। सफलता का अभाव रहेगा। लोगों में परस्पर विवाद से शत्रुता बढ़ेगी।
- भू-स्खलन, धरती फटना, बादल फटना आदि कुछ प्राकृतिक बाधाएं बनेंगी। तेज आंधी, सुनामी का प्रभाव बनेगा।
- गुप्तचरों द्वारा छद्मवेशी योग बनता है। चुनावी वादा मात्र आश्वासन रह जायेगा। सन् 2019 से 2022 तक ग्रह योग से अशोभनीय घटनाएं घटेंगी। देह व्यापार खुलकर चलेगा। कानून भी बाधाओं का योग बन जायेगा। बैंकों की लूट-पाट, जनता को लूटना, वाहन चोरी आम बात हो जायेगी।
- कुछ देशद्रोही देश छोड़कर विदेशों में वर्चस्व बनायेंगे। लोक अदालत की बात को भी मजाक मानकर चलेंगे। व्यापारी वर्ग चिन्ता में रहेंगे।
- शुक्र+बुध+गुरु ग्रहों के कारण स्त्री वर्ग का शासकीय, राजनैतिक, सामाजिक दृष्टि से वर्चस्व बढ़ेगा। सुरक्षा के अभाव से चिन्ता रहेगी। प्रेम-प्रसंगों का योग यत्र-तत्र बनेगा।
- व्यापारिक दृष्टि से भारत की गति बढ़ेगी। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वर्चस्व बढ़ेगा। नये-नये कारोबार प्रारंभ होंगे। स्त्री वर्ग की सामग्री का विक्रय ज्यादा होगा। फैन्सी सामग्री का आयात-निर्यात भी बढ़ेगा।
- ईरान, चीन, ईराक, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ब्रिटेन, जापान, ईजरायल, बलूचिस्तान एवं पश्चिमी देशों की स्थिति शनि ग्रह के कारण खराब होगी। नेताओं का अनादर होगा। आंतरिक कलह, लूटपाट एवं हत्याओं जैसा योग बनेगा। प्राकृतिक आपदाओं से जन-धन की हानि होगी। बाढ़, भू-स्खलन, अग्निकांड जैसे योग बनेंगे।
- शैक्षिक दृष्टि से नवाचारों का अन्वेषण होगा। नवीन तकनीक को शिक्षा में प्रयोग की दृष्टि से लागू किया जायेगा। नवीन शिक्षा का प्रचार-प्रसार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर झलकेगा। कम्प्यूटर शिक्षा उच्च स्तर पर बढ़ेगी। महिला वर्ग अपनी-अपनी गरिमा को त्याग कर व्यवसाय में अग्रसर होंगी।
- हिंसात्मक घटनाओं का ताण्डव दक्षिण भारत एवं पूर्वी भारत में काफी चिन्ताजनक रहेगा। नियंत्रण की प्रक्रिया भी विफल रहेगी।
- सात प्रतिष्ठित नेताओं का देहावसान योग वर्ष में बनता है।
- निजीकरण व्यवसाय में वृद्धि होगी। सरकार इसमें सहायता करेगी। जनता में आंदोलन जैसा वातावरण बनेगा। हड़तालें भी होंगी।
- धनु राशि का शनि युद्ध जैसा वातावरण तथा मनमुटाव या विद्रोह से जनता का विश्वास हनन् करेगा।
- महिला एवं बाल विकास विभाग में तरक्की होगी। लेकिन गोपनीयता के रूप में अश्लीलता का ताण्डव गुप्त एवं इच्छा पूर्ति के रूप में बनता रहेगा।
- यातायात के नियमों में काफी परिवर्तन होंगे। नये नियम बनेंगे। नवीनता का प्रशिक्षण भी विभाग द्वारा दिया जायेगा। आपात योग में वाहन चालान होता रहेगा।
- चुनावी घटनाओं से चिन्ता योग। विश्वासघात, हाथापाई योग, करोबार की मुद्रा और पकड़ेगा। युद्ध तुल्य वातावरण बनेगा। पदासीन नेता का देहावसान योग।

वि. सं. 2076 शाके 1941 का वर्ष-वर्षेश-आर्द्रा एवं जगत लग्न प्रवेश

विगत दो दशक से **"श्री आर्यभट्ट पंचांग"** द्वारा ज्योतिष शास्त्र का अध्ययन अनुशीलन करके विश्व व भारत के संबंध में जो भविष्यवाणियां की गई उससे सभी पाठक परिचित हैं। निराश्रित ज्योतिष विज्ञान ने आज गणित के विभाग में शत-प्रतिशत् सत्यता सिद्ध कर दी है एवं गणित द्वारा वर्षों पूर्व सूर्य-चन्द्र ग्रहणों का प्रारंभ व समाप्ति काल का समय निर्धारित किया है। उसमें एक मिनट का भी अंतर नहीं होता है। परन्तु फलित के विभाग में अभी पूर्ण शोध चल रहा है। वैसे फलित ज्योतिष को इष्ट साधन व दैव विद्या कहा जाय तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। अतः संसार, राष्ट्र व राज्य के अलावा व्यक्ति के संबंध में भविष्य बताने वाले को दैवज्ञ माना गया है। साधना, तपस्या व अनुभव से प्राप्त दैव विद्या पर शोध करने वाला व्यक्ति आज के युग में साधनाहीन है। ग्रहों की गति व इष्ट संकेतों को समझने में भूल हो सकती है। अतः समस्त की गयी भविष्यवाणियां सदा सत्य ही हों की कसौटी पर उतारना उचित नहीं होगा। ज्योतिष ज्ञान द्वारा अनन्त आकाश में जो ग्रह, नक्षत्र, तारागण अपनी-अपनी वक्र-मार्गी गति से विचरण करते हुए आकर्षण-विकर्षण के द्वारा भूमण्डल पर होने वाले परिवर्तन एवं प्रभाव को जाना जाता है। अनन्त आकाश में कोई भी ग्रह कितनी ही दूरी पर क्यों न हो जब वह अपनी स्थिति बदलता है तो विश्व की परिस्थिति को अवश्य प्रभावित करता है। प्रतिवर्ष आकाशी परिषद् को गति प्रदान करने के लिए ग्रह परिषद् की नव नियुक्ति होती है। इस ग्रह परिषद् के बलाबल और वर्षलग्न, जगत् लग्न में उनका स्थान होने से प्राचीन ग्रन्थ वराह मिहिराचार्य कृत **"वाराही संहिता"** के आधार पर **"दैवज्ञ"** वर्ष के शुभाशुभ फल जानने में सक्षम होते हैं। ग्रहों के उदयास्त, वक्र-मार्ग, परस्पर अंशयोग, सम-सप्तम योग (प्रतियोग) से संसार में कहां-कहां अशांति या शांति उत्पन्न होगी। इसके लिए संघट्ट चक्र, सर्वतोभद्र चक्र, कूर्मचक्र आदि को आधार मानकर हम अपनी स्वल्प बुद्धि से जो कुछ लिखते आ रहे हैं वे सभी अभी तक 70-80 प्रतिशत सत्य साबित हुई हैं।
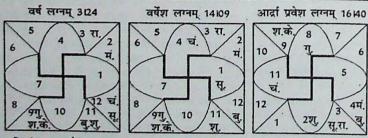
दिनांकः 6 अप्रैल 2019 दिनांक : 14 अप्रैल 2019 दिनांक : 22 जून 2019

संवत् 2076 की जगत कुंडली के प्रथम लग्न भाव में विराजमान सिंह राशि का स्वामी सूर्य नवम भाग्य भाव में मित्र मंगल की मेष राशि में उच्चस्थ है तथा पंचमेश, अष्टमेश गुरु की पंचम पूर्ण दृष्टि से दृष्ट है। लग्न भाव पर मंगल, वक्री गुरु तथा शुक्र की पूर्ण दृष्टि है, मंगल कुंडली का योगकारक ग्रह है। लग्न भाव पर कारक ग्रह मंगल तथा दो शुभ ग्रहों पंचमेश गुरु तथा तृतीयेश दशमेश शुक्र की दृष्टि से विश्व में धन-धान्य की वृष्टि होगी। औद्योगिक उत्पादन बढ़ेगा। द्वितीय भाव द्वितीयेश से दृष्ट होने से तथा व्यय भाव में स्वगृही चन्द्रमा से सुख-समृद्धि बढ़ेगी। श्रावण, आश्विन तथा फाल्गुन मास में कृषि उत्पादन अच्छा रहेगा। पौष मास की फसलों की हानि होगी।

वर्ष पर्यन्त शनि देव का गोचर पूर्वाषाढ़ तथा उत्तराषाढ़ नक्षत्रों में रहेगा। 01 जनवरी से 27 दिसंबर तक शनि के पूर्वाषाढ़ नक्षत्र से गोचर में राजस्थान के आबू क्षेत्र, गुजरात के कच्छ, मध्य प्रदेश के उज्जैन, मालवा के पूर्वी क्षेत्रों में, सौराष्ट्र तथा भारतीय टापूओं एवं सिन्धु नदी से लगे शहरों, बिहार के मगध क्षेत्र एवं महिलाओं से शासित प्रदेशों में रसकस, गेहूं आदि धान्यों, भारवाहक पशुओं तथा वाहनों में महंगाई बढ़ेगी। 27 दिसंबर के पश्चात् शनि के उत्तराषाढ़ नक्षत्र से गोचर में गुजरात, राजस्थान के मारवाड़, पंजाब के जालन्धर तथा यमुना नदी के तटवर्ती शहरों के निवासी कष्ट में रहेंगे। राहु का गोचर पुष्य पुनर्वसु तथा आर्द्रा से गोचर में बंगाल तथा बिहार में नर्मदा नदी के तट से लगे शहरों में जीवन कष्टपूर्ण रहेगा। राजनैतिक वातावरण बिगड़ेगा।

दिनांक 14 अप्रैल को सूर्यदेव भा.स्टै.टा. 14।09 पर अश्विनी नक्षत्र में संचरण करते हुए मेष राशि में प्रवेश करेंगे। संवत् 2076 में सूयदेव को मंत्री का पद प्राप्त हुआ है। जिसके कारण विश्वस्तरीय उत्तेजनात्मक परिस्थिति का संयोग बनेगा। युद्ध जैसी भयावह स्थितियां बन सकती है। विश्व के देशों में अस्त्र-शस्त्र व सैन्य शक्ति बढ़ाने की होड़ लगेगी। आतंकवाद, हिंसक वारदातें जैसी घटनाओं में अत्यधिक बढ़ोत्तरी होगी। परस्पर टकराव, विरोध चलेगा। राजनैतिक पार्टियों का व्यवहार परस्पर घृणात्मक एवं स्वार्थ पूर्ति करने जैसा रहेगा। संसार में कुछ देशों में आंतरिक कलह युद्ध का रूप ले सकता है। पश्चिमी देशों में सैन्य शक्ति का प्रदर्शन सदैव बनेगा।

सूर्य देव का आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश आषाढ़ मास की कृष्ण पक्ष पंचमी में शनिवार के दिन हुआ है। सूर्य अष्टम भाव में लग्नेश मंगल तथा राहु के साथ विराजमान है। दशम भाव स्थित सूर्य की सिंह राशि पर तृतीयेश-चतुर्थेश शनि की पूर्ण सप्तम शत्रु दृष्टि है। शुक्र सप्तम भाव में अपनी वृष राशि में है। सूर्य तथा चन्द्रमा का नवपंचम योग बना है। परन्तु दोनों ही ग्रहों पर शनि की पूर्ण दृष्टि के प्रभाव से कृषि उत्पादन अनुमान से कम रहेगा। पंचमी तिथि का आर्द्रा प्रवेश शुभ तथा मंगलकारी रहेगा। शनिवारी आर्द्रा प्रवेश से सामान्य जन रोग पीड़ित होगा। सुविचारित तथा अधिक समय तक प्रभावी रहने वाले की कार्यों की अपेक्षा अल्प अवधि के प्रचार में सहायक कार्यों की प्राथमिकता रहेगी। दिन के धनिष्ठा नक्षत्र से फलों का तथा विष्कुम्भ योग में प्रवेश होने के प्रभाव से कृषि उत्पादन उत्तम रहेगा। सायंकालीन आर्द्रा प्रवेश से धान्यों में तेजी आयेगी। भूसे वाले धान्य तथा प्रशु आहारों की कमी रहेगी। पशुओं में रोगों की वद्धि। कतिपय आचार्यों के मत से सूर्य के आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश के दिन वर्षा होने से आगे चलकर वर्षा में अनियमितता रहती है। अनावृष्टि-अतिवृष्टि से कृषि की हानि होती है।

अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य में ग्रह योग भविष्य बोध

अमेरिका–ग्रह योग से सं-2076 (सन् 2019-2020) में चिन्ता दायक योग ज्यादा बनेंगे। व्यक्तिवाद का बोलबाला चलेगा। जनता में विद्रोह छाया रहेगा। परस्पर विवाद से खून-खराबा होगा। कई राजनेता भी चिन्तित रहेंगे। सुरक्षा बल बढ़ेगा, फिर भी विवाद, रोग बाधा, घृणा-द्वेषता का योग चलेगा। वर्तमान महामहिम राष्ट्रपति से जनता को संकट छाया रहेगा। रोजगार योजनाएं बनकर रह जायेंगी। भयावह वातावरण के कारण तीन वरिष्ठ राजनेताओं का देहावसान योग बनता है। काफी परिवर्तन से राष्ट्रीय मुद्दा का संकट भी रहेगा। प्राकृतिक आपदाएं ज्यादा आयेंगी। प्राकृतिक स्थलों में परिवर्तन होगा। विश्वयुद्ध जैसे वातावरण से गुजरना पड़ेगा। दिनांक 27 जून 2019 से 22 मार्च 2020 तक संकट चलता रहेगा। कुछ अशोभनीय घटनाओं का निर्णय न्यायालय में भी न्याय का अभाव रहेगा। नवीन क्रांति में चीन, रूस, जर्मनी, जापान, ईराक, ईरान, भारत, अफगानिस्तान आदि देशों में राजनैतिकता का अशुभ योग। पाकिस्तान, रूस, चीन, सीरिया से संबंध गड़बड़ होंगे। युद्ध जैसे हालात् भी परस्पर जन-धन हानि दायक बनेगा। जनता का पलायन योग चलता रहेगा। काफी आर्थिक हानि का योग बनेगा।

नेपाल–इस वर्ष यहां पर धार्मिक कार्य ज्यादा होंगे। राजनैतिक परिवर्तन योग दो बार बनेगा। प्राकृतिक आपदाओं के योग से जनता चिन्तित रहेगी। माह सितंबर 2019 से फरवरी 2020 तक कुछ अशोभनीय घटनाएं घटेंगी। भारत मैत्री योग परस्पर सुदृढ़ रहेगा। राजनैतिक पार्टियों में स्त्री वर्ग का योगदान बढ़ेगा। औद्योगिक विकास का योग बनेगा। मांगलिक कार्य ज्यादा होंगे। गोपनीयता से छद्मवेशी लोगों का प्रवेश संभव है। सावधान रहें!

पाकिस्तान–संवत् 2076 में देश पर शत्रुता का बादल विश्वस्तरीय छाया रहेगा। काफी सभ्य नेताओं की हत्या की घटना घटेगी। राजनैतिक पार्टियों में भी विवाद बढ़ेगा। भारत-पाक घुसपैठ युद्ध का योग चलेगा। कुछ अशिष्ट वार्त्ता से वर्चस्व घटेगा। दिनांक 20 जून 2019 से 20 अक्टूबर 2019 तक का समय काफी चिन्तादायक रहेगा। परिवर्तन कारक योग बनेगा। राजनैतिक पार्टियों में परस्पर विवाद से जनता का विश्वास टूटेगा। आतंकवादी योग चलता रहेगा। सामाजिक दृष्टि से कई स्थानों पर अशुभ घटनाओं से गुजरना पड़ेगा।

बंग्लादेश–वर्ष 2076 में इस देश में राजनैतिक पार्टियों में अश्लीलता की वार्त्ता चलेगी। बलात्कार एवं हत्याओं की गणना करना भी संभव नहीं होगा। दिनांक 20 जून 2019 से 24 अक्टूबर 2019 तक प्राकृतिक आपदाओं से जनता में त्राहि-त्राहि मचेगी। क्षेत्रीय पार्टियों के सहयोग से सरकार का संचालन चलेगा। भारत के साथ मैत्री संबंध अच्छा रहेगा। आतंकवादियों से देश में अशोभनीय घटना घटेगी। नारी शक्ति का अपहरण जैसा योग भी बनता है। सावधान!

रूस–इस वर्ष ग्रह योग से असमाजिक तत्वों से परेशानियां बढ़ेंगी। आणविक आपात् युद्ध का योग बनेगा। शनि ग्रह के प्रभाव से गुप्तचरों द्वारा जन-धन हानि का योग बनेगा। कुछ नेताओं की असामयिक मृत्यु से सन्नाटा छाया रहेगा। तकनीकी शिक्षा विकास विश्व में चमकेगा। दिनांक 15 जून 2019 से 27 अक्टूबर 2019 तक संकट कारक योग रहेगा। राजनैतिक मतभेदों से विवाद योग। सैनिकों को भी आपातकाल जैसे योग से गुजरना पड़ेगा। भारत रूस का संबंध यथावत् रहेगा। प्राकृतिक आपदा से कुछ अशांति दायक योग बनेंगे। विकास की दृष्टि से वर्चस्व बढ़ता रहेगा।

लन्दन–इस वर्ष ग्रह योग से पारिवारिक विवाद योग ज्यादा बनेगा। व्यापारिक गति में अग्रसर लाभ प्राप्त होगा। आध्यात्मिक गतिविधियां बढ़ेंगी। दिनांक 27 जून 2019 से 20 नवंबर 2019 तक अशोभनीय घटनाओं का सामना करना पड़ेगा। नया सम्पर्क सूत्र बढ़ेगा। शोधपूर्ण कार्य में कीर्ति प्राप्त करेंगे। स्त्री वर्ग का वर्चस्व भी बढ़ेगा। तकनीकी शिक्षा का अच्छा विकास होगा। खनिज सामग्री से आय का योग अच्छा बनेगा। भारत के साथ संबंध सामान्य रहेंगे। परस्पर नेताओं की यात्रा का योग बनता रहेगा। आंतरिक कलह से अशांति का वातवरण बनेगा।

जर्मनी–ग्रह योग से इस वर्ष काफी नवीनता का योग बनेगा। सामाजिक नेता भी समाजोत्थान शिविरों का आयोजन करेंगे। नवीन रोजगारों का अवसर बढ़ेगा। प्राकृतिक आपदा से जन-धन की हानि होगी। औद्योगिक क्रांति के कारण विकास की गति श्रेष्ठ रहेगी। ता. 25 जून 2019 से 27 नवंबर 2019 तक विश्वस्तरीय मशीनरी का निर्माण होगा। यांत्रिक शक्ति का श्रेष्ठ विकास होगा। भारतीय व्यवहार का अच्छा लाभ प्राप्त करेगा। नेताओं का आवागमन भी श्रेष्ठ रहेगा। स्त्री वर्ग का वर्चस्व विशेष बढ़ेगा। व्यापारी वर्ग का विस्तार भी अच्छा होगा। शोधकार्य विशेष चलेंगे।

जापान–ग्रह योग से इस वर्ष औद्योगिक क्रांति का योग बनेगा। प्राकृतिक आपदा से जन-धन हानि भी होगी। कुछ विशिष्ट नेताओं के देहावसान का योग बनता है। दिनांक 10 जुलाई 2019 से 20 नवंबर 2019 तक संकट दायक स्थिति, युद्ध जैसा वातावरण बनेगा। बीमारियों का प्रभाव भी बढ़ेगा। शीत लहर तथा विद्रोह से सामाजिकता में विरोध बढ़ेगा। रोग का प्रभाव बढ़ेगा। स्त्री वर्ग का अपहरण या अशोभनीय घटना का योग बनेगा। नवीन राजनैतिक क्रांति का भी योग बनेगा। मशीनरी कम्प्यूटर औजारों का धंधा बढ़ेगा। प्रशासनिक गति व्यवस्था अच्छी रहेगी। जनता को भय मुक्त होने का लाभ प्राप्त होगा।

चीन, ईजरायल, ईरान, ईराक, मलेशिया, मॉरिशस–इस वर्ष ग्रह योग से इन देशों में अशोभनीय घटनाओं का ताण्डव चलता रहेगा। अमानवीयता का वातावरण बनेगा। युद्ध जैसा योग बनता रहेगा। समाधान का अभाव रहेगा। शासन की द्वादेश प्रणाली गौण जैसी हो जायेगी। राजनैतिक पार्टियों में विघटन का योग भी बनता है। दिनांक 27 जून 2019 से 12 दिसंबर 2019 तक आंतरिक कलह के योग से जनता में संकट छाया रहेगा। स्त्री वर्ग का वर्चस्व से कुछ शांति मिलेगी। आणविक साधनों की प्रगति होगी। कुछ राजनेताओं का देहावसान तथा कुछ को संकट से जीवन-यापन करना पड़ेगा। औद्योगिक क्रांति से व्यापार की गति तेज रहेगी। प्राकृतिक आपदा से जन-धन हानि के तीन योग बनेंगे। हवाई यात्रा में दुघटनाओं में असामयिक घटना के योग से जन हानि होगी।

श्रीलंका, अफगानिस्तान, फ्रांस, आस्ट्रेलिया, कोरिया, स्वीडन, मक्का मदीना–ग्रह योग से इन देशों की स्थिति इस वर्ष दयनीय रहेगी। रोग बाधा बढ़ेगी। अपहरण, बलात्कार, चोरी, डकैती, लूटमार की गणना करना संभव नहीं होगा। प्राकृतिक आपदा से भू-स्खलन, धरती फटने से चिन्ता दायक योग बनेंगे। दिनांक 25 जून 2019 से 27 सितंबर 2019 तक अशोभनीय घटनाएं तथा शासकीय व्यवस्था में गड़बड़ योग। राजनैतिक पार्टियों में मन-मुटाव एवं मिलावटी वस्तुओं के व्यापार में जनता को हानि होगी। कुछ स्थानों पर आतंकवादी वर्ग से गुप्त मुठभेड़ से जनता में कष्ट होगा। हत्याएं भी होंगी। लोगों में भय का वातावरण छाया रहेगा। प्राकृतिक आपदाओं का बोलबाला ज्यादा रहेगा। विशिष्ट नेताओं की हत्याएं। स्त्री वर्ग का व्यवसाय विशेष बढ़ेगा। न्यायालयों में भी कुछ अनावश्यक कारणों से न्याय करना भी भयभीत रहेगा। औद्योगिक क्रांति बढ़ेगी। नवीन कार्यों का वर्चस्व विश्व में मांग के आधार पर महत्त्व बढ़ेगा। अश्लीलता का वर्चस्व छाया रहेगा। शासन, राजनेता, वरिष्ठ नागरिक मौन साधन करके रहने का योग बनेगा। चिकित्सा व्यवस्था में सुधार होगा। भारत से संबंध मित्रता का बना रहेगा।

बर्मा, हिन्द चीन, मिश्र, कोरिया द्वीप समूह, एशिया महाद्वीप, अफ्रीका आदि–इस वर्ष 2076 यानि 2019-20 की अवधि का योग भविष्य गणना से ग्रह योग द्वारा सामाजिक विकास की योजनाएं बनेंगी। आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से सबलता का योग। राजनैतिक दृष्टि से कुछ नयापन योग बनेगा। धार्मिक कृत्यों का योग ज्यादा बनेगा। पदासीन मंत्रिमण्डलों का बदलाव का योग बनता है। स्त्री वर्ग के नेतृत्व से विकास की गति बढ़ेगी। यज्ञ-भागवत कथा, पूजा-अर्चना, साधना का वर्चस्व बढ़ेगा। गुप्तचरों की ओर से कुछ अश्लीलता के कार्य से अपमान जनक अशोभनीय कार्यों का ताण्डव चलेगा। राजनैतिक गरिमा का समापन जैसा योग बनेगा। शैक्षिक दृष्टि से कार्यों में शोधात्मक विकास होगा। दिनांक 27 जून 2019 से 20 नवंबर 2019 तक असमाजिक तत्वों द्वारा अशोभनीय कार्य होंगे। धार्मिक महापुरुषों का अपमान, संतों की वार्त्ताओं का विरोध तथा हत्याओं का बोलबाला चलेगा। पर्यटन विभाग का विकास होगा। नेतृत्व स्त्री वर्ग द्वारा होगा। इन देशों में चुनाव प्रणाली में नवीनता का योग बनेगा। सरकारी कार्यालयों का रुख अहंकार मय नजर आयेगा। रोजगार का अभाव रहेगा। प्राकृतिक आपदा से जन-धन, पशुओं की हानि भी होगी। व्यवहारिकता के सूत्रों से चले तो शुभ होगा। सामाजिक दायित्वों का पतन, धार्मिक स्थलों का दुरुपयोग होगा।

भारत–भारत का वर्ष लग्न, लग्नेश सूर्य ग्यारहवें भाव में ग्रह गति योग शुभ होने से काफी परिवर्तन कारी योग बनेंगे। धार्मिक कार्यों की धूम रहेगी। राजनैतिक पार्टियों की कार्य प्रणाली स्वार्थता पूर्ण होगी। गुप्त अशोभनीय घटनाओं का योग बनता रहेगा। स्त्री वर्ग का नेतृत्व शुभ बनेगा। मर्यादाओं का उल्लंघन भी होगा। नृशंस हत्या, बलात्कार जैसे घृणित कार्यों की गणना करना भी संभव नहीं होगा। चिकित्सा क्षेत्र में अच्छा विकास होगा। कुछ मंत्रियों में ईगो के प्रभाव से मतभेद बनेगा। मिली-जुली सरकार गठन का योग बनेगा। बुधादित्य योग से शैक्षिक नवाचार का विकास होगा। शुक्रादित्य योग अश्लीलता योग से जनता चिन्तित रहेगी। दिनांक 22 जून 2019 से 25 अक्टूबर 2019 तक का समय चिन्ता दायक, विवाद योग, नवीन क्रांति योग बनेगा। भौमादित्य योग से विवाद जनक वातावरण बना रहेगा। तकनीकी शिक्षा का विकास होगा। गुरु+शुक्र+मंगल+बुध+चन्द्र महायोग रहेगा। केन्द्रीय सरकार-राज्य सरकार में परस्पर सहयोग का अभाव रहेगा। धार्मिक महापुरुषों का योगदान श्रेष्ठ रहेगा। वैज्ञानिक दृष्टि से आणविक सामग्री के प्रयोग से कीर्ति प्राप्त करेगा। व्यक्तिवाद, जातिवाद का मामला चलेगा। आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक दृष्टि से संकट का योग बनेगा। प्राकृतिक आपदा का योग बनेगा। धार्मिक कार्यक्रमों का वर्चस्व बढ़ेगा। धर्म गुरुओं की हत्याओं की साजिश योग बनता है। बड़े-बड़े आश्रमों में अश्लीलता का ताण्डव शनि+शुक्र+राहु+केतु के योग से बनते रहेंगे। काफी गोपनीयता का भण्डाफोड़ भी होगा। वर्तमान नव गठित सरकार में तीन बार मंत्रियों का परिवर्तन योग। जनता में नवीन क्रांति का उदय होगा। लोकप्रिय नेता भी स्वार्थ पूर्ति में लग जायेंगे। देश में कुछ उपद्रवों से जन-धन की हानि होगी। कृषि कार्यों में कुछ नवीनता से कृषक वर्ग लाभ प्राप्त करेंगे। चुनाव आयोग का वर्चस्व घटेगा। कुछ अनीतिपूर्ण कार्यों से चुनाव आयोग संकट में रहेगा। दिनांक 20 जुलाई 2019 से 20 दिसंबर 2019 तक मंत्रिमंडल में अचानक परिवर्तन योग। पुलिस वर्ग का नेतृत्व भी घटेगा। दक्षिण भारत-पूर्वी भारत में हड़तालों के योग से तबाही मचेगी। श्रीराम मन्दिर के निर्माण को लेकर युद्ध जैसा वातावरण बन सकता है। झंझट का मामला रहेगा। दक्षिण भारत में आपत्ति जनक योग से केन्द्र सरकार द्वारा नियंत्रण में विफलता मिलेगी। आणविक शक्ति का मामला बढ़ेगा। नोटबंदी का संकट छाया रहेगा। वैज्ञानिकों का वर्चस्व बढ़ेगा। प्राकृतिक आपदाओं से जनता भयभीत रहेगी। उत्तरी भारत में सीमांकन मामला गड़बड़ होगा। कश्मीर एवं बंगाल का मामला चिन्ता दायक रहेगा। गुप्तचरों द्वारा गोपनीयता भंग होगी। प्रशासन एवं जनता के परस्पर तालमेल में वृद्धि होगी। अशोभनीय घटनाएं भारत में चारों दिशाओं में बनती रहेंगी। महिला आयोग का कार्य क्षेत्र बढ़ेगा। नेतृत्व में महिला का योगदान अच्छा रहेगा।

वर्षा–इस वर्ष वर्षा योग श्रेष्ठ रहेगा। वर्षा की अनियमितता के कारण फसलों में हानि होगी। खण्डवृष्टि-अतिवृष्टि दोनों योग बनेंगे। भारत के पूर्वी भागों में प्राकृतिक परिवर्तन वर्षा के कारण होगा। तिलहन, दलहन-मूंग, मोठ, चना, मसूर की फसलों में बाढ़ के कारण हानि होगी। पशुओं का चारा अधिक होगा। कृषि जन्य सभी खाद्यान्नों की उपज अच्छी होगी। जौ, चना, गेहूं, रायड़ा, ईसबगोल, ज्वार, बाजरा, अलसी, लहसुन, प्याज की पैदावार अच्छी होगी। वायु वेग से यत्र-तत्र वर्षा की असमानता से कृषि की पैदावार बाधित होगी। सरकारी तंत्र से कृषक वर्ग को सहयोग प्राप्त होगा। बिजली गिरने से यत्र-तत्र जन-धन हानि भी होगी।

कृषि–वर्षा की अधिकता एवं असमानता के कारण फसलों में हानि होगी। शासक वर्ग के सहयोग से कृषि कार्य में हानि का दायित्व सर्वे द्वारा शुभ बनेगा। भूमि का कटाव या बाढ़ के कारण फसल का बह जाना अशुभ योग बनेगा। प्याज की पैदावार बढ़ेगी। चना, मूंग, मोठ में जल भराव से हानि होगी। फिर भी यत्र-तत्र पैदावार अच्छी होगी। जनता को सहयोग प्राप्त होगा। जनहित संस्थाओं का योगदान कृषि में अच्छा रहेगा।

शिक्षा–इस वर्ष तकनीकी शिक्षा का विकास अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होगा। शोधपूर्ण कार्यों में काफी प्रगति होगी। कम्प्यूटर शिक्षा का कार्य बढ़ेगा। प्रत्येक कार्यों में कम्प्यूटर शिक्षा का योगदान बढ़ेगा। स्त्री वर्ग शैक्षिक दृष्टि से अग्रसर होंगी। नवाचार तकनीक के योग से प्रतिस्पर्धा का कार्य भी बढ़ेगा। गुणात्मक शिक्षा का अभाव होगा। मानव सेवा धन मंत्रालय की ओर से नवाचार प्रशिक्षण भी प्रारंभ किये जायेंगे।

स्त्री वर्ग–इस वर्ष स्त्री वर्ग की सर्वत्र सहभागिता रहेगी। शैक्षिक दृष्टि से स्त्री वर्ग काफी नवीनता का ज्ञान प्राप्त करेगी। गरिमामय पद की प्राप्ति में स्त्री वर्ग काफी अग्रसर रहेगी। धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, शैक्षिक, नैतिक दायित्वों की योजना बद्ध क्रियान्विति का योग स्त्री वर्ग के लिए लाभ दायक होगा। राज्य सत्तापक्ष कार्यकारिणी में स्त्री वर्ग का पूर्णत: योगदान रहेगा।

धनाढ्य वर्ग–इस वर्ष धनिक वर्ग परेशानी अनुभव करेंगे। जी.एस.टी या अन्य टैक्स से जनता चिन्तित रहेगी। नवीन उद्योग शृंखला का विकास होगा। रोजगार प्राप्ति के नये तरीके विकसित करेंगे। सामाजिक जीवन में जन हितार्थ काफी कार्य करेंगे। विश्वस्तरीय व्यापार में सहभागिता रहेगी। भारत का वर्चस्व विदेशों में बढ़ेगा। आयात-निर्यात बढ़ेगा। गतिशीलता रहेगी।

सेनाएं–भारत की तीनों सैन्य शक्ति में काफी तकनीकी विकास होगा। सेनाध्यक्षों की कार्य प्रणाली सराहनीय होगी। भारत की रक्षा बावत् तैनाती यथावत् प्रबलता के साथ सुरक्षा बढ़ायेंगे। असमाजिक तत्वों का विनाश करेंगे। कर्त्तव्य परायणता की कसौटी पर दमदार भागीदारी निभायेंगे। भारत का वर्चस्व बढ़ायेंगे। सेवार्थ तत्पर रहेंगे।

परिवहन विभाग–रेल परिवहन में काफी समस्याओं से सेवाओं में बांधा आयेंगी। वायु सेवा में भी काफी परिवर्तन योग बनेगा। सड़क परिवहन में दुर्घटनाएं ज्यादा होंगी। यात्रा में बांधाएं। काफी यात्री दुर्घटना की चपेट में जीवन भी खो देंगे। शासन का योगदान सामान्य रहेगा। रेल यातायात में नवीन तकनीक के प्रयोग से जनता परेशानी मे रहेगी। वाहनों का संचालन भी अनियंत्रित होगा। अशुभ योग ज्यादा बनेंगे।

विशेष–इस वर्ष 2076 में छद्मवेशी, आतंकवादियों का गुप्त प्रवेश का खतरा रहेगा। आर्थिक दृष्टि से जनता तंग रहेगी। महंगाई बढ़ेगी। बैंकिंग व्यवस्था से जनता में तनाव रहेगा। धोखाधड़ी का व्यवसाय बन जायेगा। भारत का आर्थिक विकास विश्व में सम्मान, कीर्ति प्राप्त करेगा। स्त्री वर्ग की पहल विकासात्मक शुभ रहेगी। जाली नोटों का धंधा भी पकड़ने में आयेगा। आर्थिक विकास होगा।

प्रान्तीय / राज्य वार दैवज्ञ दृष्टि का भविष्य फल बोध

1. राजस्थान–इस वर्ष ग्रह योग से काफी चिन्ता दायक योग बनेंगे। नवीन सरकार द्वारा जनहित की नयी योजना बनायेगी। वर्षा का अभाव रहेगा। सरकार में परिवर्तन का योग बनेगा। दिनांक 24 जुलाई 2019 से 30 नवंबर 2019 तक प्राकृतिक आपदाओं से जनता चिन्तित रहेगी। छद्मवेशी लोगों का वर्चस्व बढ़ेगा। जनता में आक्रोश छाया रहेगा। पुराने कार्य को नवीनता में परिवर्तन न के तुल्य होगा। शिक्षा में तकनीकी योग बढ़ेगा। सरकारी कार्यालयों में अशोभनीय घटनाएं घटेंगी। वाहन दुर्घटना, बलात्कार, अपहरण जैसे योग बनेंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। लोग धार्मिक स्थानों पर नशा करेंगे। जनता में विश्वासघात ज्यादा होंगे। नेताओं की घोषणाएं, घोषणा ही रहेंगी। कामनाएं पूर्ण नहीं होंगी। नेताओं में असंतोष व्याप्त होगा। नवीन उद्योग नीति बनेगी। मर्यादाओं का अंत जैसा योग बनेगा। गायों की दशा भी चिन्ता दायक रहेगी। वाहन दुर्घटनाएं वायुमार्ग में खराबी चलती रहेगी। तीर्थस्थलों में विकास का योग बनेगा। निजी संस्थाओं का वर्चस्व अच्छा रहेगा। प्राकृतिक आपदा के योग से काफी हानि होगी। जनता में असाध्य योग बनेगा। राजनेताओं का व्यवहार स्वार्थ पूर्ति वाला होगा। जनता का आंदोलन मांग पूर्ति का ताण्डव छाया रहेगा। स्त्री वर्ग का वर्चस्व ईमेल साधन में बढ़ेगा। तकनीकी शिक्षा में निजी शिक्षण संस्थाओं का वर्चस्व रहेगा। पश्चिमी राजस्थान का विकास योग अच्छा बनेगा। गुप्तचरों का भय रहेगा।

2-पंजाब–ग्रह योग से इस प्रांत में राजनैतिक क्षेत्र काफी चिन्ता दायक रहेगा। मान-अपमान के मामले में भी अशांति रहेगी। गृह क्लेश का योग बनेगा। सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक क्षेत्र चिन्तित रहेगा। अशोभनीय घटनाएं ज्यादा होने से जनता भयभीत रहेगी। प्राकृतिक आपदा से लोग पीड़ित होंगे। जन-धन की हानि होगी। दिनांक 26 जून 2019 से 24 नवंबर 2019 तक कुछ अमानवीय घटनाएं अपहरण, चोरी, डकैती, लूटपाट, हत्याएं जैसे अशुभ कार्यों का योग बनेगा। स्त्री वर्ग की सुरक्षा का अभाव रहेगा। कृषि कार्य अच्छा होगा। विधान सभा में विवादास्पद योग बनेंगे। धोखा योग भी। केन्द्र व राज्य सरकार सामंजस्य का अभाव रहेगा।

3- हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, कश्मीर, भूटान–इन प्रान्तों में ग्रह योग से भौतिक विकास के मुद्दा से नेताओं में परस्पर विवाद होगा। राजनैतिक योग चिन्ता दायक रहेगा। विपक्षी पार्टियां सत्ता पक्ष को घेरेंगी। भौगोलिक सीमांकन विवाद भी खुला चलेगा। मानवता के गुणों का लोप होगा। शुक्र+शनि+गुरु+मंगल+बुध इन पांच ग्रहों के प्रभाव से नवीन क्रांति पैदा होगी। जन-आंदोलन चलेगा। गृह युद्ध का वातावरण कहीं-कहीं बनेगा। सामाजिक संस्थाओं की सेवाएं सराहनीय रहेंगी। वरिष्ठतम नेताओं पर आरोप-प्रत्यारोप का योग भ्रष्टाचार, बलात्कार, धोखाधड़ी जैसे अशोभनीय योग से जनता में त्राहि-त्राहि मचेगी। आतंकवादी अपना वर्चस्व बढ़ायेंगे। असमाजिकता के वातावरण से स्त्री वर्ग भयभीत रहेगा। कई नेताओं को पद्च्युत होना पड़ेगा। कुछ अस्वस्थ या देहावसान की गति में होंगे। केन्द्रीय सरकार का योगदान न्यून रहेगा। स्थानीय नेताओं द्वारा कार्य की भूमिका का योग सफलता दायक बनेगा। शिक्षा की दृष्टि से प्रांत अच्छे रहेंगे। आर्थिक हानि का योग बनता है। अग्निकांड भी होगा। भूमि विवाद, प्रतिष्ठा विवाद से अशोभनीय-दयनीय योग भी बनेंगे। प्राकृतिक आपदाओं के योग से सड़क यातायात में काफी बाधाएं आयेंगी।

4-आसाम, पश्चिमी बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, तेलंगाना, तामिलनाडू, कर्नाटका, केरला, मिजोरम, नागालैण्ड महाराष्ट्र, बिहार–इन प्रांतों में ग्रह योग से वर्षा अच्छी होगी। बाढ़ भी आयेंगी। विकासात्मक गति से जनता को रोजगार प्राप्त होगा। औद्योगिक विकास से कार्य लाभ शुभ होगा। दिनांक 27 जून 2019 से 12 दिसंबर 2019 तक आतंकवादियों का बोलवाला रहेगा। यत्र-तत्र आतंकवादी घटना से जनता चिन्तित रहेगी। आर्थिक, सामाजिक, जनहत्या, भौतिक नुकसान जैसे अशुभ योग होंगे। गौ पूजन से शांति का योग। प्राकृतिक आपदाओं के योग से सड़क यातायात, रेलयानों में बाधाएं आयेंगी। जन-धन का व्यापक स्तर पर हानि होगी। राजनेता भी भयभीत जीवन-यापन करेंगे। धारा 144 का योग भी बन सकता है। प्राकृतिक आपदा से जन-धन हानि का योग भी बनेगा। स्त्री वर्ग के सहयोग या नेतृत्व से सरकारों का संचालन होगा। विद्यालय, महाविद्यालयों में छात्रों द्वारा आंदोलन चलेगा। कुछ राज्यों में राजनैतिक उठा-पटक रहेगी। केन्द्र सरकार से तालमेल में अभाव रहेगा। जातिगत मतभेदों से जीवन खतरे में भी पड़ सकता है। यातायात व्यवस्था में भी गड़बड़ी होंगी। कुछ मंत्री स्वेच्छा से पद्त्याग कर सकते हैं। कुछ वरिष्ठ जनों के स्वास्थ्य में गड़बड़ी चलेगी। प्राकृतिक आपदा के कारण जन-जीवन काफी चिन्तित रहेगा। औद्योगिक [illegible]

5. अरुणाचल, मेघालय, मणिपुर, शिलांग, त्रिपुरा, मध्यप्रदेश, गुजरात, गोवा, केन्द्र शासित प्रदेश दिल्ली तथा महानगरों व सभी बन्दरगाहों के परिक्षेत्र में–इस वर्ष 2076 शाके 1941 में मेदनीय ज्योतिष व ग्रह योग गणना से इन राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों, नगरों, महानगरों तथा समुद्र तटीय परिक्षेत्रों में, सभी बन्दरगाहों में विकास की गति अच्छी चलेगी। भौतिक दृष्टि से भी शुभ दायक योग बनेगा। विदेशी व्यापार की गति भी बढ़ेगी। एजेन्सी कार्य की योजना सुचारु रूप में चलेगी। कुछ राजनैतिक उथल-पुथल से जन-जीवन प्रभावित होगा। शुक्रादित्य, बुधादित्य, जीवादित्य योग से इन प्रांतों में गुप्तचरों का बोलवाला, अशोभनीय गोपनीय घटनाएं घटेंगी। व्यापारिक क्षेत्र बढ़ेगा। बन्दरगाहों में कुछ उपद्रव से जन-धन हानि होगी। तकनीकी शिक्षा का विकास होगा। चन्द्रादित्य योग से प्रेम प्रसंग, विवाह का योग बनेगा। प्राकृतिक आपदा से भूमि-भवनों की हानि होगी। विश्वस्तरीय नया कलात्मक कार्य आकर्षण का केन्द्र बनेगा। नृशंस हत्याओं की गणना भी नहीं होगी। दिनांक 25 जून 2019 से 7 नवंबर 2019 तक विवाद योग यत्र-तत्र सामाजिकता का या प्रशासन से शिकायत रूप में बनेगा। अग्निकांडों से जन-धन हानि का योग बनेगा। स्त्री वर्ग का वर्चस्व बढ़ेगा। जनता में अशांति जैसा योग आतंकवादियों द्वारा बनेगा। कोलकाता, मुम्बई, चेन्नई, कानपुर, श्रीनगर, चण्डीगढ़, कोटा, झांसी, सोलन, शिमला, इलाहाबाद, पुणे, जयपुर, हैदराबाद, अमृतसर, जोधपुर, हजारीबाग, गया, भोपाल, रांची, काशी, अहमदाबाद, त्रिपुरा, लखनऊ, हरिद्वार, उज्जैन आदि महानगरों में काफी अशोभनीय चिन्ता दायक घटनाएं बनेंगी। यहां गुप्तचरों का वर्चस्व रहेगा। हत्याएं, चोरी, डकैती, देह व्यापार, प्राकृतिक आपदा, गोपनीय सट्टा व्यापार तथा नशीली वस्तुओं का व्यापार चलेगा। शासन का नियंत्रण विफल होगा। विदेशी सामग्री का गुप्त व्यापार भी चलेगा। बैंकिंग व्यवस्था में भी लूटमार होगी। भौतिक दृष्टि से कुछ नवीनता लिए विकास होगा। रोजगार प्राप्ति के अवसर बढ़ेंगे। औद्योगिक क्रांति का लाभ मिलेगा। नये-नये यांत्रिक शक्ति का प्रयोग सफल होगा। प्राकृतिक आपदा से परेशानी बढ़ेंगी। विश्वस्तरीय व्यापारिक वस्तुओं का मेला लगेगा। नयी मशीनरी का विकास होगा। यातायात में भी परेशानी बढ़ेंगी। विधान सभाओं की भागदौड़ में स्त्री वर्ग अग्रसर रहेंगी। कलाकारों में बीमारी का योग बनेगा। सरकारी कर्मियों की कार्य-शैली स्वार्थ पूर्ति वाली होगी।

दायक रहेगा। विपक्षी पार्टियां सत्ता पक्ष को घेरेंगी। भौगोलिक गति में तेजी आयेगी। स्त्री वर्ग चिन्तित रहेगा। सरकारी कर्मियों की कार्य-शैली स्वार्थ पूर्ति वाली होगी।

वरिष्ठ राजनेता, मंत्रीगण व अन्य जन नेताओं का भविष्य बोध

महामहिम राष्ट्रपति महोदय श्री रामनाथ कोविंद जी–वि. सं. 2076 आपके स्वास्थ्य की दृष्टि से चिन्तित रहेगा। यात्राएं ज्यादा होंगी। सामाजिक परिवेश में कुछ अशोभनीय घटनाएं घटेंगी। हवाई यात्रा में कहीं चोट का योग बनता है। कुछ स्थानों की विशेष यात्रा में मान-सम्मान भी प्राप्त होगा। दिनांक 20 जुलाई से 30 नवंबर 2019 तक का समय स्वास्थ्य के लिए प्रतिकूल रहेगा। लम्बी यात्रा नहीं करें, तो शुभ। शारीरिक व्याधि श्वास रोग, हृदय रोग बनता है। वर्ष में धार्मिक यात्राएं भी होंगी। उपद्रवों से बचकर यात्रा करना शुभ रहेगा। प्राकृतिक आपदा में भी कुछ अशुभता योग है।

महामहिम उपराष्ट्रपति महोदय श्री एम. वेंकैया नायडु जी–इस वर्ष में काफी अशोभनीय घटनाओं का सामना करना पड़ेगा। विपक्ष द्वारा राज्यसभा में अभद्रता के प्रदर्शन से कुछ गरिमा गिरेगा। वाहन दुर्घटना का योग बनता है। दिनांक 27 जून 2019 से 29 अक्टूबर 2019 तक का समय संकट दायक रहेगा। परिवार में कुछ अशोभनीय घटना बनने या होने का योग बनता है। औषधियों का सहारा लेना पड़ेगा। किसी स्त्री पक्ष द्वारा ताड़ना जैसा अशुभ योग बनेगा। स्वास्थ्य की जांच नियमित कराना आवश्यक होगा।

पूर्व प्रधान मंत्री माननीय डॉ. मनमोहन सिंह जी–यह वर्ष 2076 आपको शुभ दायक रहेगा। आपको चुनाव में अच्छी विजय हासिल होगी। पार्टी में नेतृत्व का भार भी बढ़ेगा। शनि के प्रभाव से वर्चस्व बढ़ेगा। पारिवारिक अशांति का सामना करना पड़ेगा। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति बढ़ेगी। दिनांक 20 मई 2019 से 01 अक्टूबर 2019 तक स्वास्थ्य में रोग,बाधा का योग बनेगा। पार्टी के नेतृत्व से नव-संचार का विकास होगा। हवाई यात्रा में धोखा का योग बनता है। सावधानी रखें। गोपनीय शत्रुता का अन्त होगा। श्रेष्ठ भूमिका से जीवनोदय के काफी योग बनेंगे। चुनाव प्रक्रिया प्रचार-प्रसार में अच्छा योगदान मिलेगा। राजनैतिक लाभ प्राप्त होगा।

श्री लालकृष्ण आडवाणी जी–यह वर्ष स्वास्थ्य की दृष्टि से प्रतिकूल रहेगा। बीमारी का योग बनता रहेगा। इलाज में सफलता नहीं मिलेगी। अचानक स्वास्थ्य में खराबी से अशुभयोग भी बन सकता है। आपको केतु की महादशा सन् 2024 तक चलेगी। जिसे पूर्ण रूप से भोगना अशुभ है। मृत्यु तुल्य कष्ट भी होगा। वर्चस्व में कमी आयेगी। हृदय रोग योग, मस्तिष्क पीड़ा सहित जीवन में बाधाएं चलेंगी। सावधान रहें।

श्री अमित शाह जी (भाजपा रा.अ.)–संवत् 2076 आपके लिए काफी चिन्ता दायक रहेगा। वाहन से चोट का योग बनता है। सावधानी बरतें तो शुभ। दिनांक 22 जून 2019 से 30 नवंबर 2019 तक विवादास्पद मामलों में न्यायालय की शरण में जाने का योग बनता है। स्वास्थ्य भी गड़बड़ रहेगा। अपमान जनक वातावरण से गुजरना पड़ेगा। पार्टी का वर्चस्व बढ़ायेंगे। परन्तु वांछित सफलता का अभाव रहेगा। असमाजिक तत्वों द्वारा भी परेशानी का योग बनेगा। वर्तमान में केतु की महादशा 02 अक्टूबर 2024 तक चलेगी। परिवार में भी अशांति का योग चलेगा। दक्षिण भारत की यात्रा में विशेष सावधानी बरतें।

श्री मुलायम सिंह यादव–संवत् 2076 स्वास्थ्य की दृष्टि से चिन्तादायक रहेगा। पार्टी के नेतृत्व में नया शोध परक कार्य में सफलता नहीं मिलेगी। चिकित्सालय का सहारा वर्ष पर्यन्त लेना पड़ेगा। न्यायालय संबंधी मामलों में बिना सूचना के परेशानी आयेगी। शनि+मंगल के कारण चिन्ता दायक रहेगी। शत्रुता के प्रभाव से राजनीति में विफलता मिलेगी। भ्रमण करना भी हानिकारक रहेगा।

श्री अरविन्द केजरीवाल (सी.एम. दिल्ली)–यह वर्ष काफी परेशानियों वाला रहेगा। पार्टी का वर्चस्व भी न्यून होगा। धोखा तथा अविश्वास जनक मामलों से संकट छाया रहेगा। न्यायालय एवं चुनाव आयोग से भी बाधित योग बनेंगे। आर्थिक मापदंड भी बनने का योग है। दिनांक 20 जून 2019 से 30 सितंबर 2019 तक स्वास्थ्य भी चिन्ता दायक रहेगा। अपमान जनक घटनाओं से परेशानी बढ़ेगी। शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा। अवमानना आदेश से पीड़ित होंगे। आगामी सरकार बनाना योग नहीं बनता है।

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र दामोदर दास जी मोदी–इस वर्ष 2076 में आपकी छवि में न्यूनता आयेगी। पार्टी का मनोबल भी गिरेगा। कुछ संकट कालीन परिस्थिति से गुजरना पड़ेगा। चुनाव में शुभ विजय योग। लेकिन अपमान जनक स्थिति से गुजरना पड़ेगा। मिलीभगत का आरोप लगेगा। दिनांक 25 जून 2019 से 30 नवंबर 2019 तक सावधानी से विदेश यात्रा करें। हवाई दुर्घटना जैसा योग यदा-कदा बनेगा। वर्तमान में चन्द्रमा की महादशा चलने से गठित कमेटी योजनाओं का लाभ प्राप्त होगा। दक्षिण भारत यात्रा में भी कुछ अशांति दायक योग बनेंगे। अंतर्राष्ट्रीय स्तर का व्यक्तित्व मानक बढ़ेगा। भाषणों में की जाने वाली घोषणाएं भी अपूर्णता की श्रेणी में रहेंगी। स्वास्थ्य गड़बड़ रहेगा। चिकित्सक से स्वास्थ्य लाभ लेना पड़ेगा। सामाजिक कार्यों में भी भागदौड़ चलेगी। आगामी लोकसभा में अविश्वास जनक प्रस्तावों का सामना करना पड़ेगा। निजी व्यक्ति से भी विवाद बनने का योग। यात्राएं ज्यादा होंगी। कार्य न्यून होगा। नवीन औद्योगिक नीति की घोषणा का योग बनेगा। नेतृत्व परिवर्तन का योग भी बनेगा। श्रीराम मन्दिर निर्माण कार्य पूरा नहीं कर पायेंगे। संगठन का भार बढ़ सकता है। या संगठन त्याग करने का योग बनेगा। शनि ग्रह के प्रभाव से न्यायालयों में जाना पड़ेगा। स्वयं के स्वभाव में परिवर्तन होगा। अन्य वरिष्ठ नेताओं का सहयोग न्यून बनेगा। चुनावों में गडबड़ी का आरोप लगेगा। अर्थ व्यवस्था का कार्य चिन्ता दायक रहेगा। छद्मवेशी योग से जीवन में हानि भी होने का योग बनता है। आतंकवादी समस्या एवं कश्मीर का मुद्दा छाया रहेगा। युद्ध जैसा वातावरण निर्माण करने में निर्णय करना समस्या बनी रहेगी।

श्रीमती सोनिया गांधी–संवत् 2076 में असमाजिक तत्वों से मुठभेड़ चलेगी। स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा। हृदय रोग, घुटनों में दर्द, मस्तिष्क रोगों एवं गुप्त रोग का योग राहु+केतु से बनेगा। दिनांक 24 जून 2019 से 27 अक्टूबर तक काफी चिन्ता दायक बीमारी एवं पारिवारिक विवाद का योग बनेगा। धोखा योग तीन बार बनेगा। वाहन दुर्घटना का योग भी बनता है। ग्रह योग से पार्टी का वर्चस्व कुछ बढ़ेगा। आगामी चुनावों में सहयोगी दलों द्वारा क्रियान्विति का लाभ भी मिलेगा।

श्रीमती प्रियंका बढेरा (कांग्रेस सदस्य)–यह वर्ष आपके लिए काफी परिवर्तन कारक रहेगा। दाम्पत्य जीवन में मनमुटाव होगा। वाहन से चोट का योग भी। राजनैतिक कार्यों में सफलता विजय कारक योग भी बनते हैं। स्वास्थ्य प्रतिकूलता से बाधित रहेगा। दिनांक 27 जुलाई 2019 से 28 दिसंबर तक न्यायालय संबंधी प्रकरण विवादप्रद बनेगा। सम्पति विवाद में काफी बाधाएं बनेंगी। सामाजिक जीवन में नवीनता का योग बनेगा। स्त्री वर्ग का नेतृत्व करेंगी।

श्रीमती स्मृति ईरानी (केन्द्रीय मंत्री)–यह वर्ष 2076 आपके लिए संकट दायक, धोखा दायक व चिन्ता दायक रहेगा। चुनाव में विजय प्राप्ति की बाधाएं आयेंगी। पार्टी की सबलता से राजनीति योग चलेगा। वाहन दुर्घटना का योग बनता है। शारीरिक अशोभनीय घटना भी शनि ग्रह के कारण अचानक गुप्त रूप से बनेगी। दिनांक 22 जून 2019 से 28 अक्टूबर 2019 तक दायित्वों का भार बढ़ेगा। बीमारी भी आयेगी। किसी भी यात्रा में अशुभ घटना के योग से वर्चस्व घटेगा। उदर पीड़ा, हृदय रोग बाधा रहेंगी।

श्रीमती सुषमा स्वाराज जी (विदेश मंत्री)–वर्ष 2076 में काफी परिवर्तन योग बनेगा। आगामी चुनाव में विजय योग बनेगा। लेकिन अस्वस्थ रहने से बेचैनी धीरे-धीरे चलेगी। दिनांक 24 जून 2019 से 28 नवंबर 2019 तक वाहन से हानि योग बनेगा। पार्टी की जिम्मेदारियां भी बढ़ेंगी। विदेश यात्रा में स्वास्थ्य में गड़बड़ी का योग। पारिवारिक अशांति एवं राजनीति में नया मोड़ बनेगा। हृदय रोग का प्रभाव भी होगा। कुछ असमाजिक तत्व एवं आतंकवादियों से धोखा होने का योग बनता है। पार्टी में आपका योगदान सराहनीय रहेगा। पद परिवर्तन योग भी बनता है।

श्रीमती वसुन्धरा राजे सिंधिया–वर्ष में शनि ग्रह के कारण अशांतिदायक स्थिति बनेगी। चोट बाधा योग भी बनता है। केन्द्रीय सरकार में कुछ भागीदारी का योग बनेगा। स्वास्थ्य गड़बड़ी योग हवाई यात्रा में बनेगा। पार्टी का वर्चस्व बना रहेगा। हृदय रोग बाधा, पारिवारिक कुछ असमानता का योग बनेगा। दिनांक 24 जून 2019 से 30 सितंबर 2019 तक वाहन से चोट योग बनेगा। समय प्रतिकूल रहेगा। कुछ नजदीकी वर्ग से भी धोखा होने का योग। पार्टी की छवि बनाने में पूर्व की भांति कीर्ति प्राप्त होगी। गुप्तचरों से सावधान।

माननीय केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह जी–वर्ष 2076 में आपको काफी संकट का सामना करना पड़ेगा। पार्टी का वर्चस्व बचाने का प्रयास बढ़ेगा। दिनांक 20 जून 2019 से 15 नवंबर 2019 तक स्वास्थ्य गड़बड़ रहेगा। हृदय गति का प्रभाव चिन्ता दायक रहेगा। विजय होने के बाद भी चिन्ता यथावत् रहेगी। शारीरिक कमजोरी के योग से चिकित्सालय का सहारा लेना पड़ेगा। स्वेच्छा से पद का त्याग भी कर सकते हैं। यात्राएं करने में कमजोरी महसूस करेंगे। पार्टी के प्रचार-प्रसार में जुटना पड़ेगा। मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी।

डॉ. मुरली मनोहर जोशी–वर्ष 2076 काफी चिन्ता दायक रहेगा। पार्टी के वर्चस्व में सहभागिता रहेगी। राजनैतिक भविष्य सामान्य रहेगा। संगठन की प्रणाली को मजबूत करेंगे। प्रेरणा दायी व्याख्यान का लाभ जनता को मिलेगा। दिनांक 27 जून 2019 से 30 नवंबर तक भागदौड़ ज्यादा रहेगी। धार्मिक कार्यों में काफी चिन्तनीय कार्य भी करेंगे। स्वास्थ्य भी गड़बड़ रहेगा। कहीं चोट भी लग सकती है। चिकित्सालय के योगदान से अनुकूलता बनेगी। भारत का गौरव बढ़ायेंगे।

श्री रामविलास पासवान–यह वर्ष स्वास्थ्य की दृष्टि से चिन्ता दायक रहेगा। न्यायालय संबंधी प्रकरण से वर्चस्व में कमी आयेगी। दिनांक 20 जून 2019 से 30 अगस्त 2019 तक वाहन से दुर्घटना योग। कुछ अशोभनीय घटना का शिकार भी होंगे। सत्ता पक्ष में भागीदारी का योग। मस्तिष्क दर्द से परेशानी योग।

श्रीमान् लालू प्रसाद यादव जी–वर्ष 2076 काफी चिन्तादायक रहेगा। न्यायालय संबंधी आदेशों में उठापटक ज्यादा चलेगी। पार्टी का वर्चस्व न्यून होगा। कानून की लड़ाई में हार होगी। दिनांक 15 जून 2019 से 20 अक्टूबर 2019 तक श्वास रोग बाधा, हृदय रोग जैसा योग बनेगा। विश्वास घात का योग भी बनता है। परिवार में रोग बाधा योग।

सुश्री मायावती जी (बसपा)–वर्ष 2076 में न्यायालय के प्रकरणों में वृद्धि होगी। लेकिन विजय होगी। राजनैतिक लाभ भी यथावत् रहेगा। दिनांक 27 जून 2019 से 30 नवंबर 2019 तक स्वास्थ्य में गड़बड़ रहेगी। कुछ स्थानों पर मान-सम्मान मिलेगा। मानवता का दृष्टिकोण अपनाने में अग्रसर होंगी। केन्द्रीय सत्ता पक्ष तक सहभागिता बनेगी। आतंकवादी, सुरक्षाकर्मी द्वारा चिन्तनीय स्थिति बनने का योग बनता है। पार्टी का वर्चस्व भी बढ़ेगा।

सुश्री उमा भारती–संवत् 2076 आपके लिए साधना, सेवा, अध्यात्म कार्य तथा प्रेरणादायी कार्यों का रहेगा। राजनीति से मोह भंग होने का योग बनता है। वृश्चिक+धनु का गुरु ग्रह धार्मिक कार्यक्रमों की ओर अग्रसर करेगा। दिनांक 17 जून 2019 से 26 अक्टूबर 2019 तक स्वास्थ्य गड़बड़ रहेगा। श्रीराम मंदिर निर्माण कार्यक्रम में सहभागिता रहेगी। चोट-बाधा भी आयेगी।

श्री राहुल गांधी (अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी)–वर्ष 2076 में पार्टी का नेतृत्व करेंगे। सफलता का कुछ ग्राफ बढ़ेगा। केन्द्रीय सत्ता में भागीदार से वंचित रहने का योग बनता है। दिनांक 20 जून 2019 से 30 अक्टूबर 2019 तक का समय अग्नि परीक्षा का रहेगा। विवाद जनक वार्ता का योग बनता है। अपमानित शब्दों का क्षेत्र बनेगा। माता का स्वास्थ्य खराब होगा। राजनैतिक योग शुभ है। हवाई यात्रा एवं सड़क यात्रा में सावधानी रखना होगा। चोट योग बनेगा। आगामी चुनावों में सीटों की वृद्धि का लाभ मिलेगा। अशोभनीय घटना विपक्ष द्वारा बनायी जा सकती है। धोखा योग से स्वास्थ्य की हानि भी होगी।

श्री अशोक जी गहलोत–वर्ष 2076 आपके लिए शुभ दायक रहेगा। राज्य स्तर या केन्द्रीय स्तर पर पद प्राप्ति का योग। आतंकवाद से बचकर चलें। दिनांक 24 जून 2019 से 30 अक्टूबर 2019 तक स्वास्थ्य की दृष्टि से अशोभनीय रहेगा। सामाजिक दायित्व भी बढ़ेंगे। वाहन दुर्घटना का योग। राष्ट्रीय स्तर तक पार्टी का वर्चस्व बढ़ायेंगे। सत्ता पक्ष गठन का योग भी बनता है। धोखा से बचें तो शुभ होगा।

श्री पी. चिदम्बरम जी–वि.सं. 2076 में स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। हृदय रोग, दुर्घटना योग भी बनता है। शत्रुता का प्रभाव बढ़ेगा। न्यायालय जैसा प्रकरण बनेगा। विजय होगी। दिनांक 24 जून 2019 से 30 सितंबर 2019 तक का समय काफी चिन्ता दायक रहेगा। धोखा में विवाद भी बढ़ेगा। राजनैतिक प्रभाव अच्छा रहेगा। कुछ नेताओं के परामर्श से कार्य अच्छा भी बनेगा। भ्रमण ज्यादा रहेगा।

श्रीमती शीला दीक्षित जी–वि.सं. 2076 में ग्रह योग से स्वास्थ्य सुधार होगा। पार्टी का नेतृत्व योग पुन: बनेगा। वाहन यात्रा में सावधानी बरतें। दिनांक 27 जून 2019 से 29 अक्टूबर 2019 तक कुछ असामयिक घटना का सामना करना पड़ेगा। मन-मुटाव विवाद न्यायालय प्रकरण भी बनेगा। आर्थिक हानि के साथ अशोभनीय घटनाओं का योग भी बनेगा। पार्टी से तेजस्वी पार्टी में सबलता बढ़ेगी। किसी भी महिला से धोखा की वार्ता से बचें तो शुभ होगा।

श्री अमिताभ बच्चन–वर्ष 2076 में स्वास्थ्य में गड़बड़ रहेगी। रोग बाधा, चिकित्सालय का सहयोग लेना पड़ेगा। फिल्म उद्योग में भी कार्य गति में शारीरिक बाधा योग। हवाई दुर्घटना या सड़क दुर्घटना का योग भी बनता है। दिनांक 27 जून 2019 से 18 नवंबर 2019 तक की अवधि में मृत्यु तुल्य कष्ट होगा। तथा अपमान जनक वार्ता से परेशानी बढ़ेगी। विज्ञापनों के कार्यों में वर्चस्व घटेगा। चोट योग, कार्यों में बाधा, रुकावट तथा सामाजिक परिवेश में भी कार्य भार का योग बनेगा। पारिवारिक विवाद से मन असंतोष रहेगा। नवीन क्रांति का योग फिल्म उद्योग में करेंगे।

श्रीमती मेनका गांधी–ग्रह योग से वर्ष अच्छा रहेगा। कार्यों की गति बढ़ेगी। पार्टी में छवि बनी रहेगी। आगामी चुनावों में विजय योग के साथ सत्ता पक्ष में सहभागिता मंत्रिमंडल में पुन: स्थान प्राप्ति का योग है। कुछ अपमान जनक वार्ता हो तो आप पद त्याग भी कर सकती हैं। दिनांक 20 जून 2019 से 30 अक्टूबर 2019 तक स्वास्थ्य प्रतिकूल रहेगा। यात्रा में सावधानी रखें। कुछ असमाजिक तत्वों से शारीरिक बाधा, चोट योग बनता है। सीमाओं से युक्त कार्य के प्रति समर्पित रहकर कार्य करेंगी। सामाजिक जीवन अच्छा रहेगा। न्यायालय संबंधी प्रकरण होगा तो विजय आपकी ही होगी।

माननीय श्रीमान् आदित्यनाथ जी योगी (मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार)– वर्ष 2076 आपके लिए अपमान जनक रहेगा। श्रीराम मंदिर निर्माण में संकट का सामना करना पड़ेगा। पार्टी में वर्चस्व बना रहेगा। मगर कुछ नेताओं से मतभेद चलेगा। राज्य में हड़तालें, लूटमार, गुप्त कारनामों के योग से चिन्तित रहेंगे। मन नहीं माना तो इस्तीफा भी दे सकते हैं। दिनांक 28 जून 2019 से 30 नवंबर 2019 तक स्वास्थ्य में कुछ गड़बड़ रहेगी। विपक्षी वर्ग कुछ मामलों में बाधा डालेंगे। आपका व्यक्तिगत निर्णय ही आपके भविष्य का शुभ कारक रहेगा। धार्मिक यात्राएं भी होंगी। भारतयीयता की भावना से विकासात्मक कार्यों की ओर अग्रसर रहेंगे।

श्रीमान् नितीश कुमार जी (मुख्यमंत्री, बिहार सरकार)– वर्ष 2076 में ग्रह योग से राजनैतिक बाधाओं से शासन चलेगा। अपमान जनक शब्दों को सुनना पड़ेगा। सामाजिक जीवन भी संकट में रहेगा। कुछ स्थानों पर शारीरिक चोट का योग बनेगा। दिनांक 27 जून 2019 से 30 नवंबर 2019 तक न्यायालय संबंधी प्रकरण का योग विवाद भी बनेगा। स्त्री पक्ष से कुछ अभद्रता योग का आरोप भी लग सकता है। छद्मवेशी योग से भय रहेगा। वाहन दुर्घटना का योग भी बनता है।

द्वादश राशियों का मासिक भविष्यफल वि.सं. 2076, सन् 2019-20 ई.

नोट:-यह राशिफल गोचर ग्रहों के योग से नाम राशि-जन्म राशि मिश्रित गणना के रूप में लिखा गया है। सुविधा के लिए नामाक्षर, राशि स्वामी एवं नग भी लिखे हैं।

मेष-चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

स्वामी-मंगल नग-मूंगा शुभ

अप्रैल 2019-इस माह में आरोग्य प्राप्ति का शुभ योग बनेगा। सोचे हुए कार्यों में गति बढ़ेगी। राजकीय सेवा का अवसर मिलेगा। मित्रों का भी सहयोग प्राप्त होगा। धार्मिक कार्यक्रमों का शुभ योग। पुराने विवाद को पुनः प्रारंभ न करें। स्त्री वर्ग द्वारा शुभ सूचना प्राप्त होगी। आय प्राप्ति का शुभ अवसर। अचानक शुभ कार्य होंगे। दिनांक 2, 8, 12, 16, 22, 27 अशुभ दायक हैं। मांगलिक कार्य का योग भी। **मई**-इस माह के आरंभ में मित्र वर्ग से विवाद योग बनता है। व्यर्थ कार्यों में भाग नहीं लेवें। पारिवारिक कार्यों में कुछ बाधाएं आयेंगी। तनाव से बचें। वाहन क्रय तथा भवन निर्माण का योग बनता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट या बीमारी का योग भी बनता है। परिवार में कुछ नया कार्य होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। विद्या से शुभ लाभ मिलेगा। धार्मिक कार्यों में भागदौड़ चलेगी। दिनांक 3, 6, 9, 13, 15, 19, 24, 28 अशुभ दायक रहेंगी। वाहन चलाने में सावधानी रखें। **जून**-इस माह में सामाजिक सेवा में व्यस्त रहेंगे। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता। विदेश गमन या धार्मिक यात्रा में सहभागिता का लाभ मिलेगा। सरकारी सेवा तथा संतान प्राप्ति का भी शुभ योग बनता है। आय में कुछ चिन्ता बनेगी। पारिवारिक कार्य गति शुभ दायक रहेगी। कुछ संस्थाओं द्वारा आर्थिक लाभ प्राप्त का योग। दैनिक रोजगार में लाभ के साथ खर्चा यथावत् चलेगा। अच्छे विचारों का लाभ प्राप्त होगा। ता. 4, 8, 15, 19, 27, 28 अशुभ दायक हैं। मित्र वर्ग मदद करेंगे। भागदौड़ चलती रहेगी। **जुलाई**-माह में नये नेताओं से सम्पर्क बढ़ेगा। वाहन क्रय योग शुभ दायक रहेगा। पारिवारिक कार्यों में विशेष वृद्धि होगी। घरेलू सुविधाएं बढ़ेंगी। विदेश यात्रा योग भी बनेगा। मित्रों का सहयोग अच्छा रहेगा। मांगलिक खर्चा, भवन निर्माण या धार्मिक यात्रा का शुभ योग बनेगा। यदि गणेशोपासना करें तो शुभ होगा। पत्नी द्वारा शुभ कार्यों का योग भी बनेगा। दिनांक 7, 9, 14, 19, 24, 27, 29 अशुभ हैं। देर रात्रि में लम्बी यात्रा स्वयं गाड़ी चलाकर न करें। उधार लेने में सावधानी बरतें। **अगस्त**-इस माह में कार्य गति बढ़ेगी। पिछले रुके हुए कार्य बनेंगे। परिवार में नये सदस्य का आगमन योग है। स्त्री वर्ग को रोग बाधा योग बनता है। भवन निर्माण, नया धंधा रोजगार का शुभ योग बनता है। पारिवारिक सौदा में कोई धोखा भी हो सकता है। विवाद-झगड़े से बचें। दैनिक दिनचर्या में कुछ गड़बड़ी बन सकती है। आवश्यकताएं बढ़ेंगी। दिनांक 2, 6, 8, 14, 18, 22 अशुभ रहेंगी। श्री गणेशोपासना करें तो शुभ दायक रहेगा। मांगलिक कार्य में सफलता मिलेगी। **सितंबर**-इस माह में कार्य वृद्धि का शुभ योग बनेगा। धार्मिक कार्य गति बढ़ेगी। तीर्थाटन योग बनेगा। व्यर्थ कार्यों में भागीदारी न बनायें। वाहनों से सावधान रहें। अध्ययन का शुभ लाभ। राजकीय सेवा योग बनेगा। पशुओं से सावधान रहें। धार्मिक कार्यों का आयोजन योग बनता है। न्यायालय प्रकरण में विजय योग बनता है। भागदौड़ ज्यादा रहेगी। उद्योग शुभारंभ का योग बनता है। माह में नवीन मित्रों से शुभ लाभ होगा। दिनांक 1, 6, 10, 14, 18, 26, 28 अशुभ हैं। सावधान रहें। **अक्टूबर**-इस माह में शुभ महा-गायत्री, कुलदेवी की साधना का योग है। वाहन क्रय-विक्रयादि योग बनेगा। स्थान परिवर्तन या तीर्थाटन का शुभ योग भी। वित्तीय सहयोग प्राप्त होगा। मित्र वर्ग से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पत्नी की राय से व्यवसाय में शुभ दायक योग बनेगा। कुछ गुप्त वार्ता में धोखा योग है। सावधानी से वार्तालाप करें। मांगलिक कार्यों में खर्चा ज्यादा होगा। कीर्ति बढ़ेगी। सम्मान प्राप्ति का शुभ योग बनेगा। दिनांक 4, 10, 16, 22, 24, 29 अशुभ रहेंगी। इन तारीखों में यात्रा नहीं करें तो शुभ रहेगा। **नवम्बर**-इस माह में आपको सामाजिक सेवा का भार ज्यादा बढ़ेगा। लोगों के द्वारा कार्य करने के लिए बाध्य जैसा योग बनेगा। ग्रहों की चाल से आपको काफी स्थानों में भ्रमण करना पड़ेगा। मित्र वर्ग मदद करेंगे। नया कार्य का शुभ योग बनेगा। परिवार में कोई रोग से बाधित होने का अशुभ योग है। व्यवसाय में भी परिवर्तन का योग। आर्थिक लाभ अच्छा होगा। ऋण प्राप्ति योग। दिनांक 5, 9, 16, 23, 27, 29 अशुभ रहेंगी। किसी की जमानत इस माह में नहीं दें तो ठीक रहेगा। वाहन क्रय योग बनता है। **दिसम्बर**-इस माह में उत्साह वर्द्धक योग बनेगा। कुछ समस्याओं का भी निस्तारण होता रहेगा। आर्थिक लाभ योग। राजकीय सेवा योग अथवा पदोन्नति का योग बनेगा। विदेश यात्रा का योग। आर्थिक दृष्टि से माह अच्छा रहेगा। अनावश्यक वार्त्ताओं से बचें। वाहन संचालन में सावधानी बरतें। बिगड़े हुए कार्य बनेंगे। पुराना विवाद हो तो विजय योग भी। दिनांक 3, 6, 9, 14, 17, 24, 26, 28 अशुभ रहेंगी। **जनवरी 2020**-इस माह में आरोग्य प्राप्ति का शुभ योग बनेगा। सोचे गये कार्यों में गति बढ़ेगी। उत्तम भोजन प्राप्ति का योग। परिवार में शुभ दायक कार्यों का योग बनता है। कुटुम्ब जनों में मान-सम्मान बढ़ेगा। अनेक लोग कार्यों में गति का लाभ देंगे। शंकाओं का निवारण होगा। खाद्यान्न संबंधी लेन-देन बनेगा। मांगलिक कार्य विवाह आदि का शुभ खर्चा होगा। दिनांक 4, 7, 9, 14, 17, 22, 24 अशुभ दायक। मानसिकता में साधना योग का लाभ बनेगा। नवीन भवन क्रय का योग भी। पुरस्कार प्राप्ति का योग। **फरवरी**-इस माह में पारिवारिक कार्यों की भागदौड़ रहेगी। कुछ स्थानों पर नई कार्य योजना का योग बनता है। मित्र वर्ग का शुभ योगदान रहेगा। आर्थिक दृष्टि से माह अच्छा रहेगा। वाहन क्रय का शुभ योग। नौकरी सरकारी या निजी कम्पनी में लगने का शुभ योग। शुभ कार्यों में खर्चा होगा। मित्र वर्ग के साथ विदेश गमन योग। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। कृषि कार्य से आय अच्छी होगी। दिनांक 2, 6, 12, 17, 22, 29 अशुभ दायक रहेंगी। स्थान परिवर्तन योग बनता है। पारिवारिक कार्यों में प्रगति। **मार्च**-इस माह में शुभ दायक समाचार मिलेंगे। सम्मान प्राप्ति योग तथा संतान का वैवाहिक योग बनता है। स्त्री वर्ग के सहयोग से पारिवारिक कार्यों में गति बढ़ेगी। धार्मिक कार्यों का शुभ योग बनेगा। अचानक चोट या दुर्घटना का योग बनेगा। सावधानी रखें तो शुभ। उदर पीड़ा योग भी बनता है। निजी कम्पनी द्वारा नौकरी का योग। मित्रों से योजनावद्ध वार्ताएं होंगी। दिनांक 2, 3, 4, 11, 12, 17, 21, 23 अशुभ दायक हैं। लम्बी यात्रा नहीं करें।

वृष-ई, उ, ए, ओ, वा, वि, वू, वे, वो

स्वामी-शुक्र नग-हीरा शुभ

अप्रैल 2019-इस माह में व्यापारिक गति बढ़ेगी। राजकीय कार्य तथा नौकरी का शुभ योग बनता है। घर में स्त्रियां मांगलिक कार्यों में व्यस्त रहेंगी। ऋण से मुक्ति योग भी। व्यवसाय में मित्र वर्ग मदद करेंगे। नया भवन निर्माण या क्रय का योग बनता है। उधार प्रदत्त राशि पुनः प्राप्ति का योग। दिनांक 2, 3, 11, 12, 13, 21, 22, 23 अशुभ दायक हैं। वाहन क्रय-विक्रय योग। सामाजिक सबलता प्राप्त होगी। **मई**-इस माह में आर्थिक संकट योग बनेगा। मित्र वर्ग काफी मदद करेंगे। राजकीय कार्यों में

शेष पृष्ठ 188 पर

वि. स. 2076, शाके 1941 मध्ये शुद्ध विवाह मुहूर्त्ता। (अभिजित् मुहूर्त्त सहित)

यहां दिये गये विवाह मुहूर्त्त **"लत्ता पातो युतिर्वेधो जामित्रं बुध पंचकम्। एकार्गलौपग्रहौ च क्रांति साम्यं तथा परम्॥ दग्धा तिथिश्च विज्ञेया दश दोषाः महाबला॥ एतान्दोषान् परित्यज्य लग्नं संशोधयेद् बुधैः॥"** श्लोक सूत्रगत प्रमुख दश दोष रहित है तथा जिन दोषों के परिहार वाक्य मिले उन्हें भी दिया गया है। इस दश दोष शुद्धि को रेखाओं में प्रदर्शित किया गया है। रेखाओं में जहां (।) ऐसी खड़ी रेखा है वहां उस दोष की पूर्ण शुद्धि समझें तथा जहां (0) ऐसा चिन्ह है उसे परिहार सहित दोष जानें। **वैवाहिक नक्षत्र "रोहिण्युत्तर रेवत्यो स्वाती मूलं मृगो मघा। अनुराधाश्च हस्तश्च विवाहे मंगलप्रद॥।"** किन्तु कात्यायनोक्त **"त्रिषुः त्रिपृत्तरादिषु"** (गृह्य सूत्र) के अनुसार चार विशेष विवाह नक्षत्र भी हैं। इस विषय में धर्म सिंधुकार ने भी लिखा है। **"चित्रा श्रवण धनिष्ठाऽश्विनी यजुर्वेदीनाम्"** अतः यजुर्वेदियों के विवाह इन चार विशेष विवाह नक्षत्रों में भी हो सकते हैं। हम पाठकों की सुविधा हेतु इन चार विशेष विवाह नक्षत्रों के मुहूर्त भी अलग से दे रहे हैं।

नोटः-यहां क्रांतिसाम्य (महापात) दोष स्थूल न लेकर सूक्ष्म गणितागत लिया गया है। लग्नों का समय भा.स्टै.टा. दिल्ली हेतु है। अतः अन्य नगरों के लिये समय परिवर्तित करके संशोधित कर लें। गुरु-शुक्र का उदयास्त सूक्ष्म उन्नतांश पद्धति से लिया गया है। लग्नों के आगे दिया गया समय लग्नारंभ काल है।

समय शुद्धि

卐 **संक्रांति दोष**–वर्षारंभ से चैत्र शुक्ला 8 शनिवार दिनांक 13 अप्रैल 2019 तक तथा पौष कृष्ण 5 सोमवार दिनांक 16 दिसंबर 2019 ई. से माघ कृष्ण 3 सोमवार दिनांक 13 जनवरी 2020 ई. तक तथा पुनः फाल्गुन शुक्ला 8 मंगलवार दिनांक 3 मार्च 2020 ई. से फाल्गुन शुक्ला 15 सोमवार दिनांक 9 मार्च 2020 ई. तक (सर्वत्र वर्ज्य)

卐 **चातुर्मास** (चौमासा) **दोष**–आषाढ़ शुक्ला 11 शुक्रवार दिनांक 12 जुलाई 2019 से कार्तिक शुक्ला 11 शुक्रवार दिनांक 08 नवंबर 2019 तक (सर्वत्र वर्ज्य)

卐 **शुक्रास्त** (तारा)–श्रावण कृष्ण 6 मंगलवार दिनांक 23 जुलाई 2019 से भाद्रपद शुक्ला 13 बुधवार दिनांक 11 सितंबर 2019 तक (सर्वत्र वर्ज्य)

卐 **गुरु अस्त** (तारा)–पौष कृष्ण 2 शनिवार दिनांक 14 दिसंबर 2019 से पौष शुक्ला 14 गुरुवार दिनांक 09 जनवरी 2020 तक (सर्वत्र वर्ज्य)

卐 **होलाष्टक**–फाल्गुन शुक्ला 8 मंगलवार दिनांक 3 मार्च 2020 से फाल्गुन शुक्ला 15 सोमवार दिनांक 9 मार्च 2020 ई. तक (रावी, व्यास, सतलुज के किनारे एवं पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश में वर्ज्य)

विवाहे सूर्य, गुरु व चन्द्र बल विचार

सूर्यः- 3, 6, 10, 11वां **शुभ**। 1, 2, 5, 7, 9वां **पूज्य**। 4, 8, 12वां **नेष्ट**। **गुरुः**- 2, 5, 7, 9, 11वां **शुभ**। 1, 3, 6, 10वां **पूज्य**। 4, 8, 12वां **नेष्ट**।
चन्द्रः- 1, 2, 3, 5, 6, 7, 9, 10, 11वां **शुभ**। 12वां **ग्राह्य (पूज्य)**। 4, 8वां **नेष्ट**।

चैत्र शुक्ल पक्ष संवत् 2076 वि.

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)	चन्द्र	सूर्य	गुरु
16 अप्रै.	12	मंगल	उफा.	8	।।।ऽ।ऽ।।।।	26।59 से 28।25 तक, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ (दान-सू., मं. शु.)	सिंह	मेष	वृश्चिक
17 अप्रै.	13	बुध	उफा.	9	।।ऽ।।।।।।।	22।07 से 28।22 तक, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ (दान -सू., मं. शु.)	कन्या	मेष	वृश्चिक
19 अप्रै.	15	शुक्र	स्वा.	8	।ऽ।।।।ऽ।।	20।41 से 28।14 तक, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ (दान- मं.)	तुला	मेष	वृश्चिक

बैशाख कृष्ण पक्ष संवत् 2076 वि.

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)	चन्द्र	सूर्य	गुरु
26 अप्रै.	7	शुक्र	श्रव.	6	ऽ।ऽ।ऽ।।ऽ।।	23।14 से 27।46 तक, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ (दान - मं.)	मकर	मेष	वृश्चिक
27 अप्रै.	8	शनि	श्रव.	7	ऽऽ।।।।।ऽ।।	20।10 से 29।07 तक, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ, मीन (दान-मं.)	मकर	मेष	वृश्चिक
28 अप्रै.	9	रवि	धनि.	8	ऽ।।।।।।ऽ।।	20।06 से 25।42 तक, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ, मीन (दान - मं.)	कुंभ	मेष	वृश्चिक

बैशाख शुक्ल पक्ष संवत् 2076 वि.

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)	चन्द्र	सूर्य	गुरु
06 मई	2	सोम	रोहि.	10	।।।।।।।।।।	19।35 से 23।59 तक, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ, मीन (दान -चं., मं.)	वृष	मेष	वृश्चिक

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)	चन्द्र	सूर्य	गुरु
12 मई	8	रवि	मघा	8	ISIIIIISII	21:30 से 28:08 तक, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ, मीन (दान - मं., शु.)	सिंह	मेष	वृश्चिक
17 मई	13	शुक्र	स्वा.	5	SSIISSSIII	18:51 से 26:22 तक, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ, मीन (दान - सू., मं., शु.) मृत्युबाण	तुला	वृष	वृश्चिक
18 मई	15	शनि	अनु.	8	IIISIISIII	26:22 से 27:45 तक, धनु, मकर, कुंभ, मीन (दान - मं., श., रा., के.) पंचशलाकावेध सूर्य	वृश्चिक	वृष	वृश्चिक

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष संवत् 2076 वि.

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण	चन्द्र	सूर्य	गुरु
19 मई	1	रवि	अनु.	7	IIIISISSII	21:02 से 26:07 तक, धनु, मकर, कुंभ (दान - मं., श., रा., के.)	वृश्चिक	वृष	वृश्चिक
23 मई	5	गुरु	उषा.	8	IIIISIISII	20:46 से 23:48 तक, धनु, मकर (दान - मं., श., रा., के.)	मकर	वृष	वृश्चिक
24 मई	6	शुक्र	श्रव.	7	IIIISIISSI	20:42 से 28:56 तक, धनु, मकर, कुंभ, मीन, मेष (दान - मं., श., रा., के.) क्रांति साम्य	मकर	वृष	वृश्चिक
28 मई	9	मंग.	उभा.	7	SIIIIIISSI	20:27 से 26:30 तक, धनु, मकर, कुंभ, मीन, मेष (दान - मं., श., रा., के.)	मीन	वृष	वृश्चिक
29 मई	10	बुध	उभा./रेव.	9	IIIIIIISII	20:23 से 28:04 तक, धनु, मकर, कुंभ, मीन, मेष (दान - मं., श., रा., के.)	मीन	वृष	वृश्चिक
30 मई	11	गुरु	रेव.	9	IIIIIIISII	20:19 से 22:15 तक, पश्चात् 23:51 से 28:33 तक, धनु, मकर, कुंभ, मीन, मेष (दान-मं.,श.,रा.,के.)	मीन	वृष	वृश्चिक

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष संवत् 2076 वि.

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण	चन्द्र	सूर्य	गुरु
08 जून	6	शनि	मघा	10	IIIIIIIIII	19:43 से 27:57 तक, धनु, मकर, कुंभ, मीन, मेष (दान - मं., बु., शु., श., रा.)	सिंह	वृष	वृश्चिक
10 जून	8	सोम	उफा.	8	IIIIIISSII	20:00 से 27:49 तक, धनु, मकर, कुंभ, मीन, मेष (दान - मं., बु., शु., श., रा.)	सिंह	वृष	वृश्चिक
12 जून	10	बुध	ह./चि.	8	IIIIIISSII	19:28 से 27:37 तक, धनु, मकर, कुंभ, मीन, मेष (दान - मं., बु., शु., श., रा.) परिघ	सिंह	वृष	वृश्चिक

आषाढ़ कृष्ण पक्ष संवत् 2076 वि.

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण	चन्द्र	सूर्य	गुरु
24 जून	7	सोम	उभा.	10	IIIIIIIIII	27:07 से 28:50 तक, वृष (दान - मं., बु., श.)	मीन	मिथुन	वृश्चिक
25 जून	8	मंगल	उभा.	8	IIIIIIISIS	20:40 से 28:14 तक, मकर, कुंभ, मीन, मेष, वृष (दान - मं., बु., श.)	मीन	मिथुन	वृश्चिक

आषाढ़ शुक्ल पक्ष संवत् 2076 वि.

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण	चन्द्र	सूर्य	गुरु
06 जुला.	4	शनि	मघा	7	SIIIISISII	19:57 से 21:50 तक, मकर (दान-चं., मं., बु., शु., श.)	सिंह	मिथुन	वृश्चिक
07 जुला.	5	रवि	उफा.	7	ISIIIISSII	21:36 से 27:59 तक, मकर, कुंभ, मीन, मेष, वृष (दान-चं., मं., बु., शु., श.)	सिंह	मिथुन	वृश्चिक
09 जुला.	8	मंगल	चित्रा	7	IIIIISSIS	19:45 से 27:31 तक, मकर, कुंभ, मीन, मेष, वृष (दान-मं., बु., शु., श.)	कन्या	मिथुन	वृश्चिक
10 जुला.	9	बुध	स्वा.	9	IIIIIIISII	19:41 से 27:47 तक, मकर, कुंभ, मीन, मेष, वृष (दान-मं., बु., शु., श.) भड़ल्या नवमी	तुला	मिथुन	वृश्चिक

कार्तिक शुक्ल पक्ष संवत् 2076 वि.

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	रेखा	लतादि दश-दोष	लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण	चन्द्र	सूर्य	गुरु
08 नवं.	11	शुक्र	उ.भा.	7	IIISIISSII	17:56 से 29:00 तक, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या (दान-गु., शु.)	मीन	तुला	धनु
09 नवं.	12	शनि	रेव.	8	ISIIIIIIIS	17:52 से 28:56 तक, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या (दान-गु., शु.)	मीन	तुला	धनु
10 नवं.	13	रवि	अश्वि.	9	IIIIIISIII	18:31 से 28:52 तक, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या (दान-गु., शु.)	मेष	तुला	धनु

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	रेखा	लतादि दश-दोष लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)	चन्द्र	सूर्य	गुरु
मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष संवत् 2076 वि.								
13 नवं.	1	बुध	रोहि.	7	IIISSIISII 22|00 से 30|43 तक, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला (दान-चं.,गु.,शु.) पंचश्लाकावेध सूर्य	वृष	तुला	धनु
14 नवं.	2	गुरु	रो./मृग.	9	IIIIIISIII 19|28 से 25|11 तक, मिथुन, कर्क (दान-गु., शु., श., रा., के.)	वृष	तुला	धनु
19 नवं.	7	मंगल	मघा	8	IIIIIIISSI 22|10 से 30|36 तक, कर्क, सिंह, कन्या, तुला (दान-गु., शु., श., रा., के.) क्रान्तिसाम्य	सिंह	वृश्चिक	धनु
21 नवं.	9	गुरु	उफा.	7	ISIIIISSII 19|00 से 22|17 तक, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला (दान-गु., शु., श., रा., के.) परिघ	सिंह	वृश्चिक	धनु
23 नवं.	12	शनि	चित्रा	8	IIIIIIISIS 18|52 से 27|43 तक, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला (दान-गु., शु., श., रा., के.)	कन्या	वृश्चिक	धनु
मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष संवत् 2076 वि.								
28 नवं.	2	गुरु	मूल	10	IIIIIIIII 18|33 से 29|44 तक, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला (दान-चं., गु., शु., श., रा.)	धनु	वृश्चिक	धनु
30 नवं.	4	शनि	उषा.	8	ISIIIISII 18|25 से 23|14 तक, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला (दान-चं,गु,शु,श,रा) पंचश्लाकावेध राहु	मकर	वृश्चिक	धनु
01 दिसं.	5	रवि	श्रव.	7	ISIIIIISSI 19|13 से 29|49 तक, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला (दान-चं., गु., शु., श., रा.) क्रान्ति साम्य	मकर	वृश्चिक	धनु
02 दिसं.	6	सोम	श्र./धनि.	10	IIIIIIIII 18|17 से 29|45 तक, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला (दान-चं., गु., शु., श., रा.)	मकर	वृश्चिक	धनु
11 दिसं.	14	बुध	रोहि.	8	IIIISIISII 22|54 से 29|09 तक, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या (दान-गु., शु., श., रा., के.)	वृष	वृश्चिक	धनु
12 दिसं.	15	गुरु	मृग.	7	ISIISIISII 18|23 से 29|06 तक, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला (दान-चं., गु., शु., श., रा.)	वृष	वृश्चिक	धनु
माघ कृष्ण पक्ष संवत् 2076 वि.								
15 जन.	5	बुध	उफा.	9	IIIIIIISII 17|38 से 21|12 तक, 23|36 से 25|42 तक, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चि., धनु (दान-सू.,बु.,शु.)	कन्या	मकर	धनु
16 जन.	6	गुरु	हस्त	8	IIIIISSIII 25|16 से 31|11 तक, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु (दान-सू., बु., शु.)	कन्या	मकर	धनु
17 जन.	7	शुक्र	चित्रा	9	IIIIIIISII 18|28 से 29|34 तक, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु (दान-सू., बु., शु.)	तुला	मकर	धनु
18 जन.	9	शनि	स्वा.	7	SIISIIISII 19|47 से 24|15 तक, सिंह, कन्या (दान-सू., शु.)	तुला	मकर	धनु
19 जन.	10	रवि	अनु.	8	ISIIIIISII 26|51 से 30|59 तक, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु (दान-सू. शु.) पात	वृश्चिक	मकर	धनु
20 जन	.11	सोम	अनु.	8	ISIIIIISII 19|39 से 23|16 तक, सिंह, कन्या (दान-सू. शु.)	वृश्चिक	मकर	धनु
माघ शुक्ल पक्ष संवत् 2076 वि.								
26 जन.	2	रवि	धनि.	9	ISIIIIIIII 26|24 से 30|16 तक, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु परिघ	कुंभ	मकर	धनु
29 जन.	4	बुध	उभा.	9	ISIIIIIIII 19|04 से 30|19 तक, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु (दान-चं., सू. शु.)	मीन	मकर	धनु
30 जन.	5	गुरु	रेवती	9	IIIIIIISII 19|00 से 29|13 तक, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु (दान-चं., सू. शु.) बंसत पंचमी	मीन	मकर	धनु
31 जन.	6	शुक	अश्वि.	10	IIIIIIIII 18|58 से 29|58 तक, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु (दान-सू., बु., शु.) बंसत पंचमी	मेष	मकर	धनु
03 फर.	9	सोम	रोहि.	10	IIIIIIIII 24|52 से 29|26 तक, तुला, वृश्चिक, धनु (दान-सू., बु., शु.)	वृष	मकर	धनु
04 फर.	10	मंगल	रोहि.	9	IIIIIIISII 18|40 से 25|49 तक, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु (दान-सू., बु., शु.)	वृष	मकर	धनु
09 फर.	15	रवि	मघा	8	IIISIIISII 20|31 से 29|36 तक, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु (दान-सू., चं., बु., शु.)	सिंह	मकर	धनु

दिनांक	तिथि वार	नक्षत्र	रेखा	लतादि दश-दोष लग्न शुद्धि तथा अन्य विवरण (भा.स्टै.टा.)	चन्द्र	सूर्य	गुरु
फाल्गुण कृष्णा पक्ष संवत् 2076 वि.							
16 फर.	8 रवि	अनु.	9	।।।।।।।ऽ।। 20।10 से 28।53 तक कन्या, तुला, वृश्चिक (दान-बु., शु.)	वृश्चिक	कुंभ	धनु
फाल्गुन शुक्ल पक्ष संवत् 2076 वि.							
25 फर.	2 मंगल	उभा.	10	।।।।।।।।।। 19।35 से 30।16 तक, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर (दान-चं., बु., शु.)	मीन	कुंभ	धनु
26 फर.	3 बुध	उ.भा.	9	।ऽ।।।।।।।। 19।31 से 30।12 तक, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर (दान-चं., बु., शु.)	मीन	कुंभ	धनु
28 फर.	5 शुक्र	अश्वि.	9	।।।।।।।ऽ।। 20।22 से 28।03 तक, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर (दान-चं., बु., शु.)	मीन	कुंभ	धनु

विवाह मुहूर्त विवेचन वर्ष 2019-20

अप्रैल 2019 - 14 से 16 अप्रैल विवाह योग्य नक्षत्र उपलब्ध नहीं है। 15 अप्रैल-ग्रहण नक्षत्र एवं तिथि क्षय, 16 अप्रैल-व्यतिपात महापात पूर्वान्ह 11।38 से सायं 16।38 तक, 18 अप्रैल-पाद वेध, 20 अप्रैल-शुद्ध लग्न उपलब्ध नहीं। 21 अप्रैल-विवाह नक्षत्र नहीं उपरान्त पात दोष, 22 अप्रैल-शुद्ध लग्न उपलब्ध नहीं। 23-24 अप्रैल- पंचश्लाका वेध-राहु, 24 अप्रैल-मृत्युबाण, 24 अप्रैल-19।52 से 25 अप्रैल 20।31 तक, 29 अप्रैल-क्रांति साम्य, वैधृति महापात रात्रि 01।21 से प्रात: 08।20 तक, 30 अप्रैल-विवाह नक्षत्र नहीं।

मई-01 मई-विवाह नक्षत्र नहीं पश्चात् लग्नाभाव, 02 मई-विष्कुंभ योग। 3 से 5 मई-क्षीण चन्द्रमा। 07 मई-पंचशलाका वेध-केतु, 08 मई-मंगल आक्रांत नक्षत्र, 09 से 11 मई-विवाह नक्षत्र नहीं। 11 मई-व्यतिपात महापात रात्रि 20।17 से 12 मई रात्रि 03।49 तक, 13-14 मई-मृत्युबाण, (13 मई 09।16 से 14 मई 10।08 तक), 15 मई- वृष संक्राति, 16 मई-क्षय तिथि, व्यतिपात एवं परिघ, 17 मई-क्षय तिथि, 20 मई-विवाह नक्षत्र नहीं, 21 मई-पंचशलाका वेध-राहु, 22 मई-विवाह नक्षत्र नहीं, 23 मई वैधृति रात्रि महापात 23।05 से 24 मई मध्यान्ह 12।28 तक, 24 मई-वृद्धि तिथि, 25 मई-वृद्धि तिथि, ग्रहण नक्षत्र, मृत्युबाण (25 मई 20।26 से 26 मई 21।25 तक), 27 मई-विवाह नक्षत्र नहीं, 31 मई-विवाह नक्षत्र नहीं।

जून-01 जून विवाह नक्षत्र नहीं, 2 से 04 जून- क्षीण चन्द्रमा, मृत्युबाण (04 जून 05।35 से 05 जून 06।39 तक), 05 से 07 जून-विवाह नक्षत्र नहीं, 07 जून-क्षय तिथि, 09 जून-लग्नाभाव पश्चात् विवाह नक्षत्र नहीं, 10 जून विवाह नक्षत्र नहीं, 11 जून-अशुभ योग से लग्नाभाव 13 जून- मृत्युबाण, 13 जून 15।22 से 14 जून 16।30 तक, 15 जून-मिथुन संक्रांति, 16 जून-लग्नाभाव 17 जून-विवाह नक्षत्र नहीं, 18 जून-मंगल राहु पंचशलाका वेध, 19 जून-विवाह नक्षत्र नहीं, 20 जून-सूर्य पंचशलाका वेध, 21-22 जून-परिघ अयन परिवर्तन, 23 जून-विवाह नक्षत्र नहीं, 26-27 जून-मृत्युबाण (26 जून 05।11 से 27 जून 06।21 तक) वृद्धि तिथि। 28 जून-प्रात: 09।11 तक लग्नाभाव पश्चात् विवाह नक्षत्र नहीं। 29-30 जून-विवाह नक्षत्र नहीं। 30 जून-क्षय तिथि।

जुलाई-1 से 3 जुलाई-क्षीण चन्द्रमा। 04-05 जुलाई-विवाह नक्षत्र नहीं (05 जुलाई 15।39 से 06 जुलाई 16।49 तक) 08 जुलाई-क्षय तिथि, 11 जुलाई-12 जून से 07 नव. तक देवशयन विवाह में वर्जित।

नवम्बर-11 नव.-विवाह नक्षत्र दूषित होने से विवाह मुहूर्त नहीं दिये गये हैं। 12 नवं.-विवाह नक्षत्र उपलब्ध नहीं, व्यतिपात योग, 15 नवं.-मृत्युबाण, (15 नव. रात्रि 01।11 से 16 नवं. 01।01 तक), 16 नवं.-शनि केतु पंचशलाका वेध, 17 नवं. -विवाह नक्षत्र उपलब्ध नहीं, 18 नवं.-मृत्युबाण रात्रि 00।28 से 20 नवं. रात्रि 00।15 तक, 19 नवं.-वैधृति महापात रात्रि 00।47 से प्रात: 08।41 तक, 20 नवं.-परिघ योग लग्नाभाव, 22 नवं. -क्षय तिथि, 24 अशुभ तिथि योग 25 से 27 नवं.-क्षीण चन्द्रमा, 26 नवं.-मृत्युबाण (26 नवं. 22।29 से 27 नवं. 22।12 तक), 29 नवं.-राहु पंचशलाका वेध, 30 नव.-व्यतिपात महापात 22।31 से 01 दिसं. मध्यान्ह 12।01 तक।

दिसम्बर-03 दिसं.-मंगल पंचशलाका वेध, 04 दिसं. -लग्नाभाव, 05 दिसं.-विवाह नक्षत्र नहीं, मृत्युबाण (05 दिसं. 19।36 से 06 दिसं. 19।14 तक)। 07 दिसं.-वृद्धि तिथि एवं परिघ योग, 09 एवं 10 दिसं.-विवाह नक्षत्र नहीं। 13 दिसं.-शनि केतु पंचशलाका वेध, वैधृति महापात रात्रि 04।00 से 14 दिसं. रात्रि 23।37 तक, 14 एवं 15 दिसं.-विवाह नक्षत्र नहीं, मृत्युबाण (14 दिसं. 16।16 से 15 दिसं. 15।52 तक) 15 दिसं.-क्षय तिथि, 16 दिसं से 14 जनवरी 2020 तक धनार्क में विवाह मुहूर्त नहीं दिये गये हैं।

जनवरी 2020-20 जन. व्यतिपात महापात रात्रि 22।51 से प्रात: 07।46 तक। 21 जन.- क्रांति साम्य, 22 जन.-ग्रहण नक्षत्र, 23 से 25 जन.-क्षीण चन्द्रमा, मृत्युबाण (24 जन. 21।52 से 25 जन. 21।26 तक)। 27-28 जन. वृद्धि तिथि।

फरवरी-01 फरवरी-विष्टि करण लग्नाभाव, 02 फर. -मृत्युबाण (02 फर. 18।24 से 03 फर. 18।03 तक)। 03 फर. -वैधृति महापात 10।52 से सायं 17।45 तक। 05 फर.-शनि पंचशलाका वेध, 06 से 08 फर.-विवाह नक्षत्र नहीं। 10 फर.-सायं 17।06 के बाद विवाह नक्षत्र नहीं, 11-12 फर.-मृत्युबाण (11 फर. 15।36 से 12 फर. 15।19 तक) 13 फर.-कुंभ संक्रांति, 14 फर.-पात दोष, 15 फर.-व्यतिपात महापात 07।03 से मध्यान्ह 12।20 तक। 15 से 17 फर.-विवाह नक्षत्र नहीं, 18 फर.-मंगल आक्रांत नक्षत्र ग्रहण नक्षत्र। 19-20 फर.-विवाह योग्य नक्षत्र नहीं है। 21 व्यतिपात योग, 22 से 24 फर.-क्षीण चन्द्रमा, 23 फर.-मृत्युबाण (23 फर. 12।52 से 24 फर. 12।41 तक)। 27 फर.-विष्टि करण, 28 फरवरी- वृद्धि तिथि वैधृति महापात 15।07 से रात्रि 20।36 तक। 29 फर.-विवाह योग्य नक्षत्र नहीं है।

मार्च-01 से 02 मार्च-विवाह नक्षत्र नहीं है। 02 से 09 मार्च-होलाष्टक, 10 मार्च-पात दोष। 11 मार्च-व्यतिपात महापात रात्रि 20।56 से 12 मार्च रात्रि 01।06 तक, 12 मार्च-मृत्युबाण (12 मार्च 11।46 से 13 मार्च 11।49 तक)। 14 मार्च-मीन संक्रांति, मीनार्क में विवाह वर्जित।

नूतन गृह प्रवेश मुहूर्त्ताः सं. 2076

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
19 अप्रै.	चैत्र	शु. 15	शुक्र	चित्रा	16:42 से 19:29 तक
02 मई	वैशा.	कृ. 13	गुरु	उभा.	06:42 से 27:21 तक
06 "	"	शु. 2	सोम	कृति.	16:36 से 25:13 तक
16 "	"	शु. 12	गुरु	हस्त	05:42 से 20:20 तक
23 "	ज्येष्ठ	कृ. 5	गुरु	उषा.	05:27 से 23:48 तक
29 "	"	कृ. 10	बुध	उभा.	15:21 से 28:04 तक
30 "	"	कृ. 11	गुरु	रेव.	05:25 से 22:15 तक
03 जून	"	कृ. 30	सोम	रोहि.	15:32 से 26:48 तक
10 "	"	शु. 8	सोम	पूफा.	14:21 से 22:24 तक
12 "	"	शु. 10	बुध	हस्त	11:51 से 27:37 तक
15 जन.20	माघ	कृ. 5	बुध	उफा.	07:15 से 21:12 तक
17 "	"	कृ. 7	शुक्र	चित्रा	07:15 से 25:12 तक
20 "	"	कृ. 11	सोम	अनु.	07:15 से 23:16 तक
29 "	"	शु. 4	बुध	पूभा.	12:13 से 23:11 तक
30 "	"	शु. 5	गुरु	उभा.	07:11 से 31:10 तक
31 "	"	शु. 6	शुक्र	रेव.	07:10 से 17:22 तक

जीर्ण गृह प्रवेश मुहूर्त्ताः सं. 2076

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
19 अप्रै.	चैत्र	शु. 15	शुक्र	चित्रा	16:42 से 29:51 तक
20 "	वैशा.	कृ. 01	शनि	स्वा.	05:51 से 17:58 तक
26 "	"	कृ. 7	शुक्र	उषा.	05:45 से 23:14 तक
29 "	"	कृ. 10	सोम	शत.	08:02 से 08:51 तक
02 मई	"	कृ. 13	गुरु	उभा.	06:42 से 27:21 तक
06 "	"	शु. 2	सोम	कृति.	16:36 से 17:15 तक
10 "	"	शु. 6	शुक्र	पुन.	14:21 से 16:32 तक
11 "	"	शु. 7	शनि	पुष्य	05:33 से 13:13 तक
16 "	"	शु. 12	गुरु	हस्त	05:42 से 20:20 तक
23 "	ज्ये.	कृ. 5	गुरु	उषा.	05:27 से 23:48 तक
29 "	"	कृ. 10	बुध	उभा.	15:21 से 28:04 तक
30 "	"	कृ. 11	गुरु	रेव.	05:24 से 22:15 तक
03 जून	"	कृ. 30	सोम	रोहि.	15:32 से 26:48 तक
07 "	"	शु. 4	शुक्र	पुष्य	07:38 से 18:56 तक
10 "	"	शु. 8	सोम	पूफा.	14:21 से 22:24 तक
12 "	"	शु. 10	बुध	हस्त	11:51 से 27:37 तक
13 "	"	शु. 11	गुरु	चित्रा	16:49 से 28:07 तक
14 जून	ज्ये.	शु. 12	शुक्र	स्वा.	05:23 से 10:16 तक
19 जुला.	श्राव.	कृ. 2	शुक्र	धनि.	05:35 से 20:03 तक
22 "	"	कृ. 5	सोम	पूभा.	10:24 से 29:37 तक
24 "	"	कृ. 7	बुध	रेव.	05:38 से 14:54 तक
29 "	"	कृ. 12	सोम	मृग.	08:00 से 18:22 तक
01 अग.	"	कृ. 30	गुरु	पुष्य	08:42 से 12:11 तक
07 "	"	शु. 7	बुध	स्वा.	05:46 से 11:41 तक
09 "	"	शु. 9	शुक्र	अनु.	10:00 से 21:58 तक
15 "	"	शु. 15	गुरु	श्रव.	08:02 से 17:59 तक
30 सितं.	आश्वि.	शु. 2	सोम	चित्रा	06:13 से 30:14 तक
14 अक्टू.	कार्ति.	कृ. 1	सोम	रेव.	06:21 से 09:32 तक
18 "	"	कृ. 4	शुक्र	रोहि.	07:29 से 27:22 तक
19 "	"	कृ. 5	शनि	मृग.	14:45 से 17:40 तक
25 "	"	कृ. 12	शुक्र	पूफा.	11:00 से 30:03 तक
28 "	"	कृ. 30	सोम	स्वा.	09:08 से 25:00 तक
30 "	"	शु. 3	बुध	अनु.	06:32 से 21:59 तक
06 नवं.	"	शु. 9	बुध	शत.	07:21 से 30:37 तक
07 "	"	शु. 10	गुरु	शत.	06:37 से 08:41 तक
08 "	"	शु. 11	शुक्र	पूभा.	12:24 से 30:39 तक
09 "	"	शु. 12	शनि	उभा.	06:39 से 10:14 तक
					11:26 से 30:40 तक
14 "	मार्ग.	कृ. 2	गुरु	रोहि.	06:43 से 30:44 तक
15 "	"	कृ. 3	शुक्र	मृग.	06:44 से 07:53 तक
18 "	"	कृ. 6	सोम	पुष्य	06:46 से 17:10 तक
22 "	"	कृ. 10	शुक्र	उफा.	09:01 से 16:41 तक
23 "	"	कृ. 12	शनि	हस्त	14:44 से 30:51 तक
27 "	"	शु. 1	बुध	अनु.	06:53 से 08:12 तक
02 दिसं.	"	शु. 6	सोम	श्रव.	11:43 से 13:37 तक
04 "	"	शु. 8	बुध	शत.	12:28 से 14:53 तक
06 "	"	शु. 10	शुक्र	उभा.	07:00 से 16:30 तक
12 "	"	शु. 15	गुरु	मृग.	07:04 से 10:42 तक
11 जन.20	माघ	कृ. 1	शनि	पुन.	15:06 से 31:15 तक
15 "	"	कृ. 5	बुध	उफा.	07:15 से 21:12 तक
17 "	"	कृ. 7	शुक्र	चित्रा	07:15 से 29:34 तक
20 "	"	कृ. 11	सोम	अनु.	07:15 से 23:16 तक
27 "	"	शु. 3	सोम	शत.	07:02 से 26:51 तक
30 जन.	माघ	शु. 5	गुरु	उभा.	07:11 से 16:39 तक
31 "	"	शु. 6	शुक्र	रेव.	07:10 से 17:22 तक
14 फर.	फाल्गु.	कृ. 6	शुक्र	चित्रा	07:01 से 18:21 तक
21 "	"	कृ. 13	शुक्र	उषा.	07:08 से 09:13 तक
24 "	"	शु. 1	सोम	शत.	06:52 से 16:21 तक
26 "	"	शु. 3	बुध	उभा.	06:50 से 28:12 तक
06 मार्च	"	शु. 11	शुक्र	पुन.	11:47 से 28:35 तक
07 "	"	शु. 12	शनि	पुष्य	06:59 से 09:05 तक

सर्वदेव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः सं. 2076

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
17 अप्रै.	चैत्र	शु. 13	बुध	उफा.	05:54 से 13:56 तक
19 "	"	शु. 15	शुक्र	चित्रा	06:02 से 11:32 तक
					12:44 से 16:05 तक
20 "	वैशा.	कृ. 1	शनि	स्वा.	05:51 से 14:21 तक
27 "	"	कृ. 8	शनि	श्रव.	05:45 से 15:34 तक
29 "	"	कृ. 10	सोम	शत.	08:02 से 08:51 तक
02 मई	"	कृ. 13	गुरु	उभा.	06:42 से 14:47 तक
10 "	"	शु. 6	शुक्र	पुन.	05:34 से 14:21 तक
11 "	"	शु. 7	शनि	पुष्य	05:33 से 13:13 तक
16 "	"	शु. 12	गुरु	हस्त	05:30 से 14:19 तक
19 "	ज्ये.	कृ. 1	रवि	अनु.	05:29 से 14:07 तक
23 "	"	कृ. 5	गुरु	उषा.	05:27 से 15:25 तक
26 "	"	कृ. 7	रवि	धनि.	05:26 से 11:58 तक
30 "	"	कृ. 11	गुरु	रेव.	05:24 से 14:19 तक
31 "	"	कृ. 12	शुक्र	अश्वि.	05:24 से 15:37 तक
06 जून	"	शु. 3	गुरु	पुन.	05:23 से 09:55 तक
07 "	"	शु. 4	शुक्र	पुष्य	07:43 से 15:09 तक
12 "	"	शु. 10	बुध	हस्त	06:06 से 14:49 तक
15 जन.	माघ	कृ. 5	बुध	उफा.	07:15 से 13:28 तक
16 "	"	कृ. 6	गुरु	हस्त	07:15 से 09:42 तक
17 "	"	कृ. 7	शुक्र	चित्रा	07:15 से 13:20 तक
20 "	"	कृ. 11	सोम	अनु.	07:15 से 13:09 तक
25 "	"	शु. 1	शनि	श्रव.	07:13 से 14:44 तक
27 "	"	शु. 3	सोम	शत.	07:12 से 14:37 तक
29 "	"	शु. 4	बुध	पूभा.	12:13 से 14:29 तक
30 "	"	शु. 5	गुरु	उभा.	07:11 से 13:20 तक
31 "	"	शु. 6	शुक्र	रेव.	07:10 से 14:21 तक

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
01 फर.	माघ	शु. 7	शनि	अश्वि.	07:10 से 14:17 तक
14 "	फाल्गु.	कृ. 6	शुक्र	चित्रा	07:01 से 07:27 तक
					13:03 से 13:26 तक
16 "	"	कृ. 8	रवि	अनु.	06:59 से 11:48 तक
21 "	"	कृ. 13	शुक्र	उषा.	09:13 से 15:13 तक
24 "	"	शु. 1	सोम	शत.	06:52 से 15:01 तक
26 "	"	शु. 3	बुध	उभा.	06:50 से 14:53 तक
28 "	"	शु. 5	शुक्र	अश्वि.	06:48 से 14:45 तक
11 मार्च	चैत्र	कृ. 2	बुध	हस्त	06:35 से 13:58 तक

उपनयन (यज्ञोपवीत) मुहूर्त्ताः सं. 2076

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
07 अप्रै.	चैत्र	शु. 2	रवि	अश्वि.	06:05 से 08:05 तक
10 "	"	शु. 5	बुध	रोहि.	06:02 से 10:33 तक
16 मई	वैशा.	शु. 12	गुरु	हस्त	05:30 से 08:15 तक
23 "	ज्ये.	कृ. 5	गुरु	उषा.	07:00 से 09:14 तक
					11:34 से 11:44 तक
					13:52 से 15:25 तक
06 जून	"	शु. 3	गुरु	पुन.	05:23 से 08:19 तक
07 "	"	शु. 4	शुक्र	पुष्य	07:43 से 10:35 तक
					12:53 से 15:09 तक
12 "	"	शु. 10	बुध	हस्त	14:15 से 14:49 तक
14 "	"	शु. 12	शुक्र	स्वा.	05:23 से 10:16 तक
15 जन.	माघ	कृ. 5	बुध	उफा.	07:15 से 07:18 तक
					09:01 से 10:28 तक
					11:28 से 11:53 तक
27 "	"	शु. 3	सोम	शत.	07:12 से 09:41 तक
					11:06 से 14:37 तक
29 "	"	शु. 4	बुध	पूभा.	10:46 से 10:58 तक
					12:33 से 14:29 तक
30 "	"	शु. 5	गुरु	उभा.	07:11 से 10:54 तक
					12:29 से 13:20 तक
26 फर.	फाल्गु.	शु. 3	बुध	उभा.	06:00 से 09:08 तक
					10:43 से 14:53 तक
28 "	"	शु. 5	शुक्र	अश्वि.	06:48 से 10:35 तक
					12:31 से 14:45 तक
11 मार्च	चैत्र	कृ. 2	बुध	हस्त	11:42 से 13:58 तक
13 "	"	कृ. 4	शुक्र	स्वा.	08:51 से 09:40 तक
					11:36 से 13:50 तक

अक्षरारंभ मुहूर्त्ताः सं. 2076

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
14 अप्रै.	चैत्र	शु. 9	रवि	पुष्य	14:09 से 20:24 तक
24 "	वैशा.	कृ. 5	बुध	मूल	05:47 से 20:22 तक
25 "	"	कृ. 6	गुरु	पूषा.	05:46 से 12:47 तक
29 "	"	कृ. 10	सोम	शत.	05:43 से 08:51 तक
06 मई	"	शु. 2	सोम	कृति.	16:36 से 19:34 तक
09 "	"	शु. 5	गुरु	आर्द्रा	05:35 से 19:00 तक
10 "	"	शु. 6	शुक्र	पुन.	05:34 से 16:32 तक
					18:56 से 19:06 तक
13 "	"	शु. 9	सोम	मघा	15:21 से 19:07 तक
15 "	"	शु. 11	बुध	उफा.	10:36 से 21:18 तक
16 "	"	शु. 12	गुरु	हस्त	05:30 से 08:15 तक
23 "	ज्ये.	कृ. 5	गुरु	उषा.	05:27 से 20:46 तक
24 "	"	कृ. 6	शुक्र	उषा.	05:26 से 20:42 तक
29 "	"	कृ. 10	बुध	उभा.	15:21 से 20:23 तक
30 "	"	कृ. 11	गुरु	रेव.	05:24 से 20:19 तक
31 "	"	कृ. 12	शुक्र	अश्वि.	05:24 से 17:17 तक
05 जून	"	शु. 2	बुध	आर्द्रा	07:22 से 19:55 तक
06 "	"	शु. 3	गुरु	पुन.	05:23 से 09:55 तक
07 "	"	शु. 4	शुक्र	पुष्य	07:38 से 19:47 तक
12 "	"	शु. 10	बुध	हस्त	06:06 से 19:28 तक
13 "	"	शु. 11	गुरु	चित्रा	16:49 से 19:24 तक
14 "	"	शु. 12	शुक्र	स्वा.	05:23 से 10:16 तक
19 "	आषा.	कृ. 2	बुध	पूषा.	05:23 से 19:59 तक
15 जन.	माघ	कृ. 5	बुध	उफा.	07:15 से 19:59 तक
16 "	"	कृ. 6	गुरु	हस्त	07:15 से 09:42 तक
20 "	"	कृ. 11	सोम	अनु.	07:15 से 19:39 तक
27 "	"	शु. 3	सोम	शत.	07:12 से 19:12 तक
29 "	"	शु. 4	बुध	पूभा.	10:46 से 19:04 तक
30 "	"	शु. 5	गुरु	उभा.	07:11 से 19:00 तक
31 "	"	शु. 6	शुक्र	रेव.	07:10 से 15:52 तक
06 फर.	"	शु. 12	गुरु	आर्द्रा	07:07 से 18:32 तक
10 "	फाल्गु.	कृ. 1	सोम	मघा	17:06 से 18:17 तक
13 "	"	कृ. 5	गुरु	हस्त	07:02 से 20:02 तक
14 "	"	कृ. 6	शुक्र	चित्रा	07:01 से 18:21 तक
19 "	"	कृ. 11	बुध	पूषा.	06:57 से 19:58 तक
20 "	"	कृ. 12	गुरु	पूषा.	06:56 से 07:19 तक

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
26 फर.	फाल्गु.	शु. 3	बुध	उभा.	06:50 से 19:31 तक
28 "	"	शु. 5	शुक्र	अश्वि.	06:48 से 19:23 तक
04 मार्च	"	शु. 9	बुध	मृग.	14:00 से 19:03 तक
05 "	"	शु. 10	गुरु	आर्द्रा	06:42 से 18:59 तक
06 "	"	शु. 11	शुक्र	पुन.	11:47 से 18:56 तक
11 "	चैत्र	कृ. 2	बुध	हस्त	06:35 से 18:36 तक
13 "	"	कृ. 4	शुक्र	स्वा.	08:51 से 13:59 तक

गृहारंभ (नींव रखना) मुहूर्त्ताः सं. 2076

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
19 अप्रै.	चैत्र	शु. 15	शुक्र	चित्रा	06:02 से 11:32 तक
					12:44 से 19:29 तक
20 "	वैशा.	कृ. 1	शनि	स्वा.	05:51 से 17:58 तक
29 "	"	कृ. 10	सोम	शत.	08:02 से 08:51 तक
02 मई	"	कृ. 13	गुरु	उभा.	06:42 से 13:02 तक
06 "	"	शु. 2	सोम	कृति.	16:36 से 19:34 तक
16 "	"	शु. 12	गुरु	हस्त	05:30 से 05:42 तक
29 "	ज्ये.	कृ. 10	बुध	उभा.	15:21 से 20:23 तक
30 "	"	कृ. 11	गुरु	रेव.	05:24 से 20:19 तक
10 जून	"	शु. 8	सोम	पूफा.	14:21 से 19:35 तक
12 "	"	शु. 10	बुध	हस्त	11:51 से 19:28 तक
13 "	"	शु. 11	गुरु	चित्रा	16:49 से 19:24 तक
19 जुला.	श्राव.	कृ. 2	शुक्र	धनि.	05:35 से 06:53 तक
11 सितं.	भाद्र.	शु. 13	बुध	श्रव.	13:59 से 18:36 तक
18 अक्टू.	कार्ति.	कृ. 4	शुक्र	रोहि.	07:29 से 16:59 तक
25 "	"	कृ. 12	शुक्र	पूफा.	11:00 से 18:51 तक
30 "	"	शु. 3	बुध	अनु.	06:32 से 18:31 तक
08 नवं.	"	शु. 11	शुक्र	पूफा.	12:24 से 17:56 तक
09 "	"	शु. 12	शनि	उभा.	06:39 से 10:14 तक
					11:26 से 14:55 तक
14 "	मार्ग.	कृ. 2	गुरु	रोहि.	06:43 से 17:32 तक
18 "	"	कृ. 6	सोम	पुष्य	10:42 से 17:10 तक
22 "	"	कृ. 10	शुक्र	उफा.	09:01 से 18:56 तक
23 "	"	कृ. 12	शनि	हस्त	06:50 से 18:52 तक
12 दिसं.	"	शु. 15	गुरु	मृग.	07:04 से 17:37 तक
16 जन.	माघ	कृ. 6	गुरु	हस्त	07:15 से 09:42 तक
20 "	"	कृ. 11	सोम	अनु.	07:15 से 19:39 तक
27 "	"	शु. 3	सोम	शत.	07:12 से 19:12 तक

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
30 जन.	माघ	शु. 5	गुरु	उभा.	15:12 से 19:00 तक
31 "	"	शु. 6	शुक्र	रेव.	07:10 से 17:22 तक
14 फर.	फाल्गु.	कृ. 6	शुक्र	चित्रा	13:03 से 18:21 तक
26 "	"	शु. 3	बुध	उभा.	06:50 से 19:31 तक
06 मार्च	"	शु. 11	शुक्र	पुन.	11:47 से 18:56 तक
07 "	"	शु. 12	शनि	पुष्य	06:59 से 09:05 तक

व्यापारारंभ मुहूर्त्ताः सं. 2076

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
17 अप्रै.	चैत्र	शु. 13	बुध	उफा.	05:54 से 16:13 तक
19 "	"	शु. 15	शुक्र	चित्रा	06:02 से 11:32 तक
					12:44 से 18:22 तक
26 "	वैशा.	कृ. 7	शुक्र	उषा.	05:45 से 22:32 तक
02 मई	"	कृ. 13	गुरु	उभा.	06:42 से 19:50 तक
06 "	"	शु. 2	सोम	कृति.	16:36 से 19:34 तक
10 "	"	शु. 6	शुक्र	पुन.	14:21 से 16:32 तक
11 "	"	शु. 7	शनि	पुष्य	05:33 से 10:01 तक
					12:22 से 13:13 तक
16 "	"	शु. 12	गुरु	हस्त	05:30 से 19:09 तक
19 "	ज्ये.	कृ. 1	रवि	अनु.	05:29 से 18:43 तक
23 "	"	कृ. 5	गुरु	उषा.	05:27 से 20:46 तक
29 "	"	कृ. 10	बुध	उभा.	15:51 से 20:23 तक
30 "	"	कृ. 11	गुरु	रेव.	05:24 से 20:19 तक
31 "	"	कृ. 12	शुक्र	अश्वि.	05:24 से 20:15 तक
03 जून	"	कृ. 30	सोम	रोहि.	15:32 से 20:03 तक
07 "	"	शु. 4	शुक्र	पुष्य	07:38 से 18:56 तक
10 "	"	शु. 8	सोम	पूफा.	14:21 से 19:35 तक
12 "	"	शु. 10	बुध	हस्त	06:06 से 19:28 तक
19 "	आषा.	कृ. 2	बुध	पूषा.	13:29 से 19:59 तक
27 "	"	कृ. 9	गुरु	रेव.	05:44 से 06:55 तक
					08:31 से 18:15 तक
28 "	"	कृ. 10	शुक्र	अश्वि.	06:36 से 09:11 तक
30 "	"	कृ. 12	रवि	कृति	10:01 से 19:55 तक
04 जुला.	"	शु. 2	गुरु	पुष्य	05:28 से 20:05 तक
08 "	"	शु. 6	सोम	उफा.	05:30 से 15:26 तक
13 "	"	शु. 12	शनि	अनु.	05:32 से 16:27 तक
29 सितं.	आश्वि.	शु. 1	रवि	हस्त	06:13 से 18:58 तक
30 "	"	शु. 2	सोम	चित्रा	06:13 से 16:29 तक
02 अक्टू.	"	शु. 4	बुध	विशा.	12:52 से 18:46 तक
03 "	"	शु. 5	गुरु	अनु.	06:15 से 12:10 तक
07 अक्टू.	आश्वि.	शु. 9	सोम	उषा.	12:38 से 17:25 तक
13 "	"	शु. 15	रवि	उभा.	13:39 से 18:03 तक
14 "	कार्ति.	कृ. 1	सोम	रेव.	06:21 से 09:32 तक
					11:08 से 17:59 तक
18 "	"	कृ. 4	शुक्र	रोहि.	07:29 से 19:18 तक
19 "	"	कृ. 5	शनि	मृग.	14:45 से 17:40 तक
21 "	"	कृ. 7	सोम	पुन.	17:32 से 18:09 तक
25 "	"	कृ. 12	शुक्र	पूफा.	11:00 से 18:51 तक
30 "	"	शु. 3	बुध	अनु.	06:32 से 18:31 तक
03 नवं.	"	शु. 7	रवि	उषा.	08:23 से 18:15 तक
08 "	"	शु. 11	शुक्र	पूभा.	12:24 से 17:56 तक
09 "	"	शु. 12	शनि	उभा.	06:39 से 10:14 तक
					11:26 से 17:52 तक
10 "	"	शु. 13	रवि	रेव.	06:40 से 16:30 तक
14 "	मार्ग.	कृ. 2	गुरु	रोहि.	06:43 से 17:32 तक
15 "	"	कृ. 3	शुक्र	मृग.	06:44 से 07:53 तक
18 "	"	कृ. 6	सोम	पुष्य	06:46 से 17:10 तक
22 "	"	कृ. 10	शुक्र	उफा.	09:01 से 18:56 तक
23 "	"	कृ. 12	शनि	हस्त	06:50 से 18:52 तक
24 "	"	कृ. 13	रवि	चित्रा	06:51 से 12:47 तक
27 "	मार्ग.	शु. 1	बुध	अनु.	06:53 से 08:12 तक
06 दिसं.	"	शु. 10	शुक्र	उभा.	07:00 से 16:30 तक
07 "	"	शु. 11	शनि	रेव.	17:03 से 17:57 तक
08 "	"	शु. 11	रवि	अश्वि.	08:29 से 17:15 तक
12 "	"	शु. 15	गुरु	मृग.	07:04 से 17:37 तक
15 जन.	माघ	कृ. 5	बुध	उफा.	07:15 से 19:59 तक
16 "	"	कृ. 6	गुरु	हस्त	07:15 से 09:42 तक
17 "	"	कृ. 7	शुक्र	चित्रा	07:15 से 18:28 तक
20 "	"	कृ. 11	सोम	अनु.	07:15 से 19:39 तक
29 "	"	शु. 4	बुध	पूभा.	12:13 से 19:04 तक
30 "	"	शु. 5	गुरु	उभा.	07:11 से 19:00 तक
31 "	"	शु. 6	शुक्र	रेव.	07:10 से 17:22 तक
01 फर.	"	शु. 7	शनि	अश्वि.	07:10 से 18:11 तक
14 "	फाल्गु.	कृ. 6	शुक्र	चित्रा	07:01 से 07:27 तक
16 "	"	कृ. 8	रवि	अनु.	06:59 से 11:48 तक
21 "	"	कृ. 13	शुक्र	उषा.	06:55 से 07:08 तक
26 "	"	शु. 3	बुध	उभा.	06:50 से 19:31 तक
28 "	"	शु. 5	शुक्र	अश्वि.	06:48 से 11:19 तक
11 मार्च	चैत्र	कृ. 2	बुध	हस्त	06:48 से 18:36 तक

मुण्डन संस्कार मुहूर्त्ताः सं. 2076

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
19 अप्रै.	चैत्र	शु. 15	शुक्र	चित्रा	06:02 से 11:32 तक
					12:44 से 16:42 तक
29 "	वैशा.	कृ. 10	सोम	शत.	05:43 से 08:51 तक
02 मई	"	कृ. 13	गुरु	उभा.	13:02 से 19:50 तक
09 "	"	शु. 5	गुरु	आर्द्रा	15:17 से 19:00 तक
10 "	"	शु. 6	शुक्र	पुन.	05:34 से 16:32 तक
					18:56 से 19:06 तक
16 "	"	शु. 12	गुरु	हस्त	08:15 से 19:08 तक
20 "	ज्ये.	कृ. 2	सोम	ज्ये.	05:28 से 20:58 तक
24 "	"	कृ. 6	शुक्र	उषा.	07:30 से 20:42 तक
30 "	"	कृ. 11	गुरु	रेव.	05:24 से 16:38 तक
31 "	"	कृ. 12	शुक्र	अश्वि.	17:17 से 20:15 तक
06 जून	"	शु. 3	गुरु	पुन.	05:23 से 09:55 तक
07 "	"	शु. 4	शुक्र	पुष्य	07:38 से 18:56 तक
12 "	"	शु. 10	बुध	हस्त	06:06 से 19:28 तक
17 "	"	शु. 15	सोम	ज्ये.	05:23 से 10:43 तक
16 जन.	माघ	कृ. 6	गुरु	हस्त	07:15 से 09:42 तक
17 "	"	कृ. 7	शुक्र	चित्रा	07:15 से 07:28 तक
27 "	"	शु. 3	सोम	शत.	07:12 से 19:12 तक
30 "	"	शु. 5	गुरु	उभा.	15:12 से 19:00 तक
31 "	"	शु. 6	शुक्र	रेव.	07:10 से 18:10 तक
07 फर.	माघ	शु. 13	शुक्र	पुन.	07:06 से 18:24 तक
13 "	फाल्गु.	कृ. 5	गुरु	हस्त	07:02 से 20:02 तक
14 "	"	कृ. 6	शुक्र	चित्रा	07:01 से 18:21 तक
17 "	"	कृ. 9	सोम	ज्ये.	14:36 से 20:06 तक
21 "	"	कृ. 13	शुक्र	उषा.	09:13 से 17:21 तक
28 "	"	शु. 5	शुक्र	अश्वि.	06:48 से 19:23 तक
05 मार्च	"	शु. 10	गुरु	आर्द्रा	11:26 से 18:59 तक
11 "	चैत्र	कृ. 2	बुध	हस्त	06:35 से 18:36 तक
13 "	"	कृ. 4	शुक्र	स्वा.	08:51 से 13:59 तक

द्विरागमन मुहूर्त्ताः सं. 2076

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
17 अप्रै.	चैत्र	शु. 13	बुध	उफा.	05:54 से 18:31 तक
					22:07 से 22:24 तक
19 "	"	शु. 15	शुक्र	चित्रा	06:02 से 11:32 तक
					12:44 से 25:04 तक

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
26 अप्रै.	वैशा.	कृ. 7	शुक्र	उषा.	23:14 से 24:36 तक
29 "	"	कृ. 10	सोम	शत.	08:02 से 08:51 तक
					22:04 से 24:25 तक
02 मई	"	कृ. 13	गुरु	उभा.	06:42 से 24:09 तक
06 "	"	शु. 2	सोम	कृति.	16:36 से 23:57 तक
09 "	"	शु. 5	गुरु	आर्द्रा	15:17 से 19:00 तक
					21:00 से 23:45 तक
10 "	"	शु. 6	शुक्र	पुन.	05:34 से 14:21 तक
					20:05 से 23:41 तक
21 नवं.	मार्ग.	कृ. 9	गुरु	पूफा.	18:29 से 22:17 तक
22 "	"	कृ. 10	शुक्र	उफा.	09:01 से 25:48 तक
28 "	"	शु. 2	गुरु	ज्ये.	08:22 से 16:18 तक
					18:18 से 25:25 तक
29 "	"	शु. 3	शुक्र	मूल	06:55 से 07:33 तक
02 दिसं.	"	शु. 6	सोम	श्रव.	06:57 से 13:37 तक
					17:13 से 25:09 तक
11 "	"	शु. 14	बुध	रोहि.	22:54 से 26:50 तक
12 "	"	शु. 15	गुरु	मृग.	07:04 से 25:11 तक
14 फर.	फाल्गु.	कृ. 6	शुक्र	चित्रा	07:01 से 07:27 तक
					13:03 से 14:48 तक
21 "	"	कृ. 13	शुक्र	उषा.	09:13 से 17:21 तक
24 "	"	शु. 1	सोम	शत.	12:41 से 16:21 तक
26 "	"	शु. 3	बुध	उभा.	06:50 से 26:25 तक
28 "	"	शु. 5	शुक्र	अश्वि.	06:48 से 15:24 तक
06 मार्च	"	शु. 11	शुक्र	पुन.	20:22 से 25:33 तक
					11:47 से 25:50 तक
11 "	चैत्र	कृ. 2	बुध	हस्त	06:35 से 19:00 तक

वाहन क्रय मुहूर्त्ताः सं. 2076

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
10 अप्रै.	चैत्र	शु. 5	बुध	रोहि.	10:33 से 14:24 तक
11 "	"	शु. 6	गुरु	मृग.	06:01 से 10:25 तक
12 "	"	शु. 7	शुक्र	आर्द्रा	09:54 से 13:24 तक
13 "	"	शु. 8	शनि	पुन.	05:59 से 11:42 तक
19 "	"	शु. 15	शुक्र	चित्रा	06:02 से 11:32 तक
					12:44 से 16:05 तक
20 "	वैशा.	कृ. 1	शनि	स्वा.	05:51 से 14:21 तक
27 "	"	कृ. 8	शनि	श्रव.	05:45 से 15:34 तक
29 "	"	कृ. 10	सोम	शत.	05:43 से 08:51 तक
02 मई	"	कृ. 13	गुरु	उभा.	13:02 से 14:47 तक
09 मई	वैशा.	शु. 5	गुरु	आर्द्रा	15:17 से 19:00 तक
10 "	"	शु. 6	शुक्र	पुन.	05:34 से 14:21 तक
11 "	"	शु. 7	शनि	पुष्य	05:33 से 13:13 तक
15 "	"	शु. 11	बुध	उफा.	10:36 से 14:23 तक
16 "	"	शु. 12	गुरु	हस्त	05:30 से 14:19 तक
24 "	ज्ये.	कृ. 6	शुक्र	उषा.	07:30 से 16:04 तक
25 "	"	कृ. 6	शनि	श्रव.	05:26 से 06:25 तक
30 "	"	कृ. 11	गुरु	रेव.	05:24 से 14:19 तक
31 "	"	कृ. 12	शुक्र	अश्वि.	05:24 से 15:37 तक
06 जून	"	शु. 3	गुरु	पुन.	05:23 से 09:55 तक
07 "	"	शु. 4	शुक्र	पुष्य	07:38 से 15:09 तक
12 "	"	शु. 10	बुध	हस्त	06:06 से 14:49 तक
13 "	"	शु. 11	गुरु	चित्रा	16:49 से 19:24 तक
14 "	"	शु. 12	शुक्र	स्वा.	05:23 से 10:16 तक
15 "	"	शु. 13	शनि	विशा.	09:59 से 14:33 तक
22 "	आषा.	कृ. 5	शनि	धनि.	05:24 से 16:30 तक
27 "	"	कृ. 9	गुरु	रेव.	05:44 से 06:55 तक
					08:31 से 16:10 तक
28 "	"	कृ. 10	शुक्र	अश्वि.	06:36 से 09:11 तक
03 जुला.	"	शु. 1	बुध	आर्द्रा	06:36 से 11:41 तक
04 "	"	शु. 2	गुरु	पुष्य	05:28 से 15:42 तक
11 "	"	शु. 10	गुरु	स्वा.	05:31 से 15:15 तक
13 "	"	शु. 12	शनि	अनु.	05:32 से 15:07 तक
18 "	श्राव.	कृ. 2	गुरु	श्रव.	05:35 से 14:47 तक
19 "	"	कृ. 2	शुक्र	धनि	05:35 से 14:43 तक
11 सितं.	भाद्र.	शु. 13	बुध	श्रव.	06:04 से 13:59 तक
30 "	आश्वि.	शु. 2	सोम	चित्रा	06:13 से 14:19 तक
02 अक्टू.	"	शु. 4	बुध	विशा.	12:52 से 14:11 तक
03 "	"	शु. 5	गुरु	अनु.	06:15 से 12:10 तक
07 "	"	शु. 9	सोम	उषा.	17:25 से 18:26 तक
09 "	"	शु. 11	बुध	धनि.	17:19 से 18:18 तक
10 "	"	शु. 12	गुरु	शत.	06:19 से 13:40 तक
14 "	कार्ति.	कृ. 1	सोम	रेव.	06:21 से 09:32 तक
					11:08 से 13:24 तक
18 "	"	कृ. 4	शुक्र	रोहि.	16:59 से 19:18 तक
19 "	"	कृ. 5	शनि	मृग.	14:45 से 17:40 तक
21 "	"	कृ. 7	सोम	पुन.	06:26 से 12:57 तक
28 "	"	कृ. 30	सोम	स्वा.	09:08 से 14:11 तक
30 अक्टू.	कार्ति.	शु. 3	बुध	अनु.	06:32 से 14:03 तक
04 नवं.	"	शु. 8	सोम	श्रव.	15:33 से 18:11 तक
06 "	"	शु. 9	बुध	शत.	07:21 से 13:36 तक
07 "	"	शु. 10	गुरु	शत.	06:37 से 08:41 तक
09 "	"	शु. 12	शनि	उभा.	14:55 से 17:52 तक
15 "	मार्ग.	कृ. 3	शुक्र	मृग.	06:44 से 07:53 तक
18 "	"	कृ. 6	सोम	पुष्य	06:46 से 12:49 तक
22 "	"	कृ. 10	शुक्र	उफा.	16:41 से 18:56 तक
23 "	"	कृ. 12	शनि	हस्त	06:50 से 12:29 तक
27 "	"	शु. 1	बुध	अनु.	06:53 से 08:12 तक
02 दिसं.	"	शु. 6	सोम	श्रव.	06:57 से 13:21 तक
04 "	"	शु. 8	बुध	शत.	12:28 से 14:53 तक
					16:05 से 17:09 तक
07 "	"	शु. 11	शनि	रेव.	17:03 से 17:57 तक
12 "	"	शु. 15	गुरु	मृग.	07:04 से 12:42 तक
14 "	पौष	कृ. 2	शनि	पुन.	07:06 से 12:34 तक
10 जन.	"	शु. 15	शुक्र	आर्द्रा	14:48 से 16:46 तक
11 "	माघ	कृ. 1	शनि	पुन.	15:06 से 17:54 तक
16 "	"	कृ. 6	गुरु	हस्त	07:15 से 09:42 तक
17 "	"	कृ. 7	शुक्र	चित्रा	07:15 से 13:20 तक
20 "	"	कृ. 11	सोम	अनु.	07:15 से 13:09 तक
25 "	"	शु. 1	शनि	श्रव.	07:13 से 14:44 तक
27 "	"	शु. 3	सोम	शत.	07:12 से 14:37 तक
30 "	"	शु. 5	गुरु	उभा.	15:12 से 19:00 तक
31 "	"	शु. 6	शुक्र	रेव.	07:10 से 14:21 तक
01 फर.	"	शु. 7	शनि	अश्वि.	07:10 से 14:17 तक
07 "	"	शु. 13	शुक्र	पुन.	07:06 से 13:53 तक
13 "	फाल्गु.	कृ. 5	गुरु	हस्त	07:02 से 13:30 तक
14 "	"	कृ. 6	शुक्र	चित्रा	07:01 से 13:26 तक
21 "	"	कृ. 13	शुक्र	उषा.	09:13 से 15:13 तक
24 "	"	शु. 1	सोम	शत.	06:52 से 15:01 तक
28 "	"	शु. 5	शुक्र	अश्वि.	06:48 से 14:45 तक
11 मार्च	चैत्र	कृ. 2	बुध	हस्त	06:35 से 13:58 तक
13 "	"	कृ. 4	शुक्र	स्वा.	08:51 से 13:50 तक
14 "	"	कृ. 5	शनि	विशा.	12:20 से 13:46 तक
19 "	"	कृ. 11	गुरु	उषा.	14:49 से 20:21 तक
20 "	"	कृ. 12	शुक्र	श्रव.	06:25 से 15:43 तक
21 "	"	कृ. 12	शनि	धनि.	06:24 से 15:39 तक

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
30 जन.	माघ	शु. 5	गुरु	उभा.	15:12 से 19:00 तक
31 "	"	शु. 6	शुक्र	रेव.	07:10 से 17:22 तक
14 फर.	फाल्गु.	कृ. 6	शुक्र	चित्रा	13:03 से 18:21 तक
26 "	"	शु. 3	बुध	उभा.	06:50 से 19:31 तक
06 मार्च	"	शु. 11	शुक्र	पुन.	11:47 से 18:56 तक
07 "	"	शु. 12	शनि	पुष्य	06:59 से 09:05 तक

व्यापारारंभ मुहूर्त्ता: सं. 2076

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
17 अप्रै.	चैत्र	शु. 13	बुध	उफा.	05:54 से 16:13 तक
19 "	"	शु. 15	शुक्र	चित्रा	06:02 से 11:32 तक
					12:44 से 18:22 तक
26 "	वैशा.	कृ. 7	शुक्र	उषा.	05:45 से 22:32 तक
02 मई	"	कृ. 13	गुरु	उभा.	06:42 से 19:50 तक
06 "	"	शु. 2	सोम	कृति.	16:36 से 19:34 तक
10 "	"	शु. 6	शुक्र	पुन.	14:21 से 16:32 तक
11 "	"	शु. 7	शनि	पुष्य	05:33 से 10:01 तक
					12:22 से 13:13 तक
16 "	"	शु. 12	गुरु	हस्त	05:30 से 19:09 तक
19 "	ज्ये.	कृ. 1	रवि	अनु.	05:29 से 18:43 तक
23 "	"	कृ. 5	गुरु	उषा.	05:27 से 20:46 तक
29 "	"	कृ. 10	बुध	उभा.	15:51 से 20:23 तक
30 "	"	कृ. 11	गुरु	रेव.	05:24 से 20:19 तक
31 "	"	कृ. 12	शुक्र	अश्वि.	05:24 से 20:15 तक
03 जून	"	कृ. 30	सोम	रोहि.	15:32 से 20:03 तक
07 "	"	शु. 4	शुक्र	पुष्य	07:38 से 18:56 तक
10 "	"	शु. 8	सोम	पूफा.	14:21 से 19:35 तक
12 "	"	शु. 10	बुध	हस्त	06:06 से 19:28 तक
19 "	आषा.	कृ. 2	बुध	पूषा.	13:29 से 19:59 तक
27 "	"	कृ. 9	गुरु	रेव.	05:44 से 06:55 तक
					08:31 से 18:15 तक
28 "	"	कृ. 10	शुक्र	अश्वि.	06:36 से 09:11 तक
30 "	"	कृ. 12	रवि	कृति	10:01 से 19:55 तक
04 जुला.	"	शु. 2	गुरु	पुष्य	05:28 से 20:05 तक
08 "	"	शु. 6	सोम	उफा.	05:30 से 15:26 तक
13 "	"	शु. 12	शनि	अनु.	05:32 से 16:27 तक
29 सितं.	आश्वि.	शु. 1	रवि	हस्त	06:13 से 18:58 तक
30 "	"	शु. 2	सोम	चित्रा	06:13 से 16:29 तक
02 अक्टू.	"	शु. 4	बुध	विशा.	12:52 से 18:46 तक
03 "	"	शु. 5	गुरु	अनु.	06:15 से 12:10 तक
07 अक्टू.	आश्वि.	शु. 9	सोम	उषा.	12:38 से 17:25 तक
13 "	"	शु. 15	रवि	उभा.	13:39 से 18:03 तक
14 "	कार्ति.	कृ. 1	सोम	रेव.	06:21 से 09:32 तक
					11:08 से 17:59 तक
18 "	"	कृ. 4	शुक्र	रोहि.	07:29 से 19:18 तक
19 "	"	कृ. 5	शनि	मृग.	14:45 से 17:40 तक
21 "	"	कृ. 7	सोम	पुन.	17:32 से 18:09 तक
25 "	"	कृ. 12	शुक्र	पूफा.	11:00 से 18:51 तक
30 "	"	शु. 3	बुध	अनु.	06:32 से 18:31 तक
03 नवं.	"	शु. 7	रवि	उषा.	08:23 से 18:15 तक
08 "	"	शु. 11	शुक्र	पूभा.	12:24 से 17:56 तक
09 "	"	शु. 12	शनि	उभा.	06:39 से 10:14 तक
					11:26 से 17:52 तक
10 "	"	शु. 13	रवि	रेव.	06:40 से 16:30 तक
14 "	मार्ग.	कृ. 2	गुरु	रोहि.	06:43 से 17:32 तक
15 "	"	कृ. 3	शुक्र	मृग.	06:44 से 07:53 तक
18 "	"	कृ. 6	सोम	पुष्य	06:46 से 17:10 तक
22 "	"	कृ. 10	शुक्र	उफा.	09:01 से 18:56 तक
23 "	"	कृ. 12	शनि	हस्त	06:50 से 18:52 तक
24 "	"	कृ. 13	रवि	चित्रा	06:51 से 12:47 तक
27 "	मार्ग.	शु. 1	बुध	अनु.	06:53 से 08:12 तक
06 दिसं.	"	शु. 10	शुक्र	उभा.	07:00 से 16:30 तक
07 "	"	शु. 11	शनि	रेव.	17:03 से 17:57 तक
08 "	"	शु. 11	रवि	अश्वि.	08:29 से 17:15 तक
12 "	"	शु. 15	गुरु	मृग.	07:04 से 17:37 तक
15 जन.	माघ	कृ. 5	बुध	उफा.	07:15 से 19:59 तक
16 "	"	कृ. 6	गुरु	हस्त	07:15 से 09:42 तक
17 "	"	कृ. 7	शुक्र	चित्रा	07:15 से 18:28 तक
20 "	"	कृ. 11	सोम	अनु.	07:15 से 19:39 तक
29 "	"	शु. 4	बुध	पूभा.	12:13 से 19:04 तक
30 "	"	शु. 5	गुरु	उभा.	07:11 से 19:00 तक
31 "	"	शु. 6	शुक्र	रेव.	07:10 से 17:22 तक
01 फर.	"	शु. 7	शनि	अश्वि.	07:10 से 18:11 तक
14 "	फाल्गु.	कृ. 6	शुक्र	चित्रा	07:01 से 07:27 तक
16 "	"	कृ. 8	रवि	अनु.	06:59 से 11:48 तक
21 "	"	कृ. 13	शुक्र	उषा.	06:55 से 07:08 तक
26 "	"	शु. 3	बुध	उभा.	06:50 से 19:31 तक
28 "	"	शु. 5	शुक्र	अश्वि.	06:48 से 11:19 तक

मुण्डन संस्कार मुहूर्त्ता: सं. 2076

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
19 अप्रै.	चैत्र	शु. 15	शुक्र	चित्रा	06:02 से 11:32 तक
					12:44 से 16:42 तक
29 "	वैशा.	कृ. 10	सोम	शत.	05:43 से 08:51 तक
02 मई	"	कृ. 13	गुरु	उभा.	13:02 से 19:50 तक
09 "	"	शु. 5	गुरु	आर्द्रा	15:17 से 19:00 तक
10 "	"	शु. 6	शुक्र	पुन.	05:34 से 16:32 तक
					18:56 से 19:06 तक
16 "	"	शु. 12	गुरु	हस्त	08:15 से 19:08 तक
20 "	ज्ये.	कृ. 2	सोम	ज्ये.	05:28 से 20:58 तक
24 "	"	कृ. 6	शुक्र	उषा.	07:30 से 20:42 तक
30 "	"	कृ. 11	गुरु	रेव.	05:24 से 16:38 तक
31 "	"	कृ. 12	शुक्र	अश्वि.	17:17 से 20:15 तक
06 जून	"	शु. 3	गुरु	पुन.	05:23 से 09:55 तक
07 "	"	शु. 4	शुक्र	पुष्य	07:38 से 18:56 तक
12 "	"	शु. 10	बुध	हस्त	06:06 से 19:28 तक
17 "	"	शु. 15	सोम	ज्ये.	05:23 से 10:43 तक
16 जन.	माघ	कृ. 6	गुरु	हस्त	07:15 से 09:42 तक
17 "	"	कृ. 7	शुक्र	चित्रा	07:15 से 07:28 तक
27 "	"	शु. 3	सोम	शत.	07:12 से 19:12 तक
30 "	"	शु. 5	गुरु	उभा.	15:12 से 19:00 तक
31 "	"	शु. 6	शुक्र	रेव.	07:10 से 18:10 तक
07 फर.	माघ	शु. 13	शुक्र	पुन.	07:06 से 18:24 तक
13 "	फाल्गु.	कृ. 5	गुरु	हस्त	07:02 से 20:02 तक
14 "	"	कृ. 6	शुक्र	चित्रा	07:01 से 18:21 तक
17 "	"	कृ. 9	सोम	ज्ये.	14:36 से 20:06 तक
21 "	"	कृ. 13	शुक्र	उषा.	09:13 से 17:21 तक
28 "	"	शु. 5	शुक्र	अश्वि.	06:48 से 19:23 तक
05 मार्च	"	शु. 10	गुरु	आर्द्रा	11:26 से 18:59 तक
11 "	चैत्र	कृ. 2	बुध	हस्त	06:35 से 18:36 तक
13 "	"	कृ. 4	शुक्र	स्वा.	08:51 से 13:59 तक

द्विरागमन मुहूर्त्ता: सं. 2076

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
17 अप्रै.	चैत्र	शु. 13	बुध	उफा.	05:54 से 18:31 तक
					22:07 से 22:24 तक
19 "	"	शु. 15	शुक्र	चित्रा	06:02 से 11:32 तक
					12:44 से 25:04 तक

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
26 अप्रै.	वैशा.	कृ. 7	शुक्र	उषा.	23:14 से 24:36 तक
29 "	"	कृ. 10	सोम	शत.	08:02 से 08:51 तक
					22:04 से 24:25 तक
02 मई	"	कृ. 13	गुरु	उभा.	06:42 से 24:09 तक
06 "	"	शु. 2	सोम	कृति.	16:36 से 23:57 तक
09 "	"	शु. 5	गुरु	आर्द्रा	15:17 से 19:00 तक
					21:00 से 23:45 तक
10 "	"	शु. 6	शुक्र	पुन.	05:34 से 14:21 तक
					20:05 से 23:41 तक
21 नवं.	मार्ग.	कृ. 9	गुरु	पूफा.	18:29 से 22:17 तक
22 "	"	कृ. 10	शुक्र	उफा.	09:01 से 25:48 तक
28 "	"	शु. 2	गुरु	ज्ये.	08:22 से 16:18 तक
					18:18 से 25:25 तक
29 "	"	शु. 3	शुक्र	मूल	06:55 से 07:33 तक
02 दिसं.	"	शु. 6	सोम	श्रव.	06:57 से 13:37 तक
					17:13 से 25:09 तक
11 "	"	शु. 14	बुध	रोहि.	22:54 से 26:50 तक
12 "	"	शु. 15	गुरु	मृग.	07:04 से 25:11 तक
14 फर.	फाल्गु.	कृ. 6	शुक्र	चित्रा	07:01 से 07:27 तक
					13:03 से 14:48 तक
21 "	"	कृ. 13	शुक्र	उषा.	09:13 से 17:21 तक
24 "	"	शु. 1	सोम	शत.	12:41 से 16:21 तक
26 "	"	शु. 3	बुध	उभा.	06:50 से 26:25 तक
28 "	"	शु. 5	शुक्र	अश्वि.	06:48 से 15:24 तक
06 मार्च	"	शु. 11	शुक्र	पुन.	20:22 से 25:33 तक
					11:47 से 25:50 तक
11 "	चैत्र	कृ. 2	बुध	हस्त	06:35 से 19:00 तक

वाहन क्रय मुहूर्त्ताः सं. 2076

दिनांक	मास	पक्ष.ति.	वार	नक्षत्र	शुद्धि समय (स्टै.टा.)
10 अप्रै.	चैत्र	शु. 5	बुध	रोहि.	10:33 से 14:24 तक
11 "	"	शु. 6	गुरु	मृग.	06:01 से 10:25 तक
12 "	".	शु. 7	शुक्र	आर्द्रा	09:54 से 13:24 तक
13 "	"	शु. 8	शनि	पुन.	05:59 से 11:42 तक
19 "	"	शु. 15	शुक्र	चित्रा	06:02 से 11:32 तक
					12:44 से 16:05 तक
20 "	वैशा.	कृ. 1	शनि	स्वा.	05:51 से 14:21 तक
27 "	"	कृ. 8	शनि	श्रव.	05:45 से 15:34 तक
29 "	"	कृ. 10	सोम	शत.	05:43 से 08:51 तक
02 मई	"	कृ. 13	गुरु	उभा.	13:02 से 14:47 तक
09 मई	वैशा.	शु. 5	गुरु	आर्द्रा	15:17 से 19:00 तक
10 "	"	शु. 6	शुक्र	पुन.	05:34 से 14:21 तक
11 "	"	शु. 7	शनि	पुष्य	05:33 से 13:13 तक
15 "	"	शु. 11	बुध	उफा.	10:36 से 14:23 तक
16 "	"	शु. 12	गुरु	हस्त	05:30 से 14:19 तक
24 "	ज्ये.	कृ. 6	शुक्र	उषा.	07:30 से 16:04 तक
25 "	"	कृ. 6	शनि	श्रव.	05:26 से 06:25 तक
30 "	"	कृ. 11	गुरु	रेव.	05:24 से 14:19 तक
31 "	"	कृ. 12	शुक्र	अश्वि.	05:24 से 15:37 तक
06 जून	"	शु. 3	गुरु	पुन.	05:23 से 09:55 तक
07 "	"	शु. 4	शुक्र	पुष्य	07:38 से 15:09 तक
12 "	"	शु. 10	बुध	हस्त	06:06 से 14:49 तक
13 "	"	शु. 11	गुरु	चित्रा	16:49 से 19:24 तक
14 "	"	शु. 12	शुक्र	स्वा.	05:23 से 10:16 तक
15 "	"	शु. 13	शनि	विशा.	09:59 से 14:33 तक
22 "	आषा.	कृ. 5	शनि	धनि.	05:24 से 16:30 तक
27 "	"	कृ. 9	गुरु	रेव.	05:44 से 06:55 तक
					08:31 से 16:10 तक
28 "	"	कृ. 10	शुक्र	अश्वि.	06:36 से 09:11 तक
03 जुला.	"	शु. 1	बुध	आर्द्रा	06:36 से 11:41 तक
04 "	"	शु. 2	गुरु	पुष्य	05:28 से 15:42 तक
11 "	"	शु. 10	गुरु	स्वा.	05:31 से 15:15 तक
13 "	"	शु. 12	शनि	अनु.	05:32 से 15:07 तक
18 "	श्राव.	कृ. 2	गुरु	श्रव.	05:35 से 14:47 तक
19 "	"	कृ. 2	शुक्र	धनि	05:35 से 14:43 तक
11 सितं.	भाद्र.	शु. 13	बुध	श्रव.	06:04 से 13:59 तक
30 "	आश्वि.	शु. 2	सोम	चित्रा	06:13 से 14:19 तक
02 अक्टू.	"	शु. 4	बुध	विशा.	12:52 से 14:11 तक
03 "	"	शु. 5	गुरु	अनु.	06:15 से 12:10 तक
07 "	"	शु. 9	सोम	उषा.	17:25 से 18:26 तक
09 "	"	शु. 11	बुध	धनि.	17:19 से 18:18 तक
10 "	"	शु. 12	गुरु	शत.	06:19 से 13:40 तक
14 "	कार्ति.	कृ. 1	सोम	रेव.	06:21 से 09:32 तक
					11:08 से 13:24 तक
18 "	"	कृ. 4	शुक्र	रोहि.	16:59 से 19:18 तक
19 "	"	कृ. 5	शनि	मृग.	14:45 से 17:40 तक
21 "	"	कृ. 7	सोम	पुन.	06:26 से 12:57 तक
28 "	"	कृ. 30	सोम	स्वा.	09:08 से 14:11 तक
30 अक्टू.	कार्ति.	शु. 3	बुध	अनु.	06:32 से 14:03 तक
04 नवं.	"	शु. 8	सोम	श्रव.	15:33 से 18:11 तक
06 "	"	शु. 9	बुध	शत.	07:21 से 13:36 तक
07 "	"	शु. 10	गुरु	शत.	06:37 से 08:41 तक
09 "	"	शु. 12	शनि	उभा.	14:55 से 17:52 तक
15 "	मार्ग.	कृ. 3	शुक्र	मृग.	06:44 से 07:53 तक
18 "	"	कृ. 6	सोम	पुष्य	06:46 से 12:49 तक
22 "	"	कृ. 10	शुक्र	उफा.	16:41 से 18:56 तक
23 "	"	कृ. 12	शनि	हस्त	06:50 से 12:29 तक
27 "	"	शु. 1	बुध	अनु.	06:53 से 08:12 तक
02 दिसं.	"	शु. 6	सोम	श्रव.	06:57 से 13:21 तक
04 "	"	शु. 8	बुध	शत.	12:28 से 14:53 तक
					16:05 से 17:09 तक
07 "	"	शु. 11	शनि	रेव.	17:03 से 17:57 तक
12 "	"	शु. 15	गुरु	मृग.	07:04 से 12:42 तक
14 "	पौष	कृ. 2	शनि	पुन.	07:06 से 12:34 तक
10 जन.	"	शु. 15	शुक्र	आर्द्रा	14:48 से 16:46 तक
11 "	माघ	कृ. 1	शनि	पुन.	15:06 से 17:54 तक
16 "	"	कृ. 6	गुरु	हस्त	07:15 से 09:42 तक
17 "	"	कृ. 7	शुक्र	चित्रा	07:15 से 13:20 तक
20 "	"	कृ. 11	सोम	अनु.	07:15 से 13:09 तक
25 "	"	शु. 1	शनि	श्रव.	07:13 से 14:44 तक
27 "	"	शु. 3	सोम	शत.	07:12 से 14:37 तक
30 "	"	शु. 5	गुरु	उभा.	15:12 से 19:00 तक
31 "	"	शु. 6	शुक्र	रेव.	07:10 से 14:21 तक
01 फर.	"	शु. 7	शनि	अश्वि.	07:10 से 14:17 तक
07 "	"	शु. 13	शुक्र	पुन.	07:06 से 13:53 तक
13 "	फाल्गु.	कृ. 5	गुरु	हस्त	07:02 से 13:30 तक
14 "	"	कृ. 6	शुक्र	चित्रा	07:01 से 13:26 तक
21 "	"	कृ. 13	शुक्र	उषा.	09:13 से 15:13 तक
24 "	"	शु. 1	सोम	शत.	06:52 से 15:01 तक
28 "	"	शु. 5	शुक्र	अश्वि.	06:48 से 14:45 तक
11 मार्च	चैत्र	कृ. 2	बुध	हस्त	06:35 से 13:58 तक
13 "	"	कृ. 4	शुक्र	स्वा.	08:51 से 13:50 तक
14 "	"	कृ. 5	शनि	विशा.	12:20 से 13:46 तक
19 "	"	कृ. 11	गुरु	उषा.	14:49 से 20:21 तक
20 "	"	कृ. 12	शुक्र	श्रव.	06:25 से 15:43 तक
21 "	"	कृ. 12	शनि	धनि.	06:24 से 15:39 तक

अथ त्रिबल शुद्धि कोष्ठक सम्वत् 2076 वि. (दिनांक: 6 अप्रैल 2019 से 24 मार्च 2020 तक)

विवाह के लिए श्रेष्ठ समय के ज्ञानार्थ कोष्ठक (वर-कन्या को सूर्य, गुरु व चन्द्र बल विचार सहित)

इस पंचांग में विवाह के लिए तत्काल तारीख ज्ञानार्थ त्रिबल शुद्धि कोष्ठक पाठकों की सुविधा हेतु विगत वर्षों से देते आ रहे हैं। किस-किस महीने की किस-किस तारीख को किन-किन राशि वाले लड़के-लड़कियों के विवाह हो सकते हैं। इन सबकी जानकारी इस त्रिबल शुद्धि कोष्ठक से मिलेगी। जिससे साधारण व्यक्ति भी एक नजर में जान सकता है कि अमुक राशि वाले लड़के व लड़की की शादी इस वर्ष किन-किन तारीखों में हो सकती है। वर के लिए "सूर्य की पूजा" तथा कन्या के लिए "गुरु की पूजा" वाला समय भी लिख दिया गया है। वर व कन्या की राशियों वाले कॉलम में जो तारीखें एक समान मिलें, उन तारीखों में उन राशि वाले लड़के-लड़की का विवाह सम्पन्न हो सकता है। मेषादि राशि वाले लड़कों के लिए 4, 8, 12वें सूर्य व 4, 8वें चन्द्र का परित्याग कर शेष सभी महीनों में मुहूर्त्तों की तारीखें लिखी गयी हैं। वर्तमान समय में लड़कियों का विवाह बड़ी आयु में किया जाता है, अतः 4, 8, 12वें गुरु की शास्त्रानुसार विशेष पूजा करके नेष्टता को दूर किया जा सकता है। तथा चतुर्थ और अष्टम चन्द्रमा को छोड़कर विवाह मुहूर्त्तों की तारीखें लिखी गयी हैं। यहां कात्यायनोक्त चार नक्षत्रों व अशुद्ध विवाह मुहूर्त्तों की तारीखें भी सम्मिलित हैं। अतः स्वप्रथानुसार ग्रहण करें।

वर (लड़का)	वर के लिए पूज्य सूर्य	कन्या (लड़की)	कन्या के लिए पूज्य गुरु
मेष–अप्रैल-15, 16, 17, 18, 19, 20, 26, 27, 28, मई-6, 7, 12, 13, 16, 17, 23, 24, 25, 28, 29, 30, 31, जून-8, 9, 10, 11, 12, 25, 27, 28, जुला.-6, 7, 8, 9, 10, 11, सितं.-12, अक्टू.-1, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 13, 14, 15, 18, 23, 24, 25, 31, नवं.-1, 2, 3, 4, 5, 8, 9, 10, 11, 13, 14, जन.-15, 16, 17, 18, 26, 29. 30, 31, फर.-9, 10, 11, 14, 25, 26, 27, 28, मार्च-10, 11।	14 अप्रै तक अशुभ, 15 मई तक विशेष पूज्य, 15 जून तक पूज्य, 16 जुला. तक शुभ, पश्चात् पूज्य, 17 सितं. तक पूज्य, 14 अक्टू. शुभ, 15 नवं. तक विशेष पूज्य, 15 जन.20 से 14 मार्च तक शुभ	**मेष**–अप्रैल-15, 16, 17, 18, 19, 20, 26, 27, 28, मई-6, 7, 12, 13, 16, 17, 23, 24, 25, 28, 29, 30, 31, जून-8, 9, 10, 11, 12, 25, 27, 28, जुला.-6, 7, 8, 9, 10, 11, सितं.-12, अक्टू.-1, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 13, 14, 15, 18, 23, 24, 25, 31, नवं.-1, 2, 3, 4, 5, 8, 9, 10, 11, 13, 14, जन.-15, 16, 17, 18, 26, 29, 30, 31, फर.-9, 10, 11, 14, 25, 26, 27, 28, मार्च-10, 11।	29 मार्च तक गुरु अशुभ पश्चात् 23 अप्रैल तक गुरु शुभ, पुनः 05 नवं. तक गुरु अशुभ, पश्चात् गुरु शुभ
वृष–मई-16, 17, 18, 19, 23, 24, 25, 28, 29, 30, 31, जून-10, 11, 12, 16, 25, 27, 28, जुला.-7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, सितं.-29, 30, अक्टू.-1, 2, 3, 29, 30, नवं.-3, 4, 5, 8, 9, 10, 11, 13, 14, दिसं.-1, 2, 3, 7, 8, 10, 11, 12, जन.-15, 16, 17, 18, 19, 20, 26, 29, 30, 31, फर.-1, 3, 4, 14, 15, 16, 25, 26, 27, 28, मार्च-10, 11।	14 अप्रै. से 15 मई-अशुभ, 15 मई से 17 जुला.-पू., 17 जुला. से 17 अग.-अशुभ, 17 अग. से 18 अक्टू. पू., 18 अक्टू. से 17 नवं.-शुभ, 17 नवं. से 16 दिसं.-विशेष पू., 14 जन. से पू., 13 फर. से 14 मार्च-शुभ	**वृष**–मई-16, 17, 18, 19, 23, 24, 25, 28, 29, 30, 31, जून-10, 11, 12, 16, 25, 27, 28, जुला.-7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, सितं. -29, 30, अक्टू.-1, 2, 3, 29, 30, नवं.-3, 4, 5, 8, 9, 10, 11, 13, 14, दिसं.-1, 2, 3, 7, 8, 10, 11, 12, जन.2020-15, 16, 17, 18, 19, 20, 26, 29, 30, 31, फर.-1, 3, 4, 14, 15, 16, 25, 26, 27, 28, मार्च-10, 11।	29 मार्च तक गुरु शुभ, पश्चात् 23 अप्रैल तक गुरु अशुभ, पुनः 05 नवं. तक गुरु शुभ पश्चात् गुरु अशुभ
मिथुन–अप्रैल-15, 16, 17, 19, 20, 22, 28, मई-6, 7, 12, 13, जून-16, 25, 27, 28, जुला.-6, 7, 10, 11, 12, 13, सितं.-12, अक्टू.-18, नवं.-8, 9, 10, 11, 13, 14, 19, 20, 21, 28, 29, दिसं.-2, 3, 7, 8, 10, 11, 12, फर.-14, 15, 16, 25, 26, 27, 28।	14 अप्रै.-15 मई-शुभ, 15 मई-15 जून-अशुभ, 15 जून-17 अग.-पू., 17 अग.-17 सि.-शुभ, 17 सि.-18 अक्टू. -अशुभ, 18 अ.-17 नवं.-पू., 17 नवं.-16 दि.-शुभ, 14 जन.-13फ.-अशुभ, 13 फर.-14 मा.-पूज्य	**मिथुन**–अप्रैल-15, 16, 17, 19, 20, 22, 28, मई-6, 7, 12, 13 जून-16, 25, 27, 28, जुला.-6, 7, 10, 11, 12, 13, सितं.-12, अक्टू.-18, नवं.-8, 9, 10, 11, 13, 14, 19, 20, 21, 28, 29, दिसं. -2, 3, 7, 8, 10, 11, 12, फर.-14, 15, 16, 25, 26, 27, 28।	गुरु शुभ
कर्क–अप्रैल-15, 16, 17, 19, 22, 26, 27, मई-6, 7, 12, 13, 16, 18, 19, 23, 24, 28, 29, 30, 31, जून-8, 9, 10, 11, 12, सितं.-29, अक्टू.-2, 3, 5, 6, 7, 8, 13, 14, 15, नवं.-19, 20, 21, 22, 23, 29, 30, दिसं.-1, 2, 7, 8, 10, 11, 12, जन.20-15, 16, 17, 19, 20, 29, 30, 31, फर.-1, 3, 4, 9, 10, 11।	14 अप्रै. से 15 मई-शुभ, 15 मई से 15 जून-शुभ, 15 जून से 17 जुला.-अशुभ, 17 जुला. से 17 अग.-विशेष पूज्य, 17 अग. से 17 सितं-पूज्य, 17 सितं-18 अक्टू-शुभ, 18 अक्टू. से 17 नवं-अशुभ, 17 नवं से 16 दिसं -पूज्य, 14 जन. से 13 फर विशेष पूज्य, 13 फर. से 14 मार्च-अशुभ	**कर्क**–अप्रैल-15, 16, 17, 19, 22, 26, 27, मई-6, 7, 12, 13, 16, 18, 19, 23, 24, 28, 29, 30, 31, जून-8, 9, 10, 11, 12, सितं.-29, अक्टू.-2, 3, 5, 6, 7, 8, 13, 14, 15, नवं.- 19, 20, 21, 22, 23, 29, 30, दिसं.-1, 2, 7, 8, 10, 11, 12, जन.2020-15, 16, 17, 19, 20, 29, 30, 31, फर.-1, 3, 4, 9, 10, 11।	गुरु शुभ
सिंह–अप्रैल-15, 16, 17, 18, 19, 20, 26, 27, 28, मई- 6, 7, 12, 13, 16, 17, 23, 24, 25, 30, 31, जून-8, 9, 10, 11, 12, 27, 28, जुला.-6, 7, 8, 9, 10, 11, सितं.-12, 29, 30, अक्टू.-1, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 14, 15, 18, 23, 24, 25, 31, नवं.-1, 2, 3, 4, 5, 10, 11, 13, 14, फर.-1, 3, 4, 9, 10, 11, 14, 27, 28, मार्च-10, 11।	14 अप्रै. से 15 मई -पूज्य, 15 मई से 15 जून-शुभ, 15 जून से 17 जुला.-शुभ, 17 जुला. से 17 अग.-विशेष अशुभ, 17 अग. से 17 सितं.-विशेष पूज्य, 17 सितं. से 18 अक्टू.-पूज्य, 18 अक्टू. से 17 नवं.-शुभ, 17 [illegible] फर. शुभ, 13 फर. से 14 मार्च-विशेष पूज्य	**सिंह**–अप्रैल-15, 16, 17, 18, 19, 20, 26, 27, 28, मई-6, 7, 12, 13, 16, 17, 23, 24, 25, 30, 31, जून-8, 9, 10, 11, 12, 27, 28, जुला.-6, 7, 8, 9, 10, 11, सितं.-12, 29, 30, अक्टू.-1, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 14, 15, 18, 23, 24, 25, 31, नव.-1, 2, 3, 4, 5, 10, 11, 13, 14, फर.-1, 3, 4, 9, 10, 11, 14, 27, 28, मार्च-10, 11।	29 मार्च तक गुरु अशुभ पश्चात् 23 अप्रैल तक गुरु शुभ, पुनः 05 नवं. तक गुरु अशुभ पश्चात् गुरु शुभ

वर (लड़का)	वर के लिए पूज्य सूर्य	कन्या (लड़की)	कन्या के लिए पूज्य गुरु
कन्या–मई-19, 23, 24, 25, 28, 29, 30, जून-8, 9, 10, 11, 12, 16, 25, 27, जुला.-6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, सितं.-29, 30, अक्टू.-1, 2, 3, 6, 7, 8, 9, 13, 14, 18, 23, 24, 25, 29, 30, नवं.-3, 4, 5, 8, 9, 10, 13, 14, 19, 20, 21, 22, 23, 30, दिस.-1, 2, 3, 7, 10, 11, 12, जन.2020-15, 16, 17, 18, 25, 26, 29, 30।	14 अप्रै. से 15 मई-अशुभ, 15 मई से 15 जून तक पूज्य, 15 जून से 17 जुला.-शुभ, 17 जुला. से 17 अग.-शुभ, 17 अग. से 17 सितं. तक अशुभ, 17 सितं. से 18 अक्टू. तक विशेष पूज्य, 18 अक्टू. से 17 नवं. तक पूज्य, 17 नवं. से 16 दिसं. तक शुभ, 14 जन 2020 से 13 फर. पूज्य, 13 फर. से 14 मार्च तक शुभ	**कन्या**–मई-19, 23, 24, 25, 28, 29, 30, जून-8, 9, 10, 11, 12, 16, 25, 27, जुला.-6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, सितं-29, 30, अक्टू.-1, 2, 3, 6, 7, 8, 9, 13, 14, 18, 23, 24, 25, 29, 30, नवं.-3, 4, 5, 8, 9, 10, 13, 14, 19, 20, 21, 22, 23, 30, दिसं.-1, 2, 3, 7, 10, 11, 12, जन. -15, 16, 17, 18, 25, 26, 29, 30।	29 मार्च तक गुरु शुभ, पश्चात् 23 अप्रैल तक गुरु अशुभ, पुनः 05 नवं. तक गुरु शुभ पश्चात् गुरु अशुभ
तुला–अप्रैल-15, मई-12, 13, जून-16, 25, 27, 28, जुला.-6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, सितं.-12, अक्टू.-23, 24, 25, 29, 30, 31, नवं.-1, 2, 5, 8, 9, 10, 11, 19, 20, 21, 22, 23, 28, 29, दिसं.-2, 3, 7, 8, 12।	14 अप्रै.-15 मई-विशेष पू., 15 मई से 15 जून-अशुभ, 15 जून-17 जुला.-पू., 17 जुला. से 17 अग. -शुभ 17 अग.-17 सितं-शुभ, 17 सितं से 18 अक्टू -अशुभ, 18 अक्टू-17 नवं-विशेष पू., 17 नवं से 16 दिसं-पू., 14 जन.-13 फर-अशुभ, 13 फर.-14 मार्च-पू.	**तुला**–अप्रैल-15, मई-12, 13, जून-16, 25, 27, 28, जुला. -6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, सितं.-12, अक्टू.-23, 24, 25, 29, 30, 31, नवं.-1, 2, 5, 8, 9, 10, 11, 19, 20, 21, 22, 23, 28, 29, दिसं.-2, 3, 7, 8, 12।	गुरु शुभ
वृश्चिक–अप्रैल-15, 16, 17, 18, 19, 20, 22, 26, 27, 28, मई-6, सितं.-29, 30, अक्टू.-1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 13, 14, 15, नवं.-19, 20, 21, 22, 23, 28, 29, 30, दिसं.-1, 2, 7, 8, 10, 11, 12, जन.2020-15, 16, 17, 18, 19, 20, 29, 30, 31, फर-1, 3, 4, 9, 10, 11।	14 अप्रै. से 15 मई-शुभ, 15 मई से 15 जून तक विशेष पूज्य, 15 जून से 17 जुला.-अशुभ, 17 जुला. से 17 अग.-पूज्य, 17 अग. से 17 सितं. तक शुभ, 17 सितं. से 18 अक्टू.-शुभ, 18 अक्टू. से 17 नवं. तक अशुभ, 17 नवं. से 16 दिसं.-विशेष पूज्य, 14 जन. से 13 फर. शुभ; 13 फर. से 14 मार्च- अशुभ	**वृश्चिक**–अप्रैल-15, 16, 17, 18, 19, 20, 22, 26, 27, 28, मई-6, सितं.-29, 30, अक्टू.-1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 13, 14, 15, नवं.-19, 20, 21, 22, 23, 28, 29, 30, दिसं. -1, 2, 7, 8, 10, 11, 12, जन.2020-15, 16, 17, 18, 19, 20, 29, 30, 31, फर.-1, 3, 4, 9, 10, 11।	गुरु शुभ
धनु–अप्रै.-15, 16, 17, 18, 19, 20, 22, 26, 27, 28, मई-6, 7, 12, 13, 16, 17, 18, 19, 23, 24, 25, 30, 31, जून-8, 9, 10, 11, 12, 16, 27, 28, जुला.-6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, सितं.-12, 19, 30, अक्टू.-1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 14, 15, 18, 23, 24, 25, 29, 30, 31, नवं.-1, 2, 3, 4, 5, 10, 11, 13, 14, जन.-15, 16, 17, 18, 19, 20, 26, 31, फर. -1, 3, 4, 9, 10, 11, 14, 15, 16, 27, 28, मार्च-10, 11।	14 अप्रै. से 15 मई तक पूज्य, 15 मई से 15 जून तक शुभ, 15 जून से 17 जुला. तक विशेष पूज्य, 17 जुला. से 17 अग. तक अशुभ, 17 अग. से 17 सितं. तक पूज्य, 17 सितं. से 18 अक्टू. तक शुभ, 18 अक्टू. से 17 नवं. तक शुभ, 17 नवं. से 16 दिसं. तक अशुभ, 14 जन. 2020 से 13 फर. पूज्य, 13 फर. से 14 मार्च तक शुभ।	**धनु**–अप्रै.-15, 16, 17, 18, 19, 20, 22, 26, 27, 28, मई-6, 7, 12, 13, 16, 17, 18, 19, 23, 24, 25, 30, 31, जून-8, 9, 10, 11, 12, 16, 27, 28, जुला.-6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, सितं.-12, 19, 30, अक्टू.-1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 14, 15, 18, 23, 24, 25, 29, 30, 31, नवं.-1, 2, 3, 4, 5, 10, 11, 13, 14, जन.-15, 16, 17, 18, 19, 20, 26, 31, फर. -1, 3, 4, 9, 10, 11, 14, 15, 16, 27, 28, मार्च- 10, 11।	29 मार्च तक गुरु पूज्य पश्चात् 23 अप्रैल तक गुरु शुभ, पुनः 05 नवं. तक गुरु पूज्य, पश्चात् गुरु शुभ
मकर–मई-16, 17, 18, 19, 23, 24, 25, 28, 29, 30, जून-10, 11, 12, 16, 25, 27, जुला.-7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, सितं.-29, 30, अक्टू.-1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 13, 14, 18, 25, 29, 30, 31, नवं.-1, 2, 3, 4, 5, 8, 9, 10, 13, 14, 22, 23, 28, 29, 30, दिसं.-1, 2, 3, 7, 10, 11, 12, जन.-15, 16, 17, 18, 19, 20, 26, 29, 30, 31। फर.-3, 4, 14, 15, 16, 25, 26, 27, मार्च-10, 11।	14 अप्रै. से 15 मई तक अशुभ, 15 मई से 15 जून तक पूज्य, 15 जून से 17 जुला. तक शुभ, 17 जुला. से 17 अग. तक विशेष पूज्य, 17 अग. से 17 सितं. तक अशुभ, 17 सितं. से 18 अक्टू. तक पूज्य, 18 अक्टू. से 17 नवं. तक शुभ, 17 नवं. से 16 दिसं. तक शुभ, 14 जन. 2020 से 13 फर. विशेष पूज्य, 13 फर. से 14 मार्च तक पूज्य	**मकर**–मई-16, 17, 18, 19, 23, 24, 25, 28, 29, 30, जून-10, 11, 12, 16, 25, 27, जुला.-7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, सितं.-29, 30, अक्टू.-1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 13, 14, 18, 25, 29, 30, 31, नव.-1, 2, 3, 4, 5, 8, 9, 10, 13, 14, 22, 23, 28, 29, 30, दिसं.-1, 2, 3, 7, 10, 11, 12, जन.2020-15, 16, 17, 18, 19, 20, 26, 29, 30, 31, फर.-3, 4, 14, 15, 16, 25, 26, 27, मार्च-10, 11।	29 मार्च तक गुरु शुभ पश्चात् 23 अप्रैल तक गुरु पूज्य, पुनः 05 नवं. तक गुरु शुभ, पश्चात् गुरु पूज्य
कुंभ–अप्रैल-15, 16, 17, 19, 20, 22, 26, 27, 28, मई-12, 13, जून-16, 25, 27, 28, जुला.-6, 7, 10, 11, 12, 13, सितं.-12, अक्टू.-23, 24, 25, 29, 30, 31, नवं.-1, 2, 3, 4, 5, 8, 9, 10, 11, 19, 20, 21, 28, 29, 30, दिसं. -1, 2, 3, 7, 8, 12, फर.-14, 15, 16, 25, 26, 27, 28।	14 अप्रै. से 15 मई-शुभ 15 मई से 15 जून तक अशुभ, 15 जून से 17 जुला.-पूज्य, 17 जुला. से 17 अग.-शुभ, 17 अग. से 17 सितं.-विशेष पूज्य, 17 सितं. से 18 अक्टू. तक अशुभ, 18 अक्टू. से 17 नवं. पूज्य, 17 नवं. से 16 दिसं.-शुभ, 14 जन. से 13 फर. अशुभ, 13 फर. से 14 मार्च-विशेष पूज्य	**कुंभ**–अप्रैल-15, 16, 17, 19, 20, 22, 26, 27, 28, मई-12, 13, जून-16, 25, 27, 28, जुला.-6, 7, 10, 11, 12, 13, सितं.-12, अक्टू.-23, 24, 25, 29, 30, 31, नवं.-1, 2, 3, 4, 5, 8, 9, 10, 11, 19, 20, 21, 28, 29, 30, दिसं. -1, 2, 3, 7, 8, 12, फर.-14, 15, 16, 25, 26, 27, 28।	गुरु शुभ
मीन–अप्रैल-15, 16, 17, 18, 19, 22, 26, 27, 28, मई-6, 7, 12, 13, 16, 18, 19, 23, 24, 25, 28, 29, 30, 31, जून-8, 9, 10, 11, 12, सितं.-12, 29, अक्टू.-2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 13, 14, 15, नवं.-20, 21, 22, 23, 28, 29, 30, दिसं.- 1, 2, 3, 7, 8, 10, 11, 12, जन.-15, 16, 17, 19, 20, 26, 29, 30, 31, फर.-1, 3, 4, 9, 10, 11।	14 अप्रै. से 15 मई तक पूज्य, 15 मई से 15 जून तक शुभ, 15 जून से 17 जुला. तक अशुभ, 17 जुला. से 17 अग. तक पूज्य, 17 अग. से 17 सितं. तक शुभ, 17 सितं. से 18 अक्टू. तक विशेष पूज्य, 18 अक्टू. से 17 नवं. तक अशुभ, 17 नवं. से 16 दिसं. तक पूज्य, 14 जन. से 13 फर. शुभ, 13 फर. से 14 मार्च तक अशुभ	**मीन**–अप्रैल-15, 16, 17, 18, 19, 22, 26, 27, 28, मई-6, 7, 12, 13, 16, 18, 19, 23, 24, 25, 28, 29, 30, 31, जून-8, 9, 10, 11, 12, सितं.-12, 29, अक्टू.-2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 13, 14, 15, नवं.-20, 21, 22, 23, 28, 29, 30, दिसं.-1, 2, 3, 7, 8, 10, 11, 12, जन.-15, 16, 17, 19, 20, 26, 29, 30, 31, फर.-1, 3, 4, 9, 10, 11।	गुरु शुभ

सूर्यादि ग्रहों का नक्षत्र-राशि संचार, वक्री-मार्गी एवं उदयास्तादि सं. 2076 वि.

सूर्य का नक्षत्र राशि संचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
07	अप्रै.	रेव.	3	मीन	19:14
11	"	"	4		04:38
14	"	अश्वि.	1	मेष	14:12
17	"	"	2		23:57
21	"	"	3		09:52
24	"	"	4		19:55
28	"	भरणी	1		06:06
01	मई	"	2		16:25
05	"	"	3		02:52
08	"	"	4		13:27
12	"	कृति.	1		24:11
15	"	"	2	वृष	11:04
18	"	"	3		22:06
22	"	"	4		09:15
25	"	रोहि.	1		20:29
29	"	"	2		07:49
01	जून	"	3		19:13
05	"	"	4		06:42
08	"	मृग.	1		18:16
12	"	"	2		05:56
15	"	"	3	मिथुन	17:41
19	"	"	4		05:30
22	"	आर्द्रा	1		17:21
26	"	"	2		05:13
29	"	"	3		17:06
03	जुला.	"	4		04:58
06	"	पुन.	1		16:52
10	"	"	2		04:46
13	"	"	3		16:41
17	"	"	4	कर्क	04:35
20	"	पुष्य	1		16:28
24	"	"	2		04:17
27	"	"	3		16:03
31	"	"	4		03:43
03	अग.	आश्ले.	1		15:19

सूर्य का नक्षत्र राशि संचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
07	अग.	आश्ले.	2	कर्क	02:51
10	"	"	3		14:20
14	"	"	4		01:44
17	"	मघा	1	सिंह	13:03
21	"	"	2		24:15
24	"	"	3		11:19
27	"	"	4		22:14
31	"	पू.फा.	1		09:02
03	सितं.	"	2		09:41
07	"	"	3		06:13
10	"	"	4		16:38
14	"	उ.फा.	1		02:56
17	"	"	2	कन्या	13:04
20	"	"	3		23:03
24	"	"	4		08:51
27	"	हस्त	1		18:28
01	अक्टू.	"	2		03:56
04	"	"	3		13:15
07	"	"	4		22:25
11	"	चित्रा	1		07:27
14	"	"	2		16:21
18	"	"	3	तुला	01:04
21	"	"	4		09:38
24	"	स्वाती	1		18:01
28	"	"	2		02:15
31	"	"	3		10:19
03	नवं.	"	4		18:16
07	"	विशा.	1		02:06
10	"	"	2		09:49
13	"	"	3		17:24
17	"	"	4	वृश्चि.	00:53
20	"	अनु.	1		08:13
23	"	"	2		15:25
26	"	"	3		22:31
30	"	"	4		[illegible]

सूर्य का नक्षत्र राशि संचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
03	दिसं.	ज्ये.	1	वृश्चि.	12:25
06	"	"	2		19:17
10	"	"	3		02:04
13	"	"	4		08:49
16	"	मूल	1	धनु	15:29
19	"	"	2		22:06
23	"	"	3		04:39
26	"	"	4		11:10
29	"	पूषा.	1		17:38
02	जन.20	"	2		24:07
05	"	"	3		06:36
08	"	"	4		13:07
11	"	उषा.	1		19:38
15	"	"	2	मकर	02:11
18	"	"	3		08:44
21	"	"	4		15:19
24	"	श्रव.	1		21:55
28	"	"	2		04:34
31	"	"	3		11:18
03	फर.	"	4		18:06
07	"	धनि.	1		01:01
10	"	"	2		08:02
13	"	"	3	कुंभ	15:07
16	"	"	4		22:18
20	"	शत.	1		05:33
23	"	"	2		12:55
26	"	"	3		20:24
01	मार्च	"	4		04:00
04	"	पूभा.	1		11:46
07	"	"	2		19:41
11	"	"	3		03:45
14	"	"	4	मीन	11:57
17	"	उभा.	1		20:17
21	"	"	2		04:45
24	"	"	3		13:21

मंगल का नक्षत्र राशि संचार

मंगल का नक्षत्र राशि संचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
06	अप्रै.	रोहि.	1	वृष	17:31
11	"	"	2		18:54
16	"	"	3		20:38
21	"	"	4		22:44
27	"	मृग.	1		01:11
02	मई	"	2		03:57
07	"	"	3	मिथुन	07:01
12	"	"	4		10:23
17	"	आर्द्रा	1		14:06
22	"	"	2		18:08
27	"	"	3		22:26
02	जून	"	4		02:58
07	"	पुन.	1		07:44
12	"	"	2		12:45
17	"	"	3		17:59
22	"	"	4	कर्क	23:26
28	"	पुष्य	1		05:02
03	जुला.	"	2		10:44
08	"	"	3		16:33
13	"	"	4		22:29
19	"	आश्लें.	1		04:32
24	"	"	2		10:37
29	"	"	3		16:41
03	अग.	"	4		22:44
09	"	मघा	1	सिंह	04:47
14	"	"	2		10:48
19	"	"	3		16:46
24	"	"	4		22:37
30	"	पूफा.	1		04:19
04	सितं.	"	2		09:53
09	"	"	3		15:19
14	"	"	4		20:35
20	"	उफा.	1		01:40
25	"	"	2	कन्या	[illegible]

मंगल का नक्षत्र राशि संचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
30	सितं.	उफा.	3	कन्या	11:06
05	अक्टू.	"	4		15:27
10	"	हस्त	1		19:35
15	"	"	2		23:28
21	"	"	3		03:03
26	"	"	4		06:19
31	"	चित्रा	1		09:17
05	नवं.	"	2		11:57
10	"	"	3	तुला	14:21
15	"	"	4		16:27
20	"	स्वाती	1		18:11
25	"	"	2		19:35
30	"	"	3		20:41
05	दिसं.	"	4		21:28
10	"	विशा.	1		21:58
15	"	"	2		22:08
20	"	"	3		21:57
25	"	"	4	वृश्चि.	21:26
30	"	अनु.	1		20:38
04	जन.20	"	2		19:33
09	"	"	3		18:10
14	"	"	4		16:30
19	"	ज्येष्ठा	1		14:29
24	"	"	2		12:11
29	"	"	3		09:38
03	फर.	"	4		06:50
08	"	मूल	1	धनु	03:48
13	"	"	2		24:30
17	"	"	3		20:55
22	"	"	4		17:07
27	"	पू.षा.	1		13:06
03	मार्च	"	2		08:57
08	"	"	3		04:37
13	"	"	4		24:07
17	"	उ.षा.	1		19:25
22	"	"	2	मकर	14:37

बुध का नक्षत्र राशि संचार

बुध का नक्षत्र राशि संचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
08	अप्रै.	पू.भा.	3	कुंभ	11:56
12	"	"	4	मीन	04:27
15	"	उं.भा.	1		07:34
18	"	"	2		02:58
20	"	"	3		17:09
23	"	"	4		03:26
25	"	रेवती	1		10:38
27	"	"	2		15:17
29	"	"	3		17:44
01	मई	"	4		18:16
03	"	अश्वि.	1	मेष	17:05
05	"	"	2		14:22
07	"	"	3		10:13
09	"	"	4		04:48
10	"	भरणी	1		22:12
12	"	"	2		14:32
14	"	"	3		05:56
15	"	"	4		20:29
17	"	कृति.	1		10:21
18	"	"	2	वृष	23:37
20	"	"	3		12:29
22	"	"	4		01:03
23	"	रोहि.	1		13:32
25	"	"	2		02:04
26	"	"	3		14:51
28	"	"	4		04:04
29	"	मृग.	1		17:55
31	"	"	2		08:36
02	जून	"	3	मिथुन	24:20
03	"	"	4		17:20
05	"	आर्द्रा	1		11:51
07	"	"	2		08:10
09	"	"	3		06:35

बुध का नक्षत्र राशि संचार

ता. मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
11 जून	आर्द्रा	4	मिथुन	07:30
13 "	पुन.	1		11:26
15 "	"	2		19:04
18 "	"	3		07:30
21 "	"	4	कर्क	02:30
24 "	पुष्य	1		07:31
28 "	"	2		07:17
05 जुला.	"	3		05:59
11 "	"	2		03:38
18 "	"	1		07:54
23 "	पुन.	4		06:34
30 "	"	3	मिथुन	12:13
03 अग.	"	4	कर्क	05:53
09 "	पुष्य	1		12:15
12 "	"	2		17:41
15 "	"	3		06:44
17 "	"	4		11:39
19 "	आश्ले.	1		11:44
21 "	"	2		08:42
23 "	"	3		03:40
24 "	"	4		21:18
26 "	मघा	1	सिंह	14:09
28 "	"	2		06:36
29 "	"	3		22:57
31 "	"	4		15:24
02 सितं.	पूफा.	1		08:11
04 "	"	2		01:25
05 "	"	3		19:14
07 "	"	4		13:43
09 "	उफा.	1		08:58
11 "	"	2	कन्या	05:01
13 "	"	3		01:57
14 "	"	4		23:47
16 "	हस्त	1		22:35
18 "	"	2		22:20
20 "	"	3		23:06
23 "	"	4		24:55
25 "	चित्रा	1		03:48

बुध का नक्षत्र राशि संचार

ता. मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
27 सितं.	चित्रा	2		07:47
29 "	"	3	तुला	12:58
01 अक्टू.	"	4		19:24
04 "	स्वाती	1		03:13
06 "	"	2		12:37
08 "	"	3		23:51
11 "	"	4		13:22
14 "	विशा.	1		05:52
17 "	"	2		02:35
20 "	"	3		06:07
23 "	"	4	वृश्चि.	23:13
30 "	अनु.	1		06:14
02 नवं.	विशा.	4		10:46
07 "	"	3	तुला	15:58
10 "	"	2		11:10
12 "	"	1		23:38
15 "	स्वाती	4		20:53
26 "	विशा.	1		16:24
30 "	"	2		02:14
02 दिसं.	"	3		21:27
05 "	"	4	वृश्चि.	10:37
07 "	अनु.	1		20:31
10 "	"	2		04:29
12 "	"	3		11:13
14 "	"	4		17:06
16 "	ज्ये.	1		22:23
19 "	"	2		03:14
21 "	"	3		07:44
23 "	"	4		11:55
25 "	मूल	1	धनु	15:48
27 "	"	2		19:25
29 "	"	3		22:43
01 जन.20	"	4		01:43
03 "	पूषा.	1		04:22
05 "	"	2		06:39
07 "	"	3		08:32
09 "	"	4		10:00
11 "	उषा.	1		11:02

बुध का नक्षत्र राशि संचार

ता. मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
13 जन.	उषा.	2	मकर	11:37
15 "	"	3	मकर	11:46
17 "	"	4		11:27
19 "	श्रवण	1		10:44
21 "	"	2		09:39
23 "	"	3		08:16
25 "	"	4		06:42
27 "	धनि.	1		05:07
29 "	"	2		03:44
31 "	"	3	कुंभ	02:56
02 फर.	"	4		03:13
04 "	शत.	1		05:29
06 "	"	2		11:18
09 "	"	3		24:06
12 "	"	4		06:47
22 "	"	3		06:58
25 "	"	2		19:00
28 "	"	1		21:35
03 मार्च	धनि.	4		13:02
17 "	शत.	1		21:32
22 "	"	2		04:46

गुरु का नक्षत्र राशि संचार

ता. मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
23 अप्रै.	ज्ये.	4	वृश्चि.	24:51
31 मई	"	3		10:48
27 जून	"	2		04:10
25 सितं.	"	3		18:45
18 अक्टू.	"	4		03:52
05 नवं.	मूल	1	धनु	05:48
27 "	"	2		09:58
06 दिसं.	"	3		13:50
21 "	"	4		05:27
04 जन.20	पूषा.	1		16:50
19 "	"	2		07:32
03 फर.	"	3		09:29
19 "	"	4		10:22
08 मार्च	उषा.	1		06:53

शुक्र का नक्षत्र राशि संचार

ता. मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
07 अप्रै.	पूभा.	1	कुंभ	18:30
10 "	"	2		12:44
13 "	"	3		06:57
16 "	"	4	मीन	01:07
18 "	उभा.	1		19:16
21 "	"	2		13:22
24 "	"	3		07:25
27 "	"	4		01:27
29 "	रेव.	1		19:26
02 मई	"	2		13:23
05 "	"	3		07:20
08 "	"	4		01:15
10 "	अश्वि.	1	मेष	19:09
13 "	"	2		13:02
16 "	"	3		06:55
19 "	"	4		24बबब:46
21 "	भरणी	1		18:36
24 "	"	2		12:25
27 "	"	3		06:12
29 "	"	4		23:57
01 जून	कृति.	1		17:41
04 "	"	2	वृष	11:23
07 "	"	3		05:04
09 "	"	4		22:44
12 "	रोहि.	1		16:23
15 "	"	2		10:00
18 "	"	3		03:36
20 "	"	4		21:09
23 "	मृग.	1		14:41
26 "	"	2		08:10
29 "	"	3	मिथुन	01:36
01 जुला.	"	4		19:00
04 "	आर्द्रा	1		12:22
07 "	"	2		05:41
09 "	"	3		22:59
12 "	"	4		16:14
15 "	पुन.	1		09:27

शुक्र का नक्षत्र राशि संचार

ता. मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
18 जुला.	पुन.	2	मिथुन	02:38
20 "	"	3		19:46
23 "	"	4	कर्क	12:51
26 "	पुष्य	1		05:54
28 "	"	2		22:53
31 "	पुष्य	3		15:49
03 अग.	"	4		08:43
06 "	आश्ले.	1		01:35
08 "	"	2		18:25
11 "	"	3		11:12
14 "	"	4		03:58
16 "	मघा	1	सिंह	20:41
19 "	"	2		13:23
22 "	"	3		06:02
24 "	"	4		22:38
27 "	पूफा.	1		15:13
30 "	"	2		07:46
02 सितं.	"	3		24:17
04 "	"	4		16:47
07 "	उफा.	1		09:15
10 "	"	2	कन्या	01:43
12 "	"	3		18:10
15 "	"	4		10:36
18 "	हस्त	1		03:02
20 "	"	2		19:26
23 "	"	3		11:50
26 "	"	4		04:12
28 "	चित्रा	1		20:34
01 अक्टू.	"	2		12:55
04 "	"	3	तुला	05:16
06 "	"	4		21:38
09 "	स्वाती	1		13:59
12 "	"	2		06:21
14 "	"	3		22:43
17 "	"	4		15:05
20 "	विशा.	1		07:28
22 "	"	2		23:50
25 "	"	3		16:12
28 "	"	4	वृश्चि.	08:34

शुक्र का नक्षत्र राशि संचार

ता. मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
31 अक्टू.	अनु.	1	वृश्चि.	24:56
02 नवं.	"	2		17:19
05 "	"	3		09:43
08 "	"	4		02:07
10 "	ज्ये.	1		18:33
13 "	"	2		11:00
16 "	"	3		03:27
18 "	"	4		19:56
21 "	मूल	1	धनु	12:25
24 "	"	2		04:55
26 "	"	3		21:26
29 "	"	4		13:58
02 दिसं.	पूषा.	1		06:32
04 "	"	2		23:08
07 "	"	3		15:47
10 "	"	4		08:28
13 "	उषा.	1		01:13
15 "	"	2	मकर	18:01
18 "	"	3		10:52
21 "	"	4		03:46
23 "	श्रवण	1		20:45
26 "	"	2		13:47
29 "	"	3		06:54
01 जन.20	"	4		24:06
03 "	धनि.	1		17:25
06 "	"	2		10:51
09 "	"	3	कुंभ	04:26
11 "	"	4		22:08
14 "	शत.	1		16:00
17 "	"	2		10:02
20 "	"	3		04:13
22 "	"	4		22:36
25 "	पूभा.	1		17:10
28 "	"	2		11:59
31 "	"	3		07:01
03 फर	"	4	मीन	02:21
05 "	उभा.	1		21:59
08 "	"	2		17:56
11 "	"	3		14:16

ता. मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
14 फर.	उ.भा.	4	मीन	10:59
17 "	रेवती	1		08:06
20 "	"	2		05:41
23 "	"	3		03:45
26 "	"	4		02:22
29 "	अश्वि.	1	मेष	01:36
03 मार्च	"	2		01:31
06 "	"	3		02:13
09 "	"	4		03:48
12 "	भरणी	1		06:22
15 "	"	2		10:03
18 "	"	3		15:00
21 "	"	4		21:24

शनि का नक्षत्र राशि संचार

ता. मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
06 जुला.	पू.षा.	3	धनु	12:12
01 सितं.	"	2		18:13
05 अक्टू.	"	3		06:11
26 नवं.	"	4		24:29
27 दिसं.	उ.षा.	1		04:17
24 जन.20	"	2	मकर	11:52
23 फर.	"	3		08:50

राहु का नक्षत्र राशि संचार

ता. मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
24 अप्रै.	पुन.	2	मिथुन	06:11
04 अग.	"	1		19:37
27 सितं.	आर्द्रा	4		08:10
27 अक्टू.	"	3		19:30
11 फर.20	"	2		06:47
22 मार्च	"	1		16:32

केतु का नक्षत्र राशि संचार

ता. मास	नक्षत्र	पाद	राशि	घं.मि.
24 अप्रै.	पू.षा.	4	धनु	06:11
04 अग.	"	3		19:37
27 सितं.	"	2		08:10
27 अक्टू.	"	1		19:30
11 फर.20	मूल	4		06:47
22 मार्च	"	3		16:32

ता. मास	व./मा.	घं.मि.

मंगल वक्री-मार्गी

संवत् 2076 में मंगल वक्री नहीं होगा।

बुध वक्री-मार्गी

ता. मास	व./मा.	घं.मि.
28 मार्च	मार्गी	18:41
08 जुला.	वक्री	04:04
01 अग.	मार्गी	08:37
31 अक्टू.	वक्री	20:16
20 नवं.	मार्गी	23:44
17 फर.20	वक्री	05:26
11 मार्च	मार्गी	08:28

गुरु वक्री-मार्गी

ता. मास	व./मा.	घं.मि.
11 अप्रै.19	वक्री	07:47
12 अग.	मार्गी	04:46

शुक्र वक्री-मार्गी

संवत् 2076 में शुक्र वक्री नहीं होंगे।

शनि वक्री-मार्गी

ता. मास	व./मा.	घं.मि.
01 मई	वक्री	01:12
19 सितं.	मार्गी	08:58

हर्षल वक्री-मार्गी

ता. मास	व./मा.	घं.मि.
14 अगस्त	वक्री	24:14
12 जन.20	मार्गी	21:47

नेपच्यून वक्री-मार्गी

ता. मास	व./मा.	घं.मि.
24 जून	वक्री	07:41
30 नवं.	मार्गी	02:31

प्लूटो वक्री-मार्गी

ता. मास	व./मा.	घं.मि.
27 अप्रैल	वक्री	18:23
06 अक्टू.	मार्गी	05:52
28 अप्रै.20	वक्री	20:26

उदयास्त भौमः

ता. मास	उदय/अस्त	घं.मि.
11 सितं.	अस्त	17:08
22 अक्टू.	उदय	21:06

उदयास्त बुधः

ता. मास	उदय/अस्त	घं.मि.
09 मई	अस्त	03:34
02 जून	उदय	21:03
14 जुला.	अस्त	01:37
29 "	उदय	21:32
20 अग.	अस्त	23:30
22 सितं.	उदय	24:18
06 नवं.	अस्त	08:09
17 "	उदय	14:38
16 दिसं.	अस्त	03:59
31 जन.20	उदय	14:19
19 फर.	अस्त	18:44
03 मार्च	उदय	07:50

उदयास्त गुरुः

ता. मास	उदय/अस्त	घं.मि.
14 दिसं.	अस्त	18:40
10 जन.20	उदय	21:35

उदयास्त शुक्रः

ता. मास	उदय/अस्त	घं.मि.
23 जुला.	अस्त	09:10
12 सितं.	उदय	17:07

उदयास्त शनि

ता. मास	उदय/अस्त	घं.मि.
27 दिसं.	अस्त	02:41
31 जन.20	उदय	15:12

उदयास्त हर्षल

ता. मास	उदय/अस्त	घं.मि.
06 अप्रै.	अस्त	22:57
09 मई	उदय	14:57

उदयास्त नेपच्यून

ता. मास	उदय/अस्त	घं.मि.
22 फर.20	अस्त	05:31
24 मार्च	उदय	09:49

उदयास्त प्लूटो

ता. मास	उदय/अस्त	घं.मि.
29 दिसं.19	अस्त	13:42
29 जन.20	उदय	24:30

उन्नति में बाधक कालसर्प योग

जब कुण्डली में सारे ग्रह राहु व केतु के बीच आ जाते हैं तो कालसर्प दोष की उत्पत्ति होती है। जिससे सुख, समृद्धि में बाधा उत्पन्न होती है। एवं अभावात्मक जीवन व्यतीत होता है। समस्याओं में व्यक्ति उलझा रहता है। जब तक कोई उपयुक्त उपाय न हो जाये।

कालसर्प योग जिस किसी व्यक्ति की जन्म कुण्डली में होता है। उसे जीवन में बहुत ज्यादा संघर्ष करना पड़ता है। जीवन में अनेक प्रकार की बाधाएं आती हैं। व्यक्ति कितना भी प्रयत्न कर ले, मेहनत कर ले, सफलता नहीं मिलती। प्रत्येक कार्य बिलम्ब से, मुश्किल से पूर्ण होता है। कालसर्प योग नकारात्मक एवं सकारात्मक दोनों प्रकार के होते हैं। आप की जन्म कुण्डली में कौन सा कालसर्प योग है, यह कुण्डली के अध्ययन के बाद मालूम पड़ता है।

कालसर्प योग कब बनता है?

जन्म कुण्डली में जब सारे ग्रह राहु व केतु के बीच कैद हो जाते हैं तो इस स्थिति को पूर्ण कालसर्प योग कहते हैं। प्राचीन ज्योतिष विद्वानों ने अपने ग्रन्थों में 12 प्रकार के कालसर्प योग का वर्णन किया है। जैसे-अनंत, वासुकि, कुलिक, शंखपाल, पद्म, तक्षक, कर्कोटक, शंखचूड़, पातक, विषधर, महापद्म और शेषनाग कालसर्प योग। विभिन्न कालसर्प योग का प्रभाव भी जीवन में अलग-अलग प्रकार से होता है।

कालसर्प योग के लक्षण

कालसर्प योग यदि आपकी जन्म कुण्डली में है तो उसके निम्नलिखित लक्षण पाये जाते हैं-

1. एकाग्रता एवं आत्मविश्वास में कमी। 2. बेवजह तनाव, उदासी, चिन्ता, हीन भावना आदि। 3. प्रत्येक कार्य में बाधा व विलम्ब। 4. विवाह में बिलम्ब। 5. आर्थिक परेशानी, गृह क्लेश, मुकद्दमे आदि में फंसना। 6. मेहनत अनुसार सफलता न मिलना, लाभादि मेहनत अनुसार न मिलना।

कालसर्प दोष के उपाय

यह कालसर्प दोष के साधारण उपाय हैं, जो आपको कुछ राहत प्रदान करेंगे। पूर्ण लाभ के लिए आपको एक वर्ष तक **कालसर्प योग** (नागपाश) यंत्र अपने नाम से प्राण-प्रतिष्ठित कराकर प्रतिदिन मंत्र जाप करना होगा।

1. प्रत्येक बुधवार को कोरे काले वस्त्र (वस्त्र सवा मीटर हो) में एक मुट्ठी काली उड़द साबुत और एक मुट्ठी हरी मूंग बांधकर अपने ऊपर से सात बार उतार कर **नाग गायत्री मंत्र** 108 बार बोलकर किसी भिखारी को दान करें अथवा शिव मंदिर में दे आयें।

2. प्राण प्रतिष्ठित कालसर्प योग के समक्ष प्रतिदिन **नव नाग नाम स्तोत्रम्** का नौ बार पाठ करें।

3. शनिवार और मंगलवार के दिन अपने वजन के बराबर कोयला लें और उसे ऐसी जगह दान करें, जहां भंडारा आदि का खाना बनता हो।

4. कालसर्प दोष से पीड़ित व्यक्ति को प्रतिदिन 108 बार **महामृत्युंजय मंत्र** का जप कर नाग गायत्री मंत्र का 108 बार जप करना चाहिए।

5. प्रतिदिन राहु काल में शिव मन्दिर में चन्दन व इत्र से शिवजी को त्रिपुण्ड लगाएं और महामृत्युंजय मंत्र का 108 बार जप करें।

विशेष-कालसर्प (दोष) योग अनेक प्रकार के होते हैं और उनके उपाय भी अलग-अलग होते हैं। अत: कुण्डली का अध्ययन कराके यह निश्चित करें कि कौन सा कालसर्प योग है? उसी अनुसार उपाय करना उचित है।

लेखक-पं. नीरज पाण्डे "दादा"

मां ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र, ज्योतिष भवन, 651 सैक्टर-10, आवास-विकास कॉलोनी सिकन्दरा, आगरा-282007,
मो.-07017827974, 09897646528 E-mail:nirajpandeydada@[illegible]

आवास-विकास कॉलोनी सिकन्दरा, आगरा-282007,
E-mail:nirajpandey.dada@gmail.com

वि. सं. 2076 के सर्वार्थ सिद्धि, अमृत सिद्धि, रवि पुष्य, गुरु पुष्य व द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर, रवि आदि योगों का विवरण

निम्नांकित शुभ योगों में किये गये शुभ कार्य सिद्धि प्रद होते हैं किन्तु द्विपुष्कर व त्रिपुष्कर योगों में घटित होने वाले शुभ व अशुभ दोनों ही प्रकार के कार्य द्विगुण व त्रिगुण फलप्रद होते हैं। अतः इन में यदि मृत्यु हो तो विधिवत् शांति करवानी आवश्यक होती है। यहां सभी योगों का प्रारंभ व समाप्ति काल अंग्रेजी तारीख अनुसार भा.स्टै.टा. में दिया गया है।

सर्वार्थ सिद्धि योग

प्रारंभ ता. मास	घं. मि.	समाप्त ता. मास	घं. मि.
07 अप्रै.	06:05	07 अप्रै.	08:44
09 "	06:03	09 "	10:19
10 "	06:02	10 "	30:01
12 "	09:54	12 "	29:59
14 "	05:58	14 "	07:40
17 "	23:35	17 "	29:53
20 "	05:51	20 "	17:58
22 "	05:49	22 "	16:45
26 "	23:14	26 "	29:45
27 "	05:45	27 "	26:12
02 मई	13:02	02 मई	29:39
03 "	05:39	03 "	29:39
06 "	16:36	06 "	29:36
08 "	05:35	08 "	15:59
09 "	15:17	09 "	29:34
10 "	05:34	10 "	14:21
15 "	07:16	15 "	29:30
24 "	07:30	24 "	29:26
25 "	05:26	25 "	10:15
28 "	18:58	28 "	29:25
30 "	05:24	30 "	29:24
31 "	05:24	31 "	24:12
03 जून	05:23	03 जून	29:23
06 "	05:23	06 "	29:23
12 "	05:23	12 "	11:51
21 "	05:24	21 "	18:14
25 "	05:25	25 "	29:25
27 "	05:25	27 "	29:26
28 "	05:26	28 "	09:11
01 जुला.	05:27	01 जुला.	29:27
04 "	05:28	04 "	26:30
07 "	20:13	07 "	29:30
12 "	15:57	12 "	29:32
14 "	17:26	14 "	29:33
23 "	05:37	23 "	13:14
25 "	05:38	25 "	17:39
27 "	19:30	27 "	29:40
29 "	05:41	29 "	18:22
01 अग.	05:42	01 अग.	12:11
04 "	05:44	04 "	29:45
08 "	21:27	08 "	29:47
09 "	05:47	09 "	21:58
11 "	05:48	11 "	24:45
18 "	16:55	18 "	29:52
20 "	22:28	20 "	29:53
24 "	05:55	24 "	28:16
01 सितं.	05:59	01 सितं.	29:59
04 "	28:07	04 "	30:01
05 "	06:01	05 "	28:09
08 "	06:02	08 "	06:29
15 "	06:06	15 "	25:44
17 "	06:07	17 "	30:07
21 "	06:09	21 "	11:22
29 "	06:13	29 "	19:06
02 अक्टू.	12:52	02 अक्टू.	30:15
03 "	06:15	03 "	12:10
06 "	15:03	06 "	30:17
07 "	17:25	07 "	30:18
13 "	06:21	13 "	07:53
15 "	06:22	15 "	12:30
16 अक्टू.	14:21	16 अक्टू.	30:23
21 "	17:32	21 "	30:26
22 "	16:38	22 "	30:27
30 "	06:32	30 "	21:59
03 नवं.	06:34	03 नवं.	24:55
04 "	06:35	04 "	27:23
10 "	17:18	10 "	30:41
12 "	20:51	12 "	30:42
13 "	06:42	13 "	30:43
17 "	22:59	17 "	30:46
18 "	06:46	18 "	22:21
19 "	06:47	19 "	21:22
27 "	06:53	27 "	08:12
01 दिसं.	06:56	01 दिसं.	09:40
02 "	06:57	02 "	11:43
06 "	22:57	06 "	31:01
08 "	07:02	08 "	27:30
10 "	07:03	10 "	29:57
11 "	07:04	11 "	31:04
13 "	29:50	13 "	31:06
15 "	07:06	15 "	28:00
21 "	19:49	21 "	31:10
23 "	17:39	23 "	31:11
28 "	18:43	28 "	31:13
03 जन.20	07:20	03 जन.20	31:15
05 "	07:15	05 "	12:27
07 "	07:15	07 "	15:24
08 "	07:15	08 "	31:15
10 "	14:48	10 "	31:16
12 "	07:16	12 "	11:49
15 "	28:07	15 "	31:15
18 जन.	07:15	18 जन.	24:15
20 "	07:15	20 "	23:30
24 "	26:46	24 "	31:13
25 "	07:13	25 "	28:35
30 "	15:12	30 "	31:10
31 "	07:10	31 "	31:10
03 फर.	24:52	03 फर.	31:08
05 "	07:08	05 "	25:58
06 "	25:21	06 "	31:06
07 "	07:06	07 "	24:01
12 "	11:46	12 "	31:02
21 "	09:13	21 "	30:54
22 "	06:54	22 "	11:19
25 "	19:10	25 "	30:50
27 "	06:49	27 "	30:48
28 "	06:48	28 "	28:03
02 मार्च	08:55	02 मार्च	30:44
04 "	06:43	04 "	11:23
05 "	11:26	05 "	30:41
06 "	06:41	06 "	10:38
11 "	06:35	11 "	19:00
20 "	06:25	20 "	17:05
24 "	06:20	24 "	28:19
29 जुला.	05:41	29 जुला.	18:22
01 अग.	05:42	01 अग.	12:11
04 "	25:44	04 "	29:45
20 "	22:28	20 "	29:53
24 "	05:55	24 "	28:16
01 सितं.	11:10	01 सितं.	29:59
04 "	28:07	04 "	30:01
17 "	06:07	17 "	30:07
21 "	06:09	21 "	11:22
29 "	06:13	29 "	19:06
02 अक्टू.	12:52	02 अक्टू.	30:15
15 "	06:22	15 "	12:30
30 "	06:32	30 "	21:59
27 नवं.	06:53	27 नवं.	08:12
06 दिसं.	22:57	06 दिसं.	31:01
03 जन.20	07:20	03 जन.20	31:15
31 "	07:10	31 "	18:10

अमृत सिद्धि योग

प्रारंभ ता. मास	घं. मि.	समाप्त ता. मास	घं. मि.
03 मई	05:39	03 मई	14:40
03 जून	24:05	03 जून	29:23
06 "	20:28	06 "	29:23
01 जुला.	09:25	01 जुला.	29:27
04 "	05:28	04 "	26:30
27 "	19:30	27 "	29:40

द्विपुष्कर योग

प्रारंभ ता. मास	घं. मि.	समाप्त ता. मास	घं. मि.
25 मई	10:15	25 मई	29:26
26 "	05:26	26 "	08:49
04 जून	13:58	04 जून	23:08
28 जुला.	19:18	28 जुला.	29:41
06 अग.	13:30	06 अग.	22:23
21 सितं.	11:22	21 सितं.	20:21
29 "	20:14	29 "	30:13
23 नवं.	14:44	23 नवं.	27:43
03 दिसं.	06:58	03 दिसं.	14:16
25 जन.20	28:35	25 जन.20	31:13
26 "	07:13	26 "	30:16
21 मार्च	06:24	21 मार्च	07:56

त्रिपुष्कर योग

प्रारंभ ता. मास	घं. मि.	समाप्त ता. मास	घं. मि.
20 अप्रै.	17:58	20 अप्रै.	29:50
21 "	05:50	21 "	12:33
30 "	24:18	30 "	29:41
05 मई	27:59	05 मई	29:37
23 जून	24:07	23 जून	29:25
29 "	09:57	29 "	29:26
30 "	06:26	30 "	06:11
17 अग.	13:55	17 अग.	22:49
27 "	05:56	27 "	25:13
31 "	14:07	31 "	29:59
01 सितं.	05:59	01 सितं.	08:27
10 "	06:03	10 "	11:09
20 अक्टू.	17:52	20 अक्टू.	30:26
29 "	06:31	29 "	23:11
02 नवं.	25:31	02 नवं.	30:34
03 "	06:34	03 "	24:55
14 दिसं.	07:06	14 दिसं.	08:47
22 "	18:38	22 "	31:11
28 "	07:13	28 "	11:10
07 जन.20	07:15	07 जन.20	15:24
15 फर.	07:00	15 फर.	16:29
25 "	06:51	25 "	19:10
01 मार्च	11:16	01 मार्च	30:45
10 "	19:24	10 "	22:01

गुरु पुष्य योग

प्रारंभ ता. मास	घं. मि.	समाप्त ता. मास	घं. मि.
06 जून	20:28	06 जून	29:23
04 जुला.	05:28	04 जुला.	26:30
01 अग.	05:42	01 अग.	12:11

रवि पुष्य योग

प्रारंभ ता. मास	घं. मि.	समाप्त ता. मास	घं. मि.
14 अप्रै.	05:58	14 अप्रै.	07:40
17 नवं.	22:59	17 नवं.	30:46
15 दिसं.	07:06	15 दिसं.	28:00
12 जन.20	07:16	12 जन.20	11:49

रवि योग

प्रारंभ ता. मास	घं. मि.	समाप्त ता. मास	घं. मि.
08 अप्रै.	09:43	08 अप्रै.	30:03
09 "	06:03	09 "	10:19
10 "	10:33	10 "	30:01
11 "	06:01	11 "	10:25
13 "	08:58	13 "	29:58
14 "	05:58	14 "	29:56
15 "	05:56	15 "	28:01
17 "	23:35	17 "	29:53
18 "	05:53	18 "	21:25
24 "	18:35	24 "	29:46
25 "	05:46	25 "	20:37
07 मई	16:27	07 मई	29:35
08 "	05:35	08 "	15:59
09 "	15:17	09 "	29:34
10 "	05:34	10 "	14:21
13 "	10:27	13 "	29:31
14 "	05:31	14 "	29:31
15 "	05:31	15 "	07:16
16 "	28:16	16 "	29:30
17 "	05:30	17 "	27:07
24 "	07:30	24 "	29:26
25 "	05:26	25 "	10:15
25 "	20:26	25 "	29:26
26 "	05:26	26 "	13:13
05 जून	21:54	05 जून	29:23
06 "	05:23	06 "	20:28
07 "	18:56	07 "	29:23
08 "	05:23	08 "	17:22
08 "	18:13	08 "	29:23
09 "	05:23	09 "	15:49
11 "	13:00	11 "	29:23
12 "	05:23	12 "	29:23
13 "	05:23	13 "	10:55
15 "	09:59	15 "	[illegible]
16 "	05:23	16 "	[illegible]
23 जून	24:07	23 जून	29:25
24 "	05:25	24 "	27:02
04 जुला.	26:30	04 जुला.	29:28
05 "	05:28	05 "	24:18
06 "	16:49	06 "	22:10
07 "	20:13	07 "	29:30
08 "	05:30	08 "	18:33
10 "	16:22	10 "	29:31
11 "	05:31	11 "	29:31
12 "	05:31	12 "	15:57
14 "	17:26	14 "	29:33
15 "	05:33	15 "	18:51
23 "	13:14	23 "	29:38
24 "	05:38	24 "	15:42
03 अग.	28:05	03 अग.	29:44
04 "	05:44	04 "	25:44
05 "	23:47	05 "	29:45
06 "	05:45	06 "	22:23
08 "	21:27	08 "	29:47
09 "	05:47	09 "	29:47
10 "	05:47	10 "	23:05
12 "	26:51	12 "	29:49
13 "	05:49	13 "	29:19
21 "	24:47	21 "	29:54
22 "	05:54	22 "	26:36
02 सितं.	08:33	02 सितं.	30:00
03 "	06:00	03 "	06:24
03 "	28:53	03 "	30:00
04 "	06:00	04 "	28:07
06 "	28:57	06 "	30:02
07 "	06:02	07 "	30:02
08 "	06:02	08 "	30:03
09 "	06:03	09 "	08:36
11 "	13:59	11 "	30:04
12 "	06:04	12 "	16:58
20 "	10:19	20 "	30:09
01 अक्टू.	14:21	01 अक्टू.	30:14
02 "	06:14	02 "	12:52
03 "	12:10	03 "	30:16
04 "	06:16	04 "	12:19
06 "	15:03	06 "	30:17
07 "	06:17	07 "	30:18
08 "	06:18	08 "	20:12
10 "	26:14	10 "	30:19
11 "	06:19	11 "	07:25
11 "	29:09	11 "	30:20
12 "	06:20	12 "	30:21
13 "	06:21	13 "	07:53
19 "	17:40	19 "	30:25
20 "	06:25	20 "	17:52
30 "	21:59	30 "	30:32
31 "	06:32	31 "	21:31
01 नवं.	21:52	01 नवं.	30:34
02 "	06:34	02 "	23:01
04 "	27:23	04 "	30:36
05 "	06:36	05 "	30:37
06 "	06:37	06 "	30:37
07 "	06:37	07 "	30:38
08 "	06:38	08 "	12:12
10 "	17:18	10 "	30:41
11 "	06:41	11 "	19:17
17 "	22:59	17 "	30:46
18 "	06:46	18 "	22:21
29 "	07:33	29 "	30:56
30 "	06:56	30 "	08:15
01 दिसं.	09:40	01 दिसं.	30:57
02 "	06:57	02 "	11:43
03 "	12:24	03 "	14:16
05 "	20:07	05 "	31:00
06 "	07:00	06 "	31:01
07 "	07:01	07 "	25:27
09 "	29:00	09 "	[illegible]
17 दिसं.	25:26	17 दिसं.	31:08
18 "	07:08	18 "	24:00
28 "	18:43	28 "	31:13
29 "	07:13	29 "	17:36
29 "	20:29	29 "	31:13
30 "	07:13	30 "	22:46
31 "	25:27	31 "	31:14
01 जन.20	07:14	01 जन.20	28:23
04 "	10:05	04 "	31:15
05 "	07:15	05 "	31:15
06 "	07:15	06 "	14:15
08 "	15:51	08 "	31:15
09 "	07:15	09 "	15:38
15 "	28:07	15 "	31:15
16 "	07:15	16 "	26:30
28 "	09:23	28 "	31:11
29 "	07:11	29 "	12:13
30 "	15:12	30 "	31:10
31 "	07:10	31 "	18:10
02 फर.	23:11	02 फर.	31:09
03 "	07:09	03 "	31:08
04 "	07:08	04 "	25:49
07 "	24:01	07 "	31:06
08 "	07:06	08 "	22:05
14 "	07:27	14 "	30:01
26 "	22:08	26 "	30:49
27 "	06:49	27 "	25:08
28 "	28:03	28 "	30:47
29 "	06:47	29 "	30:42
03 मार्च	10:31	03 मार्च	30:43
04 "	06:43	04 "	30:42
05 "	06:42	05 "	30:41
06 "	06:41	06 "	10:38
08 "	06:52	08 "	28:10

वि. सं. 2076 मध्ये शनि की साढ़ेसाती व ढैया विचार

संवतारंभ से धनु राशि पूषा. नक्षत्र से गोचर कर रहे शनिदेव 27 दिसंबर 2019 को उषा. नक्षत्र में प्रवेया कर ता. 24 जनवरी 2020 प्रातः 11।52 पर मकर राशि में गोचर करेंगे। शनि के धनु राशि से गोचर में पृथ्वी पर जल का अभाव रहेगा तथा कृषि उत्पादन में कमी आयेगी। वैज्ञानिक क्षेत्र में नई कल्याणकारी खोज होगी। रिसर्च को गति मिलेगी। राशि गोचर के अनुसार 24 जनवरी 2020 तक वृश्चिक, धनु तथा मकर राशि के जातकों पर शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव बना रहेगा। वृष तथा कन्या राशि के जातक शनि की ढैया के प्रभाव में रहेंगे। 24 जनवरी 2020 के पश्चात् धनु मकर राशि तथा कुंभ राशि के जातक शनि की साढ़ेसाती तथा मिथुन एवं तुला के जातक शनि की ढैया के प्रभाव में रहेंगे।

जन्म समय धनु राशिगत् शनि के जातक शील तथा चरित्रवान होंगे । स्वधर्म का पालन करेंगे। शिक्षा तथा शास्त्रार्थ में निपुण तथा व्यवहार कुशल होंगे। बुद्धि चातुर्य प्राप्त शिक्षा तथा विद्या के अनुकूल होगा। अल्पभाषी तथा कोमल स्वभाव होंगे। मान-सम्मान प्राप्त करेंगे। वृद्धावस्था में लक्ष्मी का उपभोग करेंगे। सन्तान के कार्यों से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

मकर राशिगत शनि में जन्में जातक गुणी तो होंगे ही साथ ही विद्वान्, कार्य कुशल तथा साहसी भी होंगे। तकनीकी रूप से श्रेष्ठ होकर अपने क्षेत्र में प्रख्यात् होंगे। वस्त्र-आभूषण तथा नवीन वस्तुओं में रुचि रहेगी। मान तथा आदर प्राप्त करेंगे। प्रवास अधिक होंगे तथा जन्म स्थान से दूर, प्रायः ही विदेश में निवास करेंगे।

पाया विचार–शनि देव के मकर राशि में प्रवेश के समय चन्द्रमा भी मकर राशि में स्थित होंगे। सिंह, मकर तथा मीन राशि के जातकों को शनिदेव का प्रवेश स्वर्णपाद से होने के प्रभाव से कष्टपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना होगा। व्यवसायिक समस्यायें बढ़ेंगी। पारिवारिक सुख में कमी होगी। वाद विवाद होंगे। विरोधियों का वर्चस्व रहेगा। मानसिक तनाव से स्वास्थ्य में गिरावट आयेगी। अपव्यय रहेगा।

मिथुन, तुला तथा कुंभ राशि के जातकों को लौह पद से हुए शनि प्रवेश से आर्थिक तथा पारिवारिक परेशानियों तथा उलझनों का सामना करना पड़ेगा। मानसिक तनाव बढ़ेगा। स्वास्थ्य में गिरावट आयेगी। दुर्घटना योग होने से सावधानी अपेक्षित होगी। व्यवसायिक कार्यों में विघ्न बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। आय के अनुपात में व्यय की अधिकता से आर्थिक संतुलन बिगड़ेगा।

वृष, कन्या तथा धनु राशि के जातकों को शनि का प्रवेश रजत पांव से हुआ है। इन राशियों के जातकों को अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी। आकस्मिक धन लाभ होगा। पदोन्नति, पद-प्रतिष्ठा तथा मान-सम्मान में वृद्धि होगी। स्थाई सम्पत्ति अर्जित करेंगे। भूमि-भवन तथा वाहन सम्बन्धी लाभ मिलेगा। वैवाहिक कार्य सम्पन्न होंगे। योग्य व्यक्तियों को संतान प्राप्ति होगी। संतानयुत व्यक्तियों को सन्तान सुख रहेगा।

मेष, कर्क तथा वृश्चिक राशियों पर शनि का प्रवेश ताम्रपाद से होने के प्रभाव से इन राशियों के जातकों को शुभ फल अनुभव होंगे। कार्यों तथा व्यवसाय में लाभ मिलेगा। उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि-भवन तथा वाहन सम्बन्धी सुख प्राप्त होगा। भौतिक पदार्थों का उपयोग करेंगे। पद-प्रतिष्ठित, प्रभावशाली व्यक्तियों के सम्पर्क में आयेंगे। विद्यार्जन में सफलता मिलेगी। उच्च विद्या प्राप्ति का योग। वैवाहिक जीवन का सुख मिलेगा। पारिवारिक सुख रहेगा। विभिन्न स्थानों की यात्राओं, सुदूर स्थान के भ्रमण अथवा विदेश यात्रा का अवसर मिलेगा।

मकर राशिस्थ शनि का द्वादश राशियों पर प्रभाव

सामान्यतया शनि की साढ़े साती कार्यों में हानि कारक, घर से दूर करने वाली, संतान को पीड़ा कारक, भय तथा उद्विग्नता उत्पन्न करने वाली कही जाती है परन्तु अनुभव में सभी जातकों के लिये साढ़ेसाती अशुभ सिद्ध नहीं होती। यदि जातक के जीवन में शनि की साढ़े साती दूसरी बार आई हो तो उसमें पहली साढ़े साती की अपेक्षा कम कष्ट अनुभव होगा, प्रायः ही उन्नति के अवसर भी मिलेंगे परन्तु तीसरी साढ़े साती जीवन के लिये कष्टकारी तथा जीवनहरण करने वाली होती है। ग्रह गोचर के अनुसार जब भी शनि तथा चन्द्रमा की युति, प्रतियुति अथवा केन्द्र योग बनेगा तब तब शनि कृत कष्टों का अनुभव होगा।

मेष राशि–मेष राशि के लिये शनि दशमेश-आयेश होने से अकारक ग्रह है। वर्ष 2019 में धनु राशि से गोचर करते हुए शनि की तृतीय दृष्टि लाभ भाव स्थित अपनी कुंभ राशि पर होने तथा इस राशि के लिये वर्ष 2019 में रजतपाद से प्रविष्ट शनि के प्रभाव से 24 जन. 2020 तक पूर्व सम्पादित कार्यों का फल प्राप्त होगा। आर्थिक लाभ मिलेगा। शनि देव का भाग्य भाव से धनु राशि में गोचर भाग्योन्नति तथा कार्य सम्बन्धी सफलताओं में विघ्न तथा विलम्ब कारक रहेगा। पिता अथवा भाई के जीवन को संकट रहेगा। बन्धन तथा आरोपों का भय रहेगा। इस अवधि के मध्य शुभ फलों में जनवरी से 23 मार्च 2019 तक के बाद 22 जून से 16 अगस्त तक दाम्पत्य जीवन तथा सन्तान का सुख रहेगा। आधीनस्थों से लाभ होगा। यात्राओं में सफलता मिलेगी। आरोपों से मुक्त होंगे। पिता अथवा भाई की उन्नति होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। 24 जनवरी 2020 से शनि देव का मकर राशि से गोचर ताम्रपाद से होगा।

वृष राशि–वर्ष 2019 में अष्टम भाव से गोचर कर रहे शनि के प्रभाव से यह समय शनि की ढैया का रहेगा। 07 मार्च 2019 तक लोह पाद से प्रविष्ट शनि देव तथा उनकी ढैया के प्रभाव से शारीरिक कष्ट रहेगा। मानसिक तनाव बढ़ेगा। मित्रों तथा सम्बन्धियों से व्यर्थ के विवाद होंगे। व्यसनों तथा दुष्ट व्यक्तियों से मित्रता के कारण परेशानियां उत्पन्न होंगी। शनि की दशम भाव स्थित अपनी कुंभ राशि पर तृतीय दृष्टि से राजकीय अथवा प्रशासनिक कारणों से भय, प्रताड़ना तथा दंड का योग बनेगा। कार्य, व्यवसाय तथा उद्योगों में विलम्ब से, कठिनाईयों तथा बाधा के बाद सफलता मिलेगी। द्वितीय भाव पर सप्तम मित्र दृष्टि-धन संग्रह तथा पारिवारिक सुखों में साधक होगी। कार्यों में सफलता मिलेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। राजकीय अथवा प्रशासनिक लाभ का योग बनेगा। जीवन व्यवस्थित रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। शिक्षा, संतान, स्पैकुलेशन, इन्वेस्टमेन्ट तथा शेयर मार्केट के सम्बन्ध में मिश्रित फल मिलेंगे। व्यसनों तथा दुष्ट व्यक्तियों से मित्रता के कारण हुई परेशानियां समाप्त होगीं। कष्ट होने पर अरिष्ट निवारण के लिये प्रत्येक शनिवार को सुन्दरकाण्ड का पाठ करें। 24 जनवरी 2020 से मकर राशि से शनि देव का गोचर रजत पाद से होगा।

मिथुन राशि–इस राशि के जातकों को 24 जन. 2020 तक शनि का गोचर सप्तम स्थान से ताम्रपाद से रहेगा। किसी अपवाद का शिकार होंगे। स्थानान्तरण होगा। विदेश यात्रा का अवसर मिलेगा। जीवन साथी को कष्ट रहेगा। नवम भाग्य भाव स्थित अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ पर शनि की दृष्टि से भाग्योन्नति का सुख रहेगा। आर्थिक लाभ मिलेगा। अष्टम भाव स्थित मकर राशि के प्रभाव से गुप्त परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। प्रथम लग्न भाव पर सप्तम दृष्टि से

शारीरिक सुख में कमी रहेगी। चतुर्थ भाव पर दशम दृष्टि से भूमि-भवन तथा स्थाई सम्पत्ति का लाभ किंचित विलम्ब से लाभ मिलेगा। उक्त अवधि में 22 मार्च से 07 मई तक, 18 मई से 02 जून तक, 04 जून से 29 जून 2019 तक विदेश यात्रा स्थगित होगी। स्थानान्तरण निरस्त होगा। जीवन साथी को कष्ट से छुटकारा मिलेगा। अनजाने भय तथा आरोप से मुक्त होंगे। मानसिक व्यथा तथा तनाव समाप्त होगा। 24 जनवरी 2020 से शनि देव का मकर राशि से गोचर लोह पाद से होगा। यह जातक शनि की ढ़ैया में रहेंगे।

कर्क राशि–वर्ष 2019 के लिये इस राशि के जातकों को शनिदेव का प्रवेश स्वर्णपाद से हुआ था। षष्टम भाव से गोचर कर रहे शनि से यद्यपि विपक्षियों का वर्चस्व बढ़ेगा तथापि उनके क्रियाकलापों से हानि नहीं होगी। स्वास्थ्य में गिरावट रहेगी। सप्तम भाव स्थित मकर राशि के प्रभाव से दाम्पत्य सुख में कमी रहेगी। साझेदारों के साथ विवाद होंगे। कुंभ राशि पर तृतीय दृष्टि से अचानक लाभ मिलेगा। किसी गम्भीर पीड़ा से छुटकारा मिलेगा। व्यय भाव पर शनि की मित्र दृष्टि से भोगविलास तथा ऐश्वर्यपूर्ण सामग्री पर अधिक व्यय होगा। सुदूरस्थ स्थानों की यात्रा होगी। तृतीय भाव पर शनि की दृष्टि से परिश्रम की अधिकता रहेगी तथापि अनुकूल परिणाम प्राप्त नहीं होंगे। सहोदरों से वाद विवाद होंगे। 09 अग. से 25 सितं. तक कार्यों में असफलता मिलेगी। धन-धान्य तथा सुखों की हानि होगी। परिवार तथा दाम्पत्य जीवन में सुख में बाधा रहेगी। विरोधी मुखर होंगे। भूमि-भवन के कार्यों में हानि होगी। व्यवसाय तथा नौकरी में अवनति का सामना करना पड़ेगा। स्वास्थ्य में गिरावट आयेगी। आर्थिक हानि होगी। पद प्रतिष्ठा धूमिल होगी। 24 जनवरी 2020 से मकर राशि से शनि देव का गोचर ताम्रपाद से होगा।

सिंह राशि–वर्ष 2019 में शिक्षा तथा संतान के पंचम भाव में शनि का गोचर सिंह राशि के जातक के लिये रजतपाद से होगा। व्यवसाय तथा नौकरी में उन्नति होगी। बुध की मिथुन राशि पर सप्तम मित्र दृष्टि आय तथा लाभ भाव में वृद्धि करेगी। माता-पिता को सन्तान के कार्यों से तथा विद्यार्थियों को शिक्षा से असन्तोष रहेगा। सप्तम स्थान शनि से दृष्ट होने से कार्यों में विघ्न बाधाओं के मध्य सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन का सुख रहेगा। द्वितीय भाव पर शनि की दृष्टि पारिवारिक सुख, सानिध्य तथा धन संचय में साधक होगी। इस अवधि में वर्ष के प्रारम्भ से 05 फरवरी तक, 25 फरवरी से 15 मार्च तक तथा 16 अप्रैल से 10 मई 2019 तक पारिवारिक एवं दाम्पत्य जीवन का सुख बाधित होगा। व्यवसाय तथा नौकरी में अवनति का सामना करना पड़ेगा। स्वास्थ्य में गिरावट आयेगी। कार्यों में असफलता मिलेगी। आर्थिक हानि होगी। पद-प्रतिष्ठा धूमिल होगी। परन्तु आचरण शुद्ध रहेगा। 24 जनवरी 2020 से शनि देव का गोचर मकर राशि में स्वर्ण पाद से होगा।

कन्या राशि–इस राशि के जातक 24 जन. 2020 तक शनि की ढ़ैया के प्रभाव में रहेंगे। शनि देव का प्रवेश भी लौह पाद से हुआ है फलतः चतुर्थ भाव से गोचर कर रहे शनिदेव सुख भाव में बाधक रहेंगे। भूमि-भवन सम्बन्धी कार्यों में अड़चनें बनेंगी। वाद-विवाद होंगे। विरोधियों का प्रभाव बढ़ेगा। कार्यस्थल तथा कार्यों में असफलता मिलेगी। स्थान परिवर्तन होगा। पितृतुल्य व्यक्तियों को कष्ट होगा। स्वयं के स्वास्थ्य में गिरावट रहेगी। आर्थिक संकट बनेगा। इस समयावधि में 07 फरवरी से 25 फरवरी तक तथा 22 मार्च से 16 अप्रैल 2019 तक शरीर स्वस्थ रहेगा। स्थान लाभ होगा। दाम्पत्य तथा पारिवारिक जीवन का सुख रहेगा। आर्थिक संकट समाप्त होकर धन प्राप्ति होगी। विरोधियों पर नियन्त्रण रखने में सफलता मिलेगी। 29 फरवरी से 28 मार्च 2020 तक पारिवारिक एवं दाम्पत्य जीवन का सुख बाधित होगा। व्यवसाय तथा नौकरी में अवनति का सामना करना पड़ेगा। स्वास्थ्य में गिरावट आयेगी। कार्यों में असफलता मिलेगी। आर्थिक हानि होगी। पद-प्रतिष्ठा धूमिल होगी। परन्तु आचरण शुद्ध रहेगा। 24 जनवरी 2020 से शनि देव का गोचर मकर राशि में रजत पाद से होगा।

तुला राशि–वर्ष 2019 में तृतीय भाव से शनि का गोचर ताम्र पाद से होने से आय तथा लाभ में वृद्धि होगी। उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। भाग्योन्नति होगी। विद्यार्थियों को शिक्षा में सफलता मिलेगी। सन्तान की प्रगति का आनन्द रहेगा। विदेश यात्रा का अवसर मिलेगा। पद प्रतिष्ठा का लाभ होगा। नये उद्यम प्रारम्भ होंगे। शनि के अन्य ग्रहों से वेध में 01 जनवरी से 29 मार्च तक, 23 अप्रैल से 21 नवं. तक 05 दिसं. 2019 से 08 फरवरी 2020 तक कार्यों में सफलता के लिये संघर्ष होगा। धन हानि होगी, पद-प्रतिष्ठा गिरेगी। नौकरी मिलने में बाधा रहेगी। स्वास्थ्य गिरेगा। अरिष्ट निवारण के लिये महाराजा दशरथ कृत शनि स्तोत्र का नियमित पाठ करें। 03 फरवरी से 29 फरवरी तक की अवधि में विरोधियों का वर्चस्व समाप्त होगा। शरीर स्वस्थ रहेगा। स्थान लाभ होगा। दाम्पत्य तथा पारिवारिक जीवन का सुख रहेगा। आर्थिक संकट समाप्त होगा। धन प्राप्ति होगी। 24 जनवरी 2020 से शनि देव का गोचर मकर राशि में लौह पाद से होगा। आप शनि की ढ़ैया में रहेंगे।

वृश्चिक राशि–24 जनवरी 2020 तक इस राशि के जातक रजत पाद से प्रविष्ट शनि की साढ़े साती के प्रभाव में रहेंगे। द्वितीय भाव में गोचर कर रहा शनि पारिवारिक वाद विवाद का सृजन करेगा। संचित धन में कमी आयेगी। स्वभाव तथा वाणी में उग्रता रहेगी। एकादश भाव शनि से दृष्ट होने के प्रभाव से आय के श्रोत बने रहने के उपरान्त भी आय लाभ में कमी रहेगी। व्यय की अधिकता रहेगी। सुदूरस्थ स्थान की यात्रा होगी। 20 जनवरी से 07 फरवरी तक, 24 फरवरी से 22 मार्च तक, 15 दिसं. से 09 जनवरी 2020 तक की अवधि में स्वजनों का सहयोग होगा। आर्थिक लाभ होगा। सन्तान के प्रति चिंताओं से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ वाद-विवादों से छुटकारा मिलेगा। मन शांत रहेगा। परन्तु कार्यों में सफलता सदिंग्ध रहेगी। 08 फरवरी से 22 मार्च तक स्वास्थ्य गिरेगा। कार्यों में असफलता मिलेगी। धन हानि होगी। पद-प्रतिष्ठा गिरेगी। नौकरी मिलने में बाधा रहेगी। आचरण शुद्ध रहेगा। 24 जनवरी 2020 से शनि देव का गोचर मकर राशि में ताम्रपाद से होगा।

धनु राशि–वर्ष 2019 में इस राशि के जातक शनि देव की स्वर्णपाद की साढ़ेसाती में रहेंगे। प्रथम लग्न भाव की साढ़ेसाती में संघर्षपूर्ण स्थितियां बनेंगी। आत्म विश्वास में कमी आयेगी। स्वास्थ्य में गिरावट रहेगी। परिश्रम की अधिकता रहेगी। पारिवारिक उलझनें बढ़ेंगी। संचित धन में कमी आयेगी। कार्यस्थल पर कठिनाईयां बढ़ेंगी। दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। साझेदारों से मनमुटाव होंगे। वाद विवाद बढ़ेंगे। मानसिक तनाव रहेगा। कष्टों के निवारण के लिये पंचमुखी हनुमत् कवच धारण करें तथा इसका नियमित रूप से पाठ करें। 01 जनवरी से 20 जन. तक, 29 जन. से 24 फर. तक तथा 07 मार्च से वर्ष के अन्त तक स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्यायें बनेंगी। कठोर परिश्रम करने के उपरान्त भी कार्यों में सफलता सदिंग्ध रहेगी। पद प्रतिष्ठा की हानि होगी। धनागमन बाधित होगा। आचरण के प्रति सावधान रहें। 09 जनवरी 20 से 03 फरवरी तक व्यर्थ वाद-विवादों से छुटकारा मिलेगा। स्वजनों का सहयोग होगा। आर्थिक लाभ होगा। सन्तान के प्रति चिंताओं से छुटकारा मिलेगा। कार्यों में असफलता मिलेगी। सफलता सदिंग्ध रहेगी फिर भी मन शांत रहेगा। 24 जनवरी 2020 से शनि देव का गोचर मकर राशि में रजत पाद से होगा। आप शनि की उतरती साढ़ेसाती में रहेंगे।

मकर राशि–वर्ष 2019 में लौहपाद से प्रविष्ट शनि साढ़ेसाती की अवधि में कार्यों में अवरोध बनेंगे। आय में कमी तथा व्यय अधिकता से आर्थिक सन्तुलन बिगड़ेगा। वाणी में कठोरता आयेगी। अनियन्त्रित वार्तालाप से वाद-विवाद होंगे। विकट परिस्थितियां बनेंगी। पारिवारिक कष्ट रहेगा। भाग्योन्नति में अवरोध बनेंगे। यात्रायें स्थगित होंगी। रोगों तथा विरोधियों से व्यथित होंगे। इस समयावधि में 29 सितंबर से 28 अक्टूबर तक तथा 07 नवंबर से 25 दिसंबर तक लाभ प्राप्ति का योग रहेगा। व्यय पर नियन्त्रण होगा। कार्य में सफलता मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। घर परिवार

गोचर मकर राशि में रजत पाद से होगा। ... इस समयावधि में 29 सितंबर से 28 अक्टूबर तक तथा 07 नवंबर से 25 दिसंबर तक लाभ प्राप्ति ... कार्य में सफलता मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। घर परिवार

का सुख मिलेगा। मानसिक तनाव समाप्त होगा। जीवन साथी तथा संतान से असुविधा होगी। आय में गिरावट आयेगी। स्वास्थ्य खराब होगा। किसी उच्च पदस्थ व्यक्ति से हानि होगी। दाम्पत्य जीवन में कष्ट रहेगा। सन्तान के दायित्वों की पूर्ति में व्यवधान होगा। मान-सम्मान की हानि होगी। 24 जनवरी 2020 से शनि देव का गोचर मकर राशि में स्वर्ण पाद से होगा। यह जातक शनि की साढ़ेसाती के द्वितीय चरण में रहेंगे।

कुंभ राशि–वर्ष 2019 में स्वर्ण पाद से प्रविष्ट शनि इस राशि के लिये यद्यपि कष्टकारी है तथापि शनि की मूल त्रिकोण राशि कुंभ अपने स्वामी से दृष्ट होने के प्रभाव से अनिष्ट तथा अरिष्ट फलों में किंचित न्यूनता रहेगी। अवरोध तथा अड़चनों के मध्य आय के साधन बने रहेंगे। स्वास्थ्य में गिरावट रहेगी। शिक्षा में अपेक्षित सफलता के लिये कठिन परिश्रम करना होगा। सन्तान के प्रति चिंता रहेगी। किसी उच्च पदस्थ व्यक्ति से लाभ होगा। 05 फर. से 22 मार्च तक तथा 03 मई से 04 जून तक स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्यायें बनेंगी। रोगग्रस्त होंगे। किसी उच्च अधिकारी के कारण असुविधा जनक वातावरण बनेगा। मान-हानि होगी। आय में गिरावट आयेगी। दाम्पत्य जीवन में कष्ट रहेगा। सन्तान के दायित्वों की पूर्ति में असंतुष्टि रहेगी। मान-सम्मान के प्रति सचेत रहें। 01 जन. 20 से 08 फरवरी 20 तक लाभ प्राप्त होगा। घर परिवार का सुख रहेगा। कार्य करने का संतोष रहेगा। व्यय पर नियन्त्रण होगा। मानसिक तनाव समाप्त होगा। 24 जनवरी 2020 से शनिदेव का गोचर मकर राशि में लोह पाद से होगा। यह जातक शनि की साढ़ेसाती के प्रथम चरण में रहेंगे।

मीन राशि–वर्ष 2019 में ताम्रपाद से प्रविष्ट दशम भाव से गोचर कर रहे शनि की अवधि में विलम्ब के साथ ही सही परन्तु स्थाई सम्पत्ति अर्जित करेंगे। साझेदारी में लाभ होगा। दाम्पत्य जीवन का सुख रहेगा। कार्यों में अवरोध बनेंगे। कार्यस्थल पर कठिन स्थितियों का सामना करना होगा। नौकरी तथा रोजगार में विघ्न-बाधायें आयेंगी। मान-हानि होगी। मानसिक व्यथा से पीड़ित रहेंगे। पितृतुल्य व्यक्तियों को कष्ट रहेगा। हृदय रोग की आशंका बनेगी। व्यर्थ भ्रमण से व्यय अधिक होगा। 11 सितं. से 10 नवं. 2019 तक दुख तथा मानसिक व्यथा का समाधान होगा। नौकरी तथा रोजगार की विघ्न-बाधायें समाप्त होंगी। धन-धान्य का लाभ होगा। हृदय रोग की आशंका निर्मूल होगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। सत्कर्मों में रुचि रहेगी। 24 जनवरी 2020 से शनि देव का गोचर मकर राशि में स्वर्ण पाद से होगा।

गुरु-राहु-केतु शुभाशुभ गोचर फल संवत् 2075 वि.

धनु राशिस्थ गुरु का शुभाशुभ गोचर फल

वर्ष 2075 में ता 29 मार्च, 2019 को 20:05 पर गुरुदेव धनु राशि में प्रवेश किया था। इसके उपरांत नव संवत् 2076 में 11 अप्रैल 2019 को 07:47 पर वक्री होकर 23 अप्रैल 2019 को 24:51 पर पुनः वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे। पुनः वृश्चिक राशिगत वक्रस्थ गुरु 12 अगस्त 2019 को 04:46 पर मार्गी होकर दिनांक 5 नवंबर 2019 को 05:48 पर धनु राशि में प्रवेश कर संवत् की समाप्ति तक इसी राशि में भ्रमणशील रहेंगे। संवतारंभ से गुरुदेव उदित अवस्था में रहते हुए दिनांक 14 दिसंबर 2019 को अस्त हो जायेंगे। पुनः 10 जनवरी 2020 को उदय होकर संवत् की समाप्ति तक इसी अवस्था में संचरण करेंगे। नक्षत्रचार वश गुरु ज्येष्ठा, मूल, पू.षाढ़ तथा उ.षाढ़ नक्षत्रों का भोग करेंगे।

वृश्चिक राशि में स्थित गुरु की अवधि में जन्म होने वाला जातक विद्यावान, अनेक विद्याओं के जानकार, ज्ञानी, धनी तथा दानी होंगे। बुद्धिमान, कठिन कार्यों को सरलतापूर्वक सम्पन्न करने वाले तथा अत्याधिक परिश्रमी होंगे। अनेक व्यक्ति उसके नियन्त्रण में रहेंगे। जातक भवन निर्माण करने वाला (स्वयं के लिये निर्माण करे अथवा आर्कीटेक्ट के रूप में कार्य करे), धार्मिक स्थलों के निर्माण में सहयोग करने वाला होगा। अनेक देशों की यात्रा करेगा। उसे श्रेष्ठ जीवन साथी मिलेगा परन्तु सन्तान कम होगी। आचरण के दृष्टिकोण से जातक अनेक दोषों में आसक्त रहेगा। रोग पीड़ित होगा। धार्मिक होने का ढोंग करेगा। धनु राशि में जन्में जातक गुणी, विद्वान्, अनेक विद्याओं में पारंगत रहेंगे। स्थाई सम्पत्ति अर्जित करेंगे। परोपकारी होंगे। किसी स्थान का स्वामित्व प्राप्त करेंगे। अनेक देशों का भ्रमण करेंगे। उच्च स्थान पर निवास होगा तथा काफी हद तक इन्ट्रोवर्ट होंगे। वाणी गम्भीर होगी।

मेष राशि–जनवरी से मार्च में मन शोकग्रस्त रहेगा। रोगों से पीड़ित होने से शरीर की कांति नष्ट होगी। वाणी में कठोरता आयेगी तथा बात बात पर क्रोधित होंगे। यात्राओं में थकावट एवं कष्ट रहेगा। चोरी-चकारी अथवा अग्निकांड से नुकसान होगा। शासन-सत्ता से हानि होगी। पद-प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें। कष्टों एवं पीड़ा से स्वयं को भाग्यहीन समझने लगेंगे। 29 मार्च से गुरु के धनु राशि से गोचर में धन वृद्धि होगी। दाम्पत्य तथा पारिवारिक जीवन का सुख रहेगा। विचारशीलता गुण बनेगी। पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी नये भवन की प्राप्ति होगी। सन्तान के दायित्वों की पूर्ति होगी। 23 अप्रैल से वृश्चिक से वक्री गुरु के गोचर में मन प्रसन्न रहेगा। रोगों से छुटकारा मिलेगा। वाणी में सरलता तथा स्पष्टता रहेगी। राजकीय सहयोग रहेगा। यात्राओं में सफलता मिलेगी। कष्टों एवं पीड़ा से छुटकारा मिलेगा। भाग्योन्नति होगी। सोच-विचार कर कार्य करने की प्रवृति बनेगी। शासन-सत्ता से लाभ मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। 05 नवंबर से नवम भाव से गोचर कर रहे गुरु का मंगल से वेध में विचारशीलता अवगुण बनेगी। धन-हानि का योग रहेगा। दाम्पत्य एवं पारिवारिक सुख में बाधा आयेगी। सन्तान के प्रति चिंता रहेंगी। नये भवन अथवा भूमि-भवन के कार्य में हानि होगी। पद-प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

वृष–जनवरी से मार्च तक आपकी जन्म राशि के सप्तमस्थ भाव से गोचर कर रहे गुरु के केतु से वेध की अवधि में प्रशासकीय कारणों से मान-सम्मान की हानि होगी। प्रायः ही सभी कार्यों में असफलता का सामना करना पड़ेगा। स्वास्थ्य में गिरावट आयेगी। बुद्धि चातुर्य कुंठित होगा। समझ में नहीं आयेगा कि क्या करें और क्या ना करें। सुखोपभोग में अनेक प्रकार से अड़चनें आयेंगी। विवाह आदि किसी पारिवारिक समारोह-उत्सव को निरस्त करने का योग बनेगा। किसी शुभ कार्य के लिये विचारी जा रही यात्राओं में बाधा आयेगी। दाम्पत्य जीवन में तनाव रहेगा। सन्तान के कारण कष्ट रहेगा। अप्रैल से अष्टम भाव से गोचर कर रहे गुरु के राहु से वेध में मन प्रफुल्लित रहेगा। रोगों से छुटकारा मिलेगा परन्तु राजकर्मियों से अनबन होगी। स्वभाव में विनम्रता आयेगी। अत्याधिक सोच विचार कर कार्य करने की प्रवृति बनेगी। शासन-सत्ता से लाभ मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। सफल यात्रायें होंगी। कष्टों का निवारण होगा। भाग्योन्नति होगी। विवाह आदि उत्सवों का आंनद मिलेगा। बुद्धि चातुर्य देखते ही बनेगा। किसी वस्तु की चोरी अथवा हानि से मन चिन्तित रहेगा। धन होते हुए भी धन की कमी अनुभव होगी। सम्बन्धियों से मनमुटाव होगा। 05 नवं. से कष्टों एवं पीड़ा से छुटकारा मिलेगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा में उन्नति होगी। सफल यात्राएं होंगी। भाग्योन्नति होगी। मन प्रफुल्लित रहेगा।

मिथुन–जनवरी-फरवरी में मन अनेक कारणों से शोक ग्रस्त रहेगा। धन की कमी अनुभव होगी। जीवन साथी, सन्तान तथा पारिवारिक सदस्यों से मतभेद होंगे। विग्रह-विवादों की स्थिति बनेगी। किसी प्रिय वस्तु की हानि होगी। पेट के रोगों अथवा किसी अन्य रोग से पीड़ा होगी। शार्ट सर्किट तथा अग्निकांडों के प्रति सचेत रहें। मार्च में घरेलू वातावरण में उत्साह से मन प्रसन्न रहेगा। जीवन साथी, सन्तान तथा पारिवारिक सदस्यों से सौहार्द्र रहेगा। धन-धान्य की प्रगति होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। विरोधियों का वर्चस्व समाप्त होगा। किसी हानि से बचाव होगा। अप्रैल में प्रायः हो सभी कार्यों में असफलता का सामना करना पड़ेगा। स्वास्थ्य में गिरावट आयेगी। बुद्धि चातुर्य कुंठित होगा। प्रशासकीय कारणों से मान-सम्मान की हानि होगी। कोई पारिवारिक समारोह अथवा उत्सव निरस्त (स्थगित) होगा। दाम्पत्य जीवन में तनाव रहेगा। सन्तान से कष्ट रहेगा। 23 अप्रैल के बाद आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। घरेलू वातावरण में सौहार्द्रता रहेगी। जीवन साथी, सन्तान तथा पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। किसी प्रिय वस्तु की प्राप्ति होगी। पेट अथवा अन्य रोगों से छुटकारा मिलेगा। विरोधियों का वर्चस्व समाप्त होगा। किसी आकस्मिक हानि से बचाव होगा। 05 नवं. से कार्यों में सफलता मिलेगी। अनेक प्रकार के सुखों का योग। विवाह आदि उत्सवों का आनंद मिलेगा। किसी शुभ कार्य के लिये यात्रा होगी। जीवन साथी तथा सन्तान का सुख मिलेगा। किसी वस्तु की चोरी अथवा हानि का भय रहेगा।

कर्क–मासारंभ में जीवन में सभी प्रकार की उन्नति होगी। धनागम बढ़ेगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान प्राप्ति होगी। शासक वर्ग से लाभ होगा। परिवार जनों के साथ आनन्द रहेगा। मार्च में पद-प्रतिष्ठा की हानि होगी। उन्नति में अवरोध तथा बाधायें आयेंगी। व्यय बढ़ने से आर्थिक कठिनाईयां बनेंगी। कार्यों में असफलता का भय रहेगा। परिवार जनों से मतभेद होंगे। सन्तान के कारण कष्ट होगा। शासक वर्ग का सहयोग नहीं मिल पायेगा। पद-प्रतिष्ठा की हानि होगी। सन्तान सुख में न्यूनता रहेगी। शासक वर्ग से हानि होगी। अप्रैल मास से सभी प्रकार की उन्नति होगी। मन प्रसन्न रहेगा। घरेलू वातावरण में सौहार्द्रता रहेगी। जीवन साथी, सन्तान तथा पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। विग्रह-विवादों की स्थिति समाप्त होगी। किसी प्रिय वस्तु की प्राप्ति होगी। रोगों से छुटकारा मिलेगा। किसी आकस्मिक हानि से बचाव होगा। 05 नवं. से मन अनेक कारणों से शोक ग्रस्त रहेगा। धन की कमी अनुभव होगी। घरेलू वातावरण में एक अजीब प्रकार की उदासीनता रहेगी। जीवन साथी, सन्तान तथा पारिवारिक सदस्यों से मतभेद होंगे। शासन-सत्ता का भय रहेगा। किसी रोग से पीड़ा होगी। विरोधियों का वर्चस्व बढ़ेगा।

सिंह–जनवरी से मार्च तक की अवधि में मन शांत रहेगा। पद-प्रतिष्ठा तथा स्थान लाभ मिलेगा। आर्थिक सम्पन्नता बढ़ेगी। विरोधी पक्ष परास्त होगा। पारिवारिक सदस्यों का सहयोग भी मिलने से परिस्थितियों में असाधारण परिवर्तन आयेगा। एक्सीडेंट में आकस्मिक रूप से बचाव होगा। अप्रैल मास में कार्यों में असफलता का भय रहेगा। पद-प्रतिष्ठा की हानि होगी। उन्नति में अवरोध तथा बाधायें आयेंगी। समय कष्टपूर्ण रहेगा। व्यय अधिक होगा, आर्थिक कठिनाईयां बनेंगी। परिवार जनों से मतभेद होंगे। सन्तान के कारण कष्ट होगा। प्रशासकीय कारणों से हानि होगी। मई से कार्यों में सफलता मिलेगी। जीवन में सभी प्रकार की उन्नति होगी। आर्थिक उन्नति सुख रहेगा। विरोधी पक्ष परास्त होगा। किसी अति निकट तथा विश्वासी सहयोगी के माध्यम से लाभ की स्थिति बनेगी। स्थान लाभ होगा। पद प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। शासक वर्ग से लाभ होगा। सन्तान सुख मिलेगा। परिवार जनों के साथ आनन्द रहेगा।

कन्या–जनवरी से मार्च तक की समयावधि में पिता अथवा पिता तुल्य व्यक्तियों का सहयोग तथा मार्गदर्शन प्राप्त होगा। परिवार में सद्भाव रहेगा। सम्बन्धों में मधुरता तथा प्रगाढ़ता बढ़ेगी। कार्यों में प्रगति होगी। झगड़े-झंझटों से छुटकारा मिलेगा। रोजी रोजगार में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। स्थान लाभ होगा। शारीरिक कष्ट एवं रोगों से छुटकारा मिलेगा। अप्रैल मास में व्यवसायिक हानि होने से मन अशांत रहेगा। विरोधी पक्ष प्रबल तथा आक्रामक रहेगा। किसी अति निकट तथा विश्वासी सहयोगी से धोखा मिलेगा। अपमान जनक स्थितियों का सामना करना पड़ेगा। अकस्मात् भय रहेगा। मई मास से कार्यों में सफलतायें मिलेंगी। रोजी रोजगार में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। पारिवारिक सम्बन्धों में मधुरता तथा प्रगाढ़ता बढ़ेगी। स्थान लाभ होगा। पिता अथवा पिता तुल्य व्यक्तियों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। शारीरिक कष्टों से छुटकारा मिलेगा। वरिष्ठों का सहयोग तथा मार्गदर्शन प्राप्त होगा। 05 नवं. से आर्थिक हानि रहेगी। मन अशांत रहेगा। किसी विश्वासी सहयोगी से धोखा मिलेगा। विरोधी पक्ष आक्रामक रहेगा। परिस्थितियां विकट रूप धारण करेंगी। अपमान जनक स्थितियों का सामना करना पड़ेगा। अकस्मात् भय रहेगा। मार्च 2020 में पारिवारिक सदस्यों का सहयोग भी मिलने से परिस्थितियों में असाधारण परिवर्तन आयेगा। आर्थिक लाभ मिलेगा। स्थान लाभ होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा।

तुला–जनवरी में उन्नति के अवसर हाथ से निकल जायेंगे। सुख-साधनों, पद-प्रतिष्ठा तथा ख्याति की हानि होगी। सामाजिक प्रभाव घटेगा। विरोधी पक्ष प्रबल होगा। धनागम में बाधा रहेगी। कष्टों के अतिरेक से धार्मिक कार्यों से मन खिन्न होगा। फरवरी मास से स्थिति में सुधार होगा। आर्थिक लाभ मिलेगा। कार्य क्षेत्र में स्वीकार्यता बढ़ेगी। रोजी रोजगार में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में सदभाव रहेगा। सम्बन्धों में मधुरता तथा प्रगाढ़ता बढ़ेगी। रोगों से छुटकारा मिलेगा। विरोध समाप्त होगा। पिता अथवा पिता तुल्य व्यक्तियों का सहयोग तथा मार्गदर्शन मिलेगा। स्थान लाभ होगा। रोगों से छुटकारा मिलेगा।

वृश्चिक–जनवरी से अप्रैल मास तक धनागम उत्तम रहेगा। मानसिक तनाव समाप्त होगा। शासन-सत्ता से सहयोग मिलेगा। कार्यस्थल पर सहयोग मिलेगा। उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। किसी प्रिय वस्तु की प्राप्ति होगी। स्थान लाभ होगा। व्यय पर नियन्त्रण रहेगा। व्यर्थ के बैर समाप्त होंगे। मन भय रहित रहेगा। मान सम्मान बढ़ेगा। मई मास से उन्नति के अवसरों में बाधायें आयेंगी। मानसिक व्यथा के कारण मन अनजाने भय से ग्रसित होगा। कार्यस्थल पर झगड़े होंगे। स्थान परिवर्तन होगा। व्यय की अधिकता। धनागम में बाधा आयेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में गिरावट आयेगी। मान सम्मान के प्रति सचेत रहें। नवंबर से स्थिति में सुधार होगा। आत्म विश्वास बढ़ेगा। कार्यस्थल पर प्रशासनिक सहयोग प्राप्त होगा। किसी प्रिय वस्तु अथवा स्थान का लाभ मिलेगा। व्यय पर नियन्त्रण होगा। विरोधी वातावरण समाप्त होगा। फरवरी 2020 में धनागम में बाधा अनुभव होगी। सुख-साधनों की हानि होगी। सामाजिक प्रभाव घटेगा। उन्नति के अवसर हाथ से निकल जायेंगे। विरोधी पक्ष प्रबल होगा। कष्टों के अतिरेक से धार्मिक कार्यों से मन खिन्न होगा।

धनु राशि–जनवरी से शुभ कार्यों में धन का व्यय आवश्यकता से अधिक हो जायेगा। कठिन आर्थिक तंगी से गुजरना पड़ेगा। अपने ही विश्वासपात्रों से धोखा मिलेगा। मिथ्या अपवाद का भय रहेगा। स्थान परिवर्तन होगा तथा परिवारजनों से अलग रहने का योग बनेगा। कोर्ट कचहरी के चक्कर बढ़ेंगे। मुकद्दमेबाजी होगी। नवम्बर मास से आत्म विश्वास बढ़ेगा। किसी प्रिय वस्तु अथवा स्थान का लाभ मिलेगा। व्यय पर नियन्त्रण होगा। व्यर्थ के विरोध समाप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्य सम्पादन में सहयोग प्राप्त होगा। मन भय रहित रहेगा।

मकर राशि–जनवरी से मार्च मास की अवधि में प्रायः ही सभी कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। गुरु का गोचर पद-प्रतिष्ठा तथा धनागमन में वृद्धि होगी। विरोधी पक्ष पराजित होंगे। सन्तान के दायित्वों की पूर्ति होगी। अधिकार क्षेत्र बढ़ेगा। मन प्रसन्न रहेगा। अप्रैल मास से अपने ही विश्वासपात्रों से धोखा मिलेगा। असफलता से मिथ्या अपवाद का भय रहेगा। स्थान परिवर्तन होगा तथा परिवारजनों से अलग रहने का योग बनेगा। मुकद्दमेबाजी होगी। आर्थिक कठिनाईयां बनेंगी। मन खिन्न रहेगा। सन्तान के प्रति दायित्वों की पूर्ति में बाधा रहेगी। नवम्बर मास से व्यय पर नियन्त्रण होगा। आर्थिक उन्नति होगी। विश्वासपात्रों का सहयोग मिलेगा। मिथ्या अपवाद का भय समाप्त होगा। स्थान लाभ होगा तथा परिवार के साथ रहने का सुयोग बनेगा। कोर्ट कचहरी के तथा मुकद्दमेबाजी से छुटकारा मिलेगा।

शेष पृष्ठ 187 पर

हानि होने से मन अशांत रहेगा। विरोधी पक्ष प्रबल ... अपवाद का भय समाप्त होगा। स्थान लाभ होगा तथा परिवार के साथ रहने का सुयोग बनेगा। कोर्ट

साढ़े पांच बजे (प्रात: 5 बजकर 30 मिनट) के अतिरिक्त अन्य समय के लिए ग्रह स्पष्ट करना

नीचे दी गई सारणी द्वारा यदि आपको भा.स्टै.टा. 5130 के ग्रह स्पष्टों के अलावा किसी अन्य समय के ग्रह स्पष्ट करने हों तो आप नीचे लिखी सारणी द्वारा समुचित संस्कार करके अभिष्ट समय के ग्रह स्पष्ट कर सकते हैं। आपने **15 अगस्त 2019 शाम 8:45 मि. का सूर्य स्पष्ट ज्ञात करना है।** इसके लिए 16 अगस्त प्रात: 5130 बजे के सूर्य स्पष्ट में से 8145 घंटे की गति घटायेंगे। 16 अगस्त के सूर्य स्पष्ट (03-28-44-14) में से 15 अगस्त के सूर्य स्पष्ट (03-27-46-37) घटा देने से 24 घंटे की गति पता चलेगी जोकि 57137 कलादि प्राप्त हुई। सारणी में देखने से हमें 57 कला के सामने 8 घंटे के नीचे 19100 मिले। इसमें 45 मिनट की गति 1147 कलादि जमा कर देने से हमें 20147 कलादि योग प्राप्त हुआ। अब 40 विकला के संस्कार समीपस्थ 40 कला के (8145 घंटे) संस्कार 14 विकल्प जमा कर देने से हमें 21101 कलादि 8 घंटे 45 मिनट की गति प्राप्त हुई इसको 16 अगस्त 5130 के सूर्य स्पष्ट (03-28-44-14) में से घटा देने से शाम 8145 मि. का सूर्य स्पष्ट 3-28-23-13 राशि अंश आदि प्राप्त हुआ। इस प्रकार किसी भी अन्य समय के ग्रह स्पष्ट निकाले जा सकते हैं।

मार्गी ग्रहों के किसी अन्य समय के स्पष्ट करने के लिए अगले दिन के ग्रह स्पष्ट में से घटाने से प्राप्त होता है। वक्री ग्रह के लिए घटाने के स्थान पर जोड़ने से स्पष्ट होता है।

5130 बजे के ग्रह स्पष्ट में किसी दो दिनों के बीच के किसी भी समय का ग्रह स्पष्ट करना बहुत सरल है। इसके लिए आप बिना सारणी को उपयोग में लाए, नीचे दिए गए उदाहरणों के द्वारा स्पष्ट कर सकते हैं। मार्गी और वक्री ग्रहों के स्पष्ट करने की क्रिया पृथक-पृथक नीचे के उदाहरणों से स्पष्ट हो जायगी। मान लीजिये 15 अगस्त सन् 2019 को शाम के 8:45 मि. के ग्रह स्पष्ट करने हैं।

मार्गी ग्रहों के लिए-सूर्य-15 अग. के प्रात: 5130 बजे का सूर्य स्पष्ट 03-27-46-37 है और अगले दिन 16 अगस्त के प्रात: 5130 बजे का सूर्य स्पष्ट 03-28-44-14 है। मार्गी ग्रहों के लिए अगले दिन के ग्रह स्पष्ट में से पहले दिन के ग्रह स्पष्ट घटाये जाते हैं। यहां 16 तारीख के सूर्य स्पष्ट में से 15 तारीख का सूर्य स्पष्ट घटायें:-

	रा.	अं.	क.	वि.
16 ता. को सूर्य स्पष्ट	03	28	44	14
15 ता. को सूर्य स्पष्ट घटाएं (-)	03	27	46	37
	00	00	57	37

अत: 57′ कला, 37″ विकला सूर्य की दैनिक गति हुई। 57′-37″ के विकला बनाये: 57×60+37=3457 विकला। सूर्य की यह गति 15 तारीख के 5130 बजे से 16 तारीख के 5130 बजे तक 24 घंटे (1440 मि.) की है। अब अपने इष्ट समय 8145 मि. में से 5130 बजे को घटाया तो समय अंतराल 15 घंटे 15 मिनट (915 मिनट) आया। अब त्रैराशिक से गणना की 1440 मि. में सूर्य की गति 3460 विकला है। 915 मि. में से सूर्य की गति 3457×915÷1440=2197 विकला-2197÷60 कला=36 कला 37 विकला 36′-37″ इसको 15 अगस्त के सूर्य स्पष्ट में जोड़ दें (03-27-46-37)+(36-37)= 3-28-23-14 अत: 15 अगस्त की शाम 8145 मि. का सूर्य स्पष्ट 3-28-23-14 बना। इसी प्रकार अन्य सभी ग्रह स्पष्ट किये जा सकते हैं।

वक्री (शनि) ग्रहों के लिए-15 जुलाई 2019 शाम 8:45 मि. का शनि स्पष्ट ज्ञात करना है। अत: उल्टी क्रिया करनी होगी। अर्थात् 15 जुलाई के शनि स्पष्ट में 16 जुलाई के शनि स्पष्ट घटाने होंगे। 15 जुलाई के शनि स्पष्ट 08-22-41-28 में से 16 जुलाई के शनि स्पष्ट 08-22-37-05 को घटायें=04-23 यह शनि की दैनिक वक्र गति हुई। 4 क. 23 वि.=263 विकला। अत: क्रिया पूर्ववत् 263×915÷1440 =167 वि.=02 क. 47 वि.। 02-47 को 15 जुलाई के शनि स्पष्ट में से घटाया (08-22-41-28)-(02-47)= 08-22-38-41 अत: 15 जुलाई को 8145 मि. पर वक्री शनि स्पष्ट 08-22-38-41 आया। यदि ग्रह स्पष्ट सूर्योदय कालीन दिये हों तो 5130 बजे के बजाय सूर्योदय काल लेकर ग्रह स्पष्ट इसी प्रकार किये जा सकते हैं। इस प्रकार अन्य सभी ग्रहों के किसी भी समय के ग्रह स्पष्ट किये जा सकते हैं।

(कृपया पाठक इन ◆ को ¼ चौथाई, ■ को ½ आधा और ● ¾ तिहाई पढ़ें।)

दैनिक गति 24घं.	गति 30मि. क.वि.	गति 1 घं. क.वि.	गति 2 घं. क.वि.	गति 3 घं. क.वि.	गति 4 घं. क.वि.	गति 5 घं. क.वि.	गति 6 घं. क.वि.	गति 7 घं. क.वि.	गति 8 घं. क.वि.	गति 9 घं. क.वि.	गति 10घं. क.वि.	गति 11घं. क.वि.	गति 12घं. क.वि.
1	0101 ◆	0102 ■	0105	0107 ■	0110	0112 ■	0115	0117 ■	0120	0122 ■	0125	0127 ■	0130
2	0102 ■	0105	0110	0115	0120	0125	0130	0135	0140	0145	0150	0155	1100
3	0103 ●	0107 ■	0115	0122 ■	0130	0137 ■	0145	0152 ■	1100	1107 ■	1115	1122 ■	1130
4	0105	0110	0120	0130	0140	0150	1100	1110	1120	1130	1140	1150	2100
5	0106 ◆	0112 ■	0125	0137 ■	0150	1102 ■	1115	1127 ■	1140	1152 ■	2105	2117 ■	2130
6	0107 ■	0115	0130	0145	1100	1115	1130	1145	2100	2115	2130	2145	3100
7	0108 ●	0117 ■	0135	0152 ■	1110	1127 ■	1145	2102 ■	2120	2137 ■	2155	3112 ■	3130
8	0110	0120	0140	1100	1120	1140	2100	2120	2140	3100	3120	3140	4100
9	0111 ◆	0122 ■	0145	1107 ■	1130	1152 ■	2115	2137 ■	3100	3122 ■	3145	4107 ■	4130
10	0112 ■	0125	0150	1115	1140	2105	2130	2155	3120	3145	4110	4135	5100
11	0113 ●	0127 ■	0155	1122 ■	1150	2117 ■	2145	3112 ■	3140	4107 ■	4135	5102 ■	5130
12	0115	0130	1100	1130	2100	2130	3100	3130	4100	4130	5100	5130	6100
13	0116 ◆	0132 ■	1105	1137 ■	2110	2142 ■	3115	3147 ■	4120	4152 ■	5125	5157 ■	6130
14	0117 ■	0135	1110	1145	2120	2155	3130	4105	4140	5115	5150	6125	7100
15	0118 ●	0137 ■	1115	1152 ■	2130	3107 ■	3145	4122 ■	5100	5137 ■	6115	6152 ■	7130
16	0120	0140	1120	2100	2140	3120	4100	4140	5120	6100	6140	7120	8100
17	0121 ◆	0142 ■	1125	2107 ■	2150	3132 ■	4115	4157 ■	5140	6122 ■	7105	7147 ■	8130
18	0122 ■	0145	1130	2115	3100	3145	4130	5115	6100	6145	7130	8115	9100
19	0123 ●	0147 ■	1135	2122 ■	3110	3157 ■	4145	5132 ■	6120	7107 ■	7155	8142 ■	9130
20	0125	0150	1140	2130	3120	4110	5100	5150	6140	7130	8120	9110	10100
21	0126 ◆	0152 ■	1145	2137 ■	3130	4122 ■	5115	6107 ■	7100	7152 ■	8145	9137 ■	10130
22	0127 ■	0155	1150	2145	3140	4135	5130	6125	7120	8115	9110	10105	11100
23	0128 ●	0157 ■	1155	2152 ■	3150	4147 ■	5145	6142 ■	7140	8137 ■	9135	10132 ■	11130
24	0130	1100	2100	3100	4100	5100	6100	7100	8100	9100	10100	11100	12100
25	0131 ◆	1102 ■	2105	3107 ■	4110	5112 ■	6115	7117 ■	8120	9122 ■	10125	11127 ■	12130
26	0132 ■	1105	2110	3115	4120	5125	6130	7135	8140	9145	10150	11155	13100
27	0133 ●	1107 ■	2115	3122 ■	4130	5137 ■	6145	7152 ■	9100	10107 ■	11115	12122 ■	13130
28	0135	1110	2120	3130	4140	5150	7100	8110	9120	10130	11140	12150	14100
29	0136	1112 ■	2125	3137 ■	4150	6102 ■	7115	8127 ■	9140	10152 ■	12105	13117 ■	14130
30	0137	1115	2130	3145	5100	6115	7130	8145	10100	11115	12130	13145	15100

दैनिक गति 24घं.	गति 30मि. क.वि.	गति 1 घं. क.वि.	गति 2 घं. क.वि.	गति 3 घं. क.वि.	गति 4 घं. क.वि.	गति 5 घं. क.वि.	गति 6 घं. क.वि.	गति 7 घं. क.वि.	गति 8 घं. क.वि.	गति 9 घं. क.वि.	गति 10घं. क.वि.	गति 11घं. क.वि.	गति 12घं. क.वि.
31	0138 ●	1117 ■	2135	3152 ■	5110	6127 ■	7145	9102 ■	10120	11137 ■	12155	14112 ■	15130
32	0140	1120	2140	4100	5120	6140	8100	9120	10140	12100	13120	14140	16100
33	0141 ◆	1122 ■	2145	4107 ■	5130	6152 ■	8115	9137 ■	11100	12122 ■	13145	15107 ■	16130
34	0142 ■	1125	2150	4115	5140	7105	8130	9155	11120	12145	14110	15135	17100
35	0143 ●	1127 ■	2155	4122 ■	5150	7117 ■	8145	10112 ■	11140	13107 ■	14135	16102 ■	17130
36	0145	1130	3100	4130	6100	7130	9100	10130	12100	13130	15100	16130	18100
37	0146 ◆	1132 ■	3105	4137 ■	6110	7142 ■	9115	10147 ■	12120	13152 ■	15125	16157 ■	18130
38	0147 ■	1135	3110	4145	6120	7155	9130	11105	12140	14115	15150	17125	19100
39	0148 ●	1137 ■	3115	4152 ■	6130	8107 ■	9145	11122 ■	13100	14137 ■	16115	17152 ■	19130
40	0150	1140	3120	5100	6140	8120	10100	11140	13120	15100	16140	18120	20100
41	0151 ◆	1142 ■	3125	5107 ■	6150	8132 ■	10115	11157 ■	13140	15122 ■	17105	18147 ■	20130
42	0152 ■	1145	3130	5115	7100	8145	10130	12115	14100	15145	17130	19115	21100
43	0153 ●	1147 ■	3135	5122 ■	7110	8157 ■	10145	12132 ■	14120	16107 ■	17155	19142 ■	21130
44	0155	1150	3140	5130	7120	9110	11100	12150	14140	16130	18120	20110	22100
45	0156 ◆	1152 ■	3145	5137 ■	7130	9122 ■	11115	13107 ■	15100	16152 ■	18145	20137 ■	22130
46	0157 ■	1155	3150	5145	7140	9135	11130	13125	15120	17115	19110	21105	23100
47	0158 ●	1157 ■	3155	5152 ■	7150	9147 ■	11145	13142 ■	15140	17137 ■	19135	21132 ■	23130
48	1100	2100	4100	6100	8100	10100	12100	14100	16100	18100	20100	22100	24100
49	1101 ◆	2102 ■	4105	6107 ■	8110	10112 ■	12115	14117 ■	16120	18122 ■	20125	22127 ■	24130
50	1102 ■	2105	4110	6115	8120	10125	12130	14135	16140	18145	20150	22155	25100
51	1103 ●	2107 ■	4115	6122 ■	8130	10137 ■	12145	14152 ■	17100	19107 ■	21115	23122 ■	25130
52	1105	2110	4120	6130	8140	10150	13100	15110	17120	19130	21140	23150	26100
53	1106 ◆	2112 ■	4125	6137 ■	8150	11102 ■	13115	15127 ■	17140	19152 ■	22105	24117 ■	26130
54	1107 ■	2115	4130	6145	9100	11115	13130	15145	18100	20115	22130	24145	27100
55	1108 ●	2117 ■	4135	6152 ■	9110	11127 ■	13145	16102 ■	18120	20137 ■	22155	25112 ■	27130
56	1110	2120	4140	7100	9120	11140	14100	16120	18140	21100	23120	25140	28100
57	1111 ◆	2122 ■	4145	7107 ■	9130	11152 ■	14115	16137 ■	19100	21122 ■	23145	26107 ■	28130
58	1112 ■	2125	4150	7115	9140	12105	14130	16155	19120	21145	24110	26135	29100
59	1113 ●	2127 ■	4155	7122 ■	9150	12117 ■	14145	17112 ■	19140	22107 ■	24135	27102 ■	29130
60	1115	2130	5100	7130	10100	12130	15100	17130	20100	22130	25100	27130	30100

दैनिक ग्रह स्पष्ट सं. 2076 वि.

इस पंचांग में नीचे यहां सभी ग्रहों के राशि, अंश, कला, विकला, सूक्ष्म गणितागत दिये गये हैं। प्रत्येक तारीख के सामने उस दिन के प्रातः 5।30 बजे के भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम की ग्रह स्थिति विकला पर्यन्त अंकित हैं। यह ग्रह स्थिति समस्त भूमण्डल पर सभी स्थानों के लिए स्वीकार्य हैं। केवल अन्य देशों के लिए उचित समय का संस्कार कर लें। जैसे-जापान के स्टै. टा. का भारतीय स्टै. टा. से अन्तर +3 घं. 30 मि. है। अतः ये स्पष्ट ग्रह जापान के स्टै. टा. के अनुसार प्रातः 9 घं. 00 मि. के हैं। किसी भी समय के तात्कालिक ग्रह स्पष्ट जानने के लिए समय के अंतर के घटी-पल बनाकर उस दिन की दैनिक ग्रह गति के साथ त्रैराशिक विधि से गुणा करने पर प्राप्त लब्धि को मार्गी ग्रह में जोड़ने से एवं वक्री ग्रह में घटाने से उस दिन के अभीष्ट समय की ग्रह स्थिति प्राप्त होगी। ग्रहों की दैनिक गति जानने के लिए अभीष्ट दिन के ग्रहों को अगले दिन के स्पष्ट ग्रहों में से घटाने से जो शेष रहे, वह गति होगी।

अप्रैल सन् 2019 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°।07'।16''

ता.	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	यूरेनस	नेपच्यून	प्लूटो	ता.
अप्रै.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	अप्रै.
06	11 21 47 08	11 29 00 10	01 09 40 09	10 24 59 20	08 00 11 38	10 18 08 22	08 25 55 06	02 28 25 08	00 07 27 40	10 23 08 41	08 28 56 36	06
07	11 22 46 12	00 11 35 52	01 10 19 45	10 25 41 26	08 00 12 25	10 19 20 47	08 25 57 23	02 28 21 57	00 07 31 01	10 23 10 44	08 28 57 08	07
08	11 23 45 15	00 24 22 48	01 10 59 20	10 26 27 10	08 00 13 01	10 20 33 13	08 25 59 33	02 28 18 47	00 07 34 23	10 23 12 46	08 28 57 38	08
09	11 24 44 15	01 07 20 58	01 11 38 54	10 27 16 18	08 00 13 26	10 21 45 40	08 26 01 39	02 28 15 36	00 07 37 45	10 23 14 47	08 28 58 07	09
10	11 25 43 13	01 20 30 40	01 12 18 26	10 28 08 42	08 00 13 39	10 22 58 08	08 26 03 38	02 28 12 25	00 07 41 09	10 23 16 47	08 28 58 34	10
11	11 26 42 08	02 03 52 35	01 12 57 57	10 29 04 12	व08 00 13 42	10 24 10 37	08 26 05 32	02 28 09 14	00 07 44 32	10 23 18 46	08 28 58 59	11
12	11 27 41 01	02 17 27 43	01 13 37 27	11 00 02 37	08 00 13 32	10 25 23 06	08 26 07 20	02 28 06 03	00 07 47 56	10 23 20 44	08 28 59 22	12
13	11 28 39 52	03 01 17 10	01 14 16 55	11 01 03 50	08 00 13 12	10 26 35 37	08 26 09 02	02 28 02 53	00 07 51 21	10 23 22 41	08 28 59 44	13
14	11 29 38 41	03 15 21 38	01 14 56 22	11 02 07 43	08 00 12 40	10 27 48 08	08 26 10 39	02 27 59 42	00 07 54 45	10 23 24 37	08 29 00 04	14
15	00 00 37 28	03 29 40 49	01 15 35 47	11 03 14 10	08 00 11 57	10 29 00 41	08 26 12 10	02 27 56 31	00 07 58 11	10 23 26 31	08 29 00 22	15
16	00 01 36 12	04 14 12 38	01 16 15 11	11 04 23 04	08 00 11 03	11 00 13 14	08 26 13 35	02 27 53 20	00 08 01 36	10 23 28 25	08 29 00 38	16
17	00 02 34 54	04 28 52 55	01 16 54 33	11 05 34 19	08 00 09 58	11 01 25 48	08 26 14 54	02 27 50 10	00 08 05 02	10 23 30 17	08 29 00 52	17
18	00 03 33 34	05 13 35 26	01 17 33 54	11 06 47 51	08 00 08 41	11 02 38 22	08 26 16 07	02 27 46 59	00 08 08 28	10 23 32 09	08 29 01 05	18
19	00 04 32 12	05 28 12 39	01 18 13 14	11 08 03 35	08 00 07 14	11 03 50 58	08 26 17 15	02 27 43 48	00 08 11 54	10 23 33 59	08 29 01 16	19
20	00 05 30 47	06 12 36 52	01 18 52 32	11 09 21 27	08 00 05 35	11 05 03 35	08 26 18 17	02 27 40 38	00 08 15 21	10 23 35 48	08 29 01 25	20
21	00 06 29 21	06 26 41 36	01 19 31 48	11 10 41 23	08 00 03 46	11 06 16 13	08 26 19 13	02 27 37 27	00 08 18 47	10 23 37 35	08 29 01 32	21
22	00 07 27 54	07 10 22 29	01 20 11 04	11 12 03 21	08 00 01 45	11 07 28 51	08 26 20 03	02 27 34 16	00 08 22 14	10 23 39 22	08 29 01 38	22
23	00 08 26 24	07 23 37 45	01 20 50 18	11 13 27 18	07 29 59 33	11 08 41 31	08 26 20 47	02 27 31 05	00 08 25 40	10 23 41 07	08 29 01 42	23
24	00 09 24 53	08 06 28 12	01 21 29 31	11 14 53 11	07 29 57 11	11 09 54 11	08 26 21 26	02 27 27 54	00 08 29 07	10 23 42 51	08 29 01 44	24
25	00 10 23 20	08 18 56 37	01 22 08 42	11 16 20 58	07 29 54 38	11 11 06 52	08 26 21 58	02 27 24 44	00 08 32 34	10 23 44 34	08 29 01 44	25
26	00 11 21 45	09 01 07 17	01 22 47 53	11 17 50 38	07 29 51 54	11 12 19 35	08 26 22 25	02 27 21 33	00 08 36 00	10 23 46 15	08 29 01 43	26
27	00 12 20 09	09 13 05 16	01 23 27 02	11 19 22 11	07 29 48 59	11 13 32 18	08 26 22 46	02 27 18 22	00 08 39 27	10 23 47 55	व08 29 01 39	27
28	00 13 18 31	09 24 56 02	01 24 06 10	11 20 55 33	07 29 45 54	11 14 45 01	08 26 23 00	02 27 15 11	00 08 42 53	10 23 49 33	08 29 01 34	28
29	00 14 16 52	10 06 44 56	01 24 45 17	11 22 30 46	07 29 42 38	11 15 57 46	08 26 23 09	02 27 12 01	00 08 46 20	10 23 51 10	08 29 01 28	29
30	00 15 15 11	10 18 36 58	01 25 24 23	11 24 07 49	07 29 39 12	11 17 10 31	08 26 23 13	02 27 08 50	00 08 49 45	10 23 52 46	08 29 01 19	30

मई सन् 2019 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°07'19''

ता.	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु (वक्री)	शुक्र	शनि (वक्री)	राहु	यूरेनस	नेपच्यून	प्लूटो (वक्री	ता.
मई	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	मई
1	00 16 13 29	11 00 36 29	01 26 03 27	11 25 46 40	07 29 35 35	11 18 23 18	08 26 23 10	02 27 05 39	00 08 53 11	10 23 54 20	08 29 01 09	1
2	00 17 11 45	11 12 46 57	01 26 42 31	11 27 27 21	07 29 31 48	11 19 36 04	08 26 23 01	02 27 02 29	00 08 56 37	10 23 55 53	08 29 00 57	2
3	00 18 09 59	11 25 10 46	01 27 21 34	11 29 09 51	07 29 27 51	11 20 48 51	08 26 22 46	02 26 59 18	00 09 00 02	10 23 57 24	08 29 00 43	3
4	00 19 08 12	00 07 49 14	01 28 00 35	00 00 54 11	07 29 23 44	11 22 01 39	08 26 22 26	02 26 56 07	00 09 03 26	10 23 58 54	08 29 00 28	4
5	00 20 06 23	00 20 42 29	01 28 39 35	00 02 40 21	07 29 19 27	11 23 14 28	08 26 22 00	02 26 52 56	00 09 06 50	10 24 00 22	08 29 00 11	5
6	00 21 04 32	01 03 49 46	01 29 18 35	00 04 28 20	07 29 15 01	11 24 27 16	08 26 21 27	02 26 49 46	00 09 10 14	10 24 01 49	08 28 59 52	6
7	00 22 02 40	01 17 09 44	01 29 57 33	00 06 18 10	07 29 10 25	11 25 40 05	08 26 20 49	02 26 46 35	00 09 13 37	10 24 03 14	08 28 59 31	7
8	00 23 00 46	02 00 40 47	02 00 36 29	00 08 09 50	07 29 05 40	11 26 52 55	08 26 20 06	02 26 43 24	00 09 17 00	10 24 04 37	08 28 59 09	8
9	00 23 58 50	02 14 21 28	02 01 15 25	00 10 03 21	07 29 00 45	11 28 05 45	08 26 19 16	02 26 40 13	00 09 20 22	10 24 05 59	08 28 58 45	9
10	00 24 56 52	02 28 10 41	02 01 54 20	00 11 58 41	07 28 55 42	11 29 18 35	08 26 18 21	02 26 37 02	00 09 23 43	10 24 07 19	08 28 58 20	10
11	00 25 54 52	03 12 07 41	02 02 33 13	00 13 55 49	07 28 50 30	00 00 31 25	08 26 17 20	02 26 33 51	00 09 27 03	10 24 08 38	08 28 57 53	11
12	00 26 52 50	03 26 11 52	02 03 12 05	00 15 54 45	07 28 45 10	00 01 44 16	08 26 16 13	02 26 30 41	00 09 30 23	10 24 09 55	08 28 57 24	12
13	00 27 50 47	04 10 22 24	02 03 50 56	00 17 55 25	07 28 39 41	00 02 57 07	08 26 15 01	02 26 27 30	00 09 33 42	10 24 11 10	08 28 56 54	13
14	00 28 48 41	04 24 37 44	02 04 29 46	00 19 57 47	07 28 34 04	00 04 09 58	08 26 13 43	02 26 24 19	00 09 37 01	10 24 12 23	08 28 56 22	14
15	00 29 46 34	05 08 55 19	02 05 08 34	00 22 01 46	07 28 28 19	00 05 22 50	08 26 12 20	02 26 21 08	00 09 40 18	10 24 13 35	08 28 55 48	15
16	01 00 44 25	05 23 11 29	02 05 47 21	00 24 07 17	07 28 22 27	00 06 35 42	08 26 10 51	02 26 17 58	00 09 43 34	10 24 14 45	08 28 55 13	16
17	01 01 42 14	06 07 21 42	02 06 26 07	00 26 14 13	07 28 16 27	00 07 48 35	08 26 09 17	02 26 14 47	00 09 46 50	10 24 15 53	08 28 54 36	17
18	01 02 40 02	06 21 21 07	02 07 04 52	00 28 22 26	07 28 10 19	00 09 01 28	08 26 07 37	02 26 11 36	00 09 50 05	10 24 17 00	08 28 53 58	18
19	01 03 37 49	07 05 05 18	02 07 43 35	01 00 31 45	07 28 04 05	00 10 14 21	08 26 05 52	02 26 08 25	00 09 53 18	10 24 18 05	08 28 53 18	19
20	01 04 35 34	07 18 30 54	02 08 22 18	01 02 41 59	07 27 57 44	00 11 27 15	08 26 04 02	02 26 05 15	00 09 56 31	10 24 19 08	08 28 52 37	20
21	01 05 33 17	08 01 36 10	02 09 00 59	01 04 52 56	07 27 51 17	00 12 40 10	08 26 02 06	02 26 02 04	00 09 59 43	10 24 20 09	08 28 51 54	21
22	01 06 31 00	08 14 21 08	02 09 39 39	01 07 04 21	07 27 44 43	00 13 53 06	08 26 00 05	02 25 58 53	00 10 02 53	10 24 21 09	08 28 51 10	22
23	01 07 28 41	08 26 47 29	02 10 18 19	01 09 15 58	07 27 38 03	00 15 06 02	08 25 58 00	02 25 55 42	00 10 06 03	10 24 22 06	08 28 50 24	23
24	01 08 26 21	09 08 58 15	02 10 56 57	01 11 27 32	07 27 31 17	00 16 18 58	08 25 55 49	02 25 52 31	00 10 09 11	10 24 23 02	08 28 49 37	24
25	01 09 24 00	09 20 57 31	02 11 35 34	01 13 38 45	07 27 24 26	00 17 31 56	08 25 53 33	02 25 49 20	00 10 12 18	10 24 23 56	08 28 48 49	25
26	01 10 21 38	10 02 49 59	02 12 14 11	01 15 49 22	07 27 17 30	00 18 44 54	08 25 51 12	02 25 46 10	00 10 15 24	10 24 24 49	08 28 47 59	26
27	01 11 19 15	10 14 40 43	02 12 52 46	01 17 59 05	07 27 10 28	00 19 57 52	08 25 48 46	02 25 42 59	00 10 18 28	10 24 25 39	08 28 47 08	27
28	01 12 16 51	10 26 34 45	02 13 31 21	01 20 07 40	07 27 03 22	00 21 10 52	08 25 46 15	02 25 39 48	00 10 21 31	10 24 26 28	08 28 46 15	28
29	01 13 14 27	11 08 36 55	02 14 09 55	01 22 14 51	07 26 56 11	00 22 23 52	08 25 43 39	02 25 36 38	00 10 24 33	10 24 27 14	08 28 45 21	29
30	01 14 12 01	11 20 51 28	02 14 48 28	01 24 20 25	07 26 48 56	00 23 36 53	08 25 40 59	02 25 33 27	00 10 27 34	10 24 27 59	08 28 44 25	30
31	01 15 09 35	00 03 21 46	02 15 27 01	01 26 24 11	07 26 41 37	00 24 49 54	08 25 38 13	02 25 30 16	00 10 30 33	10 24 28 42	08 28 43 29	31

जून सन् 2019 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°107'123''

ता.	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु (वक्री)	शुक्र	शनि (वक्री)	राहु	यूरेनस	नेपच्यून	प्लूटो (वक्री)	ता.
जून	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	जून
1	01 16 07 07	00 16 10 06	02 16 05 32	01 28 25 58	07 26 34 15	00 26 02 56	08 25 35 24	02 25 27 05	00 10 33 30	10 24 29 23	08 28 42 31	1
2	01 17 04 39	00 29 17 20	02 16 44 03	02 00 25 36	07 26 26 49	00 27 15 58	08 25 32 29	02 25 23 54	00 10 36 26	10 24 30 02	08 28 41 31	2
3	01 18 02 10	01 12 43 00	02 17 22 33	02 02 23 00	07 26 19 21	00 28 29 02	08 25 29 31	02 25 20 44	00 10 39 21	10 24 30 39	08 28 40 31	3
4	01 18 59 39	01 26 25 12	02 18 01 02	02 04 18 01	07 26 11 50	00 29 42 05	08 25 26 28	02 25 17 33	00 10 42 14	10 24 31 14	08 28 39 29	4
5	01 19 57 08	02 10 21 05	02 18 39 30	02 06 10 36	07 26 04 17	01 00 55 09	08 25 23 21	02 25 14 22	00 10 45 05	10 24 31 47	08 28 38 26	5
6	01 20 54 36	02 24 27 08	02 19 17 58	02 08 00 41	07 25 56 41	01 02 08 14	08 25 20 09	02 25 11 11	00 10 47 55	10 24 32 19	08 28 37 22	6
7	01 21 52 02	03 08 39 41	02 19 56 25	02 09 48 13	07 25 49 05	01 03 21 19	08 25 16 54	02 25 08 00	00 10 50 43	10 24 32 48	08 28 36 17	7
8	01 22 49 28	03 22 55 21	02 20 34 51	02 11 33 08	07 25 41 27	01 04 34 24	08 25 13 35	02 25 04 49	00 10 53 29	10 24 33 16	08 28 35 11	8
9	01 23 46 52	04 07 11 12	02 21 13 15	02 13 15 26	07 25 33 48	01 05 47 30	08 25 10 11	02 25 01 38	00 10 56 14	10 24 33 41	08 28 34 03	9
10	01 24 44 15	04 21 24 47	02 21 51 40	02 14 55 04	07 25 26 09	01 07 00 37	08 25 06 45	02 24 58 28	00 10 58 57	10 24 34 04	08 28 32 55	10
11	01 25 41 37	05 05 33 59	02 22 30 03	02 16 32 01	07 25 18 29	01 08 13 43	08 25 03 14	02 24 55 17	00 11 01 38	10 24 34 26	08 28 31 45	11
12	01 26 38 58	05 19 36 50	02 23 08 25	02 18 06 17	07 25 10 49	01 09 26 51	08 24 59 40	02 24 52 06	00 11 04 17	10 24 34 45	08 28 30 35	12
13	01 27 36 18	06 03 31 26	02 23 46 46	02 19 37 48	07 25 03 10	01 10 39 59	08 24 56 02	02 24 48 55	00 11 06 54	10 24 35 03	08 28 29 23	13
14	01 28 33 37	06 17 15 50	02 24 25 07	02 21 06 35	07 24 55 32	01 11 53 07	08 24 52 22	02 24 45 45	00 11 09 29	10 24 35 19	08 28 28 11	14
15	01 29 30 55	07 00 48 09	02 25 03 27	02 22 32 36	07 24 47 55	01 13 06 17	08 24 48 38	02 24 42 34	00 11 12 02	10 24 35 32	08 28 26 57	15
16	02 00 28 12	07 14 06 45	02 25 41 46	02 23 55 48	07 24 40 19	01 14 19 26	08 24 44 51	02 24 39 23	00 11 14 34	10 24 35 44	08 28 25 43	16
17	02 01 25 28	07 27 10 23	02 26 20 04	02 25 16 11	07 24 32 44	01 15 32 37	08 24 41 01	02 24 36 12	00 11 17 03	10 24 35 54	08 28 24 28	17
18	02 02 22 44	08 09 58 28	02 26 58 22	02 26 33 40	07 24 25 12	01 16 45 48	08 24 37 08	02 24 33 01	00 11 19 31	10 24 36 02	08 28 23 12	18
19	02 03 20 00	08 22 31 17	02 27 36 38	02 27 48 15	07 24 17 42	01 17 59 01	08 24 33 12	02 24 29 50	00 11 21 56	10 24 36 08	08 28 21 55	19
20	02 04 17 15	09 04 50 01	02 28 14 54	02 28 59 50	07 24 10 14	01 19 12 14	08 24 29 14	02 24 26 40	00 11 24 19	10 24 36 12	08 28 20 38	20
21	02 05 14 29	09 16 56 50	02 28 53 10	03 00 08 24	07 24 02 49	01 20 25 28	08 24 25 13	02 24 23 29	00 11 26 41	10 24 36 14	08 28 19 19	21
22	02 06 11 44	09 28 54 38	02 29 31 25	03 01 13 52	07 23 55 28	01 21 38 43	08 24 21 09	02 24 20 18	00 11 29 00	10 24 36 14	08 28 18 00	22
23	02 07 08 58	10 10 47 02	03 00 09 39	03 02 16 09	07 23 48 10	01 22 51 59	08 24 17 04	02 24 17 07	00 11 31 17	10 24 36 12	08 28 16 40	23
24	02 08 06 12	10 22 38 11	03 00 47 53	03 03 15 10	07 23 40 55	01 24 05 16	08 24 12 56	02 24 13 57	00 11 33 31	10 24 36 08	08 28 15 20	24
25	02 09 03 25	11 04 32 36	03 01 26 07	03 04 10 51	07 23 33 45	01 25 18 33	08 24 08 46	02 24 10 46	00 11 35 44	10 24 36 02	08 28 13 59	25
26	02 10 00 39	11 16 34 56	03 02 04 20	03 05 03 05	07 23 26 38	01 26 31 52	08 24 04 34	02 24 07 35	00 11 37 54	10 24 35 55	08 28 12 37	26
27	02 10 57 53	11 28 49 47	03 02 42 33	03 05 51 47	07 23 19 37	01 27 45 12	08 24 00 20	02 24 04 24	00 11 40 02	10 24 35 45	08 28 11 15	27
28	02 11 55 07	00 11 21 19	03 03 20 45	03 06 36 49	07 23 12 40	01 28 58 33	08 23 56 04	02 24 01 14	00 11 42 08	10 24 35 33	08 28 09 52	28
29	02 12 52 20	00 24 12 53	03 03 58 57	03 07 18 04	07 23 05 48	02 00 11 55	08 23 51 47	02 23 58 03	00 11 44 11	10 24 35 20	08 28 08 28	29
30	02 13 49 34	01 07 26 39	03 04 37 08	03 07 55 26	07 22 59 02	02 01 25 18	08 23 47 28	02 23 54 52	00 11 46 12	10 24 35 05	08 28 07 04	30

जुलाई सन् 2019 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°।07'।28''

ता.	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु (वक्री)	शुक्र	शनि (वक्री)	राहु	यूरेनस	नेपच्यून (वक्री)	प्लूटो (वक्री)	ता.
जुला.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	जुला.
1	02 14 46 48	01 21 03 17	03 05 15 19	03 08 28 48	07 22 52 22	02 02 38 42	08 23 43 09	02 23 51 41	00 11 48 11	10 24 34 47	08 28 05 40	1
2	02 15 44 02	02 05 01 37	03 05 53 30	03 08 58 01	07 22 45 48	02 03 52 07	08 23 38 47	02 23 48 30	00 11 50 07	10 24 34 28	08 28 04 15	2
3	02 16 41 15	02 19 18 37	03 06 31 41	03 09 23 00	07 22 39 20	02 05 05 33	08 23 34 25	02 23 45 19	00 11 52 00	10 24 34 07	08 28 02 49	3
4	02 17 38 29	03 03 49 33	03 07 09 51	03 09 43 36	07 22 32 58	02 06 19 00	08 23 30 02	02 23 42 08	00 11 53 52	10 24 33 44	08 28 01 24	4
5	02 18 35 42	03 18 28 29	03 07 48 00	03 09 59 43	07 22 26 44	02 07 32 28	08 23 25 38	02 23 38 58	00 11 55 40	10 24 33 19	08 27 59 58	5
6	02 19 32 55	04 03 09 02	03 08 26 09	03 10 11 17	07 22 20 36	02 08 45 56	08 23 21 14	02 23 35 47	00 11 57 26	10 24 32 52	08 27 58 31	6
7	02 20 30 08	04 17 45 13	03 09 04 18	03 10 18 12	07 22 14 36	02 09 59 26	08 23 16 49	02 23 32 36	00 11 59 10	10 24 32 23	08 27 57 05	7
8	02 21 27 20	05 02 12 02	03 09 42 26	03 10 20 25	07 22 08 44	02 11 12 56	08 23 12 23	02 23 29 25	00 12 00 51	10 24 31 53	08 27 55 38	8
9	02 22 24 33	05 16 25 49	03 10 20 34	03 10 17 56	07 22 02 59	02 12 26 27	08 23 07 58	02 23 26 14	00 12 02 29	10 24 31 21	08 27 54 11	9
10	02 23 21 45	06 00 24 21	03 10 58 42	03 10 10 44	07 21 57 22	02 13 39 59	08 23 03 32	02 23 23 04	00 12 04 05	10 24 30 46	08 27 52 43	10
11	02 24 18 57	06 14 06 36	03 11 36 49	03 09 58 55	07 21 51 53	02 14 53 31	08 22 59 07	02 23 19 53	00 12 05 38	10 24 30 11	08 27 51 16	11
12	02 25 16 10	06 27 32 33	03 12 14 55	03 09 42 34	07 21 46 33	02 16 07 05	08 22 54 41	02 23 16 42	00 12 07 09	10 24 29 33	08 27 49 48	12
13	02 26 13 22	07 10 42 48	03 12 53 01	03 09 21 52	07 21 41 21	02 17 20 40	08 22 50 16	02 23 13 31	00 12 08 37	10 24 28 54	08 27 48 21	13
14	02 27 10 34	07 23 38 17	03 13 31 07	03 08 57 03	07 21 36 19	02 18 34 15	08 22 45 52	02 23 10 21	00 12 10 02	10 24 28 12	08 27 46 53	14
15	02 28 07 46	08 06 20 06	03 14 09 13	03 08 28 26	07 21 31 24	02 19 47 52	08 22 41 28	02 23 07 10	00 12 11 24	10 24 27 30	08 27 45 26	15
16	02 29 04 58	08 18 49 26	03 14 47 18	03 07 56 22	07 21 26 39	02 21 01 29	08 22 37 05	02 23 03 59	00 12 12 44	10 24 26 45	08 27 43 58	16
17	03 00 02 11	09 01 07 32	03 15 25 23	03 07 21 21	07 21 22 04	02 22 15 08	08 22 32 42	02 23 00 48	00 12 14 01	10 24 25 59	08 27 42 30	17
18	03 00 59 23	09 13 15 54	03 16 03 28	03 06 43 52	07 21 17 37	02 23 28 48	08 22 28 21	02 22 57 37	00 12 15 15	10 24 25 11	08 27 41 03	18
19	03 01 56 37	09 25 16 17	03 16 41 32	03 06 04 30	07 21 13 20	02 24 42 28	08 22 24 01	02 22 54 26	00 12 16 27	10 24 24 21	08 27 39 35	19
20	03 02 53 51	10 07 10 50	03 17 19 37	03 05 23 55	07 21 09 13	02 25 56 10	08 22 19 41	02 22 51 16	00 12 17 36	10 24 23 30	08 27 38 08	20
21	03 03 51 05	10 19 02 07	03 17 57 41	03 04 42 47	07 21 05 15	02 27 09 53	08 22 15 24	02 22 48 05	00 12 18 42	10 24 22 37	08 27 36 41	21
22	03 04 48 20	11 00 53 07	03 18 35 45	03 04 01 49	07 21 01 27	02 28 23 38	08 22 11 07	02 22 44 54	00 12 19 45	10 24 21 43	08 27 35 14	22
23	03 05 45 36	11 12 47 23	03 19 13 49	03 03 21 45	07 20 57 49	02 29 37 23	08 22 06 53	02 22 41 44	00 12 20 45	10 24 20 47	08 27 33 48	23
24	03 06 42 53	11 24 48 52	03 19 51 54	03 02 43 18	07 20 54 21	03 00 51 10	08 22 02 40	02 22 38 33	00 12 21 43	10 24 19 49	08 27 32 21	24
25	03 07 40 11	00 07 01 51	03 20 29 58	03 02 07 10	07 20 51 04	03 02 04 58	08 21 58 29	02 22 35 22	00 12 22 37	10 24 18 50	08 27 30 55	25
26	03 08 37 29	00 19 30 41	03 21 08 02	03 01 34 03	07 20 47 56	03 03 18 47	08 21 54 19	02 22 32 11	00 12 23 29	10 24 17 49	08 27 29 29	26
27	03 09 34 49	01 02 19 30	03 21 46 06	03 01 04 34	07 20 44 59	03 04 32 38	08 21 50 12	02 22 29 00	00 12 24 18	10 24 16 47	08 27 28 04	27
28	03 10 32 09	01 15 31 40	03 22 24 11	03 00 39 17	07 20 42 13	03 05 46 30	08 21 46 07	02 22 25 50	00 12 25 04	10 24 15 43	08 27 26 39	28
29	03 11 29 30	01 29 09 24	03 23 02 15	03 00 18 44	07 20 39 37	03 07 00 23	08 21 42 05	02 22 22 39	00 12 25 47	10 24 14 38	08 27 25 14	29
30	03 12 26 53	02 13 13 07	03 23 40 20	03 00 03 20	07 20 37 12	03 08 14 17	08 21 38 05	02 22 19 28	00 12 26 27	10 24 13 31	08 27 23 50	30
31	03 13 24 16	02 27 40 55	03 24 18 24	02 29 53 28	07 20 34 58	03 09 28 12	08 21 34 07	02 22 16 17	00 12 27 05	10 24 12 23	08 27 22 26	31

अगस्त सन् 2019 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°107'134''

ता.	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु (वक्री)	शुक्र	शनि (वक्री)	राहु	यूरेनस	नेपच्यून (वक्री)	प्लूटो (वक्री)	ता.
अग.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	अग.
1	03 14 21 40	03 12 28 17	03 24 56 29	मा02 29 49 26	07 20 32 55	03 10 42 08	08 21 30 13	02 22 13 06	00 12 27 39	10 24 11 14	08 27 21 03	1
2	03 15 19 04	03 27 28 13	03 25 34 34	02 29 51 30	07 20 31 03	03 11 56 06	08 21 26 21	02 22 09 55	00 12 28 10	10 24 10 03	08 27 19 40	2
3	03 16 16 30	04 12 32 03	03 26 12 39	02 29 59 49	07 20 29 21	03 13 10 04	08 21 22 32	02 22 06 45	00 12 28 39	10 24 08 51	08 27 18 18	3
4	03 17 13 56	04 27 30 46	03 26 50 43	03 00 14 32	07 20 27 51	03 14 24 03	08 21 18 46	02 22 03 34	00 12 29 04	10 24 07 37	08 27 16 57	4
5	03 18 11 23	05 12 16 16	03 27 28 48	03 00 35 44	07 20 26 32	03 15 38 03	08 21 15 04	02 22 00 23	00 12 29 26	10 24 06 22	08 27 15 36	5
6	03 19 08 51	05 26 42 33	03 28 06 53	03 01 03 28	07 20 25 24	03 16 52 05	08 21 11 24	02 21 57 13	00 12 29 46	10 24 05 06	08 27 14 16	6
7	03 20 06 20	06 10 46 09	03 28 44 58	03 01 37 42	07 20 24 27	03 18 06 07	08 21 07 49	02 21 54 02	00 12 30 02	10 24 03 49	08 27 12 56	7
8	03 21 03 49	06 24 26 06	03 29 23 03	03 02 18 26	07 20 23 41	03 19 20 09	08 21 04 16	02 21 50 51	00 12 30 16	10 24 02 31	08 27 11 38	8
9	03 22 01 19	07 07 43 23	04 00 01 08	03 03 05 35	07 20 23 07	03 20 34 13	08 21 00 48	02 21 47 40	00 12 30 26	10 24 01 11	08 27 10 20	9
10	03 22 58 50	07 20 40 19	04 00 39 13	03 03 59 03	07 20 22 43	03 21 48 18	08 20 57 23	02 21 44 30	00 12 30 34	10 23 59 50	08 27 09 03	10
11	03 23 56 21	08 03 19 51	04 01 17 19	03 04 58 42	07 20 22 31	03 23 02 23	08 20 54 02	02 21 41 19	00 12 30 38	10 23 58 29	08 27 07 46	11
12	03 24 53 54	08 15 45 08	04 01 55 24	03 06 04 24	मा07 20 22 30	03 24 16 30	08 20 50 45	02 21 38 08	00 12 30 40	10 23 57 06	08 27 06 31	12
13	03 25 51 27	08 27 59 07	04 02 33 29	03 07 15 56	07 20 22 40	03 25 30 37	08 20 47 32	02 21 34 57	00 12 30 39	10 23 55 42	08 27 05 17	13
14	03 26 49 01	09 10 04 23	04 03 11 35	03 08 33 05	07 20 23 02	03 26 44 45	08 20 44 23	02 21 31 46	व00 12 30 35	10 23 54 17	08 27 04 03	14
15	03 27 46 37	09 22 03 13	04 03 49 40	03 09 55 37	07 20 23 34	03 27 58 54	08 20 41 18	02 21 28 35	00 12 30 28	10 23 52 51	08 27 02 50	15
16	03 28 44 14	10 03 57 36	04 04 27 46	03 11 23 14	07 20 24 17	03 29 13 03	08 20 38 18	02 21 25 25	00 12 30 17	10 23 51 24	08 27 01 39	16
17	03 29 41 51	10 15 49 22	04 05 05 53	03 12 55 36	07 20 25 12	04 00 27 14	08 20 35 22	02 21 22 14	00 12 30 05	10 23 49 57	08 27 00 28	17
18	04 00 39 31	10 27 40 23	04 05 43 59	03 14 32 24	07 20 26 17	04 01 41 26	08 20 32 30	02 21 19 03	00 12 29 49	10 23 48 28	08 26 59 18	18
19	04 01 37 11	11 09 32 41	04 06 22 06	03 16 13 14	07 20 27 34	04 02 55 38	08 20 29 43	02 21 15 53	00 12 29 30	10 23 46 59	08 26 58 09	19
20	04 02 34 54	11 21 28 37	04 07 00 13	03 17 57 42	07 20 29 01	04 04 09 52	08 20 27 00	02 21 12 42	00 12 29 08	10 23 45 28	08 26 57 02	20
21	04 03 32 37	00 03 31 05	04 07 38 21	03 19 45 23	07 20 30 40	04 05 24 06	08 20 24 22	02 21 09 31	00 12 28 43	10 23 43 57	08 26 55 55	21
22	04 04 30 23	00 15 43 29	04 08 16 29	03 21 35 53	07 20 32 29	04 06 38 22	08 20 21 49	02 21 06 21	00 12 28 16	10 23 42 26	08 26 54 50	22
23	04 05 28 10	00 28 09 41	04 08 54 38	03 23 28 44	07 20 34 29	04 07 52 38	08 20 19 20	02 21 03 10	00 12 27 45	10 23 40 53	08 26 53 45	23
24	04 06 25 59	01 10 53 46	04 09 32 47	03 25 23 32	07 20 36 40	04 09 06 56	08 20 16 57	02 20 59 59	00 12 27 12	10 23 39 20	08 26 52 42	24
25	04 07 23 49	01 23 59 40	04 10 10 57	03 27 19 53	07 20 39 02	04 10 21 14	08 20 14 38	02 20 56 48	00 12 26 36	10 23 37 46	08. 26 51 40	25
26	04 08 21 41	02 07 30 46	04 10 49 07	03 29 17 24	07 20 41 34	04 11 35 33	08 20 12 24	02 20 53 37	00 12 25 56	10 23 36 11	08 26 50 39	26
27	04 09 19 35	02 21 29 09	04 11 27 18	04 01 15 43	07 20 44 18	04 12 49 53	08 20 10 16	02 20 50 27	00 12 25 15	10 23 34 36	08 26 49 40	27
28	04 10 17 31	03 05 54 45	04 12 05 29	04 03 14 31	07 20 47 12	04 14 04 15	08 20 08 12	02 20 47 16	00 12 24 30	10 23 33 01	08 26 48 41	28
29	04 11 15 29	03 20 44 36	04 12 43 40	04 05 13 32	07 20 50 16	04 15 18 36	08 20 06 14	02 20 44 05	00 12 23 42	10 23 31 25	08 26 47 44	29
30	04 12 13 28	04 05 52 22	04 13 21 53	04 07 12 28	07 20 53 32	04 16 32 59	08 20 04 21	02 20 40 54	00 12 22 52	10 23 29 48	08 26 46 49	30
31	04 13 11 28	04 21 08 54	04 14 00 05	04 09 11 08	07 20 56 58	04 17 47 22	08 20 02 34	02 20 37 44	00 12 21 58	10 23 28 11	08 26 45 54	31

सितम्बर सन् 2019 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°।07'।37''

ता.	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि (वक्री)	राहु	यूरेनस (वक्री)	नेपच्यून (वक्री)	प्लूटो (वक्री)	ता.
सितं.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	सितं.
1	04 14 09 30	05 06 23 23	04 14 38 18	04 11 09 20	07 21 00 34	04 19 01 46	08 20 00 52	02 20 34 33	00 12 21 02	10 23 26 33	08 26 45 01	1
2	04 15 07 34	05 21 25 15	04 15 16 32	04 13 06 54	07 21 04 21	04 20 16 11	08 19 59 15	02 20 31 22	00 12 20 04	10 23 24 55	08 26 44 09	2
3	04 16 05 39	06 06 05 54	04 15 54 46	04 15 03 42	07 21 08 18	04 21 30 36	08 19 57 44	02 20 28 12	00 12 19 02	10 23 23 17	08 26 43 19	3
4	04 17 03 46	06 20 19 53	04 16 33 01	04 16 59 39	07 21 12 25	04 22 45 01	08 19 56 18	02 20 25 01	00 12 17 58	10 23 21 39	08 26 42 30	4
5	04 18 01 54	07 04 05 13	04 17 11 16	04 18 54 40	07 21 16 42	04 23 59 28	08 19 54 58	02 20 21 50	00 12 16 51	10 23 20 00	08 26 41 43	5
6	04 19 00 04	07 17 22 50	04 17 49 31	04 20 48 39	07 21 21 10	04 25 13 54	08 19 53 44	02 20 18 39	00 12 15 42	10 23 18 21	08 26 40 57	6
7	04 19 58 15	08 00 15 46	04 18 27 47	04 22 41 35	07 21 25 48	04 26 28 21	08 19 52 35	02 20 15 29	00 12 14 30	10 23 16 42	08 26 40 12	7
8	04 20 56 28	08 12 48 09	04 19 06 04	04 24 33 25	07 21 30 35	04 27 42 48	08 19 51 32	02 20 12 18	00 12 13 15	10 23 15 03	08 26 39 29	8
9	04 21 54 42	08 25 04 31	04 19 44 21	04 26 24 08	07 21 35 33	04 28 57 16	08 19 50 35	02 20 09 07	00 12 11 58	10 23 13 24	08 26 38 48	9
10	04 22 52 57	09 07 09 15	04 20 22 38	04 28 13 43	07 21 40 40	05,00 11 44	08 19 49 44	02 20 05 56	00 12 10 38	10 23 11 45	08 26 38 08	10
11	04 23 51 14	09 19 06 17	04 21 00 56	05 00 02 09	07 21 45 56	05 01 26 12	08 19 48 58	02 20 02 45	00 12 09 16	10 23 10 05	08 26 37 29	11
12	04 24 49 33	10 00 58 57	04 21 39 15	05 01 49 28	07 21 51 23	05 02 40 41	08 19 48 18	02 19 59 35	00 12 07 52	10 23 08 26	08 26 36 52	12
13	04 25 47 53	10 12 49 54	04 22 17 34	05 03 35 38	07 21 56 58	05 03 55 10	08 19 47 44	02 19 56 24	00 12 06 25	10 23 06 47	08 26 36 17	13
14	04 26 46 15	10 24 41 13	04 22 55 54	05 05 20 41	07 22 02 43	05 05 09 39	08 19 47 15	02 19 53 14	00 12 04 56	10 23 05 08	08 26 35 43	14
15	04 27 44 39	11 06 34 33	04 23 34 14	05 07 04 38	07 22 08 38	05 06 24 09	08 19 46 52	02 19 50 03	00 12 03 24	10 23 03 29	08 26 35 11	15
16	04 28 43 05	11 18 31 19	04 24 12 35	05 08 47 29	07 22 14 41	05 07 38 39	08 19 46 36	02 19 46 52	00 12 01 50	10 23 01 50	08 26 34 41	16
17	04 29 41 33	00 00 32 56	04 24 50 57	05 10 29 15	07 22 20 54	05 08 53 09	08 19 46 25	02 19 43 42	00 12 00 14	10 23 00 12	08 26 34 12	17
18	05 00 40 03	00 12 41 07	04 25 29 20	05 12 09 58	07 22 27 15	05 10 07 40	08 19 46 20	02 19 40 31	00 11 58 35	10 22 58 34	08 26 33 44	18
19	05 01 38 35	00 24 58 03	04 26 07 44	05 13 49 38	07 22 33 46	05 11 22 11	म08 19 46 20	02 19 37 20	00 11 56 54	10 22 56 56	08 26 33 19	19
20	05 02 37 09	01 07 26 27	04 26 46 08	05 15 28 16	07 22 40 25	05 12 36 43	08 19 46 27	02 19 34 09	00 11 55 12	10 22 55 18	08 26 32 55	20
21	05 03 35 46	01 20 09 35	04 27 24 33	05 17 05 54	07 22 47 13	05 13 51 15	08 19 46 40	02 19 30 59	00 11 53 26	10 22 53 41	08 26 32 32	21
22	05 04 34 24	02 03 10 59	04 28 02 59	05 18 42 32	07 22 54 10	05 15 05 48	08 19 46 58	02 19 27 48	00 11 51 39	10 22 52 04	08 26 32 12	22
23	05 05 33 05	02 16 34 11	04 28 41 26	05 20 18 12	07 23 01 15	05 16 20 21	08 19 47 23	02 19 24 37	00 11 49 50	10 22 50 27	08 26 31 53	23
24	05 06 31 49	03 00 22 05	04 29 19 54	05 21 52 54	07 23 08 29	05 17 34 54	08. 19 47 53	02 19 21 26	00 11 47 59	10 22 48 51	08 26 31 35	24
25	05 07 30 34	03 14 36 02	04 29 58 23	05 23 26 38	07 23 15 52	05 18 49 28	08 19 48 29	02 19 18 15	00 11 46 06	10 22 47 16	08 26 31 20	25
26	05 08 29 21	03 29 14 59	05 00 36 53	05 24 59 26	07 23 23 23	05 20 04 02	08 19 49 11	02 19 15 05	00 11 44 11	10 22 45 41	08 26 31 06	26
27	05 09 28 11	04 14 14 34	05 01 15 24	05 26 31 17	07 23 31 02	05 21 18 36	08 19 49 59	02 19 11 54	00 11 42 13	10 22 44 06	08 26 30 54	27
28	05 10 27 03	04 29 27 06	05 01 53 55	05 28 02 13	07 23 38 49	05 22 33 11	08 19 50 53	02 19 08 43	00 11 40 15	10 22 42 32	08 26 30 43	28
29	05 11 25 57	05 14 42 19	05 02 32 27	05 29 32 12	07 23 46 45	05 23 47 46	08 19 51 53	02 19 05 33	00 11 38 14	10 22 40 59	08 26 30 34	29
30	05 12 24 53	05 29 49 04	05 03 11 00	06 01 01 16	07 23 54 48	05 25 02 21	08 19 52 59	02 19 02 22	00 11 36 11	10 22 39 27	08 26 30 27	30

अक्टूबर सन् 2019 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाइम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°।07'।40''

ता.	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	यूरेनस (वक्री)	नेपच्यून (वक्री)	प्लूटो (वक्री)	ता.
अक्ट.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	अक्ट.
1	05 13 23 51	06 14 37 17	05 03 49 34	06 02 29 24	07 24 02 59	05 26 16 56	08 19 54 11	02 18 59 11	00 11 34 07	10 22 37 55	08 26 30 22	1
2	05 14 22 51	06 28 59 40	05 04 28 09	06 03 56 35	07 24 11 19	05 27 31 31	08 19 55 29	02 18 56 01	00 11 32 02	10 22 36 24	08 26 30 19	2
3	05 15 21 52	07 12 52 31	05 05 06 45	06 05 22 48	07 24 19 46	05 28 46 07	08 19 56 52	02 18 52 50	00 11 29 54	10 22 34 54	08 26 30 17	3
4	05 16 20 56	07 26 15 36	05 05 45 21	06 06 48 03	07 24 28 20	06 00 00 42	08 19 58 22	02 18 49 39	00 11 27 46	10 22 33 25	08 26 30 18	4
5	05 17 20 01	08 09 11 25	05 06 23 58	06 08 12 17	07 24 37 02	06 01 15 18	08 19 59 57	02 18 46 28	00 11 25 35	10 22 31 57	08 26 30 20	5
6	05 18 19 08	08 21 44 10	05 07 02 36	06 09 35 31	07 24 45 51	06 02 29 53	08 20 01 38	02 18 43 17	00 11 23 24	10 22 30 30	मा08 26 30 24	6
7	05 19 18 17	09 03 58 53	05 07 41 15	06 10 57 41	07 24 54 48	06 03 44 28	08 20 03 25	02 18 40 07	00 11 21 11	10 22 29 03	08 26 30 29	7
8	05 20 17 28	09 16 00 46	05 08 19 55	06 12 18 45	07 25 03 52	06 04 59 03	08 20 05 18	02 18 36 56	00 11 18 56	10 22 27 38	08 26 30 36	8
9	05 21 16 40	09 27 54 44	05 08 58 35	06 13 38 41	07 25 13 03	06 06 13 38	08 20 07 16	02 18 33 45	00 11 16 41	10 22 26 14	08 26 30 46	9
10	05 22 15 54	10 09 45 09	05 09 37 17	06 14 57 25	07 25 22 20	06 07 28 13	08 20 09 20	02 18 30 34	00 11 14 24	10 22 24 50	08 26 30 57	10
11	05 23 15 10	10 21 35 37	05 10 15 59	06 16 14 53	07 25 31 45	06 08 42 47	08 20 11 30	02 18 27 24	00 11 12 06	10 22 23 28	08 26 31 09	11
12	05 24 14 28	11 03 28 59	05 10 54 42	06 17 31 01	07 25 41 17	06 09 57 22	08 20 13 45	02 18 24 13	00 11 09 47	10 22 22 07	08 26 31 24	12
13	05 25 13 48	11 15 27 16	05 11 33 27	06 18 45 43	07 25 50 55	06 11 11 56	08 20 16 06	02 18 21 03	00 11 07 28	10 22 20 47	08 26 31 40	13
14	05 26 13 10	11 27 31 50	05 12 12 12	06 19 58 55	07 26 00 39	06 12 26 30	08 20 18 32	02 18 17 52	00 11 05 07	10 22 19 29	08 26 31 58	14
15	05 27 12 34	00 09 43 39	05 12 50 58	06 21 10 28	07 26 10 30	06 13 41 04	08 20 21 04	02 18 14 41	00 11 02 45	10 22 18 11	08 26 32 18	15
16	05 28 12 00	00 22 03 29	05 13 29 45	06 22 20 15	07 26 20 28	06 14 55 38	08 20 23 41	02 18 11 31	00 11 00 22	10 22 16 55	08 26 32 40	16
17	05 29 11 28	01 04 32 17	05 14 08 34	06 23 28 07	07 26 30 32	06 16 10 12	08 20 26 24	02 18 08 20	00 10 57 59	10 22 15 40	08 26 33 03	17
18	06 00 10 58	01 17 11 18	05 14 47 23	06 24 33 55	07 26 40 42	06 17 24 46	08 20 29 12	02 18 05 09	00 10 55 35	10 22 14 26	08 26 33 28	18
19	06 01 10 31	02 00 02 17	05 15 26 14	06 25 37 26	07 26 50 58	06 18 39 20	08 20 32 06	02 18 01 58	00 10 53 10	10 22 13 14	08 26 33 55	19
20	06 02 10 06	02 13 07 28	05 16 05 05	06 26 38 28	07 27 01 20	06 19 53 54	08 20 35 05	02 17 58 47	00 10 50 45	10 22 12 03	08 26 34 24	20
21	06 03 09 43	02 26 29 21	05 16 43 58	06 27 36 45	07 27 11 49	06 21 08 28	08 20 38 09	02 17 55 36	00 10 48 19	10 22 10 53	08 26 34 55	21
22	06 04 09 23	03 10 10 18	05 17 22 53	06 28 32 02	07 27 22 23	06 22 23 03	08 20 41 19	02 17 52 26	00 10 45 52	10 22 09 45	08 26 35 27	22
23	06 05 09 05	03 24 11 53	05 18 01 48	06 29 23 59	07 27 33 03	06 23 37 37	08 20 44 34	02 17 49 15	00 10 43 26	10 22 08 39	08 26 36 01	23
24	06 06 08 49	04 08 34 04	05 18 40 44	07 00 12 15	07 27 43 48	06 24 52 11	08 20 47 54	02 17 46 04	00 10 40 58	10 22 07 33	08 26 36 37	24
25	06 07 08 35	04 23 14 26	05 19 19 42	07 00 56 27	07 27 54 40	06 26 06 45	08 20 51 19	02 17 42 54	00 10 38 31	10 22 06 30	08 26 37 14	25
26	06 08 08 23	05 08 07 45	05 19 58 41	07 01 36 09	07 28 05 37	06 27 21 20	08 20 54 49	02 17 39 43	00 10 36 03	10 22 05 27	08 26 37 53	26
27	06 09 08 14	05 23 06 18	05 20 37 41	07 02 10 51	07 28 16 39	06 28 35 54	08 20 58 25	02 17 36 32	00 10 33 35	10 22 04 27	08 26 38 34	27
28	06 10 08 07	06 08 00 48	05 21 16 41	07 02 40 02	07 28 27 47	06 29 50 28	08 21 02 06	02 17 33 21	00 10 31 07	10 22 03 28	08 26 39 17	28
29	06 11 08 01	06 22 42 03	05 21 55 44	07 03 03 10	07 28 39 00	07 01 05 02	08 21 05 51	02 17 30 11	00 10 28 39	10 22 02 30	08 26 40 02	29
30	06 12 07 58	07 07 02 23	05 22 34 47	07 03 19 37	07 28 50 18	07 02 19 36	08 21 09 42	02 17 27 00	00 10 26 11	10 22 01 35	08 26 40 48	30
31	06 13 07 56	07 20 56 53	05 23 13 51	व07 03 28 46	07 29 01 42	07 03 34 10	08 21 13 37	02 17 23 49	00 10 23 43	10 22 00 41	08 26 41 36	31

नवम्बर सन् 2019 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाइम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°।07'।43''

31	06 13 07 56	07 20 56 53	05 23 ...	07 03 19 37	07 28 50 18	07 02 19 36	08 21 09 42	02 17 27 00	00 10 26 11	10 22 01 35	08 26 40 48	30
				07 05 28 46	07 29 01 42	07 03 34 10	08 21 13 37	02 17 23 49	00 10 23 43	10 22 00 41	08 26 41 36	31

नवम्बर सन् 2019 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°।07'।43''

ता.	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध (वक्री)	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	यूरेनस (वक्री)	नेपच्यून (वक्री)	प्लूटो	ता.
नवं.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	नवं.
1	06 14 07 56	08 04 23 47	05 23 52 56	07 03 30 01	07 29 13 10	07 04 48 44	08 21 17 37	02 17 20 38	00 10 21 15	10 21 59 48	08 26 42 26	1
2	06 15.07 58	08 17 24 02	05 24 32 02	07 03 22 47	07 29 24 43	07 06 03 17	08 21 21 43	02 17 17 27	00 10 18 48	10 21 58 58	08 26 43 17	2
3	06 16 08 02	09 00 00 45	05 25 11 10	07 03 06 31	07 29 36 21	07 07 17 50	08 21 25 52	02 17 14 17	00 10 16 20	10 21 58 09	08 26 44 10	3
4	06 17 08 07	09 12 18 22	05 25 50 18	07 02 40 49	07 29 48 04	07 08 32 23	08 21 30 07	02 17 11 06	00 10 13 54	10 21 57 22	08 26 45 04	4
5	06 18 08 14	09 24 21 56	05 26 29 27	07 02 05 29	07 29 59 51	07 09 46 55	08 21 34 26	02 17 07 55	00 10 11 27	10 21 56 37	08 26 46 01	5
6	06 19 08 22	10 06 16 40	05 27 08 38	07 01 20 32	08 00 11 43	07 11 01 27	08 21 38 50	02 17 04 44	00 10 09 01	10 21 55 53	08 26 46 59	6
7	06 20 08 32	10 18 07 37	05 27 47 49	07 00 26 21	08 00 23 39	07 12 15 58	08 21 43 18	02 17 01 34	00 10 06 36	10 21 55 12	08 26 47 58	7
8	06 21 08 43	10 29 59 17	05 28 27 02	06 29 23 43	08 00 35 39	07 13 30 29	08 21 47 50	02 16 58 23	00 10 04 12	10 21 54 32	08 26 48 59	8
9	06 22 08 56	11 11 55 29	05 29 06 16	06 28 13 49	08 00 47 44	07 14 45 00	08 21 52 27	02 16 55 12	00 10 01 48	10 21 53 54	08 26 50 02	9
10	06 23 09 10	11 23 59 11	05 29 45 31	06 26 58 23	08 00 59 52	07 15 59 30	08 21 57 09	02 16 52 02	00 09 59 24	10 21 53 18	08 26 51 06	10
11	06 24 09 26	00 06 12 29	06 00 24 47	06 25 39 28	08 01 12 05	07 17 13 59	08 22 01 54	02 16 48 51	00 09 57 02	10 21 52 43	08 26 52 12	11
12	06 25 09 44	00 18 36 38	06 01 04 04	06 24 19 31	08 01 24 22	07 18 28 28	08 22 06 44	02 16 45 40	00 09 54 40	10 21 52 11	08 26 53 20	12
13	06 26 10 03	01 01 12 09	06 01 43 22	06 23 01 08	08 01 36 42	07 19 42 57	08 22 11 38	02 16 42 29	00 09 52 20	10 21 51 41	08 26 54 29	13
14	06 27 10 25	01 13 59 06	06 02 22 42	06 21 46 51	08 01 49 06	07 20 57 25	08 22 16 36	02 16 39 18	00 09 50 00	10 21 51 12	08 26 55 39	14
15	06 28 10 47	01 26 57 23	06 03 02 03	06 20 39 04	08 02 01 34	07 22 11 53	08 22 21 38	02 16 36 08	00 09 47 42	10 21 50 45	08 26 56 51	15
16	06 29 11 12	02 10 06 54	06 03 41 25	06 19 39 47	08 02 14 06	07 23 26 21	08 22 26 44	02 16 32 57	00 09 45 24	10 21 50 21	08 26 58 04	16
17	07 00 11 39	02 23 27 49	06 04 20 49	06 18 50 33	08 02 26 41	07 24 40 48	08 22 31 54	02 16 29 46	00 09 43 08	10 21 49 58	08 26 59 19	17
18	07 01 12 07	03 07 00 35	06 05 00 14	06 18 12 24	08 02 39 20	07 25 55 15	08 22 37 08	02 16 26 35	00 09 40 53	10 21 49 37	08 27 00 36	18
19	07 02 12 37	03 20 45 44	06 05 39 40	06 17 45 52	08 02 52 02	07 27 09 41	08 22 42 26	02 16 23 24	00 09 38 39	10 21 49 19	08 27 01 53	19
20	07 03 13 09	04 04 43 36	06 06 19 08	मा06 17 31 02	08 03 04 48	07 28 24 07	08 22 47 47	02 16 20 13	00 09 36 26	10 21 49 02	08 27 03 13	20
21	07 04 13 43	04 18 53 45	06 06 58 36	06 17 27 39	08 03 17 36	07 29 38 33	08 22 53 12	02 16 17 03	00 09 34 15	10 21 48 47	08 27 04 33	21
22	07 05 14 18	05 03 14 34	06 07 38 07	06 17 35 10	08 03 30 28	08 00 52 59	08 22 58 41	02 16 13 52	00 09 32 06	10 21 48 35	08 27 05 55	22
23	07 06 14 56	05 17 42 55	06 08 17 38	06 17 52 50	08 03 43 23	08 02 07 24	08 23 04 13	02 16 10 41	00 09 29 57	10 21 48 24	08 27 07 18	23
24	07 07 15 34	06 02 14 05	06 08 57 11	06 18 19 50	08 03 56 21	08 03 21 48	08 23 09 49	02 16 07 30	00 09 27 51	10 21 48 15	08 27 08 43	24
25	07 08 16 15	06 16 42 13	06 09 36 45	06 18 55 15	08 04 09 22	08 04 36 13	08 23 15 29	02 16 04 20	00 09 25 46	10 21 48 09	08 27 10 09	25
26	07 09 16 57	07 01 01 00	06 10 16 21	06 19 38 13	08 04 22 26	08 05 50 37	08 23 21 12	02 16 01 09	00 09 23 43	10 21 48 04	08 27 11 36	26
27	07 10 17 41	07 15 04 38	06 10 55 57	06 20 27 51	08 04 35 32	08 07 05 00	08 23 26 58	02 15 57 58	00 09 21 41	10 21 48 02	08 27 13 05	27
28	07 11 18 26	07 28 48 43	06 11 35 35	06 21 23 22	08 04 48 42	08 08 19 23	08 23 32 48	02 15 54 47	00 09 19 42	10 21 48 02	08 27 14 35	28
29	07 12 19 12	08 12 10 45	06 12 15 14	06 22 24 00	08 05 01 53	08 09 33 45	08 23 38 40	02 15 51 36	00 09 17 44	10 21 48 03	08 27 16 06	29
30	07 13 19 59	08 25 10 20	06 12 54 54	06 23 29 06	08 05 15 08	08 10 48 07	08 23 44 36	02 15 48 25	00 09 15 48	मा10 21 48 07	08 27 17 38	30

दिसम्बर सन् 2019 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°।07'।48''

ता.	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	यूरेनस (वक्री)	नेपच्यून	प्लूटो	ता.
दिस.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	दिस.
1	07 14 20 47	09 07 48 53	06 13 34 35	06 24 38 03	08 05 28 24	08 12 02 28	08 23 50 35	02 15 45 15	00 09 13 54	10 21 48 13	08 27 19 12	1
2	07 15 21 37	09 20 09 23	06 14 14 17	06 25 50 20	08 05 41 43	08 13 16 48	08 23 56 37	02 15 42 04	00 09 12 03	10 21 48 21	08 27 20 47	2
3	07 16 22 27	10 02 15 46	06 14 54 01	06 27 05 28	08 05 55 04	08 14 31 06	08 24 02 42	02 15 38 53	00 09 10 13	10 21 48 31	08 27 22 23	3
4	07 17 23 18	10 14 12 40	06 15 33 46	06 28 23 05	08 06 08 27	08 15 45 24	08 24 08 50	02 15 35 42	00 09 08 25	10 21 48 43	08 27 24 00	4
5	07 18 24 10	10 26 04 58	06 16 13 31	06 29 42 47	08 06 21 52	08 16 59 41	08 24 15 00	02 15 32 31	00 09 06 40	10 21 48 58	08 27 25 38	5
6	07 19 25 03	11 07 57 35	06 16 53 18	07 01 04 17	08 06 35 19	08 18 13 57	08 24 21 13	02 15 29 21	00 09 04 57	10 21 49 14	08 27 27 17	6
7	07 20 25 56	11 19 55 08	06 17 33 07	07 02 27 20	08 06 48 48	08 19 28 12	08 24 27 29	02 15 26 10	00 09 03 16	10 21 49 33	08 27 28 57	7
8	07 21 26 51	00 02 01 42	06 18 12 56	07 03 51 42	08 07 02 19	08 20 42 25	08 24 33 48	02 15 22 59	00 09 01 37	10 21 49 53	08 27 30 38	8
9	07 22 27 46	00 14 20 36	06 18 52 46	07 05 17 12	08 07 15 51	08 21 56 37	08 24 40 08	02 15 19 49	00 09 00 01	10 21 50 16	08 27 32 20	9
10	07 23 28 42	00 26 54 14	06 19 32 38	07 06 43 40	08 07 29 25	08 23 10 48	08 24 46 32	02 15 16 38	00 08 58 27	10 21 50 40	08 27 34 04	10
11	07 24 29 39	01 09 43 55	06 20 12 31	07 08 10 58	08 07 43 00	08 24 24 58	08 24 52 58	02 15 13 27	00 08 56 55	10 21 51 07	08 27 35 48	11
12	07 25 30 36	01 22 49 54	06 20 52 26	07 09 38 58	08 07 56 37	08 25 39 06	08 24 59 26	02 15 10 16	00 08 55 26	10 21 51 36	08 27 37 33	12
13	07 26 31 35	02 06 11 24	06 21 32 21	07 11 07 36	08 08 10 15	08 26 53 13	08 25 05 56	02 15 07 05	00 08 54 00	10 21 52 07	08 27 39 19	13
14	07 27 32 34	02 19 46 49	06 22 12 18	07 12 36 45	08 08 23 54	08 28 07 19	08 25 12 28	02 15 03 54	00 08 52 36	10 21 52 40	08 27 41 06	14
15	07 28 33 34	03 03 34 01	06 22 52 17	07 14 06 23	08 08 37 35	08 29 21 23	08 25 19 03	02 15 00 43	00 08 51 14	10 21 53 14	08 27 42 54	15
16	07 29 34 35	03 17 30 36	06 23 32 17	07 15 36 26	08 08 51 17	09 00 35 26	08 25 25 40	02 14 57 32	00 08 49 55	10 21 53 51	08 27 44 42	16
17	08 00 35 37	04 01 34 09	06 24 12 18	07 17 06 50	08 09 05 00	09 01 49 28	08 25 32 18	02 14 54 22	00 08 48 39	10 21 54 30	08 27 46 31	17
18	08 01 36 40	04 15 42 24	06 24 52 21	07 18 37 34	08 09 18 44	09 03 03 28	08 25 38 59	02 14 51 11	00 08 47 25	10 21 55 11	08 27 48 22	18
19	08 02 37 44	04 29 53 10	06 25 32 25	07 20 08 36	08 09 32 29	09 04 17 26	08 25 45 41	02 14 48 00	00 08 46 14	10 21 55 54	08 27 50 12	19
20	08 03 38 49	05 14 04 21	06 26 12 30	07 21 39 55	08 09 46 15	09 05 31 23	08 25 52 26	02 14 44 49	00 08 45 06	10 21 56 39	08 27 52 04	20
21	08 04 39 55	05 28 13 44	06 26 52 37	07 23 11 29	08 10 00 01	09 06 45 19	08 25 59 12	02 14 41 39	00 08 44 00	10 21 57 26	08 27 53 56	21
22	08 05 41 01	06 12 18 53	06 27 32 45	07 24 43 18	08 10 13 49	09 07 59 13	08 26 05 59	02 14 38 28	00 08 42 58	10 21 58 15	08 27 55 49	22
23	08 06 42 09	06 26 17 13	06 28 12 54	07 26 15 22	08 10 27 37	09 09 13 06	08 26 12 49	02 14 35 17	00 08 41 58	10 21 59 06	08 27 57 43	23
24	08 07 43 17	07 10 06 02	06 28 53 05	07 27 47 40	08 10 41 25	09 10 26 56	08 26 19 40	02 14 32 06	00 08 41 01	10 21 59 59	08 27 59 37	24
25	08 08 44 25	07 23 42 44	06 29 33 17	07 29 20 12	08 10 55 14	09 11 40 46	08 26 26 32	02 14 28 55	00 08 40 07	10 22 00 54	08 28 01 32	25
26	08 09 45 34	08 07 05 06	07 00 13 30	08 00 52 58	08 11 09 04	09 12 54 33	08 26 33 26	02 14 25 44	00 08 39 16	10 22 01 51	08 28 03 28	26
27	08 10 46 44	08 20 11 35	07 00 53 45	08 02 25 59	08 11 22 53	09 14 08 18	08 26 40 21	02 14 22 34	00 08 38 28	10 22 02 50	08 28 05 24	27
28	08 11 47 53	09 03 01 32	07 01 34 00	08 03 59 14	08 11 36 43	09 15 22 02	08 26 47 17	02 14 19 23	00 08 37 43	10 22 03 51	08 28 07 20	28
29	08 12 49 03	09 15 35 19	07 02 14 17	08 05 32 45	08 11 50 33	09 16 35 43	08 26 54 15	02 14 16 12	00 08 37 00	10 22 04 53	08 28 09 17	29
30	08 13 50 13	09 27 54 25	07 02 54 35	08 07 06 31	08 12 04 23	09 17 49 21	08 27 01 13	02 14 13 01	00 08 36 21	10 22 05 58	08 28 11 15	30
31	08 14 51 23	10 10 01 15	07 03 34 54	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

जनवरी सन् 2020 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°107'153''

ता.	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	यूरेनस (वक्री)	नेपच्यून	प्लूटो	ता.
जन.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	जन.
1	08 15 52 33	10 21 59 08	07 04 15 14	08 10 14 55	08 12 32 02	09 20 16 32	08 27 15 14	02 14 06 39	00 08 35 12	10 22 08 13	08 28 15 11	1
2	08 16 53 43	11 03 52 00	07 04 55 35	08 11 49 33	08 12 45 51	09 21 30 03	08 27 22 15	02 14 03 29	00 08 34 42	10 22 09 23	08 28 17 09	2
3	08 17 54 53	11 15 44 18	07 05 35 57	08 13 24 31	08 12 59 40	09 22 43 31	08 27 29 17	02 14 00 18	00 08 34 15	10 22 10 35	08 28 19 08	3
4	08 18 56 02	11 27 40 47	07 06 16 21	08 14 59 48	08 13 13 29	09 23 56 57	08 27 36 20	02 13 57 07	00 08 33 51	10 22 11 49	08 28 21 08	4
5	08 19 57 11	00 09 46 11	07 06 56 46	08 16 35 26	08 13 27 17	09 25 10 19	08 27 43 24	02 13 53 57	00 08 33 30	10 22 13 04	08 28 23 07	5
6	08 20 58 20	00 22 04 58	07 07 37 11	08 18 11 26	08 13 41 04	09 26 23 38	08 27 50 28	02 13 50 46	00 08 33 13	10 22 14 21	08 28 25 07	6
7	08 21 59 28	01 04 40 59	07 08 17 38	08 19 47 48	08 13 54 50	09 27 36 54	08 27 57 32	02 13 47 35	00 08 32 58	10 22 15 40	08 28 27 07	7
8	08 23 00 36	01 17 37 11	07 08 58 07	08 21 24 34	08 14 08 36	09 28 50 07	08 28 04 38	02 13 44 24	00 08 32 46	10 22 17 01	08 28 29 07	8
9	08 24 01 44	02 00 55 10	07 09 38 36	08 23 01 44	08 14 22 21	10 00 03 16	08 28 11 43	02 13 41 13	00 08 32 38	10 22 18 24	08 28 31 07	9
10	08 25 02 52	02 14 34 56	07 10 19 07	08 24 39 19	08 14 36 06	10 01 16 22	08 28 18 49	02 13 38 02	00 08 32 33	10 22 19 48	08 28 33 07	10
11	08 26 03 59	02 28 34 40	07 10 59 39	08 26 17 20	08 14 49 49	10 02 29 24	08 28 25 55	02 13 34 51	00 08 32 31	10 22 21 13	08 28 35 08	11
12	08 27 05 06	03 12 50 40	07 11 40 13	08 27 55 47	08 15 03 31	10 03 42 23	08 28 33 01	02 13 31 40	मा00 08 32 32	10 22 22 41	08 28 37 09	12
13	08 28 06 13	03 27 17 52	07 12 20 47	08 29 34 41	08 15 17 12	10 04 55 18	08 28 40 08	02 13 28 30	00 08 32 36	10 22 24 10	08 28 39 09	13
14	08 29 07 20	04 11 50 19	07 13 01 24	09 01 14 03	08 15 30 52	10 06 08 09	08 28 47 14	02 13 25 19	00 08 32 43	10 22 25 40	08 28 41 10	14
15	09 00 08 27	04 26 22 08	07 13 42 01	09 02 53 53	08 15 44 30	10 07 20 56	08 28 54 21	02 13 22 08	00 08 32 53	10 22 27 13	08 28 43 11	15
16	09 01 09 33	05 10 48 07	07 14 22 40	09 04 34 11	08 15 58 08	10 08 33 39	08 29 01 27	02 13 18 57	00 08 33 07	10 22 28 46	08 28 45 11	16
17	09 02 10 39	05 25 04 19	07 15 03 20	09 06 14 56	08 16 11 44	10 09 46 18	08 29 08 33	02 13 15 47	00 08 33 24	10 22 30 21	08 28 47 12	17
18	09 03 11 45	06 09 08 14	07 15 44 02	09 07 56 09	08 16 25 18	10 10 58 54	08 29 15 39	02 13 12 36	00 08 33 43	10 22 31 58	08 28 49 12	18
19	09 04 12 51	06 22 58 34	07 16 24 45	09 09 37 47	08 16 38 51	10 12 11 25	08 29 22 45	02 13 09 25	00 08 34 06	10 22 33 36	08 28 51 12	19
20	09 05 13 57	07 06 35 03	07 17 05 29	09 11 19 51	08 16 52 22	10 13 23 52	08 29 29 50	02 13 06 14	00 08 34 33	10 22 35 16	08 28 53 13	20
21	09 06 15 02	07 19 57 55	07 17 46 14	09 13 02 17	08 17 05 51	10 14 36 14	08 29 36 56	02 13 03 04	00 08 35 02	10 22 36 57	08 28 55 13	21
22	09 07 16 07	08 03 07 45	07 18 27 01	09 14 45 03	08 17 19 19	10 15 48 32	08 29 44 00	02 12 59 53	00 08 35 34	10 22 38 40	08 28 57 13	22
23	09 08 17 11	08 16 05 03	07 19 07 48	09 16 28 07	08 17 32 45	10 17 00 46	08 29 51 04	02 12 56 42	00 08 36 10	10 22 40 24	08 28 59 12	23
24	09 09 18 15	08 28 50 19	07 19 48 37	09 18 11 25	08 17 46 08	10 18 12 54	08 29 58 08	02 12 53 31	00 08 36 49	10 22 42 09	08 29 01 11	24
25	09 10 19 18	09 11 23 58	07 20 29 27	09 19 54 50	08 17 59 30	10 19 24 58	09 00 05 10	02 12 50 20	00 08 37 30	10 22 43 56	08 29 03 10	25
26	09 11 20 20	09 23 46 33	07 21 10 18	09 21 38 18	08 18 12 49	10 20 36 57	09 00 12 12	02 12 47 09	00 08 38 15	10 22 45 44	08 29 05 09	26
27	09 12 21 22	10 05 58 55	07 21 51 10	09 23 21 40	08 18 26 06	10 21 48 51	09 00 19 13	02 12 43 58	00 08 39 03	10 22 47 34	08 29 07 08	27
28	09 13 22 22	10 18 02 25	07 22 32 03	09 25 04 48	08 18 39 20	10 23 00 39	09 00 26 14	02 12 40 48	00 08 39 55	10 22 49 24	08 29 09 06	28
29	09 14 23 22	10 29 58 57	07 23 12 57	09 26 47 31	08 18 52 32	10 24 12 21	09 00 33 13	02 12 37 37	00 08 40 49	10 22 51 16	08 29 11 03	29
30	09 15 24 20	11 11 51 12	07 23 53 52	09 28 29 36	08 19 05 41	10 25 23 57	09 00 40 11	02 12 34 26	00 08 41 46	10 22 53 09	08 29 13 00	30
31	09 16 25 17	11 23 42 29	07 24 34 48	10 00 10 47	08 19 18 48	10 26 35 28	09 00 47 08	02 12 31 16	00 08 42 47	10 22 55 03	08 29 14 57	31

फरवरी सन् 2020 ई. प्रात:कालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°।07'।58''

ता.	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	यूरेनस	नेपच्यून	प्लूटो	ता.
फर.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	फर.
1	09 17 26 13	00 05 36 53	07 25 15 45	10 01 50 48	08 19 31 52	10 27 46 52	09 00 54 03	02 12 28 05	00 08 43 50	10 22 56 59	08 29 16 53	1
2	09 18 27 08	00 17 38 54	07 25 56 44	10 03 29 17	08 19 44 53	10 28 58 09	09 01 00 58	02 12 24 54	00 08 44 56	10 22 58 55	08 29 18 48	2
3	09 19 28 01	00 29 53 25	07 26 37 43	10 05 05 51	08 19 57 51	11 00 09 20	09 01 07 51	02 12 21 43	00 08 46 06	10 23 00 53	08 29 20 43	3
4	09 20 28 53	01 12 25 15	07 27 18 43	10 06 40 03	08 20 10 46	11 01 20 24	09 01 14 42	02 12 18 33	00 08 47 18	10 23 02 51	08 29 22 38	4
5	09 21 29 44	01 25 18 47	07 27 59 44	10 08 11 23	08 20 23 38	11 02 31 21	09 01 21 32	02 12 15 22	00 08 48 33	10 23 04 51	08 29 24 32	5
6	09 22 30 33	02 08 37 30	07 28 40 46	10 09 39 18	08 20 36 27	11 03 42 11	09 01 28 21	02 12 12 11	00 08 49 51	10 23 06 51	08 29 26 25	6
7	09 23 31 21	02 22 23 15	07 29 21 50	10 11 03 11	08 20 49 12	11 04 52 53	09 01 35 08	02 12 09 00	00 08 51 12	10 23 08 53	08 29 28 17	7
8	09 24 32 07	03 06 35 35	08 00 02 54	10 12 22 21	08 21 01 54	11 06 03 28	09 01 41 53	02 12 05 49	00 08 52 36	10 23 10 55	08 29 30 09	8
9	09 25 32 53	03 21 11 07	08 00 44 00	10 13 36 06	08 21 14 33	11 07 13 55	09 01 48 37	02 12 02 39	00 08 54 03	10 23 12 59	08 29 32 00	9
10	09 26 33 36	04 06 03 36	08 01 25 07	10 14 43 41	08 21 27 08	11 08 24 14	09 01 55 18	02 11 59 28	00 08 55 33	10 23 15 03	08 29 33 50	10
11	09 27 34 19	04 21 04 32	08 02 06 15	10 15 44 23	08 21 39 40	11 09 34 24	09 02 01 58	02 11 56 17	00 08 57 05	10 23 17 08	08 29 35 40	11
12	09 28 35 01	05 06 04 28	08 02 47 24	10 16 37 24	08 21 52 08	11 10 44 27	09 02 08 36	02 11 53 06	00 08 58 41	10 23 19 14	08 29 37 29	12
13	09 29 35 41	05 20 54 33	08 03 28 35	10 17 22 04	08 22 04 32	11 11 54 21	09 02 15 12	02 11 49 56	00 09 00 19	10 23 21 21	08 29 39 17	13
14	10 00 36 20	06 05 27 55	08 04 09 47	10 17 57 41	08 22 16 52	11 13 04 06	09 02 21 46	02 11 46 45	00 09 01 59	10 23 23 28	08 29 41 04	14
15	10 01 36 58	06 19 40 21	08 04 50 59	10 18 23 43	08 22 29 09	11 14 13 42	09 02 28 18	02 11 43 34	00 09 03 43	10 23 25 36	08 29 42 50	15
16	10 02 37 35	07 03 30 22	08 05 32 14	10 18 39 41	08 22 41 22	11 15 23 10	09 02 34 47	02 11 40 23	00 09 05 29	10 23 27 45	08 29 44 36	16
17	10 03 38 11	07 16 58 41	08 06 13 29	व10 18 45 19	08 22 53 30	11 16 32 29	09 02 41 15	02 11 37 13	00 09 07 18	10 23 29 55	08 29 46 20	17
18	10 04 38 46	08 00 07 25	08 06 54 45	10 18 40 30	08 23 05 34	11 17 41 38	09 02 47 40	02 11 34 02	00 09 09 09	10 23 32 05	08 29 48 04	18
19	10 05 39 19	08 12 59 19	08 07 36 02	10 18 25 22	08 23 17 34	11 18 50 38	09 02 54 03	02 11 30 51	00 09 11 04	10 23 34 16	08 29 49 46	19
20	10 06 39 51	08 25 37 15	08 08 17 21	10 18 00 16	08 23 29 30	11 19 59 28	09 03 00 23	02 11 27 40	00 09 13 00	10 23 36 28	08 29 51 28	20
21	10 07 40 22	09 08 03 47	08 08 58 40	10 17 25 48	08 23 41 21	11 21 08 08	09 03 06 41	02 11 24 29	00 09 15 00	10 23 38 40	08 29 53 09	21
22	10 08 40 51	09 20 21 00	08 09 40 00	10 16 42 53	08 23 53 07	11 22 16 38	09 03 12 56	02 11 21 19	00 09 17 02	10 23 40 53	08 29 54 48	22
23	10 09 41 19	10 02 30 33	08 10 21 21	10 15 52 37	08 24 04 49	11 23 24 57	09 03 19 08	02 11 18 08	00 09 19 06	10 23 43 06	08 29 56 27	23
24	10 10 41 45	10 14 33 41	08 11 02 43	10 14 56 21	08 24 16 26	11 24 33 06	09 03 25 18	02 11 14 57	00 09 21 13	10 23 45 19	08 29 58 04	24
25	10 11 42 10	10 26 31 35	08 11 44 05	10 13 55 34	08 24 27 58	11 25 41 03	09 03 31 25	02 11 11 47	00 09 23 23	10 23 47 33	08 29 59 40	25
26	10 12 42 32	11 08 25 27	08 12 25 28	10 12 51 54	08 24 39 25	11 26 48 49	09 03 37 29	02 11 08 36	00 09 25 34	10 23 49 48	09 00 01 16	26
27	10 13 42 53	11 20 16 56	08 13 06 52	10 11 46 58	08 24 50 47	11 27 56 23	09 03 43 30	02 11 05 25	00 09 27 49	10 23 52 02	09 00 02 50	27
28	10 14 43 12	00 02 08 12	08 13 48 17	10 10 42 22	08 25 02 04	11 29 03 44	09 03 49 28	02 11 02 15	00 09 30 05	10 23 54 18	09 00 04 22	28
29	10 15 43 29	00 14 02 10	08 14 29 42	10 09 39 35	08 25 13 15	00 00 10 53	09 03 55 23	02 10 59 04	00 09 32 24	10 23 56 33	09 00 05 54	29

मार्च सन् 2020 ई. [illegible]

मार्च सन् 2020 ई. प्रातःकालीन भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम 5 घं. 30 मि. के दैनिक सूर्यादि स्पष्ट ग्रह, मासारंभे स्पष्ट अयनांशा 24°।08'।02''

ता.	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध (वक्री)	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	यूरेनस	नेपच्यून	प्लूटो	ता.
मार्च	रा. अं. क. वि.	रा. अ. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	मार्च
1	10 16 43 44	00 26 02 29	08 15 11 08	10 08 39 58	08 25 24 21	00 01 17 49	09 04 01 15	02 10 55 53	00 09 34 45	10 23 58 48	09 00 07 24	1
2	10 17 43 57	01 08 13 29	08 15 52 35	10 07 44 38	08 25 35 21	00 02 24 31	09 04 07 03	02 10 52 42	00 09 37 08	10 24 01 04	09 00 08 54	2
3	10 18 44 08	01 20 39 56	08 16 34 03	10 06 54 32	08 25 46 16	00 03 31 00	09 04 12 48	02 10 49 32	00 09 39 34	10 24 03 20	09 00 10 21	3
4	10 19 44 17	02 03 26 45	08 17 15 31	10 06 10 19	08 25 57 06	00 04 37 14	09 04 18 30	02 10 46 21	00 09 42 02	10 24 05 37	09 00 11 48	4
5	10 20 44 24	02 16 38 32	08 17 57 00	10 05 32 31	08 26 07 49	00 05 43 13	09 04 24 09	02 10 43 10	00 09 44 31	10 24 07 53	09 00 13 13	5
6	10 21 44 29	03 00 18 46	08 18 38 29	10 05 01 24	08 26 18 27	00 06 48 58	09 04 29 44	02 10 39 59	00 09 47 03	10 24 10 10	09 00 14 37	6
7	10 22 44 31	03 14 28 57	08 19 20 00	10 04 37 06	08 26 28 58	00 07 54 27	09 04 35 16	02 10 36 48	00 09 49 37	10 24 12 26	09 00 16 00	7
8	10 23 44 32	03 29 07 31	08 20 01 31	10 04 19 38	08 26 39 24	00 08 59 39	09 04 40 44	02 10 33 38	00 09 52 13	10 24 14 43	09 00 17 21	8
9	10 24 44 30	04 14 09 10	08 20 43 03	10 04 08 54	08 26 49 43	00 10 04 36	09 04 46 08	02 10 30 27	00 09 54 51	10 24 16 59	09 00 18 41	9
10	10 25 44 27	04 29 25 09	08 21 24 36	10 04 04 42	08 26 59 57	00 11 09 15	09 04 51 29	02 10 27 16	00 09 57 31	10 24 19 16	09 00 19 59	10
11	10 26 44 21	05 14 44 22	08 22 06 10	मा 10 04 06 48	08 27 10 04	00 12 13 37	09 04 56 46	02 10 24 06	00 10 00 13	10 24 21 32	09 00 21 17	11
12	10 27 44 14	05 29 55 20	08 22 47 45	10 04 14 55	08 27 20 05	00 13 17 41	09 05 02 00	02 10 20 55	00 10 02 56	10 24 23 49	09 00 22 32	12
13	10 28 44 05	06 14 48 14	08 23 29 20	10 04 28 46	08 27 29 59	00 14 21 28	09 05 07 09	02 10 17 44	00 10 05 42	10 24 26 05	09 00 23 46	13
14	10 29 43 55	06 29 16 20	08 24 10 56	10 04 48 01	08 27 39 47	00 15 24 55	09 05 12 15	02 10 14 34	00 10 08 29	10 24 28 21	09 00 24 59	14
15	11 00 43 42	07 13 16 35	08 24 52 34	10 05 12 22	08 27 49 28	00 16 28 04	09 05 17 17	02 10 11 23	00 10 11 18	10 24 30 37	09 00 26 11	15
16	11 01 43 28	07 26 49 10	08 25 34 11	10 05 41 31	08 27 59 02	00 17 30 53	09 05 22 15	02 10 08 12	00 10 14 09	10 24 32 53	09 00 27 20	16
17	11 02 43 13	08 09 56 35	08 26 15 50	10 06 15 10	08 28 08 30	00 18 33 22	09 05 27 08	02 10 05 01	00 10 17 02	10 24 35 09	09 00 28 29	17
18	11 03 42 55	08 22 42 36	08 26 57 29	10 06 53 01	08 28 17 50	00 19 35 30	09 05 31 58	02 10 01 50	00 10 19 56	10 24 37 24	09 00 29 36	18
19	11 04 42 36	09 05 11 27	08 27 39 09	10 07 34 50	08 28 27 04	00 20 37 17	09 05 36 43	02 09 58 40	00 10 22 52	10 24 39 40	09 00 30 41	19
20	11 05 42 15	09 17 27 12	08 28 20 49	10 08 20 22	08 28 36 10	00 21 38 42	09 05 41 24	02 09 55 29	00 10 25 49	10 24 41 54	09 00 31 45	20
21	11 06 41 52	09 29 33 27	08 29 02 29	10 09 09 21	08 28 45 09	00 22 39 45	09 05 46 01	02 09 52 18	00 10 28 48	10 24 44 09	09 00 32 47	21
22	11 07 41 28	10 11 33 12	08 29 44 10	10 10 01 37	08 28 54 00	00 23 40 24	09 05 50 34	02 09 49 07	00 10 31 49	10 24 46 23	09 00 33 47	22
23	11 08 41 01	10 23 28 45	09 00 25 51	10 10 56 58	08 29 02 44	00 24 40 40	09 05 55 02	02 09 45 57	00 10 34 51	10 24 48 37	09 00 34 46	23
24	11 09 40 33	11 05 21 51	09 01 07 32	10 11 55 11	08 29 11 21	00 25 40 31	09 05 59 25	02 09 42 46	00 10 37 54	10 24 50 50	09 00 35 44	24

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को सम्वत्सर फल श्रवण

अचिन्त्या व्यक्त रूपाय निर्गुणाय गुणात्मने। समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः॥1॥
विनायकं प्रणम्यादौ देवी वाग्देवतां गुरुम्। संवत्सर फलं वक्ष्ये लोकानां हितकाम्यया॥2॥

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को नूतन सम्वत्सर प्रारंभ होता है, उस दिन प्रत्येक घर पर ध्वज लगावें। तोरणादि से गृह सुशोभित करें, मंगल स्नान कर देवता, ब्राह्मण, गुरु की पूजा करें। स्त्रियां, शिशु आदि वस्त्र-आभूषण आदि धारण करके उत्सव मनावें, ज्योतिषी जी का सत्कार कर उनसे सम्वत्सर का फल श्रवण करें।

प्रातःकाल में कटु नीम के कोमल पत्ते और पुष्प लेकर उसमें कालीमिर्च, हींग, नमक (संधा), अजवायन, जीरा और खाण्ड मिलाकर चूर्ण बनावें, कुछ इमली मिलावें और वह भक्षण करें, इस प्रयोग से अनेक रोगों की शांति होती है।

संवत्सर के फल श्रवण का महात्म्य–चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को नव संवत् का वर्षफल किसी ब्राह्मण या ज्योतिषी द्वारा सुनें एवं गायत्री मंत्र "**ॐ भूर्भुवः स्वः सम्वत्सर अधिपति आवाहयामि पूजयामि च**" मंत्र का जप कर पूजन करें तथा पंचांगस्थ गणेश जी और ब्राह्मण ज्योतिषी की पूजा कर याचकों को दान मिष्ठान्नादि युक्त भोजन करवाकर उन्हें नव वर्ष पंचांग, वस्त्र, फल, मिठाई आदि दक्षिणा सहित यथाशक्ति दान देकर उनका आशीर्वाद ग्रहण करें, तदुपरांत सम्वत्सर फल रवण कर सम्पूर्ण दिन आनन्द पूर्वक व्यतीत करें, जैसे कहा है–

"**यश्चैव शुक्ल प्रतिपदे धीमान् शृणोति वार्षीय फल पवित्रं भवेद् धनाढ्यों बहुसस्य भोगो जहाश्च पीड़ां तनुजां च वार्षिकीम्॥**" अर्थात् जो व्यक्ति चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को इस पवित्र वर्षफल का श्रवण करता है, वह बहुत धन-धान्य से युक्त होता है और उसके अनेक दुःखों की निवृत्ति होती है। इस दिन से श्री राम नवमी तक श्री दुर्गा पूजन एवं पाठादि का भी विशेष महात्म्य होता है।

अथ युग व्यवस्था–(काल गणना) चारों युग एक हजार बार बीत जाने पर ब्रह्मा जी का एक दिन पूरा होता है। चतुर्युगी का मान 43,20,000 सौर वर्ष है। इस प्रकार 1000 चतुर्युगी बीत जाने पर ब्रह्मा जी का एक दिन होता है। ब्रह्माजी के एक दिन में 14 मन्वन्तर होते हैं। एक मन्वन्तर में 71 महायुग (चतुर्युगी) होती है। अब तक 6 मन्वन्तर के 26 महायुग बीत गये हैं और 27वां महायुग चल रहा है। इस महायुग में सतयुग, त्रेता, द्वापर बीत गये हैं। कलियुग की आयु 4,32,000 वर्ष है। इसमें 5120 वर्ष बीत गये हैं। ब्रह्माजी की आयु का 71वां वर्ष चल रहा है। प्रथम दिन का उदय होकर 13 घड़ी 42 पल 3 विपल 43 प्रतिपल बीत गये हैं।

चतुर्युगानां व्यवस्था

सतयुग–इसकी उत्पत्ति कार्तिक शुक्ल नवमी को हुई। इसकी आयु 17,28,000 वर्ष की थी। इसमें मत्स्य, कूर्म, वराह, नृसिंह यह चार अवतार हुए। मत्स्य जी ने वेदों का उद्धार किया, नृसिंह जी ने हिरण्यकश्यप का वध किया। इस युग में हर जाति अपने-अपने धर्म पर स्थिर थी। ब्राह्मण लोग वेदों के ज्ञाता और सत्य बोलने वाले तथा त्यागी होते थे। शाप और वरदान देने में समर्थ होते थे। क्षत्रिय अपने बाहुबल से संसार की मर्यादा को बांधे हुए थे। वैश्य व्यापार में तत्पर, सत्यवक्ता थे। शूद्र सेवा करते हुए अपने धर्म में तत्पर थे। समय पर वर्षा होती थी। फसलें अच्छी होती थीं। स्त्रियां पतिव्रता होती थीं। गौएं दूध अधिक देती थीं। मनुष्य की परमायुः 1,00,000 वर्ष, बाल्यावस्था 10,000 वर्ष, देह की लम्बाई 21 हाथ थी। पुण्य 20 विश्वे, पाप का नाम तक भी न था। सुवर्ण और रत्नादि का व्यवहार था और पुष्कर तीर्थ प्रधान था। सूर्य ग्रहण 20,000 और चन्द्रग्रहण 2,000 थे।

त्रेतायुग–वैशाख शुक्ल तृतीया को त्रेतायुग की उत्पत्ति हुई। इसकी आयु 12,96,000 वर्ष थी। इस युग में तीन अवतार–वामन, परशुराम, रामचन्द्र हुए। श्री वामन जी ने राजा बलि से तीन पैर पृथ्वी दान लेकर बाद में समस्त पृथ्वी को तीन पैर में नाप कर राजा बलि को पाताल का राज्य दिया। श्री परशुराम जी ने अभिमानी क्षत्रियों का 21 बार बध करके ब्राह्मण राज्य स्थापित किया था। श्री रामचन्द्र जी ने रावणादि राक्षसों का वध किया। मनुष्य की परमायुः 10,000 वर्ष और बाल्यावस्था 1,000 वर्ष थी। पुण्य 15 विश्वे, पाप 5 विश्वे था। पुरुष का देहमान 14 हाथ था, ब्राह्मण वेदों के ज्ञाता थे और किंचिन्नन्यून तपोनिष्ट त्यागी थी। वे शाप देने में समर्थ थे। स्त्रियां पतिव्रता थीं। सुवर्ण का सिक्का चलता था। सूर्य ग्रहण 20,000 और चन्द्रग्रहण 30,000 थे। तीर्थ नैमिषारण्य प्रधान था।

द्वापर युग–माघ कृष्ण 30 को द्वापर युग की उत्पत्ति हुई। इसकी आयु 8,64,000 वर्ष थी। इसमें 2 अवतार–श्री कृष्ण जी ने कंस, शिशुपालादि का वध किया और बलराम ने धर्म का उद्धार किया। पुरुष की परमायुः 1,000 वर्ष थी। बाल्यावस्था 100 वर्ष थी। पुरुष का देहमान 7 हाथ था। ब्राह्मण कुछ धर्म में तत्पर, कुछ सत्यवक्ता, कुछ झूठ भी बोलते थे। अपने धर्म-कर्म पर स्थित परन्तु लोभयुक्त थे। चांदी के सिक्के का व्यवहार अधिक था। कुरुक्षेत्र तीर्थ प्रधान था। पुण्य 10 विश्वे था। सूर्यग्रहण 24,000 और चन्द्रग्रहण 36,000 थे।

कलियुग–भाद्र कृष्ण 13 को कलियुग की उत्पत्ति हुई। इसकी आयु 4,32,000 वर्ष है। इसमें बुद्ध व कल्कि अवतार हैं। उनका काम धर्म का उद्धार करना है। मनुष्य की परमायु 120 वर्ष और बाल्यावस्था 10 वर्ष है। पुरुष का देहमान साढ़े तीन हाथ है। पुण्य 5 विश्वे, पाप 15 विश्वे है। गंगा तीर्थ प्रधान है। इस युग में मिट्टी के पात्र और पत्र व ताम्र का सिक्का व्यवहार में लाया जाएगा। सब जाति के लोग अपने धर्म से गिर जायेंगे। ब्राह्मण लोग वेदों से विमुख, तप, यज्ञादि धर्म-कर्म से विमुख, शाप देने में असमर्थ होंगे। क्षत्रिय लोग अपने धर्म को छोड़ देंगे। वैश्य लोग व्यवहार में खोटे होंगे। धूर्त विद्या की पूजा होगी। सूर्य और चन्द्रग्रहण 46,000 होंगे। सं. 2076 में कलियुग के 5120 वर्ष व्यतीत हो चुके हैं और शेष कलियुग के 4,26,880 वर्ष रह रहे हैं। कलियुग के अंत में सम्भल ग्राम में विष्णुयश नामक ब्राह्मण के घर में कल्कि अवतार होगा। कलियुग में नीच लोगों की पूजा होगी। अनेक कुकर्मों की वृद्धि होगी। व्यभिचारी स्त्रियां अपने को सती कहेंगी। पुरुष स्त्रियों के वश में चलेंगे। पिता कन्या को बेचेंगे। स्त्रियों को छोटी आयु में गर्भ होने लगेंगे। लोग गौ, ब्राह्मण की हत्या से भय नहीं करेंगे। संतान का माता-पिता के साथ धन के कारण ही प्रेम रहेगा। धर्म गौण व अर्थ प्रधान रहेगा। [illegible] तीर्थ [illegible] होगी। इति।

संवत् 2076 वि. मध्ये सम्वत्सर राजादि दशाधिकारी फलम्

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

वागीशाद्या सुमनसः सर्वार्थानामुपक्रमे। यं नत्वा कृतकृत्या स्युः तन्नमामि विनायकम्॥ तिथि वारं च नक्षत्रं योगं करण मेव च। पंचांगं शृणुते नित्य गंगा स्नान फलं लभेत्॥ तिथि आयुकरि प्रोक्ता नक्षत्रं पाप नाशनम्। वारं शत्रून् विनाशाय योगो वृद्धि शतानि च॥ करणं करोतु कल्याणं चन्द्रो लक्ष्मी दिने दिने। यशसो वर्द्धते नित्यं दिवाकरो भूमण्डले॥

अथ कल्पादि से गतवर्ष (गताव्य) 1955885120। तत्र कृत युग प्रमाणम् (सतयुग) 1728000। त्रेता युग प्रमाणम् 1296000। द्वापर युग प्रमाणम् 864000। कलियुग प्रमाणम् 432000। तन्मध्ये गत कलि 5120, भोग्य शेष कलि 426880। अथास्मिन शुभ संवत्सरे श्री मन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् 2076, शाके 1941। अथा अस्मिन वर्षे दशाधिकारीगण परिषद गणना। राजा शनिः। मंत्री रविः। सस्येशो भौमः। धान्येश चन्द्रः। मेघेशो शनिः। रसेशो गुरुः। नीरशेसो भौमः। फलेशो शनिः। धनेश भौमः। दुर्गेश शनिः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादि षष्ट्ब्दानां मध्य रुद्र विंशतिकायां 7 प्रमादी नामस्य: संवत्सरे प्रवर्तते। तस्य मेषाऽर्क समय गत मासादि 0।19।06।10, भोग्य मासादि 11।10।53।50 अग्निदैवतं युगम्। वर्षनाम ज्येष्ठ। चतुर्थ मेघनाम द्रोणः। रोहिणी निवासः तटे। समय निवास रजक गृहे। समय विश्वा 8। समय वाहन महिषः। स्तम्भ 3 जल तृणाक्ययुनाम्। सोमवत्या अमावस्या 2। सोमवती पंचमी 1। अंगारकी चतुर्थी 1। भानु सप्तमी 2। बुधाष्टमी 1। रविदशमी 2। समय मुहूर्तानि 375। समय दिनानि 353। तिथि क्षयः 17। तिथि वृद्धिः 10। उत्पत्ति विश्वा 93। खपति विश्वा 93। वर्षा विश्वा 17। धान्यम् 7। तृणं 13। शीतम् 7। तेजः 17। वायुः 13। वृद्धिः 15। क्षयः 15। विग्रह 11। ऐक्यम् 115। क्षुधा 5। तृष्णा 13। निद्रा 13। आलस्य 7। उद्यम 13। शांति 15। क्रोध 13। दण्ड 5। लोभ 3। मैत्री 15। उत्साह 11। उग्रत्व 7। रसोत्पत्ति 9। फलोत्पत्तिः 13। व्याधि 11। व्याधिनाश 11। आचार 17। अनाचार 15। मृत्यु 7। जन्म 13। चौर 5। उपशमन 1। अग्निभय 15। अग्निशमः 1। सत्यम् आधा (½)। धर्म डेढ़ (1½)। पाप 18। पुण्य 13। शनि दृष्टि पश्चिमायाम्। ग्रहण 2 सूर्यचन्द्रयो। उद्भिजः 9। जरायुजः 3। अण्डजः 11। स्वेदजः 5। इस वर्ष का फल उत्तम है। आगे गौ, प्रजा भाग्य प्रबल है।

अखिलेश्वर काल के कर्त्ता, अभियन्ता व लोक नायक, परमपिता परमात्मा की आज्ञा से चुने गये वर्ष के राजा-मंत्री आदि दशाधिकारियों का प्रभाव यूं तो न्यूनाधिक सर्वत्र होता है। तथापि राजा का प्रभाव भारत वर्ष मुकुटमणि कश्मीर व अफगानिस्तान में होता है। इसी प्रकार मंत्री का प्रभाव कलिंग में, सस्येश का विदर्भ देश में, धान्येश का नर्मदा तट व मध्य प्रदेश में, मेघेश का मगध देश में, रसेश का कौंकण व गोआ में, नीरसेश का उज्जैन, इन्दौर व मालवा देश में, फलेश का पश्चिमी भू-भाग व कश्मीरादि प्रदेशों में विशेष शुभाशुभ प्रभाव पड़ता है। धनेश व दुर्गेश का प्रभाव सर्वत्र समान रूप से पड़ता है।

अथ प्रमादी नाम संवत्सर फलम्

प्रमादी वत्सरे तत्र मध्य सस्यार्घ वृष्टयः।
प्रजाः कथं चिज्जीवंती समात्सर्याः क्षितीश्वराः।

प्रमादी नाम संवत्सर का फल-प्रमादी नाम संवत्सर से समयानुकूल वर्षा हो। अन्यादि का भाव मध्यम रहे। शासकों, राजकीय अधिकारियों तथा शासितों के मध्य वैर-विरोध होगा। जनता दुःखी रहे।

अथ राजा शनिः तस्य फलम्

शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः।
युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैः भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ॥

वर्ष के राजा शनि का फल-राजा शनि के प्रभाव से एक ही बार वर्षा होगी। रोगों का प्रकोप होने से प्रजा कष्ट में रहेगी। आतंकवाद बढ़ेगा। अघोषित युद्ध जैसी परिस्थितियां सृजित होंगी। भ्रष्टाचार बढ़ेगा। चौरी तथा तस्करी की घटनाओं में वृद्धि होगी। कई स्थानों पर खाद्यान्नों की उपलब्धता बाधित होगी। भुखमरी की घटनायें घटित होंगी।

अथ मंत्री सूर्यः तस्य फलम्

नृपभयं गदतोपि हि तस्करात्प्रचुरधान्य धनादि महीतले।
रसचयं हि समर्घतमं तदा रविरमात्य पदं हि समागतः ॥

वर्ष के मंत्री सूर्य का फल-वर्ष का मंत्री पद सूर्य देव को प्राप्त हुआ है। सरकारी नियन्त्रण बढ़ेगा। प्रशासनिक तथा वैधानिक कार्यवाही अधिक होगी। भ्रष्टाचार पर नियन्त्रण के दावों के बाद भी नये-नये कारनामे सामने आयेंगे। तस्करी बढ़ेगी। अन्न तथा रसकस का उत्पादन बढ़ेगा। घी, चीनी, गुड़ का स्टॉक लाभदायक बनेगा। समर्घता रहेगी।

अथ सस्येशो मंगलः तस्य फलम्

प्रथम धान्यपतौ धरणी सुते गजतुरंग खरोष्ट्रगवामपि ।
प्रभवदो बहुरोग धनोजलं न सम सौख्यकरं तुषधान्यहृत् ॥

वर्ष के सस्येश मंगल का फल-मंगल सस्येश होने के प्रभाव से हाथी, घोड़े, गधे, ऊंट, बैल, गाय आदि चौपाये पशुओं में किसी रोग का प्रकोप रहेगा। वर्षा में कमी रहेगी। जौं, गेहूं तथा धान की फसल नष्ट होगी। महंगाई बढ़े।

अथ धान्येशो चन्द्रः तस्य फलम्

चन्द्रे धान्याधिपे जाते प्रजावृद्धिः प्रजायते ।
गोधूमाः सर्षपाश्चैव गोषुक्षीरं तदाबहु ॥

धान्येश चन्द्र का फल-धान्येश चन्द्रमा के प्रभाव से प्रजा में अत्यधिक वृद्धि हो। मूंग, मोठ, बाजरा आदि शरद् ऋतु के धान्यों का उत्पादन बढ़ेगा। गेहूं, सरसों तथा दुग्ध उत्पादन में वृद्धि। समयानुकूल पर्याप्त वर्षा से नदियों, तालाबों में जल परिपूर्ण हो। प्रजा में खुशी।

अथ मेघेशो शनिः तस्य फलम्

रविसुते जलदस्यपतौ भवेद्विरलवृष्टिवती वसुधा तदा ।
मनसि तापकरो नृपतिः सदा विविधारोगयुता जनता मता॥

मेघेश शनि का फल-मेघेश शनि होने से वर्षा में कमी आयेगी। अतिवृष्टि, अनावृष्टि से फसल की हानि हो। शासक वर्ग में चिंता व्याप्त होगी। किसी रोग के प्रकोप से जनता पीड़ित एवं परेशान रहेगी।

अथ रसेशो गुरुः तस्य फलम्

यदि गुरुरसपौजनसौख्यदः कमलवन्ति सरांसि तृणानि च।
जनपदा द्विजपूजनतत्पराः गजसुवाजि रथोष्ट्रयुता नृपाः ॥

वर्ष के रसेश गुरु का फल-देवगुरु बृहस्पति के रसेश पद प्राप्त करने से भूसे तथा पशु आहारों की उत्पत्ति उत्तम रहेगी। पद-प्रतिष्ठा प्राप्त व्यक्तियों तथा राजनेताओं के वेतनमानों में वृद्धि होगी आर्थिक लाभ मिलेगा। बुद्धिजीवी वर्ग प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेगा।

अथ नीरसेशो मंगल तस्य फलम्

नीरसेशो यदाभौमः प्रवाल रक्त वाससाम् ।
रक्त चंदन ताम्राणामर्घ वृद्धिर्दिने दिने ॥

वर्ष के नीरसेश मंगल का फल-नीरशेष मंगल के प्रभाव से मूंगा, दाल, लाल रंग के वस्त्रों, लाल चन्दन, तांबा तथा अन्य लाल रंग की वस्तुओं में दिनोंदिन तेजी बनेगी।

अथ फलेशो शनिः तस्य फलम्

यदि शनिः फलपः फलहा भवेज्जनित पुष्पगणस्य द्रुमः सदा ।
हिमभयं वर तस्कर जन्तुभिर्जनपदो गदराशि महाकुलः॥

वर्ष के फलेश शनि का फल-शनि फलेश होने से बर्फ बारी से फलों की हानि होगी। फलदार वृक्षों के पुष्प व्यर्थ जायेंगे अर्थात् उनमें फल नहीं लगेंगे। हिमपात से हानि हो। किसी बीमारी का प्रकोप रहेगा। चोरी की घटनाओं में वृद्धि। महानगरों में जनसंख्या दबाव।

अथ धनेशो मंगल तस्य फलम्

असितमौल्यकरो धरणीसुतः शरदितापकरस्तुष धान्यहृत्।
सहसिमासि भवेद्विगुणं तदा नरपतिर्जन शोक विधायकः॥

वर्ष के धनेश मंगल का फल-मंगल धनेश होने से बाजार में तेजी-मंदी का तेज दौर चलेगा। स्थायित्व का अभाव रहेगा। जौ तथा गेहूं की फसल खराब होगी। मार्गशीर्ष मास में संग्रहित वस्तुओं को बेचने से अच्छा लाभ मिलेगा। राजनैतिक उथल-पुथल बढ़ेगी।

अथ दुर्गेशो शनिः तस्य फलम्

रविसुते गढ़पालिनी विग्रहे सकलदेश गताश्चलिता जनाः ।
विविध वैरि विशेपित नागराः कृषिधानं शलभैर्मुपितं भुवि ॥

वर्ष के दुर्गेश शनि का फल-विश्व जहां-तहां विग्रह बढ़ेंगे। जनता पलायन करने पर विवश होगी। विवादों से नागरिकों में परस्पर विरोध रहेगा। कृषि को कीटों तथा चूहों से नुकशान होगा।

अथ वर्षनाम् ज्येष्ठ तत्फलम्

ज्येष्ठाब्देधर्म मार्गस्थाः पीड्यन्ते सत्क्रिया धराः ।
न च वर्षति वै दैवो भवेत्सस्य विनाशनम् ॥

वर्षनाम ज्येष्ठ का फल-वर्षनाम ज्येष्ठ होने से सज्जन, विद्वान्, पंडित, ज्ञानी लोग पीड़ित व दुःखी रहेंगे। अल्पवृष्टि के योग से फसलों, अन्नादि की पैदावार में कमी होगी।

मेघनाम् द्रोणः तस्य फलम्-द्रोणे वर्षति सर्वदा-मेघनाम द्रोण होने से सर्वत्र समय पर व अनुकूल वर्षा होगी। जिससे पैदावार अच्छी हो। जनता सुखी रहे।

रोहिणी निवासो तटे तत्फलम्-तटेवृष्टिः सुशोभना-रोहिणी का वास तट पर होने से संवत् में उपयुक्त व अनुकूल वर्षा होगी। फसलों की पैदावार भी अति उत्तम होगी। प्रजा में सुख-साधनों व प्रसाधनों की वृद्धि होगी।

समय निवासो रजक गृहे तत्फलम्-रजकस्य शुभं नास्ति-समय का निवास रजक (धोबी) के घर होने से वर्षा समयानुकूल होती रहेगी।

आर्ष ज्ञान विचार-पूर्वाचार्यों ने संवत्सर फल के लिये वर्ष के चार स्तम्भों, जल, तृण, वायु तथा अन्न स्तम्भों पर विचार करने का निर्देश दिया है। सम्वत् 2076 में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा में जल स्तम्भ रेवती का 67.98 प्रतिशत मान, वैशाख शुक्ल प्रतिपदा में तृण स्तम्भ भरणी का 51.21 प्रतिशत मान, ज्येष्ठ शुक्ल प्रतिपदा में वायु स्तम्भ मृगशिरा का 61:85 प्रतिशत मान तथा आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा में पुनर्वसु के अन्न स्तम्भ का मान 72.63 प्रतिशत है।

जल स्तम्भ-चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तथा रेवती नक्षत्र के संयोग से जल स्तम्भ 67.98 प्रतिशत है। जलस्तर में कमी आयेगी। बांधों में जल का स्तर घटेगा। जल संकट पर नियन्त्रण करने के प्रयास निष्फल होंगे। जल के कारण होने वाले कष्टों तथा हानियों में वृद्धि होगी।

तृण स्तम्भ-वैशाख शुक्ल प्रतिपदा तथा भरणी नक्षत्र के संयोग से तृण स्तम्भ 51.21 प्रतिशत हैं। फलतः मानसून अनियमित रहेगा। भूसे वाले धान्यों, पशु आहारों का उत्पादन कम होगा।

वायु स्तम्भ-वर्ष का वायु स्तम्भ 61:85 प्रतिशत होने से वातावरण में प्रदूषण बढ़ेगा। तेज हवाओं, तूफान, बवंडर तथा भूकम्प आदि से हानि होगी।

अन्न स्तम्भ-72.63 प्रतिशत के अन्न स्तम्भ से वर्ष में खड़ी फसलें सुरक्षित रहेंगी। कोई विशेष हानि नहीं होगी। खाद्यान्नों के सकल घरेलू उत्पाद में कमी रहेगी। आयात को बढ़ावा मिलेगा। समग्र स्तम्भ विचार से वर्ष का शुभत्व 42:36 प्रतिशत रहेगा।

म संग्रहित वस्तुओं को बेचने से अच्छा लाभ मिलेगा। ... खाद्यान्न के सकल घरेलू उत्पाद में कमी रहेगी। आयात को बढ़ावा

चैत्र शुक्ल पक्षः -1 श्री सं. 2076 शाके 1941

ता. 6 से 19 अप्रैल 2019 ई., रा. मिति 16 से 29 चैत्र तक। रवि उत्तरायणे, उत्तर गोले, वसंत ऋतु।

रा.मि.	वा.	तिथि स्टैं.टा. (ति घ. प. घं. मि.)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ. प. घं. मि.)	योग स्टैं.टा. (यो घ. प. घं. मि.)	करण स्टैं.टा. (क घ. प. घं. मि.)	दिनमान	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त (उदय अस्त घं. मि. घं. मि.)	दिनांक (प्र. मु. अं.)	चन्द्र राशि प्रवेश (भा.स्टैं.टा. रा. घं. मि.)	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. (रा. अं. क. वि.)	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली (उदय अस्त घं. मि. घं. मि.)	निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।
चैत्र 16	श	1 23 16 15 26	रे 03 13 07 25	वै 39 13 21 49	ब 23 16 15 26	31 28	06 08 18 40	24 29 06	मे.07।25	11 21 47 08	59/04	06 52 19 39	नव संवत् प्रारंभ, घट स्थापन, गौतम जयंती, नवरात्र प्रारंभ, A
17	र	2 24 54 16 04	अ 06 41 08 47	वि 37 39 21 10	कौ 24 54 16 04	31 32	06 06 18 41	25 वैशा: 01 07	मेष	11 22 46 12	02	07 26 20 35	झूलेलाल जयंती, शावान मु.मास प्रा., चेटी चाँद (सिंधी), ❖
18	चं	3 25 33 16 18	भ 09 10 09 45	प्री 35 19 20 13	ग 25 33 16 18	31 36	06 05 18 41	26 02 08	वृ.15।57	11 23 45 15	00	08 03 21 33	भ. 28।14 से, मत्स्य जयंती, गणगौर तीज (चैत्र), मनोरथ 3
19	मं	4 25 14 16 10	कृ 10 44 10 22	आ 32 15 18 58	वि 25 14 16 10	31 41	06 04 18 42	27 03 09	वृष	11 24 44 15	58/57	08 44 22 32	भ. 16।07 तक, दशलक्षण प्रारंभ, गणेश 4 व्रत, श्री पंचमी
20	बु	5 23 59 15 39	रो 11 22 10 36	सौ 28 26 17 25	बा 23 59 15 39	31 45	06 03 18 43	28 04 10	मि.22।35	11 25 43 13	55	09 29 23 32	रोहिणी व्रत, स्कंद षष्ठी व्रत, गुरु हरगोबिन्द ज्योतिजोत B
21	गु	6 21 46 14 44	मृ 11 04 10 28	शो 23 51 15 35	तै 21 46 14 44	31 49	06 02 18 43	29 05 11	मिथुन	11 26 42 08	53	10 20 24 00	मीने बुध: 28।24, यमुना जयन्ती, **गुरु वक्री 07।47**
22	शु	7 18 34 13 26	आ 09 48 09 56	अति 18 30 13 25	व 18 34 13 26	31 53	06 01 18 44	30 06 12	क.27।17	11 27 41 01	51	11 16 00 31	भ. 13।24 से 24।36 तक, भोलावनी, आयंबिल ओली प्रारंभ
23	श	8 14 21 11 44	पुन 07 33 09 01	सु 12 19 10 56	ब 14 21 11 44	31 57	06 00 18 44	31 07 13	कर्क	11 28 39 52	48	12 18 01 28	अन्नपूर्णा पूजा, श्रीराम ज., माँतारा जयंती, बसन्त दुर्गाष्टमी, C
24	र	9 09 09 09 38	पु 04 19 07 42	धृ 05 22 08 07 / शू 57 37 29 02	कौ 09 09 09 38	32 01	05 59 18 45	वैशा 01 08 14	कर्क	11 29 38 41	46	13 22 02 21	वैशाखी, डॉ. अम्बेडकर ज., नवरात्र समाप्त, मेष संक्रांति, D
25	चं	10 03 03 07 11	आ 00 10 06 02 / म 55 15 28 04	गं 49 18 25 41	ग 03 03 07 11	32 05	05 58 18 45	02 09 15	सिं.06।02	00 00 37 28	44	14 28 03 09	भ. 17।48 से 28।23 तक, धर्मराज दशमी, नवरात्रोत्थापन, E
00	चं	11 56 10 28 26	0 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षय: F बहादुर गुरयाई, श्री सत्यनारायण पूजा
26	मं	12 48 50 25 29	पूफा 49 51 25 53	वृ 40 32 22 09	ब 22 34 14 58	32 09	05 57 18 46	03 10 16	सिंह	00 01 36 12	42	15 34 03 54	मदन द्वादशी, हरिदमनोत्सव, वामन द्वादशी G ज., पूर्णिमा व्रत
27	बु	13 41 18 22 27	उफा 44 16 23 38	ध्रु 31 34 18 33	कौ 15 06 11 58	32 13	05 56 18 46	04 11 17	क.07।19	00 02 34 54	39	16 39 04 36	महावीर जयंती, प्रदोष व्रत (शुक्ल), अनंग त्र्योदशी
28	गु	14 33 56 19 29	ह 38 53 21 28	व्या 22 42 14 59	ग 07 36 08 57	32 17	05 55 18 47	05 12 18	कन्या	00 03 33 34	37	17 44 05 16	भ. 19।26 से 30।02 तक, दशलक्षण समाप्त, गुरु तेग F
29	शु	15 27 08 16 45	चि 34 06 19 32	ह 14 13 11 35	वि 00 28 06 05	32 21	05 54 18 48	06 13 19	तु.08।27	00 04 32 12	35	18 49 05 56	आयंबिल ओली स. जैन, गुड फ्राइडे, बैशाख स्नान, हनुमान G

❑ जो ब्रवै दिन चार। वर्षा ऋतु में जानियें वर्षा भली प्रकार।। चैत मास में दशमी कहीं जो कहूं कोरी जाय। चौमासे भर बादला भलीभाँति बरसाय।। चैत मास दशमी दिना बादल बिजली होय। तो जानो चैत माही यह वर्षा गर्भ गता सब जोय।। चैत्र सुदी पंचमी दिनभर बादल छाय। गेहूं को संग्रह करो सावन दुगुना भाव।। ग्रह योग से पक्ष में उथल-पुथल ज्यादा होंगे।

A गुडी पड़वा (सिंधी), चन्द्रदर्शन, पंचक स. 07।22 B समाए-प्रा. मत से
C रामनवमी, मासिक दुर्गाष्टमी D गंडमूल प्रा. 07।42, मेषे सूर्य: 14।09, अश्विन्यां सूर्य: 14।09
E कामदा एकादशी-स्मार्त, गंडमूल स. 28।04, मीने शुक्र: 25।04 ❖ गंडमूल स. 08।47

चैत्र शु. 8 शनि प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 13 अप्रैल

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
11	03	01	11	08	10	08	02	08	00	10	08
28	01	14	01	00	26	26	28	28	07	23	28
39	17	16	03	13	35	09	02	02	51	22	59
52	10	55	50	12	37	02	53	53	21	41	44
58	837	39	62	00	72	01	00	00	03	01	00
50	40	27	42	26	31	39	19	19	25	56	21
-	-	मा	मा	व	मा	मा	व	व	मा	मा	मा
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	उ	उ
रेवती 4	पू.भा. 4	धनि. 2	पू.भा. 4	पू.षा. 1	पू.भा. 2	पू.भा. 4	पुन. 3	उ.षा. 1	अश्वि. 3	पू.भा. 2	उ.भा. 1

1 ह. | 12 | ने. 11 शु. | 10 | 2 मं. | सू.बु. | 9 गु. श.के.प्लू. | 3 रा. | 6 | 4 चं. | 8 | 5 | 7

[पक्ष फलम्]

यह पक्ष शनिवार रेवती नक्षत्र में प्रतिपदा से प्रारंभ होकर चैत्र शुक्ल पूर्णिमा शुक्रवार चित्रा नक्षत्र तक तदनुसार दिनांक 6 अप्रैल से 19 अप्रैल 2019 तक चलेगा। चन्द्रदर्शन शनिवार को गुड़ी पड़वा को होना तथा पंचक समाप्ति 7।22 पर नवरात्रा शुभ स्थापना प्रातः 9।35 से 12।50 अभिजित सहित शुभ योग। गौतम जयंती उत्सव सर्वत्र शुभ। पक्ष में वायु-वेग तथा छिटपुट वर्षा का योग बनेगा। झूलेलाल जयंती, गणगौर पर्व, श्री पंचमी का पर्व शुभ दायक। पूर्णिमा चित्रा योग से शुभदायक कार्यो की धूम रहेगी। शुक्रवारी पूर्णिमा के कारण शृंगार सामग्री तेजी में चलेगी। गुरु वक्री होने के कारण पीली वस्तुओं में तेजी बनेगी। नवरात्रा समाप्ति रविवार को तथा मेष संक्रांति के योग से आध्यात्मिक कार्य ज्यादा होंगे। चैत्र बदी में तिथि बढ़े किन्तु सुदी में घट जाये। पैदावारी कम रहे खड़ी फसल हट जाये।। योग के अनुसार फसलें कम होंगी। महंगाई बढ़ेगी। विशेषकर सावणी फसल, ज्वार, बाजरा, मूंग, मोठ, गुंवार की खेती प्रथम तो अच्छी मालूम होगी, फिर प्राकृतिक कारणों से नष्ट हो जायेगी। क्रूरवार से वर्ष का शुभारंभ के कारण उपद्रव ज्यादा होंगे। भ्रष्टाचार, डकैती बढ़ेगी। दिनांक 14 अप्रैल 2019 चैत्र शुक्ला नवमी रविवार को भुवन भास्कर सूर्यदेव मेष राशि उच्च में संचरण वारात 4, नक्षत्रात 4, वारनाम घोरा, शूद्रान सुखदा, मध्याह्न 2 प्रहर व्यापिनी, चाण्डाल सुखदा। द्विजानां हन्ति, पश्चिमे गमन, वायव्य दृष्टि, रास (गर्दभ) वाहन, उपवाहन मेष (मेंढ़ा), 15 मुहूर्ती, सूती अवस्था महंगाई का योग विशेष बनेगा। शुक्रोदय से स्त्री वर्ग का वर्चस्व बढ़ेगा। ग्रह योग से सर्वत्र अशांति का वातावरण बना रहेगा। व्यापार भविष्य-जौ, तिल, उड़द, दालों के भावों में कमी का योग, मंदी होगी। मेथी, सरसों, घी, मजीठ, सुपारी, चना में तेजी के योग बनेंगे। तिल, उड़द में उठा-पटक भी चल सकती है। औषधि बाजार तेजी में चलेगा। चैत्र मास में आ पड़े, पांच शुक्र रविवार। प्रजा नाश दुर्भिक्ष दुःख दिन-दिन तेज बाजार।। जन-जन में आक्रोश रहेगा। आकाश लक्षण-अप्रैल 9, 13, 15, 17, 18 को राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, आसाम, बंगाल, कश्मीर, शिलांग, केरल, महाराष्ट्र, गोवा, मुंबई, कोलकाता में विद्युत, वर्षा, उल्कापात का योग बनेगा। अंधड़, तूफान, बिजली गिरने का योग बनेगा। शकुन विचार-चैत्र सुदी पांचे दिवस बादल वर्षे तोय। तो फिर सावन मास में कुछ वर्षा न होय। चैत सुदी सातें दिना यदि वर्षा हो जाय, तो फिर वर्षा काल में वर्षा होगी नाय।। चैत सुदी में चौथ तक ❑

चैत्र शु.15 शुक्र, प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 19 अप्रैल

2 मं. | 12 बु.श. | 3 रा. | ने. | 1 सू. ह. | 10 | 11 | 4 | 9 गु. श.के. प्लू. | 5 | 6 चं. | 7 | 8

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
00	05	01	11	08	11	08	02	08	00	10	08
04	28	18	08	00	03	26	27	27	08	23	29
32	12	13	03	07	50	17	43	43	11	33	01
12	39	14	35	14	58	15	48	48	54	59	16
58	871	39	86	01	72	01	12	12	03	01	00
37	16	19	55	33	36	04	37	37	26	49	10
-	-	मा	मा	व	मा	मा	व	व	मा	मा	मा
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	उ	उ
अश्वि. 2	चित्रा 2	रोहि. 3	उ.भा. 2	मूल 1	उ.भा. 1	पू.षा. 4	पुन. 3	उ.षा. 1	अश्वि. 3	पू.भा. 2	उ.भा. 1

वैशाख कृष्ण पक्षः -2 श्री सं. 2076 शाके 1941

ता. 20 अप्रैल से 4 मई सन् 2019 ई., रा. मिति 30 चैत्र से 14 वैशा. तक। रवि उत्तरायणे, उत्तर गोले, वसंत-ग्रीष्म ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि ति	घ.	प.	स्टैं.टा. घं.	मि.	नक्षत्र न	घ.	प.	स्टैं.टा. घं.	मि.	योग यो	घ.	प.	स्टैं.टा. घं.	मि.	करण क	घ.	प.	स्टैं.टा. घं.	मि.	दिनमान घ.	प.	सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	दिनांक प्र.	मु.	अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टै.टा. रा.घं.मि.	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. रा.	अं.	क.	वि.	गति	चन्द्रोदय दिल्ली घं.	मि.	चन्द्रास्त घं.	मि.	विवरण
30	श	1	21	18	14	24	स्वा	30	20	18	01	व / सि	06 / 59	27 / 40	08 / 29	27 / 45	कौ	21	18	14	24	32	25	05	53	18	48	07	14	20	तुला	00	05	30	47	58/34	19	53	06	36	वृष संक्रांति (सायन) 14।25
वैशा. 01	र	2	16	49	12	35	वि	27	59	17	03	व्य	54	14	27	33	ग	16	49	12	35	32	29	05	52	18	49	08	15	21	वृ.11।14	00	06	29	21	32	20	55	07	17	भ. 23।53 से, A 16।48, वृश्चिके गुरु: 25।11
02	चं	3	14	03	11	28	अ	27	23	16	48	व	50	18	25	58	वि	14	03	11	28	32	33	05	51	18	49	09	16	22	वृश्चिक	00	07	27	54	30	21	56	08	00	भ. 11।25 तक, गणेश चतुर्थी व्रत (कृ.), गंडमूल प्रा. A
03	मं	4	13	13	11	07	ज्ये	28	43	17	19	प	47	58	25	01	बा	13	13	11	07	32	37	05	50	18	50	10	17	23	ध.17।19	00	08	26	24	28	22	53	08	47	अनुसुइया जयंती, बाबू कुंवर सिंह ज.
04	बु	5	14	25	11	35	मू	32	02	18	38	शि	47	13	24	42	तै	14	25	11	35	32	41	05	49	18	51	11	18	24	धनु	00	09	24	53	27	23	47	09	35	गुरु तेग बहादुर जय. प्रा. मत से, गंडमूल स. 18।38
05	गु	6	17	34	12	49	पूषा	37	10	20	40	सि	47	51	24	56	व	17	34	12	49	32	45	05	48	18	51	12	19	25	म.27।16	00	10	23	20	25	24	00	10	26	भ. 12।47 से 25।39 तक B कालाष्टमी व्रत
06	शु	7	22	20	14	43	उषा	43	45	23	17	सा	49	34	25	36	ब	22	20	14	43	32	49	05	47	18	52	13	20	26	मकर	00	11	21	45	23	00	36	11	19	भानु सप्तमी, गुरु अर्जनदेव जय. प्रा. मत से, मासिक B
07	श	8	28	15	17	04	श्र	51	13	26	15	शुभ	51	57	26	33	कौ	28	15	17	04	32	53	05	46	18	52	14	21	27	मकर	00	12	20	09	22	01	21	12	12	शीतलाष्टमी, कालाष्टमी, बासोड़ा, भरण्यां सूर्य: 30।03
08	र	9	34	40	19	37	ध	58	58	29	20	शु	54	33	27	34	तै	01	27	06	20	32	56	05	45	18	53	15	22	28	कुं.15।48	00	13	18	31	20	02	02	13	05	पंचक प्रा. 15।45
09	चं	10	40	57	22	07	शत	60	00	–	–	ब्र	56	55	28	30	व	07	53	08	53	33	00	05	44	18	54	16	23	29	कुम्भ	00	14	16	52	19	02	39	13	58	भ. 08।51 से 22।04 तक
10	मं	11	46	33	24	20	शत	06	25	08	17	ऐं	58	41	29	12	ब	13	53	11	16	33	04	05	43	18	54	17	24	30	मी.28।17	00	15	15	11	17	03	14	14	50	पापमोचिनी-वरूथिनि एकादशी, वल्लभाचार्य ज.
11	बु	12	51	03	26	08	पूभा	13	00	10	54	वै	59	35	29	32	कौ	18	59	13	18	33	07	05	42	18	55	18	25	M1	मीन	00	16	13	29	16	03	47	15	43	मजदूर दिवस, **शनि वक्री 25।12**
12	गु	13	54	15	27	24	उभा	18	27	13	04	वि	59	28	29	29	ग	22	51	14	50	33	11	05	41	18	55	19	26	02	मीन	00	17	11	45	14	04	19	16	36	भ. 27।21 से, प्रदोष व्रत (कृष्ण), गंडमूल प्रा. 13।04
13	शु	14	56	05	27	06	रे	22	35	14	42	प्री	58	17	29	00	वि	25	21	15	49	33	15	05	41	18	56	20	27	03	मे.14।42	00	18	09	59	12	04	52	17	31	भ. 15।47 तक, पंचक स. 14।40, मेषे बुध: 17।03
14	श	30	56	35	28	18	अ	25	24	15	49	आ	56	05	28	06	चतु	26	30	16	16	33	18	05	40	18	57	21	28	04	मेष	00	19	08	12	11	05	25	18	27	देव पितृकार्य अमा., गंडमूल स. 15।49

❑ को आंधी-तूफान, बूंदा-बांदी का योग बनेगा। शनिश्चरी अमावस्या से यत्र-तत्र आंधी-तूफान का योग बनेगा। तिल, तेल, सरसों, उड़द, किराना सामग्री में तेजी चलेगी। घी, बादाम, किशमिश में तेजी चलेगी। सभी प्रकार के धान्यों में तेजी का योग बनेगा। प्राकृतिक आपदा से वायु-वेग, अंधड़ का प्रभाव बढ़ेगा। बूंदा-बांदी से भी परेशानी। **शकुन विचार–बैशाख पड़वा प्रथम दिन बादल निकले भानु। उत्तम संवत् की यह है उत्तम पहिचानु।** बैशाखी कृष्ण प्रतिपदा धूल पड़े जो वाय। आगे वर्षा होवे नहीं ऐसा लो तुम मानो अभाव।। आठै वैशाख बदी बिजली गर्जन होय। संवत् अच्छा जानिये संशय करो ना कोय। वैशाख बदी आठै चौदस को चाले दक्षिण वाय। तो आगे वरसात में वर्षा काल सुहाय।।

वैशाख कृ. 8 शनि, प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 27 अप्रैल

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
00	09	01	11	07	11	08	02	08	00	10	08
12	13	23	19	29	13	26	27	27	08	23	29
20	05	27	22	48	32	22	18	18	39	47	01
09	16	02	11	59	18	46	22	22	27	55	39
58	713	39	92	03	72	00	00	00	03	01	00
23	07	09	33	00	43	18	00	00	26	39	04
–	–	मा	मा	व	मा	मा	व	व	मा	मा	व
–	–	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	उ	उ
अश्वि. 4	श्रवण 1	मृग. 1	रेवती 1	ज्येष्ठा 4	उ.भा. 4	पू.षा. 4	पु.न. 2	पू.षा. 4	अश्वि. 3	पू.भा. 2	उ.षा. 1

2 मं. | 12 शु.बु. | 3 रा. | 1 सू. ह. | 10 चं. | 11 ने. | 4 | 9 | 5 | के.श. प्लू. | 7 | 6 | 8 गु.

[पक्ष फलम्]

यह पक्ष शनिवार प्रतिपदा स्वाती नक्षत्र से प्रारंभ होकर अमावस्या शनिवार अश्विनी नक्षत्र तदनुसार दिनांक 20 अप्रैल से 4 मई 2019 तक यह पक्ष चलेगा। पक्ष में गुरु वक्री चलेगा। पक्ष में वृषभ सायन संक्रांति शनिवारी होना चिन्ता दायक कार्य होंगे। गुरु दिनांक 22 अप्रैल को वृश्चिक राशि में प्रवेश होने से लाल व पीले रंग की वस्तुओं में तेजी बनेगी। ग्रह गणना में सूर्य मेष, चन्द्र तुला से मेष तक भ्रमण। मंगल वृषभ में शुक्र+बुध मीन में, शनि+केतु धनु में होने के कारण राजनेताओं में कुछ अभद्रता का योग बनेगा। वैशाख कृष्ण में बादल छाये रहेंगे। स्वाती नक्षत्र शनिवार को होने से मशीनरी व्यापार में गति तेज होगी। **मेष राशि में सूर्य का जब होता है वास। खाण्ड, तैल, तिल तेज हो रुई सूत कपास।। शनिवारी अमावस्या का होना अपराधों में वृद्धि का तकरार।। देश-विदेशों में परस्पर बढ़े तकरार।।** जनता में रोष बढ़ेगा। हत्याओं का कार्य आम हो जायेगा। आकाश में उल्कापात का भी योग बनेगा। स्त्री वर्ग का वर्चस्व बढ़ेगा। सत्ता पक्ष सरकार में भी आंदोलन तथा विवाद बढ़ेगा। किसी दुर्घटना में लोकप्रिय राजनेता का देहावसान योग बनता है। केन्द्रीय सरकार में तीन मंत्रियों द्वारा पद्त्याग भी। कृषि कर्मियों को वर्षा का अभाव लगेगा। तथा वायु-वेग से वृक्षों का नाश भी होने का योग। पश्चिमी देशों में युद्ध का वातावरण बन सकता है। बुधादित्य योग से शैक्षिक संस्थाओं में वृद्धि एवं सफलता मिलेगी। अर्द्ध कालसर्प योग के कारण विप्रों, विद्वानों, महन्तों, आचार्यों को संकट का सामना करना पड़ेगा। धोखा-धड़ी ज्यादा चलेंगी। सावधान रहें। **व्यापार भविष्य–पक्ष** में गेहूं, चावल, चना, सोना, चांदी, तांबा, रुई में गड़बड़ यानि उतार-चढ़ाव का योग बनेगा। शनिश्चरी अश्विनी नक्षत्र, पितृकार्य अमावस्या से तेल, तिल, लोहा, स्टील, मशीनरी, सिमेन्ट, लकड़ी, पत्थरों में चूना, कली, खड्डी में तेजी का योग बनेगा। अल्पवृष्टि से जनता में अशांति बढ़ेगी। कपड़ा बाजार में विशेष तेजी बनेगी। सावधानी बरतें। विश्व व्यापार संगठन में अस्थिरता बनी रहेगी। जनता में विद्रोह योग से व्यापार भी उतार-चढ़ाव में प्रभावित होगा। आकाश लक्षण–दिनांक 22, 24, 27, 30 अप्रैल, 1, 2 मई

वैशाख कृ. 30 शनि, प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 04 मई

2 मं. | 12 शु. | 3 रा. | 1 सू.चं. बु.ह. | 10 | ने. 11 | 4 | 7 | 5 | के. 9 श. प्लू. | 6 | 8 गु.

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
00	00	01	00	07	11	08	02	08	00	10	08
19	07	28	00	29	22	26	26	26	09	23	29
08	49	00	54	23	01	22	56	56	03	58	00
12	14	35	11	44	39	26	07	07	26	54	28
58	766	39	105	04	72	00	11	11	03	01	00
12	39	01	20	12	48	23	24	24	24	29	16
–	–	मा	मा	व	मा	व	व	व	मा	मा	व
–	–	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	उ	उ
भरणी 2	अश्वि. 3	मृग. 2	अश्वि. 1	ज्येष्ठा 4	रेवती 2	पू.षा. 4	पु.न. 2	पू.षा. 4	अश्वि. 3	पू.भा. 2	उ.षा. 1

आर्यभट्ट पंचांगम् 05 to 18 May - 2019 वैशाख शुक्ल पक्षः -3 श्री सं. 2076 ... ता. 05 से 18 मई सन् 2019 ई., रा. मिति 15 से 28

कपड़ा बाजार में विशेष तेजी बनेगी। सावधानी बरतें। विश्व ... पत्थर में चूना, कली, खड्डा में तेजी का योग बनेगा। अल्पवृष्टि से जनता में अशांति बढ़ेगी।

वैशाख शुक्ल पक्षः -3

श्री सं. 2076 शाके 1941

ता. 05 से 18 मई सन् 2019 ई., रा. मिति 15 से 28 वैशाख तक। रवि उत्तरायणे, उत्तर गोले, ग्रीष्म ऋतु।

रा. मि.	वा	तिथि स्टैं.टा. (ति घ. प. घं. मि.)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ. प. घं. मि.)	योग स्टैं.टा. (यो घ. प. घं. मि.)	करण स्टैं.टा. (क घ. प. घं. मि.)	दिनमान (घ. प.)	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त उदय अस्त (घं. मि. घं. मि.)	दिनांक (प्र. मु. अं.)	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टैं.टा. रा.घं.मि.	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. रा. अं. क. वि.	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय अस्त (घं. मि. घं. मि.)	निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।
वैशा. 15	र	1 55 56 28 01	भर 27 00 16 27	सौ 52 59 26 50	किं 26 25 16 13	33 22	05 39 18 57	22 29 05	वृ.22।32	00 20 06 23	58/09	06 02 19 25	चन्द्रदर्शन, देव दामोदर पुण्य तिथि (असम)
16	चं	2 54 16 27 21	कृ 27 32 16 39	शो 49 03 25 16	बा 25 14 15 44	33 25	05 38 18 58	23 30 06	वृष	00 21 04 32	07	06 41 20 25	A रोजे प्रा., वर्षी तप, टैगोर ज., मिथुने मंगल 06।53
17	मं	3 51 46 26 20	रो 27 10 16 30	अ 44 28 23 25	तै 23 08 14 53	33 29	05 38 18 58	24 रम. 01 07	मि.28।18	00 22 02 40	05	07 26 21 26	परशुराम ज., मातंगी ज., अक्षय तृतीया, रमजान मु. मास प्रा. A
18	बु	4 48 33 25 02	मृ 26 04 16 02	सु 39 17 21 20	व 20 15 13 43	33 32	05 37 18 59	25 02 08	मिथुन	00 23 00 46	03	08 16 22 26	भ. 13।40 से 24।59 तक, गणेश चतुर्थी व्रत (शु.)
19	गु	5 44 44 23 29	आ 24 19 15 20	धृ 33 36 19 03	ब 16 43 12 17	33 35	05 36 19 00	26 03 09	मिथुन	00 23 58 50	02	09 11 23 24	शंकराचार्य जयंती, बुध अस्त 27।34
20	शु	6 40 22 21 44	पुन 22 01 14 24	शू 27 29 16 35	कौ 12 38 10 38	33 39	05 35 19 00	27 04 10	क.08।39	00 24 56 52	00	10 11 24 00	चन्दन छठ, मेषे शुक्रः 19।06 B कृतिकायां सूर्यः 24।08
21	श	7 35 31 19 47	पु 19 13 13 16	गं 20 58 13 58	ग 08 01 08 47	33 42	05 35 19 01	28 05 11	कर्क	00 25 54 52	57/58	11 14 00 18	भ. 19।45 से, गंगा जयंती, गंडमूल प्रा. 13।16, B
22	र	8 30 14 17 40	आ 15 58 11 57	वृ 14 05 11 12	वि 02 57 06 45	33 45	05 34 19 01	29 06 12	सिं.11।57	00 26 52 50	56	12 18 01 08	भ. 06।42 तक, बगलामुखी जय., मासिक दुर्गाष्टमी
23	चं	9 24 36 15 24	म 12 20 10 30	धृ 06 53 08 19 / व्या 59 26 29 20	कौ 24 36 15 24	33 48	05 33 19 02	30 07 13	सिंह	00 27 50 47	54	13 22 01 53	जानकी जयंती, सीता नवमी, श्री हरि जय., गंडमूल स. 10।30
24	मं	10 18 43 13 02	पूफा 08 27 08 55	ह 51 54 26 18	ग 18 43 13 02	33 51	05 33 19 03	31 08 14	कं.14।31	00 28 48 41	52	14 26 02 34	भ. 23।47 से,
25	बु	11 12 46 10 38	उफा 04 26 07 19	व 44 24 23 18	वि 12 46 10 38	33 54	05 32 19 03	ज्येष्ठ 01 09 15	कन्या	00 29 46 34	51	15 30 03 14	भ. 10।36 तक, मोहिनी 11, वृष संक्रांति, वृषे सूर्यः 11।01
26	गु	12 06 56 08 18	ह 00 32 05 44 / चि 56 59 28 19	सि 37 08 20 23	बा 06 56 08 18	33 57	05 32 19 04	02 10 16	तु.17।00	01 00 44 25	49	16 33 03 52	प्रदोष व्रत (शुक्ल), परशुराम द्वादशी
27	शु	13 01 31 06 08	स्वा 54 07 27 10	व्य 30 21 17 39	तै 01 31 06 08	34 00	05 31 19 04	03 11 17	तुला	01 01 42 14	47	17 36 04 30	भ. 28।11 से, नरसिंह जयंती
00	शु	14 56 47 28 14	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षयः C व्रत, श्री सत्यनारायण पूजा, वृषे बुधः 23।35
28	श	15 53 04 26 44	वि 52 15 26 24	व 24 15 15 13	वि 24 47 15 25	34 03	05 30 19 05	04 12 18	वृ.20।33	01 02 40 02	45	18 38 05 10	भ. 15।23 तक, कूर्म ज., बुद्ध ज., छिन्नमस्ता ज., पूर्णिमा C

□ का योग बनता है। कहीं-कहीं अग्निकाण्ड का योग भी अचानक बनेगा। उत्तरी एवं पूर्वी भारत में प्राकृतिक आपदा का योग। टिड्डी का आगमन योग। आंधी-तूफान से परेशानी का योग। शकुन विचार–शुक्ल पक्ष वैशाख में तिथि दशमी देख। बादल हो सावन विसै बरसे नहीं विशेष॥ वैशाखी पूनम तथा जेठ बदी दिन आठ। चालै परवा पवन तो है वर्षा का ठाठ॥ पूर्णिमा वैशाखी बरसे। भाद्रपद में वर्षा को तरसे॥ अक्षय तृतीया के दिन उत्तर या पूर्व पवन चले। अग्रिम मास में वर्षा योग अच्छा बने। नैऋत्य कोण या दक्षिण की वायु चले। महंगाई बाढ़े जन-जन में विचार चले॥

वैशाख शु. 8 रवि, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 12 मई

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
00	03	02	00	07	00	08	02	08	00	10	08
26	26	03	15	28	01	26	26	26	09	24	28
52	11	12	54	45	44	16	30	30	30	09	57
50	52	05	45	10	16	13	41	41	23	55	24
57	847	38	119	05	72	01	00	00	03	01	00
57	52	51	54	25	51	09	16	16	19	16	29
–	–.	मा	मा	व	मा	व	व	व	मा	मा	व
–	–	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
1	3	3	1	4	1	4	2	4	3	2	1

कुण्डली: 1 – सू. बु. शु. ह.; 2; 3 – मं. रा.; 4 – चं.; 5; 6; 7; 8 – गु.; 9 – श. के. प्लू.; 10; 11; 12 – ने.

[पक्ष फलम्]

यह पक्ष वैशाख शुक्ल प्रतिपदा रविवार भरणी नक्षत्र चन्द्रदर्शन सहित प्रारंभ होकर वैशाख शुक्ल पूर्णिमा शनिवार विशाखा नक्षत्र तक चलेगा। दिनांक 5 से 18 मई तक रहेगा। पक्ष में बुध ग्रह का अस्त होना व्यापारी वर्ग के लिए अशुभ है। तेजी-मंदी का अस्थाई योग चिन्ता दायक रहेगा। ग्रह गति बताती है कि धान्यों के भावों में तेजी बनेगी। पांच रविवार वर्षा का योग पांच शनिवार से भी बदलेगा। शनिवार को पूर्णिमा होना मशीनरी, बिल्डिंग सामग्री में विशेष तेजी बनेगी। पूर्णिमा को विशाखा नक्षत्र शुभ कार्यों का संकेत भी करता है। महंगाई का योग बनेगा। अन्नोत्पत्ति का योग शुभ बनेगा। शुक्ल 3 को रोहिणी होने से सुभिक्ष होगा। शुक्ला पंचमी गुरुवार होना भी सुभिक्ष योग करता है। पूर्णिमा विशाखा का योग दुर्भिक्ष कारक बनेगी। रसकस, घृत में तेजी बनेगी। दिनांक 15 मई वैशाख शुक्ल 11 बुधवार को वृषेऽर्क वृषभ संक्रांति वारात 4, नक्षत्रात 5, वारनाम मंदाकिनी-राजाओं, मंत्रियों का सुख दायक। नील कंचुकी, वृद्धावस्था (बैठी) मु. 30 के कारण धान्य भावों में समता योग। एक मासे रवेर्वारा पंचस्यु शुभावहा। पंचाऽर्क योग वैशाखे वृष्टि गर्भ विनाशकः॥ सूर्य-बुध-शुक्र मेष राशि में युक्ति चर राशि में होय। आवश्यकता पर नहीं मिले ज्वेलरी वस्तु बहुत महंगी होय॥ दुराचारी योग अचानक घृणित बनते रहेंगे, होते रहेंगे। स्त्री पक्ष की सुरक्षा घटेगी। चोरी, डाका, लूट-पाट तथा अशोभनीय घटनाओं की गणना भी संभव नहीं होगी। देश का माहौल चिन्ता दायक रहेगा। आपसी झगड़ें चलेंगे। व्यापार भविष्य–ग्रहों की गति से अवगत होता है कि घी, तेलवाना, तरल पदार्थों के भाव तेज होंगे। शेयर्स मार्केट, टिम्बर, रोड़ी, पत्थर, रसोई गैस, सिमेन्ट, ईंट, बजरी, पान, सुपारी, ईलायची, ईत्र, सौन्दर्य प्रसाधन आदि सम भाव रहेंगे। दाल, चावल, जौ, बाजरा के भावों में मदी बनेगी। लकड़ी, पत्थर, कंकड़ी पत्थरों के भावों में तेजी बनेगी। किराना में तेजी योग। आकाश लक्षण–वैशाख शुक्ला 3, 5, 7, 12, 13 व 15 (पूर्णिमा) को तेज हवायें, बारिश, बिजली चमक ईत्यादि योग बनेंगे। दक्षिणी पूर्वी इलाकों में भू-स्खलन, बाढ़, तेज बारिश □

वैशाख शु. 15 शनि प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 18 मई

कुण्डली: 1 – बु. शु. ह.; 2 – सू.; 3 – मं. रा.; 4; 5; 6; 7 – चं.; 8 – गु.; 9 – श. के. प्लू.; 10; 11; 12 – ने.

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
01	06	02	00	07	00	08	02	08	00	10	08
02	21	07	28	28	09	26	26	26	09	24	28
40	21	04	22	10	01	07	11	11	50	17	53
02	07	52	26	19	28	37	36	36	05	00	58
57	831	38	128	06	72	01	09	09	03	01	00
47	42	44	51	11	53	42	20	20	14	06	39
–	–	मा	मा	व	मा	व	व	व	मा	मा	व
–	–	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
2	1	1	1	4	3	4	2	4	3	2	1

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष: -4

श्री सं. 2076 शाके 1941

ता. 19 मई से 3 जून सन् 2019 ई., रा. मिति 29 वैशा. से 13 ज्येष्ठ तक। रवि उत्तरायणे, उत्तर गोले, ग्रीष्म ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. (ति घ. प. घं. मि.)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ. प. घं. मि.)	योग स्टैं.टा. (यो घ. प. घं. मि.)	करण स्टैं.टा. (क घ. प. घं. मि.)	दिनमान (घ. प.)	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त (उदय घं. मि. / अस्त घं. मि.)	दिनांक (प्र. मु. अं.)	चन्द्र राशि प्रवेश (भा.स्टैं.टा. रा. घं. मि.)	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5 घं. 30 मि. (रा. अं. क. वि.)	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली (उदय घं. मि. / अस्त घं. मि.)	
वै. 29	र	1 50 39 25 45	अ 51 39 26 10	प 19 06 13 08	बा 21 41 14 10	34 06	05 30 19 06	05 13 19	वृश्चिक	01 03 37 49	57/44	19 40 05 52	ज्येष्ठ जिनवर व्रत प्रारंभ, नारद जयंती, गंडमूल प्रा. 26।10
30	चं	2 49 46 25 24	ज्ये 52 35 26 32	शि 15 05 11 31	तै 20 01 13 30	34 08	05 29 19 06	06 14 20	ध.26।32	01 04 35 34	43	20 40 06 37	A संक्रांति (सायन) 13।29
31	मं	3 50 35 25 43	मू 55 11 27 34	सि 12 22 10 26	व 19 58 13 28	34 11	05 29 19 07	07 15 21	धनु	01 05 33 17	42	21 36 07 25	भ. 13।26 से 25।41 तक, गंडमूल स. 27।34, मिथुन A
ज्ये. 01	बु	4 53 07 26 43	पूषा 59 27 29 15	सा 11 00 09 52	ब 21 39 14 08	34 14	05 29 19 07	08 16 22	धनु	01 06 31 00	41	22 28 08 15	गणेश चतुर्थी व्रत (कृ.)
02	गु	5 57 12 28 21	उषा 60 00 - -	शुभ 10 57 09 51	कौ 25 00 15 28	34 16	05 28 19 08	09 17 23	म.11।47	01 07 28 41	40	23 16 09 08	
03	शु	6 60 00 - -	उषा 05 13 07 33	शु 12 02 10 17	ग 29 45 17 22	34 19	05 28 19 08	10 18 24	मकर	01 08 26 21	39	23 59 10 01	B रोहिण्यां सूर्य: 20।26
04	श	6 02 32 06 28	श्र 12 05 10 17	ब्र 13 59 11 03	व 02 32 09 28	34 21	05 27 19 09	11 19 25	कुं.23।46	01 09 24 00	38	24 00 10 55	भ. 06।25 से 19।36 तक, तिथि वृद्धि, पंचक प्रा. 23।43, B
05	र	7 08 33 08 52	ध 19 33 13 16	ऐं 16 24 12 01	ब 08 33 08 52	34 23	05 27 19 10	12 20 26	कुम्भ	01 10 21 38	37	00 37 11 48	मासिक कालाष्टमी व्रत
06	चं	8 14 41 11 19	श 27 02 16 15	वै 18 51 12 59	कौ 14 41 11 19	34 26	05 27 19 10	13 21 27	कुम्भ	01 11 19 15	36	01 13 12 41	कालाष्टमी, श्री दादूदयाल पुण्य तिथि
07	मं	9 20 19 13 34	पूभा 33 56 19 01	वि 20 54 13 48	ग 20 19 13 34	34 28	05 26 19 11	14 22 28	मी.12।21	01 12 16 51	35	01 46 13 33	भ. 26।30 से, C प्रारंभ, मिथुने बुध: 24।17
08	बु	10 24 55 15 24	उभा 39 45 21 20	प्री 22 09 14 18	वि 24 55 15 24	34 30	05 26 19 11	15 23 29	मीन	01 13 14 27	34	02 18 14 25	भ. 15।21 तक, गंडमूल प्रा. 21:20
09	गु	11 28 08 16 41	रे 44 11 23 06	आ 22 21 14 22	बा 28 08 16 41	34 32	05 26 19 12	16 24 30	मे.23।06	01 14 12 01	33	02 50 15 19	अपरा एकादशी, पंचक स. 23।03
10	शु	12 29 45 17 19	अ 47 02 24 14	सौ 21 19 13 57	तै 29 45 17 19	34 34	05 25 19 12	17 25 31	मेष	01 15 09 35	32	03 23 16 14	मधुसूदन द्वादशी, प्रदोष व्रत (कृष्ण), गंडमूल स. 24।14
11	श	13 29 45 17 19	भ 48 19 24 45	शो 19 00 13 01	व 29 45 17 19	34 36	05 25 19 13	18 26 J1	मेष	01 16 07 07	31	03 58 17 12	भ. 17।17 से 29।03 तक, वट सावित्री व्रत (अमा.) C
12	र	14 28 14 16 43	कृ 48 10 24 41	अ 15 29 11 37	श 28 14 16 43	34 37	05 25 19 13	19 27 02	वृ.06।47	01 17 04 39	30	04 36 18 12	बुधोदय 21।03, D देवपितृकार्य अमावस्या
13	चं	30 25 24 15 35	रो 46 48 24 08	सु 10 51 09 45	ना 25 24 15 35	34 39	05 25 19 14	20 28 03	वृष	01 18 02 10	29	05 19 19 14	रोहिणी व्रत, शनैश्चर जयंती, वट सावित्री व्रत स., D

❑ घास, तृण, चाय भी तेजी में चलेगा। आकाश लक्षण-दिनांक 21 ,24, 27, 30 मई, 1, 3 जून को राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, आसाम, उड़ीसा, बंगाल, बिहार, कश्मीर, उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में उल्कापात योग। अराजकता, प्राकृतिक बाधा योग बनेगा। सावधानी बरतें। शकुन विचार-जेठ वदी एकादशी द्वादशी बादल गाज। शुभ संवत् वर्षा होगी मंदा बिकै अनाज॥ जेठी अमावस को रहे नभ निर्मल दिन-रात। तो आगे बरसात में हो उत्तम बरसात॥

ज्येष्ठ कृ. 8 चन्द्र, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 27 मई

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
01	10	02	01	07	00	08	02	08	00	10	08
11	14	12	17	27	19	25	25	25	10	24	28
19	40	52	59	10	57	48	42	42	18	25	47
15	43	46	05	28	52	46	59	59	28	39	08
57	711	38	129	07	72	02	00	00	03	00	00
37	43	55	08	04	59	28	40	40	04	49	52
-	-	मा	मा	व	मा	व	व	व	मा	मा	व
-	-	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
रोहि. 1	शत. 3	आर्द्रा 2	रोहि. 3	ज्येष्ठा 4	भरणी 2	पू.षा. 4	पुन. 2	पू.षा. 4	अश्वि. 4	पू.भा. 2	उ.षा. 1

(कुण्डली: 3 मं.रा.; 1 शु. ह.; 4; 2 सू. बु.; 11 चं. ने.; 12; 5; 8 गु.; 6; 10; 7; 9 श.के.प्लू.)

[पक्ष फलम्]

यह पक्ष ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा रविवार अनुराधा नक्षत्र से प्रारंभ होकर ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या सोमवती रोहिणी नक्षत्र, तक चलेगा। दिनांक 19 मई से 3 जून तक रहेगा। पक्ष में ज्येष्ठ जिनवर व्रत प्रारंभ होंगे। श्री नारद जयंती का उत्सव धार्मिक स्थलों पर चलेगा। ग्रहों का त्रिशाल योग व अन्य गति के योग से रसवाली वस्तुओं का अभाव रहेगा। कहीं पर उपद्रव से जन-धन हानि का योग बनेगा। केन्द्रीय सरकार में अशांति का योग बनेगा। चौपाये पशुओं में रोगोपद्रव का योग बनेगा। शिक्षा जगत में अनुशासन हीनता से छात्र आंदोलन का योग बनेगा। रेल-दुर्घटना काण्ड भी बहुत होंगे। तेज गर्मी से जनता में अशांति, चिन्ता दायक बीमारी का योग बनेगा। अग्निकाण्ड, चोरी, डकैती, बलात्कार की घटनाएं, यत्र-तत्र अपराध योग से जनता में क्रोध बढ़ेगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आड़ में अशोभनीय की घटनाएं बढ़ेंगी। **वक्री शनि वक्री गुरु का जब हो योग। मंगल-राहु की युति से युद्ध का बने योग॥ शनि-केतु की युक्ति से भ्रष्टाचार अपार। मंगल-बुध के योग से गुप्तचरों का योग अपार॥** पाकिस्तान, चीन का युद्ध गुप्त या खुला का योग है। **सोमवती अमावस्या शनैश्चरी जयंती वट सावित्री व्रत समाप्त। संत ज्ञानेश्वर जयंती का सर्वत्र रहे शुभता की बात॥** धर्म परिवर्तन की घटनाएं भी बनेंगी। शैक्षिक विकास का परिणाम अनुशासन हीनता में बदल जायेगा। आंधी-तूफान से काफी जन-धन की हानि होगी। दुर्भिक्ष योग जैसा प्राकृतिक वातावरण बनेगा। कहीं बाढ़ जैसा योग तो कहीं अग्निकाण्ड भी होगा। केन्द्रीय सरकार में आंतरिक कलह चलेगा। अशोभनीय घटना जेल की सजा जैसी बनेगी। सावधानी बरतें। **व्यापार भविष्य-**प्रायः सभी वस्तुओं में तेजी का योग बनेगा। धातुएं, लहसुन, आलू, पत्थर, सिमेन्ट, रोड़ी, शृंगार प्रसाधन सामग्री, कस्तूरी, किराना, रबड़ में तेजी। मशीनरी में मंदा आयेगा। तेल, घृत मंहगा होगा। साबुदाना, प्लास्टिक तेज। शेयर्स बाजार में उठप-पटक चलेगी। सोना, चांदी, ज्वैलर्स में मंदी का झटका चलेगा। चूना, सिमेन्ट, बजरी, लोहा में तेजी बनेगी। कुछ स्थानों पर भूमि की कीमत आकाश छुयेगी। खेल-कूद सामग्री में तेजी।

ज्येष्ठ कृ. 30 चन्द्र, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 03 जून

(कुण्डली: म.बु.रा. 3; 1 शु.ह.; 4; 2 सू.चं.; ने. 11; 12; 5; 8 गु.; 6; 10; 7; 9 श.के.प्लू.)

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
01	01	02	02	07	00	08	02	08	00	10	08
18	12	17	02	26	28	25	25	25	10	24	28
02	43	22	23	19	29	29	20	20	39	30	40
10	00	33	00	21	02	31	44	44	21	39	31
57	815	38	116	07	73	03	04	04	02	00	01
30	10	30	06	30	03	01	30	30	54	36	01
-	-	मा	मा	व	मा	व	व	व	मा	मा	व
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
रोहि. 3	रोहि. 1	आर्द्रा 4	मृग. 3	ज्येष्ठा 3	कृति. 1	पू.षा. 4	पुन. 2	पू.षा. 4	अश्वि. 4	पू.भा. 2	उ.षा. 1

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष: -5 श्री सं. ... 4 से 17 जून सन् 2019 ई., रा. मिति 14 से 27

ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः -5

श्री सं. 2076 शाके 1941

ता. 4 से 17 जून सन् 2019 ई., रा. मिति 14 से 27 ज्येष्ठ तक। रवि उत्तरायणे, उत्तर गोले, ग्रीष्म ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. ति घ. प. घं. मि.	नक्षत्र स्टैं.टा. न घ. प. घं. मि.	योग स्टैं.टा. यो घ. प. घं. मि.	करण स्टैं.टा. क घ. प. घं. मि.	दिनमान	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	दिनांक प्र. मु. अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टैं.टा. रा.घं.मि.	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. रा. अं. क. वि.	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	संदर्भ
ज्ये. 14	मं	1 21 29 14 00	मृ 44 26 23 11	धृ 05 18 07 32 / शू 59 00 29 01	ब 21 29 14 00	34 41	05 25 19 14	21 29 04	मि.11।42	01 18 59 39	57/28	06 08 20 16	चन्द्रदर्शन, गंगा दशाश्वमेध स्नान प्रा., वृपे शुक्रः 11।20
15	बु	2 16 44 12 06	आ 41 21 21 57	गं 52 10 26 17	कौ 16 44 12 06	34 42	05 25 19 15	22 सव्वा 01 05	मिथुन	01 19 57 08	27	07 02 21 17	रंभा तृतीया व्रत, सव्वाल मु.मास प्रा., ईद-उल-फितर
16	गु	3 11 23 09 58	पुन 37 46 20 31	वृ 44 59 23 24	ग 11 23 09 58	34 44	05 24 19 15	23 02 06	क.14।53	01 20 54 36	26	08 02 22 14	भ. 20।47 से, महाराणा प्रताप जयंती, राजाराम मोहनराय ज.
00	शु	4 05 41 07 41	0 33 56 18 59	ध्रु 37 35 20 26	वि 05 41 07 41	34 45	05 24 19 16	24 03 07	कर्क	01 21 52 02	25	09 06 23 06	भ. 07।38 तक, गंडमूल प्रा. 18।59, गणेश चतुर्थी व्रत A
17	शु	5 59 48 29 19	आ 00 00 00 00	00 00 00 00 00	0 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षयः A (शु.), श्रुति पंचमी, गुरु अर्जनदेव पुण्य दि.
18	श	6 53 54 26 58	आ 30 00 17 24	व्या 30 08 17 27	कौ 26 50 16 08	34 46	05 24 19 16	25 04 08	सिं.17।24	01 22 49 28	24	10 11 23 53	अरण्य 6, जैमिनी 6, विन्ध्यवासिनी पूजा, मृगे सूर्यः 18।13
19	र	7 48 07 24 39	म 26 08 15 51	ह 22 44 14 30	ग 20 59 13 48	34 48	05 24 19 17	26 05 09	सिंह	01 23 46 52	23	11 16 24 00	भ. 24।36 से, गंडमूल स. 15।51 D श्री सत्यनारायण पूजा
20	चं	8 42 36 22 26	पूफा 22 28 14 23	व 15 30 11 36	वि 15 19 11 32	34 49	05 24 19 17	27 06 10	कं. 20।03	01 24 44 15	21	12 20 00 36	भ. 11।29 तक, धूमावती जयंती, दुर्गाष्टमी, मासिक दुर्गाष्टमी
21	मं	9 37 25 20 22	उफा 19 07 13 03	सि 08 30 08 48	बा 09 57 09 23	34 50	05 24 19 17	28 07 11	कन्या	01 25 41 37	20	13 22 01 15	महेश नवमी, हरि ज., वीर सावरकर ज. C सूर्यः 17।38
22	बु	10 32 44 18 30	ह 16 13 11 53	व्य 01 52 06 09 / व 55 40 27 40	तै 05 01 07 24	34 51	05 24 19 18	29 08 12	तु. 23।24	01 26 38 58	19	14 24 01 53	गंगा दशहरा, बटुक दशमी, भैरव ज. B एकादशी, गायत्री ज.
23	गु	11 28 40 16 52	चि 13 54 10 58	प 50 01 25 25	व 00 37 05 39	34 51	05 24 19 18	30 09 13	तुला	01 27 36 18	18	15 25 02 30	भ. 05।36 से 16।49 तक, निर्जला एकादशी व्रत, भीम B
24	शु	12 25 22 15 33	स्वा 12 17 10 19	शि 45 02 23 25	बा 25 22 15 33	34 52	05 24 19 18	31 10 14	वृ.28।04	01 28 33 37	18	16 26 03 08	प्रदोष व्रत (शुक्ल), चम्पक द्वादशी, सुपार्श्वनाथ ज.
25	श	13 22 59 14 36	वि 11 34 10 02	सि 40 51 21 45	तै 22 59 14 36	34 53	05 24 19 19	आषा 01 11 15	वृश्चिक	01 29 30 55	17	17 27 03 48	वट सावित्री व्रत (पूर्णिमा) प्रारंभ, मिथुन संक्रांति, मिथुने C
26	र	14 21 41 14 05	अ 11 52 10 09	सा 37 34 20 26	व 21 41 14 05	34 53	05 24 19 19	02 12 16	वृश्चिक	02 00 28 12	16	18 27 04 31	भ. 14।02 से 25।57 तक, गंडमूल प्रा. 10।09, चम्पक 14, D
27	चं	15 21 36 14 03	ज्ये 13 22 10 45	शु 35 17 19 31	ब 21 36 14 03	34 54	05 25 19 19	03 13 17	घ.10।45	02 01 25 28	15	19 25 05 17	वट सावित्री व्रत (पूर्णिमा) स., पूर्णिमा व्रत, सन्त कबीर ज.

❑ पशु आहार, तृण, खल, गुड़, फिटकरी में तेजी बनेगी। घी, दूध विशेष तेजी में रहेंगे। आकाश लक्षण–पक्ष में प्राकृतिक आपदा का योग बिहार, असम, मध्य प्रदेश, भूटान, कश्मीर, कर्नाटक, उड़ीसा, बंगाल में चिन्ता दायक घटनाएं घटेंगी। यत्र-तत्र अग्निकांड भी होगा। दिनांक 7, 10, 15, 17 को राजस्थान, मध्य प्रदेश, उड़ीसा, बिहार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड में तेज आंधी, वर्षा से जन-धन हानि योग। कृषक चिन्तित रहेंगे। शकुन विचार–ज्येष्ठ सुदी अष्टमी दशमी चतुर्दशी एवं पूर्णिमा तपै। आगे भाद्रपद मास में अतिवृष्टि से जनता सर्वत्र निरसे॥ शुक्रवार वर्षे घणो अधिक वृष्टि हो जब। प्रथम शनिचर वृष्टि होय नाश होत जल तब॥ वायु तेज चले पथ भ्रमित जब लोग। सारी जनता में रोग बढ़े दुःखी होय सब लोग॥

ज्येष्ठ शु. 8 चन्द्र, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 10 जून

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
01	04	02	02	07	01	08	02	08	00	10	08
24	21	21	14	25	07	25	24	24	10	24	28
44	24	51	55	26	00	06	58	58	58	34	32
15	47	40	04	09	37	45	28	28	57	04	55
57	851	38	98	07	73	03	00	00	02	00	01
22	30	24	10	39	07	29	25	25	42	22	09
–	–	मा	मा	व	मा	व	मा	मा	मा	मा	व
–	–	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ

[पक्ष फलम्]

(कुण्डली, ता. 10 जून): 1 ह. / 2 सू. शु. / 3 / 4 / 5 चं. / 6 / 7 / 8 गु. / 9 श.के.प्लू. / 10 / 11 ने. / 12 / मं.बु.रा.

यह पक्ष ज्येष्ठ शुक्ल प्रतिपदा मंगलवार मृगशिरा नक्षत्र चन्द्रदर्शन योग से प्रारंभ होकर ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा सोमवार ज्येष्ठा नक्षत्र दिनांक 4 से 17 जून 2019 तक चलेगा। पक्ष में चन्द्रदर्शन प्रतिपदा को गंगा दशाश्वमेध स्नान प्रारंभ, वृपे शुक्र प्रवेश 11।20 से शुभ कार्यों का योग ज्यादा बनेगा। स्त्री पक्ष का विकास अच्छा तथा प्रभावशाली रहेगा। वर्चस्व बढ़ेगा। दिनांक 15 जून ज्येष्ठ शुक्ल 13 शनिवार को मिथुनेऽर्क प्रवेश से वारनाम मंदाकिनी, राक्षसी चाण्डालान सुखदा, नक्षत्र नाम मंदाकिनी, अपराह्न तृतीय प्रहर व्यापिनी, वैश्यान् हन्ति। प्रौढ़ावस्था (बैठी) मुहूर्ती 30 शुभ, धान्ये भावे समयोग। नवीन कार्य अन्वेषणों का योग बनेगा। हाथी वाहन, उपवाहन खर (गधा) यत्र-तत्र वर्षा योग असमानता का बनेगा। तपन योग ज्यादा बनेगा। बीमारी बढ़ेगी। हैजा बुखार का बोल-बाला रहेगा। फल, सब्जी तेजी में चलेगी। सूर्य-बुध-मंगल-राहु चतुर्थ ग्रह मिथुन राशि पर होने से गुप्तचरों का प्रभाव बढ़ेगा। अशोभनीय कृत्यों की गणना करना भी संभव नहीं होगा।

(कुण्डली, ता. 17 जून): 1 ह. / 2 शु. / 3 / 4 / 5 / 6 / 7 / 8 श.के.प्लू. / 9 / 10 / 11 ने. / 12 सू.मं. बु.रा. / चं.गु.

ज्येष्ठ शु. 15 चन्द्र, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 17 जून

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
02	07	02	02	07	01	08	02	08	00	10	08
01	27	26	25	24	15	24	24	24	11	24	28
25	10	20	16	32	32	41	36	36	17	35	24
28	23	04	11	44	37	01	12	12	03	54	28
57	775	38	78	07	73	03	02	02	02	00	01
16	06	18	48	33	11	51	23	23	28	09	15
–	–	मा	मा	व	मा	व	व	व	मा	मा	व
–	–	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ

पड़वा पाचे चतुर्दशी शुक्ल पक्ष में तीन। बढ़ने पर मंदी करे तेजी हो जब छीन॥ तेजी का योग है। सोमवारी पूर्णिमा ज्येष्ठा नक्षत्र युक्त होने से अच्छी तेजी प्रत्येक वस्तु में होने का संकेत है। आद्योगिक क्रांति बढ़ेगी। नया कार्य में स्त्री वर्ग अग्रसर रहेगा। रोग बाधाओं से जनता में चिन्ता दायक घटना बनती रहेगी। पशुओं में भी रोग बढ़ेगा। नया कार्य योजना बनाने में भी स्त्री वर्ग का विशेष योगदान रहेगा। अंधड़, ग्रीष्म का प्रभाव से जनता दुःखी रहेगी। व्यापार भविष्य–मास में शुक्ला पंचमी का क्षय होने से मूंग, घी, तेल, खल, रसकस महंगे होंगे। सोना, चांदी के भाव भी तेजी में चलेंगे। बदी में तिथि बढ़े सुदी में घटे क्रूर वार संक्रांति। छत्र भंग अरु अवर्षण पीड़ित प्रजा नितांत॥ द्वितीया तृतीया जेठ सुदी आवे आर्द्रा रिक्ष। वर्षे तो कर्षे नमी दर्से दुःख दुर्भिक्ष॥ जनता-राजा दोनों में संकट योग। कृषक चिन्ता युक्त रहेंगे। गाय, भैंस, हाथी, घोड़ा, मोटर गाड़ी आदि के भाव उठा-पटक में चलेंगे।❑

आषाढ़ कृष्ण पक्षः -6

श्री सं. 2076 शाके 1941

ता. 18 जून से 02 जुला. 2019 ई., रा. मिति 28 ज्येष्ठ से 11 आषा. तक। रवि उत्तर-दक्षिणायणे, उत्तर गोले, ग्रीष्म-वर्षा ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

ता. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. (ति घ. प. घं. मि.)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ. प. घं. मि.)	योग स्टैं.टा. (यो घ. प. घं. मि.)	करण स्टैं.टा. (क घ. प. घं. मि.)	दिनमान (घ. प.)	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त (उदय घं. मि. अस्त घं. मि.)	दिनांक (प्र. मु. अं.)	चन्द्र राशि प्रवेश (भा.स्टै.टा. रा. घं. मि.)	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. (रा. अं. क. वि.)	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली (उदय अस्त घं. मि. घं. मि.)	विवरण
ज्ये 28	मं	1 22 52 14 33	मूल 16 10 11 53	शु 34 04 19 02	कौ 22 52 14 33	34 54	05 25 19 20	04 14 18	धनु	02 02 22 44	57/16	20 20 06 06	गंडमूल स. 11।53
29	बु	2 25 29 15 37	पूषा 20 18 13 32	ब्र 33 55 18 59	ग 25 29 15 37	34 54	05 25 19 20	05 15 19	म. 20।02	02 03 20 00	15	21 10 06 58	भ. 28।18 से, A प्रा. 21।24, कर्क संक्रांति (सायन) 21।24
30	गु	3 29 25 17 11	उषा 25 41 15 42	ऐं 34 45 19 19	वि 29 25 17 11	34 55	05 25 19 20	06 16 20	मकर	02 04 17 15	15	21 55 07 52	भ. 17।08 तक, गणेश चतुर्थी व्रत (कृ.), कर्के बुध: 26।27
31	शु	4 34 25 19 11	श्र 32 09 18 17	वै 36 25 19 59	ब 01 48 06 08	34 55	05 25 19 20	07 17 21	मकर	02 05 14 29	14	22 35 08 46	वर्षा ऋतु प्रा. 21।24, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, दक्षिणायन A
आषा 01	श	5 40 11 21 30	ध 39 21 21 10	वि 38 39 20 53	कौ 07 14 08 19	34 55	05 25 19 21	08 18 22	कुं. 07।42	02 06 11 44	14	23 12 09 39	कोकिला पंचमी, पंचक प्रा. 07।39, आर्द्रायां सूर्य: 17।18, B
02	र	6 46 15 23 56	श 46 51 24 10	प्री 41 06 21 52	ग 13 12 10 43	34 55	05 26 19 21	09 19 23	कुम्भ	02 07 08 58	14	23 46 10 32	भ. 23।53 से, B कर्के मंगल 23।22
03	चं	7 52 04 26 15	पूभा 54 06 27 04	आ 43 25 22 48	वि 19 13 13 07	34 54	05 26 19 21	10 20 24	मी.20।22	02 08 06 12	13	24 00 11 24	भ. 13।04 तक
04	मं	8 57 05 28 16	उभा 60 00 - -	सौ 45 11 23 31	बा 24 42 15 19	34 54	05 26 19 21	11 21 25	मीन	02 09 03 25	13	00 18 12 16	बोहरा अष्टमी, मासिक कालाष्टमी व्रत
05	बु	9 60 00 - -	उभा 00 34 05 40	शो 46 02 23 51	तै 29 09 17 06	34 54	05 26 19 21	12 22 26	मीन	02 10 00 39	13	00 49 13 08	तिथि वृद्धि, गंडमूल प्रा. 05।40
06	गु	9 00 51 05 47	रे 05 48 07 46	अ 45 41 23 43	ग 00 51 05 47	34 53	05 27 19 21	13 23 27	मे. 07।46	02 10 57 53	13	01 21 14 02	भ. 18।15 से, पंचक स. 07।43
07	शु	10 03 00 06 39	अ 09 28 09 14	सु 43 58 23 02	वि 03 00 06 39	34 53	05 27 19 21	14 24 28	मेष	02 11 55 07	13	01 54 14 57	भ. 06।36 तक, गंडमूल स. 09।14, मिथुने शुक्र: 25।34
08	श	11 03 22 06 48	भ 11 22 10 00	धृ 40 49 21 47	बा 03 22 06 48	34 52	05 27 19 21	15 25 29	वृ. 16।05	02 12 52 20	13	02 30 15 56	योगिनी एकादशी
09	र	12 01 56 06 14	कृ 11 29 10 03	शू 36 15 19 58	तै 01 56 06 14	34 51	05 28 19 21	16 26 30	वृष	02 13 49 34	13	03 10 16 57	भ. 28।57 से, प्रदोष व्रत (कृष्ण)
00	र	13 58 49 28 59	0 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षय:
10	चं	14 54 11 27 09	रो 09 58 09 27	गं 30 24 17 38	वि 26 40 16 08	34 50	05 28 19 22	17 27 J1	मि.20।56	02 14 46 48	13	03 56 17 59	भ. 16।05 तक, रोहिणी व्रत
11	मं	30 48 21 24 49	मृ 07 01 08 17	वृ 23 27 14 51	च 21 24 14 02	34 49	05 28 19 22	18 28 02	मिथुन	02 15 44 02	13	04 49 19 02	आषाढ़ी अमावस्या

❑ वारिश बाढ़ जैसा योग उपद्रव भी बढ़ेगा। गर्मी विशेष होगी। आकाश में बादल छाये रहेंगे। शकुन विचार–पहले दिन आषाढ़ का गगन करें घन-घोर। भूप लड़ें झगड़ा बढ़े काल पड़े चहुं ओर॥ कृष्ण नवमी आषाढ़ की गरजत बादल जोय। तो पानी बरसे नहीं, काल हलाहल होय॥

आषाढ़ कृ. 8 मंगल, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 25 जून

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
02	11	03	03	07	01	08	02	08	00	10	08
09	04	01	04	23	25	24	24	24	11	24	28
03	32	26	10	33	18	08	10	10	35	36	13
25	36	07	51	45	33	46	46	46	44	02	59
57	718	38	53	07	73	04	00	00	02	00	01
14	00	13	48	08	18	11	08	08	11	07	21
–	–	मा	मा	व	मा	व	मा	मा	मा	व	व
–	–	उ	उ	उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	उ
आर्द्रा 1	उ.भा. 1	पुन. 4	पुष्य 1	ज्येष्ठा 3	मृग. 1	पूषा. 4	पुन. 2	पूषा. 4	अश्वि. 4	पूभा. 2	उ.षा. 1

[पक्ष फलम्]

यह पक्ष आषाढ़ कृष्ण प्रतिपदा मंगलवार मूल नक्षत्र से प्रारंभ होकर अमावस्या मंगलवार मृगशिरा नक्षत्र दिवा आर्द्रा नक्षत्र दिनांक 18 जून से 2 जुलाई 2019 तक चलेगा। पक्षारंभ में गण्डमूल मूला नक्षत्र 11।53 तक रहेगा। कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि को बुधवार होने से दुर्भिक्ष का योग बनेगा। कृष्ण नवमी बुधवारी भी दुर्भिक्ष का कारक है। कृष्ण नवमी द्वितीय गुरुवार की होने से सुभिक्ष योग बनता है। कृष्ण चतुर्दशी को रोहिणी होने से राज युद्ध योग बनता है। तथा प्रजा में शोक छाया रहेगा। कृष्ण चतुर्दशी को सोमवार होने से तृण, धान्य में न्यूनता का योग बनता है। अग्निकांड, हिंसा की स्थिति यत्र-तत्र बनी रहेगी। बिजली गिरने का भी योग बनता है। यातायात वाहनों, रेलों हवाई यात्रा से जुड़े अनिष्ट की संभावना रहेगी। सरकार के विरोध में जनता हड़ताल कर सकती है। प्राकृतिक बाधाओं से त्राहि-त्राहि का योग बनेगा। चोरी की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी। वर्षा से कृषि क्षेत्र में हानि संभव है। व्यापारी वर्ग में सद्भावना बावत् परस्पर सम्पर्क का योग बढ़ेगा। भारत का वर्चस्व बढ़ेगा। वस्तुओं के संग्रह से आगे हानि होगी। हाजिर सौदा करते रहें तो लाभ भी होगा। राजकीय व्यवस्था में नवीनता का योग बनेगा। प्रजा में प्राकृतिक आपदा से त्राहि-त्राहि मचेगी। सावधान रहें। **व्यापार भविष्य–**ग्रहों की गति के कारण डीजल, पेट्रोल, केरोसीन के भावों में तेजी बनेगी। शेयर्स मार्केट, रोड़ी, पत्थर, सोना, चांदी, घी, तेल, ईत्र, सौन्दर्य सामग्री में तेजी बनेगी। दाल, चावल, जौ, बाजरा के भावों में उतार-चढ़ाव रहेगा। नारियल तेल में विशेष तेजी बनेगी। वस्त्र, खिलौने, लौह सामग्री में तेजी का योग बनेगा। स्टॉक नहीं करें। **आकाश लक्षण–**दिनांक 20, 23, 25, 27, 30 जून, 1, 2 जुलाई को तेज वायु तथा गर्मी के कारण

आषाढ़ कृ. 30 मंगल, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 02 जुलाई

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
02	02	03	03	07	02	08	02	08	00	10	08
15	05	05	08	22	03	23	23	23	11	24	28
44	01	53	58	45	52	38	48	48	50	34	04
02	37	30	01	48	07	47	30	30	07	28	15
57	849	38	26	06	73	04	00	00	01	00	01
14	16	11	54	30	26	21	04	04	55	20	25
–	–	मा	मा	व	मा	व	व	व	मा	व	व
–	–	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
आर्द्रा 3	मृग. 4	पुष्य 1	पुष्य 2	ज्येष्ठा 2	मृग. 4	पूषा. 4	पुन. 2	पूषा. 4	अश्वि. 4	पूभा. 2	उ.षा. 1

आर्यभट्ट पंचांगम् — 03 to 16 Jul - 2019 — 63

आषाढ़ शुक्ल पक्षः -7 श्री सं. 2076 ... ता. 3 से 16 जुलाई सन् 2019 ई., रा. मिति 12 से 25 आषाढ़ तक। रवि दक्षिणायणे, उत्तर गोले, वर्षा ऋतु।

आषाढ़ शुक्ल पक्षः -7

श्री सं. 2076 शाके 1941

ता. 3 से 16 जुलाई सन् 2019 ई., रा. मिति 12 से 25 आषाढ़ तक। रवि दक्षिणायणे, उत्तर गोले, वर्षा ऋतु।

ता. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. ति घ. प. घं. मि.	नक्षत्र स्टैं.टा. न घ. प. घं. मि.	योग स्टैं.टा. यो घ. प. घं. मि.	करण स्टैं.टा. क घ. प. घं. मि.	दिनमान घ. प.	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	दिनांक प्र. मु. अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टैं.टा. रा.घं.मि.	द. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. रा. अं. क. वि.	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय अस्त घं. मि. घं. मि.	निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।
12	बु	1 41 37 22 08	आ 02 55 06 37 पु 58 01 28 41	ध्रु 15 39 11 44	कि 15 04 11 31	34 48	05 29 19 21	19 29 03	क.23।12	02 16 41 15	57/13	05 48 20 03	चन्द्रदर्शन, गुप्त नवरात्र प्रा. A (शु.), पुन. सूर्य: 16।49
13	गु	2 34 19 19 13	पुष्य 52 38 26 33	व्या 07 14 08 23 ह 58 29 28 53	बा 08 00 08 41	34 47	05 29 19 21	20 30 04	कर्क	02 17 38 29	13	06 52 20 59	मनोरथ द्वितीया, रथ यात्रा (पुरी), गंडमूल प्रा. 26।33
14	शु	3 26 46 16 12	आ 47 07 24 21	व 49 39 25 21	तै 00 32 05 43	34 46	05 30 19 21	21 जि. 01 05	सिं.24।21	02 18 35 42	13	07 59 21 49	भ. 26।39 से, पितृ दिवस, जिल्काद मु. मास प्रा.
15	श	4 19 16 13 13	म 41 47 22 13	सि 40 58 21 53	वि 19 16 13 13	34 45	05 30 19 21	22 02 06	सिंह	02 19 32 55	12	09 06 22 35	भ. 13।10 तक, गंडमूल स. 22।13, गणेश चतुर्थी व्रत A
16	र	5 12 08 10 22	पूफा 36 54 20 16	व्य 32 39 18 34	बा 12 08 10 22	34 43	05 31 19 21	23 03 07	क. 25।49	02 20 30 08	12	10 12 23 16	स्कंद पंचमी, कुमार षष्ठी व्रत B दुर्गाष्टमी
17	चं	6 05 35 07 45	उफा 32 43 18 36	वरि 24 55 15 29	तै 05 35 07 45	34 42	05 31 19 21	24 04 08	कन्या	02 21 27 20	12	11 16 23 54	भ. 29।25 से, विवस्वत सप्तमी, बुध वक्री 28।04
00	चं	7 59 52 29 28	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षय: E श्री सत्यनारायण पूजा, कर्क सूर्य: 28।33
18	मं	8 55 05 27 34	ह 29 26 17 18	प 17 53 12 41	वि 27 20 16 27	34 40	05 31 19 21	25 05 09	तु. 28।48	02 22 24 33	12	12 18 24 00	भ. 16।25 तक, खरसी पूजा, अष्टान्हिका प्रारंभ, मासिक B
19	बु	9 51 24 26 05	चि 27 11 16 24	शि 11 42 10 13	बा 23 06 14 46	34 39	05 32 19 21	26 06 10	तुला	02 23 21 45	12	13 19 00 32	भड़ल्या नवमी, शूद्रादि 9, गुप्त नवरात्र स., मंसा पूजा
20	गु	10 48 53 25 05	स्वा 26 04 15 58	सि 06 25 08 06	तै 19 59 13 32	34 37	05 32 19 20	27 07 11	तुला	02 24 18 57	11	14 20 01 09	आशा दशमी, गिरिजा पूजा दशमी, मंगल अस्त 11।57
21	शु	11 47 33 24 34	वि 26 07 16 00	सा 02 05 06 23 शु 58 44 29 02	व 18 03 12 46	34 35	05 33 19 20	28 08 12	वृ. 09।57	02 25 16 10	11	15 20 01 48	भ. 12।43 से 24।31 तक, देवशयन एकादशी व्रत, C
22	श	12 47 25 24 32	अनु 27 22 16 30	शु 56 19 28 05	व 17 20 12 29	34 33	05 33 19 20	29 09 13	वृश्चिक	02 26 13 22	11	16 20 02 29	गंडमूल प्रा. 16।30 C चातुर्मास प्रा. D स. 18।54
23	र	13 48 29 24 58	ज्ये 29 47 17 28	ब्र 54 50 27 30	कौ 17 48 12 41	34 31	05 34 19 20	30 10 14	ध. 17।28	02 27 10 34	12	17 17 03 13	जय पार्वती व्रत प्रा., प्रदोष व्रत (शुक्ल), बुधास्त 25।37
24	चं	14 50 42 25 51	मू 33 19 18 54	ऐं 54 15 27 16	ग 19 26 13 21	34 29	05 34 19 19	31 11 15	धनु	02 28 07 46	12	18 12 04 00	भ. 25।48 से, चतुर्मास्य व्रत नियमादि प्रा. जैन, गंडमूल D
25	मं	15 54 00 27 11	पूषा 37 57 20 46	वै 54 30 27 23	वि 22 12 14 28	34 27	05 35 19 19	श्राव. 01 12 16	म. 27।17	02 29 04 58	12	19 04 04 51	भ. 14।25 तक, गुरु पूर्णिमा, अष्टान्हिका स., पूर्णिमा व्रत, E

❑ के भावों में अस्थिरता योग। रुख तेजी का बनेगा। वर्षा योग भी है। आकाश लक्षण–जुलाई 5, 7, 10, 15, 16 को राजस्थान, केरल, हरियाणा, बिहार, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश, गोवा, कर्नाटका, हिमाचल प्रदेश, कश्मीर, नागालैण्ड में भारी वर्षा के योग बनेंगे। आंधी का योग। बिजली गिरना, आकाशीय अशुभ घटनाओं का योग बनेगा। शकुन विचार–आषाढ़ पूनम दिना बादल गाज बीज बरसन्त। नासै लक्षण काल का आनंद मानो सन्त।। आषाढ़ सुदी नौमी दिना ना बादल ना गाज। हल, फाड़, इंधन करो बैठा खाओ बीज।। आषाढ़ सुदी चौथ की बिजली वर्षा गाज। उत्तम वर्षा समझिये उपजै खूब अनाज।। आषाढ़ सुदी आठै दिना अगर निर्मल रहे आकाश। चन्द्रदेव दे दरश तो हो वर्षा का नाश।।

आषाढ़ शु. 8 मंगल, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 9 जुलाई

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
02	05	03	03	07	02	08	02	08	00	10	08
22	16	10	10	22	12	23	23	23	12	24	27
24	25	20	17	02	26	07	26	26	02	31	54
33	49	34	56	59	27	58	14	14	29	21	11
57	845	38	05	05	73	04	00	00	01	00	01
12	59	08	05	40	31	25	09	09	37	33	27
–	–	मा	व	व	मा	व	मा	मा	मा	व	व
–	–	उ	उ	उ	अ	उ	अ	उ	उ	उ	उ
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

4 मं.बु. | 2 | 1 ह. | 5 | 3 सू.शु.रा. | 12 | 6 चं. | 9 के. | 11 ने. | 7 | 8 गु. | श.प्लू. | 10

[पक्ष फलम्]

यह पक्ष आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा बुधवार आर्द्रा-पुनर्वसु नक्षत्र से प्रारंभ होकर आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा (गुरु पूर्णिमा) मंगलवार पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र दिनांक 3 से 16 जुलाई 2019 तक रहेगा। चन्द्रदर्शन शुभ योग। गुप्त नवरात्रा प्रारंभ शुभ योग है। पक्ष में सप्तमी का क्षय होना अशोभनीय घटना का कारक होगा। चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ती तेजी कारक योग सभी वस्तुओं में बनेगा। पक्ष में दिनांक 16 जुलाई आषाढ़ शुक्ला पूर्णिमा मंगलवार को भुवन भास्कर सूर्यदेव कर्क में, वारात 4, नक्षत्रात 5, वारनाम महोदरी, चौरान सुखदा, नक्षत्रनाम नंदा, गणकान सुखदा, प्रभात रात्रि 4 प्रहर व्यापिनी, गोरक्षा, गोपालक हन्ति, पश्चिम गमने, वायव्यां दृष्टि, बालव करणे प्रविष्टा, मध्यम फल, व्याघ्र वाहन, अश्व उपवाहन, भीत योग (भय का वातावरण युद्ध का योग भी है), कुमारिका अवस्था (बैठी), मुहूर्ती 45, धान्य भाव महंगे बनेंगे। लाल रंग की वस्तुओं में तेजी बनेगी। शत्रुओं का आतंक बढ़ेगा। तेरह दिन का पक्ष बुध शुक्ल पक्ष अतिक्रूर। जन-जन में अशांति बढ़े प्रजा में बढ़े अत्याचार।। मूला गरजे आषाढ़ में खुश्क रोहिणी जाय। आर्द्रा पवन प्रचण्ड अति देवै काल दिखाय।। देवै काल दिखाय प्रजा डोले घबराई। खेती सूखे अधिक रहै पावस दुःखदायी।। पक्ष में व्यापारिक गतिविधि बढ़ेगी। पश्चिमोत्तर देशों में आतंकवाद, अग्निकांड बढ़ेंगे। नयी-नयी अशोभनीय घटनाएं घटेंगी। स्त्री वर्ग तथा धनाढ्य वर्ग का अपहरण चिन्ता दायक बनेगा। पशुओं के भावों में मंदी बनेगी। तृण महंगा होगा। विशिष्ट मंत्रीगणों में कलह बढ़ेगा। आरोप-प्रत्यारोप की घटनाओं से सर्वत्र अशांति बनेगी। वाहनों की दुर्घटनाएं ज्यादा होंगी। वायु तेज चलेगी। व्यापार भविष्य–ग्रह के योग से मजीठ, लालमिर्च, कालीमिर्च, धनियां, जीरा, चिरौंजी, कलौंजी, केशर, अजवायन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। शेयर्स बाजार, रोड़ी, पत्थर, सिमेन्ट, बजरी, सोना, चांदी व अन्य धातुओं के भाव सम रहेंगे। पेट्रोल, डीजल व अन्य इंधनों के भावों में तेजी चलेगी। तेल, घी, तथा अन्य तैलीय पदार्थों में भी तेजी बनेगी। आषाढ़ी दिवस जो बरसे सुर राय। एक मास तक अन्न की निश्चित तेजी खाय।। पक्ष में सभी वस्तुओं❑

आषाढ़ शु. 15 मंगल, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 16 जुलाई

4 मं.बु. | 2 | 1 ह. | 5 | 3 सू.शु.रा. | 12 | 6 | 9 चं. श. | 11 ने. | 7 | 8 गु. | के.प्लू. | 10

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
02	08	03	03	07	02	08	02	08	00	10	08
29	18	14	07	21	21	22	23	23	12	24	27
04	49	47	56	26	01	37	03	03	12	26	43
58	26	18	22	39	29	05	59	59	44	45	58
57	742	38	33	04	73	04	00	00	01	00	01
13	56	05	46	40	38	22	32	32	18	45	27
–	–	मा	व	व	मा	व	मा	मा	मा	व	व
–	–	अ	अ	उ	अ	उ	अ	उ	उ	उ	उ
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

श्रावण कृष्ण पक्षः -8 श्री सं. 2076 शाके 1941

ता. 17 जुला. से 1 अग. सन् 2019 ई., रा. मिति 26 आषा. से 10 श्रावण तक। रवि दक्षिणायने, उत्तर गोले, वर्षा ऋतु।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. (ति घ. प. घं. मि.)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ. प. घं. मि.)	योग स्टैं.टा. (यो घ. प. घं. मि.)	करण स्टैं.टा. (क घ. प. घं. मि.)	दिनमान (घ. प.)	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त (उदय घं. मि., अस्त घं. मि.)	दिनांक (प्र. मु. अं.)	चन्द्र राशि प्रवेश (भा.स्टैं.टा. रा.घं.मि.)	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. (रा. अं. क. वि.)	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली (उदय घं. मि., अस्त घं. मि.)	निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।
आ. 26	बु	1 58 17 28 54	उषा 43 34 23 01	वि 55 32 27 48	बा 26 01 16 00	34 25	05 35 19 19	02 13 17	मकर	03 00 02 11	57 12	19 51 05 44	अशून्य शयन, व्रजमंडल हिंडोला प्रा.
27	गु	2 60 00 - -	श्र 50 02 25 37	प्री 57 12 28 29	तै 30 45 17 54	34 23	05 36 19 18	03 14 18	मकर	03 00 59 23	13	20 33 06 37	तिथि वृद्धि, अशून्य शयन द्वितीया
28	शु	2 03 24 06 58	ध 57 08 28 28	आ 59 22 29 21	गर 03 24 06 58	34 21	05 36 19 18	04 15 19	कुं.15।01	03 01 56 37	13	21 11 07 31	भ. 20।03 से, पंचक प्रा. 14।58
29	श	3 09 09 09 16	श 60 00 - -	सौ 60 00 - -	वि 09 09 09 16	34 18	05 37 19 18	05 16 20	कुंभ	03 02 53 51	14	21 46 08 25	भ. 09।14 तक, गणेश चतुर्थी व्रत (कृ.), पुष्ये सूर्यः 16।26
30	र	4 15 12 11 42	श 04 35 07 27	सौ 01 47 06 20	बा 15 12 11 42	34 16	05 37 19 17	06 17 21	मी. 27।43	03 03 51 05	15	22 19 09 17	A गंडमूल प्रा. 13।16, कर्के शुक्रः 12।49, शुक्रास्त 09।10
31	चं	5 21 12 14 07	पूभा 12 02 10 27	शो 04 14 07 20	तै 21 11 14 07	34 13	05 38 19 17	07 18 22	मीन	03 04 48 20	15	22 50 10 09	गौरी पूजन, नाग पंचमी-मरुस्थले
श्राव. 01	मं	6 26 41 16 19	उभा 19 04 13 16	अ 06 23 08 12	व 26 41 16 19	34 11	05 39 19 16	08 19 23	मीन	03 05 45 36	16	23 21 11 00	भ. 16।16 से 29।14 तक, सिंह संक्रांति (सायन) 08।20, A
02	बु	7 31 13 18 08	रे 25 13 15 44	सु 07 54 08 49	ब 31 13 18 08	34 08	05 39 19 16	09 20 24	मे. 15।44	03 06 42 53	17	23 53 11 52	पंचक स. 15।42, शीतला सप्तमी-उड़ीसा
03	गु	8 34 21 19 24	अ 30 05 17 41	धृ 08 28 09 03	बा 02 58 06 51	34 05	05 40 19 15	10 21 25	मेष	03 07 40 11	18	24 00 12 46	अष्टमी, मासिक कालाष्टमी व्रत, गंडमूल स. 17।41
04	शु	9 35 47 19 59	भ 33 17 18 59	शू 07 47 08 47	तै 05 17 07 47	34 03	05 40 19 15	11 22 26	वृ. 25।12	03 08 37 29	19	00 27 13 42	गुरु हरिकिशन जी ज.-प्रा मत से
05	श	10 35 20 19 49	कृ 34 29 19 33	गं 05 41 07 57	व 05 48 08 00	34 00	05 41 19 14	12 23 27	वृष	03 09 34 49	20	01 04 14 40	भ. 07।57 से 19।46 तक, केर पूजा
06	र	11 32 58 18 52	रो 34 08 19 20	वृ 02 03 06 30 ध्रु 56 54 28 27	ब 04 23 07 26	33 57	05 41 19 13	13 24 28	वृष	03 10 32 09	21	01 46 15 41	कामदा एकादशी, रोहिणी व्रत
07	चं	12 28 45 17 12	मृ 31 46 18 24	व्या 50 18 25 49	कौ 01 04 06 07	33 54	05 42 19 13	14 25 29	मि. 06।58	03 11 29 30	22	02 34 16 43	प्रदोष व्रत (कृष्ण), बुध उदय 21।32
08	मं	13 22 55 14 52	आ 27 48 16 50	ह 42 26 22 41	व 22 55 14 52	33 51	05 42 19 12	15 26 30	मिथुन	03 12 26 53	23	03 29 17 45	भ. 14।49 से 25।27 तक, मिथुने बुधः 12।01
09	बु	14 15 43 12 00	पुन 22 31 14 43	व 33 33 19 08	शकु 15 43 12 00	33 48	05 43 19 12	16 27 31	क.09।18	03 13 24 16	23	04 31 18 44	
10	गु	30 07 33 08 45	पु 16 17 12 14	सि 23 57 15 18	ना 07 33 08 45	33 45	05 44 19 11	17 28 A1	कर्क	03 14 21 40	24	05 38 19 38	हरियाली अमावस्या, गंडमूल प्रा. 12।14, बुध मार्गी 08।37

❑ अग. को दक्षिण-पूर्वी व छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार, भूटान, नेपाल, हिमाचल प्रदेश, कश्मीर, उड़ीसा, कर्नाटका में भारी वर्षा का योग बनेगा। वायु वेग से जन-धन हानि भी होगी। फसलों में नुकसान होगा। शकुन विचार–श्रावण में कृतिका दिवस तो बरसे कुछ नीर। तो बरसात अति भरणी पूरवा चले समीर॥ श्रावण पहली पंचमी बरसे करे निहाल। पवन चले तो अति बुरी पड़े हलाहल काल॥ श्रावण कृष्ण 3, 4, 6, 10, 12, 14 को भारी वर्षा योग। अंधड़ भी चलेगा।

श्रावण कृ. 8 गुरु, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 25 जुलाई

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
03	00	03	03	07	03	08	02	08	00	10	08
07	07	20	02	20	02	21	22	22	12	24	27
40	01	29	07	51	04	58	35	35	22	18	30
11	51	58	10	04	58	29	22	22	37	50	55
57	741	38	34	03	73	04	00	00	00	01	01
18	00	04	35	12	49	10	24	24	53	00	26
-	-	मा	व	व	मा	व	मा	मा	मा	व	व
-	-	अ	अ	उ	अ	उ	अ	उ	उ	उ	उ
पुष्य 2	अश्वि.3	आश्ले.2	पुन.4	ज्येष्ठा 2	पुन.4	पू.षा.3	पुन.2	पू.षा.4	अश्वि.4	पू.भा.2	उ.षा.1

Kundali (25 जुलाई): 1 चं. ह. | 2 | 3 रा. | 4 मं.बु. सू.शु. | 5 | 6 | 7 | 8 गु. | 9 श.के.प्लू. | 10 | 11 ने. | 12

[पक्ष फलम्]

यह पक्ष श्रावण कृष्ण प्रतिपदा बुधवार उत्तराषाढ़ा नक्षत्र से प्रारंभ होकर अमावस्या हरियाली गुरुवार पुष्य नक्षत्र दिनांक 17 जुलाई से 1 अगस्त 2019 तक चलेगा। पक्ष में अशून्य शयन, ब्रजमण्डल हिण्डोला, तिथि द्वितीया वृद्धि, गौरी पूजन, नाग पंचमी (बंगाल में), ग्रह योग-शुक्र कर्क में, बुध मिथुन में, मंगल कर्क में, बुधादित्य योग शुभ। भौमादित्य योग विद्रोह कारक रहेगा। कामदा एकादशी, रोहिणी व्रत, श्रावण सोमवार व्रत, मंगला गौरी व्रत का पुण्य लाभ भी चलेगा। शनि-केतु-राहु-बुध की युक्ति देश में कुछ अशांति दायक कार्य बनेगा। गुप्तचरों का योग अचानक बनेगा। जन-धन की हानि होगी। राजनेताओं में विद्रोह होगा। महिला वर्ग का अपमान ज्यादा होगा। माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव होगा। पांच गुरुवार के कारण धान्य सस्ता होगा तथा छत्र-भंग का योग बनेगा। प्रथम दिन बुधवार के कारण अन्न में महंगाई बढ़ेगी। एकादशी रोहिणी युक्त होने से सुभिक्ष योग बनेगा। गुरुवारी अमावस्या होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष होगा। दुःख का विनाश होगा। प्रजा में आरोग्य रहेगा। लग्न भाव चतुर्थ ग्रह योग मं+बु+शु+सू के कारण खाद्यानों में तेजी बनेगी। पंजाब वासियों को पीड़ा दायक योग बनेगा। प्रजा में रोग, नवीन औद्योगिक क्रांति का योग बनेगा। मंत्रिमण्डल में अशांति दायक योग बनेगा। चित्रकार, पत्रकार परेशान रहेंगे। पक्षियों, जानवरों में पीड़ा होगी। दुर्घटनाएं भी ज्यादा होंगी। अतिवृष्टि योग चलेगा। असमानता का योग होगा। चौपायों में अनोखा रोग होगा। असमान वर्षा के कारण जनता चिन्तित रहेगी। शैक्षिक संस्थानों में हड़ताल योग। व्यापार भविष्य–ग्रहों की गति फलों में अनार, सेव, केला, अमरूद अधिक पैदावार व उपज से मंदी का योग भी बनेगा। चावल, गेहूं के भाव मंदे चलेंगे। मूंग, चना, घी भी सस्ता होगा। कपड़ा बाजार भी सस्ता चलेगा। भवन निर्माण सामग्री, लोहा, तांबा, पीतल, सोना, चांदी, स्टील, बजरी, चूना, सिमेन्ट, कली, रंगों के भावों में तेजी चलेगी। श्रावण कृष्ण एकादशी रोहिणी ऋपजे याम। उतना अन्न बिकावदे नहिं चिन्ता का काम॥ यदि श्रावण मास में बने रवि मंगल भृगु योग। अन्न तैल घी तेज हो दुःखी हों सब लोग॥ आकाश लक्षण–दिनांक 19, 21, 22, 23, 27, 30 जुला. ❑

श्रावण कृ. 30 गुरु, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 01 अगस्त

Kundali (01 अगस्त): 1 ह. | 2 | 3 बु. रा. | 4 सू.चं. मं. शु. | 5 | 6 | 7 | 8 गु. | 9 श.के.प्लू. | 10 | 11 ने. | 12

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
03	03	03	02	07	03	08	02	08	00	10	08
14	12	24	29	20	10	21	22	22	12	24	27
21	28	56	49	32	42	30	13	13	27	11	21
40	17	29	26	55	08	13	06	06	39	14	03
57	895	38	00	01	73	03	01	01	00	01	01
24	36	05	43	57	57	53	42	42	33	10	23
-	-	मा	व	व	मा	व	व	व	मा	व	व
-	-	अ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
पुष्य 4	पुष्य 3	आश्ले.3	पुन.3	ज्येष्ठा 2	पुष्य 3	पू.षा.3	पुन.2	पू.षा.4	अश्वि.4	पू.भा.2	उ.षा.1

श्रावण शुक्ल पक्षः -9

श्री सं. 2076 शाके 1941

ता. 2 से 15 अगस्त सन् 2019 ई., रा. मिति 11 से 24 श्रावण तक। रवि दक्षिणायने, उत्तर गोले, वर्षा ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. (ति घ. प. घं. मि.)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ. प. घं. मि.)	योग स्टैं.टा. (यो घ. प. घं. मि.)	करण स्टैं.टा. (क घ. प. घं. मि.)	दिनमान (घ. प.)	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त (उदय घं. मि. अस्त घं. मि.)	दिनांक (प्र. मु. अं.)	चन्द्र राशि प्रवेश (भा.स्टै.टा. रा. घं. मि.)	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. (रा. अं. क. वि.)	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली (उदय घं. मि. अस्त घं. मि.)	
00	गु	1 58 47 29 14	00 00 00 00 00	0 00 00 00 00	0 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षयः A आश्लेषायां सूर्यः 15।18, कर्के बुधः ❖
श्राव. 11	शु	2 49 48 25 39	आ 09 29 09 32	व्य 13 56 11 19	बा 24 17 15 27	33 42	05 44 19 10	18 29 02	सिं.09।32	03 15 19 04	57/25	06 47 20 27	चन्द्रदर्शन, सिन्धारा ❖ 06।00, जिल्हिज मु. मास प्रा.
12	श	3 41 00 22 09	म 02 34 06 46 / पूफा 55 59 28 08	व 03 51 07 17 / प 54 03 27 22	तै 15 20 11 53	33 38	05 45 19 09	19 जि. 01 03	सिंह	03 16 16 30	26	07 56 21 11	लघु तृतीया, मधुश्रवा 3, हरियाली 3, गंडमूल स. 06।46, A
13	र	4 32 47 18 52	उफा 50 03 25 47	शि 44 47 23 40	व 06 47 08 28	33 35	05 45 19 09	20 02 04	क. 09।31	03 17 13 56	27	09 03 21 52	भ. 08।25 से 18।49 तक, वरद 4, बहुला 4, जीवन्तिका B
14	चं	5 25 29 15 58	ह 45 11 23 50	सि 36 21 20 18	बा 25 29 15 58	33 32	05 46 19 08	21 03 05	कन्या	03 18 11 23	27	10 08 22 31	नाग पंचमी (देशाचारे), रंगोली पंचमी
15	मं	6 19 27 13 33	चि 41 38 22 26	सा 28 59 17 22	तै 19 27 13 33	33 29	05 46 19 07	22 04 06	तु. 11।03	03 19 08 51	28	11 12 23 09	कल्कि जयन्ती B पूजन, गणेश चतुर्थी व्रत (शु.)
16	बु	7 14 52 11 44	स्वा 39 38 21 38	शुभ 22 52 14 56	व 14 52 11 44	33 25	05 47 19 06	23 05 07	तुला	03 20 06 20	29	12 14 23 48	भ. 11।41 से 23।01 तक, तुलसीदास जयंती, शीतला C
17	गु	8 11 55 10 33	वि 39 16 21 30	शु 18 04 13 01	बव 11 55 10 33	33 22	05 47 19 06	24 06 08	वृ. 15।28	03 21 03 49	29	13 15 24 00	दुर्गाष्टमी, सिंहे मंगल 28।47
18	शु	9 10 38 10 03	अनु 40 32 22 01	ब्र 14 36 11 38	कौ 10 38 10 03	33 18	05 48 19 05	25 07 09	वृश्चिक	03 22 01 19	30	14 15 00 29	गंडमूल प्रा. 22।01 D एकादशी
19	श	10 10 57 10 12	ज्ये 43 19 23 08	ऐं 12 24 10 46	ग 10 57 10 12	33 15	05 49 19 04	26 08 10	ध. 23।08	03 22 58 50	31	15 13 01 12	भ. 22।26 से, C सप्तमी, भानु सप्तमी, मासिक दुर्गाष्टमी
20	र	11 12 45 10 55	मू 47 26 24 48	वै 11 22 10 22	वि 12 45 10 55	33 11	05 49 19 03	27 09 11	धनु	03 23 56 21	32	16 08 01 58	भ. 10।52 तक, गंडमूल स. 24।48, पवित्रा-पुत्रदा D
21	चं	12 15 50 12 10	पूषा 52 40 26 54	वि 11 19 10 21	बा 15 50 12 10	33 08	05 50 19 02	28 10 12	धनु	03 24 53 54	33	17 00 02 47	प्रदोष व्रत (शुक्ल), ईद-उल-जुहा (बकरीद), गुरु मार्गी 28।46
22	मं	13 19 57 13 49	उषा 58 47 29 21	प्री 12 06 10 40	तै 19 57 13 49	33 04	05 50 19 01	29 11 13	म. 09।29	03 25 51 27	34	17 48 03 38	E गायत्री जयंती, पूर्णिमा व्रत, पंचक प्रा. 21।28
23	बु	14 24 54 15 48	श्र 60 00 - -	आ 13 31 11 15	व 24 54 15 48	33 00	05 51 19 00	30 12 14	मकर	03 26 49 01	35	18 31 04 32	भ. 15।46 से 28।51 तक, श्री सत्यनारायण पूजा, हयग्रीव ज.
24	गु	15 30 27 18 02	श्र 05 33 08 04	सौ 15 25 12 01	बव 30 27 18 02	32 57	05 51 18 59	31 13 15	कुं. 21।30	03 27 46 37	36	19 11 05 25	भा. स्वतंत्रता दिवस, रक्षा बंधन, अमरनाथ दर्शन (कश्मीर), E

□ सिमेन्ट, शेयर्स बाजार भी जोरदार तेजी में होंगे। कागज और बिल्डिंग सामग्री विशेष तेजी में चलेंगे। **आकाश लक्षण**–अगस्त 4, 7, 12, 13, 15 को हरियाणा, चण्डीगढ़, राजस्थान, बिहार, दक्षिण-पश्चिमी तटीय प्रदेशों में भूकम्प व भारी बारिश से तबाही मचेगी। भू-स्खलन, बाढ़ के प्रकोप से बचें। वर्षा योग सर्वत्र अच्छा बनता है। कृषक खुश होंगे। **शकुन विचार**–श्रावण में धनिष्ठा के दिन नभ में बादल होय। वर्षा ऋतु में समझ लो उत्तम वर्षा होय। सावन शुक्ला सप्तमी को स्वाती नक्षत्र। सभी वस्तु मंदी रहे सुख सुभिक्ष सर्वत्र॥ वर्षा अच्छी होने का योग है। उपद्रवों से बचाव रखें।

श्रावण शु. 8 गुरु, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 8 अगस्त

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
03	06	03	03	07	03	08	02	08	00	10	08
21	24	29	02	20	19	21	21	21	12	24	27
03	26	23	18	23	20	04	50	50	30	02	11
49	06	03	26	41	09	16	51	51	16	31	38
57	807	38	44	00	74	03	00	00	00	01	01
30	11	05	16	39	03	30	20	20	12	19	18
-	-	मा	मा	व	मा	व	व	व	मा	व	व
-	-	अ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
आश्ले.2	विशा.2	आश्ले.4	[illegible] 4	[illegible] 2	आश्ले.1	[illegible] 3	[illegible] 1	[illegible] 3	आश्वि.4	[illegible] 2	[illegible] 1

लग्न कुण्डली (ता. 8 अगस्त): 5; 3 रा.; 6; 4 सू.मं. बु.शु.; 2; 1 ह.; 8 गु.; 7 चं.; 10; 12; 9 श.के.प्लू.; 11 ने.

[पक्ष फलम्]

यह पक्ष श्रावण शुक्ला प्रतिपदा गुरुवार **क्षय तिथि**, द्वितीया शुक्रवार आश्लेषा नक्षत्र से प्रारंभ होकर **श्रावण शुक्ला** पूर्णिमा रक्षाबंधन श्रवण नक्षत्र युक्त श्रेष्ठ सूर्योदय, स्वतंत्रता दिवस, श्री गायत्री जयंती, पूर्णिमा व्रत, पंचक प्रारंभ 21।28 तदनुसार दिनांक 2 से 15 अगस्त 2019 तक रहेगा। **चन्द्रदर्शन** तिथि क्षय योग से महंगाई बढ़ेगी। छोटी तीज का **सिंधारा से पक्ष** प्रारंभ होने से शुभ कार्यों का योग बनेगा। श्री लघु **तृतीया, छोटी** तीज व्रत कन्याओं के लिए शुभदायक रहेगा। **हरियाली तीज** शुभ आज ही आश्लेषा में सूर्य का प्रवेश 15।18 पर होने से पंचमेवा में तेजी बनेगी। **कर्क बुध** के कारण कुछ वस्तुओं के भाव आकाश छुयेंगे। पक्ष में नाग पंचमी, रंगोली पंचमी, कल्कि जयंती, तुलसी जयंती का **समावेश** आध्यात्मिकता की ओर संकेत बढ़ेगा। सिंह स्थित मंगल के कारण उपद्रव बढ़ेंगे। पशुओं में रोग, अग्निकांड भी ज्यादा होंगे। श्रीलंका में विवादजन्य स्थिति बनेगी। भारत का वर्चस्व विदेश व्यापार में बढ़ेगा। यातायात में कुछ अपराधों का योग बनेगा। केन्द्रीय सरकार में विवादास्पद मामला बनेगा। किसी वृद्ध नेता का शरीर त्याग भी होगा। अमेरिका का रुझान चिन्ता दायक रहेगा। **श्रावण शुक्ला सप्तमी जब छिप जाये भान। निर्मल गगन निहारिये तो वर्षा की हान॥ श्रावण शुक्ला पंच दश बरसत मेघ अपार। यह लक्षण है अति भले सुख पावे संसार॥ बिना श्रवण पूर्ण की श्रावणी बिगड़े अगली धाख। दुःख दायी श्रावण शुक्ल तेरह दिन का पाख॥** जनता में अशांति, कलह **बनेगा**। भूमि विवाद योग से न्यायालय का सहारा लेंगे। संकट रहेगा। **व्यापार भविष्य**–ग्रहों की चाल से धान्य, गेहूं, मोंठ, ज्वार, मक्का तेज होंगे। सोना, चांदी सस्ते होंगे। वस्त्र भी सस्ते होंगे। स्त्री संबंधी वस्त्र **महंगे होंगे**। मिर्च, अजवायन, सुपारी, तिल सस्ते होंगे। घी, तेल, चीनी महंगे होंगे। टिम्बर, अंरहर, खाद्यानों, चावल,□

श्रावण शु. 15 गुरु, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 15 अगस्त

लग्न कुण्डली (ता. 15 अगस्त): 5 मं.; 3 रा.; 6; 4 सू. बु.शु.; 2; 1 ह.; 8 गु.; 7; 10 चं.; 12; 9 श.के.प्लू.; 11 ने.

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
03	09	04	03	07	03	08	02	08	00	10	08
27	22	03	09	20	27	20	21	21	12	23	27
46	03	49	55	23	58	41	28	28	30	52	02
37	13	40	37	34	54	18	35	35	28	51	50
57	716	38	85	00	74	03	03	03	00	01	01
36	04	06	22	38	09	02	29	29	09	26	12
-	-	मा	मा	मा	मा	व	व	व	व	व	व
-	-	अ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
आश्ले.4	श्रवण 4	मघा 2	[illegible] 2	[illegible] 2	आश्ले.4	[illegible] 3	[illegible] 1	[illegible] 3	आश्वि.4	[illegible] 2	[illegible] 1

भाद्रपद कृष्ण पक्षः -10 श्री सं. 2076 शाके 1941

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. (ति घ. प. घं. मि.)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ. प. घं. मि.)	योग स्टैं.टा. (यो घ. प. घं. मि.)	करण स्टैं.टा. (क घ. प. घं. मि.)	दिनमान (घ. प.)	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त (उदय घं. मि. अस्त घं. मि.)	दिनांक (प्र. मु. अं.)	चन्द्र राशि प्रवेश (भा.स्टैं.टा. रा.घं.मि.)	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. (रा. अं. क. वि.)	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली (उदय घं. मि. अस्त घं. मि.)	ता. 16 से 30 अगस्त 2019 ई., रा. मिति 25 श्राव. से 8 भाद्रपद तक। रवि दक्षिणायने, उत्तर गोले, वर्षा-शरद ऋतु। निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।
25	शु	1 36 22 20 25	ध 12 46 10 58	शो 17 39 12 55	बा 03 22 07 12	32 53	05 52 18 59	32 14 16	कुम्भ	03 28 44 14	57 37	19 47 06 19	सिंहे शुक्रः 20।39 A (भाद्र), गंडमूल प्रा. 19।51
26	श	2 42 28 22 51	श 20 13 13 58	अ 20 03 13 53	तै 09 24 09 38	32 49	05 52 18 58	भाद्र 01 15 17	कुम्भ	03 29 41 51	39	20 20 07 12	सिंह संक्रांति, सिंह सूर्यः 13।02, मघायां सूर्यः 13।02
27	र	3 48 29 25 16	पूभा 27 41 16 57	सु 22 27 14 52	व 15 29 12 04	32 46	05 53 18 57	02 16 18	मी.10।13	04 00 39 31	40	20 52 08 04	भ. 12।02 से 25।14 तक, कजली तीज, सातुड़ी तीज
28	चं	4 54 09 27 33	उभा 34 53 19 51	धृ 24 40 15 46	बव 21 22 14 26	32 42	05 53 18 56	03 17 19	मीन	04 01 37 11	42	21 23 08 55	बहुला चतुर्थी, गणेश चतुर्थी व्रत (कृ.), संकष्ट चतुर्थी A
29	मं	5 59 08 29 33	रे 41 32 22 31	शू 26 30 16 30	कौ 26 44 16 36	32 38	05 54 18 55	04 18 20	मे.22।31	04 02 34 54	43	21 54 09 47	रक्षा पंचमी-उड़ीसा, पंचक स. 22।28, बुध अस्त 23।30
30	बु	6 60 00 - -	अ 47 18 24 50	गं 27 40 16 58	गर 31 16 18 25	32 34	05 55 18 54	05 19 21	मेष	04 03 32 37	45	22 26 10 39	तिथि वृद्धि, चांद 6, हल 6, ललही 6, गंडमूल स. 24।50
31	गु	6 03 05 07 09	भ 51 49 26 39	वृ 27 55 17 05	वणि 03 05 07 09	32 30	05 55 18 53	06 20 22	मेष	04 04 30 23	47	23 01 11 33	भ. 07।06 से 19।42 तक
भाद्र 01	शु	7 05 41 08 12	कृ 54 46 27 50	ध्रु 27 01 16 44	बव 05 41 08 12	32 26	05 56 18 52	07 21 23	वृ.09।00	04 05 28 10	48	23 40 12 29	दूर्वाष्टमी, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (स्मा.), शरदऋतु प्रा.15।32, B
02	श	8 06 37 08 35	रो 55 56 28 18	व्या 24 44 15 50	कौ 06 37 08 35	32 22	05 56 18 51	08 22 24	वृष	04 06 25 59	50	24 00 13 27	जन्माष्टमी-वैष्णव, मां काली जयंती, रोहिणी व्रत
03	र	9 05 42 08 13	मृ 55 12 28 01	ह 20 57 14 20	गर 05 42 08 13	32 18	05 57 18 49	09 23 25	मि.16।16	04 07 23 49	52	00 24 14 27	भ. 19।42 से, नन्द महोत्सव, गोगा नवमी
04	चं	10 02 51 07 06	आ 52 35 26 59	व 15 38 12 12	वि 02 51 07 06	32 14	05 57 18 48	10 24 26	मिथुन	04 08 21 41	54	01 14 15 28	भ. 07।03 तक, अजा एकादशी-स्मा., सिंहे बुधः 14।07
00	चं	11 58 09 29 13	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षयः B कन्या संक्रांति (सायन) 15।32, मासिक कालाष्टमी
05	मं	12 51 44 26 39	पुन 48 15 25 16	सि 08 48 09 29	कौ 25 07 16 01	32 10	05 58 18 47	11 25 27	क.19।45	04 09 19 35	55	02 11 16 27	बिच्छ बारस, वत्स द्वादशी, पर्यूषण प्रा.
06	बु	13 43 53 23 31	पु 42 29 22 58	व्य 00 36 06 13 / वरि 51 18 26 29	गर 17 57 13 09	32 06	05 58 18 46	1[illegible] 28	कर्क	04 10 17 31	57	03 15 17 23	भ. 23।29 से, प्रदोष व्रत (कृ.), कैलाश यात्रा, गंडमूल प्रा. 22।58
07	गु	14 34 59 19 58	आ 35 37 20 14	प 41 08 22 26	वि 09 32 09 47	32 02	05 59 18 45	[illegible] 27 29	सिं.20।14	04 11 15 29	59	04 22 18 14	भ. 09।45 तक, अघोरा चतुर्दशी ❖ गंडमूल स. 17।14.
08	शु	30 25 27 16 10	म 28 07 17 14	शि 30 28 18 10	चतु 00 16 06 05	31 58	05 59 18 44	14 28 30	सिंह	04 12 13 28	58 00	05 32 19 01	कुशोत्पाटिनी पिठोरी अमावस्या, लोहार्गल स्नान (राज.), ❖

❑ को हानि का योग बनेगा। शकुन विचार–भादव मास को पड़े शुक्रवार शुभवार। हो सुभिक्ष वर्षा घनी उत्तम पैदावार।। दोयज भादों वदी में घटा रहे आकाश। अन्न खरीदो अधिक ही तेजी फाल्गुन मास। वक्र चाल शनि चलै मशीनरी माल में तेजी का योग। खल, तिलहन का संग्रह करो लाभ छठे मास।। अनहोनी होनी होवे वही होनी सो होय। व्यापारी वर्ग चिन्ता करे समय गति लाखि न कोय।।

भाद्रपद कृ. 8 शनि, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 24 अगस्त

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
04	01	04	03	07	04	08	02	08	00	10	08
06	10	09	25	20	09	20	20	20	12	23	26
25	53	32	23	36	06	16	59	59	27	39	52
59	46	47	32	40	56	57	59	59	12	20	42
57	775	38	115	02	74	02	01	01	00	01	01
50	27	09	43	17	18	21	01	01	35	33	02
-	-	मा	मा	मा	मा	व	मा	मा	व	व	व
-	-	अ	अ	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
मघा 2	रोहि. 1	मघा 3	आश्ले. 3	ज्येष्ठा 2	मघा 3	पू.षा. 3	पुन. 1	पू.षा. 3	अश्वि. 4	पू.भा. 2	उ.षा. 1

6, 7, 5 सू.मं.शु., 4 बु., 3 रा., 2 चं., 8 गु., 9 श.के.प्लू., 10, 11 ने., 12, 1 ह.

[पक्ष फलम्]

यह पक्ष भाद्रपद कृष्ण प्रतिपदा शुक्रवार धनिष्ठा नक्षत्र से प्रारंभ होकर भाद्रपद अमावस्या शुक्रवार मघा नक्षत्र तक तदनुसार दिनांक 16 से 30 अगस्त 2019 तक रहेगा। पक्ष में शुक्र सिंह राशि में 20।39 से प्रवेश दिनांक 16 अगस्त को करेगा। स्त्री संबंधी वस्तुएं महंगी होंगी। गोपनीय कृत्यों का पर्दाफाश होगा। स्त्री वर्ग की गोपनीयता जो अशोभनीय है का खुलाशा यत्र-तत्र होगा। भाद्रपद कृष्ण 2 शनिवार को भुवन भास्कर सूर्यदेव सिंह राशि में प्रवेश, वारात 4, नक्षत्रात 4, वारनाम राक्षसी, चाण्डालान सुखदा, नक्षत्रनाम महोदरी, चौरान् सुखदा, मध्याहन दूसरे प्रहर व्यापिनी, द्विज हन्ति। हाथी वाहन, खर उपवाहन, लक्ष्मीकारक, रक्त वस्त्र, श्वेत कंचुकी, प्रौढ़ावस्था (बैठी), मुहूर्ता 15, धान्ये भावों में तेजी योग होगा। ग्रहों की युक्ति से खाद्यान्न महंगा होगा। क्षुधा चोर अस्त्र व रोगों की वृद्धि होगी। उड़द व मूंग कम उत्पन्न होंगे। सुख-सुभिक्ष से धान्य निरोग रहे। गायों को पीड़ा हो। तेल, घृत, रसकस के मूल्यों में वृद्धि होगी। भूमि में अनेक प्रकार के अन्न की उत्पत्ति होगी। रोग बढ़ेगा। भादों कारी तीज में उत्तर दिशा प्रदोष। बादर लख सुख मानिये मिटे मिटाया दोष।। संग्रह कर लो अन्न का रुका रहे षट्मास। लाभ होय उस माल में कर लो दृढ़ विश्वास।। भादो बदले राशि रवि दस दिन जल बरसाय। रोग होय संसार से आश्विन मास भय दाय।। श्री कृष्ण जन्माष्टमी शनिवार रोहिणी योग से कुछ स्थाई कार्य सरकार द्वारा विकासात्मक होगा। अमेरिका, फ्रांस, श्रीलंका, इण्डोनेशिया, हिन्दचीन, आस्ट्रेलिया, इंग्लैण्ड में प्राकृतिक आपदा से जनता में त्राहि-त्राहि का योग। अनिष्ट बनेगा। व्यापार भविष्य–ग्रहों की चाल से धान्य, बाजरा, गेहूं कम तथा तेजी में चलेंगे। टमाटर, मिर्च, प्याज, लहसुन महंगे होंगे। घी, चीनी, हल्दी, जीरा, मसूर की दाल में तेजी होगी। पिस्ता, किशमिश, बादाम, केशर के भावों में मंदी आयेगी। लोहा, चांदी, सोना, जस्ता, पीतल महंगे होंगे। अजवायन, सुपारी, शक्कर, गुड़, चीनी मंदे होंगे। टिम्बर, खाद्यान, चावल, सिमेन्ट, चूना, बजरी, पत्थर, लकड़ी में विशेष तेजी का योग बनेगा। आकाश लक्षण–अगस्त 19, 22, 27, 28, 30 को केरल, महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु में भारी वर्षा, आंधी-तूफान का योग बनेगा। छोटी फसलों को नुकसान होगा। उत्तरी पूर्वी इलाकों में भू-स्खलन का योग बनेगा। हिमपात भी यत्र-तत्र होने का योग बनता है। हरियाणा में बाढ़ की स्थिति विशेष बनेगी। राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश में [illegible]

भाद्रपद कृ. 30 शुक्र, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 30 अगस्त

6, 5 शु., 4, 3 रा., 7, सू.चं.मं.बु., 2, 8 गु., 9 श.के.प्लू., 10, 11 ने., 12, 1 ह.

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
04	04	04	04	07	04	08	02	08	00	10	08
12	05	13	07	20	16	20	20	20	12	23	26
13	52	21	12	53	32	04	40	40	22	29	46
28	22	53	28	32	59	21	54	54	52	48	49
58	914	38	118	03	74	01	07	07	00	01	00
00	18	12	49	21	23	50	20	20	52	37	55
-	-	मा	मा	मा	मा	व	व	व	व	व	व
-	-	अ	अ	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
मघा 4	मघा 2	पू.फा. 1	मघा 3	ज्येष्ठा 2	पू.फा. 1	पू.षा. 3	पुन. 1	पू.षा. 3	अश्वि. 4	पू.भा. 2	उ.षा. 1

भाद्रपद शुक्ल पक्षः -11 श्री सं. 2076 शाके 1941

दिन मान | स्टैं. टा. सूर्योदयास्त | दिनांक प्र. मु. अं. | चन्द्र राशि प्रवेश | दै. रवि स्पष्ट प्रातः | ता. 31 अग. से 14 सितं. सन् 2019 ई., रा. मिति 9 से

भाद्रपद शुक्ल पक्षः -11 शाके 1941

ता. 31 अग. से 14 सित. सन् 2019 ई., रा. मिति 9 से 23 भाद्रपद तक। रवि दक्षिणायने, उत्तर गोले, शरद ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. (ति घ. प. घं. मि.)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ. प. घं. मि.)	योग स्टैं.टा. (यो घ. प. घं. मि.)	करण स्टैं.टा. (क घ. प. घं. मि.)	दिनमान	सूर्योदयास्त उदय अस्त (घं. मि. घं. मि.)	दिनांक प्र. मु. अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टैं.टा. रा.घं.मि.	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. (रा. अं. क. वि.)	[illegible]	चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय अस्त (घं. मि. घं. मि.)	विवरण
09	श	1 15 43 12 17	पूफा 20 26 14 10	मि 19 40 13 52	बव 15 43 12 17	31 54	06 00 18 43	15 29 31	क. 19।25	04 13 11 28	58 02	06 42 19 44	चन्द्रदर्शन, कल्पसूत्र पाठ, संवत्सरी महापर्व, पूफायां ❖
10	र	2 06 13 08 30	उफा 13 03 11 13	सा 09 07 09 39 / शुभ 59 12 29 41	कौ 06 13 08 30	31 50	06 00 18 42	16 मोह. 01 S1	कन्या	04 14 09 30	03	07 50 20 25	तेलाधर तपस्या, वराह ज., हरितालिका तीज (भाद्र.), ●
00	र	3 57 28 28 59	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षयः A कलंकी 4, पत्थर 4, गणेश चतुर्थी व्रत (शु.)
11	चं	4 49 50 25 57	ह 06 27 08 35	शु 50 13 26 06	व 23 28 15 24	31 46	06 01 18 41	17 02 02	तु. 19।27	04 15 07 34	05	08 56 21 05	भ. 15।21 से 25।54 तक, श्वे. पर्यूषण स., विनायक 4, A
12	मं	5 43 43 23 30	चि 01 04 06 27 / स्वा 57 17 28 56	ब 42 29 23 01	बद 16 33 12 38	31 42	06 01 18 40	18 03 03	तुला	04 16 05 39	06	10 01 21 45	ऋषि पंचमी, क्षमावाणी पर्व, दिग. दशलक्षण प्रा.
13	बु	6 39 24 21 47	वि 55 20 28 10	ऐं 36 14 20 31	कौ 11 19 10 33	31 38	06 02 18 38	19 04 04	वृ. 22।17	04 17 03 46	08	11 05 22 26	ललिता 6, बलदेव 6, सूर्य षष्ठी ❖ सूर्यः 09।00
14	गु	7 37 05 20 52	अनु 55 23 28 11	वै 31 35 18 40	ग 07 59 09 14	31 34	06 02 18 37	20 05 05	वृश्चिक	04 18 01 54	09	12 07 23 09	भ. 20।50 से, गंडमूल प्रा. 28।11, सन्तान सप्तमी, शिक्षक B
15	शु	8 36 48 20 46	ज्ये 57 24 29 00	वि 28 33 17 28	वि 06 41 08 43	31 30	06 03 18 36	21 06 06	ध.29।00	04 19 00 04	11	13 07 23 55	भ. 08।40 तक, राधा 8, अष्टमी तिथि (शु.), श्री दधीची ज.
16	श	9 38 25 21 25	मू 60 00 - -	प्री 27 01 16 52	बा 07 22 09 00	31 25	06 03 18 35	22 07 07	धनु	04 19 58 15	12	14 04 24 00	अदु:ख नवमी, चन्द्र नवमी D जयंती, कन्यायां बुधः 28।59
17	र	10 41 41 22 44	मू 01 10 06 32	आ 26 49 16 47	तै 09 51 10 00	31 21	06 04 18 34	23 08 08	धनु	04 20 56 28	12	14 57 00 43	धूप/सुगंध दशमी, रामदेव ज., गंडमूल स. 06।32
18	चं	11 46 14 24 34	पूषा 06 26 08 39	सौ 27 40 17 08	व 13 49 11 36	31 17	06 04 18 33	24 09 09	म.15।15	04 21 54 42	15	15 46 01 34	भ. 11।33 से 24।31 तक, जलझूलनी-पद्मा एकादशी व्रत, C
19	मं	12 51 42 26 45	उषा 12 48 11 12	शो 29 17 17 47	बव 18 52 13 37	31 13	06 05 18 31	25 10 10	मकर	04 22 52 57	17	16 31 02 27	विजया महाद्वादशी, वामन ज., मुहर्रम ताजिया, भुवनेश्वरी, D
20	बु	13 57 40 29 09	श्रव 19 52 14 02	अति 31 23 18 38	कौ 24 38 15 56	31 09	06 05 18 30	26 11 11	कुं.27।31	04 23 51 14	18	17 11 03 21	रत्नत्रय प्रा., प्रदोष व्रत (शु.), पंचक प्रा. 27।28, भौम अस्त 17।08
21	गु	14 60 00 - -	धनि 27 18 17 01	सु 33 44 19 35	गर 30 45 18 23	31 05	06 06 18 29	27 12 12	कुम्भ	04 24 49 33	20	17 48 04 14	तिथि वृद्धि, अनन्त 14 व्रत, दिग. दशलक्षण स., शुक्र उदय 17।07
22	शु	14 03 50 07 38	शत 34 47 20 01	धृ 36 06 20 32	व 03 50 07 38	31 00	06 06 18 28	28 13 13	कुम्भ	04 25 47 53	22	18 22 05 07	भ. 07।35 से 20।49 तक, महालय श्राद्ध, श्राद्ध प्रारंभ, E
23	श	15 09 57 10 05	पूभा 42 08 22 58	शू 38 21 21 27	बव 09 57 10 05	30 56	06 07 18 27	29 14 14	मी.16।14	04 26 46 15	24	18 54 06 00	रत्नत्रय समाप्त, प्रौष्ठ पदी पूर्णिमा व्रत, प्रतिपदा श्राद्ध

❑ 1, 4, 5, 7, 8, 10, 12, 13 को मूसलाधार बारिस हो तो अगले तीन मास में शेयर्स बाजार में तेजी बनेगी। वस्त्र सस्ते होंगे। भादवा शुक्ला सप्तमी बादल गाज न बीज। यह लक्षण दुर्भिक्ष का महंगी हो सब चीज॥ भादवा शुक्ला अष्टमी निर्मल चन्दा सूर। अन्न वस्त्र तेजी चले पांच मास भरपूर॥

● मोहर्रम हिजरी सन् 1441 प्रा. B दिवस, मासिक दुर्गाष्टमी
C डोल ग्यारस, कन्यायां शुक्रः 25।41 E श्री सत्यनारायण पूजा, उफायां सूर्यः 26।54

भाद्रपद शु. 8 शुक्र, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 6 सितंबर

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
04	07	04	04	07	04	08	02	08	00	10	08
19	17	17	20	21	25	19	20	20	12	23	26
00	22	49	48	21	13	53	18	18	15	18	40
04	50	31	39	10	54	44	39	39	42	21	57
58	783	38	113	04	74	01	01	01	01	01	00
10	25	16	25	33	27	11	19	19	11	39	45
-	-	मा	मा	मा	मा	व	व	व	व	व	व
-	-	अ	अ	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

6 5 4
7 सू.मं. बु.शु. 3 रा.
2
9 श.के. प्लू. 8 चं.गु. 11 ने. 1 ह.
10 12

[पक्ष फलम्]

यह पक्ष शनिवार प्रतिपदा पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र चन्द्रदर्शन सहित से भाद्रपद पूर्णिमा शनिवार पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र तक तदनुसार दिनांक 31 अगस्त से 14 सितंबर तक चलेगा। पक्ष में कल्पसूत्र पाठ, संवत्सरी महापर्व, जैन धर्मानुसार संचालित होंगे। पूर्वाफाल्गुनी में सूर्य का प्रवेश 9।00 पर होना धातु बाजार में तेजी का योग बनेगा। पक्ष में तेलाधर तपस्या से धर्म की ज्योति बढ़ेगी। वराह जयंती, हरितालिका तीज से सनातन धर्म की संस्कृति को भी बढ़ावा मिलेगा। सौभाग्यवती स्त्रियों को व्रत का शुभ लाभ प्राप्त होगा। इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा में वृद्धि होगी। पांच शनिवार होने से महंगाई बढ़ेगी। श्रीकृष्णाष्टमी रोहिणी युक्त होने से शुभ दायक है। शुक्रवारी अमावस्या के योग से जलभ्रंश योग बनेगा। और कृषक वर्ग परेशान रहेंगे। अमावस्या सर्व वस्तुओं में तेजी का कारक रहेगी। उपद्रव भी बढ़ेंगे। प्राकृतिक आपदा का योग बनेगा। मास में शुक्ला तृतीया का क्षय होने से मूंग, घी, तेल महंगे होंगे। शनिवारी संक्रांति होने से अशुभ दायक योग ज्यादा बनेंगे। चोरी, डकैती, अशोभनीय घटनाओं का योग ज्यादा बनेगा। चतुर्थ ग्रह युक्ति मंगल बुध सूर्य शुक्र की जब होई। सुखद योग जनता में मंगल कार्य की हुई बढ़ाई॥ शनि केतु पंचम भाव सिंह लग्न में होई। शत्रु पक्ष की हार निश्चित होवे भाई॥ नेपाल, श्रीलंका, ब्रिटेन, भूटान, चीन, जर्मनी, जापान, कनाडा, आस्ट्रेलिया, मंगोलिया, हिन्दचीन, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन में प्राकृतिक उपद्रव, बाढ़ से जन-धन हानि का योग बनेगा। राजनैतिक कार्यों में बाधाएं बनेंगी। स्त्री वर्ग का वर्चस्व बढ़ेगा। व्यापारी वर्ग को विशेष चिन्ता होगी। कीमतों में उठापटक ज्यादा होने से हानि-लाभ का दायित्व नहीं बन पायेगा। औद्योगिक क्रांति का योग बनेगा। केन्द्रीय सत्ता पक्ष में अनहोनी अप्रिय घटना घटने का योग बनेगा। धार्मिक कार्यों की चहल-पहल भी यत्र-तत्र-सर्वत्र चलेगी। व्यापार भविष्य-ग्रहों की गति से गेहूं, मोठ, ज्वार, मक्का में तेजी बनेगी। लोहा, सोना, चांदी, पीतल, तांबा में मंदी आयेगी। वस्त्र उद्योग में तेजी का विशेष योग बनेगा। अजवायन, तिल, सरसों, रायरा, तिलहन, दलहन, लकड़ी, मिट्टी के बर्तनों में तेजी का योग अच्छा चलेगा। टमाटर, प्याज, मिर्च, हल्दी, फल, सब्जी बाज़ार तेजी में चलेगा। सोना, चांदी, लोहा, तांबा, पीतल में विशेष तेजी का योग बनेगा। लाभ लेवें। आकाश लक्षण-दिनांक 3, 6, 7, 8, 9, 11, 14 सितंबर को उत्तरी-पूर्वी भू-भाग, असम, दिल्ली, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान, उड़ीसा, मध्य प्रदेश के क्षेत्रों में भारी वर्षा का योग। नदियों में तुफान-उफान बनेगा। ताल-तलैया भी हिलोरें लेंगे। बाढ़ का योग भी। शकुन विचार-भाद्रपद शुक्ला❑

भाद्रपद शु. 15 शनि, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. [illegible] सितंबर

6 बु.शु. 4
7 5 सू. मं. 3 रा.
2
9 श.के. प्लू. 8 गु. 11 चं. ने. 1 ह.
10 12

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
04	10	04	05	07	05	08	02	08	00	10	08
26	24	22	05	22	05	19	19	19	12	23	26
46	41	55	20	02	09	47	53	53	04	05	35
15	13	54	41	43	39	15	14	14	56	08	43
58	712	38	104	05	74	00	10	10	01	01	00
23	11	20	26	50	29	25	48	48	30	39	33
-	-	मा	मा	मा	मा	व	व	व	व	व	व
-	-	अ	अ	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

आश्विन कृष्ण पक्षः -12 श्री सं. 2076 शाके 1941

ता. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. (ति घ. प. घं. मि.)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ. प. घं. मि.)	योग स्टैं.टा. (यो घ. प. घं. मि.)	करण स्टैं.टा. (क घ. प. घं. मि.)	दिनमान (घ. प.)	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त (उदय घं. मि., अस्त घं. मि.)	दिनांक (प्र. मु. अं.)	चन्द्र राशि प्रवेश (भा.स्टैं.टा. रा. घं. मि.)	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. (रा. अं. क. वि.)	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली (उदय घं. मि., अस्त घं. मि.)	ता. 15 से 28 सितं. सन् 2019 ई., रा. मिति 24 भाद्र. से 6 आश्वि.तक। रवि दक्षिणायने, उत्तर-दक्षिण गोले, शरद् ऋतु। निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।
भाद्र. 24	र	1 15 49 12 27	उभा 49 10 25 47	गं 40 21 22 15	कौ 15 49 12 27	30 52	06 07 18 25	30 15 15	मीन	04 27 44 39	58/25	19 25 06 51	क्षमावाणी पर्व, द्वितीया श्राद्ध, गंडमूल प्रा. 25।47
25	चं	2 21 16 14 38	रे 55 42 28 25	वृ 41 59 22 55	गर 21 16 14 38	30 48	06 08 18 24	31 16 16	मे. 28।25	04 28 43 05	27	19 56 07 43	भ. 27।36 से, पंचक स. 28।22
26	मं	3 26 09 16 36	अ 60 00 - -	ध्रु 43 08 23 23	वि 26 09 16 36	30 43	06 08 18 23	आ. 01 17 17	मेष	04 29 41 33	29	20 28 08 35	भ. 16।33 तक, तृतीया श्राद्ध, विश्वकर्मा दि., कन्या संक्रांति,A
27	बु	4 30 15 18 15	अ 01 35 06 46	व्या 43 38 23 36	बा 30 15 18 15	30 39	06 09 18 22	02 18 18	मेष	05 00 40 03	32	21 01 09 28	चतुर्थी श्राद्ध, गंडमूल स. 06।46 C कन्यायां मंगल 06।33
28	गु	5 33 21 19 29	भर 06 36 08 48	ह 43 20 23 29	कौ 01 56 06 55	30 35	06 09 18 21	03 19 19	वृ. 15।14	05 01 38 35	34	21 38 10 23	पंचमी श्राद्ध, **शनि मार्गी** 08।58 D 18।26, चतुर्दशी श्राद्ध
29	शु	6 35 12 20 14	कृ 10 32 10 22	वज्र 42 01 22 58	गर 04 26 07 56	30 31	06 10 18 19	04 20 20	वृष	05 02 37 09	36	22 19 11 20	भ. 20।11 से, षष्ठी श्राद्ध B तुला संक्रांति (सायन) 13।20
30	श	7 35 34 20 24	रो 13 06 11 24	सि 39 32 21 59	वि 05 34 08 24	30 26	06 10 18 18	05 21 21	मि.23।41	05 03 35 46	38	23 05 12 18	भ. 08।21 तक, सप्तमी श्राद्ध, रोहिणी व्रत
31	र	8 34 16 19 53	मृग 14 05 11 49	व्य 35 43 20 28	बा 05 08 08 14	30 22	06 11 18 17	06 22 22	मिथुन	05 04 34 24	40	23 58 13 17	अष्टमी श्राद्ध, मासिक कालाष्टमी व्रत, बुधोदयः 24।18
आश्वि. 01	चं	9 31 13 18 40	आ 13 23 11 32	वरि 30 30 18 23	तै 02 57 07 22	30 18	06 11 18 16	07 23 23	क. 28।52	05 05 33 05	43	24 00 14 15	भ. 29।45 से, मातृ 9, नवमी श्राद्ध, दक्षिण गोल 13।20, B
02	मं	10 26 25 16 45	पुन 10 55 10 34	परि 23 52 15 44	वि 26 25 16 45	30 14	06 12 18 15	08 24 24	कर्क	05 06 31 49	45	00 57 15 10	भ. 16।42 तक, दशमी श्राद्ध, गुरुनानक शहीदी दिवस
03	बु	11 20 00 14 12	पु 06 49 08 55	शि 15 54 12 34	बा 20 00 14 12	30 09	06 12 18 13	09 25 25	कर्क	05 07 30 34	47	02 01 16 02	एकादशी श्राद्ध, इंदिरा एकादशी, गंडमूल प्रा. 08।55, C
04	गु	12 12 13 11 06	आ 01 15 06 43 म 54 37 28 03	सि 06 47 08 55 सा 56 49 28 56	तै 12 13 11 06	30 05	06 13 18 12	10 26 26	सिं.06।43	05 08 29 21	49	03 08 16 49	द्वादशी-त्रयोदशी श्राद्ध, गजच्छाया, प्रदोष व्रत (कृ.), ❖
05	शु	13 03 24 07 35	पूफा 47 15 25 07	शुभ 46 15 24 43	व 03 24 07 35	30 01	06 13 18 11	11 27 27	सिंह	05 09 28 11	51	04 17 17 34	भ. 07।32 से 17।40 तक, कात्यायनी जयंती, हस्ते सूर्यः D
00	शु	14 54 00 27 49	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षयः, A गणेश 4 व्रत (कृ.), कन्यायां सूर्यः 13।02
06	श	30 44 24 23 59	उफा 39 39 22 05	शु 35 28 20 25	चतु 19 11 13 54	29 57	06 14 18 10	12 28 28	क. 06।22	05 10 27 03	53	05 25 18 15	सर्वपितृ श्राद्ध, मातामह (श्राद्ध) समाप्त ❖ गंडमूल स. 28।03

❑ होगा। **आकाश लक्षण**–सितंबर 16, 17, 23, 25, 28 को पर्वतीय इलाकों, दक्षिण-पश्चिम भारत, पूर्वांचल में तेज मूसलाधार वर्षा का योग बनता है। उल्कापात, हिमपात का योग भी बनेगा। तेज धूप से काफी बीमारियां भी बढ़ेंगी। पशुओं में रोग बढ़ेगा। नेत्र रोग पीड़ा बढ़ेगी। **शकुन विचार**–आश्विन कृष्णा 1, 4, 5, 6, 10, 13, अमावस को तेज हवायें हो तो अगले दो मास तक सभी प्रकार के खाद्य पदार्थ महंगे होंगे। पड़वा दशमी अष्टमी कृष्ण पक्ष आसोज। बादल हो तो शीघ्र वर्षा से हो मौज॥ आश्विन लागत चौथ को बादल निकसे सूर। वर्षा हो तो जानिये कुशल आरोग्य वर्षा हो भरपूर॥ मास में सुखद योग वर्षा का बनेगा।

आश्विन कृ. 8 रवि, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 22 सितंबर

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
05	02	04	05	07	05	08	02	08	00	10	08
04	03	28	18	22	15	19	19	19	11	22	26
34	10	02	42	54	05	46	27	27	51	52	32
24	59	59	32	10	48	58	48	48	39	04	12
58	792	38	96	07	74	00	00	00	01	01	00
40	51	27	06	02	33	22	07	07	48	36	19
–	–	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व
–	–	अ	ठ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
उ.फा. 3	मृग. 3	उ.फा. 1	हस्त 3	चित्रा 2	हस्त 2	पू.षा. 2	पुन. 1	पू.षा. 3	अश्वि. 4	पू.भा. 1	पू.षा. 4

भाव	ग्रह
1	ह.
2	
3	चं. रा.
4	
5	म.
6	सू. बु. शु.
7	
8	गु.
9	श. के. प्लू.
10	
11	ने.
12	

[पक्ष फलम्]

यह पक्ष आश्विन कृष्ण प्रतिपदा रविवार उभा. नक्षत्र से प्रारंभ होकर आश्विन अमावस्या शनिवार उफा. नक्षत्र तक तदनुसार दिनांक 15 से 28 सितंबर तक रहेगा। पक्ष में श्राद्ध पक्ष का दान-पुण्य चलेगा। पक्ष में आश्विन कृष्णा 3 मंगलवार तदनुसार 17 सितंबर 2019 वारात 4, नक्षत्रात 5, वारनाम महोदरी, चौरान सुखदा, नक्षत्र नाम ध्वांक्षी, वैश्यान सुखदा, मध्याह्न 2 प्रहर व्यापिनी, द्विजान हन्ति, अश्व वाहन, सिंह उपवाहन, नील कंचुकी, वृद्धावस्था (बैठी), मुहूर्ती 30, धान्य भाव सम, कारक पुण्य काल, गोधूली वेला शुभदायक। अन्न भक्षणम्, कस्तूरी आलेप कर देव जाति आभूषण युक्त शुभ दायक। न्याय मार्ग विजय दायिनी योग। अग्निकांड ज्यादा होने का योग बनेगा। शुक्रोदय पश्चिम दिशा में स्त्री वर्ग का वर्चस्व बढ़ेगा। सूर्यदेव कन्या राशि में संचरण करेंगे। **कन्यायां रवि नारियल, तिलहन आदि मजिष्ठ। लाल द्रव्य घी तेल सब महंगे बिके विशिष्ठं॥ मंगलवारी संक्रांति उपद्रव युद्ध का करे संकेत। गृह कलह भी बढ़ चले रूपे मालिक निकेत॥** पश्चिमोत्तर देशों में जीव-जगत में अशांति उपद्रव की स्थिति बनेगी। कोई विशिष्ट नेता का देहावसान योग बनेगा। वोटों की राजनीति में हत्याओं का संकेत भी बनता है। धर्मनिष्ठ व्यक्ति में अशांति का योग बनेगा। सभी वस्तुओं में रुख तेजी का बनेगा। **तीज बदी आसोज में मंगल या शनिवार। अग्निकांड भयभीत जग महंगा चले बाजार॥ आश्विन कृष्णा पंचमी जो होवे गुरुवार। माघी मावस को अवश्य घी तेजी का बाजार॥** तेजी-मंदी की उठापटक से व्यापारी वर्ग बेचैन रहेगा। स्टॉक क्रय नहीं करें। **व्यापार भविष्य**–ग्रह गति योग से सभी प्रकार के फल, सब्जियां सस्ती होंगी। लौंग, इलायची, सुपारी महंगी होंगी। घी, चीनी भी तेजी में चले। भैंस, घोड़े, गौ सस्ते होंगे। चावल

आश्विन कृ. 30 शनि, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 28 सितंबर

भाव	ग्रह
1	ह.
2	
3	रा.
4	
5	चं.
6	सू. मं. बु. शु.
7	
8	गु.
9	श. के. प्लू.
10	
11	ने.
12	

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
05	04	05	05	07	05	08	02	08	00	10	08
10	29	01	28	23	22	19	19	19	11	22	26
27	27	53	02	38	33	50	08	08	40	42	30
03	06	55	13	49	11	53	43	43	15	32	43
58	915	38	90	07	74	00	11	11	02	01	00
58	351	32	25	52	35	57	45	45	00	33	09
–	–	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व	व	व
–	–	अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
हस्त 1	उ.फा. 1	उ.फा. 2	चित्रा 2	ज्येष्ठा 3	हस्त 4	पू.षा. 2	आर्द्रा 4	पू.षा. 2	अश्वि. 4	पू.भा. 1	पू.षा. 4

आश्विन शुक्ल पक्षः -13 श्री सं. 20… | ता. 29 सितं. से 13 अक्ट. 2019 ई. रा. मिति 7 से 21

कार्तिक शुक्ल पक्षः -15

श्री सं. 2076 शाके 1941

ता. 29 अक्टू. से 12 नवं. सन् 2019 ई., रा. मिति 7 से 21 कार्तिक तक। रवि दक्षिणायने, दक्षिण गोले, हेमंत ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. (ति घ. प. घं. मि.)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ. प. घं. मि.)	योग स्टैं.टा. (यो घ. प. घं. मि.)	करण स्टैं.टा. (क घ. प. घं. मि.)	दिनमान (घ. प.)	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त (उदय घं. मि. अस्त घं. मि.)	दिनांक (प्र. मु. अं.)	चन्द्र राशि प्रवेश (भा.स्टैं.टा. रा. घं. मि.)	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. (रा. अं. क. वि.)		चन्द्रोदयास्त दिल्ली (उदय घं. मि. अस्त घं. मि.)	
00	चं	1 59 21 30 16	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षयः A चतुर्थी व्रत (शु.), बुध वक्री 20।16
कार्ति 07	मं	2 53 16 27 51	वि 41 44 23 14	आ 21 21 15 04	बा 26 07 16 59	27 49	06 32 17 37	13 29 29	वृ.17।38	06 11 08 01	59/56	07 30 18 50	चन्द्रदर्शन, भैयादूज, विश्वकर्मा पूजा, यमुना स्नान
08	बु	3 48 48 26 04	अ 38 42 22 02	सौ 13 57 12 08	तै 20 48 14 52	27 46	06 33 17 37	14 र.अ. 01 30	वृश्चिक	06 12 07 58	58	08 36 19 35	गंडमूल प्रा. 22।02, रविलावल मु. मास प्रा.
09	गु	4 46 16 25 04	ज्ये 37 31 21 34	शो 07 57 09 44	व 17 16 13 28	27 42	06 34 17 36	15 02 31	ध.21।34	06 13 07 56	60/00	09 40 20 24	भ. •13।25 से 25।01 तक, सरदार पटेल जयंती, गणेश A
10	शु	5 45 49 24 54	मू. 38 21 21 55	अ 03 32 07 59	ब 15 46 12 53	27 38	06 34 17 35	16 03 N1	धनु	06 14 07 56	01	10 40 21 17	ज्ञान-सौभाग्य 5, गंडमूल स. 21।55, सूर्य षष्ठी व्रतारंभ (विहार)
11	श	6 47 27 25 34	पू.षा 41 12 23 04	सु 00 46 06 54 / धृ 59 37 30 26	कौ 16 22 13 08	27 34	06 35 17 34	17 04 02	म. 29।29	06 15 07 58	03	11 35 22 11	डाला छठ, छठ पूजा (बिहार) C नवमी, पंचक प्रा. 16।47
12	र	7 50 58 26 59	उ.षा 45 54 24 57	शू. 59 48 30 31	ग 18 59 14 11	27 31	06 36 17 33	18 05 03	मकर	06 16 08 02	05	12 25 23 06	भ. 26।56 से, जलाराम ज. E भरणी दीपम्, गंडमूल स. 19।20
13	चं	8 55 59 29 00	श्र 52 03 27 26	गं 60 00 - -	वि 23 18 15 56	27 27	06 36 17 33	19 06 04	मकर	06 17 08 07	06	13 09 24 00	भ. 15।53 तक, गोपाष्टमी, अष्टान्हिका प्रारंभ, मासिक B
14	मं	9 60 00 - -	ध 59 10 30 17	गं 01 02 07 02	बा 28 52 18 10	27 23	06 37 17 32	20 07 05	कुं. 16।50	06 18 08 14	08	13 49 00 01	तिथि वृद्धि, अक्षय नवमी, आंवला नवमी, अक्षय कुष्माण्ड C
15	बु	9 01 56 07 24	श 60 00 - -	वृ 03 00 07 50	कौ 01 56 07 24	27 20	06 38 17 31	21 08 06	कुम्भ	06 19 08 22	09	14 25 00 55	विशाखायां सूर्यः 26।04, बुध अस्त 08।09 ❖ चातुर्मास स.
16	गु	10 08 17 09 58	श 06 37 09 18	ध्रु 05 13 08 44	ग 08 17 09 58	27 16	06 39 17 31	22 09 07	मी. 29।31	06 20 08 32	11	14 58 01 48	भ. 23।11 से, तुलायां बुधः 15।56 D गंडमूल प्रा. 14।58
17	शु	11 14 29 12 27	पू.भा 13 58 12 15	व्या 07 20 09 36	वि 14 29 12 27	27 13	06 39 17 30	23 10 08	मीन	06 21 08 43	12	15 29 02 40	भ. 12।24 तक, देव प्रबोधिनी 11 व्रत, भीष्म पंचक प्रा., ❖
18	श	12 20 05 14 42	उ.भा 20 45 14 58	ह 09 02 10 17	बा 20 05 14 42	27 09	06 40 17 29	24 11 09	मीन	06 22 08 56	14	16 00 03 32	कालिदास ज., प्रदोष व्रत (शुक्ल), तुलसी विवाह, D
19	र	13 24 47 16 36	रे 26 40 17 21	व 10 05 10 43	तै 24 47 16 36	27 06	06 41 17 29	25 12 10	मे. 17।21	06 23 09 10	15	16 31 04 24	बैकुण्ठ 14, ईद-ए-मिलाद, पंचक स. 17।18, तुलायां मंगल 14।24
20	चं	14 28 27 18 05	अ 31 35 19 20	सि 10 22 10 50	व 28 27 18 05	27 03	06 42 17 28	26 13 11	मेष	06 24 09 26	17	17 03 05 17	भ. 18।02 से 30।36 तक, चातुर्मास व्रत नियमादि पूर्ण जैन, E
21	मं	15 31 01 19 07	भ 35 28 20 54	व्य 09 49 10 38	ब 31 01 19 07	26 59	06 43 17 28	27 14 12	वृ.27।13	06 25 09 44	19	17 38 06 11	कार्तिक पूर्णिमा, अष्टान्हिका स., गुरुनानक ज. प्रा मत से, F

☐ को यदि तेज हवा, बारिश, तूफान हो तो आगामी एक माह में आवश्यक वस्तुओं के भाव सम यथावत् रहेंगे। अश्विनी भरणी का बनै पूनम से संयोग। गुवार जुवार मकई मटर महंगाई और रोग॥ कार्तिक सुदी एकादशी बादल बिजली होय। तो आषाढ़ में भड्डरी आगे वर्षा चोखी होय॥ प्राकृतिक आपदा से बचाव करना शुभ दायक रहेगा।

B दुर्गाष्टमी, गोपाष्टमी, गुरु प्रवेश धनु 29।17

F पूर्णिमा व्रत, श्री सत्यनारायण पूजा, भीष्म पंचक पूर्ण

कार्तिक शु. 8 चन्द्र, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 04 नवंबर

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
06	09	05	07	07	07	08	02	08	00	10	08
17	12	25	02	29	08	21	17	17	10	21	26
08	18	50	40	48	32	30	11	11	13	57	45
07	22	18	49	04	23	07	06	06	54	22	04
60	729	39	30	11	74	04	00	00	02	00	00
06	01	09	58	45	32	17	37	37	26	46	56
-	-	मा	व	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	मा
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
स्वाति 4	श्रवण 1	चित्रा 1	विशा. 4	विशा. 4	ज्ये. 2	पू.षा. 3	आर्द्रा 3	पू.षा. 1	अश्वि. 4	पू.भा. 1	उ.षा. 1

(कुण्डली: 8 बु.गु.शु.; 9 के.प्लू.श.; 7 सू.; 6 मं.; 5; 4; 10 चं.; 1 ह.; 3 रा.; 11 ने.; 12; 2)

[पक्ष फलम्]

यह पक्ष प्रतिपदा सोमवार क्षय से प्रारंभ हो मान्य तिथि कार्तिक शुक्ला द्वितीया मंगलवार विशाखा नक्षत्र से प्रारंभ होकर कार्तिक पूर्णिमा मंगलवार भरणी नक्षत्र तदनुसार 29 अक्टूबर से 12 नवंबर तक रहेगा। चन्द्रदर्शन तिथि क्षय में होकर अशुभ कारक संकेत करता है। भैया दूज, विश्वकर्मा पूजा मंगलवारी होना भी अशुभ दायक युद्ध जैसा योग है। सूर्य नीच का होना अशुभ कारक रहेगा। बुध+गुरु+शुक्र त्रिग्रह योग, ज्ञान पंचमी, सौभाग्य पंचमी शुक्रवारी होना शुभ दायक होगा। शुक्रवारी पंचमी मूला नक्षत्र में शृंगार वस्तु तेज करेगा। कन्या राशि का मंगल तुला में आकर भौमादित्य योग चिन्ता दायक बनायेगा। बुधादित्य योग से शिक्षा का विकास विशेष बनेगा।

कार्तिक शु. 15 मंगल, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 12 नवम्बर

(कुण्डली: 8 शु.; 9 गु.श.प्लू.के.; 7 सू.मं.बु.; 6; 5; 4; 10; 1 चं.ह.; 3 रा.; 11 ने.; 12; 2)

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
06	00	06	06	08	07	08	02	08	00	10	08
25	18	01	24	01	18	22	16	16	09	21	26
09	36	04	19	24	28	06	45	45	54	52	53
44	38	04	31	22	28	44	40	40	40	11	20
60	750	39	79	12	74	04	07	07	02	00	01
19	21	18	31	19	29	52	57	57	21	31	08
-	-	मा	व	मा	मा	मा	व	व	व	व	मा
-	-	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
विशा. 2	भरणी 2	चित्रा 3	विशा. 2	मू. 1	ज्ये. 1	पू.षा. 3	आर्द्रा 3	पू.षा. 1	अश्वि. 3	पू.भा. 1	उ.षा. 1

गोपाष्टमी योग पूजा में शुखदायक रहेगा। रवि के आगे वृहस्पति तव अग्नि का जोर। गुरु के आगे सूर्य तो वर्षा हो चहुं ओर॥ जेहि पखवारे तिथि घटे और बाहि में बढ़ जाय। एक वस्तु क्या तेजी बिके, सभी महंगी हो जाय॥ प्रतिपदा क्षय, नवमी वृद्धि अक्षय योग बढ़ जाय। जनता में सुख भोग का योग आय बढ़ाये आय॥ ग्रहों के योग से अन्न व वर्षा मध्यम होगी। शुक्र के कारण रोगोपद्रव बढ़ेगा। पक्षी वर्ग में पीड़ा होगी। चित्रा के मंगल के कारण विवाद, युद्ध का वातावरण बनेगा। बलात्कार जैसी घटनाएं आम हो जायेंगी। नृशंस हत्याएं भी ज्यादा होंगी। आतंकवादी घटनाएं बढ़ेंगी। राजनेताओं में विद्रोह होगा। अशोभनीय घटना के योग से जनता भी दुःखी होगी। शीत-लहर, मन्द-मन्द वर्षा के कारण रोग बाधा, मच्छरों का ताण्डव छाया रहेगा। प्रसव पीड़ा स्त्री वर्ग को कष्ट ज्यादा होगा। चिन्ता रहेगी। व्यापार भविष्य-ग्रहों के योग से कंक्रीट, लौह, ईंट, बजरी, पत्थर के भावों में तेजी होगी। धान्य सस्ता होगा। पान, बीड़ी, सिगरेट, घी, रसकस, शक्कर,, चीनी, चावल, मिर्च, हल्दी, अनार, अंजीर इत्यादि के भाव मंदे होंगे। कृषि सामग्री, खाद-बीज भी मंदी होंगी, विद्युत सामग्री, बिल्डिंग मैटेरियल तेजी में चलेगा। अन्य खाद्यानों का भाव सम रहेगा। चौपाये, दूधारू पशुओं के भाव तेजी में होंगे। आकाश लक्षण-30 अक्टू., 3, 7, 9, 10 नवंबर को कर्नाटक, सिक्किम, मिजोरम, मणिपुर, मुम्बई, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान, मेघालय में तेज वायु तथा वर्षा का योग बनेगा। अंधड़, तूफान के योग से जन-धन हानि भी होगी। पशुओं में रोग का प्रभाव बनेगा। ठण्डी वायु से कम्पन्नता भी बढ़ेगी। विशिष्ट नेता का देहत्याग योग भी अचानक बनेगा। शकुन विचार-कार्तिक शुक्ला 1, 3, 5, 7, 9, 11, 13☐

कार्तिक कृष्ण पक्षः -14

श्री सं. 2076 शाके 1941

ता. 14 से 28 अक्टू. 2019 ई., रा. मिति 22 आश्वि. से 6 कार्ति. तक। रवि दक्षिणायने, दक्षिणगोले, शरद-हेमन्त ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि ति	घ.	प.	स्टैं.टा. घं.	मि.	नक्षत्र न	घ.	प.	स्टैं.टा. घं.	मि.	योग यो	घ.	प.	स्टैं.टा. घं.	मि.	करण क	घ.	प.	स्टैं.टा. घं.	मि.	दिनमान घ.	प.	स्टैं. टा. सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	दिनांक प्र.	मु.	अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टैं.टा. रा.घं.मि.	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. रा.	अं.	क.	वि.	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय घं.	मि.	अस्त घं.	मि.	
22	चं	1	55	03	28	24	रे	10	01	10	23	ह	56	35	29	01	बा	23	00	45	34	28	49	06	22	17	52	28	14	14	मे. 10123	05	26	13	10	59/23	18	30	06	31	अशून्य शयन, पंचक स. 10120
23	मं	2	58	32	29	48	अ	15	24	12	33	व	56	38	29	02	तै	26	53	17	08	28	45	06	23	17	51	29	15	15	मेष	05	27	12	34	25	19	03	07	24	तिथि वृद्धि, गंडमूल स. 12133
24	बु	3	60	00	-	-	भर	20	01	14	24	सि	56	01	28	48	व	29	57	18	22	28	41	06	24	17	50	30	16	16	वृ. 20148	05	28	12	00	28	19	38	08	19	भ. 18119 से, A गणेश 4 व्रत (कृ.), तुलायां सूर्यः 25103
25	गु	3	01	07	06	51	कृ	23	45	15	54	व्य	54	40	28	16	वि	01	07	06	51	28	37	06	24	17	49	का. 01	17	17	वृष	05	29	11	28	30	20	18	09	15	भ. 06148 तक, दशरथ चतुर्थी, करवा चौथ, तुला संक्रांति, A
26	शु	4	02	47	07	32	रो	26	32	17	02	वरि	52	29	27	25	बा	02	47	07	32	28	33	06	25	17	48	02	18	18	मि. 29126	06	00	10	58	32	21	02	10	13	रोहिणी व्रत
27	श	5	03	23	07	47	मृ	28	14	17	43	परि	49	24	26	11	तै	03	23	07	47	28	29	06	26	17	47	03	19	19	मिथुन	06	01	10	31	34	21	52	11	11	B संक्रांति (सायन) 22150, वृश्चिके बुधः 23112
28	र	6	02	47	07	33	आ	28	42	17	55	शि	45	18	24	33	व	02	47	07	33	28	25	06	26	17	46	04	20	20	मिथुन	06	02	10	06	37	22	48	12	08	भ. 07130 से 19111 तक C यम दीपक
29	चं	7	00	51	06	47	पुन	27	50	17	35	सि	40	05	22	29	ब	00	51	06	47	28	21	06	27	17	45	05	21	21	क. 11143	06	03	09	43	39	23	48	13	03	अहोई अष्टमी, राधा जयंती, चैहल्लुम
00	चं	8	57	34	29	28	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	0	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	000	00	00	00	00	00	00	00	00	00	तिथि क्षयः D संवत प्रा., विश्वकर्मा पू., वृश्चिके शुक्रः 08132
30	मं	9	52	51	27	36	पु	25	35	16	41	सा	33	45	19	57	तै	25	22	16	36	28	17	06	27	17	44	06	22	22	कर्क	06	04	09	23	41	24	00	13	55	गंडमूल प्रा. 16141, **भौम उदय 21106**
01	बु	10	46	49	25	12	आ	21	58	15	15	शुभ	26	19	17	00	व	19	58	14	27	28	13	06	28	17	43	07	23	23	सिं.15115	06	05	09	05	44	00	52	14	42	भ. 14125 से 25109 तक, हेमंत ऋतु प्रा. 22150, वृश्चिक B
02	गु	11	39	42	22	21	म	17	10	13	21	शु	17	54	13	39	ब	13	22	11	50	28	09	06	29	17	42	08	24	24	सिंह	06	06	08	49	46	01	58	15	26	रमा एकादशी, गंडमूल स. 13121, सूर्य प्रवेश स्वाति 18100
03	शु	12	31	44	19	11	पूफा	11	23	11	03	ब्र / ऐ	08 / 59	43 / 01	09 / 30	59 / 06	कौ	05	47	08	48	28	05	06	29	17	41	09	25	25	क. 16126	06	07	08	35	48	03	04	16	07	गोवत्स 12 व्रत, धन त्रयोदशी, धन्वंतरी ज., प्रदोष व्रत (कृ.), C
04	श	13	23	18	15	49	उफा / हस्त	05 / 58	00 / 25	08 / 29	30 / 52	वै	49	04	26	08	व	23	18	15	49	28	01	06	30	17	40	10	26	26	कन्या	06	08	08	23	50	04	10	16	47	भ. 15146 से 26104 तक, हनुमान जयंती
05	र	14	14	48	12	26	चि	52	01	27	19	वि	39	14	22	13	श	14	48	12	26	27	57	06	31	17	39	11	27	27	तु.16134	06	09	08	14	52	05	17	17	26	कमला जयंती, नरक चतुर्दशी, रूप चतुर्दशी, दीपावली
06	चं	30	06	40	09	11	स्वा	46	19	25	03	प्री	29	53	18	29	ना	06	40	09	11	27	53	06	31	17	38	12	28	28	तुला	06	10	08	07	54	06	23	18	07	बलि पूजा, अन्नकूट, गोवर्धन पूजा, महावीर निर्वाण, जैन D

❑ कर्नाटक, असम में तेज वायु तथा बारिश का योग बनता है। उल्कापात तथा भू-स्खलन का योग भी। शीत लहर- वर्षा के कारण चलने का योग बनता है। शकुन विचार–कार्तिक कृष्ण 5, 6, 7, 9, 11, अमावस्या को तेज बारिश, आंधी-तूफान हो तो आगे तीन मास में खाद्यान्न, द्रव्य पदार्थों में तेजी बनेगी। **हानि हाथी हेम की तुला राशिगत् सूर। सभी तरह के धान्य में तेजी हो भरपूर॥** पक्ष में तेजी विशेष रहेगी।

कार्तिक कृ. 7 चन्द्र, प्रातः 5130 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 21 अक्टूबर

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
06	02	05	06	07	06	08	02	08	00	10	08
03	26	16	27	27	21	20	17	17	10	22	26
09	29	43	36	11	08	38	55	55	48	10	34
43	21	58	45	49	28	09	36	36	19	53	55
59	812	38	56	10	74	03	00	00	02	01	00
39	02	54	41	32	34	07	00	00	26	08	32
–	–	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व	व	मा
–	–	अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
चित्रा 3	पू.फा. 2	हस्त 3	विशा. 3	ज्येष्ठा 4	विशा. 1	पू.षा. 3	आर्द्रा 4	पू.भा. 2	अश्वि. 4	पू.भा. 1	पू.षा. 4

कुण्डली: 8 गु. | 7 | 6 मं. | 5 | 4 सू.बु.शु. | 3 चं. रा. | 2 | 1 ह. | 12 | 11 ने. | 10 | 9 के.प्लू.श.

[पक्ष फलम्]

यह पक्ष कार्तिक कृष्णा प्रतिपदा सोमवार रेवती नक्षत्र से प्रारंभ होकर कार्तिक अमावस्या सोमवती स्वाती नक्षत्र तदनुसार 14 से 28 अक्टूबर तक रहेगा। पक्ष में अशून्य शयन योग, तृतीया वृद्धि योग, गुरुवार को करवा चौथ व्रत, तुला संक्रांति गणना, गणेश व्रत योग, दिनांक 17 अक्टूबर तुलायांऽर्क गुरुवार को स्टै.टा.25103 पर वारात् 3, नक्षत्रात 4, वारनाम नन्दा, गणकान सुखदा, नक्षत्रनाम नन्दा, अपर रात्रि तृतीया प्रहर व्यापिनी, नयन हन्ति, पूर्व गमन, आग्नेया दृष्टि, व्याघ्र वाहन, अश्व उपवाहन, भीति कारक, पीत वस्त्रं, गदा युद्धं, सौख्य पात्रम्, पायस भक्षणम्, कुमारिका अवस्था (बैठी), मुहूर्ती 45, धान्ये भाव महंगा, तिल दान, गोरस शुभदायक। पक्ष में अष्टमी का क्षय होना चिन्ता दायक योग बनेगा। **जेहि पखवारे तिथि बढ़ै वाही में घट जाय। एक चीज तो क्या बढ़े सभी तेज हो जाय॥** प्रजा में रोग वृद्धि होगी। आगे पशुचारा महंगा होगा। नेत्र विकार संबंधी रोग बढ़ेगा। राजनैतिक प्रशासनिक कार्यों में अशोभनीय घटनाएं घटेंगी। किसी विशिष्ट नेता का देहावसान होगा। जातियों का आरक्षण संबंधी विवाद-हड़तालें बढ़ेंगी। श्रीलंका, इग्लैण्ड, जर्मनी, जापान, अफगानिस्तान, चीन, पाकिस्तान, ब्राजील, आस्ट्रेलिया, भारत के समुद्रतटीय क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदा का योग बनेगा। जन-धन, प्राणी दुःखी होंगे। बुधादित्य योग+शुक्रादित्य योग से शैक्षिक संचार व्यवस्था में सुधार होगा। नवीन शैक्षिक गतिविधियां बढ़ेंगी। स्त्रीयों का वर्चस्व राजनीति एवं धार्मिक कार्यों में सहभागिता बढ़ेगी। शनि+केतु की युति से कुछ गुप्त धारणाओं से विवाद योग से जन-आंदोलन का योग बनेगा। **सोमवती अमावस्या दीपावली स्वाती नक्षत्र योग बली पूजा होय। चतुर्दशी के योग से रविवार लक्ष्मी पूजन शुभ स्वाती योग में होय॥** कमला जयंती, रूप चौदस, दीपावली रात्रि शुभ पूजा रहेगी। व्यापार भविष्य–अनाजों में तेजी। सोना, चांदी, तांबा, स्टील, पीतल, कांसा में तेजी का योग बनेगा। अमावस स्वाती नक्षत्र के योग से यत्र-तत्र भूकम्प, भू-स्खलन से जन-धन हानि का योग। सभी वस्तुओं में तेजी का रुख बनेगा। किराना बाजार विशेष तेजी में चलेगा।

कार्तिक कृ. 30 चन्द्र, प्रातः 5130 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 28 अक्टूबर

कुण्डली: 8 बु.गु. | 7 | 6 मं. | 5 | 4 सू.चं.शु. | 3 रा. | 2 | 1 ह. | 12 | 11 ने. | 10 | 9 के.प्लू.श.

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
06	06	05	07	07	06	08	02	08	00	10	08
10	08	21	02	28	29	21	17	17	10	22	26
08	00	16	40	27	50	02	33	33	31	03	39
07	48	41	02	47	28	06	21	21	07	28	17
59	888	39	25	11	74	03	11	11	02	00	00
54	38	02	57	11	34	43	06	06	28	58	44
–	–	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व	व	मा
–	–	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
स्वाति 2	स्वाति 1	हस्त 4	विशा. 4	ज्येष्ठा 4	विशा. 3	पू.षा. 3	आर्द्रा 3	पू.भा. 1	अश्वि. 4	पू.भा. 1	पू.षा. 4

कार्तिक शुक्ल पक्षः -15

श्री सं. 2076 शाके 1941

ता. 29 अक्टू. से 12 नवं. सन् 2019 ई., रा. मिति 7 से 21 कार्तिक तक। रवि दक्षिणायने, दक्षिण गोले, हेमंत ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. (ति घ. प. घं. मि.)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ. प. घं. मि.)	योग स्टैं.टा. (यो घ. प. घं. मि.)	करण स्टैं.टा. (क घ. प. घं. मि.)	दिनमान	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त (उदय अस्त घं. मि. घं. मि.)	दिनांक (प्र. मु. अं.)	चन्द्र राशि प्रवेश (भा.स्टै.टा. रा. घं. मि.)	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. (रा. अं. क. वि.)		चन्द्रोदयास्त दिल्ली (उदय अस्त घं. मि. घं. मि.)	
00	चं	1 59 21 30 16	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षयः A चतुर्थी व्रत (शु.), बुध वक्री 20।16
कार्ति 07	मं	2 53 16 27 51	वि 41 44 23 14	आ 21 21 15 04	बा 26 07 16 59	27 49	06 32 17 37	13 29 29	वृ.17।38	06 11 08 01	59/56	07 30 18 50	चन्द्रदर्शन, भैयादूज, विश्वकर्मा पूजा, यमुना स्नान
08	बु	3 48 48 26 04	अ 38 42 22 02	सौ 13 57 12 08	तै 20 48 14 52	27 46	06 33 17 37	14 र.अ. 01 30	वृश्चिक	06 12 07 58	58	08 36 19 35	गंडमूल प्रा. 22।02, रविलावल मु. मास प्रा.
09	गु	4 46 16 25 04	ज्ये 37 31 21 34	शो 07 57 09 44	व 17 16 13 28	27 42	06 34 17 36	15 02 31	ध.21।34	06 13 07 56	60/00	09 40 20 24	भ. •13।25 से 25।01 तक, सरदार पटेल जयंती, गणेश A
10	शु	5 45 49 24 54	मू 38 21 21 55	अ 03 32 07 59	ब 15 46 12 53	27 38	06 34 17 35	16 03 N1	धनु	06 14 07 56	01	10 40 21 17	ज्ञान-सौभाग्य 5, गंडमूल स. 21।55, सूर्य षष्ठी व्रतारंभ (विहार)
11	श	6 47 27 25 34	पूषा 41 12 23 04	सु 00 46 06 54 / धृ 59 37 30 26	कौ 16 22 13 08	27 34	06 35 17 34	17 04 02	म. 29।29	06 15 07 58	03	11 35 22 11	डाला छठ, छठ पूजा (विहार) C नवमी, पंचक प्रा. 16।47
12	र	7 50 58 26 59	उषा 45 54 24 57	शू 59 48 30 31	ग 18 59 14 11	27 31	06 36 17 33	18 05 03	मकर	06 16 08 02	05	12 25 23 06	भ. 26।56 से, जलाराम ज. E भरणी दीपम्, गंडमूल स. 19।20
13	चं	8 55 59 29 00	श्र 52 03 27 26	गं 60 00 - -	वि 23 18 15 56	27 27	06 36 17 33	19 06 04	मकर	06 17 08 07	06	13 09 24 00	भ. 15।53 तक, गोपाष्टमी, अष्टान्हिका प्रारंभ, मासिक B
14	मं	9 60 00 - -	ध 59 10 30 17	गं 01 02 07 02	बा 28 52 18 10	27 23	06 37 17 32	20 07 05	कुं. 16।50	06 18 08 14	08	13 49 00 01	तिथि वृद्धि, अक्षय नवमी, आंवला नवमी, अक्षय कुष्माण्ड C
15	बु	9 01 56 07 24	श 60 00 - -	वृ 03 00 07 50	कौ 01 56 07 24	27 20	06 38 17 31	21 08 06	कुम्भ	06 19 08 22	09	14 25 00 55	विशाखायां सूर्यः 26।04, बुध अस्त 08।09 ❖ चातुर्मास स.
16	गु	10 08 17 09 58	श 06 37 09 18	ध्रु 05 13 08 44	ग 08 17 09 58	27 16	06 39 17 31	22 09 07	मी. 29।31	06 20 08 32	11	14 58 01 48	भ. 23।11 से, तुलायां बुधः 15।56 D गंडमूल प्रा. 14।58
17	शु	11 14 29 12 27	पूभा 13 58 12 15	व्या 07 20 09 36	वि 14 29 12 27	27 13	06 39 17 30	23 10 08	मीन	06 21 08 43	12	15 29 02 40	भ. 12।24 तक, देव प्रबोधिनी 11 व्रत, भीष्म पंचक प्रा., ❖
18	श	12 20 05 14 42	उभा 20 45 14 58	ह 09 02 10 17	बा 20 05 14 42	27 09	06 40 17 29	24 11 09	मीन	06 22 08 56	14	16 00 03 32	कालिदास ज., प्रदोष व्रत (शुक्ल), तुलसी विवाह, D
19	र	13 24 47 16 36	रे 26 40 17 21	व 10 05 10 43	तै 24 47 16 36	27 06	06 41 17 29	25 12 10	मे. 17।21	06 23 09 10	15	16 31 04 24	बैकुण्ठ 14, ईद-ए-मिलाद, पंचक स. 17।18, तुलायां मंगल 14।24
20	चं	14 28 27 18 05	अ 31 35 19 20	सि 10 22 10 50	व 28 27 18 05	27 03	06 42 17 28	26 13 11	मेष	06 24 09 26	17	17 03 05 17	भ. 18।02 से 30।36 तक, चातुर्मास व्रत नियमादि पूर्ण जैन, E
21	मं	15 31 01 19 07	भ 35 28 20 54	व्य 09 49 10 38	ब 31 01 19 07	26 59	06 43 17 28	27 14 12	वृ.27।13	06 25 09 44	19	17 38 06 11	कार्तिक पूर्णिमा, अष्टान्हिका स., गुरुनानक ज. प्रा मत से, F

❑ को यदि तेज हवा, बारिश, तूफान हो तो आगामी एक माह में आवश्यक वस्तुओं के भाव सम यथावत् रहेंगे। अश्विनी भरणी का बनै पूनम से संयोग। गुवार जुवार मकई मटर महंगाई और रोग॥ कार्तिक सुदी एकादशी बादल बिजली होय। तो आषाढ़ में भड्डरी आगे वर्षा चोखी होय॥ प्राकृतिक आपदा से बचाव करना शुभ दायक रहेगा।

B दुर्गाष्टमी, गोपाष्टमी, गुरु प्रवेश धनु 29।17
F पूर्णिमा व्रत, श्री सत्यनारायण पूजा, भीष्म पंचक पूर्ण

कार्तिक शु. 8 चन्द्र, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 04 नवंबर

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
06	09	05	07	07	07	08	02	08	00	10	08
17	12	25	02	29	08	21	17	17	10	21	26
08	18	50	40	48	32	30	11	11	13	57	45
07	22	18	49	04	23	07	06	06	54	22	04
60	729	39	30	11	74	04	00	00	02	00	00
06	01	09	58	45	32	17	37	37	26	46	56
–	–	मा	व	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	मा
–	–	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

8 बु.गु.शु. | 6 मं. | 9 के.प्लू.श. | 7 सू. | 5 | 4 | 10 चं. | 1 ह. | 3 रा. | 11 ने. | 12 | 2

[पक्ष फलम्]

यह पक्ष प्रतिपदा सोमवार क्षय से प्रारंभ हो मान्य तिथि कार्तिक शुक्ला द्वितीया मंगलवार विशाखा नक्षत्र से प्रारंभ होकर कार्तिक पूर्णिमा मंगलवार भरणी नक्षत्र तदनुसार 29 अक्टूबर से 12 नवंबर तक रहेगा। चन्द्रदर्शन तिथि क्षय में होकर अशुभ कारक संकेत करता है। भैया दूज, विश्वकर्मा पूजा मंगलवारी होना भी अशुभ दायक युद्ध जैसा योग है। सूर्य नीच का होना अशुभ कारक रहेगा। बुध+गुरु+शुक्र त्रिग्रह योग, ज्ञान पंचमी, सौभाग्य पंचमी शुक्रवारी होना शुभ दायक होगा। शुक्रवारी पंचमी मूला नक्षत्र में शृंगार वस्तु तेज करेगा। कन्या राशि का मंगल तुला में आकर भौमादित्य योग चिन्ता दायक बनायेगा। बुधादित्य योग से शिक्षा का विकास विशेष बनेगा।

कार्तिक शु. 15 मंगल, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 12 नवम्बर

8 शु. | 6 | 9 गु.श.प्लू.के. | 7 सू.मं.बु. | 5 | 4 | 10 | 1 चं.ह. | 3 रा. | 11 ने. | 12 | 2

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
06	00	06	06	08	07	08	02	08	00	10	08
25	18	01	24	01	18	22	16	16	09	21	26
09	36	04	19	24	28	06	45	45	54	52	53
44	38	04	31	22	28	44	40	40	40	11	20
60	750	39	79	12	74	04	07	07	02	00	01
19	21	18	31	19	29	52	57	57	21	31	08
–	–	मा	व	मा	मा	मा	व	व	व	व	मा
–	–	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

गोपाष्टमी योग पूजा में शुखदायक रहेगा। रवि के आगे वृहस्पति तब अग्नि का जोर। गुरु के आगे सूर्य तो वर्षा हो चहुं ओर॥ जेहि पखवारे तिथि घटे और वाहि में बढ़ जाय। एक वस्तु क्या तेजी थिके, सभी महंगी हो जाय॥ प्रतिपदा क्षय, नवमी वृद्धि अक्षय योग बढ़ जाय। जनता में सुख भोग का योग आय बढ़ाये आय॥ ग्रहों के योग से अन्न व वर्षा मध्यम होगी। शुक्र के कारण रोगोपद्रव बढ़ेगा। पक्षी वर्ग में पीड़ा होगी। चित्रा के मंगल के कारण विवाद, युद्ध का वातावरण बनेगा। बलात्कार जैसी घटनाएं आम हो जायेंगी। नृशंस हत्याएं भी ज्यादा होंगी। आतंकवादी घटनाएं बढ़ेंगी। राजनेताओं में विद्रोह होगा। अशोभनीय घटना के योग से जनता भी दुःखी होगी। शीत-लहर, मन्द-मन्द वर्षा के कारण रोग बाधा, मच्छरों का ताण्डव छाया रहेगा। प्रसव पीड़ा स्त्री वर्ग को कष्ट ज्यादा होगा। चिन्ता रहेगी। व्यापार भविष्य–ग्रहों के योग से कंक्रीट, लौह, ईंट, बजरी, पत्थर के भावों में तेजी होगी। धान्य सस्ता होगा। पान, बीड़ी, सिगरेट, घी, रसकस, शक्कर,, चीनी, चावल, मिर्च, हल्दी, अनार, अंजीर इत्यादि के भाव मंदे होंगे। कृषि सामग्री, खाद-बीज भी मंदी होंगी, विद्युत सामग्री, बिल्डिंग मैटेरियल तेजी में चलेगा। अन्य खाद्यानों का भाव सम रहेगा। चौपाये, दूधारू पशुओं के भाव तेजी में होंगे। आकाश लक्षण–30 अक्टू., 3, 7, 9, 10 नवंबर को कर्नाटक, सिक्किम, मिजोरम, मणिपुर, मुम्बई, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान, मेघालय में तेज वायु तथा वर्षा का योग बनेगा। अंधड़, तूफान के योग से जन-धन हानि भी होगी। पशुओं में रोग का प्रभाव बनेगा। ठण्डी वायु से कम्पन्नता भी बढ़ेगी। विशिष्ट नेता का देहत्याग योग भी अचानक बनेगा। शकुन विचार–कार्तिक शुक्ला 1, 3, 5, 7, 9, 11, 13❑

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षः -16 श्री सं. 2076 शाके 1941

ता. 13 से 26 नवं. सन् 2019 ई., रा. मिति 22 कार्ति. से 5 मार्गशीर्ष तक। रवि दक्षिणायने, दक्षिण गोले, हेमन्त ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि. कार्ति.	वार	तिथि स्टैं.टा. (ति घ प घं मि)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ प घं मि)	योग स्टैं.टा. (यो घ प घं मि)	करण स्टैं.टा. (क घ प घं मि)	दिनमान (घ प)	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त (उदय घं मि, अस्त घं मि)	दिनांक (प्र. कार्तिक, मु. र.अव्वल, अं. नवंबर)	चन्द्र राशि प्रवेश (भा.स्टैं.टा. रा.घं.मि.)	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. (रा. अं. क. वि.)	नति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली (उदय घं मि, अस्त घं मि)	
22	बु	1 32 33 19 44	कृ 38 20 22 03	वरि 08 27 10 06	बा 01 54 07 29	26 56	06 43 17 27	28 15 13	वृष	06 26 10 03	21	18 16 07 08	C एकादशी-स्मा., धनु संक्रांति (सायन) 20।29
23	गु	2 33 04 19 58	रो 40 14 22 50	परि 06 18 09 15	तै 02 55 07 54	26 53	06 44 17 27	29 16 14	वृष	06 27 10 25	22	19 00 08 06	रोहिणी व्रत, बालदिवस/नेहरू जयंती
24	शु	3 32 39 19 49	मृ 41 14 23 15	शि 03 24 08 06 / सि 59 49 30 40	व 02 58 07 56	26 50	06 45 17 26	30 17 15	मि. 11।05	06 28 10 47	24	19 48 09 05	भ. 07।53 से 19।46 तक, ईद-ए-मौलाद A सूर्य: 24।51
25	श	4 31 20 19 18	आ 41 21 23 18	सा 55 30 28 58	बव 02 05 07 36	26 47	06 46 17 26	मा. 01 18 16	मिथुन	06 29 11 12	26	20 43 10 04	वृश्चिक संक्रांति, गणेश चतुर्थी व्रत (कृ.), वृश्चिके A
26	र	5 29 08 18 26	पुन 40 37 23 01	शुभ 50 29 26 58	कौ 00 20 06 55	26 44	06 47 17 25	02 19 17	क. 17।08	07 00 11 39	28	21 42 11 00	दीक्षा दिवस, बुधोदय 14।38
27	चं	6 26 03 17 13	पु 39 00 22 23	शु 44 46 24 42	व 26 03 17 13	26 41	06 47 17 25	03 20 18	कर्क	07 01 12 07	30	22 44 11 52	भ. 17।10 से 28।25 तक, भद्रा छीठ छठ, गंडमूल प्रा. 22।23
28	मं	7 22 06 15 38	आ 36 32 21 25	ब्र 38 21 22 09	बव 22 06 15 38	26 38	06 48 17 25	04 21 19	सिं.21।25	07 02 12 37	31	23 48 12 40	भैरव पूजन, मासिक कालाष्टमी व्रत, काल भैरवाष्टमी, ❖
29	बु	8 17 18 13 44	म 33 15 20 07	ऐं 31 17 19 20	कौ 17 18 13 44	26 35	06 49 17 24	05 22 20	सिंह	07 03 13 09	33	24 00 13 24	गंडमूल स. 20।07, अनुराधायां सूर्य: 08।11, B
30	गु	9 11 44 11 31	पूफा 29 15 18 32	वै 23 37 16 17	ग 11 44 11 31	26 32	06 50 17 24	06 23 21	कं. 24।06	07 04 13 43	35	00 52 14 04	भ. 22।17 से, शुक्र प्रवेश धनु 12।23 B बुध मार्गी 23।44
मार्ग. 01	शु	10 05 34 09 04	उफा 24 42 16 43	वि 15 29 13 02	वि 05 34 09 04	26 30	06 51 17 24	07 24 22	कन्या	07 05 14 18	37	01 56 14 43	भ. 09।01 तक, महावीर स्वामी दीक्षा दिवस, उत्पन्ना C
00	शु	11 59 01 30 27	0 00 00 00 00	0 00 00 00 00	0 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षयः ❖ इन्दिरा गांधी ज. दि.
02	श	12 52 17 27 46	ह 19 50 14 47	प्री 07 03 09 41 / आ 58 34 30 17	कौ 25 38 17 06	26 27	06 51 17 23	08 25 23	तु. 25।48	07 06 14 56	38	03 00 15 21	सत्य साईं बाबा जयंती
03	र	13 45 42 25 09	चि 14 55 12 50	सौ 50 12 26 57	ग 18 56 14 26	26 24	06 52 17 23	09 26 24	तुला	07 07 15 34	40	04 05 16 00	भ. 25।06 से, प्रदोष व्रत (कृष्ण)
04	चं	14 39 36 22 43	स्वा 10 17 11 00	शो 42 15 23 47	वि 12 33 11 54	26 22	06 53 17 23	10 27 25	वृ.27।47	07 08 16 15	42	05 10 16 40	भ. 11।51 तक, बालाजी जयंती
05	मं	30 34 22 20 38	वि 06 19 09 25	अति 34 59 20 54	चतु 06 50 09 38	26 19	06 54 17 23	11 28 26	वृश्चिक	07 09 16 57	43	06 15 17 24	देवपितृकार्य अमावस्या

□ रहेंगे। आकाश लक्षण–दिनांक 15, 17, 20, 23, 25 नवंबर को बादल वर्षा उत्तर-पश्चिमी राज्यों में भारी वर्षा का योग बनेगा। समुद्रतटीय भागों में प्राकृतिक आपदा के योग से जन-धन हानि का योग बनेगा। वर्षा के असामयिक योग से फसलों की हानि होगी। शकुन विचार–मार्गशीर्ष कृष्णा 2, 5, 7, 9, 13 अमास्या को बादल, वर्षा, अंधड़, तूफान हो तो अगले दो मास में तिल, तिलहन, घृत में भारी उथल-पुथल का योग बनेगा। मंगसिर चौदस मावटा घटा रहे आकाश। महंगे भावों में बिकै गल्ला चारा और घास॥ मंगसिर मावस क्रूर वार जुवार अल्प देह अरु देश विडार॥ महंगा होवे जगत अनाज किसान सदा बिगड़े काज॥ सावधानी रखें।

मार्गशीर्ष कृ. 8 बुध, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 20 नवंबर

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
07	04	06	06	08	07	08	02	08	00	10	08
03	04	06	17	03	28	22	16	16	09	21	27
13	43	19	31	04	24	47	20	20	36	49	03
09	36	08	02	48	07	47	13	13	26	02	13
60	844	39	08	12	74	05	00	00	02	00	01
33	46	28	27	47	26	23	37	37	11	15	20
–	–	मा	व	मा	मा	मा	व	व	व	व	मा
–	–	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
विशा. 4	मघा 2	चित्रा 4	स्वाती 4	मूल 1	ज्येष्ठा 4	पू.षा. 3	आर्द्रा 3	पू.षा. 1	अश्वि. 3	पू.भा. 1	उ.षा. 1

9 गु.श.प्लू. के. | 7 म.बु. | 10 | 6 | 8 सू. शु. | 5 चं. | 11 ने. | 2 | 12 | 4 | 1 ह. | 3 रा.

[पक्ष फलम्]

यह पक्ष मार्गशीर्ष कृष्ण प्रतिपदा बुधवार कृतिका नक्षत्र से प्रारंभ होकर मार्गशीर्ष अमावस्या मंगलवार विशाखा नक्षत्र तदनुसार 13 से 26 नवंबर तक रहेगा। ता. 14 को रोहिणी व्रत, बाल दिवस उत्सव सर्वत्र रहेगा। पक्ष में वृश्चिक संक्रांति योग भी बनेगा। दिनांक 16 नवंबर मार्गशीर्ष कृष्ण 4 शनिवार को भुवन भास्कर सूर्यदेव, वारात् 3, नक्षत्रात् 4, वारनाम राक्षसी, चाण्डालान सुखदा, महोदरी चौरान सुखदा रात्रि तीसरे प्रहर व्यापिनी, नटान् हन्ति। पूर्व गमने, आग्नेय दृष्टि, सिंह वाहन, उपवाहन वृषभ-कष्टकारक रहेगी। हरित कंचुकी, गतालका अवस्था (ऊर्मी), मुहूर्तो 45, धान्य भावे सम योग। पुण्य काल स्टै.टा. 18।00 से 24।24 तक, दीप दानम् शुभम्। त्रिग्रही लग्न योग से राजभय और सुभिक्ष कारक योग बनेगा। व्यापारी वर्ग में उपद्रव बढ़ेगा। सभी चीजों के भाव उतार-चढ़ाव अस्थिरता वाले रहेंगे। पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र योग से तिल, वस्त्र, कपास, सुपारी महंगे होंगे। भौमवती अमावस्या के योग से उठापटक। अपहरण, हत्याएं, बलात्कार, चोरी, डकैती का योग बनेगा। स्त्री वर्ग में संकट ज्यादा बनेगा। मिथुन मीन धनु राशि पर जब-जब शनि का वास। रक्त पूरिता भूमि हो राजाओं का नाश॥ सूरज बादल में उगत मावस मंगसिर मास। अन्न उपज कमती रहे महंगा चारा घास॥ मंगसिर बदी चौथ पंचमी के दिन जिस क्षेत्र में बादल हो, वहां पर अगले वर्षा काल में पूर्ण रूप से वर्षा अच्छी होगी। मंगसिर बदी 14 को स्वाती नक्षत्र होने से आगे श्रावण मास में कम वर्षा अथवा सूखा पड़ेगा। ऐसा संकेत बनता है। बादल छायें रहें तो सर्दी घटेगी। सभी वस्तुओं में मंदी योग बनेगा। व्यापार भविष्य–ग्रह गति योग से धान्य, गुड़, शक्कर मंदे होंगे। सोना, चांदी के भाव तेजी में चलेंगे। गाय, भैंस, घोड़ा, हाथी, मोटरगाड़ी, चौपाये जानवरों में तेजी का योग बनेगा। रसकस, लवण, घृत, सिमेन्ट, अंजीर, मोंठ, चूना, कीमती पत्थर के भाव सम रहेंगे। खाद्यानों के भावों में सामान्य मंदी रहेगी। [illegible]

मार्गशीर्ष कृ. 30 मंगल, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 26 नवंबर

9 गु.शु.श.के. प्लू. | 7 मं.बु. | 10 | 8 सू.चं. | 6 | 5 | 11 ने. | 2 | 12 | 4 | 1 ह. | 3 रा.

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
07	07	06	06	08	08	08	02	08	00	10	08
09	01	10	19	04	05	23	16	16	09	21	27
16	01	16	38	22	50	21	01	01	23	48	11
57	00	21	13	26	37	12	09	09	43	04	36
60	851	39	46	13	74	08	05	05	02	00	01
43	19	36	46	05	24	45	28	28	02	03	28
–	–	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व	व	मा
–	–	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
अनु. 2	विशा. 4	स्वाती 2	स्वाती 4	मूल 2	मूल 2	पू.षा. 4	आर्द्रा 3	पू.षा. 1	अश्वि. 3	पू.भा. 1	उ.षा. 1

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः -17

श्री सं. 2076 शाके 1941

ता. 27 नवं. से 12 दिसंबर सन् 2019 ई., रा. मिति 6 से 21 मार्ग. तक। रवि दक्षिणायने, दक्षिण गोले, हेमन्त ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. (ति घ प घं मि)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ प घं मि)	योग स्टैं.टा. (यो घ प घं मि)	करण स्टैं.टा. (क घ प घं मि)	दिन मान	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त (उदय घं मि, अस्त घं मि)	दिनांक (प्र. मु. अं)	चन्द्र राशि प्रवेश (भा.स्टैं.टा. रा.घं.मि.)	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. (रा. अं. क. वि.)	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली (उदय घं मि, अस्त घं मि)	
मार्ग. 06	बु	1 30 19 19 02	अनु 03 21 08 15	सु 28 41 18 23	किं 02 09 07 46	27 46	06 55 17 23	12 29 27	वृश्चिक	07 10 17 41	60/44	07 20 18 11	विश्वकर्मा जयंती, गंडमूल प्रा. 08।15
07	गु	2 27 46 18 02	ज्ये 01 43 07 36	धृ 23 34 16 21	कौ 27 46 18 02	27 45	06 55 17 23	13 30 28	ध. 07।36	07 11 18 26	46	08 23 19 02	चन्द्रदर्शन D अन्नपूर्णा ज., दत्तात्रेय ज., श्री सत्यनारायण पूजा
08	शु	3 26 56 17 43	मू. 01 40 07 36	शू. 19 47 14 51	गर 26 56 17 43	27 43	06 56 17 22	14 र.ह. 01 29	धनु	07 12 19 12	47	09 22 19 57	भ. 29।47 से, गंडमूल स. 07।36, रविलाखर मु. मास प्रा.
09	श	4 27 57 18 08	पूषा 03 23 08 18	गं 17 26 13 55	वि 27 57 18.08	27 42	06 57 17 22	15 02 30	म. 14।35	07 13 19 59	48	10 15 20 53	भ. 18।05 तक, गणेश चतुर्थी व्रत (शु.) A प्रा. 24।56
10	र	5 30 46 19 16	उषा 06 52 09 43	वृ 16 27 13 32	बा 30 46 19 16	26 08	06 58 17 22	16 03 D1	मकर	07 14 20 47	49	11 03 21 49	विश्व एड्स दि., श्री रामजानकी विवाह, गुरु तेगबहादुर बलिदान दि.
11	चं	6 35 10 21 02	श्र 11 58 11 46	ध्रु 16 43 13 40	कौ 02 46 08 05	26 07	06 58 17 22	17 04 02	कुं. 24।59	07 15 21 37	50	11 45 22 44	श्री राम कलेवा, चम्पा षष्ठी, स्कंद 6 (गुह्य), पंचक A
12	मं	7 40 44 23 17	ध 18 20 14 19	व्या 17 57 14 10	ग 07 49 10 07	26 05	06 59 17 22	18 05 03	कुम्भ	07 16 22 27	51	12 23 23 38	भ. 23।14 से, मित्र सप्तमी, राजेन्द्र प्रसाद जयंती, मासिक B
13	बु	8 46 57 25 47	श 25 29 17 12	ह 19 49 14 56	वि 13 47 12 31	26 03	07 00 17 22	19 06 04	कुम्भ	07 17 23 18	51	12 57 24 00	भ. 12।28 तक, अष्टमी तिथि (शु.)
14	गु	9 53 14 28 18	पूभा 32 53 20 10	व 21 55 15 47	बा 20 07 15 03	26 01	07 01 17 23	20 07 05	मी. 13।25	07 18 24 10	52	13 29 00 31	महानन्दा नवमी, जैन दिवाकर पुण्य दि., वृश्चिके बुधः 10।34
15	शु	10 58 59 30 37	उभा 39 56 23 00	सि 23 48 16 33	तै 26 11 17 30	26 00	07 01 17 23	21 08 06	मीन	07 19 25 03	53	14 00 01 23	गंडमूल प्रा. 23।00 B दुर्गाष्टमी, ज्येष्ठायां सूर्यः 12।24
16	श	11 60 00 - -	रे 46 10 25 30	व्य 25 08 17 05	व 31 30 19 38	25 58	07 02 17 23	22 09 07	मे. 25।30	07 20 25 56	54	14 30 02 14	भ. 19।35 से, तिथि वृद्धिः, मौनी एकादशी व्रत, पंचक C
17	र	11 03 44 08 32	अ 51 15 27 33	व 25 37 17 18	वि 03 44 08 32	25 57	07 03 17 23	23 10 08	मेष	07 21 26 51	55	15 02 03 07	भ. 08।29 तक, गंडमूल स. 27।33, एकादशी व्रत, गीता ज.
18	चं	12 07 13 09 57	भ 54 59 29 03	प 25 05 17 06	बा 07 13 09 57	25 55	07 04 17 23	24 11 09	मेष	07 22 27 46	55	15 35 04 01	प्रदोष व्रत (शुक्ल)
19	मं	13 09 16 10 47	कृ 57 19 30 00	शि 23 27 16 27	तै 09 16 10 47	25 54	07 04 17 23	25 12 10	वृ. 11।20	07 23 28 42	56	16 12 04 57	विश्व मानवाधिकार दिवस C स. 25।28, गंडमूल स. 29।30
20	बु	14 09 52 11 02	रो 58 19 30 25	सि 20 43 15 22	व 09 52 11 02	25 53	07 05 17 23	26 13 11	वृष	07 24 29 39	57	16 54 05 55	भ. 10।59 से 22।54 तक, पिशाच मोचिनी 14, त्रिपुर ज., D
21	गु	15 09 08 10 45	मृ 58 08 30 21	सा 16 58 13 53	बव 09 08 10 45	25 52	07 06 17 24	27 14 12	मि. 18।26	07 25 30 36	58	17 41 06 55	अन्न पूर्णिमा जयन्ती, पूर्णिमा व्रत

❑ योग। शकुन विचार–मार्गशीर्ष शुक्ला 2, 5, 7, 9, 13, पूर्णिमा को बारिश, बिजली, अंधड़, तूफान हो तो दो मास मे किराना सामान मे तेजी बनेगी बादल हो तो तेल, तिल मे उथल-पुथल के भाव बनेंगे। अगहन में वा पौष में कारी (कृष्ण) तिथि घट जाय शुक्ल पक्ष दिन बढ़े उत्तम समय दिखाय। मंगसिर चौदस मावसा घटा रहे आकाश। महंगे बिके गल्ला चारा घास॥ यदा च धन राशौ स्थितो देत्याचार मर्घ प्रवर्तते। महर्घ च विजानीयात्सर्व सस्य विनश्यति॥ महंगाई से जनता दुःखी होगी।

मार्गशीर्ष शु. 8 बुध, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 04 दिसंबर

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
07	10	06	06	08	08	08	02	08	00	10	08
17	14	15	28	06	15	24	15	15	09	21	27
23	12	33	23	08	45	08	35	35	08	48	24
18	40	46	05	27	24	50	42	42	25	43	00
60	713	39	78	13	74	06	00	00	01	00	01
52	33	45	49	24	17	09	17	17	46	13	38
–	–	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	मा	मा
–	–	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
1	3	3	3	2	1	4	3	1	3	1	1
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

भाव	ग्रह
9	गु. शु. श. के. प्लू.
7	मं. बु.
10	
8	सू.
6	
5	
11	चं. ने.
2	
12	
4	
1	ह.
3	रा.

[पक्ष फलम्]

यह पक्ष मार्गशीर्ष शुक्ला प्रतिपदा बुधवार अनुराधा नक्षत्र से प्रारंभ होकर मार्गशीर्ष पूर्णिमा गुरुवार मृगशिरा नक्षत्र तक तदनुसार दिनांक 27 नवंबर से 12 दिसंबर 2019 तक रहेगा। पक्षमें चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ती के योग से तेजी का प्रभाव सभी वस्तुओं में बनेगा। माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव रहेगा। और पांच गुरुवार होने से धान्य भाव सस्ता होगा कृष्णा चतुर्दशी स्वाती नक्षत्र होने से वर्षा का अभाव रहेगा। मंगलवारी अमावस्या होने से राजभ्रंश योग। राज युद्ध क्लेश उत्पत्ति के क्लेशों की वृद्धि होगी। उपघात, अल्पवृष्टि और द्रव्यों की हानि होगी। अमावस्या विशाखा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। शुक्ल एकादशी को शनिवार होने से अनावृष्टि और प्रजा में उपद्रव होंगे। शनिवारी संक्रांति के कारण अशुभ दायक घटनाएं घटेंगी। सभी तरह की वस्तुओं में क्षय (कमी) के कारण महंगाई आकाश छुयेगी। धान्यादि भावों में तेजी होगी। रोग अधिक बढ़ेंगे। मंगसिर पहले पाख में कोई तिथि घट जाय। झगड़ा और फिसाद नित लोंगो में अधिकाय॥ बदी एकादशी क्षय से हानि भी होगी। मंगसिर सुदी एकादशी शनिवार का संग। वर्षा नाशै प्रजा दुःखी मंत्रीमण्ल भंग॥ एकादशी वृद्धि जब हो सुदी पक्ष में आय। साधना शक्ति भक्ति भावना सौख्य भाव बनाय॥ वृद्धि एकादशी रविवार मंगसिर शुक्ल पक्ष में आय। लाभ देय वैशाख में सर्व वस्तु में तेजी आय॥ अन्नपूर्णा जयन्ती पूर्णिमा गुरुवारी जब होय। धर्म ध्यान की भावना में जन-जन में भक्ति भाव होय॥ शुभ है। व्यापार भविष्य–ग्रह योग से मजीठ, लालमिर्च, कालीमिर्च, धनियां, जीरा, किराना, नारियल, रसकस, तेलवाना, खाद, बीज, पाट-जूट, रुई, बारदाना, अनाज तेज योग में। मेंथी, सरसों, ग्वार, ज्वार, बाजरा इत्यादि में उथल-पुथल योग बनेंगे। औषधियां, रंग, सिमेन्ट, इमारती पत्थर में तेजी बनेगी। सरसों, सतावर, रायरा, राई में तेजी का योग बनेगा। सोना, चांदी, तांबा, पीतल में उठापटक चलेगी। आकाश लक्षण–नवंबर 28, 30, दिसंबर 8, 10, 12 को दक्षिण-पश्चिमी भारत तथा उत्तरी पूर्वी इलाकों में भू-स्खलन, हिमपात योग बनेगा। बादल गर्जना के साथ बारिश का योग बनेगा। शीत लहर बढ़ेगी। लोकसभा में अनिश्चितता का❑

मार्गशीर्ष शु. 15 गुरु, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 12 दिसंबर

भाव	ग्रह
9	गु. शु. श. के. प्लू.
7	मं.
10	
8	सू. बु.
6	
5	
11	ने.
2	चं.
12	
4	
1	ह.
3	रा.

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
07	01	06	07	08	08	08	02	08	00	10	08
25	22	20	09	07	25	24	15	15	08	21	27
30	49	52	38	56	39	59	10	10	55	51	37
36	54	26	58	37	06	26	16	16	26	36	33
60	794	39	88	13	74	06	01	01	01	00	01
58	44	55	22	88	08	29	11	11	27	30	46
–	–	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व	मा	मा
–	–	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
3	4	1	2	3	4	4	3	1	3	1	1
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

पौष कृष्ण पक्षः -18 श्री सं. 2076 शाके 1941

ता. 13 से 26 दिसं. 2019 ई., रा. मिति 22 मार्ग. से 5 पौष तक। रवि दक्षिण-उत्तरायने, दक्षिण गोले, हेमंत-शिशिर ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि ति	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र न	घ.	प.	घं.	मि.	योग यो	घ.	प.	घं.	मि.	करण क	घ.	प.	घं.	मि.	दिनमान घ.	प.	सूर्य उदय घं.	मि.	अस्त घं.	मि.	दिनांक प्र.	मु.	अं.	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टै.टा. रा.घं.मि.	रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. रा.	अं.	क.	वि.	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय घं.	मि.	अस्त घं.	मि.	विवरण
22	शु	1	07	13	09	59	आ	56	57	29	53	शुभ	12	18	12	02	कौ	07	13	09	59	25	51	07	06	17	24	28	15	13	मिथुन	07	26	31	35	60/58	18	35	07	55	A 28।03, मकरे शुक्र: 17।58
23	श	2	04	17	08	50	पुन	54	57	29	06	शु	06	52	09	52	गर	04	17	08	50	25	50	07	07	17	24	29	16	14	क. 23।19	07	27	32	34	61/00	19	34	08	53	भ. 20।05 से, गुरु अस्त 18।40
24	र	3	00	34	07	21	पु	52	19	28	03	ब्र / ऐ	00 / 54	48 / 15	07 / 28	27 / 50	वि	00	34	07	21	25	49	07	08	17	25	30	17	15	कर्क	07	28	33	34	01	20	36	09	49	भ. 07।18 तक, गणेश चतुर्थी व्रत (कृ.), गंडमूल प्रा. A
00	र	4	56	14	29	37	0	00	00	00	00	0	00	00	00	00	0	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	000	00	00	00	00	00	00	00	00	00	तिथि क्षय:
25	चं	5	51	26	27	43	आ	49	14	26	50	वै	47	19	26	04	कौ	23	52	16	41	25	49	07	08	17	25	पौष 01	18	16	सिं.26।50	07	29	34	35	02	21	41	10	39	धनु संक्रांति, धने सूर्य:15।28, मूले सूर्य:15।28, बुधास्त 27।59
26	मं	6	46	19	25	40	म	45	50	25	29	वि	40	08	23	12	गर	18	54	14	42	25	48	07	09	17	25	02	19	17	सिंह	08	00	35	37	03	22	45	11	24	भ. 25।37 से, गंडमूल स. 25।29
27	बु	7	41	01	23	34	पूफा	42	14	24	03	प्री	32	47	20	16	वि	13	40	12	37	25	48	07	09	17	26	03	20	18	कं. 29।42	08	01	36	40	04	23	49	12	06	भ. 12।35 तक
28	गु	8	35	40	21	26	उफा	38	36	22	36	आ	25	22	17	19	बा	08	20	10	30	25	47	07	10	17	26	04	21	19	कन्या	08	02	37	44	05	24	00	12	44	मासिक कालाष्टमी व्रत, जिन सागर पुण्य दिवस
29	शु	9	30	22	19	20	ह	35	02	21	11	सौ	17	59	14	22	तै	02	59	08	22	25	47	07	11	17	27	05	22	20	कन्या	08	03	38	49	06	00	52	13	21	भ. 30।15 से,
30	श	10	25	17	17	18	चि	31	41	19	51	शो	10	45	11	29	वि	25	17	17	18	25	47	07	11	17	27	06	23	21	तु. 08।31	08	04	39	55	07	01	55	13	58	भ. 17।15 तक
पौष 01	र	11	20	34	15	25	स्वा	28	42	18	40	अ / सु	03 / 57	45 / 09	08 / 30	42 / 03	बा	20	34	15	25	25	47	07	12	17	28	07	24	22	तुला	08	05	41	01	08	02	57	14	37	सफला एकादशी व्रत, मकर संक्रांति (सायन) 09।51
02	चं	12	16	21	13	45	वि	26	15	17	42	धृ	51	03	27	37	तै	16	22	13	45	25	47	07	12	17	28	08	25	23	वृ.11।55	08	06	42	09	08	04	01	15	18	प्रदोष व्रत (कृष्ण), वृत्तिकार भगवान् बोधायन जयंती
03	मं	13	12	52	12	21	अ	24	33	17	02	शू	45	36	25	27	व	12	52	12	21	25	47	07	13	17	29	09	26	24	वृश्चिक	08	07	43	17	09	05	04	16	02	भ. 12।19 से 23।45 तक, गंडमूल प्रा. 17।02
04	बु	14	10	18	11	20	ज्ये	23	47	16	44	गं	40	58	23	36	श	10	18	11	20	25	48	07	13	17	29	10	27	25	ध. 16।44	08	08	44	25	09	06	07	16	51	क्रिसमस डे, वृश्चिकं मंगल: 21।29, धने बुध: 15।45
05	गु	30	08	51	10	46	मूल	24	08	16	53	वृ	37	17	22	08	ना	08	51	10	46	25	48	07	13	17	30	11	28	26	धनु	08	09	45	34	09	07	08	17	43	बंकुला अमावस्या, गंडमूल स. 16।53

□ के भाव तेज होंगे। बिल्डिंग मैटेरियल में विशेष तेजी बनेगी। सोना, चांदी भी तेजी में होगा। **आकाश लक्षण**–दिसंबर 14, 16, 18, 23, 25 को राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, सिक्किम, जयपुर, असम, कश्मीर, जम्मू, तेलंगाना में तेज वारिश के योग हैं। प्राकृतिक आपदा, भूस्खलन का योग बनेगा। ठण्डी वायु के प्रभाव से रोग बढ़ेगा। **शकुन विचार**–पौष कृष्ण 4 क्षय, 6, 8, 11, 13, 30 को बादल, बिजली, अंधड़, तूफान, तेज वायु का योग बनेगा तो खाद्यानों, सब्जी में मंदी बनेगी। धनु राशिगत भानु में मंदा रहे अनाज। तिलहन तेल कपास में महंगाई का राज॥ उतार-चढ़ाव का योग चलेगा।

पौष कृ. 8 गुरु, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 19 दिसंबर

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
08	04	06	07	08	09	08	02	08	00	10	08
02	29	25	20	09	04	25	14	14	08	21	27
37	53	32	08	32	17	45	48	48	46	55	50
44	10	25	36	29	26	41	00	00	14	54	12
61	851	40	91	13	73	06	00	00	01	00	01
04	21	05	11	45	58	43	05	05	09	44	51
–	–	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व	मा	मा
–	–	उ	अ	अ	उ	अ	उ	अ	उ	उ	उ
मूल 1	उ.षा. 1	विशा. 2	ज्येष्ठा 2	मूल 3	उ.भा. 3	पू.षा. 4	आर्द्रा 3	पू.षा. 1	अश्वि. 3	पू.भा. 1	उ.षा. 1

कुण्डली (ता. 19 दिसंबर):
- 10 शु.
- 9 सू.
- 8 बु.
- 7 मं.
- 6
- 5 चं.
- 4
- 3 रा.
- 2
- 1 ह.
- 12 गु.श. के.प्लू.
- 11 ने.

[पक्ष फलम्]

यह पक्ष पौष कृष्ण प्रतिपदा शुक्रवार आर्द्रा नक्षत्र से प्रारंभ होकर पौषी अमावस्या गुरुवार मूल नक्षत्र तदनुसार 13 से 26 दिसंबर तक रहेगा। पक्ष में कृष्ण चतुर्थी का क्षय होना चिन्ता दायक योग का कारक बनेगा। पक्ष में छः ग्रह युक्ति धनु राशि पर होना पौषी अमावस्या को यह युक्ति होना विद्रोह को बढ़ावा देगा। क्षति ग्रह की वक्रता **होना भी** चिन्तादायक घटना का कारक बनेगा। पक्ष में 16 दिसंबर **2019** पौष बदी 5 सोमवार को भुवन भास्कर सूर्यदेव धनु में प्रवेश वारात् 3, नक्षत्रात् 3, वारनाम ध्वांक्षी, वैश्यान् सुखदा, नक्षत्र नाम राक्षसी, चाण्डालान सुखदा, अपराह्न तृतीय प्रहर व्यापिनी, वेश्यान हन्ति, दक्षिणे गमनं, नैऋत्य दृष्टि, सिंह वाहन, वृषभ उपवाहन कष्ट कारक, नील वस्त्रं, गताल्कावस्था (ऊभी) मुहूर्ती 15 धान्ये भाव महंगे होंगे। सोमवारी संक्रांति से मूंगा, मोती और अनाज सस्ता होगा। प्रजा में सुख दायक योग बनेंगे। **सोमवार के दिन कभी हो सूर्य संक्रांति। मोती मूंगा धान्य सन सस्ता अरु सुख-शांति॥ धनु राशिगत भानु में मंदा रहे अनाज। तिलहन तेल कपास में महंगाई का राज॥** धनु संक्रांति में सभी प्रकार का अन्न मंदा रहेगा। परन्तु सरसों, अलसी, तिल, तेल आदि, रुई, सूत, कपास, पाट, बारदाना तेज होंगे। राज नेताओं में विवाद होंगे। मंत्रियों का त्याग-पत्र तक का योग बनता है। जापान, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, अमेरिका, ईग्लैण्ड, तुर्की, पाकिस्तान, बंगलादेश, भूटान में प्राकृतिक आपदा का योग बनता है। किसी विशिष्ट राजनेता का देहत्याग योग बनेगा। रोगी कीटाणुओं की भरमार रहेंगी। शीत लहर का योग भी बनेगा। व्यापार भविष्य– [illegible]

पौष कृ. 30 गुरु, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 26 दिसंबर

कुण्डली (ता. 26 दिसंबर):
- 10 शु.
- 9 प्लू.
- 8 मं.
- 7
- 6
- 5
- 4
- 3 रा.
- 2
- 1 ह.
- 12 सू.चं. गु.श. बु.के.
- 11 ने.

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
08	08	07	08	08	09	08	02	08	00	10	08
09	07	00	00	11	12	26	14	14	08	22	28
45	05	13	52	09	54	33	25	25	39	01	03
34	06	30	58	04	33	26	44	44	16	51	28
61	793	40	92	13	73	06	00	00	00	00	01
09	49	14	54	50	46	55	11	11	49	58	56
–	–	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व	मा	मा
–	–	उ	अ	अ	उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ
मूल 3	मूल 3	विशा. 4	मूल 1	मूल 4	श्रवण 1	पू.षा. 4	आर्द्रा 3	पू.षा. 1	अश्वि. 3	पू.भा. 1	उ.षा. 1

पौष शुक्ल पक्षः -19

श्री सं. 2076 शाके 1941

ता. 27 दिसं. से 10 जन. सन् 2020 ई., रा. मिति 6 से 20 पौष तक। रवि उत्तरायने, दक्षिण गोले, शिशिर ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	ति	घ.	प.	घं.	मि.	न	घ.	प.	घं.	मि.	यो	घ.	प.	घं.	मि.	क	घ.	प.	घं.	मि.	दिनमान घं.	मि.	सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्र राशि प्रवेश रा.घं.मि.	रवि स्पष्ट रा.	अं.	क.	वि.	गति	चन्द्रोदय घं.	मि.	चन्द्रास्त घं.	मि.	विवरण
पौष 06	शु	1	08	41	10	42	पूषा	25	47	17	33	घ्रु	34	39	21	05	ब	08	41	10	42	25	48	07	14	17	30	12	29	27	म. 23।48	08	10	46	44	01 09	08	04	18	39	चन्द्रदर्शन, शनि अस्त 26।41
07	श	2	09	57	11	13	उषा	28	49	18	46	व्या	33	07	20	29	कौ	09	57	11	13	25	49	07	14	17	31	13	जअ 01	28	मकर	08	11	47	53	09	08	55	19	35	जमादि अव्वल मु. मास प्रा.
08	र	3	12	40	12	19	श्र	33	14	20	32	ह	32	41	20	19	ग	12	40	12	19	25	50	07	15	17	32	14	02	29	मकर	08	12	49	03	10	09	40	20	32	भ. 25।01 से, पूषायां सूर्य: 17।36
09	चं	4	16	46	13	57	ध	38	56	22	49	व	33	15	20	33	वि	16	46	13	57	25	50	07	15	17	32	15	03	30	कुं. 09।37	08	13	50	13	10	10	19	21	27	भ. 13।55 तक, पंचक प्रा. 09।34, गणेश चतुर्थी व्रत (शु.)
10	मं	5	22	03	16	04	श	45	37	25	30	सि	34	38	21	06	बा	22	03	16	04	25	51	07	15	17	33	16	04	31	कुम्भ	08	14	51	23	10	10	55	22	21	न्यू ईयर ईवनिंग डे
11	बु	6	28	07	18	30	पूभा	52	55	28	25	व्य	36	32	21	52	तै	28	07	18	30	25	52	07	15	17	34	17	05	J1	मी. 21।41	08	15	52	33	09	11	28	23	13	नववर्ष दिवस, अनुरूपा छठ
12	गु	7	34	29	21	03	उभा	60	00	-	-	व	38	37	22	42	गर	01	17	07	47	25	53	07	16	17	34	18	06	02	मीन	08	16	53	43	09	11	59	24	00	भ. 21।00 से, भानु 7, मासिक दुर्गाष्टमी, गुरु गोविन्द सिंह ज.
13	शु	8	40	34	23	29	उभा	00	16	07	22	प	40	27	23	27	वि	07	35	10	18	25	55	07	16	17	35	19	07	03	मीन	08	17	54	53	09	12	29	00	04	भ. 10।15 तक, गंडमूल प्रा. 07।22, शाकम्भरी नवरात्र
14	श	9	45	48	25	35	रे	07	10	10	08	शि	41	40	23	56	बा	13	19	12	36	25	56	07	16	17	36	20	08	04	मे. 10।08	08	18	56	02	09	13	00	00	56	पंचक स. 10।05
15	र	10	49	44	27	10	अ	13	04	12	30	सि	41	55	24	03	तै	17	57	14	27	25	57	07	16	17	36	21	09	05	मेष	08	19	57	11	08	13	32	01	49	सूर्य पूजा-उड़ीसा, शाम्भ दशमी, गंडमूल स. 12।30
16	चं	11	52	01	28	05	भ	17	34	14	18	सा	40	58	23	40	व	21	06	15	43	25	59	07	16	17	37	22	10	06	वृ. 20।39	08	20	58	20	08	14	07	02	43	भ. 15।40 से 28।02 तक, पुत्रदा एकादशी
17	मं	12	52	32	28	17	कृ	20	25	15	27	शुभ	38	40	22	45	बव	22	30	16	17	26	00	07	17	17	38	23	11	07	वृष	08	21	59	28	08	14	46	03	40	महाद्वादशी
18	बु	13	51	16	27	47	रो	21	32	15	54	शु	35	00	21	17	कौ	22	07	16	07	26	02	07	17	17	39	24	12	08	मि.27।52	08	23	00	36	07	15	30	04	39	प्रदोष व्रत (शुक्ल), कुम्भे शुक्र: 28।23
19	गु	14	48	21	26	37	मृ	20	59	15	40	ब्र	30	00	19	17	गर	20	00	15	17	26	04	07	17	17	39	25	13	09	मिथुन	08	24	01	44	07	16	22	05	39	भ. 26।35 से, A गुरु उदय 21।35, श्री सत्यनारायण पूजा
20	शु	15	44	03	24	54	आ	18	56	14	51	ऐं	23	49	16	49	वि	16	21	13	49	26	05	07	17	17	40	26	14	10	मिथुन	08	25	02	52	07	17	19	06	40	भ. 13।47 तक, माघ स्नान प्रारंभ, पूर्णिमा व्रत, A

❑ कांसा में तेजी बनेगी। वस्त्र बाजार भी तेजी में। **आकाश लक्षण**–दिसंबर 28, 30, जनवरी 2, 4, 6, 7, 9 को समस्त भारत में वर्षा, बिजली गिरना, ओले गिरना, हिमपात योग बनता है। विश्वस्तरीय प्राकृतिक आपदा से जनता में त्राहि-त्राहि मचेगी। पशुओं में रोग तथा रोगों का नियंत्रण का अभाव रहेगा। **शकुन विचार**–पौष शुक्ल 2, 7, 9, 10, 12, 14 को आंधी, बिजली, अंधड़, तूफान हो तो एक मास में चीनी, तिल, धान्य महंगे होंगे। **पड़वा दोयज पौष सुदी बादल बिजली देख। वर्षा खेती बढ़े, उपजे अन्न विशेष॥** आगामी वर्ष अच्छा होने का संकेत है।

पौष शु. 8 शुक्र, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 03 जनवरी

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
08	11	07	08	08	09	08	02	08	00	10	08
17	15	05	13	12	22	27	14	14	08	22	28
54	44	35	24	59	43	29	00	00	34	10	19
53	18	57	31	40	31	17	18	18	15	35	08
61	713	40	95	13	73	07	00	00	00	01	01
09	49	23	08	49	27	03	13	13	25	13	59
-	-	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व	मा	मा
-	-	उ	अ	अ	उ	अ	उ	अं	उ	उ	अ
2	4	1	1	4	4	1	3	1	3	1	1

कुण्डली: 10 शु. | 8 मं. | 9 सू. गु. | 11 ने. | 7 | के. प्लू. बु. श. | 6 | 12 चं. | 3 रा. | 1 ह. | 5 | 2 | 4

[पक्ष फलम्]

पौष शुक्ल पक्ष प्रतिपदा वार शुक्रवार पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र चन्द्रदर्शन से पौष शुक्ल पूर्णिमा शुक्रवार आर्द्रा नक्षत्र दिनांक 27 दिसंबर 2019 से 10 जनवरी 2020 तक रहेगा। पक्ष में चन्द्रदर्शन 15 मुहूर्ती, कृष्ण अमावस्या दिनांक 26 दिसंबर गुरुवार खंडग्रास सूर्यग्रहण के कारण सभी वस्तुओं में तेजी के योग बनेंगे। सूतक दिनांक 25.12.2019 को रात्रि 20।17 से प्रारंभ हो जायेगा। दिवा 10।56 तक शुद्ध हो जायेगा। माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि होगी। गुरुवारी अमावस्या होने से सदा शुभ वृष्टि तथा सुभिक्ष होने का योग बनेगा। आरोग्यता का लाभ मिलेगा। प्रजा स्वस्थ हो। अमावस्या मूल योग से दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। शुक्ला नौमी को शनिवार होने से अन्नादि भावों में तेजी बनेगी। पूर्णिमा को पुष्य का अभाव होने से महंगाई बढ़ेगी। धनु राशि में गुरु के अस्त होने से राजाओं, राष्ट्रपति पदेन नागरिक भयभीत रहेंगे। चोरी, लूट-पाट का योग बनेगा। सोमवार को संक्रांति होने से दक्षिण पवन चलेगी। धान्यादि भावों में मंदी बनेगी। रसकस, किराना की वस्तुएं तेज होंगी। सद्भावना योग जैसा वातावरण बनेगा। नेताओं में विवाद योग। **शनि गुरु भृगु घटै अथवा गुरु भृगु संग। वर्षा होय अकाश में अथवा जग में जंग॥ पौष सुदी चौदस दिना मेघ गर्जें घनघोर। शुभ वर्षा आषाढ़ में बोले दादर मोर॥** इस पक्ष में वर्षा के कारण कुछ प्राकृतिक घटनाएं विद्युत पात या शीत लहर बढ़ेगी। कहीं-कहीं बाढ़ के हालात् भी बन सकते हैं। पूर्वी भारत बन्दरगाह तटीय प्रदेशों में उपद्रव ज्यादा बनेंगे। पक्ष में पश्चिमोत्तर देशों में युद्ध का वातावरण बनेगा। रोग बाधाएं विश्व की समस्या जैसी प्रतीत होगी। दान-पुण्य करें तो शुभ। **व्यापार भविष्य**–खाने पीने की वस्तुओं के भाव सम रहेंगे। शेयर्स बाजार में उतार-चढ़ाव चलेगा। खाद्यानों के भाव भी सम रहेंगे। विद्युत सामग्री, औषधियां, तिल, तेल, मूंगफली, चना, चावल, तारामीरा, अरहर आदि में तेजी बनेगी। कागज, ईंधन के भावों में तेजी होगी। कपास, खल, खाद, बीज, सब्जी बाजार तेजी में चलेगा। सोना, चांदी, तांबा, पीतल,❑

पौष शु. 15 शुक्र, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 10 जनवरी

कुण्डली: 10 | 8 मं. | 9 सू. गु. | 11 ने. श. | 7 | के. प्लू. बु. श. | 6 | 12 | 3 चं. रा. | 1 ह. | 5 | 2 | 4

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
08	02	07	08	08	10	08	02	08	00	10	08
25	14	10	24	14	01	28	13	13	08	22	28
02	34	19	39	36	16	18	38	38	32	19	33
52	56	07	19	06	22	49	02	02	33	48	07
61	831	40	97	13	73	07	00	00	00	01	02
08	13	32	49	44	04	06	17	17	03	25	01
-	-	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व	मा	मा
-	-	उ	अ	अ	उ	अ	उ	अ	उ	उ	अ
4	3	3	4	1	3	1	3	1	3	1	1

माघ कृष्ण पक्षः -20

श्री सं. 2076 शाके 1941

ता. 11 से 24 जन. सन् 2020 ई., रा. मिति 21 पौष से 4 माघ तक। रवि उत्तरायने, दक्षिण गोले, शिशिर ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वा	तिथि स्टैं.टा. (ति घ. प. घं. मि.)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ. प. घं. मि.)	योग स्टैं.टा. (यो घ. प. घं. मि.)	करण स्टैं.टा. (क घ. प. घं. मि.)	दिनमान	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त (उदय अस्त घं. मि. घं. मि.)	दिनांक (प्र. मु. अ.)	चन्द्र राशि प्रवेश (भा.स्टै.टा. रा.घं.मि.)	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. (रा. अं. क. वि.)	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली (उदय अस्त घं. मि. घं. मि.)	विवरण
21	श	1 38 38 22 44	पुन 15 40 13 33	वै 16 41 13 57	बा 11 27 11 52	26 07	07 17 17 41	27 15 11	क.07।55	08 26 03 59	61 07	18 22 07 38	श्री रसिक माधुरी जयन्ती, उषायां सूर्यः 19।35, लाल A
22	र	2 32 25 20 15	पु 11 28 11 52	वि 08 48 10 48	तै 05 36 09 31	26 09	07 17 17 42	28 16 12	कर्क	08 27 05 06	07	19 28 08 32	भ. 30।53 से, गंडमूल प्रा. 11।52
23	चं	3 25 46 17 35	आ 06 43 09 58	प्री 00 26 07 27 / आ 51 51 28 01	वि 25 46 17 35	26 11	07 17 17 43	29 17 13	सिं.09।58	08 28 06 13	06	20 35 09 21	भ. 17।32 तक, लोहिड़ी, संकष्ट चतुर्थी, गणेश चतुर्थी B
24	मं	4 18 59 14 52	म 01 43 07 58 / पूफा 56 47 30 00	सौ 43 16 24 35	बा 18 59 14 52	26 13	07 17 17 43	माघ 01 18 14	सिंह	08 29 07 20	06	21 41 10 05	मकर संक्रांति, गंडमूल स. 07।58, मकरे सूर्यः 26।08
25	बु	5 12 22 12 13	उफा 52 12 28 10	शो 34 56 21 15	तै 12 22 12 13	26 16	07 17 17 44	02 19 15	क. 11।31	09 00 08 27	06	22 46 10 45	पोंगल (तमिल), भा. थल सेना दिवस
26	गु	6 06 10 09 45	ह 48 12 26 33	अ 27 01 18 05	व 06 10 09 45	26 18	07 17 17 45	03 20 16	कन्या	09 01 09 33	06	23 49 11 23	भ. 09।42 से 20।33 तक, रामानंदाचार्य जयंती
27	शु	7 00 37 07 31	चि 44 57 25 15	सु 19 40 15 08	ब 00 37 07 31	26 20	07 16 17 46	04 21 17	तु. 13।52	09 02 10 39	06	24 00 12 00	मासिक कालाष्टमी व्रत, विवेकानन्द जयंती
00	शु	8 55 50 29 37	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	0 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षयः A बहादुर शास्त्री पु.दि.
28	श	9 51 58 28 04	स्वा 42 35 24 18	धृ 12 59 12 28	तै 23 47 16 47	26 23	07 16 17 47	05 22 18	तुला	09 03 11 45	05	00 51 12 38	B व्रत (कृ.), मकरे बुधः 11।35
29	र	10 49 05 26 54	वि 41 09 23 44	शू 07 02 10 05	व 20 25 15 26	26 25	07 16 17 48	06 23 19	वृ. 17।50	09 04 12 51	05	01 54 13 17	भ. 15।23 से 26।51 तक
30	चं	11 47 12 26 09	अ 40 42 23 33	ग 01 52 08 01 / वृ 57 29 30 15	ब 18 01 14 28	26 28	07 16 17 48	07 24 20	वृश्चिक	09 05 13 57	05	02 56 13 59	षट्तिला एकादशी व्रत, गंडमूल प्रा. 23।33, कुंभ C
माघ 01	मं	12 46 20 25 48	ज्ये 41 15 23 46	धु 53 54 28 49	कौ 16 39 13 55	26 31	07 16 17 49	08 25 21	ध. 23।46	09 06 15 02	04	03 58 14 46	C संक्रांति (सायन) 20।26
02	बु	13 46 30 25 52	मू 42 47 24 22	व्या 51 08 27 42	ग 16 18 13 47	26 33	07 15 17 50	09 26 22	धनु	09 07 16 07	04	04 58 15 36	भ. 25।49 से, गंडमूल स. 24।22, प्रदोष व्रत (कृष्ण)
03	गु	14 47 43 26 20	पूषा 45 20 25 23	ह 49 09 26 55	वि 16 59 14 03	26 36	07 15 17 51	10 27 23	धनु	09 08 17 11	03	05 55 16 29	भ. 14।00 तक, सुभाष जयंती, ऋषभदेव मोक्ष
04	शु	30 50 00 27 15	उषा 48 54 26 48	व 47 59 26 26	चतु 18 44 14 44	26 39	07 15 17 52	11 28 24	म.07।42	09 09 18 15	03	06 47 17 25	मौनी अमावस्या, श्रवणे सूर्यः 21।51, मकरे शनिः 09।56

❑ चूना, बजरी, मार्बल, टाईल्स में तेजी विशेष चलेगी। लाभ लेवें। **आकाश लक्षण**–जनवरी 12, 14, 17, 20, 23 को राजस्थान, हिमाचल, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, कर्नाटक में तेज बारिश हानि दायक योग। **शकुन विचार**–माघ कृष्ण 1, 3, 4, 6, 9, 11, अमावस्या को अंधड़, बारिश च बिजली चमके तो एक मास में अनेक वस्तुएं तेजी-मंदी के चक्कर में रहेंगी। हानि होगी। माघ तृतीया सुदी में वर्षा बिजली देख। अन्न विशेष जौ, गेहूं अति महंगा वर्ष दिन लेख॥ पक्ष में राजनैतिक हल-चल विशेष रहेगी। इसमें भाग नहीं लेना, शुभ रहेगा।

माघ कृ. 7 शुक्र, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 17 जनवरी

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
09	05	07	09	08	10	08	02	08	00	10	08
02	25	15	06	16	09	29	13	13	08	22	28
10	04	03	14	11	46	08	15	15	33	30	47
39	19	20	56	44	18	33	47	47	24	21	12
61	849	40	101	13	72	07	00	00	00	01	02
06	45	41	00	35	37	06	52	52	18	36	00
-	-	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	मा	मा.	मा
-	-	उ	अ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	उ	अ
उ.षा. 2	चित्रा 1	ज्ये. 4	उ.षा. 3	पू.षा. 1	शत. 1	उ.षा. 1	आर्द्रा 3	पू.षा. 1	अश्वि. 3	पू.भा. 1	उ.भा. 1

कुण्डली (17 जनवरी): 11 शु. ने. | 9 गु. श. के. प्लू. | 12 | 10 सू. बु. | 8 मं. | 7 | 1 ह. | 4 | 2 | 6 चं. | 3 रा. | 5

[पक्ष फलम्]

यह पक्ष माघ कृष्ण प्रतिपदा शनिवार पुनर्वसु नक्षत्र श्री रसिक माधुरी जयंती से प्रारंभ होकर माघी अमावस्या शुक्रवार उत्तराषाढ़ा नक्षत्र दिनांक 11 से 24 जनवरी 2020 तक रहेगा। पक्ष में अष्टमी का क्षय होना चिन्ता दायक योग बनेगा। पक्ष में दिनांक 14 जनवरी माघ कृष्ण 4 मंगलवार भुवन भास्कर सूर्यदेव मकर राशि में स्टै.टा 26।08 वारात 2, नक्षत्रात 3, वारनाम घोरा शूद्रान, चोरान सुखदा, रात्रि 3 प्रहर व्यापिनी। नटान हन्ति। राशभ वाहन, उपवाहन मेष सुभिक्ष कारक। अरुण वस्त्रम्, युवा अवस्था (सूती), मुहूर्ती 30, धान्य भाव सम। पुण्य काल स्टै.टा. 26।08 शुभ दायक। दूसरे दिन बुधवार को 18।08 तक। अस्त वक्र ग्रह काल में फल होना विपरीत। तेजी में मंदी चले मंदी-तेजी की रीत॥ सूर संक्रमण समय से सम सप्तक राकेश। छठे मास तक अन्न में तेजी बने विशेष॥ पक्ष में वायु वेग चलेगा। वर्षा भी होगी, जो कि हानि कारक रहेगी। कृष्ण पक्ष में तिथि घटे शुक्ल पक्ष में बढ़ जाय। सभी वस्तुएं सम रहें तेजीपन हट जाय॥ विश्व में अशोभनीय घटनाएं घटेंगी। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त नेता का देहांत योग बनता है। माघ बदी सप्तमी ताई तो बिज्जु चमके नभ भाई। मास बारहों बरसे मेह मत सोचो तजि देह॥ माघ अंधेरी सप्तमी वा आठे दिन छीन। बादल बिजली लाखि पड़े श्रावन अति परछीन॥ उथल-पुथल ज्यादा। व्यापार भविष्य–ग्रह योग से अनाज तेजी में चलेगा। मेंथी, सरसों, ग्वार, गम, धातु, पत्थर, सब्जी, फल, सिमेन्ट, खाद, बीज में उथल-पुथल योग चलेगा। व्यापारी वर्ग संकट में रहेंगे। संभलकर कार्य करें। किराणा, फरनकर सामग्री भी तेजी में चलेंगे। [illegible]

माघ कृ. 30 शुक्र, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 24 जनवरी

कुण्डली (24 जनवरी): 11 शु. ने. | 9 च. गु. के. प्लू. श. | 12 | 10 सू. बु. | 8 मं. | 7 | 1 ह. | 4 | 2 | 6 | 3 रा. | 5

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
09	08	07	09	08	10	08	02	08	00	10	08
09	28	19	18	17	18	29	12	12	08	22	29
18	50	48	11	46	12	58	53	53	36	42	01
15	19	37	25	08	54	08	31	31	49	09	11
61	758	40	103	13	72	07	01	01	00	01	01
04	48	50	23	23	06	03	08	08	41	46	59
-	-	मा	मा	मा	मा.	मा	व	व	मा	मा	मा
-	-	उ	अ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	उ	अ
उ.षा. 4	उ.षा. 1	ज्येष्ठा 1	श्रवण 3	पू.षा. 2	शत. 4	उ.षा. 1	आर्द्रा 3	पू.षा. 1	अश्वि. 3	पू.भा. 1	उ.भा. 1

आर्यभट्ट पंचांगम् — 25 Jan to 09 Feb - 2020 — 77

माघ शुक्ल पक्षः -21 श्री सं. 2076 ... ता. 25 जन. से 9 फर. सन् 2020 ई., रा. मिति 5 से 20 माघ तक। रवि उत्तरायने, दक्षिण गोले, शिशिर ऋतु।

माघ शुक्ल पक्षः -21

श्री सं. 2076 शाके 1941 | दिनमान | स्टैं. टा. सूर्योदयास्त | दिनांक प्र. मु. अं. | चन्द्र राशि प्रवेश | द. रवि स्पष्ट प्रातः | नति | चन्द्रोदयास्त दिल्ली

ता. 25 जन. से 9 फर. सन् 2020 ई., रा. मिति 5 से 20 माघ तक। रवि उत्तरायने, दक्षिण गोले, शिशिर ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. (ति घ. प. घं. मि.)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ. प. घं. मि.)	योग स्टैं.टा. (यो घ. प. घं. मि.)	करण स्टैं.टा. (क घ. प. घं. मि.)	दिनमान (घ. प.)	उदय अस्त (घं. मि. घं. मि.)	प्र. मु. अं.	भा.स्टैं.टा. रा. घं. मि.	5घं. 30मि. रा. अं. क. वि.	नति	उदय अस्त (घं. मि. घं. मि.)	
माघ 05	श	1 53 20 28 34	श्र 53 29 28 38	सि 47 37 26 17	किं 21 32 15 51	26 42	07 14 17 53	12 29 25	मकर	09 10 19 18	61/02	07 34 18 21	चन्द्रदर्शन, गुप्त नवरात्र प्रा. A पंचमी, कुम्भे बुधः 26।53
06	र	2 57 41 30 18	ध 59 03 30 51	व्य 48 03 26 27	बा 25 23 17 23	26 45	07 14 17 53	13 30 26	कुं. 17।42	09 11 20 20	01	08 16 19 17	भारतीय गणतंत्र दिवस, पंचक प्रा. 17।39
07	चं	3 60 00 - -	श 60 00 - -	व 49 10 26 54	तै 30 14 19 19	26 48	07 14 17 54	14 ज.उ. 01 27	कुम्भ	09 12 21 22	00	08 53 20 11	तिथि वृद्धिः, जमादि लाखर मु. मास प्रा.
08	मं	3 02 59 08 25	श 05 31 09 25	प 50 53 27 34	गर 02 59 08 25	26 51	07 13 17 55	15 02 28	मी. 29।32	09 13 22 22	60/59	09 27 21 04	भ. 21।32 से, गौरी तृतीया, गणेश चतुर्थी व्रत (शु.)
09	बु	4 09 00 10 49	पूभा 12 38 12 16	शि 52 58 28 24	वि 09 00 10 49	26 55	07 13 17 56	16 03 29	मीन	09 14 23 22	58	09 59 21 56	भ. 10।46 तक E श्री सत्यनारायण पूजा, गंडमूल प्रा. 22।08
10	गु	5 15 25 13 22	उभा 20 07 15 15	सि 55 08 29 15	बा 15 25 13 22	27 58	07 12 17 57	17 04 30	मीन	09 15 24 20	57	10 29 22 47	म. गांधी पु. दि., तक्षक पूजा, गंडमूल प्रा. 15।15, बसंत A
11	शु	6 21 47 15 55	रे 27 31 18 12	सा 57 04 30 01	तै 21 47 15 55	27 01	07 12 17 58	18 05 31	मे. 18।12	09 16 25 17	55	10 59 23 39	शीतला छठ-बंगाल, **शनि उदय 15।12**, पंचक स. 18।10, B
12	श	7 27 36 18 14	अ 34 22 20 56	शुभ 58 22 30 32	व 27 36 18 14	27 04	07 11 17 58	19 06 F1	मेष	09 17 26 13	54	11 30 24 00	भ. 18।11 से, आरोग्य 7, रथ सप्तमी, मर्यादा महोत्सव, C
13	र	8 32 20 20 06	भ 40 08 23 14	शु 58 41 30 39	वि 00 09 07 14	27 08	07 11 17 59	20 07 02	वृ.29।43	09 18 27 08	53	12 03 00 31	भ. 07।12 तक, अष्टमी तिथि (शु.), भीष्माष्टमी, मासिक D
14	चं	9 35 30 21 22	कृ 44 22 24 55	ब्र 57 43 30 15	बा 04 09 08 49	27 11	07 10 18 00	21 08 03	वृष	09 19 28 01	51	12 39 01 26	गुप्त नवरात्र स. D दुर्गाष्टमी, मीने शुक्रः 26।18
15	मं	10 36 47 21 52	रो 46 46 25 52	ऐं 55 15 29 15	तै 06 24 09 43	27 15	07 09 18 01	22 09 04	वृष	09 20 28 53	50	13 20 02 23	रोहिणी व्रत, गुप्त नवरात्रोत्थापन B **बुधोदय 14।19**
16	बु	11 36 02 21 34	मृ 47 11 26 01	वै 51 12 27 38	व 06 41 09 49	27 18	07 09 18 02	23 10 05	मि. 14।02	09 21 29 44	49	14 07 03 22	भ. 09।47 से 21।31 तक, जया एकादशी व्रत
17	गु	12 33 16 20 27	आ 45 38 25 24	वि 45 34 25 22	बव 04 55 09 06	27 22	07 08 18 02	24 11 06	मिथुन	09 22 30 33	47	15 01 04 22	भीष्म द्वादशी, धनिष्ठायां सूर्यः 24।57 C गंडमूल स. 20।56
18	शु	13 28 37 18 35	पुन 42 19 24 03	प्री 38 31 22 32	कौ 01 10 07 36	27 25	07 08 18 03	25 12 07	क. 18।27	09 23 31 21	46	16 02 05 21	प्रदोष व्रत (शुक्ल), घनेः मंगलः 27।52
19	श	14 22 24 16 05	पु 37 32 22 08	आ 30 14 19 13	व 22 24 16 05	27 29	07 07 18 04	26 13 08	कर्क	09 24 32 07	45	17 08 06 18	भ. 16।02 से 26।36 तक, दशलक्षण स., श्री जिनेन्द्र रथयात्रा, E
20	र	15 14 59 13 06	आ 31 39 19 46	सौ 21 01 15 31	बव 14 59 13 06	27 33	07 06 18 05	27 14 09	सिं.19।46	09 25 32 53	44	18 16 07 10	गुरु रविदास ज., ललिता जयंती, माघ स्नान स., पूर्णिमा व्रत

☐ में तेज लहरें, बारिश, ओले इत्यादि की संभावना बनती है। तेज अंधड़ से जीवन अस्त-व्यस्त रहेगा। प्राकृतिक बाधा से भी बचाव रखें, ज्ञात रहे। शकुन विचार–माघ शुक्ला 2, 4, 6, 9, 11, 13 को तेज हवा, बारिश, तूफान हो तो एक मास में खाद्यान्न के भाव नीचे आ सकते हैं। **मंगल और वृहस्पति एक राशि पर आन। जल रोके गड़बड़ करे पत राखे भगवान॥** पक्ष में जनता में अशांति और जनक्रांति का योग विश्वस्तरीय बनने का योग है।

माघ शु. 8 रवि, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 02 फरवरी

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
09	00	07	10	08	10	09	02	08	00	10	08
18	17	25	03	19	28	01	12	12	08	22	29
27	38	56	29	44	58	00	24	24	44	58	18
08	54	44	17	53	09	58	54	54	56	55	48
60	728	40	97	12	71	06	00	00	01	01	01
54	05	59	30	59	14	54	22	22	08	57	55
-	-	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
श्रवण 3	भरणी 2	रोहिणी 3	धनि. 4	पू.षा. 2	पू.भा. 3	उ.षा. 2	आर्द्रा 3	पू.षा. 1	अश्वि. 3	पू.भा. 1	उ.षा. 1

[पक्ष फलम्]

यह पक्ष माघ शुक्ला प्रतिपदा शनिवार श्रवण नक्षत्र से प्रारंभ होकर माघ शुक्ला पूर्णिमा रविवार गुरु रविदास जयंती आश्लेषा नक्षत्र तदनुसार दिनांक 25 जनवरी से 9 फरवरी 2020 तक रहेगा। पक्ष में गुप्त नवरात्रा प्रा., माता सरस्वती जयंती, तृतीया वृद्धि, गौरी पूजा, वसंत पंचमी, शनि उदय शुभ। माह में पांच शनिवार और पांच रविवार होने से महंगाई प्रत्येक वस्तु में बढ़ेगी। कृष्णा प्रतिपदा शनिवार होने से सर्व धान्यों की उत्पत्ति अच्छी होगी। शुक्रवारी अमावस्या होने से वर्षा की असमानता तथा खेती में उपद्रव रहेगा। चोरी, डकैती का भय बढ़ेगा। अमावस्या उत्तराषाढ़ा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी रहेगा। राजनीति में उपद्रव बढ़ेगा। शुक्ल प्रतिपदा शनिवार की होने से सब धान्य उत्पत्ति उत्तम होगी। शुक्लाष्टमी को कृतिका होने से फाल्गुन में रोली लगेगी। श्रावण सूखा रहने का योग बनेगा। मंगलवारी संक्रांति होने से लालवर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज होंगे। प्रजा में विग्रह, हड़तालें, हत्या, हिंसा कारक योग बनेगा। अग्निकांड से जन-धन की हानि योग। घृत, तैल, कपूर, लवण, रस, चन्दन महंगे होंगे। प्राकृतिक स्थिति प्रतिकूल चलेगी। **माघ सुदी जो सप्तमी बिज्जू मेह हिम होय। चार महीना बरसेगा शोक करो मति कोय॥ श्रवण नक्षत्र पर जब कभी हो कोई ग्रह क्रूर। अन्न भाव महंगा रहे गेहूं तेज जरूर॥** कोई विशिष्ट नेता का देह त्याग योग भी है। इंग्लैण्ड, ईरान, ईराक, जापान, जर्मनी, चीन, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, तुर्की, रूस, अफ्रीका महाद्वीपों में कुछ उपद्रव बढ़ेंगे। रोग-व्याधि से परेशान भी होगी। पशुओं में रोग, फसलों को कीट बाधा बढ़ेगी। बिजली गिरने का योग चिन्ता दायक रहेगा। **व्यापार भविष्य**–ग्रहों के योग से खाद्यान्न, दालवाना, अनाजवाना, तेलवाना, गुड़, शक्कर, अजवायन, अंजीर, मजीठ, चावल, तेल में तेजी तथा किराना सामग्री सम रहेगी। सिमेन्ट, बजरी, रोड़ी, पत्थर, टिम्बर, चूना, शहद, सुपारी, चौपाया चारा आदि में मंदी होगी। **आकाश लक्षण**–दिनांक 27, 29, 31 जनवरी, 5, 6, 8 फरवरी को उत्तर-पूर्व, दक्षिण-मध्य व समुद्री इलाकों☐

माघ शु. 15 रवि, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 09 फरवरी

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
09	03	08	10	08	11	09	02	08	00	10	08
25	21	00	13	21	07	01	12	12	08	23	29
32	11	44	36	14	13	48	02	02	54	12	32
53	07	00	06	33	55	37	39	39	03	59	00
60	886	41	70	12	70	06	06	06	01	02	01
45	07	06	29	37	22	43	01	01	28	04	51
-	-	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	मा	मा	मा
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
धनि. 1	अश्वि. 2	मूल 1	श्रव. 3	पू.षा. 3	उ.भा. 2	उ.षा. 2	आर्द्रा 3	पू.षा. 1	अश्वि. 3	पू.भा. 1	उ.षा. 1

फाल्गुन कृष्ण पक्ष: -22 श्री सं. 2076 शाके 1941

रा. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. (ति घ. प. घं. मि.)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ. प. घं. मि.)	योग स्टैं.टा. (यो घ. प. घं. मि.)	करण स्टैं.टा. (क घ. प. घं. मि.)	दिनमान	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त (उदय घं. मि. अस्त घं. मि.)	दिनांक (प्र. मु. अ.)	चन्द्र राशि प्रवेश (भा.स्टैं.टा. रा. घं. मि.)	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. (रा. अं. क. वि.)	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली (उदय घं. मि. अस्त घं. मि.)	ता. 10 से 23 फर. 2020 ई., रा. मिति 21 माघ से 4 फाल्गुन तक। रवि उत्तरायने, दक्षिण गोले, शिशिर-वसन्त ऋतु। निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।
माघ 21	चं	1 06 45 09 48	म 25 07 17 08	शो 11 12 11 34	को 06 45 09 48	27 37	07 05 18 06	28 15 10	सिंह	09 26 33 36	60/42	19 25 07 57	गंडमूल स. 17।08
00	चं	2 58 09 30 21	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षय: A 10।27, शते सूर्य: 29।30, बुधास्त 18।44
22	मं	3 49 38 26 56	पूफा 18 23 14 26	अति 01 07 07 31 सु 51 04 27 30	व 23 52 16 38	27 40	07 05 18 06	29 16 11	कं. 19।46	09 27 34 19	41	20 32 08 40	भ. 16।35 से 26।53 तक
23	बु	4 41 36 23 42	उफा 11 52 11 49	धृ 41 28 23 39	बव 15 33 13 17	27 44	07 04 18 07	30 17 12	कन्या	09 28 35 01	40	21 38 09 20	गणेश चतुर्थी व्रत (कृ.)
24	गु	5 34 25 20 49	ह 06 01 09 28	शू 32 34 20 05	कौ 07 54 10 13	27 48	07 03 18 08	फा. 01 18 13	तु. 20।26	09 29 35 41	39	22 43 09 59	कुंभ संक्रांति, कुम्भे सूर्य: 15।03
25	शु	6 28 24 18 24	चि 01 10 07 30 स्वा 57 33 30 04	गं 24 36 16 53	गर 01 16 07 33	27 52	07 02 18 09	02 19 14	तुला	10 00 36 20	38	23 47 10 37	भ. 18।21 से 29।21 तक, वैलेन्टाइन डे
26	श	7 23 47 16 32	वि 55 25 29 12	वृ 17 45 14 08	बव 23 47 16 32	28 56	07 02 18 09	03 20 15	वृ. 23।21	10 01 36 58	36	24 00 11 17	जानकी जयन्ती, मासिक कालाष्टमी व्रत
27	र	8 20 40 15 17	अ 54 49 28 56	ध्रु 12 06 11 51	कौ 20 40 15 17	28 00	07 01 18 10	04 21 16	वृश्चिक	10 02 37 35	35	00 50 11 58	अष्टमी तिथि (कृ.), दशलक्षण प्रा., गंडमूल प्रा. 28।56
28	चं	9 19 06 14 38	ज्ये 55 41 29 16	व्या 07 41 10 04	ग 19 06 14 38	28 04	07 00 18 11	05 22 17	ध. 29।16	10 03 38 11	34	01 52 12 43	भ. 26।30 से, श्री रामदास नवमी, बुध वक्री 5।26
29	मं	10 19 01 14 36	मू. 57 55 30 09	ह 04 26 08 45	वि 19 01 14 36	28 08	06 59 18 12	06 23 18	धनु	10 04 38 46	33	02 53 13 32	भ. 14।33 तक, गंडमूल स. 30।09, महर्षि दयानन्द सरस्वती ज.
30	बु	11 20 17 15 05	पूषा 60 00 - -	व 02 15 07 52	बा 20 17 15 05	28 12	06 58 18 12	07 24 19	धनु	10 05 39 19	32	03 50 14 24	विजया 11 व्रत, बसंत ऋतु प्रा., मीन संक्रांति (सायन) A
फाल्गुन 01	गु	12 22 43 16 02	पूषा 01 22 07 30	सि 01 01 07 22	तै 22 43 16 02	28 16	06 57 18 13	08 25 20	म. 13।55	10 06 39 51	30	04 43 15 18	प्रदोष व्रत (कृष्ण)
02	शु	13 26 09 17 24	उषा 05 49 09 16	व्य 00 35 07 10	व 26 09 17 24	28 20	06 56 18 14	09 26 21	मकर	10 07 40 22	29	05 31 16 14	भ. 17।21 से 30।10 तक, महाशिवरात्रि व्रत
03	श	14 30 26 19 06	श्र 11 07 11 22	व 00 50 07 16	श 30 26 19 06	28 24	06 55 18 14	10 27 22	कुं. 24।32	10 08 40 51	27	06 14 17 10	पंचक प्रा. 24।29
04	र	30 35 25 21 05	ध 17 07 13 45	प 01 41 07 35	चतु 02 52 08 03	28 28	06 54 18 15	11 28 23	कुम्भ	10 09 41 19	26	06 53 18 04	देवपितृकार्य अमावस्या, शिव खप्पर पूजन

□ बादाम, खाद्य सस्ती (मंदी) बनेंगे। द्वितीया क्षय सोमवार दिने यदि घट जाय। व्यापारी दुःखी होवे कीमतें सभी बढ़ जाय॥ **आकाश लक्षण**–फरवरी 11, 13, 15, 18, 21, 22 को हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नागालैण्ड, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना बादि में तेज बारिश व अंधड़ योग चलेगा। प्राकृतिक आपदा योग। **शकुन विचार**–फाल्गुन कृष्ण 3, 5, 7, 11, 13, अमावस को यदि तेज हवा, बारिश, बिजली हो तो अगले तीन माह में सभी वस्तुएं तेज होंगी। चार अमावस जिस वर्ष में पड़े अगर रविवार। छत्र भंग दुष्काल से मचै हाहाकार॥ उथल-पुथल योग ज्यादा रहेगा।

फाल्गुन कृ. 8 रवि, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 16 फरवरी

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
10	07	08	10	08	11	09	02	08	00	10	08
02	03	05	18	22	15	02	11	11	09	23	29
37	30	32	39	41	23	34	40	40	05	27	44
35	22	14	41	22	10	47	23	23	29	45	36
60	817	41	10	12	69	06	00	00	01	02	01
36	49	15	19	10	23	28	36	36	48	09	45
-	-	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	मा	मा	मा
-	-	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ
धनि. 3	अनु. 1	मूल 2	शत. 4	पू.षा. 3	उ.भा. 4	उ.षा. 2	आर्द्रा 2	मूल 4	अश्वि. 3	पू.भा. 2	उ.षा. 1

12 शु. | 10 श. | 9 मं. | 1 ह. | 11 सू.बु.ने. | 8 चं. | गु.के.प्लू. | 3 रा. | 2 | 5 | 7 | 4 | 6

[पक्ष फलम्]

यह पक्ष फाल्गुन कृष्ण प्रतिपदा सोमवार मघा नक्षत्र गंडमूल से प्रारंभ होकर फाल्गुन अमावस्या रविवार धनिष्ठा नक्षत्र तक तदनुसार दिनांक 10 से 23 फरवरी 2020 तक रहेगा। पक्ष में द्वितीया का क्षय होना अशुभ है। इस पक्ष में दिनांक 13 फरवरी 2020 फाल्गुन बदी 5 गुरुवार को भुवन भास्कर सूर्यदेव कुंभ में वारात 3, नक्षत्रात 4, वारनाम नंदा, गणकान सुखदा, नक्षत्र नाम मंदाकिनी, नृपतीन सुखदा, मध्याह्न द्वितीय प्रहर व्यापिनी, द्विजान हन्ति, पश्चिमे गमन, वायव्यां दृष्टि, रासभ वाहन, उपवाहन मेष सुभिक्ष कारक योग है। केतकी पुष्पं, प्रवाल भूषण, युवावस्था सूती, 30 मुहूर्ती, धान्ये भावे सम। शुक्र पश्चिमे शुभ दायक योग बनेगा। पुण्यकाल 8।08 से 14।35 तक रहेगा। दान गुड़ तथा अन्न देना चाहिए। पाखण्डियों में भय उत्पन्न होगा। राजनैतिक क्लेश, पक्षियों में आरोग्यता व मनुष्य को कर्ण पीड़ा हो। शासन विग्रह व सत्ता परिवर्तन का कारक भी बनेगा। जनता का धार्मिक कार्यों की ओर व आध्यात्मिकता में रुझान बढ़ेगा। सूर्य+चन्द्र+बुध योग, चन्द्र-बुधादित्य योग शैक्षिक जगत में नवाचार होगा। फाल्गुन कृष्ण तीज दिन निर्मल रहे आकाश। श्रावण भादव जब झिरे सुधर जाय चातुर्मास॥ षष्ठी फाल्गुन बदी में चित्रा करे सुभिक्ष। यदि स्वाती नक्षत्र तो तीन मास दुर्भिक्ष॥ दोनों योग बनते हैं। प्रशासन में कुछ अशुभ योग बनेगा। गुप्तचरों द्वारा जन-धन हानि का योग बनेगा। कृषक वर्ग चिन्तित रहेंगे। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में उठापटक योग, जनता में विश्वास की कमी का योग बनेगा। किसी प्रान्तीय सरकार में पूर्वांचल में निन्दनीय घटना का योग बनता है। **व्यापार भविष्य**–बाजरा, जौ, ज्वार, ग्वार, मूंग, मोठ, चंना, चावल में तेजी का योग। मक्का, तिलहन, दलहन में उतार-चढ़ाव रहेगा। चांदी, सोना, स्टील में कुछ मंदी का झटका लगेगा। गुड़, चीनी, शक्कर, वस्त्र, खिलौने महंगे होंगे। इलायची, काजू,□

फाल्गुन कृ. 30 रवि, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 23 फरवरी

12 शु. | श. 10 | 9 मं. | 1 ह. | 11 सू.चं.बु.ने. | 8 | गु.के.प्लू. | 3 रा. | 2 | 5 | 7 | 4 | 6

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
10	10	08	10	08	11	09	02	08	00	10	08
09	02	10	15	24	23	03	11	11	09	23	29
41	30	21	52	04	24	19	18	18	19	43	56
19	33	21	37	49	57	08	08	08	06	06	27
60	725	41	53	11	68	06	08	08	02	02	01
27	50	21	48	39	13	11	04	04	06	13	38
-	-	मा	व	मा	मा	मा	व	व	मा	मा	मा
-	-	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	उ
शत. 1	धनि. 3	मूल 4	शत. 3	पू.षा. 4	रेवती 3	उ.षा. 2	आर्द्रा 2	मूल 4	अश्वि. 3	पू.भा. 2	उ.षा. 1

फाल्गुन शुक्ल पक्ष: -23 श्री सं. 2076 दिन स्टैं. टा. दिनांक चन्द्र राशि दै. रवि स्पष्ट चन्द्रोदयास्त ता. 24 फर. से 9 मार्च सन 2020 ई. रा. मिति 5 से

फाल्गुन शुक्ल पक्षः -23

श्री सं. 2076 शाके 1941

ता. 24 फर. से 9 मार्च सन् 2020 ई., रा. मिति 5 से 19 फाल्गुन तक। रवि उत्तरायने, दक्षिण गोले, वसन्त ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

ता. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. (ति घ. प. घं. मि.)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ. प. घं. मि.)	योग स्टैं.टा. (यो घ. प. घं. मि.)	करण स्टैं.टा. (क घ. प. घं. मि.)	दिनमान	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त (उदय अस्त घं. मि. घं. मि.)	दिनांक (प्र. मु. अ.)	चन्द्र राशि प्रवेश (भा.स्टैं.टा. रा.घं.मि.)	दै. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. (रा. अं. क. वि.)	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली (उदय अस्त घं. मि. घं. मि.)	
फा. 05	चं	1 41 01 23 18	श 23 45 16 23	शि 03 01 08 06	किं 08 10 10 10	28 32	06 53 18 16	12 29 24	कुम्भ	10 10 41 45	60/24	07 27 18 58	चन्द्रदर्शन
06	मं	2 47 06 25 43	पूभा 30 51 19 13	सि 04 47 08 47	बा 14 02 12 29	28 36	06 52 18 16	13 30 25	मी. 12:30	10 11 42 10	22	08 00 19 50	फुलेरा दूज, रामकृष्ण परमहंस जयंती
07	बु	3 53 28 28 15	उभा 38 18 22 11	सा 06 51 09 36	तै 20 17 14 58	28 40	06 52 18 17	14 रज. 01 26	मीन	10 12 42 32	20	08 30 20 41	गंडमूल प्रा. 22:11, रज्जब मु.मास प्रा., पं. लेखरामवीर तृतीया
08	गु	4 59 52 30 47	रे 45 50 25 11	शुभ 09 06 10 29	व 26 42 17 31	28 44	06 51 18 18	15 02 27	मे. 25:11	10 13 42 53	19	09 00 21 33	तिथि वृद्धि, भ. 17:29 से 30:45 तक, पंचक स. 25:08, A
09	शु	5 60 00 - -	अ 53 09 28 05	शु 11 20 11 21	ब 33 00 20 01	28 49	06 49 18 18	16 03 28	मेष	10 14 43 12	17	09 30 22 24	गंडमूल स. 28:05, मेषे शुक्रः 25:33
10	श	5 05 59 09 12	भ 59 50 30 44	ब्र 13 16 12 07	बा 05 59 09 12	28 53	06 48 18 19	17 04 29	मेष	10 15 43 29	15	10 02 23 17	महर्षि याज्ञवल्क जयंती A गणेश चतुर्थी व्रत (शु.)
11	र	6 11 18 11 19	कृ 60 00 - -	ऐं 14 36 12 38	तै 11 18 11 19	28 57	06 47 18 20	18 05 M1	वृ. 13:21	10 16 43 44	12	10 36 24 00	गौरूपिणी छठ-बंगाल
12	चं	7 15 23 12 56	कृ 05 28 08 58	वै 15 00 12 46	व 15 23 12 56	29 01	06 46 18 20	19 06 02	वृष	10 17 43 57	10	11 14 00 12	भ. 12:53 से 25:27 तक, मासिक दुर्गाष्टमी
13	मं	8 17 49 13 53	रो 09 32 10 34	वि 14 09 12 25	ब 17 49 13 53	29 05	06 45 18 21	20 07 03	मि. 23:06	10 18 44 08	08	11 57 01 09	होलाष्टक प्रारम्भ, दादूदयालजयंती, बुधोदय 07:50
14	बु	9 18 17 14 03	मृ 11 44 11 26	प्री 11 48 11 27	कौ 18 17 14 03	29 10	06 44 18 22	21 08 04	मिथुन	10 19 44 17	06	12 46 02 07	आनन्द नवमी, पूभायां सूर्यः 11:42
15	गु	10 16 37 13 22	आ 11 53 11 29	आ 07 48 09 50	गर 16 37 13 22	29 14	06 43 18 22	22 09 05	क. 28:58	10 20 44 24	04	13 43 03 05	भ. 24:39 से, नन्दगांव होली ❖ श्री सत्यनारायण पूजा
16	शु	11 12 50 11 50	पुन 09 58 10 41	सौ 02 08 07 33 / शो 54 49 28 38	वि 12 50 11 50	29 18	06 42 18 23	23 10 06	कर्क	10 21 44 29	02	14 45 04 02	भ. 11:47 तक, आमलकी एकादशी व्रत
17	श	12 07 07 09 32	पु 06 06 09 08	अ 46 10 25 09	बा 07 07 09 32	29 22	06 41 18 24	24 11 07	कर्क	10 22 44 31	00	15 51 04 55	गोविन्द द्वादशी, प्रदोष व्रत (शुक्ल), गंडमूल प्रा. 09:08
00	श	13 59 43 30 34	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षयः B महाप्रभु ज., डोलोत्सव, पूर्णिमा व्रत, ❖
18	र	14 51 06 27 07	आ 00 37 06 55 / म 53 51 28 12	सु 36 24 21 13	गर 25 34 16 53	29 27	06 40 18 24	25 12 08	सिं.06:55	10 23 44 32	59/58	17 00 05 44	भ. 27:04 से, गंडमूल स. 28:12
19	चं	15 41 43 23 20	पूफा 46 21 25 11	धृ 25 52 17 00	वि 16 30 13 15	29 31	06 39 18 25	26 13 09	कं.30:25	10 24 44 30	56	18 09 06 29	भ. 13:12 तक, होलिका दहन, होलाष्टक पूर्ति, चैतन्य B

□ समुद्री लहरों के साथ तेज बारिश होगी। बन्दरगाहों में संकट दायक योग। तूफान भी आयेगा। शकुन विचार–फाल्गुन शुक्ला 2, 4, 6, 8, 9, 13, 15 को बिजली, बारिश, अंधड़, तूफान हो तो तीन मास तक सभी वस्तुओं में उतार-चढ़ाव रहेगा। होरी जलत समीर तो गगन जाय बिन रोक। युद्ध होय संसार में दुःख पावे सब लोक॥ चार खूंट की पवन यह रोग शोक भरपूर। शनि कुंज दिन होरी दहन संकट होते जरूर॥ सोमवारी होली दिना सुख पावे नर-नार॥ बढ़े प्रेम शुभ व्यवहार॥

फाल्गुन शु. 8 मंगल, प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 03 मार्च

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
10	01	08	10	08	00	09	02	08	00	10	09
18	20	16	06	25	03	04	10	10	09	24	00
44	39	34	54	46	31	12	49	49	39	03	10
08	56	03	32	16	00	48	32	32	34	20	21
60	756	41	46	10	66	05	00	00	02	02	01
10	51	28	57	52	21	44	21	21	27	16	27
–	–	मा	व	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा
–	–	उ	अ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	उ
4	4	1	1	4	2	3	2	4	3	2	2
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

[पक्ष फलम्]

यह पक्ष फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा सोमवार शतभिषा नक्षत्र चन्द्रदर्शन योग से फाल्गुन पूर्णिमा सोमवार पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र होली का पर्व, पूर्णिमा व्रत, डोलोत्सव तदनुसार दिनांक 24 फरवरी से 9 मार्च 2020 तक रहेगा। पक्ष में पंचमी तिथि वृद्धि योग से काफी शुभदायक रहेगा। माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता होगा। विशिष्टों का अभाव होगा। कृष्ण पक्ष में तिथि घटे शुक्ल पक्ष में बढ़ जाय। एक वस्तु तो क्या तेजी में सभी तेजी में हो जाय। राजनैतिक क्लेश बनेगा। त्रिग्रही योग से जनता में अविश्वसनीय कार्य की भावना बढ़ेगी। व्यापारी, वैद्य, विप्र, विदुषी, विद्वान् दुःखी होंगे। चिकित्सक वर्ग भी चिन्तित रहेगा। धनु राशि गते भौमे मूल द्रव्य तृणानि च। कष्टं च घृतं कर्पासं महर्घ च चतुष्पदाम्॥ मंगल धनु राशि में होने के कारण महंगाई बढ़ेगी। मंत्रियों में विवाद भी होगा। नृशंस हत्याओं का योग भी बढ़ेगा। बलात्कार की गणना करना भी असंभव होगा। मिथुन मीन धनु राशि पर जब शनि मंगल का वास। रक्त पूरिता भूमि हो राजाओं का नाश॥ एक नखत पर होय जब बुध, शुक्र और सूर। बढ़े प्रजा में भय तथा तेजी हो भरपूर॥ राजनेताओं के मतभेद से जनता को भी हानि होगी। शासकीय वर्ग में नियंत्रण, अनुशासन का अभाव होगा। भ्रष्टाचार का योग बढ़ेगा। राष्ट्रपति शासन का योग भी कई राज्यों में बनेगा। पूनम होली निज नखत में गोधूलिक वर दाइ। सुख दायी विपरीत में गोते एवाह अथाइ॥ संकट योग बनेगा। व्यापार भविष्य–ग्रह योग से रसकस, पेय पदार्थ, खाद्यानों में तेजी बनेगी। कीमती धातु, सुपारी, सरसों, उड़द में तेजी बनेगी। बांस बल्ली, जूट, बारदाना, स्टेशनरी, टिम्बर इत्यादि सस्ते होंगे। सरकारी फैसलों से अनेक वस्तुओं की मुद्रा स्फीति कम होगी। किराना बाजार तेज होगा। वस्त्र बाजार में काफी परिवर्तन योग बनेंगे। शेयर्स बाजार में उठापटक, उतार-चढ़ाव चलेगा। आकाश लक्षण–दिनांक 25, 26 फरवरी, मार्च 3, 5, 7, 8 को केरल, तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, दक्षिण तटीय प्रदेश, उड़ीसा, बंगाल में तेज हवायें□

फाल्गुन शु. 15 चन्द्र, प्रातः 5:30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 09 मार्च

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
10	04	08	10	08	00	09	02	08	00	10	09
24	14	20	04	26	10	04	10	10	09	24	00
44	09	43	08	49	04	46	30	30	54	16	18
30	10	03	54	43	36	08	27	27	51	59	41
59	911	41	07	10	64	05	11	11	02	02	01
57	14	32	06	16	47	22	19	19	39	16	19
–	–	मा	व	मा	मा	मा	व	व	मा	मा	मा
–	–	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	उ
2	1	3	4	1	4	3	2	4	3	2	2
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

चैत्र कृष्ण पक्षः -24 श्री सं. 2076 शाके 1941

ता. 10 से 24 मार्च 2020 ई., रा. मिति 20 फाल्गु. से 4 चैत्र तक। रवि उत्तरायने, दक्षिण-उत्तर गोले, वसंत ऋतु।

निम्नांकित संदर्भ का सभी समय भा.स्टैं.टा. घण्टा मिनटों में है।

ता. मि.	वार	तिथि स्टैं.टा. (ति घ. प. घं. मि.)	नक्षत्र स्टैं.टा. (न घ. प. घं. मि.)	योग स्टैं.टा. (यो घ. प. घं. मि.)	करण स्टैं.टा. (क घ. प. घं. मि.)	दिनमान	स्टैं. टा. सूर्योदयास्त उदय अस्त (घं. मि. घं. मि.)	दिनांक (प्र. मु. अं.)	चन्द्र राशि प्रवेश भा.स्टैं.टा. (रा.घं.मि.)	दैं. रवि स्पष्ट प्रातः 5घं. 30मि. (रा. अं. क. वि.)	गति	चन्द्रोदयास्त दिल्ली उदय अस्त (घं. मि. घं. मि.)	
फा. 20	मं	1 32 01 19 26	उफा 38 36 22 04	शू 14 58 12 00	बा 06 54 09 23	29 35	06 38 18 25	27 14 10	कन्या	10 25 44 27	59/54	19 18 07 11	वसंत प्रतिपदा, होली (धुलैण्डी),
21	बु	2 22 29 15 36	ह 31 04 19 02	ग/वृ 04/53 04/31 08/28 14/[illegible]	ग 22 29 15 36	29 40	06 37 18 26	28 15 11	तु. 29।37	10 26 44 21	52	20 25 07 52	भ. 25।44 से, कलमदान पूजा, चित्रगुप्त पूजा, बुध मार्गी 8।28
22	गु	3 13 36 12 02	चि 24 17 16 18	ध्रु 43 47 24 06	वि 13 36 12 02	29 44	06 35 18 27	29 16 12	तुला	10 27 44 14	51	21 32 08 31	भ. 11।59 तक, गणेश चतुर्थी व्रत (कृ.)
23	शु	4 05 48 08 54	स्वा 18 39 14 02	व्या 35 07 20 07	बा 05 48 08 54	29 48	06 34 18 27	30 17 13	तुला	10 28 44 05	49	22 38 09 11	अंगारक चतुर्थी, रंग पंचमी, श्री जयंती
00	शु	5 59 24 30 20	00 00 00 00 00	00 00 00 00 06	00 00 00 00 00	00 00	00 00 00 00	00 00 00	000	00 00 00 00	00	00 00 00 00	तिथि क्षयः A अष्टमी पूजन
24	श	6 54 48 28 28	वि 14 34 12 23	ह 27 47 17 06	ग 26 53 17 19	29 52	06 33 18 28	चैत्र 01 18 14	वृ.06।44	10 29 43 55	47	23 43 09 54	भ. 28।26 से, एकनाथ षष्ठी, मीन संक्रांति, मीने सूर्यः 11।54
25	र	7 52 06 27 22	अ 12 15 11 26	व 21 56 15 38	वि 23 13 15 49	29 57	06 32 18 28	02 19 15	वृश्चिक	11 00 43 42	45	24 00 10 39	भ. 15।47 तक, गंडमूल प्रा. 11।26, शीतला पूजन
26	चं	8 51 20 27 03	ज्ये 11 50 11 15	सि 17 38 13 44	बा 21 30 15 07	30 01	06 31 18 29	03 20 16	ध. 11।15	11 01 43 28	44	00 46 11 27	अष्टमी तिथि (कृ.), मासिक कालाष्टमी व्रत, शीतला A
27	मं	9 52 23 27 27	मू 13 18 11 49	व्य 14 49 12 26	तै 21 40 15 10	30 05	06 30 18 29	04 21 17	धनु	11 02 43 13	42	01 45 12 19	गंडमूल स. 11।49, उभायां सूर्यः 20।13
28	बु	10 55 01 28 29	पूषा 16 27 13 03	व 13 22 11 49	व 23 33 15 54	30 10	06 29 18 30	05 22 18	म. 19।28	11 03 42 55	40	02 40 13 13	भ. 15।51 से 28।27 तक
29	गु	11 58 57 30 02	उषा 21 02 14 52	प 13 04 11 47	ब 26 52 17 12	30 14	06 27 18 31	06 23 19	मकर	11 04 42 36	39	03 29 14 09	पापमोचिनी एकादशी व्रत
30	शु	12 60 00 - -	श्र 26 43 17 08	शि 13 40 11 59	कौ 31 19 18 58	30 18	06 26 18 31	07 24 20	कुं. 30।23	11 05 42 15	37	04 14 15 04	उत्तर गोल 09।19, त्रिस्पर्श महाद्वादशी, मेष संक्रांति B
चैत्र 01	श	12 03 54 07 59	ध 33 12 19 42	सि 14 57 12 23	तै 03 54 07 59	30 23	06 25 18 32	08 25 21	कुम्भ	11 06 41 52	35	04 53 15 59	तिथि वृद्धिः, प्रदोष व्रत (कृष्ण), भा. चैत्रारंभः
02	र	13 09 27 10 11	श 40 13 22 29	सा 16 43 13 06	व 09 27 10 11	30 27	06 24 18 32	09 26 22	कुम्भ	11 07 41 28	33	05 29 16 53	भ. 10।08 से 23।18 तक, मकरे मंगल 14।40, रंग त्रयोदशी
03	चं	14 15 26 12 33	पूभा 47 32 25 24	शुभ 18 46 13 09	श 15 26 12 33	30 31	06 23 18 33	10 27 23	मी. 18।40	11 08 41 01	31	06 02 17 46	B (सायन) 09।19, पंचक प्रा. 30।20
04	मं	30 21 38 15 01	उभा 54 59 28 21	शु 20 59 14 09	ना 21 38 15 01	30 36	06 22 18 33	11 28 24	मीन	11 09 40 33	29	06 33 18 37	चैत्री देवपितृकार्य अमावस्या, गंडमूल प्रा. 28।21

❑ ठण्डी हवाओं तथा रोग बाधाओं का उपद्रव सम्पूर्ण विश्व में बना रहेगा। प्राकृतिक आपदा का योग बनेगा। शकुन विचार–चैत्र कृष्ण 1, 3, 5, 7, 9, 12 को तेज आंधी, बारिश व हवायें हो तो अगले तीन मास में शेयर्स बाजार तेजी में होगा। खाद्य पदार्थ मंदे होने का योग बनता है। चैत्र मास संक्रांति दिन जल बरसे तो जान। अगले दोनों मास में तृण अकरा कर ध्यान॥

चैत्र कृ. 8 चन्द्र, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 16 मार्च

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
11	07	08	10	08	00	09	02	08	00	10	09
01	26	25	05	27	17	05	10	10	10	24	00
43	49	34	41	59	30	22	08	08	14	32	27
28	10	11	31	02	53	15	12	12	09	53	20
59	798	41	31	09	62	04	00	00	02	02	01
45	11	38	40	31	38	56	52	52	52	16	09
–	–	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	मा	मा	मा
–	–	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	उ
पू.फा. 4	ज्येष्ठा 4	पू.षा. 4	धनि. 4	उ.षा. 1	भरणी 2	उ.षा. 3	आर्द्रा 2	मूल 4	अश्वि.4	पू.भा. 2	उ.षा. 2

1 शु. ह. | 2 | 12 सू. | 9 मं.गु.के. | 11 बु. ने. | 10 श. प्लू. | 3 रा. | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 चं.

[पक्ष फलम्]

यह पक्ष चैत्र कृष्ण प्रतिपदा मंगलवार उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र होली-धुलैण्डी बुध मार्गी 9।18 से प्रारंभ होकर चैत्र अमावस्या+भौमवती अमावस्या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र, देवपितृकार्य अमावस्या तदनुसार दिनांक 10 से 24 मार्च 2020 तक रहेगा। पक्ष में पंचमी शुक्रवार क्षय तथा द्वादशी वृद्धि योग, महाद्वादशी त्रिस्पर्श योग से पक्ष में काफी परिवर्तन योग। आर्थिक, व्यापारिक, सामाजिक अनैतिक बाधक योग बनेंगे। दिनांक 14 मार्च 2020 चैत्र कृष्ण 6 शनिवार को भुवन भास्कर सूर्यदेव मीन में 11।54 पर प्रवेश करेंगे। वारात 3, नक्षत्रात 3, वारनाम राक्षसी, चाण्डालान सुखदा, नक्षत्रनाम मिश्रा, पशून सुखदा, मध्याह्न व्यापिनी, द्विजान् हन्ति। पश्चिमे गमने, वायव्यां दृष्टि। हाथी वाहन, खर उपवाहन लक्ष्मी कारक, रक्त वस्त्र, प्रौढ़ावस्था (बैठी), मुहूर्त 45, धान्ये भाव महंगा होगा। दान-पुण्य स्टैं.टा. 11।54 से 17।50 तक शुभ दायक रहेगा। उभायां रवि 15।40, उषा. भौम 19।12, शतभिषा बुधः 21।24। रंग पंचमी तिथि क्षय महा द्वादशी वृद्धि होय। व्यापारी वर्ग राजनेताओं में छुट-पुट अशुभ घटना होय॥ व्यापारी वर्ग चिन्तित बने मांगे जो मिले नहीं वस्तु तेज बिकाय॥ जन-जन में बाधा बने व्यापारी वस्तु देने में नट जाय॥ मंगल शनि की मकर राशि में युति वातावरण में बने युद्ध शक्ति। चन्द्रादित्य योग अमावस्या से कुछ बने पुनः सर्वत्र शांति॥ दशवें, बारह एकादश भाव में द्विग्रही योग। कृषक की फसल नष्ट तेज वर्षा का बने अचानक योग॥ पक्ष में चोरी की घटनाएं बढ़ेंगी। उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र को अमावस्या अच्छी फलदायी होगी। कुंभ राशि का बुध योग से तेज हवायें, आंधी, तूफान का द्योतक बनेगा। विश्वस्तरीय अशोभनीय घटनाओं से यत्र-तत्र अशांति का योग तथा आतंकवाद से परेशानी छायी रहेगी। अशुभ दायक है। व्यापार भविष्य–ग्रह चाल से धान्य, गेहूं, खाण्ड, चावल में तेजी बनेगी। कपास, प्रवाल, मूंगा, नग में मंदी बनेगी। शेयर्स बाजार तेजी में चलेगा। केन्द्रीय बजट चिन्ता दायक प्रस्तुत होगा। लोहा, मशीनरी, घी, शीशा, पत्थर, मार्बल, बजरी, ज्वार में तेजी होगी। सोना, चांदी, तांबा, पीतल, कांसा, जस्ता

चैत्र कृ. 30 मंगल, प्रातः 5।30 बजे के ग्रह स्पष्ट ❖ ता. 24 मार्च

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	ह	ने	प्लू
11	11	09	10	08	00	09	02	08	00	10	09
09	05	01	11	29	25	05	09	09	10	24	00
40	21	07	55	11	40	59	42	42	37	50	35
33	51	32	11	21	31	25	46	46	54	50	44
59	712	41	59	08	59	04	12	12	03	02	00
30	18	41	45	32	37	21	50	50	04	13	56
–	–	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	मा	मा	मा
–	–	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	उ
उ.भा. 2	उ.भा. 1	उ.षा. 2	शत. 2	उ.षा. 1	भरणी 4	उ.षा. 3	आर्द्रा 1	मूल 3	अश्वि.4	पू.भा. 2	उ.षा. 2

1 शु.ह. | 2 | 12 सू. चं. | 9 गु. के. | 11 बु.ने. | 10 मं.श. प्लू. | 3 रा. | 4 | 5 | 6 | 7 | 8

ज्योतिष शास्त्र में भौगोलिक महत्व

... इस समय सूर्य भारत से लम्बी दूरी पर होने से यहां शरद

ज्योतिष शास्त्र में भौगोलिक महत्व

एक सामान्य अध्ययन

ज्योतिष शास्त्र में खगोल ज्ञान के साथ भौगोलिक जानकारी परमावश्यक है। ग्रहों का देशान्तरीय भेद से उदयास्त, ग्रहणादि का स्थानीय दृश्य काल एवं उसका मान तथा पृथ्वी पर दिखाई देने वाली खगोलीय चमत्कृति का सूक्ष्म समय काल जानने के लिये अक्षांश रेखांशादि भेदिक परिवर्तन समय हेतु भौगोलिक ज्ञान का विशेष महत्व होता है। उत्तर दक्षिण गोलार्द्ध, भूमध्य रेखा, कर्क मकर वृत्त, अक्षांश व रेखांशादि की जानकारी आवश्यक है जिसका सामान्य परिचय दिया जा रहा है।

अक्षांश व उसका अभिप्राय:- पृथ्वी गोल है। इस पृथ्वी रूपी गोले को उत्तर-दक्षिण बराबर विभाजित करने वाली रेखा "भू मध्य रेखा" कहलाती है। यहां पर अक्षांश (0) शून्य होता है। इसके उत्तर विभाग को "उत्तर गोल" व दक्षिणी विभाग को "दक्षिण गोल" कहते हैं। पृथ्वी के उत्तर विभाग (उत्तर गोल) में ९० एवं दक्षिण विभाग (दक्षिण गोल) में भी ९० अक्षांश होते हैं।

यह "श्री आर्य भट्ट पंचांगम्" दिल्ली के स्थानीय समय काल हेतु आधारित किया गया है। भौगोलिक स्थित्यानुसार दिल्ली २८।३८ उत्तर अक्षांश पर है। भू मध्य रेखा से उत्तर गोल में दिल्ली नगर २८ व २९ अक्षांश के बीच में है। प्रत्येक अक्षांश को ६० भाग में विभाजित किया गया है जिसमें दिल्ली २९वें अक्षांश के ३८वें भाग पर स्थित है।

एक अक्षांश की दूरी ७५ मील होती है। पृथ्वी पर किसी भी स्थान की भौगोलिक स्थिति जानने के लिए उस स्थान के अक्षांश व रेखांश बताकर जानकारी दी जाती है।

किसी भी गोले को या अण्डाकार वस्तु को लंबाई में अर्थात् उत्तरी व दक्षिणी ध्रुव के मध्य स्थान से काटेंगे तो उसका मध्य भाग एक ही निश्चित भाग पर आयेगा। इसलिए पृथ्वी के इसी मध्य भाग को भू मध्य रेखा कहा जाता है। भू मध्य रेखा (0) शून्य अक्षांश पर है इससे दक्षिण में ९० अक्षांश है जो दक्षिणी अक्षांश होते हैं। और इसी प्रकार भू मध्य रेखा (0) शून्य से उत्तर में ९० अक्षांश उत्तरी अक्षांश कहे जाते हैं।

उदाहरणार्थ आपने बचपन में लट्टू घुमाया होगा अथवा घूमते हुए देखा होगा। लट्टू अपनी कीली पर तो घूमता ही है और घूमते हुए एक अण्डाकार गोल परिधि में भी चक्कर लगाता है। ऐसा करते हुए वह अपने केन्द्र स्थान की ओर थोड़ा झुका हुआ रहता है। इसी तरह पृथ्वी भी सूर्य के चारों ओर घूमती है और उसी बदले झुकाव के कारण ही सूर्य "उत्तरायण" तथा "दक्षिणायन" होता प्रतीत होता है। सूर्य के साथ पृथ्वी के इस झुकाव का जो कोण बनता है वह २३.५ अंश है। समझने के लिए लट्टू का उदाहरण दिया गया है परन्तु लट्टू तो पृथ्वी के धरातल पर घूमता है और पृथ्वी आकाश में आधार हीन अधर में ही घूमती है।

ता. २१ मार्च को सायन सूर्य मेष राशि में अर्थात प्रथम राशि में प्रवेश करता है उस समय पृथ्वी का भू मध्य रेखा वाला भाग सूर्य के ठीक सामने होता है जहां रवि की क्रांति शून्य होती है। पृथ्वी पर उस समय दिन रात बराबर होते हैं। इस दिन के बाद से सूर्य उत्तर गोल में चलता है और रवि की उत्तर क्रांति प्रति दिन बढ़ती है। ता. २१ जून को सूर्य कर्क रेखा पर पहुंच जाता है अर्थात् सायन सूर्य कर्क राशि में प्रवेश करता है और रवि क्रांति अपनी चरम सीमा २३अंश हो जाती है। आकाशी क्रांति पथ के साथ पृथ्वी का क्रांति पथ २३.५ अंश का कोण होता है। उस समय दिन का मान अधिक व रात्री का मान न्यून होता है। विश्व का मानचित्र देखें कि भू मध्य रेखा (0) शून्य अक्षांश पर भारत से दक्षिण में लम्बी दूरी पर दूर समुन्द्र पर होकर गुजरती है। कर्क रेखा (Tropic of Cancer) भारत के अहमदाबाद, भोपाल, रांची से कुछ उत्तर में होकर निकलती है। सूर्य जब इस रेखा पर आता है तो भारत का मध्य भाग सूर्य के सीधे प्रभाव में होने से वहां पर अधिकतम गर्मी की ऋतु का पूर्ण आभास होता है। ता. २१ जून को सूर्य उत्तरायण से दक्षिणायन हो जाता है। इसे ही "दक्षिणायन" कहते हैं। जो ता. २१ सितम्बर तक दक्षिणावृत्ति से पुन: भू मध्य रेखा (0) शून्य अक्षांश पर पहुंच जाता है तथा उसकी उत्तर क्रांति भी क्रमश: कम होकर शून्य हो जाती है और दिन रात बराबर होते हैं। इसके बाद सूर्य दक्षिणावृत्ति से ही चलता है परन्तु ता. २१ सितम्बर तक तो सूर्य पृथ्वी के उत्तरी गोलार्द्ध में ही होता है तत्पश्चात दक्षिण गोलार्द्ध में प्रवेश करता है। इस समय सूर्य भारत से लम्बी दूरी पर होने से यहां शरद ऋतु का आरंभ हो जाता है।

सूर्य निरन्तर दक्षिणायन रहकर दक्षिणी गोलार्द्ध में अग्रसर होता है। जो ता. २१ दिसम्बर को मकर रेखा पर पहुंच जाता है तथा सूर्य की दक्षिण क्रांति अपनी चरम सीमा पर होती है। ता. २१-२२ दिसम्बर को दिन का मान छोटा व रात्री का मान बड़ा होता है। मानचित्र में मकर रेखा (Tropic of Capricorn) भारत से बहुत दूर हिन्द महासागर के उपर से दक्षिणी अमेरिका के मध्य भाग, दक्षिणी अफ्रीका एवं आस्ट्रेलिया के मध्य से होकर गुजरती है। सूर्य जब मकर रेखा पर होता है तो उस समय इन सभी देशो में ग्रीष्म ऋतु होती है। भारत से दूरी होने के कारण यहां मौसम अत्यधिक ठण्डा होता है। ता. २१ दिसम्बर के बाद से सूर्य उत्तर की ओर चलनारंभ होता है। इसे ही "उत्तरायण" कहते हैं।

(**नोट:-** सूर्य आकाश में स्थिर है परंतु पृथ्वी की गति में क्रांति के परिवर्तन होने पर वह इस प्रकार परिवर्तन करता प्रतीत होता है तो प्रचलित बोल चाल तथा लिखने की भाषा में सूर्य चल रहा है यही कहा जाता है।)

ता. २१-२२ दिसंबर से सूर्य उत्तरावृत्ति से पुन: ता. २१ मार्च को दक्षिणी गोलार्द्ध की यात्रा करते हुए भू मध्य रेखा (शून्य अक्षांश) पर आता है। इस दिन रवि की दक्षिण क्रांति भी शून्य होती है। इस दिन सूर्य उत्तरावृत्ति से उत्तरी गोलार्द्ध में प्रवेश करता है।

अत: सूर्य की स्थिति ता. २१ मार्च से २१ सितंबर तक उत्तर गोल में और ता. २१ सितम्बर से ता. २१ मार्च तक दक्षिण गोल में होती है। ता. २१ दिसंबर से ता. २१ जून तक सूर्य उत्तरायण एवं ता. २१ जून से ता. २१ दिसंबर तक दक्षिणायन होता है।

सूर्य के इस परिवर्तन को आप अपने यहां के पूर्व पश्चिम क्षितिज पर सूर्योदय-सूर्यास्त देखकर अथवा ऊपर आकाश में सूर्य भ्रमण पर ध्यान देकर या घर में आने वाली धूप की किरणों के बदलते कोण देख कर भी बड़ी आसानी से ज्ञात कर सकते हैं।

सूर्य के उपरोक्त उत्तरायण-दक्षिणायन होने से प्रत्येक स्थान पर सूर्योदय तथा दिन मान आदि में प्रति दिन जो अंतर आता है उसे चरांतर द्वारा निकाला जाता है। इसमें सूर्य की उत्तर-दक्षिण क्रांति और प्रत्येक स्थान के उत्तर-दक्षिण अक्षांश के अनुसार भिन्न-भिन्न परिवर्तन होते हैं। पंचांग में दी हुई चरांतर सारणी उत्तर अक्षांश ८ से ३६ तक के लिए है। और भारत के किसी भी भाग के लिए प्रयोग में लाई जा सकती है। चरांतर सारणी पृष्ठ संख्या ९६ तथा रवि क्रांति सारणी इस पंचांग के पृष्ठ संख्या ९५ पर दी हुई है।

रेखांश व उसकी उपयोगिता- जिस प्रकार पृथ्वी को उत्तर-दक्षिण १८० अक्षांशों में विभाजित किया गया है। उसी प्रकार इसको पूर्व-पश्चिम ३६० रेखांशों में विभाजित किया गया है। जिस प्रकार उत्तर व दक्षिण का विभाजन करने के लिए भू मध्य रेखा को (0) शून्य अक्षांश माना गया है। उसी प्रकार पूर्व व पश्चिम का विभाजन करने के लिए मध्यमान होना आवश्यक है और इसके लिए कोई भी रेखा को (0) शून्य रेखांश माना जा सकता है। पहले कभी भारत के उज्जैन नगर को शून्य रेखांश के लिए सम्मान प्राप्त था परन्तु वर्तमान में ग्रहों का निरीक्षण करने के लिए अत्याधुनिक वेधशाला के कारण लंदन के पास ग्रीनविच को यह महत्व दिया गया है। ग्रीनविच पर जो रेखा है उसे (0) शून्य रेखांश मान कर पूर्व के रेखांशों के पूर्व रेखांश व पश्चिम के रेखांशों को पश्चिम रेखांश माना जाता है।

पृथ्वी की परिधि भू मध्य रेखा पर २९४०० मील है। अत: भू मध्य रेखा पर एक रेखांश की दूरी ७० मील होती है। पृथ्वी की २९४०० मील की दूरी अर्थात ३६० रेखांश २४ घण्टे में सूर्य के सामने से गुजरते हैं। तदनुसार एक रेखांश अंतर चार मिनट का होता है। सूर्य पूर्व दिशा में उदय होता है। उदाहरणार्थ माना कि दिल्ली में सूर्योदय ६।३० बजे हुआ है और दिल्ली का रेखांश ७७।१३ पूर्व है तो ७८।१३ पूर्व रेखांश पर स्थित नगर का सूर्योदय ४ मिनट पहले होगा अथवा पूर्व रेखांश ७६।१३ हो तो ४ मिनट दिल्ली के बाद होगा। इसी प्रकार प्रति रेखांश में ४ मिनट कम अथवा अधिक रेखांशानुसार होगा। यदि रेखांश कम होंगे तो सूर्योदय बाद में तथा रेखांश अधिक होने पर पहले होगा।

प्राचीन काल में प्रत्येक नगर अपना-अपना अलग समय निर्धारण धूप घड़ियों, जल घड़ियों अथवा शंकु छायादि उपकरणों की सहायता से मध्यान्ह और सूर्योदय के आधार पर किया करते थे।

सन् १९०६ से पूरे भारत के लिए एक ही स्टैण्डर्ड टाइम (मानक समय) रखने की व्यवस्था अंग्रेजी राज में रेलवे तथा डाक विभाग के लिए की गई। यह समय ग्रीनविच समय से ५.३० घण्टे आगे था और ८२।३० पूर्व रेखांश पर आधारित था। समस्त भारत में यह स्टैण्डर्ड समय १ सितंबर १९१७ से लागू कर दिया गया परंतु बंगाल प्रांत और आस-पास के कुछ भागों में स्थानीय समय पूर्ववत् चलता रहा। इन प्रांतों ने सितंबर १९४१ में स्टैण्डर्ड टाइम को व्यवहार में लाना आरंभ किया। द्वितीय विश्व युद्ध के चलते १ सितंबर १९४२ से १५ अक्टूबर १९४५ तक पूरे भारत वर्ष में (जिसमें आज के पाकिस्तान तथा बंगला देश भी शामिल थे) समय १ घण्टा बढ़ा दिया गया था अर्थात ग्रीनविच समय से ६.३० घण्टा आगे। अब समस्त भारत में एक ही स्टैण्डर्ड समय चलता है जो ग्रीनविच समय से ५.३० घण्टा आगे है और ८२।३० पूर्व रेखांश पर आधारित है।

यदि प्रत्येक नगर अपना अलग-अलग **स्थानीय** समय रखे तो काम-काज में काफी गड़बड़ी पैदा हो सकती है। इसलिए अपने काम को सुचारु रूप **से** संपादन करने के लिए प्रत्येक देश अपने लिए एक स्टैण्डर्ड समय निर्धारित करता है और उसकी सीमा में सर्वत्र वही काम में लाया जाता है। यह समय निर्धारण ग्रीनविच से उसकी दूरी पर निर्भर करता है। वह देश ग्रीनविच से जितने घण्टे की दूरी पर होता है। उसका समय उतने ही अंतर पर रखा जाता है। यह तो आपको बताया ही जा चुका है कि एक रेखांश पर ४ मिनट का अंतर होता है। अत: १५ रेखांश पर १ घण्टे का अंतर हुआ। जो ग्रीनविच से लगभग १५ रेखांश की दूरी पर है उनका स्टैण्डर्ड समय ग्रीनविच से १ घण्टे के अंतर पर निर्धारित है। हौलैण्ड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, बेल्जियम, हंगरी, यूगोस्लाविया, डेनमार्क, स्विट्जरलैण्ड, स्पेन, पुर्तगाल, नार्वे, स्वीडन आदि देशों का स्टैण्डर्ड समय ग्रीनविच से १ घण्टा आगे है। मिश्र, तुर्की, यूनान, रोमानिया, फिनलैण्ड, सीरिया, इजराईल, सूडान, बल्गेरिया आदि देशों का समय २ घण्टे आगे है। ये देश **२** घण्टे के समय क्षेत्र में हैं। ईराक, कुवैत, लेनिनग्राद, यमन, ईथोपिया, मास्को, सऊदी अरब, ईरान आदि देश **३** घण्टे के क्षेत्र में हैं। अफगानिस्तान ४.३० घण्टे तथा पाकिस्तान ५ घण्टे के समय क्षेत्र में आता है। बंगला देश का समय ग्रीनविच से ६ घण्टे तथा वर्मा ६.३० घण्टे आगे है। थाईलैण्ड, इण्डोनेशिया, वियतनाम, कम्बोडिया ७ घण्टे के क्षेत्र में हैं। चीन, हॉगकॉंग, फिलिपिन्स ८ घण्टे तथा कोरिया व जापान ९ घण्टे के अंतर पर है। आस्ट्रेलिया १० घण्टे और न्यूजीलैण्ड १२ घण्टे के अंतर पर है। जिस प्रकार ग्रीनविच से पूर्व के देशों का समय उनके रेखांशों के अनुसार ग्रीनविच समय से आगे रहता है। उसी प्रकार ग्रीनविच से पश्चिम के देशों का समय उनके रेखांशों के अनुसार कम रहता है। समस्त इंगलैण्ड तथा स्कॉटलैण्ड में ग्रीनविच समय माना जाता है। ग्रीनविच से न्यूयॉर्क, वाशिंगटन, टोरंटो, ओटावा, बॉस्टन आदि नगर ५ घण्टे कम, शिकागो, मैक्सिको ७ घण्टे कम के समय क्षेत्र में पड़ते हैं। लॉसएन्जिल्स का समय ग्रीनविच से ८ घण्टे कम है। किसी भी एटलस में दुनियां का नक्शा देखकर आप उपरोक्त जानकारी की पुष्टि कर सकते हैं।

इस प्रकार देशों के स्टैण्डर्ड समय निर्धारण में किन-किन बातों का ध्यान रखा जाता है। यह आपको ज्ञात हुआ। भारत वर्ष की सीमाएं लगभग ६८ पूर्व रेखांश से ९३ पूर्व रेखांश के मध्य में आती हैं। पश्चिम की ओर के पड़ोसी देश पाकिस्तान को ५ घण्टे के समय क्षेत्र में रखा गया है। और पूर्व की ओर के पड़ोसी बंगला देश को ६ घण्टे का समय क्षेत्र ग्रीनविच से निर्धारित हुआ है। अतएव बीच के देश भारत के लिए ५.३० घण्टा समय क्षेत्र ही युक्ति संगत था। यह तो आपको बताया जा चुका है कि १ रेखांश पर ४ मिनट का अंतर आता है तो ५.३० घण्टे का अंतर ८२।३० रेखांश पर ही आता है। भारत में ८२।३० रेखांश इलाहाबाद, अयोध्या के आस-पास उत्तर से **दक्षिण** काकीनाड़ा, मच्छलीपटनम् आदि नगरों के समीप होकर स्थित है। सारे भारत में एक जैसा स्टैण्डर्ड समय रहता है परंतु ज्योतिष गणित के लिए जब किसी स्थान का स्थानीय सूर्योदय निकालना होता है या लग्नादि का गणित करना होता है। तब हमें उस स्थान का स्थानीय समय निकालना पड़ता है। जिस स्थान का स्थानीय समय निकालना हो उसके रेखांश तथा अक्षांश "अक्षांशादि सारणी" से ज्ञात कर लिए जाते हैं तत्पश्चात उनकी सहायता से स्थानीय समय निकाल लिया जाता है। जैसे दिल्ली का पूर्व रेखांश ७७।१३ है (कुछ आचार्य ७७।१२, कुछ ७७।१४ भी मानते हैं) यह रेखांश ८२।३० से ५।१७ कम हैं। प्रति रेखांश ४ मिनट के हिसाब से २१ मिनट ८ सैकेण्ड दिल्ली का स्थानीय समय स्टैण्डर्ड समय से कम होगा। यदि किसी ८५।१३ है जो ८२।३० से २।४३ अधिक है तो वहां का स्थानीय समय १० मिनट ५२ सैकेण्ड स्टैण्डर्ड समय से अधिक होगा।

अक्षांशादि सारणी इस पंचांग में पृष्ठ ९७ पर दी गई है। इसमें मुख्य-मुख्य नगरों के अक्षांश-रेखांश स्टैण्डर्ड समय से उनका अंतर तथा दिल्ली के समय से देशांतर समय दिया हुआ है। यदि किसी छोटे नगर का नाम आपको इसमें न मिले तो उसके पास के बड़े नगर के विवरण की सहायता से आप इष्ट नगर या स्थान के अक्षांश-रेखांश आदि ज्ञात कर सकते हैं। मान लो आपको करौली के बारे में उपरोक्त विवरण प्राप्त करना है। अक्षांश आदि सारणी में यह नाम नहीं हैं। मानचित्र में यह धौलपुर और ग्वालियर के बीच में कुछ पश्चिम की ओर हैं अथवा आपको भिण्ड के बारे में जानकारी प्राप्त करनी है यह स्थान मानचित्र में धौलपुर व ग्वालियर के मध्य कुछ पूर्व की ओर है। स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों के पास एटलस होती है आप चाहें तो एक एटलस अपने पास रख सकते **हैं।** मानचित्र में उसका माप दिया रहता है कि एक इंच या एक सेन्टीमीटर में कितने मील या किलोमीटर को लिया गया है। उसकी सहायता से आप उपरोक्त स्थानों की पूर्व-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण दूरी नाप कर उनके अक्षांश रेखांश का पता कर सकते हैं। एक रेखांश की दूरी लगभग ७० मील या ११० किलोमीटर होती है। करौली तथा भिण्ड का अक्षांश रेखांश जो उपरोक्त विधि से ज्ञात हुआ है वह इस प्रकार है।

स्थान	उत्तर अक्षांश	पूर्व रेखांश	स्टै. अन्तर	देशान्तर	स्थान	उत्तर अक्षांश	पूर्व रेखांश	स्टै. अन्तर	देशान्तर
धौलपुर	२६-४२	७७।५३	-१८-२८	+२-४०	करौली	२६-३८	७७।०५	-२१-४०	+०-३२
ग्वालियर	२६-१४	७८-१०	-१७-२०	+३-४८	भिण्ड	२६-४०	७८-५०	-१८-४०	+२-२८

लग्न परिचय

पृथ्वी २४ घण्टे में अपनी धुरी पर (अक्ष पर) एक बार पूरी घूम जाती है। यह समय ठीक-ठीक तो २३ घंटे ५६ मिनट १५ सैकिण्ड है। इस २४ घंटे के समय में बारहों राशियां इसके सामने से गुजर जाती हैं। राशियां आकाश में स्थित तारागणों के समूह से बनती हैं। पृथ्वी अपने अक्ष पर घूमती हुई सूर्य की एक प्रदक्षिणा ३६५ दिन ६ घंटे ९ सै. में पूरी करती है। पृथ्वी वासियों को सूर्य आकाश स्थित जिस राशि में दिखाई देता है, हम लोग यही कहते हैं कि सूर्य इस राशि में है और इतने अंश पर है। निरयन सूर्य प्राय: १३ अप्रैल को मेष राशि के ० शून्य अंश पर होता है। प्रतिदिन लगभग एक अंश आगे बढ़ता रहता है। सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि में जाने को संक्रांति कहते हैं। सूर्योदय के समय सूर्य जिस राशि के जितने अंश पर होता है पूर्व क्षितिज पर वही राशि उतने ही अंश पर उदित होती है। पूर्वी क्षितिज पर जो राशि होती है वही उस समय की लग्न होती है।

२४ मई को दिल्ली में सूर्योदय भारतीय स्टैण्डर्ड समय के अनुसार ५-३० बजे होता है। पंचांग में दिए गए ग्रहस्पष्ट भी ५-३० प्रात: के ही हैं। सूर्य उस दिन सूर्योदय के समय वृष राशि के ९ अंश पर है तो सूर्योदय के समय दिल्ली में ५-३० प्रात: पर लग्न भी वृष के ९ अंश पर ही होगी। सूर्य आकाश में ऊपर चढ़ता रहता है और पूर्वी क्षितिज पर राशियां भी आगे चलती रहती हैं। स्थूल गणित से यदि प्रत्येक लग्न को दो घंटे का मानें तो ७-३० बजे मिथुन के ९ अंश, ९-३० बजे कर्क के ९ अंश, ११-३० बजे सिंह के ९ अंश, इस प्रकार लग्न क्षितिज पर आगे बढ़ती रहती है। इस प्रकार मध्याह्न के समय लग्न सिंह होती है और सूर्य दशम भाव में अर्थात् लग्न से दसवीं राशि में होता है। दूसरे शब्दों में मध्याह्न के समय लग्न सूर्य से चौथी राशि, सूर्यास्त के समय सातवीं राशि और मध्यरात्रि के समय दसवीं होती है। यानि मध्यरात्रि के समय की जन्म कुण्डली में सूर्य लग्न से चौथे भाव में आयेगा। मध्याह्न को दशम भाव में तथा सूर्यास्त के समय सप्तम भाव में आएगा। यदि जन्म समय ज्ञात नहीं है तो कुण्डली में सूर्य की स्थिति से जन्म का लगभग समय जाना जा सकता है।

२४ घंटे में १२ लग्नें होती हैं तो प्रत्येक लग्न २ घंटे की होनी चाहिए, पर ऐसा नहीं है। पृथ्वी सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाती है, परन्तु उसका यह पथ पूरा गोलाकार नहीं है, अण्डाकार है। इसीलिए कुछ राशियां दो घंटे में निकल जाती हैं, कुछ को २ घंटे से ज्यादा और कुछ को दो घंटे से कम समय लगता है। अब आपको लग्न निकालने की एक सरल प्रक्रिया बताते हैं, जिसकी सहायता से भारत के किसी भी स्थान की लग्न

दैनिक लग्न सारिणी देखने की विधि

इस पंचांग में दी गई यह लग्न सारिणी दिल्ली के

लग्न में जोड़ने या घटाने पर अभीष्ट लग्नका समाविकाल

लग्न मान के मिनट होंगे। उन मिनटों को ९ का भाग देवें, फिर ९ का भाग देने पर सैकेण्ड आयेंगे, यह मिनट और सै

होगा। वृष, कन्या, मकर लग्न में नवांश का प्रारम्भ मकर से मिथुन, तुला, कुम्भ लग्न में नवांश का प्रारम्भ तुला से

दैनिक लग्न सारिणी देखने की विधि

इस पंचांग में दी गई यह लग्न सारिणी दिल्ली के अक्षांश-रेखांश पर है। इसका समय ऊपर दिए गए लग्न के समाप्तिकाल भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम में घण्टा-मिनट के रूप में लिखा है। जिस लग्न के नीचे समाप्तिकाल है वह आगे के लग्न का प्रारम्भकाल है।

उदाहरण—१५ जुलाई को सारिणी के तुला लग्न के नीचे घण्टे १४ मिनट ५६ लिखे हैं। अतः तुला लग्न मध्याह्न २ बजकर ५६ मिनट पर समाप्त हुआ। इसमें लिखे घण्टा-मिनट आधी रात के बाद शून्य से आरम्भ होंगे जैसे रात के १२ बजकर २५ मिनट पर ०।२५ लिखे हुए हैं। इसी तरह दोपहर के पश्चात् १ बजे के स्थान पर १३।०० लिखे हुए हैं।

लग्न सारिणी परिवर्तन एवं उदाहरण

यदि आर्यभट्ट पंचांग से अन्य स्थान का लग्न ज्ञात करना हो तो प्रथम दैनिक लग्न सारिणी से अभीष्ट तारीख के लग्न का समाप्ति काल ज्ञात करना। पश्चात् अक्षांशादि सारिणी से अभीष्ट नगर के अक्षांश व देशान्तर मिनट सेकंड लेना यदि देशान्तर मिनट सेकंड धन हो तो लग्न समाप्ति काल में से घटा दें और यदि देशांतर मिनट सेकंड ऋण हो तो लग्न समाप्ति काल में जोड़ दें। यह अभीष्ट नगर का मध्यम लग्न समाप्ति काल ज्ञात हुआ। पश्चात् दैनिक लग्न परिवर्तन की सहायक सारिणी से अभीष्ट लग्न के नीचे अभिष्ट अक्षांश की सीध में दिये गये मिनटों को चिन्हानुसार लग्न में जोड़ने या घटाने पर अभीष्ट लग्नका समाप्तिकाल ज्ञात होगा।

उदाहरण—१५ जुलाई को नासिक में वृश्चिक लग्न का समाप्ति काल ज्ञात करना है। नासिक केअक्षांश २१।०० व देशांतर (—) १३ मिनट ४८ सेकण्ड दिया है। दैनिक लग्न सारिणी में १५ जुलाई को वृश्चिक लग्न का समाप्ति काल १७।१४ दिया है।

	घं.मि.
सारिणी से प्राप्त १५ जु. को वृश्चि. समाप्त	१७।१४
देशान्तर ऋण लेने से धन किया (१३।४८ मि. आधे से अधिक होने से १४ लिये)	+०।१४
मध्यम लग्न समाप्त	=१७।२८

दैनिक लग्न परिवर्तन की सहायक सारिणी से अक्षांश २१ की सीध में वृश्चिक लग्न के सामने १७ मिनट दिये हैं।

मध्यम लग्न समाप्ति	= १७।२८
दै. लग्न सारिणी परिवर्तन की सहायक सारिणी से प्राप्त मान +-	—०।१७
अतः नासिक में वृश्चिक लग्न का समाप्ति काल	१७।११

नवांश का प्रारम्भ तथा अन्त जानने की विधि

ऊपर लिखे अनुसार जिस लग्न में नवांश समय लाना हो उस लग्न का प्रारम्भ तथा समाप्तिकाल साधन करें, पश्चात् समाप्तिकाल में से प्रारम्भ समय हीन करें। शेष घं.मि. रहेंगे, घण्टा को ६० से गुणाकर मिनट मिला देवें, यह कुल मिनट होंगे। उन मिनटों को ९ का भाग दें, लब्धि १ नवांश के मिनट प्राप्त होंगे शेष को ६० से गुणाकर फिर ९ का भाग देने पर सैकेण्ड आयेंगे, यह मिनट और सै. एक नवांश का मान होने से जो नवांश लेना हो उससे गत नवांश तक की संख्या से एक नवांश के मान कोगुणाकर जो मिनट हों वह मिनट लग्न प्रारम्भकाल में मिलाने से नवांश प्रारम्भ समय आएगा और इस नवांश प्रारम्भ समय में एक नवांश का मान मिला देने पर नवांश समप्तिकाल आयेगा। मेष, सिंह, धनु लग्न में नवांश का प्रारंभ मेष से होगा। वृष, कन्या, मकर लग्न में नवांश का प्रारम्भ मकर से मिथुन, तुला, कुम्भ लग्न में नवांश का प्रारम्भ तुला से तथा कर्क, वृश्चिक, मीन लग्न में नवांश का प्रारम्भ कर्क से होगा। इसी प्रकार सर्वत्र जानें। विवाह, यज्ञोपवीत, गृह प्रवेशादि में लग्न तथा नवांश इस प्रकार से सूक्ष्म साधन करने से मुहूर्त योग्य समय होता है और फल भी जो मिलना चाहिए वह मिलता है। ज्योतिर्विदों को चाहिए कि नवांश सूक्ष्म से सूक्ष्म साधन करके विवाह आदि का समय निश्चित करें।

दैनिक लग्नों के समाप्तिकाल तालिका में वार्षिक संस्कार

सन्\राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
२००० फप	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३
२००० फप	-१	-१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२००१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२००२	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१
२००३	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२
२००४ फप	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३
२००४ फप	-१	-१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२००५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२००६	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१
२००७	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२
२००८ फप	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३
२००८फप.	-१	-१	०	०	०	०	०	०	-१	-१	-१	-१
२००९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२०१०	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१
२०११	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२
२०१२ फप.	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३
२०१२ फप.	-१	०	०	०	०	०	०	०	-१	-१	-१	-१

श्री आर्यभट्ट पंचांग की दैनिक लग्न सारिणी परिवर्तन की सहायक सारिणी

अ/लग्न	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
८	+३२	+४१	+३६	+२३	+४	-१५	-३२	-४१	-३६	-२३	-४	+१५
९	+३०	+३९	+३५	+२२	+४	-१५	-३०	-३९	-३५	-२२	-४	+१५
१०	+२९	+३७	+३३	+२१	+४	-१४	-२९	-३७	-३३	-२१	-४	+१४
११	+२८	+३५	+३१	+२०	+४	-१४	-२८	-३५	-३१	-२०	-४	+१४
१२	+२६	+३३	+३०	+१९	+४	-१३	-२६	-३३	-३०	-१९	-४	+१३
१३	+२५	+३२	+२८	+१८	+३	-१२	-२५	-३२	-२८	-१८	-३	+१२
१४	+२३	+३०	+२७	+१७	+३	-१२	-२३	-३०	-२७	-१७	-३	+१२
१५	+२२	+२८	+२५	+१६	+३	-११	-२२	-२८	-२५	-१६	-३	+११
१६	+२१	+२४	+२३	+१५	+३	-१०	-२१	-२६	-२३	-१५	-३	+१०
१७	+१९	+२४	+२१	+१४	+३	-९	-१९	-२४	-२१	-१४	-३	+९
१८	+१८	+२२	+२०	+१३	+२	-९	-१८	-२३	-२०	-१३	-२	+९
१९	+१६	+२०	+१८	+१२	+२	-८	-१६	-२१	-१८	-१२	-२	+८
२०	+१५	+१८	+१६	+११	+२	-७	-१५	-१९	-१६	-११	-२	+७
२१	+१३	+१६	+१४	+१०	+२	-६	-१३	-१७	-१४	-१०	-२	+६
२२	+१२	+१४	+१२	+८	+२	-५	-१२	-१५	-१२	-९	-२	+५
२३	+१०	+१२	+१०	+७	+१	-५	-१०	-१२	-१०	-७	-१	+५
२४	+८	+१०	+८	+६	+१	-४	-८	-१०	-८	-६	-१	+४
२५	+७	+८	+७	+५	+१	-३	-६	-८	-६	-५	-१	+३
२६	+५	+५	+५	+३	+१	-२	-५	-६	-५	-४	-१	+२
२७	+३	+३	+३	+२	+१	-१	-३	-४	-३	-३	-१	+१
२८	+१	+१	+१	+१	०	-१	-१	-१	-१	-१	०	+१
२९	०	-१	-१	-१	०	०	०	+१	+१	०	०	०
३०	-२	-३	-३	-२	०	+१	+२	+३	+३	+१	०	-१
३१	-४	-६	-५	-३	०	+२	+४	+६	+५	+२	०	-२
३२	-६	-८	-८	-५	०	+३	+६	+८	+८	+४	०	-३
३३	-८	-११	-१०	-६	-१	+३	+८	+११	+१०	+५	+१	-४
३४	-१०	-१३	-१३	-८	-१	+४	+१०	+१३	+१३	+७	+१	-५
३५	-१२	-१६	-१५	-९	-१	+५	+१२	+१६	+१५	+८	+१	-६

दैनिक लग्नों के समाप्तिकाल तालिका में वार्षिक संस्कार

पंचांग में दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल की तालिका प्रति मासिक दी गई है। उनमें पृथ्वी की अयनगति वश प्रति वर्ष परिवर्तन होता है। इसलिए लग्नों का सूक्ष्म समाप्ति काल जानने के लिए वार्षिक संस्कार देकर शुद्ध करे लें। अतः वार्षिक लग्नों में संस्कारार्थ तालिका दी जा रही है।

जिन वर्षों में तिथ्याधिक वर्ष हों अर्थात् २९ दिनों का फरवरी मास होता है। (यह प्रति चार से आता है।) उन वर्षों की तालिका में दो बार पंक्तियां दी गई। जिसके सन् के आगे फ.प. लगाया गया है। इसका अभिप्राय है कि १ जनवरी से २८ फरवरी तक इस पंक्ति के संस्कारों को काम में लें तथा उसी सन् को लिखकर आगे फ.बा. लगाया गया है। इन संस्कारों का उपयोग १ मार्च से ३१ दिसम्बर तक करें।

मार्च दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन	मकर
१	७ २८ १५	८ ५३ १०	१० २८ १५	१२ २३ ३७	१४ ३८ ०८	१६ ५८ २७	१९ १५ ४६	२१ ३२ ०३	२३ ५१ ३१	२ १४ ०५	४ १८ १५	६ ०० ४३
२	७ २४ १९	८ ४९ १४	१० २४ २०	१२ १९ ४२	१४ ३४ १२	१६ ५४ ३१	१९ ११ ५०	२१ २८ ०७	२३ ४७ ३५	२ १० ०९	४ १४ १९	५ ५६ ४७
३	७ २० २३	८ ४५ १८	१० २० २४	१२ १५ ४५	१४ ३० १६	१६ ५० ३६	१९ ०७ ५५	२१ २४ १२	२३ ४३ ४०	२ ०६ १३	४ १० २३	५ ५२ ५२
४	७ १६ २७	८ ४१ २३	१० १६ २८	१२ ११ ४९	१४ २६ २०	१६ ४६ ४०	१९ ०३ ५९	२१ २० १६	२३ ३९ ४४	२ ०२ १७	४ ०६ २७	५ ४८ ५६
५	७ १२ ३२	८ ३७ २७	१० १२ ३२	१२ ०७ ५४	१४ २२ २४	१६ ४२ ४४	१९ ०० ०३	२१ १६ २०	२३ ३५ ४८	१ ५८ २१	४ ०२ ३१	५ ४५ ००
६	७ ०८ ३६	८ ३३ ३१	१० ०८ ३६	१२ ०३ ५८	१४ १८ २८	१६ ३८ ४८	१८ ५६ ०७	२१ १२ २४	२३ ३१ ५२	१ ५४ २५	३ ५८ ३६	५ ४१ ०४
७	७ ०४ ४०	८ २९ ३५	१० ०४ ४०	१२ ०० ०२	१४ १४ ३२	१६ ३४ ५२	१८ ५२ ११	२१ ०८ २८	२३ २७ ५६	१ ५० २९	३ ५४ ४०	५ ३७ ०८
८	७ ०० ४४	८ २५ ३९	१० ०० ४४	११ ५६ ०६	१४ १० ३६	१६ ३० ५६	१८ ४८ १५	२१ ०४ ३२	२३ २४ ००	१ ४६ ३४	३ ५० ४४	५ ३३ १२
९	६ ५६ ४८	८ २१ ४३	९ ५६ ४८	११ ५२ १०	१४ ०६ ४०	१६ २७ ००	१८ ४४ १९	२१ ०० ३६	२३ २० ०४	१ ४२ ३८	३ ४६ ४८	५ २९ १६
१०	६ ५२ ५२	८ १७ ४७	९ ५२ ५२	११ ४८ १४	१४ ०२ ४४	१६ २३ ०४	१८ ४० २३	२० ५६ ४०	२३ १६ ०८	१ ३८ ४२	३ ४२ ५२	५ २५ २०
११	६ ४८ ५६	८ १३ ५१	९ ४८ ५६	११ ४४ १८	१३ ५८ ४९	१६ १९ ०८	१८ ३६ २७	२० ५२ ४४	२३ १२ १२	१ ३४ ४६	३ ३८ ५६	५ २१ २४
१२	६ ४५ ००	८ ०९ ५५	९ ४५ ०१	११ ४० २२	१३ ५४ ५३	१६ १५ १२	१८ ३२ ३१	२० ४८ ४८	२३ ०८ १६	१ ३० ५०	३ ३५ ००	५ १७ २८
१३	६ ४१ ०४	८ ०५ ५९	९ ४१ ०५	११ ३६ २६	१३ ५० ५७	१६ ११ १७	१८ २८ ३६	२० ४४ ५३	२३ ०४ २१	१ २६ ५४	३ ३१ ०४	५ १३ ३२
१४	६ ३७ ०८	८ ०२ ०४	९ ३७ ०९	११ ३२ ३०	१३ ४७ ०१	१६ ०७ २१	१८ २४ ४०	२० ४० ५७	२३ ०० २५	१ २२ ५८	३ २७ ०८	५ ०९ ३७
१५	६ ३३ १२	७ ५८ ०८	९ ३३ १३	११ २८ ३५	१३ ४३ ०५	१६ ०३ २५	१८ २० ४४	२० ३७ ०१	२२ ५६ २९	१ १९ ०२	३ २३ १२	५ ०५ ४१
१६	६ २९ १७	७ ५४ १२	९ २९ १७	११ २४ ३९	१३ ३९ ०९	१५ ५९ २९	१८ १६ ४८	२० ३३ ०५	२२ ५२ ३३	१ १५ ०६	३ १९ १७	५ ०१ ४५
१७	६ २५ २१	७ ५० १६	९ २५ २१	११ २० ४३	१३ ३५ १३	१५ ५५ ३३	१८ १२ ५२	२० २९ ०९	२२ ४८ ३७	१ ११ १०	३ १५ २१	४ ५७ ४९
१८	६ २१ २५	७ ४६ २०	९ २१ २५	११ १६ ४७	१३ ३१ १७	१५ ५१ ३७	१८ ०८ ५६	२० २५ १३	२२ ४४ ४१	१ ०७ १४	३ ११ २५	४ ५३ ५३
१९	६ १७ २९	७ ४२ २४	९ १७ २९	११ १२ ५१	१३ २७ २१	१५ ४७ ४१	१८ ०५ ००	२० २१ १७	२२ ४० ४५	१ ०३ १९	३ ०७ २९	४ ४९ ५७
२०	६ १३ ३३	७ ३८ २८	९ १३ ३३	११ ०८ ५५	१३ २३ २५	१५ ४३ ४५	१८ ०१ ०४	२० १७ २१	२२ ३६ ४९	० ५९ २३	३ ०३ ३३	४ ४६ ०१
२१	६ ०९ ३७	७ ३४ ३२	९ ०९ ३७	११ ०४ ५९	१३ १९ ३०	१५ ३९ ४९	१७ ५७ ०८	२० १३ २५	२२ ३२ ५३	० ५५ २७	२ ५९ ३७	४ ४२ ०५
२२	६ ०५ ४१	७ ३० ३६	९ ०५ ४१	११ ०१ ०३	१३ १५ ३४	१५ ३५ ५३	१७ ५३ १२	२० ०९ २९	२२ २८ ५७	० ५१ ३१	२ ५५ ४१	४ ३८ ०९
२३	६ ०१ ४५	७ २६ ४०	९ ०१ ४६	१० ५७ ०७	१३ ११ ३८	१५ ३१ ५८	१७ ४९ १७	२० ०५ ३४	२२ २५ ०२	० ४७ ३५	२ ५१ ४५	४ ३४ १३
२४	५ ५७ ४९	७ २२ ४४	८ ५७ ५०	१० ५३ ११	१३ ०७ ४२	१५ २८ ०२	१७ ४५ २१	२० ०१ ३८	२२ २१ ०६	० ४३ ३९	२ ४७ ४९	४ ३० १८
२५	५ ५३ ५३	७ १८ ४९	८ ५३ ५४	१० ४९ १६	१३ ०३ ४६	१५ २४ ०६	१७ ४१ २५	१९ ५७ ४२	२२ १७ १०	० ३९ ४३	२ ४३ ५३	४ २६ २२
२६	५ ४९ ५७	७ १४ ५३	८ ४९ ५८	१० ४५ २०	१२ ५९ ५०	१५ २० १०	१७ ३७ २९	१९ ५३ ४६	२२ १३ १४	० ३५ ४७	२ ३९ ५७	४ २२ २६
२७	५ ४६ ०२	७ १० ५७	८ ४६ ०२	१० ४१ २४	१२ ५५ ५४	१५ १६ १४	१७ ३३ ३३	१९ ४९ ५०	२२ ०९ १८	० ३१ ५१	२ ३६ ०२	४ १८ ३०
२८	५ ४२ ०६	७ ०७ ०१	८ ४२ ०६	१० ३७ २८	१२ ५१ ५८	१५ १२ १८	१७ २९ ३७	१९ ४५ ५४	२२ ०५ २२	० २७ ५५	२ ३२ ०६	४ १४ ३४
२९	५ ३८ १०	७ ०३ ०५	८ ३८ १०	१० ३३ ३२	१२ ४८ ०२	१५ ०८ २२	१७ २५ ४१	१९ ४१ ५८	२२ ०१ २६	० २० ०४	२ २८ १०	४ १० ३८
३०	५ ३४ १४	६ ५९ ०९	८ ३४ १४	१० २९ ३६	१२ ४४ ०६	१५ ०४ २६	१७ २१ ४५	१९ ३८ ०२	२१ ५७ ३०	० २० ०८	२ २४ १४	४ ०६ ४२

अप्रैल दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन	मकर	कुम्भ
१	६ ५१ १७	८ २६ २३	१० २१ ४४	१२ ३६ १५	१४ ५६ ३४	१७ १३ ५३	१९ ३० १०	२१ ४९ ३८	० ०८ १६	२ १६ २२	३ ५८ ५०	५ २६ २२
२	६ ४७ २१	८ २२ २७	१० १७ ४८	१२ ३२ १९	१४ ५२ ३९	१७ ०९ ५८	१९ २६ १५	२१ ४५ ४३	० ०४ २०	२ १२ २६	३ ५४ ५४	५ २२ २६
३	६ ४३ २५	८ १८ ३१	१० १३ ५२	१२ २८ २३	१४ ४८ ४३	१७ ०६ ०२	१९ २२ १९	२१ ४१ ४७	० ०० २४	२ ०८ ३०	३ ५० ५९	५ १८ ३०
४	६ ३९ ३०	८ १४ ३५	१० ०९ ५७	१२ २४ २७	१४ ४४ ४७	१७ ०२ ०६	१९ १८ २३	२१ ३७ ५१	२३ ५६ २८	२ ०४ ३४	३ ४७ ०३	५ १४ ३४
५	६ ३५ ३४	८ १० ३९	१० ०६ ०१	१२ २० ३१	१४ ४० ५१	१६ ५८ १०	१९ १४ २७	२१ ३३ ५५	२३ ५२ ३२	२ ०० ३८	३ ४३ ०७	५ १० ३८
६	६ ३१ ३८	८ ०६ ४३	१० ०२ ०५	१२ १६ ३५	१४ ३६ ५५	१६ ५४ १४	१९ १० ३१	२१ २९ ५९	२३ ४८ ३६	१ ५६ ४३	३ ३९ ११	५ ०६ ४३
७	६ २७ ४२	८ ०२ ४७	९ ५८ ०९	१२ १२ ३९	१४ ३२ ५९	१६ ५० १८	१९ ०६ ३५	२१ २६ ०३	२३ ४४ ४१	१ ५२ ४७	३ ३५ १५	५ ०२ ४७
८	६ २३ ४६	७ ५८ ५१	९ ५४ १३	१२ ०८ ४३	१४ २९ ०३	१६ ४६ २२	१९ ०२ ३९	२१ २२ ०७	२३ ४० ४५	१ ४८ ५१	३ ३१ १९	४ ५८ ५१
९	६ १९ ५०	७ ५४ ५५	९ ५० १७	१२ ०४ ४७	१४ २५ ०७	१६ ४२ २६	१८ ५८ ४३	२१ १८ ११	२३ ३६ ४९	१ ४४ ५५	३ २७ २३	४ ५४ ५५
१०	६ १५ ५४	७ ५० ५९	९ ४६ २१	१२ ०० ५२	१४ २१ ११	१६ ३८ ३०	१८ ५४ ४७	२१ १४ १५	२३ ३२ ५३	१ ४० ५९	३ २३ २७	४ ५० ५९
११	६ ११ ५८	७ ४७ ०३	९ ४२ २५	११ ५६ ५६	१४ १७ १५	१६ ३४ ३४	१८ ५० ५१	२१ १० १९	२३ २८ ५७	१ ३७ ०३	३ १९ ३१	४ ४७ ०३
१२	६ ०८ ०२	७ ४३ ०८	९ ३८ २९	११ ५३ ००	१४ १३ २०	१६ ३० ३९	१८ ४६ ५६	२१ ०६ २४	२३ २५ ०१	१ ३३ ०७	३ १५ ३५	४ ४३ ०७
१३	६ ०४ ०६	७ ३९ १२	९ ३४ ३३	११ ४९ ०४	१४ ०९ २४	१६ २६ ४३	१८ ४३ ००	२१ ०२ २८	२३ २१ ०५	१ २९ ११	३ ११ ३९	४ ३९ ११
१४	६ ०० ११	७ ३५ १६	९ ३० ३८	११ ४५ ०८	१४ ०५ २८	१६ २२ ४७	१८ ३९ ०४	२० ५८ ३२	२३ १७ ०९	१ २५ १५	३ ०७ ४४	४ ३५ १५
१५	५ ५६ १५	७ ३१ २०	९ २६ ४२	११ ४१ १२	१४ ०१ ३२	१६ १८ ५१	१८ ३५ ०८	२० ५४ ३६	२३ १३ १३	१ २१ १९	३ ०३ ४८	४ ३१ १९
१६	५ ५२ १९	७ २७ २४	९ २२ ४६	११ ३७ १६	१३ ५७ ३६	१६ १४ ५५	१८ ३१ १२	२० ५० ४०	२३ ०९ १७	१ १७ २४	२ ५९ ५२	४ २७ २४
१७	५ ४८ २३	७ २३ २८	९ १८ ५०	११ ३३ २०	१३ ५३ ४०	१६ १० ५९	१८ २७ १६	२० ४६ ४४	२३ ०५ २२	१ १३ २८	२ ५५ ५६	४ २३ २८
१८	५ ४४ २७	७ १९ ३२	९ १४ ५४	११ २९ २४	१३ ४९ ४४	१६ ०७ ०३	१८ २३ २०	२० ४२ ४८	२३ ०१ २६	१ ०९ ३२	२ ५२ ००	४ १९ ३२
१९	५ ४० ३१	७ १५ ३६	९ १० ५८	११ २५ २८	१३ ४५ ४८	१६ ०३ ०७	१८ १९ २४	२० ३८ ५२	२२ ५७ ३०	१ ०५ ३६	२ ४८ ०४	४ १५ ३६
२०	५ ३६ ३५	७ ११ ४०	९ ०७ ०२	११ २१ ३३	१३ ४१ ५२	१५ ५९ ११	१८ १५ २८	२० ३४ ५६	२२ ५३ ३४	१ ०१ ४०	२ ४४ ०८	४ ११ ४०
२१	५ ३२ ३९	७ ०७ ४४	९ ०३ ०६	११ १७ ३७	१३ ३७ ५६	१५ ५५ १५	१८ ११ ३२	२० ३१ ००	२२ ४९ ३८	० ५७ ४४	२ ४० १२	४ ०७ ४४
२२	५ २८ ४३	७ ०३ ४९	८ ५९ १०	११ १३ ४१	१३ ३४ ०१	१५ ५१ २०	१८ ०७ ३७	२० २७ ०४	२२ ४५ ४२	० ५३ ४८	२ ३६ १६	४ ०३ ४८
२३	५ २४ ४७	६ ५९ ५३	८ ५५ १४	११ ०९ ४५	१३ ३० ०५	१५ ४७ २४	१८ ०३ ४१	२० २३ ०९	२२ ४१ ४६	० ४९ ५२	२ ३२ २०	३ ५९ ५२
२४	५ २० ५१	६ ५५ ५७	८ ५१ १८	११ ०५ ४९	१३ २६ ०९	१५ ४३ २८	१७ ५९ ४५	२० १९ १३	२२ ३७ ५०	० ४५ ५६	२ २८ २५	३ ५५ ५६
२५	५ १६ ५६	६ ५२ ०१	८ ४७ २३	११ ०१ ५३	१३ २२ १३	१५ ३९ ३२	१७ ५५ ४९	२० १५ १७	२२ ३३ ५४	० ४२ ००	२ २४ २९	३ ५२ ००
२६	५ १३ ००	६ ४८ ०५	८ ४३ २७	१० ५७ ५७	१३ १८ १७	१५ ३५ ३६	१७ ५१ ५३	२० ११ २१	२२ २९ ५८	० ३८ ०५	२ २० ३३	३ ४८ ०४
२७	५ ०९ ०४	६ ४४ ०९	८ ३९ ३१	१० ५४ ०१	१३ १४ २१	१५ ३१ ४०	१७ ४७ ५७	२० ०७ २५	२२ २६ ०३	० ३४ ०९	२ १६ ३७	३ ४४ ०९
२८	५ ०५ ०८	६ ४० १३	८ ३५ ३५	१० ५० ०५	१३ १० २५	१५ २७ ४४	१७ ४४ ०१	२० ०३ २९	२२ २२ ०७	० ३० १३	२ १२ ४१	३ ४० १३
२९	५ ०१ १२	६ ३६ १७	८ ३१ ३९	१० ४६ ०९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

मई दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन	मकर	कुम्भ	मीन

जून दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन	मकर	कुम्भ	मीन	मेष

मई दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टै. टाइम घण्टा-मिनट-सेकण्ड

ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन	मकर	कुम्भ	मीन
१	६ २८ २५	८ २३ ४७	१० ३८ १८	१२ ५८ ३८	१५ १५ ५७	१७ ३२ १३	१९ ५१ ४१	२२ १० १९	० १४ २९	२ ०० ५३	३ २८ २५	४ ५३ २०
२	६ २४ ३०	८ १९ ५१	१० ३४ २२	१२ ५४ ४२	१५ १२ ०१	१७ २८ १८	१९ ४७ ४६	२२ ०६ २३	० १० ३३	१ ५६ ५७	३ २४ २९	४ ४९ २४
३	६ २० ३४	८ १५ ५५	१० ३० २६	१२ ५० ४६	१५ ०८ ०५	१७ २४ २२	१९ ४३ ५०	२२ ०२ २७	० ०६ ३७	१ ५३ ०१	३ २० ३३	४ ४५ २८
४	६ १६ ३८	८ १२ ००	१० २६ ३०	१२ ४६ ५०	१५ ०४ ०९	१७ २० २६	१९ ३९ ५४	२१ ५८ ३१	० ०२ ४१	१ ४९ ०६	३ १६ ३७	४ ४१ ३२
५	६ १२ ४२	८ ०८ ०४	१० २२ ३४	१२ ४२ ५४	१५ ०० १३	१७ १६ ३०	१९ ३५ ५८	२१ ५४ ३५	२३ ५८ ४६	१ ४५ १०	३ १२ ४१	४ ३७ ३७
६	६ ०८ ४६	८ ०४ ०८	१० १८ ३८	१२ ३८ ५८	१४ ५६ १७	१७ १२ ३४	१९ ३२ ०२	२१ ५० ३९	२३ ५४ ५०	१ ४१ १४	३ ०८ ४५	४ ३३ ४१
७	६ ०४ ५०	८ ०० १२	१० १४ ४२	१२ ३५ ०२	१४ ५२ २१	१७ ०८ ३८	१९ २८ ०६	२१ ४६ ४४	२३ ५० ५४	१ ३७ १८	३ ०४ ५०	४ २९ ४५
८	६ ०० ५४	७ ५६ १६	१० १० ४६	१२ ३१ ०६	१४ ४८ २५	१७ ०४ ४२	१९ २४ १०	२१ ४२ ४८	२३ ४६ ५८	१ ३३ २२	३ ०० ५४	४ २५ ४९
९	५ ५६ ५८	७ ५२ २०	१० ०६ ५०	१२ २७ १०	१४ ४४ २९	१७ ०० ४६	१९ २० १४	२१ ३८ ५२	२३ ४३ ०२	१ २९ २६	२ ५६ ५८	४ २१ ५३
१०	५ ५३ ०२	७ ४८ २४	१० ०२ ५५	१२ २३ १४	१४ ४० ३३	१६ ५६ ५०	१९ १६ १८	२१ ३४ ५६	२३ ३९ ०६	१ २५ ३०	२ ५३ ०२	४ १७ ५७
११	५ ४९ ०६	७ ४४ २८	९ ५८ ५९	१२ १९ १९	१४ ३६ ३८	१६ ५२ ५४	१९ १२ २२	२१ ३१ ००	२३ ३५ १०	१ २१ ३४	२ ४९ ०६	४ १४ ०१
१२	५ ४५ ११	७ ४० ३२	९ ५५ ०३	१२ १५ २३	१४ ३२ ४२	१६ ४८ ५९	१९ ०८ २७	२१ २७ ०४	२३ ३१ १४	१ १७ ३८	२ ४५ १०	४ १० ०५
१३	५ ४१ १५	७ ३६ ३६	९ ५१ ०७	१२ ११ २७	१४ २८ ४६	१६ ४५ ०३	१९ ०४ ३१	२१ २३ ०८	२३ २७ १८	१ १३ ४२	२ ४१ १४	४ ०६ ०९
१४	५ ३७ १९	७ ३२ ४१	९ ४७ ११	१२ ०७ ३१	१४ २४ ५०	१६ ४१ ०७	१९ ०० ३५	२१ १९ १२	२३ २३ २२	१ ०९ ४७	२ ३७ १८	४ ०२ १३
१५	५ ३३ २३	७ २८ ४५	९ ४३ १५	१२ ०३ ३५	१४ २० ५४	१६ ३७ ११	१८ ५६ ३९	२१ १५ १६	२३ १९ २७	१ ०५ ५१	२ ३३ २२	३ ५८ १८
१६	५ २९ २७	७ २४ ४९	९ ३९ १९	११ ५९ ३९	१४ १६ ५८	१६ ३३ १५	१८ ५२ ४३	२१ ११ २०	२३ १५ ३१	१ ०१ ५५	२ २९ २६	३ ५४ २२
१७	५ २५ ३१	७ २० ५३	९ ३५ २३	११ ५५ ४३	१४ १३ ०२	१६ २९ १९	१८ ४८ ४७	२१ ०७ २५	२३ ११ ३५	० ५७ ५९	२ २५ ३१	३ ५० २६
१८	५ २१ ३५	७ १६ ५७	९ ३१ २७	११ ५१ ४७	१४ ०९ ०६	१६ २५ २३	१८ ४४ ५१	२१ ०३ २९	२३ ०७ ३९	० ५४ ०३	२ २१ ३५	३ ४६ ३०
१९	५ १७ ३९	७ १३ ०१	९ २७ ३२	११ ४७ ५१	१४ ०५ १०	१६ २१ २७	१८ ४० ५५	२० ५९ ३३	२३ ०३ ४३	० ५० ०७	२ १७ ३९	३ ४२ ३४
२०	५ १३ ४३	७ ०९ ०५	९ २३ ३६	११ ४३ ५५	१४ ०१ १४	१६ १७ ३१	१८ ३६ ५९	२० ५५ ३७	२२ ५९ ४७	० ४६ ११	२ १३ ४३	३ ३८ ३८
२१	५ ०९ ४७	७ ०५ ०९	९ १९ ४०	११ ४० ००	१३ ५७ १९	१६ १३ ३५	१८ ३३ ०३	२० ५१ ४१	२२ ५५ ५१	० ४२ १५	२ ०९ ४७	३ ३४ ४२
२२	५ ०५ ५२	७ ०१ १३	९ १५ ४४	११ ३६ ०४	१३ ५३ २३	१६ ०९ ४०	१८ २९ ०८	२० ४७ ४५	२२ ५१ ५५	० ३८ १९	२ ०५ ५१	३ ३० ४६
२३	५ ०१ ५६	६ ५७ १७	९ ११ ४८	११ ३२ ०८	१३ ४९ २७	१६ ०५ ४४	१८ २५ १२	२० ४३ ४९	२२ ४७ ५९	० ३४ २३	२ ०१ ५५	३ २६ ५०
२४	४ ५८ ००	६ ५३ २२	९ ०७ ५२	११ २८ १२	१३ ४५ ३१	१६ ०१ ४८	१८ २१ १६	२० ३९ ५३	२२ ४४ ०३	० ३० २७	१ ५७ ५९	३ २२ ५४
२५	४ ५४ ०४	६ ४९ २६	९ ०३ ५६	११ २४ १६	१३ ४१ ३५	१५ ५७ ५२	१८ १७ २०	२० ३५ ५७	२२ ४० ०८	० २६ ३२	१ ५४ ०३	३ १८ ५९
२६	४ ५० ०८	६ ४५ ३०	९ ०० ००	११ २० २०	१३ ३७ ३९	१५ ५३ ५६	१८ १३ २४	२० ३२ ०२	२२ ३६ १२	० २२ ३६	१ ५० ०७	३ १५ ०३
२७	४ ४६ १२	६ ४१ ३४	८ ५६ ०४	११ १६ २४	१३ ३३ ४३	१५ ५० ००	१८ ०९ २८	२० २८ ०६	२२ ३२ १६	० १४ ४४	१ ४६ १२	३ ११ ०७
२८	४ ४२ १६	६ ३७ ३८	८ ५२ ०८	११ १२ २८	१३ २९ ४७	१५ ४६ ०४	१८ ०५ ३२	२० २४ १०	२२ २८ २०	० १० ४८	१ ४२ १६	३ ०७ ११
२९	४ ३८ २०	६ ३३ ४२	८ ४८ १३	११ ०८ ३२	१३ २५ ५१	१५ ४२ ०८	१८ ०१ ३६	२० २० १४	२२ २४ २४	० ०६ ५२	१ ३८ २०	३ ०३ १५
३०	४ ३४ २४	६ २९ ४६	८ ४४ १७	११ ०४ ३७	१३ २१ ५५	१५ ३८ १२	१७ ५७ ४०	२० १६ १८	२२ २० २८	० ०२ ५६	१ ३४ २४	२ ५९ १९
३१	४ ३० २८	६ २५ ५०	८ ४० २१	११ ०० ४१	१३ १८ ००	१५ ३४ १७	१७ ५३ ४५	२० १२ २२	२२ १६ ३२	२३ ५९ ००	१ ३० २८	२ ५५ २३

जून दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टै. टाइम घण्टा-मिनट-सेकण्ड

ता.	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन	मकर	कुम्भ	मीन	मेष
१	६ २१ ५४	८ ३६ २५	१० ५६ ४५	१३ १४ ०४	१५ ३० २१	१७ ४९ ४९	२० ०८ २६	२२ १२ ३६	२३ ५५ ०४	१ २६ ३२	२ ५१ २७	४ २६ ३३
२	६ १७ ५८	८ ३२ २९	१० ५२ ४९	१३ १० ०८	१५ २६ २५	१७ ४५ ५३	२० ०४ ३०	२२ ०८ ४०	२३ ५१ ०८	१ २२ ३६	२ ४७ ३१	४ २२ ३७
३	६ १४ ०३	८ २८ ३३	१० ४८ ५३	१३ ०६ १२	१५ २२ २९	१७ ४१ ५७	२० ०० ३४	२२ ०४ ४४	२३ ४७ १३	१ १८ ४०	२ ४३ ३५	४ १८ ४१
४	६ १० ०७	८ २४ ३७	१० ४४ ५७	१३ ०२ १६	१५ १८ ३३	१७ ३८ ०१	१९ ५६ ३८	२२ ०० ४९	२३ ४३ १७	१ १४ ४४	२ ३९ ४०	४ १४ ४५
५	६ ०६ ११	८ २० ४१	१० ४१ ०१	१२ ५८ २०	१५ १४ ३७	१७ ३४ ०५	१९ ५२ ४३	२१ ५६ ५३	२३ ३९ २१	१ १० ४८	२ ३५ ४४	४ १० ४९
६	६ ०२ १५	८ १६ ४५	१० ३७ ०५	१२ ५४ २४	१५ १० ४१	१७ ३० ०९	१९ ४८ ४७	२१ ५२ ५७	२३ ३५ २५	१ ०६ ५३	२ ३१ ४८	४ ०६ ५३
७	५ ५८ १९	८ १२ ४९	१० ३३ ०९	१२ ५० २८	१५ ०६ ४५	१७ २६ १३	१९ ४४ ५१	२१ ४९ ०१	२३ ३१ २९	१ ०२ ५७	२ २७ ५२	४ ०२ ५७
८	५ ५४ २३	८ ०८ ५४	१० २९ १३	१२ ४६ ३२	१५ ०२ ४९	१७ २२ १७	१९ ४० ५५	२१ ४५ ०५	२३ २७ ३३	० ५९ ०१	२ २३ ५६	३ ५९ ०१
९	५ ५० २७	८ ०४ ५८	१० २५ १८	१२ ४२ ३७	१४ ५८ ५४	१७ १८ २१	१९ ३६ ५९	२१ ४१ ०९	२३ २३ ३७	० ५५ ०५	२ २० ००	३ ५५ ०५
१०	५ ४६ ३१	८ ०१ ०२	१० २१ २२	१२ ३८ ४१	१४ ५४ ५८	१७ १४ २६	१९ ३३ ०३	२१ ३७ १३	२३ १९ ४१	० ५१ ०९	२ १६ ०४	३ ५१ ०९
११	५ ४२ ३५	७ ५७ ०६	१० १७ २६	१२ ३४ ४५	१४ ५१ ०२	१७ १० ३०	१९ २९ ०७	२१ ३३ १७	२३ १५ ४५	० ४७ १३	२ १२ ०८	३ ४७ १४
१२	५ ३८ ४०	७ ५३ १०	१० १३ ३०	१२ ३० ४९	१४ ४७ ०६	१७ ०६ ३४	१९ २५ ११	२१ २९ २१	२३ ११ ४९	० ४३ १७	२ ०८ १२	३ ४३ १८
१३	५ ३४ ४४	७ ४९ १४	१० ०९ ३४	१२ २६ ५३	१४ ४३ १०	१७ ०२ ३८	१९ २१ १५	२१ २५ २६	२३ ०७ ५४	० ३९ २१	२ ०४ १६	३ ३९ २२
१४	५ ३० ४८	७ ४५ १८	१० ०५ ३८	१२ २२ ५७	१४ ३९ १४	१६ ५८ ४२	१९ १७ २०	२१ २१ ३०	२३ ०३ ५८	० ३५ २५	२ ०० २१	३ ३५ २६
१५	५ २६ ५२	७ ४१ २२	१० ०१ ४२	१२ १९ ०१	१४ ३५ १८	१६ ५४ ४६	१९ १३ २४	२१ १७ ३४	२३ ०० ०२	० ३१ २९	१ ५६ २५	३ ३१ ३०
१६	५ २२ ५६	७ ३७ २६	९ ५७ ४६	१२ १५ ०५	१४ ३१ २२	१६ ५० ५०	१९ ०९ २८	२१ १३ ३८	२२ ५६ ०६	० २७ ३४	१ ५२ २९	३ २७ ३४
१७	५ १९ ००	७ ३३ ३१	९ ५३ ५०	१२ ११ ०९	१४ २७ २६	१६ ४६ ५४	१९ ०५ ३२	२१ ०९ ४२	२२ ५२ १०	० २३ ३८	१ ४८ ३३	३ २३ ३८
१८	५ १५ ०४	७ २९ ३५	९ ४९ ५४	१२ ०७ १३	१४ २३ ३०	१६ ४२ ५८	१९ ०१ ३६	२१ ०५ ४६	२२ ४८ १४	० १५ ४६	१ ४४ ३७	३ १९ ४२
१९	५ ११ ०८	७ २५ ३९	९ ४५ ५९	१२ ०३ १८	१४ १९ ३५	१६ ३९ ०३	१८ ५७ ४०	२१ ०१ ५०	२२ ४४ १८	० ११ ५०	१ ४० ४१	३ १५ ४६
२०	५ ०७ १२	७ २१ ४३	९ ४२ ०३	११ ५९ २२	१४ १५ ३९	१६ ३५ ०७	१८ ५३ ४४	२० ५७ ५४	२२ ४० २२	० ०७ ५४	१ ३६ ४५	३ ११ ५१
२१	५ ०३ १६	७ १७ ४७	९ ३८ ०७	११ ५५ २६	१४ ११ ४३	१६ ३१ ११	१८ ४९ ४८	२० ५३ ५८	२२ ३६ २६	० ०३ ५८	१ ३२ ४९	३ ०७ ५५
२२	४ ५९ २१	७ १३ ५१	९ ३४ ११	११ ५१ ३०	१४ ०७ ४७	१६ २७ १५	१८ ४५ ५२	२० ५० ०२	२२ ३२ ३१	० ०० ०२	१ २८ ५३	३ ०३ ५९
२३	४ ५५ २५	७ ०९ ५५	९ ३० १५	११ ४७ ३४	१४ ०३ ५१	१६ २३ १९	१८ ४१ ५६	२० ४६ ०७	२२ २८ ३५	२३ ५६ ०६	१ २४ ५७	३ ०० ०३
२४	४ ५१ २९	७ ०५ ५९	९ २६ १९	११ ४३ ३८	१३ ५९ ५५	१६ १९ २३	१८ ३८ ०१	२० ४२ ११	२२ २४ ३९	२३ ५२ १०	१ २१ ०२	२ ५६ ०७
२५	४ ४७ ३३	७ ०२ ०३	९ २२ २३	११ ३९ ४२	१३ ५५ ५९	१६ १५ २७	१८ ३४ ०५	२० ३८ १५	२२ २० ४३	२३ ४८ १५	१ १७ ०६	२ ५२ ११
२६	४ ४३ ३७	६ ५८ ०८	९ १८ २७	११ ३५ ४६	१३ ५२ ०३	१६ ११ ३१	१८ ३० ०९	२० ३४ १९	२२ १६ ४७	२३ ४४ १९	१ १३ १०	२ ४८ १५
२७	४ ३९ ४१	६ ५४ १२	९ १४ ३१	११ ३१ ५०	१३ ४८ ०७	१६ ०७ ३५	१८ २६ १३	२० ३० २३	२२ १२ ५१	२३ ४० २३	१ ०९ १४	२ ४४ १९
२८	४ ३५ ४५	६ ५० १६	९ १० ३६	११ २७ ५५	१३ ४४ १२	१६ ०३ ३९	१८ २२ १७	२० २६ २७	२२ ०८ ५५	२३ ३६ २७	१ ०५ १८	२ ४० २३
२९	४ ३१ ४९	६ ४६ २०	९ ०६ ४०	११ २३ ५९	१३ ४० १६	१५ ५९ ४४	१८ १८ २१	२० २२ ३१	२२ ०४ ५९	२३ ३२ ३१	१ ०१ २२	२ ३६ २७
३०	४ २७ ५३	६ ४२ २४	९ ०२ ४४	११ २० ०३	१३ ३६ २०	१५ ५५ ४८	१८ १४ २५	२० १८ ३५	२२ ०१ ०३	२३ २८ ३५	० ५७ २६	२ ३२ ३२

जुलाई दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष
१	६ ३८ २८	८ ५८ ४८	११ १६ ०७	१३ ३२ २४	१५ ५१ ५२	१८ १० २१	२० १४ ३९	२१ ५७ ०७	२३ २४ ३९	० ५३ ३०	२ २८ ३६	४ २३ ५७
२	६ ३४ ३२	८ ५४ ५२	११ १२ ११	१३ २८ २८	१५ ४७ ५६	१८ ०६ ३३	२० १० ४३	२१ ५३ ११	२३ २० ४३	० ४९ ३४	२ २४ ४०	४ [illegible] ०२
३	६ ३० ३६	८ ५० ५६	११ ०८ १५	१३ २४ ३२	१५ ४४ ००	१८ ०२ ३८	२० ०६ ४८	२१ ४९ १६	२३ १६ ४७	० ४५ ३८	२ २० ४४	४ १६ ०६
४	६ २६ ४०	८ ४७ ००	११ ०४ १९	१३ २० ३६	१५ ४० ०४	१७ ५८ ४२	२० ०२ ५२	२१ ४५ २०	२३ १२ ५१	० ४१ ४३	२ १६ ४८	४ १२ १०
५	६ २२ ४४	८ ४३ ०४	११ ०० २३	१३ १६ ४०	१५ ३६ ०८	१७ ५४ ४६	१९ ५८ ५६	२१ ४१ २४	२३ ०८ ५६	० ३७ ४७	२ १२ ५२	४ ०८ १४
६	६ १८ ४९	८ ३९ ०८	१० ५६ २७	१३ १२ ४४	१५ ३२ १२	१७ ५० ५०	१९ ५५ ००	२१ ३७ २८	२३ ०५ ००	० ३३ ५१	२ ०८ ५६	४ ०४ १८
७	६ १४ ५३	८ ३५ १२	१० ५२ ३१	१३ ०८ ४८	१५ २८ १६	१७ ४६ ५४	१९ ५१ ०४	२१ ३३ ३२	२३ ०१ ०४	० २९ ५५	२ ०५ ००	४ ०० २२
८	६ १० ५७	८ ३१ १७	१० ४८ ३६	१३ ०४ ५३	१५ २४ २१	१७ ४२ ५८	१९ ४७ ०८	२१ २९ ३६	२२ ५७ ०८	० २५ ५९	२ ०१ ०४	३ ५६ २६
९	६ ०७ ०१	८ २७ २१	१० ४४ ४०	१३ ०० ५७	१५ २० २५	१७ ३९ ०२	१९ ४३ १२	२१ २५ ४०	२२ ५३ १२	० २२ ०३	१ ५७ ०८	३ ५२ ३०
१०	६ ०३ ०५	८ २३ २५	१० ४० ४४	१२ ५७ ०१	१५ १६ २९	१७ ३५ ०६	१९ ३९ १६	२१ २१ ४४	२२ ४९ १६	० १४ ११	१ ५३ १३	३ ४८ ३४
११	५ ५९ ०९	८ १९ २९	१० ३६ ४८	१२ ५३ ०५	१५ १२ ३३	१७ ३१ १०	१९ ३५ २०	२१ १७ ४८	२२ ४५ २०	० १० १५	१ ४९ १७	३ ४४ ३९
१२	५ ५५ १३	८ १५ ३३	१० ३२ ५२	१२ ४९ ०९	१५ ०८ ३७	१७ २७ १४	१९ ३१ २४	२१ १३ ५२	२२ ४१ २४	० ०६ १९	१ ४५ २१	३ ४० ४३
१३	५ ५१ १७	८ ११ ३७	१० २८ ५६	१२ ४५ १३	१५ ०४ ४१	१७ २३ १९	१९ २७ २९	२१ ०९ ५७	२२ ३७ २८	० ०२ २४	१ ४१ २५	३ ३६ ४७
१४	५ ४७ २१	८ ०७ ४१	१० २५ ००	१२ ४१ १७	१५ ०० ४५	१७ १९ २३	१९ २३ ३३	२१ ०६ ०१	२२ ३३ ३२	२३ ५८ २८	१ ३७ २९	३ ३२ ५१
१५	५ ४३ २६	८ ०३ ४५	१० २१ ०४	१२ ३७ २१	१४ ५६ ४९	१७ १५ २७	१९ १९ ३७	२१ ०२ ०५	२२ २९ ३६	२३ ५४ ३२	१ ३३ ३३	३ २८ ५५
१६	५ ३९ ३०	७ ५९ ४९	१० १७ ०८	१२ ३३ २५	१४ ५२ ५३	१७ ११ ३१	१९ १५ ४१	२० ५८ ०९	२२ २५ ४१	२३ ५० ३६	१ २९ ३७	३ २४ ५९
१७	५ ३५ ३४	७ ५५ ५४	१० १३ १२	१२ २९ २९	१४ ४८ ५७	१७ ०७ ३५	१९ ११ ४५	२० ५४ १३	२२ २१ ४५	२३ ४६ ४०	१ २५ ४१	३ २१ ०३
१८	५ ३१ ३८	७ ५१ ५८	१० ०९ १७	१२ २५ ३४	१४ ४५ ०२	१७ ०३ ३९	१९ ०७ ४९	२० ५० १७	२२ १७ ४९	२३ ४२ ४४	१ २१ ४५	३ १७ ०७
१९	५ २७ ४२	७ ४८ ०२	१० ०५ २१	१२ २१ ३८	१४ ४१ ०६	१६ ५९ ४३	१९ ०३ ५३	२० ४६ २१	२२ १३ ५३	२३ ३८ ४८	१ १७ ४९	३ १३ ११
२०	५ २३ ४६	७ ४४ ०६	१० ०१ २५	१२ १७ ४२	१४ ३७ १०	१६ ५५ ४७	१८ ५९ ५७	२० ४२ २५	२२ ०९ ५७	२३ ३४ ५२	१ १३ ५४	३ ०९ १५
२१	५ १९ ५०	७ ४० १०	९ ५७ २९	१२ १३ ४६	१४ ३३ १४	१६ ५१ ५१	१८ ५६ ०१	२० ३८ २९	२२ ०६ ०१	२३ ३० ५६	१ ०९ ५८	३ ०५ २०
२२	५ १५ ५४	७ ३६ १४	९ ५३ ३३	१२ ०९ ५०	१४ २९ १८	१६ ४७ ५५	१८ ५२ ०६	२० ३४ ३४	२२ ०२ ०५	२३ २७ ००	१ ०६ ०२	३ ०१ २४
२३	५ ११ ५८	७ ३२ १८	९ ४९ ३७	१२ ०५ ५४	१४ २५ २२	१६ ४४ ००	१८ ४८ १०	२० ३० ३८	२१ ५८ ०९	२३ २३ ०५	१ ०२ ०६	२ ५७ २८
२४	५ ०८ ०२	७ २८ २२	९ ४५ ४२	१२ ०१ ५८	१४ २१ २६	१६ ४० ०४	१८ ४४ १४	२० २६ ४२	२१ ५४ १३	२३ १९ ०९	० ५८ १०	२ ५३ ३२
२५	५ ०४ ०७	७ २४ २६	९ ४२ ४५	११ ५८ ०२	१४ १७ ३०	१६ ३६ ०८	१८ ४० १८	२० २२ ४६	२१ ५० १७	२३ १५ १३	० ५४ १४	२ ४९ ३६
२६	५ ०० ११	७ २० ३०	९ ३७ ४९	११ ५४ ०६	१४ १३ ३४	१६ ३२ १२	१८ ३६ २२	२० १८ ५०	२१ ४६ २२	२३ ११ १७	० ५० १८	२ ४५ ४०
२७	४ ५६ १५	७ १६ ३५	९ ३३ ५४	११ ५० ११	१४ ०९ ३९	१६ २८ १६	१८ ३२ २६	२० १४ ५४	२१ ४२ २६	२३ ०७ २१	० ४६ २२	२ ४१ ४४
२८	४ ५२ १९	७ १२ ३९	९ २९ ५८	११ ४६ १५	१४ ०५ ४३	१६ २४ २०	१८ २८ ३०	२० १० ५८	२१ ३८ ३०	२३ ०३ २५	० ४२ २६	२ ३७ ४८
२९	४ ४८ २३	७ ०८ ४३	९ २६ ०२	११ ४२ १९	१४ ०१ ४७	१६ २० २४	१८ २४ ३४	२० ०७ ०२	२१ ३४ ३४	२२ ५९ २९	० ३८ ३०	२ ३३ ५२
३०	४ ४४ २७	७ ०४ ४७	९ २२ ०६	११ ३८ २३	१३ ५७ ५१	१६ १६ २८	१८ २० ३८	२० ०३ ०६	२१ ३० ३८	२२ ५५ ३३	० ३४ ३५	२ २९ ५७

अगस्त दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन
१	६ ५६ ५५	९ १४ १४	११ ३० ३१	१३ ४९ ५९	१६ ०८ ३७	१८ १२ ४६	१९ ५५ १४	२१ २२ ४६	२२ ४७ ४१	० २६ ४३	२ २२ ०५	४ ३६ ३५
२	६ ५२ ५९	९ १० १८	११ २६ ३५	१३ ४६ ०३	१६ ०४ ४१	१८ ०८ ५१	१९ ५१ १९	२१ १८ ५०	२२ ४३ ४६	० २२ ४७	२ १८ ०९	४ ३२ ३९
३	६ ४९ ०३	९ ०६ २२	११ २२ ३९	१३ ४२ ०७	१६ ०० ४५	१८ ०४ ५५	१९ ४७ २३	२१ १४ ५४	२२ ३९ ५०	० १४ ५५	२ १४ १३	४ २८ ४३
४	६ ४५ ०७	९ ०२ २६	११ १८ ४३	१३ ३८ ११	१५ ५६ ४९	१८ ०० ५९	१९ ४३ २७	२१ १० ५८	२२ ३५ ५४	० १० ५९	२ १० १७	४ २४ ४८
५	६ ४१ १२	८ ५८ ३०	११ १४ ४७	१३ ३४ १५	१५ ५२ ५३	१७ ५७ ०३	१९ ३९ ३१	२१ ०७ ०३	२२ ३१ ५८	० ०७ ०३	२ ०६ २१	४ २० ५२
६	६ ३७ १६	८ ५४ ३५	११ १० ५२	१३ ३० २०	१५ ४८ ५७	१७ ५३ ०७	१९ ३५ ३५	२१ ०३ ०७	२२ २८ ०२	० ०३ ०७	२ ०२ २५	४ १६ ५६
७	६ ३३ २०	८ ५० ३९	११ ०६ ५६	१३ २६ २४	१५ ४५ ०१	१७ ४९ ११	१९ ३१ ३९	२० ५९ ११	२२ २४ ०६	२३ ५९ ११	१ ५८ २९	४ १३ ००
८	६ २९ २४	८ ४६ ४३	११ ०३ ००	१३ २२ २८	१५ ४१ ०५	१७ ४५ १५	१९ २७ ४३	२० ५५ १५	२२ २० १०	२३ ५५ १६	१ ५४ ३३	४ ०९ ०४
९	६ २५ २८	८ ४२ ४७	१० ५९ ०४	१३ १८ ३२	१५ ३७ ०९	१७ ४१ १९	१९ २३ ४७	२० ५१ १९	२२ १६ १४	२३ ५१ २०	१ ५० ३७	४ ०५ ०८
१०	६ २१ ३२	८ ३८ ५१	१० ५५ ०८	१३ १४ ३६	१५ ३३ १३	१७ ३७ २३	१९ १९ ५१	२० ४७ २३	२२ १२ १८	२३ ४७ २४	१ ४६ ४२	४ ०१ १२
११	६ १७ ३६	८ ३४ ५५	१० ५१ १२	१३ १० ४०	१५ २९ १७	१७ ३३ २७	१९ १५ ५५	२० ४३ २७	२२ ०८ २२	२३ ४३ २८	१ ४२ ४६	३ ५७ १६
१२	६ १३ ४०	८ ३० ५९	१० ४७ १६	१३ ०६ ४४	१५ २५ २२	१७ २९ ३२	१९ १२ ००	२० ३९ ३१	२२ ०४ २६	२३ ३९ ३२	१ ३८ ५०	३ ५३ २०
१३	६ ०९ ४४	८ २७ ०३	१० ४३ २०	१३ ०२ ४८	१५ २१ २६	१७ २५ ३६	१९ ०८ ०४	२० ३५ ३५	२२ ०० ३१	२३ ३५ ३६	१ ३४ ५४	३ ४९ २४
१४	६ ०५ ४८	८ २३ ०७	१० ३९ २४	१२ ५८ ५२	१५ १७ ३०	१७ २१ ४०	१९ ०४ ०८	२० ३१ ३९	२१ ५६ ३५	२३ ३१ ४०	१ ३० ५८	३ ४५ २९
१५	६ ०१ ५३	८ १९ ११	१० ३५ २८	१२ ५४ ५६	१५ १३ ३४	१७ १७ ४४	१९ ०० १२	२० २७ ४४	२१ ५२ ३९	२३ २७ ४४	१ २७ ०२	३ ४१ ३३
१६	५ ५७ ५७	८ १५ १६	१० ३१ ३३	१२ ५१ ०१	१५ ०९ ३८	१७ १३ ४८	१८ ५६ १६	२० २३ ४८	२१ ४८ ४३	२३ २३ ४८	१ २३ ०६	३ ३७ ३७
१७	५ ५४ ०१	८ ११ २०	१० २७ ३७	१२ ४७ ०५	१५ ०५ ४२	१७ ०९ ५२	१८ ५२ २०	२० १९ ५२	२१ ४४ ४७	२३ १९ ५२	१ १९ १०	३ ३३ ४१
१८	५ ५० ०५	८ ०७ २४	१० २३ ४१	१२ ४३ ०९	१५ ०१ ४६	१७ ०५ ५६	१८ ४८ २४	२० १५ ५६	२१ ४० ५१	२३ १५ ५७	१ १५ १४	३ २९ ४५
१९	५ ४६ ०९	८ ०३ २८	१० १९ ४५	१२ ३९ १३	१४ ५७ ५०	१७ ०२ ००	१८ ४४ २८	२० १२ ००	२१ ३६ ५५	२३ १२ ०१	१ ११ १९	३ २५ ४९
२०	५ ४२ १३	७ ५९ ३२	१० १५ ४९	१२ ३५ १७	१४ ५३ ५४	१६ ५८ ०४	१८ ४० ३२	२० ०८ ०४	२१ ३२ ५९	२३ ०८ ०५	१ ०७ २३	३ २१ ५३
२१	५ ३८ १७	७ ५५ ३६	१० ११ ५३	१२ ३१ २१	१४ ४९ ५९	१६ ५४ ०८	१८ ३६ ३६	२० ०४ ०८	२१ २९ ०३	२३ ०४ ०९	१ ०३ २७	३ १७ ५७
२२	५ ३४ २१	७ ५१ ४०	१० ०७ ५७	१२ २७ २५	१४ ४६ ०३	१६ ५० १३	१८ ३२ ४१	२० ०० १२	२१ २५ ०७	२३ ०० १३	० ५९ ३१	३ १४ ०१
२३	५ ३० २५	७ ४७ ४४	१० ०४ ०१	१२ २३ २९	१४ ४२ ०७	१६ ४६ १७	१८ २८ ४५	१९ ५६ १६	२१ २१ १२	२२ ५६ १७	० ५५ ३५	३ १० ०६
२४	५ २६ २९	७ ४३ ४८	१० ०० ०५	१२ १९ ३३	१४ ३८ ११	१६ ४२ २१	१८ २४ ४९	१९ ५२ २०	२१ १७ १६	२२ ५२ २१	० ५१ ३९	३ ०६ १०
२५	५ २२ ३४	७ ३९ ५२	९ ५६ ०९	१२ १५ ३७	१४ ३४ १५	१६ ३८ २५	१८ २० ५३	१९ ४८ २४	२१ १३ २०	२२ ४८ २५	० ४७ ४३	३ ०२ १४
२६	५ १८ ३८	७ ३५ ५७	९ ५२ १४	१२ ११ ४२	१४ ३० १९	१६ ३४ २९	१८ १६ ५७	१९ ४४ २९	२१ ०९ २४	२२ ४४ २९	० ४३ ४७	२ ५८ १८
२७	५ १४ ४२	७ ३२ ०१	९ ४८ १८	१२ ०७ ४६	१४ २६ २३	१६ ३० ३३	१८ १३ ०१	१९ ४० ३३	२१ ०५ २८	२२ ४० ३३	० ३९ ५१	२ ५४ २२
२८	५ १० ४६	७ २८ ०५	९ ४४ २२	१२ ०३ ५०	१४ २२ २७	१६ २६ ३७	१८ ०९ ०५	१९ ३६ ३७	२१ ०१ ३२	२२ ३६ ३७	० ३५ ५५	२ ५० २६
२९	५ ०६ ५०	७ २४ ०९	९ ४० २६	११ ५९ ५४	१४ १८ ३१	१६ २२ ४१	१८ ०५ ०९	१९ ३२ ४१	२० ५७ ३६	२२ ३२ ४२	० ३२ ००	२ ४६ ३०
३०	५ ०२ ५४	७ २० १३	९ ३६ ३०	११ ५५ ५८	१४ १४ ३५	१६ १८ ४५	१८ ०१ १३	१९ २८ ४५	२० ५३ ४०	२२ २८ ४५	० २८ ०४	२ ४२ ३४

आर्यभट्ट पञ्चाङ्गम्

सितम्बर दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

सितम्बर दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क
१	७ १२ २१	९ २८ ३८	११ ४८ ०६	१४ ०६ ४४	१६ १० ५४	१७ ५३ २२	१९ २० ५३	२० ४५ ४८	२२ २० ५४	० १६ १६	२ ३४ ४२	४ ५५ ०२
२	७ ०८ २५	९ २४ ४२	११ ४४ १०	१४ ०२ ४८	१६ ०६ ५८	१७ ४९ २६	१९ १६ ५७	२० ४१ ५३	२२ १६ ५८	० १२ २०	२ ३० ४७	४ ५१ ०६
३	७ ०४ २९	९ २० ४६	११ ४० १४	१३ ५८ ५२	१६ ०३ ०२	१७ ४५ ३०	१९ १३ ०१	२० ३७ ५७	२२ १३ ०२	० ०८ २४	२ २६ ५१	४ ४७ १०
४	७ ०० ३३	९ १६ ५०	११ ३६ १८	१३ ५४ ५६	१५ ५९ ०६	१७ ४१ ३४	१९ ०९ ०५	२० ३४ ०१	२२ ०९ ०६	० ०४ २८	२ २२ ५५	४ ४३ १४
५	६ ५६ ३८	९ १२ ५५	११ ३२ २३	१३ ५१ ००	१५ ५५ १०	१७ ३७ ३८	१९ ०५ १०	२० ३० ०५	२२ ०५ १०	० ०० ३२	२ १८ ५९	४ ३९ १९
६	६ ५२ ४२	९ ०८ ५९	११ २८ २७	१३ ४७ ०४	१५ ५१ १४	१७ ३३ ४२	१९ ०१ १४	२० २६ ०९	२२ ०१ १४	२३ ५६ ३६	२ १५ ०३	४ ३५ २३
७	६ ४८ ४६	९ ०५ ०३	११ २४ ३१	१३ ४३ ०८	१५ ४७ १८	१७ २९ ४६	१८ ५७ १८	२० २२ १३	२१ ५७ १८	२३ ५२ ४०	२ ११ ०७	४ ३१ २७
८	६ ४४ ५०	९ ०१ ०७	११ २० ३५	१३ ३९ १२	१५ ४३ २२	१७ २५ ५०	१८ ५३ २२	२० १८ १७	२१ ५३ २३	२३ ४८ ४५	२ ०७ ११	४ २७ ३१
९	६ ४० ५४	८ ५७ ११	११ १६ ३९	१३ ३५ १६	१५ ३९ २६	१७ २१ ५४	१८ ४९ २६	२० १४ २१	२१ ४९ २७	२३ ४४ ४९	२ ०३ १५	४ २३ ३५
१०	६ ३६ ५८	८ ५३ १५	११ १२ ४३	१३ ३१ २१	१५ ३५ ३०	१७ १७ ५८	१८ ४५ ३०	२० १० २५	२१ ४५ ३१	२३ ४० ५३	१ ५९ १९	४ १९ ३९
११	६ ३३ ०२	८ ४९ १९	११ ०८ ४७	१३ २७ २५	१५ ३१ ३५	१७ १४ ०२	१८ ४१ ३४	२० ०६ २९	२१ ४१ ३५	२३ ३६ ५७	१ ५५ २३	४ १५ ४३
१२	६ २९ ०६	८ ४५ २३	११ ०४ ५१	१३ २३ २९	१५ २७ ३९	१७ १० ०७	१८ ३७ ३८	२० ०२ ३३	२१ ३७ ३९	२३ ३३ ०१	१ ५१ २८	४ ११ ४७
१३	६ २५ १०	८ ४१ २७	११ ०० ५५	१३ १९ ३३	१५ २३ ४३	१७ ०६ ११	१८ ३३ ४२	१९ ५८ ३८	२१ ३३ ४३	२३ २९ ०५	१ ४७ ३२	४ ०७ ५१
१४	६ २१ १४	८ ३७ ३१	१० ५६ ५९	१३ १५ ३७	१५ १९ ४७	१७ ०२ १५	१८ २९ ४६	१९ ५४ ४२	२१ २९ ४७	२३ २५ ०९	१ ४३ ३६	४ ०३ ५६
१५	६ १७ १९	८ ३३ ३६	१० ५३ ०४	१३ ११ ४१	१५ १५ ५१	१६ ५८ १९	१८ २५ ५१	१९ ५० ४६	२१ २५ ५१	२३ २१ १३	१ ३९ ४०	३ ६० ००
१६	६ १३ २३	८ २९ ४०	१० ४९ ०८	१३ ०७ ४५	१५ ११ ५५	१६ ५४ २३	१८ २१ ५५	१९ ४६ ५०	२१ २१ ५५	२३ १७ १७	१ ३५ ४४	३ ५६ ०४
१७	६ ०९ २७	८ २५ ४४	१० ४५ १२	१३ ०३ ४९	१५ ०७ ५९	१६ ५० २७	१८ १७ ५९	१९ ४२ ५४	२१ १७ ५९	२३ १३ २१	१ ३१ ४८	३ ५२ ०८
१८	६ ०५ ३१	८ २१ ४८	१० ४१ १६	१२ ५९ ५३	१५ ०४ ०३	१६ ४६ ३१	१८ १४ ०३	१९ ३८ ५८	२१ १४ ०४	२३ ०९ २६	१ २७ ५२	३ ४८ १२
१९	६ ०१ ३५	८ १७ ५२	१० ३७ २०	१२ ५५ ५७	१५ ०० ०७	१६ ४२ ३५	१८ १० ०७	१९ ३५ ०२	२१ १० ०८	२३ ०५ ३०	१ २३ ५६	३ ४४ १६
२०	५ ५७ ३९	८ १३ ५६	१० ३३ २४	१२ ५२ ०१	१४ ५६ ११	१६ ३८ ३९	१८ ०६ ११	१९ ३१ ०६	२१ ०६ १२	२३ ०१ ३४	१ २० ००	३ ४० २०
२१	५ ५३ ४३	८ १० ००	१० २९ २८	१२ ४८ ०६	१४ ५२ १६	१६ ३४ ४३	१८ ०२ १५	१९ २७ १०	२१ ०२ १६	२२ ५७ ३८	१ १६ ०४	३ ३६ २४
२२	५ ४९ ४७	८ ०६ ०४	१० २५ ३२	१२ ४४ १०	१४ ४८ २०	१६ ३० ४८	१७ ५८ १९	१९ २३ १४	२० ५८ २०	२२ ५३ ४२	१ १२ ०८	३ ३२ २८
२३	५ ४५ ५१	८ ०२ ०८	१० २१ ३६	१२ ४० १४	१४ ४४ २४	१६ २६ ५२	१७ ५४ २३	१९ १९ १९	२० ५४ २४	२२ ४९ ४६	१ ०८ १३	३ २८ ३२
२४	५ ४१ ५५	७ ५८ १२	१० १७ ४०	१२ ३६ १८	१४ ४० २८	१६ २२ ५६	१७ ५० २७	१९ १५ २३	२० ५० २८	२२ ४५ ५०	१ ०४ १७	३ २४ ३७
२५	५ ३८ ००	७ ५४ १७	१० १३ ४५	१२ ३२ २२	१४ ३६ ३२	१६ १९ ००	१७ ४६ ३१	१९ ११ २७	२० ४६ ३२	२२ ४१ ५४	१ ०० २१	३ २० ४१
२६	५ ३४ ०४	७ ५० २१	१० ०९ ४९	१२ २८ २६	१४ ३२ ३६	१६ १५ ०४	१७ ४२ ३६	१९ ०७ ३१	२० ४२ ३६	२२ ३७ ५८	० ५६ २५	३ १६ ४५
२७	५ ३० ०८	७ ४६ २५	१० ०५ ५३	१२ २४ ३०	१४ २८ ४०	१६ ११ ०८	१७ ३८ ४०	१९ ०३ ३५	२० ३८ ४०	२२ ३४ ०२	० ५२ २९	३ १२ ४९
२८	५ २६ १२	७ ४२ २९	१० ०१ ५७	१२ २० ३४	१४ २४ ४४	१६ ०७ १२	१७ ३४ ४४	१८ ५९ ३९	२० ३४ ४५	२२ ३० ०७	० ४८ ३३	३ ०८ ५३
२९	५ २२ १६	७ ३८ ३३	९ ५८ ०१	१२ १६ ३८	१४ २० ४८	१६ ०३ १६	१७ ३० ४८	१८ ५५ ४३	२० ३० ४९	२२ २६ ११	० ४४ ३७	३ ०४ ५७
३०	५ १८ २०	७ ३४ ३७	९ ५४ ०५	१२ १२ ४३	१४ १६ ५२	१५ ५९ २०	१७ २६ ५२	१८ ५१ ४७	२० २६ ५३	२२ २२ १५	० ४० ४१	३ ०१ ०१

अक्टूबर दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह
१	७ ३० ४१	९ ५० ०९	१२ ०८ ४७	१४ १२ ५७	१५ ५५ २४	१७ २२ ५६	१८ ४७ ५१	२० २२ ५७	२२ १८ १९	० ३६ ४५	२ ५७ ०५	५ १४ २४
२	७ २६ ४५	९ ४६ १३	१२ ०४ ५१	१४ ०९ ०१	१५ ५१ २८	१७ १९ ००	१८ ४३ ५५	२० १९ ०१	२२ १४ २३	० ३२ ४९	२ ५३ ०९	५ १० २८
३	७ २२ ४९	९ ४२ १७	१२ ०० ५५	१४ ०५ ०५	१५ ४७ ३३	१७ १५ ०४	१८ ३९ ५९	२० १५ ०५	२२ १० २७	० २८ ५४	२ ४९ १३	५ ०६ ३२
४	७ १८ ५३	९ ३८ २१	११ ५६ ५९	१४ ०१ ०९	१५ ४३ ३७	१७ ११ ०८	१८ ३६ ०४	२० ११ ०९	२२ ०६ ३१	० २४ ५८	२ ४५ १७	५ ०२ ३६
५	७ १४ ५८	९ ३४ २६	११ ५३ ०३	१३ ५७ १३	१५ ३९ ४१	१७ ०७ १२	१८ ३२ ०८	२० ०७ १३	२२ ०२ ३५	० १७ ०६	२ ४१ २२	४ ५८ ४१
६	७ ११ ०२	९ ३० ३०	११ ४९ ०७	१३ ५३ १७	१५ ३५ ४५	१७ ०३ १७	१८ २८ १२	२० ०३ १७	२१ ५८ ३९	० १३ १०	२ ३७ २६	४ ५४ ४५
७	७ ०७ ०६	९ २६ ३४	११ ४५ ११	१३ ४९ २१	१५ ३१ ४९	१६ ५९ २१	१८ २४ १६	१९ ५९ २१	२१ ५४ ४३	० ०९ १४	२ ३३ ३०	४ ५० ४९
८	७ ०३ १०	९ २२ ३८	११ ४१ १५	१३ ४५ २५	१५ २७ ५३	१६ ५५ २५	१८ २० २०	१९ ५५ २५	२१ ५० ४८	० ०५ १८	२ २९ ३४	४ ४६ ५३
९	६ ५९ १४	९ १८ ४२	११ ३७ १९	१३ ४१ २९	१५ २३ ५७	१६ ५१ २९	१८ १६ २४	१९ ५१ ३०	२१ ४६ ५२	० ०१ २२	२ २५ ३८	४ ४२ ५७
१०	६ ५५ १८	९ १४ ४६	११ ३३ २४	१३ ३७ ३३	१५ २० ०१	१६ ४७ ३३	१८ १२ २८	१९ ४७ ३४	२१ ४२ ५६	२३ ५७ २६	२ २१ ४२	४ ३९ ०१
११	६ ५१ २२	९ १० ५०	११ २९ २८	१३ ३३ ३७	१५ १६ ०५	१६ ४३ ३७	१८ ०८ ३२	१९ ४३ ३८	२१ ३९ ००	२३ ५३ ३०	२ १७ ४६	४ ३५ ०५
१२	६ ४७ २६	९ ०६ ५४	११ २५ ३२	१३ २९ ४२	१५ १२ ०९	१६ ३९ ४१	१८ ०४ ३६	१९ ३९ ४२	२१ ३५ ०४	२३ ४९ ३४	२ १३ ५०	४ ३१ ०९
१३	६ ४३ ३०	९ ०२ ५८	११ २१ ३६	१३ २५ ४६	१५ ०८ १४	१६ ३५ ४५	१८ ०० ४०	१९ ३५ ४६	२१ ३१ ०८	२३ ४५ ३९	२ ०९ ५४	४ २७ १३
१४	६ ३९ ३४	८ ५९ ०२	११ १७ ४०	१३ २१ ५०	१५ ०४ १८	१६ ३१ ४९	१७ ५६ ४५	१९ ३१ ५०	२१ २७ १२	२३ ४१ ४३	२ ०५ ५९	४ २३ १७
१५	६ ३५ ३९	८ ५५ ०७	११ १३ ४४	१३ १७ ५४	१५ ०० २२	१६ २७ ५३	१७ ५२ ४९	१९ २७ ५४	२१ २३ १६	२३ ३७ ४७	२ ०२ ०३	४ १९ २२
१६	६ ३१ ४३	८ ५१ ११	११ ०९ ४८	१३ १३ ५८	१४ ५६ २६	१६ २३ ५७	१७ ४८ ५३	१९ २३ ५८	२१ १९ २०	२३ ३३ ५१	१ ५८ ०७	४ १५ २६
१७	६ २७ ४७	८ ४७ १५	११ ०५ ५२	१३ १० ०२	१४ ५२ ३०	१६ २० ०२	१७ ४४ ५७	१९ २० ०२	२१ १५ २४	२३ २९ ५५	१ ५४ ११	४ ११ ३०
१८	६ २३ ५१	८ ४३ १९	११ ०१ ५६	१३ ०६ ०६	१४ ४८ ३४	१६ १६ ०६	१७ ४१ ०१	१९ १६ ०६	२१ ११ २९	२३ २५ ५९	१ ५० १५	४ ०७ ३४
१९	६ १९ ५५	८ ३९ २३	१० ५८ ००	१३ ०२ १०	१४ ४४ ३८	१६ १२ १०	१७ ३७ ०५	१९ १२ ११	२१ ०७ ३३	२३ २२ ०३	१ ४६ १९	४ ०३ ३८
२०	६ १५ ५९	८ ३५ २७	१० ५४ ०४	१२ ५८ १४	१४ ४० ४२	१६ ०८ १४	१७ ३३ ०९	१९ ०८ १५	२१ ०३ ३७	२३ १८ ०७	१ ४२ २३	३ ५९ ४२
२१	६ १२ ०३	८ ३१ ३१	१० ५० ०९	१२ ५४ १८	१४ ३६ ४६	१६ ०४ १८	१७ २९ १३	१९ ०४ १९	२० ५९ ४१	२३ १४ ११	१ ३८ २७	३ ५५ ४६
२२	६ ०८ ०७	८ २७ ३५	१० ४६ १३	१२ ५० २३	१४ ३२ ५०	१६ ०० २२	१७ २५ १७	१९ ०० २३	२० ५५ ४५	२३ १० १६	१ ३४ ३१	३ ५१ ५०
२३	६ ०४ ११	८ २३ ३९	१० ४२ १७	१२ ४६ २७	१४ २८ ५५	१५ ५६ २६	१७ २१ २१	१८ ५६ २७	२० ५१ ४९	२३ ०६ २०	१ ३० ३५	३ ४७ ५४
२४	६ ०० १५	८ १९ ४३	१० ३८ २१	१२ ४२ ३१	१४ २४ ५९	१५ ५२ ३०	१७ १७ २६	१८ ५२ ३१	२० ४७ ५३	२३ ०२ २४	१ २६ ४०	३ ४३ ५८
२५	५ ५६ २०	८ १५ ४८	१० ३४ २५	१२ ३८ ३५	१४ २१ ०३	१५ ४८ ३४	१७ १३ ३०	१८ ४८ ३५	२० ४३ ५७	२२ ५८ २८	१ २२ ४४	३ ४० ०३
२६	५ ५२ २४	८ ११ ५२	१० ३० २९	१२ ३४ ३९	१४ १७ ०७	१५ ४४ ३८	१७ ०९ ३४	१८ ४४ ३९	२० ४० ०१	२२ ५४ ३२	१ १८ ४८	३ ३६ ०७
२७	५ ४८ २८	८ ०७ ५६	१० २६ ३३	१२ ३० ४३	१४ १३ ११	१५ ४० ४३	१७ ०५ ३८	१८ ४० ४३	२० ३६ ०५	२२ ५० ३६	१ १४ ५२	३ ३२ ११
२८	५ ४४ ३२	८ ०४ ००	१० २२ ३७	१२ २६ ४७	१४ ०९ १५	१५ ३६ ४७	१७ ०१ ४२	१८ ३६ ४७	२० ३२ १०	२२ ४६ ४०	१ १० ५६	३ २८ १५
२९	५ ४० ३६	८ ०० ०४	१० १८ ४१	१२ २२ ५१	१४ ०५ १९	१५ ३२ ५१	१६ ५७ ४६	१८ ३२ ५२	२० २८ १४	२२ ४२ ४४	१ ०७ ००	३ २४ १९
३०	५ ३६ ४०	७ ५६ ०८	१० १४ ४५	१२ १८ ५५	१४ ०१ २३	१५ २८ ५५	१६ ५३ ५०	१८ २८ ५६	२० २४ १८	२२ ३८ ४८	१ ०३ ०४	३ २० २३
३१	५ ३२ ४४	७ ५२ १२	१० १० ५०	१२ १४ ५९	१३ ५७ २७	१५ २४ ५९	१६ ४९ ५४	१८ २५ ००	२० २० २२	२२ ३४ ५२	० ५९ ०८	३ १६ २७

नवम्बर दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	तुला	वृश्चिक	धन	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
१	७ ४८ १६	१० ०६ ५४	१२ ११ ०४	१३ ५३ ३१	१५ २१ ०३	१६ ४५ ५८	१८ २१ ०४	२० १६ २६	२२ ३० ५७	० ५५ १२	३ १२ ३१	५ २८ ४८
२	७ ४४ २०	१० ०२ ५८	१२ ०७ ०८	१३ ४९ ३५	१५ १७ ०७	१६ ४२ ०२	१८ १७ ०८	२० १२ ३०	२२ २७ ०१	० ५१ १६	३ ०८ ३५	५ २४ ५२
३	७ ४० २४	९ ५९ ०२	१२ ०३ १२	१३ ४५ ४०	१५ १३ ११	१६ ३८ ०६	१८ १३ १२	२० ०८ ३४	२२ २३ ०५	० ४७ २१	३ ०४ ३९	५ २० ५६
४	७ ३६ २९	९ ५५ ०६	११ ५९ १६	१३ ४१ ४४	१५ ०९ १५	१६ ३४ ११	१८ ०९ १६	२० ०४ ३८	२२ १९ ०९	० ४३ २५	३ ०० ४४	५ १७ ०१
५	७ ३२ ३३	९ ५१ १०	११ ५५ २०	१३ ३७ ४८	१५ ०५ १९	१६ ३० १५	१८ ०५ २०	२० ०० ४२	२२ १५ १३	० ३९ २९	२ ५६ ४८	५ १३ ०५
६	७ २८ ३७	९ ४७ १४	११ ५१ २४	१३ ३३ ५२	१५ ०१ २४	१६ २६ १९	१८ ०१ २४	१९ ५६ ४६	२२ ११ १७	० ३५ ३३	२ ५२ ५२	५ ०९ ०९
७	७ २४ ४१	९ ४३ १८	११ ४७ २८	१३ २९ ५६	१४ ५७ २८	१६ २२ २३	१७ ५७ २८	१९ ५२ ५१	२२ ०७ २१	० ३१ ३७	२ ४८ ५६	५ ०५ १३
८	७ २० ४५	९ ३९ २२	११ ४३ ३२	१३ २६ ००	१४ ५३ ३२	१६ १८ २७	१७ ५३ ३३	१९ ४८ ५५	२२ ०३ २५	० २७ ४१	२ ४५ ००	५ ०१ १७
९	७ १६ ४९	९ ३५ २७	११ ३९ ३६	१३ २२ ०४	१४ ४९ ३६	१६ १४ ३१	१७ ४९ ३७	१९ ४४ ५९	२१ ५९ २९	० २३ ४५	२ ४१ ०४	४ ५७ २१
१०	७ १२ ५३	९ ३१ ३१	११ ३५ ४०	१३ १८ ०८	१४ ४५ ४०	१६ १० ३५	१७ ४५ ४१	१९ ४१ ०३	२१ ५५ ३४	० १५ ५३	२ ३७ ०८	४ ५३ २५
११	७ ०८ ५७	९ २७ ३५	११ ३१ ४५	१३ १४ १२	१४ ४१ ४४	१६ ०६ ३९	१७ ४१ ४५	१९ ३७ ०७	२१ ५१ ३८	० ११ ५७	२ ३३ १२	४ ४९ २९
१२	७ ०५ ०१	९ २३ ३९	११ २७ ४९	१३ १० १६	१४ ३७ ४८	१६ ०२ ४३	१७ ३७ ४९	१९ ३३ ११	२१ ४७ ४२	० ०८ ०२	२ २९ १६	४ ४५ ३३
१३	७ ०१ ०५	९ १९ ४३	११ २३ ५३	१३ ०६ २१	१४ ३३ ५२	१५ ५८ ४७	१७ ३३ ५३	१९ २९ १५	२१ ४३ ४६	० ०४ ०६	२ २५ २०	४ ४१ ३७
१४	६ ५७ १०	९ १५ ४७	११ १९ ५७	१३ ०२ २५	१४ २९ ५६	१५ ५४ ५२	१७ २९ ५७	१९ २५ १९	२१ ३९ ५०	० ०० १०	२ २१ २५	४ ३७ ४२
१५	६ ५३ १४	९ ११ ५१	११ १६ ०१	१२ ५८ २९	१४ २६ ००	१५ ५० ५६	१७ २६ ०१	१९ २१ २३	२१ ३५ ५४	२३ ५६ १४	२ १७ २९	४ ३३ ४६
१६	६ ४९ १८	९ ०७ ५५	११ १२ ०५	१२ ५४ ३३	१४ २२ ०५	१५ ४७ ००	१७ २२ ०५	१९ १७ २७	२१ ३१ ५८	२३ ५२ १८	२ १३ ३३	४ २९ ५०
१७	६ ४५ २२	९ ०३ ५९	११ ०८ ०९	१२ ५० ३७	१४ १८ ०९	१५ ४३ ०४	१७ १८ ०९	१९ १३ ३२	२१ २८ ०२	२३ ४८ २२	२ ०९ ३७	४ २५ ५४
१८	६ ४१ २६	९ ०० ०३	११ ०४ १३	१२ ४६ ४१	१४ १४ १३	१५ ३९ ०८	१७ १४ १४	१९ ०९ ३६	२१ २४ ०६	२३ ४४ २६	२ ०५ ४१	४ २१ ५८
१९	६ ३७ ३०	८ ५६ ०८	११ ०० १७	१२ ४२ ४५	१४ १० १७	१५ ३५ १२	१७ १० १८	१९ ०५ ४०	२१ २० १०	२३ ४० ३०	२ ०१ ४५	४ १८ ०२
२०	६ ३३ ३४	८ ५२ १२	१० ५६ २१	१२ ३८ ४९	१४ ०६ २१	१५ ३१ १६	१७ ०६ २२	१९ ०१ ४४	२१ १६ १५	२३ ३६ ३४	१ ५७ ४९	४ १४ ०६
२१	६ २९ ३८	८ ४८ १६	१० ५२ २६	१२ ३४ ५३	१४ ०२ २५	१५ २७ २०	१७ ०२ २६	१८ ५७ ४८	२१ १२ १९	२३ ३२ ३९	१ ५३ ५३	४ १० १०
२२	६ २५ ४२	८ ४४ २०	१० ४८ ३०	१२ ३० ५७	१३ ५८ २९	१५ २३ २४	१६ ५८ ३०	१८ ५३ ५२	२१ ०८ २३	२३ २८ ४३	१ ४९ ५७	४ ०६ १४
२३	६ २१ ४७	८ ४० २४	१० ४४ ३४	१२ २७ ०२	१३ ५४ ३३	१५ १९ २८	१६ ५४ ३४	१८ ४९ ५६	२१ ०४ २७	२३ २४ ४७	१ ४६ ०२	४ ०२ १९
२४	६ १७ ५१	८ ३६ २८	१० ४० ३८	१२ २३ ०६	१३ ५० ३७	१५ १५ ३३	१६ ५० ३८	१८ ४६ ००	२१ ०० ३१	२३ २० ५१	१ ४२ ०६	३ ५८ २३
२५	६ १३ ५५	८ ३२ ३२	१० ३६ ४२	१२ १९ १०	१३ ४६ ४२	१५ ११ ३७	१६ ४६ ४२	१८ ४२ ०४	२० ५६ ३५	२३ १६ ५५	१ ३८ १०	३ ५४ २७
२६	६ ०९ ५९	८ २८ ३६	१० ३२ ४६	१२ १५ १४	१३ ४२ ४५	१५ ०७ ४१	१६ ४२ ४६	१८ ३८ ०८	२० ५२ ३९	२३ १२ ५९	१ ३४ १४	३ ५० ३१
२७	६ ०६ ०३	८ २४ ४०	१० २८ ५०	१२ ११ १८	१३ ३८ ५०	१५ ०३ ४५	१६ ३८ ५०	१८ ३४ १३	२० ४८ ४३	२३ ०९ ०३	१ ३० १८	३ ४६ ३५
२८	६ ०२ ०७	८ २० ४४	१० २४ ५४	१२ ०७ २२	१३ ३४ ५४	१४ ५९ ४९	१६ ३४ ५५	१८ ३० १७	२० ४४ ४७	२३ ०५ ०७	१ २६ २२	३ ४२ ३९
२९	५ ५८ ११	८ १६ ४९	१० २० ५८	१२ ०३ २६	१३ ३० ५८	१४ ५५ ५३	१६ ३० ५९	१८ २६ २१	२० ४० ५१	२३ ०१ ११	१ २२ २६	३ ३८ ४३
३०	५ ५४ १५	८ १२ ५३	१० १७ ०२	११ ५९ ३०	१३ २७ ०२	१४ ५१ ५७	१६ २७ ०३	१८ २२ २५	२० ३६ ५६	२२ ५७ १५	१ १८ ३०	३ ३४ ४७

दिसम्बर दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	वृश्चिक	धन	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला
१	८ ०८ ५७	१० १३ ०७	११ ५५ ३४	१३ २३ ०६	१४ ४८ ०१	१६ २३ ०७	१८ १८ २९	२० ३३ ००	२२ ५३ २०	१ १४ ३४	३ ३० ५१	५ ५० १९
२	८ ०५ ०१	१० ०९ ११	११ ५१ ३८	१३ १९ १०	१४ ४४ ०५	१६ १९ ११	१८ १४ ३३	२० २९ ०४	२२ ४९ २४	१ १० ३८	३ २६ ५५	५ ४६ २३
३	८ ०१ ०५	१० ०५ १५	११ ४७ ४३	१३ १५ १४	१४ ४० ०९	१६ १५ १५	१८ १० ३७	२० २५ ०८	२२ ४५ २८	१ ०६ ४३	३ २३ ००	५ ४२ २८
४	७ ५७ ०९	१० ०१ १९	११ ४३ ४७	१३ ११ १८	१४ ३६ १४	१६ ११ १९	१८ ०६ ४१	२० २१ १२	२२ ४१ ३२	१ ०२ ४७	३ १९ ०४	५ ३८ ३२
५	७ ५३ १३	९ ५७ २३	११ ३९ ५१	१३ ०७ २२	१४ ३२ १८	१६ ०७ २३	१८ ०२ ४५	२० १७ १६	२२ ३७ ३६	० ५८ ५१	३ १५ ०८	५ ३४ ३६
६	७ ४९ १७	९ ५३ २७	११ ३५ ५५	१३ ०३ २६	१४ २८ २२	१६ ०३ २७	१७ ५८ ५०	२० १३ २०	२२ ३३ ४०	० ५४ ५५	३ ११ १२	५ ३० ४०
७	७ ४५ २१	९ ४९ ३१	११ ३१ ५९	१२ ५९ ३१	१४ २४ २६	१५ ५९ ३१	१७ ५४ ५४	२० ०९ २४	२२ २९ ४४	० ५० ५९	३ ०७ १६	५ २६ ४४
८	७ ४१ २६	९ ४५ ३५	११ २८ ०३	१२ ५५ ३५	१४ २० ३०	१५ ५५ ३६	१७ ५० ५८	२० ०५ २८	२२ २५ ४८	० ४७ ०३	३ ०३ २०	५ २२ ४८
९	७ ३७ ३०	९ ४१ ३९	११ २४ ०७	१२ ५१ ३९	१४ १६ ३४	१५ ५१ ४०	१७ ४७ ०२	२० ०१ ३३	२२ २१ ५२	० ४३ ०७	२ ५९ २४	५ १८ ५२
१०	७ ३३ ३४	९ ३७ ४४	११ २० ११	१२ ४७ ४३	१४ १२ ३८	१५ ४७ ४४	१७ ४३ ०६	१९ ५७ ३७	२२ १७ ५६	० ३९ ११	२ ५५ २८	५ १४ ५६
११	७ २९ ३८	९ ३३ ४८	११ १६ १५	१२ ४३ ४७	१४ ०८ ४२	१५ ४३ ४८	१७ ३९ १०	१९ ५३ ४१	२२ १४ ०१	० ३५ १५	२ ५१ ३२	५ ११ ००
१२	७ २५ ४२	९ २९ ५२	११ १२ १९	१२ ३९ ५१	१४ ०४ ४६	१५ ३९ ५२	१७ ३५ १४	१९ ४९ ४५	२२ १० ०५	० ३१ २०	२ ४७ ३७	५ ०७ ०५
१३	७ २१ ४६	९ २५ ५६	११ ०८ २४	१२ ३५ ५५	१४ ०० ५०	१५ ३५ ५६	१७ ३१ १८	१९ ४५ ४९	२२ ०६ ०९	० २७ २४	२ ४३ ४१	५ ०३ ०९
१४	७ १७ ५०	९ २२ ००	११ ०४ २८	१२ ३१ ५९	१३ ५६ ५५	१५ ३२ ००	१७ २७ २२	१९ ४१ ५३	२२ ०२ १३	० २३ २८	२ ३९ ४५	४ ५९ १३
१५	७ १३ ५४	९ १८ ०४	११ ०० ३२	१२ २८ ०३	१३ ५२ ५९	१५ २८ ०४	१७ २३ २६	१९ ३७ ५७	२१ ५८ १७	० १५ ३६	२ ३५ ४९	४ ५५ १७
१६	७ ०९ ५८	९ १४ ०८	१० ५६ ३६	१२ २४ ०८	१३ ४९ ०३	१५ २४ ०८	१७ १९ ३१	१९ ३४ ०१	२१ ५४ २१	० ११ ४०	२ ३१ ५३	४ ५१ २१
१७	७ ०६ ०२	९ १० १२	१० ५२ ४०	१२ २० १२	१३ ४५ ०७	१५ २० १२	१७ १५ ३५	१९ ३० ०५	२१ ५० २५	० ०७ ४४	२ २७ ५७	४ ४७ २५
१८	७ ०२ ०७	९ ०६ १६	१० ४८ ४४	१२ १६ १६	१३ ४१ ११	१५ १६ १७	१७ ११ ३९	१९ २६ १०	२१ ४६ २९	० ०३ ४८	२ २४ ०१	४ ४३ २९
१९	६ ५८ ११	९ ०२ २०	१० ४४ ४८	१२ १२ २०	१३ ३७ १५	१५ १२ २१	१७ ०७ ४३	१९ २२ १४	२१ ४२ ३३	२३ ५९ ५२	२ २० ०५	४ ३९ ३३
२०	६ ५४ १५	८ ५८ २५	१० ४० ५२	१२ ०८ २४	१३ ३३ १९	१५ ०८ २५	१७ ०३ ४७	१९ १८ १८	२१ ३८ ३८	२३ ५५ ५६	२ १६ ०९	४ ३५ ३७
२१	६ ५० १९	८ ५४ २९	१० ३६ ५६	१२ ०४ २८	१३ २९ २३	१५ ०४ २९	१६ ५९ ५१	१९ १४ २२	२१ ३४ ४२	२३ ५२ ०१	२ १२ १३	४ ३१ ४२
२२	६ ४६ २३	८ ५० ३३	१० ३३ ०१	१२ ०० ३२	१३ २५ २७	१५ ०० ३३	१६ ५५ ५५	१९ १० २६	२१ ३० ४६	२३ ४८ ०५	२ ०८ १८	४ २७ ४६
२३	६ ४२ २७	८ ४६ ३७	१० २९ ०५	११ ५६ ३६	१३ २१ ३१	१४ ५६ ३७	१६ ५१ ५९	१९ ०६ ३०	२१ २६ ५०	२३ ४४ ०९	२ ०४ २२	४ २३ ५०
२४	६ ३८ ३१	८ ४२ ४१	१० २५ ०९	११ ५२ ४०	१३ १७ ३६	१४ ५२ ४१	१६ ४८ ०३	१९ ०२ ३४	२१ २२ ५४	२३ ४० १३	२ ०० २६	४ १९ ५४
२५	६ ३४ ३५	८ ३८ ४५	१० २१ १३	११ ४८ ४४	१३ १३ ४०	१४ ४८ ४५	१६ ४४ ०८	१८ ५८ ३८	२१ १८ ५८	२३ ३६ १७	१ ५६ ३०	४ १५ ५८
२६	६ ३० ३९	८ ३४ ४९	१० १७ १७	११ ४४ ४८	१३ ०९ ४४	१४ ४४ ४९	१६ ४० १२	१८ ५४ ४२	२१ १५ ०२	२३ ३२ २१	१ ५२ ३४	४ १२ ०२
२७	६ २६ ४४	८ ३० ५३	१० १३ २१	११ ४० ५३	१३ ०५ ४८	१४ ४० ५३	१६ ३६ १६	१८ ५० ४६	२१ ११ ०६	२३ २८ २५	१ ४८ ३८	४ ०८ ०६
२८	६ २२ ४८	८ २६ ५७	१० ०९ २५	११ ३६ ५७	१३ ०१ ५२	१४ ३६ ५८	१६ ३२ २०	१८ ४६ ५१	२१ ०७ १०	२३ २४ २९	१ ४४ ४२	४ ०४ १०
२९	६ १८ ५२	८ २३ ०१	१० ०५ २९	११ ३३ ०१	१२ ५७ ५६	१४ ३३ ०२	१६ २८ २४	१८ ४२ ५५	२१ ०३ १४	२३ २० ३३	१ ४० ४६	४ ०० १४
३०	६ १४ ५६	८ १९ ०६	१० ०१ ३३	११ २९ ०५	१२ ५४ ००	१४ २९ ०६	१६ २४ २८	१८ ३८ ५९	२० ५९ ११	२३ १६ ३८	१ ३६ ५०	३ ५६ १८
३१	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

जनवरी दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता. | धन | मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्क | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक

फरवरी दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता. | मकर | कुम्भ | मीन | मेष | वृष | मिथुन | कर्क | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धन

जनवरी दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	धन	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक
१	८ १० १३	९ ५२ ४२	११ २० १३	१२ ४५ ०८	१४ २० १४	१६ १५ ३५	१८ ३० ०५	२० ५० २५	२३ ०७ ४४	१ २७ ५७	३ ४७ २५	६ ०६ ०३
२	८ ०६ १७	९ ४८ ४६	११ १६ १७	१२ ४१ १३	१४ १६ १८	१६ ११ ३९	१८ २६ १०	२० ४६ २१	२३ ०३ ४८	१ २४ ०१	३ ४३ २१	६ ०२ ०७
३	८ ०२ २१	९ ४४ ५०	११ १२ २२	१२ ३७ १७	१४ १२ २२	१६ ०७ ४३	१८ २२ १४	२० ४२ ३४	२२ ५९ ५३	१ २० ०५	३ ३९ ३३	५ ५८ ११
४	७ ५८ २५	९ ४० ५४	११ ०८ २६	१२ ३३ २१	१४ ०८ २६	१६ ०३ ४७	१८ १८ १८	२० ३८ ३८	२२ ५५ ५७	१ १६ १०	३ ३५ ३७	५ ५४ १५
५	७ ५४ ३०	९ ३६ ५८	११ ०४ ३०	१२ २९ २५	१४ ०४ ३०	१५ ५९ ५२	१८ १४ २२	२० ३४ ४२	२२ ५२ ०१	१ १२ १४	३ ३१ ४२	५ ५० १९
६	७ ५० ३४	९ ३३ ०२	११ ०० ३४	१२ २५ २९	१४ ०० ३४	१५ ५५ ५६	१८ १० २६	२० ३० ४६	२२ ४८ ०५	१ ०८ १८	३ २७ ४६	५ ४६ २३
७	७ ४६ ३८	९ २९ ०६	१० ५६ ३८	१२ २१ ३३	१३ ५६ ३८	१५ ५२ ००	१८ ०६ ३०	२० २६ ५०	२२ ४४ ०९	१ ०४ २२	३ २३ ५०	५ ४२ २७
८	७ ४२ ४२	९ २५ १०	१० ५२ ४२	१२ १७ ३७	१३ ५२ ४२	१५ ४८ ०४	१८ ०२ ३४	२० २२ ५४	२२ ४० १३	१ ०० २६	३ १९ ५४	५ ३८ ३२
९	७ ३८ ४६	९ २१ १४	१० ४८ ४६	१२ १३ ४१	१३ ४८ ४६	१५ ४४ ०८	१७ ५८ ३८	२० १८ ५८	२२ ३६ १७	० ५६ ३०	३ १५ ५८	५ ३४ ३६
१०	७ ३४ ५०	९ १७ १८	१० ४४ ५०	१२ ०९ ४५	१३ ४४ ५१	१५ ४० १२	१७ ५४ ४२	२० १५ ०२	२२ ३२ २१	० ५२ ३४	३ १२ ०२	५ ३० ४०
११	७ ३० ५४	९ १३ २३	१० ४० ५४	१२ ०५ ५०	१३ ४० ५५	१५ ३६ १६	१७ ५० ४७	२० ११ ०६	२२ २८ २५	० ४८ ३८	३ ०८ ०६	५ २६ ४४
१२	७ २६ ५८	९ ०९ २७	१० ३६ ५८	१२ ०१ ५४	१३ ३६ ५९	१५ ३२ २०	१७ ४६ ५१	२० ०७ १०	२२ २४ ३०	० ४४ ४२	३ ०४ १०	५ २२ ४८
१३	७ २३ ०२	९ ०५ ३१	१० ३३ ०३	११ ५७ ५८	१३ ३३ ०३	१५ २८ २४	१७ ४२ ५५	२० ०३ १५	२२ २० ३४	० ४० ४७	३ ०० १४	५ १८ ५२
१४	७ १९ ०६	९ ०१ ३५	१० २९ ०७	११ ५४ ०२	१३ २९ ०७	१५ २४ २९	१७ ३८ ५९	१९ ५९ १९	२२ १६ ३८	० ३६ ५१	२ ५६ १९	५ १४ ५६
१५	७ १५ ११	८ ५७ ३९	१० २५ ११	११ ५० ०६	१३ २५ ११	१५ २० ३३	१७ ३५ ०३	१९ ५५ २३	२२ १२ ४२	० ३२ ५५	२ ५२ २३	५ ११ ००
१६	७ ११ १५	८ ५३ ४३	१० २१ १५	११ ४६ १०	१३ २१ १५	१५ १६ ३७	१७ ३१ ०७	१९ ५१ २७	२२ ०८ ४६	० २८ ५९	२ ४८ २७	५ ०७ ०४
१७	७ ०७ १९	८ ४९ ४७	१० १७ १९	११ ४२ १४	१३ १७ १९	१५ १२ ४२	१७ २७ ११	१९ ४७ ३१	२२ ०४ ५०	० २१ ०७	२ ४४ ३१	५ ०३ ०८
१८	७ ०३ २३	८ ४५ ५१	१० १३ २३	११ ३८ १८	१३ १३ २३	१५ ०८ ४५	१७ २३ १५	१९ ४३ ३५	२२ ०० ५४	० १७ ११	२ ४० ३५	४ ५९ १३
१९	६ ५९ २७	८ ४१ ५५	१० ०९ २७	११ ३४ २२	१३ ०९ २७	१५ ०४ ४९	१७ १९ १९	१९ ३९ ३९	२१ ५६ ५८	० १३ १५	२ ३६ ३९	४ ५५ १७
२०	६ ५५ ३१	८ ३७ ५९	१० ०५ ३१	११ ३० २६	१३ ०५ ३२	१५ ०० ५३	१७ १५ २४	१९ ३५ ४३	२१ ५३ ०२	० ०९ १९	२ ३२ ४३	४ ५१ २१
२१	६ ५१ ३५	८ ३४ ०३	१० ०१ ३५	११ २६ ३०	१३ ०१ ३६	१४ ५६ ५७	१७ ११ २८	१९ ३१ ४७	२१ ४९ ०६	० ०५ २३	२ २८ ४७	४ ४७ २५
२२	६ ४७ ३९	८ ३० ०८	९ ५७ ३९	११ २२ ३४	१२ ५७ ४०	१४ ५३ ०१	१७ ०७ ३२	१९ २७ ५२	२१ ४५ ११	० ०१ २८	२ २४ ५१	४ ४३ २९
२३	६ ४३ ४३	८ २६ १२	९ ५३ ४४	११ १८ ३९	१२ ५३ ४४	१४ ४९ ०५	१७ ०३ ३६	१९ २३ ५६	२१ ४१ १५	२३ ५७ ३२	२ २० ५५	४ ३९ ३३
२४	६ ३९ ४७	८ २२ १६	९ ४९ ४८	११ १४ ४३	१२ ४९ ४८	१४ ४५ १०	१६ ५९ ४०	१९ २० ००	२१ ३७ १९	२३ ५३ ३६	२ १७ ००	४ ३५ ३७
२५	६ ३५ ५२	८ १८ २०	९ ४५ ५२	११ १० ४७	१२ ४५ ५२	१४ ४१ १४	१६ ५५ ४४	१९ १६ ०४	२१ ३३ २३	२३ ४९ ४०	२ १३ ०४	४ ३१ ४१
२६	६ ३१ ५६	८ १४ २८	९ ४१ ५६	११ ०६ ५१	१२ ४१ ५६	१४ ३७ १८	१६ ५१ ४८	१९ १२ ०८	२१ २९ २७	२३ ४५ ४४	२ ०९ ०८	४ २७ ४५
२७	६ २८ ००	८ १० २८	९ ३८ ००	११ ०२ ५५	१२ ३८ ००	१४ ३३ २२	१६ ४७ ५२	१९ ०८ १२	२१ २५ ३१	२३ ४१ ४८	२ ०५ १२	४ २३ ४९
२८	६ २४ ०४	८ ०६ ३२	९ ३४ ०४	१० ५८ ५९	१२ ३४ ०४	१४ २९ २६	१६ ४३ ५६	१९ ०४ १६	२१ २१ ३५	२३ ३७ ५२	२ ०१ १६	४ १९ ५४
२९	६ २० ०८	८ ०२ ३६	९ ३० ०८	१० ५५ ०३	१२ ३० ०८	१४ २५ ३०	१६ ४० ००	१९ ०० २०	२१ १७ ३९	२३ ३३ ५६	१ ५७ २०	४ १५ ५८
३०	६ १६ १२	७ ५८ ४०	९ २६ १२	१० ५१ ०७	१२ २६ १३	१४ २१ ३४	१६ ३६ ०५	१८ ५६ २४	२१ १३ ४३	२३ ३० ००	१ ५३ २४	४ १२ ०२
३१	६ १२ १६	७ ५४ ४४	९ २२ १६	१० ४७ ११	१२ २२ १७	१४ १७ ३८	१६ ३२ ०९	१८ ५२ २८	२१ ०९ ४७	२३ २६ ०४	१ ४९ २८	४ ०८ ०६

फरवरी दैनिक लग्नों का समाप्तिकाल भा.स्टैं. टाईम घन्टा-मिनट-सेकेण्ड

ता.	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन
१	७ ५० ४९	९ १८ २०	१० ४३ १६	१२ १८ २१	१४ १३ ४२	१६ २८ १३	१८ ४८ ३३	२१ ०५ ५२	२३ २२ ०९	१ ४५ ३२	४ ०४ १०	६ ०८ २०
२	७ ४६ ५३	९ १४ २४	१० ३९ २०	१२ १४ २५	१४ ०९ ४६	१६ २४ १७	१८ ४४ ३७	२१ ०१ ५६	२३ १८ १३	१ ४१ ३६	४ ०० १४	६ ०४ २४
३	७ ४२ ५७	९ १० २९	१० ३५ २४	१२ १० २९	१४ ०५ ५१	१६ २० २१	१८ ४० ४१	२० ५८ ००	२३ १४ १७	१ ३७ ४१	३ ५६ १८	६ ०० २८
४	७ ३९ ०१	९ ०६ ३३	१० ३१ २८	१२ ०६ ३३	१४ ०१ ५५	१६ १६ २५	१८ ३६ ४५	२० ५४ ०४	२३ १० २१	१ ३३ ४५	३ ५२ २२	५ ५६ ३३
५	७ ३५ ०५	९ ०२ ३७	१० २७ ३२	१२ ०२ ३७	१३ ५७ ५९	१६ १२ २९	१८ ३२ ४९	२० ५० ०८	२३ ०६ २५	१ २९ ४९	३ ४८ २६	५ ५२ ३७
६	७ ३१ ०९	८ ५८ ४१	१० २३ ३६	११ ५८ ४१	१३ ५४ ०३	१६ ०८ ३३	१८ २८ ५३	२० ४६ १२	२३ ०२ २९	१ २५ ५३	३ ४४ ३१	५ ४८ ४१
७	७ २७ १३	८ ५४ ४५	१० १९ ४०	११ ५४ ४५	१३ ५० ०७	१६ ०४ ३७	१८ २४ ५७	२० ४२ १६	२२ ५८ ३३	१ २१ ५७	३ ४० ३५	५ ४४ ४५
८	७ २३ १७	८ ५० ४९	१० १५ ४४	११ ५० ४९	१३ ४६ ११	१६ ०० ४१	१८ २१ ०१	२० ३८ २०	२२ ५४ ३७	१ १८ ०१	३ ३६ ३९	५ ४० ४९
९	७ १९ २१	८ ४६ ५३	१० ११ ४८	११ ४६ ५४	१३ ४२ १५	१५ ५६ ४६	१८ १७ ०५	२० ३४ २४	२२ ५० ४१	१ १४ ०५	३ ३२ ४३	५ ३६ ५३
१०	७ १५ २५	८ ४२ ५७	१० ०७ ५२	११ ४२ ५८	१३ ३८ १९	१५ ५२ ५०	१८ १३ ०९	२० ३० २९	२२ ४६ ४५	१ १० ०९	३ २८ ४७	५ ३२ ५७
११	७ ११ ३०	८ ३९ ०१	१० ०३ ५७	११ ३९ ०२	१३ ३४ २३	१५ ४८ ५४	१८ ०९ १४	२० २६ ३३	२२ ४२ ५०	१ ०६ १३	३ २४ ५१	५ २९ ०१
१२	७ ०७ ३४	८ ३५ ०५	१० ०० ०१	११ ३५ ०६	१३ ३० २७	१५ ४४ ५८	१८ ०५ १८	२० २२ ३७	२२ ३८ ५४	१ ०२ १८	३ २० ५५	५ २५ ०५
१३	७ ०३ ३८	८ ३१ १०	९ ५६ ०५	११ ३१ १०	१३ २६ ३२	१५ ४१ ०२	१८ ०१ २२	२० १८ ४१	२२ ३४ ५८	० ५८ २२	३ १६ ५९	५ २१ ०९
१४	६ ५९ ४२	८ २७ १४	९ ५२ ०९	११ २७ १४	१३ २२ ३६	१५ ३७ ०६	१७ ५७ २६	२० १४ ४५	२२ ३१ ०२	० ५४ २६	३ १३ ०३	५ १७ १४
१५	६ ५५ ४६	८ २३ १८	९ ४८ १३	११ २३ १८	१३ १८ ४०	१५ ३३ १०	१७ ५३ ३०	२० १० ४९	२२ २७ ०६	० ५० ३०	३ ०९ ०७	५ १३ १८
१६	६ ५१ ५०	८ १९ २२	९ ४४ १७	११ १९ २२	१३ १४ ४४	१५ २९ १४	१७ ४९ ३४	२० ०६ ५३	२२ २३ १०	० ४६ ३४	३ ०५ १२	५ ०९ २२
१७	६ ४७ ५४	८ १५ २६	९ ४० २१	११ १५ २६	१३ १० ४८	१५ २५ १८	१७ ४५ ३८	२० ०२ ५७	२२ १९ १४	० ४२ ३८	३ ०१ १६	५ ०५ २६
१८	६ ४३ ५८	८ ११ ३०	९ ३६ २५	११ ११ ३०	१३ ०६ ५२	१५ २१ २२	१७ ४१ ४२	१९ ५९ ०१	२२ १५ १८	० ३८ ४२	२ ५७ २०	५ ०१ ३०
१९	६ ४० ०२	८ ०७ ३४	९ ३२ २९	११ ०७ ३४	१३ ०२ ५६	१५ १७ २७	१७ ३७ ४६	१९ ५५ ०५	२२ ११ २२	० ३४ ४६	२ ५३ २४	४ ५७ ३४
२०	६ ३६ ०६	८ ०३ ३८	९ २८ ३३	११ ०३ ३९	१२ ५९ ००	१५ १३ ३१	१७ ३३ ५१	१९ ५१ १०	२२ ०७ २६	० ३० ५०	२ ४९ २८	४ ५३ ३८
२१	६ ३२ ११	७ ५९ ४२	९ २४ ३८	१० ५९ ४३	१२ ५५ ०४	१५ ०९ ३५	१७ २९ ५५	१९ ४७ १४	२२ ०३ ३१	० २६ ५४	२ ४५ ३२	४ ४९ ४२
२२	६ २८ १५	७ ५५ ४६	९ २० ४२	१० ५५ ४७	१२ ५१ ०८	१५ ०५ ३९	१७ २५ ५९	१९ ४३ १८	२१ ५९ ३५	० १९ ०३	२ ४१ ३६	४ ४५ ४६
२३	६ २४ १९	७ ५१ ५१	९ १६ ४६	१० ५१ ५१	१२ ४७ १३	१५ ०१ ४३	१७ २२ ०३	१९ ३९ २२	२१ ५५ ३९	० १५ ०७	२ ३७ ४०	४ ४१ ५०
२४	६ २० २३	७ ४७ ५५	९ १२ ५०	१० ४७ ५५	१२ ४३ १७	१४ ५७ ४७	१७ १८ ०७	१९ ३५ २६	२१ ५१ ४३	० ११ ११	२ ३३ ४४	४ ३७ ५५
२५	६ १६ २७	७ ४३ ५९	९ ०८ ५४	१० ४३ ५९	१२ ३९ २१	१४ ५३ ५१	१७ १४ ११	१९ ३१ ३०	२१ ४७ ४७	० ०७ १५	२ २९ ४८	४ ३३ ५९
२६	६ १२ ३१	७ ४० ०३	९ ०४ ५८	१० ४० ०३	१२ ३५ २५	१४ ४९ ५५	१७ १० १५	१९ २७ ३४	२१ ४३ ५१	० ०३ १९	२ २५ ५२	४ ३० ०३
२७	६ ०८ ३५	७ ३६ ०७	९ ०१ ०२	१० ३६ ०७	१२ ३१ २९	१४ ४५ ५९	१७ ०६ १९	१९ २३ ३८	२१ ३९ ५	२३ ५९ २३	२ २१ ५७	४ २६ ०७
२८	६ ०४ ३९	७ ३२ ११	८ ५७ ०६	१० ३२ ११	१२ २७ ३३	१४ ४२ ०३	१७ ०२ २३	१९ १९ ४२	२१ ३५ ५९	२३ ५५ २७	२ १८ ०१	४ २२ ११

सूर्योदयास्त एवं दिनमान गणित प्रकार

सूर्योदयास्त ज्ञात करने के लिए निम्न उपकरणों की आवश्यकता होती है—

१. रवि क्रांति—यह पृष्ठ ९५ पर दी गई है। रवि क्रांति सारिणी से अभीष्ट तारीख की सहायता से ज्ञात हो जाएगी।

२. चर—चर सारिणी पृष्ठ ९३-९४ पर दी गई है। सारिणी से जन्म स्थान के अक्षांश व रवि क्रांति की सहायता से अनुपात द्वारा मिनट-सेकेण्ड में चर ज्ञात होंगे। यदि रवि क्रांति व अभीष्ट नगर के अक्षांश दोनों उत्तर के हों तो ६ घंटे में से चर मिनट-सेकेण्ड घटाने पर स्थानीय (लोकल) सूर्योदय एवं ६ घं. में चर मि. सेकेण्ड जोड़ने पर स्थानीय (लोकल) सूर्यास्त ज्ञात होगा। यदि रवि क्रांति दक्षिण हो एवं अभीष्ट नगर के अक्षांश उत्तर हों तो ६ घंटे में चर मिनट सेकेण्ड को जोड़ने पर स्थानीय (लोकल) सूर्योदय एवं ६ घंटे में से चर मिनट सेकेण्ड घटाने पर स्थानीय (लोकल) सूर्यास्त ज्ञात होगा। नोट—चर सारिणी चरांतर सारिणी से भिन्न है।

३. अक्षांश व स्टैण्डर्ड अंतर—अक्षांश व स्टैण्डर्ड अन्तर पृष्ठ ९७-१०० पर दी गई अक्षांशादि सारिणी से अभीष्ट नगर के अक्षांश व स्टैण्डर्ड अंतर मिनट-सेकेण्ड में ज्ञात किए जा सकते हैं। यदि स्टैण्डर्ड अंतर धन हो तो स्थानीय (लोकल) सूर्योदयास्त में स्टैण्डर्ड अंतर घटाएं और यदि स्टैण्डर्ड अंतर ऋण हो तो प्राप्त स्थानीय (लोकल) सूर्योदयास्त में जोड़ें तो अभीष्ट स्थान के मध्याह्न स्टैण्डर्ड सूर्योदयास्त ज्ञात होंगे।

४. वेलान्तर—वेलांतर सारिणी पृष्ठ ९५ पर दी गई मास तारीखों परि वेलांतरम् सारिणी से अभीष्ट तारीख व माह की सहायता से ज्ञात किए जा सकते हैं। इनको मध्याह्न सूर्योदयास्त में चिन्हानुसार जोड़ने घटाने से स्पष्ट स्टैण्डर्ड टाईम में अभीष्ट तारीख के अभीष्ट स्थान के सूर्योदयास्त ज्ञात होंगे।

५. दिनमान—प्राप्त चर मिनट सेकेण्ड को ५ से गुणा करने पर पल होंगे यदि सूर्योदय निकालने के लिए ६ घंटे में चर के मिनट-सेकेण्ड जोड़े हों तो यहां पर इन पलों को ३० घटी में से घटा देंगे और यदि चर मि. से बने सूर्योदय निकालने के लिए ६ घंटे में से चर मिनट सेकेण्ड को घटाए हों तो प्राप्त पलों को ३० घटी में जोड़ने पर अभीष्ट नगर का दिन मान प्राप्त होगा। दिनमान को ६० घटी में से घटाने पर रात्रिमान [illegible]

उदाहरण—१. नागपुर में १२ अक्टूबर का सूर्योदयास्त एवं दिनमान निकालना है। नागपुर अक्षांश २१।०९ स्टैण्डर्ड अंतर-१३।३६, १२ अक्टू. की रवि क्रांति ०७।१२ दक्षिण, वेलांतर -१३।२१, चर-सारिणी में ऊपर आड़ी पंक्ति में रवि क्रांति व खड़ी बांई ओर की पंक्ति में अक्षांश हैं।

	मि. से.	
अक्षांश २१ व रवि क्रांति ७ का चर	१०।४८	
अक्षांश २१ व रवि क्रांति ८ का चर से	१२।२२	१२।२२
अक्षांश २१ व रवि क्रांति ७ का चर घटाया		- १०।४८
अंतर		१।३४

सेकेण्ड बनाये १×६०+३४=९४ सेकेण्ड

हमें रवि क्रांति में १२ कला का मान चाहिए

६० कला में ९४ सेकेण्ड चर बढ़ता है तो १२ कला में कितना बढ़ेगा।

९४×१२=११२८÷६०=१८ सेकेण्ड ४८ प्रति सेकेण्ड या १९ सेकेण्ड की वृद्धि होगी।

	मि.से.
अक्षांश २२ व रवि क्रांति ७ का चर से	११।२२
अक्षांश २१ व रवि क्रांति ७ का चर घटाया	१०।४८
अंतर	=०।३४

अतः अक्षांश बढ़ने पर ३४ सेकेण्ड की वृद्धि होती है।

हमें अक्षांश में ९ कला का मान चाहिए।

६० कला में ३४ सेकेण्ड चर बढ़ता है तो ९ कला में कितना चर बढ़ेगा?

३४×९=३०६÷६०=५ सेकेण्ड ६ प्रति सेकेण्ड या ५ सेकेण्ड की वृद्धि होगी।

	मि.से.
अक्षांक्ष की २१ व रवि क्रांति ७ का चर	१०।४८
रवि क्रांति १२ कला का मान (वृद्धि होने से धन)	+०।१९
अक्षांश ९ कला का मान (वृद्धि होने से धन)	+०।०५
अक्षांश २१।०९ व रवि क्रांति ७.।१२ का सूक्ष्म शुद्ध चर	११।१२

यदि कोई इतनी लम्बी क्रिया की उलझन से बचना चाहे तो सीधे १०।४८ चर ग्रहण कर सकते हैं। ऊपर बताई गई विधि तो सूक्ष्म गणितार्थियों के लिए है।

रवि क्रांति दक्षिण होने से चर ११ मिनट १२ सेकेण्ड धन होंगे।

आर्यभट्ट पञ्चाङ्गम्

सूर्योदय [illegible] घ.मि.से.

उदाहरण २—मद्रास में २० जून का सूर्योदयास्त व दिनमान ज्ञात करना है। मद्रास

सूर्योदय	घं.मि.से.
	६ ।०० ।००
चर	+० ।११ ।१२
लोकल सूर्योदय	६ ।११ ।१२
लोकल सूर्योदय	६ ।११ ।१२
स्टैं. अंतर धन होगा	+० ।१३ ।३६
मध्याह्न सूर्योदय	६ ।२४ ।४८
वेलांतर	—० ।१३ ।२१
स्पष्ट स्डैण्डर्ड टाईम में सूर्योदय प्राप्त हुआ।	६ ।११ ।२७

सूर्यास्त	घं.मि.से.
	६ ।०० ।००
चर	— ० ।११ ।१२
लोकल सूर्यास्त	५ ।४८ ।४८
लोकल सूर्यास्त	५ ।४८ ।४८
स्टैण्डर्ड अंतर धन होगा	+ ० ।१३ ।३६
मध्याह्न सूर्यास्त	६ ।०२ ।२४
वेलांतर	—० ।१३ ।२१
स्पष्ट स्टैण्डर्ड टाईम में सूर्यास्त प्राप्त हुआ।	५ ।४९ ।०३

दिनमान — आए हुए चर ११ मिनट १२ सेकेण्ड को ५ से गुणा किया
११ ।१२ × ५=५५ ।६० या ५६ पल
सूर्योदय में चर जोड़ा गया था। अत: यहां ये पल मध्याह्न दिनमान ३० घटी में से घट जावेंगे।

मध्याह्न दिनमान	३० ।००
चर पल	— ० ।५६
दिनमान नागपुर	२९ ।०४

रात्रिमान—

अहोरात्र	६० ।००
दिनमान	— २९ ।०४
रात्रिमान	३० ।५६

उदाहरण २—मद्रास में २० जून का सूर्योदयास्त व दिनमान ज्ञात करना है। मद्रास अक्षांश १३ ।०५ उत्तर, स्टैण्डर्ड अंतर—८ ।५२, रवि क्रांति २३ ।२६ उत्तर, वेलांतर + १ ।१४

	मि.से.
अक्षांश १३ व रवि क्रांति २३ का चर	२२ ।३०
(अक्षांश ५ कला का अनुपात से चर पूर्व की विधि से)	+०० ।०८
रवि क्रांति २६ कला का अनुपात से चर	+०० ।३४
अक्षांश १३ ।०५ एवं रवि क्रांति २३ ।२६ का सूक्ष्म शुद्ध चर	२३ ।१२

रवि क्रांति उत्तर होने से चर २३ मिनट १२ सेकेण्ड धन होंगे।

सूर्योदय	घं.मि.से.
	६ ।०० ।००
चर	— ० ।२३ ।१२
लोकल सूर्योदय	५ ।३६ ।४८
लोकल सूर्योदय	५ ।३६ ।४८
स्टैं. अंतर धन होगा	+ ० ।०८ ।५२
मध्याह्न सूर्योदय	५ ।४५ ।४०
वेलांतर	+ ० ।०१ ।१४
स्पष्ट स्डैण्डर्ड टाईम में सूर्योदय प्राप्त हुआ	५ ।४६ ।५४

सूर्यास्त	घं.मि.से.
	६ ।०० ।००
चर	+० ।२३ ।१२
लोकल सूर्यास्त	६ ।२३ ।१२
लोकल सूर्यास्त	६ ।२३ ।१२
स्टैण्डर्ड अंतर धन होगा	+ ० ।०८ ।५२
मध्याह्न सूर्यास्त	६ ।३२ ।०४
वेलांतर	+ ० ।०१ ।१४
स्पष्ट स्टैण्डर्ड टाईम में सूर्यास्त प्राप्त हुआ।	६ ।३३ ।१८

दिनमान- चर मिनट सेकेण्ड २३ ।१२×५=११५ ।६० (११५ पल ६० विपल या १ घटी ५६ पल पूर्व में ६ घंटे में चरांतर घटाया इससे यहां ये घटी पल ३० घटी में जुड़ेंगे।)

मध्याह्न दिनमान	३० ।००	**रात्रिमान—**	अहोरात्र	६० ।००
चर पल	+०१ ।५६		दिनमान	— ३१ ।५६
दिनमान मद्रास	३१ ।५६		रात्रिमान	२८ ।०४

इष्टकाल बनाने की विधि

आजकल समय जिन घड़ियों में देखा जाता है उनमें घण्टों की गिनती मध्याह्न १२ बजे के बाद तथा मध्यरात्रि के बाद १ से १२ तक होती है, दिन २४ घंटे का होता है। जन्म समय इसी के अनुसार घंटे-मिनटों में बताया जाता है। तारीख रात को १२ बजे के बाद बदल जाती है, जबकि वार सूर्योदय से आरम्भ होता है। अब यदि किसी का जन्म सायंकाल ५ बजकर ३५ मिन पर हुआ है तो इसका अभिप्राय यह होता है कि मध्याह्न के बाद ५ घंटे ३५ मि. बीत गए हैं। लग्न निकालने के लिए हमें सूर्योदय का समय जानने की आवश्यकता होती है, क्योंकि हमारा दिन सूर्योदय से आरम्भ होता है। सूर्योदय का समय हर स्थान का अलग-अलग होता है। पृथ्वी अपनी धुरी पर लगभग २४ घण्टे में एक बार घूम जाती है (२३ घण्टे ५६ मि. १५ सै.) और ३६५ दिन ६ घण्टे ९ सै. में सूर्य का एक चक्कर पूरा करती है। आकाशीय क्रान्ति वृत्त की बारहों राशियां २४ घंटे में इसके सामने से निकलती हैं। बारह राशियों में से जो राशि पृथ्वी के उस भाग के क्षितिज पर होती है, वह उस समय की लग्न होती है। सूर्य जिस राशि के जितने अंश पर होता है, सूर्योदय के समय क्षितिज पर वही राशि उतने ही अंशों पर उदय होती है और जैसे-जैसे सूर्य आकाश में चढ़ता जाता है क्षितिज पर आगे की राशियाँ उदय होती जाती हैं। पूर्वी क्षितिज पर जो राशि होती है वही उस समय की लग्न कहलाती है। क्षितिज उस स्थान को कहते हैं जहां पृथ्वी और आकाश मिलते दिखाई देते हैं। सूर्य पूर्वी क्षितिज पर उदय होता है और पश्चिमी क्षितिज पर अस्त होता है। किसी समय की लग्न जानने के लिए उस स्थान का सूर्योदय जानना जरूरी होता है।

सूर्योदय से जन्म समय या प्रश्न समय अथवा इष्ट समय तक के काल को इष्टकाल कहते हैं। यह अवधि घण्टे-मिनटों में नहीं बल्कि घड़ी-पलों में होती है। इस प्रकार इष्टकाल निकालना बहुत सरल है। जन्म समय में से सूर्योदय घटाकर ढाई से गुना कर देने से इष्टकाल आ जाता है। ध्यान रखने की बात यह है कि सूर्योदय काल यदि I.S.T (भा.मा.स.) में है तो जन्म समय भी I.S.T में होना चाहिये। यदि एक समय में I.S.T में और दूसरा L.T. में है तो दोनों को समान करना पड़ेगा। इसके कुछ उदाहरण नीचे देखिए।

उदाहरण (१)—मान लो आप को २५ जून को प्रात: ११-३५ पर दिल्ली में जन्मे व्यक्ति का इष्टकाल जानना है तो आर्यभट्ट पंचांग से २५ जून का सूर्योदय लिया। आर्यभट्ट पंचांग दिल्ली के अक्षांश पर बनाया गया है और इसमें दिया सूर्योदय I.S.T. (भा.मा.स.) में है। २५ जून का सूर्योदय ५-२६ है। ध्यान रहे कि सूर्योदय भी भारतीय स्टैण्डर्ड समय में दिया गया है और जन्म समय भी भा. स्टै.टा. में है। इसलिए इस गणित में दिल्ली का भा. स्टैं. टा. से स्थानीय अन्तर २१ मि. ४ सै. घटाने की आवश्यकता नहीं होती। कुछ ज्योतिषी अकारण इस गणित में स्थानीय अन्तर घटा-बढ़ा कर अर्थ का अनर्थ कर देते हैं। स्थानीय अन्तर का ऋण धन संस्कार दिनमान से इष्टकाल निकालते समय किया जाता है।

	घं.	मि.	
(१) २५ जून को जन्म समय	११	३५	भा.स्टै. टा.
(२) २५ जून का सूर्योदय घटाया	—५	२६	"
	६	०९	"
६/९ को ढाई से गुना किया	६	०९	
	३	०४	३०
इष्टकाल घटी फल विपल में	१५	२२	३०

उदाहरण (२)—दिल्ली जन्म स्थान

१० सितम्बर को सायं ८-४५ का इष्टकाल निकालना

सायंकाल ८-४५ में १२ जोड़कर २०-४५ लिखा जाता है।

	घं.	मि.	
(१) १० सितम्बर को जन्म समय मध्याह्न के बाद के समय में १२ जोड़कर लिखें।	२०	४५	भा.स्टै.टा.
(२) १० सितम्बर का दिल्ली का सूर्योदय घटाया	—६	०५	"
शेष १४-३७ को ढाई गुना किया	१४	४०	
	१४	४०	
	७	२०	३०
(३) इष्टकाल घटी पल विपल में	३६	४०	३०

६० विपल का एक पल, ६० पल की एक घड़ी और ६० घड़ी का अहोरात्रि (पूरा दिन-रात) होता है।

उदाहरण (३)—१२ दिसम्बर को मध्यरात्रि के बाद १३ दिसम्बर में ५-२१ पर दिल्ली में जन्मे व्यक्ति का इष्टकाल निकालना है। मध्यरात्रि के बाद के घण्टों में २४ जमा करके लिखा जाता है। जन्म समय से पहले का सूर्योदय १२ दिसम्बर का लिया जायेगा।

	घं.	मि.	भा.स्टै.टा.
जन्म समय मध्यरात्रि उपरान्त १३ दिसंम्बर	५	२१	
२४ जमा करके लिखा	२९	२१	
सूर्योदय १२ दिसम्बर का घटाया	—७	०६	"
शेष २२ घण्टे १३ मिनट के घड़ी पल बनाये	२२	१५ शेष	
ढाई गुना किया	२२	१५	
	११	०७	३०
इष्टकाल— घटी पल विपल में	५५	३७	३०

सूर्योदय से एक मिनट पहले भी जन्म हुआ हो तो भी जन्म पिछले दिन में ही माना जायेगा। जैसे उपरोक्त उदाहरण में यदि जन्म ७ बजकर ५ मिनट पर हुआ होता तो भी इसमें २४ जोड़कर ३१-५ में से १२ दिसम्बर का सूर्योदय घटाकर ही इष्टकाल निकाला जाता। इष्टकाल कभी ६० घड़ी से अधिक नहीं आता, ६० से कम ही आता है। इसी प्रकार सूर्योदय पर या सूर्योदय के एक मिनट बाद भी जन्म हो तो उसी दिन का जन्म माना जाता है और जो सूर्योदय हो चुका है, वही घटाकर इष्टकाल निकाला जाता है। जैसे १३ दिसम्बर को जन्म समय ७-७ हो तो इष्टकाल ढाई पल होगा। यदि समय का बहुत सूक्ष्म हिसाब रखा हो तो सूर्योदय से एक सैकिण्ड पहले तक पिछला दिन लिया जाता है और सूर्योदय के एक सैकिण्ड बाद वही दिन लिया जाता है। परन्तु ऐसे उदाहरणों में सूर्योदय भी सूक्ष्म गणित से सैकिण्डों तक निकालना पड़ता है।

क्रान्त्यंश चर सारिणी क्रान्त्यंश चर सारिणी

क्रान्त्यंश चर सारिणी

अक्षांश	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१
	४	८	१३	१७	२१	२५	२९	३४	३८	४२	४७	५१	५५	०	४	९	१३	१८	२२	२७	३२	३७	४२	४७
२	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३
	८	१७	२५	३४	४२	५०	५९	८	१६	२५	३३	४२	५१	०	९	१८	२७	३७	४५	५५	४	१४	२४	३४
३	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५
	१३	२५	३८	५०	३	१६	२८	४१	५४	७	२०	३३	४६	०	१३	२७	४०	५५	८	२२	३७	५१	६	२१
४	०	०	०	१	१	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	६	६	६	७
	१७	३४	५०	७	२४	४१	५८	१२	२९	४८	५	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३१	५०	९	२९	४८	८
५	०	०	१	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	८	८	८
	२१	४२	३	२४	४५	७	२८	५०	१०	३२	५४	१६	३८	०	२३	४५	७	३१	५४	१९	४२	६	३१	५६
६	०	०	१	१	२	२	२	३	३	४	४	५	५	६	६	६	७	७	८	८	९	९	१०	११
	२५	५०	१६	४१	६	३२	५७	२३	४९	१५	४२	७	३४	०	४७	५४	२२	५०	१८	४६	१५	४४	१४	४४
७	०	०	१	१	२	२	३	३	४	४	५	५	६	७	७	८	८	९	९	१०	१०	११	११	१२
	२९	५९	२८	५८	२९	५७	२७	५७	२७	५८	२८	५९	३०	१	३२	४	३६	९	४२	१५	४८	२२	५७	३२
८	०	१	१	२	२	३	३	४	५	५	६	६	७	८	८	९	९	१०	११	११	१२	१३	१३	१४
	३४	७	४१	१५	४९	२३	५६	३१	६	४१	१६	५१	२६	२	३८	१४	५१	२८	६	४४	२२	१	४१	२१
९	०	१	१	२	३	३	४	५	५	६	७	७	८	९	९	१०	११	११	१२	१३	१३	१४	१५	१६
	३८	१६	५४	३३	११	४९	२७	६	४५	२४	४	४३	२३	३	४४	२५	६	४८	३०	१३	५६	४१	२५	११
१०	०	१	२	२	३	४	४	५	६	७	७	८	९	१०	१०	११	१२	१३	१३	१४	१५	१६	१७	१८
	४२	२५	७	५०	३२	१५	५८	४१	२४	८	५१	३६	२०	५	५०	३६	२३	८	५५	४३	३१	२०	१०	१
११	०	१	२	३	३	४	५	६	७	७	८	९	१०	११	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१८	१९
	४७	३४	२०	७	५४	४०	२८	१६	३	५१	४०	२९	१७	७	५६	४७	३८	२९	२७	१४	७	१	५६	५२
१२	०	१	२	३	४	५	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२०
	५१	४२	३३	२४	१६	९	५९	५०	४३	३६	२८	२१	१५	९	३	५९	५४	२०	४७	४५	४३	४२	४२	४३
१३	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३
	५५	५१	४६	४२	३८	३४	३०	२०	२३	२०	१७	१५	१३	१२	११	११	११	१२	१४	१७	२०	२५	३०	३६
१४	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२३	२४	२५
	०	०	०	०	०	०	१	२	३	५	७	९	१२	१५	१९	२४	२९	३४	४२	२०	३८	८	८	३६
१५	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२१	२२	२३	२४	२६	२७
	४	९	१३	१७	२१	२७	३१	३८	४४	५०	५७	४	१०	१९	२७	३८	४८	५९	१०	२४	३५	५२	७	२१

क्रान्त्यंश चर सारिणी

अक्षांश	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
१६	१	२	३	४	५	६	८	९	१०	११	१२	१३	१५	१६	१७	१८	२०	२१	२२	२३	२५	२६	२७	२९
	९	१८	२७	३६	४४	५४	४	१४	२५	३६	४७	५९	१०	२४	३६	५२	७	२३	४०	५७	१७	३७	५८	२०
१७	१	२	३	४	६	७	८	९	११	१२	१३	१४	१६	१७	१९	२०	२१	२२	२४	२५	२६	२८	२९	३१
	१३	२७	४०	५४	८	२२	३६	५१	६	२०	३८	५४	११	२९	४८	७	२७	४८	१०	३३	५८	२३	५०	१८
१८	१	२	३	५	६	७	९	१०	११	१३	१४	१५	१७	१८	१८	२१	२२	२४	२५	२७	२८	३०	३१	३३
	१८	३६	५१	१२	३१	५०	९	२८	४८	८	२९	५०	२२	३४	५९	२३	४८	१४	४३	१०	४१	१०	४३	१६
१९	१	२	४	५	६	८	९	११	१२	१३	१५	१६	१८	१९	२१	२२	२४	२५	२७	२८	३०	३१	३३	३५
	२३	४५	८	३१	५४	१८	३७	६	३०	५५	२१	४७	१४	४२	११	४०	१०	४२	१४	४८	२३	५९	३७	१६
२०	१	२	४	५	७	८	१०	११	१३	१४	१६	१७	१९	२०	२२	२३	२५	२७	२८	३०	३२	३३	३५	३७
	२३	५५	२२	५०	१६	४६	१५	४४	१३	४३	१४	४५	२७	५०	२३	५७	३३	१०	४१	२७	८	४९	३३	१८
२१	१	३	४	६	७	९	१०	१२	१३	१५	१७	१८	२०	२१	२३	२५	२६	२८	३०	३२	३३	३५	३७	३९
	३२	४	३६	९	४२	१५	४८	२२	५७	३१	७	४३	२०	५९	३७	१७	५८	१४	२३	८	५४	४१	३१	२२
२२	१	३	४	६	८	९	११	१३	१३	१६	१७	१९	२१	२३	२४	२६	२८	३०	३१	३३	३५	३७	३९	४१
	३७	१४	५१	२९	६	४४	२२	१	४०	२०	५९	४२	२५	८	५२	३७	२३	११	५९	४९	४२	३५	३०	२७
२३	१	३	५	६	८	१०	११	१३	१५	१७	१८	२०	२२	२४	२६	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३
	४२	२४	६	४८	३२	१४	५७	४१	२५	१०	५६	४२	३०	१८	६	५६	५०	४३	३०	३३	३१	३०	४१	३४
२४	१	३	५	७	८	१०	१२	१४	१६	१८	१९	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५
	४७	३४	२१	८	५६	४४	३२	२१	११	१	५२	४३	३६	३०	२४	२०	१८	१६	१६	१८	२२	४७	३४	५४
२५	१	३	५	७	९	११	१३	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३९	४१	४३	४५	४७
	५२	४४	३६	२८	२१	१४	८	५९	५७	५२	४८	४५	४३	४२	४३	४४	४७	५२	५७	५	१५	२६	४०	५६
२६	१	३	५	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४३	४५	४७	५०
	५७	५४	५२	४९	३७	४५	४४	४३	४३	४४	४६	४८	५२	५६	२	९	१८	२८	४०	५४	१३	२८	४८	१०
२७	२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२७	२९	३१	३३	३५	३७	४०	४२	४५	४७	४९	५२
	२	५	७	१०	१३	७	२१	२६	३१	३७	४४	५२	२	१२	२३	३६	५१	६	२५	४५	७	३२	५८	२७
२८	२	४	६	८	१०	१२	१४	१७	१९	२१	२३	२५	२८	३०	३२	३५	३७	३९	४२	४४	४७	४९	५२	५४
	८	१२	२३	१३	४०	४९	५८	८	१९	३१	४४	५७	१२	२८	४६	५	२५	४८	१२	३८	६	३८	११	४७
२९	२	४	६	८	११	१३	१५	१७	२०	२२	२४	२७	२९	३१	३४	३६	३९	४१	४४	४६	४९	५१	५४	५७
	१३	२६	४०	५३	७	२२	३७	५२	९	२६	४४	४	२५	४८	१०	३५	२	२७	१	३३	८	४६	२७	९
३०	२	४	६	९	११	१३	१६	१८	२१	२३	२५	२८	३०	३३	३५	३८	४०	४३	४५	४८	५१	५३	५६	५९
	१९	३७	५६	१५	३५	५५	१६	३७	०	२२	४६	१२	३९	६	३६	७	४०	१५	५२	३१	१३	५७	४५	३५
३१	२	४	७	९	१२	१४	१६	१९	२१	२४	२६	२९	३१	३४	३७	३९	४२	४५	४७	५०	५३	५६	५९	६२
	२४	५९	१३	३७	२	२९	५५	२३	५०	२१	५०	२१	५४	२७	४	४१	२१	२	४६	२८	२०	१२	६	४
३२	२	५	७	१०	१२	१५	१७	२०	२२	२५	२७	३०	३३	३५	३८	४१	४४	४६	४९	५२	५५	५८	६१	६४
	३०	०	३०	१	३२	४	३६	१	४३	१७	५४	३२	१०	४७	३३	१६	३	५२	४२	३५	३०	३०	३१	३७

क्रान्त्यंश चर सारिणी

अक्षांश	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
३३	२	५	७	१०	१३	१५	१८	२०	२३	२६	२८	३१	३४	३७	४०	४२	४५	४८	५१	५४	५७	६०	६३	६७
	३६	१२	४६	२५	२	३९	१६	५७	३७	१८	५९	४४	२९	१६	५	५६	४८	४४	४०	४१	४४	५१	५७	१३
३४	२	५	८	१०	१३	१६	१९	२१	२४	२७	३०	३२	३५	३८	४१	४४	४७	५०	५३	५६	६०	६३	६६	६९
	४२	२४	५	४९	३२	१६	१	४५	३२	१९	६	५८	४९	४४	३९	३६	३६	३७	४३	५१	१	१५	३३	५४
३५	२	५	८	११	१४	१६	१९	२२	२५	२८	३१	३४	३७	४०	४३	४६	४९	५२	५५	५९	६२	६५	६९	७२
	४८	३६	२५	१४	१	५३	४४	३५	२४	२२	१७	१४	१३	१३	१५	१९	२७	३६	४४	४	२२	४४	१०	४०
३६	२	५	८	११	१४	१७	२०	२३	२६	२९	३२	३५	३८	४१	४४	४८	५१	५४	५७	६१	६४	६८	७१	७५
	५४	४९	४४	३५	३५	३१	२८	२७	२६	२७	२९	३२	३७	४५	५०	६	२०	३७	५७	२०	४७	१७	५१	३०
३७	३	६	९	१२	१५	१८	२१	२४	२७	३०	३३	३६	४०	४३	४६	४९	५३	५६	६०	६३	६७	७०	७४	७८
	१	२	३	५	६	१०	१४	१९	२५	३३	४१	५२	५	१९	३६	५५	१७	४१	७	४०	१५	५४	३९	२४
३८	३	६	९	१२	१५	१८	२२	२५	२८	३१	३४	३८	४१	४४	४८	५१	५५	५८	६२	६६	६९	७३	७७	८१
	८	१५	२३	३२	४१	४७	१	१३	२६	४१	५६	१४	३४	५४	२०	४७	१७	४९	२५	५	४८	३६	२८	२५
३९	३	६	९	१३	१६	१९	२२	२६	२९	३२	३६	३९	४२	४६	५०	५३	५७	६०	६४	६८	७२	७६	८०	८४
	१४	२९	४४	०	१५	३२	५०	८	२९	५०	१४	३९	५	३६	८	४२	२०	५८	४६	३४	२६	२३	२५	३२
४०	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२७	३०	३४	३७	४१	४४	४८	५१	५५	५९	६३	६७	७१	७५	७९	८३	८७
	२१	४३	५	२७	४७	१४	३८	४	३३	२	३३	६	४१	१८	५८	४१	२८	१७	१०	६	१०	१६	२८	४५
४१	३	६	१०	१३	१७	२०	२४	२८	३१	३५	३८	४२	४६	४९	५३	५७	६१	६५	६९	७३	७७	८२	८६	९१
	२९	५७	२५	५६	२७	५६	३०	४	३९	१६	५५	३५	१९	५८	५३	४४	३९	३८	४०	४७	७८	१५	३७	५
४२	३	७	१०	१४	१८	२१	२५	२९	३२	३६	४०	४४	४७	५१	५५	५९	६३	६८	७२	७६	८०	८५	८९	९४
	३६	१२	४९	२६	०	४३	२३	५	४८	३१	१९	६	५९	५४	५१	५१	५५	४	१५	३१	५३	२०	५३	३२
४३	३	७	११	१४	१८	२२	२६	३०	३३	३७	४१	४५	४९	५३	५७	६२	६६	७०	७४	७९	८३	८८	९३	९८
	४४	२८	१२	५७	४३	२७	१८	७	५८	५१	५६	४४	४४	४७	५३	२	१६	३३	५५	२२	५४	३२	१६	७
४४	३	७	११	१५	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	६४	६८	७३	७७	८२	८७	९१	९६	१०१
	५२	४४	३४	२९	२३	१८	१४	१०	१२	१०	१७	२३	३२	४०	५७	१८	४१	९	४१	१९	२	५२	४८	५१
४५	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४९	५३	५७	६२	६६	७१	७५	८०	८५	९०	९५	१००	१०५
	०	०	१	२	५	४	१०	१९	२७	३७	४७	५	२४	४५	१०	४०	१३	५१	३४	२३	१८	१९	२८	४५
४६	४	८	१२	१६	२०	२५	२९	३३	३७	४२	४६	५०	५५	५९	६४	६९	७३	७९	८३	८८	९३	९८	१०४	१०९
	९	१७	२७	३७	४८	०	१३	२८	४६	५	२७	५२	२१	५०	२६	६	५०	३९	३३	३४	४१	५६	१८	४९
४७	४	८	१२	१७	२१	२५	३०	३४	३९	४३	४८	५२	५७	६२	६६	७१	७६	८१	८६	९१	९७	१०२	१०८	११४
	१८	३५	५३	१२	३२	५१	१६	४०	७	३६	८	४२	१७	२	४८	३८	३३	३४	४१	५०	१४	४२	१९	४
४८	४	८	१३	१७	२२	२६	३१	३५	४०	४५	४९	५४	५९	६४	६९	७४	७९	८४	८९	९५	१००	१०६	११२	११८
	२७	५३	२१	४९	१८	३९	२१	५५	३०	१०	५२	३७	२६	१८	१५	१७	२४	३६	५६	२२	१६	३९	३०	३२
४९	४	९	१३	१८	२३	२७	३२	३७	४२	४६	५१	५६	६१	६६	७१	७७	८२	८७	९३	९८	१०४	११०	११६	१२३
	३६	१३	५०	२७	५	४७	२९	१३	०	४९	४१	३७	३६	४०	४९	३	२०	४८	१०	५८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

क्रान्त्यंश चर सारिणी

अक्षांश	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
५०	४	९	१४	१९	२३	२८	३३	३८	४३	४८	५३	५८	६३	६९	७४	७९	८५	९१	९६	१०२	१०८	११५	१२१	१२८
	४६	३२	१९	७	५६	४७	३९	३४	३१	३१	३५	४२	५३	९	२९	५६	२८	४	५४	५०	५४	८	३३	११
५१	४	९	१४	१९	२४	२९	३४	४०	४५	५०	५५	६०	६६	७१	७७	८२	८८	९४	१००	१०६	११३	११९	१२६	१३३
	५६	५३	५१	४९	४९	५०	५३	०	७	१८	३३	५२	१६	४४	१७	५७	४४	३७	३९	४७	११	४३	२७	२५
५२	५	१०	१५	२०	२५	३०	३६	४१	४६	५२	५७	६३	६८	७४	८०	८६	९२	९८	१०४	१११	११७	१२४	१३१	१३८
	७	१५	२३	३२	४३	५४	१०	२७	४७	७	३७	९	४५	२६	१४	८	६	१९	३६	४	४३	३४	३८	५८
५३	५	१०	१५	२१	२६	३२	३७	४२	४८	५४	५९	६५	७१	७७	८३	८९	९५	१०२	१०८	११५	१२२	१२९	१३७	१४४
	१८	३७	५७	१८	४०	४	३१	५६	३२	८	४८	३२	२२	१७	१९	२८	४५	१०	४६	३२	३०	४१	८	५२
५४	५	११	१६	२२	२७	३३	३८	४४	५०	५६	६२	६८	७४	८०	८६	९३	९९	१०६	११३	१२०	१२७	१३५	१४३	१५१
	३०	१	३३	४	४०	१६	५५	३७	५२	११	४	२	७	१७	३४	०	३२	१६	९	१५	३४	९	०	१०
५५	५	११	१७	२२	२८	३४	४०	४६	५२	५८	६४	७०	७६	८३	९०	९६	१०३	११०	११७	१२५	१३२	१४०	१४९	१५७
	४३	२६	१०	५६	४३	३१	२४	१८	१८	२०	२८	४१	५९	३६	०	४२	३३	३५	४९	१७	५९	५८	१६	५६
५६	५	११	१७	२३	२९	३५	४१	४८	५४	६०	६७	७३	८०	८६	९३	१००	१०७	११४	१२२	१३०	१३८	१४७	१५६	१६५
	५६	५२	५०	४८	४९	५१	५७	७	१९	३५	०	२८	४	४६	३८	३८	३९	११	४७	३८	४५	११	०	१३
५७	६	१२	१८	२४	३०	३७	४३	५०	५६	६३	६९	७६	८३	९०	९७	१०४	११७	१२०	१२८	१३६	१४४	१५३	१६३	१७३
	१०	२०	३१	४४	५६	१०	३६	१	२८	१	४०	२५	१८	१९	२६	४९	१०	५	५	२१	५६	५४	१६	७
५८	६	१२	१९	२५	३२	३८	४५	५१	५८	६५	७२	७९	८६	९४	१०१	१०९	११७	१२५	१३३	१४२	१५१	१६१	१७१	१८१
	२४	४९	१५	४२	१२	४४	१७	५९	४४	३४	३०	२६	४४	४	३४	१६	१०	१९	४५	३२	३६	८	९	४६
५९	६	१३	२०	२६	३३	४०	४७	५४	६१	६८	७५	८२	९०	९४	१०५	११३	१२२	१३०	१३९	१४९	१५८	१६९	१७९	१९१
	४०	२०	१	४४	२९	१८	१०	६	६	१६	३०	५२	२३	४	५६	५६	२०	५६	५९	८	५०	१	४७	१५
६०	६	१३	२०	२७	३४	४१	४९	५६	६३	७१	७८	८६	९४	१०२	११०	११९	१२७	१३७	१४०	१५६	१६६	१७१	१८९	२०१
	५६	५२	५०	५०	४६	५७	७	२१	४१	६	४२	२५	१७	२०	३७	५	५४	०	२७	१९	४१	३९	१८	५०
६१	७	१४	२१	२८	३६	४३	५१	५८	६६	७४	८२	९०	९८	१०६	११५	१२४	१३३	१४३	१५३	१६४	१७५	१८७	१९९	२१३
	१३	२७	४२	५९	१९	४३	११	४६	१९	१२	५	१२	११	५५	३८	३६	५४	३३	३७	७	१९	१०	५४	४५
६२	७	१५	२२	३०	३७	४५	५३	६१	६९	७७	८५	९४	१०२	१११	१२१	१३०	१४०	१५०	१६१	१७२	१८४	१९७	२११	२२७
	३२	४	३८	१७	५०	३६	२४	१६	१५	२१	४६	७	५६	५१	३	३२	२४	४०	२६	४७	५२	४९	५३	२७
६३	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	६४	७२	८०	८९	९८	१०७	११७	१२६	१३७	१४७	१५८	१७०	१८२	१९२	२०९	२२५	२४३
	५१	४३	३७	३३	३२	३७	४७	२	२६	५९	४२	१९	४६	११	५०	०	२९	२९	४	२१	३२	५१	४०	३७
६४	८	१६	२४	३२	४१	४९	५८	६६	७५	८४	९३	१०३	११२	१२२	१३३	१४४	१५५	१६७	१७९	१९३	२०७	२२३	२४१	२६३
	१२	२५	४०	५८	२०	४६	११	५९	४८	४६	५५	२१	५७	५८	१८	२	१६	६	३८	४	३८	४३	५८	३७
६५	८	१७	२५	३४	४३	५२	६१	७०	७९	८८	९८	१०८	११८	१२९	१४०	१५१	१६३	१७६	१९०	२०५	२२१	२४०	२६२	२८९
	३५	११	४९	३०	१५	४	४	१०	२५	५२	३३	२४	४२	१७	१४	४७	५२	४०	२३	१४	३७	११	११	१९
६६	८	१८	२७	३६	४५	५४	६४	७३	८३	९३	१०३	११४	१२४	१३६	१४७	१६०	१७३	१८७	२०२	२१९	२३८	२६०	२८९	३५४
	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

रवि क्रान्ति सारिणी

तारीख	जनवरी दक्षिण अं. क.	फरवरी दक्षिण अं. क.	मार्च दक्षिण अं. क.	अप्रैल उत्तर अं. क.	मई उत्तर अं. क.	जून उत्तर अं. क.	जुलाई उत्तर अं. क.	अगस्त उत्तर अं. क.	सितम्बर उत्तर अं. क.	अक्टूबर दक्षिण अं. क.	नवम्बर दक्षिण अं. क.	दिसम्बर दक्षिण अं. क.
१	२३ ४	१७ १८	७ ५२	४ १४	१४ ५६	२१ ५९	२३ ९	१८ ९	८ २८	२ ५९	१४ १६	२१ ४३
२	२२ ५९	१७ १	७ २९	४ ३८	१५ १४	२२ ७	२३ ५	१७ ५४	८ ७	३ २२	१४ ३५	२१ ५२
३	२२ ५४	१६ ४४	७ ६	५ १	१५ ३२	२२ १५	२३ १	१७ ३९	७ ४५	३ ४६	१४ ५४	२२ १
४	२२ ४८	१६ २७	६ ४३	५ २५	१५ ४९	२२ २२	२२ ५६	१७ २३	७ २३	४ ९	१५ १३	२२ १०
५	२२ ४२	१६ ९	६ २०	५ ४९	१६ ७	२२ २९	२२ ५१	१७ ७	७ १	४ ३२	१५ ३२	२२ १८
६	२२ ३५	१५ ५१	५ ५७	६ १२	१६ २४	२२ ३६	२२ ४५	१६ ५१	६ ३९	४ ५५	१५ ५०	२२ २६
७	२२ २८	१५ ३२	५ ३४	६ ३५	१६ ४१	२२ ४२	२२ ३९	१६ ३४	६ १६	५ १८	१६ ८	२२ ३३
८	२२ २१	१५ १३	५ १२	६ ५८	१६ ५७	२२ ४८	२२ ३३	१६ १८	५ ५४	५ ४१	१६ २६	२२ ४०
९	२२ १३	१४ ५४	४ ४९	७ २१	१७ १३	२२ ५३	२२ २६	१६ १	५ ३१	६ ४	१६ ४४	२२ ४६
१०	२२ ५	१४ ३५	४ २६	७ ४३	१७ २९	२२ ५८	२२ १९	१५ ४३	५ ९	६ २७	१७ १	२२ ५२
११	२१ ५६	१४ १५	४ ३	८ ६	१७ ४५	२३ ३	२२ ११	१५ २६	४ ४६	६ ५०	१७ १८	२२ ५८
१२	२१ ४७	१३ ५६	३ ४०	८ २९	१८ १	२३ ७	२२ ३	१५ ८	४ २४	७ १२	१७ ३४	२३ ३
१३	२१ ३७	१३ ३६	३ १७	८ ५१	१८ १६	२३ ११	२१ ५५	१४ ५०	४ १	७ ३५	१७ ५०	२३ ८
१४	२१ २७	१३ १६	२ ५४	९ १४	१८ ३०	२३ १४	२१ ४६	१४ ३२	३ ३८	७ ५७	१८ ६	२३ १२
१५	२१ १६	१२ ५६	२ ३१	९ ३६	१८ ४४	२३ १७	२१ ३७	१४ १३	३ १५	८ २०	१८ २२	२३ १५
१६	२१ ५	१२ ३५	२ ७	९ ५७	१८ ५८	२३ २०	२१ २८	१३ ५४	२ ५२	८ ४२	१८ ३७	२३ १८
१७	२० ५४	१२ १४	१ ४४	१० १८	१९ १२	२३ २२	२१ १८	१३ ३५	२ २९	९ ४	१८ ५२	२३ २१
१८	२० ४२	११ ५३	१ २१	१० ३९	१९ २६	२३ २४	२१ ८	१३ १६	२ ६	९ २५	१९ ७	२३ २३
१९	२० ३०	११ ३२	० ५७	११ ०	१९ ३९	२३ २५	२० ५८	१२ ५७	१ ४२	९ ४७	१९ २१	२३ २४
२०	२० १८	११ ११	० ३४	११ २१	१९ ५२	२३ २६	२० ४७	१२ ३७	१ १९	१० ९	१९ ३५	२३ २५
२१	२० ५	१० ४९	० १०	११ ४१	२० ४	२३ २७	२० ३६	१२ १८	० ५६	१० ३०	१९ ४८	२३ २६
२२	१९ ५२	१० २८	उ० १४	१२ २	२० १७	२३ २७	२० २४	११ ५८	० ३२	१० ५२	२० १	२३ २७
२३	१९ ३८	१० ६	-० ३८	१२ २२	२० २९	२३ २७	२० १२	११ ३८	० ९	११ १३	२० १४	२३ २७
२४	१९ २४	९ ४४	१ २	१२ ४२	२० ४०	२३ २६	२० ०	११ १८	द.० १५	११ ३५	२० २७	२३ २६
२५	१९ ९	९ २२	१ २६	१३ २	२० ५१	२३ २५	१९ ४७	१० ५७	० ३९	११ ५६	२० ३९	२३ २५
२६	१८ ५४	९ ०	१ ५०	१३ २१	२१ २	२३ २३	१९ ३४	१० ३६	१ २	१२ १७	२० ५१	२३ २३
२७	१८ ३९	८ ३८	२ १४	१३ ४१	२१ १२	२३ २१	१९ २०	१० १५	१ २६	१२ ३८	२१ २	२३ २१
२८	१८ २३	८ १६	२ ३८	१४ ०	२१ २२	२३ १९	१९ ६	९ ५४	१ ४९	१२ ५८	२१ १३	२३ १९
२९	१८ ७	८ ४	३ २	१४ १९	२१ ३२	२३ १६	१८ ५२	९ ३३	२ १२	१३ १८	२१ २४	२३ १६
३०	१७ ५१	० ०	३ २६	१४ ३७	२१ ४१	२३ १३	१८ ३८	९ १२	२ ३६	१३ ३८	२१ ३४	२३ १३
३१	१७ ३५	० ०	३ ५०	० ०	२१ ५०	० ०	१८ २४	८ ५	० ०	१३ ५७	० ०	२३ ९

वेलान्तर कोष्ठक (मिनट में)

तारीख	जनवरी मि. सै.	फरवरी मि. सै.	मार्च मि. सै.	अप्रैल मि. सै.	मई मि. सै.	जून मि. सै.	जुलाई मि. सै.	अगस्त मि. सै.	सितम्बर मि. सै.	अक्टूबर मि. सै.	नवम्बर मि. सै.	दिसम्बर मि. सै.
	+	+	+	+	—	—	+	+	+	—	—	—
१	३ ३४	१३ ३८	१२ ३५	४ ७	२ ५२	२ २५	३ ३३	६ १५	+ ९	१० ७	१६ २१	११ ३
२	३ ५२	१३ ४६	१२ २३	३ ४९	३ ०	२ १६	३ ४५	६ ११	— १०	१० २७	१६ २३	१० ४३
३	४ २०	१३ ५४	१२ ११	३ ३२	३ ७	२ ७	३ ५६	६ ७	० २९	१० ४६	१६ २४	१० १८
४	४ ४८	१४ ०	११ ५९	३ १४	३ १३	१ ५७	४ ८	६ २	० ४८	११ ५	१६ २४	९ ५३
५	५ १६	१४ ६	११ ४६	२ ५६	३ १९	१ ४७	४ १८	५ ५७	१ ८	११ २३	१६ २३	९ २८
६	५ ४२	१४ १०	११ ३२	२ ३९	३ २४	१ ३६	४ २८	५ ५१	१ २८	११ ४३	१६ २१	९ ३
७	६ ९	१४ १४	११ १८	२ २२	३ २९	१ २५	४ ३८	५ ४४	१ ४८	११ ५९	१६ १७	८ ३७
८	६ ३५	१४ १७	११ ४	२ ४	३ ३३	१ १४	४ ४८	५ ३७	२ ९	१२ १६	१६ १४	८ ११
९	७ ०	१४ २०	१० ४९	१ ४८	३ ३६	१ ३	४ ५८	५ २९	२ २९	१२ ३३	१६ ९	७ ४५
१०	७ २५	१४ २१	१० ३४	१ ३१	३ ३९	० ५२	५ ७	५ २१	२ ५०	१२ ४९	१६ ४	७ १८
११	७ ४९	१४ २२	१० १८	१ १५	३ ४२	० ४०	५ १५	५ १२	३ ११	१३ ५	१५ ५८	६ ५१
१२	८ १३	१४ २२	१० २	० ५९	३ ४४	० २८	५ २३	५ ३	३ ३२	१३ २१	१५ ५२	६ २३
१३	८ ३६	१४ २१	९ ४६	० ४३	३ ४५	० ११	५ ३०	४ ५३	३ ५३	१३ ३६	१५ ४३	५ ५५
१४	८ ५८	१४ २९	९ २९	० २७	३ ४६	-० ३	५ ३७	४ ५२	४ १४	१३ ५०	१५ ३४	५ २७
१५	९ २०	१४ १७	९ १२	+ १२	३ ४६	+० ९	५ ४४	४ ३१	४ ३६	१४ ४	१५ २५	४ ५८
१६	९ ४१	१४ १४	८ ५५	— ३	३ ४६	० २२	५ ५०	४ २०	४ ५७	१४ १७	१५ १५	४ २९
१७	१० ०१	१४ १०	८ ३८	० १७	३ ४५	० ३४	५ ५६	४ ८	५ १८	१४ ३०	१५ ४	४ ०
१८	१० २१	१४ ६	८ २१	० ३१	३ ४३	० ४८	६ १	३ ५५	५ ४०	१४ ४२	१४ ५२	३ ३१
१९	१० ४०	१४ १	८ ३	० ४५	३ ४१	१ १	६ ६	३ ४२	६ १	१४ ५३	१४ ३	३ २
२०	१० ५८	१३ ५५	७ ४५	० ५७	३ ३८	१ १४	६ १०	३ २८	६ २२	१५ ४	१४ २४	२ ३२
२१	११ १५	१३ ४८	७ २८	१ ११	३ ३५	१ २७	६ १३	३ २४	६ ४३	१५ १४	१४ १०	२ २
२२	११ ३२	१३ ४१	७ १०	१ २३	३ ३१	१ ४०	६ १६	२ ५९	७ ४	१५ २४	१३ ५५	१ ३२
२३	११ ४९	१३ ३४	६ ५१	१ ३५	३ २७	१ ५३	६ १९	२ ४४	७ २५	१५ ३३	१३ ३९	१ २
२४	१२ ४	१३ २४	६ ३३	१ ४६	३ २२	२ ६	६ २१	२ ३०	७ ४६	१५ ४१	१३ २२	० ३२
२५	१२ १९	१३ १७	६ १५	१ ५७	३ १७	२ १९	६ २३	२ १३	८ ७	१५ ४९	१३ ४	—०२
२६	१२ ३२	१३ ७	५ ४७	२ ८	३११	२ ३२	६ २३	१ ५६	८ २७	१५ ५६	१२ ४६	+ २८
२७	१२ ४५	१२ ५७	५ ३८	२ १८	३ ५	२ ४४	६ २३	१ ३९	८ ४८	१६ २	१२ २७	० ५८
२८	१२ ५८	१२ ४६	५ २०	२ २७	२ ५८	२ ५७	६ २३	१ २२	९ ८	१६ ७	१२ ७	१ २८
२९	१३ ९		५ २	२ ३६	२ ५०	३ ९	६ २२	१ ४	९ २८	१६ १२	११ ४६	१ ५८
३०	१३ २०		४ ४४	२ ४४	२ ४२	३ २१	६ २०	० ४६	९ ४७	१६ १६	११ २५	२ २७
३१	१३ २९		४ २५		२ ३४		६ १८	० २८		१६ १९		२ ५६
	+	+	+	—	—	+	+	+	—	—	—	+

वेलान्तर कोष्ठक (समय समीकरण)

भारतीय स्टैंण्डर्ड समय से स्थानीय स्पष्ट समय निकालते समय वेलान्तर संस्कार किया जाता है। भा. स्टै. स. में अक्षांशादि सारिणी के अनुसार किसी स्थान विशेष का जो अन्तर दिया हो वह ऋण या धन करके स्थानीय मध्यम समय आ जाता है। इसमें तारीख के अनुसार वेलान्तर संस्कार करने से स्थानीय स्पष्ट समय आता है। इसी स्पष्ट समय से आगे गणित किया जाता है। जब दिनमान से इष्टकाल निकालते हैं तब वेलान्तर संस्कार करते हैं। वेलान्तर ऋण हो तो जोड़कर और वेलान्तर धन हो तो घटाकर स्पष्ट स्थानीय समय निकाला जाता है। सूर्योदय से इष्टकाल बनाते समय जब सूर्योदय तथा जन्म समय दोनों ही भा. स्टै. स. में होते हैं। यह वेलान्तर संस्कार नहीं किया जाता। इसी पंचांग के पृष्ठ ९०-९१ पर सूर्योदय गणित में वेलान्तर प्रयोग पर सामग्री दी गई है। स्पष्ट स्थानीय मध्याह्न समय निकालने में वेलान्तर का प्रयोग किया जाता है। मध्याह्न गणित में वेलान्तर ऋण हो तो ऋण किया जाता है और धन हो तो धन किया जाता है।

पंचाग परिवर्तन पद्धति

इस पंचांग से अन्यान्य नगरों का पंचांग (सूर्योदय, सूर्यास्त, तिथि, नक्षत्र, योग, करण और दिनमान) बनाने का उदाहरण—

जिस नगर का सूर्योदय जानना हो तो उस नगर के आगे की अक्षांशादि सारिणी से देशान्तर मिनट लो। यदि मिनट +पूर्व के हों तो इस पंचांग के सूर्योदय में ऋण करें और मिनट -पश्चिम के हों तो धन करें, ऋण चिह्न हो तो धन करें और धन चिन्ह हो तो ऋण करें। यह इष्ट नगर का मध्याह्न सूर्योदय होगा। इसके बाद का इष्ट दिन (तारीख) की रविक्रान्ति-सारिणी से रविक्रान्ति लो। रविक्रांति और इष्ट नगर के अक्षांश इन दो उपकरणों से चरान्तर सारिणी से चरान्तर मिनट लो। यदि धन हों तो ऊपर से आये हुए मध्याह्न सूर्योदय में जोड़ें, ऋण हों तो हीन करें। वह इष्ट दिन का इष्ट नगर का स्टै. टा. से स्पष्ट सूर्योदय होगा। निकले हुए चरान्तर मिनट को पांच से गुणा करें तो वह पल होंगे। ऊपर के उदाहरण में चरान्तर मिनट सूर्योदय में धन किये हों तो यह पल दिनमान में ऋण करें, ऋण किये हों तो धन करें, यह अपने इष्ट दिन का इष्ट नगर का घटी-पलात्मक दिनमान होगा। इस दिनमान के घण्टा-मिनट बनाकर आए हुए सूर्योदय में मिला देने से सूर्यास्त होगा।

इस पंचांग में तिथ्यादि के घटी-पल दिल्ली के स्पष्ट सूर्योदय समय से हैं। इष्ट दिन और इष्ट नगर का लाया हुआ स्पष्ट सूर्योदय दिल्ली के स्पष्ट सूर्योदय से पहले हो तो वह जितने मिनट पहले है, उसके पल बनाकर (१ मि.= २॥ पल) वह इस पंचांग के तिथ्यादि में मिला दें तथा बाद के मिनट हों तो उसके जितने पल हों इस पंचांग के तिथ्यादि में से घटा दें तो अपने-अपने इष्ट दिन के इष्ट नगर में स्पष्ट सूर्योदय से तिथ्यादि पंचांग होगा।

उदाहरण—दिनांक १० नवम्बर को जयपुर नगरी का इस पंचांग से सूर्योदय, सूर्यास्त, दिनमान और पंचांग बनाना है। इस पंचांग में इस दिन दिल्ली का सूर्योदय स्टै. टा. घं. ६ मि. ४१ है। जयपुर दिल्ली से ५।४० पश्चिम में है (अक्षांशादि सारिणी में देखें)। अत: यह ५।४० इस पंचांग के सूर्योदय घं. ६ मि. ४१ में जोड़ दिये तो घं. ६ मि. ४६।४० हुए। यह जयपुर का इस पंचांग के मध्याह्न से सूर्योदय हुआ। अब रविक्रान्ति सारणी से ता. १० नवम्बर की रविक्रांति १७।१ दक्षिण है। जयपुर का अक्षांश २६।५५ है तो आगे चरान्तर सारणी से २७ अक्षांश और १७ क्रांति अंश के कोष्ठक में २ मिनट है। यह दक्षिण क्रांति होने के कारण ऋण किये जावेंगे। ऊपर के मध्याह्न सूर्योदय ६।४६।४० में २ मिनट कम किये तो जयपुर का स्पष्ट सूर्योदय ६।४४।४० आया। आये हुए चरान्तर मिनट २ को ५ से गुणा किया तो १० पल प्राप्त हुए। चरान्तर ऋण होने के कारण इस पंचांग के दिनमान २६।५७ में १० पल जोड़ने से जयपुर का दिनमान २७।०७ हुआ। यदि चरान्तर मिनट धन होते तो पलों को ऋण करना पड़ता। जयपुर का सूर्यास्त निकालने के लिए दिनमान २७।०७ के घड़ी-पलों के घण्टा-मिनट १०।५१ हुए। इनको जयपुर के सूर्योदय ६।४६।४० में जोड़ा तो सूर्यास्त १७।३७।४० हुआ। जयपुर और दिल्ली के स्पष्ट सूर्योदय में ३।२२ मिनट अथवा ८ पलों का ऋण अन्तर है। तिथि, योग, नक्षत्र, करण, भद्रा, ग्रह चाल आदि में सर्वत्र ३।२२ मिनट या ८ पल कम करने से जयपुर का मान आ जाता है।

चरान्तर सारिणी

मान लो १५ फरवरी को जोधपुर का चरान्तर निकालना है। दैनिक रविक्रांति सारिणी से इस दिन की रविक्रांति १२।५६ दक्षिण है। जोधपुर का अक्षांश २६।१८ है। चरान्तर सारिणी में खड़ी बायें हाथ की लाइन क्रान्तायांश की है और आड़ी ऊपर की लाइन अक्षांश की है तो क्रान्तायांश १२।५६ लगभग १३ के बराबर है। १३ क्रांत्यांश के सामने २६ अक्षांश के कोष्ठक में ३ चरान्तर मिनट दिये हैं। यह क्रांति दक्षिण होने के कारण ऋण हुए चरान्तर मिनट हुए।

क्रान्त्यंश	उत्तराक्षांशः चरान्तर मिनट — चरान्तर सारिणी — यह मिनट क्रांति दक्षिण हो तो ऋण और क्रांति उत्तर हो तो धन																					क्रांति दक्षिण हो तो धन उत्तर हो तो ऋण							
	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६
१	२	२	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१
२	३	३	२	२	२	२	२	२	२	२	२	१	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	२	२
३	५	५	४	४	४	४	४	३	३	३	२	२	२	२	२	१	१	१	१	०	०	०	०	१	१	१	२	२	२
४	६	६	६	५	५	५	५	४	४	४	३	३	३	२	२	२	१	१	१	०	०	०	०	१	१	१	२	२	३
५	८	८	७	७	६	६	६	५	५	५	४	४	४	३	३	२	२	२	१	१	०	०	०	१	२	२	२	३	४
६	१०	९	८	८	८	७	७	६	६	६	५	४	४	४	३	३	२	२	१	१	०	०	१	१	२	२	३	३	५
७	११	१०	१०	९	९	८	८	७	७	७	६	५	५	४	४	३	२	२	१	१	०	०	१	२	३	३	४	४	६
८	१२	१२	१२	११	१०	१०	९	८	८	७	७	६	६	५	४	४	३	२	२	१	०	०	१	२	३	३	५	५	६
९	१४	१४	१३	१२	१२	११	११	१०	९	८	८	७	६	६	५	४	४	३	२	१	०	०	१	२	३	४	५	६	७
१०	१६	१६	१५	१४	१४	१३	१२	११	१०	१०	९	८	७	६	६	५	४	३	२	२	०	१	२	२	४	४	६	६	८
११	१८	१७	१६	१६	१५	१४	१३	१२	११	१०	१०	९	८	७	६	५	४	३	२	२	०	१	२	३	४	५	६	७	८
१२	१९	१८	१८	१७	१६	१५	१४	१३	१२	११	११	१०	९	८	७	६	५	३	३	२	०	१	२	३	४	५	७	८	९
१३	२१	२०	२०	१८	१७	१६	१६	१५	१३	१२	१२	११	१०	८	८	६	६	४	३	२	०	१	२	३	५	६	७	८	१०
१४	२२	२२	२१	२०	१८	१८	१७	१६	१४	१३	१२	११	१०	९	८	६	६	४	३	२	०	१	२	३	५	६	८	९	११
१५	२४	२४	२२	२१	२०	१९	१८	१७	१६	१४	१३	१२	११	१०	८	७	६	४	३	२	१	१	२	४	५	७	८	१०	१२
१६	२६	२५	२४	२३	२२	२०	१९	१८	१७	१६	१४	१३	१२	१०	९	८	६	५	४	२	१	१	२	४	६	७	९	११	१३
१७	२८	२७	२६	२४	२३	२२	२०	१९	१८	१७	१५	१४	१२	११	१०	८	७	५	४	२	१	१	२	४	६	८	१०	१२	१४
१८	३०	२९	२७	२६	२४	२३	२२	२०	१९	१८	१६	१५	१३	१२	१०	८	७	५	४	२	१	१	२	४	६	८	१०	१३	१४
१९	३२	३०	२९	२८	२६	२५	२३	२२	२०	१९	१७	१६	१४	१२	११	१०	८	६	४	३	१	१	३	५	७	९	११	१४	१५
२०	३४	३२	३०	२९	२८	२६	२४	२३	२१	२०	१८	१६	१५	१३	१२	१०	८	६	४	३	१	१	३	५	७	९	११	१५	१६
२१	३५	३४	३२	३१	२९	२७	२६	२४	२२	२१	१९	१७	१६	१४	१२	१०	८	६	५	३	१	१	३	५	८	१०	१२	१५	१७
२२	३७	३६	३४	३२	३०	२९	२७	२५	२३	२२	२०	१८	१६	१४	१२	११	९	६	५	३	१	१	३	६	८	११	१३	१६	१८
२३	३९	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२७	२५	२३	२१	१९	१७	१५	१३	१२	९	७	५	३	१	१	४	६	९	११	१४	१६	१९
२४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२९	२७	२५	२३	२१	१९	१७	१४	१२	१०	८	६	४	१	१	४	६	९	११	१४	१७	२०

अक्षांशादि सारणी (भारत के प्रमुख नगरों के अक्षांश आदि)

अक्षांशादि सारणी (भारत के प्रमुख नगरों के अक्षांश आदि)

देशान्तर =दिल्ली से पूर्व में+पश्चिम में—अन्तर स्टैण्डर्ड अन्तर—स्थानीय टाईम और स्टैण्डर्ड टाईम का अन्तर

नगर	प्रान्त	उत्तर अक्षांश	पूर्व रेखांश	समयान्तर स्टे. अन्तर मि. से.	दिल्ली से देशान्तर अंतर मि. से.
अयोध्या	यू.पी.	26 48	82 14	—1 04	+20 00
अक्कलकोट	बम्बई	17 33	76 12	—25 12	—3 52
अम्बाला	हरियाणा	30 22	76 46	—22 56	—1 52
आकोला	महाराष्ट्र	20 42	77 02	—21 52	—0 48
अजमेर	राजस्थान	26 27	74 40	—31 20	—10 16
अमृतसर	पंजाब	31 38	74 53	—30 28	—9 24
अहमदाबाद	गुजरात	23 02	72 37	—39 32	—18 28
अलीगढ़	यू.पी.	27 54	78 05	—17 40	+3 24
अहमदनगर	महाराष्ट्र	19 05	74 44	—31 04	—10 00
अलीगढ़ टोंक	राजस्थान	25 58	76 06	—25 36	—4 32
अलीबाग	बम्बई	18 38	72 50	—38 40	—17 36
अलवर	राजस्थान	27 34	76 38	—23 28	—2 24
अखनूर	कश्मीर	32 54	74 35	—31 40	—10 36
अनूपशहर	यू.पी.	28 21	78 23	—16 27	+4 36
अल्मोड़ा	उत्तराखंड	29 37	79 40	—11 20	+9 44
अमेठी	यू.पी.	26 08	81 48	—2 48	+18 16
आसनसोल	प. बंगाल	23 42	87 20	—20 40	+40 24
अनूपगढ़	राजस्थान	29 10	73 13	—37 08	—16 04
अकबरपुर	यू.पी.	26 26	82 33	+0 12	+21 16
अमरेली	गुजरात	21 36	71 14	—45 04	—24 00
अगरतला	त्रिपुरा	23 50	91 23	+35 32	+56 36
अनन्तपुरम	आं.प्रदेश	14 41	77 37	—19 32	+1 32
आईजोल	मिजोरम	23 45	92 45	+41 00	+62 04
आहवा	गुजरात	20 47	73 42	—35 12	—14 08
आगरा	यू.पी.	27 11	78 02	—17 52	+3 12
आबू	राजस्थान	24 36	72 44	—39 04	—18 00
आजमगढ़	यू.पी.	26 6	83 12	+2 48	+23 52
आरा	बिहार	25 36	84 42	+8 48	+29 52
औरंगाबाद	बिहार	24 44	84 23	+7 32	+28 36
औरंगाबाद	महाराष्ट्र	19 52	75 19	—28 44	—7 40
औंगोलु	आंध्र प्र.	15 31	80 06	—9 36	+11 28
इन्दौर	म.प्रदेश	22 43	75 52	—26 28	—5 28

नगर	प्रान्त	उत्तर अक्षांश	पूर्व रेखांश	समयान्तर स्टे. अन्तर मि. से.	दिल्ली से देशान्तर अंतर मि. से.
इटावा	यू.पी.	26 47	79 02	—13 52	+7 12
इम्फाल	मणिपुर	24 54	93 54	+45 36	+66 40
इडुंकी	केरल	9 51	77 14	—21 04	0 00
इटानगर	अरु.प्रदेश	26 54	93 37	+44 24	+65 32
ईगतपुरी	महाराष्ट्र	19 41	73 35	—35 40	—14 36
इटारसी	म.प्रदेश	22 37	77 46	—18 56	+2 8
इलाहाबाद	यू.पी.	25 28	81 52	—2 34	+18 32
उन्नाव	उ. प्र.	26 33	80 30	—8 00	+13 04
उतरौला	उ. प्र.	27 19	82 28	—0 08	+20 56
ऊधमपुर	जम्मू	32 55	72 07	—29 32	—8 28
उज्जैन	म. प्रदेश	23 11	75 44	—27 04	—6 00
उदय मण्डलम	तमिलनाडू	11 17	76 44	—23 04	—2 00
उदयपुर	राजस्थान	24 35	73 42	—35 12	—14 08
उस्मानाबाद	महाराष्ट्र	18 08	76 05	—25 40	—4 36
अचलपुर	महाराष्ट्र	21 18	77 33	—19 48	+1 16
एटा	उ. प्र.	27 35	78 41	—15 16	+5 48
कच्छ भुज	गुजरात	23 15	69 40	—51 20	—30 16
कन्नौज	उ. प्र.	27 02	79 58	—10 08	+10 56
कविरत्तिद्वीप	लक्षद्वीप	10 17	72 21	—40 36	—19 32
कलकत्ता	प. बंगाल	22 35	88 24	+23 36	+44 40
कपूरथला	पंजाब	31 22	75 12	—28 32	—7 28
करनाल	हरियाणा	29 42	77 02	—21 52	—0 48
कन्याकुमारी	तमिलनाडू	8 04	77 36	—19 36	+1 28
कल्पाद	हिमाचल	31 41	79 10	—13 20	+7 44
करीमनगर	आं. प्र.	18 28	79 06	—13 36	+7 28
कानपुर	उ. प्र.	26 27	80 21	—8 36	+12 28
काठमाण्डो	नेपाल	27 42	85 17	+11 08	+32 12
कांगड़ा मन्दिर	हिमाचल	32 09	76 18	—24 48	—3 44
काशी	उ. प्र.	25 20	83 00	—2 00	+23 04
कांचिपुरम	तमिलनाडू	12 51	79 53	—10 28	+10 36
कार्गिल	जम्मू-का.	30 30	76 13	—25 08	—4 04
किसनगढ़	राजस्थान	27 52	70 34	—47 44	—26 40

नगर	प्रान्त	उत्तर अक्षांश	पूर्व रेखांश	समयान्तर स्टे. अन्तर मि. से.	दिल्ली से देशान्तर अंतर मि. से.
किस्तबाड़	जम्मू	33 12	75 48	—26 48	—5 44
किशनगढ़ जं.	राजस्थान	27 10	75 22	—28 32	—7 28
कोच्चि	केरल	10 00	76 15	—25 00	—3 56
कोलगंगा	बिहार	25 16	87 16	+19 04	+40 08
कोहिमा	नागालैंड	25 41	94 10	+46 00	+67 04
केलांग	हिमाचल	32 47	77 14	—21 36	—0 40
कोटा	राजस्थान	25 11	75 50	—26 40	—5 36
कोल्हापुर	महाराष्ट्र	16 41	74 13	—33 08	—12 05
कुशलगढ़	राजस्थान	23 08	74 27	—32 12	—11 08
कूचबिहार	राजस्थान	26 20	89 25	+27 40	+48 44
कृष्णा	कर्नाटक	16 25	77 19	—20 44	+0 20
खम्भम	आं. प्र.	17 15	80 11	—9 16	+11 48
खण्डवा	म.प्र.	21 50	76 20	—24 40	—3 36
खेडब्रह्मा	गुजरात	24 03	73 4	—37 36	—16 40
गयाजी	बिहार	24 48	85 1	+10 04	+31 08
ग्वालियर	म.प्र.	26 14	78 10	—17 20	+3 44
गंगापुर	राजस्थान	26 29	76 44	—23 04	—2 00
गाजीपुर	उ. प्र.	25 26	83 35	+4 20	+25 24
गान्तोक	सिक्किम	27 20	88 25	+24 20	+45 24
गंगानगर	राजस्थान	29 52	73 51	—34 36	—13 32
गोंडा	उ. प्र.	27 10	81 58	—2 12	+18 52
गोरखपुर	उ. प्र.	26 46	83 26	—3 32	+24 36
गोआ	गोआ	25 15	73 47	—34 52	—13 48
गुवाहाटी	असम	26 11	91 45	+37 00	+58 04
गुरदासपुर	पंजाब	32 03	75 27	—28 12	—7 08
गुना	म. प्र.	24 40	77 30	—20 00	—1 04
घाटमशर	उ. प्र.	26 08	80 11	—9 16	+11 48
चंडीगढ़	चण्डीगढ़	30 40	76 52	—22 32	—1 28
चन्दौसी	उ. प्र.	28 27	78 47	—14 52	+6 12
चन्द्रपुर	महाराष्ट्र	19 56	79 17	—12 52	+8 12
चिलास	जम्मू	35 36	74 17	—33 32	—12 28
चीलो	राजस्थान	27 23	73 16	—36 56	—15 52

नगर	प्रान्त	उत्तर अक्षांश	पूर्व रेखांश	समयान्तर स्टे. अन्तर मि. से.	दिल्ली से देशान्तर अंतर मि. से.	नगर	प्रान्त	उत्तर अक्षांश	पूर्व रेखांश	समयान्तर स्टे. अन्तर मि. से.	दिल्ली से देशान्तर अंतर मि. से.	नगर	प्रान्त	उत्तर अक्षांश	पूर्व रेखांश	समयान्तर स्टे. अन्तर मि. से.	दिल्ली से देशान्तर अंतर मि. से.
चिक्कमगलूर	कर्नाटक	13 19	75 47	—26 52	—5 48	डोंग	राजस्थान	27 28	77 20	—20 40	+0 24	नागकोविल	तमिलनाडू	8 07	77 47	—18 52	+2 12
चित्रकूट	उ. प्र.	25 12	80 54	—6 24	+14 40	डेराबाबा	पंजाब	32 02	75 04	—29 44	—8 40	नीमच	म. प्र.	24 28	74 51	—30 36	—9 32
चित्तौड़गढ	राजस्थान	24 54	74 42	—31 12	—10 08	ढाका	बंग्लादेश	23 43	90 25	+31 40	+52 44	नैनीताल	उत्तराखंड	29 25	79 27	—12 12	+8 52
छपरा	बिहार	25 47	84 47	+9 08	+30 12	तलागंग	तलांगंगा	32 56	72 28	—40 08	—19 04	नेपालगंज	नेपालगंज	28 03	81 37	—3 32	+17 32
छत्तरपुर	म.प्र.	24 55	79 36	—11 36	+9 28	तराई	बंगाल	26 40	88 30	+24 00	+45 04	नीलगिरी	उड़ीसा	21 27	86 47	+17 08	+38 12
छिबरा मऊ	उ. प्र.	27 10	79 29	—12 04	+9 00	तेजु	अ. प्रदेश	27 54	96 14	+54 56	+76 00	पटना	बिहार	25 37	85 13	+10 52	+31 56
छबराटोंक	राजस्थान	24 40	76 51	—22 36	—1 32	तंजाबूर	तमिल.	10 51	79 21	—12 36	+8 28	पठानकोट	पंजाब	32 18	75 42	—27 12	—6 08
जगन्नाथपुरी	उड़ीसा	19 46	85 50	+13 20	+34 24	तिरूवन्तपुरम्	केरल	8 44	77 20	—20 40	+0 24	पटियाला	पंजाब	30 22	76 25	—24 20	—3 16
जबलपुर	म. प्र.	23 10	79 58	—10 08	+10 56	शिलांग	मेघालय	25 31	90 15	+31 00	+52 04	परलकोट	म. प्र.	19 45	80 46	—6 56	+14 8
जयपुर	राजस्थान	26 55	75 50	—26 40	—5 40	थानेश्वर	पंजाब	29 58	76 56	—22 16	—1 12	पणजी	गोआ	15 41	73 10	—37 20	—16 16
जलपाईगुड़ी	बंगाल	26 32	88 44	+24 56	+46 00	दतिया	म. प्र.	25 39	78 27	—16 12	+4 52	पालनपुर	गुजरात	24 11	72 27	—40 12	—19 08
जम्मू	जम्मू का.	32 44	74 54	—30 24	—9 20	दरभंगा	बिहार	26 10	85 55	+13 40	+34 44	पाण्डिचेरी	तमिलनाडू	11 56	79 48	—10 48	+10 16
जसवन्तनगर	उ. प्र.	26 51	78 55	—14 20	+6 44	दार्जलिंग	प. बंगाल	27 03	88 17	+23 08	+44 12	पानीपत	हरियाणा	29 27	76 59	—22 04	—1 00
जनकपुर	म. प्र.	23 42	81 51	—2 36	—18 28	हिसपुर	असम	26 20	92 10	+38 40	+59 44	प्रयागराज	उ. प्र.	25 25	81 53	—2 28	+18 36
जामनगर	गुजरात	22 27	70 5	—49 40	—28 36	दिण्डुक्कल	तमिलनाडू	10 13	78 05	—17 40	+3 24	पूना	महाराष्ट्र	18 31	73 52	—34 32	—13 28
जालौर	राजस्थान	25 35	72 44	—39 04	—18 00	दिल्ली	राजधानी	28 38	77 14	—21 04	—0 00	पोर्टब्लेयर	अन्दमान	11 44	92 41	40 44	+61 48
जूनागढ़	गुजरात	21 32	70 27	—48 12	—27 08	द्वारका	गुजरात	22 16	68 57	—54 12	—33 08	पुष्करजी	राजस्थान	26 28	74 33	—31 48	—10 44
जोधपुर	राजस्थान	26 19	73 4	—37 44	—16 40	देहरादून	उत्तराखंड	30 19	78 04	—17 44	+3 20	पेशावर	प. पाकि.	34 01	71 36	—43 36	—22 32
जौनपुर	उ. प्र.	25 43	82 43	+0 52	+21 56	देशनोक	राजस्थान	27 54	73 16	—36 56	—15 52	पोरबन्दर	गुजरात	21 38	69 36	—51 36	—30 32
जींद	हरियाणा	29 19	76 23	—24 28	—3 24	देवगढ़	उड़ीसा	21 32	84 45	+9 00	+30 04	फतेहपुर	उ. प्र.	27 06	77 40	—19 20	+1 44
जैसलमेर	राजस्थान	26 54	70 57	—46 12	—25 08	धर्मशाला	हिमाचल	32 16	76 23	—24 28	—3 24	फरीदकोट	पंजाब	30 40	74 45	—31 00	—9 56
जालन्धर	पंजाब	31 19	75 35	—27 40	—6 36	धर्मपुरी	तमिलनाडू	12 08	78 11	—17 16	+3 48	फरुखाबाद	उ. प्र.	27 03	79 37	—11 32	+9 32
जाफराबाद	सौराष्ट्र	20 52	71 21	—44 36	—32 32	धारवाड़	कर्नाटक	15 28	75 02	—29 52	—8 48	फतेहपुर	राजस्थान	27 52	75 02	—29 52	—8 48
झांसी	उ. प्र.	25 26	78 34	—15 44	+5 20	धार	म. प्र.	22 36	75 12	—29 12	—8 08	फुलेरा	राजस्थान	26 52	75 16	—28 56	—7 52
झालावाड़	राजस्थान	24 36	76 9	—25 24	—4 20	धौलपुर	राजस्थान	26 42	77 53	—18 28	+2 36	फीरोजपुर	पंजाब	30 57	74 36	—31 36	—10 32
झुंझुनू	राजस्थान	28 07	75 25	—28 20	—7 16	धौलागिर	नेपाल	29 11	83 00	—21 00	—23 04	फैजाबाद	उ. प्र.	26 47	82 08	—1 28	+19 36
टोंक	राजस्थान	26 11	75 50	—26 40	—5 36	धांग्रंधा	सौराष्ट्र	22 59	71 30	—44 00	—22 56	फीरोजबाद	उ. प्र.	27 09	78 24	—16 24	+4 40
टेरू	जम्मू	36 14	72 42	—39 12	—18 08	नवलगढ़	राजस्थान	27 51	75 12	—29 12	—8 08	फूलपुर	उ.प्र.	25 32	82 17	—1 32	+19 32
टनकपुर	उ. प्र.	29 09	80 10	—9 20	+11 44	नसीराबाद	राजस्थान	26 18	74 46	—30 56	—9 52	फाजिलका	पंजाब	30 25	74 03	—33 48	—12 44
टाटानगर	बिहार	24 46	86 13	+14 52	+35 56	नड़ियाद	गुजरात	22 41	72 52	—38 32	—17 28	फतेहगढ़	उ. प्र.	27 23	79 35	—11 40	+9 24
टेहरी	उत्तराखंड	30 23	78 30	—16 00	+5 04	नाथद्वारा	राजस्थान	24 56	73 48	—34 48	—13 44	बक्सर	बिहार	25 34	83 59	+5 56	+27 00
टूंडला जं.	उ. प्र.	27 13	78 13	—17 08	+3 56	नाभा	पंजाब	30 22	76 10	—25 20	—4 16	बद्रीनाथ	उत्तराखंड	30 44	79 30	—12 00	+9 04
डायमण्ड	पं. बंगाल	22 11	84 12	+6 48	+27 52	नागपुर	महाराष्ट्र	21 09	79 6	—13 36	+7 28	वरंगल	आं. प्र.	18 04	79 53	—10 28	+10 36
डिब्रूगढ़	असम	27 29	94 56	+49 44	+70 48	नासिक	महाराष्ट्र	21 00	73 47	—34 52	—13 48	बड़ौदा	गुजरात	22 18	73 12	—37 12	—16 08
डूंगरपुर	राजस्थान	23 50	73 43	—35 08	—14 04												

नगर	प्रान्त	अक्षांश	रेखांश	स्टे. अन्तर मि. से.	देशान्तर अंतर मि. से.		प्रान्त	अक्षांश	रेखांश	स्टे. अन्तर मि. से.	देशान्तर अंतर मि. से.		प्रान्त	अक्षांश	रेखांश	स्टे. अन्तर मि. से.	देशान्तर अंतर मि. से.
बम्बई	महाराष्ट्र	18 55	72 50	—38 40	—17 36	भुवनेश्वर	उड़ीसा	20 54	85 52	+13 28	+34 32	रोपड़	(पंजा.)	30 57	76 30	—24 00	—2 56

नगर	प्रान्त	अक्षांश	रेखांश	स्टे. अन्तर मि. से.	देशान्तर अंतर मि. से.	नगर	प्रान्त	अक्षांश	रेखांश	स्टे. अन्तर मि. से.	दशान्तर अंतर मि. से.	नगर	प्रान्त	अक्षांश	रेखांश	स्टे. अन्तर मि. से.	दशान्तर अंतर मि. से.
बम्बई	महाराष्ट्र	18 55	72 50	—38 40	—17 36	भुवनेश्वर	उड़ीसा	20 54	85 52	+13 28	+34 32	रोपड़	(पंजा.)	30 57	76 30	—24 00	—2 56
बरेली	उ.प्र.	28 22	79 24	—12 24	+8 40	भुसावल	महाराष्ट्र	21 12	75 47	—26 52	—5 48	लखनऊ	(उ. प्र.)	26 51	80 59	—6 14	+15 00
बद्रीनाथ	उत्तराखंड	30 44	79 30	—12 00	+9 04	भूटान	भूटान	27 30	90 00	+30 00	+51 04	ललितपुर	(उ. प्र.)	24 41	78 24	—16 24	+4 400
बर्द्धमान	पं. बंगाल	23 25	87 54	+21 36	+42 40	भुजकच्छ	गुजरात	23 15	69 41	—51 16	—30 12	लुधियाना	पंजाब	30 35	75 53	—26 28	—5 24
बहराइच	उ. प्र.	27 34	81 37	—3 32	+17 32	मथुरा	उ. प्र.	27 28	77 41	—19 16	+1 48	शाहजहांपुर	उ. प्र.	27 54	79 57	—10 12	+10 52
बस्ती	उ.प्र.	26 48	82 46	+1 04	+22 08	चेन्नई	तमिलनाडु	13 05	80 17	—8 52	+12 12	शिलांग	(मेघा.)	25 34	91 45	+37 36	+58 40
ब्यावर	राजस्थान	26 07	73 54	—34 24	—13 20	मणीपुर	मणीपुर	24 20	93 58	—45 52	—66 56	शिवपुरी	(म. प्र.)	25 30	78 04	—13 44	+3 20
वाराणसी	उ. प्र.	25 20	83 00	+2 00	+23 04	मण्डी	हि. प्र.	31 43	76 58	—22 08	—1 04	राजापुर	(म. प्र.)	23 24	76 14	—25 04	—4 00
बासवाड़ा	राजस्थान	23 33	78 26	—16 16	+4 48	मल्लपुरम	केरल	11 04	76 04	—25 44	—4 40	शेरकिला	(काश्मी.)	36 07	73 53	—34 28	—13 24
बाराबंकी	उ. प्र.	26 56	81 10	—5 20	+15 44	मालेगांव	महाराष्ट्र	20 31	74 30	—32 00	—10 56	श्रीनगर	(काश्म.)	34 06	74 51	—30 36	—9 32
बालू घाट	प. दिनाज	25 14	88 47	+25 08	+46 12	मुरादाबाद	उ. प्र.	28 50	78 50	—14 40	+6 24	शिमला	(हिमा.)	31 06	77 10	—21 20	—0 16
बाँदा	उ. प्र.	25 28	80 21	—8 36	+12 28	मुंगेर	बिहार	25 23	86 30	+16 00	+37 04	संतालपु	(गु.)	23 47	70 28	—48 08	—27 04
बांदीकुई	राजस्थान	27 26	76 24	—24 24	—3 20	मुजफ्फरपुर	बिहार	26 07	85 27	+11 48	+32 52	सातारा	(महा.)	17 47	73 54	—34 24	—13 20
बूंदी	राजस्थान	25 27	75 40	—27 20	—6 16	फुजफ्फराबाद	कश्मीर	34 33	73 27	—36 12	—15 08	सागर	(म. प्र.)	23 50	78 45	—15 00	+6 04
ब्रह्मकुण्ड	अरु. प्रदेश	27 56	96 10	+54 40	+75 44	मेघालय	शिलंग	25 57	82 00	+38 00	+59 04	सरदारशहर	(राज.)	28 27	74 30	—32 00	—10 56
बंगलौर	कर्नाटक	12 58	77 35	—19 40	+1 24	मैसूर	कर्नाटक	12 29	76 20	—26 20	—2 16	सवाईमाधोपुर	(राज.)	25 59	76 24	—24 24	—3 20
बैतूल	म. प्र.	21 51	77 56	—18 16	+2 48	मेरठ	उ. प्र.	29 01	77 45	—19 00	+2 04	सहारनपुर	(उ. प्र.)	29 59	77 23	—20 28	+0 36
बेलगांव	कर्नाटक	15 55	74 31	—31 56	—10 52	मिर्जापुर	उ. प्र.	25 10	82 37	+0 28	+21 32	सोमनाथ	(गुज.)	21 01	70 26	—48 16	—27 22
बुलन्दशहर	उ. प्र.	28 24	77 52	—18 03	+2 32	मेडतासिटी	राजस्थान	26 39	74 03	—33 48	—12 44	सोलापुर	(महा.)	17 40	75 48	—30 48	—5 44
बिलासपुर	हिमाचल	31 19	76 50	—22 40	—2 36	यानामा	आं. प्रदेश	16 46	82 13	—1 08	+19 56	सोलन	(हिमा.)	30 55	77 09	—21 24	—0 20
बिलासपुर	म. प्र.	22 05	82 10	—1 20	+19 44	यासिन	केरल	36 21	73 19	—36 48	—12 44	सूरत	(गुज.)	21 12	72 50	—38 40	—17 36
बिजनौर	उ. प्र.	29 23	78 11	—17 16	+3 48	यवतमाल	महाराष्ट्र	20 24	78 08	—17 28	+3 36	सिकन्दराबाद	आ. प्र.	17 27	78 33	—15 48	+5 16
बिहार शरीफ	बिहार	25 11	85 32	+12 08	+33 12	यादगीर	कर्नाटक	16 47	77 08	—17 28	+ 3 36	सिरोही	(राज.)	24 56	72 50	—38 40	—17 36
बीकानेर	राजस्थान	28 01	73 19	—26 44	—15 40	रतलाम	म. प्र.	23 19	75 03	—29 48	—8 44	सीकर	(राज.)	27 51	75 14	—29 04	—8 00
बीजापुर	कर्नाटक	16 50	75 42	—27 12	—6 08	रत्नागिरी	महाराष्ट्र	16 59	73 19	—36 44	—15 40	सीतापुर	(उ. प्र.)	27 36	80 40	—7 20	+13 44
बीदर	कर्नाटक	18 10	77 47	—18 52	+2 12	राजकोट	गुजरात	22 18	70 50	—46 40	—25 26	हरिद्वार	उत्तराखंड	29 58	78 13	—17 08	+3 56
बीरमगढ़	गुजरात	23 00	72 02	—41 52	—20 48	राजचूर	(कर्ना.)	16 12	77 21	—20 36	+0 28	हरदोई	(उ. प्र.)	27 23	80 10	—9 20	+11 44
बोगरा	बंगलादेश	24 51	89 24	+27 26	+48 40	राजमपेट	(आ. प्र.)	14 12	79 34	—11 44	+9 20	हथुवा	बिहार	26 12	84 05	+6 20	+27 44
भरतपुर	राजस्थान	27 15	77 30	—20 00	+1 04	रामपुर	(यू.पी.)	28 47	79 02	—13 52	+7 12	होशंगाबाद	(म. प्र.)	22 46	77 45	—19 0	+2 04
भंडारा	महाराष्ट्र	21 10	79 40	—11 20	+9 44	रामेश्वर	(तमिल.)	9 17	79 34	—11 34	+9 20	हजारीबाग	झारखंड	24 00	85 23	+11 32	—32 27
भरुच	गुजरात	21 41	73 00	—38 00	—16 56	रायबरेली	(उ. प्र.)	26 14	81 13	—5 08	+15 56	हाजीपुर	बिहार	25 35	83 11	+2 44	—23 48
भटिन्डा	पंजाब	30 11	74 57	—30 12	—9 08	राजमंड्रि	(आ. प्र.)	17 05	81 48	—2 48	+18 16	होशियारपुर	(पंजा.)	31 32	75 55	—26 20	—5 16
भदोही	उ. प्र.	25 24	82 34	+0 16	+21 20	रायपुर	छत्तीसगढ़	21 15	81 38	—3 28	+17 36	हौशंगाबाद	(म. प्र.)	22 46	77 43	—19 08	+1 56
भोपाल	म. प्र.	23 16	77 23	—20 28	+0 36	राजगढ़	(म. प्र.)	24 00	76 44	—23 04	—2 00	हैदराबाद	(आन्ध्र)	17 27	78 30	—16 00	+5 04
भीलवाड़ा	राजस्थान	24 21	74 40	—31 20	—10 16	राजगढ़	(राज.)	27 40	76 24	—24 24	—3 20	हिसार	हरियाणा	29 14	75 44	—27 04	—6 00
भिवानी	हरियाणा	28 48	76 08	—25 28	—4 24	राजनन्द गांव	म.प्र.	21 15	81 05	—5 40	+15 15	हैद्राबाद	पाकिस्तान	25 23	68 22	—56 32	—35 28
भावनगर	गुजरात	21 44	42 10	—42 20	—20 16	रोहतक	हरियाणा	28 54	76 38	—23 28	—2 24	हिंगाटा	(उड़ी.)	20 22	85 12	+10 48	+31 52

दुनियां के कुछ देशों के अक्षांश आदि

विदेशी राजधानी एवं प्रमुख शहर	राष्ट्र	अक्षांश	रेखांश	क्षेत्रीय स्टै. टा. से. स्था. समयान्तर मि. सै.	ग्रीन्विच G.M.T. से क्षे. स्टै. समयान्तर घं. मि.	भारतीय स्टै.टा. से क्षे. स्टै. टा. समयान्तर घं. मि.	दिल्ली से पूर्व व पश्चि. देशान्तर समय संस्कार घं. मि. सै.	साम्पा. संस्कार
बेलिंग्टन	न्यूजीलैंड	४१।१९द.	१७४।४६पू.	−२०।५६	+१२।०	+६।३०	+६।३०।८	−१।३
कानबेर	आस्ट्रेलिया	३५।१५द.	१४९।८पू.	−३।२८	" १०।०	" ४।३०	+४।४७।३६	" ०।४७
आस्ट्रेलिया	दक्षिण	३२।०द.	१४६।१७पू.	−१४।५२	" १०।०	" ४।३०	+४।३६।१२	" ०।४७
टोकियो	जापान	३५।३९उ.	१३९।४५पू.	+१९।०	" ९।०	" ३।३०	+४।१०।४	" ०।४४
सेऊल	द. कोरिया	३७।४०उ.	१२७।० पू.	−३२।०	" ९।०	" ३।३०	+३।१९।१४	" ०।३३
प्योगयांग	उ. कोरिया	३९।०उ.	१२५।३०पू.	−३८।०	" ९।०	" ३।३०	+३।२३।१४	" ०।३२
फार्मोसा	फार्मोसा	२५।२८उ.	१२१।३२पू.	−५३।५२	" ९।०	" ३।३०	+२।५७।१२	" ०।३०
फिर्जादीप	फिजी	१८।०द.	१७९।०पू.	+६।२६	" १२।०	" ६।३०	+६।४७।४	" १।८
पेइचिंग	चीन	३९।५०उ.	११६।२०पू.	−१४।४०	" ८।०	" २।३०	+२।३६।२४	" ०।२६
हांगकांग	हांगकांग	२२।१८उ.	११४।१०पू.	−२३।२०	" ८।०	" २।३०	+२।२७।४४	" ०।२२
जकार्ता	इंडोनेशिया	७।५७द.	११०।२०पू.	−८।४०	" ७।३०	" २।०	+२।२२।२४	" ०।२१
सिंगापुर	मलाया	१।१६उ.	१०३।४७पू.	−३४।५२	" ७।३०	" २।०	+१।४६।१२	" ०।१७
बेंगकांक	स्याम	१३।४५उ.	१००।३०पू.	−१८।०	" ७।०	" १।३०	+१।३३।४	" ०।१५
रंगून	ब्रह्मदेश	१६।४८उ.	९६।८पू.	−५।२८	" ६।३०	" १।०	+१।१५।३६	" ०।१२
मांडले	" "	२२।०उ.	९६।५पू.	−५।४०	" ६।३०	" १।०	+१।१५।२४	" ०।१२
ल्हासा	तिब्बत	२९।४०उ.	९१।८ पू.	+३४।३२	" ५।३०	" ०।०	+०।५५।३६	" ०।९
ढाका	बांग्लादेश	२३।४३उ.	९०।२५पू.	+१।४०	" ६।०	" ०।३०	+०।५२।४४	" ०।८
कांडी	सीलोन लंका	७।११उ.	८०।३२पू.	−०।०	" ५।३०	− ०।०	+०।२१।१२	" ०।२
राज. दिल्ली	भारत	२८।३८उ.	७७।१४पू.	−२१।४	" ५।३०	+ ०।०	+ ०।०।०	" ०।०
काबुल	अफगानिस्तान	३४।३१उ.	६९।१२पू.	+६।४८	" ४।३०	− १।००	−०।३२।८	+०।५
करांची	प.पाकिस्तान	२४।५१उ.	६७।०पू.	−३२।०	" ५।०	" ०।३०	−०।४०।५६	" ०।६
तेहरान	ईरान	३५।४४उ.	५१।२७पू.	−४।१२	" ३।३०	" २।०	−१।४३।८	" ०।१७
एडन	एडन	१२।५८उ.	४५।१२ पू.	+०।१४	" ३।०	" २।३०	−२।८।५२	" ०।२०
बगदाद	ईराक	३३।१८उ.	४४।३०पू.	−२।०	" ३।०	" २।३०	−२।१०।५६	" ०।२१
अदन	एडन	१३।२५उ.	४५।०पू.	−०।०	" ३।०	" २।३०	−२।८।५६	" ०।२०
रियाध	सऊदी अरब	२४।५०उ.	४६।१८पू.	+५।१२	" ३।०	" २।३०	−२।३।४४	" ०।१९
मॉस्को	रूस	५५।४५उ.	३७।३५पू.	−२९।४०	" ३।०	" २।३०	−२।३८।३६	" ०।२६
नाइरोबी	पूर्वी अफ्रीका	१।२०द.	३६।४४पू.	−३३।४	" २।३०	" ३।०	−२।४२।०	" ०।२७
दमास्कस	सीरिया	३३।३०उ.	३६।१८पू.	+२५।१२	" २।०	" ३।३०	−२।४३।४४	" ०।२७
अमन	जॉर्डन	३१।५७उ.	३५।५७ पू.	+२३।४८	" २।०	" ३।३०	−२।४५।८	" ०।२८
जेरूसलेम	इसराइल	३१।४८उ.	३५।१२पू.	+२०।४८	" २।०	" ३।३०	−२।८।८	" ०।२८
काहिरा	मिस्र	३०।१३उ.	३१।१३पू.	+४।५२	" २।०	" ३।३०	−३।४।४	" ०।३१
अंकारा	तुर्किस्तान	३९।५२उ.	३२।५१पू.	+११।५६	" २।०	" ३।३०	−२।५७।०	" ०।३०
ट्रांसवालय	दक्षि. अफ्रीका	२५।०द.	२९।०पू.	+४।०	" २।०	" ३।३०	−३।२२।५६	" ०।३१
बल्गारिया	यूरोप	४३।१८उ.	२६।१७पू.	+२४।५२	" २।०	" ३।३०	[illegible]	" [illegible]

विदेशी राजधानी एवं प्रमुख शहर	राष्ट्र	अक्षांश	रेखांश	क्षेत्रीय स्टै. टा. से. स्था. समयान्तर मि. सै.	ग्रीन्विच G.M.T. से क्षे. स्टै. समयान्तर घं. मि.	भारतीय स्टै.टा. से क्षे. स्टै. टा. समयान्तर घं. मि.	दिल्ली से पूर्व व पश्चि. देशान्तर समय संस्कार घं. मि. सै.	साम्पा. संस्कार
बेलग्रेड	यूगोस्लाविया	४४।५०उ.	२०।३७पू.	+२२।२८	+ १।०	− ४।३०	−३।४६।२८	+०।३८
बुडापेस्ट	हंगरी	४७।२९उ.	१९।५ पू.	+१६।२०	" १।०	" ४।३०	−३।५२।३६	" ०।३९
बर्लिन	पूर्वीजर्मनी	५२।३२उ.	१३।२४पू.	− ६।२४	" १।०	" ४।३०	" ४।१५।२०	" ०।४२
ट्रिपोली	उत्तरी अफ्रीका	३२।४५द.	१३।१५पू.	− ७।०	" १।०	" ४।३०	" ४।१५।५६	" ०।४३
रोम	इटली	४१।४५उ.	१२।२९पू.	− १०।४	" १।०	" ४।३०	" ४।१९।०	" ०।४८
यान	पश्चि.जर्मनी	५०।४३उ.	७।६पू.	− ३१।३६	+ १।०	" ४।३०	" ४।४०।३२	" ०।४८
जेनेवा	स्विट्जरलैंड	४६।४२उ.	६।९पू.	− ३५।२४	" १।०	" ४।३०	" ४।४४।२०	" ०।४९
ब्रू सेल्स ×	बेल्जियम	५०।५१उ.	४।२१पू.	− ४२।३६	+ १।०	− ४।३०	" ४।५१।३२	" ०।५०
पेरिस ×	फ्रान्स	४८।५०उ.	२।२०पू.	− ५०।४०	+ १।०	" ४।३०	" ४।५९।३६	" ०।५१
ग्रीनविच	इंगलैंड	५१।२९उ.	रे. शून्य	− ०।०	+ ०।०	" ५।३०	" ५।८।५६	" ०।५१
लंदन	"	५१।३२उ.	०।५प.	− ०।२०	− ०।०	" ५।३०	" ५।९।१६	" ०।५३
मॉड्रिड ×	स्पेन	४०।२५उ.	३।४५प.	− ७५।०	+ १।०	" ४।३०	" ५।२३।५६	" ०।५४
जिब्राल्टर "	जिब्राल्टर	३६।७उ.	५।२२प.	− ८१।२८	+ १।०	" ४।३०	" ५।३०।२४	" ०।५७
लिस्बॅन	पुर्तगाल	३८।४२उ.	९।१०प.	− ३६।४०	− ०।०	" ५।३०	" ५।४५।३६	" १।३७
अर्जेण्टाइना	द. अमेरिका	२६।१२द.	६४।४५प.	+ ४१।०	" ५।०	" १०।३०	" ९।२७।५६	" १।४०
न्यूयॉर्क	अमेरिका	४०।४३उ.	७४।०प.	+ ४।०	" ५।०	" १०।३०	" १०।४।५६	" १।४०
ओटावा	कैनेडा	४५।२६उ.	७५।४१प.	− २।४४	" ५।०	" १०।३०	" १०।११।४०	" १।४०
वाशिंगटन	अमेरिका	३८।४३उ.	७७।०प.	− ८।०	" ५।०	" १०।०	" १०।१६।५६	" १।४२
मेक्सिको	मेक्सिको	१९।२५उ.	९९।२७प.	− ३७।८	" ६।०	" ११।३०	" ११।४६।४	" १।५७

नोट—× यहां ग्रीनविच मध्यम समय (G.M.T.) भी व्यवहार में चालू है।

रेलवे टाईम से देशी टाईम बनाने की रीति

जिस नगर का रेलवेअन्तर मिनट धन होवे उसके मध्य अन्तर को रेलवे टाइम में जोड देना और जहां ऋण चिन्ह होवे वहां पर मध्यान्तर मिनट घटा देने से अभीष्ट शहर का मध्यम समय प्राप्त होगा। जिस मास और तारीख का स्पष्ट समय जानना हो तो उस मास और तारीख के सामने जो वेलान्तर मिनट होवे उनको मध्यम टाइम में विपरीत (धन चिन्ह हो तो ऋण और ऋण चिन्ह हो तो धन) युक्त करने से अभीष्ट शहर का घण्टा मिनिटात्मक स्पष्ट समय उस दिन का होगा। (+) यह धन चिन्ह है। और (—) यह ऋण चिन्ह है।

समय भेद- इस मसय समस्त भू-मण्डल पर जो समय प्रयोग में आ रहा है वह ब्रिटेन की राजधानी लन्दन के निकट ग्रीनविच (वेधशाला) से प्रसारित किया जाता है सभी देशों ने अपने-अपने यहां व्यवहार में लाने के लिए किसी एक स्थान विशेष को आधार मानकर स्वदेशीय स्टैण्डर्ड टाईम चालू कर रखा है। इस समय समस्त भारत वर्ष में जो समय प्रसारित किया जाता है, वह बनारस से कुछ पश्चिम में मिर्जापुर, चिरमिरी, बिलासपुर, कोटपाड़, घोरा और जुम्ला आदि स्थानों पर से गुजरने वाली काल्पनिक देशान्तर रेखा को आधार मानकर किया जाता है, जो कि ग्रीनविच से पूर्व रेखांश ८२।३० के अन्तर पर है। एक देशान्तर रेखा बराबर ४ मिनट + के हिसाब से ८२।३० × ४ =५ घं ३० मिनट का अन्तर ही ग्रीनविच और भारतीय स्टैण्डर्ड समय का अन्तर सदैव धन रहता है।

वर्तमान समय में- ८२।३० पूर्व देशान्तर रेखा से प्रसारित होने वाला भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम समस्त भारत वर्ष में एक समान रहता है। इससे वायुयान, जलयान, रेलवे आदि के व्यवहारों में बहुत सुविधा रहती है। लेकिन अनभिज्ञ ज्योतिषी समय भेद का यथार्थ ज्ञान न होने के कारण किसी भी स्थान के किसी भी आधार पर बने पंचांग का सूर्योदय चाहे जिस मान का लेकर इष्ट बना लेते हैं, यह ज्योतिष शास्त्र की दृष्टि से अपराध है। ज्योतिषियों को चाहिए कि पहले समय भेद को भली भाँति समझकर तदन्तर जन्म पत्र आदि बनावें।

इस समय समस्त घड़ियां स्टैण्डर्ड टाईम से चल रही हैं। प्राय धूप घड़ी का प्रचलन ही समाप्त हो चुका है। धूप घड़ी से बने पंचांग

चालन कोष्ठक

मिनट	० घं.	१ घं.	२ घं.	३ घं.	४ घं.	५ घं.	६ घं.	७ घं.	८ घं.	९ घं.	१० घं.	११ घं.	१२ घं.	१३ घं.	१४ घं.	१५ घं.	१६ घं.	१७ घं.	१८ घं.	१९ घं.	२० घं.	२१ घं.	२२ घं.	२३ घं.

मिनट	० घं.	१ घं.	२ घं.	३ घं.	४ घं.	५ घं.	६ घं.	७ घं.	८ घं.	९ घं.	१० घं.	११ घं.	१२ घं.	१३ घं.	१४ घं.	१५ घं.	१६ घं.	१७ घं.	१८ घं.	१९ घं.	२० घं.	२१ घं.	२२ घं.	२३ घं.
०	०	४२	८३	१२५	१६७	२०८	२५०	२९२	३३३	३७५	४१७	४५८	५००	५४२	५८३	६२५	६६७	७०८	७५०	७९२	८३३	८७५	९१७	९५८
१	१	४३	८४	१२६	१६८	२०९	२५१	२९३	३३४	३७६	४१८	४५९	५०१	५४३	५८४	६२६	६६८	७०९	७५१	७९३	८३४	८७६	९१८	९५९
३	२	४४	८५	१२७	१६९	२१०	२५२	२९४	३३५	३७७	४१९	४६०	५०२	५४४	५८५	६२७	६६९	७१०	७५२	७९४	८३५	८७७	९१९	९६०
४	३	४५	८६	१२८	१७०	२११	२५३	२९५	३३६	३७८	४२०	४६१	५०३	५४५	५८६	६२८	६७०	७११	७५३	७९५	८३६	८७८	९२०	९६१
६	४	४६	८७	१२९	१७१	२१२	२५४	२९६	३३७	३७९	४२१	४६२	५०४	५४६	५८७	६२९	६७१	७१२	७५४	७९६	८३७	८७९	९२१	९६२
७	५	४७	८८	१३०	१७२	२१३	२५५	२९७	३३८	३८०	४२२	४६३	५०५	५४७	५८८	६३०	६७२	७१३	७५५	७९७	८३८	८८०	९२२	९६३
९	६	४८	८९	१३१	१७३	२१४	२५६	२९८	३३९	३८१	४२३	४६४	५०६	५४८	५८९	६३१	६७३	७१४	७५६	७९८	८३९	८८१	९२३	९६४
१०	७	४९	९०	१३२	१७४	२१५	२५७	२९९	३४०	३८२	४२४	४६५	५०७	५४९	५९०	६३२	६७४	७१५	७५७	७९९	८४०	८८२	९२४	९६५
१२	८	५०	९१	१३३	१७५	२१६	२५८	३००	३४१	३८३	४२५	४६६	५०८	५५०	५९१	६३३	६७५	७१६	७५८	८००	८४१	८८३	९२५	९६६
१३	९	५१	९२	१३४	१७६	२१७	२५९	३०१	३४२	३८४	४२६	४६७	५०९	५५१	५९२	६३४	६७६	७१७	७५९	८०१	८४२	८८४	९२६	९६७
१४	१०	५२	९३	१३५	१७७	२१८	२६०	३०२	३४३	३८५	४२७	४६८	५१०	५५२	५९३	६३५	६७७	७१८	७६०	८०२	८४३	८८५	९२७	९६८
१६	११	५३	९४	१३६	१७८	२१९	२६१	३०३	३४४	३८६	४२८	४६९	५११	५५३	५९४	६३६	६७८	७१९	७६१	८०३	८४४	८८६	९२८	९६९
१७	१२	५४	९५	१३७	१७९	२२०	२६२	३०४	३४५	३८७	४२९	४७०	५१२	५५४	५९५	६३७	६७९	७२०	७६२	८०४	८४५	८८७	९२९	९७०
१९	१३	५५	९६	१३८	१८०	२२१	२६३	३०५	३४६	३८८	४३०	४७१	५१३	५५५	५९६	६३८	६८०	७२१	७६३	८०५	८४६	८८८	९३०	९७१
२०	१४	५६	९७	१३९	१८१	२२२	२६४	३०६	३४७	३८९	४३१	४७२	५१४	५५६	५९७	६३९	६८१	७२२	७६४	८०६	८४७	८८९	९३१	९७२
२२	१५	५७	९८	१४०	१८२	२२३	२६५	३०७	३४८	३९०	४३२	४७३	५१५	५५७	५९८	६४०	६८२	७२३	७६५	८०७	८४८	८९०	९३२	९७३
२३	१६	५८	९९	१४१	१८३	२२४	२६६	३०८	३४९	३९१	४३३	४७४	५१६	५५८	५९९	६४१	६८३	७२४	७६६	८०८	८४९	८९१	९३३	९७४
२४	१७	५९	१००	१४२	१८४	२२५	२६७	३०९	३५०	३९२	४३४	४७५	५१७	५५९	६००	६४२	६८४	७२५	७६७	८०९	८५०	८९२	९३४	९७५
२६	१८	६०	१०१	१४३	१८५	२२६	२६८	३१०	३५१	३९३	४३५	४७६	५१८	५६०	६०१	६४३	६८५	७२६	७६८	८१०	८५१	८९३	९३५	९७६
२७	१९	६१	१०२	१४४	१८६	२२७	२६९	३११	३५२	३९४	४३६	४७७	५१९	५६१	६०२	६४४	६८६	७२७	७६९	८११	८५२	८९४	९३६	९७७
२९	२०	६२	१०३	१४५	१८७	२२८	२७०	३१२	३५३	३९५	४३७	४७८	५२०	५६२	६०३	६४५	६८७	७२८	७७०	८१२	८५३	८९५	९३७	९७८
३०	२१	६३	१०४	१४६	१८८	२२९	२७१	३१३	३५४	३९६	४३८	४७९	५२१	५६३	६०४	६४६	६८८	७२९	७७१	८१३	८५४	८९६	९३८	९७९
३२	२२	६४	१०५	१४७	१८९	२३०	२७२	३१४	३५५	३९७	४३९	४८०	५२२	५६४	६०५	६४७	६८९	७३०	७७२	८१४	८५५	८९७	९३९	९८०
३३	२३	६५	१०६	१४८	१९०	२३१	२७३	३१५	३५६	३९८	४४०	४८१	५२३	५६५	६०६	६४८	६९०	७३१	७७३	८१५	८५६	८९८	९४०	९८१
३५	२४	६६	१०७	१४९	१९१	२३२	२७४	३१६	३५७	३९९	४४१	४८२	५२४	५६६	६०७	६४९	६९१	७३२	७७४	८१६	८५७	८९९	९४१	९८२
३६	२५	६७	१०८	१५०	१९२	२३३	२७५	३१७	३५८	४००	४४२	४८३	५२५	५६७	६०८	६५०	६९२	७३३	७७५	८१७	८५८	९००	९४२	९८३
३७	२६	६८	१०९	१५१	१९३	२३४	२७६	३१८	३५९	४०१	४४३	४८४	५२६	५६८	६०९	६५१	६९३	७३४	७७६	८१८	८५९	९०१	९४३	९८४
३९	२७	६९	११०	१५२	१९४	२३५	२७७	३१९	३६०	४०२	४४४	४८५	५२७	५६९	६१०	६५२	६९४	७३५	७७७	८१९	८६०	९०२	९४४	९८५
४०	२८	७०	१११	१५३	१९५	२३६	२७८	३२०	३६१	४०३	४४५	४८६	५२८	५७०	६११	६५३	६९५	७३६	७७८	८२०	८६१	९०३	९४५	९८६
४२	२९	७१	११२	१५४	१९६	२३७	२७९	३२१	३६२	४०४	४४६	४८७	५२९	५७१	६१२	६५४	६९६	७३७	७७९	८२१	८६२	९०४	९४६	९८७
४३	३०	७२	११३	१५५	१९७	२३८	२८०	३२२	३६३	४०५	४४७	४८८	५३०	५७२	६१३	६५५	६९७	७३८	७८०	८२२	८६३	९०५	९४७	९८८
४५	३१	७३	११४	१५६	१९८	२३९	२८१	३२३	३६४	४०६	४४८	४८९	५३१	५७३	६१४	६५६	६९८	७३९	७८१	८२३	८६४	९०६	९४८	९८९
४६	३२	७४	११५	१५७	१९९	२४०	२८२	३२४	३६५	४०७	४४९	४९०	५३२	५७४	६१५	६५७	६९९	७४०	७८२	८२४	८६५	९०७	९४९	९९०
४८	३३	७५	११६	१५८	२००	२४१	२८३	३२५	३६६	४०८	४५०	४९१	५३३	५७५	६१६	६५८	७००	७४१	७८३	८२५	८६६	९०८	९५०	९९१
४९	३४	७६	११७	१५९	२०१	२४२	२८४	३२६	३६७	४०९	४५१	४९२	५३४	५७६	६१७	६५९	७०१	७४२	७८४	८२६	८६७	९०९	९५१	९९२
५०	३५	७७	११८	१६०	२०२	२४३	२८५	३२७	३६८	४१०	४५२	४९३	५३५	५७७	६१८	६६०	७०२	७४३	७८५	८२७	८६८	९१०	९५२	९९३
५२	३६	७८	११९	१६१	२०३	२४४	२८६	३२८	३६९	४११	४५३	४९४	५३६	५७८	६१९	६६१	७०३	७४४	७८६	८२८	८६९	९११	९५३	९९४
५३	३७	७९	१२०	१६२	२०४	२४५	२८७	३२९	३७०	४१२	४५४	४९५	५३७	५७९	६२०	६६२	७०४	७४५	७८७	८२९	८७०	९१२	९५४	९९५
५५	३८	८०	१२१	१६३	२०५	२४६	२८८	३३०	३७१	४१३	४५५	४९६	५३८	५८०	६२१	६६३	७०५	७४६	७८८	८३०	८७१	९१३	९५५	९९६
५६	३९	८१	१२२	१६४	२०६	२४७	२८९	३३१	३७२	४१४	४५६	४९७	५३९	५८१	६२२	६६४	७०६	७४७	७८९	८३१	८७२	९१४	९५६	९९७
५८	४०	८२	१२३	१६५	२०७	२४८	२९०	३३२	३७३	४१५	४५७	४९८	५४०	५८२	६२३	६६५	७०७	७४८	७९०	८३२	८७३	९१५	९५७	९९८
५९	४१	८३	१२४	१६६	२०८	२४९	२९१	३३३	३७४	४१६	४५८	४९९	५४१	५८३	६२४	६६६	७०८	७४९	७९१	८३३	८७४	९१६	९५८	९९९

सूर्यबिम्ब द्रव्यमान वक्री भवन संस्कार युक्त (अक्षांश के मुताबिक) सूर्योदय A.M.और सूर्यास्त P.M.स्थानिक समय में

उत्तर अक्षांश	अक्षांश ८				९				१०				११			
	उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त	
मा. ता.	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि
जन. १	६	१४	५	५४	६	१६	५	५२	६	१७	५	५०	६	१९	५	४९
७		१६		५७		१८		५५		१९		५३		२१		५२
१३		१८	६	०		२०		५८		२१		५७		२३		५५
१९		१९		३		२१	६	१		२२	६	०		२४		५८
२५		२०		५		२२		३		२३		२		२४	६	१
३१		२०		७		२२		६		२३		५		२४		३
फर. ६		२०		९		२१		८		२२		७		२३		५
१२		१९		१०		२०		९		२१		८		२२		७
१८		१७		११		१८		१०		१९		९		२०		८
२४		१५		११		१६		१०		१७		१०		१७		९
मार्च २		१३		१२		१४		११		१४		११		१५		१०
८		१०		१२		११		११		११		११		११		११
१४		८		११		८		११		८		११		८		११
२०		४		११		४		११		४		११		४		११
२६		१		१०		१		१०		१		११		१		११
अप्रै. २	५	५८		१०	५	५८		१०	५	५७		११	५	५७		११
८		५५		९		५५		९		५४		१०		५३		११
१४		५२		९		५१		९		५०		१०		५०		११
२०		४९		९		४८		१०		४७		११		४७		१२
२६		४७		९		४६		१०		४५		११		४४		१२
मई १		४५		९		४४		१०		४३		१२		४२		१३
७		४३		१०		४२		११		४१		१२		४०		१४
१३		४२		११		४१		१२		३९		१३		३८		१५
१९		४१		१२		४०		१३		३८		१५		३७		१६
२५		४१		१३		४०		१४		३८		१६		३६		१८
३१		४१		१४		४०		१६		३८		१८		३६		१९
जून ६		४१		१६		४०		१७		३८		१९		३६		२१
१२		४२		१७		४१		१९		३९		२१		३७		२३
१८		४३		१९		४२		२०		४०		२२		३८		२४
२४		४५		२०		४३		२२		४१		२४		[illegible]		[illegible]

उत्तर अक्षांश	१२				१३				१४				१५			
	उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त	
मा. ता.	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि
जन. १	६	२१	५	४७	६	२३	५	४५	६	२४	५	४३	६	२६	५	४१
७		२३		५०		२५		४८		२६		४७		२८		४५
१३		२४		५३		२६		५१		२८		५०		२९		४८
१९		२५		५७		२७		५५		२८		५४		३०		५२
२५		२६		५९		२७		५८		२८		५७		३०		५५
३१		२५	६	२		२७	६	०		२८		५९		२९		५८
फर. ६		२४		४		२६		३		२७	६	२		२८	६	१
१२		२३		६		२४		५		२५		४		२६		३
१८		२१		८		२२		७		२२		६		२३		५
२४		१८		९		१९		८		१९		७		२०		७
मार्च २		१५		१०		१६		९		१६		९		१७		८
८		१२		१०		१२		१०		१२		१०		१३		९
१४		८		११		९		१०		९		१०		९		१०
२०		४		११		४		११		४		११		४		११
२६		१		११		१		११		०		१२		०		१२
अप्रै. २	५	५६		११	५	५६		११	५	५५		१२	५	५५		१३
८		५२		१२		५२		१२		५१		१३		५१		१३
१४		४९		१२		४९		१२		४८		१३		४७		१४
२०		४६		१२		४५		१३		४४		१४		४३		१५
२६		४३		१३		४२		१४		४१		१५		४०		१६
मई १		४१		१४		४०		१५		३८		१६		३७		१७
७		३८		१५		३७		१६		३६		१८		३४		१९
१३		३७		१६		३६		१७		३४		१९		३२		२१
१९		३५		१८		३४		१९		३२		२१		३१		२२
२५		३५		१९		३३		२१		३१		२३		३०		२४
३१		३४		२१		३३		२२		३१		२४		२९		२६
जून ६		३४		२३		३३		२४		३१		२६		२९		२८
१२		३५		२४		३३		२६		३१		२८		३०		३०
१८		३६		२६		३४		२८		३२		३०		३१		३२
२४		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]

उत्तर अक्षांश	१६				१७				१८				१९				दक्षिण अक्षांश
	उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		
मा. ता.	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	मा. ता.
जन. १	६	२८	५	४०	६	३०	५	३८	६	३१	[illegible]	३६	६	३३	५	३४	जुला.३
७		३०		४३		३१		४१		३३		४०		३५		३८	९
१३		३१		४७		३३		४५		३४		४३		३६		४२	१५
१९		३१		५०		३३		४९		३५		४७		३६		४६	२२
२५		३१		५४		३३		५२		३४		५१		३६		४९	२८
३१		३१		५७		३२		५५		३३		५४		३५		५३	अग. ४
फर. ६		२९	६	०		३०		५८		३१		५७		३३		५६	१०
१२		२७		२		२८	६	१		२९	६	०		३०		५९	१६
१८		२४		४		२५		३		२६		२		२७	६	२	२२
२४		२१		६		२२		५		२२		५		२३		४	२९
मार्च २		१७		८		१८		७		१८		७		१९		६	सितं. ४
८		१३		९		१४		९		१४		८		१४		८	१०
१४		९		१०		९		१०		९		१०		९		९	१६
२०		४		११		४		११		४		११		४		११	२२
२६		०		१२		०		१२		०		१२	५	५१		१३	२८
अप्रै. २	५	५५		१३	५	५४		१३	५	५४		१४		५३		१४	अक्टू. ६
८		५०		१४		५०		१४		५०		१५		४९		१६	११
१४		४६		१५		४५		१६		४५		१६		४४		१७	१७
२०		४२		१६		४१		१७		४०		१८		३९		१९	२३
२६		३९		१७		३७		१८		३६		१९		३५		२१	२९
मई १		३६		१९		३५		२०		३३		२१		३२		२२	नवं. ३
७		३३		२०		३२		२२		३०		२३		२९		२४	९
१३		३१		२२		२९		२३		२८		२५		२६		२७	१५
१९		२९		२४		२८		२६		२६		२७		२४		२९	२०
२५		२८		२६		२६		२८		२५		२९		२३		३१	२६
३१		२७		२८		२६		३०		२४		३२		२२		३३	दिसं. २
जून ६		२७		३०		२५		३२		२४		३४		२२		३६	७
१२		२८		३२		२६		३४		२४		३६		२२		३८	१३
१८		२९		३३		२७		३५		२५		३७		२३		३९	१९
२४		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]		[illegible]	

उत्तर	अक्षांश ८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	दक्षिण

उत्तर अक्षांश	अक्षांश ८				९				१०				११			
	उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त	
मा. ता.	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि
जुला. ६	५	४८	६	२२	५	४६	६	२३	५	४४	६	२५	५	४२	६	२७
१२		४९		२२		४८		२४		४६		२६		४४		२७
१८		५०		२२		४९		२३		४७		२५		४५		२७
२४		५१		२२		५०		२३		४८		२५		४७		२६
३०		५२		२१		५१		२२		४९		२३		४८		२५
अग. ५		५३		१९		५२		२०		५०		२२		४९		२३
११		५३		१७		५२		१८		५१		२०		५०		२१
१७		५३		१५		५२		१६		५१		१७		५०		१८
२३		५३		१२		५२		१३		५१		१४		५०		१५
२९		५२		१०		५२		१०		५१		११		५०		१२
सितं. ४		५२		६		५२		६		५१		७		५०		८
१०		५१		३		५१		३		५०		४		५०		४
१६		५०		०		५०		०		५०		०		५०		०
२२		४९	५	५६		४९	५	५६		४९	५	५६		४९	५	५६
२८		४९		५३		४९		५३		४९		५३		४९		५२
अक्टू. ३		४८		५०		४८		५०		४८		५०		४९		४९
९		४८		४७		४८		४६		४८		४६		४९		४६
१५		४७		४४		४८		४३		४९		४३		४९		४३
२१		४७		४२		४८		४१		४९		४०		५०		४०
२७		४८		४०		४९		३९		५०		३८		५१		३७
नवं. २		४९		३९		५०		३७		५१		३६		५२		३५
८		५०		३८		५१		३६		५२		३५		५४		३४
१४		५१		३७		५३		३६		५४		३५		५६		३३
२०		५४		३८		५५		३६		५६		३५		५८		३३
२६		५६		३९		५८		३७		५९		३६	६	१		३४
दिसं. २		५९		४०	६	१		३८	६	२		३७		४		३५
८	६	२		४२		४		४०		५		३९		७		३७
१४		५		४५		७		४३		८		४१		१०		३९
२०		८		४७		१०		४५		११		४४		१३		४२
२६		११		५०		१३		४८		१४		४७		१६		४५

उत्तर अक्षांश	१२				१३				१४				१५			
	उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त	
मा. ता.	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि
जुला. ६	५	४१	६	२९	५	३९	६	३०	५	३७	६	३२	५	३५	६	३४
१२		४२		२९		४१		३०		३९		३२		३७		३४
१८		४४		२९		४२		३०		४०		३२		३९		३३
२४		४५		२८		४४		२९		४२		३१		४०		३२
३०		४६		२६		४५		२७		४४		२९		४२		३१
अग. ५		४८		२४		४७		२५		४५		२७		४४		२८
११		४८		२२		४७		२३		४६		२४		४५		२५
१७		४९		१९		४८		२०		४७		२१		४६		२२
२३		४९		१६		४९		१७		४८		१८		४७		१८
२९		४९		१२		४९		१३		४८		१४		४७		१४
सितं. ४		४९		८		४९		९		४८		१०		४८		१०
१०		४९		५		४९		५		४९		५		४८		६
१६		४९		०		४९		०		४९		१		४९		१
२२		४९	५	५६		४९	५	५६		४९	५	५६		४९	५	५६
२८		४९		५२		४९		५२		४९		५२		४९		५२
अक्टू. ३		४९		४९		५०		४८		५०		४८		५०		४८
९		४९		४५		५०		४४		५०		४४		५१		४४
१५		५०		४२		५१		४१		५१		४१		५२		४०
२१		५०		३९		५१		३८		५२		३७		५३		३६
२७		५१		३६		५२		३५		५३		३४		५४		३३
नवं. २		५३		३४		५४		३३		५५		३२		५६		३१
८		५५		३३		५६		११		५७		३०		५८		२९
१४		५७		३२		५९		३०	६	०		२८	६	१		२८
२०		५९		३२	६	१		३०		२		२९		४		२७
२६	६	२		३२		४		३०		५		२९		७		२८
दिसं. २		५		३४		७		३२		९		३०		१०		२८
८		९		३५		११		३३		१२		३२		१४		३०
१४		१२		३८		१४		३६		१५		३४		१७		३२
२०		१५		४०		१७		३८		१८		३७		२०		३५
२६		१८		४३		२०		४१		२१		४०		२३		३८

उत्तर अक्षांश	१६				१७				१८				१९				दक्षिण अक्षांश
	उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		
मा. ता.	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	मा. ता.
जुला. ६	५	३३	६	३६	५	३१	६	३८	५	३०	६	४०	५	२८	६	४२	जन. ४
१२		३५		३६		३३		३८		३२		३९		३०		४१	१०
१८		३७		३५		३५		३७		३४		३९		३२		४०	१५
२४		३९		३४		३७		३५		३६		३७		३४		३९	२१
३०		४१		३२		३९		३३		३८		३५		३६		३६	२७
अग. ५	५	४२		३०		४१		३१		४०		३२		३८		३४	फर. १
११		४४		२७		४२		२८		४१		२९		४०		३०	७
१७		४५		२३		४४		२४		४३		२५		४२		२६	११
२३		४६		१९		४५		२०		४४		२१		४३		२२	१८
२९		४७		१५		४६		१६		४५		१७		४४		१७	२४
सितं. ४		४७		११		४७		११		४६		१२		४६		१२	मार्च २
१०		४८		६		४७		६		४७		७		४७		७	८
१६		४८		१		४८		१		४८		२		४८		२	१४
२२		४९	५	५६		४९	५	५६		४९	५	५७		४९	५	५७	२०
२८		५०		५२		५०		५२		५०		५१		५०		५१	२६
अक्टू. ३		५०		४८		५०		४८		५१		४७		५१		४७	३०
९		५१		४३		५२		४३		५२		४२		५२		४२	अप्रै. ५
१५		५२		३९		५३		३९		५३		३८		५४		३७	१२
२१		५४		३६		५४		३५		५५		३४		५६		३३	१८
२७		५५		३२		५६		३१		५७		३१		५८		३०	२४
नवं. २		५७		३०		५८		२९	६	०		२८	६	१		२६	३०
८	६	०		२८	६	०		२७		२		२५		४		२४	मई ६
१४		२		२६		४		२५		५		२४		७		२२	१२
२०		५		२६		७		२४		९		२३		१०		२१	१९
२६		९		२६		१०		२४		१२		२३		१४		२१	२५
दिसं. २		१२		२७		१४		२५		१६		२३		१७		२१	३१
८		१६		२८		१७		२६		१९		२५		२१		२३	जून ७
१४		१९		३०		२१		२९		२३		२७		२५		२५	१३
२०		२२		३३		२४		३१		२६		२९		२८		२७	१९
२६		२५		३६		२७		३४		२९		३२		३१		३०	२६

इस सारणी से ८ अक्षांश से ३४ अक्षांश तक भारत के सभी नगरों के सूर्योदय-सूर्यास्त आ जाते हैं। जिस नगर का जो अक्षांश हो उसके अनुसार देखकर स्थानीय समय जाना जा सकता है। भा. स्टै. टा. का जो अन्तर उस स्थान से है उसको ८२।३० से कम रेखांश में जमा करने और ८२।३० से अधिक रेखांश में कम करने से भा. स्टै.टा. में सूर्योदयास्त का समय आ जाता है।

सूर्यबिम्ब द्रव्यमान वक्री भवन संस्कार युक्त (अक्षांश के मुताबिक) सूर्योदय A.M. और सूर्यास्त P.M. स्थानिक समय में

उत्तर अक्षांश	अक्षांश २०				अक्षांश २१				अक्षांश २२				अक्षांश २३				अक्षांश २४				अक्षांश २५				अक्षांश २६				अक्षांश २७			
	उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त	
मा. ता.	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि
जन. १	६	३५	५	३२	६	३७	५	३०	६	३९	५	२८	६	४१	५	२६	६	४३	५	२४	६	४५	५	२२	६	४७	५	२०	६	४९	५	१८
७		३७		३६		३९		३४		४१		३२		४३		३०		४५		२८		४७		२६		४९		२४		५१		२२
१३		३८		४०		४०		३८		४१		३६		४३		३४		४५		३३		४७		३१		४९		२९		५१		२७
१९		३८		४४		४०		४२		४१		४१		४३		३९		४५		३७		४७		३५		४८		३३		५०		३२
२५		३७		४८		३९		४६		४०		४५		४२		४३		४४		४१		४५		४०		४७		३८		४९		३६
३१		३६		५१		३७		५०		३९		४९		४०		४७		४२		४६		४३		४४		४५		४३		४६		४१
फर. ६		३४		५५		३५		५४		३६		५२		३८		५१		३९		५०		४०		४८		४२		४७		४३		४६
१२		३१		५८		३२		५७		३३		५६		३४		५५		३६		५३		३७		५२		३८		५१		३९		५०
१८		२८	६	१		२९	६	०		३०		५९		३०		५८		३१		५७		३२		५६		३३		५५		३४		५४
२४		२४		३		२४		३		२५	६	२		२६	६	१		२७	६	०		२८	६	०		२८		५९		२९		५८
मार्च २		१९		५		२०		५		२०		४		२१		४		२२		३		२२		३		२३	६	२		२३	६	२
८		१५		७		१५		७		१५		७		१६		६		१६		६		१७		६		१७		५		१७		५
१४		१०		९		१०		९		१०		९		१०		९		१०		९		११		८		११		८		११		८
२०		४		११		४		११		४		११		४		११		४		११		४		११		४		११		४		११
२६	५	५९		१३	५	५९		१३	५	५९		१३	५	५८		१४	५	५८		१४	५	५८		१४	५	५८		१४	५	५८		१४
अप्रै. २		५३		१५		५३		१५		५२		१५		५२		१६		५१		१६		५१		१७		५१		१७		५०		१८
८		४८		१६		४७		१७		४७		१७		४६		१८		४६		१९		४५		१९		४४		२०		४४		२१
१४		४३		१८		४२		१९		४२		१९		४१		२०		४०		२१		३९		२२		३८		२३		३७		२४
२०		३८		२०		३८		२१		३७		२२		३६		२३		३५		२४		३४		२५		३३		२६		३१		२७
२६		३४		२२		३३		२३		३२		२४		३१		२५		३०		२६		२८		२८		२७		२९		२६		३०
मई १		३१		२३		३०		२५		२९		२६		२७		२७		२६		२९		२५		३०		२३		३१		२२		३३
७		२८		२६		२६		२७		२५		२९		२३		३०		२२		३२		२०		३३		१९		३५		१७		३६
१३		२५		२८		२३		३०		२२		३१		२०		३३		१९		३४		१७		३६		१५		३८		१३		४०
१९		२३		३०		२१		३२		१९		३४		१८		३६		१६		३७		१४		३९		१२		४१		१०		४३
२५		२१		३३		१९		३५		१७		३६		१६		३८		१४		४०		१२		४२		१०		४४		८		४६
३१		२०		३५		१८		३७		१६		३९		१४		४१		१२		४३		१०		४५		८		४७		६		४९
जून ६		२०		३८		१८		४०		१६		४२		१४		४४		१२		४६		१०		४८		७		५०		५		५२
१२		२०		४०		१८		४२		१६		४४		१४		४६		१२		४८		१०		५०		७		५२		५		५४
१८		२१		४१		१९		४३		१७		४५		१५		४७		१२		५०		१०		५२		८		५४		६		५६
२४		२२		४३		२०		४५		१८		४७		१६		४९		१४		५१		१२		५३		९		५५		७		५८

उत्तर अक्षांश	अक्षांश २८				अक्षांश २९				अक्षांश ३०				अक्षांश ३१				अक्षांश ३२				अक्षांश ३३				अक्षांश ३४				दक्षिण अक्षांश
	उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		
मा. ता.	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	मा. ता.
जन. १	६	५२	५	१६	६	५४	५	१४	६	५६	५	११	६	५८	५	९	७	१	५	७	७	३	५	४	७	६	५	२	जुला. ३
७		५३		२०		५५		१८		५७		१६		५९		१४		२		११		४		९		६		७	९
१३		५३		२५		५५		२३		५७		२१		५९		१९		१		११		४		१४		६		१२	१५
१९		५२		३०		५४		२८		५६		२६		५८		२४		०		२२		२		२०		४		१८	२२
२५		५०		३५		५२		३३		५४		३१		५६		२९	६	५८		२७		०		२५		२		२३	२८
३१		४८		३९		५०		३८		५१		३६		५३		३५		५५		३३	६	५६		३१	६	५८		२९	अग.४
फर. ६		४४		४४		४६		४३		४७		४१		४९		४०		५०		३८		५२		३७		५३		३५	१०
१२		४०		४९		४२		४८		४३		४६		४४		४५		४५		४४		४७		४२		४८		४१	१६
१८		३५		५३		३६		५२		३८		५१		३९		५०		४०		४९		४१		४८		४२		४७	२२
२४		३०		५७		३१		५६		३२		५५		३२		५५		३३		५४		३४		५३		३५		५२	२९
मार्च २		२४	६	१		२५	६	०		२५	६	०		२६		५९		२७		५८		२७		५८		२८		५७	सितं. ४
८		१८		५		१८		४		१९		४		१९	६	३		१९	६	३		२०	६	२		२०	६	२	१०
१४		११		८		११		८		१२		८		१२		७		१२		७		१२		७		१३		७	१६
२०		४		११		४		११		४		११		४		११		४		११		४		११		४		१२	२२
२६	५	५८		१५	५	५७		१५	५	५७		१५	५	५७		१५	५	५७		१६	५	५६		१६	५	५६		१६	२८
अप्रै. २		५०		१८		४९		१९		४९		१९		४८		२०		४८		२०		४७		२१		४७		२१	अक्टू.६
८		४३		२१		४२		२२		४२		२३		४१		२४		४०		२४		३९		२५		३९		२६	११
१४		३७		२५		३६		२५		३५		२६		३४		२७		३३		२८		३२		२९		३१		३०	१७
२०		३०		२८		२९		२९		२८		३०		२७		३१		२६		३३		२५		३४		२३		३५	२३
२६		२५		३१		२३		३३		२२		३४		२१		३५		१९		३७		१८		३८		१७		४०	२९
मई १		२०		३४		१९		३६		१७		३७		१६		३९		१४		४०		१३		४२		११		४३	नवं. ३
७		१६		३८		१४		३९		१२		४१		११		४३		९		४५		७		४६		५		४८	९
१३		१२		४१		१०		४३		८		४५		६		४७		४		४९		२		५१		०		५३	१५
१९		८		४५		६		४७		४		४९		२		५१		०		५३	४	५८		५५	४	५६		५७	२०
२५		६		४८		४		५०		२		५२	४	५९		५५	४	५७		५७		५५		५९		५३	७	२	२६
३१		४		५१		२		५४		०		५६		५७		५८		५५	७	०		५३	७	३		५०		५	दिसं. २
जून ६		३		५४		१		५७	४	५९		५९		५६	७	१		५४		४		५१		६		४९		९	७
१२		३		५७		१		५९		५८	७	१		५६		४		५३		६		५१		९		४८		१२	१३
१८		३		५९		१	७	१		५९		३		५६		६		५४		८		५१		११		४८		१४	१९
२४		५	७	०		२		२	५	०		५		५७		७		५५		१०		५३		१२		५०		१५	२४

उत्तर | अक्षांश २० | अक्षांश २१ | अक्षांश २२ | अक्षांश २३ | अक्षांश ३१ | अक्षांश ३२ | अक्षांश ३३ | अक्षांश ३४ | दक्षिण अक्षांश

उत्तर अक्षांश	अक्षांश २०				अक्षांश २१				अक्षांश २२				अक्षांश २३				अक्षांश २४				अक्षांश २५				अक्षांश २६				अक्षांश २७				दक्षिण अक्षांश
	उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		
मा. ता.	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	मा. ता.
जुला.६	५	२६	६	४४	५	२४	६	४६	५	२२	६	४८	५	२०	६	५०	५	१८	६	५२	५	१६	६	५४	५	१३	६	५६	५	११	६	५८	जन. ४
१२		२८		४३		२६		४५		२४		४७		२२		४९		२०		५१		१८		५३		१६		५५		१४		५७	१०
१८		३०		४२		२८		४४		२६		४६		२५		४८		२३		४९		२१		५१		१९		५३		१७		५५	१५
२४		३२		४०		३१		४२		२९		४४		२७		४६		२५		४७		२४		४९		२२		५१		२०		५३	२१
३०		३१		३८		३३		४०		३१		४१		३०		४३		२८		४४		२६		४६		२५		४८		२३		४९	२७
अग. ५		३७		३५		३५		३६		३४		३८		३२		३९		३१		४१		२९		४२		२८		४४		२६		४५	फर. १
११		३९		३२		३७		३३		३६		३४		३५		३५		३३		३७		३२		३८		३१		३९		२९		४१	७
१७		४०		२८		३९		२९		३८		३०		३७		३१		३६		३२		३५		३३		३३		३४		३२		३६	१३
२३		४२		२३		४१		२४		४०		२५		३९		२६		३८		२७		३७		२८		३६		२९		३५		३०	१८
२९		४४		१८		४३		१९		४२		२०		४१		२०		४०		२१		४०		२२		३९		२३		३८		२४	२४
सित. ४		४५		१३		४४		१३		४४		१४		४३		१५		४२		१५		४२		१६		४१		१७		४०		१७	मार्च २
१०		४६		८		४६		८		४५		८		४५		९		४५		९		४४		१०		४४		१०		४३		११	८
१६		४८		२		४७		२		४७		३		४७		३		४७		३		४६		३		४६		४		४६		४	१४
२२		४९	५	५७		४९	५	५७		४९	५	५७		४९	५	५७		४९	५	५७		४८	५	५७		४८	५	५७		४८	५	५७	२०
२८		५०		५१		५०		५१		५०		५१		५१		५१		५१		५१		५१		५०		५१		५०		५१		५०	२६
अक्टू.३		५१		४७		५२		४६		५२		४६		५२		४६		५२		४५		५३		४५		५३		४५		५३		४४	३०
९		५३		४२		५३		४१		५४		४१		५४		४०		५५		४०		५५		३९		५६		३८		५६		३८	अप्रै.५
१५		५५		३७		५५		३६		५६		३५		५७		३५		५७		३४		५८		३३		५९		३३	६	०		३२	१२
२१		५७		३२		५८		३१		५८		३१		५९		३०	६	०		२९	६	१		२८	६	२		२७		३		२६	१८
२७		५९		२९	६	०		२७	६	१		२६	६	२		२५		३		२४		४		२३		५		२२		७		२१	२४
नवं. २	६	२		२५		३		२४		४		२३		५		२२		७		२०		८		१९		९		१८		१०		१७	३०
८		५		२३		६		२१		८		२०		९		१८		१०		१७		१२		१६		१३		१४		१५		१३	मई ६
१४		८		२१		१०		१९		११		१८		१३		१६		१४		१५		१६		१३		१७		११		१९		१०	१२
२०		१२		२०		१३		१८		१५		१६		१७		१५		१८		१३		२०		११		२२		९		२४		८	१९
२६		१५		१९		१७		१७		१९		१६		२१		१४		२२		१२		२४		१०		२६		८		२८		६	२५
दिस.२		१९		२०		२१		१८		२३		१७		२५		१४		२७		१२		२९		१०		३१		५८		३३		६	३१
८		२३		२१		२५		१९		२७		१७		२९		१५		३१		१३		३३		११		३५		९		३७		७	जून ७
१४		२७		२३		२८		२१		३०		१९		३२		१७		३५		१५		३७		१३		३९		११		४१		८	१३
२०		३०		२५		३२		२३		३४		२१		३६		१९		३८		१७		४०		१५		४२		१३		४४		११	१९
२६		३३		२८		३५		२६		३७		२४		३९		२२		४१		२०		४३		१८		४५		१६		४७		१४	२६

उत्तर अक्षांश	अक्षांश २८				अक्षांश २९				अक्षांश ३०				अक्षांश ३१				अक्षांश ३२				अक्षांश ३३				अक्षांश ३४				दक्षिण अक्षांश
	उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		
मा. ता.	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	क	मि	मा. ता.
जुला.६	५	९	७	०	५	७	७	३	५	४	७	५	५	२	७	७	५	०	७	१०	४	५७	७	१२	४	५४	७	१५	जन. ४
१२		१२	६	५९		१०		१		७		४		५		६		३		८	५	०		११		५८		१३	१०
१८		१५		५७		१३	६	५९		१०		२		८		४		६		६		४		८	५	१		११	१५
२४		१८		५५		१६		५७		१४	६	५९		१२		१		१०		३		८		५		५		७	२१
३०		२१		५१		१९		५३		१८		५५		१६	६	५७		१४	६	५९		१२		१		१०		३	२७
अग. ५		२५		४७		२३		४९		२१		५०		१९		५२		१८		५४		१६	६	५६		१४	६	५७	फर. १
११		२८		४२		२६		४४		२५		४५		२३		४७		२२		४८		२०		५०		१८		५२	७
१७		३१		३७		३०		३८		२८		३९		२७		४१		२६		४२		२४		४४		२३		४५	१३
२३		३४		३१		३३		३२		३२		३३		३१		३४		२९		३५		२८		३७		२७		२८	१८
२९		३७		२५		३६		२५		३५		२६		३४		२७		३३		२८		३२		२९		३१		३०	२४
सित. ४		४०		१८		३९		१९		३८		१९		३८		२०		३७		२१		३६		२१		३५		२२	मार्च २
१०		४३		११		४२		११		४२		१२		४१		१२		४१		१३		४०		१३		४०		१४	८
१६		४५		४		४५		४		४५		५		४५		५		४४		५		४४		५		४४		६	१४
२२		४८	५	५७		४८	५	५७		४८	५	५७		४८	५	५७		४८	५	५७		४८	५	५७		४८	५	५७	२०
२८		५१		५०		५१		५०		५१		५०		५२		४९		५२		४९		५२		४९		५२		४९	२६
अक्टू.३		५४		४४		५४		४४		५४		४३		५५		४३		५५		४३		५५		४२		५६		४२	३०
९		५७		३७		५७		३७		५८		३६		५८		३६		५९		३५	६	०		३५	६	०		३४	अप्रै.५
१५	६	०		३१	६	१		३०	६	२		३०	६	२		२९	६	३		२८		४		२७		५		२६	१२
२१		४		२५		५		२४		६		२३		७		२२		८		२१		९		२०		१०		१९	१८
२७		८		२०		९		१९		१०		१८		११		१६		१२		१५		१४		१४		१५		१३	२४
नवं. २		१२		१५		१३		१४		१४		१२		१६		११		१७		१०		१९		८		२०		७	३०
८		१६		११		१८		१०		१९		८		२१		७		२२		५		२४		३		२६		२	मई ६
१४		२१		८		२२		६		२४		५		२६		३		२८		१		२९	४	५९		३१	४	५७	१२
२०		२५		६		२७		४		२९		२		३१		०		३३	४	५८		३५		५६		३७		५४	१९
२६		३०		४		३२		२		३४		०		३६	४	५८		३८		५६		४०		५४		४३		५२	२५
दिस.२		३५		४		३७		२		३९		०		४१		५८		४३		५५		४६		५३		४८		५१	३१
८		३९		५		४१		३		४३		०		४६		५८		४८		५६		५०		५३		५३		५१	जून ७
१४		४३		६		४५		४		४८		२		५०		५९		५२		५७		५५		५५		५०		५२	१३
२०		४७		९		४९		६		५१		४		५३	५	२		५६		५९		५८		५७		०		५४	१९
२६		४९		१५		५२		१०		५४		७		५६		५		५९	५	२	७	१	५	०	७	४		५७	२६

दक्षिण अक्षांश के सूर्योदय निकालने के लिए इस कोष्ठक में दिये हुये (दाहिनी तरफ को) महीने और तारीख जो कि दक्षिण अक्षांश के नीचे दिये हुए हैं। यह संस्कार जनवरी से जून तक (+) जोड़ हैं और जुलाई से दिसम्बर तक (—) बाकी है।

सूर्य बिम्ब किरण वक्री भवन संस्कार युक्त सूर्योदय सारिणी से अभीष्ट स्थान से सूर्योदयास्त ज्ञात करना

किसी भी स्थान की लग्न निकालने के लिए निम्न बातों की जानकारी आवश्यक होती है:—(१) उस स्थान का सूर्योदय का समय, (२) इष्टकाल या जन्म समय (घड़ी पलों में), (३) जन्म समय या इष्ट समय का सूर्य स्पष्ट, (४) जन्म स्थान के अक्षांश की लग्न सारिणी।

(१) सूर्योदय—इस पंचांग में दिए दिल्ली के सूर्योदय की सहायता से भारत के किसी भी स्थान का सूर्योदय निकालने की विधि इस लेख में उदाहरण देकर समझा दी गई है। इस पंचांग में पृष्ठ १०२-१०५ पर ८ अक्षांश से ३४ अक्षांश तक के १२ महीने के सूर्योदय व सूर्यास्त ६-६ दिन के अन्तर पर दिए गए हैं। इसमें भारत के सभी नगर आ जाते हैं। यह सूर्योदय व सूर्यास्त स्थानीय समय बताते हैं, स्टैण्डर्ड समय जानने के लिये इसमें स्थान विशेष का स्टैण्डर्ड अन्तर जोड़-घटा लेना चाहिए, इसको कुछ उदाहरण देकर स्पष्ट करते हैं।

उदाहरण (१)—पृष्ठ ११२ पर दी गई सूर्योदय सारिणी से चण्डीगढ़ का १२ अक्टूबर का सूर्योदय निकालो : चण्डीगढ़ का उत्तर अक्षांश ३० ।४० है।

उपरोक्त सारिणी में ३० अक्षांश तथा ३१ अक्षांश दोनों में ही

९ अक्टूबर का सूर्योदय	५-५८
१५ अक्टूबर का सूर्योदय	६-०२ दिया गया है।

९ से १५ तक ६ दिन में ४ मिनट का (६-०२-५-५८) अन्तर है तो ३ दिन (१२-९)

में २ मिनट का अन्तर होगा, अतएव १२ अक्टूबर का सूर्योदय हुआ (५.५८+०.०२)	६	००	००
स्थानीय समय के अनुसार सूर्योदय	६	००	००
भा.स्टै. समय के लिए चण्डीगढ़ का स्टैण्डर्ड अन्तर ०-२२-३२ जोड़ा	०	२२	३२
किरण वक्री भवन संस्कार	०	२	००
चण्डीगढ़ का सूर्योदय भा.स्टै. समय अनुसार	६	२४	३२

उदाहरण (२)—जयपुर का १५ मार्च का सूर्योदय पृष्ठ ११० पर दी गई सूर्योदय सारिणी के अनुसार निकालिये। जयपुर का उत्तर अक्षांश २६ ।५५ है जो लगभग २७ ही है। पृष्ठ ११० पर २७ अक्षांश के कोष्ठक में १४ मार्च का सूर्योदय ६-११ दिया है और २० मार्च का ६-०४ है। १४ मार्च से २० मार्च =६ दिन में सूर्योदय में अन्तर होता है ६-११ —६-०४=७ मिनट का।

अतएव—१५ मार्च का सूर्योदय स्थानीय समयानुसार आया	६	१०	००
जयपुर का स्टैण्डर्ड अन्तर धन किया	०	२६	४०
किरण वक्री भवन संस्कार	०	२	००
भा.स्टै.टा. में जयपुर का सूर्योदय	६	३८	४०

जैसा कि उपरोक्त सारिणी के नीचे विवरण में बताया गया है। ३ से ५ मिनट का वक्री भवन संस्कार करना होता है। यह दृश्य वक्री भवन संस्कार क्या है, इसके बारे में थोड़ी जानकारी दे दी जाए। पूर्वी क्षितिज पर सूर्य के पूरे गोले को निकलने में कुछ समय लगता है। पहले सूर्य के गोले का ऊपरी भाग दिखाई देता है फिर धीरे-धीरे पूरा सूर्य क्षितिज के ऊपर आता है। प्रकाश किरणों के कुछ नियमों के अनुसार बिम्ब के दृश्यमान होने और वास्तविक उदय होने में कुछ मिनटों का अन्तर रहता है। यह ३ से ५ मिनट का होता है। आप यदि सदा ४ मिनट धन करें तो अधिक से अधिक १ मिनट का अन्तर इस गणित में आ सकता है।

(२) इष्टकाल—सूर्योदय ज्ञात होने पर इष्टकाल निकालने की विधि तो आपको बताई जा चुकी है।

(३) सूर्य स्पष्ट—पंचाग में दैनिक ग्रहस्पष्ट दिये रहते हैं, उसमें इष्ट दिन का सूर्य स्पष्ट अर्थात् सूर्य किस राशि के कितने अंश पर है, सरलता से जाना जा सकता है।

(४) लग्न सारिणी—अब आपको जन्म स्थान के अक्षांश की लग्न सारिणी की आवश्यकता होगी। आर्यभट्ट पंचांग के पृष्ठ ११३ पर इन्द्रप्रस्थ नगर की २८ ।३८ अक्षांश की सारणी दी गई है, इसकी सहायता से दिल्ली के आसपास के नगरों की लग्न ज्ञात की जा सकती है। २८ व २९ अक्षांशों के लिए इसी सारिणी को प्रयोग में लाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त हमने अन्य अक्षांशों की सारिणियां भी प्रकाशित की हैं।

इष्टकाल से लग्न निकालने की विधि यह है कि जिस दिन का लग्न जानना हो उस दिन का सूर्य स्पष्ट ज्ञात करो। जैसे २५ जून का ११-५५ मध्याह्न का दिल्ली में लग्न ज्ञात करना है तो २५ जून का सूर्य स्पष्ट प्रात: ५.३० का २-९-४२ है। लग्न निकालने के लिए हमें सूर्य के राशि-अंशों की आवश्यकता होती है। सूर्य मिथुन राशि के ९ अंश ४२ कला पर है। जन्म समय ११-५५ तक ९ अंश ५७ कला तक पहुंच चुका है। अतएव सूर्य को हम मिथुन के १० अंश मानकर चलेंगे। पंचांग में पृष्ठ ११३ पर इन्द्रप्रस्थ नगर की लग्न सारिणी में मिथुन राशि के १० अंश वाला कोष्ठक देखा। उसमें मिथुन २ के सामने तथा १० अंश के नीचे १३ ।१५ अथवा १३ ।१५ अंक प्राप्त होंगे। लग्न सारिणी में खड़े कोष्ठक १२ राशियों के हैं तथा आड़े कोष्ठक ० से २९ तक अंशों के हैं।

२५ जून को ११-५५ का इष्टकाल निकाला	घं.	मि.	सै.
दिल्ली में जन्म समय भा. स्टैं. टा.	११	५५	००
२५ जून का सूर्योदय समय भा. स्टैं. टा.	५	२८	००
ढाई से गुणा करके घड़ी पल बनाए	६	२७	००
	६	२७	००
	३	१३	३०
घड़ी पलों में इष्टकाल १६ घड़ी ८ पल	१६	७	३०

पृष्ठ ११३ पर ऊपर जो सारिणी है वह दशम भाव सारिणी है और नीचे लग्न सारिणी है। इसमें मिथुन के १० अंश के कोष्ठक में हमें १३ ।२७ अंक प्राप्त हुए, इनको इष्टकाल में जमा कर दिया— १३ ।२७ + १६ ।०८= २९ ।३५

उपरोक्त २९ ।२३ अंकों को हमने उसी लग्न सारिणी में देखा तो कन्या लग्न के सामने ३ अंशों के कोष्ठक में २९ ।२६ तथा ४ अंश के कोष्ठक में २९ ।३७ अंक मिले। इसका अर्थ यह हुआ कि २५ जून को ११ ।५५ मध्याह्न के समय कन्या लग्न है तथा उसके ३ अंश बीत चुके हैं। चोथे अंश की कुछ कलायें भी बीत चुकी हैं, अब यदि आपको केवल लग्न की राशि ज्ञात करनी है तो वह ज्ञात हो चुकी हैं, वैसे भी दैनिक लग्न सारिणी पृष्ठ ६३-८९ से भी आपको ज्ञात हो सकता है कि ११ ।३७ से १३ ।५५ तक कन्या लग्न है। लग्न सारिणी से अंश भी ज्ञात हो गए हैं, ४ अंश बीत गए हैं। कला का ज्ञान करने के लिए गणित किया। २९ ।३७ में से २९ ।२६ घटाया=११ अंकों में ६० कला तो इष्ट समय २९ ।३५ तक (२९ ।३५ — २९ ।२६) = ९ अंकों में =६०×९=५४०÷११=४९ ।०५

सुगम दशम भाव स्पष्ट सारणी सर्वत्रोपयोगी

राशि	मेष ०	वृषभ १	मिथुन २	कर्क ३	सिंह ४	कन्या ५	तुला ६	वृश्चिक ७	धनु ८	मकर ९	कुम्भ १०	मीन ११
०	८ २३ ५३ २६	९ १६ ४३ ३९	१० १५ ४६ ४८	११ २१ १४ ०	० २७ ९ २५	१ २९ ३८ ३	३ १ ४५ ७	४ ४ १० ७	५ १० ३९ १४	६ १४ ३८ १	७ ११ ४६ ५१	८ ३ २४ ३९
१	८ २४ ३७ ५६	९ १७ २३ २१	१० १६ ५२ ४२	११ २२ २७ ४५	० २८ १८ ३९	२ ० ४१ ५	३ १ ४८ ५	४ ५ १९ ५	५ ११ ५३ १	६ १५ ३९ २	७ १२ ५ ३२	८ ४ ५ १२
२	८ २५ १८ २६	९ १८ २९ ६	१० १७ ५७ ५८	११ २३ ४१ ३६	० २९ २७ ५२	२ १ ४३ १०	३ २ ५० ८	४ ६ २९ ३	५ १३ ६ ५	६ १६ ४८ ५	७ १३ २२ ३२	८ ४ ४९ ५
३	८ २५ ५९ ३८	९ १९ १९ २४	१० १९ ३ २	११ २४ ५५ २३	१ ० ३७ ६	२ २ ४५ १२	३ ३ ५२ १३	४ ७ ३८ २	५ १४ २० ३	६ १७ ४१ २	७ १४ ९ ३३	८ ५ २८ ३
४	८ २६ ४० ४३	९ २० १० ४२	१० २० ९ २७	११ २६ ९ ५६	१ १ ४६ १९	२ ३ ४७ १	३ ४ ५४ १५	४ ८ ४३ ०	५ १५ ३४ १५	६ १८ ४२ १	७ १४ ५६ ३०	८ ६ ९ ०
५	८ २७ २१ ४२	९ २१ १ २४	१० २१ १५ ३	११ २७ २३ २४	१ २ ५५ ३३	२ ४ ५० ०	३ ५ ५६ १९	४ ९ ५३ १	५ १६ ४८ २२	६ १९ ४३ ०	७ १५ ४३ २२	८ ६ ५० ८
६	८ २८ २ ४७	९ २१ २ ६	१० २२ २० ३६	११ २८ ३६ ४१	१ ४ ४ ४८	२ ५ ५२ ५	३ ६ ५९ २२	४ ११ ३ ५	५ १८ २ ११	६ २० ४४ ३	७ १६ ३० ७	८ ७ ३२ ७
७	८ २८ ४३ ५२	९ २२ ४२ ५४	१० २३ २९ १३	११ २९ ५० २६	१ ५ १४ २	२ ६ ५४ ८	३ ८ १ २	४ १२ २० १३	५ १९ १५ ३	६ २१ ४५ १	७ १७ २१ ५	८ ८ १२ ६
८	८ २९ २४ २७	९ २३ ३३ ४४	१० २४ ३१ ५१	० १ ४ ५३	१ ६ २३ १६	२ ७ ५९ ३	३ ९ २ ५	४ १३ ३५ २५	५ २० २९ २९	६ २२ ४६ ५०	७ १८ १४ ९	८ ८ ५३ १
९	९ ० ५ ५२	९ २४ २४ ३०	१० २५ २७ २४	० २ १८ १९	१ ७ ३२ ३०	२ ८ ५९ ७	३ १० ५ १४	४ १४ ४९ ३५	५ २१ ४३ १०	६ २३ ४७ २२	७ १८ ५१ १०	८ ९ ३४ ५
१०	९ ० ४० ११	९ २५ १८ १८	११ २६ ४१ २०	० ३ ३२ ७	१ ८ ४२ ५४	२ १० १ १३	३ ११ ८ ३८	४ १६ ४ ४५	५ २२ ५७ १५	६ २४ ४८ ११	७ १९ ३८ १२	८ १० १५ ३
११	९ १ २९ ५१	९ २६ ६ २	११ २७ ५१ २३	० ४ ४७ ५१	१ ९ ५६ ३२	२ ११ ३ २१	३ १२ १५ ५५	४ १७ १६ ८	५ २४ ११ २५	६ २५ ४९ ८	७ २० २४ ८	८ १० ५६ ४२
१२	९ २ १५ २६	९ २७ ८ ५४	११ २९ ५ १२	० ६ २ २२	१ ११ २० ५	२ १२ ५ ३५	३ १३ २३ १७	४ १८ ३० ३	५ २५ १४ ४८	६ २६ ५० १५	७ २१ ५ ३	८ ११ २७ ४७
१३	९ ३ २ ३	९ २८ ९ ५४	११ ० ९ ८	० ७ १७ ४१	१ १२ ३५ ८	२ १३ ७ ५२	३ १४ २१ १२	४ १९ ४४ १०	५ २६ १९ ३७	६ २७ ५२ ३०	७ २१ ५६ १५	८ १२ १३ ३२
१४	९ ३ ४६ ३८	९ २९ १० ५४	११ १ ३२ ५३	० ८ ३१ १५	१ १३ ४४ १२	२ १४ १० ०	३ १५ ४२ ३	४ २० ५८ १	५ २७ २७ ३७	७ २८ ४० ३२	७ २२ ३८ २७	८ १२ ५९ २६
१५	९ ४ ३६ ४९	१० ० ११ ५४	११ २ ४६ ३७	० ९ ४५ ४२	१ १४ ३५ १२	२ १५ १२ १	३ १६ ५० ०	४ २२ १२ २	५ २८ ३० ३७	७ २९ १ ४०	७ २३ २९ ३७	८ १३ ४० १२
१६	९ ५ २३ १०	१० १ १२ ५४	११ ४ ० ३८	० ११ ० १३	१ १५ ४४ १९	२ १६ १४ ०	३ १८ १ १	४ २३ २५ ५	५ २९ ३६ ४२	७ ० १ ४५	७ २४ १६ ४८	८ १४ २० ४२
१७	९ ६ १० ४६	१० २ १३ ५४	११ ५ १४ २४	० १२ ९ २५	१ १६ १० २०	२ १७ १६ ७	३ १९ १ ८	४ २४ ३८ ३	५ ० ४२ ३	७ ० ५२ ५०	७ २४ ५९ ५९	८ १५ ४० ३५
१८	९ ६ ५७ ४६	१० ३ १४ ५४	११ ६ २८ १०	० १३ १८ ३९	१ १७ १२ १५	२ १८ १८ १४	३ २० १९ १५	४ २५ ५५ ५७	६ १ ४७ ४	७ १ ४३ ७	७ २५ १२ १	८ १५ ३५ १
१९	९ ७ ४४ ४८	१० ४ १५ ५४	११ ७ ४१ ५५	० १४ २७ ५२	१ १८ १४ ४	२ १९ २१ २२	३ २१ २८ २२	४ २७ ७ १२	६ २ ५३ ५	७ २ ३३ ३	७ २५ ५६ २	८ १६ २४ ३
२०	९ ८ ३७ ४०	१० ५ १६ ५४	११ ८ ५५ ५५	० १५ ३७ ६	१ १९ १६ ८	२ २० २३ ३०	३ २२ ३८ ८	५ २८ १९ २५	६ ३ ५८ ३	७ ३ २४ ४	७ २६ ३४ ३	८ १७ ५ ८
२१	९ ९ २८ ५१	१० ६ १७ ५४	११ १० ९ ४०	० १६ ४६ १९	१ २० १८ ९	२ २१ २५ ३२	३ २३ ४८ ९	५ २९ ३४ १८	६ ५ ४ १५	७ ४ १५ ९	७ २७ १५ ५	८ १७ ४६ ६
२२	९ १० ५ १	१० ७ १८ ५४	११ ११ २३ २९	० १७ ५५ ३५	१ २१ २७ १०	२ २२ २७ १	३ २४ ५८ ३५	५ ० ४८ २१	६ ६ १० १२	७ ५ ६ १३	७ २७ ५६ ८	८ १८ २८ ०
२३	९ ११ ७ १४	१० ८ १९ ५४	११ १२ ३७ १७	० १९ ४ ४८	१ २२ ३० १५	२ २३ ३० ५	३ २६ ९ ४२	५ २ २ ७	६ ७ १५ २०	७ ५ ५७ २१	७ २८ ३७ १०	८ १९ ९ १
२४	९ ११ ४२ ५०	१० ९ २० ५४	११ १३ ५१ ५	० २० १४ १२	१ २३ ३२ ५५	२ २४ ३२ ८	३ २७ १७ ५६	५ ३ १६ ४	६ ८ २१ ३०	७ ६ ४६ २७	७ २९ १८ १२	८ १९ ५७ ५३
२५	९ १२ ३२ ४३	१० १० २१ ५४	११ १५ ४ ५७	० २१ २३ १६	१ २४ ३४ ७	२ २५ ३५ ९	३ २८ २४ २	५ ४ ३० ५	६ ९ २६ ५	७ ७ ३८ ३५	८ २९ ५९ ५	८ २० ३१ ५९
२६	९ १३ २४ ४८	१० ११ २४ ३४	११ १६ १८ ४२	० २२ ३२ २९	१ २५ ३६ २	२ २६ ३७ १०	३ २९ ३३ ८	५ ५ ४३ ३	६ १० ३२ ८	७ ८ २९ ४०	८ ० ४० ३०	८ २१ १२ १
२७	९ १४ २४ ५०	१० १२ २३ ३०	११ १७ ३२ २७	० २३ ४१ ४३	१ २६ ३८ ५	२ २७ ४० २५	४ ० ४२ ५	५ ६ ५३ १	६ ११ ३४ ३	७ ९ २० ४५	८ १ २१ १२	८ २१ ५३ ५
२८	९ १५ ६ १	१० १३ ३५ ४०	११ १८ ४६ २१	० २४ ५० ५६	१ २७ ४० ८	२ २८ ४२ ५०	४ १ ५२ ३	५ ८ ११ १५	६ १२ ३६ ४५	७ १० १० ५७	८ २ ३० १६	८ २२ ४५ ३
२९	९ १५ ५६ ४८	१० १४ ४१ १७	११ २० ० १३	० २६ ० १२	१ २८ ५३ १	२ २९ ४३ ५९	४ ३ १ ७	५ ९ २५ ०	६ १३ ३७ ०	७ ११ ७ ५०	८ २ ३ ४	८ २२ १५ ४

दशमलग्न निकालने के लिए दशमभाव राशि फलांकों में ६ राशि योग से ४ भाव स्पष्ट होगा। चार भाव स्पष्ट में लग्न भाव घटाकर तीस गणित अंशादि बनाकर ६ का भाग देने से लब्ध फल लग्न में जोड़ने से लग्नभाव संधि और संधि में पूर्वागत लब्ध फल जोड़ने से दो भाव स्पष्ट होगा, आगे लब्ध फल जोड़ने पर चार भाव पर्यन्त ससंधि भाव बनेंगे। पूर्वागत लब्ध को एक में से घटाकर शेष के चार भावादि जोड़ने से ससंधि चार से सात भाव तक बनेंगे तथा लग्न स्पष्ट राशि के तुल्य सम सत्र में जो फल होवे वही दशम भाव स्पष्ट है।

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश १९° अयनांश २४ (अक्षांश १८-३० से १९-३० तक स्थित)

(बम्बई, पूना, खण्डाला, इगत पुरी, अहमद नगर, औरंगाबाद, जगन्नाथपुरी आदि नगरों के लिए)

रा. अं.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७
मेष	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	७	१६	२५	३३	४२	५१	०	९	१८	२७	३६	४४	५३	२	११	२०	२९	३८	४७	५५	४	१३	२२
१	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२
वृष	३१	४०	४९	५७	६	१५	२४	३४	४५	५५	५	१५	२६	३६	४६	५६	७	१७	२७	३७	४८	५८	८	१९	२९	३९	४९	५९	१०	२०
२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७
मिथुन	३०	४१	५१	१	११	२२	३२	४३	५४	६	१७	२८	३९	५०	२	१३	२४	३५	४६	५८	९	२०	३१	४२	५४	५	१६	२७	३८	५०
३	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३
कर्क	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२३
४	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८
सिंह	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	१	१२	२३	३३	४४	५५	५	१६	२७	३७	४८	५९	९	२०	३१	४१	५२	३	१३	२४	३५	४५
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४
कन्या	५६	७	१७	२८	३९	४९	०	११	२१	३२	४३	५३	४	१५	२५	३६	४७	५७	८	१९	२९	४०	५१	१	१२	२३	३३	४४	५५	५
६	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९
तुला	१६	२७	३७	४८	५९	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४
७	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५
वृश्चिक	४६	५६	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२६	३७	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५५	६	१८	२९	४०	५१	२	१४	२५	३६	४७	५८	१०
८	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०
धनु	२१	३२	४३	५४	६	१७	२८	३८	४९	५९	९	१९	३०	४०	५०	०	११	२१	३१	४१	५२	२	१२	२२	३३	४३	५३	३	१४	२४
९	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५
मकर	३४	४५	५५	५	१५	२६	३६	४५	५४	३	११	२०	२९	३८	४७	५६	५	१४	२२	३१	४०	४९	५८	७	१६	२४	३३	४२	५१	०
१०	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९
कुम्भ	९	१८	२७	३५	४४	५३	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१३	२१	२९	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	४
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३
मीन	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश २१° अयनांश २४ (अक्षांश २०-३० से २१-३० तक स्थित)

(अजन्ता, अमरावती, छिन्दवाड़ा, कटक, नासिक, खण्डवा, जूनागढ़, धूलिया, नागपुर, पोरबन्दर, भुवनेश्वर, सूरत, सोमनाथ आदि नगरों के लिए)

रा. अं.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७
मेष	६	१४	२२	३०	३७	४५	५३	२	१०	१९	२८	३७	४५	५४	३	१२	२०	२९	३८	४६	५५	४	१३	२१	३०	३९	४८	५६	५	१४
१	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२
वृष	२३	३१	४०	४९	५७	६	१५	२५	३५	४६	५६	६	१६	२६	३७	४०	५७	८	१८	२८	३८	४८	५९	९	१९	२९	३९	५०	०	१०
२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७
मिथुन	२०	३१	४१	५१	१	१२	२२	३३	४४	५६	७	१८	२९	४१	५२	३	१४	२५	३७	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०
३	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३
कर्क	५२	३	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२१	३२	४४	५५	६	१७	२८	४०	५१	२	१३	२४	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	५	१६
४	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८
सिंह	२८	३९	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	७	१८	२९	४०	५०	२	१२	२३	३४	४५	५६	७	१७	२८	३९	५०	१	१२	२२	३३	४४
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४
कन्या	५५	६	१७	२७	३८	४९	०	११	२२	३२	४३	५४	५	१६	२७	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४२	५३	४	१५	२६	३७	४७	५८	९
६	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९
तुला	२०	३१	४२	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४३	५४	६	१७	२८	३९	५०	२	१३	२४	३५	४७	५८	९	२०	३१	४३
७	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५
वृश्चिक	५४	५	१६	२७	३८	५०	१	१२	२३	३५	४६	५७	८	१९	३१	४२	५३	४	१६	२७	३८	४९	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९
८	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०
धनु	३१	४२	५३	४	१५	२७	३८	४८	५८	९	१९	२९	३९	४९	०	१०	२०	३०	४१	५१	१	११	२२	३२	४२	५२	३	१३	२३	३३
९	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५
मकर	४३	५४	४	१४	२४	३५	४५	५४	२	११	२०	२९	३७	४६	५५	३	१२	२१	३०	३८	४७	५६	५	१३	२२	३१	४०	४८	५७	६
१०	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९
कुम्भ	१४	२३	३२	४१	४९	५८	७	१५	२२	३०	३८	४६	५३	१	९	१७	२५	३२	४०	४८	५६	३	११	१९	२७	३४	४२	५०	५८	५
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२
मीन	१३	२१	२९	३७	४४	५२	०	८	१५	२३	३१	३९	४७	५४	२	१०	१७	२५	३३	४१	४९	५६	४	१२	२०	२७	३५	४३	५१	५८

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश २३° अयनांश २४ (अक्षांश ... अयनांश २४ (अक्षांश २४-५० से २५-५० तक स्थित)

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश २३° अयनांश २४ (अक्षांश २२-३० से २३-३० तक स्थित)

(उज्जैन, धार, इन्दौर, रतलाम, बांसवाड़ा, भोपाल, होशंगाबाद, इटारसी, कलकत्ता, जबलपुर, राँची, नाडियाद, जामनगर, बड़ौदा, अहमदाबाद आदि नगरों के लिए)

रा.अं.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७
मेष	२	१०	१८	२५	३३	४०	४८	५७	५	१४	२२	३१	४०	४८	५७	५	१४	२२	३१	४०	४८	५७	६	१४	२३	३१	४०	४९	५७	६
१	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२
वृष	१४	२३	३२	४०	४९	५७	६	१६	२६	३६	४७	५७	७	१७	२७	३७	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५९	९	१९	२९	३९	५०	०
२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७
मिथुन	१०	२०	३०	४०	५०	१	११	२२	३४	४५	५६	७	१९	३०	४१	५३	४	१५	२६	३८	४९	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	२०	३१
३	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३
कर्क	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	९	२१	३२	४३	५५	६	१७	२९	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	५९	११
४	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
सिंह	२२	३३	४५	५६	७	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४
कन्या	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३
६	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९
तुला	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५३	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२३	३५	४६	५७	९	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	३९	५१
७	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५
वृश्चिक	२	१३	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३२	४४	५५	६	१८	२९	४०	५२	३	१४	२५	३७	४८	५९	११	२२	३३	४५	५६	७	१८	३०
८	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०
धनु	४१	५२	४	१५	२६	३८	४९	५९	९	१९	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२१	३१	४२	५२	२	१२	२२	३२	४३
९	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५
मकर	५३	३	१३	२३	३४	४४	५४	२	११	२०	२८	३७	४५	५४	३	११	२०	२८	३७	४६	५४	३	११	२०	२९	३७	४६	५५	३	१२
१०	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९
कुम्भ	२०	२९	३७	४६	५५	३	१२	१९	२७	३५	४२	५०	५७	५	१३	२०	२८	३५	४३	५१	५८	६	१३	२१	२९	३६	४४	५१	५९	७
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२
मीन	१४	२२	२९	३७	४५	५२	०	७	१५	२३	३०	३८	४५	५३	१	८	१६	२३	३१	३९	४६	५४	१	९	१७	२४	३२	३९	४७	५५

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश २५° अयनांश २४ (अक्षांश २४-५० से २५-५० तक स्थित)

(आबूरोड, उदयपुर, मेवाड़, बूंदी, कोटा, जालौर, सिरोही, चित्तौड़गढ़, नाथद्वारा, नीमच, प्रतापगढ़, भवानीमंडी, छोटीसादड़ी, छतरपुर,

रा.अं.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६
मेष	५८	६	१३	२१	२८	३६	४३	५१	०	८	१७	२५	३४	४२	५१	५९	८	१६	२५	३३	४२	५०	५८	७	१५	२४	३२	४१	४९	५८
१	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११
वृष	६	१५	२३	३२	४०	४८	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	८	१८	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९
२	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७
मिथुन	५९	९	१९	३०	४०	५०	०	११	२३	३४	४५	५७	८	१९	३१	४२	५४	५	१६	२८	३९	५०	२	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२१
३	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३
कर्क	३३	४४	५५	७	१८	३०	४१	५२	४	१५	२७	३८	५०	१	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	५
४	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
सिंह	१६	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४३	५४	५	१७	२८	३९	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	८	१९	३१	४२
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४
कन्या	५३	४	१५	२६	३८	४९	०	११	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५२	३	१४	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३२	४३	५४	६	१७
६	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९
तुला	२८	३९	५०	१	१३	२४	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	१५	२७	३८	५०	१	१३	२४	३६	४७	५९
७	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५
वृश्चि.	१०	२२	३३	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	४	१६	२७	३८	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	९	२१	३२	४४	५५	६	१८	२९	४०
८	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०
धनु	५२	३	१४	२६	३७	४८	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	२	१२	२२	३२	४२	५२
९	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५
मकर	२	१२	२२	३३	४३	५३	३	१२	२०	२८	३७	४५	५४	२	११	१९	२८	३६	४५	५३	१	१०	१८	२७	३५	४४	५२	१	९	१८
१०	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
कुम्भ	२६	३५	४३	५२	०	८	१७	२४	२	३९	४७	५४	२	९	१६	२४	३१	३९	४६	५४	१	८	१६	२३	३१	३८	४६	५३	१	८
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
मीन	१५	२३	३०	३७	४५	५३	०	७	१५	२२	३०	३७	४५	५२	५९	७	१४	२२	२९	३७	४४	५१	५९	६	१४	२१	२९	३६	४४	५१

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश २६° अयनांश २४ (अक्षांश २५-३० से २६-३० तक स्थित)

(अजमेर, जोधपुर, ग्वालियर, कानपुर, पटना, कूच बिहार, पूर्निया, दरभंगा, शिलांग आदि नगरों के लिए)

रा.अं.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६
मेष	५४	१	८	१६	२३	३०	३८	४६	५४	३	११	१९	२८	३६	४४	५३	१	१०	१८	२६	३५	४३	५१	०	८	१६	२५	३३	४२	५०
१	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११
वृष	५८	७	१५	२३	३२	४०	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	११	२१	३१	४१
२	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७
मिथुन	५१	१	११	२१	३०	४२	५२	३	१४	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४६	५७	९	२०	३१	४३	५४	६	१७	२९	४०	५२	३	१४
३	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३
कर्क	२६	३७	४९	०	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४२	५३	५	१६	२८	४०	५१	३	१४	२६	३७	४९	१
४	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
सिंह	१२	२४	३४	४७	५८	१०	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५२	३	१४	२५	३७	४८	५९	११	२२	३३	४४	५६	७	१८	२९	४१
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४
कन्या	५२	३	१४	२६	३७	४८	०	११	२२	३३	४५	५६	७	१८	३०	४१	५२	३	१५	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४५	५६	७	१८
६	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०
तुला	३०	४१	५२	४	१५	२६	३८	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२२	३३	४५	५६	८	१९	३१	४३	५४	६	१७	२९	४०	५२	४
७	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५
वृश्चिक	१५	२७	३८	५०	१	१३	२५	३६	४७	५८	१०	२२	३३	४५	५६	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	१	१३	२५	३६	४७
८	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५१
धनु	५९	१०	२२	३३	४५	५६	८	१८	२८	३८	४९	५९	८	१८	२८	३८	४८	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	३०	४०	५०	०
९	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५
मकर	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	१९	२७	३६	४४	५२	१	९	१८	२६	३४	४३	५१	०	८	१६	२४	३३	४१	४९	५८	६	१५	२३
१०	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
कुम्भ	३१	४०	४८	५६	५	१३	२२	२९	३६	४३	५१	५८	५	१२	२०	२७	३४	४१	४८	५६	३	११	१८	२५	३२	४०	४७	५४	१	९
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
मीन	१६	२३	३०	३८	४५	५२	०	७	१४	२२	२९	३६	४३	५०	५८	५	१२	१९	२७	३४	४१	४९	५६	३	१०	१८	२५	३२	३९	४७

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश २७° अयनांश २४ (अक्षांश २६-३० से २७-३० तक स्थित)

(फैजाबाद, एटा, कासगंज, हाथरस, कन्नौज, आगरा, फर्रुखाबाद, मथुरा, धौलपुर, भरतपुर, जयपुर, इटावा, उन्नाव, अयोध्या, गोरखपुर, देवरिया, लखनऊ, सिलीगुड़ी, जैसलमेर, डिब्रूगढ़, हरदोई आदि के लिए)

रा.अं.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६
मेष	५४	२	९	१६	२३	३१	३८	४६	५५	३	११	२०	२८	३६	४५	५३	१	१०	१८	२६	३५	४३	५१	०	८	१६	२५	३३	४१	५०
१	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११
वृष	५८	६	१५	२३	३१	४०	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५८	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९
२	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७
मिथुन	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	१	१३	२४	३६	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५५	७	१८	३०	४१	५२	४	१५	२७	३८	४९	१	१२
३	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२
कर्क	२४	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४२	५३	५	१६	२८	४०	५१	३	१४	२६	३८	४९	१	१२	२४	३६	४७	५९
४	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
सिंह	१०	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३३	४४	५५	७	१८	२९	४१
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४
कन्या	५२	३	१५	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४५	५७	८	१९	३१	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	९	२१
६	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०
तुला	३२	४३	५५	६	१७	२९	४०	५२	३	१५	२६	३८	५०	१	१३	२४	३६	४८	५९	११	२२	३४	४६	५७	९	२०	३२	४४	५५	७
७	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५
वृश्चि.	१८	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	५१	२	१४	२५	३६	४८	५९	११	२२	३३	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०
८	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१
धनु	२	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१
९	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५
मकर	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२०	२९	३७	४५	५४	२	१०	१९	२७	३५	४४	५२	०	९	१७	२५	३४	४२	५०	५९	७	१५	२४
१०	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
कुम्भ	३२	४०	४९	५७	५	१४	२२	२९	३६	४४	५१	५८	६	१३	२०	२७	३५	४२	४९	५६	४	११	१८	२५	३३	४०	४७	५४	२	९
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
मीन	१६	२४	३१	३८	४५	५३	०	७	१४	२२	२९	३६	४३	५१	५८	५	१३	२०	२७	३४	४२	४९	५६	४	११	१८	२५	३३	४०	[illegible]

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश २८° अयनांश २४ (अक्षांश २७-३० से २८-३० तक स्थित)

(हाथरस, अलीगढ़, अनूपशहर, काठमाण्डू, अलवर, किशनगढ़, भूटान, नवलगढ़, खुर्जा, बरेली, बुलन्दशहर, बीकानेर,

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश २९° अयनांश २४ (अक्षांश २८-३० से २९-३० तक स्थित)

(हापुड़, मुरादाबाद, अमरोहा, जीन्द, नैनीताल, मेरठ, पानीपत, हिसार, अनूपगढ़, बिजनौर, भिवानी, रामपुर, रोहतक,

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश २८° अयनांश २४ (अक्षांश २७-३० से २८-३० तक स्थित)

(हाथरस, अलीगढ़, अनूपशहर, काठमाण्डू, अलवर, किशनगढ़, भूटान, नवलगढ़, खुर्जा, बरेली, बुलन्दशहर, बीकानेर, बदायूं, चन्दौसी, नारनौल, सीकर, पटौदी, झुंझनू, महेन्द्रगढ़, रिवाड़ी आदि नगरों के लिए)

रा.अं.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	२	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६
मेष	५२	५९	६	१३	२१	२८	३५	४३	५२	०	८	१६	२४	३३	४१	४९	५८	६	१४	२२	३१	३९	४७	५५	४	१२	२०	२९	३७	४५
१	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११
वृष	५३	२	१०	१८	२६	३५	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४
२	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७
मिथुन	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	१५	२७	३८	५०	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५६	७
३	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२
कर्क	१८	३०	४१	५३	४	१५	२७	३९	५०	२	१४	२५	३७	४९	०	१२	२४	३५	४७	५९	१०	२२	३४	४५	५७	९	२०	३२	४४	५५
४	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
सिंह	७	१९	३०	४२	५४	५	१७	२८	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	०	११	२३	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	६	१७	२८	४०
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
कन्या	५१	३	१४	२६	३७	४८	०	११	२३	३४	४६	५७	८	२०	२१	४३	५४	६	१७	२९	४०	५१	३	१४	२६	३७	४९	०	११	२३
६	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०
तुला	३४	४६	५७	९	२०	३२	४३	५५	६	१८	३०	४१	५३	४	१६	२८	४०	५१	३	१५	२६	३८	५०	१	१३	२५	३६	४८	०	११
७	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५
वृश्चिक	२३	३४	४६	५८	१०	२१	३३	४४	५६	७	१९	३०	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	२	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४४	५६
८	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१
धनु	७	१९	३०	४२	५३	४	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३७	४७	५७	७
९	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५
मकर	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२५	३३	४२	५०	५८	६	१५	२३	३१	३९	४८	५६	४	१३	२१	२९	३७	४६	५४	२	१०	१९	२७
१०	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
कुम्भ	३५	४३	५२	०	८	१६	२५	३२	३९	४६	५४	०	८	१५	२२	२९	३६	४४	५१	५८	५	१२	१९	२७	३४	४१	४८	५५	२	१०
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
मीन	१७	२४	३१	३८	४५	५३	०	७	१४	२१	२९	३६	४३	५०	५७	४	१२	१९	२६	३३	४०	४७	५४	२	९	१६	२३	३०	३८	४५

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश २९° अयनांश २४ (अक्षांश २८-३० से २९-३० तक स्थित)

(हापुड़, मुरादाबाद, अमरोहा, जीन्द, नैनीताल, मेरठ, पानीपत, हिसार, अनूपगढ़, बिजनौर, भिवानी, रामपुर, रोहतक, मुजफ्फरनगर आदि नगरों के लिए)

रा.अं.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६
मेष	५०	५७	४	१२	१९	२६	३३	४१	४९	५७	६	१४	२२	३०	३८	४७	५५	३	११	१९	२८	३६	४४	५२	१	९	१७	२५	३३	४१
१	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११
वृष	५०	५८	६	१४	२२	३१	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९
२	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७
मिथुन	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	५०	२	१३	२५	३६	४८	५९	११	२२	३३	४५	५६	८	१९	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०	५१	३
३	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२
कर्क	१४	२५	३७	४८	०	११	२३	३५	४६	५८	१०	२१	३३	४५	५७	८	२०	३२	४४	५५	७	१९	३१	४२	५४	६	१७	२९	४१	५३
४	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
सिंह	४	१६	२८	४०	५२	३	१५	२६	३८	४९	१	१२	२४	३६	४७	५८	१०	२२	३३	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
कन्या	५१	२	१४	२५	३७	४८	०	११	२३	३४	४६	५७	९	२०	३२	४३	५५	६	१८	२९	४१	५२	४	१५	२७	३८	५०	१	१३	२४
६	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०
तुला	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४५	५७	८	२०	३२	४४	५५	७	१९	३०	४२	५४	६	१७	२९	४१	५३	४	१६	२८	४०	५१	३	१५
७	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६
वृश्चि.	२६	३८	५०	२	१३	२५	३७	४८	०	११	२३	३४	४६	५७	९	२०	३२	४३	५४	६	१७	२९	४०	५२	३	१५	२६	३८	४९	१
८	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१
धनु	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११
९	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५
मकर	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	२९	३७	४५	५४	२	१०	१८	२६	३५	४३	५१	५९	७	१६	२४	३२	४०	४८	५७	५	१३	२१	२९
१०	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
कुम्भ	३८	४६	५४	२	१०	१९	२७	३४	४१	४८	५५	२	९	१७	२४	३१	३८	४५	५२	५९	६	१३	२०	२८	३५	४२	४९	५६	३	१०
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
मीन	१७	२४	३१	३९	४६	५३	०	७	१४	२१	२८	३५	४२	५०	५७	४	११	१८	२५	३२	३९	४६	५३	१	८	१५	२२	२९	३६	४३

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश ३०° अयनांश २४ (अक्षांश २९-३० से ३०-३० तक स्थित)

(सहारनपुर, हरिद्वार, पटियाला, फाजिल्का, भटिण्डा, शाहाबाद, मुल्तान, अल्मोड़ा, करनाल, कुरुक्षेत्र, अम्बाला, देहरादून, नाभा, फरीदकोट आदि नगरों के लिए)

रा.अं.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६
मेष	४८	५५	२	९	१६	२३	३०	३८	४६	५४	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	५	१३	२१	२९	३७
१	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११
वृष	४५	५३	१	१०	१८	२६	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३
२	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६
मिथुन	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	५१	२	१४	२५	३७	४८	०	११	२३	३४	४६	५७
३	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२
कर्क	९	२०	३२	४३	५५	६	१८	३०	४२	५४	५	१७	२९	४१	५२	४	१६	२८	४०	५१	३	१५	२७	३९	५०	२	१४	२६	३८	५०
४	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
सिंह	१	१३	२५	३७	४८	०	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२२	३३	४५	५६	८	२०	३१	४३	५४	६	१८	२९	४१	५२	४	१५	२७	३९
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
कन्या	५०	२	१४	२५	३७	४८	०	१२	२३	३५	४६	५८	१०	२१	३३	४४	५६	८	१९	३१	४२	५४	६	१७	२९	४०	५२	४	१५	२७
६	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०
तुला	३८	५०	२	१३	२५	३६	४८	०	१२	२३	३५	४७	५९	११	२२	३४	४६	५८	१०	२१	३३	४५	५७	९	२०	३२	४४	५६	८	१९
७	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६
वृश्चि.	३१	४३	५५	७	१८	३०	४२	५४	५	१६	२८	३९	५१	३	१४	२५	३७	४८	०	१२	२३	३४	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७
८	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१
धनु	१८	३०	४१	५३	४	१६	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६
९	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५
मकर	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३४	४२	५०	५८	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	१	९	१७	२५	३३
१०	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
कुम्भ	४१	४९	५७	६	१४	२२	३०	३७	४४	५१	५८	५	१२	१९	२६	३३	४०	४७	५४	१	८	१५	२२	२९	३६	४३	५०	५७	४	११
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२
मीन	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश ३१° अयनांश २४ (अक्षांश ३०-३० से ३१-३० तक स्थित)

(फगवाड़ा, अमृतसर, चण्डीगढ़, कपूरथला, होश्यारपुर, फिरोजपुर, लुधियाना, शिमला, कालका, सोलन, कुराली, खन्ना आदि नगरों के लिए)

रा.अं.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६
मेष	४६	५३	५९	६	१३	२०	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२७	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२
१	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११
वृष	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	६	१६
२	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६
मिथुन	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३७	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५६	७	१९	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०	५१
३	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२
कर्क	३	१४	२६	३७	४९	०	१२	२४	३६	४८	०	११	२३	३५	४७	५९	११	२३	३५	४७	५९	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६
४	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
सिंह	५८	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३२	४४	५६	७	१९	३१	४३	५४	६	१८	२९	४१	५३	४	१६	२८	४०	५१	३	१५	२६	३८
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
कन्या	५०	२	१३	२५	३७	४८	०	१२	२३	३५	४७	५९	१०	२२	३४	४५	५७	९	२०	३२	४४	५६	७	१९	३१	४२	५४	६	१७	२९
६	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०
तुला	४१	५३	४	१६	२८	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	२	१४	२६	३८	५०	२	१४	२६	३८	५०	१	१३	२५	३७	४९	१	१३	२५
७	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६
वृश्चि.	३७	४९	१	१२	२४	३६	४८	५९	११	२३	३४	४६	५७	९	२०	३२	४३	५५	६	१८	२९	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	२	१३
८	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१
धनु	२५	३६	४८	५९	११	२२	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१२	२२
९	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५
मकर	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५७	५	१३	२१	२९	३७
१०	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
कुम्भ	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४०	४७	५४	१	८	१४	२१	२८	३५	४२	४९	५६	३	१०	१६	२३	३०	३७	४४	५१	५८	५	१२
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२
मीन	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश ३२° अयनांश २४ (अक्षांश [illegible])

इन्द्रप्रस्थ [illegible] लग्न सारिणी अक्षांश २८।३८ वर्षादौ केतकी अयनांश २४

लग्न सारिणी उत्तर अक्षांश ३२° अयनांश २४ (अक्षांश ३१-३० से ३२-३० तक स्थित)

(कांगड़ा, चम्बा, डलहौजी, धर्मशाला, पठानकोट, जालन्धर, मण्डी, गुरदासपुर आदि नगरों के लिए)

रा.अं.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
०	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६
मेष	४३	५०	५७	३	१०	१७	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	५९	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२७
१	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११
वृष	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११
२	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६
मिथुन	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३१	४३	५५	६	१८	२९	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	२	१३	२५	३७	४८	०	११	२३	३४	४६
३	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२
कर्क	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१९	३१	४३	५५	७	१९	३१	४३	५५	७	१९	३१	४३	५५	७	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२
४	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
सिंह	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४१	५३	५	१७	२८	४०	५२	४	१६	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५०	२	१४	२५	३७
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
कन्या	४९	१	१३	२४	३६	४८	०	१२	२४	३५	४७	५९	११	२२	३४	४६	५८	१०	२१	३३	४५	५७	९	२०	३२	४४	५६	८	१९	३१
६	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०
तुला	४३	५५	७	१९	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	५	१७	२९	४१	५३	५	१७	२९
७	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६
वृश्चिक	४१	५३	५	१७	२९	४१	५३	५	१६	२८	३९	५१	२	१४	२६	३७	४९	०	१२	२३	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५६	७	१९
८	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१
धनु	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०	५०	०	१०	२०	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	८	१८	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८
९	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५
मकर	३८	४८	५७	७	१७	२७	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	५	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०
१०	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
कुम्भ	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४३	५०	५६	३	१०	१७	२३	३०	३७	४४	५१	५८	४	११	१८	२५	३२	३८	४५	५२	५९	५	१२
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२
मीन	१९	२६	३३	३९	४६	५३	०	७	१३	२०	२७	३४	४१	४८	५४	१	८	१५	२१	२८	३५	४२	४९	५५	२	९	१६	२३	२९	३६

इन्द्रप्रस्थ नगरे लग्न सारणी अक्षांशा २८।३८ वर्षादौ केतकी अयनांश २४

अंशाः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
मेष	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६
०	५१	५८	५	१३	२०	२७	३४	४२	५०	५९	७	१५	२३	३२	४०	४८	५६	५	१३	२१	२९	३७	४६	५४	२	१०	१९	२७	३५	४३
वृष	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११
१	५२	०	८	१६	२५	३३	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१
मिथुन	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७
२	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५२	४	१५	२७	३८	५०	१	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	५
कर्क	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२
३	१६	२८	३९	५१	२	१४	२५	३७	४८	०	१२	२३	३५	४७	५९	१०	२२	३४	४५	५७	९	२०	३२	४४	५६	७	१९	३१	४२	५४
सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
४	६	१७	२९	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	२	१३	२५	३६	४८	५९	११	२२	३४	४५	५७	८	१९	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
५	५१	३	१४	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४६	५७	९	२०	३२	४३	५४	६	१८	२९	४१	५२	३	१५	२६	३८	४९	१	१२	२४
तुला	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०
६	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५६	७	१९	३१	४२	५३	६	१८	२९	४१	५३	४	१६	२८	३९	५१	३	१५	२६	३८	५०	१	१३
वृश्चि.	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५
७	२५	३६	४८	०	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	१६	२७	३८	३०	१	१३	२५	३६	४७	५९
धनु	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१
८	१०	२२	३३	४५	५६	८	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	१९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९
मकर	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५
९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२७	३५	४४	५२	०	८	१७	२५	३३	४१	५०	५८	६	१४	२२	३०	३९	४७	५५	४	१२	२०	२८
कुम्भ	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
१०	३७	४५	५३	१	१०	१८	२६	३३	४०	४७	५५	२	९	१६	२३	३०	३७	४४	५२	११	६	१३	२०	२७	३४	४२	४९	५६	३	१०
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
११	१७	२४	३१	३९	४६	५३	०	७	१४	२१	२९	३६	४३	५०	५७	४	११	१८	२६	३३	४०	४७	५४	१	८	१६	२३	३०	३७	४४

अवकहड़ा चक्र : भुक्त नक्षत्र चरण राश्यादि और स्वामी, हंस संज्ञा व युंजा भाग सहितम्

चन्द्र राशि (१) मेष — वर्ण: क्षत्रिय, हंसक: अग्नि, वश्य: चतुष्पाद

नक्षत्र	अश्विनी-१				भरणी-२				कृतिका-३
चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१
अक्षर	चू	चे	चो	ला	ली	लू	ले	लो	आ
वर्ग	सिंह	:	:	मृग	:	:	:	:	गरुड़
अवकहड़ा चक्र	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि
	अश्व	देव	पूर्व	आद्य	गज	मनुष्य	पूर्व	मध्य	मेष
पूर्ण राशि	०	०	०	०	०	०	०	०	१
अंश	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
कला	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
सायन सूर्य	अयन			गोल			ऋतु		
	उत्तर			उत्तर			वसंत		
योग	विष्कुंभ				प्रीति				आयुष्मान

चन्द्र राशि (२) वृषभ — वर्ण: वैश्य, हंसक: भूमि, वश्य: चतुष्पाद

नक्षत्र	कृतिका-३			रोहिणी-४				मृगशीर्ष-५	
चरण	२	३	४	१	२	३	४	१	२
अक्षर	इ	ऊ	अे	ओ	वा	वी	वु	वे	वो
वर्ग	:	:	:	:	मृग	:	:	:	:
अवकहड़ा चक्र	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण
	राक्षस	पूर्व	अंत्य	सर्प	मनुष्य	पूर्व	अंत्य	सर्प	देव
पूर्ण राशि	१	१	१	१	१	१	१	१	२
अंश	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
कला	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
सायन सूर्य	अयन			गोल			ऋतु		
	उत्तर			उत्तर			ग्रीष्म		
योग				सौभाग्य				शोभन	

चन्द्र राशि (३) मिथुन — वर्ण: शूद्र, हंसक: वायु, वश्य: मानव

नक्षत्र	मृगशीर्ष-५		आर्द्रा-६				पुनर्वसु-७		
चरण	३	४	१	२	३	४	१	२	३
अक्षर	का	की	कु	घ	ङ	छ	के	को	हा
वर्ग	मार्जार	:	:	:	:	सिंह	मार्जार	:	मेष
अवकहड़ा चक्र	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा
	पूर्व	मध्य	श्वान	मनुष्य	मध्य	आद्य	मार्जार	देव	मध्य
पूर्ण राशि	२	२	२	२	२	२	२	२	३
अंश	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
कला	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
सायन सूर्य	अयन			गोल			ऋतु		
	उत्तर			उत्तर			ग्रीष्म		
योग			अतिगंड				सुकर्मा		

चन्द्र राशि (४) कर्क — वर्ण: ब्राह्मण, हंसक: वारि, वश्य: जलचर

नक्षत्र	पुनर्वसु-७	पुष्य-८				आश्लेषा-९			
चरण	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	ही	हू	हे	हो	डा	डी	डु	डे	डो
वर्ग	:	:	:	:	श्वान	:	:	:	:
अवकहड़ा चक्र	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी
	आद्य	मेष	देव	मध्य	मध्य	मार्जार	राक्षस	मध्य	अंत्य
पूर्ण राशि	३	३	३	३	३	३	३	३	४
अंश	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
कला	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
सायन सूर्य	अयन			गोल			ऋतु		
	दक्षिण			उत्तर			वर्षा		
योग		धृति				शूल			

चन्द्र राशि (५) सिंह — वर्ण: क्षत्रिय, हंसक: अग्नि, वश्य: वनचर

नक्षत्र	मघा-१०				पू.फा.-११				उ.फा.-१२
चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१
अक्षर	मा	मी	मू	मे	मो	टा	टी	टू	टे
वर्ग	उंदर	:	:	:	उंदर	छाग	:	:	:
अवकहड़ा चक्र	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि
	उंदर	राक्षस	मध्य	अंत्य	उंदर	मनुष्य	मध्य	मध्य	गौ
पूर्ण राशि	४	४	४	४	४	४	४	४	५
अंश	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
कला	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
सायन सूर्य	अयन			गोल			ऋतु		
	दक्षिण			उत्तर			वर्षा		
योग	गंड				वृद्धि				ध्रुव

चन्द्र राशि (६) कन्या — वर्ण: वैश्य, हंसक: भूमि, वश्य: मानव

नक्षत्र	उ.फा.-१२			हस्त-१३				चित्रा-१४	
चरण	२	३	४	१	२	३	४	१	२
अक्षर	टो	पा	पी	पू	ष	ण	ठ	पे	पो
वर्ग	:	उंदर	:	:	मेष	छाग	:	उंदर	:
अवकहड़ा चक्र	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण
	मनुष्य	मध्य	आद्य	महिषी	देव	मध्य	आद्य	व्याघ्र	राक्षस
पूर्ण राशि	५	५	५	५	५	५	५	५	६
अंश	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
कला	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
सायन सूर्य	अयन			गोल			ऋतु		
	दक्षिण			उत्तर			शरद		
योग				व्याघात				हर्षण	

चन्द्र राशि (७) तुला — वर्ण: शूद्र, हंसक: वायु, वश्य: मानव

नक्षत्र	चित्रा-१४		स्वाति-१५				विशाखा-१६		
चरण	३	४	१	२	३	४	१	२	३
अक्षर	रा	री	रु	रे	रा	ता	ती	तू	ते
वर्ग	मृग	:	:	:	:	सर्प	:	:	:
अवकहड़ा चक्र	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा
	मध्य	मध्य	मार्जार	देव	मध्य	अंत्य	व्याघ्र	राक्षस	मध्य
पूर्ण राशि	६	६	६	६	६	६	६	६	७
अंश	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
कला	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
सायन सूर्य	अयन			गोल			ऋतु		
	दक्षिण			दक्षिण			शरद		

चन्द्र राशि (८) वृश्चिक — वर्ण: ब्राह्मण, हंसक: वारि, वश्य: कीट

नक्षत्र	विशाखा-१६	अनुराधा-१७				ज्येष्ठा-१८			
चरण	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	तो	ना	नी	नू	ने	नो	य	यी	यु
वर्ग	:	:	:	:	:	:	मृग	:	:
अवकहड़ा चक्र	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी
	अंत्य	मृग	देव	मध्य	मध्य	मृग	राक्षस	अंत्य	आद्य
पूर्ण राशि	७	७	७	७	७	७	७	७	८
अंश	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
कला	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
सायन सूर्य	अयन			गोल			ऋतु		
	दक्षिण			दक्षिण			हेमंत		

चन्द्र राशि (९) धनु — वर्ण: क्षत्रिय, हंसक: अग्नि, वश्य: मानव/चत

नक्षत्र	मूल-१९				पू.षा.-२०				उ.षा.-२१
चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१
अक्षर	ये	यो	भा	भी	भु	धा	फा	ढा	भे
वर्ग	:	:	उंदर	:	:	सर्प	उंदर	श्वान	उंदर
अवकहड़ा चक्र	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि
	श्वान	राक्षस	अंत्य	आद्य	वानर	मनुष्य	अंत्य	मध्य	नकुल
पूर्ण राशि	८	८	८	८	८	८	८	८	९
अंश	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
कला	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
सायन सूर्य	अयन			गोल			ऋतु		
	दक्षिण			दक्षिण			हेमंत		

चन्द्र राशि (१०) मकर — वर्ण: वैश्य, हंसक: भूमि, वश्य: चत/जल

नक्षत्र	उ.षा.-२१			श्रवण-२२				धनिष्ठा-२३	
चरण	२	३	४	१	२	३	४	१	२
अक्षर	भो	जा	जी	खी	खू	खे	खो	गा	गी
वर्ग	:	सिंह	:	मार्जार	:	:	:	:	:
अवकहड़ा चक्र	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण
	मनुष्य	अंत्य	अंत्य	वानर	देव	अंत्य	अंत्य	सिंह	राक्षस
पूर्ण राशि	९	९	९	९	९	९	९	९	१०
अंश	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
कला	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
सायन सूर्य	अयन			गोल			ऋतु		
	उत्तर			दक्षिण			शिशिर		

चन्द्र राशि (११) कुंभ — वर्ण: शूद्र, हंसक: वायु, वश्य: मानव

नक्षत्र	धनिष्ठा-२३		शत.-२४				पू.भा.-२५		
चरण	३	४	१	२	३	४	१	२	३
अक्षर	गू	गे	गो	सा	सी	सू	से	सो	दा
वर्ग	:	:	:	मेष	:	:	:	:	सर्प
अवकहड़ा चक्र	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा
	अंत्य	मध्य	अश्व	राक्षस	अंत्य	आद्य	सिंह	मनुष्य	अंत्य
पूर्ण राशि	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११
अंश	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
कला	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
सायन सूर्य	अयन			गोल			ऋतु		
	[illegible]			[illegible]			[illegible]		

चन्द्र राशि (१२) मीन — वर्ण: ब्राह्मण, हंसक: वारि, वश्य: जलचर

नक्षत्र	पू.भा.-२५	उ.भा.-२६				रेवती-२७			
चरण	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	दी	दू	ज्ञा	झा	धा	दे	दो	चा	ची
वर्ग	:	:	मेष	सिंह	सर्प	:	:	सिंह	:
अवकहड़ा चक्र	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी	योनि	गण	युंजा	नाड़ी
	आद्य	गौ	मनुष्य	अंत्य	मध्य	गज	देव	पूर्व	अंत्य
पूर्ण राशि	११	११	११	११	११	११	११	११	०
अंश	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
कला	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
सायन सूर्य	अयन			गोल			ऋतु		
	[illegible]			[illegible]			[illegible]		

अष्टक वर्ग ज्ञानार्थ चक्र

अष्टक वर्ग ज्ञानार्थ चक्र

१. रविरेखा ४८

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
१	३	१	३	५	६	१	३
२	६	२	५	६	७	२	४
४	१०	४	६	९	१२	४	६
७	११	७	९	११		७	१०
८		८	१०			८	११
९		९	११			९	१२
१०		१०	१२			१०	
११		११				११	

२. चन्द्ररेखा ४९

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
३	१	२	१	१	३	३	३
६	३	३	३	४	४	५	६
७	६	५	४	७	५	६	१०
८	७	६	५	८	७	११	११
१०	१०	९	७	१०	९		
११	११	१०	८	११	१०		
		११	१०	१२	११		
			११				

३. भौमरेखा ३९

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
३	३	१	३	६	६	१	१
५	६	२	५	१०	८	४	३
६	११	४	६	११	११	७	६
१०		७	११	१२	१२	८	१०
११		८				९	११
		१०				१०	
		११				११	

४. बुधरेखा ५४

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
५	२	१	१	६	१	१	१
६	४	२	३	८	२	२	२
९	६	४	५	११	३	४	४
११	८	७	६	१२	४	७	६
१२	१०	८	९		५	८	८
	११	९	१०		८	९	१०
		१०	११		९	१०	११
		११	१२		११	११	

५. गुरुरेखा ५६

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
१	२	१	१	१	२	३	१
२	५	२	२	२	५	५	२
३	७	४	४	३	६	६	४
४	९	७	५	४	९	१२	५
७	११	८	६	७	१०		६
८		१०	९	८	११		७
९		११	१०	१०			९
१०			११	११			१०
११							११

६. भृगु रेखा ५२

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
८	१	३	३	५	१	३	१
११	२	५	५	८	२	४	२
१२	३	६	६	९	३	५	३
	४	९	९	१०	४	८	४
	५	११	११	११	५	९	५
	८	१२			८	१०	८
	९				९	११	९
	१०				११		११
	११				१२		

७. शनिरेखा ३९

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
१	३	३	६	५	६	३	१
२	६	५	८	६	११	५	३
४	११	६	९	११	१२	६	४
७		१०	१०	१२		११	६
८		११	११				१०
१०		१२	१२				११
११							

८. लग्न रेखा ४९

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
३	३	१	१	१	१	१	३
४	६	३	२	२	२	३	६
६	१०	५	४	४	३	४	१०
१०	१२	१०	६	५	४	६	११
११		११	८	६	५	१०	
१२			१०	७	८	११	
			११	९	९		
				१०	११		
				११			

षट्वर्ग फलादेश

षट्वर्ग सारिणी प्रवेश रीति

'लग्न' या 'सूर्यादि स्पष्ट ग्रह' की जो वर्तमान राशि के समाने और उसके अंशादि के आसान जो कोष्ठक है उसके नीचे लिखे हुए होरादि षट्वर्गों के सामने की राशि अपने-अपने वर्ग को लग्न व ग्रहों की राशि होती है अर्थात् उन अंकों के समान संख्या वाली राशियों में लग्न व ग्रह को ग्रहादि वर्ग में लिखना चाहिए।

उदाहरण—जैसे स्पष्ट लग्न १।१५।१५।५७ है यहां लग्न की वर्तमान वृष राशि है। इसलिए वृष राशि के सामने और १५।१५।५७ से आसन्न-न्यून अंशादि १५।०।० है। इस के नीचे ४।६।११।२।७।१२ ग्रहादि वर्गों की वर्तमान राशि है। इसलिए होरा में कर्क, द्रेष्काण में कन्या, सप्तमांश में कुंभ, नवांश में वृष, द्वादशांश में मीन लग्न हुआ। स्पष्ट सूर्य ०।३।४३।१२ की वर्तमान मेष राशि के सामने और ३।२०।० आसन्न-न्यून कोष्टक के नीचे ५।१।१।१।२।१ वर्गों की राशियां हैं। अतः सूर्य होरा में सिंह राशि में रहेगा। द्रेष्काण में मेष का सूर्य, सप्तमांश में मेष का सूर्य एवं नवांश में मेष का सूर्य, द्वादशांश में वृष का सूर्य और त्रिशांश में मेष का सूर्य रहेगा।

होरा फल

होरा कुण्डली बना कर देख लेना चाहिए कि होरा लग्न सूर्य राशि हो और सूर्य उसी में स्थित हो तो जातक रजोगुणी, उच्चपदाभिलाषी, गुरु और शुक्र होरा लग्न में सूर्य के साथ हों तो सम्पत्तिवान्, सुखी, मान्य, उच्चपदारुढ़, शासक, नेता, शीलवान, राजमान्य तथा होरेश लग्न में पाप ग्रह से युक्त हो तो नीच प्रकृति वाला, दुश्शील, सम्पत्ति रहित, कुल के विरुद्ध आचरण करने वाला और नीच कमरत जातक होता है यदि चन्द्रमा की राशि होरा लग्न में हो और चन्द्रमा उस में स्थित हो तो जातक शान्त स्वभाव वाला, मातृभक्त, लज्जालु, व्यवसायी, कृषि कर्म में रुचि रखने वाला, अल्पलाभ में सन्तोष करने वाला तथा शुभ ग्रह गुरु शुक्र आदि भी होरा लग्न में चन्द्रमा के साथ हों जातक भक्ति, श्रद्धा, सदाचारयुक्त आचरण करने वाला शीलवान, धनिक, सन्तानवान, सुखी और चन्द्रमा के साथ पाप ग्रह हों तो विपरीत आचरण वाला, निर्धन, दुखी तथा नीच कार्यों से प्रेम करने वाला होता है।

सप्तमांश चक्र का फल विचार

सप्तमांश लग्न से केवल सन्तान का विचार करना चाहिए। सप्तमांश लग्न का स्वामी पुरुष ग्रह हो तो जातक के पुत्र उत्पन्न होते हैं और सप्तमांश लग्न का स्वामी स्त्री ग्रह हो तो जातक के कन्याएं अधिक उत्पन्न होती हैं। सप्तमांश लग्न का स्वामी पाप ग्रह हो पाप ग्रह की राशि में हो तो सन्तान नीच कर्म करने वाली होती है और सप्तमांश लग्न का स्वामी स्वराशि का शुभ ग्रह से युक्त या दृष्ट हो या शुभग्रह की राशि में स्थित हो तो सन्तान शुभाचरण करने वाली सुन्दर, सुशील और गुणी होती है। सप्तमांश लग्न का स्वामी सप्तमांश लग्न से ७ या ८वें स्थान में पाप ग्रह से युक्त या दुष्ट हो तो जातक सन्तानहीन होती है।

नवमांश कुण्डली के फल का विचार

नवमांश लग्न से स्त्री भाव का विचार किया जाता है। इसी से स्त्री का आचरण, स्वभाव, चेष्टा प्रभृति को देखना चाहिए। नवमांश लग्न का स्वामी मंगल हो तो स्त्री क्रूर स्वभाव की कुलटा, लड़ाकू, सूर्य हो तो पतिव्रता, उग्रस्वभाव की, चन्द्रमा हो तो शीतल स्वभाव, गौरवर्ण और मिलनसार प्रकृति की, बुध हो तो चतुर, चित्रकार, सुन्दर आकृति, शिल्प विद्या में निपुण, गुरु हो तो पतिव्रता, ज्ञानवती, शुभाचरण वाली, पतिव्रता, सौम्य स्वभाव, व्रत, तीर्थ करने वाली, शुक्र हो तो चतुर, शृंगार प्रिय, विलासी, कामक्रीड़ा प्रवीण, गौर वर्ण, व्यभिचारिणी, शनि हो तो क्रूर स्वभाव वाली, कुल के विरुद्ध आचरण करने वाली, श्याम वर्ण, नीच संगति में रत, पति से विरोध करने वाली होती है। नवमांश लग्न का स्वामी राहु, केतु के साथ हो तो दुराचरिणी, कुल्टा, दुष्टा, नवमांश लग्न का स्वामी शुभ ग्रह हो और स्वराशिस्थ केन्द्र त्रिकोण में हो तो बालक को स्त्री का पूर्ण सुख मिलता है तथा नवमांश लग्न का स्वामी भाग्येश के साथ २।११वें भाव में उच्च का होकर स्थित हो तो स्त्रियों से अनेक प्रकार का लाभ तथा ससुराल के धन का स्वामी होता है। नवमांश लग्न का स्वामी पाप ग्रहों से युक्त या दृष्ट ८।१२वें भाव में स्थित हो तो जातक को स्त्री का सुख नहीं होता है। यह जितने पाप ग्रहों से युक्त या दृष्ट हो उतनी ही स्त्रियों को नाश करने वाला होता है।

द्वादशांश कुण्डली के फल का विचार

द्वादशांश लग्न से माता-पिता के सुख-दुख का विचार किया जाता है। यदि द्वादशांश लग्न का स्वामी शुभ-ग्रह हो तो जातक के माता-पिता का शुभाचरण और पाप ग्रह हो तो पापाचार युक्त आचरण होता है। द्वादशांश लग्न का स्वामी पुरुष ग्रह अपनी राशि, मित्र की राशि या उच्च की राशि में स्थित होकर १।४।५।७।९।१०वें स्थान में स्थित हो तो जातक को पिता का पूर्ण सुख और नीच राशि, शत्रु राशि या पाप ग्रह की राशि में स्थित हो या ६।८।१२वें भाव में बैठा हो तो पिता का अल्प सुख होता है। द्वादशांश लग्न का स्वामी स्त्री ग्रह सौम्य हो और स्वराशि, मित्र राशि या उच्च की राशि में स्थित होकर १।४।५।७।९।१० भावों में स्थित हो तो जातक को माता का सुख होता है। यदि यही स्त्री ग्रह पाप युक्त या पाप दृष्ट होकर ६।८।१२वें भाव में हो तो माता का सुख नहीं होता।

षट् वर्ग सारिणी चक्र

रा.	चक्र	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६
अंशादि		२	३	४	५	६	७	८	१०	१२	१२	१२	१३	१५	१६	१७	१७	१८	२०	२१	२२	२३	२५	२५	२६	२७	३०
		३०	२०	१७	०	४०	३०	३४	०	०	३०	५१	२०	०	४०	८	३०	०	०	२५	३०	२०	०	४२	४०	३०	०
		०	०	८॥	०	०	०	१७	०	०	०	२६	०	०	०	३४	०	०	०	४३	०	०	०	५१	०	०	०
	हो.	५	५	१	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
०	द्रे.	१	१	१	१	१	१	१	१	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	९	९	९	९	९	९	९	९
	स.	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७
	न.	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
मे	द्वा.	१	२	२	२	३	३	४	४	५	५	६	६	६	७	७	७	८	८	९	९	१०	१०	११	११	११	१२
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
१	द्रे.	२	२	२	२	२	२	२	२	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०
	स	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२
	न.	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
वृ.	द्वा.	२	३	३	३	४	४	५	५	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
२	द्रे.	३	३	३	३	३	३	३	३	७	७	७	७	७	७	७	७	७	७	११	११	११	११	११	११	११	११
	स.	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९
	न.	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
मि.	द्वा.	३	४	४	४	५	५	६	६	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	१	२
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
३	द्रे.	४	४	४	४	४	४	४	४	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२
	स.	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४
	न.	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
क.	द्वा.	४	५	५	५	६	६	७	७	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	२	२	२	३
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
४	द्रे.	५	५	५	५	५	५	५	५	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	१	१	१	१	१	१	१	१
	स.	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११
	न.	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
सिं.	द्वा.	५	६	६	६	७	७	८	८	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१	१	२	२	३	३	३	४
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	६	६	६	६	६	६	६	६	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२	२	२	२	२	२	२	२
	स.	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६
	न.	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
	द्वा.	६	७	७	७	८	८	९	९	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	२	२	३	३	४	४	४	५
	त्रिं.	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

रा.	चक्र	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६
अंशादि		२	३	४	५	६	७	८	१०	१२	१२	१२	१३	१५	१६	१७	१७	१८	२०	२१	२२	२३	२५	२५	२६	२७	३०
		३०	२०	१७	०	४०	३०	३४	०	०	३०	५१	२०	०	४०	८	३०	०	०	२५	३०	२०	०	४२	४०	३०	०
		०	०	८॥	०	०	०	१७	०	०	०	२६	०.	०	०	३४	०	०	०	४३	०	०	०	५१	०	०	०
६	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	७	७	७	७	७	७	७	११	७	११	११	११	११	११	११	११	११	११	३	३	३	३	३	३	३	३
	स.	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१
तु.	न.	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
	द्वा.	७	८	८	८	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	३	३	४	४	५	५	५	६
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
७	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	८	८	८	८	८	८	८	८	१२	१२	१२	१२	११	१२	१२	१२	१२	१२	४	४	४	४	४	४	४	४
	स.	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८
वृ.	न.	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
	द्वा.	८	९	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	१	०	२	२	३	३	४	४	५	५	६	६	६	७
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
८	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	९	९	९	९	९	९	९	९	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	५	५	५	५	५	५	५	५
	स.	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३
ध.	न.	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
	द्वा.	९	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	५	५	६	६	७	७	७	८
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
९	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	६	६	६	६	६	६	६	६
	स.	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०
म.	न.	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
	द्वा.	१०	११	११	११	१२	१२	१	१	२	२	३	३	३	४	४	४	५	५	६	६	७	७	८	८	८	९
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
१०	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	११	११	११	११	११	११	११	११	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	७	७	७	७	७	७	७	७
	स.	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५
कुं.	न.	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
	द्वा.	११	१२	१२	१२	१	१	२	२	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६	७	७	८	८	९	९	९	१०
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
११	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	८	८	८	८	८	८	८	८
	स.	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२
मी.	न.	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
	द्वा.	१२	१	१	१	२	२	३	३	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	८	८	९	९	१०	१०	१०	११
	त्रिं.	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

अथ जन्म समय आदि विचार

... भाव में हो और सूर्य की राशि द्विस्वभाव राशि हो

अथ जन्म समय आदि विचार

ज्योतिष शास्त्र वेदों का मुख्य अंग है और षटशास्त्रों में सर्वोत्तम शास्त्र माना गया है। प्राचीन काल से लेकर आज के आधुनिक जैट व कम्प्यूटर युग तक इसकी महत्ता सदा मानी जाती रही है। इसका कारण यही है कि यह प्रत्यक्ष फल बतलाता है। चन्द्र ग्रहण, सूर्य ग्रहण का समय, सूर्योदय, चन्द्रोदय का प्रत्येक स्थान, अक्षांश का समय, ऋतु परिवर्तन आदि अनेक विषय हैं जिनका गणित द्वारा निर्णय इस शास्त्र द्वारा ठीक-ठीक किया जाता है। ऐसा और कोई शास्त्र नहीं है जो भूत, भविष्य, वर्तमान तीनों कालों की बातों को ठीक-ठीक बतला सके। इसलिये हमारी संस्कृति में इस शास्त्र को सब से ऊँचा स्थान दिया गया है। वेदों के समय से ही यह परम्परा रही कि चाहे सभी वेदों और अन्य शास्त्रों को पढ़ लेने पर जब तक ज्योतिष शास्त्र में पारंगत नहीं होता था उसकी विद्या और ज्ञान अधूरा समझा जाता था। ज्योतिष शास्त्र के द्वारा सही भविष्य ज्ञात करने के लिये आवश्यक होता है कि जन्म का ठीक समय ज्ञात हो। आजकल छोटे-छोटे गांवों तक और साधारण से साधारण व्यक्ति के पास घड़ी उपलब्ध है और जन्म का ठीक समय जानना उतना कठिन नहीं रह गया है जितना अब से कुछ समय पहले हुआ करता था। फिर भी बहुत सी ऐसी परिस्थितियां होती हैं जब जन्म का ठीक समय नोट नहीं हो पाता था ज्योतिषी के पास पुरानी पत्री बनने को आती है। और बनवाने वाला लगभग समय बतलाता है। इस कारण ज्योतिष शास्त्र में बहुत सी ऐसी बातें बताई गई हैं जिनकी सहायता से ठीक लग्न का निर्णय करने में सहायता मिलती है। दिन-रात के चौबीस घंटों में बारह लग्न क्षितिज पर निकल जाते हैं और एक लग्न लगभग दो घंटे होता है। कोई लग्न दो घंटे से कुछ कम कोई दो घंटे से कुछ ज्यादा होता है। वर्षभर की दैनिक लग्न सारिणी दिल्ली नगर के पंचांग में दे दी गई है और इस की सहायता से अन्य नगरों में प्रत्येक लग्न का आरम्भ व समाप्ति काल निकालना भी बता दिया गया है। मान लो कोई व्यक्ति आपको बताता है कि बालक का जन्म रात में दिन निकलने से २-३ घंटे पहले हुआ था तो इसी अवस्था में आपको २ या ३ लग्नों में से एक लग्न का निर्णय करना पड़ेगा। तब जिस लग्न की बातें सबसे अधिक मिलें वही सही लग्न समझना चाहिए। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि घड़ी में ठीक समय देख कर ही जन्म समय नोट किया है। परन्तु घड़ी कुछ धीमी-तेज गति से चलने के कारण थोड़ा-बहुत गलत समय भी बता सकती है और संयोग से जन्म समय के आस-पास ही लग्न का समाप्ति काल भी हो तो उस समय भी सही लग्न का निर्णय करने में निम्न जानकारी बहुत सहायक होती है। मान लो १२ नवम्बर रात के २-१५ का जन्म है और उस तारीख को सिंह लग्न २-२० पर समाप्त हो रही हो तो सिंह और कन्या दोनों लग्नों की विशेषताओं पर विचार करके ही आपको निर्णय करना पड़ेगा।

पितृ परोक्ष ज्ञान— सबसे पहले आप पता कीजिये कि बालक के जन्म समय पिता घर था या नहीं। घर से यहां तात्पर्य जन्म स्थान से है। जन्म यदि किसी अस्पताल, नर्सिंग होम में हुआ हो तो उस स्थान से है। लग्न पर चन्द्रमा की पूर्ण या अपूर्ण (एक पाद, दो पाद आदि) दृष्टि है तो पिता घर पर ही होना चाहिये। सूर्य आठवां, नौवां, ग्यारहवां या बारहवां है (लग्न से) तो पिता घर पर नहीं होता। लग्न से ८वां, ९वां, ११वें, १२वें भाव में जिस में सूर्य पड़ा हो वह राशि यदि चर राशि है तो पिता दूसरे देश में होना चाहिये। सूर्य इन भावों में स्थिर राशि का हो तो देश में ही होना चाहिये। सूर्य ८, ९, ११, १२ वें में से किसी भी भाव में हो और सूर्य की राशि द्विस्वभाव राशि हो तो पिता घर की ओर मार्ग में होता है। इन सभी योगों में लग्न पर चन्द्रमा की दृष्टि हो तो पिता घर में ही होता है बाहर नहीं। शनि लग्न में हो या मंगल सातवें स्थान में हो, या बुध-शुक्र चन्द्रमा से दूसरे या बारहवें स्थान में हो अर्थात् बुध-शुक्र में से कोई एक-दूसरे में हो, दूसरा बारहवें स्थान में हो, तो भी पिता का घर पर न होना ही ज्ञात होता है। बुध-शुक्र के इस योग में अंशों से भी विचार होता है। चाहे तीनों एक ही राशि में हों या दो राशियों में परन्तु एक के अंश चन्द्रमा से कम दूसरे के अधिक हों तो भी चन्द्रमा दोनों के मध्य ही समझा जाता है। जैसे चन्द्रमा के किसी राशि में १५ अंश, बुध के ८ अंश और शुक्र के २५ अंश हों तो यह कर्तरी योग बन जाता है।

चिह्न ज्ञान— बहुधा बालक के शरीर पर आये चिह्न तिल, भौंरी, लहसुन, मसा आदि से भी लग्न का निर्णय करने में सहायता मिलती है। जन्म कुण्डली में लग्न से १, ५, ६, या ९वें स्थान में सूर्य हो तो भुजा में कोई चिह्न होता है। यदि लग्न में सूर्य और शनि दोनों हों, दूसरे भाव में मंगल और केन्द्र (१, ४, ७, १०) में चन्द्रमा हो तो बालक की छः उंगलियां होती हैं। जो ग्रह बलवान होता है उसी के अनुसार चिह्न भी आते हैं। सूर्य सिर पर, मस्तक पर, चन्द्रमा मुख, मंगल गले में, बुध छाती में, गुरु नाभि व पेट पर, शुक्र पीठ व जांघ पर, शनि, राहु, केतु, पेट, होंठ, दातों पर चिह्न पैदा करते हैं। सप्तम भाव में गुरु या लग्न में राहु व गुरु दोनों हों और अष्टम में पाप ग्रह शनि, मंगल, राहु आदि हों, या लग्न में शुक्र तथा अष्टम में पाप ग्रह हों तो, बाँई भुजा पर तिल, मसा, लहसन आदि का चिह्न होता है। लग्न ३।६ या ११वें स्थानों में मंगल हो या बारहवें भाव में मंगल-शुक्र दोनों हों तो बांई बगल में तिल आदि चिह्न होता है। लग्न में शुक्र और सातवें राहु हो तो माथे पर या बाँये कान पर चिह्न होता है। लग्न में मंगल हो, ५।६ स्थानों में शनि हो और ११।१२ में शुक्र हो तो गुदा या लिंग (योनि) के समीप तिल आदि चिह्न होता है। ५ या ६ठें स्थान में शनि हो, ८वां बुध या लग्न में गुरु और ४था शनि हो तो पेट पर चिह्न होता है। दूसरा शुक्र, तीसरा मंगल या आठवां सूर्य कमर पर चिह्न लाता है। चौथा शुक्र या राहु, लग्न में मंगल या शनि बाँये पैर पर १२वां गुरु, दूसरा चन्द्रमा, ३, ६, ११वां बुध गुदा के समीप गोल चिह्न या व्रण आदि उत्पन्न करता है। छठे भाव का स्वामी ग्रह पाप ग्रहों के साथ लग्न या सातवें घर में हो तो शरीर में फोड़े-फुंसी होते हैं। लग्न में मंगल, सप्तम में गुरु या शुक्र हो तो सिर में चोट या फोड़ा-फुंसी का चिह्न हो सकता है। लग्न में मंगल, शुक्र, चन्द्रमा साथ हो तो दूसरे या छठे वर्ष में सिर में चिह्न होने की आशंका होती है। मंगल चन्द्र से व्रण और शुक्र चन्द्र से तिल होते हैं।

अन्तरिक्ष जन्म ज्ञान— बालक का जन्म भूमि पर हुआ है या ऊंचे स्थान पर हुआ है? मकान की पहली मंजिल भूमि और दूसरी तथा ऊपर की मंजिलों को अंतरिक्ष कहा जाता है। जन्म लग्न मिथुन, कन्या, धनु या मीन हों तो अन्तरिक्ष या ऊँचे स्थान पर जन्म समझना।

बालक का रोदन ज्ञान— जन्म समय मेष, मिथुन, सिंह, धनु लग्न हों तो बालक ने पैदा होते ही जल्दी रोना आरम्भ कर दिया ऐसा जानना। कन्या, तुला, कुम्भ लग्न हो तो बालक धीरे मन्द स्वर में रोया, अन्य लग्नों में बालक देर से रोया हो ऐसा जानना चाहिये। आप जानते हैं कि जन्म कुंडली में दो कुंडली बनती हैं, एक लग्न कुंडली दूसरी राशि कुंडली। इन में जो ज्यादा बलवान हो उसी का फल कहना चाहिये। लग्न बलवान हो तो लग्न के अनुसार और राशि बलवान हो तो राशि के अनुसार फल कहना चाहिये। लग्नेश लग्न को देखता हो लग्नेश स्वग्रही उच्च मित्र क्षेत्री हो, लग्न को शुभ ग्रह देखता हो तो लग्न बलवान होती है इसी प्रकार राशि भी बलवान होती है।

उपसूतिका ज्ञान—प्रसव के समय मुख्य डाक्टर या डाक्टरनी के अतिरिक्त कितनी नर्स या अन्य स्त्रियाँ उस समय उपस्थित थीं इसका ज्ञान करने के लिए यह देखना चाहिए कि लग्न में या लग्नेश के साथ और इनके यानी लग्न के व लग्नेश के दूसरे व १२वें स्थान में जितने ग्रह हों उतनी ही उप-सूतिकायें जाननी चाहिए। अथवा लग्न व चन्द्रमा के मध्य जितने ग्रह हों उतनी संख्या जानना चाहिए। लग्न से सप्तम स्थान तक अदृश्य और सप्तम से लग्न तक दृश्य होता है। अतएव सप्तम से लग्न तक जितने ग्रह हों उतनी उपसूतिकायें प्रसूतिका माता के पास और लग्न से सप्तम तक जितने ग्रह हों उतनी घर के बाहर होती हैं। अस्पताल में जिस कमरे में प्रसव हो उसे मुख्य घर समझना चाहिए। उस कमरे में प्रसव समय पर उपस्थित नर्सें आदि प्रथम कोटि में और जो बाहर आ जा रही हों वह दूसरी कोटि में समझनी चाहिए। गावों में जहां प्रसव घर हों वहां आस-पड़ोस की स्त्रियों की गिनती भी साथ ही की जाती है। उपसूतिकाओं के वर्ण, जाति, आयु का विचार ग्रहों के अनुसार ही करना। उच्च तथा वक्री ग्रहों की संख्या को ३ से गुणा कर के तथा स्वराशि स्वनवांश स्वद्रेष्काण के ग्रहों को दुगना करके और नीच तथा अस्त ग्रहों की संख्या को आधा करके संख्या ज्ञात करनी होती है।

सिर पाद प्रसव ज्ञान—बच्चे का जन्म सिर से हुआ है या पैर से इसको जानने के लिये देखो कि यदि ३।५।६।७।८।११ राशियों में या इन राशियों के नवांश में जन्म हुआ है तो सिर से प्रसव जानना। यह शीर्षोदय राशियां हैं। इनके अतिरिक्त अन्य १।२।४।९।१०।१२ पृष्ठोदय राशियां हैं। इनमें या इनके नवांश में जन्म हो तो पैरों से प्रसव जानना। मीन राशि में या मीन के नवांश में जन्म हाथों से होता है। यानी पहले हाथ बाहर आते हैं। पैर पहले बाहर आयें तो पैरों से प्रसव और सिर पहले आये तो सिर से प्रसव कहा जाता है।

सूतिका गृह द्वार ज्ञान—सूतिका गृह या अस्पताल, नर्सिंग होम आदि के उस कमरे का जिसमें प्रसव हुआ हो द्वार किस दिशा की ओर है इसके ज्ञान के लिए देखो कि केन्द्र में स्थित ग्रह की दिशा कौन सी है। यदि केन्द्र में कई ग्रह हों तो सबसे बलवान ग्रह की दिशा के अनुसार और कोई ग्रह केन्द्र में नहीं हो तो लग्न की राशि की दिशा बताना चाहिए।

पुरुष शरीर में सूर्यादि ग्रहों का अधिकार—सिर व मुख प्रदेश में सूर्य का, छाती गले में चन्द्रमा का, पीठ, पेट में मंगल का, हाथ व पैरों में बुध का, कमर व जांघ में गुरु (वृहस्पति) का, जननेन्द्रिय व वृष्णों में शुक्र का, घुटने (जानु), पेट (ऊरु) में शनि का अधिकार होता है। जन्म समय, प्रश्न समय गोचर में जब-जब यह ग्रह अनिष्ट कारक होते हैं। तब-तब अपने अधिकार प्रदेश के अंगों को ही कष्ट पहुंचाते हैं।

मेषादि राशियों का अंग विभाग—मेष राशि का स्थान सिर में, वृष का मुख, मिथुन दोनों भुजायें, कर्क हदय प्रदेश, सिंह उदर, कन्या कमर, तुला वस्ति (मूत्राशय), वृश्चिक जननेन्द्रियां, धनु दोनों जंघायें, मकर दोनों घुटने, कुम्भ दोनों पिंडलियां और मीन राशि से दोनों पैरों (पादों) का विचार किया जाता है। इसी प्रकार प्रथम भाव लग्न से सिर, दूसरे भाव से सुख, तीसरे से भूजा, चौथे से हदय, पाँचवें से पेट, छठे से कमर, सातवें वे वस्ति, आठवें से गुह्येन्द्रियों, नवम से ऊरु, दशम से जानु, ग्यारहवें से जंघा और बारहवें भाव से पैरों का विचार करते हैं। उपरोक्त बारह राशियों अथवा बारह भावों में शुभ अशुभ ग्रहों की स्थिति दृष्टि आदि से तत्सम्बन्धी अंगों के स्वस्थ या पीड़ित रहने का विचार किया जाता है।

अथ प्रसूति लग्न विचार

मेष—सूतिका गृह—(वह स्थान जहाँ बच्चा पैदा होता है, अस्पताल, नर्सिंग होम, घर आदि)। इमारत पुरानी, मुख्य द्वार पूर्व दिशा की ओर, चारपाई, बैड, पलंग जिस पर प्रसविनी माता को लिटाया गया उसका सिर पूर्व दिशा की ओर, माता ने लाल रंग के वस्त्र पहने हुए थे, प्रसव से पहले मीठा भोजन किया था। प्रसव में कष्ट अधिक हुआ, जन्म भूमि पर हुआ (यदि इमारत में कई मंजिलें हों तो सबसे नीचे की मंजिल भूमि की सतह पर समझें) प्रसव के बाद बालक अधिक रोया। उपसूतिका १ या ३, बालक के मुख का रंग श्यामता पर, नेत्र भूरे, प्रकृति वात श्लेष्म, कद छोटा, शरीर मजबूत, वाणी चंचल, कष्ट वर्ष ४।११।१६।४४।५८, उपाय गौदान, तुलादान, मृत्युंजय जप आदि, आयु १०० वर्ष।

नोट—कष्ट वर्षों में शरीर कष्ट की आशंका होती है उपाय करने से कष्ट टल जाता है। चन्द्रमा पर बृहस्पति या शुभ ग्रह की दृष्टि हो तो आयु पूर्ण होती है। बैद्यक शास्त्र के अनुसार प्रकृति तीन प्रकार की होती है वात, पित्त, कफ। श्लेष्म कफ को ही कहते हैं।

वृष—माता का सिर दक्षिण में, सूतिक घर नया, द्वार दक्षिण में, माता ने सफेद वस्त्र पहने हुए हों और प्रसव से पहले सूखा साग आदि खाया हो, अधोमुख होकर पैरों से प्रसव, बालक ऊँचे स्वर से रोया, उपसूतिका ३ या ४, दीपक (या बत्ती लाइट) उत्तर में, बालक का रंग गोरा, स्वरूप सुन्दर, प्रकृति रक्त, पित्तकष्ट वर्ष १।२।८।३३।४४।६१, कष्ट निवारण के लिए उपाय अन्नदान, ब्राह्मण भोजन, मृत्युंजय जप आदि। उपरान्त आयु ९० वर्ष आजकल बच्चा पेट में उल्टा या टेढ़ा हो जाता है तो आपरेशन से प्रसव करते हैं। वह इसी श्रेणी में समझना चाहिए।

मिथुन—माता का सिर पश्चिम में, मकान नया, द्वार पश्चिम में, माता के कपड़े पीले रंग के, प्रसव से पहले नमकीन भोजन किया हो, माता के दाहिने अंग में कोई चिह्न, जन्म अन्तरिक्ष (छत पर) या ऊपर की मंजिलों में, सिर से प्रसव, रोना उच्च लम्बे स्वर में, उपसूतिका ३ या ५, स्तनों में दूध कम, देर से उतरे, बालक के नेत्र रोग युक्त, प्रकृति बलगामी, स्वभाव चंचल, अग्निमंद (हाजमा मन्दा), बुद्धि विलक्षण, प्रंसव से पहले माता को कुछ ज्वर आदि हुआ हो। कष्ट वर्ष ४।१०।१४।३८।५८, उपाय शिवार्चन, मृत्युंजय जप होम आदि। उपरान्त आयु ८६ वर्ष।

कर्क—प्रसव के समय माता का सिर उत्तर में, मकान नया, मकान का या उस कमरे का जिस में प्रसव हुआ हो द्वार उत्तर में, माता ने पुराने सफेद या लाल रंग के वस्त्र पहने हुये हों, पिता क्लेश में परेशानी में हो, प्रसव कष्ट अधिक, माता ने मधुर, शीतल (मीठा ठंडा) भोजन किया हो, भूमि पर जन्म, पैर से प्रसव, रोदन शब्द दीर्घ, बालक जोर से रोया, उपसूतिका ४ या ५, बालक के वामांग में चिह्न, बालक का सिर मोटा, आखें चंचल, प्रकृति, वात, कफ, रंग गोरा, कद लम्बा, शरीर कोमल, कष्ट वर्ष ५।२५।४०।४८।६२ उपाय छायापात्र, तुलादान, मृतसंजीवनी मंत्र का जप। उपरान्त आयु १०० वर्ष।

सिंह—माता का सिर पूर्व में, मकान नया, द्वार पूर्व को, माता के वस्त्र लाल या चित्र-विचित्र भोजन के साथ शाक-भाजी व खट्टी चींज खाई हो, भूमि पर जन्म, रोदन स्वर दीर्घ, उपसूतिका ३

चंचल, क्रूर स्वभाव, प्रकृति कफ, पित्त। कष्ट कारक वर्ष ५ [illegible]

[illegible] पाया टूटा हुआ, बालक का रंग गोरा, नाक चपटी, आँख भूरी, सिर ऊँचा, बाल कपिल, प्रकृति

चंचल, क्रूर स्वभाव, प्रकृति कफ, पित्त। कष्ट कारक वर्ष ५।१३।२८।३६।४८, उपाय सूर्य पूजन, आदित्य हृदय का पाठ, अपूपान्न दान (मीठे माल पूये आदि) उपरान्त आयु ८३ वर्ष।

कन्या—माता का सिर उत्तर, प्रसव स्थान घर के दक्षिण भाग में, पिता घर से बाहर गया हो, छत पर ऊँची जगह पर जन्म, बालक कम रोया, उपसूतिका ४ या ५, भुजा में साधारण भूषण, बालक का रंग गोरा, गले व जांघ में चिन्ह, कष्टकारक वर्ष ४।१६।२३।३६।५५, उपाय मुदगान्न दान, गोदान, मृत्युंजय जप, उपरान्त आयु १०० वर्ष।

तुला—माता का सिर पश्चिम में, मकान कुछ नया, प्रसूतिका गृह पश्चिम भाग में, माता के बाल साधारण सफेद, प्रसव कष्ट ज्यादा, पिता क्लेश-परेशानी में, माता ने प्रसव से पहले कुछ काम कर ठंडा पानी पिया हो, घर में कुछ लड़ाई-झगड़ा हुआ हो, भूमि पर जन्म, रोने की आवाज धीमी, उपसूतिका ३ या ५, वहां एक कन्या भी हो, दीपक हाथ में उठाया हो या लाइट बल्ब ऊंचा लटका हो, बालक का रंग जरदी पर, वदन में फोड़े-फुंसी, शरीर दुबला, कष्ट वर्ष ८।१५।३१।३५।६२।६४,, उपाय गोदान, तन्दुल दान, नवग्रह पूजन, होम से शान्ति तदुपरान्त आयु ८५ वर्ष।

वृश्चिक—माता का सिर दक्षिण या उत्तर में, मकान पुराना, द्वार उत्तर में, माता के बाल लाल या जला हुआ, प्रसव कष्ट अधिक, साधारण भोजन, माता कुछ क्रोध में, भूमि पर जन्म, रोने की आवाज आधी दबी हुई, उपसूतिका ४ या ५, पिता क्लेश परेशानी में, बालक के केश लम्बे काले, पीठ पर चिन्ह, गले में पीड़ा, रंग गौर श्याम बीच का, प्रकृति रक्त-पित्त, कष्ट वर्ष ११।२८।३८।५२।६२ उपाय तुलादान, मृत्युंजय जप, ब्राह्मण भोजन, उपरान्त आयु १०० वर्ष।

धनु—माता का सिर पूर्व दिशा की ओर, प्रसूति स्थान घर के दक्षिण भाग में, द्वार पूर्व में, मकान नया, माता के वस्त्र लाल या वसन्ती, माता ने पका हुआ भोजन करके जल पिया हो, जन्म ऊँचे स्थान पर या छत पर, रोने का स्वर काफी ऊँचा, उपसूतिका १ या ५, बालक का रंग गोरा, आकृति सुन्दर, नेत्र विशाल, सिर ऊँचा, हृदय पर चिन्ह, कष्ट वर्ष २।१०।१८।३१।३८।४२, उपाय कष्ट वर्षों के आरम्भ में शिवार्चन, महामृत्युंजय जप, ब्राह्मण भोजन, तदुपरान्त आयु ८१ वर्ष।

मकर—माता का सिर दक्षिण में, मकान पुराना, दरवाजा उत्तर या दक्षिण की ओर, प्रसूति स्थान पश्चिम भाग में, वस्त्र मैले फटे पुराने, माता ने शाक-सब्जी के साथ भोजन कर के ठंडा पानी पिया हो, भूमि पर जन्म, कुछ देर बाद बालक धीरे स्वर से रोया, उपसूतिका १ या ५, बालक के केश घने, नाक मोटी, मस्तक ऊँचा, रंग श्याम, कष्ट वर्ष ५।१३।२७।३६।५७।६२।८७, उपाय रुद्राभिषेक, स्वर्ण दान, तैल, उड़द दान, छायापात्र दान, उपरान्त आयु ९५ वर्ष।

कुम्भ—माता का सिर पश्चिम में, मकान का अधिकांश भाग पुराना, प्रसूतिका घर दक्षिण-पश्चिम में, द्वार पूर्वोत्तर में, माता के वस्त्र कुछ काले मैले, पुराने, कम्बल ओढ़ा हो, मामूली कसैला चटपटा भोजन किया हो, पिता घर पर नहीं हो, भूमि पर जन्म, जन्म के काफी देर बाद बालक थोड़ा सा रोया, उपसूतिका ३ या ४, बालक के होठ मोटे; मस्तक लम्बा, प्रकृति गर्म, कद नाटा, नेत्र में रोग, कष्ट वर्ष २।२८।३३।४८।६४, उपाय तुला दान, महिषि दान, मृत्युंजय जप उपरान्त आयु ९० वर्ष।

मीन—माता का सिर उत्तर में, मकान का कुछ हिस्सा पुराना, प्रसूति गृह उत्तर में, द्वार दक्षिण को, माता के वस्त्र मैले वसन्ती रंग के, पिता घर पर, जन्म ऊँचे स्थान पर, बालक जन्म के बाद देर से रोया, माता ने प्रसव से पहले ठण्डा जल पिया हो, उपसूतिका पहले, पीछे ३ या ५, पलंग का पाया टूटा हुआ, बालक का रंग गोरा, नाक चपटी, आँख भूरी, सिर ऊँचा, बाल कपिल, प्रकृति बल्गमी, कष्ट वर्ष १।८।१३।३६।४८, उपरान्त आयु ८३ वर्ष, उपाय मोदकान्न दान, गोदान, ग्रह शान्ति, मृत्युंजय जप।

प्रत्येक लग्न के—विषय में जो सूचनायें दी गई हैं वे प्रायः सामान्य रूप से ठीक मिलती हैं। परन्तु ग्रहों के अन्य योगों से उन में अन्तर भी आ सकता है। ग्रह योगों का जो प्रभाव पड़ता है उनके विषय में संक्षेप में इससे पहले विचार किया है उस पर भी ध्यान देना चाहिए। कभी-कभी ऐसा होता है कि जन्म समय के बारे में निश्चित रूप से ठीक सूचना नहीं मिलती और जो समय बताया होता है उस के आस-पास ही लग्न का आरम्भ या समाप्ति काल होता है तब उपरोक्त लक्षणों के आधार पर ही ठीक लग्न का निर्णय करना होता है। जिस लग्न के लक्षण, चिन्ह आदि अधिक मिलें वही लग्न ठीक समझनी चाहिए। इसको और स्पष्ट करने के लिए २-१ उदाहरण देकर समझाना ठीक होगा। मान लो किसी ने बताया कि १२ नवम्बर को रात के बारह बजे के आस-पास का जन्म है। लग्न सारणी में देखने पर ज्ञात हुआ कि १२ नवम्बर को १२ बजकर ३ मिनट तक कर्क लग्न है और उसके बाद सिंह लग्न है। अब आप कर्क और सिंह दोनों लग्नों के लक्षणों, चिन्हों का मिलान कीजिये और जिस लग्न की बातें ज्यादा मिलें वही लग्न निर्धारित कर दीजिए।

बालारिष्ट—जन्म लग्न में चन्द्रमा छठे, आठवें या बारहवें घर में हो और उस पर क्रूर ग्रहों की दृष्टि हो तो बालक के जीवन को संकट होता है। यदि इस प्रकार के चन्द्रमा को शुभ ग्रह देख रहे हों तो संकट टल जाता है। ६।८।१२वें स्थान में शुभ ग्रह हों और उन पर क्रूर ग्रहों या वक्री ग्रहों की दृष्टि हो, लग्न में कोई शुभ ग्रह न हो, लग्न को या लग्नेश को कोई शुभ ग्रह नहीं देखता हो तो बालक को अल्पायु योग होता है। जिस कुण्डली में पंचम स्थान में सूर्य, मंगल व शनि तीनों हों उस बालक को, उसकी माता को, उसके भाई को, तीनों को ही कष्ट प्रदान करते हैं। तीनों ग्रहों का इस प्रकार का योग भी बालक तथा माता दोनों को अपार कष्ट प्रदान करता है। लग्न में शनि, आठवां चन्द्रमा, तीसरा वृहस्पति—इस प्रकार से ग्रहों का योग हो तो वह भी बालक को महान कष्ट कारक होता है। अल्पायु योग माना जाता है। बारहवें स्थान में कोई भी ग्रह हो तो कष्ट ही देता है। परन्तु सूर्य, चन्द्र, शुक्र व राहु हों तो विशेष रूप से अरिष्टदायक होते हैं। लग्न के १२वें तथा दूसरे भाग में क्रूर ग्रह होने से अशुभ कर्तरी योग बनता है। अर्थात् लग्न दुष्ट ग्रहों के बीच में आ जाने से कष्ट दायक हो जाती है। लग्न में दूसरे भाव में, छठे, आठवें, बारहवें भाव में क्रूर ग्रहों का होना अरिष्ट बताता है।

अरिष्ट भंग योग—बुध, बृहस्पति, शुक्र इन शुभ ग्रहों से कोई भी एक, दो या तीनों १।४।७।१० केन्द्र स्थानों में हों या लग्न में गुरु स्वग्रही उच्च क्षेत्री बलवान होकर पड़ा हो या लग्नेश बलवान् होकर केन्द्र में हो, या शुक्ल पक्ष में रात्रि का जन्म हो और लग्न पर शुभ ग्रहों की दृष्टि हो अथवा कृष्ण पक्ष में दिन का जन्म हो और लग्न शुभ ग्रहों द्वारा दृष्ट हो। इन पांचों योगों में से कोई भी एक या अधिक योग हो तो वह उपरोक्त सभी अरिष्ट योगों, अल्पायु योगों को भंग कर देता है। समाप्त कर देता है।

माता-पिता को अरिष्ट योग—सूर्य से पिता का तथा चन्द्रमा से माता का विचार किया जाता है। सूर्य के साथ पाप ग्रह बैठे हों या सूर्य पाप ग्रहों के बीच में पड़ गया हो या सूर्य पर पाप ग्रहों की दृष्टि हो, अथवा सूर्य से ४।६।८वें स्थानों में क्रूर ग्रह हों और शुभ ग्रह न हों तो पिता को

कष्टदायक होते हैं। इसी प्रकार चन्द्रमा के साथ यह अरिष्ट योग माता को कष्टकारक होते हैं, जैसे—चन्द्रमा के साथ पाप ग्रह चन्द्रमा से २।१२वें भाव में पाप ग्रह चन्द्रमा पर पाप ग्रहों की दृष्टि चन्द्रमा से ४।६।८वें स्थानों में क्रूर ग्रहों की स्थिति शुभ ग्रहों की अनुपस्थिति माता को कष्ट देने वाली होती है।

प्रसव दोष—चैत्र मास में कुतिया प्रसव करे, वैशाख में ऊंटनी, ज्येष्ठ में बिल्ली, आषाढ़ में गधी, श्रावण में घोड़ी, भाद्रपद में गाय, कार्तिक में स्त्री, मार्गशीर्ष में हथिनी, पौष में बकरी, माघ में भैंस प्रसूत हो तो प्रसूतिका को तथा उसके स्वामी को कष्टकारक होती है। सभी प्रकार के अरिष्ट योगों की शान्ति के लिये दान, जप, हवन, शान्ति पाठ, पुण्याहवाचन आदि अनुष्ठान करा देना चाहिए।

त्रिखल दोष—तीन पुत्रों के बाद कन्या अथवा तीन कन्याओं के बाद पुत्र हो तो त्रिखल दोष होता है। यह माता-पिता को कष्ट कारक, धन हानि कारक होता है। इसके लिए त्रिखल शान्ति अनुष्ठान करा देना चाहिए।

दन्तोत्पत्ति फल—बालक दांतों सहित जन्म ले तो माता-पिता को महा अरिष्ट दोष होता है। प्रथम दांत नीचे की पंक्ति में आना चाहिए, यदि ऊपर की पंक्ति में प्रथम दांत उत्पन्न हो तो मातुल पक्ष को भयदायक होता है। दांत ६ महीने से पहले आना ठीक नहीं होते। प्रथम मास में शरीर कष्ट द्वितीय में छोटे भाई को, तीसरे में बहन को, चौथे में बड़े भाई को, पांचवें में बड़े बन्धु जनों को कष्टकारक होते हैं। छठे में बहुत भाग्यशाली, ७वें में पिता को भाग्य वर्धक, ८वें में शरीर पुष्टिकारक, ९वें में धनवान, १०वें में सुखी, ११वें में महा सुखी, १२वें महाधनी बनाते हैं।

एक नक्षत्र जात फल—पिता-पुत्र, माता-पुत्र,. माता-कन्या, पिता-कन्या या दो भाई एक ही नक्षत्र में जन्में तो दोनों को ही महान् कष्ट दायक माने गये हैं। नक्षत्रों में, चरण में या राशि में भेद हो तो कुछ कम कष्टदायक होते हैं। अरिष्ट निवारण के लिए स्वर्ण दान, शान्ति पाठ, जप, हवन आदि कर्म अवश्य करा देना चाहिए।

गण्डमूल नक्षत्र चरण फल सारिणी

गण्डमूल नक्षत्र	प्रथम चरण	द्वितीय चरण	तृतीय चरण	चतुर्थ चरण
अश्विनी	पिता को कष्ट	सुख ऐश्वर्यवान	मंत्रित्व प्राप्ति	राज्य सम्मान
आश्लेषा	शांति से शुभ	धन हानि	मातृ हानि	पितृ हानि
मघा	माता को कष्ट	पिता को कष्ट	सुखी	धन-विद्या प्राप्ति
ज्येष्ठा	भाई को कष्ट	कनि. भाई को कष्ट	मातृ हानि	स्वयं को हानि.
मूल	पिता को हानि	माता को हानि	धन नाश	शांति से शुभ
रेवती	राज्य सम्मान	मंत्रित्व प्राप्ति	धन सुख	व्याधियाँ

उपरोक्त नक्षत्र गण्डमूल नक्षत्र होते हैं। इन में जन्मा बालक माता-पिता, अपने कुल या अपने शरीर को कष्टकारक होता है। इस के विपरीत यदि संकट समाप्त हो जाय तो अपार धन, वैभव, ऐश्वर्य, वाहनादि का स्वामी भी होता है। शास्त्रानुसार तो उचित यही समझा जाता है कि २७ दिन तक [illegible] करा कर २७ दिन बाद ही मुख देखे। परन्तु यह तभी उचित है जब बालक पिता को कष्टदायक हो या अभुक्त मूल में उत्पन्न हो। २७ दिन बाद वही नक्षत्र जब फिर आये तब पुरोहित द्वारा मूल शान्ति करा यथा सम्भव दानादि करके ही प्रसूति स्नान शुद्धि कराई जानी चाहिए। जन्म मास जन्म लग्न के अनुसार मूल का निवास कहां है तक उसका क्या फल होता है यह नीचे के चक्र में दिया है।

मूल निवास चक्र

चन्मामासानुसारेण	वैशा., ज्ये., मार्ग., फा.	चैत्र, श्राव., का., पौ.	आषा., आ.,माघ, भा.
जन्म लग्नानुसारेण	२।५।८।११	३।६।९।१२	१।४।७।१०
मूल निवास स्थानम्	पाताले	भूमौ	स्वर्गे
फलम्	शुभम्	कुलनाशः	शुभम्

प्रत्येक नक्षत्र लगभग ६० घटी का मान कर मूल नक्षत्र को एक वृक्ष की उपमा दी गई है और उसकी घटियों के अनुसार उसके मूल आदि विभाग किये गये हैं। बालक का जन्म जिस विभाग में हो उसी के अनुसार फल बताये गये हैं। जैसे प्रथम ७ घटी मूल (जड़), अगली ८ घटी स्तम्भ (तना), उसकी अगली १० त्वचा (छाल) आदि। मूल नक्षत्र में जन्म हो तो निम्न चक्र से फल देखें:

मूलजनन वृक्ष विभाग

मूले	स्तम्भे	त्वचायां	शाखायां	पत्रे	पुष्पे	फले	शिखायां	विभाग
७	८	१०	११	१२	५	४	३	घट्यः
मूल नाशः	वंश नाशः	मातृ क्लेश	मातुल नाश	मंत्री पदम्	मंत्री पदम्	विपुल लाभः	अल्प जीवी	फलम्

इसी प्रकार नक्षत्र को पुरुष मान कर उस की घटियों को पुरुष के अंगों में स्थापित करके तदनुसार फल प्रतिपादन किया जाता है। यथा प्रथम ५ घटी में जन्म हो तो मूर्धिनफल-राजा राजसी ठाट-बाट उपरान्त ७ घटी मुख संज्ञा-फल पिता को कष्ट आदि-आदि बालक के जन्म पर निम्न चक्र से फल देखें। मूल नक्षत्र में जन्मे बालक के लिये।

अथ मूल पुरुष चक्रम्

मूर्ध्नि	मुखे	स्कंधे	बाह्वो:	हस्ते	हृदये	नाभौ	गुह्ये	जानुनि	पादे	स्थानं
५	७	४	८	३	९	२	१०	६	६	घट्यः
राजा	पि.मृ.	बली	बली	दानी	मंत्री	ज्ञानी	कामी	मतिमान्	मतिमान्	फलम्

मूल नक्षत्र में बालिका के जन्म पर निम्न चक्र से फल देखना चाहिये।

अथ कन्याजन्मनि मूल चक्रम्

शीर्षे	मुखे	कण्ठे	हृदये	बाह्वो:	हस्ते	गुह्ये	जंघे	जानुनि	पादे	स्थानं
४	६	५	५	५	८	९	४	४	१०	घट्यः
पशु नाश	धन नाश	धन लाभ	कुटिला	धन लाभ	दयावः	कामिनी	मातृ नाश	भ्रातृ नाश	वैभव्यं	फलम्

अथ आश्लेषा चक्रम्

कुहू जनन फल—अमावस्या की अन्तिम घटी के भी अन्तिम ५-१० पलों में जब चन्द्रमा

अथ आश्लेषा चक्रम्

शिरसि	मुखे	नेत्रे	ग्रीवायां	स्कंधे	हस्ते	हृदये	नाभौ	गुदे	पादे	स्थान
५	७	२	४	४	८	१०	६	७	७	घट्यः
पुत्रादि	पितृ नाश	मातृ नाश	स्त्री लाभ	गुरु भक्त	बली	आत्म हानि	भ्रमः	तपस्वी	धन हानि	फलम्

आश्लेषा नक्षत्र में जन्मे बालक-बालिका का फल वृक्ष के अंगों की घटियों के अनुसार निम्न चक्र से देखना चाहिए:

अथ आश्लेषा पुरुष वृक्ष चक्रम्

फले	पुष्पे	दले	शाखायां	त्वचायां	लतायां	स्कन्धे
१०	५	९	७	१३	१२	४
धनम्	धनम्	राजभयम्	हानिः	मातृ हानिः	पितृ हानिः	अल्पायुः

अभुक्त मूल विचार

ज्येष्ठा नक्षत्र की अन्त की ४ घटी, अन्य किसी मत से १ घटी और मूल नक्षत्र के आदि की ४ घटी, अन्य मत से आधी घटी अभुक्त मूल होता है। इन घटियों में बालक जन्मे तो पिता ८ वर्ष पर्यन्त बालक का मुख न देखे, असमर्थ हो तो ६ मास त्याग करे। शांति हवन, अभिषेक आदि से युक्त अभुक्त मूल शांति, रुद्रार्चन, महामृत्युञ्जयादि विधान कर शुभ मुहूर्त में बालक के मुख का अवलोकन करें। कहते हैं संत तुलसीदास जी का जन्म इसी प्रकार के अभुक्त मूल में हुआ था।

कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी में जन्मे बालक पर भी अरिष्ट दोष होता है उसका निर्णय निम्न तालिका के अनुसार करना चाहिए:

अथ कृष्ण चतुर्दशी विभाग फलम्

१	२	३	४	५	६	विभागः
शुभम्	पितृ नाश	मातृ नाश	मातुल नाश	कुल हानिः	धन हानिः	फलम्

त्रयोदशी की घटियों को ६० में से घटा कर चतुर्दशी की घटियां युक्त कर ६ का भाग दें, जो प्रथम भाग में होगा, उसके द्विगुणित दूसरा ऐसे ही क्रम से जानें। जिस भाग में जन्म हुआ हो उसके अनुसार फल को कहें, अरिष्ट हो तो शान्ति विधान करें।

सिनीवाली कुहू जनन फल

सिनीवाली—अमावस्या की अन्तिम पांच ५टियों में जन्म हो तो सिनीवाली जनन समझा जाता है। जन्म के बाद अमावस्या की ५ या उससे कम घटियां रह गई हों। अर्थात् चन्द्रमा की केवल कुछ कलायें ही दृश्य मान हों तब सिनीवाली जनन होता है। इसका निर्णय सूक्ष्म गणित द्वारा चन्द्रमा की गति अनुसार करना चाहिए। यह अंतिम घटियां ४ और ५ के बीच होती हैं। इनमें जन्म होने से घर में बालक-बालिका या पशु, गाय, भैंस, घोड़ी आदि प्रसूत हो तो धन हानि, अपयश आदि का भय होता है।

कुहू जनन फल—अमावस्या की अन्तिम घटी के भी अन्तिम ५-१० पलों में जब चन्द्रमा की कलायें समाप्त या बिल्कुल नष्ट हो जायं तब अन्तिम घटी के भी अन्तिम पलों में जन्म हो तो कुहू जनन होता है। उस समय बालक या पशु जन्म हो तो अति अरिष्ट कारक होता है। इसका शास्त्रोक्त विधि से शान्ति अवश्य करना चाहिए।

अन्य अरिष्ट दोष

व्यतीपात योग में जन्म हो तो अंग हानि, वैधृति योग में जन्म हो तो पिता से वियोग, परिध योग में जन्म हो तो स्वयं को मृत्यु तुल्य कष्ट होता है। मृत्यु योग, दग्ध योग, भद्रा, संक्रांति के दिन, सूर्य चन्द्रग्रहण समय में शूल योग, व्यघात योग, अतिगण्ड योग, वज्र योग, तिथि क्षय, क्रान्ति साम्य (महापात योग), विश्वधस्त्र पक्ष में क्षय मास में जन्मे बालकों को कुयोग में जन्मा समझा जाता है। इनकी आयु तथा आरोग्य के लिए शास्त्रोक्त विधि-विधान से ग्रह शान्ति करा देना चाहिए। जिस प्रकार २७ नक्षत्र होते हैं उसी प्रकार २७ योग होते हैं। व्यतिपात, वैधृति, परिघ, व्याघात, अतिगण्ड, शूल, वज्र इन २७ में से कुछ अशुभ योग हैं। तिथि के अधि भाग को करण कहते हैं। विष्टि करण को भद्रा कहते हैं। तिथि, नक्षत्र, बार आदि के संयोगों से कुछ योग बनते हैं। जिनकी सूचना पंचांगों में दी होती है। मृत्यु योग, दग्ध योग आदि ऐसे ही कुयोग हैं इनकी शान्ति कराना आवश्यक होता है।

स्त्री दासी गौ आदि पशु यमल जन्म फलम्

त्रिविधा यमलोत्पत्तिर्जायते योषितामिह। सुतौ च सुत कन्ये वा कन्या एव तथा पुनः॥
एक लिंगो विनाशाय द्वि लिंगो मध्यमौ स्मृतौ। पित्रोर्विघ्नकरौ ज्ञेयो तत्र शान्तिर्विधीयते॥

तीन प्रकार से जुड़वां सन्तानों की उत्पत्ति होती है। दोनों लड़के हों या दोनों लड़की हों या एक लड़का एक लड़की हो। इस में एक लड़का एक लड़की का होना तो मध्यम, साधारण है। परन्तु एक ही तरह के लिंग वाली सन्तान हों तो उनका फल माता-पिता के लिए अच्छा नहीं बताया गया है। उसकी शान्ति कराना श्रेयस्कर होता है।

जन्म स्थान विचार

बच्चे का जन्म किस प्रकार के स्थान में हुआ है इस के नियम ज्योतिष फलित में बताये गये हैं। जिनमें से मुख्य नियमों की जानकारी दी जा रही है। कर्क, मकर, मीन यह तीन जलचर राशियां हैं। लग्न या चन्द्रमा इन राशियों में है अथवा लग्न पर पूर्ण चन्द्रमा की दृष्टि हो अथवा चन्द्रमा जलचर राशि के प्रथम, चतुर्थ या दशम स्थान में हो तो जन्म जल के ऊपर या जल के पास होता है, जल से तात्पर्य नदी, तालाब, झील, समुद्र, झरना, कुआ, नहर आदि समझना। नौका, जहाज, पुल के ऊपर भी जल का सामीप्य होता है। चन्द्रमा कर्क राशि का हो, बुध लग्न में हो, गुरु चौथा अथवा लग्न में जलचर राशि हो, चन्द्रमा सप्तम हो तो भी जन्म जल पर या समीप में ही हुआ समझना चाहिए। लग्न या चन्द्र में शनि १२वां हो, लग्न या चन्द्र को पाप ग्रह देखते हों तो जन्म कारागार में या एकान्त में जंगल वियावान में समझिये। शनि कर्क या वृश्चिक लग्न में हो और चन्द्रमा की पूर्ण दृष्टि हो तो खाई खन्दक में जन्म होता है। पुरुष राशि की लग्न हो, लग्न में शनि हो, मंगल की दृष्टि हो तो शमशान या शमशान के पास जन्म। पुरुष लग्न में शनि को शुक्र व चन्द्रमा देखते हों तो राजमहल या देवालय मन्दिर में जन्म, लग्नगत गुरु पर बुध की दृष्टि हो तो चित्रकारी किये हुए, मूर्तियां बने हुए सुन्दर घर में जन्म होता है। इस प्रकार ग्रहों के बलावल पर विचार करके फल कथन करना चाहिए।

बाल कष्टावली चक्रम् (पूजा विधि)

प्रत्येक मन्त्र को २१ बार पढ़कर बलि को ७ बार शिर पर फिरा कर उचित स्थान पर नाम से रख आवें।

किस समय कौन पूतना ग्रहण करती है	असित लक्षण	पूजन द्रव्य	मूर्तिनिर्माणार्थ द्रव्य	बलि विधान व समय	धूप	स्नान पूजा मार्जन मन्त्र
प्रथम दिन मास वर्ष में योगिनी	ज्वर, स्वेद मन्दस्वर, कम्पन, अरुचि, अंगशोथ।	श्वेत चंदन, तिलक, श्वेतपुष्प, ५ रंग की झंडी ५, ५ दीपक, ५ आटे के सतिये, कपूर, लोहबान।	नदी के दोनों किनारों की मृत्तिका	श्वेत भात, ५ पूर्ण पोली (सुहाली) १ पहर दिन चढ़े पूर्व दिशा में चौरास्ते पर रखना।	राई, खस, कमल के फूल, बिल्ली और मनुष्य के बाल निम्बपत्र, गोघृत।	ॐ ब्रह्मा विष्णुश्च रुद्रश्च स्कन्दो वै वरुणस्तथा। रक्षन्तु त्वरितं बालं मुञ्च कुमारकम्॥
द्वितीय दिन मास वर्ष में सुनन्दना	ज्वर, हाथ-पैर जकड़ना, संकोच, दांत चबाना, नेत्र खुले, नेत्र रोग भय, कृषता।	१० दीपक, १० झंडी, पुष्प, चावलों के आटे के सतिये १०।	एक सेर चावलों का आटा	भात, एक सेर आटे के पूड़े, मत्स्य व बकरे का मांस संध्या समय प. दिशा में चोरास्ते पर रखना।		ॐ नमश्चामुण्डायै विच्चै हांहां हीं हीं हुंहुं दुष्टाग्रहा गच्छन्त्वतः स्थानाद्रुद्राज्ञया स्वाहा।
तृतीय दिन मास वर्ष में पूतना	हड़फूटन, खांसी, शिर झुकाना, श्वास, नेत्रमीलन, श्यामता, अरुचि, रुदन, नेत्रपीड़ा	रक्तचंदन, रक्तपुष्प, श्वेत ध्वजा, दीपक १०, गेहूं के आटे के सतिये १०।	एक सेर चावलों का आटा	एक सेर लाल भात, आध सेर पूर्ण पोली (सुहाली) पश्चिम दिशा में वृक्ष के नीचे रखना।	लहसुन, गोशृंग सांप की कांचली	सुनन्दना विधानोक्त
चतुर्थ दिन मास वर्ष में मुखमंडिका	गात्र भंग, शिर झुकाना, खांसी, श्वास, नेत्रमीलन, अरुचि, अनिद्रा, श्यामता।	श्वेतपुष्प, श्वेतध्वजा ५, दीपक, मिल सकें तो अर्जुन वृक्ष के पुष्प।	तिल चुर्ण एक सेर	भात, १ सेर आटे के पूड़े, आधा सेर पूर्णपोली सायंकाल पश्चिम दिशा में वृक्ष के नीचे रखना।	नीम के पत्ते पुरुष और बिल्ली के बाल	सुनन्दना विधानोक्त
पंचम दिन मास वर्ष में विडालिका	पेट में दर्द, हिचकी, श्वास, अरुचि, ज्वर, शरीर में गर्मी तेज।	श्वेतचंदन, श्वेत पुष्प, दीपक ५ श्वेतध्वजा ५, गेहूं के आटे के सतिये।	एक सेर चावलों का आटा	श्वेत भात, ७ पूड़ियां, सायंकाल प. दिशा में वृक्ष के नीचे रखना	गोघृत।	ॐ भगवती ह्रीं ह्रीं ह्रूं ह्रूं मुंच रक्षां कुरु कुरु बलिं गृह्ण-२ अस्त्र ठः ठः चामुण्डे चण्डिके ठः ठः स्वाहा
षष्ठ दिन मास वर्ष में घट्कारिका	ज्वर, हड़फूटन, हंसना, कभी-२ रोना, मोह मूर्च्छा।	श्वेत चंदन, श्वेत पुष्प, दीपक ५ श्वेत ध्वजा ५।	नदी के दोनों किनारों की मिट्टी	भात, ५ मिठाई, ५ सुहाली, ७ पूड़ियां १ प्रहर दिन चढ़े पूर्व में चौरास्ते पर रखना	कूठ, गुगल,	योगिनी विधानोक्त
सप्तम दिन मास वर्ष में कालिका	खांसी, श्वास, वमन, अरुचि, शरीर कम्पन।	श्वेत चंदन, श्वेत पुष्प, दीपक ५, श्वेत ध्वजा ५।	चावलों का आटा एक सेर	भात, ७ पूड़ियां सायंकाल पश्चिम में चौरास्ते पर मौन होकर रखना	राई, हाथी दांत, घृत।	विडालिका विधानोक्त
अष्टम दिन मास वर्ष में कामिनी	ज्वर, मुखशोष, अरुचि, सन्ताप	रक्तचंदन, ५ रंग की झंडी ५, दीपक ५।	जल के दोनों किनारों की मिट्टी	गेहूं की रोटी, मसूर की दाल, हरा साग, छाग मांस, संध्या में चौरास्ते पर रखना।	राई, हाथी दांत, घृत।	विडालिका विधानोक्त
नवम दिन मास वर्ष में मदना	ज्वर, खांसी, श्वास, शूल, आफरा, घृणा।	चन्दन, पुष्प, ५ दीपक, सफेद रंग की झण्डी ५।	एक सेर गेहूं का आटा।	भात, मत्स्य मांस, पापड़ी, सुहाली, उत्तर में प्रातः चौरास्ते पर रखना।	गोशृंग, लहसुन	ॐ नमो भगवते वासुदेवाय कृष्णाय मंडलबलिमादाय हनहन हुं फट् स्वाहा
दशम दिन मास वर्ष में रेवती	ज्वर, हड़फूटन, शूल, अरुचि, वमन, खांसी, श्वास	रक्त पुष्प, २५ झण्डी, २५ दीपक, २५ सतिये।	एक सेर गेहूं का आटा	गुड़ के घी भुने चावल, गोघृत, सायंकाल दक्षिण में चौरास्ते पर रखना।	सांप की कांचली निम्ब पत्र, मनुष्य और बिल्ली के बाल, राई गोघृत।	ॐ नमो भगवते वैश्वेदेवाय हन हुं फट् स्वाहा।
एकादश दिन मास वर्ष में सुदर्शना	ज्वर हड़फूटन, मुखशोष, अरुचि, रोदन, कृशता।	श्वेत पुष्प, २५ दीपक, २५ सफेद, झण्डी, २५ आटे के सतिये।	काले उड़दों का आटा एक सेर	श्वेत भात, ७ पूड़े, सुहाली ७, सांय व प्रातः दक्षिण में चौरास्ते पर रखना।		ॐनमो भगवते रावणाय, चन्द्रहास वज्र हस्ताय ज्वल, २ दुष्ट ग्रहादीन् ॐह्रीं फट् स्वाहा
द्वादश दिन मास वर्ष में अद्भुता	ज्वर, दांत चबाना, रोमांच, बहुरोदन, नेत्र पीड़ा, संताप।	१३ दीपक, १३ झण्डी, १३ तकिये आटे के।	चावलों का आटा एक सेर	सुहाली, पूड़े ७, पूड़ियाँ ७, मत्स्य मांस, पापड़ी, सायंकाल दक्षिण में		ॐ नमो नारायणाय ज्वलद्धस्ताय हन हन शोषय २ मर्दय २ तापय २ हं

अथ नक्षत्र कष्टावली

अथ नक्षत्र कष्टावली

नक्षत्र देवता	कष्ट लक्षण	कष्ट दिन	चरणगत कष्ट दिन	जपनीय वेदोक्त मंत्र	जप सं.	होम द्रव्य	वलि द्रव्य	करे धारणम्	गन्धादि पदार्थ	दान वस्तु
अश्विनी (दस्रौ)	वातज्वर, गात्रपीड़ा, निद्रा भय, बुद्धिभ्रम	९	१, २, ३,४ ९,१०, ११, २०	ॐ अश्विनातेजसाचक्षुः प्राणंनसरस्वतीवीर्यम्। वाचेन्द्रो बलेनेन्द्राय दधुरिन्द्रियम्॥ ॐ अश्विनीकुमाराभ्यां नमः॥	५ सहस्र	खण्ड यव घृत	गुडौदन तिल	अपामार्ग मूलम्	श्वेत चन्दन, कमल पुष्प, घृत, गुग्गुल, धूप, घृत-दीप, क्षीर, मोदक, गुड़, नैवेद्य।	सुवर्ण घृत कुम्भ
भरणी (यमः)	छर्द रोग, तीव्र ज्वर अनेक रोग, आलस्य	११	०,८०,४०,११	ॐ यमायत्वाङ्गिरस्यतै पितृमते स्वाहा स्वाहा धर्माय स्वाहा धर्मः पित्रे॥ ॐ यमाय नमः॥	१० सहस्र	घृत मधु तिलाक्षत	कृषरान्न (खिचड़ी)	अगस्त मूलम्	अगर गंध, करवीर पुष्प, घृत दीप, घृत, गुग्गुल, धूप, गुडोदन नैवेद्य।	गो, महिषी घृत शर्करा, छायापात्र
कृत्तिका (अग्निः)	नेत्र पीड़ा, अनिद्रा, अतिदाह, उरूशूल	९	९,११,१६,२८	ॐ अग्निमूर्धादिवः ककुत्पतिः पृथिव्या अयम्। अपा रेता सिंजिन्वति॥ ॐ अग्नये नमः॥	१० सहस्र	तिलयव घृत	पायस घृत मोदक	कापसि मूलम्	श्वेतचन्दन गंध, जुहीपुष्प, घृतदीप, घृत, गुग्गुल, धूप, तिलमाषान्न, वडाधीका, नैवेद्य।	स्वर्ण, गोदान
रोहिणी (ब्रह्मा)	शिर पीड़ा, ज्वर, कुक्षिशूल, प्रलाप	७	७,९,१८,३०	ॐब्रह्मजज्ञानं प्रथमम्पुरस्ताद्विसीमतः सुरूचोवेनआवः सुबेध्या उपमाअस्यविष्ठाः सतश्चयोनिमसतश्चविधव॥ ॐ ब्रह्मणेनमः॥	५ सहस्र	तिलाज्य घृत यव	मध्वाज्यक्षो साख्यन्नक्षी	अपामार्ग मूलम्	श्वेत चन्दन गंध, कमल पुष्प, दशाङ्ग धूप, घृत दीप, घृत, पायस, नैवेद्य।	सप्तधान्य, कृष्ण गौ दान, ५ कया भोजन
मृगशीर्ष (चन्द्रः)	त्रिदोष, महाकष्ट, अर्द्धगात्र पीड़ा	३	९,५,७,१०	ॐ इमन्देवा असपत्न सुवध्वं महतेक्षे त्राय महते ज्येष्ठयाय महते जानराज्यायेन्द्रस्येन्द्रियाय इममुष्यपुत्रममुष्यै पुत्रमस्यैविश एषवोऽमीराजासोमोस्माक ब्राह्मणाना राजा॥ ॐ चन्द्रमसे नमः॥	१० सहस्र	दधि पायस	दधिशर्करा शाल्यन्न	जयन्ती मूलम्	श्वेत चन्दन गंध, कमल पुष्प, दशाङ्ग धूप, घृत दीप, पायस, अपूपमध्वोदन नैवेद्य।	दधि, तन्दुल सवत्सा गोदान
आर्द्रा (शिव)	त्रिदोष, ज्वर, सर्वांग पीड़ा, अनिद्रा	मृ.तु.	०,१८,०,०	ॐ नमस्ते रुद्रमन्यव उतो त इषवे नमः बाहुभ्यामुतते नमः ॥ ॐ रुद्राय नमः॥	१० सहस्र	घृत मधु	दध्योदन मध्वाज्य	सचंदना अश्वथमूलम्	श्वेत चन्दन गंध, सौरभ पुष्प, दशाङ्ग धूप, घृत दीप, पायसौदन नैवेद्य।	श्याम वृषभ दान श्याम वस्त्र
पुनर्वसु (अदिति)	ज्वर, शिर पीड़ा, कटि पीड़ा	७	७,१४,२,२१	ॐअदितिद्योरदितिरन्तरिक्षमदिति माता स पिता स पुत्रः विश्वे देवा अदितिः पञ्चजनाअदितिर्जातमदितिर्जनित्वम्॥ ॐअदिताय: नमः॥	१० सहस्र	घृत तन्दुल	साज्य पीत तन्दुल	अर्क मूलम्	हरिद्राकुंकुम गंध, सेवन्तिका पुष्प, अष्ट गंध धूप, घृत दीप, घृताक्तपीतवर्णान्न नैवेद्य।	वस्त्र, स्वर्ण, कमल ५ कन्या भोजन
पुष्य (गुरु)	ज्वर, शूल, महाकष्ट	७	७,७,१०,२१	ॐबृहस्पते अतियदर्यो अर्हाद्द्युमद्विभातिक्रतु मज्जनेषु। यदीदयच्छवत्र सऋतप्रजाततदस्मासु द्रविणं धेहि चित्रम्॥ ॐबृहस्पतये नमः॥	१० सहस्र	घृत पायस	समण्डक मोदक	तुषार मूलम्	कुंकुम गंध, कमल पुष्प, घृत, गुग्गुल, धूप, घृत दीप, घृत, पायस, शर्करा, नैवेद्य।	सूवर्ण गौ, पीत वस्त्र
आश्लेषा (सर्पः)	सर्वांग पीड़ा, पाद पीड़ा, मृत्युसम कष्ट	मृ.तु.	०,०,४१,०	ॐनमोस्तु सर्पेभ्यो ये के च पृथिवीमनु ये अन्तरिक्षे ये दिवितेभ्यः सर्पेभ्योनमः॥ ॐसर्पेभ्यो नमः॥	१० सहस्र	शर्करा घृत	हवि दध्योदन	पटोल मूलम्	कुंकुम, अगर गंध, अगस्त पुष्प, घृत गुग्गुल, धूप, घृत दीप, घृत मिष्ठान्न, नैवेद्य।	सवत्सा श्याम गौ, छायापात्र
मघा (पितरः)	शिर पीड़ा, अर्द्धमात्र पीड़ा	२०	१५,७,१७,२०	ॐ पितृभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधानमः पितामहेभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधा नमः। प्रपितामहेभ्यस्वधायिभ्यः स्वधा नमः अक्षन्नपित्रोमीमदन्त पितरोऽतीतृपन्तपितरः पितरः शुन्धध्वम्॥ ॐ पितरम्ये नमः॥	१० सहस्र	तिल घृत तन्दुल	सतिलाज्य दुग्धान	भंगराज मूलम्	श्वेत चन्दन गंध, चम्पक पुष्प, घृत, गुग्गुल, धूप, घृत दीप, घृत, क्षीर, नैवेद्य।	वस्त्र, तिल, उड़द
पू.फा. (भगः)	गात्र व्यथा, ज्वर, शिर पीड़ा	मृ.तु.	०,१५,०,३०	ॐभगप्रणोतर्भगसत्यराधोभगेमांधियमुदवाददन्नः भगये प्रणोजनयगोभिरश्वैर्भयप्रनृभिनृवैनः स्याम॥ ॐभगाय नमः॥	१० सहस्र	कङ्गनी तिलघृत	घृतौदन पायस	कटकारी मूलम	श्वेत चन्दन गंध, मालती पुष्प, घृत विल्व, धूप, घृत दीप, अपुपोदन मोदक, नैवेद्य।	पित्तल, यव उड़द स्वर्ण गौ दान
उ.फा. (अर्यमा)	कुक्षिशूल, ज्वर, शिर पीड़ा, अतिकष्ट	७	७,१४,७,६०	ॐदेवावध्वर्यूश्चागतरथेनसूर्यत्वचा मध्वाय समंजाये तं प्रत्नकथा वो वेनश्चित्रं देवानाम्॥ ॐ अर्यम्णे नमः॥	१० सहस्र	तिल घृत	घृत शर्करा शाल्यन्न	पटोल मूलम्	कर्पूर, केसर, गंध, अर्क पुष्प, घृत, गुग्गुल, धूप, घृत दीप, घृत पायस, नैवेद्य।	सुवस्त्र, सुवर्ण, रजत, अन्न, गौदान
हस्त (सविता)	उरुशूल, आफरा, सर्वांग पीड़ा, प्रस्वेद	१५	१५,१७,१५,०	ॐ विभ्राडबृहत्पिबतु सौम्य मध्यायुर्दधयज्ञपता व विहुतमम् वातजूतो योअभिरक्षतित्मनाप्रजाः पुपोषपुरुधा विराजति॥ ॐसवित्रे नमः॥	५ सहस्र	दधि घृत	मिष्ठान्न पायस	जाति मूलम्	रक्त चन्दन, केसर गन्ध, कमल पुष्प, घृत गुग्गुल, धूप, घृतदीप, घृत, पायस, नैवेद्य।	स्वर्ण, पयस्विनी गौ दान
चित्रा (विश्व.)	विचित्र रोग अतिकष्ट	११	११,९,९,१६	ॐ त्वष्टातुरीयोअद्भुतइन्द्राग्नी पुष्टिवर्द्धनम्। द्विपदा-छन्दऽइन्द्रियमुक्षागौत्रवयोदधः॥ ॐ विश्वकर्मणे नमः॥	१० सहस्र	तिलाज्य घृत तन्दुल	विचित्रान्न घृत	मखव मूलम्	केसर गंध, विचित्रवर्ण पुष्प, घृत, गुग्गुल, धूप, घृतदीप, विचित्रान्न मोदक, नैवेद्य।	तिल, गुड़, विचित्र वृषभ, छायापात्र

नक्षत्र कष्टावली

नक्षत्र देवता	कष्ट लक्षण	कष्ट दिन	चरणगत कष्ट दिन	जपनीय वेदोक्त मंत्र	जप सं	होम द्रव्य	वलि द्रव्य	करे धारणम्	गन्धादि पदार्थ	दान वस्तु
स्वाती (वायुः)	नाना कष्ट, ज्वर पीड़ा	मृ.तु.	६०,१७,३०,०	ॐ वायो ये ते सहस्त्रिणी रथा सस्ते त्रिरागहि नियुत्वाम सोम पीतये॥ ॐ वायये नमः॥	१० सहस्त्र	तिल,यव घृत	घृत पायस	जाति मूलम्	चन्दन गन्ध (दमनक पुष्प) अगर, गुग्गुल धूप, घृतदीपक, घृतपायस नैवेद्य।	स्वर्ण, रक्तवेणु पकवान्न
विशाखाः (इन्द्राग्नि)	सर्वाङ्गपीड़ा, कुक्षिशूल	१५	१५,०,४,१३	ॐ इन्द्राग्नी आगंत सुतं गीर्भिर्नमो वरेण्यंमू। अस्यं पातं धियेषिता॥ ॐ इन्द्राग्निभ्यां नमः॥	१० सहस्त्र	आज्य पायस	सहवि चित्रान्न	गुञ्जा मूलम्	चन्दन, केसरगन्ध, कमल पुष्प, देवदारु, घृतधूप, घृत दीप, धृपायस नैवेद्य।	रक्तपीतवस्त्र कृष्ण-वृषभछयापात्रदान
अनुराधा (मित्रः)	शिरपीड़ा, तीव्र ज्वर		६०,१२,३६,३०	ॐ नमो मित्रस्य वरुणस्य चक्षसे महोदेवायतदृत सपर्यत दूर दृशे देव जाताय केतवे दिवसपुत्राय सूर्यायशश्ठसत्॥ ॐ मित्रायनमः॥	१० सहस्त्र	यव-घृत	मध्वाज्य गुड उड़द	सुपुष्प मूलम्	केसरगन्ध, कमल पुष्प, चन्दन धूप, घृतदीप, घृतपायस नैवेद्य	स्वर्ण गौ, छायापात्रदान
ज्येष्ठा (इन्द्रः)	पित्तरोग, कम्पन, व्याकुलता	मृ.तु.	१९,९,६,४	ॐ त्रातारमिन्द्रमवितारमिन्द्र ठ्ठ हवे हवे सुहवठ्ठशूरमिन्द्रम् ह्वयामि शक्रं पुरुहुतमिन्द्रठ्ठस्वस्तिनो मधवा धात्विन्द्रः॥ ॐ इन्द्राय नमः॥	५ सहस्त्र	तिल, घृत तण्डुल	दध्योदन सुपुष्प	अपामार्ग मूलम	श्वेतचन्दनगंध, चम्पकादि पुष्प, कपूर धूप, घृतदीप, चित्रान्न नैवेद्य।	स्वर्ण तिल, नील वस्त्रदान
मूल (राक्षसः)	मुख तथा उदर रोग, सन्निपात	७	०,९,१५,६	ॐ मातेव पुत्र पृथ्वी पुरीष्यमणि स्वेयोनाव भारुषा। तां विश्वेदेवर्ऋतुभिः संवदानः प्रजापतिर्विश्वकर्मा विमुञ्चतु॥ ॐ निर्ऋतये नमः॥	५ सहस्त्र	कन्दमूल घृत	सहवि उड़द	मन्दार मूलम्	कृष्ण अगरुगन्ध, नीलोत्पलपुष्प, घृतदीप कृष्णगरु धूप, माषामिश्रान्न नैवेद्य।	गौ, छायापात्र, वस्त्र, कुमारी पूजा
पू.षा. (जलम्)	शिरपीड़ा, कंपन, महाकष्ट	मृ.तु.	०,१५,२४,१०	ॐ अपाधमप किल्विषमपकृत्यामपोरपः। अपाम्मार्ग-त्वमस्मदंनदुःस्वप्न्यठ्ठसुव॥ ॐ अदभ्यो नमः॥	५ सहस्त्र	तिल, घृत तण्डुल	घृतपायस मिष्ठानहवि	कर्पास मूलम्	श्वेतचन्दनगंध, कमल पुष्प, घृतगुग्गुल धूप, घृतदीप, घृतपापायसान्न नैवेद्य।	स्वर्ण वस्त्र, तिल, तण्डुल, जलकुम्भ गौदान
उ.षा. (विश्वे-देवा)	कटिपीड़ा, उरुशूल, प्रलाप	३०	३०,२४,२९,१६	ॐविश्वेदेवाः शृणुतेमठ्ठहव मे ये अन्तरिक्षे य उपध्यविष्ठम्। अग्निजिह्वा उतवायजत्रा आसद्यास्मिन्वर्हिंपि मादयध्वम्॥ ॐ विश्वेभ्यो देवेभ्योनमः॥	१० सहस्त्र	तिलाज्य यव	सहवि पायस	कर्पास मूलम्	श्वेतचन्दनगंध, कमल पुष्प, घृत, गुग्गुल धूप, घृत दीपक, घृतपायसान्न नैवेद्य।	आमान्न, स्वर्णदान
श्रवण (विष्णुः)	सर्वांगपीड़ा, त्रिदोषभय, अतिसार	११	६०,२४,६,९	ॐ विष्णोरराटमसि विष्णोः श्नेप्त्रेस्थो विष्णोः स्थूरत्सि विष्णोर्ध्रुवोऽसि वैष्णवमसि विष्णवेत्वा॥ ॐ विष्णेव नमः॥	१० सहस्त्र	तिलाज्य यव	तिलाज्य सहविपायस	अपामार्ग मूलम्	श्वेतचन्दनगंध, मालती पुष्प, कर्पूर, गुग्गुलधूप, घृतदीप, षड्रश शाल्यन्न नैवेद्य।	स्वर्ण गौ, छायापात्रदान
धनिष्ठा (वसवः)	ज्वर-कम्पन, रक्तातिसार, मूत्रकृच्छ	१५	१५,२,२७,२१	ॐ वसोः पवित्रमसि शतधारं वसोः पवित्रमसि सहस्त्रधारम्। देवस्त्वा सविता पुनातु वसोः पवित्रेण शतधारेण सुप्त्वा कामक्षुधः॥ ॐ वसुभ्यो नमः॥	१० सहस्त्र	तिलाज्य पायस	पायस मोदक पूप-तिलपिष्ठ	भृङ्गराज मूलम्	श्वेतचंदन गन्ध, कमलपुष्प, गुग्गुल धूप, घृत दीपक, घृतपायस नैवेद्य।	छत्रोपानत् अश्व, स्वर्ण, गौ
शतभिषा (वरुणः)	वात-ज्वर, सन्निपात, कष्ट	११	०,४५,३,३६	ॐवरुणस्योत्तम्भनमसि वरुणस्यस्कम्भसर्जनिस्थो वरुणस्य ऋत सदन्यसी वरुणस्य ऋतसदनमसि वरुणस्य ऋतसदन मासीद॥ ॐवरुणाय नमः॥	१० सहस्त्र	आज्य दध्योदन	घृत चित्रान्न	कमल मूलम्	केसर अगर गंध, कमलपुष्प, कर्पूर-चंदन धूप, घृतदीपक, घृतपोलिका नैवेद्य।	स्वर्ण, तिलान्न, घट, अश्व, छायापात्र
पू.भा. (अजैकपाद)	वमन, व्याकुलता, शरीरपीड़ा, त्रिदोष	मृ.तु.	०,१२,५१,१७	ॐउतनोऽहिर्बुध्न्य शृणोत्वजं एकपात्पृथिवी समुद्रः। विश्वेदेवाऽऋता-वृधोहुवानास्तुता मंत्राः कविशस्ता अवन्तु॥ ॐ अजैकपदे नमः॥	१० सहस्त्र	क्षीराज्य शर्करा	दध्योदन पायस	भृंङ्गराज मूलम्	केसर चन्दन गंध, श्वेताऽर्क पुष्प, शतौषधि, मिश्रित धूप, घृतदीपक, दधिपायस नैवेद्य।	स्वर्णरजत, अन्न, श्वेतवस्त्र, छायापात्रदान
उ.भा. (अहिर्बुध्न्य)	कामला, अतिसार, शूल, वात-ज्वर	७	१०,२०,७,१५	ॐ शिवोनामासिस्वधितिस्ते पिता नमस्ते अस्तु मामालि ठ्ठसी निन नवर्तयाम्यायुऽषेन्नाद्या प्रजननाय रायस्पोषाय सुप्रजास्त्वाय सुवीर्याय॥ ॐ अहिर्बुध्न्याय नमः॥	१० सहस्त्र	तिलाज्य यव	तिल घृत भुदग् माष	अश्वत्थ मूलम्	चन्दन-कर्पूरगंध, कमलपुष्प, बिल्वगुग्गुल धूप, घृतदीप, घृतपायस नैवेद्य।	स्वर्णरजत, तिल कृष्ण वस्त्रदान
रेवती	बात, पित्तमय-ज्वर,		१८,१०,९,२०	ॐ पूषन् तवव्रते वयं नरिष्येम कदाचन स्तोतारस्त इह	५	तिलाज्य	सहवि	अश्वत्थ	रक्तचंदनगंध, मंदार पुष्प, घृत गुग्गुल, धूप,	रक्तवस्त्र, तैलपात्र

बाल कष्टावली-चक्र में प्रयुक्त कठिन शब्दों के अर्थ

विधान कराना चाहिए। मान लो यदि अश्विनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में ... तो इसमें २० दिन तक के बालक को कष्ट हो सकता

बाल कष्टावली-चक्र में प्रयुक्त कठिन शब्दों के अर्थ

बालक को जब अरिष्ट होता है तो उसके निवारण के लिए जो पूजा की जाती है, वह बाल कष्टावली चक्रम् (पूजा-विधि) में दी हुई है। बालक को कष्ट हो तो ज्ञात करो कि उसकी आयु का कौन-सा दिन, मास या वर्ष है। बारह दिन, मास, वर्ष तक कौन-सी पूतना का कब-कब प्रभाव रहता है, उनका नाम दिया गया है। रोग, पीड़ा के लक्षणों में ज्वर (बुखार को), स्वेद (पसीना आने को), मन्द स्वर (मन्दी, धीमी आवाज), कण्ठ स्वर को कम्पन से कपकपी (शरीर में रोंये खड़े हो जाना), अरुचि (भोजन में दूध पीने की इच्छा न होना, उसको अरुचि हो जावे तो कहते हैं)। अंगशोध (शरीर में सूजन, संकोच शरीर का सिकुड़ना), कृशता (शरीर का कमजोर होना), खून की कमी (हड्डियां दिखाई देना), सूखा शरीर, हडफूटन (हड्डियों में दर्द से अकड़न को), नेत्रमीलन (आंखे मसलना, मीड़ना), बच्चा हाथ से आँखे मसलता है (आंख में खुजली होती है)। श्यामता (शरीर का रंग काला पड़ जाना), रुदन (रोना), नेत्र पीड़ा (आंखों के रोग को समझना चाहिए)। गात्र भंग (शरीर में दर्द होना, शरीर का ढीला पड़ जाना), अनिन्द्रा (नींद न आना, हड़फूटन), हंसली (गले की हड्डी उतर जाना), मोह मूर्च्छा (नींद जैसी बिहोशी), वमन (उल्टी होना), मुखशोध, (मुंह की सूजन), सन्ताप (मानसिक कष्ट), शोक (वियोग कष्ट), श्वांश जल्दी-जल्दी चलना, (शूल दर्द पीड़ा), आफरा (पेट फूल जाना), घृणा, घिन हो जाना (हर चीज से अरुचि), रोमाञ्च (रोंगटे खड़े हो जाना) और बहुरोदन (बच्चा ज्यादा रोता है) उसको कहते हैं। बीमारी के लक्षणों से भी पूतना की पहचान की जाती है।

पूतना की मूर्ति बनाने के लिए जो चीजें लिखी हैं, उनसे एक स्त्री मूर्ति बना ली जाती है और उसमें जिसकी पूजा करनी हो उसके मन्त्रों से उसी योगिनी आदि की स्थापना कर ली जाती है। नदी के किनारों की मिट्टी या किसी तालाब, जलाशय, कुये, बावड़ी के दोनों किनारों की मिट्टी, पिसे तिल, चावल काले उड़द का आटा जैसा जहां लिखा हैं, उसमें पानी मिलाकर या तेल मिलाकर पूतना की मूर्ति बनाई जाती है।

पूजा के पदार्थों में श्वेत चन्दन (सफेद चन्दन) को घिसकर तिलक बनाते हैं। श्वेत पुष्प (सफेद फूलों को), पंचरंगी झंडियों में कोई से भी पांचरंग के कागज या कपड़े लेकर झंडी बनाई जाती है और मूर्ति के चारों तरफ दीपक, सतिये के साथ लगाते हैं। सतिये आटे से स्वास्तिक की शकल बनाते हैं, उस पर आटे के दीपक बनाकर रुई की बत्ती व घी, तेल डालकर जलाकर रखते हैं। कपूर, लोवान जैसा बताया हो जलाते हैं। जहाँ रक्त चन्दन लिखा है वहां लाल चन्दन लो, रक्त पुष्प (लाल रंग के फूल), श्वेत ध्वजा (सफेद झंडा-झंडी), जहां कोई रंग नहीं लिखा हो वहां सफेद रंग की होती है। सतिये चावल या गेहूं के आटे के बनाने चाहिये।

बलि विधान में भात चावल का होता है। पूर्ण पोली(गेहूं के आटे में गुड़ मिलाकर बड़े पूये बनाते हैं उसको कहते हैं), मत्स्य (मछली का मांस होता है) लाल भात (चावल के भात में लाल चन्दन का चूरा मिलाने से बनता है।) मीठी पूड़ियों को सुहाली कहते हैं। छागमांस (बकरे-बकरी के मांस को), पापड़ी (छोटे पापड़ जैसी तेल में तली आटे की पापड़ियां होती हैं)। जिस समय, जिस दिशा में, जिस स्थान पर रखने को बताया गया है—समस्त बलि पदार्थ बिना टोका-टाकी के रख आना चाहिए, वापिसी में पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहिये। पूजा समय धूप दी जाती है, वह जिस विधान में जिन वस्तुओं से बनाने को लिखा है उन्हीं से बनाना चाहिये।

राई, खस की जड़, कमल के फूल सुखाकर या बीज का कमल गट्टे, बिल्ली के बाल (किसी पालतु बिल्ली के मिल सकते हों), मनुष्य के बाल, निम्बपत्र (नींबू के पेड़ के पत्ते) पीसकर गोघृत (गाय के घी) में मिलाकर धूप बना लो। गोशृंग (गाय का सींग), कूट (एक दवा होती है), अत्तर दवा बेचने वालों के यहां मिल जाती है, गुग्गल को गूगल भी कहते हैं। स्नान, पूजा मार्जन मन्त्र प्रत्येक पूतना का दिया हुआ है। इसी मंत्र से मूर्ति का आवाहन (स्नान पूजा व मार्जन) अर्थात् मंत्र पढ़कर चारों ओर जल छिड़कना चाहिए। बलि पदार्थ को हाथ में लेकर २१ बार मंत्र पढ़कर बालक के शरीर के ऊपर सिर से पैर तक सात बार फिराते हैं, उसे ओसारा कहते हैं। फिर उसे जैसा बताया है यथा स्थान रख देना चाहिए। बालक के माता-पिता, सम्बन्धी कोई भी इस काम को कर सकता है।

नक्षत्र कष्टावली विवेचन

नक्षत्र कष्टावली में कठिन संस्कृत शब्दों के सरल अर्थ और विशेष विवरण दिया जा रहा है। बालक का जन्म जिस नक्षत्र के जिस चरण में हो, उसके सामने यदि कष्ट दिन लिखे हों तो निवारणार्थ पूजा [illegible] चाहिए। मान लो यदि अश्विनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में जन्म हुआ हो तो इसमें २० दिन तक के बालक को कष्ट हो सकता है। किस प्रकार का कष्ट हो सकता है, उसके लक्षण दिये हैं—वात, ज्वर, गात्र पीड़ा, निंद्राभय, बुद्धिभ्रम, वात, ज्वर में बुखार के साथ शरीर में दर्द भी होता है। गात्र पीड़ा से तात्पर्य शरीर में पीड़ा, दर्द, शूल आदि से है। निंद्राभय (सोते में डर जाना), बुद्धिभ्रम (बच्चा अपनी स्वाभाविक बुद्धि खो देता है), आँखे फाड़-फाड़ कर देखना, इस प्रकार के लक्षण प्रगट होते हैं। लक्षणों में प्रयुक्त अन्य शब्द जैसे—तीव्र ज्वर, तेज बुखार, अति दाह, तीव्र जलन, उरुशूल (पेट दर्द), कुक्षि शूल (पेट के नीचे भाग में दर्द), प्रलाप भी एक प्रकार का बुद्धि भ्रंश है। त्रिदोष (सन्निपात), अर्धगात्र पीड़ा (शरीर के एक ओर के आधे भाग में पीड़ा), छोटे बच्चे में इन लक्षणों व कारणों का जानना अनुभव से ही होता है। सर्वांग पीड़ा (सारे अंग में पीड़ा), कटि पीड़ा (कमर में दर्द), पाद पीड़ा (पैरों में दर्द), आफरा (पेट फूलना), प्रस्वेद (बहुत पसीना आना), अतिसार (दस्त लगना), पेचिस रक्त अतिसार (खूनी पेचिश), मूत्र कृच्छ (पेशाब का रोग) होता है। रोग का निदान व औषधि तो डाक्टर वैद्य से ही कराना चाहिए परन्तु उसका निवारण पूजा विधि से करा देना चाहिए।

गन्धादि पदार्थों में— श्वेत चन्दन (सफेद चन्दन), कमल पुष्प (कमल के फूल), गुग्गल (गूगल की धूप), क्षीर (खीर), मोदक (लड्डू), गुड़ नैवेद्य (मिष्ठान्न), अगर गन्ध (अगर एक खुशबूदार जड़ी होती है), करवीर पुष्प (करवीर का फूल), गुड़ोचन (दही में गुड़ मिलाकर बनाया जाता है)। जुही पुष्प (जुही का फूल), तिल माषान्न (तिल व उड़द को मिलाकर बनाया गया बड़ा), दशाङ्ग धूप में दस सुगन्ध पदार्थ पड़ते हैं। अगर, तगर, कपूर, केसर, गोरोचन, कस्तूरी, सफेद चन्दन, लाल चन्दन, बाल छड़, घी। पायस (दूध, चावल की खीर), अपूप (आटे के मीठे पुये), मध्वोदन (शहद, दही मिलाकर बनता है), नैवेद्य (भोग प्रसाद को कहते है।) सौरभ पुष्प (खुशबूदार फूल), पायसोदान (दूध, दही, मधु या गुड़ मिलाकर बनता है, हरिद्रा (हल्दी), कुंकुम, (रोली), सेवन्तिका पुष्प (सेवन्तिका का फूल), अष्टगन्ध धूप (अष्टगन्ध की धूप), धृताक्त पीतवर्ण नैवेद्य (पीले रंग का घी में तला भोग, बेसन का बना घी में सिका, तला लड्डू या अन्य पदार्थ), घृत पायस शर्करा (घी, शक्कर, दूध का नेवैद्य), घृत बिल्व धूप (बेलपत्र के फल से बनी धूप), घृत (घी), मिष्ठान्न (मिठाई), घृत मिष्ठान्न (घी की मिठाई), घी से तात्पर्य—गाय, भैंस का घी

होता है। अपूपोदन मोदक (अपूप-मीठे पूये, ओदन-दही में गुड़ मिला रस, मोदक-लड्डू तीनों मिलाकर अपूपोदन मोदक), अर्क पुष्प (अकौआ का फूल, सफेद फूल थोड़ा, बैंगनी या नीला रंग का होता है, इसमें बौंडे होते हैं, जिसमें से रुई के रेशे के समान पदार्थ हवा में उड़ता रहता है। शिवजी का प्रिय फूल आक का होता है)। विचित्र वर्ण पुष्प (रंग बिरंगे कई रंग के या अलग-अलग रंग के फूल), विचित्रान्न मोदक (अनेक प्रकार के चित्र विचित्र अन्न से बने हुए लड्डू जैसे—कूट्टू, सिंघाड़ा आदि के आटे के या मूंग के लड्डू), अगरु (अगर), दमनक पुष्प (दमनक का फूल), फूलों की जातियों नामों की जानकारी माली या नरसरी से प्राप्त की जा सकती है। यह सफेद रंग का, बसन्ती रंग का पुष्प होता है। देवदारु (खुशबूदार लकड़ी देवदार का बुरादा बढ़ई या फर्नीचर वालों से मिल सकती है), चम्पकादि पुष्प (चम्पक वगैरा के फूल), चित्रान्न नेवैद्य (कई प्रकार के अन्नों के आटे आदि से बना भोग प्रसाद नेवैद्य), कृष्ण, अगर गन्ध (काली अगर की खुशबू या घिसकर बना तिलक), नीलोत्पल पुष्प (नीली पंखड़ी वाले फूल), माष मिश्रान्न नैवैद्य (देवताओं के प्रसाद भोग लगाने को बनाये पदार्थ को नेवैद्य कहते हैं) उड़द के साथ और भी पिसा हुआ अन्न मिलाकर बनाया गया नेवैद्य। षड्रस शाल्यान्न नैवेद्य, षडरस (षटरस, छः प्रकार के रस स्वाद वाला शाल्य यानी चावलों से बना षटरस व्यञ्जन का खट्टा, मीठा, चिरपिरा, कसैला, नमकीन, कडुवा सब प्रकार के स्वादों ये युक्त षटरस होता है), श्वेतार्क (सफेद आक), शतोषधि (मिश्रित धूप १०० वनस्पतियों को मिलाकर बनी धूप)। मदार पुष्प भी आक, अकौआ के फूल को कहते हैं।

दान पदार्थ—घृत कुम्भ (घी भरा घड़ा), गोमहिषी घृत (गाय भैंस का घी), शर्करा (शक्कर), छायापात्र (तेलयुक्त बर्तन जिसमें अपने मुख की छाया देखी जा सके), सप्तधान्य (सात प्रकार के अन्न), तन्दुल (चावल), सवत्सा गोदान (बछड़े सहित गौ का दान), श्याम वृषभ दान (काले बैल का दान), माष (उड़द), यव (जौ), सुवस्त्र (उत्तम वस्त्र), पयस्विनी गौदान (दूध देने वाली गाय का दान), विचित्र वृषभ (चितकबरे, रंग का बैल), रक्तधेनु (लाल गाय), पकवान्न, जलकुम्भ (जल से भरा घड़ा), छत्रोपानत् (छत्तरी), पैत्तल पात्र (पीतल का बर्तन) होता है।

बलिद्रव्य (बलिदान के लिये पदार्थ), गुड़ोदन (गुड़ का ओदन दही में गुड़ या शक्कर और पानी मिलाकर बनता है), शाल्यन्न क्षीर (चावल की खीर), पीत तन्दुल (पीले चावल)

तिल पिष्ठ (तिल की पिट्ठी), मुद्ग (मूंग), माष (उड़द), विचित्रन्न (अनेक प्रकार के अन्न)।

होमद्रव्य (हवन करने के लिये पदार्थ), खण्ड यव (टूटे जौ), मधु (शहद), कंगनी (एक अन्न है जो चिड़यों को चुगाया जाता है), कन्दमूल (ऐसे फल जो जड़ों से पैदा होते हैं। जैसे—जिमीकन्द, शकरकन्द, गाजर, मूली आदि)। पायस (खीर), तन्दुल (चावल), यव (जौ)।

करेधारणम् (हवन करते साथ हाथ में पहनने के लिए पदार्थ), अपामार्ग मूलम् (ओगा का तना), (अलझीझाड़ का तना), अगस्त एक वृक्ष होता है, कापसि कपास को कहते हैं। अश्वत्थ (पीपल की जड़), अर्क मूलम् (आक का तना), जयन्ती, तुषार, पटील, भृंगराज, कण्टकारि यह सब जड़ी बूटियों के नाम हैं। गुञ्जा—सफेद या लाल गोगची लक्ष्मणा को कहते हैं। सुपुष्प—किसी सुन्दर पुष्प, वृक्ष की जड़, भृंगराज प्रसिद्ध जड़ी है जिसको तेलों में डाला जाता है। कण्टकारी कटेरी होती है। इनकी जानकारी वैद्यों से मिल सकती है।

वेदोक्त मंत्रों का उच्चारण ठीक होना चाहिए, विशेष कर ॐ का उच्चारण किसी ज्ञाता से सीख लेना चाहिये।

अन्य शुभाशुभ योग

(१) मंगल-शनि दोनों त्रिकोण (१, ५, ९) में हों और चन्द्रमा सप्तम स्थान में हो तो जन्मा बालक माता से बिछड़ जाता है। चन्द्रमा पर गुरु की दृष्टि हो तो बालक सुखी व दीर्घायु होता है और माता से पुनर्मिलन भी हो जाता है। लोक लाज के भय से कुछ मातायें बच्चों को त्याग देती हैं। कुछ का दुष्टों द्वारा अपहरण हो जाता है। यदि स्वराशि या उच्च गुरु की चन्द्रमा पर दृष्टि हो तो बालक-माता का मिलन हो जाता है।

(२) दशम भाव में बुध-गुरु हो, केन्द्र (१, ४, ७, १०) में सूर्य तृतीय मंगल, ग्यारहवें भाव में पाप ग्रह हो तो बालक की छः ऊँगली होती हैं।

(३) १२वें स्थान में चन्द्रमा व मंगल हो तो बांया नेत्र और सूर्य राहु हो तो दांया नेत्र पीड़ित होता है।

(४) पंचम स्थान में शनि-राहु व मंगल हो तो बाईं कोख में लहसुन, मसा, तिल होता है। कोख, कुक्षि, पेडू को भी कहते हैं और बाहुमूल कांख को भी।

(५) तीसरे स्थान में शुक्र हो, मेष या सिंह का गुरु हो, १०वें

(६) कृष्ण पक्ष में दिन का या शुक्ल पक्ष में रात का जन्म हो तो छठा या आठवां चन्द्रमा शुभ समझना चाहिये, कष्ट व अरिष्ट का निवारण करता है।

(७) ८वां चन्द्रमा, ७वां मंगल, ९वां राहु लग्न में शनि, तीसरा गुरु, पांचवां सूर्य, छठा शुक्र, चौथा बुध हो तो बालक की आयु बहुत कम होती है।

(८) लग्न में बुध-शुक्र न हो, केन्द्र में गुरु न हो, दशम में मंगल न हो तो उसका भाग्य अच्छा नहीं होता। दशम मंगल हो, केन्द्र त्रिकोण में बृहस्पति, बुध, शुक्र हो तो बालक भाग्यवान, दीर्घायु, गुणवान, धनवान, बुद्धिमान होता है।

(९) लग्न में शनि, छठा, चन्द्रमा, सप्तम मगल पिता की आयु को कम करते हैं।

(१०) ६, १२वें स्थान में पाप ग्रह हों या चन्द्रमा के साथ पाप ग्रह हों तो माता को कष्ट दायक होते हैं।

(११) १०वें स्थान में पाप ग्रह हो या सूर्य के साथ पाप ग्रह हो या शत्रु राशि का मंगल दशम भाव में हो तो पिता को कष्ट कारक होता है।

(१२) लग्न में गुरु, दूसरे में शनि, सूर्य, भौम तथा बुध हों बालक के विवाह समय पिता को मारक होता है।

(१३) सातवां राहु, छठा-आठवां चन्द्रमा हो और चन्द्रमा पर क्रूर ग्रहों की दृष्टि हो तो बालक अल्पायु होता है।

(१४) शनि-सूर्य का परिवर्तन योग हो (अर्थात् सूर्य शनि की राशि में, शनि सूर्य की राशि में) अथवा लग्न में मंगल व अष्टम गुरु हो तो बालक की आयु १२ वर्ष की हो।

(१५) छठे स्थान में बुध हो, लग्नेश व अष्टमेष, पाप ग्रहों से युक्त हो या परिवर्तन योग या दृष्टि योग द्वारा एक दूसरे को देखते हों तो बालक की आयु ४ वर्ष।

(१६) मंगल की राशियों में गुरु हो और चन्द्रमा ६ या ८वें भाव में हो तो बालक की आयु ८ वर्ष की होती है।

(१७) दशम स्थान में राहु हो अष्टमेश होकर क्षीण चन्द्रमा राहु के साथ हो तो बालक व उसके माता-पिता तीनों को अरिष्ट करता है। चन्द्रमा राहु के साथ न हो तो बालक की आयु १६ वर्ष होती है।

(१८) तीसरे स्थान में सूर्य बड़े भाई को और शनि या मंगल

बालक के जन्म समय अरिष्ट योग व कुछ अन्य प्रमुख योग

तथा धनवान होता है। उसे सब प्रकार के सुख प्राप्त हो

३. गुरु द्वारा दृष्ट चतुर्थ भावेश लाभ में गया हो

बालक के जन्म समय अरिष्ट योग व कुछ अन्य प्रमुख योग

बालक के जन्म से १२ वर्ष की आयु तक जो अनिष्ट ग्रह योग हैं, उन्हें अरिष्ट योग कहते हैं। नीचे कुछ प्रमुख अरिष्ट योगों का वर्णन किया गया है। अरिष्ट योगों का विचार करते समय 'अरिष्ट नाशक' योगों पर भी विचार करना अत्यन्त आवश्यक है, अन्यथा फलादेश ठीक नहीं बैठता।

यदि पाप ग्रह युक्त क्षीण चन्द्रमा लग्न ५, ७, ८, ९ अथवा ११वें भाव में स्थित हो और वह किसी शुभ ग्रह से युक्त या दृष्ट न हो तो बालक की आयु को अरिष्टकर एवं भु-मृत्यु तुल्य कष्ट होता है।

छठे, आठवें एवं १२वें स्थान में शुभ ग्रह हों और उनको बलवान् वक्री पापी ग्रह देखते हों तो एक मास तक आयु को अरिष्टकारी होगा।

यदि चन्द्रमा जन्म लग्न से छठे या आठवें भाव में स्थित हो और वह पापी ग्रह से दृष्ट हो तो जातक की शीघ्र मृत्यु हो जाती है, यदि शुभ ग्रह की दृष्टि हो तो आठ वर्ष की आयु में अरिष्ट होता है।

यदि जन्म के समय चन्द्रमा दो पाप ग्रहों के मध्य में हो, अन्य सब ग्रह ४, ७ एवं अष्टम भाव में स्थित हों, तो जातक की शीघ्र मृत्यु होती है। यदि चन्द्रमा शुभ ग्रहों द्वारा दृष्ट हो तो माता की मृत्यु नहीं होती है। चन्द्र क्रूर ग्रह से दृष्ट होने पर माता को भी अरिष्टकर होगा।

यदि मंगल अथवा शनि लग्न में हो, सूर्य सप्तम भाव में हो अथवा चन्द्रमा मंगल या शनि से युक्त हो तो बालक की आयु को अरिष्ट योग होता है।

यदि शनि, मंगल तथा सूर्य तीनों ग्रह छठे, सातवें या बारहवें भाव में हों तो १ मास या १ वर्ष में अरिष्टकारक होते हैं।

द्वादश भाव में क्षीण चन्द्रमा हो तथा लग्न एवं अष्टम भाव में पाप ग्रह हों तो बालक को अरिष्ट योग होता है।

यदि जन्म राशि पाप ग्रह से युक्त अष्टम भाव में हो तो एक मास में ही अरिष्ट होता है।

जिस नक्षत्र में धुम्रकेतु, उल्कापात, ग्रहणादि का उदय हो तो उस नक्षत्र में उत्पन्न जातक को दो मास तक अरिष्ट रहता है।

लग्न में चन्द्रमा और ७वें भाव में २-३ पाप ग्रह स्थित हों तो शीघ्र ही अरिष्ट योग होता है।

यदि लग्न का स्वामी पाप ग्रह से युक्त होकर ७वें अथवा ८वें भाव में स्थित हों तो १ मास तक अरिष्ट होगा।

लग्न में राहु और छठे अथवा आठवें भाव में चन्द्रमा स्थित हो तो अरिष्ट योग होगा। जन्म लग्न जिस राशि के नवांश में हो उसका स्वामी छठे या आठवें स्थान में जो राशि पड़े, उतने दिन पर्यन्त विशेष अरिष्ट योग रहेगा।

माता-पिता को अरिष्ट योग

माता के लिए चन्द्रमा तथा चतुर्थ स्थान से और पिता के लिए सूर्य तथा दशम स्थान से विचार करना चाहिए, यदि चन्द्रमा एवं चतुर्थ भाव शनि, मंगल एवं सूर्यादि क्रूर ग्रहों से युक्त अथवा दृष्ट हो तो बालक माता को अत्यन्त कष्टकारी होता है। यदि चन्द्रमा से ४, ६ या आठवें स्थान पर पापी ग्रह हो तो भी माता को अरिष्टकारी होता है। इसी भाँति यदि बालक की कुण्डली में सूर्य अथवा दशम भाव में पापी ग्रह हो या देखते हों अथवा सूर्य पाप ग्रहों के मध्य स्थित हों तो पिता को कष्ट जानें। सूर्य से ४, ६, ८वें क्रूर होने पर भी पिता को कष्टकारी है।

अरिष्ट भंग योग

यदि जन्म लग्नेश बलवान् शुभ ग्रह हो तथा वह शुभ मित्र ग्रहों से वीक्षित हो अथवा लग्न में स्थित होकर शुभ ग्रह से दृष्ट हो तो अरिष्ट योग नष्ट हो जाता है।

यदि शुभ राशिस्थ गुरु जन्म लग्न में स्थित हो तो अनेक प्रकार के अरिष्ट दूर होते हैं।

यदि सभी ग्रह शीर्षोदय राशियों में हो तो अरिष्ट भंग होता है।

यदि क्षीण चन्द्रमा भी अपनी उच्च राशि (वृष) में हो और वह शुभ ग्रह से दृष्ट हो तो अरिष्ट भंग हो जाता है।

यदि शुक्ल पक्ष में रात्रि के समय तथा कृष्ण पक्ष में दिन का जन्म हो और चन्द्रमा आठवें भाव में स्थित होने पर भी शुभ ग्रह से दृष्ट हो तो भी अरिष्ट का नाश हो जाता है।

कुछ अन्य प्रमुख योग पुष्कल योग

यदि लग्नेश तथा चतुर्थेश बलवान् होकर केन्द्र अथवा चतुर्थ भाव में हो तो 'पुच्छल' नामक योग होता है। इस योग वाला जातक मधुर भाषी, सुप्रसिद्ध तथा धनवान होता है। उसे सब प्रकार के सुख प्राप्त हो जाते हैं।

वीणा योग

यदि सात राशियों में सात ग्रहों की स्थिति हो तो 'वीणा' नामक योग होता है। इस योग वाला जातक संगीतज्ञ, गायन विद्या में प्रीति रखने वाला, सब कार्यों में कुशल, धनी तथा अनेक लोगों का पालन-पोषण करने वाला होता है। ऐसा व्यक्ति राजनीति क्षेत्र में भी सफल रहता है।

विदेश में भाग्योदय योग

चर राशि का लग्न और लग्नेश हो और चन्द्र से दृष्ट हो तो विदेश में भाग्य उदय होगा।

विवाह के बाद भाग्योदय

सप्तमेश ग्रह अथवा शुक्र ग्रह सातवें भाव में अथवा उपचय स्थान (३, ६, १०, ११) में गया हो तो विवाह के पश्चात्-भाग्योदय होगा।

काल सर्प योग

यदि कुण्डली में सभी ग्रह राहु-केतु के मध्य हों तो 'काल सर्प' नामक योग होता है। इस योग वाला जातक प्रायः उलझनों में घिरा रहता है। जीवन पर्यन्त संघर्षमय जीवन रहता है। कुछ धन होते हुए भी सुखानुभव नहीं होता।

काहल योग

यदि नवम भाव तथा चतुर्थ भाव के स्वामी एक-दूसरे से केन्द्र भाव में स्थित हों और लग्नाधिपति बली हो, 'काहल योग' बनता है। इस योग में उत्पन्न जातक राजनीति और शासन प्रशस्त कार्यों में सफलता प्राप्त करता है।

गढ़ा धन प्राप्ति योग

लाभेश लग्न में, लग्नेश धन स्थान में एवं धनेश लाभ स्थान में गए हों तो गढ़े हुए धन की प्राप्ति होती है।

लग्नेश शुभ ग्रह होकर द्वितीय भाव में स्थित हो अथवा धन स्थान का स्वामी आठवें भाव में स्थित हो तो भी गढ़ा हुआ धन मिलता है, परन्तु ऐसा व्यक्ति आलसी और भाग्यवादी होता है।

वाहन सुख योग

१. नवमेश, लाभेश और दशमेश — ये तीनों ग्रह चतुर्थ भाव में गये हों अथवा

२. चन्द्रमा से शुक्र तीसरे किंवा ग्यारहवें भाव में गया हो तो वाहन युक्त जातक होगा।

३. गुरु द्वारा दृष्ट चतुर्थ भावेश लाभ में गया हो तो बहुत वाहनों वाला जातक होगा।

४. अपनी उच्चराशि में गया हुआ व्ययेश धनेश से युत होकर नवम भाव को देखता हो।

कुण्डली में अरिष्ट योग

(१) अगर जन्म कुण्डली में नवें-पाँचवें तथा केन्द्र स्थानों में पाप ग्रह हों और छठे, आठवें, बारहवें शुभ ग्रह हों तो सूर्य उदय होते ही उसी दिन बच्चे की मृत्यु हो जावे।

(२) यदि चन्द्रमा अष्टम भाव में हो, राहु चतुर्थ भाव में हो और पाप ग्रह केन्द्र में हो तो बालक एक वर्ष तक जीवे।

(३) यदि लग्न, द्वितीय, द्वादश एवं अष्टम भाव में क्रूर ग्रह हों तो बारहवें या आठवें दिन विष्ठा का मार्ग रुक कर जातक की मृत्यु हो।

(४) यदि चन्द्रमा बारहवें भाव में हो और पाप ग्रह लग्न सप्तम और अष्टम भाव में हो और केन्द्र में शुभ ग्रह न हो तो बालक शीघ्र मृत्यु को प्राप्त हो।

(५) यदि जन्म लग्न से मंगल, सूर्य, शनि छठे या आठवें भाव में हो तो बालक वर्ष भर न जीवे।

(६) यदि छठे या आठवें चन्द्रमा पाप ग्रहों से दृष्ट हो और शुभ ग्रह की दृष्टि न हो तो बालक एक वर्ष के अन्दर मृत्यु को प्राप्त हो।

(७) यदि क्षीण चन्द्रमा लग्न में और पाप ग्रह केन्द्र अथवा अष्टम स्थान में हो तो बालक की मृत्यु हो।

(८) यदि सप्तम स्थान में शनि, राहु, मंगल से युक्त चन्द्रमा सप्तम स्थान में हो तो बालक की सातवें दिन अथवा सातवें मास मृत्यु हो।

(९) यदि लग्न में सूर्य, पंचम भाव में चन्द्रमा हो और अष्टम भाव में शनि हो तो बालक नहीं जीवे।

(१०) यदि लग्न में शत्रु-राशिस्थ शनि पाप ग्रहों से युक्त अथवा दृष्ट हो तो बालक की एक वर्ष के अन्दर मृत्यु हो।

(११) जिसके समस्त शुभ ग्रह छठे-आठवें स्थान में हो और पाप ग्रहों से दृष्ट हों तो वह बालक महीने के अन्दर मृत्यु को प्राप्त होता है।

(१२) जिसके शनि के घर में सूर्य और सूर्य के घर में शनि हो तो दैव भी रक्षा करें तो भी बारहवें वर्ष में मृत्यु होती है।

अन्य अरिष्ट योग-(१) तृतीया, दशमी, षष्ठी और शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी यह तिथियां यदि मंगल या शनिवार की हों, साथ ही मूल नक्षत्र का योग हो तो ऐसे योग में उत्पन्न बालक सम्पूर्ण कुल का नाश करता है।

(२) यदि तीन पुत्रों के पश्चात् कन्या का और तीन पुत्रियों के पश्चात् बालक का जन्म हो तो त्रिखल दोष होता है।

(३) यदि चन्द्रमा पाप ग्रहों से युक्त पाप ग्रहों के बीच में हो अथवा चन्द्रमा से सातवें पाप ग्रह हो तो बालक की माता का नाश होवे।

(४) यदि सूर्य पाप ग्रह से युक्त हो और लग्न भी पाप ग्रह से युक्त हो अथवा पाप ग्रहों के बीच में हो तो बालक के पिता का नाश होवे।

(५) यदि छठे स्थान में पाप ग्रह बारहवें चन्द्रमा और चौथे घर में मंगल हो तो उसकी माता न जीवे।

(६) यदि लग्न भाव में शनि छठे भाव में चन्द्रमा और सातवें भाव में मंगल हो तो जातक का पिता न जीवे।

(७) चतुर्थ भाव में पाप ग्रह माता को, दशम भाव में पिता को और सप्तम भाव में पिता और माता दोनों का नाश करता है।

(८) उच्च या नीच किसी के सातवें सूर्य हो तो बालक शीघ्र ही माता का नाश करे।

(९) जिसके दशम भाव में मंगल शत्रु राशिस्थ हो, उसका पिता शीघ्र ही मृत्यु को प्राप्त हो।

अरिष्ट भंग योग-(१) ऊपर दिए गए अरिष्ट योग होने पर भी यदि लग्नपति अत्यन्त बली हो, शुभ ग्रहों से युक्त व केन्द्र में स्थित हो तथा पाप ग्रह की दृष्टि से रहित हो तो जातक दीर्घायु होता है।

(२) गुरु, शुक्र और बुध में से कोई एक भी बली होकर केन्द्र में हो और उस पर पाप ग्रह की दृष्टि न हो तो अरिष्ट का नाश करता है।

(३) यदि चन्द्रमा अपनी उच्चराशि, स्वराशि अथवा मित्र राशि में हो और शुभ दृष्ट हो तो अरिष्टों का नाश करता है।

(४) यदि राहु तीसरे, छठे या ग्यारहवें बैठा हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों, अथवा वृष, कर्क, मेष राशि का राहु लग्न में हो तो अरिष्टों का नाश करता है।

(५) यदि सभी ग्रह मित्रक्षेत्री हों तो अरिष्ट दूर होते हैं।

आयुर्दाय विचार बोधक चक्र

दीर्घ	मध्य	अल्प
चर	चर	चर
चर	स्थिर	द्विस्वभाव
स्थिर	द्विस्वभाव	स्थिर
द्विस्वभाव	द्विस्वभाव	स्थिर

उपरोक्त चक्र से आयु का विचार तीन प्रकार से करें। १. लग्नेश अष्टमेश से, २. शनि चन्द्रमा से, ३. लग्न वा होरा लग्न से—जैसे लग्न चर में है और अष्टमेश भी चर में हो तो दीर्घ, लग्न स्थिर में हो और चन्द्रमा द्विस्वभाव में हो तो दीर्घ, लग्न द्विस्वभाव में हो और होरा लग्न स्थिर में हो तो दीर्घ आयु।

यदि तीनों प्रकार से आयु भिन्न-भिन्न आये और चन्द्रमा लग्न और सप्तम में न हो तो लग्न वा होरा लग्न से जो आयु आये उसे ग्रहण करें, यदि लग्न से या सप्तम में चन्द्रमा हो तो शनि और चन्द्रमा से जो आयु आये उसे ग्रहण करें।

होरा लग्न—इष्ट घड़ी को १२ अंशों से गुणा कर जो फल अंशादि आयेगा उसको राश्यादि करके स्पष्ट सूर्य में जोड़ने से होरा लग्न होगा।

उपरोक्त तीनों प्रकार से दीर्घायु आये तो १२० वर्ष तथा तीनों प्रकार से मध्यमायु ८० वर्ष है, दो प्रकार से ७२ और एक प्रकार से ६४ वर्ष होती है एवं तोनों प्रकार से अल्पायु ३२ वर्ष, दो प्रकार से २६ और एक प्रकार से अल्पायु २० वर्ष होती है।

उपरोक्त तीनों प्रकार से आयु निर्णय करने पर जिस-जिस प्रकारों से आयु का निर्णय हो अर्थात् लग्नेश अष्टमेश से हानि चन्द्रमा, लग्न व होरा से यदि इन तीनों प्रकार से एक ही प्रकार की आयु आये तो तीनों का अर्थात् लग्नेश का अष्टमेश शनि चन्द्रमा का लग्न वा होरा लग्न से स्पष्ट की राशि को छोड़ कर मेष अंश कलादि फल को युक्त कर ६ से भाग दें जो अंश कला विकला आये ऊपर लिखी सारणी में अंश फल सारणी में अंशों के नीचे का फल, कला फल सारणी में कला का फल, विकला फल सारणी में विकला का फल लेकर तीनों को युक्त करो तो यह युक्तफल वर्ष आदि आएंगे। इन को ऊपर कहीं आयु में घटाने से स्पष्ट आयु आ जायेगी। दो प्रकार की आयु आने पर उनके अंशादि के योग में ४ का भाग देना और एक प्रकार से २ का भाग देना। **उदाहरण**—जैसे लग्न सिंह और लग्न का स्वामी चर राशि में पड़ा है और अष्टमेश गुरु भी चर राशि में है दीर्घायु। (२) शनि चन्द्रमा स्थिर में हो तो अल्पायु लग्न और होरा लग्न स्थिर में हो तो अल्पायु होती है यह दो प्रकार से अल्पायु है।

अत: शनि चन्द्रमा होरा लग्न की राशि को छोड़कर शेष अंशादि को युक्त करके ४ का भाग देने से जो अंश कला विकला आए उनका फल नीचे लिखी सारणी से लेकर उसको २६ वर्ष में से घटावें तो स्पष्ट आयु आ जायेगी।

अष्टमक्षं तृतीयं च लग्नादायुरुदाहतम्। द्वितीयं सप्तम स्थानं मारकस्थानमुच्यते। क्वचिद् लग्नेश व्ययेश-अष्टमेश दशास्वपि मारकसम्भव:। परस्पर षष्टाष्टमेश्यो दशन्ति रज्व न शोभनम्। मारके मारकातरम शोभनम् व्यय द्वितीयेश वद्ग्रहा: फलप्रदा: लग्नेशदशाऽतिष्टे सम्बन्ध रहिता न मारककारिणी पापदशात्वदनिष्टवेति।

जैमिनीय सूत्रोक्त आयु विचार सारणी

अंश	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
वर्ष	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
मास	०	१	१	३	४	४	५	६	७	८	८	९	१०	११	०	०	०	१	२	२	४	४	६	७	७	७	८	६	१	१
दिन	२४	१८	१२	६	०	२४	१८	१२	६	०	२४	१८	१२	६	०	२४	१८	१२	६	०	२४	१८	१२	६	०	२४	१८	१२	६	०

जैमिनीय सूत्रोक्त आयु साधन कला ज्ञान सारणी

कला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
मास	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	६	६
दिन	६	११	१३	२५	२	८	१४	२१	२७	४	१०	१६	२३	२९	६	१२	१८	२६	१	८	१४	२०	२७	३	१०	१६	२	२९	५	१२
घड़ी	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०
कला	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
मास	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२
दिन	१९	२४	१	७	१४	२०	२३	३	५	१३	२२	२८	५	११	१८	२४	०	७	१३	२०	२६	१	३	१५	२२	१८	४	११	१७	२४
घड़ी	२४	४८	३६	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०

जैमिनीय सूत्रोक्त आयु साधन विकला फल सारणी

विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
दिन	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३
घड़ी	६	१२	१९	२५	३२	३८	४४	५१	५७	४	१०	१६	२३	२९	३६	४२	४८	५५	१	८	१४	२१	२७	३३	४०	४६	५२	५९	५	१२
पल	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०
विकला	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
दिन	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६
घड़ी	१८	२४	३१	३७	४४	५०	५६	३	९	१६	२२	२८	३३	४१	४८	५४	०	७	१३	२०	२६	३२	३९	४५	५२	५९	४	११	१७	[illegible]
पल	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

सकता है। इनकी पेट की बीमारियां लग सकती हैं। इनके लिए बुध, शुक्र शुभ, चन्द्रमा, मंगल, बृहस्पति

द्वादश लग्न अथवा राशियों के प्रभाव

मेष लग्न—मेष लग्न में पैदा हुए व्यक्ति का गेहुंआ रंग, लम्बा कद, दुबला किन्तु बलिष्ट शरीर, गोल नेत्र, मुख पर चिह्न, कठोर किन्तु घुंघराले केश, क्रोधी एवं उपद्रवी स्वभाव, अत्यन्त साहसी, उद्यमी, उग्र-प्रकृति वाला होता है। यह जातक स्वतंत्र विचार वाला, प्रगतिशील, महत्वाकांक्षी, सदैव नेतृत्व की चाह करने वाला, प्रभावशाली, स्वच्छन्द विचरण करने की लालसा करने वाला होता है। मेष लग्न वाले व्यक्ति नई योजनाओं की सृष्टि करते हैं तथा अद्भुत विचारों के अन्वेषक होते हैं। बड़े होकर योग्य प्रशासक, इंजीनियर (मेकेनिकल), सर्जन, सेनापति, सफल व्यापारी बन सकते हैं। इनके लिए गुरु शुभ होता है। शनि, बुध, शुक्र अशुभ होते हैं। इनके लिए प्रायः शनि अथवा बुध ही मारकेश बनते हैं। जातक को मस्तिष्क सम्बन्धी रोगों की सम्भावना होती है तथा ज्वर, अग्नि अथवा शस्त्र भय रहता है। इनका भाग्योदय १६, २२, २८, ३२, ३६वें वर्ष में होता है।

वृष लग्न—जातक का ठिगना कद, पुष्ट एवं स्थूल शरीर होता है। यह लोग कामी, चतुर, ईर्ष्यालु, शान्त स्वभाव वाले, इच्छानुसार काम करने वाले तथा सभी कार्यों को गुप्त रखने वाले, सांसारिक द्रव्य एवं धन सम्पत्ति एकत्रित करने वाले तथा अधिकार सुख की कामना करने वाले होते हैं। इनकी स्मरण शक्ति प्रबल होती है। यह लोग बैंकिंग, कास्मैटिक्स, भवननिर्माण, जवाहरात, विज्ञापन एवं प्रचार इत्यादि व्यवसायों में सफल होते हैं। इनको कण्ठ सम्बन्धी रोग होने की सम्भावना होती है। इनके लिए सूर्य, बुध शुभ तथा शुक्र, बृहस्पति एवं चन्द्र अशुभ होते हैं। इनका भाग्योदय २५, २८, ३६ एवं ४२वें वर्ष में होता है।

मिथुन लग्न—जातक का कद लम्बा किन्तु दुबला, सुन्दर नेत्र, छोटी नाक होती है। यह व्यक्ति प्रसन्नचित्त, चपल, तीक्ष्ण बुद्धि, मधुर एवं स्पष्टवक्ता, शीघ्र गतिवान, दूरदर्शी, मेधावी, यात्रा एवं परिवर्तन प्रेमी, खेलों का शौकीन, साहित्य-कला सौन्दर्य में रुचि रखने वाला होता है। मिथुन लग्न वाले व्यक्तियों में बुद्धि तथा भाव तत्व दोनों ही प्रबल रूप में होते हैं। बड़े होकर पत्र-व्यवहार, सम्पादन, लेखन, प्रचार-प्रसार, अध्यापन, एकाउन्ट्स, संगीत, यात्रा, क्रय-विक्रय सम्बन्धी व्यवसाय में सफल होते हैं। इनको फेफड़े तथा स्नायु-सम्बन्धी रोग होने की सम्भावना रहती है। इनकी भाग्योन्नति २२, ३२, ३५, ३६, ४२वें वर्ष में होती है। इनके शुक्र शुभ, चन्द्रमा अशुभ, मंगल, सूर्य, अरिष्टकारक होते हैं।

कर्क लग्न—जातक का मध्यम कद, गौर वर्ण, सुन्दर मुख, सुगठित शरीर होता है। इस लग्न के व्यक्ति बुद्धिमान, गतिशील, अस्थिर स्वभाव वाले, उदार, विशाल हृदय, कल्पनाशील, परिश्रमी, भावुक मन वाले, विलासी, सम्पत्तिवान, समयानुसार काम करने वाले होते हैं। बड़े होकर यह राज्याधिकारी, डाक्टर, नेता, मंत्री, प्राध्यापक, नाविक तथा जलोत्पन्न वस्तुओं के व्यवसायी बनते हैं। इनको उदर, हृदय, मूत्राशय-सम्बन्धी रोग होने की संभावना रहती है। इनके लिए मंगल शुभ, शुक्र एवं बुध अशुभ होते हैं। इनका भाग्योदय १६, २२, २४, २५, २८ एवं ३२वें वर्ष में होता है।

सिंह लग्न—जातक की चौड़ी छाती, बली भुजाएं एवं दृढ़ हड्डी तथा पुष्ट, शरीर, प्रभावशाली एवं आकर्षक व्यक्तित्व होता है। यह लोग नेतृत्व की चाह करने वाले प्रशासनिक अधिकारों का पूर्ण सदुपयोग करने में सफल होते हैं। इनका रहन-सहन आडम्बरपूर्ण तथा रईस मिजाज होता है। बड़े होकर यह व्यक्ति अभिनेता, प्रशासक, सैनिक, वकील, व्यापारी, वन-सम्बन्धी व्यवसाय करते हैं। इनको ज्वर एवं मस्तिष्क पीड़ा आदि रोग हो सकते हैं। इनके लिए सूर्य एवं मंगल शुभ, बुध एवं शुक्र अशुभ, राहु केतु मारक स्थान में स्थित होने से मृत्युकारक होते हैं। इनका भाग्योदय १६, २२, २४, २६, २८, ३२वें वर्ष में होता है।

कन्या लग्न—जातक का छोटा कद, कोमल शरीर तथा छोटे बाजू होते हैं। इनका स्त्री स्वभाव होता है तथा यह लज्जाशील, मधुरभाषी, विचारशील, धैर्यवान, बुद्धिवाले, गणितज्ञ, तार्किक एवं साहित्य प्रेमी होते हैं। कन्या लग्न वाले व्यक्तियों की स्मरणशक्ति तीव्र होती है तथा यह सभी कार्य गुप्त रखते हैं। इनमें आत्म विश्वास की कमी रहती है। बड़े होकर यह व्यक्ति गणितज्ञ, पुस्तक विक्रेता, सचिव, दलाल, साहित्यिक, अध्यापक, ज्योतिषी अथवा मनोवैज्ञानिक बन सकते हैं। व्यापार की अपेक्षा इनको नौकरी में अधिक लाभ हो सकता है। इनको पेट की बीमारियां लग सकती हैं। इनके लिए बुध, शुक्र शुभ, चन्द्रमा, मंगल, बृहस्पति अशुभ होते हैं। इनका भाग्योदय १६, २२, २५, ३२, ३३, ३५, ३६वें वर्ष में होता है।

तुला लग्न—जातक दुबला किन्तु लम्बा, सुन्दर प्रसन्नचित्त तथा तीक्ष्ण बुद्धिवाला होता है। न्याय एवं शान्तिप्रिय, मध्यस्थता का कार्य करने में निपुण, सत्यवक्ता, धार्मिक, सुधारवादी, दार्शनिक, साधु स्वभाव, लोकप्रिय, बच्चों का विशेष स्नेही, स्त्री-कला-नृत्य संगीत प्रेमी, प्रतिष्ठित होता है। इस लग्न के व्यक्ति न्यायाधीश, वकील, परामर्शदाता, साहित्य प्रेमी, कवि, नीतिज्ञ तथा व्यापारी बनते हैं। इनको गुर्दा, मूत्रस्थली एवं कमर सम्बन्धी रोगों की सम्भावना रहती है। इनके लिए शनि योगकारक, बुध, शुक्र शुभ, सूर्य, मंगल, बृहस्पति अशुभ होते हैं। इनका भाग्योदय २४, २५, ३२, ३३, ३५ वर्ष में होता है।

वृश्चिक लग्न—जातक सुन्दर, परिश्रमी, आत्मविश्वासी, साहसी, शंकालु, स्वेच्छाचारी, आतंककारी, नीतिज्ञ, गूढ़ विद्याओं का ज्ञात होता है। ऐसे व्यक्ति मितव्ययी एवं संग्रह करने में चतुर होते हैं। यदि लग्न पाप दुष्ट हो तो जातक झगड़ालु, असंयमी, कुतिचारी, निर्दयी, अपराधी तथा गुप्त रूप से दुष्कर्म करने वाला होता है। बड़े होकर यह व्यक्ति पुलिस अधिकारी, राजनीतिज्ञ, ठग, इंजीनियर, खनिज विशेषज्ञ, दन्त विशेषज्ञ बनते हैं। इनको छाती, कण्ठ अथवा गर्मी या वायु सम्बन्धी एवं बवासीर आदि गुप्त रोग होने की सम्भावना रहती है। इनके लिए सूर्य, चन्द्रमा, मंगल, बृहस्पति शुभ, बुध, शुक्र अशुभ होते हैं। इनका भाग्योदय २२, २४, २८, ३२वें वर्ष में होता है।

धनु लग्न—बड़े कान, लम्बी गर्दन, बली तथा स्थूल शरीर धनु लग्न की विशेषता है। यह व्यक्ति स्वाभिमानी, निस्वार्थी, साधु स्वभाव, न्यायप्रिय, मेधावी, धनवान्, उदार, गम्भीर, विवेकशील, तार्किक, कुलभूषण, संवेदनशील, विश्वासपात्र, उत्तेजित अवस्था में अत्यन्त क्रुद्ध एवं स्पष्टवक्ता, निष्कपट, त्यागी, आदर्शवादी, अवसर का लाभ उठाने वाले होते हैं। इन्हें केवल प्रेम और शान्ति से वशीभूत किया जा सकता है। यदि लग्न पाप पीड़ित हो तो जातक दंभी, आडम्बरपूर्ण एवं कठोर स्वभाव का होता है। इस लग्न के व्यक्ति बड़े होकर प्रोफेसर, अध्यापक, राजनीतिज्ञ, दार्शनिक, परामर्शदाता, उपदेशक, वकील, बैंकर तथा सफल व्यवसायी बनते हैं। इनको फेफड़े तथा वायु सम्बन्धी रोग होने की संभावना रहती है। इनके लिए सूर्य, बुध, बृहस्पति शुभ तथा चन्द्रमा शनि अशुभ फलदायक होते हैं। इनका भाग्योदय १६, २२, ३२वें वर्ष में होता है।

मकर लग्न—जातक का लम्बा कद, सुन्दर नेत्र, सेवाभावी, धैर्यवान, गम्भीर, मननशील, महत्वाकांक्षी, उद्योगी, संयमी, परिश्रमी एवं कार्यशील, उदासीन, दार्शनिक, आस्तिक, गृहस्थ जीवन से असंतुष्ट, आत्मप्रशंसा में विश्वास न करने वाला होता है। यह व्यक्ति बड़े होकर अधिकारी, कृषि अथवा भूमि से उत्पन्न वस्तुओं सम्बन्धी व्यवसाय अथवा कार्यालयों में सफलता प्राप्त करते हैं। इनको जोड़ों का दर्द तथा अन्य वायु जनित रोग होने की संभावना रहती है। इनका भाग्योदय २५, ३३, ३५, ३६, ४२वें वर्ष में होता है।

कुम्भ लग्न—जातक का मध्यम कद, मांसल होंठ, आकर्षक व्यक्तित्व होता है। यह लोग तीव्र बुद्धि, दयालु, मिलनसार, प्रभावशाली, अनेक मित्रों से युक्त, स्वच्छ हृदय तथा विशाल दृष्टिकोण वाले, क्रान्तिकारी, विचारक, रोचकवक्ता एवं साहित्य में रुचि रखने वाले होते हैं। अगर शनि शत्रु राशिस्थ अथवा नीच हो तो जातक दम्भी, कामी, लांछन प्राप्त करने वाला, उद्दण्ड एवं निर्लज्ज होता है। बड़े होकर यह लोग प्राध्यापक, सुधारक, इंजीनियर, मुद्रण, रेडियो, बिजली, यात्रा, वायुयान एवं तकनीकी कार्यों में सफलता प्राप्त करते हैं। इनको सिर अथवा पेट दर्द, वायुरोग, उदर पीड़ा एवं कोष्ठ बद्धता इत्यादि रोग हो सकते हैं। इनके लिए शुक्र शुभ तथा गुरु एवं चन्द्र अशुभ फलदायक है। इनका भाग्योदय २५, २८, ३६, ४२वें वर्ष में होता है।

मीन लग्न—जातक का छोटा कद, स्थूल शरीर, शान्त एवं विनम्र स्वभाव होता है। यह लोग धर्मपरायण, रूढ़िवादी, आस्तिक, परोपकारी, लज्जाशील, महत्वाकांक्षी, सुनिश्चित एवं सुसंस्कृत बहुकुटुम्बी, सद्गृहस्थी होते हैं। बड़े होकर यह लोग समाज सुधारक, आध्यात्मवादी, चलचित्र व्यवसाय, पुरातत्व वस्तुओं के व्यापारी, काव्य एवं हास्य व्यंग्य लेखक, कलाकार, औषधी विषयक, जल परिवहन सम्बन्धी कार्यों में सफल होते हैं। इन्हें छूतछात की बीमारियां होने का डर रहता है। इनके लिए मंगल शुभ, सूर्य, शुक्र, शनि, बुध अशुभ होते हैं। इनका भाग्योदय १२, १६, २८, ३३वें वर्ष में होता है।

नूतन वेध सिद्ध वर्ष प्रवेश सारिणी

गताब्द	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	३	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४
घटी	१५	३०	४६	१	१६	३२	४७	३	१८	३३	४९	४	१९	३५	५०	६	२१	३६	५२	७
पल	२२	४५	८	३१	५४	१७	४०	३	२६	४९	१२	३५	५८	२१	४४	७	३०	५३	१६	३९
विपल	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०

गताब्द	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
वार	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१
घटी	२३	३८	५३	९	२४	३९	५५	१०	२६	४१	५६	१२	२७	४३	५८	१३	२९	४४	५९	१५
पल	१	२४	४७	१०	३३	५६	१९	४२	५	२८	५१	१४	३७	०	२३	४६	९	३२	५५	१८
विपल	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	६०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०

गताब्द	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
वार	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५
घटी	३०	४६	१	१६	३२	४७	२	१८	३३	४९	४	१९	३५	५०	६	२१	३६	५२	७	२३
पल	४०	३	२६	४९	१२	३५	५८	२१	४४	७	३०	५३	१६	३९	२	२५	४८	११	३४	५७
विपल	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३२	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०

गताब्द	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०
वार	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२
घटी	३८	५३	९	२४	३९	५५	१०	२६	४१	५६	१२	२७	४३	५८	१३	२९	४४	५९	१५	३०
पल	१९	४२	५	२८	५१	१४	३७	०	२३	४६	९	३२	५५	१८	४१	४	२७	५०	१३	३६
विपल	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०

प्राचीनमान वर्ष प्रवेश सारिणी

वर्ष	०१	०२	०३	०४	०५	०६	०७	०८	०९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
वार	०१	०२	०३	०५	०६	०७	०१	०३	०४	०५	०६	०१	०२	०३	०४	०६	०७	०१	०२	०४	०५	०६	०७	०२	०३	०४	०५	०७	०१	०२
घड़ी	१५	३१	४६	०२	१७	३३	४८	०४	१९	३५	५०	०६	२१	३७	५२	०८	२३	३९	५४	१०	२६	४१	५७	१२	२८	४३	५९	१४	३०	४५
पल	३१	०३	३४	०६	३७	०९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०	०१	३३	०४	३६	०७	३९	१०	४२	१३	४५
विपल	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००

वर्ष	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
वार	०४	०५	०६	०७	०२	०३	०४	०५	०७	०१	०२	०३	०५	०६	०७	०१	०३	०४	०५	०६	०१	०२	०३	०४	०६	०७	०१	०३	०४	०५
घड़ी	०१	१६	३१	४७	०३	१८	३४	४९	०५	२१	३६	५२	०७	२३	३८	५४	०९	२५	४०	५६	११	२७	४२	५८	१३	२९	४४	००	१५	३१
पल	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	००	३१	०३	३४	०६	३७	०९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०
विपल	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००

वर्ष	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०
वार	०६	०१	०२	०३	०४	०६	०७	०१	०२	०४	०५	०६	०७	०२	०३	०४	०५	०७	०१	०२	०३	०५	०६	०७	०१	०३	०४	०५	०७	०१
घड़ी	४७	०२	१८	३३	४९	०४	२०	३५	५१	०६	२२	३७	५३	०८	२४	३९	५५	१०	२६	४२	५७	१२	२८	४४	५९	१५	३०	४६	०१	१७
पल	०१	३३	०४	३६	०७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	००	३१	०३	३४	०६	३९	०९	४०	१२	४३	१५
विपल	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००

वर्ष फल साधन

जिस सम्वत् का वर्ष फल बनाना हो, उस सम्वत् से जन्म का सम्वत् घटाने से जो शेष हो वह गत वर्ष जानो। ऊपर दी गई सारिणी में गतवर्षांक के नीचे के वारादि अंकों में जन्म के वार और इष्ट के घटी पल जोड़ने से वर्ष प्रवेश का वार और इष्ट घटी पल हो जाते हैं। इस इष्ट के अनुसार लग्न सारिणी से लग्न बना लेना वह वर्ष लग्न होगा। तदन्तर वर्ष प्रवेश के इष्ट घटी पल के समय पर जो ग्रहों की इष्ट वर्ष के पंचांग में स्थिति होगी उसके अनुसार वर्ष कुण्डली में ग्रहों को स्थापित करें।

मुन्था—गत वर्षों में जन्म लग्न का अंक जोड़ो तदन्तर १२ से भाग देने पर जो शेष बचे उस राशि में मुन्था रखें।

त्रिपताका चक्र—वर्ष प्रवेश के वर्षों को ९ से भाग दें जो शेष बचे जन्म राशि से उतने घर में चन्द्रमा लगावें। शेष ग्रहों के लिए प्रवेश के वर्षों को ४ से भाग देवें जो शेष बचे वर्ष कुण्डली में (जन्म कुण्डली में जिस राशि में ग्रह स्थित हो उससे) उतने घर छोड़कर बाकी ग्रह लगावें। राहु केतु उल्टे गिनें। वर्ष लग्न को त्रिपताका के मध्य में रखकर क्रमशः अंक लिखें। माना वर्ष लग्न कर्क है। त्रिपताका चक्र निम्नवत है।

तदन्तर ९ का भाग देने से जो शेष बचे सो इस तरह दशा जानो—१ बचे तो सूर्य, २ बचे तो चन्द्रमा, ३ बचे तो मंगल, ४ बचे तो राहु, ५ बचे तो बृहस्पति, ६ से शनि, ७ से बुध, ८ से केतु, ९ से शुक्र की दशा होगी। दशा दिन नीचे दिए गए हैं:—

त्रिपताका चक्र

मुद्दा दशा

सूर्य	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.	के.	शु.	ग्रह
१८	३०	२१	५४	४८	५७	५१	२१	३०	दिन

त्रिराशिपति—वर्ष लग्न की जो राशि हो उस राशि के सामने नीचे दिए गए चक्र में देखो। दिन में वर्ष प्रवेश हो तो दिनपति के सामने राशि के नीचे जो ग्रह लिखा है, रात्रि में हो तो रात्रिपति के सामने राशि के नीचे जो ग्रह लिखा है, वह त्रिराशिपति होगा:—

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
दिनपति	सू.	शु.	श.	शु.	बु.	चं.	बु.	मं.	श.	मं.	बृ.	चं.
रात्रिपति	बु.	चं.	बु.	मं.	सू.	शु.	श.	शु.	श.	मं.	बृ.	चं.

दृष्टि ज्ञान—वर्ष एवं कुण्डली में जो ग्रह जिस भाव में स्थित हो वह उस भाव से पांचवें, नवें भाव को प्रत्यक्ष मित्र दृष्टि तथा तीसरे, ग्यारहवें, भाव को गुप्तमित्र दृष्टि से देखता है। ग्रह अपने स्थान से पहले और सातवें भाव को

वर्ष कुण्डली में शुभाशुभ योग

दृष्टि में हो तो मनुष्य यमलोक को गमन करता है।

वर्ष कुण्डली में शुभाशुभ योग

शुभ योगः-

वर्ष लग्न वर्ष लग्न का स्वामी तीसरे, छठे, दसवें घर में बलयुक्त हो तो सुख और मन में प्रसन्नता होती है, धन प्राप्ति, शत्रु नाश तथा अरिष्टनाश होता है।

जिस वर्ष में लग्न और दशम भाव का स्वामी एक ही हो तो उस वर्ष में सब अरिष्ट दूर होकर धन की प्राप्ति हो तथा अधिकारियों एवं मित्रों से यश और सुख मिले।

यदि गुरु, बुध, शुक्र, इनमें से कोई एक ग्रह भी केन्द्र में स्थित हो, नीच का न हो और शत्रु के साथ न हो, सौम्य ग्रह से युक्त हो तो सम्पूर्ण अरिष्ट दूर होते हैं।

जो ग्रह जन्म कुण्डली में नीच का हो परन्तु वर्ष कुण्डली में वही ग्रह अष्टम वा मित्रभाव में हो तो अनेक सुख धन देने वाला होता है, मित्र का आगमन करने वाला तथा वर्ष में सम्पूर्ण अरिष्ट दूर करता है।

यदि मुंथापति १, ३, ४, ७, १०, ११ स्थान में स्थित हो तो जातक को यश-मान मिलता है।

यदि वर्षपति केन्द्र व त्रिकोण में स्थित हो और सौम्य ग्रह से युक्त हो तो सम्पूर्ण वर्ष में शुभ हो तथा शत्रु नाश, धनधान्य तथा यश का लाभ हो।

यदि जन्म लग्नेश वर्ष कुण्डली में केन्द्र अथवा त्रिकोण में स्थित हो तो सब अरिष्ट योग का नाश और धर्म-कर्म की प्राप्ति करता है।

यदि जन्म लग्न और वर्ष लग्न एक ही हो जाए तो उस वर्ष में कर्म का उदय हो और जातक का बाहुबल बढ़े तथा यश-सम्मान मिले।

यदि छठे, आठवें भाव का स्वामी बारहवें भाव में स्थित हो अथवा शनि एवं क्रूर ग्रहों से युक्त हो तो उस वर्ष का अरिष्ट दूर होता है। तथा अपने वर्ग का अरिष्ट होता है।

यदि मुंथा से सूर्य व मंगल पंचम स्थान में पड़े हों तो उस वर्ष में क्षेम, आरोग्य और सब अरिष्ट नाश होते हैं।

यदि वर्ष लग्नेश सप्तम भाव में हों और सप्तमेश लग्न में हो तो उस वर्ष अर्थ की सिद्धि होकर अरिष्ट दूर होता है।

यदि सूर्य नवम अथवा दशम भाव में शुभ ग्रहों से युक्त हो तो धन का लाभ तथा अरिष्ट दूर होता है।

सन्तान योगः-

गुरु जन्म कुण्डली में जिस राशि में हो, वर्ष में वह राशि यदि पंचम भाव में हो अथवा उस भाव में वर्षपति या बुध वा मंगल हो तो पुत्र की प्राप्ति हो।

यदि चन्द्र मुंथा सहित पंचम भाव में हो और पंचमेश भी पंचम भाव में हो अथवा पंचमेश बलवान हो तो उस वर्ष पुत्र हो।

नेत्र रोगः-

शुक्र लग्न में अथवा बारहवें सूर्य, मंगल सहित हो तो वर्ष में नेत्र रोग होता है।

यदि पाप ग्रह द्वितीय, द्वादश लग्न व सप्तम भाव में हो और इन शुभ ग्रहों की दृष्टि न हो ते अंध रोग होगा।

नौकरी से निलम्बित होने का योगः-

वर्ष कुण्डली में दशम स्थान का स्वामी नीच होकर अष्टम स्थान में पड़े या कर्म स्थान में पाप ग्रह स्थित हो तो जातक नौकरी से अपदस्थ होता है और सुख का नाश होता है। वर्ष कुण्डली में अष्टम भाव का मालिक दशम स्थान में स्थित हो और दशमेश अष्टम भाव में क्रूर ग्रह युक्त अथवा वीक्षित हो तो भी नौकरी छूटने का डर रहता है तथा धन का नाश होता है।

अशुभ योगः-

यदि मुंथापति वर्ष लग्नेश के साथ अष्टम भाव में स्थित हो तो मृत्यु तुल्य कष्ट देता है, जननेन्द्रिय पीड़ा, रुधिर प्रकोप, कंठावरोध उत्पन्न करता है।

यदि राहु सप्तम भाव में मंगल, चन्द्रमा और सप्तमेश सहित स्थित हो तो वर्ष में स्त्री को मृत्यु-तुल्य कष्ट देते हैं।

चतुर्थ भाव का स्वामी यदि छठे, आठवें, बारहवें भाव में पाप ग्रह युक्त हो, लग्न और चतुर्थ भाव क्रूर ग्रह युक्त अथवा वीक्षित हो तो उस वर्ष में माता का क्षय, अनेक रोग होते हैं।

मुंथापति यदि अष्टम भाव में हो और मुंथा छठे घर में हो तो स्त्री के अगं में पीड़ा, उदर में गुल्मादि रोग तथा अरिष्ट हो।

यदि सप्तमेश, शनि के साथ बारहवें भाव में स्थित हो तो उस वर्ष में कसत्र पीड़ा करे, लोकापवाद, स्वजनों में वैर, सन्तान पीड़ा, मन में व्यग्रता हो।

यदि अष्टमेश, छठे भाव में स्थित हो और चन्द्रमा क्रूर ग्रह युक्त हो अथवा क्रूर ग्रह उसे देखते हों और उस पर बृहस्पति की दृष्टि न हो तो मनुष्य यमलोक को गमन करता है।

यदि अष्टमेश केन्द्र में हो, लग्नेश बारहवें या छठे भाव में हो, चन्द्रमा पाप युक्त अष्टम में हो तो उस वर्ष मृत्यु-तुल्य कष्ट होता है।

यदि सूर्य सप्तम भाव में हो और शनि उसके साथ हो, वा रन्ध्रेश शनि युक्त हो तो उस वर्ष में सम्पूर्ण धन का नाश हो।

यदि चन्द्रमा केतु युक्त होकर अष्टम भाव में हो तो उस वर्ष मृत्यु-तुल्य कष्ट हो तथा स्त्री का वियोग हो।

यदि गुरु, चन्द्रमा सहित अष्टम भाव में स्थित हो और शनि सहित मुंथा हो तो उस वर्ष मृत्यु-तुल्य कष्ट हो।

वर्ष कुण्डली में यदि शनि मेष अथवा वृश्चिक में हो और मंगल सप्तम स्थान में पाप ग्रह से युक्त हो तो कलत्र नाश और धन हानि हो।

यदि सप्तम स्थान में पाप ग्रह हो, अष्टम में शुक्र और चन्द्र हो तो वर्ष में रोग से पीड़ा हो।

छठे, आठवें लग्नेश हो और मंगल, चन्द्रमा अष्टम भाव में हो तो उस वर्ष विष अथवा दुर्घटना से पीड़ा हो।

यदि लग्न में पाप ग्रह के साथ अष्टमेश स्थित हो और लग्नेश चन्द्र सहित अष्टम भाव में स्थित हो तो उस वर्ष रोग शोकादि से शरीर क्षय हो।

यदि अष्टम भाव में गुरु पापयुक्त हो, चन्द्रमा बारहवें शनि युक्त हो तो उस वर्ष राज्याधिकारियों से दंड अथवा पीड़ा हो।

यदि मुंथा अष्टम हो, अष्टमेश रवि मंगल से युक्त हो तो मनुष्य का कफ पित्त रोगों से शरीर नष्ट हो।

चतुर्थ भाव में शनि, दशम भाव में मंगल हो, द्वितीयेश नीच राशि का होकर अस्त हो गया हो तो माता-पिता का अवश्य क्षय हो।

दूसरे, बारहवें, पहले, सातवें भाव में पाप ग्रह हो और शुभ ग्रहों की उन पर दृष्टि न हो तो जातक अवश्य अन्धा हो जाता है।

अष्टमेश लग्न में हो और लग्नेश अष्टम भाव में हो तो उस वर्ष में अरिष्ट हो, धन, स्त्री, कुटुम्ब में कष्ट हो।

वर्ष लग्नपति तथा अष्टमेश चतुर्थ अथवा अष्टम भाव में हो, उसी स्थान में मुंथा हो तो उस वर्ष मृत्यु-तुल्य कष्ट हो।

लग्न, सप्तम, अष्टम में यदि पाप ग्रह हो तो उस वर्ष में चोर, अग्नि, शस्त्र से भय हो।

ग्रह-शील-चक्र

ग्रह चिन्ह	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
पर्याय	हेलि	ग्लौ, शीत रश्मि	आर, वक्र भू-सुत	ज्ञ, इंदु-पुत्र विद्, बोधन	जीव, अंगि सुरगुरुइज्य	भृगु, भृगुसुत सितदे, गुरु	कोण, मद सूर्य-पुत्र	तम, अगु, असुर	शिखी
शुभ, पाप	उग्र	शुभ, क्षीण चन्द्र पाप	क्रूर	शुभ, पाप युक्त पाप	शुभ	शुभ	अति पाप	पाप	पाप
देवता	अग्नि	वरुण	स्कन्द	विष्णु	इन्द्र	इन्द्राणी	ब्रह्मा	वायु	आकाश
काल-पुरुष अंग	आत्मा	मन	सत्व, शौर्य	वाणी	ज्ञान-सुख	काम-सुख	दु:ख	मृति	स्थिति
पुरुषादि लिंग	पुरुष	स्त्री	पुरुष	नपुंसक	पुरुष	स्त्री	नपुंसक	पुरुष	पुरुष
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	क्षत्रिय	वैश्य, शूद्र	ब्राह्मण	ब्राह्मण	अंत्यज	शुद्र	संकर
आकार	चतुरस्त्र	वर्तुल	चतुष्कोण	वृत्त	वृत्त	दीर्घ	दीर्घ	दीर्घ	पुच्छ
स्वभाव	स्थिर	चंचल	उग्र	मिश्र	मृदु	लघु	अतितीक्ष्ण	....	......
स्थान	पर्वत	जलचर	पर्वत, वनचर	विद्वानों से युक्तग्रा. चर	विद्वानों से युक्तग्रा. चर	जलचर	पर्वत, वनचर	पर्वत, वनचर	पर्वत, वनचर
काल	अयन	क्षण मुहूर्त	दिन	ऋतु	मास	पक्ष	वर्ष	....	......
दिशा, कोण	पूर्व	वायव्य	दक्षिण	उत्तर	ईशान	अग्नि	पश्चिम	नैऋत्य	सर्वदिशा
ग्रह-शांति में दिशा	मध्य	अग्नि	दक्षिण	ईशान	उत्तर	पूर्व	पश्चिम	नैऋत्य	वायव्य
राजादि पदवी	राजा	राजरानी	सेनापति	युवराज	मंत्री	गुप्त मंत्री	प्रेष्य दूत	सेवक	परिचारक
वय-वर्ष अवस्था	प्रौढ़ (५०)	युवा	तरुण	कुमार	युवा(३०)	किशोर	वृद्ध(१००)	अतिवृद्ध	अतिवृद्ध
रंग	पाटल	गौर	रक्तगौर	दूर्वाश्याम	गौर-पीत	श्वेत-श्याम	नील	कृष्ण	धूम्र
ह्रस्वदीर्घ	ह्रस्व	ह्रस्व	ह्रस्व	ह्रस्व	दीर्घ	ह्रस्व	दीर्घ	दीर्घ	दीर्घ
विद्या	वैद्यक	ज्योतिष	शस्त्र	शिल्प	व्याकरण	संगीत	यावनी वि.	गारुड़ी	गुप्त-तंत्र
भाग्योदय-वर्ष	२२	२४	२८	३२	१६	२५	३६	४२	४८

ग्रह चिन्ह	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
नशा व गोचर फल काल	प्रथम भाग	अन्त्य	प्रथम भाग	सर्वदा	मध्य	मध्य	अन्त्य	......	......
कारक	पिता	माता	बन्धु, पितृव्य	मामा, बुद्धि वाणी	पुत्र, बुद्धि ज्ञान, धर्म	स्त्री	दूत, भृत्य दारिद्रय	दादा, शत्रु	नाना
कारक भाव	१,९,१०	४	३, ६	४, १०	२,५,९,१०	७	६,८,१०	.....	......
हर्ष-स्थान	९	३	६	१	११	५	१२	......	......
तत्व	अग्नि	जल	अग्नि	पृथ्वी	आका.तेज	जल	वायु	जल-वायु	तेज
गुण	सत्व	सत्व	तामस	राजस	सत्व	राजस	तामस	अति तामस	किंचित तामस
धात्वादि	मूल	जीव	धातु	मिश्रण	जीव	मूल	मूल	धातु	धातु
रस	तिक्त	क्षार	कटु	मिश्र	मधुर	अम्ल, खट्टा	कशायकसे	तीखा	नीरस फीका
धातु	सुवर्ण	रौप्य	लोहा	यशद	बंग	ताम्र	नाग	पञ्चधातु	अष्टधातु
वस्त्र	मोटा	नवीन	अग्नि-दग्ध	आर्द्र	मध्यम	दृढ़	मलिन	चित्र-विचित्र	जीर्ण-शीर्ण
काल-बल	मध्याह्न	अपराह्न	मध्याह्न	प्रात:	प्रात:	अपराह्न	संध्या	संध्या	संध्या
पाद	चतुष्पद	बहुपद	चतुष्पद	द्विपद	द्विपद	द्विपद	भुजंगअपद	अपद	अपद
भूमि	पशुभूमि	जलभूमि	दग्ध	श्मशान	सुरालय	जलभूमि	उत्कट	ऊषर	ऊषर
स्थान	वन	जल	वन	ग्राम	ग्राम	ग्राम	सन्धि	विवर	विवर
शरीर-धातु	अस्थि	रुधिर	मज्जमांस	चर्म त्वचा	मेद	वीर्य-ओज	स्नायु	......	रस
पित्तादि प्रकृति	पित्त	श्लेष्मा	पित्त	समधातु	समधातु	कफ	वात	वात.	वात
रोग	नेत्र रोग	नेत्र-पीड़ा	रक्त	त्रिदोष	ज्वर	वीर्य-रोग	वातव्याधि	अस्थि-रोग	अस्थि-रोग
ऋतु	ग्रीष्म	वर्षा	ग्रीष्म	शरद	हेमन्त	वसन्त	शिशिर	शिशिर	शिशिर
दृष्टि	ऊर्ध्व	सम	ऊर्ध्व	तिर्यक	सम	तिर्यक	अधो	अधो	अधो

अंग्रेजी जन्म दिनांक के अनुसार महत्वपूर्ण वर्ष

अंग्रेजी जन्म दिनांक के अनुसार महत्वपूर्ण वर्ष

जनवरी १, १०, १९, २८ को जन्मे व्यक्तियों के लिए १०, १९, २८, ३७, ४६, ५५, ६४, ७३वें वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। ४, १३, २२, ३१, ४०, ४९, ५८, ६७, ७६वें वर्ष भी महत्पवूर्ण होते हैं। इनका १, ४, १०, १३, १९, २२, २८, ३१ तारीख को जन्मे व्यक्तियों से लगाव होता है। **जनवरी २, ११, २०, २९** को जन्मे व्यक्तियों के लिए ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५, ७०वें वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। इनका २, ११, १६, २०, २५, २९ तारीख को जन्मे व्यक्तियों से स्नेह होता है। **जनवरी ३, १२, २९, ३०** को जन्मे लोगों के ३, ८, १२, १७, २१, २६, ३०, ३५, ३९, ४४, ४८, ५३, ५७, ६२, ६६वें वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। इनका ३, १२, २१, ३० तारीख को जन्मे लोगों से लगाव होता है। **जनवरी ४, १३, २२, ३१** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के १०, १३, १९, २२, २८, ३१, ३७, ४०, ४६, ४९, ५५, ५८, ६४, ६७ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। १, ४, १०, १३, १९, २२, २८, ३१ तारीख में जन्मे व्यक्तियों से लगाव होगा। **जनवरी ५, १४, २३** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के ५, १४, २३, ३२, ४१, ५०, ६८, ७७ तथा १७, २६, ३५, ४४, ५३, ६२, ७१ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। ५, १४, २३ तिथि को जन्मे व्यक्तियों से आकर्षण होता है। **जनवरी ६, १५, २४** को जन्मे व्यक्तियों के लिए ६, १५, २४, ३३, ४२, ५१, ६०, ६९ विशिष्ट होते हैं तथा ६, १५, २४ तारीख में जन्मे व्यक्तियों से लगाव होता है। **जनवरी ७, १६, २५** में जन्मे व्यक्तियों के लिए २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५, ७० वर्ष महत्व के होते हैं। २, ७, १६, २०, २५, २९ तारीख को जन्मे व्यक्तियों से इनका लगाव होता है। **जनवरी ८, १७, २६** को जन्मे व्यक्तियों के लिए ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ४९, ५३, ५८, ६२वें वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। इनका ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१ तारीखों में जन्मे व्यक्तियों से लगाव होता है। **जनवरी ९, १८, २७** को जन्मे लोगों के लिए ९, ८, २७, ३६, ४५, ५४, ६३, ७२, ८१, ९०वें वर्ष उत्कर्ष के होते हैं तथा ३, ६, ९, १२, १५, १८, २१, २७, ३० तारीख में जन्मे लोगों से आकर्षण होता है।

फरवरी १, १०, १९, २८ को जन्मे व्यक्तियों के १०, १३, १९, २२, २८, ३१, ३७, ४०, ४६, ४९, ५५, ५८, ६४वें वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं और १, ३, ४, १०, १२, १३, १९, २१, २२, २८, ३०, ३१ तारीखों में जन्मे व्यक्तियों से इनका लगाव होता है। **फरवरी २, ११, २०, २९** में जन्मे व्यक्तियों के लिए २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१वें वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दिनांक २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आकर्षण अनुभव करते हैं। **फरवरी ३, १२, २१** को जन्मे व्यक्तियों के ३, १२, ३०, ३९, ४८, ५७, ६६, ७५वें वर्ष उत्कृष्ट होते हैं। ३, १२, २१, ३० तारीख को जन्मे लोगों के प्रति इनका लगाव होता है। **फरवरी ४, १३, २२** को जन्मे लोगों के मुख्य वर्ष १, ४, १०, १३, १९, २२, २८, ३१, ३७, ४०, ४६, ४९, ५५, ५८, ६४, ६७, ७३ और ७६ हैं। १, ४, ८, १०, १३, १७, १९, २२, २६, २८, ३१ तारीख को जन्मे लोगों से गहरा आकर्षण होगा। **फरवरी ५, १४, २३** को जन्मे व्यक्तियों के लिए ५, १४, २३, ३२, ४१, ५०, ५९, ६८, ७७ वर्ष महत्वपूर्ण हैं। दिनांक ५, १४, २३ को जन्मे व्यक्तियों से गहरा लगाव होगा। **फरवरी ६, १५, २४** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के ६, १५, २४, ३३, ४२, ५१, ६०, ६८, ८७वें वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं तथा ६, १५, २४, तारीख को जन्मे व्यक्तियों से विशेष लगाव होता है। **फरवरी ७, १६, २५** को जन्मे व्यक्तियों के लिए जीवन के २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२,५६, ६१, ६५ तथा ७० वर्ष महत्वपूर्ण होंगे। इनके लिए २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ में उत्पन्न लोग विशेष आकर्षण का कारण होते हैं। **फरवरी ८, १७, २६** इनके लिए ४, ८, १३,१७, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ४९, ५३, ५८, ६२, ६७ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं तथा ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१ तारीख में जन्मे लोगों से इनका गहरा लगाव होता है। **फरवरी ९, १८, २७** ३६, ४५, ५४, ६३, ७२, ८१ इनके जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष होते हैं तथा ९, १८ तारीख को जन्मे लोगों का ८, ९, १७, १८, २६, २७ तारीख वालों की ओर तथा २७ को जन्मे लोगों का ३, ९, १२, १८, २१, २७ तारीख में जन्मे लोगों से विशेष आकर्षण होता है।

मार्च १, १०, १९, २८ में जन्मे लोगों के जीवन के १, ३, ४, १०, १२, १३, १९, २१, २२, २८, ३०, ३१, ३७, ३९, ४०, ४८, ४९, ५०, ५७, ५८, ६४, ६६, ६७, ७३ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं तथा १, ४, १०, १३, १९, २२, २८, ३१ तारीख में जन्मे लोगों से विशेष लगाव होता है। **मार्च २, ११, २०, २९** में जन्मे लोगों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष २, ११, २०, २९, ३८, ४७, ५६, ६५, ७४ तथा ७, १६, २५, ३४, ४३, ५२, ६१, ७० हैं तथा २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ तारीख में जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **मार्च ३, १२, २१, ३०** में जन्मे लोगों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष ३, १२, २१, ३०, ३९, ४८, ५७, ६६, ७५ होते हैं तथा तारीख ३, ६, ९, १२, १५, २१, २४, २७, ३० में जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **मार्च ४, १३, २२, ३१** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष १, ४, १०, १३, १९, २३, २८, ३१, ४०, ४६, ४९, ५५, ५८, ६४, ६७, ७३ हैं और १, ४, १०, १३, १९, २२, २८, ३१ तारीख में पैदा हुए लोगों से विशेष आकर्षण होता है। **मार्च ५, १४, २३** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष ५, १४, २३, ३२, ४१, ५०, ६८, ७७ होते हैं और ३, १२, २१, ३० तारीख में जन्मे लोगों से विशेष लगाव होता है। **मार्च ६, १५, २४** को जन्मे लोगों के महत्वपूर्ण वर्ष ६, १५, २४, ३३, ४२, ५१, ६० तथा ७८ होते हैं तथा ३, ६, १२, १५, २१, २४, ३० तारीख को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **मार्च ७, १६, २५** को जन्मे लोगों के लिए २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५, ७० वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं तथा २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ तारीखों में जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण अनुभव करते हैं। **मार्च ८, १७, २६** में जन्मे लोगों के लिए ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ४९, ५३, ५८, ६७, ७१, ७६ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं तथा ३, ४, ८, १२, १३, १७, २१, २२, २६, ३०, ३१ तारीख में जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण रखते हैं। **मार्च ९, १८, २७** में जन्मे लोगों के जीवन के ९, १८, २७, ३६, ४५, ५४, ६३, ७२, ८१ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं तथा ३, ६, १२, १५, २१, २४, ३० तथा १, १०, १९, २८ मार्च में जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है।

अप्रैल १, १०, १९, २८ को जन्मे लोगों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष ९, १०, १८, १९, २७, २८, ३६, ३७, ४५, ४६, ५४, ६४, ७२, ७३ होते हैं तथा १, ४, ८, ९, १०, १३, १७, १८, १९, २२, २६, २७, २८, ३१ तारीख को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण लखते हैं। **अप्रैल २, ११, २०, २९** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के २, ७, ९, ११, १६, १८, २०, २५, २७, २९, ३४, ३६, ३८, ४३, ४५, ५२, ५४, ६१, ६३, ७०, ७२, ८१ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। **अप्रैल ३, १२, २१, ३०** को जन्मे लोगों के महत्वपूर्ण वर्ष ३, ६, ९, १२, १५, १८, २१, २४, २७, ३०, ३३, ३६, ३९, ४२, ४५, ४८, ५१, ५४, ५७, ६०, ६३, ६६, ६९ होते हैं तथा ३, ६, ९, १२, १५, १८, २१, २४, २७, ३० तारीख को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण रखते हैं। **अप्रैल ४, १३, २२** में जन्मे लोगों को जीवन के ४, ८, १३, १९, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ४९, ५३, ५८, ६२, ६९ वर्ष विशेष महत्व के होते हैं तथा ४, ८, १३, २२, २६ तथा ३१ तारीख में जन्मे लोगों के प्रति विशेष लगाव होता है। **अप्रैल ५, १४, २३** को जन्मे लोगों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष ५, ९, १४, १८, २३, २७, ३२, ३६, ४१, ४५, ५०, ५४, ५९, ६३, ६८, ७२ हैं। इनका ५, १४, २३ तारीख को जन्मे व्यक्तियों विशेष आकर्षण होता है। **अप्रैल ६, १५, २४** को जन्मे लोगों के लिए जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष ५, ९, १४, १८, २३, २७, ३२, ३६, ४१, ४५, ५०, ५४, ५९, ६३, ६८, ७२ होते हैं तथा ५, १४, २३ तारीख को जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **अप्रैल ७, १६, २५** जन्मदिन वाले लोगों के लिए ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५, ७० वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं तथा २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ तारीख को

जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण रखते हैं। **अप्रैल ८, १७, २६** जन्म तिथि वाले लोगों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष ४, ८, १३, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ४९, ५३, ५८, ६२, ६७, ७६ होते हैं। ये ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१ तारीख में जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष लगाव रखते हैं। **अप्रैल ९, १८, २७** को जन्मे लोगों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष १, ९, १०, १८, १९, २७, २८ होते हैं। १, ९, १०, १८, १९, २७, २८ तारीख को जन्मे लोगों से लगाव होता है।

मई १, १०, १९, २८ तारीख वालों के लिए १, २, १०, ११, १५, १९, २१, २४, २८, २९, ३३, ३७, ३८, ४२, ४६, ४७, ५१, ५५, ५६, ६०, ६४, ६५, ६९ वर्ष महत्व के होते हैं। इनका १, २, ६ मूलांक वाली तारीखों को जन्मे लोगों के प्रति विशेष लगाव होता है। **मई २, ११, २०, २९** जन्म तिथि वाले लोगों के भाग्यशाली वर्ष २, ६, ७, ११, १५, १६, २०, २४, २५, २९, ३३, ३८, ४२, ५१, ५२, ५६, ६०, ६१, ६५, ६९ होते हैं। तारीख १, २, ६, ७, १०, ११, १५, १६, १९, २०, २४, २५, २८, २९ को जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष लगाव रखते हैं। **मई ३, १२, २१, ३०** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के ३, ६, १२, १५, २१, २४, ३०, ३३, ३९, ४२, ४८, ५१, ५७, ६०, ६६, ६९ वर्ष उत्कर्ष वाले होते हैं। ये ३, ६, १२, १५, २१, २४, ३० तारीख को जन्मे लोगों से विशेष लगाव रखते हैं। **मई ४, १३, २२, ३१** जन्म दिन वालों के महत्वपूर्ण वर्ष ४, ६, १३, १५, २२, २४, ३१, ४०, ४२, ४९, ५१, ५८, ६०, ६७, ६९ होते हैं। किसी भी माह को ४, ६, १३, १५, २२, २४, ३१ ता. को जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष लगाव रखते हैं। **मई ५, १४, २३** को जन्मे लोगों के लिए भाग्यशाली वर्ष ५, ६, १४, १५, २३, २४, ३२, ३३, ४१, ४२, ५०, ५१,-५९, ६०, ६८, ६९, ७७ होते हैं। तारीख ५, ६, १४, १५, २३, २४ को जन्मे लोगों के प्रति खास लगाव होता है। **मई ६, १५, २४** इनके भाग्यशाली वर्ष २, ६, १५, २०, २४, २९, ३३, ३८, ४२, ५१, ५६, ६०, ६५, ६९, ७८ होते हैं। २, ३, ६ मूलांक वाली तारीखों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष आकर्षण रखते हैं। **मई ७, १६, २५** को जन्मे व्यक्तियों को जीवन के २, ६, ७, ११, १५, १६, २०, २४, २५, २९, ३४, ३८, ४२, ४३, ४७, ५१, ५६, ६१, ६९वें वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। किसी माह की १, २, ४, ७, १०, ११, १३, १६, १९, २०, २२, २५, २८, ३१ तारीख को जन्मे व्यक्तियों से विशेष लगाव होता है। **मई ८, १७, २६** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के ४, ८, १३ १७, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ४९, ५३, ५८, ६२, ६७, ७१, ८० वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं और ४, ८, १३, १७, २२, २६ तारीख को जन्मे व्यक्तियों से विशेष आकर्षण होता है। **मई ९, १८, २७** को जन्मे व्यक्तियों के विशेष महत्वपूर्ण वर्ष ६, ९, १५, १८, २४, २, ३३, ३६, ४२, ४५, ५१, ५४, ६०,६ ३, ६९, ७२ होते हैं और ६, ९, १५, १८, २४, २७ तारीख को जन्मे व्यक्तियों से विशेष लगाव होता है।

जून १, १०, १९, २८ जन्मतिथि के लोगों के महत्वपूर्ण वर्ष १, ४, ५, १०, १३, १४, १९, २२, २३, २८, ३१, ३२, ३७, ४०, ४१, ४६, ५०, ५५, ५८, ५९, ६४, ६८, ७३ होते हैं तथा १, ४, ५, १०, १३, १४, १९, २२, २३, २८, ३१ तारीख को जन्मे व्यक्तियों से विशेष आकर्षण होता है। **जून २, ११, २०, २९** को जन्मे व्यक्तियों के २, ४, ५, ११, १३, १४, २०, २२, २३, २९, ३१, ३२, ३८, ४०, ४१, ४७, ४९, ५०, ५६, ५८, ५९, ६६, ६७, ६८ वर्ष महत्वपूर्ण होंगे। **जून ३, १२, २१, ३०** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष ३, ५, १२, १४, २१, २३, ३०, ३२, ३९, ४१, ४८, ५०, ५७, ५९, ६६, ६८, ७५ होते हैं। ये ३, ५, १२, १४, २१, २३, ३० तारीख को जन्मे लोगों के प्रति आकर्षण रखते हैं। **जून ४, १३, २२** को जन्मे व्यक्तियों के लिए जीवन के ४, ५, १३, १४, २२, २३, ३१, ३२, ४०, ४९, ५०, ५९, ६७ वर्ष भाग्यशाली होते हैं। ता. ४, ५, १३, १४, २२, २३, ३१ को जन्मे लोगों से विशेष लगाव होता है। **जून ५, १४, २३** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के ५, १४, २३, ३२, ४१, ५०, ६८, ६९ तथा ७७ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। ता. ५, १४, २३ को जन्मे व्यक्तियों से विशेष लगाव होता है। **जून ६, १५, २४** को जन्मे लोगों के जीवन के ५, ६, १४, १५, २३, २४, ३२, ३३, ४१, ४२, ५०, ५१, ५९, ६०, ६८, ७८ वर्ष भाग्यशाली होते हैं। ता. ५, ६, १४, १५, २३, २४ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष लगाव रखते हैं। **जून ७, १६, २५** को जन्मे लोगों के लिए २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५, ७० हैं। दि. २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ जन्मतिथि वाले लोगों से विशेष लगाव होता है। **जून ८, १७, २६** को जन्मे लोगों के ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ४९, ५३, ६२, ६७ वर्ष भाग्यशाली होते हैं। दि. २, ७, ११, १६, २०,२५, २९ जन्मतिथि वाले लोगों से विशेष लगाव होता है। **जून ९, १८, २७** को जन्मे लोगों के ५, ९, १४, १८, २३, २७, ३२, ३६, ४१, ४५, ५०, ५४, ५९, ६३, ६८ विशेष महत्व के होते हैं। दि. ५, ९, १४, १८, २३, २७ को जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष आकर्षित होते हैं।

जूलाई १, १०, १९, २८ जन्म तिथि वालों को १, २, ४, ७, १०, ११, १३, १६, १९, २०, २२, २५, २८, २९, ३१, ३४, ३७, ३८, ४०, ४३, ४७, ४९, ५२, ५५, ५६, ५८, ६१, ६४ वर्ष भाग्यशाली होते हैं। दि. १, २, ४, ७, १०, ११, १३, १६, १९, २०, २२, २५, २८, २९, ३१ को जन्मे लोगों से विशेष आकर्षण अनुभव करते हैं। **जुलाई २, ११, २०, २९** को जन्मे लोगों के वर्ष २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५, ७० अच्छे होते हैं। दि. १, २, ७, १०, ११, १६, १९, २०, २५, २८, २९ को जन्मे लोगों से विशेष लगाव होता है। **जुलाई ३, १२, २१, ३०** जन्मतिथि वालों को ३, १२, १६, २०, २१, २५, ३०, ३४, ३९, ४३, ४८, ५२, ५७, ६१ वर्ष भाग्यशाली होते हैं। दि. २, ३, ७ ११, १२, १६, २०, २१, २५, २९, ३० को जन्मे व्यक्तियों को ...

५८, ६२, ६७, ७१ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण अनुभव करते हैं। **जुलाई ५, १४, २३** को जन्मे लोगों को ५, १४, २३, ३२, ४१, ५०, ५९, ६८, ७७, ८६ वर्ष महत्व के होते हैं तथा ५, १४, २३ तारीख को जन्मे लोगों से लगाव होता है। **जुलाई ६, १५, २४** के लोगों के जीवन के २, ६, ७, ११, १५, १६, २०, २४, २५, २९, ३३, ३४, ३८, ४२, ४३, ४७, ५१, ५२, ५६, ६०, ६१, ६५, ६९, ७० वर्ष विशेष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ३, ६, ९, १२, १५, १८, २१, २४, २७, ३० को जन्मे लोगों से विशेष आकर्षण होता है। **जुलाई ७, १६, २५** वाले जन्म दिन के लोगों के लिए २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५, ७० तथा ७९वें वर्ष विशेष महत्व के होते हैं। दि. २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ को जन्मे लोगों से विशेष लगाव रखते हैं। **जुलाई ८, १७, २६** को जन्मे लोगों के लिए ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ४९, ५३, ५८, ६२, ६७वें वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं. **जुलाई ९, १८, २७** को जन्मे लोगों के लिए १, ९, १०, १८, १९, २७, २८, ३६, ४५, ४६, ५४, ५५, ६३, ६४, ७२वें वर्ष अति महत्वपूर्ण होते हैं तथा ८, ९, २७ तारीखों में जन्मे लोगों के प्रति विशेष अकर्षण होता है।

अगस्त १, १०, १९, २८ को जन्मे लोगों के लिए १, ४, १०, १३, १९, २२, २८, ३१, ३७, ४०, ४६, ४९, ५५, ५८, ६४, ६७, ७३, ७६ महत्वपूर्ण वर्ष होते हैं। ये दि. १, ४, १०, १३, १९, २२, २८, ३१ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण अनुभव करते हैं। **अगस्त २, ११, २०, २९** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५, ७० वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। इनके दि. २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ को जन्मे लोगों से विशेष लगाव रखते हैं। **अगस्त ३, १२, २१, ३०** को जन्मे लोगों के लिए १, ३, १०, १२, १९, २१, २८, ३०,३७, ३९, ४६, ४८, ५५, ५७, ६४, ६६ वर्ष भाग्यशाली होते हैं। **अगस्त ४, १३, २२, ३१** को जन्मे लोगों के लिए १, ४, १०, १३, १९, २२, २८, ३१, ३८, ४०, ४९, ५५, ५८, ६४, ७३ वर्ष विशेष महत्व के होते हैं। दि. ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१ को जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष रूप से आकर्षित होते हैं। **अगस्त ५, १४, २३** को जन्मे लोगों के लिए ५, १४, २३, ३२, ४१, ५०, ५९, ६८ वर्ष अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं तथा ५, १४, २३ तारीख को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **अगस्त ६, १५, २४** वाले लोगों को १, ६, १०, १५, १९, २४, २८, ३३, ३७, ४२, ४६, ५१, ५५, ६०, ६४, ६९ वर्ष महत्व के होते हैं। दि. १, ४, १०, १३, १९, २२, २८ को जन्मे व्यक्तियों से विशेष लगाव होता है। **अगस्त ७, १६, २३** को जन्मे लोगों के लिए २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५, ७०, ७४ वर्ष बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। दि. २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण ...

आर्यभट्ट पञ्चाङ्गम्

३१, ४०, ४९, ५८, ६७, ७६ विशेष महत्वपूर्ण होते हैं तथा ४, ८, १३ ... १७, २२, २६, ३१, ता. में जन्मे लोगों से विशेष आकर्षण होता है। ... भाग्यशाली होते हैं। दि ३, ६, १२, १५, २१, २४, ३० को जन्मे लोगों के ... लगाव होता है। **नवम्बर ७, १६, २५** को जन्मे लोगों के

३१, ४०, ४९, ५८, ६७, ७६ विशेष महत्वपूर्ण होते हैं तथा ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१, ता. में जन्मे लोगों से विशेष आकर्षण होता है। **अगस्त ९, १८, २७** को जन्मे लोगों के लिए ९, १८, २७, ३६, ४५, ५४, ६३, ७२ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. १, ९, १०, १८, १९, २७, २८ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण का अनुभव करते हैं।

सितम्बर १, ९, १०, १९, २८ को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के १, १०, १९, २८, ३७, ४६, ५५, ६४, ७३ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं तथा दि. १, २, ४, ७, ११, १३, १६, १९, २०, २२, २५, २८, २९, ३१ को जन्मे लोगों से विशेष आकर्षण होता है। **सितं. २, ११, २०, २९** जन्मदिन वालों को २, ११, २०, २९, ३८, ४७, ५६, ६५, ७४ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं तथा दि. २, ७, ११, १६, २०, २५ और २७ को जन्मे लोगों से विशेष आकर्षण अनुभव करते हैं। **सितं. ३, १२, २१, ३०** को जन्मे लोगों के ३, १२, २१, ३०, ४८, ५७, ६६, ७५ वर्ष महत्व के होते हैं। ३, ५, ६ मूलांक वाली तिथियों में जन्मे लोगों के प्रति आकर्षण का अनुभव करते हैं। सितं. ४, १३, २२ को जन्मे लोगों के जीवन के ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ४९, ५३, ५८, ६२, ६७, ७१ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ४, ८, १३, १७, २२, २६ को जन्मे लोगों से आकर्षण रखते हैं। **सितं. ५, १४, २३** को जन्मे लोगों के ५, १४, २३, ३२, ४१, ५०, ६८, ७७ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ५, १४, २३ को जन्मे लोगों के प्रति आकर्षण का अनुभव करते हैं। **सितं. ६, १५, २४** को जन्मे लोगों के जीवन के ५, ६, १४, १५, २३, २४, ३२, ३३, ४१, ४२, ५०, ५१, ५९, ६० वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ४, ५, ६, २३, २४, २५ को जन्मे लोगों से विशेष लगाव रखते हैं। **सितं. ७, १६, २५** को जन्मे लोगों के लिए २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५ विशेष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ को जन्मे लोगों से विशेष आकर्षण होता है। **सितं. ८, १७, २६** तिथि को जन्मे लोगों के जीवन के ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ४९, ५३, ५८, ६२ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं तथा दि. ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१ को जन्मे लोगों से विशेष लगाव होता है। **सितं. ९, १८, २७** को जन्मे लोगों के लिए ९, १८, २७, ३६, ४५, ५४, ६३, ७२, ८१ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ३, ६, ९ के क्रम में जन्मे लोगों से इनका विशेष लगाव होता है।

अक्टू. १, १०, १९, २८ को जन्मे लोगों के जीवन के १, ६, ८, १०, १५, १७, १९, २४, २६, २८, ३३, ३५, ३७, ४२, ४४, ५१, ५३, ५५, ६०, ६२, ७१ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. १, ४, ६, ८, १०, १३, १५, १७, १९, २२, २४, २६, २८, ३१ को जन्मे लोगों के प्रति आकर्षित होते हैं। **अक्टू. २, ११, २०, २९** को जन्मे लोगों के लिए २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५, ७० वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **अक्टू. ३, १२, २१, ३०** को जन्मे लोगों के लिए ३, ६, १२, १५, २१, २४, ३०, ३३, ३९, ४२, ४८, ५१, ६०, ६६, ६९ वर्ष भाग्यशाली होते हैं। दि. ३, ६, १२, १५, २१, २४, ३० को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **अक्टू. ४, १३, २२, ३१** को जन्मे लोगों के जीवन के ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ४९, ५३, ५८, ६२, ६७, ७१, ६७, ८० वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **अक्टू. ५, १४, २३** को जन्मे लोगों के जीवन के ५, १४, २३, ३२, ४१, ५०, ६८, ७७, ८६ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। ता. ५, ६, ८, १४, १५, १७, २३, २४ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **अक्टू. ६, १५, २४** को जन्मे लोगों के लिए ६, १५, २४, ३३, ४२, ५१, ६०, ६९ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दिनांक ६, १५, २४ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष लगाव होता है। **अक्टू. ७, १६, २५** को जन्मे लोगों के जीवन के उत्कर्ष वर्ष २, ७, ११, १६, २०, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४, ५२, ५६, ६१, ६५, ७० होते हैं। दि. २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण रखते हैं। **अक्टू. ८, १७, २६** को जन्मे लोगों के उत्कर्ष के ८, १७, २६, ३५, ४४, ५३, ६२, ७१ वर्ष होते हैं। दिनांक ८, १७, २६ को जन्मे लोगों से विशेष आकर्षण होता है। **अक्टू. ९, १८, २७** को जन्मे लोगों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष ९, १८, २७, ३६, ४५, ५४, ६३, ७२, ८१ होते हैं। दि. ६, १५, १८, २४, २७ को जन्मे लोगों से विशेष आकर्षण होता है।

नवम्बर १, १०, १९, २८ को जन्मे लोगों के लिए १, ४, १०, १३, १९, २२, २८, ३१, ३७, ४०, ४६, ५५, ५८, ६४, ६७, ७३ विशेष महत्व के होते हैं। दिनांक १, २, ४, ७, १०, ११, १३, १६, १९, २०, २२, २५, २८, २९, ३१ को जन्मे लोगों से विशेष लगाव होता है। **नवम्बर २, ११, २०, २९** को जन्मे लोगों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष २, ७, ११, १६, २५, २९, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ६१, ६५, ७० होते हैं। दिनांक २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **नवम्बर ३, १२, २१, ३०** को जन्मे लोगों के लिए ३, ९, १२, १८, २१, २७, ३०, ३६, ४८, ५४, ५७, ६३, ६६, ७२, ७५ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ३, १२, १८, २१, २७, ३० को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **नवम्बर ४, १३, २२** को जन्मे लोगों के जीवन के वर्ष ४, ८, १३, १७, १८, २२, २६, २७, ३१, ३५, ३६, ४०, ४४, ४५, ४९, ५३, ५४, ५८, ६२, ६३, ६७ और ७१ महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ४, ८, ९, १३, १७, १८, २२, २६, २७ को जन्मे लोगों के प्रति बहुत ही लगाव होता है। **नवं. ५, १४, २३** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के ५, ९, १४, १८, २३, २७, ३२, ३६, ४१, ४५, ५०, ५८, ६३, ६८, ७२ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ५, ९, १४, १८, २३, २७ को जन्मे व्यक्तियों के प्रति बहुत आकर्षित होते हैं। **नवम्बर ६, १५, २४** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के ६, ९, १५, १८, २४, २७, ३३, ३६, ४२, ४५, ५१, ५४, ६०, ६३, ६९ वर्ष अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ६, ९, १५, १८, २४, २७ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष लगाव होता है। **नवम्बर ७, १६, २५** को जन्मे लोगों के जीवन के २, ७, ११, १६, १८, २०, २५, २७, २९, ३४, ३६, ३८, ४३, ४५, ४७, ५२, ५४, ५६, ६१, ६३, ६५, ७०, ७२ वर्ष विशेष महत्व के होते हैं। इन लोगों का दिनांक २, ७, ११, १६, २०, २५, २९ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **नवम्बर ८, १७, २६** को जन्मे लोगों के ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१, ३५, ४०, ४४, ५३, ५८, ६२, ६७, ७१, ७६ वर्ष अत्यन्त महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१ को जन्मे लोगों से विशेष आकर्षित होते हैं। **नवं. ९, १८, २७** को जन्मे लोगों के ९, १८, २७, ३६, ४५, ५४, ६३, ७२ वर्ष बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। दिनांक ९, १८, २७ को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है।

दिसम्बर १, १०, १९, २८ को जन्मे लोगों के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष १, ७, १०, १६, १९, २४, २८, ३४, ३७, ४३, ४६, ५२, ५५, ६१, ६४, ७० होते हैं तथा १, ३, १०, १२, १९ २१, २८, ३० तारीख को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **दिसम्बर २, ११, २०, २९** को जन्मे लोगों के लिए २, ३, ७, ११, १२, १६, २१, २५, २९, ३०, ३४, ३८, ३९, ४३, ४७, ४८, ५२, ५७, ६१, ६५, ७० वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. २, ३, ७, ११, १२, १६, २०, २१, २५, २९, ३० को जन्मे लोगों से विशेष आकर्षण होता है। **दिसम्बर ३, १२, २१, ३०** को जन्मे लोगों के जीवन के ३, १२, २१, ३०, ३९, ४८, ५७,६६, ७५ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. ३, ६, ९, १२, १५, १८, २१, २४, २७, ३० को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **दि. ४, १३, २२, ३१** को जन्मे लोगों के जीवन के ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१,३५, ४०, ४४,४९, ५२, ५८, ६२, ६७, ७१ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दि. १, ३, ४, ८, १०, १२, १३, १७, १९, २१, २२, २६, २८, ३० को जन्मे लोगों से विशेष आकर्षण होता है। **दिसं. ५, १४, २३** को जन्मे लोगों के जीवन के ५, १४, २३, ३२, ४१, ५०, ५९, ६८, ७७ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। दिनांक ३, ६, १२, १४, २१, २३ को जन्मे लोगों के प्रति बहुत आकर्षित होते हैं। **दिसम्बर ६, १५, २४** को जन्मे लोगों के लिए ३, ६, १२, १५, २१, २४, ३०, ३३, ३९, ४२, ४८, ५१, ५७, ६०, ६६ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। **दिसम्बर ३, ६, ९, १२, १५, १८, २१, २४, २७, ३०** को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षित होते हैं। **दिसम्बर ७, १६, २५** को जन्मे व्यक्तियों के जीवन के २, ७, ११, १६, २०, २५, ३४, ३८, ४३, ४७, ५२, ५६, ७० वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। **दिसम्बर २, ७, ११, १६, २०, २५, २९** को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है। **दिसम्बर ८, १७, २६** को जन्मे लोगों के लिए ८, १७, २६, ३५, ४४, ५३, ६२, ७१, ८० वर्ष विशेष महत्वपूर्ण होते हैं। **दिसम्बर ४, ८, १३, १७, २२, २६, ३१** को जन्मे व्यक्तियों से विशेष लगाव होता है। **दिसम्बर ९, १८, २७** को जन्मे लोगों के लिए ९, १८, २७, ३६, ४५, ५४, ६३, ७२, ८१ वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। **दिसम्बर ३, ६, ९, १२, १५, १८, २१, २४, २७, ३०** को जन्मे लोगों के प्रति विशेष आकर्षण होता है।

विंशोत्तरी दशा गणित

ज्योतिषियों को फल कथन करने के लिए दशा गणित करने की आवश्यकता होती है। दशा तथा गोचर की सहायता से ही भविष्य कथन किया जाता है, इसके लिए जन्म समय पर किस ग्रह की कौन सी दशा चल रही है और उसकी कितनी अवधि समाप्त हो गई है तथा कितनी भोग्य रहती है। इसका यदि ठीक गणित नहीं किया गया तो भविष्य कथन भी अशुद्ध रहेगा, इसलिए यह आवश्यक है कि दशा का भोग्य ठीक निकाला जाए। परन्तु देखा गया है कि एक ही व्यक्ति की एक ही समय स्थान की एक से अधिक ज्योतिषियों द्वारा बनाई गई जन्मपत्री में दशा का भोग्य काल बहुधा एक जैसा नहीं मिलता। अधिकांश ज्योतिषीगण दशा का भुक्त भोग्य काल भयात भभोग के द्वारा निकालते हैं। भयात भभोग अर्थात् नक्षत्र का मान और जन्म समय तक नक्षत्र का कितना अंश व्यतीत हो गया है, इसको भयात भभोग कहते हैं। पंचांगों में नक्षत्र का मान घड़ी पलों में दिया रहता है और पंचांग जिस स्थान विशेष के अक्षांश पर बना होता है, नक्षत्र का घड़ी पलों का मान भी उसी स्थान के लिए होता है। अब ज्योतिषी को चाहिए कि जन्मपत्री बनाते समय वह तिथि, वार, नक्षत्र, योग, करण आदि सभी मानों को स्थानीय मान में परिवर्तित करके ही गणित करें, परन्तु अधिकांश ज्योतिषी ऐसा नहीं करते। इस कारण गणित में अन्तर रहता है। भयात भभोग से चन्द्रस्पष्ट की विधि हम यहां पर दे रहे हैं।

आजकल स्तरीय पंचांग चित्रा पक्षीय केतकी दृक् गणित पद्धति से बनाये जाते हैं। इनका गणित शुद्ध व सही माना जाता है, परन्तु अभी भी कुछ पंचांग पुरानी पद्धति से ही चिपके हुए हैं। पुरानी पद्धति से गणित करने पर काफी अन्तर आता है। २०-२५ वर्ष पहले के तो प्राय: सभी पंचांग पुरानी पद्धति पर ही बने हुए मिलते हैं। आजकल कुछ पंचांगों में तिथि नक्षत्र आदि का मान घंटे-मिनटों में भी दिया जाता है। यह घंटे-मिनटों का समय भारतीय स्टैण्डर्ड समय में होने से भारत के सभी स्थानों के लिए एक सा होता है और भयात भभोग यदि घड़ी पलों के स्थान पर इन घंटे-मिनटों के आधार पर बनाया जाए तो दशा गणित भारत के सभी स्थानों के लिए एक जैसा तथा सही आयेगा। जहां नक्षत्रादि का मान घड़ी पलों में दिया हो वहां उसे स्थानीय मान में परिवर्तित करके ही गणित करना चाहिए। पंचांग परिवर्तन पद्धति इस पंचांग में पृष्ठ ९८ पर दी हुई है। आर्यभट्ट पंचांग में तिथ्यादि का मान घंटे-मिनटों में भी दिया जाता है।

अन्तर्राष्ट्रीय वेधशाला ग्रीनविच से प्रतिदिन शून्यकाल के ग्रहस्पष्ट प्रसारित किये जाते हैं। यही ५-३० प्रात:काल के समय के ग्रहस्पष्ट भारत के लिए होते हैं। ग्रीनविच से भारत के समय का अन्तर साढ़े पांच घंटे का है। भारत के प्राय: सभी स्तरीय पंचांगों में यही ग्रहस्पष्ट दिये जाते हैं। आजकल कम्प्यूटरों से जन्मपत्री गणित भी इन्हीं पर आधारित होता है। प्राय: सभी प्रौढ़ ज्योतिषीगण दशा का भुक्त भोग्य भयात भभोग के स्थान पर चन्द्रमा के स्पष्ट राशि अंशों से निकालते हैं और कम्प्यूटर भी इसी पद्धति पर गणित करता है। इस प्रकार निकाली गई दशायें ठीक होती हैं। इसी तथ्य को ध्यान में रखकर चन्द्रस्पष्ट से विंशोत्तरी दशा का भोग्य निकालने से सहायता करने वाली एक विस्तृत सारिणी आर्यभट्ट पंचांग में सम्मिलित की गई है। इसकी सहयता से गणित शीघ्रता से व सरलता से की जाता है. इसको उदाहरण देकर समझाते हैं।

चन्द्र स्पष्ट

जन्मपत्री बनाते समय सभी ग्रहों के जन्म समय का स्पष्ट किया जाता है, दशा गणित के लिए चन्द्रमा का स्पष्ट करना आवश्यक होता है। पंचांग में प्रतिदिन का प्रात: ५-३० का चन्द्रस्पष्ट दिया रहता है। प्रात: ५-३० से जन्म समय तक कितने घंटे-मिनट बीत चुके हैं, यह जानने के लिए जन्म समय में से ५-३० घटाना होता है। दोपहर बारह बजे के बाद के घंटों में १२ जोड़कर और रात के बारह बजे के बाद के घंटों में २४ जोड़कर लिखते हैं। फिर उसमें से ५-३० घटाने से ५-३० प्रात: से जन्म समय तक की अवधि घंटे-मिनटों में प्राप्त हो जाती है। मान लो जन्म समय किसी भी महीने की १५ तारीख को ९-४५ रात्रि का है तो २१-४५ में से ५-३० घटाने पर १६ घंटा १५ मिनट अर्थात् ९७५ मि. भुक्त अवधि हुई। अब चन्द्रमा की एक दिन अर्थात् २४ घंटे या १४४० मिनट की गति ज्ञात की। १६ तारीख को ५-३० प्रात: के चन्द्रस्पष्ट में से १५ तारीख का चन्द्रस्पष्ट घटाने से चन्द्रमा की एक दिन की गति ज्ञात की जा सकती है।

	राशि	अंश	कला
१६ तारीख का चन्द्रस्पष्ट ५-३० प्रात:	६	२१	५४
१५ तारीख का चन्द्रस्पष्ट ५-३० प्रात:	६	१०	०२
२४ घंटे की गति	०	११	५२

११ अंश ५२ कला अर्थात् ७१२ कला

१४४० मिनट में चन्द्रमा की गति— ७१२ कला

तो ९७५ मिनट में चन्द्रमा की गति $\frac{७१२ \times ९७५}{१४४०}$

=६९४२००÷१४४०=४८२ कला =८ अंश २ कला

	राशि	अंश	कला
१५ तारीख ५-३० प्रात: का चन्द्रस्पष्ट	६	१०	०२
प्रात: ५-३० से रात्रि ९-४५ तक की गति	०	८	०२
१५ तारीख ९-४५ जन्म समय पर चन्द्रस्पष्ट	६	१८	०४

चन्द्रस्पष्ट की एक और सरल विधि निम्न प्रकार से भी है—

	राशि	अंश	कला
२४ घंटे की गति	०	११	५२
१२ घंटे की गति (२ से भाग किया)	०	५	५६
४ घंटे की गीत (३ से भाग किया)	०	१	५९
०-१५ घंटे की गति (१६ से भाग किया)	०	०	०७
१६-१५ घंटे की गति	०	८	०२
	+६	१०	०२
	६	१८	०४

चन्द्रमा की २४ घंटे की गति जन्म समय पर चन्द्रमा जिस राशि में हो उसी राशि में लेना चाहिए। यदि प्रात: ५-३० और जन्म समय के मध्य चन्द्रमा ने राशि बदल दी हो तो चन्द्रमा की गति उसी राशि की लेनी चाहिए। चन्द्रमा की गति प्रत्येक राशि में भिन्न होती है। चन्द्रमा एक राशि में सवा दो दिन रहता है. जिस दिन आगे-पीछे की तारीखों में चन्द्रमा जन्म की राशि में हो उनका ही

क्रमांक १

भयात भभोग निकालना-६० ।० में गत नक्षत्र के घटी-पल

क्रमांक १

चन्द्र स्पष्ट

सर्वर्क्ष	५३ ०	५३ ६	५३ ९	५३ १३	५३ १६	५३ २०	५३ २३	५३ २७	५३ ३०	५३ ३४	५३ ३८	५३ ४१	५३ ४५	५३ ४८	५३ ५	५३ ५६	५३ ५९	५४ ३	५४ ७	५४ १०
गति	१५ ५	१५ ४	१५ ३	१५ २	१५ १	१५ ०	१४ ५९	१४ ५८	१४ ५७	१४ ५६	१४ ५५	१४ ५४	१४ ५३	१४ ५२	१४ ५१	१४ ५०	१४ ४९	१४ ४८	१४ ४७	१४ ४६
सर्वक्ष	५४ १४	५४ १८	५४ २२	५४ २५	५४ २९	५४ ३२	५४ ३७	५४ ४०	५४ ४४	५४ ४८	५४ ५१	५४ ५५	५४ ५९	५५ ३	५५ ६	५५ ११	५५ १४	५५ १७	५५ २१	५५ २५
गति	१४ ४५	१४ ४४	१४ ४३	१४ ४२	१४ ४१	१४ ४०	१४ ३९	१४ ३८	१४ ३७	१४ ३६	१४ ३५	१४ ३४	१४ ३३	१४ ३२	१४ ३१	१४ ३०	१४ २९	१४ २८	१४ २७	१४ २६
सर्वर्क्ष	५५ २९	५५ ३३	५५ ३६	५५ ४०	५५ ४४	५५ ४८	५५ १२	५६ ५६	५६ ०	५६ ४	५६ ८	५६ १२	५६ १६	५६ २०	५६ २४	५६ २८	५६ ३२	५६ ३६	५६ ४०	५६ ४०
गति	१४ २५	१४ २४	१४ २३	१४ २२	१४ २१	१४ २०	१४ १९	१४ १८	१४ १७	१४ १६	१४ १५	१४ १४	१४ १३	१४ १२	१४ ११	१४ १०	१४ ९	१४ ८	१४ ७	१४ ६
सर्वर्क्ष	५६ ४८	५६ ५२	५६ ५६	५७ ०	५७ ४	५७ ८	५७ १२	५७ १६	५७ २०	५७ २४	५७ २८	५७ ३२	५७ ३६	५७ ४१	५७ ४५	५७ ५०	५७ ५४	५७ ५८	५८ २	५८ ६
गति	१४ ५	१४ ४	१४ ३	१४ २	१४ १	१४ ०	१३ ५९	१३ ५८	१३ ५७	१३ ५६	१३ ५५	१३ ५४	१३ ५३	१३ ५२	१३ ५१	१३ ५०	१३ ४९	१३ ४८	१३ ४७	१३ ४६
सर्वर्क्ष	५८ ११	५८ १५	५८ १९	५८ २३	५८ २८	५८ ३२	५८ ३६	५८ ४०	५८ ४५	५८ ४९	५८ ५४	५८ ५८	५९ ०	५९ ७	५९ ११	५९ १६	५९ २०	५९ २४	५९ २९	५९ ३३
गति	१३ ४५	१३ ४४	१३ ४३	१३ ४२	१३ ४१	१३ ४०	१३ ३९	१३ ३८	१३ ३७	१३ ३६	१३ ३५	१३ ३४	१३ ३३	१३ ३२	१३ ३१	१३ ३०	१३ २९	१३ २८	१३ २७	१३ २६
सर्वर्क्ष	५९ ३८	५९ ४२	५९ ४७	५९ ५१	५९ ५५	५९ ०	६० ४	६० ९	६० १३	६० १८	६० २२	६० २७	६० ३१	६० ३६	६० ४१	६० ४६	६० ५०	६० ५५	६० ५९	६१ ४
गति	१३ २५	१३ २४	१३ २३	१३ २२	१३ २१	१३ २०	१३ १९	१३ १८	१३ १७	१३ १६	१३ १५	१३ १४	१३ १३	१३ १२	१३ ११	१३ १०	१३ ९	१३ ८	१३ ७	१३ ६
सर्वर्क्ष	६१ ८	६१ १३	६१ १७	६१ २२	६१ २७	६१ ३२	६१ ३७	६१ ४१	६१ ४६	६१ ५१	६१ ५६	६२ १	६२ ६	६२ १०	६२ १५	६२ २०	६२ २५	६२ ३०	६२ ३५	६२ ३९
गति	१३ ५	१३ ४	१३ ३	१३ २	१३ १	१३ ०	१२ ५९	१२ ५८	१२ ५७	१२ ५६	१२ ५५	१२ ५४	१२ ५३	१२ ५२	१२ ५१	१२ ५०	१२ ४९	१२ ४८	१२ ४७	१२ ४६
सर्वर्क्ष	६२ ४४	६२ ४९	६२ ५४	६२ ५९	६३ ४	६३ ९	६३ १४	६३ १९	६३ २४	६३ २९	६३ ३४	६३ ३९	६३ ४४	६३ ४९	६३ ५४	६३ ०	६३ ५	६३ १	६४ १५	६४ २०
गति	१२ ४५	१२ ४४	१२ ४३	१२ ४२	१२ ४१	१२ ४०	१२ ३९	१२ ३८	१२ ३७	१२ ३६	१२ ३५	१२ ३४	१२ ३३	१२ ३२	१२ ३१	१२ ३०	१२ २९	१२ २८	१२ २७	१२ २६
सर्वर्क्ष	६४ २६	६४ ३१	६४ ३६	६४ ४१	६४ ४६	६४ ५२	६४ ५७	६५ ३	६५ ८	६५ १३	६५ १८	६५ २४	६५ २९	६५ ३४	६५ ४०	६५ ४५	६५ ५२	६५ ५६	६५ १	६६ ७
गति	१२ २५	१२ २४	१२ २३	१२ २२	१२ २१	१२ २०	१२ १९	१२ १८	१२ १७	१२ १६	१२ १५	१२ १४	१२ १३	१२ १२	१२ ११	१२ १०	१२ ९	१२ ८	१२ ७	१२ ६
सर्वर्क्ष	६६ १२	६६ १८	६६ २३	६६ २९	६६ ३४	६६ ४०	६६ ४६	६६ ५२	६६ ५९	६७ ५	६७ ११	६७ १८	६७ २३	६७ ३०	६७ ३७	६७ ४३	६७ ५०	६७ ५७	६८ ३	+ +
गति	१२ ५	१२ ४	१२ ३	१२ २	१२ १	१२ ०	११ ५९	११ ५८	११ ५७	११ ५६	११ ५५	११ ५४	११ ५३	११ ५२	११ ५१	११ ५०	११ ४९	११ ४८	११ ४७	+ +

चन्द्र स्पष्ट सारणी विधि-(१) भयात भभोग निकालना-६०।० में गत नक्षत्र के घटी-पल घटा देवें तथा वर्तमान नक्षत्र के घटी पल जोड़ देवें यह भभोग होगा, तथा ६।० में से घटाये अंकों के घटी पलों में इष्ट घटिका जोड़े तो भयात होगा। (२) भभोग के घटी पल अंकों को चन्द्र स्पष्ट सारणी क्रम १ में देखें, उसमें भभोग घटीपल अंक तुल्य या समकक्ष अङ्क के नीचे जो गति दी है, उससे भयात घटी पलों में गुणा करें, ६० के भाग से अंशात्मक ३ अंक लेवें, इनको गत नक्षत्र सारणी (चन्द्र स्पष्ट सारणी क्रम २) के अंकों में जोड़ देवें तो स्पष्ट चन्द्रमा होगा। (३) गति स्पष्ट विधि-चन्द्र स्पष्ट सारणी क्रम १ से प्राप्त जो गति है उसकी केवल कला को ६० से गुणा कर गुणनफल में गति के विकलांक जोड़ देवें यह चन्द्र स्पष्ट गति मध्यम मानेन स्पष्ट रहेगी।

क्रमांक २ **चन्द्र स्पष्ट साधक सारणी**

अश्विन	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिर	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्ले
०	०	१	१	२	२	३	३	४
१३	२६	१०	२३	६	२०	३	१६	०
२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०
मघा	**पू.फा.**	**उ.फा.**	**हस्त**	**चित्रा**	**स्वाति**	**विशाखा**	**अनुराधा**	**ज्येष्ठा**
४	४	५	५	६	६	७	७	८
१३	२६	१०	२३	६	२०	३	१६	०
२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०
मूल	**पू.षा.**	**उ.षा.**	**श्रवण**	**धनिष्ठा**	**शतभिषा**	**पू.भा.**	**उ.भा.**	**रेवती**
८	८	९	९	१०	१०	११	११	०
१३	२६	१०	२३	६	२०	३	१६	०
२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०

उदाहरण-यथा भभोग ६५।५० के नीचे दी गई चन्द्र गति १२।०९ को और भभात् १९।०३ को गुणा किया (१२।०९)×(१९।०३)=२३१°।२७'।२७" या ३°।५१'।२७" इनको गत नक्षत्र विशाखा का मान सारिणी से लेकर युक्त किया।

गुणनफल	=	३।५१।२७
गत नक्षत्र विशाखा का मान	=	७।०३।२०।००
चन्द्र स्पष्ट प्राप्त हुआ	=	७।०७।११।२७

चन्द्र गति १२।०९ में केवल अंश १२ को ६० से गुणा कर कला जोड़ दिया।

१२×६०=७२०+९=७२९ कला चंद्र गति हुई। गणितागत एवं इस विधि द्वारा चन्द्र स्पष्ट में विशेष अंश कलादि अंतरांश नहीं होने से जन्मपत्रादि हेतु यह सामग्री उपयुक्त तथा शीघ्र ही काम करने में सक्षम है। अब चंद्र स्पष्टता हेतु श्रम विशेष की आवश्यकता नहीं रही।

आपका चन्द्र स्पष्ट ६-१८-४ है, इससे विंशोत्तरी दशा का ज्ञान किस प्रकार होगा, यह समझाते हैं। चन्द्रमा तुला राशि में है इसलिए सारिणी के तीसरे कोष्ठक में जिसके ऊपर मिथुन, तुला व कुम्भ लिखा है वह देखना होगा। चन्द्रमा जिस राशि में हो उसी राशि से सम्बन्धित कोष्ठक को देखना चाहिए। प्रथम कोष्ठक में अंश कला दिए गए हैं। इसमें १८ अंश के सामने तुला राशि वाले तीसरे कोष्ठक में राहु की महादशा के २ वर्ष ८ मास १२ दिन भोग्य रहते हैं। हमारे उदाहरण का चन्द्रमा स्पष्ट ६-१८-०४ है। अब ४ कला के लिए हमें पूरक सारिणी में राहु दशा के अन्तर्गत ४ कला के सामने देखने पर ज्ञात हुआ कि ४ कला पर ३२ दिन का अन्तर आता है। जैसे-२ चन्द्रमा के अंश कला बढ़ते जाते हैं, दशा का भुक्त काल बढ़ता जाता है और भोग्य काल कम होता जाता है, अतएव २-८-१२ में से ०-१-२ घटा दिया। तो ६-१८-०४ स्पष्ट चन्द्र पर राहु की भोग्य दशा २-७-१० अर्थात् २ वर्ष ७ मास १० दिन निकली।

चन्द्रमा के राशि अंशों से विंशोत्तरी दशा का भोग्य बोधक सारिणी

चन्द्रमा के		चन्द्रमा राशि मेष, सिंह, धनु				चन्द्रमा राशि वृष, कन्या, मकर				चन्द्रमा राशि मिथुन, तुला, कुम्भ				चन्द्रमा राशि कर्क, वृश्चिक, मीन			
अंश	कला	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन
०	०	केतु	७	—	—	सूर्य	४	६	—	मंगल	३	६	—	गुरु	४	—	—
०	१०		६	१०	२९		४	५	३		३	४	२९		३	९	१८
०	२०		६	९	२७		४	४	६		३	३	२७		३	७	६
०	३०		६	८	२६		४	३	९		३	२	२६		३	४	२४
०	४०		६	७	२४		४	२	१२		३	१	२४		३	२	१२
०	५०		६	६	२३		४	१	१५		३	—	२३		३	—	—
१	०		६	५	२१		४	—	१८		२	११	२१		२	९	१८
१	१०		६	५	२०		३	११	२१		२	१०	२०		२	७	६
१	२०		६	३	१८		३	१०	२४		२	९	१८		२	४	२४
१	३०		६	२	१७		३	९	२७		२	८	१७		२	२	१२
१	४०		६	१	१५		३	९	—		२	७	१५		२	—	—
१	५०		६	—	१४		३	८	३		२	६	१४		१	९	१८
२	०		५	११	१२		३	७	६		२	५	१२		१	७	६
२	१०		५	१०	११		३	६	९		२	४	११		१	४	२४
२	२०		५	९	९		३	५	१२		२	३	९		१	२	१२
२	३०		५	८	८		३	४	१५		२	२	८		१	—	—
२	४०		५	७	६		३	३	१८		२	१	६		—	९	१८
२	५०		५	६	५		३	२	२१		२	—	५		—	७	६
३	०		५	५	३		३	१	२४		१	११	३		—	४	२४
३	१०		५	४	२		३	—	२७		१	१०	२		—	२	१२
३	२०		५	३	—		३	—	—		१	९	०	शनि	१९	०	०
३	३०		५	[illegible]	२०		२	११	३		१	[illegible]	२०		१८	[illegible]	[illegible]
३	४०	केतु	५	—	२७	सूर्य	२	१०	६	मंगल	१	६	२७	शनि	१८	६	९
३	५०		४	११	२६		२	९	९		१	५	२६		१८	३	१३
४	०		४	१०	२४		२	८	१२		१	४	२४		१८	०	१८
४	१०		४	९	२३		२	७	१५		१	३	२३		१७	९	२२
४	२०		४	८	२१		२	६	१८		१	२	२१		१७	६	२७
४	३०		४	७	२०		२	५	२१		१	१	२०		१७	४	१
४	४०		४	६	१८		२	४	२४		१	—	१८		१७	१	६
४	५०		४	५	१७		२	३	२७		—	१०	१७		१६	१०	१०
५	०		४	४	१५		२	३	—		—	१०	१५		१६	७	१५
५	१०		४	३	१४		२	२	३		—	९	१४		१६	४	१९
५	२०		४	२	१२		२	१	६		—	८	१२		१६	१	२४
५	३०		४	१	११		२	—	९		—	७	११		१५	१०	२८
५	४०		४	—	९		१	११	१२		—	६	९		१५	८	३
५	५०		३	११	८		१	१०	१५		—	५	८		१५	५	७
६	०		३	१०	६		१	९	१८		—	४	६		१५	२	१२
६	१०		३	९	५		१	८	२१		—	३	५		१४	११	१६
६	२०		३	८	३		१	७	२४		—	२	३		१४	८	२१
६	३०		३	७	२		१	६	२७		—	१	१		१४	५	२५
६	४०		३	६	—		१	६	—	राहु	१८	—	—		१४	३	—
६	५०		३	४	२९		१	५	३		१७	९	९		१४	—	४
७	०		३	३	२७		१	४	६		१७	६	१८		१३	९	९
७	१०		३	२	२६		१	३	९		१७	३	२७		१३	६	१३
७	२०		३	१	२४		१	२	१२		१७	१	६		१३	३	१८
७	३०		३	—	२३		१	१	१५		१६	१०	१५		१३	—	२२
७	४०		२	११	२१		१	०	१८		१६	७	२४		१२	९	२७
७	५०		२	१०	२०		—	११	२१		१६	५	३		१२	६	१
८	०		२	९	८		—	१०	२४		१६	२	१२		१२	४	६
८	१०		२	८	१७		—	९	२७		१५	११	२१		१२	१	१०
८	२०		२	७	१५		—	९	—		१५	९	—		११	१०	१५
८	३०		२	६	१४		—	८	३		१५	६	९		११	७	१९
८	४०		२	५	१२		—	७	६		१५	३	१८		११	४	२४
८	५०		२	४	११		—	६	९		१५	—	२७		११	१	२८
९	०		२	३	९		—	५	१२		१४	१०	६		१०	११	३

चन्द्रमा के	चन्द्रमा राशि मेष, सिंह, धनु	चन्द्रमा राशि वृष, कन्या, मकर	चन्द्रमा राशि मिथुन, तुला, कुम्भ	चन्द्रमा राशि कर्क, वृश्चिक, मीन	चन्द्रमा के	चन्द्रमा राशि मेष, सिंह, धनु	चन्द्रमा राशि वृष, कन्या, मकर	चन्द्रमा राशि मिथुन, तुला, कुम्भ	चन्द्रमा राशि कर्क, वृश्चिक, मीन

चन्द्रमा के		चन्द्रमा राशि मेष, सिंह, धनु				चन्द्रमा राशि वृष, कन्या, मकर				चन्द्रमा राशि मिथुन, तुला, कुम्भ				चन्द्रमा राशि कर्क, वृश्चिक, मीन			
अंश	कला	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन
९	२०	केतु	२	१	६	सूर्य	—	३	१८	राहु	१४	४	२४	शनि	१०	५	१२
९	३०		२	—	५		—	२	२१		१४	२	३		१०	२	१६
९	४०		१	११	३		—	१	२४		१३	११	१२		९	११	२१
९	५०		१	१०	२		—	—	२७		१३	८	२१		९	८	२५
१०	०		१	९	—	चन्द्र	१०	—	—		१३	६	—		९	६	—
१०	१०		१	७	२९		९	१०	१५		१३	३	९		९	३	४
१०	२०		१	६	२७		९	९	—		१३	—	१८		९	—	९
१०	३०		१	५	२६		९	७	१५		१२	९	२७		८	९	१३
१०	४०		१	४	२४		९	६	—		१२	७	६		८	६	१८
१०	५०		१	३	२३		९	४	१५		१२	४	१५		८	३	२२
११	०		१	२	२१		९	३	—		१२	१	२४		८	०	२७
११	१०		१	१	२०		९	१	१५		११	११	३		७	१०	१
११	२०		१	—	१८		९	—	—		११	८	१२		७	७	६
११	३०		—	११	१७		८	१०	१५		११	५	२१		७	४	१०
११	४०		—	१०	१५		८	९	—		११	३	—		७	१	१५
११	५०		—	९	१४		८	७	१५		११	—	९		६	१०	१९
१२	०		—	८	१२		८	६	—		१०	९	१८		६	७	२४
१२	१०		—	७	११		८	४	१५		१०	६	२७		६	४	२८
१२	२०		—	६	९		८	३	—		१०	४	६		६	२	३
१२	३०		—	५	८		८	१	१५		१०	१	१५		५	११	७
१२	४०		—	४	६		८	—	—		९	१०	२४		५	८	१२
१२	५०		—	३	५		७	१०	१५		९	८	३		५	५	१६
१३	०		—	२	३		७	९	—		९	५	१२		५	२	२१
१३	१०		—	१	१		७	७	१५		९	२	२१		४	११	२५
१३	२०	शुक्र	२०	—	—		७	६	—		९	—	—		४	९	—
१३	३०		१९	९	—		७	४	१५		८	१०	९		४	६	४
१३	४०		१९	६	—		७	३	—		८	६	१८		४	३	९
१३	५०		१९	३	—		७	१	१५		८	३	२७		४	—	१३
१४	०		१९	—	—		७	—	—		८	१	६		३	९	१८
१४	१०		१८	९	—		६	१०	१५		७	१०	१५		३	६	२२
१४	२०		१८	६	—		६	९	—		७	७	२४		३	३	२७
१४	३०		१८	३	—		६	७	१५		७	५	३		३	१	१
१४	४०		१८	—	—		६	६	—		७	२	१२		२	१०	६
१४	५०		१७	९	—		६	४	१५		६	११	२१		२	७	१०
१५	०		१७	६	—		६	३	—		६	९	—		२	४	१५

चन्द्रमा के		चन्द्रमा राशि मेष, सिंह, धनु				चन्द्रमा राशि वृष, कन्या, मकर				चन्द्रमा राशि मिथुन, तुला, कुम्भ				चन्द्रमा राशि कर्क, वृश्चिक, मीन			
अंश	कला	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन
१५	१०		१७	३	—	चन्द्र	६	१	१५	राहु	६	६	९	शनि	२	१	१९
१५	२०	शुक्र	१७	—	—		६	—	—		६	३	१८		१	१०	२४
१५	३०		१६	९	—		५	१०	१५		६	१	२७		१	७	२८
१५	४०		१६	६	—		५	९	—		५	१०	६		१	५	३
१५	५०		१६	३	—		५	७	१५		५	७	१५		१	२	७
१६	०		१६	—	—		५	६	—		५	४	२४		—	११	१२
१६	१०		१५	९	—		५	४	१५		५	२	३		—	८	१६
१६	२०		१५	६	—		५	३	—		४	११	१२		—	५	२१
१६	३०		१५	३	—		५	१	१५		४	८	२१		—	२	२६
१६	४०		१५	—	—		५	—	—		४	६	—	बुध	१७	—	—
१६	५०		१४	९	—		४	१०	१५		४	३	९		१६	९	१३
१७	०		१४	६	—		४	९	—		४	—	१८		१६	६	२७
१७	१०		१४	३	—		४	७	१५		३	९	२७		१६	४	१०
१७	२०		१४	—	—		४	६	—		३	७	६		१६	१	२४
१७	३०		१३	९	—		४	४	१५		३	४	१५		१५	११	७
१७	४०		१३	६	—		४	३	—		३	१	२४		१५	८	२१
१७	५०		१३	३	—		४	१	१५		२	११	३		१५	६	४
१८	०		१३	—	—		४	—	—		२	८	१२		१५	३	१८
१८	१०		१२	९	—		३	१०	१५		२	५	२१		१५	१	१
१८	२०		१२	६	—		३	९	—		२	३	—		१४	१०	१५
१८	३०		१२	३	—		३	७	१५		२	—	९		१४	७	२८
१८	४०		१२	—	—		३	६	—		१	९	१८		१४	५	१२
१८	५०		११	९	—		३	४	१५		१	६	२७		१४	२	२५
१९	०		११	६	—		३	३	—		१	४	६		१४	—	९
१९	१०		११	३	—		३	१	१५		१	१	१५		१३	१०	२२
१९	२०		११	—	—		३	—	—		—	१०	२४		१३	७	६
१९	३०		१०	९	—		२	१०	१५		—	८	३		१३	४	१९
१९	४०		१०	६	—		२	९	—		—	५	१२		१३	२	३
१९	५०		१०	३	—		२	७	१५		—	२	२१		१२	११	१६
२०	०		१०	—	—		२	६	—	गुरु	१६	—	—		१२	९	—
२०	१०		९	९	—		२	४	१५		१५	९	१८		१२	६	१३
२०	२०		९	६	—		२	३	—		१५	७	६		१२	३	२७
२०	३०		९	३	—		२	१	१५		१५	४	२४		१२	१	१०
२०	४०		९	—	—		२	—	—		१५	२	१२		११	१०	२४
२०	५०		८	९	—		१	१०	१५		१५	—	—		११	८	७

चन्द्रमा के		चन्द्रमा राशि मेष, सिंह, धनु				चन्द्रमा राशि वृष, कन्या, मकर				चन्द्रमा राशि मिथुन, तुला, कुम्भ				चन्द्रमा राशि कर्क, वृश्चिक, मीन			
अंश	कला	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन
२१	०	शुक्र	८	६	—	चन्द्र	१	९	—	गुरु	१४	९	१८	बुध	११	५	२१
२१	१०		८	३	—		१	७	१५		१४	७	६		११	३	४
२१	२०		८	—	—		१	६	—		१४	४	२४		११	०	१८
२१	३०		७	९	—		१	४	१५		१४	२	१२		१०	१०	१
२१	४०		७	६	—		१	३	—		१४	—	—		१०	७	१५
२१	५०		७	३	—		१	१	१५		१३	९	१८		१०	४	२८
२२	०		७	—	—		१	—	—		१३	७	६		१०	२	१२
२२	१०		६	९	—		—	१०	१५		१३	४	२४		९	११	२५
२२	२०		६	६	—		—	९	—		१३	२	१२		९	९	९
२२	३०		६	३	—		—	७	१५		१३	—	—		९	६	२२
२२	४०		६	—	—		—	६	—		१२	९	१८		९	४	६
२२	५०		५	९	—		—	४	१५		१२	७	६		९	१	१९
२३	०		५	६	—		—	३	—		१२	४	२४		८	११	३
२३	१०		५	३	—		—	१	१५		१२	२	१२		८	८	१६
२३	२०		५	—	—	मंगल	७	—	—		१२	—	—		८	६	—
२३	३०		४	९	—		६	१०	२९		११	९	१८		८	३	१३
२३	४०		४	६	—		६	९	२७		११	७	६		८	०	२७
२३	५०		४	३	—		६	८	२६		११	४	२४		७	१०	१०
२४	०		४	—	—		६	७	२४		११	२	१२		७	७	२४
२४	१०		३	९	—		६	६	२३		११	—	—		७	५	७
२४	२०		३	६	—		६	५	२१		१०	९	१८		७	२	२१
२४	३०		३	३	—		६	४	२०		१०	७	६		७	०	४
२४	४०		३	—	—		६	३	१८		१०	४	२४		६	९	१८
२४	५०		२	९	—		६	२	१७		१०	२	१२		६	७	१
२५	०		२	६	—		६	१	१५		१०	—	—		६	४	१५
२५	१०		२	३	—		६	—	१४		९	९	१८		६	१	२८
२५	२०		२	—	—		५	११	१२		९	७	६		५	११	१२
२५	३०		१	९	—		५	१०	११		९	४	२४		५	८	२५
२५	४०		१	६	—		५	९	९		९	२	१२		५	६	९
२५	५०		१	३	—		५	८	८		९	—	—		५	३	२२
२६	०		१	—	—		५	७	६		८	९	१८		५	१	६
२६	१०		—	९	—		५	६	५		८	७	६		४	११	१९
२६	२०		—	६	—		५	५	३		८	४	२४		४	८	३
२६	३०		—	३	—		५	४	२		८	२	१२		४	५	२६

चन्द्रमा के		चन्द्रमा राशि मेष, सिंह, धनु				चन्द्रमा राशि वृष, कन्या, मकर				चन्द्रमा राशि मिथुन, तुला, कुम्भ				चन्द्रमा राशि कर्क, वृश्चिक, मीन			
अंश	कला	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन	महादशा ग्रह	वर्ष	मास	दिन
२६	५०	सूर्य	५	११	३	मंगल	५	१	२९	गुरु	७	९	१८	बुध	४	—	१३
२७	०		५	१०	६		५	—	२७		७	७	६		३	९	२७
२७	१०		५	९	९		४	११	२६		७	४	२४		३	७	१०
२७	२०		५	८	१२		४	१०	२४		७	२	१२		३	४	२४
२७	३०		५	७	१५		४	९	२३		७	—	—		३	२	७
२७	४०		५	६	१८		४	८	२१		६	९	१८		२	११	२१
२७	५०		५	५	२१		४	७	२०		६	७	६		२	९	४
२८	०		५	४	२४		४	६	१८		६	४	२४		२	६	१८
२८	१०		५	३	२७		४	५	१७		६	२	१२		२	४	१
२८	२०		५	३	—		४	४	१५		६	—	—		२	१	१५
२८	३०		५	२	३		४	३	१४		५	९	१८		१	१०	२८
२८	४०		५	१	६		४	२	१२		५	७	६		१	८	१२
२८	५०		५	—	९		४	१	११		५	४	२४		१	५	२५
२९	०		४	११	१२		४	—	९		५	२	१२		१	३	९
२९	१०		४	१०	१५		३	११	८		५	—	—		१	—	२२
२९	२०		४	९	१८		३	१०	६		४	९	१८		—	१०	६
२९	३०		४	८	२१		३	९	५		४	७	६		—	७	१९
२९	४०		४	७	२४		३	८	३		४	४	२४		—	५	३
२९	५०		४	६	२७		३	७	२		४	२	१२		—	२	१७
३०	०		४	६	—		३	६	—		४	—	—		—	—	—

चन्द्र स्पष्ट से विंशोत्तरी दशा भोग्य बोधक पूरक सारिणी

कला	केतु ७ वर्ष		शुक्र २० वर्ष		सूर्य ६ वर्ष		चन्द्रमा १० वर्ष		मंगल ७ वर्ष		राहु १८ वर्ष		गुरु १६ वर्ष		शनि १९ वर्ष		बुध १७ वर्ष	
	मास	दिन	मास	दिन	मास	दिन	मास	दिन	मास	दिन	मास	दिन	मास	दिन	मास	दिन	मास	दिन
१	०	३	०	९	०	३	०	५	०	३	०	८	०	७	०	९	०	८
२	०	६	०	१८	०	५	०	९	०	६	०	१६	०	१४	०	१७	०	१५
३	०	९	०	२७	०	८	०	१४	०	९	०	२४	०	२२	०	२६	०	२३
४	०	१३	१	६	०	११	०	१८	०	१३	१	२	०	२९	१	४	१	१
५	०	१६	१	१५	०	१४	०	२३	०	१६	१	११	१	६	१	१३	१	८
६	०	१९	१	२४	०	१६	०	२७	०	१९	१	१९	१	१३	१	२१	१	१६
७	०	२२	२	३	०	१९	१	२	०	२२	१	२७	१	२०	२	०	१	२४
८	०	२५	२	१२	२	२२	१	६	०	२५	२	५	१	२८	२	८	२	१
९	०	२८	२	२१	०	२४	१	११	०	२८	२	१३	२	५	२	१७	२	[illegible]

आर्यभट्ट पञ्चाङ्गम्

विंशोत्तरी दशा पद्धति

भौम (मंगल) महादशा ७ वर्ष

141

विंशोत्तरी दशा पद्धति

ज्योतिष शास्त्र में भविष्य कथन के लिये अनेक प्रकार की दशाओं का वर्णन है। महर्षि पाराशर ने ही लगभग ४२ प्रकार की दशाओं का वर्णन किया है। इनमें केवल तीन प्रकार की दशायें ही आजकल प्रयोग में लाई जाती हैं। विंशोत्तरी दशा, अष्टोत्तरी दशा और योगिनी दशा। योगिनी दशा पद्धति में सभी ग्रहों की दशा की एक आवृत्ति ३६ वर्षों में होती है, अष्टोत्तरी में यह अवधि १०८ वर्ष है और विंशोत्तरी दशा पद्धति में १२० वर्ष। अष्टोत्तरी दशा दक्षिण भारत महाराष्ट्र आदि में, योगिनी दशा उत्तर भारत में विशेष रूप से प्रचलित है, विंशोत्तरी दशा पद्धति सर्वत्र सर्वाधिक प्रचलित है। मनुष्य की आयु १२० वर्ष मानकर यह दशा पद्धति बनाई गई है, यह तर्क भी दिया जाता है। परन्तु सूर्यादि नव ग्रहों की दशा अवधि की वर्ष संख्या तथा उनका क्रम वैज्ञानिक आधार पर किया गया है। इसका विस्तार में विवेचन हमारी पुस्तक ज्योतिष शिक्षा मध्यमा फलित में किया गया है।

ग्रहों की महादशा की अवधि पूर्ण वर्षों में होती है। यथा सूर्य ६, चन्द्रमा १०, मंगल ७, राहु १८, गुरु १६, शनि १९, बुध १७, केतु ७ और शुक्र २० वर्ष। किसी ग्रह की महादशा में पूर्ण अवधि तक उस ग्रह का प्रभाव तो रहता ही है। उस महादशा अवधि में सभी ग्रहों की अन्तर दशायें भी उसी क्रम से चलती हैं। यथा शुक्र की महादशा में प्रथम तीन वर्ष चार मास शुक्र की ही अन्तर दशा रहती है। अब यह ४० मास की अवधि में भी शुक्र का प्रभाव तो सर्वोपरि होता ही है अन्य सभी ग्रहों की प्रत्यन्तर दशायें भी चलती रहती हैं। इन्हीं प्रत्यन्तर दशाओं का ज्ञान कराने के लिए हम अपने पाठकों के लाभार्थ यह सारिणियां दे रहे हैं। इनका गणित कहीं-कहीं पलों तक भी दिया जाता है। परन्तु घड़ियों तक ही सीमित रखा है। शास्त्रों में प्रत्यन्तर दशा के भी सूक्ष्म दशा तथा प्राण दशा में भाग-विभाग किये गये हैं परन्तु व्यवहार में प्रत्यन्तर दशा तक का ही अधिक प्रचलन है। आजकल कम्प्यूटर से बनी जन्मपत्रियों में तो इसे दिनों तारीखों तक ही सीमित रखा गया है। घण्टों मिनटों सैकिण्डों अर्थात् घटी-पलों तक का गणित विशेष परिस्थितियों में ही किया जाता है। जन्म समय पर दशा का भुक्त भोग्य अर्थात् किस ग्रह की कितनी दशा भोग्य है, किस ग्रह की कौन सी अन्तर दशा का कौन सा प्रत्यन्तर कितना भोग्य है। यह गणित चन्द्रमा के स्पष्ट राशि अंशों से करना चाहिए। यह सारिणी इस पंचांग के पृष्ठ १३८ पर दी हुई है।

विंशोत्तरी महादशा चक्र

ग्रह	सू.	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.	के.	शु.
वर्ष	६	१०	७	१८	१६	१९	१७	७	२०

सूर्य महादशा ६ वर्ष

सूर्य की अन्तर दशा

ग्रह	सू.	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.	के.	शु.
वर्ष	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मास	३	६	४	१०	९	११	१०	४	०
दिन	१८	०	६	२४	१८	१२	६	६	०

सूर्य-सूर्य प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	सू.	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.	के.	शु.
मास	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दिन	५	९	६	१६	१४	१७	१५	६	१८
घ.	२४	०	१८	१२	२४	६	१८	१८	०

सूर्य-चन्द्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.
मास	०	०	०	०	०	०	०	१	०
दिन	१५	१०	२७	२४	२८	२५	१०	०	९
घ.	०	३०	०	०	३०	३०	३०	०	०

सूर्य-भौम प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.
मास	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दिन	७	१८	१६	१९	१७	७	२१	६	१०
घ.	२१	५४	४८	५७	५१	२१	०	१८	३०

सूर्य-राहु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	रा.	बृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.
मास	१	१	१	१	०	१	०	०	०
दिन	१८	१३	२१	१५	१८	२४	१६	२७	१८
घ.	३६	१२	१८	५४	५४	०	१२	०	५४

सूर्य-गुरु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	बृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.
मास	१	१	१	०	१	०	०	०	१
दिन	८	१५	१०	१६	१८	१४	२४	१६	१३
घ.	२४	३६	४८	४८	०	२४	०	४८	१२

सूर्य-शनि प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	बृ.
मास	१	१	०	१	०	०	०	१	१
दिन	२४	१८	१९	२७	१७	२८	१९	२१	१५
घ.	९	२७	५७	०	६	३०	५७	१८	३६

सूर्य-बुध प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.
मास	१	०	१	०	०	०	१	१	१
दिन	१३	१७	२१	१५	२५	१७	१५	१०	१८
घ.	२१	५१	०	१८	३०	५१	५४	४८	२७

सूर्य-केतु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.
मास	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दिन	७	२१	६	१०	७	१८	१६	१९	१७
घ.	२१	०	१८	३०	२१	५४	४८	५७	५१

सूर्य-शुक्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.	के.
मास	२	०	१	०	१	१	१	१	०
दिन	०	१८	०	२१	२४	१८	२७	२१	२१
घ.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

चन्द्रमा महादशा १० वर्ष

चन्द्र अन्तर दशा

ग्रह	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.
वर्ष	०	०	१	१	१	१	०	१	०
मास	१०	७	६	४	७	५	७	८	६
दिन	०	०	०	०	०	०	०	०	०

चन्द्र-चन्द्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.
मास	०	०	१	१	१	१	०	१	०
दिन	२५	१७	१५	१०	१७	१२	१७	२०	१५
घ.	०	३०	०	०	३०	३०	३०	०	०

चन्द्र-भौम प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.
मास	०	१	०	१	०	०	१	०	०
दिन	१२	१	२८	३	२९	१२	५	१०	१७
घ.	१५	३०	०	१५	४५	१५	०	३०	३०

चन्द्र-राहु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	रा.	बृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.
मास	२	२	२	२	१	३	०	१	१
दिन	२१	१२	२५	१६	१	०	२७	१५	१
घ.	०	०	३०	३०	३०	३०	०	०	०

चन्द्र-गुरु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	बृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.
मास	२	२	२	०	२	०	१	०	२
दिन	४	१६	८	२८	२०	२४	१०	२८	१२
घ.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

चन्द्र-शनि प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	बृ.
मास	३	२	१	३	०	१	१	२	२
दिन	०	२०	३	५	२८	१७	३	२५	१६
घ.	१५	४५	१५	०	३०	३०	१५	३०	०

चन्द्र-बुध प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.
मास	२	०	२	०	१	०	२	२	२
दिन	१२	२९	२५	२५	१२	२९	१६	८	२०
घ.	४५	४५	०	०	३०	४५	३०	०	४५

चन्द्र-केतु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.
मास	०	१	०	०	०	१	०	१	०
दिन	१२	५	१०	१७	१२	१	२८	३	२९
घ.	१५	०	३०	३०	१५	३०	०	१५	४५

चन्द्र-शुक्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.	के.
मास	३	१	१	१	३	२	३	२	१
दिन	१०	०	२०	५	०	२०	५	२५	५
घ.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

चन्द्र-सूर्य प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	सू.	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.	के.	शु.
मास	०	०	०	०	०	०	०	०	१
दिन	९	१५	१०	२७	२४	२८	२५	१०	०
घ.	०	०	३०	०	०	३०	३०	३०	०

भौम (मंगल) महादशा ७ वर्ष

भौम अन्तर दशा

ग्रह	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.
वर्ष	०	१	०	१	०	०	१	०	०
मास	४	०	११	१	११	४	२	४	७
दिन	२७	१८	६	९	२७	२७	०	६	०

भौम-भौम प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.
मास	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दिन	८	२२	१९	२३	२०	८	२४	७	१२
घ.	३४	४	३६	१६	५०	३४	३०	२१	१५

भौम-राहु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	रा.	बृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.
मास	१	१	१	१	०	२	०	१	०
दिन	२६	२०	२९	२३	२२	३	१८	१	२२
घ.	४२	२४	५१	३३	३	०	५४	३०	३

भौम-गुरु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	बृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.
मास	१	१	१	०	२	०	०	०	१
दिन	१४	२३	१७	१९	२६	१६	२८	१९	२०
घ.	४८	१२	३६	३६	०	४८	०	३६	२४

भौम-शनि प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	बृ.
मास	२	१	०	२	०	१	०	१	१
दिन	३	२६	२३	६	१९	३	२३	२९	२३
घ.	१०	३१	१७	३०	५७	१५	१७	५१	१२

भौम-बुध प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.
मास	१	०	१	०	०	०	१	१	१
दिन	२०	२०	२९	१७	२९	२०	२३	१७	२६
घ.	३४	५०	३०	५१	४५	५०	३३	३६	३१

भौम-केतु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.
मास	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दिन	८	२४	७	१२	८	२२	१९	२३	२०
घ.	३५	३०	२१	१५	३५	३	३६	१६	४९

भौम-शुक्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.	के.
मास	२	०	१	०	२	१	२	१	०
दिन	१०	२१	५	२४	३	२६	६	२९	२४
घ.	०	०	०	३०	०	०	३०	३०	३०

भौम-सूर्य प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	सू.	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.	के.	शु.
मास	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दिन	६	१०	७	१८	१६	१९	१७	७	२१
घ.	१८	३०	२१	५४	४८	५७	५१	२१	०

भौम-चन्द्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.
मास	०	०	१	०	१	०	०	१	०
दिन	१७	१२	१	२८	३	२९	१२	५	१०
घ.	३०	१५	३०	०	१५	४५	१५	०	३०

राहु महादशा १८ वर्ष

राहु अन्तर दशा

ग्रह	रा.	बृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.
वर्ष	२	२	२	२	१	३	०	१	१
मास	८	४	१०	६	०	०	१०	६	०
दिन	१२	२४	६	१८	१८	०	२४	०	१८

राहु-राहु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	रा.	बृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.
मास	४	४	५	४	१	५	१	२	१
दिन	२५	९	३	१७	२६	१२	१८	२१	२६
घ.	४८	३६	५४	४२	४२	०	३६	०	४२

राहु-गुरु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	बृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.
मास	३	४	४	१	४	१	२	१	४
दिन	२५	१६	२	२०	२४	१३	१२	२०	९
घ.	१२	४८	२४	२४	०	१२	०	२४	३६

राहु-शनि प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	बृ.
मास	५	४	१	५	१	२	१	५	४
दिन	१२	२५	२९	२१	२१	२५	२९	३	१६
घ.	२७	२१	५१	०	१८	३०	५१	५४	४८

राहु-बुध प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.
मास	४	१	५	१	२	१	४	४	४
दिन	१०	२३	३	१५	१६	२३	१७	२	२५
घ.	३	३३	०	५४	३०	३३	४२	२४	२१

राहु-केतु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.
मास	०	२	०	१	०	१	१	१	१
दिन	२२	३	१८	१	२९	२६	२०	२९	२३
घ.	३	०	५४	३०	३	४२	२४	५१	३३

राहु-शुक्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.
मास	६	१	३	२	५	४	५	५	२
दिन	०	२४	०	३	१२	२४	२१	३	३
घ	०	०	०	०	०	०	०	०	०

राहु-सूर्य प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.
मास	०	०	०	१	१	१	१	०	१
दिन	१६	२७	१८	१८	१३	२१	१५	१८	२४
घ.	१२	०	५४	३६	१२	१८	५४	५४	०

राहु-चन्द्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.
मास	१	१	२	२	२	२	१	३	०
दिन	१५	१	२१	१२	२५	१६	१	०	२७
घ.	०	०	३०	०	०	३०	३०	३०	०

राहु-भौम प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.
मास	०	१	१	१	१	०	२	०	१
दिन	२२	२६	२०	२९	२३	२२	३	१८	१
घ.	३	४२	२४	५१	३३	३	०	५४	३०

गुरु (बृहस्पति) महादशा १६ वर्ष

गुरु अन्तर दशा

ग्रह	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.
वर्ष	२	२	२	०	२	०	१	०	२
मास	१	६	३	११	८	९	४	११	४
दिन	१८	१२	६	६	०	१८	०	६	२४

गुरु-गुरु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.
मास	३	४	३	१	४	१	२	१	३
दिन	१२	१	१८	१४	८	८	४	१४	२५
घटी	२४	३६	४८	४८	०	२४	०	४८	१२

गुरु-शनि प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.
मास	४	४	१	५	१	२	१	४	४
दिन	२४	९	२३	२	१५	१६	२३	१६	१
घटी	२४	१२	१२	०	३६	०	१२	४८	३६

गुरु-बुध प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.
मास	३	१	४	१	२	१	४	३	४
दिन	२५	१७	१६	१०	८	१७	२	१८	९
घटी	३६	३६	०	४८	०	३६	२४	४८	१२

गुरु-केतु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.
मास	०	१	०	०	०	१	१	१	१
दिन	१९	२६	१६	२८	१०	२०	१४	२३	१७
घटी	३६	०	४८	०	३६	२४	४८	१२	३६

गुरु-शुक्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.
मास	५	१	२	१	४	४	५	४	१
दिन	१०	१८	२०	२६	२४	८	२	१६	२६
घटी	०	०	०	०	०	०	०	०	०

गुरु-सूर्य प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.
मास	०	०	०	१	१	१	१	०	१
दिन	१४	२४	१६	१३	८	१५	१०	१६	१८
घटी	२४	०	४८	१२	२४	३६	४८	४८	०

गुरु-चन्द्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.
मास	१	०	२	२	२	२	०	२	०
दिन	१०	२८	१२	४	१६	८	२८	२०	२४
घटी	०	०	०	०	०	०	०	०	०

गुरु-भौम प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.
मास	०	१	१	१	१	०	१	०	०
दिन	१९	२०	१४	२३	१७	१९	२६	१६	२८
घ.	६	२४	४८	१२	३६	३६	०	४८	०

गुरु-राहु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.
मास	४	३	४	४	१	४	१	२	१
दिन	९	२५	१६	२	२०	२४	१३	१२	२०
घ.	३६	१२	४८	२४	२४	०	१२	०	२४

शनि महादशा १९ वर्ष

शनि अन्तर दशा

ग्रह	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.
वर्ष	३	२	१	३	०	१	१	२	२
मास	०	८	१	२	११	७	१	१०	६
दिन	३	९	९	०	१२	०	९	६	१२

शनि-शनि प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.
मास	५	५	२	६	१	३	२	५	४
दिन	२१	३	३	०	२४	०	३	१२	२४
घ.	२८	२५	११	३०	९	१५	११	२७	२४

शनि-बुध प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.
मास	४	१	५	१	२	१	४	४	५
दिन	१७	२६	११	२८	२०	२६	२५	९	३
घ.	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

शनि-केतु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.
मास	०	२	०	१	०	१	१	२	१
दिन	२३	६	१९	३	२३	२९	२३	३	२६
घ.	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

शनि-शुक्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.
मास	६	१	३	२	५	५	६	५	२
दिन	१०	२७	५	६	२१	२	०	११	६
घटी	०	०	०	३०	०	०	३०	३०	३०

शनि-सूर्य प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.
मास	०	०	०	१	१	१	१	०	१
दिन	१७	२८	१९	२१	१५	२४	१८	१९	२७
घटी	६	३०	५७	१८	३६	९	२७	५७	०

शनि-चन्द्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.
मास	१	१	२	२	३	२	१	३	०
दिन	१७	३	२५	१६	०	२०	३	५	२८
घटी	३०	१५	३०	०	१५	४५	१५	०	३०

शनि-भौम प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.
मास	०	१	१	२	१	०	२	०	१
दिन	२३	२९	२३	३	२६	२३	६	१९	३
घटी	१७	५१	१२	१०	३१	१७	३०	५७	१५

शनि-राहु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.
मास	५	४	५	४	१	५	१	२	१
दिन	३	१६	१२	२५	२९	२१	२१	२५	२९
घटी	५४	४८	२७	२१	५१	०	१८	३०	५१

शनि-गुरु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.
मास	४	४	४	१	५	१	२	१	४
दिन	१	२४	९	२३	२	१५	१६	२३	१६
घटी	३६	२४	१२	१२	०	३६	०	१२	४८

बुध महादशा १७ वर्ष

बुध अन्तर दशा

ग्रह	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.
वर्ष	२	०	२	०	१	०	२	२	२
मास	४	११	१०	१०	५	११	६	३	८
दिन	२७	२७	०	६	०	२७	१८	६	९

बुध-बुध प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.
मास	४	१	४	१	२	१	४	३	४
दिन	२	२०	२४	१३	१२	२०	१०	२५	१७
घटी	४९	३५	३०	२१	१५	३५	३	३६	१६

बुध-केतु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.
मास	०	१	०	०	०	१	१	१	१
दिन	२०	२९	१७	२९	२०	२३	१७	२६	२०
घटी	५०	३०	५१	४५	५०	३३	३६	३१	३४

बुध-शुक्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.
मास	५	१	२	१	५	४	५	४	१
दिन	२०	२१	२५	२९	३	१६	११	२३	२९
घटी	०	०	०	३०	०	०	३०	३०	३०

बुध-सूर्य प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.
मास	०	०	०	१	१	१	१	०	१
दिन	१५	२५	१७	१५	१०	१८	१३	१७	२१
घटी	१८	३०	५१	५४	४८	२७	२१	५१	०

बुध-चन्द्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.
मास	१	०	२	२	२	२	०	२	०
दिन	१२	२९	१६	८	२०	१२	२९	२५	२५
घटी	३०	४५	३०	०	४५	१५	४५	०	३०

बुध-भौम प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.
मास	०	१	१	१	१	०	१	०	०
दिन	२०	२३	१७	२६	२०	२०	२९	१७	२९
घटी	५०	३३	३६	३१	३४	५०	३०	५१	४५

बुध-राहु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.
मास	४	४	४	४	१	५	१	२	१
दिन	१७	२	२५	१०	२३	३	१५	१६	२३
घटी	४२	२४	२१	३	३३	०	५४	३०	३३

बुध-गुरु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.
मास	३	४	३	१	४	१	२	१	४
दिन	१८	९	२५	१७	१६	१०	८	१७	२
घटी	४८	१२	३६	३६	०	४८	०	३६	२४

बुध-शनि प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.
मास	५	४	१	५	१	२	१	४	४
दिन	३	१७	२६	११	१८	२०	२६	२५	९
घटी	२५	१६	३२	३०	२७	४५	३२	२१	१२

केतु महादशा ७ वर्ष

केतु अन्तर दशा

ग्रह	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.
वर्ष	०	१	०	०	०	१	०	१	०
मास	४	२	४	७	४	०	११	१	११
दिन	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

केतु-केतु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.
मास	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दिन	८	२४	७	१२	८	२२	१५	२३	२०
घटी	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

केतु-शुक्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.
मास	२	०	१	०	२	१	२	१	०
दिन	१०	२१	५	२४	३	२६	६	२९	२४
घटी	०	०	०	३०	०	०	३०	३०	३०

केतु-सूर्य प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.
मास	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दिन	६	१०	७	१८	१६	१९	१७	७	२१
घटी	१८	३०	२१	५४	४८	५७	५१	२१	०

केतु-चन्द्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.
मास	०	०	१	०	१	०	०	१	०
दिन	१७	१२	१	२८	३	२९	१२	५	१०
घटी	३०	१५	३०	०	१५	४५	१५	०	३०

केतु-भौम प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.
मास	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दिन	८	२२	१९	२३	२०	८	२४	७	१२
घटी	३५	३	३६	१६	४९	३५	३०	२१	१५

केतु-राहु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.
मास	१	१	१	१	०	२	०	१	०
दिन	२६	२०	२९	२३	२२	३	१८	१	२२
घ.	४२	२४	५१	३३	३	०	५४	३०	३

केतु-गुरु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.
मास	१	१	१	०	१	०	०	०	१
दिन	१४	२३	१७	१९	२६	१६	२८	१९	२०
घ.	४८	१२	३६	३६	०	४८	०	३६	२४

केतु-शनि प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.
मास	२	१	०	२	०	१	०	१	१
दिन	३	२६	२३	६	१९	३	२३	२९	२३
घ.	१०	३१	१७	३०	५७	१५	१७	५१	१२

केतु-बुध प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.
मास	१	०	१	०	०	०	१	१	१
दिन	२०	२०	२९	१७	२९	२०	२३	१७	२६
घ	३४	५०	३०	५१	४५	५०	३३	३६	३१

शुक्र महादशा २० वर्ष

शुक्र अन्तर दशा

ग्रह	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.
वर्ष	३	१	१	१	३	२	३	२	१
मास	४	०	८	२	०	८	२	१०	२
दिन	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शुक्र-शुक्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.
मास	६	२	३	२	६	५	६	५	२
दिन	२०	०	१०	१०	०	१०	१०	२०	१०
घटी	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शुक्र-सूर्य प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.
मास	०	१	०	१	१	१	१	०	२
दिन	१८	०	२१	२४	१८	२७	२१	२१	०
घ.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शुक्र-चन्द्र प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.
मास	१	१	३	२	३	२	१	३	१
दिन	२०	५	०	२०	५	२५	५	१०	०
घ.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शुक्र-भौम प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.
मास	०	२	१	२	१	०	२	०	१
दिन	२४	३	२६	६	२९	२४	१०	२१	५
घ.	३०	०	०	३०	३०	३०	०	०	०

शुक्र-राहु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.
मास	५	४	५	५	२	६	१	३	२
दिन	१२	२४	२१	३	३	०	२४	०	३
घ.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शुक्र-गुरु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.
मास	४	५	४	१	५	१	२	१	४
दिन	८	२	१६	२६	१०	१८	२०	२६	२४
घ.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शुक्र-शनि प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.
मास	६	५	२	६	१	३	२	५	५
दिन	०	११	६	१०	२७	५	६	२१	२
घ.	३०	३०	३०	०	०	०	३०	०	०

शुक्र-बुध प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.
मास	४	१	५	१	२	१	५	४	५
दिन	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

शुक्र-केतु प्रत्यन्तर दशा

ग्रह	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.
मास	०	२	०	१	०	२	१	२	१
दिन	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

राहु दशा फल

तथा दीप्तादि अवस्था के भेद से भी फल में विशेषता होती है

ग्रह दशा फल

ग्रह दो प्रकार के हैं एक शुभ और दूसरा अशुभ। अत: प्रथम शुभ और अशुभ ग्रहों का सामान्यत: किस तरह का फल मिलता है यह ध्यान में लाना चाहिए।

शुभ ग्रह दशा फल—आरोग्य, धनवृद्धि, शत्रु पराजय, इष्ट कार्य की सिद्धि, ऐश्वर्य आदि सुख।

अशुभ ग्रह दशा फल—लोकोपवाद, विश्वासघात, द्रव्य हानि, रोग, आप्तवर्ग के सदस्यों की मृत्यु, वियोग और कार्य में हानि आदि।

ग्रह दशा का फल निश्चित करने से पूर्व प्रथम उस ग्रह की स्थिति का विचार नीचे लिखे अनुसार करना चाहिए।

१. ग्रह किस भाव वा राशि में हैं, उच्च अथवा नीच और शुभ अथवा अशुभ भाव में हैं।
२. ग्रह शुभ वा अशुभ ग्रह से युक्त या दृष्ट हैं अथवा नहीं।
३. महादशा के ग्रह से अन्तर्दशा का ग्रह किस स्थान में है और दोनों परस्पर शुभ योग करते हैं अथवा अशुभ फलदायी हैं।
४. महादशा का स्वामी और अन्तर्दशा का स्वामी परस्पर शत्रु हैं या मित्र और गोचर ग्रह, शत्रु फलदायी हैं अथवा अशुभ फलदायी हैं।

महादशा का स्वामी और अन्तर्दशा का स्वामी परस्पर शत्रु हों तो अधिक अशुभ, मित्र हों तो शुभ, सम हों तो साधारण फल मिलता है। इसी प्रकार जन्म दशा का स्वामी और गोचर ग्रह दोनों अनुकूल हों तो शुभ फल, प्रतिकूल हों तो अशुभ फल और एक अनुकूल दूसरा प्रतिकूल हो तो मध्यम फल मिलता है।

इस तरह प्रत्येक विषय अर्थात् भाग्योदय काल, विद्या, उद्योग व्यापार, नौकरी, धन लाभ आदि का विचार करने से योग्य फल मिल सकता है।

ग्रहों की दशा अन्तर्दशा आदि का फल कहते समय यदि गोचर में शुभ ग्रहों की दृष्टि महादशा, अन्तर्दशा और प्रत्यन्तर्दशा के स्वामियों पर हों तो कुछ अशुभ फलों का नष्ट होना सम्भव है। इसके विपरीत यदि अशुभ ग्रह से इन दशाओं के स्वामी युक्त वा दृष्ट हों अशुभ फल अधिक बढ़ेगा।

इस तरह किसी भी ग्रह का शुभ या अशुभ फल कुंडली के ग्रहों पर से ध्यान में आ सकता है।

१, ४, ७, १० यह केन्द्र स्थान हैं, ५, ९ यह त्रिकोण, ३, ६, ११ यह त्रिषड़ाय स्थान कहलाते हैं और २, ८, १२ आपोक्लिम स्थान कहलाते हैं।

कई आचार्यों के मत से—४, ७, १० केन्द्र, १, ५, ९ त्रिकोण और शेष स्थान ऊपरवत कहे हैं।

दशा फल कहने से पहले ग्रहों के शुभाशुभत्व में विशेषता देखनी चाहिए। ग्रहों में शुभाशुभत्व दो प्रकार से देखना चाहिए। एक तो स्वाभाविक, दूसरा तात्कालिक।

स्वाभाविक शुभाशुभ—सू.मं. शनि नैसर्गिक क्रूर तथा गुरु शुभ नैसर्गिक पूर्ण बली चन्द्रमा शुभ, क्षीण बली पापी होता है तथा राहु केतु सहचर्य से फलप्रद हैं।

और तात्कालिक शुभाशुभ इस प्रकार कहा है, त्रिकोण का स्वामी हो तो शुभ फलदायक होता है और यदि त्रिषड़ाय का स्वामी हो तो पाप फलदायक होता है।

इससे सिद्ध हुआ कि स्वभाविक पाप ग्रह भी त्रिकोणपति हो तो शुभ होता है तथा स्वभाविक शुभ ग्रह यदि त्रिकोणपति हो तो अत्यन्त शुभदायक होता है। इसी प्रकार स्वभाविक शुभ भी यदि त्रिषड़ायपति हो तो पाप फलदायक होता है। तथा स्वभाविक पाप ग्रह त्रिषड़ायपति हो तो अत्यन्त पाप फलदायक होता है।

इसी प्रकार यदि शुभ ग्रह (गुरु, शुक्र, बुध पूर्ण चन्द्र) केन्द्र के अधिपति हों तो प्राणियों को शुभाशुभ फल नहीं देते तथा पाप ग्रह (क्षीणचन्द्र, पापयुत बुध, रवि, शनि, मंगल) यदि केन्द्र के स्वामी हों तो अपने स्वभावानुसार पाप फल नहीं देते। अत: केन्द्र के स्वामी होने से शुभ ग्रह में पापत्व और पापग्रह में शुभत्व आ जाता है। इस से यह स्पष्ट है कि केन्द्राधिप न शुभ फल देता है और न अशुभ फल देता है।

लग्न से द्वादशेप तथा द्वितीयेप दूसरे ग्रहों के साहचर्य से तथा अपने स्थानान्तर (अन्य स्थानों) के अनुसार ही शुभ अथवा अशुभ दशा फल को देते हैं। इससे सिद्ध है कि व्ययेश और धनेश स्वभावानुसार शुभाशुभ फल नहीं देते। जिस प्रकार शुभ या अशुभ स्थान में रहते हैं, तथा जिस प्रकार के शुभ या अशुभ भावेश के साथ रहते हैं, अथवा जिस दूसरे स्थान के स्वामी हों वह राशि जैसी शुभ या अशुभ भाव में हो तदनुसार ही शुभ या अशुभ फल देते हैं। भावार्थ यह है कि द्वितीयेश आदि के साथ जो ग्रह रहता है वह तदनुसार ही फल देता है। यदि बहुत ग्रह साथ में हों तो उनमें जो बली हो तदनुरूप ही फल देता है।

तथा दीप्तादि अवस्था के भेद से भी फल में विशेषता होती है, यथा-दीप्त, स्वस्थ हर्षित और शान्त अवस्था बलि ग्रहों की दशा शुभ और अन्य अवस्था वालों की दशा अशुभ है।

शुभ ग्रहों का केन्द्राधिपत्य दोष जो कहा गया है वह गुरु और शुक्र का बलवान होता है। तथा शुभ ग्रहों के मारकत्व (सप्तमेशत्व) होने पर भी गुरु शुक्र में ही विशेषकर मारकत्व दोष होता है। इन दोनों में न्यून दोष बुध में और बुध से न्यून चन्द्रमा में होता है। अष्टमेष यदि त्रिकोणपति हो तो शुभ फलदायक और यदि त्रिषड़ायपति हो तो अत्यन्त अशुभ फलदायक होगा।

इसी प्रकार यदि पाप ग्रह केन्द्र पति हो तो उसका स्वभाविक पापत्व मात्र नष्ट होता है। अत: केन्द्रपति होकर यदि त्रिकोणपति भी हो जावे तो उसमें शुभत्व आ जाता है। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि स्वभाविक पाप ग्रह यदि केन्द्रपति होकर त्रिषड़ायपति हो तो पापकारक हो जाता है।

प्रबल होने पर भी राहु और केतु जिस भाव में और जिस-जिस भावेश के साथ रहते हैं उसी के अनुसार शुभ या अशुभ फल देते हैं। जैसे कहा है—

यद्यद्भावगतै वाऽपि यद्यदभावेश संयुतै। ततत्फलानि प्रबलौ प्रदर्शितातमौ ग्रहौ॥

योग—केन्द्रेश और त्रिकोणेश में परस्पर सम्बन्ध हो किसी अन्य भाव के स्वामी से यह वास न हो तो विशेषकर शुभ लाभदायक होते हैं।

ग्रहों की दीप्तादि अवस्था

ग्रह अपनी उच्चराशि में हो तो दीप्त अपनी राशि में स्वस्थ, मित्र राशि में हर्षित, शुभ राशि में शान्त, नीच राशि में दीन, शत्रु राशि में पीड़ित, उदय राशि में शक्त, अस्तंगत राशि में लुप्त अवस्था होती है।

ग्रहावस्था फल—दीप्त अवस्था सुस्वरूप, कांतिमान्, बुद्धिमान तीनों में जाने वाला और शत्रु का नाश करने वाला। **स्वस्थ अवस्था**—विजयी, राजपूजित, कीर्तिमान, सदा प्रसन्न, मलकीयत कराने वाला व ज्योतिषी। **हर्षित अवस्था**—धर्मात्मा, सदाचारी। **शान्त अवस्था**—तेजस्वी, शान्त, बंधनमुक्त। **दीन अवस्था**—बुद्धिहीन, पर स्त्री आसक्त। **पीड़ित अवस्था**—चिंता युक्त, मानसिक दु:ख, रोगी। **शक्त अवस्था**—निरोगी, सुन्दर, मधुर भाषी, प्रशंसनीय। **लुप्त अवस्था**—अधर्मी, रोगी, शत्रु पीड़ित।

नोट—जन्म समय के ग्रहों की अवस्था के अनुसार प्रत्येक मनुष्य को आजन्म सुख या दु:ख मिलता है।

ग्रहों की शान्ति हेतु सप्तवार व्रत विधि

यदि किसी जातक की जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रह की स्थिति हो अथवा अशुभ ग्रह की दशा अन्तर्दशा चल रही हो तो निम्नलिखित विधि अनुसार अनिष्ट ग्रह की शान्ति हेतु व्रत रखने से कल्याण होगा।

रविवार के व्रत की विधि— समस्त कामनाओं की सिद्धि नेत्र रोग और कुष्ठादि चर्म व्याधियों के नाश एवं आयु व सौभाग्य की वृद्धि के लिए रविवार का व्रत किया जाता है। यह व्रत शुक्ल पक्ष के प्रथम रविवार से प्रारम्भ करके एक वर्ष पर्यन्त अथवा कम से कम बारह व्रत करें। व्रत के दिन केवल गेहूं की रोटी अथवा गुड़ से बना दलिया घी शक्कर के साथ भक्षण करें। भोजन से पूर्व स्नानान्तर शुद्ध वस्त्र धारण करके **"ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः" बीज** मन्त्र का पाठ पांच माला करें। फिर रविवार कथा पढ़ें। तत्पश्चात् सूर्य को गन्धाक्षत, लाल फूल, दूर्वायुक्त जल से निम्न मंत्र पढ़ते हुए अर्घ्य दें। **नमः सहस्त्रकिरण सर्वव्याधि विनाशन। गृहाणार्घ्यं मया दत्तं संज्ञया सहितो रवे॥** फिर प्रदक्षिणा करके लाल चन्दन का तिलक लगाएं। अन्तिम रविवार को हवन के पश्चात् ब्राह्मण दम्पत्ति को भोजन कराकर यथाशक्ति लाल वस्त्र फल पुष्पादि एवं दक्षिणा से प्रसन्न करें।

सोमवार के व्रत की विधि— यह व्रत श्रावण, चैत्र, बैशाख, कार्तिक या मार्गशीर्ष के महीनों के शुक्ल पक्ष के प्रथम सोमवार से प्रारम्भ करें। इस व्रत को पांच वर्ष, चौदह वर्ष अथवा सोलह सोमवार पर्यन्त श्रद्धा के साथ विधिपूर्वक करें। चैत्र शुक्लाष्टमी तिथि आर्द्रा नक्षत्र सोमवार को अथवा श्रावण मास के प्रथम सोमवार को प्रारम्भ करने का विशेष महात्म्य है। व्रतारम्भ करने वाले स्त्री पुरुष को चाहिए कि प्रातःकाल जल में कुछ काले तिल डालकर स्नान करें। स्नानान्तर "ॐ नमः शिवाय" आदि शिव मन्त्रों द्वारा तथा श्वेत फूलों, सफेद चन्दन, पंचामृत, अक्षत, सुपारी, फल, गंगाजल, बिल्व पत्रादि से शिव-पार्वती का पूजन करें और पूजनोपरान्त ब्राह्मण को दान दक्षिणा देकर स्वयं भोजन करें। भोजन एक समय नमकरहित होना चाहिये। व्रत का उद्यापन भी उपरोक्त महीनों में करना श्रेयस्कर होता है। उद्यापन में दशमांश जप का हवन करके सफेद पदार्थ, दूध, दही, क्षीर, चांदी सफेद फलों का दान करना चाहिए। यह व्रत करने से मानसिक शान्ति, धन पुत्रादि सुखों की प्राप्ति होती है। सर्व प्रकार के कष्टों की निवृत्ति होती है।

मंगलवार के व्रत की विधि— सर्वप्रकार के सुखों, रक्त विकार, शत्रुदमन, स्वास्थ्य रक्षा, पुत्र प्राप्ति के लिए मंगलवार का व्रत उत्तम है। यह व्रत शुक्ल पक्ष के प्रथम मंगलवार से प्रारम्भ करके २१ सप्ताह तक अथवा यथा शक्ति जीवन पर्यन्त रखें। इस व्रत में गेहूं और गुड़ सहित भोजन करें। भोजन नमक रहित एक समय ही करना चाहिए। इस व्रत से मंगल ग्रह के अरिष्ट दोष भी शान्त हो जाते हैं। व्रत में श्री हनुमान जी की लाल पुष्पों, फलों, ताम्र वर्तन व नारियल द्वारा पूजा व दान करना चाहिए तथा श्री हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। भौम ग्रह की शान्ति के लिए **'ॐ क्रां, क्रीं, क्रौं सः भौमाय नमः'** की ५ मालाएं करनी चाहिए और गुड़, पीले लड्डुओं व लाल वस्त्र दान करना चाहिए।

बुधवार के व्रत की विधि— बुधवार का व्रत बुध ग्रह की शान्ति तथा धन, बुद्धि, विद्या और व्यापार में वृद्धि हेतु किया जाता है। यह व्रत विशाखा नक्षत्र कालीन बुधवार को प्रारम्भ करके सात अथवा हर बुधवार का करें। व्रत के दिन स्नानोपरान्त हरे वस्त्र पहिनकर श्री विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ तथा ग्रह शान्ति के लिए बीजमंत्र **'ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः'** का पाठ करना चाहिए। इस दिन एक समय नमक रहित भोजन, घी, मूंग अथवा मूंग की दाल से बने मिष्ठान्न का दान करें तथा स्वयं भी इन्हीं वस्तुओं का भक्षण करें। अन्तिम बुधवार मधुसर्पी, दधि और घृत के साथ हवन करें और हरे वस्त्र, दो फल और मूंग का दान करें। गाय को हरा घास डालें।

वृहस्पतिवार के व्रत की विधि— यह व्रत गुरु ग्रह की शान्ति तथा वैवाहिक सुखों, विद्या, पुत्र संतान एवं धन प्राप्ति के लिए श्रेष्ठ है। यह व्रत शुक्ल पक्ष के प्रथम गुरुवार को अनुराधा नक्षत्र हो उस दिन से प्रारम्भ करें। यह व्रत १३ मास अथवा सात मास तक रख सकते हैं। व्रत के दिन स्नानोपरान्त पीले वस्त्र, पीला यज्ञोपवीत धारण करके बृहस्पति की पूजा स्वयं अथवा श्रेष्ठ ब्राह्मण द्वारा करवानी चाहिए। पादुका, उपानह, छाता, कमण्डलु रखें, पीले रंग के पुष्प, चने की दाल, पीले कपड़े, पीला चन्दन, हल्दी व पीले चावल, लड्डू आदि का भोग लगाना चाहिए। दान करके ही स्वयं एक समय भोजन करें। नमक का प्रयोग न करें। इस दिन केले के वृक्ष का पूजन शुभ होता है। गुरु शान्ति के लिए **'ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः'** मंत्र की ५ माला का जाप करें। उद्यापन में दशमांश भाग का २८ समिधा व मधु सर्पी, घृत, दधि के साथ हवन करना चाहिए।

शुक्रवार के व्रत की विधि— यह व्रत धन, विवाह, संतानादि भौतिक सुखों को देने वाला है। श्रावण मास के प्रथम शुक्रवार को प्रारम्भ करने से विशेष रूप से लक्ष्मी की कृपा रहती है। व्रत के दिन स्नानोपरान्त सफेद वस्त्र धारण करके श्री लक्ष्मी देवी की धूप, दीप, श्वेत चन्दन, चावल, श्वेत पुष्प, चीनी, सुपारी से पूजा करके बच्चों में श्वेत मिठाई, क्षीर, फलादि बांट दें। ग्रह शान्ति के लिए **'ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः'** की तीन माला का पाठ करें। स्वयं भी एक समय क्षीरादि श्वेत वस्तुओं का सेवन करें। नमक न प्रयोग करें। उद्यापनोपरान्त हवनादि के पश्चात् ब्राह्मण बालकों को क्षीर चावलादि से युक्त भोजन कराने तथा श्वेत वस्त्र, खाण्ड, चावल, चाँदी, फलादि सफेद पदार्थों का दान करें।

शनिवार के व्रत की विधि— यह व्रत शनि ग्रह की अरिष्ट शान्ति तथा जीर्ण रोग, शत्रुभय, आर्थिक संकट, मानसिक संताप का निवारण करता है, धन धान्य और व्यापार में वृद्धि करता है। यह व्रत शुक्ल पक्ष के शनिवार विशेषकर श्रावण मास लौह निर्मित शनि की प्रतिमा को पंचामृत से स्नान कराकर धूप गंध, नीले पुष्प, फल और नैवेद्य आदि से पूजन करें और **'ॐ शं शनैश्चराय नमः'** मंत्र की तीन माला का जाप करें, व्रत के दिन नीले वस्त्र धारण करें। एक वर्तन में शुद्ध जल, काले तिल, नीले पुष्प, लौंग, तेल, गंगाजल, दूध डालकर पश्चिम दिशा की ओर अभिमुख होकर पीपल वृक्ष की जड़ में डाल दें। तत्पश्चात् शिवोपासना करें। १९ शनिवार करने के बाद उद्यापन के समय शनि स्त्रोत का पाठ जूते, जुराब, नीले रंग का वस्त्र, काले माश, चाकू और तेल से निर्मित वस्तुओं का दान किसी वृद्ध ब्राह्मण को दें और स्वयं भी उड़दादि तथा तैल निर्मित पदार्थों का सेवन करें। **राहु की शान्ति के लिए** भी शनिवार का व्रत उपरोक्त विधि अनुसार करें। और दान में नारियल, भूरा कम्बल या वस्त्र दें तथा पक्षियों को बाजरा डालना चाहिए। राहु के बीज मंत्र का पाठ करना श्रेयकर होता है।

केतु ग्रह की शान्ति हेतु— केतु के बीज मंत्र **'ॐ स्त्रां स्त्रीं स्त्रौं सः केतवे नमः'** की पांच माला का जाप तथा पूजा मंगलवार के व्रत जैसे करनी चाहिए।

सप्तधान्य (सतनजा)— १ काले माश (उड़द), २. मूंग, गेहूं, चने, जौ, चावल, कंगनी।

अष्टगंध— अगर, तगर, कस्तूरी, कुंकुम, कपूर, चन्दन, लौंग और गोरोचन।

अथ सूर्यादिग्रहाणां भावानुसार गोचर फलम्

सर्पी, घृत, दधि के साथ हवन करना चाहिए।

अष्टगंध — अगर, तगर, कस्तूरी, कुंकुम, कपूर, चन्दन,

अथ सूर्यादिग्रहाणां भावानुसार गोचर फलम्

ग्रहाः	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
सूर्यः	स्थानांतर	भयं	श्रीः	मानभंग	दैत्य	विजयः	मार्गःगमन	पीड़ाः	सुकृ नाश	सिद्धिः	धनलाभ	द्रव्यनाश
चन्द्रः	धनलाभ	सन्तोष	सुखं	रोगः	ज्ञानवृ.	धनलाभ	स्त्रीलाभ	रोगः	धर्मलाभ	सोख्यं	धनलाभ	धनहानि
भौमः	शत्रुभय	धनहानि	धनलाभ	शत्रुभीः	पुत्रकष्ट	धनलाभ	स्त्रीकष्ट	शत्रुभय	शत्रुपीड़ा	शोक	धनलाभ	धनहानि
बुधः	सुख	धनलाभ	शत्रुभय	पशुलाभ	सुखं	स्थानलाभ	पीड़ा	धनलाभ	पीड़ा	सौख्यं	धनलाभ	धनहानि
गुरुः	भयं	धनलाभ	क्लेश	धनलाभ	सुखं	शोकः	राजमान्य	पीड़ा	सौख्यं	दैन्यं	धनलाभ	पीड़ा
शुक्रः	शत्रुनाश	धनलाभ	सौख्यं	धनलाभ	पुत्रलाभः	शत्रुभय	शोकः	धनलाभ	वस्त्रलाभ	दुखः	धनलाभ	धनलाभ
शनिः	भयं	धनहानि	ऐश्वर्य	शत्रु भीः	पुत्र कष्टं	धनलाभ	दोषः	पीड़ा	धर्मनाश	दौर्मन	धनलाभ	धनलाभ
राहुः	हानिः	धनहानि	धनलाभ	वैरं	शोकः	श्रीः	कलहः	मृत्यु	दुःखं	वैरं	सुखं	शोकः
केतुः	रोगः	वैर	सुखं	भयं	सुखं	धमलाभ	कलहः	रोगः	पाप	शोकः	कीर्तिः	शत्रुभय

अथ वर्षकुण्डल्यां तन्वादिभावस्थ ग्रह फलम्

ग्रहाः	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
सूर्यः	चिन्ता	नृपभीः	धनलाभ	हानिः	कष्टम्	शत्रुना.	पीड़ा	कष्टम्	धर्म नाश	सुखं	धनलाभ	पीड़ा
चन्द्रः	पीड़ा	धनलाभ	हर्षः	शत्रुनाश	सुखम्	पीड़ा	कष्टम्	दुःखम्	भाग्योदय	विजयः	धनलाभ	व्यग्रः
भौमः	प्रणाः	धननाश	जयः	व्यसनं	दुर्मति	शत्रुना.	स्त्रीकष्ट	पीड़ा	पुण्योदय	राज्य लाभ	धनलाभ	विरोध
बुधः	सौख्यम्	धनलाभ	सुखम्	द्रव्यलाभ	पुत्रलाभ	कलह	धनलाभ	व्यग्रता	सुखम्	मान लाभ	सुखलाभं	रोगः
गुरुः	सुखम्	धनलाभ	जयः	वाह.लाभ	पुत्रः प्राप्ति	कष्टम्	सुखम्	रोगः	धर्म लाभ	राज्य लाभ	धन लाभ	शोकः
शुक्रः	मानप्रा.	धनप्राप्ति	कीर्तिला	सुख लाभ	धनलाभ	शभु भीः	स्त्रीसुख	कष्टम्	धर्मोदय	मान लाभ	क्षेम लाभ	व्यय
शनिः	बातार्ति	पीड़ा	धनलाभ	दुःखम्	पुत्रपीड़ा	जयः	स्त्रीकष्ट	रोगः	भाग्य हानि	धनहानि	धन लाभ	चिन्ता
राहुः	शिरोर्ति	राजभीः	सुखम्	दुःखम्	बुद्धिनाश	शत्रुना.	रोगभीः	कष्टम्	धर्म हानि	विजयः	सुलाभं	व्याधि
केतुः	चिन्ता	क्लेशः	आरोग्य	राजभीः	दुर्बुद्धिः	सुखम्	क्लेशः	पीड़ा	भाग्य नाश	धन लाभ	लाभः	शोकः
मुंथा	सुखम्	यशोऽर्थः	पुष्टिः	दुःखम्	सुखाप्तिः	कष्टम्	व्यसनं	दुखम्	भाग्योदय	राज्य प्राप्ति	लाभः	कष्टम्

अथ पुरुषजन्म कुण्डल्यां तन्वादिभावस्थ ग्रह फलम्

ग्रहाः	तनुः १	धनं २	भ्रातः ३	सुखं ४	पुत्रः ५	शत्रुः ६	स्त्री ७	मृत्युः ८	धर्मः ९	कर्मः १०	लाभः ११	व्ययः १२
सूर्यः	शूरः	धनी	सुखी	दुखी	अपुत्रः	बली	स्त्रीजित्	अल्पायुः	सुखी	शूरः	धनी	पतितः
चन्द्रः	जड़ः	कुटुम्बी	क्रूरः	सुशीलः	पुत्रवान्	अल्पायुः	ईर्ष्यालुः	रोगी	सुभगः	धीरः	ख्यातः	हीनांग
भौमः	व्रणीः	कुटिलः	विक्रमी	पीड़ितः	अपुत्रः	शत्रुजित्	स्त्रीपीड़ा	रोगी	पापात्मा	सुखी	धनाढ्या	पतितः
बुधः	विद्वान्	धनी	दुर्जनः	सुखी	मंत्री	दुःशील	धर्मज्ञः	गुणी	पुत्रवान्	विक्रमी	धनी	जड़ः
गुरुः	चिरायुः	धनी	कृपणः	सुखी	प्रतापी	कामी	प्रसिद्धः	अल्पायुः	पुत्रवान्	सुकृतिः	धनी	दरिद्रः
शुक्रः	सुखी	धनी	पापी	सुखी	धीमान्	रोगी	क्रोधी	नीचः	प्रतापी	सुमतिः	धनाढ्यः	खलः
शनिः	रोगी	वक्ता	विक्रमी	दुःखी	दरिद्रः	सुखी	दुःखी	नेत्ररोगी	सुखी	पराक्रमी	धनी	दुःखी
राहुः	रोगी	विरोधी	विक्रमी	दुःखी	दुर्भगः	बली	अशुजिः	गतायुः	दैन्यं	मानी	ख्यातः	पतितः
केतुः	अल्पायुः	धर्म हानि	शूरः	दुःखी	अपुत्रः	बली	दारहा	क्लेशी	पापी	अधर्मी	धनी	दुर्जनः

अथ स्त्रीजन्म कुण्डल्यां तन्वादिभावस्थ ग्रह फलम्

ग्रहाः	तनुः १	धनं २	भ्राता ३	सुखं ४	पुत्रः ५	शत्रुः ६	पति ७	मृत्युः ८	धर्मः ९	कर्म १०	लाभः ११	व्ययः १२
सूर्यः	सक्रोधा	निर्धना	सुपुत्रा	सपीड़ा	अपुत्रा	धनाढ्या	दुःखार्त्ता	विधवा	धर्मिष्ठा	सती	सधना	सक्रोधा
चन्द्रः	अल्पायुः	सधना	सुखिनी	दुर्भगा	सुपुत्रा	रोगिणी	पति प्रीति	दुःखार्त्ता	सुखिनी	धन्या	गुणिनी	हीनांगी
भौमः	दुःखार्त्ता	वन्ध्या	अभ्रातृ	दुःखिनी	अपुत्रा	नीरोगा	विधवा	कुलटा	दुःखिनी	कुपुत्रा	सुधर्मा	दुष्टा
बुधः	सुभगा	धनाढ्या	सुखिनी	सुगृहा	सुबुद्धिः	सक्रोधा	सती	कृतघ्ना	सुधर्मा	सुधर्मा	सुलाभा	कृशांगी
गुरुः	सती	सधना	भ्रातृम.	सुखिनी	साध्वी	सापदा	सुकीर्ति	रोगिणी	पुत्राढ्या	सुभगा	सुरूपा	सद्व्यया
शुक्रः	सुखिनी	सहर्षा	धनाढ्या	सुकीर्त्ति	सुसुता	दरिद्रा	पतिप्रि.	प्रमत्ता	सुपुण्या	सुकर्मा	सुपुत्रा	सद्व्यया
शनिः	वन्ध्या	निर्धना	दक्षा	हृद्रोगा	अपुत्रा	सुगुणा	विधवा	दुःखार्त्ता	वन्ध्या	पापा	सुलाभा	मूढ़ा
राहुः	अपुत्रा	दरिद्रा	धनाढ्या	रोगार्त्ता	अपुत्रा	धनाढ्या	दुःखार्त्ता	क्लेशिनी	वन्ध्या	कुकर्मा	सुभगा	खला
केतुः	दुःखार्त्ता	शोकार्त्ता	रोगाढ्या	मातृहीना	विपुत्रा	धनाढ्या	विधवा	सदुःखा	शोकार्ता	पापा	सुभगा	सरोगा

फलित में परमोपयोगी ग्रह-दृष्ट्यादि विवरण-चक्र

ग्रह और उनके चिह्न	रवि	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
ग्रहों की एक-पाद दृष्टि	३-१०	३-१०	३-१०	३-१०	३-१०	३-१०	०	३-१०	३-१०
दो-पाद दृष्टि	५-९	५-९	५-९	५-९	०	५-९	५-९	५-९	५-९
तीन-पाद दृष्टि	४-८	४-८	०	४-८	४-८	४-८	४-८	४-८	४-८
सम्पूर्ण दृष्टि	७	७	४-७-८	७	५-७-९	७	३-७-१०	७	७
नक्षत्र-दृष्टि	५-१५	१५	७-८-१०-१५	९-१२-१५	१०-१५-१९	९-१२-१५	३-५-१५-१९	९-१५	९-१५
मित्र-ग्रह	च.म.गु.	र.बु.	र.चं.गु.	र.शु.रा.	र.चं.मं.	बु.श.रा.	बु.शु.रा.	बु.शु.श.	बु.
सम-ग्रह	बु.	मं.गु.शु.श.	शु.श.	मं.गु.श.	श.रा.	मं.गु.	मं.	गु.	×
शत्रु-ग्रह	शु.श.रा.	रा.	बु.रा.	चं.	बु.शु.	र.चं.	र.चं.मं.	र.चं.मं.	×
बलवत्तम भाव	दशम	चतुर्थ	दशम	प्रथम	प्रथम	चतुर्थ	सप्तम	×	×
कारक भाव	१-९-१०	४	३-६	४-१०	२-५-९-१०-११	७	६-८-१०-१२	×	×
उच्चराशि एवं परमोच्चांश	मेष १०°	वृषभ ३°	मकर २८°	कन्या १५°	कर्क ५°	मीन २७°	तुला २०°	मिथु.१५°	धनु१५°
नीचराशि एवं परम नीचांश	तुला १०°	वृश्चिक ३°	कर्क २८°	मीन १५°	मकर ५°	कन्या २७°	मेष २०°	धनु १५°	मिथुन १५°
मूल त्रिकोण राशि, अंश	सिंह २०°	ष४°से ३०°	मेष १८	कं.१६°से२०°	धनु१३°	तुला१०°	कुम्भ २०°	कर्क	मकर
स्वगृह- (राशि)	सिंह	कर्क	मेष वृश्चिक	मि., कन्या	धनु, मीन	वृष, तुला	म. कुम्भ	कन्या	मीन
हर्ष-स्थान	९	३	६	१	११	५	१२	×	×
शत्रु-राशियां	२-६-७-१०-११	६	३-६-६-७	४	२-३-	४-५	१-४-५-८	१-४-५-८	×
स्वगृह से सप्तम (अस्त) राशि	११	१०	२-७	९-१२	३-६	१-८	४-५	१२	६
विंशो. दशा-नक्षत्र व वर्ष	कृ., उ.षा., उ.फा. ६	रो., ह., श्र. १०	मृ., चि., ध. ७	आश्लेषा, ज्ये. रे. १७	पुन. वि., पू. भा. १६	म.पू.फा., पू.षा. २०	पुष्य, अनु., उ.भा. १९	आर्द्रा, स्वा., शत. १८	अश्विनी, भ. मू. ७
ग्रहों के भाग्योदयकारी वर्ष	२२	२४	२८	२	१६	२५	३६	४२	४२
दिशा	पूर्व	वायव्य	दक्षिण	उत्तर	ईशान	आग्नेय	पश्चिम	नैऋत्य	नैऋत्य
कुण्डली-भाव-दिशा	१	५-६	१०	४	२-३	११-१२	७	८-९	८-९
राशि चक्र-परिभ्रमण वर्ष	१	०-०-७४	१-९	०-२	११-९	०-६	२९-५	१८-६	१८-६
मध्यम राशि-भ्रमण-काल	१ मास	२१ दिन	१॥ मास	२५ दिन	१३ मास	२८ दिन	३० मास	१८ मास	१८ मास
नक्षत्र-चार-दिन	१३	१	२०	१०	१७३	१२	४००	२४०	२४०
नक्षत्र-पाद (नवांश) चार-दिन	३¼	¼	५	२½	४३	३	१००	६०	६०
मध्यम दिनगति, कला, विकला	५९'-८"	७९०'-३५"	३१'-२७"	५९'-८"	४'-५९"	५९'-८"	२'-०"	३'-११"	३'-११"
शीघ्र गति, कला, विकला	६०'-४"	८२३'-४८"	३९'-१"	१०४'-४६"	१२'-२२"	७३'-४३"	५'-२७"	×	×
परमशीघ्र गति (अतिचारी)	६१'	८५७'	४६'-११"	११३'-३२"-	१४'-४"	७५'-४२"	७'-४५"	×	×
अतिचार-दिन (स्थूल)	×	×	१५	१०	४५	१०	१८०	×	×
सन् ८३ का मध्यम ग्रह (विक्षेप) नव्य मत	×	५°-८'-४३".४३	१°५०'-५९".४	७°-०'-१५".९	१°-१८'-१४".४	३°-२३'-४०".१	२°-२९'-२१".३	×	×
गोचर से निंद्य	४-८-१२	४-८-१२	४-८-१२	४-८-१२	४-८-१२	४-८-१२	४-८-१२	×	×
गोचर से पूज्य	१-२-५-७-९	२-५-९	१-२-५-७-९	१-३-५-७-९	१-३-६-१०	५-६-७-१०	१-२-५-७-९	४-८-१२	४-८-१२
गोचर से शुद्ध	३-६-१०-११	१-३-६-७-१०-११	३-६-१०-११-	२-६-१०-११	२-५-७-९-११	१-२-३-९-११	३-६-१०-११	१-२-५-७-९	१-२-५-७-९
अनुक्रम से वेध स्थान	९-१२-४-५ शनि वर्जित	५-९-१२-२-४-८ बुध वर्जित	१२-९- १०-५	५-१-८-१२ चन्द्र वर्जित	१२-४-३-१०-८	८-७-१-११-३	१२-९-१०-५ सूर्य वर्जित	३-६-१०-११ १२-९-१०-५	३-६-१०-११ १२-९-१०-५

टिप्पणी— चन्द्रमा शुक्लपक्ष में २,५,९वें स्थानों में भी शुभ होता है, यदि क्रमशः ६,८,४ स्थान में बुध के सिवा अन्य ग्रह न हों। ग्रह जिस दिशा का स्वामी है, यात्रा-कालिक कुण्डली [illegible]

१. मंग

	बुध		शुक्र		चंद्र
१. मूंग २. हरितवस्त्र ३. सुवर्ण ४. कांस्य ५. मृगमद ६. आज्य ७. पंचरत्न ८. दासी ९. हस्तिदंत	ईशान्यांबाणाकारमंडल अं. ४ मगधदेश आत्रेयसगोत्र पीतवर्ण कन्यामिथुन को स्वामी जप ४०००	१. चित्रांबर २. श्वेताश्व ३. धनु ४. हीरा ५. रौप्य ६. सुवर्ण ७. तंदुल ८. सुगंध ९. धृत	पूर्वे पचकोणमंडल वृषतुलाक स्वामी भोजकूट देश भार्गवसगोत्र श्वेतवर्ण जप १६०००	१. वशपात्र २. तंदुल ३. कर्पूर ४. मौक्तिक ५. श्वेतवस्त्र ६. वृषभ ७. रौप्य ८. घृतकुंभ ९. शंख	आग्नेयां चतुरस्त्रमंडल अं. ४ यमुनातीर देश आत्रेयसगोत्र श्वेतवर्ण कर्कको स्वामी जप १६०००
	गुरु		**रवि**		**मंगल**
१. अश्व २. शर्करा ३. हलद ४. पीतधान्य ५. पीतवस्त्र ६. पुष्पराग ७. लवण ८. कांचन	उ. दाघचतुरस्त्रमंडल अगुल ६ सिंधुदशाद्भव आंगिरसगोत्र पी. व. धनु मीन का स्वामी जप १९०००	१. माणिक २. गेहूं ३. धेनु ४. कुसुंभ ५. गुड़ ६. ताम्र ७. रक्तवस्त्र ८. रक्तपुष्प ९. सुवर्ण	मध्यवतुलमंडल अ. १२ कलिंगदशाद्भव काश्यपस गोत्र रक्तवर्ण सिंह को स्वामी जप ७०००	१. प्रस्त्रल २. गेहूं ३. मसूर ४. ताम्रवस्त्र ५. गुड़ ६. सुवर्ण ७. ताम्र ८. कण्हेर ९. वृषभ	द. त्रिकोणमंडल अं. ३ अवंतीदेशद्भव भारद्वाजसगोत्र रक्तवर्ण वृश्चिकमेषे को स्वा. जप १००००
	केतु		**शनि**		**राहु**
१. वैडूर्य २. तिल ३. कंबल ४. कस्तूरी ५. शस्त्र ६. कृष्णवस्त्र ७. तैल ८. कृष्णपुष्प ९. छाग १०. लाहपात्र	वाय. ध्वजाकारमंडल केतु अंगलु ६ अवेतिदेश जैमिनिसगोत्र धूम्रवर्ण जप १७०००	१. माष २. तिल ३. तैल ४. कुलित्थ ५. महिषी ६. लोहू ७. कृष्णागौ ८. इंद्रनील ९. श्यामवस्त्र	प. धनुर कारमंडल अं. २ सौराष्ट्र देश काश्यपस गोत्र मकरकुंभको स्वा. कृ. व. जप २३०००	१. गोमेदरत्न २. अश्व ३. नीलवस्त्र ४. कंबल ५. तिल ६. तैल ७. लोह ८. अंभ्रक	नैर्ऋत्या शूर्पाकारमंडल अं. १२ काश्मीरदेश पठानसगोत्र कष्णावर्ण जप १८०००

ग्रहाः	गोचराद्येर्दशाक्रमाद्यैर्ग्रहकृतानिष्टफलशमनार्थं प्रत्येकग्रहाणां दानपदार्थाः												जप सं.	जपनीय मंत्राः	समय	समिधः
सूर्य	माणिक	सुवर्ण	ताम्र	गेहूं	गुड़	घी	रक्तवस्त्र	रक्तपुष्प	केसर	मूंगा	रक्त गौ	रक्तचंदन	७०००	ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः	सु. उ.	अर्क
चन्द्र	मोती	सुवर्ण	रजत	चावल	मिसरी	दही	श्वेतवस्त्र	श्वेतपुष्प	शंख	कपूर	श्वेत बैल	श्वेतचंदन	११०००	ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्रमसे नमः	संध्या	पलाश
भौम	मूंगा	सुवर्ण	ताम्र	मसूर	गुड़	घी	रक्तवस्त्र	रक्तकनेर	केसर	कस्तूरी	रक्त बैल	रक्तचंदन	१००००	ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः	घ. २	खदिर
बुध	पन्ना	सुवर्ण	कांसी	मूंग	खांड	घी	हरावस्त्र	सर्वपुष्प	हाथीदांत	कपूर	शस्त्र	फल	९०००	ॐ ब्राँ ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः	घ. ५	अपामार्ग
गुरु	पुखराज	सुवर्ण	कांसी	दालचणे	खांड	घी	पीतवस्त्र	पीतपुष्प	हल्दी	पुस्तक	घोड़ा	पीतफल	१९०००	ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः	संध्या	अश्वत्थ
शुक्र	हीरा	सुवर्ण	रजत	चावल	मिसरी	दूध	श्वेतवस्त्र	श्वेतपुष्प	सुगन्ध	दधि	श्वेत घोड़ा	श्वेतचंदन	१६०००	ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः	सू. उ.	उदुम्बर
शनि	नीलम	सुवर्ण	लोहा	उड़द	कुलथी	तेल	कृष्णवस्त्र	कृष्णपुष्प	कस्तूरी	कृष्ण गौ	भैंस	उपानह	२३०००	ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः	संध्या	शमी
राहु	गोमेद	सुवर्ण	सीसा	तिल	सरसों	तेल	नीलवस्त्र	कृष्णपुष्प	खड्ग	कंबल	घोड़ा	शूर्प	१८०००	ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः	रात्रौ	दूर्वा
केतु	लसनी	सुवर्ण	लोहा	तिल	सप्तधान्य	तेल	धूम्रवस्त्र	धूम्रपुष्प	नारियल	केबल	बकरा	शस्त्र	१७०००	ॐ स्रां स्रीं स्रौं सः केतवे नमः	रात्रौ	कुशा
मुन्था	मोती	सुवर्ण	कांसी	चावल	सुवर्ण	घी	श्वेतवस्त्र	श्वेतपुष्प	कपूर	मिसरी	श्वेतचंदन	हाथीदांत	मुंथेशवत्	मुन्थेश मन्त्र	मुन्थेशकाले	

अथ ग्रहाणां विंशोत्तरी महादशायामन्तर्दशाज्ञानाय चक्रमिदम्

सूर्य दशा वर्ष ६				चन्द्र दशा वर्ष १०				भौम दशा वर्ष ७			
कृ. उ.फा. उ.षा. तन्मध्येऽन्तरम्				रो. ह. श्रवण तन्मध्येऽन्तरम्				मृ. चि. ध. तन्मध्येऽन्तरम्			
ग्रह	व.	मा.	दि.	ग्रह	व.	मा.	दि.	ग्रह	व.	मा.	दि.
र	०	३	१८	चं	०	१०	०	मं	०	४	२७
चं	०	६	०	मं	०	७	०	रा	१	०	१८
मं	०	४	६	रा	१	६	०	बृ	०	११	६
रा	०	१०	२४	बृ	१	४	०	श	१	१	९
बृ	०	९	१८	श	१	७	०	बु	०	११	२७
श	०	११	१२	बु	१	५	०	के	०	४	२७
बु	०	१०	६	के	०	७	०	शु	१	२	०
के	०	४	६	शु	१	८	०	र	०	४	६
शु	०	०	०	र	०	६	०	चं	०	७	०

राहु दशा वर्ष १८				गुरु दशा वर्ष १६				शनि दशा वर्ष १९			
आर्द्रा स्वा. श. तन्मध्येऽन्तरम्				पुन. वि. पू.भा. तन्मध्येऽन्तरम्				पु. अनु. उ.भा. तन्मध्येऽन्तरम्			
ग्रह	व.	मा.	दि.	ग्रह	व.	मा.	दि.	ग्रह	व.	मा.	दि.
रा	२	८	१२	बृ	२	१	१८	श	३	०	३
बृ	२	४	२४	श	२	६	१२	बु	२	८	९
श	२	१०	६	बु	२	३	६	के	१	१	९
बु	२	६	१८	के	०	११	६	शु	३	२	०
के	१	०	१८	शु	२	८	०	र	०	११	१२
शु	३	०	०	र	०	९	१८	चं	१	७	०
र	०	१०	२४	चं	१	४	०	मं	१	१	९
चं	१	६	०	मं	०	११	६	रा	२	१०	६
मं	१	०	१८	रा	२	४	२४	बृ	२	६	१२

बुध दशा वर्ष १७				केतु दशा वर्ष ७				शुक्र दशा वर्ष २०			
अश्ले. ज्ये. रे. तन्मध्येऽन्तरम्				म. मू. अश्वि. तन्मध्येऽन्तरम्				पू.फा. पू.षा. भ. तन्मध्येऽन्तरम्			
ग्रह	व.	मा.	दि.	ग्रह	व.	मा.	दि.	ग्रह	व.	मा.	दि.
बु	२	४	२७	के	०	४	२७	शु.	३	४	०
के	०	११	२७	शु	१	२	०	र	१	०	०
शु	२	५०	०	र	०	४	६	चं	१	८	०
र	०	१०	६	चं	०	७	०	मं	१	२	०
चं	१	५	०	मं	०	४	२७	रा	३	०	०
मं	०	११	२७	रा	१	०	१८	बृ	२	८	०
रा	२	६	१८	बृ	०	११	६	श	३	२	०
बृ	२	३	६	श	१	१	९	बु	२	१०	०
श	२	८	९	बु	०	११	२७	के	१	२	०

जन्म राशि से ग्रहों के गोचर-फल

भाव	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहू	केतु
प्रथम	स्थान नाशः पन्थाः	अन्नलाभः पुष्टिः	भयं, पीड़ा च	बन्धनं	अरिष्टादि भयं	शत्रु नाशः सुखम्	पीड़ा भयं सर्वनाशः	कष्टम् हानिः	हानि रोगभयं
द्वितीय	हानिः भयं	धनलाभः सुखं	धन नाशः	धन लाभः	धनादि लाभः	अर्थ लाभः सुखं	धन हानिः शोकः	व्यञ्च नैःस्वं	वित्तनाशः वैरी भयं
तृतीय	सुखं श्रीप्राप्तिः	द्रव्याप्तिः सुखं	श्रीप्राप्तिः सुखम्	शत्रुतो भयम्	रोगाप्तिः भयम्	अर्थ लाभः सुखं	अर्थ लाभः सुखं	धन प्राप्ति नैरूज्यं	वृद्धिः सुखलाभः
चतुर्थ	माननाशः रोगभयं	रोगदानार्थ सिद्धिः	कष्टम्	वित्तलाभः सुखं	धन हानि व्ययम्	धनागमः	शत्रुवृद्धिः पीड़ा भयं	शोकश्च वैरं	पीड़ा च भीतिः
पंचम्	हानि दैन्यं	कार्यनाशः	धन नाशः रुग्भयं	रूक् शोकश्च	लाभः सुखंच	पुत्र लाभः	धनुपुत्रयोर्नाशः	हानिः शोकश्च	शोक, अर्थनाशः
षष्ठ	रिपुनाशः सुखं	वित्तलाभः	सुखम् अर्थलाभः	अलाभः स्थिति	रोगः शोकाश्च	शत्रु वृद्धि, पीडाच	सुखं वित्तलाभः	लक्ष्मीप्राप्तिः सुखं	धन लाभः सुखं
सप्तम्	गमनं धनहानिः	द्रव्य प्राप्तिः सुखम्	धन नाशः	विग्रह पीड़ा भयं	सम्मान सुखं च	शोकः अतिभयं	दोष पीड़ाभयं	कलहः हानिः	दुर्गतिः पीड़ा च
अष्टम्	रोगाप्तिः भयम्	मृत्यु क्लेशभयम्	पापवृद्धि भयम्	धनान्नादि लाभः	मत्युभयं पीड़ा च	विपत्तिः धनक्षयः	शत्रु वृद्धि रोगः	मृत्यु भयं	हानि, पीड़ाभयं
नवम्	पापवृद्धिः कान्तिक्षय	राजभयम्	रोगभयम्	धननाशः रूग्भयम्	सुख सम्मानम्	सुखं लाभः	पापं धननाशः	पाप कर्मरतिः	पापदैन्यञ्च
दशम्	सौख्यं कर्मसिद्धिः	शुभम् सुखम्	शोकः	सुख सुखभोगः	दैन्यम्	धर्म लाभः	वैमत्यम्	वैरी सुखं	शोकश्च भयं
एकादश	वित्ताप्तिः सुखं	विविधार्थ लाभः	लाभः सुखप्राप्तिः	शुभ अर्थागमः	सौख्य प्राप्तिः	दुखं धनागमः	सुख वित्तलाभः	वित्तलाभः सुखं	अर्थलाभः सुयशो
द्वादश	द्रव्यनाशः पीड़ा	रोगः धन नाशः	रोगः शोकश्च	शोकः धन नाशः	देहे पीड़ा भयं	धनागमः	क्लेशम् अनर्थश्च	पीड़ा च हानिः	वैरश्च पीड़ा

घात चक्र

(प्रवास, राज्याधिकारी से मिलने, यात्रा आदि में घात चक्र वर्ज्य करें लेकिन विवाहादि मंगल कार्यों में नहीं)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
घात मास	कार्तिक	मार्गशीर्ष	आषाढ़	पौष	ज्येष्ठ	भाद्रपद
तिथि	१।६।११	५।१०।१५	२।७।१२	२।७।१२	३।८।१३	५।१०।१५
वार	रवि	शनि	सोम	बुध	शनि	शनि
नक्षत्र	मघा	हस्त	स्वाति	अनुराधा	मूल	श्रवण
योग	विष्कुम्भ	शुक्ल	परिघ	व्याघात	धृति	शूल
करण	बव	शकुनि	चतुष्पद	नाग	बव	कौलव
लग्न	मेष	मिथुन	कन्या	मकर	वृष	सिंह
प्रहर	१	४	३	१	१	१
चन्द्र (पु.)	मेष	कन्या	कुम्भ	सिंह	मकर	मिथुन
चन्द्र (स्त्री)	मेष	धनु	धनु	मीन	वृश्चिक	वृश्चिक

राशि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
घात मास	माघ	आश्विन	श्रावण	वैशाख	चैत्र	फाल्गुन
तिथि	४।९।१४	१।६।११	३।८।१३	४।९।१४	३।८।१३	५।१०।१५
वार	बृहस्पति	शुक्र	शुक्र	मंगल	बृहस्पति	शुक्र
नक्षत्र	शतभिषा	रेवती	भरणी	रोहिणी	आर्द्रा	आश्लेषा
योग	शूल	व्यतिपात	वरीयान	वैधृति	गण्ड	वैधृति
करण	तैतिल	गर	तैतिल	शकुनि	किंस्तुघ्न	चतुष्पद
लग्न	मीन	मिथुन	सिंह	वृश्चिक	मेष	कर्क
प्रहर	४	१	१	४	३	४
चन्द्र (पु.)	धनु	वृषभ	मीन	सिंह	धनु	कुम्भ
चन्द्र (स्त्री)	मीन	धनु	कन्या	वृश्चिक	मिथुन	कुम्भ

मुहूर्तादि कार्येषु शुभाशुभ समय विचार

सूर्यादि वारों में कृत्य

रविवार में कृत्य— राजाभिषेकोत्सवयान-सेवा-गोवह्निमन्त्रौषधिशस्त्रकर्म।
सुवर्णताम्रौर्णिकचर्मकाष्ठसंग्रामपण्यादिखौ विदध्यात्॥

राज्याभिषेक, उत्सव (गाना बजाना), नई सवारी (वायुयान आदि) पर चढ़ना, यात्रा, नौकरी, गाय, बैल आदि पशु क्रय-विक्रय, अग्नि सम्बन्धी कर्म (हवन यज्ञादि), मन्त्रोपदेश, औषधि निर्माण और सेवन, अस्त्र-शस्त्र व्यवहार (युद्धादि), सोना, तांबा, ऊन-काष्ठ सम्बन्धी कार्य, युद्ध और व्यापार सम्बन्धी सब कार्य रविवार में करने चाहिए।

सोमवार में कृत्य— शंखाब्जमुक्तारजतेक्षुभोज्य स्त्रीवृक्ष कृष्यम्बु विभूषणानि।
गीतक्रतुक्षीर विकारशृङ्गी पुष्पाक्षरारम्भणमिन्दुवारे॥

शंख आदि जलोत्पन्न वस्तु, मुक्ता, चांदी, ऊखरस से उत्पन्न गुड़, चीनी आदि भोज्य पदार्थ, स्त्री-प्रसंग, वृक्ष (बीज) रोपणादि, कृषि कर्म, जल सम्बन्धी कार्य (नहर निकालना, तालाब, कुआं बनाना आदि) वस्त्राभूषण धारण, गीत-नृत्य, यज्ञादि कर्म, दूध, दही, घृत, बर्फ सम्बन्धी, पशु सम्बन्धी, पुष्प तथा अक्षरारम्भ (विद्याध्ययन) सम्बन्धी सभी कार्य सोमवार में करने चाहिए।

मंगलवार में कृत्य— भेदानृतस्तेयविषाग्निशस्त्रवधानि-धाताहवशाठ्यदम्भात्।
सेनानिर्वेशाकरधातुहेम प्रवालकार्यादि कुजे हि कुर्यात्॥

चुगलखोरी, चोरी, विष सम्बन्धी, अग्नि सम्बन्धी, शस्त्रघात, बन्धन, संग्राम (लड़ाई शुरू), शठता, दम्भ-पाखण्ड, सेना सम्बन्धी, खान धातु सोना तथा मूंगा आदि सम्बन्धी सभी कार्य मंगलवार में करने चाहिए।

बुधवार में कृत्य— नैपुण्य-पण्याध्ययनं कलाश्च-शिल्पादि सेवालिपिलेखनानि।
धातुक्रिया काञ्चनयुक्तिसन्धि-व्यायामवादाश्च बुधेविधेयाः॥

ट्रेनिंग, व्यापार, अध्ययन, कला कौशल, शिल्प, खेलकूद, चित्रकारी, धातु सम्बन्धी सोना, कांसा, पीतल आदि, सन्धि समझौता, व्यायाम, वाद-विवाद, नौकरी प्रवेशादि कार्य बुधवार में करने चाहिए।

गुरुवार में कृत्य— धर्मक्रिया पौष्टिककर्म यज्ञ-माङ्गल्यहेमाम्बरवेश्मयात्राः।
रथाश्वभैषज्यविभूषणाद्यं कार्यं विदध्यात् सुरमन्त्रिणोऽह्नि॥

धर्मानुष्ठानादि कर्म, पौष्टिक (स्वास्थ्य), यज्ञ, विद्याध्ययन, मंगलोत्सव, सोना सम्बन्धी गृहकर्म, वस्त्राभूषण, यात्रा, रथ, घोड़ा, गाड़ी, कार, मोटर, वायुयान आदि सवारी सम्बन्धी कार्य, औषधि-आभूषण का निर्माण व प्रयोग सभी शुभ काम गुरुवार में करने चाहिए।

शुक्रवार में कृत्य— स्त्रीगीतशय्यामणिरत्नगन्धं वस्त्रोत्सवालंकरणादि कर्म।
भूषण्यगोकोश-कृषिक्रियाश्च सिद्ध्यन्तिशुक्रस्यदिने समस्तम्॥

स्त्री सम्बन्धी, शय्या, मणि, रत्न, सुगन्ध,वस्त्र, उत्सव, आभूषण, भूमि, व्यापार, गोसम्बन्धी, कृषि कर्म, जमीन, जायदाद तथा भण्डार (संग्रह) से सम्बन्धित सभी कार्य शुक्रवार में करने चाहिए।

शनिवार में कृत्य— लोहाश्मसीसत्रपुरस्त्रदास्य पापानृतस्तेयविषासवाद्यम्।
गृह प्रवेशो द्विपबन्ध-दीक्षा-स्थिरं च कर्मांकसुतेहि कुर्यात्॥

लोहा, पत्थर, सीसा, रांगा सम्बन्धी कर्म, अस्त्र-शस्त्र, नौकरी या नौकर रखना, पाप कर्म, चोरी, मिथ्यालाप, विषाक्त कर्म, आसव निर्माण व प्रयोग, गृह प्रवेश, हाथी को बांधना, अन्य पशु को सम्भालना, दीक्षा (मन्त्र ग्रहण) आदि स्थिर कर्म शनिवार में करने चाहिए।

समस्त शुभ कार्यों में त्याज्य

१. जन्म नक्षत्र, जन्म तिथि, जन्म मास, श्राद्ध दिवस (माता-पिता का मृत्यु दिन), चित्त भंग, रोग या कोई उत्पादित। २. क्षय तिथि, वृद्धि तिथि, क्षय मास, अधिक मास, क्षय वर्ष, दग्धा तिथि, अमावस्या। ३. विष्कुम्भ योग की प्रथम पांच घटिकायें, परिधि योग का पूर्वार्द्ध, शूल योग की प्रम ७ घटिकायें, गण्ड और अतिगण्ड की ६ घटिकायें एवं व्याघात योग की प्रथम आठ घटिकाएं, हर्षण और वज्र योग की नौ घटिकाएं, व्यतिपात और वैधृति योग समस्त शुभ कार्यों में त्याज्य हैं। मतान्तर से विषकुम्भ की तीन, शूल की पांच, गण्ड और अतिगण्ड की सात, व्याघात व वज्र की ९ घटिकाएं शुभ कार्यों में त्याज्य हैं। ४. महापात का समय में भी कार्य न करें। ५. तिथि, नक्षत्र और लग्न इन तीनों प्रकार का गण्डान्त समय। ६. भद्रा (विष्टीकरण)। ७. तिथि नक्षत्र तथा दिन के परस्पर बने कई दुष्ट योग जैसे सप्तमी+अश्विनी+मंगल, पंचमी+हस्त+रवि, छठ+मृगशिर+सोम, अष्टमी+अनुराधा+बुध, नौमी+पुष्य+गुरु, दशमी+रेवती+शुक्र, एकादशी+रोहिणी+शनि आदि योगों को शुभ कार्य में त्याज्य करना चाहिए। ८. पाप ग्रह युक्त, पाप भुक्त और पाप ग्रह विद्ध नक्षत्र एवं नक्षत्रों की विष संज्ञक घटिकायें। ९. पाप ग्रह युक्त चन्द्र, पाप युक्त लग्न का नवांश। १०. जन्म राशि, जन्म लग्न से अष्टम लग्न। दुष्ट स्थान ४, ८, १२ का चन्द्र, क्षीण चन्द्र वर्जित है। १२. लग्नेश ६, ८, १२ न हो, जन्मेश और लग्नेश अस्त नहीं हो, पाप ग्रहों का कर्तरी योग भी वर्जित है। १३. मासान्त दिन, सभी नक्षत्रों के आदि की २ घटिका, तिथि के अन्त की एक घटी और लग्न के अन्त की आधी घड़ी शुभ कार्यों में वर्जित करें। १४. जिस नक्षत्र में ग्रहण या पापी ग्रहों का युद्ध हुआ हो वह नक्षत्र शुभ कार्यों में ६ महीने तक नहीं लेना चाहिए (ग्रहों के एक राशि अंश कलादि सम होने पर ग्रह युद्ध कहा है)। १५. ग्रहण के पहले ३ दिन और बाद के ६ दिन वर्जित, ग्रहण नक्षत्र वर्जित, ग्रहण खग्रास हो तो वह नक्षत्र ६ मास, आधे में ३ मास, चौथाई ग्रहण में १ मास, उदयोदय और अस्तास्त में ३ दिन पहले और ३ दिन पीछे कोई शुभ कार्य न करें। १६. गुरु-शुक्र का अस्त, बाल्य, वृद्धत्व, गुर्वादित्य समय भी शुभ कार्यों में त्याज्य कहे हैं। बाल्य और वृद्धत्व के ३ दिन वर्जनीय हैं। १७. कृष्ण पक्ष १४ का चन्द्र वार्द्धिक्य, अमावस का अस्त, शुक्ल एकम् के बाल्य चन्द्र के समय में भी शुभ काम न करें।

सामान्य रूप से दिन शुद्धि

१. दोनों पक्षों की २, ३, ४, ७, १०, १२, १५, कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तथा शुक्ला की १३ तिथि शुभ हैं। परन्तु तिथि-क्षय-वृद्धि त्याज्य हैं। २. शुभवार-सोम, बुध, गुरु और शुक्र [illegible]

रोहिणी, मृगशिर, पुनर्वसु, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, [illegible]
शतभिषा और रेवती नक्षत्र शुभ हैं। ५. योगों का वर्णन किया है [illegible]

...तिथि शुभ है। परन्तु तिथि-क्षय-वृद्धि त्याज्य हैं। २. शुभवार-सोम, बुध, गुरु और शुक्र

रोहिणी, मृगशिर, पुनर्वसु, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा और रेवती नक्षत्र शुभ हैं। ५. योगों का वर्णन किया है उनका शुभ कार्यों में त्याज्य करना चाहिए। ६. तारा-जन्म नक्षत्र से इष्टकालीन नक्षत्र तक की संख्या को ९ से भाग दें। शेष १, २, ४, ६, ८ या ० रहे तारा शुद्ध जानो यदि ३, ५, ७ शेष रहे तो तारा अशुभ जानो। शुक्ल पक्ष में चन्द्र बल व कृष्ण पक्ष में तारा बल विशेष महत्व रखता है। ७. चन्द्र बल-क्षीण-वार्द्धक्य, अस्त, बाल्य, पाप ग्रह युक्त विशेष रूप से शुभ कार्यों में वर्जित करें। राशि अनुसार जन्म राशि १, २, ३, ५, ६, ७, ९, १०, ११वीं राशि का चन्द्र शुभ होता है। ४, ८, १२ राशि का चन्द्रमा हर प्रकार से नेष्ट माना गया है। मुहूर्त प्रकाश में लिखा है—यदि लग्न शुभ ग्रहों और संपूर्ण गुणों से युक्त हो परन्तु १२, ८, ६ भाव में चन्द्र हो तो अशुभ ही जानो। लग्न में गुरु-शुक्र तथा चन्द्र अपनी उच्च राशि ४ या नीच राशि ८ अथवा मित्र राशि या शत्रु के घर में हो और सम्पूर्ण गुणों सहित लग्न हो परन्तु पाप ग्रह युक्त चन्द्रमा हो तो दोष कारक ही होता है। इसलिए चन्द्र को सभी प्रकार से देखना चाहिए। ८. पाप ग्रह १२, ८, १ इन जगह में तथा ६ में शुभ ग्रह और पाप ग्रह केन्द्र १, ४, ७, १० त्रिकोण ९, ५ में अशुभ होते हैं और सौम्य ग्रह केन्द्र व त्रिकोण में और पाप ग्रह ३, ६, ११ भावों में और सम्पूर्ण ग्रह ११ भाव में श्रेष्ठ होते हैं। यदि केन्द्र या त्रिकोण में स्थित पाप ग्रहों पर बुध, बृहस्पति या शुक्र की पूर्ण दृष्टि हो। यदि केन्द्र या त्रिकोण में स्थित बुध शुक्र या गुरु की दृष्टि पाप ग्रहों पर हो तो पाप ग्रहों का फल शुभ हो जाता है। **विशेष**—चर लग्न, चर नवाँश तथा राशि स्थित चन्द्रमा ये तीनों चर शुभ कार्यों में वर्जित करें। शास्त्रों में लिखा है कि तिथि का १ गुण, नक्षत्र का ४, वार का ८, करण का १६, योग का ३२, तारा का ६०, चन्द्रमा का १०० और लग्न का १ करोड़ गुण होता है। अत: गुण व दोष इन दोनों के तारतम्य से विद्वानों को विचार कर मुहूर्त्त करना चाहिए। क्योंकि गुण सैकड़ों दोषों का विनाश करता है तो कहीं पर एक दोष ही असंख्य गुणों को नष्ट करता है। इसलिए शुभ-अशुभ का न्यूनाधिक देखकर ही मुहूर्त्त विचारने चाहिए।

हमारे नित्य दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण लिखा-पढ़ी, राजकीय या व्यापारिक कन्ट्रैक्ट, भेंट-मुलाकात, आवेदन या नवीन टेण्डर, नवीन मुलाकात द्वारा कार्य सिद्धि, नवीन विषय पर लेखन कार्य प्रारम्भ आदि अनेकानेक महत्वपूर्ण कार्य हमारे दैनिक जीवन में आते हैं जिसके लिए हम शुभ मुहूर्त्त चाहते हैं। पर यथा शीघ्र सर्वाङ्ग शुद्ध मुहूर्त्त की प्रतीक्षा में अधिक दिन तक नहीं रुक सकते अत: हम अपने प्रिय पाठकों के लिए वार-तिथि-नक्षत्र-योग अनुसार सुयोग व कुयोग मुहूर्त्तों की सारिणी दे रहे हैं। इस सारिणी की सहायता से सरलतापूर्वक शीघ्र ही शुभा-शुभ काल ज्ञात करके अपना कार्य आरम्भ कर सकते हैं।

योग	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
सिद्धि योग तिथि	—	—	३-८-१३	२-७-१२	५-१०-१५	१-६-११	४-९-१४
दग्धा तिथि	१२	११	५	३	६	८	९
हुताशन तिथि	१२	६	७	८	९	१०	११
विषाख्या तिथि	४	६	७	२	८	९	७
अधम तिथि	७, १२	११	१०	१, ९	८	७	६
वर्जित तिथि नक्षत्र	५ हस्त	६ मृग	७ अश्विनी	८ अनु.	९ पुष्य	१० रेवती	११ रोहि.
मृत्यु योग तिथि	१-६-११	२-७-१२	१-६-११	३-८-१३	४-९-१४	२-७-१२	५-१०-१५
क्रकच तिथि	१२	११	१०	९	८	७	६
उत्पात नक्षत्र	विशाखा	पू.षा.	धनिष्ठा	रेवती	रोहिणी	पुष्य	उ.फा.
मृत्यु योग नक्षत्र	अनुराधा	उ.षा.	शतभिषा	अश्विनी	मृगशिर	आश्लेषा	हस्त
काण योग	ज्येष्ठा	अभिजित्	पू.भा.	भरणी	आर्द्रा	मघा	चित्रा
दग्धा योग	भरणी	चित्रा	उ.षा.	धनिष्ठा	उ.फा.	ज्येष्ठा	रेवती
यम घंट योग	मघा	विशाखा	आर्द्रा	मूल	कृत्तिका	रोहिणी	हस्त
मुसल योग	अभिजित्	पू.भा.	भरणी	आर्द्रा	मघा	चित्रा	ज्येष्ठा
काल दण्ड	भरणी	आर्द्रा	मघा	चित्रा	ज्येष्ठा	अभिजित्	पू.भा.
वज्र	अश्लेषा	हस्त	अनुराधा	उत्तराषाढ़	शतभिषा	अश्विनी	मृग.
राक्षस योग	शतभिषा	अश्विनी	मृगशिर	अश्लेषा	हस्त	अनुराधा	उ.षा.
ध्वांक्ष	आर्द्रा	मघा	चित्रा	ज्येष्ठा	अभिजित्	पू.भा.	भरणी
धूम्र	कृत्तिका	पुनर्वसु	पू.फा.	स्वाति	मूल	श्रवण	उ.भा.
गद	श्रवण	उ.भा.	कृत्तिका	पुनर्वसु	पू.फा.	स्वाति	मूल
आनन्द	अश्विनी	मृगशिर	अश्लेषा	हस्त	अनुराधा	उ.षा.	शतभिषा
श्रीवत्स	पुष्य	उ.फा.	विशाखा	पूर्वाषाढ़	धनिष्ठा	रेवती	रोहिणी
सौम्य	मृगशिरा	अश्लेषा	हस्त	अनुराधा	उ.षा.	शतभिषा	अश्विनी
छत्र	पू.फा.	स्वाति	मूल	श्रवण	उ.भा.	कृत्तिका	पुनर्वसु
शुभ	पू.षा.	धनिष्ठा	रेवती	रोहिणी	पुष्य	उ.फा.	विशाखा
अमृत	उ.षा.	शतभिषा	अश्विनी	मृगशिर	अश्लेषा	हस्त	अनुराधा
मित्र	उ.फा.	विशाखा	पू.षा.	धनिष्ठा	रेवती	रोहिणी	पुष्य
सिद्ध योग	मूल	श्रवण	उ.भा.	कृत्तिका	पुनर्वसु	पू.फा.	स्वाति
अमृत सिद्धि	हस्त	श्रवण	अश्विनी	अनुराधा	पुष्य	रेवती	रोहिणी
सर्वार्थ सिद्धि	हस्त, मूल ३ उ., पु., अश्विन	श्र.रो.मृ. पुष्य, अनुराधा	अश्विनी उ.भा., कृत्ति., अश्ले.	रोहिणी अनु., हस्त कृत्ति., मृग.	रेव.,अनु., अश्वि.,पुन. पुष्य	रेव. अनु., अश्वि., पुन., श्रव.	श्रवण रोहिणी स्वाति
दुष्ट तिथि	१, ३, ७	२-११	३-९-१२	७-९-११	—	—	११-१३

सर्वार्थ सिद्धि के साथ दुष्ट तिथि पड़ जाये तो ये योग दूषित हो जाता है। ऐसे ही अमृत सिद्धि में लिखा है। यदि यमदंष्ट्रा राक्षस आदि कुयोग में साथ ही कोई सुयोग सर्वार्थ आदि भी पड़े तो बुरे के बजाय शुभ फल देगा। अत: कार्यारम्भ शुभ रहता है। वैसे तत्कालीन लग्न शुद्धि कुयोगों का नाश कर सुयोग को अपना शुभ फल प्रदान करने की शक्ति रखती है।

विविध मुहूर्त्त विचार

भारतीय संस्कृति में संस्कारों को अत्यधिक महत्व दिया गया है। जन्म से मनुष्य शूद्र होता है भले ही वह किसी भी जाति में जन्म ले, जब तक वह संस्कारित नहीं किया जाता शूद्र ही बना रहता है। पूर्व में चालीस संस्कारों का प्रचलन था, किन्तु आज समयाभाव के कारण इनकी संख्या में कमी आई है। गर्भाधान से लेकर अन्त्येष्टि तक सोलह संस्कार माने गये हैं। इनमें से भी कुछ मुख्य संस्कारों की ही मान्यता आज प्रचलित है।

गर्भाधान— सभी संस्कारों में गर्भाधान संस्कार का विशेष महत्व है क्योंकि भावी सन्तान के संस्कारों की आधारशिला इसी संस्कार पर निर्भर करती है। यह सर्वविदित तथ्य है कि सन्तानोत्पत्ति माता-पिता के पारस्परिक संयोग से होती है। अत: इन दोनों के चेतन-अचेतन मन तथा देह की पवित्रता आवश्यक मानी गई है। जैसे सुसमय में बीजवपन से सस्य में पुष्टता होती है उसी प्रकार सुसमय में गर्भाधान से सन्तान गुणी एवं दीर्घजीवी उत्पन्न होती है।

रजोदर्शन होने के चार दिन पश्चात्, समरात्रि काल में पुत्रोत्पत्ति एवं विषम रात्रि में कन्या सन्तति उत्पन्न होती है। गण्डान्त, रवि, चन्द्रग्रहण, ७वीं तारा, मूल, अश्विनी, भरणी, मघा, रेवती नक्षत्रों, व्यतिपात, वैधृति योग, अमावस्या माता-पिता की मृत्यु तिथि, क्षयतिथि, बुधवार-शनिवार, को छोकर अन्य तिथि-वार नक्षत्र-योग में तथा केन्द्र स्थान (१-४-७-१०) और त्रिकोण (५-९) में शुभ ग्रह हों तथा ३-६-११वें स्थान में पाप ग्रह हों तब प्रसन्नचित्त होकर रात्रिकाल में गर्भाधान-कृत्य करें। विवाह और गर्भाधान में स्त्री के चन्द्रबल को प्रधानता दें।

पुंसवन—गर्भाधान के पश्चात् पुंसवन संस्कार किया जाता है ताकि गर्भस्थ शिशु का शारीरिक और मानसिक विकास हो सके। इस संस्कार में मलमास, गुरु शुक्रास्त प्रभृति निषिद्ध योग बाधक नहीं होते, जो दिन-नक्षत्र शुभ हो उसी दिन कर लेना चाहिये। यह संस्कार गर्भ के दूसरे व तीसरे मास में किया जाता है। शास्त्रकारों का मत है कि पुंसवन संस्कार के लिए पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, मृगशिरा, मूल, श्रवण आदि नक्षत्र शुभ रहते हैं।

पारस्कर गृह्यसूत्र के अनुसार यह संस्कार तब करना चाहिये जब चन्द्रमा पुरुष नक्षत्र से युक्त हो।

सीमन्तोन्नयन—यह तीसरा संस्कार है तथा गर्भ के छठे या आठवें मास में किया जाता है। सीमन्तोन्नयन का शब्दार्थ होता है "शिर की मांग" लेकिन इसका भावार्थ है सौभाग्य सम्पन्न होना। इस संस्कार से गर्भवती के मन में आने वाली सन्तान के प्रति प्रेम तथा कर्तव्य की निष्ठा का समावेश होता है। पारस्कर गृह्य सूत्र में कहा है कि—**"प्रथम गर्भेमासे षष्ठेऽष्टमेवा"** तथा **"पुंसवनवत्"** कहकर यह स्पष्ट कर दिया है पुंसवन संस्कार में कहे गये मुहूर्त्त में इसे करें।

आश्लायन गृह्य सूत्र के अनुसार जब चन्द्रमा शुक्ल पक्ष में पुमान् नक्षत्र से युक्त हो तब करना चाहिये साथ ही इन्होंने गर्भ के चौथे मास में इसे करने का निर्देश किया है, लेकिन अधिक मत छठे और आठवें मास में करने को मिलते हैं।

मेधा-जनन संस्कार—शिशु के जन्म लेने के उपरान्त यह संस्कार किया जाता है ताकि आगे चलकर वह यशस्वी और बुद्धिमान हो। जब बच्चा जन्म ले चुके तो नालछेदन से पूर्व दाहिने हाथ की अनामिका अंगुली में स्वर्ण भस्म शहद और गौघृत लगा कर नीचे लिखे मन्त्रों को बोलकर बच्चे को शहद चटा दें। चार मंत्र हैं प्रत्येक को एक बार बोल कर चटाना चाहिये। **मन्त्र—ॐ भूस्त्वीयदधामि, ॐ भूवस्त्वीयदधामि, ॐ स्वस्त्वीय दधामि, ॐ भूर्भुवः स्वः सर्वस्त्वीय दधामि।**

स्तन पान मुहूर्त्त—रिक्ता, तिथि, भद्रा, व्यतिपात, वैधृति योग को त्याग कर शुभ तिथि-वार में पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, श्रवण, रेवती नक्षत्र में स्तन पान कराना शुभ है।

प्रसूता स्नान का मुहूर्त्त—उत्तरा तीनों, रोहिणी, मृगशिरा, स्वाती, रेवती, हस्त, अनुराधा, पूर्वाफाल्गुनी, धनिष्ठा, अश्विनी इन नक्षत्रों में रवि, मंगल एवं बृहस्पति वारों में रिक्ता तिथि एवं अमावस्या को छोड़कर अन्य तिथियों में प्रसूति स्नान प्रशस्त है।

जातकर्म—मेघा-जनन संस्कार से पूर्व यह संस्कार किया जाता है। नाल काटने पर सूतक लग जाता है और सूतक में जातकर्म करने का निषेध है। इस समय तिथ्यादि शुद्धि देखने की आवश्यकता नहीं होती, यदि किसी कारणवश पिता जन्म समय उपस्थित न हो तो जन्म के ११वें या १२वें दिन शुभ मुहूर्त्त में जातकर्म करना प्रशस्त है।

नामकरण संस्कार— जातकर्म संस्कार के पश्चात् नामकरण संस्कार किया जाता है लेकिन आज के युग में समयाभाव के कारण नामकरण के साथ ही जातकर्म करने का प्रचलन है। नामकरण संस्कार मूलतः दश दिन पश्चात् हो जाना चाहिये लेकिन इसके बारे में आचार्यों के भिन्न-भिन्न मत हैं। पाराशर स्मृति के अनुसार—

जाते विप्रो दशाहेन द्वादशाहेन भूमिपः। वैश्य पंच दशाहेन शूद्रो मासेन शुद्धयति॥

अर्थात् ब्राह्मण के लिए सूतक दस दिन, क्षत्रिय के लिए बारह दिन, वैश्य के लिए पंद्रह दिन तथा शूद्र के लिए एक मास तक रहता है। कुलाचार के अनुसार सूतक के अन्त होने के दूसरे दिन नामकरण करें। चिर-क्षिप्र-ध्रुव और मृदु नक्षत्रों में रवि, सोम, बुध, बृहस्पति, शुक्रवारों में, रिक्तामा को छोड़कर अन्य तिथियों में लग्न शुद्धि और चन्द्र-तारा का बल देखकर नामकरण करना प्रशस्त है।

निष्क्रमण संस्कार—घर से बाहर निकालने को निष्क्रमण कहते हैं। यह संस्कार तब किया जाता है जब बच्चे को घर से बाहर ले जाना होता है। जब माता अपने पिता के यहां जाये या माता-पिता को कहीं अन्यत्र जाना हो तो बच्चे को भी ले जाना अनिवार्य रहता है। इसलिए नामकरण संस्कार के पश्चात् निष्क्रमण किया जाता है। जन्म से चतुर्थ मास में यात्रा में विहित तिथियों में निष्क्रमण करना प्रशस्त है। यदि अत्यधिक शीघ्रता करनी पड़ जाये तो जन्म से बारहवें दिन यह संस्कार करें।

भूम्युपवेशन संस्कार—भूम्युपवेशन का अर्थ है भूमि पर बिठाना। प्रथम बार जब बच्चे को भूमि पर बिठना होता है। तब यह संस्कार किया जाता है। इसे जन्म से पांचवें महीने में करना चाहिये। भगवान् वराह और पृथ्वी का पूजन करके रिक्ता अमावस्या तिथि को छोड़कर अन्य तिथियों में शुभ ग्रह के बार में लड़के को कटिसूत्र धारण कराकर, ध्रुव, मृदु, लघु संज्ञक नक्षत्र में तथा मंगल बच्चे के लिए विशेष शुभ हो तब यह संस्कार करना उचित है।

इस समय बालक की आजीविकाज्ञानार्थ विद्या, कृषि, युद्ध व सेवा-सम्बन्धी पदार्थ उसके सामने रखें बालक जिस को पहले ग्रहण करे उसी के अनुसार उसकी जीविका जानें। बच्चे को भूमि पर बिठा तथा हाथ में पकड़े रह कर बालक का पिता, चाचा, दादा और नीचे लिखे मन्त्र से प्रार्थना करें—

रक्षैनं वसुधेदेवि सदा सर्वगतं शुभे।
आयु प्रमाणं लिखितं निक्षिपस्व हरिप्रिये॥

अन्न प्राशन—देह की पुष्टि-शक्ति और स्वास्थ्य के लिए यह संस्कार किया जाता है। तैत्तरीय उपनिषद् में "प्राणो वै अन्नम" अर्थात् अन्न ही प्राण है कहा गया है। बालक के जन्म से छठे, आठवें, दशवें आदि सम मासों में यदि कन्या हो तो पांचवें, सातवें आदि विषम मास में, रिक्ता-नन्दा और क्षयतिथियों को छोड़कर अन्य तिथियों में, शनि, मङ्गल को छोड़कर अन्य वारों में, पुन., पु., हस्त, रो., चि., मृ., अनु., अश्वि., स्वा., तीनों उत्तरा., ध., म. और रेवती नक्षत्रों में, वृष, मिथुन, कन्या, मीन लग्न में अन्न प्राशन प्रशस्त है।

कर्ण वेध—जहां कर्ण वेध श्रवण शक्ति की वृद्धि में सहायक होता है वहीं आन्त्र उतरने [illegible]

आर्यभट्ट पञ्चाङ्गम्

हरिशयन, (आषाढ़ शुक्ल ११ से कार्तिक शुक्ल ११ तक) पौष, चैत्र और [illegible]
६,८,१०वें मास में, ३,५वें विषम वर्षों में, जन्म नक्षत्र और रिक्ता तिथि को त्याग कर अन्य तिथियों

153

विवाह मुहूर्त्त विचार

हरिशयन, (आषाढ़ शुक्ल ११ से कार्तिक शुक्ल ११ तक) पौष, चैत्र और जन्म मास को छोड़ कर ६, ८, १०वें मास में, ३, ५वें विषम वर्षों में, जन्म नक्षत्र और रिक्ता तिथि को त्याग कर अन्य तिथियों में, अश्वि., पुन., पु., ह., श्र., अनु., ध., रे., स्वा., मृ., चित्रा आदि नक्षत्रों में, चं., बु., गु., शु. वारों में, मे., वृश्चि., म., कु. लग्नों एवं नवांश को छोड़कर अन्य लग्नों में, चन्द्र तारा की शुद्धि देखकर कर्ण बेध करना शुभ है। लड़के का प्रथम दाहिना और लड़की का बायां करना प्रशस्त है।

मुण्डन संस्कार—जीवन के आरम्भ काल में जो बाल जन्म के साथ उत्पन्न होते है वे पशुता के सूचक माने गयें हैं। इन्हें कटाने से जहां वह पशुता समाप्त होती है वहीं मानवीं गुणों की प्रखरता के साथ बुद्धि और ज्ञान की भी वृद्धि होती है। जन्म से तीसरे, पांचवें आदि विषम वर्षों में चैत्र को छोड़कर उत्तरायण समय में २, ३, ५, ७, १०, ११, १२, १३ इन तिथियों में, सो., बु., गु., शु. आदि वारों में जन्म नक्षत्र को छोड़ कर मृ., चि., रे., ज्ये., श्र., ध., शत., स्वा., पु., ह., अश्वि., पुष्य इन नक्षत्रों में लग्न शुद्धि देखकर अपराह्न से पूर्व मुण्डन संस्कार प्रशस्त हैं।

अन्यमत से प्रथम, द्वितीय वर्ष भी विहित हैं तथा ब्राह्मण के लिए रविवार, क्षत्रिय के लिए मंगलवार, वैश्य तथा शूद्र के लिए शनिवार भी प्रशस्त हैं तथा याम्यायन (दक्षिणायन) में मार्गशीर्ष भी श्रेष्ठ हैं।

उपनयन संस्कार—मानवजीवन में इस संस्कार का अत्यन्त महत्व है क्योंकि इसके पश्चात् मानव की भौतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है। गर्भाधान से आठवें वर्ष ब्राह्मण का, ग्यारहवें वर्ष वैश्य का उपनयन संस्कार हो जाना चाहिये। इसके पश्चात् उपरोक्त काल के दूने काल में निन्द्य माना गया है अर्थात् ब्राह्मण के सोलहवें, क्षत्रिय का बाईसवें और वैश्य का चौबीसवें। इसलिए विहित वर्ष में हरिशयन से पूर्व उत्तरायण के सूर्य में शुक्ल पक्ष में २, ३, ५, १०, ११, १२ तिथियों में, क्षिप्र, ध्रुव, चर, मृदु संज्ञक, श्ले., मू., आ., तीनों पूर्वा नक्षत्रों में सो., बु., गु., शु., वारों में वृ., मि., सिं., क., तुला, धनु और मीन लग्न में, चन्द्र, तारा, रवि, गुरु की शुद्धि देखकर उपनयन संस्कार करना श्रेष्ठ है।

विशेष—ज्येष्ठ शुक्ल २, आषाढ़ शुक्ल दशमी, पौष शुक्ल ११, और माघ शुक्ल १२ उपनयन संस्कार में निषिद्ध मानी गई हैं।

अक्षरारम्भ मुहूर्त्त—जन्म से पाँचवें वर्ष में गणपति, विष्णु, सरस्वती और लक्ष्मी की पूजा करके कुम्भ के सूर्य को छोड़ कर उत्तरायण में २, ३, ५, ६, १०, ११, १२ इन तिथियों में, मृ., आ., पुन., पु., श्ले., ह., चि., स्वा., ध., शत., अश्वि., मू., तीनों पूर्वा और उत्तरा, रो, रे. इन नक्षत्रों में रवि, गु., शु. वारों में, लग्न, चन्द्र, तारा बल विचार कर अक्षरारम्भ श्रेष्ठ माना गया है। वारों में सो., बु., मध्यम माने गये हैं।

विद्यारम्भ मुहूर्त्त—शिशिर, बसन्त एवं ग्रीष्म ऋतु में कुम्भ (कुम्भ के सूर्य को छोड़कर) रवि, बुध, गुरु और शुक्रवार, २, ३, ५, ६, १०, ११, १२ इन तिथियों में मृ., आ., पुन., ह., चि., स्वा., श्र., ध., शत., अश्वि., मूल, तीनों पूर्वा, पु. और श्लेषा इन नक्षत्रों में केन्द्र स्थान एवं त्रिकोण स्थान में शुभग्रह हों ३, ६, ११ स्थानों में पापग्रह हों, आठवां स्थान खाली हो तो विद्यारम्भ शुभ है।

जल पूजन के मुहूर्त्त—अधिक मास, चैत्र, पौष, गुरु, शुक्रास्त काल, मास पूर्ति होने पर ४, ९, १४ तिथियों को छोड़कर अन्य तिथियों में, बु., सो., गुरुवार में श्र., पुन., पु., मृ., ह., मू., अनु. इन नक्षत्रों में प्रसूता का जल पूजन करना शुभ है।

नित्यक्षौर का मुहूर्त्त—शनि, रवि और मंगलवार को छोड़कर अन्य वारों में, मघा, अनुराधा, रोहिणी, तीनों उत्तरा, कृत्तिका इन नक्षत्रों में ४, ९, १४, ६ ८ अमावस्या को छोड़कर अन्य तिथियों, रात्रिकाल, सन्ध्या, भद्रा, गण्डान्त काल और भोजन तथा स्नान के पश्चात् क्षौर करना वर्जित है।

दाह कर्म में, सूतकान्त में, जेल से छूटने पर, यज्ञ में, दीक्षा लेने में, राजा और ब्राह्मण की आज्ञा से क्षौर कर्म में मुहूर्त्त देखने की आवश्यकता नहीं है।

विवाह मुहूर्त्त विचार

विवाहे दस दोष

मुहूर्त्त ग्रन्थों में विवाह के अनेक दोष बतलाये गये हैं लेकिन इनमें प्रमुखता मात्र दश दोषों की है। इनकी शुद्धि होने पर अन्य दोष प्रभावहीन हो जाते हैं। वे दश दोष हैं—(१) लत्ता (२) पात (३) युति (४) वेध (५) यामित्र (६) वाण (७) एकार्गल (८) उपग्रह (९) कान्तिसाम्य (१०) दग्धातिथि। पंचांग में जो विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं वे इनका विचार करके दिये गये हैं। जहां कोई दोष नहीं है वहां सीधी रेखा और जहां दोष है वहां (ऽ) टेढ़ी रेखा बनाई गई है। इन दस दोषों का विचार इस प्रकार किया जाता है—

१. लत्ता—सूर्य, मंगल, वृहस्पति और शनैश्चर जिस नक्षत्र में हों क्रम से उससे अगले १२, ३, ६ और ८वें नक्षत्र को लत्ता से दूषित करते हैं। यह अग्र लत्ता दोष माना गया है। चन्द्र, बुध, शुक्र और राहु जिस नक्षत्र में हो क्रम से उससे पीछे के २२, ७, ५ और ९वें नक्षत्र को लत्तित करते हैं। यह पृष्ठ लत्ता दोष माना गया है। जैसे मंगल भरणी में हो और विवाह नक्षत्र रोहिणी हो तो यह मंगल का लत्ता दोषयुक्त साहा कहा जाएगा। इसी प्रकार अन्य ग्रहों का लत्ता दोष का ज्ञान करें।

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	ग्रहाः
१२	२२	३	७	६	५	८	९	वि.नक्षत्र
सम्मुख	पृष्ठ	सम्मुख	पृष्ठ	सम्मुख	पृष्ठ	सम्मुख	पृष्ठ	दिशा
धननाश	भय	मृत्यु	भय	बन्धुनाश	कार्यनाश	कुलनाश	मृत्यु	फल

२. पात—साध्य, हर्षण, शूल, गण्ड, वैधृति और व्यतीपात इन योगों का अन्त जिन नक्षत्रों में होता है वे पात दोषयुक्त माने जाते हैं।

पात दोष चक्र

रो.	मृ.	म	उ.फा.	ह	स्वा	अनु.	मूल	उ.षा.	उ.भा.	रे	नक्षत्र
आर्द्रा	मृग.	अश्वि.	कृत्ति.	भर.	कृत्ति.	अनु	रोहि.	भर.	भर.	अश्वि.	सूर्याधिष्ठित नक्षत्र
पुन.	आर्द्रा	मृग.	आर्द्रा	मृग.	श्रव.	आर्द्रा	ज्ये	पुन.	शत.	ज्ये	
शत.	ज्ये.	ज्ये.	विशा	शत.	धनि	उ.षा.	धनि	शत.	विशा.	धनि	
पू.फा.	धनि	पुष्य	पू.फा	पू.भा	पु.	पू.भा	आ	वि	उ.फा	म	
चित्रा	मघा	हस्त	उ.भा	स्वा.	हस्त	पू.षा	भर.	अनु	पू.फा	पू.फा	
मूल	हस्त	रेव.	पू.भा	भर.	रेव.	पू.फा	उ.भा	उ.षा	भर.	स्वा	

३. युति—जब विवाह के नक्षत्र में कोई ग्रह हो तो उसे ग्रह की युति युक्त दोष माना जाता है। ग्रहों की विवाह नक्षत्रों में युति धन नाशक, मृत्युदायक और भयप्रद कही गई है, विशेषतया शुक्र की युति वर्जित है। चन्द्र यदि स्वक्षेत्री, मित्र गृही व उच्च का हो तो युति दोष (चन्द्र का) नहीं माना जाता उल्टे इसे शुभ कहा गया है।

४. वेध— पंचशलाका चक्र में यदि विवाह के नक्षत्र के सम्मुख नक्षत्र में कोई ग्रह पड़े तो वेध दोष माना जाता है। शुभ ग्रह के वेध से स्वल्प और पाप ग्रह के वेध से अधिक दोष माना जाता है। नीचे वेध दोष चक्र दिया है इसमें ऊपर लिखे नक्षत्र में विवाह हो और नीचे लिखे नक्षत्र में ग्रह हो तो वेध होता है यह विवाह काल में वर्जित है।

वेध दोष चक्र

रो	मृ	म	उ.फा	ह	स्वा	अनु	मू.	उ.षा	उ.भा	रे	वि.नक्षत्र
अश्वि	उ.षा	श्र	रे	उ.भा	श	भ	पुन	मृ	ह	उ.षा.	वेध नक्षत्र

५. यामित्र— विवाह लग्न या चन्द्र से सप्तम में कोई ग्रह हो तो यामित्र दोष होता है। यदि लग्न और सप्तमस्थ ग्रह का अन्तर ठीक ६ राशि (अंश कलादि तक) तक हो तो पूर्ण यामित्र दोष अन्यथा अल्पदोष कहा गया है।

यामित्र दोष चक्र

रो	मृ	म	उ.फा	ह	स्वा	अनु	भ	उ.षा	उ.भा	रे	वि.नक्षत्र
अनु	ज्ये	ध	पू.भा	उ.भा	अ	कृ	मृ	पुन	उ.फा	ह	ग्रह नक्षत्र

६. बाण— किसी राशि में सूर्य के (स्पष्ट सूर्य के) भुक्तांश ८, १७ और २६ हों तो रोगबाण, २, ११, २० और २९ हों तो अग्निबाण, ४, १३, २२ हों तो राजबाण, ६, १५, २४ हों तो चोरबाण तथा १, १०, १९ और २८ हों तो मृत्यु बाण दोष माना जाता है। विवाह में मृत्यु बाण, यात्रा में चोरबाण, सेवा कर्म में (नौकरी करने में) राजबाण, गृहारम्भ में अग्निबाण और उपनयन में रोगबाण त्याज्य कहे गये हैं।

७. एकार्गल— विवाह के दिन विष्कुम्भ, वज्र, परिघ, अतिगण्ड, शूल, व्याघात, वैधृति और व्यतिपात इनमें से कोई योग हो तथा सूर्य नक्षत्र से (इसमें अभिजित के सहित गणना करें) चन्द्र विषम नक्षत्र में हो तो एकार्गल दोष होता है।

८. उपग्रह— विवाह के दिन सूर्य नक्षत्र से चन्द्रमा ५, ७, ८, १०, १४, १५, १८, १९, २१, २२, २३, २४ और २५वें नक्षत्र में हो तो उपग्रह दोष होता है। कुरू और वाह्यक क्षेत्र में विशेष दोषावह है।

९. क्रान्तिसाम्य— जब मेष और सिंह, वृषभ और मकर, मिथुन और धनु कर्क और वृश्चिक, कन्या और मीन तथा तुला और कुम्भ इन दोनों राशियों में से एक पर सूर्य तथा दूसरी पर चन्द्र हो तो क्रान्तिसाम्य दोष होता है। यह स्थूल क्रान्तिसाम्य है। सूक्ष्म क्रान्तिसाम्य ही सर्वत्र वर्जित माना गया है।

१०. दग्धा तिथि— जब सूर्य धनु-मीन, वृष, कुम्भ, मेष-कर्क, मिथुन-कन्या, सिंह-वृश्चिक, तुला-मकर इन दोनों राशियों में से किसी राशि में सूर्य हो तो क्रम से २, ४, ६, ८, १०, १२ तिथियां दग्धा मानी गई हैं।

दग्धा तिथि चक्र

मेष कर्क	वृषभ कुम्भ	मिथुन कन्या	सिंह वृश्चिक	तुला मकर	धनु मीन	सूर्यराशि
६	४	८	१०	१२	२	तिथि

लत्तादि दोष परिहार— लत्ता उज्जैन क्षेत्र में सौराष्ट्र में, पात कुरुक्षेत्र, भठिण्डा, फिरोजपुर जिले में, एकार्गल जम्मू-कश्मीर में, वेध सब जगहों में, उपग्रह कुरुक्षेत्र, आगरा व अवध, बंगाल, जगन्नाथपुरी (कलिंग में) त्याज्य हैं। लग्न यदि सूर्य और चन्द्र के बल से बली हो तो एकार्गल, उपग्रह, लत्ता तथा पात दोष का परिहार हो जाता है।

विवाह समय के विहित मास, तिथि, नक्षत्र और लग्नादि

विवाह के लिए वृश्चिक, मकर, कुम्भ, मेष, वृषभ और मिथुन के सूर्य (मिथुन का सूर्य हरिशयनी एकादशी से त्याज्य माना गया है) रिक्ता और अमावस्या को छोड़कर अन्य तिथि, रोहिणी, मृगशिर, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, उ.षा., उत्तराभाद्रपद और रेवती (कुछ आचार्यों के मत से अश्विनी, चित्रा, श्रवण और धनिष्ठा भी विवाह नक्षत्र विहित माने गये हैं)। विवाह लग्न में मिथुन, कन्या, तुला, धनु और मीन का नवांश प्रशस्त कहा गया है।

वाग्दान विचार (वरवरण मुहूर्त्त)— रिक्ता अमावस्या तिथि को छोड़कर अन्य तिथियों में, शुभवार में तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा, रोहिणी और कृत्तिका इन नक्षत्रों में लग्न और चन्द्रबल देखकर लड़की का भाई या पुरोहित पूर्वाभिमुख बैठे वर के मस्तक पर केशरादि का तिलक करें, पूजन करे तथा वर के मुख में मीठा या पान देकर गोद में वस्त्र, नारियल और द्रव्यादि दें।

विवाह के पूर्व कन्या का नाम बदलना— आजकल कन्या का नाम विवाह से पूर्व बदलने का नियम चल पड़ा है। इसके पीछे कारण है कि कन्या का जन्म नाम मालूम न होना, वैसे भी प्रायः लोग जन्म नाम को बदल कर दूसरा नाम रख लेते हैं। यदि विवाह से पूर्व कन्या का नाम बदलना हो तो ध्यान रखें कि बोलता नाम बदला जा सकता है जन्म नाम नहीं।

विवाह विचार में विशेष— दो सगी बहनों का दो सगे भाइयों के साथ विवाह न करें। दो सगी बहनों या भाइयों का तथा सगे बहन-भाई का विवाह ६ मास के भीतर न करें। आवश्यकता में लड़की के विवाह के बाद लड़के का विवाह हो सकता है। जुड़वां भाई-बहन का विवाह करने में भी कोई हानि नहीं। विवाह के पश्चात् ६ मास तक मुण्डन, यज्ञोपवीत आदि संस्कार न करें। यदि संवत् बदल जाये तो ६ मास के भीतर किया जा सकता है। सगाई के पश्चात् वर या कन्या की तीन पीढ़ी में मृत्यु होने पर १ मास तक विवाह न करें। अत्यावश्यकता में सूतक समाप्त होने पर शान्ति करा कर विवाह करें। सबसे बड़े लड़के और सबसे बड़ी लड़की का विवाह ज्येष्ठ मास में न करें। जन्म नक्षत्र और जन्म तिथि में भी विवाह शुभ नहीं होता। अत्यावश्यक हो कि ज्येष्ठ लड़के और लड़की का विवाह ज्येष्ठ में करना पड़े तो सूर्य के कृत्तिका नक्षत्र में रहते कदापि न करें। अन्य नक्षत्रों में शान्ति कराकर किया जा सकता है।

त्रिबल शुद्धि

श्रेष्ठ गुरु— जब गुरु जन्म राशि से २।५।७।९।११वें हो।
पूज्य गुरु— जब गुरु जन्म राशि से १।३।६।१०वें हो।
नेष्ट गुरु— जब गुरु जन्म राशि से ४।८।१२ वें हो।
परिहार— जब गुरु स्वराशिस्थ (धनु-मीन) या उच्च में हो तो नेष्ट भी श्रेष्ठ माना गया है।
श्रेष्ठ रवि— यदि सूर्य जन्म राशि से ३।६।१०।११वें हो।
पूज्य रवि— यदि सूर्य जन्म राशि से २।५।९।[illegible]वें हो।

नेष्ट रवि— यदि सूर्य जन्म राशि से ४।८।१२वें हो।
श्रेष्ठ चन्द्र— जन्म राशि से १।२।३।५।६।७।९।१०।११।१२वां

चक्र (अवकहड़ा) से गण ज्ञात करें। दोनों का एक गण हो या एक का देव दूसरे का मनुष्य हो तो शुभ

नेष्ट रवि—यदि सूर्य जन्म राशि से ४।८।१२वें हो।

श्रेष्ठ चन्द्र—जन्म राशि से १।२।३।५।६।७।९।१०।११।१२वां चन्द्र श्रेष्ठ है। विवाह में १२ भी लिया जा सकता है।

नेष्ट चन्द्र—जन्म राशि से ४।८वां चन्द्र नेष्ट है।

गोधूलिका लग्न—हेमन्त ऋतु में सायंकाल जब सूर्य का बिम्ब लाल होकर पश्चिम में अस्त होने वाला होता है तब, ग्रीष्म में जब सूर्य आधा अस्त हो जाता है तब, वर्षा ऋतु में जब सूर्य सम्पूर्ण अस्त हो जाता है तब गोधूलि कही जाती है। वारों में जब गुरुवार को सूर्यास्त होने पर और शनिवार को सूर्य अस्त होने से पूर्व गोधूलि लग्न होती है। विवाह काल में यदि गोधूलि लग्न हो तथा लग्न, षष्ठ और अष्टम् में चन्द्र हो तो कन्या के लिए अशुभ, लग्न, सप्तम, अष्टम इन स्थानों में मंगल हो तो वर के लिए अशुभ रहता है। लग्न से दूसरे, तीसरे और ग्यारहवें चन्द्र हो तो शुभ होता है।

वधु प्रवेश मुहूर्त्त—विवाह के पीछे १६ दिनों के भीतर सम दिन में अर्थात् २, ४, ६, ८, १०वें आदि दिनों में या ५, ७, ९वें विषम दिनों में वधु प्रवेश शुभ होता है, इसके बाद १, ३, ५, ७, ९, ११वें मास में, १, ३, ५वें वर्ष में वधु प्रवेश शुभ होता है। ५ वर्ष के पश्चात् कभी भी शुभ दिन देखकर वधु प्रवेश कराया जा सकता है।

द्विरागमन मुहूर्त्त—विवाह से विषम वर्षों में द्विरागमन शुभ है। कुम्भ, वृश्चिक और मेष में सूर्य हो, चन्द्र, गुरु और सूर्य बली हों तथा शुभ दिनों में, कन्या, तुला, वृष, मिथुन और मीन लग्न में तथा लघु, चर, ध्रुवसंज्ञक और मूल नक्षत्र में द्विरागमन शुभ है। शुक्र के सन्मुख और दक्षिण रहने पर नवविवाहिता, गर्भवती तथा बच्चे वाली स्त्री का पति घर जाना अशुभ है। रेवती में मृगशिर नक्षत्र तक चन्द्रमा के रहने से दक्षिण और सन्मुख शुक्र का दोष नहीं होता क्योंकि तब शुक्र अन्ध होता है।

नूतन वधू द्वारा पाकारम्भ—कृत्तिका, मृगशिर, पुष्य, ज्येष्ठा, विशाखा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती, नक्षत्रों में शुभ तिथि में, रवि, मंगल छोड़कर अन्य वारों में, स्थिर लग्न में तथा लग्न से ४, ८, १२वें कोई ग्रह न हो तो नवोढ़ा से पाकारम्भ कराना श्रेष्ठ रहता है।

धार्मिक कृत्य मुहूर्त्त—व्रत-अनुष्ठान, पुराण कथा, भागवत श्रवण, देव पूजन, रामायण कथा श्रवण इत्यादि कृत्तिका, अश्विनी, रोहिणी, मृगशिर, पुनर्वसु, पुष्य, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा तथा रेवती नक्षत्रों में, १, ४, ९, १४ तिथियों को छोड़कर अन्य तिथियों में मंगलवार, शनिवार को छोड़कर अन्य वारों में करना शुभ है। जिस विशिष्ट व्रत-अनुष्ठान के लिए विशिष्ट तिथि नक्षत्रादि निश्चित हैं, वह उसी समय करना चाहिए।

विवाहे मेलापक विचार

विवाह सामाजिक आवश्यकता है, यह संस्कार वासना पूर्ति के लिए नहीं वरन् गृहस्थ धर्म के निर्वाह के लिए किया जाता है। इस विषय में विद्वानों का मत है—

दाम्पत्य जीवनोद्देश्यो महान सेवामयस्था।
समाज देश विश्वेभ्यो दिव्यात्मानं समर्पयेत्॥

विवाह में लत्ता आदि दस दोष मुख्य माने गये हैं, इनमें अल्प दोष हों तो विवाह हो सकता है ऐसी शास्त्राज्ञा है, लेकिन जहां वर पक्ष और कन्या पक्ष दोनों में परस्पर सन्तोष हो जाये तो विहित नक्षत्रों में विवाह हो सकता है—

मनसश्चक्षुषोर्यस्मिन वरे यस्यां च योषिति।
सन्तोषो जायते तत्र नाव्यत् किञ्चिद् विचिन्तयेत्॥

वर और कन्या की कुण्डली हो तो दोनों के ग्रह मेलापक और नक्षत्र मेलापक शुद्धि देखनी चहिये।

नक्षत्र मेलापक

इसमें वर्ण, वश्य, तारा, योनि, ग्रहमैत्री, गणमैत्री, भकुट और नाड़ी ये आठ कूट होते हैं।

१. **वर्ण**—वर कन्या के वर्ण राशि चक्र से ज्ञात करने चाहियें। यदि दोनों के समान वर्ण हों या वर का कन्या से श्रेष्ठ वर्ण हो शुभ अन्यथा अशुभ समझना चाहिये। वर्ण का एक गुण होता है।

२. **वश्य**—राशि चक्र से वर-कन्या के वश्य ज्ञात कर देखना चाहिये कि दोनों का एक वश्य है तब दो गुण, एक का द्विपद (मानव) और दूसरे का चतुष्पदया कीट है तो शून्य गुण बाकी में एक गुण जानें।

३. **तारा**—वर के नक्षत्र से कन्या के नक्षत्र तक तथा कन्या के नक्षत्र से वर के नक्षत्र तक गिन कर दोनों संख्याओं को पृथक्-पृथक् लिख कर ९ का भाग दें १, २, ४, ६ अथवा शून्य शेष रहने पर शुभ अन्यथा अशुभ जानें। दोनों से तारा शुभ हो तो श्रेष्ठ, एक से शुभ हो तो मध्यम और दोनों से अशुभ हो तो निन्द्य समझना चाहिये। हमने यहां पर बिना तारा जाने सीधे वर-कन्या के जन्म नक्षत्र से तारा गुण की सारिणी दी है। अतः वर-कन्या के तारा निकालने की इसमें आवश्यकता नहीं है।

४. **योनि**—राशि चक्र से दोनों की योनि ज्ञात करें। दोनों की एक योनि हो या योनि में मैत्री हो व सम हो तो शुभ अन्यथा अशुभ जानें।

५. **ग्रह मैत्री**—राशि चक्र से राशि स्वामी जानें। राशि स्वामी एक हों, दोनों में मैत्री हो या एक-दूसरे के लिये सम हों तो शुभ अन्यथा अशुभ जानें।

६. **गण**—राशि चक्र (अवकहड़ा) से गण ज्ञात करें। दोनों का एक गण हो या एक का देव दूसरे का मनुष्य हो तो शुभ अन्यथा अशुभ जानें।

७. **भकुट**—वर की राशि से कन्या की राशि २, १२, ६, ८, ५, ९ हो तो अशुभ अन्यथा शुभ जानें।

८. **नाड़ी**—अवकहड़ा चक्र से दोनों की नाड़ी ज्ञात करें, यदि दोनों की एक ही नाड़ी हो तो अशुभ यदि भिन्न-२ नाड़ी हो तो शुभ समझना चाहिये।

इन आठों कूटों के शुभ होने पर ३६ गुण मिलते हैं। शास्त्राज्ञा है कि मेलापक में गुण १८ से अधिक हों तो विवाह शुभ रहते हैं। यदि ग्रह मेलापक ठीक हो तो इससे कम गुण भी ग्राह्य हैं।

ग्रह मेलापक

लग्न, चतुर्थ, सप्तम्, अष्टम्, द्वादश में पापी ग्रह (मंगल, शनि, राहु, सूर्य आदि) हों तो जातक का दाम्पत्य जीवन सुखी नहीं रहता ऐसी ज्योतिष शास्त्र की मान्यता है। इनमें मंगल विशेषतया अधिक हानिकारक होता है इसलिए इस प्रकार की ग्रह स्थिति वालों को मंगली कहा जाता है। दक्षिण भारत में द्वितीय भाव से भी इन ग्रहों की स्थिति वाले जातक को मंगली कहा जाता है। चूंकि सप्तम स्थान से द्वितीय भाव आठवें पड़ता है और आठवां भाव मृत्यु का है अतः सहचर या सहचरी की आयु का विचार इसी भाव से किया जाता है। यहां हम इस दोष का परिहार दे रहे हैं ताकि ग्रह मेलापक में सुभीता रहे।

यदि वर और कन्या दोनों की कुण्डली में उक्त स्थानों में मंगल आदि पाप ग्रह पड़े हों तो विवाह शुभ, लड़के व लड़की की कुण्डली में उक्त स्थानों में पाप ग्रह की संख्या देखें यदि लड़के की कुण्डली में लड़की की कुण्डली से पाप ग्रह संख्या बराबर हो या अधिक हो तो विवाह शुभ अन्यथा अशुभ प्रद जानें। सप्तमेश स्वराशिस्थ हो, उच्च का हो अथवा अधिमित्र के गृह में हो तो मंगली दोष का परिहार हो जाता है।

वर और कन्या के नक्षत्र एवं ग्रह मेलापक देख कर नक्षत्र मेलापक चक्र से वर और कन्या के नक्षत्र के सामने के कोष्ठक में गुणयोग देखें। यदि योग २७ से अधिक हो तो मिलान अत्युत्तम समझें, यदि २७ से कम २० तक गुण मिलें तो उत्तम और १८ तक गुण मिलें तो मध्यम जानें। यदि १८ से कम गुण मिलें तो निंद्य है। यदि ग्रह मेलापक उत्तम हो तो १२ से १८ तक भी गुण मिलें तो विवाह करना शास्त्र सम्मत है।

मंगलीदोष

सभी प्रकार के ज्ञान एवं भारतीय शास्त्रों की उत्पत्ति भारतीय दर्शन से मानी गई है। भारतीय दर्शन जीवन और जगत् के रहस्यों का अनुसंधान और सन्तोष जनक सिद्धान्तों के आधार पर उनकी व्याख्या करता आया है। ज्ञान, दर्शन का स्वरूप और उस की सीमा है। मनुष्य स्वभाव से ही जिज्ञासु प्राणी है और अपनी इसी प्रवृत्ति के कारण किंवा अदम्य जिज्ञासा की प्रेरणा से, वह सदैव दार्शनिक समस्याओं का समाधान

खोजने में लगा रहता है। भारतीय दर्शन आत्मा को अजर-अमर मानता है और कर्मानुसार (कर्मों के अनादि प्रवाह-प्रारब्ध के कारण) देह परिवर्तन को इसका स्वाभाविक गुण मानता है। प्राणी मात्र की देह में रहने वाला यह अविनाशी आत्मतत्व, स्वतंत्र, रूपहीन, नित्य एवं चैतन्य है। यह कर्म बन्धन के ही कारण विनाशशील और परतन्त्र दीख पड़ता है। संसार के इस निगूढ़ तत्व को समझने के लिए ज्योतिष एक दिव्य चक्षु है। इसीलिए इसे वेदांग में गिना जाता है। वेद के अंगों में यह छठा अंग है। ज्योतिष के तेजस् को देख कर ही इसे चाक्षुष प्रत्यक्ष कहा जाता है। ज्योतिष के तीन स्कन्ध हैं जिन में फलित भी एक है। फलित स्कन्ध से ही सामान्य व्यक्ति अधिक प्रभावित होता है। फलित के कारण ही वह ज्योतिषी को सम्मान की दृष्टि से देखता है। वह नहीं जानता कि उस को जन्म पत्रिका में कहां गणितीय त्रुटि है, क्योंकि यह विषय उस की पकड़ से बाहर है। वह तो फलित के प्रति आसक्ति रखता है और उसी से प्रभावित होता है। लोक श्रद्धा ही इस विषय को जीवित रखे हुए है। आज की सबसे बड़ी बिडम्बना यह है कि ज्योतिषी को जीविका के लिए संघर्ष भी करना है और लोग श्रद्धा को अनुकण्ठ बनाये रखने के लिए अनुशीलन भी।

ज्योतिषशास्त्र और ज्योतिषी स्वतन्त्र भारत में इतनी दयनीय अवस्था में आ पहुंचे कि सभी कुछ उन्हें स्वयं करना है और समाज में इस विद्या के प्रति आस्था को सजीव बनाये रखना है। सामन्त तो रहे नहीं, श्रेष्ठी भी नहीं रहे, धर्म-निरपेक्ष राष्ट्र में यह विज्ञान प्रचार और प्रोपेगंडा में ही सिमट कर रह गया। सभी लोग जानते हैं कि ज्योतिषी होना तो दूर रहा नक्षत्रों की श्रेणी में भी जो नहीं आते वे अपने आप को विश्व विख्यात भविष्यवक्ता कहते नहीं अघाते। ऐसे लोगों द्वारा भविष्यवाणी करने से जो स्थिति बनती है वह ज्योतिष पर आक्षेप लगाती है। ऐसे व्यक्ति अपनी अज्ञानता को छिपाने के लिए अनेक नाटक रचते हैं। उनकी नाट्य कला से उनको भले ही लाभ हो लेकिन इससे ज्योतिष शास्त्र की अपकीर्ति होती है, वह अविश्वसनीय बनता है और लोगों को उसे अन्धविश्वास (सुपरस्टीशन) कहने का अवसर मिलता है।

ऐसे ही मंगली दोष के विषय में अनेक भ्रान्तियां समाज में प्रचलित हैं। प्राचीन काल से ही भारत में कुण्डली मिलान की प्रथा है। विवाह से पूर्व वर तथा कन्या से ग्रहों का मेलापक पर निर्णय लिया जाता है कि आगामी जीवन दोनों का सुखमय रहेगा या दुखमय। विवाह मेलापक के लिए यूं तो अनेकानेक बातों को ध्यान में रखा जाता है लेकिन जितना महत्व मंगली दोष को दिया जाता है इतना अन्य किसी दोष को नहीं।

मंगली दोष का निर्णय करने के लिए वर-कन्या के प्रथम, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम एवं द्वादश भावों को लिया जाता है, दक्षिण भारत में द्वितीय भाव को और मिला लेते हैं। इन भावों में कोई भी क्रूर किंवा पापी ग्रह (मंगल, शनि, सूर्य, राहु, केतु) स्थित हो तो मंगली दोष मान लिया जाता है। चूंकि मंगल वैवाहिक सुख को बिगाड़ने में अपना विशिष्ट स्थान रखता है इसलिए इसी ग्रह के नाम पर इस दोष को मंगली दोष कहा जाता है। प्रायः सर्वत्र ही यह मत प्रचलित है। यहां हम मंगली दोष कब-कितना हो सकता है इस पर विचार करते हैं। ग्रहों की ९ अवस्थाएं मानी जाती हैं, उच्च राशि, मूल, त्रिकोण, स्वराशि, अधिमित्र राशि, मित्र राशि, सम राशि, शत्रु राशि, अधिशत्रु राशि और नीच राशि। अब शंका उठती है कि इन नवों अवस्थाओं में स्थित ग्रह क्या समान फल कर सकता है। इसका उत्तर है नहीं। दूसरी बात क्या सभी ज्योतिर्विद इन नवों अवस्थाओं में स्थित ग्रह को समझकर मंगली दोष का निर्णय करते हैं इसका उत्तर भी नहीं है, क्योंकि उपरोक्त तथ्य को समझकर मंगली दोष का निर्णय किया जाता तो मंगली दोष को इतना भयंकर नहीं समझा जाता जितना कि आज माना जा रहा है। मंगली दोष का भयावह रूप दर्शाने के लिए किसने कब यह श्लोक रच डाला ज्ञात नहीं है-

लग्नेव्यये च पाताले, जामित्रे चाऽष्टमे कुजे।
कन्याभर्तुर्विनाशाय, भर्तुः कन्या विनाशकः॥

अर्थात् कुण्डली में १, ४, ७, ८, १२वें स्थान में मंगल हो तो क्या कन्या भर्ता का और भर्ता कन्या का नाश करते हैं। अगर हम इसकी शब्दावली पर ध्यान दें तो यह श्लोक किसी ऋषि प्रणीत प्रतीत नहीं होता। विवाह से पूर्व कन्या संज्ञा ठीक है लेकिन भर्ता शब्द यहां अनुचित है क्योंकि विवाह से पूर्व लड़के की संज्ञा वर है भर्ता तो विवाह पश्चात् बनेगा। दूसरे जब भर्ता हो गया तो भार्या आना चाहिए कन्या कहां से आया। अतः यह स्वतः प्रमाणित है कि यह श्लोक क्षेपक है आप्त वाक्य नहीं। कितने खेद का विषय है कि ऐसे अनार्थ श्लोकों को मान्यता देकर ज्योतिर्विद जहां अच्छे से अच्छे सम्बन्धों को अनादृत कर देते हैं वहीं ज्योतिष शास्त्र की प्रतिष्ठा को भी आघात पहुँचाते हैं। ज्योतिष जगत् में फैली इन विसंगतियों के कारण जन-साधारण की आस्था इस शास्त्र के प्रति लुप्त होती है और कभी-कभी माता-पिता अपने बच्चों की नकली कुण्डलियां बनवाकर विवाह सम्बन्ध कर देते हैं।

प्रथम भाव तन है, चतुर्थ सुख-स्थान, सप्तम भाव कामोपयोग को जतलाने वाला है। अष्टम भाव जीवन साथी कुटुम्ब को बतलाता है और द्वादश भाव शय्या सुख का निर्देशक स्थान है। यहां स्थित होकर मंगल उस भाव को दूषित करता ही है साथ ही दृष्टि दोष से दूसरे स्थानों को भी बिगाड़ता है, जैसे लग्न में स्थित मंगल की चतुर्थ, सप्तम और अष्टम स्थान पर ही दृष्टि रखता है, द्वादश में होकर भी सप्तम स्थान पर दृष्टि डालता है। चूंकि सप्तम स्थान से द्वादश में होकर भी सप्तम स्थान पर दृष्टि डालता है। चूंकि सप्तम स्थान से जीवन साथी के सुख का निर्णय किया जाता है और उसका पाप प्रभाव में रहना जीवन साथी के सुख का निर्णय किया जाता है और उसका पाप प्रभाव में रहना इस सुख से न्यूनता लाता है। इसलिए मंगलीक दोष का विचार बड़ी सूक्ष्मता से करना चाहिए। यदि हम [illegible] के निकट पहुंच सकते हैं। जैसे लग्न से मंगली दोष मानते हैं वैसे ही चन्द्र से भी देखें तथा शुक्र से भी। शुक्र चूंकि भोग कारक ग्रह है और इससे बना मंगली दोष अधिक बाधाकारक देखा गया है। कुछ लोगों की मान्यता है कि वर और कन्या दोनों मंगली हों तो वैवाहिक सुख नहीं बिगड़ता लेकिन मैंने कई ऐसे जोड़े देखे हैं जिनका दाम्पत्य सुख नगण्य सा ही है। कुछ लोग मानते हैं कि मंगल-शनि आदि ग्रह यदि कारक हों तो बुरा फल नहीं करते ऐसा भी अकाट्य सत्य नहीं है। वृष लग्न की कुण्डली में शनि सर्वाधिक कारक ग्रह है लेकिन दूसरे, आठवें और दसवें स्थान का शनि विवाह विच्छेद कराने में सक्षम होता है। अब तक हमने मंगली योग पर विचार किया अब उसके परिहार पर विचार करते हैं। अर्थात् मंगली दोष किन स्थितियों में अपना फल नहीं दे पाता।

१. सप्तमेश स्वराशिस्थ हो, उच्च का हो, मित्र राशिस्थ होकर स्वस्थान को देखता हो। २. सप्तमेश पर वृहस्पति या शुक्र की पूर्ण दृष्टि हो तो मंगली दोष समाप्त हो जाता है। ३. सप्तम भाव को बली शुक्र या वृहस्पति देखते हों तो मंगली दोष का प्रभाव नगण्य सा ही रहता है। ४. नीचस्थ या त्रिकस्थ होकर भी सप्तमेश सप्तम भाव को देखें तो मंगली दोष क्षीण हो जाता है।

बेड़ा जातक में एक श्लोक आता है:-

त्यक्तार्के विधवारेऽत्र पापेक्ष्यार्की चिरा प्रिया।
सौम्यैर्धन्या प्रियाऽस्तस्थैः क्रूरैः रण्डा च मिश्रितैः॥

अर्थात् स्त्री की कुण्डली में लग्न से सप्तम सूर्य हो तो पति द्वारा वह स्त्री त्याग दी जाती है या दाम्पत्य सुख से वंचित कर दी जाती है। मंगल हो तो विधवा होती है। शनि हो तो देर से विवाह हो तथा लम्बे समय बाद पति की प्रिया बने। शुभ ग्रह हो तो उत्तम भाग्य वाली, पापग्रह हो तो विधवा, पाप और शुभ दोनों हो तो मिश्रित फल मिलता है। कुण्डली के मात्र सप्तम स्थान में पापग्रह देखकर विधवा कह देना युक्ति-युक्त नहीं है। कुण्डली का सूक्ष्मातिसूक्ष्म अध्ययन करने के पश्चात् ही कोई निर्णय लेना चाहिए क्योंकि इस निर्णय पर ही दो प्राणियों के वैवाहिक सुख बनाना और बिगाड़ना निर्भर करता है। अनुभव में आया है कि सप्तम और अष्टम स्थान का पापग्रह जितना पीड़ा कारक है इतना अन्य स्थान का नहीं। मैं स्वयं मंगली हूँ मेरी पत्नी मंगली नहीं है इतने पर भी पिछले ४२ वर्षों से हम सानन्द साथ रह रहे हैं। इससे मेरा यह आशय बिलकुल नहीं है कि कुण्डली में मंगली दोष को अनदेखा कर दिया जाये बल्कि इतना ही है कि जहां मंगली दोष देखे वहां उसके परिहार और अन्य शुभ योगों को भी अनदेखा नहीं करना चाहिए। मंगल से अमंगल की कल्पना से समाज में जो भयावह-प्रभाव उत्पन्न हो गया है। उसी भय को समाप्त करने के लिए लघु लेख की रचना की गई है। आशा है जन-साधारण इससे लाभान्वित होंगे।

वर्ण के गुण

	ब्रा.	क्ष.	वै.	शू.
ब्राह्मण	१	०	०	०

वश्य के गुण

	च.	मा.	ज.	व.	की.
चतुष्पद	२	१	१	०	१

योनिगुण चक्र (४)

	अ.	ग.	मे.	स.	[illegible]	[illegible]	[illegible]	वृ.	वा.	न.	सि.
अश्व	४	२	३	२	२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

ग्रह मैत्री के गुण चक्र

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.

वर्ण के गुण

	ब्रा.	क्ष.	वै.	शू.
ब्राह्मण	१	०	०	०
क्षत्रिय	१	१	०	०
वैश्य	१	१	१	०
शूद्र	१	१	१	१

वश्य के गुण

	च.	मा.	ज.	व.	की.
चतुष्पद	२	१	१	०	१
मानव	१	२	१	०	१
जलचर	१	१	२	१	१
वनचर	०	०	१	२	०
कीट	१	१	१	०	२

जन्म कुण्डली मिलान में ३६ गुण हैं। १८ गुण से ऊपर मिलने पर शुभ, २७ गुण से ऊपर अत्यंत शुभ मानते हैं। अन्य बातें भी विचार करते हैं।

[illegible]

	अ.	ग.	मे.	स.	श्वा.	मा.	मू.	गौ	म.	व्या.	मृ.	वा.	न.	सि.
अश्व	४	२	३	२	२	३	३	३	०	१	३	२	२	१
गज	२	४	३	२	२	३	३	३	३	१	३	२	२	०
मेष	३	३	४	२	२	३	२	३	३	१	३	३	२	१
सर्प	२	२	२	४	२	१	१	२	२	२	२	२	०	२
श्वान	२	२	२	२	४	१	१	२	२	१	०	२	२	१
मार्जार	३	३	३	१	१	४	०	२	२	१	२	२	२	२
मूषक	३	२	२	२	१	०	४	२	२	२	२	२	२	१
गौ	३	२	३	२	१	२	२	४	३	०	२	२	३	१
महिष	०	३	३	२	२	२	२	३	४	१	२	२	२	३
व्याघ्र	१	२	१	२	१	१	२	०	१	४	१	१	२	२
मृग	३	३	३	२	०	३	२	३	२	१	४	२	२	२
वानर	२	३	०	२	२	२	२	२	२	१	२	४	२	३
नकुल	२	२	३	०	२	२	२	२	२	२	२	२	४	२
सिंह	१	०	१	२	१	२	१	१	१	२	२	२	२	४

ग्रह मैत्री के गुण चक्र

	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श
सूर्य	५	५	५	४	५	०	०
चन्द्र	५	५	४	१	४	॥	॥
मंगल	५	४	५	॥	५	३	॥
बुध	४	१		५	॥	५	४
गुरु	५	४	५	॥	५	॥	३
शुक्र	०	॥	३	५	॥	५	५
शनि	०	॥	॥	४	३	५	५

गण मैत्री के गुण ६

	दे.	म.	रा.
देवता	६	५	१
मनुष्य	६	६	०
राक्षस	०	०	६

२ १२ ३ १ ११ ४ १० ७ ५ ६ ८ ९

तारागुण चक्र (३)

	१	२	३	४	५	६	७	८	९
१	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
२	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
३	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
४	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
५	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
६	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
७	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
८	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
९	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३

तारा देखने की रीति— कन्या के नक्षत्र से वर के नक्षत्र तक व वर के नक्षत्र से कन्या के नक्षत्र तक गिनकर ९ का भाग देने से जो शेष बचे, वह तारा जानिए।

भकूटगुण चक्र (७)

	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी
मेष	७	०	७	७	०	०	७	०	०	७	७	०
वृष	०	७	०	७	७	०	०	७	०	०	७	७
मिथुन	७	०	७	०	७	७	०	०	७	०	०	७
कर्क	७	७	०	७	०	७	७	०	०	७	०	०
सिंह	०	७	७	०	७	०	७	७	०	०	७	०
कन्या	०	०	७	७	०	७	०	७	७	०	०	७
तुला	७	०	०	७	७	०	७	०	७	७	०	०
वृश्चिक	०	७	०	०	७	७	०	७	०	७	७	०
धनु	०	०	७	०	०	७	७	०	७	०	७	७
मकर	७	०	०	७	०	०	७	७	०	७	०	७
कुम्भ	७	७	०	०	७	०	०	७	७	०	७	०
मीन	०	७	७	०	०	७	०	०	७	७	०	७

नाड़ीगुण चक्र-८

	आदि	मध्य	अन्त्य
आदि	०	८	८
मध्य	८	०	८
अन्त्य	८	८	०

कुंडली में मंगलादि का विचार १, ४, ७, ८ व १२वें स्थान में मंगल होने से मंगली, वर की कुण्डली में हो तो स्त्री की ओर स्त्री की में हो तो पति को अनिष्ट, यदि दोनों की कुण्डली में हो तो दोष नहीं। इसी प्रकार इन स्थानों में शनि, राहु, केतु व सूर्य का भी विचार करते हैं। यह सब पाप ग्रह मंगल के परिहार हैं। चन्द्र कुंडली से भी इन स्थानों में मंगल आदि का विचार किया जाता है।

नैसर्गिक ग्रह-मैत्री चक्र

ग्रह	मित्र	सम	शत्रु
सूर्य	चं.मं.बृ.	बुध	शु.श.
चन्द्र	सू.बु.	मं.बृ.शु.श.	०
मंगल	सू.चं.बृ.	शु.श.	बुध
बुध	सू.शु.	मं.बृ.श.	चन्द्र
बृहस्पति	सू.चं.मं.	शनि	बु.शु.
शुक्र	बु.श.	मं.बृ.	सू.चं.
शनि	बु.शु.	बृह.	सू.चं.मं.

वर-वधू गुण मेलापक सारणी

ऊर्ध्वाधरस्थाम्यपि भानि पुंसां पार्श्व द्वयस्थानि तथा वधू नाम्। संपात कोष्ठे शुभयोर्गुणैक्यं सर्वे शुभं तत्सस्मृतितोऽधिकं यत्॥

←कन्या	वर →	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धन			मकर			कुम्भ			मीन		
	नक्षत्र चरण	अ. ४	भ. ४	कृ. १	कृ. ३	रो. ४	मृ. २	मृ. २	आ. ४	पुन. ३	पुन. १	पु. ४	श्ले. ४	म. ४	पू.फा ४	उ.फा १	उ.फा ३	ह. ४	चि. २	चि. २	स्वा. ४	वि. ३	वि. १	अनु. ४	ज्ये. ४	मू. ४	पू.षा ४	उ.षा १	उ.षा. ३	श्र. ४	ध. २	ध. २	श. ४	पू.भा ३	पू.भा १	उ.भा. ४	रे. ४
मेष	अ. ४	२८ ३	३३ ०	२८॥	१८॥ ४	२१॥ -४	२२॥ -४	२६	१७ ३	१९ ३	२३॥ ३	३१॥	२८	२१ +५	२५ +५	१५॥ ३.५	११ ३.६	९ २.३.६	१३ ६	२२॥	२६॥ -२	२२॥	१८॥ -६	२५॥ -६	१४ ३.६	१३॥ ३.५	२५ +५	२३॥ +५	२५	२६	२०	२०	१५ ३	१६ ३	१४॥ ३.४	२४॥ +४	२६॥ +४
	भ. ४	३४	२८ ३	२९ ०१	१९ ०.४.१	२१॥ -४	१४॥ ३४	१८ ३	२६	२७	३१॥	२३॥ ३	२५॥ १	२० १५-	१८ २.५	२६ +५	२१॥ ६	२० ६	४ १.३.६	१३॥ १.३	२९॥	२१॥ १	१७॥ -१६	१७॥ ३.६	१९॥ -१६	२० -१.५	१८ ३.५	२६ +५	२७॥	२६	१० १३२	१० १.३.२	२० -१	२४ -२	२२॥ २४+	१७॥ +३.४	२६॥ +४
	कृ. १	२७॥	२९ १	२८ ३	१८ ३.४	१० १.३.४.०	१६॥ ४	२०	२० १	२१	२५॥	२६॥	२३॥ ३	१६॥ ३.५	२० १.५	२० १.५	१५॥ १.६	१५॥ ६	१८ ६	२७॥	१५॥ ३	१९॥ ३	१५॥ ३.६	१९॥ -६	२५॥ -६	२४॥ +५	१८ १.२.५	१२ ३.१.५	१३॥ १३	११॥ २.३	२५	२५	२७	१९ १	१७॥ १.४	१९॥ १.४	११॥ ३.४
वृष	कृ. ३	१८॥ -४	२० १.४	१९ ३.४	२८ ३	२० ०.१.३	२६॥	१७॥ +४	१७॥ १.४	१८॥ +४	२२	२३	२० ३	१८॥ ३	२२ १	२२ १	२१ १.५	२१ +५	२३॥ +५	२२॥ -६	१०॥ ३.६	१४॥ ३.६	२०॥ ३	२४॥	३०॥	२० ६	१३॥ १.२.६	७॥ १.३.६	१२ २.३.५	१० ३.५.२	२३॥ +५	२९॥	३१॥	२३॥ १	२० १	२२ १	१४ ३
	रो. ४	२३॥ -४	२३॥ ४	११ ३४१	२० ३१	२८ ३	३६ ०	२५॥ ०४	२२॥ +४	२२॥ +४	२६	२७	२२ ३१	१०॥ ३१	२४॥	२७	२६ +५	२६ +५	२० १५-	१९ १६	१५॥ ३.६	९॥ ३१६	१५॥ ३१	२९॥	२३॥ १	१४ १६	१९॥ ६	११॥ ३६२	१६ ३५२	१७ ३५	२० १५-	२४॥ -१	२४॥ -१	३०॥	२७	२७	१९ ३
	मृ. २	२३॥ -४	१४॥ ३४	१८॥ -४	२७॥	३५	२८ ३	१९ ३४	२४ ०४	२२॥ +४	२६	१९ १	२१	१९॥	१५॥ ३	२४॥	२३॥ +५	२६ +५	१३ ३५	१२ ३६	२५ -६	१८॥ -६	२४॥	२१॥ ३	२४॥	१५ ६	१० ३६	१७ २६	२१॥ +२५	२५ +५	१३ ३५	१९ ३	२७	२९॥	२६	१८ ३	२७
मिथुन	मृ. २	२७	१८ ०३	२२	१९॥ +४	२७ +४	२० ३४	२८ ३	३३ ०	३१॥	१९ -४	१२ ३४	१४ ४	२३॥	१९॥ ३	२८॥	३१॥	३४	२१ ३	१४ ३५	२७ +५	२०॥ +५	१४ ६	११ ३६	१४ ६	२३	१८ ३	२५ +२	२० -२६	२३॥ -६	११॥ ३६	१३ ३५	२१ +५	२३॥ +५	२५॥	१७॥ ३	२६॥
	आ. ४	१९ ३	२७	२१ १	१८॥ १४+	२४॥ +४	२६ +४	३४	२८ ३	२५ ०३	१२॥ ०३४	२० -४	१३ १४	२३॥ १	२९॥	२१॥ ३	२४॥ ३	२४॥ ३	२७ १	२० -१५	२७ +५	२० १५+	१३॥ १६	१७ २६	५ १.३६२	१६ १३	२८	२८	२३ -६	२३ -६	१७॥ -१६	१९ +१५	१२ १३५	१७ ३५	१९ ३	२६॥	२६॥
	पुन. ३	२० ३	२७	२३	२०॥ +४	२२॥ +४	२३॥ +४	३१॥	२४ ३	२८ ३	१५॥ ३४-	२२॥ ०४	१७ -४	२२॥ +२	२६॥ +२	२१॥ ३	२४॥ ३	२५॥ ३	२७॥	२०॥ +५	२८ +५	२२ +५	१५॥ ६	२१॥ ६	७ ३६	२४ ३	२७	२७	२२ -६	२३ -६	१७॥ -६	१८॥ +५	१४ ३५	१६ ३५	१८ ३	२८	२७॥
कर्क	पुन. १	२२॥ ३	२९॥	२५॥	२२	२४	२५	१८ ४	१०॥ ३४	१४॥ ३४	२८ ३	३५ ०	२९॥	१६॥ २४	२०॥ २४	१५॥ ३४	१८ ३	१९ ३	२१	२०॥	२८	२२	२०॥ +५	२६ +५	११॥ ३५	८ ३६	२१ -६	२१ -६	२६	२७	२१	१२॥ ६	८ ३६	१० ३६	१६ ३५	२६ +५	२५॥ +५
	पु. ४	३०॥	२१॥ ३	२६॥	२३	२५	१८ ३	११ ३४	१८ ४	२१॥ ४	३५	२८ ३	३० ०	१९॥ +४	१५॥ ३४	२३॥ +४	२६	२७	१२ ३	११॥ ३	२६॥	२१	१९ -५	१८ ३५	२१ -५	१७	११ २३६	२१ ६	२६	२५ -२	१३ ३	४॥ ३६	१४॥ ६	१८ ६	२४ +५	१८ ३५	२७ +५
	अश्ले. ४	२६	२४॥ १	२२॥ ३	१९ ३	११ ३१	१९	१२ ४	१२ १४	१५ ४	२८॥	२९	२८ ३	१५ ३४२	१५॥ १४२	१८॥ १४	२१ १	२१	२६	२५॥	१२॥ ३	१७॥ ३	१५॥ ३५	२० -५	२६ -५	२२॥ ६	१६ १६	८ ३१६	१३ १३	१३ ३	२६	१७॥ ६	१९॥ ६	११॥ १६	१७॥ १५-	२१ १५	१३ ३५
सिंह	म. ४	२० +५	२० १५	१६॥ ३५	१७॥ ३	९॥ ३१	१७॥	२१॥	२२॥ १	२०॥ -२	१६॥ २४+	१९॥ +४	१६ ३४२	२८ ३	३० ०१	२७॥ १	१६॥ १४	१६॥ +४	२१॥ ४	२४॥	११॥ ३	१६॥ ३	२२॥ ३	२५॥	३३	२५ +५	१९ १५	८॥ १३५	३॥ ३१६	४॥ ३६	१८॥ ६	२४॥	२५॥	१८॥ १	१८॥ १६-	१९॥ १६-	१३ ३६
	पू.फा. ४	२६ +५	१८ ३५	२० १५-	२१ १	२३॥	१५॥ ३	१९॥ ३	२८॥	२६॥ -२	२२॥ २४+	१७॥ +३४	१६॥ १२४	३० -१	२८ ३	३५ ०	२४ ०४	२२ +४	७॥ १३४	१०॥ १३	२५॥	१८॥ १	२४॥ -१	२३॥ ३	२५॥ -१	१९ १५+	१७ ३५	२४ +५	१७॥ ६	१८॥ ६	४॥ १३६	१० १३	१९॥ १	२४॥	२४॥ -६	१७॥ ३६	२५॥ -६
	उ.फा. १	१६॥ ३५	२६ +५	२० १५-	२१ १	२६	२४॥	२८॥	२०॥ ३	२१॥ ३	१७॥ ३४	२५॥ +४	१९॥ १४-	२७॥ -१	३५	२८ ३	१७ ३४	१६ ०३४	१३॥ १४२	१६॥ १२	२५॥	१६॥ १२	२२॥ -१२	३१॥	१७॥ १३	९॥ १३५	२५ +५	२५ +५	२० ६	२० ६	११॥ १६	१७॥ १	११॥ १३	१५॥ ३	१५॥ ३६	२६॥ -६	२५॥ -६
कन्या	उ.फा. ३	१३ ३६	२२॥ ६	१६॥ १६	२१ १५+	२६ +५	२४॥ +५	३१॥	२३॥ ३	२४॥ ३	२० ३	२८	२२ १	१७॥ १४	२५ +४	१८ ३४	२८ ३	२७ ०३	२४॥ १२+	१६॥ १२४-	२५॥ +४	१६॥ १२४	१८ १२	२७	१३ १३	१४ १३	२९॥	२९॥	२४॥ +५	२४॥ +५	१६ १५+	१६॥ -६	१०॥ ३१६	१४॥ ३६	१७॥ ३	२८॥	२७॥
	ह. ४	१० २३६	२० ६	१७॥ ६	२२ +५	२५ +५	२६ +५	३३	२२॥ ३	२४॥ ३	२० ३	२८	२३	१८॥ +४	२२॥ +४	१६ ३४	२६ ३	२८ ३	२८ ०	२० ०४	२६॥ +४	१८॥ +४	२०	२६	१३ ३	१५ ३	२७	२८॥	२३॥ +५	२४॥ +५	१८॥ +५	१९ ६	८॥ ३६२	१३॥ ३६	१६॥ ३	२६॥	२७॥
	चि. २	१३ ६	५ १३६	१९ ६	२३॥ +५	२० १५	१२ ३५	१९ ३	२६ १	२५॥	२१	१२ ३	२७	२२॥ +४	८॥ १३४	१४॥ १२४	२४॥ १२	२७	२८ ३	२० ३४	१९ ०४	२६॥ +४	२८	११ ३	२५	२७	१४ १३	२२ १	१७ १५	१८॥ +५	१५॥ ३५	१६ ३६	२४ -६	१६॥ १६	१९॥ १	१०॥ १३२	१९॥

वर्णवश्य आदि के संयोग से निर्मित यह गुण-दोष सारणी जिसमें ऊपर की पंक्ति में वर के नक्षत्र, खड़ी लाइन में कन्या के नक्षत्र लिखे हैं और सम्पात कोष्ठकों के ऊपरी भाग में गुण संख्या तथा नीचे महादोषों के चिन्ह दिए हैं। जिन्हों [illegible]
का वर्णिकाय है। एक नाड़ी दोष की जगह (०), गण तथा दोष [illegible]

भाग-२

वर-वधू गुण मेलापक सारणी

ऊर्ध्वाधरस्थाम्यपि भानि पुंसां पार्श्व द्वयस्थानि तथा वधू नाम्। संपात कोष्ठे शुभयोर्गुणैक्यं सर्वे शुभं तत्सस्मृतितोऽधिकं यत्॥

कन्या ↓	वर →	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
	नक्षत्र चरण	अ. ४	भ. ४	कृ. १	कृ. ३	रो. ४	मृ. २	मृ. २	आ. ४	पुन. ३	पुन. १	पु. ४	श्ले. ४	म. ४	पू.फा ४	उ.फा १	उ.फा ३	ह. ४	चि. २
तुला	चि.२	२२॥	१४॥ १३	२८॥	२३॥ +६	२० १६	१२ ३६	१३ ३५	२१ १५	१९॥ +५	२०॥	११॥	२६॥	२५॥	११॥ १३	१७॥ १२	१७॥ १२४	२० +४	२१ ३४
	स्वा.४	२७॥ +२	२९॥	१७॥ ३	१२॥ ३६	१५॥ ३६	२६ -६	२७ +५	२६ +५	२८ +५	२९	२७॥	१४॥ ३	१३॥ ३	२५॥	२५॥	२५॥ +४	२७॥ +४	२१ +४
	वि.३	२२॥	२२॥ १	२०॥ ३	१५॥ ३६	१०॥ १३६	१८॥ -६	१९॥ +५	२० १५	२१ +५	२२	२१	१८॥ ३	१७॥ ३	१९॥ १	१७॥ १२	१७॥ १४२	१८॥ +४	२७॥ +४
वृश्चिक	वि.१	१६॥ +६	१६॥ १६	१४॥ ३६	१९॥ ३	१४॥ १३	२२॥	१२ ६	१२॥ १६	१३॥ ६	१९ -५	१८ -५	१५॥ -५	२१॥ ३	२३॥ १	२१॥ १२	१७ १२	१८	२७
	अनु.४	२४॥ -६	१५॥ ३६	१९॥ -६	२४॥	२७॥	२०॥ ३	१० ३६	१५ २६	२०॥ ६	२६ -५	१८ ३५	२१ -५	२४॥	२०॥	२९॥	२५	२६	११ ३
	ज्ये.४	१२ ३६	१८॥ १६	२४॥ -६	२९॥	२२॥ १	२२॥	१२ ६	२ ३१६२	५ ६३	१०॥ ५३	२० +५	२६ -५	३१	२३॥ १	१६॥ १३	१२ १३	१२ ३	२४ ०
धन	मू.४	१२ ३५	२० १५	२४॥ +५	१९॥ ६	१३ १६	१३ ६	२१	१५ १३	१२ ३	८ ३६	१७ ६	२३॥ ६	२५ +५	१९ १५	९॥ १५३	१३ ३१	१३ ३	२७
	पू.षा.४	२६ +५	१८ ३५	१८ -१२५	१२॥ १६२	१८ ६	१० ३६	१८ ३	२७	२७	२३ ६	१३ २३६	१७ १६	१९ -१५	१७ ३५	२५ +५	२८॥	२७	१३ १३
	उ.षा.१	२४॥ +५	२६ +५	१२ १३५	६॥ १३६	१०॥ २३६	१७ २६	२५ +२	२७	२८	२३ ६	२३ ६	९ १६३	८॥ १५३	२४ +५	२५ +५	२८॥	२८॥	२१ १
मकर	उ.षा.३	२७	२८॥	१४॥ १३	१२ १३५	१६ २३५	२२॥ २५+	२० २६+	२२ -६	२२ -६	२८	२८	१४ १३	४॥ १३६	२० ६	२१ ६	२४॥ +५	२४॥ ११	१७ १५
	श्र.४	२७	२६	१३॥ ३२	११ ३५२	१६ ३५	२५ +५	२२॥ -६	२१ -६	२२ -६	२८	२६ +२	१५ ३	६॥ ३६	१८॥ ६	२० ६	२३॥ +५	२४॥ +५	१९॥ ५
	ध.२	२०	११ १३२	२६	२३॥ +५	२० १५	१२ ३५	९॥ ३६	१६॥ १६	१५ -६	२१	१३ ३	२७	१९॥ ६	५॥ १३६	१२॥ १६	१५॥ १५	१७॥ +५	१५॥ ३५
कुम्भ	ध.२	२०	११ १३२	२६	३०॥	२७ १	१९ ३	१२ ३५	१९ १५	१७॥ +५	१२॥ ६	४॥ ३६	१८॥ ६	२६॥	११॥ १३	१८॥ १	१७॥ १६	१९ +६	१७ ३६
	श.४	१५ ३	२१ १	२८	३२॥	२५॥ १	२७	२० +५	१२ १३५	१३ ३५	६॥ ३६	१४॥ ६	२०॥ ६	२६॥	२०॥ १	१२॥ १३	११॥ १३६	८॥ २३६	२५ ६
	पू.भा.३	१८ ३	२५ +२	२० -१	२४॥ -१	३१॥	३१॥	२४ +५	१७ ३५	१८ ३५	१२ ३६	२० ६	१२॥ १६	१९॥ १	२५॥	१६॥ ३	१५॥ ३६	१५॥ ३६+	१७॥ १६
मीन	पू.भा.१	१४॥ ३४	२१॥ +२४	१६॥ -१४	१९ १	२६	२६	२५॥	१८ ३	१८ ३	१७ ३५	२५ ५	१७॥ १५	१७॥ -१६	२३॥ +६	१४॥ +३६	१६॥ ३	१६॥ ३	१८॥ +१
	उ.भा.४	२४॥ +४	१६॥ ३४	१८॥ -१४	२१ १	२६	१८ ३	१७॥ ३	२५॥	२८	२७ ५	१९ ३५	२१ १५	१८॥ -१६	१६॥ ३६	२५॥ +६	२७॥	२६॥	९॥ १३२
	रे.४	२५ +४	२४॥ +४	११॥ ३४	१४ ३	१७ ३	२६	२५॥	२४॥	२६॥	२५॥ ५	२७ ५	१४ ३५	१३ ३६	२३॥ +६	२३॥ +६	२५॥	२६॥	१९॥

कन्या ↓	वर →	तुला			वृश्चिक			धन			मकर			कुम्भ			मीन		
	नक्षत्र चरण	चि. २	स्वा. ४	वि. ३	वि. १	अनु. ४	ज्ये. ४	मू. ४	पू.षा ४	उ.षा १	उ.षा. ३	श्र. ४	ध. २	ध. २	श. ४	पू.भा ३	पू.भा १	उ.भा. ४	रे. ४
तुला	चि.२	२८ ३	२७ ०	३४॥	२३॥ ४	६॥ ३४	२०॥ ४	२७	१४ १३	२२ १	२५ ०१	२६॥	२३॥ ३	१८ ३५	२६ +५	१८॥ १५	१२॥ १६	३॥ १३६२	१२॥ ६
	स्वा.४	२८	२८	२० ०३	९ ०३४	२१॥ ४	१६॥ ४	२३	२७	१९ ३	२२ ३	२३ ३	२६॥	२१ +५	२० ५२+	२५ +५	१९ ६	१९॥ ६	१२॥ ३६
	वि.३	३४॥	१९ ३	२८ ३	१७ ३४	१६ ०४	२०॥ ४	२७	२२ १	१४ १३	१७ १३	१७ ३	३०	२४॥ +५	२६ +५	२० १५	१४ १६	१३ १६२	४॥ ३६
वृश्चिक	वि.१	२२॥ ४	७ ३४	१६ ३४	२८ ३	२७ ०	३१॥	२१॥ +४	१६॥ ४१	८॥ १३४	१२ १३	१२ ३	२५	२४	२५॥	१९॥ १	१९ १५	१८ १५	९॥ ३२५
	अनु.४	६॥ ३४	२१॥ ४	१६ ४	२८	२८ ३	३१ ०	१५॥ २४+	१३॥ ३४	२१॥ +४	२५	२६	१२ ३	११ ३	२१	२४॥	२४ +५	१८ ३५	२७ +५
	ज्ये.४	१९॥ ४	१४॥	१९॥ ४	३१॥	३०	२८ ३	१४ ०२३४	१६॥ १४	१६॥ १४	२० १	२०	२५	२४	१८ ३	१० १३	९॥ १३५	२१ १५	२१ +५
धन	मू.४	२६	२१	२६	२२॥ +४	१५॥ +२४	१५ ३४२	२८ ३	२८ ०१	२६॥ १	१५ १४	१५ ४	२० ४	२८॥	२१॥ ३	१४॥ १३	१६ १३	२५ १	२६॥
	पू.षा.४	१३ १३	२७	२१ १	१७॥ १४-	१५॥ ३४	१७॥ १४-	२८ +१	२८ ३	३४ ०	२२॥ ०४	२३ ४	६ १३४	१४॥ १३	२३॥ १	२८॥	३०	२३ ३	३१
	उ.षा.१	२१ १	१९ ३	१३ १३	९॥ १३४	२३॥ +४	१७॥ -१४	२६॥ -१	३४	२८ ३	१६॥ ३४	१४॥ ३६०	१५ १४	२३॥ १	२३॥ १	२९॥	३१	३१	२३ ३
मकर	उ.षा.३	२४ -१	२२ ३	१६ १३	१३ ३१	२७	२१ १	१६ १४	२३॥ ४	१७॥ ३४	२८ ३	२६ ३०	२६॥ +१	१७ १४+	१७ १४+	२३ +४	३०॥	३०॥	२२॥ ३
	श्र.४	२६॥	२२ ३	१७ ३	१४ ३	२७	२२	१७ ४	२३ ४	१४॥ ३४	२५ ३	२८ ३	२८ ०	१८॥ ०४	१८ +४	२१ +४	२८॥	२९॥	२२॥ ३
	ध.२	२२॥ ३	२४॥	२९	२६	१२ ३	२६	२१ ४	७ ३४१	१६ ४१	२६॥ १	२७	२८ ३	१८॥ ३४	२३॥ ४०	१९ १४	२६॥ १	१५॥ १३	२२॥ +२
कुम्भ	ध.२	१८ ३५	२० -५	२४॥ -५	२५	११ ३	२५	२९॥	१५॥ १३	२४॥ १	१८ १४	१८॥ +४	१९॥ +४	२८ ३	३३ ०	२८॥ १	१८ १४	७ १३४	१४ ४२
	श.४	२६ +५	१९ +५	२६ +५	२६॥	२१	१९ ३	२२॥ ३	२४॥ १	२४॥ १	१८ १४	१८॥ +४	२४॥ +४	३३	२८ ३	१९ ०	८॥ ०	१७ १४	१६ ४
	पू.भा.३	१८॥ १५	२६ +५	२० +१५	२०॥ १	२६॥	११ १३	१५॥ १३	२९॥	३०॥	२४ +४	२३॥ +४	२० -१४	२८॥ -१	१९ १३	२८ ३	१७॥ ३४	२२॥ ०४	२० ४२
मीन	पू.भा.१	११॥ १६	१९ ६	१३ १६	१९ १५-	२५ +५	९॥ १३५	१५ १३	२९	३०	२९॥	२८॥	२५॥ १	१७ १४	७॥ १३४	१६॥ ३४	२८॥ ३	३३ ०	३०॥ +२
	उ.भा.४	२॥ १३६२	१९॥ ६	१२ १६२	१८ १५२	१९ ३५	२१ -१५	२४ ०१	२२ ३	३०	२९॥	२९॥	१४॥ १३	६ १३४	१६ १४	२१॥ ४	३३	२८ ३	३५ ०
	रे.४	१२॥ ६	११॥ ३६	४॥ ३६	१०॥ ३५	२७ +५	२२ +५	२६॥	२९	२१ ३	२०॥ ३	२१॥ ३	२२॥ -२	१४ ४२	१६ ४	१८ ४२	२९॥ +२	३४	२८ ३

और जहां थोड़ा दोष समझा गया वहां (-) चिन्ह है, जहाँ (स्वामी मैत्री आदि के) दोष का पूरा निर्वाह हैं वहां (+), ऐसा चिन्ह बता दिया है और जिस जगह वर के नक्षत्र से पूर्व वधू का नक्षत्र है (इस का भी महादोष हैं) वहां ० शून्य का चिन्ह हैं और जहां कोई भी महादोष नहीं मिलता वहां केवल गुण ही लिखें है। जैसे कृतिका के प्रथम चरण वर का नक्षत्र और अश्विनी वधू नक्षत्र के सामने सम्पात कोष्ठक में २८॥ गुण ही लिखे हैं।

तारावल-बोधिनी तालिका

जन्म नक्षत्र	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भा.	उ.भा.	रेवती
जन्मर्क्ष	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहि.	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती
कर्मर्क्ष	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले
आधान	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा
विपत्कर	कृत्ति.	रोहि.	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्ये.	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धन.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी
	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले	मघा	पू.फा.
	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.फा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुंन.	पुष्य	आश्ले	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्ये.	मूल	पू.षा.
प्रत्यरि	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी
	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त
	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्ये.	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण
नैधन (वध)	पुन.	पुष्य	आश्ले	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा
	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अस्वि.	भरणी	कृति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति
	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.
संपत्कर	भरणी	कृत्ति.	रोहि.	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.
	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा
	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्ये.	मूल
क्षेम्य	रोहि.	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.
	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले	मघा	पू.फा.	उ.फा.
	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्ये.	मूल	पू.षा.	उ.षा.
साधक	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्ये.	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहि.	मृग.
	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा
	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्ये.	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.
मैत्र	पुष्य	आश्ले	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.
	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.
	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.
अतिमैत्र	आश्ले	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य.
	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.
	रेवती	अश्वि.	भरणी	कृत्ति.	रोहिणी	मृग.	आर्द्रा	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.

दिन का चौघड़िया

दिन का चौघड़िया

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल
चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर
शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल

रात का चौघड़िया

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग
चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर
लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल
शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

यात्रा मुहूर्त

यात्रा मुहूर्त में चन्द्रमा, योगिनी, कालराहु तथा दिशाशूल का विचार किया जाता है। चन्द्रमा सामने या सीधे हाथ की दिशा में शुभ होता है और राहु, योगिनी तथा दिशाशूल पीठ पीछे या बांये हाथ की तरफ लेना चाहिये।

दिशाशूल ले जावै बांये राहु योगिनी पूठ।
सम्मुख लेवै चन्द्रमा लावै लक्ष्मी लूट॥

चन्द्रमा मेष, सिंह व धनु का पूर्व में, वृष, कन्या, मकर का दक्षिण में, मिथुन, तुला, कुम्भ का पश्चिम में तथा कर्क, वृश्चिक, मीन का उत्तर दिशा में वास करता है। यात्रा में चन्द्रमा सन्मुख हो तो धन लाभ, सीधे हाथ की तरफ हो तो सुख सम्पदा प्राप्त होती है। बांये हाथ की ओर हो तो धन हानि तथा पीठ पीछे हो तो मृत्यु भय होता है। जैसे यदि आपने पूर्व दिशा की ओर जाना है तो उस दिन चन्द्रमा पूर्व में या दक्षिण में होना चाहिये। अर्थात् मेष, सिंह या धनु का अथवा वृष, कन्या या मकर राशि का होना चाहिए। **सम्मुखे अर्थ लाभाय दक्षिणे सुख सम्पदा। पृष्ठतो मरणं चैव वामे चन्द्रे धनक्षयः॥**

दिशाशूल— सोमवार और शनिवार को दिशाशूल पूर्व दिशा में होता है। गुरुवार को दक्षिण में, रविवार व शुक्रवार को पश्चिम दिशा में तथा बुध और मंगल को उत्तर दिशा में होता है। यदि आपको पूर्व दिशा में यात्रा करनी है तो दिशाशूल उत्तर या पश्चिम में होना चाहिये अतएव पूर्व दिशा की यात्रा सोमवार, शुक्रवार तथा गुरुवार को ही की जानी चाहिये।

दिशाशूल चक्रम्

उत्तर
बुध मंगल

पश्चिम
रवि शुक्रवार

पूर्व
सोम शनिवार

दक्षिण
गुरुवार

दिशा	चन्द्रमा का वास	दिशाशूल	समय शूल
पूर्व दिशा	मेष, सिंह, धनु	सोम, शनि	प्रातःकाल
दक्षिण दिशा	वृष, कन्या, मकर	गुरु	मध्याह्न
पश्चिम दिशा	मिथुन, तुला, कुम्भ	रवि, शुक्र	सन्ध्या काल
उत्तर दिशा	कर्क, वृश्चिक, मीन	बुध, मंगल	अर्धरात्रि

योगिनी वास— प्रतिपदा तथा नवमी तिथियों को योगिनी का वास पूर्व दिशा में होता है। तृतीया व एकादशी को अग्नि कोण (पूर्व दक्षिण मध्य) में, पंचमी व त्रयोदशी को दक्षिण में, चतुर्थी व द्वादशी को दक्षिण पश्चिम के मध्य नैऋत्य कोण में, षष्ठी व चतुर्दशी को पश्चिम दिशा में, सप्तमी व पूर्णिमा को पश्चिम उत्तर मध्य वायव्य कोण में, द्वितीया व दशमी को उत्तर दिशा में तथा अष्टमी व अमावस्या को उत्तर व पूर्व के मध्य ईशान कोण में होता है। योगिनी यात्रा समय पर सम्मुख या दक्षिण भाग में नहीं होनी चाहिये। इस प्रकार पूर्व दिशा की यात्रा १।९।३।११ व ५।१३ तिथियों को नहीं करनी चाहिये।

कालराहु वास— शनिवार को पूर्व में, शुक्र को अग्नि कोण में, गुरुवार को दक्षिण में, बुधवार को नैऋत्य कोण में, मंगलवार को पश्चिम में, सोमवार को वायव्य कोण में तथा रविवार को उत्तर दिशा में होता है। यात्रा वाले दिन कालराहु का वास सम्मुख या दक्षिण भाग में नहीं होना चाहिये। अतएव पूर्व दिशा की यात्रा शनिवार, शुक्रवार या गुरुवार को नहीं की जा सकती।
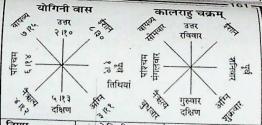
दिशा	योगिनी वास	कालराहु वास
पूर्व दिशा	१।९ तिथ्य	शनिवार
अग्नि कोण	३।११	शुक्रवार
दक्षिण दिशा	५।१३	गुरुवार
नैऋत्य कोण	४।१२	बुधवार
पश्चिम दिशा	६।१४	मंगलवार
वायव्य कोण	७।१५	सोमवार
उत्तर दिशा	२।१०	रविवार
ईशान कोण	८।३०	—

समय शूल— पूर्व दिशा की यात्रा के लिये प्रातः काल में समय शूल होता है, अर्थात् पूर्व दिशा की यात्रा प्रातःकाल नहीं करनी चाहिये। इसी प्रकार दक्षिण के लिए समयशूल मध्याह्न में, पश्चिम के लिये संध्याकाल में और उत्तर के लिये समय शूल मध्य रात्रि के समय होता है। समय शूल के काल में यात्रा नहीं करनी चाहिये। महत्वपूर्ण यात्रा के लिये तो आवश्यक है कि मुहूर्त में चन्द्रमा, योगिनी, दिशाशूल, कालराहु, समय शूल सभी बातों का ध्यान रखा जाय। परन्तु यदि आपने आवश्यक कार्यवश यात्रा करनी है और उपर्युक्त मुहूर्त तक प्रतीक्षा नहीं कर सकते तो निर्धारित पदार्थ खाकर यात्रा कर सकते हैं। यदि मुहूर्त के दिन के कुछ समय पश्चात् यात्रा करना चाहते हैं तो मुहूर्त समय प्रस्थान कराके इच्छित समय पर यात्रा की जा सकती है। आवश्यक कार्यों में भी जहां तक हो सके अनुकूल चन्द्रमा का ध्यान अवश्य रखा जाना चाहिये। राज्य कार्य सेवा कार्य में मुहूर्त नहीं देखा जाता, केवल शूल पदार्थ खाकर ही यात्रा कर सकते हैं। पूर्ण चन्द्र सम्मुख हो तो अन्य दोष नष्ट हो जाते हैं।

पन्था राहु चक्र

धर्म के नक्षत्र	अश्वि.	पुष्य	ऽश्ले.	वि.	ऽनु.	धनि.	शत.
अर्थ के नक्षत्र	भरणी	पुन.	मघा	स्वा.	ज्ये.	श्रवण	पू.भा.
काम के नक्षत्र	कृत्तिका	आर्द्रा	पू.फा.	चित्रा	मूल	अभि.	उ.भा.
मोक्ष के नक्षत्र	रोहिणी	मृग.	उ.फा.	हस्त	पू.षा.	उ.षा.	रेवती

पन्था विचार— यात्रा से समय सूर्य धर्म नक्षत्र में हो और चन्द्रमा अर्थ या मोक्ष के नक्षत्र में हो तो यात्रा शुभ होगी। सूर्य अर्थ में और चन्द्र धर्म या मोक्ष में तो भी शुभ जाने। सूर्य काम में और चन्द्रमा धर्म, अर्थ या मोक्ष में होने पर भी शुभ होगा। सूर्य मोक्ष में चन्द्रमा धर्म शुभ जानें। इनसे अन्यथा सूर्य-चन्द्र की स्थिति होती अशुभ जानो।

यात्रा में त्याज्य तिथियां

षष्ठी, द्वादशी, अष्टमी, पड़वा (शुक्ल पक्ष की), पूर्णमासी, अमावस्या, चतुर्थी, नवमी, चतुर्दशी ये तिथियां यात्रा में निषिद्ध हैं।

जन्म लग्न तथा राशि से अष्टम यात्रा लग्न में अशुभ है। कुम्भ लग्न और कुम्भ का निवास मीन लग्न यात्रा में वर्जित हैं। केन्द्र १-४-७-१० और त्रिकोण ५-९ स्थान में ग्रह शुभ होते हैं। चन्द्रमा लग्न से ६-८-१२वां अशुभ होता है। दशम में शनि और सप्तम में शुक्र ६-१-९-१२ इन स्थानों में लग्नेश अशुभ होता है। यात्रा में नक्षत्रों की त्याज्य घड़ी-तीनों पूर्वाओं की प्रथम १६ घड़ी, कृत्तिका की प्रथम २१ घड़ी, मघा की ११ घड़ी, भरणी की ७ घड़ी और स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, अश्लेषा इन नक्षत्रों की १४ घड़ी निषिद्ध हैं। यात्रा में भद्रा सर्वथा वर्जित है। पहला, सातवां, पांचवां और तीसरा तारा यात्रा में वर्जित है।

अगर जरूर जाना हो और दिशाशूल दोष हो तो वारों के मुताबिक पदार्थ खाकर जाने से दोष-निवृत्ति हो जाती है। नीचे चक्र में देखें।

चक्रम्

वार	र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
खाने के पदार्थ	घृतयुक्त पान	चंदन	गुड़	तिल	दही	राई	तिल

भद्रायां मुखपुच्छ घटीज्ञानम्

४	८	११	१५	३	७	१०	४	मासां तिथीनाम्
१	अ.	३.	ने.	ई.	द.	वा.	पृ.	मासां तिथीनाम्
५	२	७	४	८	३	६	१	एषुयामेष्वादी
५	५	५	५	५	५	५	५	विष्टेर्मुखष५कृशु
८	१	६	३	७	२	५	४	चषुयामेष्वन्त्यम्
३	३	३	३	३	३	३	३	घटीत्रयंपुच्छंशुभम्

द्विपुष्कर-त्रिपुष्कर योग ज्ञानार्थ चक्र

(क्रूर) वार	रविवार, मंगलवार, शनिवार
(भद्रा) तिथि	२-७-१२
विषम चरण वाले नक्षत्र	कृति. पुन. उ.फा. विशा. उ.षा. पू.भा.
द्विपाद नक्षत्र योग बनता है।	मृग. चि. धनि. से द्विपुष्कर

त्रिपुष्कर-द्विपुष्कर योग फलम्-वार तिथि विषम चरण वाले नक्षत्रों के योग से त्रिपुष्कर योग होता है। यह योग मृत्यु, विनाश और वृद्धि में त्रिगुण फल देता है।

इसी प्रकार द्विपुष्कर योग के विषय में जानना चाहिए। इन योगों में किसी के यहां मृत्यु हो तो शास्त्रोक्त शान्ति करा लेनी चाहिए।

यात्रा के नक्षत्र

अ. अनु. ज्ये, मू. ह. म. पुन. पु. रे. रो. इन नक्षत्रों में २, ३, ५, ७, ११, १३ तिथियों में शुभ वारों में अच्छा शकुन विचार कर अनुकूल और सामने व दाहिने होने पर यात्रा करें। योगिनी बाएं या पीठ पीछे हो तो यात्रा सफल होती है।

यात्रा में शकुन

हाथी, घोड़ा, ब्राह्मण, शराब, मांस, मछली, जल से भरा एक कलश, दही, नेवला, पुत्रवती स्त्री, शृंगार किए स्त्री, कन्या, ममोला, सरसों—ये शकुन हों तो कार्य सिद्ध होगा।

अशुभ शकुन परिहार

यात्रा में पहला अपशकुन हो तो ११ श्वास लेकर, दूसरा अपशकुन हो तो १६ श्वास लेकर और अगर तीसरा अपशकुन हो तो कभी न जाये। अनेक आचार्यों का मत है कि एक कोस जाने पर शुभ-अशुभ शकुनों का फल नहीं होगा।

यात्रा में अपशकुन

विडाल, युद्ध, विधवा स्त्री, बन्ध्या स्त्री, चमड़ा, सन्यासी, लकड़ियां, छींक, बुरे शब्द, हड्डियां अगर इनमें से कोई यात्रा के समय सामने आवे तो कार्य नष्ट होता है, नई आपत्ति आती है।

यात्रा आदि में शुक्र-विचार

गांव से गांव जाने में, दुर्भिक्ष व विवाह में सम्मुख शुक्र का दोष नहीं होता। शुक्रान्ध—रे., अ., भ. व कृ. के प्रथम चरण तक शुक्र अन्धे रहते हैं। उसमें सम्मुख शुक्र दोष नहीं। शुक्र एवं गुरु, उदय व अस्त के ३ दिन पहले व ३ दिन बाद क्रमशः बाल व वृद्ध रहते हैं। इसमें शुभ कार्य न करें।

गोरखपतरा यात्रा मुहूर्त

पौष	माघ	फाल्गु.	चैत्र	वैशा.	ज्येष्ठ	आषा.	श्राव.	भाद्र.	आश्वि.	कार्ति.	अग्र.	मासों की तिथियों का फल
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	बहुत सुख और अर्थपूर्ण हो, क्लेश न हो
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	भय, जीवहानि, पछतावा हो A सहित घर आवे
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	कामना सिद्धि व अर्थपूर्ण हो B कुशल घर आवे
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	क्लेश व जीव हानि, कुशल से घर न आवे
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	वस्तु-लाभ, व्याधि व संकट कटे, मित्र मिलें
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	घर की चिंता, मित्र संकट, कदाचित घर आवे
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	भाग्योदय, मित्र व साधनों की प्राप्ति, रत्न A
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	बहुत बुरा हो, लेन-देन करना नहीं, जीवनाश हो
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	कामना व आशापूर्ण हो, सौभाग्य का उदय हो
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	सौभाग्य प्राप्त हो, बहुत दिन लगें किन्तु स-B
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	क्लेश हो, जीव हानि नहीं, सौभाग्य पावे नहीं
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	सिद्धि प्राप्त, मित्र मिलें, विघ्न मिटे, धन लाभ

प्रहर १	प्रहर २	प्रहर ३	प्रहर ४	पूर्व दिशा	दक्षिण दिशा	पश्चि. दिशा	उत्तर दिशा
अर्थ	सुख	शोक	सुख	सुख	क्लेश	भीति	द्र-लाभ
भय	क्लेश	सुख	सुख	शून्य	नेष्ट	दारिद्र	समता
लाभ	सुख	सुख	हानि	क्लेश	दुख	इष्टला	धन प्रा.
क्लेश	लाभ	क्लेश	विना	लाभ	सुख	मंगल	श्री.प्रा.
संकट	क्लेश	भाग्य	सुख	लाभ	द्रव्य	धन	सुख
संकट	क्लेश	भय	अर्थ	भीति	लाभ	मृत्यु	अर्थ
विना	लाभ	सुख	सुख	लाभ	कष्ट	द्रव्यला.	सुख
शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	कष्ट	सुख	क्लेश	सुख
लाभ	भाग्य	मित्र	मित्र	सुख	लाभ	का.सि.	कष्ट
लाभ	संपूर्ण	मरण	कुशल	क्लेश	कष्ट	अर्थ	श्री.प्रा.
मरण	अर्थ	कुशल	मरण	मृत्यु	लाभ	द्र.लाभ	शून्य
मरण	सुख	सुख.	सुख	शून्य	सुख	मृत्यु	अतिक.

योगिनी फल

पृष्ठे सुख की दायिनी। सन्मुख हरती प्रान॥
दाहिनी दुःख की दायिनी। कौशिक योगिनी जान।

नोट-युद्ध, यात्रा में बायें और सन्मुख योगिनी त्याज्य है।

टिप्पणी-आग्नेया पूर्वद्विज्ञेया दक्षिणादिक च नैऋता वायवी पश्चिमादिक स्यादशानी च तथोत्तरा। अग्नेय को पूर्व में, नेऋत्य को दक्षिण, वायव्य को पश्चिम और ईशान को उत्तर दिशा में जानकर चन्द्र निवास व दिशाशूल जानना चाहिये।

अथ गृहारंभ-द्वारशाखा-गृह प्रवेश कूपादि मुहूर्ताः

स्थानों में शुभ और ३६११ में पाप ग्रह हों तो तत्काल में

अथ गृहारंभ-द्वारशाखा-गृह प्रवेश कूपादि मुहूर्त्ताः

भूमि सुप्तज्ञानम्

संक्रांतिमिति दिन पांचवें ५ सप्तम ७ नवमें ९ जोय। दश १० इक्कीस २१ चौबीसवें घट दिन पृथ्वी सोय॥

आवश्यके त्याज्य घटिका

पंचमेवाण ५ घट् याश्चसप्तमेरुद्र ११ संज्ञका। नवमे ऋषव७श्चैवदशमे चषट् ६ नाड़िका: एक विशेयम् १४श्चैव चतुर्विंशेदश १० नाड़िकाघटिका वर्ज्यनीयाश्च भूमीकर्मणिसर्वदा।

काकिणी विचार

अवर्ग (१) कवर्ग (२) चवर्ग (३) टवर्ग (४) तवर्ग (५) पवर्ग (६) यवर्ग (७) शवर्ग (८) इन आठ प्रकार के वर्गों में से मनुष्य का नाम जिस वर्ग की संख्या में हो उस संख्या को २ से गुणाकर ग्राम के वर्ग की संख्या को मिलाकर ८ का भाग दें तो मनुष्य की काकिणी होगी। इसी तरह ग्राम का नाम जिस वर्ग संख्या में हो उसकी द्विगुण कर अपने नाम की वर्ग संख्या को युक्त कर ८ का भाग दें तो ग्राम की काकिणी होगी। इसमें से जिसकी काकिणी अधिक हो वह दूसरे का ऋणी होता है, अर्थात् मनुष्य की काकिणी से ग्राम की काकिणी सदा अधिक होनी चाहिए। ग्राम के निवास को जान कर गृहारम्भ के मुहूर्त का विचार करें।

गृहारम्भ मासे नक्षत्रादि विचार

वैशाख, श्रावण, मार्गशीर्ष, माघ, फाल्गुन महीने गृहारम्भ में श्रेष्ठ कहे हैं। भाद्रपद और कार्तिक मास मध्यम हैं। २।३।५।१०।११।१२।१३ इन तिथियों में, चं.बु.शु.श. वारों में, रो. मृ. पुन. ह. चि. स्वा. अनु. उत्तरा ३ ध.श.रे. नक्षत्रों में, २।३।५।६।८।९।११।१२ लग्नों में अग्निवाण और भूमिशयन से रहित दिनों में लग्न से केन्द्र त्रिकोण स्थानों में शुभ और ३।६।११ स्थानों से पापग्रह तथा अष्टम स्थान शुद्ध होने पर गृहारम्भ मुहूर्त्त शुभ होता है।

गृहारम्भ मुहूर्त्त के दिन सूर्य जिस नक्षत्र पर हो उस नक्षत्र से अभिजित नक्षत्र सहित दिन का नक्षत्र जितनी संख्या पर आवे नीचे लिखे चक्र के अनुसार उतनी संख्या पर जो अंक हो, उसका फल जान लें।

सूर्यभात वृषवास्तु चक्र

अग्रपादे पृष्ठपाद			पृष्ठे	द.कु.	पुच्छे	वामकुक्षौ	मुखे
३	४	४	३	४	३	४	३
दाह	नाक	स्थिर	श्री	नाभ	नाश	नेष्ट	पीड़ा

द्वारशाखा स्थापन मुहूर्त्तः

अश्वि. रो. मृ. पुष्य हस्त स्वा.श्रव. उत्तरा ३ इन नक्षत्रों में शुभ तिथि शुभ वारों में द्वारशाखा देहली (दलीज) स्थापन करना शुभ है।

सूर्य भात् देहली चक्र

शिरिसि	कोण	शाखाया	देहल्यां	मध्य	स्थानानि
४	८	८	३	४	नक्षत्राणि
लक्ष्मी	उद्वेग	देहसौख्य	मृत्यु	सौख्य	फलम्

जलाशय देवालय प्रतिष्ठां

अश्वि. मृग. पु. पुष्य चित्रा स्वाति अनुराधा अभि. श्रवण धनिष्ठा शत. रेवती एषुभेषु. २।३।५।६।७।१०।११।१२।१३।१५ एषु तिथिषु भौमवार बिना उत्तरायणे गुरु, चन्द्र, शुक्र दृश्ये: शुभे लग्ने वा स्थिर लग्ने प्रतिष्ठा कार्या। तत्स्वामी नक्षत्रे तिथि मुहूर्त-लग्ने वा स्थिर लग्ने। कुम्भे ब्रह्मा। कन्यायां विष्णु। मिथुने रुद्र:। सिंहे सूर्य: मिथुन कन्या धनु मीनेषु देव्य:। मेष कर्क तुला मकरेषु योगिनी। वृष सिंह वृश्चिक कुम्भेषु सर्व देवानां प्रतिष्ठा कार्या।

कूप चक्र

नक्षत्र वारो तिथि संयुक्ता वेदाहृतं तद् गणकेनकार्यम्। एकावशिष्टं च जलहिनागे द्वाभ्यां च शेषं सलिलं च स्वर्गे। त्रिशून्य शेषे भुवसंस्थितं च भूसंस्थितं सुष्टु वदन्ति विज्ञा:।

इशान्ये पुष्टि:	पूर्वे ऐश्वर्य्यम्	अग्नेये पुत्रनाश:
उत्तरे सुखम्	मध्येऽर्थनाश:	दक्षिणे स्त्रीनाश
वायव्ये शत्रुभयम्	पचिमे धनलाभ:	नैऋत्ये स्वामीनाश

गृह की जिस दिशा में कूप लगाया जावे उस का फल ऊपर लिखे चक्र से जान लें। जैसे घर की उत्तर दिशा में सुख इत्यादि।

सूर्यभात्कूप जल विचारः

३	३	३	३	३	३	३	३	३
स्वादु	खंडित	स्वादु	क्षय	स्वादु	क्षार	शिक्षा	मिष्ठ	क्षार
जल	जल	जल	जल	जल	जल	जल	जल	जल

राहु मुख ज्ञानम्

देवालय प्रारम्भ में मीनादि से तीन-तीन राशिपर्यन्त सूर्य की स्थितिवश में ईशाणादि विपरीत विदिशा के क्रम से राहु का मुख होता है। इसी तरह गेहविधि में सिंहादि तीन-तीन राशि की स्थिति वश ऊपर कहे हुए क्रम से राहु का मुख कहा है मुख की विदिशा से जो पृष्ठ की विदिशा हो उस में खात करना शुभ है।

खात चक्रम्

इशान्ये	वायव्ये	नैऋत्ये	आग्नेये	राहोर्मुखम्
१२।१।२	३।४।५	६।७।८	९।१०।११	देवालये
५।६।७	८।९।१०	११।१२।१	२।३।४	गेहविधौ
१०।११।१२	१।२।३	४।५।६	७।८।९	जलाशये
आग्नेय	ईशाने	वायव्ये	नैऋत्ये	कोणा:
खात: शुभ	खात: शुभ	खात: शुभ	खात: शुभ	खात: शुभ

नूतन गृह प्रवेश

वै. ज्ये. माघ फाल्गुन महीनों में रा. रे., ति. अनु. उत्तरा ३ नक्षत्रों में २।३।४।५।६।७।८।९।१०।११।१२।१३।१४।१५ तिथियों में चं. बु., बृ. शु. श. वारों में अपने जन्म ग्न वा जन्म राशि से आठवां लग्न न हो। उपचय लग्न में वा स्वजन्मलग्नात् एते उपचंया ३।६।१०।११ स्थिर लग्न में से ४।८ स्थान शुद्ध होने पर पर्व-रहित दिन में लग्न से १२५७९१० स्थानों में शुभ और ३६११ में पाप ग्रह हों तो नूतनगृह में प्रवेश शुभ होतत है। पुरातन गृहप्रवेश में श्रा., का., मार्ग., मासेषु ह. अश्वि., पुष्य, मृग., श्र., ध., एषुभेषु चापि शुभ:। आवश्यके गुरु शुक्रास्त न विचारणीयम्।

सूर्य भात्प्रवेश समय कुम्भ चक्र

मुख	पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर	गर्भ	गुदे	कंठे
१	४	४	४	४	४	३	३
अग्निदाह	उद्वेग	लाभ	कीर्ति:	कलह	नाश	स्थिर	स्थिर

दुकान खोलने का मुहूर्त्त

वाणिज्य कर्म— अनु., तीनों उत्तरा, पुष्य, रेवती, रोहि., मृगशिरा, हस्त, चित्रा, अश्वि. नक्षत्रों में रिक्ता तिथि छोड़कर शुभवार में वाणिज्य कर्म शुभ है।

बहीखाता पत्रारम्भ मुहूर्त्त— अश्विनी, रोहिणी, चित्रा, अनुराधा, पुष्य, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, श्रण, रेवती शुभ है। ४, ९, १४, ३० रहित तिथि रवि, सोम, बुध, गुरु, शनिवार शुभ मुहूर्त्त चर एवं द्विस्वभाव लग्न में ८, १२ घर पाप रहित तथा केन्द्र कोण में शुभ ग्रह हों।

मशीनरी चालू करना— आश्लेषा, धनिष्ठा, हस्त, चित्रा, अनुराधा, पुष्य, ज्येष्ठा, पुनर्वसु, रेवती नक्षत्र शुभ है।

मुकद्दमा दायर करना— ४, ९, १४ तिथि, मंगलवार, शनिवार, कृत्तिका, आर्द्रा, धनि., आश्ले., मघा, ज्येष्ठा, मूल, विशा., तीनों पूर्वा हों, भद्रा हो तो उत्तम है।

ऋण लेने का मुहूर्त्त— अश्विनी, स्वाति, पुनर्वसु, विशाखा, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा में चर लग्न में ऋण लेना शुभ है। मंगल के दिन, वृद्धि योग में, सूर्य संक्रांति के दिन, धनिष्ठा आदि पंचकों में, हस्त, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर योगों में ऋण नहीं लेना। रविवार को ऋण ले तो कभी मुक्ति नहीं मिलती। मंगलवार को ऋण वापस करना अच्छा है।

हट्ट चक्र

नक्षत्र	२	२	४	४	३	४	४	४
फल	सौख्य	विक्रयनाश	धननाशे	सुख	श्रेष्ठ	क्षोभ	हानि	शुभ

नौकरी का मुहूर्त्त

अ. मृ. पुष्य, ह. चि. अनु. रेवती एषु मेषुरिक्ता रहित तिथिषु सू.बु.बृ.शु. वारेषुशुभ लग्ने १०, ११ स्थान में सूर्य भौम वा स्वामी सेवक की राशिश और योनि से मित्रता हो।

हल प्रवाहनम्— अ.रो.मृ.पुन.पु. उत्तरा ३, ह.चि.स्वा. अनु.मू.श्र.ध.श.रे. एषुमेषु २।३।५।७।१०।१२।१३ तिथिषु चन्द्र बुध बृह. शुक्रवारेषु २।३।१।८।९।१२ लग्नेषु व्यतिपात पूर्वे रहित काले शुभस्यात्।

सूर्य भात हल चक्रम्

३	३	३	५	३	५	३	३	नक्षत्र
अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	फलम्

अथ बीज बीजने का मुहूर्त

अ. रो. मृ. पुन. पुष्य म. उत्तरा ३, ह. चि. स्वा. अनु. मूल. धनि. रेवती एषुमेषु चन्द्र बुध वृह शुक्र वारेषु २, ३, ५, ७, १०, ११, १३ एषु तिथिषु शुभेलग्ने शुभस्यात्।

राहु भात बीज वापन चक्रम्

८	३	१	३	१	३	१	३	४	नक्षत्र
अशु	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	फलम्

अथ खेती काटने का मुहूर्त

भ.कृ.मृ.आर्द्रा. पुष्य.श्ले. मघा, पूर्वा ३, उत्तरा ३, हस्त, चित्रा, स्वा., ज्येष्ठा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा एषुमेषु शुभवासरे, शुभ लग्ने शुभं स्वात्।

अथ खेतों से अन्न निकालने का मुहूर्त

रोहिणी, मघा, पू.फा., उ.फा. अनु., ज्येष्ठा, मूल, श्रवण एषुमेषु चन्द्र बुध, बृह, शुक्र, वारेषु २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १३, १५ तिथिषु शुभलग्ने कण मर्दन स्यात्।

अथ अन्न घर लाने का मुहूर्त

अश्विन, रोहिणी, मृग., पुष्य, मघा, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनि., रेवती एषुमेषु चन्द्र, बुध, बृह., शुक्र वारेषु २, ३, ५, ७, १०, ११, १३, १५ तिथिषु शुभे लग्ने शुभस्यात्।

अथ नवान्न भक्षणम्

अश्वि., रोहिणी, मृग., पुन., पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, धनि., शत., रेवती एषुमेषु शुभवारेषु १, ३, ५, ७, १०, ११, १२, १३, तिथिषु शुभलग्ने शुभस्यात्।

अथ अन्न बेचने का मुहूर्त

कृत्तिका, रोहिणी, तीनों उत्तरा, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल एषुमेषु २, ३, ५, ६, ७, १०, ११, १२, १३ तिथिषु, शुभवासरे शुभस्यलग्ने शुभंस्यात्।

अथ अन्न खरीदने का मुहूर्त

रोहिणी, ध., शत., तीनों उत्तरा एषुमेषु चन्द्र, बुध, बृह., शुक्र वारेषु २, ३, ५, ६, ७, १०, ११, १२, १३ तिथिषु शुभे लग्ने शुभंस्यात्।

अथ बीज संग्रह मुहूर्त

हस्त, चित्रा, स्वाति, पुन., रोहिणी, मृग., श्रवण, धनि. एषुमेषु २, ३, ५, ६, ७, १०, ११, १२, १३, १५ एषु तिथिषु चन्द्र, बुध, बृह., शुक्र वारेषुशुभे लग्नेशु शुभंस्यात्।

अथ लता औषधि लगाने का मुहूर्त

अश्वि., रोहिणी, मृग., आर्दा, पुष्य, मघा, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, विशाखा एषुमेषु चं.बु.बृ.शु. वारेषु शुभ तिथौ शुभलग्ने शुभंस्यात्।

अथ अर्जी देने का मुहूर्त

भरणी, मूल, आर्द्रा, अश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा एषुमेषु शनि, मंगल वारौ ४, ९, १४ तिथौ क्रूर चन्द्रे सति शुभंस्यात्।

अथ होलाष्टकम्

शुक्लाऽष्टमी समारभ्य फाल्गुनस्य दिनाष्टकम्
विपाशैरावती तीरे शतुद्राश्य त्रिपुष्करे।
विवाहादि शुभे नेष्टं होलिका प्राग दिनाष्टकम्॥

अथ होम अग्नि वासः

शुक्लादि तिथि वर्तमान वार दोनों को जोड़ कर एक और मिलाओ ४ का भाग दो यदि ३ या चार बचे तो अग्नि का वास पृथ्वी पर जानना होम में सुख होता है। यदि १ या दो बचे तो अग्नि का वास वर्ग वा पाताल में होता है होम में प्राण और धन का नाश करता है।

अथ ग्रहों के मुख में आहुति

सूर्य के नक्षत्र से चन्द्रमा के नक्षत्र तक गिने प्रथम इसे सूर्य मुख में, इसी तरह सब ग्रहों के मुख में आहुति जाननी।

सूर्य	बुध	शुक्र	शनि	चन्द्र	मंगल	बृह.	राहु	केतु	ग्रह
३	३	३	३	३	३	३	३	३	नक्षत्र
शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	फल

अथ ग्रहायां होमयेंसमिधः। अर्क-पलाशः खदिरस्त्वपामर्गोऽर्थपिप्पलः॥ औदुम्बरः शमी दूर्वाकुशाच्चसमिधः क्रमादिति॥ सन्तानप्रदमंत्रौ। देवकीसुत गोविन्द वासुदेव जगतपते। देही मे तनयं कृष्णत्वामहं शरणंगतः। कौशल्याशुशुभेतेन पुत्रेणामिततेजसा। यथावरे हणदे वाननामदितर्वजपाणिना॥ सपादलक्ष जपः तिल पायसधृतंदशांशहवनं। तद् शांततर्पणम्। दद्दशांश ब्राह्मण भोजनम्।

यात्रायां द्वादशराशिगत चन्द्रफलम् आद्यचन्द्रःश्रियं कुर्याद्द्वितीये धनधान्यदः। तृतीये राजसन्मानं चतुर्थेकलहा गमः॥१॥ पंचमे ज्ञानवृद्धिश्च षष्ठे सम्पत्तिरुत्तमा॥ सप्तमे सुखकृच्चन्द्रो ह्यष्टम मरणं भवेत् (कष्टं वा)। ९वें भाग्यवृद्धिश्च दशमे सुखसबः। एकादशे सर्वलाभोद्वादशं चाशुभावहः॥ आवश्यके द्वादशगतेऽपि यात्रा कार्यानिष्टचन्द्रदानतु। दधि तण्डुलश्वेतघृतरजतमुक्तादयः॥

कदा द्वादशस्वस्थश्चन्द्रमाशुभवः॥ आधाने-सम्प्रदाने च विवाहे राजविग्रह॥ पाणिग्रहे प्रयाणे च चन्द्रो द्वादशगः शुभः। अभिषेके निवेके च गृहे पुंसवनादिषु। यात्रा युद्धे विवाहे च चन्द्रो द्वादशगः शुभः।

अथ सर्वेषां श्राद्धानां कालविंभावगः पूर्वार्द्धदैविकं श्राद्धमपरान्हे तु पार्षणम्। एकोदिष्टं तु मध्यान्हे प्रातवृद्धिनिमित्तके शुक्लपक्षस्य पूर्वान्हे श्राद्धंकुर्याद्विचक्षणः॥ कृष्णपक्षेऽपराह्ले च रौहणं न तुलच्छयेत्॥ क्षयाहे विशेषः। न ज्ञायते मृताहश्चेत्यमीते प्रोषिते सति। मासश्चैत्प्रतिविज्ञात-स्तछशस्यान्मतेऽहनि। श्राद्धविघ्न निर्णयः। श्राद्धविघ्नं समुत्पन्ने ह्यविज्ञाते मुतेऽहनि। एकादश्यां तु कर्तव्य कृष्णपक्षे विशेषतः॥ इति॥

गयाश्राद्धकालः॥ मीने मेषेस्थिते सूर्य कन्यायां कार्म के घटे दुर्लभं त्रिषु लोकेषु गयायां पिण्डपातनम्। मकरे वर्तमाने च ग्रहणे चन्द्रसूर्ययोः दुर्लभत्रि.। गयायासर्वकालेषुपिण्डं दद्याद्विचक्षणः। अधिमासे जन्मदिने अस्ते चगुरुशुक्रयोः॥ न त्यक्तव्यं गया श्राद्ध सिंहस्थे च वृहस्पतौ।

ऋण देना या धन व्यापार में लगाना— स्वाती, पुनर्वसु, चित्रा, अनुराधा, मृगशिरा, रेवती, विशाखा, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, अश्विनी, इन नक्षत्रों में, चर, लग्न में और १, ५, ८ स्थानों में कोई ग्रह न हो तो तब द्रव्य को ऋण में देना रोजगार में लगाना शुभ है। मतान्तर से १, १२, ६ तिथि छोड़कर अन्य तिथियों में, तीनों उत्तरा और रोहिणी अन्य नक्षत्रों में शनिवार छोड़कर अन्य वार में कर्ज देना चाहिए।

बंटवारे का मुहूर्त— अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, उत्तराषाढ़ा, उत्तराभाद्रपद, उत्तराफाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती् नक्षत्रों में २, ३, ५, ७, १०, ११, १३ तिथियों में शुभ लग्न में बंटवारा करना शुभ रहता है।

वसीयतनामा एवं उत्तराधिकार देने का मुहूर्त— चैत्र मास छोड़कर उत्तरायण में अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, उत्तराफाल्गुनी, उत्तराभाद्रपद, उत्तराषाढ़ा, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण एवं रेवती नक्षत्रों में रिक्ता तिथि (४, ९, १४) छोड़कर अन्य तिथियों में मंगलवार छोड़कर अन्य वारों में गुरु, शुक्र, चन्द्र के उदय रहते शुभ लग्न में वसीयतनामा अथवा राज्याभिषेक करना शुभ होता है।

मंत्री अथवा उच्चाधिकारी से मिलने का मुहूर्त— तीनों उत्तरा, श्रवण, धनिष्ठा, मृगशिर, पुष्य, अनुराधा, रोहिणी, रेवती, अश्विनी, चित्रा, हस्त ये नक्षत्र रविवार सहित शुभ दिनों में तथा गोचरोक्त सूर्य बली हो तो मुलाकात करना शुभ है।

मन्त्री पद की शपथ लेना— उत्तरायण में, गुरु, शुक्र, चन्द्र ग्रहों के उदित रहते और मंगल, सूर्य तात्कालिक लग्न का स्वामी, तात्कालिक दशा का स्वामी, जन्म लग्नेश इन ग्रहों के बली रहते शुभ है। चैत्र मास, मलमास और ४, ९, १४ तिथि मंगलवार तथा रात्रि में अशुभ है इसलिए वर्जित है। ज्येष्ठा, श्रवण, हस्त, अश्विनी, पुष्य, मृगशिरा, रेवती, चित्रा, अनुराधा, रोहिणी, तीनों उत्तरा में और ३, ५, ६, ७, ८, ११ राशि की लग्न में या जातक की जन्म लग्न, जन्म राशि से ३, ६, ११वें शुभ राशि के लग्न में रहने और शपथकालिक लग्न से ३, ६, ११वें स्थान में पाप ग्रह हों या केन्द्र त्रिकोण में शुभ ग्रह हों तब शपथ ग्रहण करना शुभ है।

देव-प्रतिष्ठा का मुहूर्त— विभिन्न देवताओं की (चैत्र को छोड़कर उत्तरायण सूर्य में) प्रतिष्ठा तथा जलाशय, नाग आदि की प्रतिष्ठिा, अश्वि., रो., मृग., पुन., पुष्य, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वा., अनु., श्रवण, धनि., शत., रेवती नक्षत्रों में मंगलवार को छोड़कर अन्य वारों में, शुक्ल पक्ष की २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३ तिथियों में गुरु शुक्रोदय पंचांग शुद्धि, चन्द्र तारा शुद्धि देख कर करना चाहिए।

प्रेत क्रिया मुहूर्त— अश्विनी, पुष्य, हस्त, आश्लेषा, मूल, ज्येष्ठा, श्रवण, आर्द्रा और स्वामी नक्षत्र में प्रेत क्रिया करना उचित है, यदि मरणकाल में किसी कारणवश न की गई हों। धनिष्ठा नक्षत्र का उत्तरार्थ, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद रेवती इन साढ़े चार नक्षत्रों में प्रेत का दाह वर्जित है।

विभिन्न प्रकार के उपयोगी मुहूर्त

विभिन्न प्रकार के उपयोगी मुहूर्त्ताः

नाम मुहूर्त्त	तिथि	वार	नक्षत्र-मास-लग्नादि शुद्धिकरण
सीमन्तोन्नयन मुहूर्त्त	१, २, ३, ५, ७, १०, ११, १३	रवि गुरु मंगल	मृग., पुष्य, मूल, श्र., पुन, हस्त मतान्तर से तीनों उत्तरा, रोहिणी, रेवती। मासेश्वर केबली रहते गर्भाधान से ८ या ६ मास में, केन्द्र व त्रिकोण के शुभ ग्रहों के रहते ३, ६, ११ स्थान में क्रूर ग्रह और पुरुष ग्रह लग्न या नवांश में शुभ होता है।
पुंसवन मुहूर्त्त	२, ३, ५, ७, १०, ११, १२, १३	मंगल गुरु शु. रवि	श्रव., रोहि., पुष्य, उत्तम। मृग., पुन., हस्त, रेवती, मूल और तीनों उत्तरा मध्य है। गर्भाधान से तीरे मास में पुरुष संज्ञक लग्न में, लग्न से १, ४, ५, ७, ९, १० इन स्थानों में शुभ ग्रह हो। चन्द्रमा १।६।८।१२वें न हो, पाप ग्रह ३।६।११वें शुभ होंगे।
सूतिका स्नान	१, २, ३, ५, ७, १०, ११, १३	सू. म. गुरु	रेवती, तीनों उत्तरा, रहिणी, मृगशिर, हस्त,स्वाति, अश्विनी अनुराधा। पंचम में कोई ग्रह न हो, केन्द्र १।४।१०।७ में शुभ ग्रह हो।
नामकरण	१, २, ३, ५, ७, १०, १३	चन्द्र बुध गु. शु.	अश्विन, रोहिणी, मृग., पुन., पुष्य, तीनों उत्तरा,हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, अभि., श्रवण, दनि, शत, रेवती। लग्न से १।५।७।९।१० स्थानों में शुभ ग्रह हो। ३।६।११ में पाप ग्रह शुभ, ८।१२ में सभी ग्रह अशुभ।
स्तनपान	शुभ	शु. भु. चं. गु.	अश्विन, रहिणी, पुनर्वसु, पुष्य, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती।
कर्ण वेध	१, २, ३, ५, ६, ७, १०, ११, १३, १५	चंद्र बुध गु. शु.	अश्वि., पुन., पुष्य, मृग., हस्त, चित्रा, अनु., श्रव., धनि और रेवती लग्न २।३।४।६।७।९।१२ यदि गुरु तो विशेष उत्तम, शुभ ग्रह १।३।४।५।७।९।१०।१२ में उत्तम। पाप ग्रह ३।६।११ में शुभ, ८वें कोई ग्रह न हो।
मुण्डन	२, ३, ५, ७, १०, ११, १३	चंद्र बुध गु. शु.	अश्वि., मृग., पुन., पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, ज्ये., श्रवण, धनि., शत. रेवती। लग्न २।३।४।६।७।९।१२ शुभ ग्रह १।२।४।५।७।८।१०वें हो। पाप ग्रह ३।६।११ में शुभ ८वें कोई ग्रह न हो, जन्म से विषम वर्ष शुभ।
विद्यारम्भ	५, ६, २, ३, ११, १२, १०	र. गु. शु.	अश्विनी, मृग., आर्द्रा, पुन., पुष्य, अश्ले, तीनों पूर्वा, हस्त, चित्रा, स्वाति, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा।
यज्ञोपवीत	शु. प. २, ३, ५, १०, ११, १२ कृ. पक्ष की १, २, ३, ५	सू. चं. बुध गुरु शुक्र	अश्विनी, रोहिणी, आर्द्रा, पुन., पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वा., अनु., मूल, श्रवण, धनि., शत., रेवती, तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा नक्षत्र शुभ। लग्नेश ६।८ में अशुभ, शुभ ग्रह १।४।७।५।९।१०वें स्थान में शुभ, पाप ग्रह ३।६।११वें में शुभ पुरुष १।४।८वें में सभी पाप ग्रह अशुभ होंगे।
जल पूजा कुआं पूजा	शुभ	चं. बु. गुरु	मृग., पुन., पुष्य, हस्त, अनु., मूल, श्रवण नक्षत्र श्रेष्ठ। रिक्ता तिथि, गुरु, शुक्रास्त, बाल वृद्ध, चैत्र, पौष व मलमास, श्राद्ध पक्ष, मासान्त आदि वर्ज्य करें।
सगाई/वाग्दान	शुभ	शुभ	तीनों पूर्वा, तीनों उ., कृ., रो., मृग., मघा, ह., स्वा., अनु., मूल, श्रव., धनि., रेव.
द्विरागमन (गौना) (मुकलावा)	शुभ	चन्द्र बुध गुरु शुक्र	तीनों उत्तरा, अश्वि., रोहि., मृग., पुन., पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वा., अनु., मूल, श्रव., धनि., शत., रेवती। विवाह के बाद विषम वर्षों में, मेष वृश्चिक और कुम्भ के सूर्य में। २।३।६।७।१२ लग्न में शुभ. लग्न से १।२।३।५।७।१०।११वें शुभग्रहा और ३।६।११वें भाव में पाप ग्रह शुभ होते हैं।
पुनर्विवाह	शुभ	सू. मं. गु. शु.	अश्वि., हस्त, चित्रा, स्वा., विशाखा, अनु., धनि.। लग्न २।५।८।११, लग्न से १।२।३।५।७।१०।११ में शुभ ग्रह हो और ३।६।११ में पाप ग्रह होते हैं।
गन्धर्व विवाह	शुभ	सू. मं. शनि	अश्वि., कृत्तिका, आर्द्रा, पुन., अश्ले., ज्ये., धनि., शत. नक्षत्र शुभ गुरु शुक्रास्त एवं मासादि दोषेधि नास्ति।
बीज बोने का मुहूर्त्त	२, ३, ५, ७, १०, ११, १२, १३, १५	चं. बु. गु. शु.	अश्वि., रोहि., मृग., पुष्य, मघा, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति अनु., मूल, धनि., रेवती सम्मुख चन्द्रमा शुभ होता है।
फसल काटने का मुहूर्त्त	२,३,५,६,७,८,१०, ११, १२, १३, १५	सू. चं. बु.गु.शु.	भर., कृति., मृग., आर्द्रा, पुष्य, अश्ले., मघा, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वा., ज्ये., मूल, पूर्वाषाढ़, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद। लग्न २।५।८।११ शुभ होता है।
कुआं व ट्यूबेल	शुभ	बु. गु. शु. चं.	रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, मघा, तीनों उत्तरा, हस्त, अनुराधा, पूर्वाषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती।

नाम मुहूर्त्त	तिथि	वार	नक्षत्र-मास-लग्नादि शुद्धिकरण
दुकान	२, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३	सू. चं. बु. गु. शु. श.	अश्वि., रोहि., मृग., पुष्य, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, अनु., रेवती। कुम्भ लग्न को छोड़, चन्द्र शुक्र लग्न में रहते, १२, ८, पाप ग्रहों के न रहते, २, १०, ११वें शुभ ग्रहों के रहते दुकान खोलना श्रेष्ठ है।
बड़े-बड़े व्यापार करना	२, ३, ५, ७, ११, १३	बु. गु. शु.	पुष्य, हस्त चित्रा और तीनों उत्तरा। कुम्भ लग्न को छोड़, चन्द्र शुक्र लग्न में रहते ८, १२वें पाप ग्रह न हो। २, १०, ११वें शुभ ग्रह हो।
ऋण का लेन देन करना			रवि, मंगलवार, संक्रांति दिन, वृद्धि योग, द्विपुष्कर व त्रिपुष्कर योग और हस्त नक्षत्र के दिन कभी ऋण न लें। अगर ले लिया जाये तो उस ऋण से मुक्ति न मिले और बुधवार के दिन कभी द्रव्य न दिया जाये।
बही खाता	२, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३, १५	सू. चं. बु.गु.शु.	मृगशिर, पुनर्वसु, पुष्य, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, रेवती। चर तथा द्विस्वभाव लग्न श्रेष्ठ है।
क्रय खरीदना	शुभ	शुभ	शुक्ल पक्ष की ११ से कृष्ण पक्ष की ५ तक की तिथियों में अश्विनी, चित्रा, स्वाति, श्रवण, शतभिषा, रेवती नक्षत्र शुभ होते हैं।
विक्रय बेचना	शुभ	शुभ	भरणी, कृत्तिका, अश्लेषा, तीनों पूर्वा, विशाखा नक्षत्र। शुक्ल पक्ष की ११ से कृष्ण पक्ष की ५ तक कुम्भ लग्न को छोड़कर बेचना शुभ होता है।
नौकरी करने का मुहूर्त्त	२, ३, ५, ७, १०, ११, १३	सू. बु. गु. शु.	अश्विनी, मृगशिरा, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, रेवती नक्षत्र शुभ होते हैं।
कार्य सीखना	२, ३, ५, ७, ८, १०, १२, १३, १५	चं. बु. गु. शु.	अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, तीनों उत्तरा, स्वाति, अनुराधा, अभिजित, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती।
दत्तक (पुत्र गोद लेना)	२, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३, १५	सू. मं. गु. शु.	अश्विनी, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, धनिष्ठा नक्षत्र; स्थिर लग्न २।५।८।११ शुभ हैं।
गृह निर्माण	२, ३, ५, ७, १०, ११, १३, १५	चन्द्र बुध गु. शु. शनि	रोहि., मृग., पुष्य, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनु., धनि., शत., रेवती नक्षत्र शुभ हैं। बैशाख, श्रावण, पौष, माघ, फाल्गुन श्रेष्ठ हैं। लग्न २।३।५।६।८।९।११।१२ शुभ। शुभ ग्रह लग्न से १।४।७।१०।५।९ इन स्थानों में एवं पाप ग्रह ३।६।११ शुभ होते हैं। ८।१२ में कोई ग्रह नहीं लेना चाहिए।
नूतन गृह प्रवेश	२, ३, ५, ६, ७, १०, ११, १२, १३	चन्द्र बुध गु. शु. शनि	रोहि., मृग., चित्रा, अनु., रेवती, तीनों उत्तरा नक्षत्र शुभ हैं। लग्न २।५।८।११ उत्तम हैं ३।६।९।१२ मध्यम हैं। लग्न से १।२।३।५।७।९।१०।११ स्थानों में शुभ ग्रह शुभ होते हैं। ३।६।११ स्थानों में पाप ग्रह शुभ होते हैं। ८।४ में कोई ग्रह नहीं होना चाहिए। माघ, फाल्गुन, बैशाख, ज्येष्ठ मास में प्रवेश उत्तम होता है।
जीर्ण गृह प्रवेश	२, ३, ५, ६, ७, १०, ११, १२, १३	चन्द्र बुध गु. शु.	रोहि., मृग., पुष्य, तीनों उत्तरा, चित्रा, स्वाति, अनु. धनि., शत., रेवती नक्षत्र शुभ हैं। बैशाख, ज्येष्ठ, श्रावण, कार्तिक, मार्गशीर्ष, माघ, फाल्गुन मास श्रेष्ठ होते हैं। लग्न शुद्धि अवश्यक करें।
मन्त्र सिद्धि मुहूर्त्त	२, ३, ५, ७, १०, ११, १३, १५	सू. चं. बु.गु.शु.	अश्विन, मृगशिर, उ.फा., हस्त, विशाखा, श्रवण नक्षत्र शुभ हैं।
मुकदमा दायर करना	३, ५, ८, १०, १३, १५	र. बु. गुरु शुक्र	भरणी, आर्द्रा, श्ले, मघा, तीनों पूर्वा, ज्येष्ठा, मूल नक्षत्र शुभ होते हैं। लग्न ३।६।७।८।११ शुभ होते हैं। सूर्य, बुध, गुरु, शुक्र, चन्द्रमा १।४।७।१० स्थान में पाप ग्रह ३।६।११ स्थान में शुभ होते हैं परन्तु ८वें कोई ग्रह न हो।
वाहन लेना	शुभ	चं. बु. गु. शु.	अश्वि., मृग., पुन., पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनु., श्रवण, धनि., शत, रेवती नक्षत्र शुभ हैं। लग्न शुद्धि आवश्यक है। सूर्य नक्षत्र से दिन के नक्षत्र तक गणना करें। १ से ९ तक नेष्ट, १० से १५ श्रेष्ठ, १६ से २४ नेष्ट, २५ से २७ श्रेष्ठ होते हैं। लग्न से ८।१२ कोई ग्रह हो।
सर्वारम्भ मुहूर्त्त	शुभ	शुभ	लग्न से १२।८ स्थान शुद्ध हो अर्थात् कोई ग्रह न हो तथा जन्म लग्न व जन्मराशि से ३।६।१०।११ स्थान में हो तो सभी प्रकार कार्य प्रारम्भ करना शुभ होता है।

सर्व कार्य-सिद्धि के लिए होरा मुहूर्त

सर्व कार्य-सिद्धि के लिए होरा मुहूर्त पूर्ण फलदायक और अचूक माने गए हैं। सात ग्रहों के सात होरा हैं जो दिन-रात के २४ घण्टों में घूमकर मनुष्य को कार्य-सिद्धि के लिए अशुभ समय में भी सुसमय सुअवसर प्रदान करते हैं। सूर्य का होरा राज-सेवा के लिए उत्तम है, प्रवास के लिए शुक्र का होरा, ज्ञानार्जन के लिए बुध का होरा, सर्वकार्य सिद्धि के लिए चन्द्रमा का होरा, द्रव्य-संग्रह के लिए शनि का, विवाह के लिए गुरु का तथा युद्ध, कलह और विवाद के लिए मंगल का होरा उत्तम होता है। प्रत्येक होरा १ घण्टे का होता है। जिस दिन जो वार होता है, उस वार के (सूर्योदय के समय) १ घण्टा तक उसी वार का होरा रहता है। उसके बाद १ घण्टे का दूसरा होरा उस वार के छठे वार का होता है। इसी प्रकार दूसरे होरे के वार से छठे वार का होरा तीसरे घण्टे तक रहता है। इस क्रम से २४ घण्टे में २४ होरा बीतने पर अगले वार के सूर्योदय-समय उसी (अगले) वार का होरा आ जाता है। जिस कार्य की सिद्धि के लिए ऊपर जो होरा श्रेष्ठ लिख आए हैं, किसी भी दिन उस होरा के १ घण्टे-मुहूर्त में वह कार्य करेंगे तो सफलता आपके हाथ रहेगी। प्रत्येक वार २४ घण्टों का होरा चक्र नीचे भी दिया जा रहा है। उदाहरण के लिए मान लीजिए, आज गुरुवार है और आज ही आपको कहीं प्रवास करना (जाना) है। ऊपर प्रवास के लिए शुक्र का होरा श्रेष्ठ लिख आए हैं, अत: मालूम करना है कि आज गुरुवार के दिन शुक्र का होरा किस-किस समय रहेगा। चक्र में गुरुवार के सामने खाने में देखा तो चौथे, ग्यारहवें घण्टे में शुक्र का होरा मिला।

वार	हो. १	हो. २	हो. ३	हो. ४	हो. ५	हो. ६	हो. ७	हो. ८	हो. ९	हो. १०	हो. ११	हो. १२	हो. १३	हो. १४	हो. १५	हो. १६	हो. १७	हो. १८	हो. १९	हो. २०	हो. २१	हो. २२	हो. २३	हो. २४
र.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.
चं.	चं	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.
मं.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.
बु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.
गु.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.
शु.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.
श.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.

बिना सारिणी के किसी वार को अभीष्ट होरा निकालने का नियम:— किसी भी वार का प्रथम होरा वारेश (उसी बार) से प्रारम्भ होता है। उस वार से विपरीत क्रम से वारों को एक-एक के अन्तर से गिनें। जैसे, बुधवार को प्रथम होरा बुध का, तत्पश्चात् विपरीत क्रम से मंगल को छोड़कर सोम (चन्द्र) का होरा होगा एवं रवि को छोड़कर शनि का होरा होगा। इसी क्रम से आगे शेष २१ होरा उस दिन व्यतीत होंगे।

किस होरा में कौन सा कार्य करें?

रवि की होरा— राज्याभिषेक, प्रशासनिक कार्य, नवीन पद-ग्रहण, राज-दर्शन, राज्यसेवा, औषधि का निर्माण, स्वर्ण-ताम्रादि कार्य, यज्ञ-यागादि, मन्त्रोपदेश, गाय-बैल एवं वाहन का क्रय उत्सव।

चन्द्र (सोम) की होरा— कृषि सम्बन्धी कार्य, नवीन वस्त्र अथवा मोती रत्न, आभूषण धारण, नवीन योजना, परिकल्पना, कला सीखना, बाग-बगीचा लगाना, वृक्षारोपण, चांदी की वस्तुओं का निर्माण।

मंगल की होरा— वाद-विवाद, मुकद्दमा, जासूसी कार्य, छल करना, असद् कार्य, ऋण देना, युद्ध-नीति, साहस कृत्य, खनन कार्य, स्वर्ण-ताम्रादि कार्य, शल्य-क्रिया (आपरेशन), व्यायाम।

बुध की होरा— साहित्यारम्भ, पठन-पाठन, शिक्षा-दीक्षा, लेखन, प्रकाशन, अध्ययन, शिल्पकला, मैत्री, क्रीड़ा, धान्य-संग्रह, चातुर्य, बही-खाता, हिसाब-किताब, लोक-सम्पर्क, पत्र व्यवहार।

गुरु की होरा— धार्मिक कार्य, विवाह, ग्रह-शान्ति, यज्ञ-हवन, दान-पुण्य, मांगलिक कार्य, देवार्चन, देव-प्रतिष्ठा, न्यायिक कार्य, नवीन वस्त्राभूषण धारण, विद्याभ्यास, वाहन क्रय-विक्रय, तीर्थाटन।

शुक्र की होरा— नृत्य-संगीत, स्त्री-प्रसंग, प्रेम-व्यवहार, प्रियजन-समागम, उत्सव, वस्त्र व अलंकार धारण, लक्ष्मी-पूजन, व्यापारिक कार्य, कृषि-कार्य, ऐश्वर्यवर्द्धक कार्य, फिल्म-निर्माण।

शनि की होरा— गृह-प्रवेश, नौकर-चाकर रखना, सेवा विषयक कार्य, मशीनरी कल-पुर्जों के कार्य, असत्य भाषण, छल-कपट, अर्क-निष्कासन, विसर्जन, धन-संग्रह, पद-ग्रहण।

नामाक्षरों से वर्ग बोधक चक्र (स्ववर्ग से पंचम वर्ग बैरी होता है।)

अ इ उ ए	क ख ग घ ङ	च छ ज झ ञ	ट ठ ड ढ ण	त थ द ध न	प फ ब भ म	य र ल व	श ष स ह
गरुड़	मार्जार	सिंह	श्वान	सर्प	मूषक	मृग	मेढ़ा

कर्म-योग

कराग्रे वसते लक्ष्मी: कर मध्ये सरस्वती। कर पृष्ठे तु गोविन्द: प्रभाते कर दर्शनम्॥

हाथों के अगले भाग में लक्ष्मी, मध्ये में सरस्वती और पृष्ठ पर गोविन्द का निवास है अत: प्रात: काल में इन का दर्शन करना चाहिए। इस का भावार्थ है कर्म करके ही जीव पुरुषार्थ चतुष्टय (धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष) पा सकता है।

शिववास ज्ञान

वर्तमान तिथि को दो से गुणा कर पांच जोड़ें। फिर सात का भाग देवें। शेष १ रहे तो कैलाश में श्रेष्ठ। २ से गौरी पार्श्व में श्रेष्ठ। ३ से वृषारूढ़ श्रेष्ठ। ४ से सभा में सामान्य। ५ से ज्ञान वेला में श्रेष्ठ। ६ से क्रीड़ा में [illegible] ० से श्मशान में [illegible]।

गृह-भूमि विचार (गृहवास्तु)
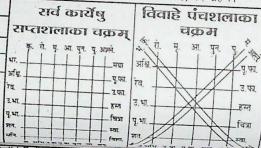
शुभाशुभ भूमि विचार— जिस भूमि पर मकान बनाना है, उस भूमि में सूर्यास्त समय एक हाथ चौकोर और एक हाथ गहरा गड्ढा खोद कर जल भर दें। प्रातः यदि जल रहे तो शुभ, नहीं रहे तो मध्यम, गड्ढा फट जाय तो अशुभ भूमि समझें।

नींव खोदने में पत्थर आदि मिलने का फल— नींव खोदने में पहले पत्थर, ईंट, धन, ताँबा आदि मिलने से सुख लाभ। कपाल, हड्डी, कोयला, केशादि मिलने से कष्ट होता है।

मण्डलेश का निर्णय— गृह-स्वामी के हाथ से लम्बाई-चौड़ाई नाप कर दोनों के योग को दूना करके ८ से भाग देने पर शेष १ में इन्द्र, २ में विष्णु, ३ में यम, ४ में वायु, ५ में कुबेर, ६ में शिव, ७ में ब्रह्मा, ८ शेष में गणेश मण्डलेश होते हैं।

दूसरा प्रकार— लम्बाई-चौड़ाई के योग में ९ से भाग देने पर शेष १ में दाता, २ में भूपति, ३ में नपुंसक, ४ में चोर, ५ में विलक्षण, ६ में भोगी, ७ में धनाढ्य, ८ में दरिद्र एवं ९ में कुबेर मण्डलेश होता है।

चन्द्र-सूर्य-वेध-विचार— चन्द्रवेधी ग्रह होना चाहिए और सूर्यबेधी जलाशय होना चाहिए। हदया वाटिका सूर्यवेधी और चन्द्रवेधी दोनों शुभ मानी जाती हैं। पूर्व-पश्चिम लम्बा मकान सूर्यवेधी होता है और उत्तर-दक्षिण लम्बा मकान चन्द्रवेधी होता है। मकान चन्द्रवेधी शुभ होता है। चन्द्रबेधी मकान में धन और कुल की वृद्धि होती है। सूर्यवेधी मकान धन, कुल का नाशक होता है। बाग-बगीचा सूर्यवेधी और चन्द्रवेधी दोनों प्रशस्त माना गया है। देवालय मन्दिर के लिए सूर्यवेधी और चन्द्रवेधी का विचार नहीं होता।

शिलान्यास— पहले दक्षिण-पूर्व के कोण में नींव के अन्दर पूजा करके शिला की स्थापना करनी चाहिए, बाकी ४ शिलाओं को स्तम्भ-शिला के चारों तरफ स्थापित करना चाहिए।

राशि-द्वार का निर्णय— ब्राह्मण वर्ण, (कर्क, वृश्चिक, मीन राशि वालों) को पूर्व दिशा का, क्षत्रिय वर्ण (मेष, सिंह, धनु राशि वालों) को उत्तर दिशा का, वैश्य वर्ण (वृष, कन्या, मकर, राशि वालों) को दक्षिण दिशा का और शूद्र वर्ण (मिथुन, तुला, कुम्भ राशि वालों) को उत्तर दिशा का द्वारा शुभ होता है।

गृह-द्वार का निर्णय— मकान के जिस भाग में द्वार करना हो, उस भाग के ९ भाग करके पाँच भाग दक्षिण और तीन भाग उत्तर में छोड़कर शेष भाग में द्वार बनाना चाहिए। बाम, दक्षिण का अर्थ मकान से निकलते समय का लेना चाहिए।

देव-मन्दिर के पास मकान बनाने का निषेध— ब्रह्मा के मंदिर के बगल में तथा विष्णु, सूर्य, शिव-मंदिर के सामने, जैन मंदिर के पीछे, देवी-मन्दिर के किसी भी भाग में गृह बनाना शुभ नहीं होता है।

दरवाजों (किंवाड़ों) का फल— कपाट (दरवाजा) स्वयं खुलता है तो उन्माद, स्वयं बन्द हो तो कुल नाश, प्रमाण से अधिक हो तो राज-भय, प्रमाण से कम चोर-भय, कष्ट हो। द्वार के ऊपर द्वार नहीं रखना। किवाड़ पतले अशुभ, विशेष मोटे होने से क्षुधाभय, टेढ़े होने से गृह-स्वामी को कष्ट, अन्दर की तरफ टेढ़े से स्वामी को मृत्युकारक, बाहर की तरफ टेढ़े होने से विदेश-वास, दूसरी दिशा में चोर-भय करता है।

लड़का होगा या लड़की

गर्भिणी के नाम के अक्षरों को तिगुना करें। उसमें घोड़ा के अक्षर, देश के अक्षर, वर्तमान तिथि जोड़ें। जोड़कर जो संख्या आवे उसमें ८ का भाग दें। यदि विषम अंक बचे तो लड़का, यदि सम अंक बचे तो लड़की होगी। ऐसा जानना चाहिए।

जन्म-कुण्डली जीवित की है या मृत की

जन्म-लग्न के अंक, प्रश्न-लग्न के अंक और जन्म-लग्न से आठवें भाव के अंक, इन तीनों का जोड़ करें। जो संख्या आवे उसमें जन्म-लग्नेश को गुणा करें। गुणनफल में अष्टमेश का भाग दें यदि सम बचे तो मृत की और विषम अंक बचे तो जीवित की जाननी चाहिए।

लड़कियों की कुण्डलियों में आवश्यक विचार

योग नं. (१) अश्ले. नक्षत्र तिथि २, शनिवार। नं. (२) तिथि ७, शतभिषा नक्षत्र, मंगलवार। (३) तिथि १३, कृत्तिका नक्षत्र, रविवार—इन योगों में पैदा हुई कन्या विषकन्या कहलाती है।

ग्रह-गति से वैधव्य (विषकन्या) योग

१. जिस कन्या की जन्म-कुण्डली में ९ में मंगल, १ में शनि, ५ में सूर्य हों।

स्त्री के बांझ होने का योग

१—जिस स्त्री के जन्म लग्न से आठवें सूर्य-चन्द्रमा अपनी राशि के हों।

२— जिस स्त्री की कुण्डली में १, ८, १०, ११ राशियों में चन्द्रमा शुक्र के साथ हो और पाप ग्रहों से देखा गया हो।

३—जिस स्त्री के सातवें सूर्य व राहु हों और शनि की पूर्ण दृष्टि हो तो बालक पैदा होकर मर जाते हैं।

४—जिस स्त्री के जन्म लग्न से आठवें चन्द्रमा और बुध अपनी राशि के हों तो स्त्री के ही एक प्रसव होता है।

अथ पक्षी शकुन-विचार

प्रश्न कर्त्ता अपने मन में विचार करके इस चिड़िया पर जो 'श्री' लिखी हैं उनमें से किसी एक पर उंगली धरें। उसका फल नीचे लिखे अनुसार समझना चाहिए—

चोंच दुःख पंखे मरण, कंठे मिलन समाज।
उदर सुभोजन पूंछ धन, मस्तक पावै राज॥
शुभ लक्षण पांवन परै, घर में मङ्गलचार।
प्रश्नोत्तर के समय यह बुधजन करें विचार॥

पुरुष की मृत्यु पहले होगी या स्त्री की

पुरुष और स्त्री के नाम के अक्षर गिनकर दुगुने करें और दोनों के नाम में जो मात्रा हों उसको चौगुनी करें। फिर अक्षरों की दुगुनी-की हुई संख्या तथा मात्राओं की चौगुनी की हुई संख्या, दोनों का जोड़ करें। जोड़कर जो संख्या आवे उसमें ३ का भाग दें। यदि शेष ०, १ रहे तो पुरुष की, यदि शेष २ रहे तो स्त्री की मृत्यु पहले होगी।

हस्त रेखायें बोलती हैं

भारत में ''तमसो मा ज्योतिर्गमय'' की उद्घोषणा करने वाले ऋषि प्रकाश के सत्य और उसकी व्यापकता से परिचित रहे थे। इसलिये उन्होंने अभिवाज्य काल को पहचान कर उसको अपने जीवन से अच्छिन्न रखने के लिए क्रिया के भेद किये। यह विषय व्याकरण का रहा पर ज्योतिष की मीमांसा करते समय वे प्रकाश के प्रभाव और परिणामों का सूक्ष्म निरीक्षण करते रहे। परिणामत: जिस प्रकार वे व्यक्ति के बाह्य रूपाकार का आंकलन कर सके उसी तरह उसके आन्तरिक अतएव गुणात्मक स्वरूप का भी मूल्यांकन करने में समर्थ हो सके।

महर्षियों की यह साधना और निरीक्षण पद्धति केवल व्यक्ति तक ही सीमित नहीं रही, पर्यावरण, ऋतु, भूगर्भ और धारित्री की प्रकृति का अध्ययन भी उसकी सीमा में आया। पराशर, गर्ग, भृगु, वराह जैसे स्वनामधन्य मनीषियों ने इस विषय को व्यापक और मानवोपयोगी बनाने में लोकोत्तर योगदान दिया। धरती मानव के आवास के लिए उपयुक्त है, धरती की गंध, रूप, रंग से उसके सम्पर्क में आने पर हमारी देह एवं विचारधारा में जैव रासायनिक परिवर्तन किस तरह के होंगे, उनका हमारे पर अनुकूल प्रभाव होगा या प्रतिकूल आदि विषय ज्योतिष शास्त्र से ही सम्बन्ध हैं।

ज्योतिष की एक शाखा है सामुद्रिक। सामुद्रिक शब्द व्यक्ति के रूप आकार में प्रसृत चिह्नों एवं संयोजनों को समझने का बोधक किस प्रकार बना-यह शब्द शास्त्र के विवेचन की बात है। हम मात्र इतना जानते हैं कि सामुद्रिक के नाम से जाना गया शास्त्र ज्योतिष की एक शाखा है। यह शास्त्र व्यक्ति की रूपरेखा को आधार बनाकर उसकी स्थिति एवं भविष्यत् का उपदेश करता है। इसमें मनुष्य के व्यक्तित्व, मुखमण्डल, नासिका, ललाट आदि के संघटन को देखकर भविष्य ज्ञान किया जाता है।

हमारे काव्य शास्त्र में पुरुषों एवं स्त्रियों की सुन्दरता के लिये जो उपमायें दी गई हैं। वे सामुद्रिक शास्त्र की मान्यताओं की ही पुष्टि करती हैं। कमलपत्र के समान आयत विशाल आँखें, लाल कमल के सदृश्य सुकोमल अरुण हाथ और पदतल व्यक्ति के सुन्दर स्वास्थ्य के ही सूचक नहीं हैं (क्योंकि लाल रंग सन्तुलित रक्त प्रवाह का ही सूचक है) बल्कि उनकी कोमलता व्यक्ति के सम्पन्न स्तर की सूचक रहती है। बिहारी की रतनारी आंखें [illegible] की सूचना भी देती हैं। क्योंकि ज्योतिष के अनुसार आंखो में उभार कुण्डली में मंगल की सुदृढ़ स्थिति एवं नेत्र स्थान से सीधे सम्बन्ध के कारण होता है तथा इनमें रंग और चमक चन्द्रमा और शुक्र के कारण होती है। जहाँ इन ग्रहों का संयोजन किंवा युति हुई वहीं व्यक्ति आकृति से मोहक एवं व्यवहार में कामी हो गया। सामुद्रिक शास्त्र के ये बाहरी चिन्ह व्यक्ति की ग्रह स्थिति के जन्म कालिक समीकरण को स्पष्ट करते हैं और उस स्थिति को जान लेने के पश्चात् भविष्यत् को जान लेना कोई अगम्य बात नहीं रहती। अन्तर मात्र इतना है कि सामुद्रिक शास्त्र ग्रहों की चर्चा नहीं करता वह संयोजन और संघटनों का ही फलित बतलाता है।

भारत में आकृति विज्ञान किंवा सामुद्रिक शास्त्र का प्रचार प्राचीन समय से रहा है। बाल्मीकि ने श्रीराम को अजान बाहु और अरविन्द दलायताक्ष अर्थात घुटनों तक लम्बे हाथ और कमल पत्र जैसी विशाल आंखों वाला कहा है और सामुद्रिक शास्त्र के इस कथन की पुष्टि की है। जिस व्यक्ति के हाथ घुटनों तक लम्बे हों वह सम्राट होता है। पैरों के तलवों की रेखायें, ललाट पर पड़ने वाली वलियों तथा नासिका आदि को देखकर व्यक्ति के स्तर एवं भावी जीवन को पढ़ने की परम्परा अति प्राचीन है। हाथों की रेखायें भी भविष्यत् ज्ञान का माध्यम रही हैं।

हाथ का रूप और आकार हमारे जन्म लग्न की भांति भविष्यत् कथन का आधार बनता है। अर्थात् व्यक्ति के हाथ का सामान्य आकार और रूप उसकी प्रकृति और चरित्र की सूचना देता है तो रेखायें और उन पर बने चिन्ह दशा-अन्तर्दशा में घटने वाली घटनाओं को दर्शाते हैं। पर्वत यह निश्चित करते हैं कि व्यक्ति में कौन से गुण या अवगुण विद्यमान हैं तथा वह कौन सी आजीविका अपनायेगा। इसके साथ ही व्यक्ति के वर्ग विशेष में रहने की सूचना भी इन्हीं के माध्यम से मिलती है। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि पर्वतों के सूक्ष्म निरीक्षण-परीक्षण करने के पशचत् एक कुशल रेखाविद् यह निश्चित कर लेता है कि सम्बद्ध व्यक्ति का हाथ किस वर्ग का है। प्रत्येक हाथ का वर्ग किंवा श्रेणी उसके मूल्य को दर्शाती है। यह सब कुछ ऐसा ही है जैसे एक मूर्तिकार विभिन्न मुखाकृतियों के प्रतिरूप मूर्तियां बनाता है और उनको श्रेणीबद्ध कर उनका मूल्य निश्चित करता है।

हस्त सामुद्रिक में अंगुलियों का आकार प्रकार और इन पर अंकित चिन्ह भी विशेष महत्व रखते हैं जैसे अंगुलियां वर्गाकार [illegible] हैं। लम्बी वर्गाकार अंगुलियां व्यक्ति की मानसिक सबलता और तार्किक होने का संकेत देती हैं। अंगूठा व्यक्ति के हाथ में महत्वपूर्ण अंग है क्योंकि इस की सहायता के बिना अंगुलियां कुछ भी नहीं कर सकतीं। व्यक्ति का समग्र व्यक्तित्व अंगूठे में छिपा है। अंगूठे का मस्तिष्क से गहरा सम्बन्ध है, इस तथ्य की पुष्टि वैज्ञानिक भी करते हैं।

मस्तिष्क मानव देह का केन्द्रिय अंग है जो सारी देह के क्रिया कलापों का संचालन करता है। मस्तिष्क को गतिशील रखने में अनेक ज्ञानतन्तु अपनी-अपनी भूमिका निभाते हैं। मस्तिष्क और हृदय में हो रहे रासायनिक अमलों का प्रतिरूप मानव की हथेली पर अंकित रेखायें हैं। हम जब किसी के मन और मस्तिष्क के भावों को पढ़ना चाहें तो हमें उसके करतल की रेखाओं को देखना-समझना होगा। अगली पंक्तियों में रेखा के आकार-प्रकार एवं इस पर बने चिन्हों के अनुसार व्यक्ति के जीवन में कैसी घटनायें होंगी इस पर प्रकाश डाला जा रहा है। आशा है पाठक वृन्द लाभान्वित होंगे।

आई०ए०एस० अधिकारी— यदि बुध की उंगली अर्थात् कनिष्ठिका लम्बी हो और उसका सिरा अनामिका के प्रथम पौर के आधे हिस्से को भी पार कर चुका हो और सूर्य रेखा उच्चकोटि की हो तो जातक आई०ए०एस० अधिकारी अथवा उच्च पदाधिकारी बनता है।

न्यायाधीश होने का योग— यदि गुरु पर्वत अधिक विकसित हो और उस पर क्रास का चिन्ह हो, तर्जनी अंगुली अनामिका से बड़ी हो, कनिष्ठिका का सिरा अनामिका के प्रथम पौर के मध्य भाग तक पहुँच गया हो तो जातक न्यायाधीश होता है।

व्यवसायी होने का योग— यदि बुध पर्वत उभरा हुआ हो और निर्दोष हो, मस्तिष्क रेखा सीधी हो और बुध पर्वत तक जाती हो तो जातक सफल व्यापारी होता है।

पुलिस अधिकारी— मंगल पर्वत उभरा हुआ हो तथा उस पर उज्जवल तारे का चिन्ह हो और शरीर हृष्ट-पुष्ट हो तथा भाग्य रेखा निर्दोष हो तो जातक सफल पुलिस अधिकारी बनता है।

इंजीनियर होने का योग— यदि शनि पर्वत विकसित हो और निर्दोष भाग्य रेखा शनि पर्वत पर आती हो, बुध पर्वत पर तीन चार खड़ी रेखा हों और सभी उंगलियां लम्बाई लिए हुए हों तो जातक इंजीनियर होता है।

डॉक्टर होने का योग— यदि बुध पर्वत और मंगल पर्वत पूर्ण रूप से विकसित हों, कनिष्ठिका का सिरा अनामिका के ऊपरी पौर के मध्य तक जाता हो, बुध पर्वत पर तीन खड़ी रेखाएं हों तो जातक डॉक्टर होता है। अगर मंगल की बजाय बृहस्पति पर्वत विकसित हो तो जातक सफल वैद्य होता है।

शिक्षक होने का योग— बृहस्पति पर्वत उभरा हुआ हो और उस पर क्रास का चिन्ह हो तथा इसके साथ ही सूर्य रेखा, भाग्य रेखा, निर्दोष हो तथा तर्जनी उंगली अनामिका से बड़ी हो तो व्यक्ति शिक्षक होता है।

अभिनेता-अभिनेत्री योग— अनामिका उंगली विशेष लम्बी हो और ऊपर से नोकदार हो, सूर्य रेखा पर नक्षत्र का चिन्ह हो, सभी उंगलियां कोमल और ढलवी हों, भाग्य रेखा पूरी लम्बाई लिए हुए हो तो जातक सफल अभिनेता या अभिनेत्री होती है।

साहित्यकार— हथेली में चन्द्र पर्वत और गुरु पर्वत उभरे हुए हों, अनामिका तर्जनी से लम्बी हो, सूर्य रेखा तथा बुध पर्वत निर्दोष हों तो जातक सफल साहित्यकार बनता है। अगर चन्द्र पर्वत से धनुषाकार रेखा बुध पर्वत की ओर आती हो तो जातक श्रेष्ठ कवि बनता है।

विवाह में अड़चन— (१) यदि विवाह रेखा कई स्थानों पर कटती हो, (२) चन्द्र पर्वत पर आड़ी तिरछी रेखाएं बनी हों।

अनमेल विवाह का योग— (१) यदि विवाह रेखा सूर्य रेखा को काटती हो तो अनमेल विवाह होता है, (२) यदि शुक्र पर्वत अधिक विकसित हो तब भी।

सुखहीन विवाह का योग— (१) यदि भाग्य रेखा पर क्रास हो, (२) विवाह रेखा पर द्वीप का चिन्ह हो, (३) शुक्र पर्वत कम उभरा हुआ हो।

तलाक होने के योग— (१)विवाह रेखा के अन्त में रेखाओं का गुच्छा हो, (२) यदि मंगल क्षेत्र से चलकर कोई रेखा विवाह रेखा को काटे तो पति-पत्नी पृथक् रहते हैं, (३) यदि विवाह रेखा से निकल कर एक शाखा मस्तिष्क रेखा से मिलती हो, (४) शुक्र पर्वत से प्रभाव रेखा जीवन रेखा को काटती हुई विवाह रेखा से मिलती है अथवा विवाह रेखा को काटती है तो तलाक होता है, (५) अविवाहित रहने का योग:- विवाह रेखा ऊपर अर्थात् कनिष्ठका उंगली की ओर झुकी हो तो विवाह नहीं होता।

हस्त रेखा और रोग

☞ यदि चन्द्र पर्वत अत्यधिक उठा हुआ हो तो जातक को नजला जुकाम रहता है।

☞ यदि चन्द्र पर्वत जरूरत से ज्यादा उभरा हुआ हो और उस पर एक से अधिक क्रास अथवा बिन्दु हो तो जलोदर रोग होता है।

☞ यदि मस्तिष्क रेखा कई जगह से टूटी हुई हो तो जातक की स्मरण शक्ति कम होती है।

☞ यदि मस्तिष्क रेखा जरूरत से ज्यादा चौड़ी हो तथा उस पर काला धब्बा हो तो जातक को मस्तिष्क रोग होता है।

☞ यदि जीवन रेखा अंत में कई शाखाओं में बंट जाती हो तो वायु रोग होता है।

☞ यदि दोनों हाथों में मंगल रेखा पर शाखाएं निकली हों अथवा जीवन रेखा के प्रारम्भ में तारे का चिन्ह हो तो जातक को कैंसर रोग होने का भय होता है।

☞ यदि मंगल पर्वत पर तीन या तीन से अधिक बारीक-बारीक रेखाएं दिखाई दें तो जातक को गुप्तांगों के रोग रहते हैं।

☞ अगर स्वास्थ्य रेखा दूषित हो और हृदय रेखा जंजीरदार हो तो जातक को हृदय रोग होने का भय है।

अन्य अशुभ योग-

बाल्यावस्था में माता-पिता की मृत्यु— भाग्य रेखा के शुरू में त्रिकोण या द्वीप हो तो माता-पिता में से किसी एक की मृत्यु होती है।

हत्यारा होने का योग— मंगल का पर्वत उठा हो, उस पर तारे का चिन्ह हो। शनि के नीचे-मस्तक रेखा पर नीले रंग की रेखा हो।

विदेश में मृत्यु— जीवन रेखा अंत में दो शाखाओं में बंट जाए और उसमें से एक शाखा चन्द्र स्थान पर जाए तो विदेश में मृत्यु होती है।

मुकद्दमेबाजी में जायदाद और धन नाश होना— दोनों हाथों में मंगल पर्वत का काला धब्बा, तिल या अन्य चिन्ह हो तो मुकद्दमेबाजी में जायदाद बर्बाद होती है।

शराबी होने का योग— चन्द्र पर्वत अधिक उठा हो तो प्राणी मद्य सेवी होता है।

अकाल मृत्यु का योग— (१) जीवन रेखा कटी हुई हो, हृदय रेखा शनि पर्वत को स्पर्श करती हो तो जातक की अकाल मृत्यु होने का भय होता है, (२) जीवन रेखा दोनों हाथों में छोटी हो अथवा टूटी हुई हो, मस्तिष्क रेखा तथा हृदय रेखा बुध पर्वत के नीचे आपस में मिली हो तो अकाल मृत्यु होती है।

हथेली पर तिल:-

☞ यदि लाल रंग का तिल मस्तिष्क रेखा के ऊपर हो तो जातक के लिए सिर पर चोट लगने का खतरा रहता है।

☞ शनि पर्वत पर काला तिल जातक के प्रणय सम्बन्धों में निराशा लाता है। पति-पत्नी के आपसी झगड़े के कारण उनमें से एक को आत्महत्या करनी पड़ती है।

☞ चन्द्र पर्वत पर काला तिल पानी में डूबने से मृत्यु का होना। जातक को प्रेमी अथवा प्रेमिका धोखा देती है।

☞ हृदय रेखा पर गहरे काले रंग का तिल हो तो जातक को हृदय रोग होने की सम्भावना रहती है।

☞ जिस व्यक्ति के बुध पर्वत पर काला तिल हो, वह व्यक्ति ठग, कपटी तथा धूर्त होता है। ऐसे व्यक्ति से व्यापार में भागीदारी नहीं करनी चाहिए।

☞ बृहस्पति के पर्वत पर काला तिल हो तो विवाह में बाधा आती है।

☞ शुक्र पर्वत पर काला तिल जातक को अत्यधिक भोगी बनाता है जिससे वीर्य दूषित हो जाता है।

☞ जीवन रेखा पर काला तिल हो तो दिमाग पर चोट लगने का डर रहता है तथा शत्रु द्वारा आघात लगने का भी खतरा रहता है।

☞ भाग्य रेखा पर काला तिल भाग्योदय में बिलम्ब तथा संघर्ष का सूचक है।

☞ यदि सूर्य रेखा पर काला तिल हो तो जातक को असफलता का सामना करना पड़ता है तथा धन हानि होती है।

☞ यदि अंगूठे के मूल में काला तिल हो तो जातक के प्रथम सन्तान की मृत्यु हो अथवा गर्भ-क्षय हो।

मुखाकृति से भविष्य ज्ञान

वर्गाकार मुखाकृति—वर्गाकार मुखाकृति वाले व्यक्ति पृथ्वी तत्व प्रधान व्यक्ति होते हैं। ऐसे व्यक्तियों की मुखाकृति की तस्वीर लेकर अगर चारों ओर लाइन लगा कर चतुष्कोण खींचा जाए तो इनका चेहरा चतुष्कोण में पूरा फिट आ जाएगा। यह जातक स्वस्थ सुडौल एवं शक्तिसम्पन्न होते हैं। इनमें उद्योगशीलता, व्यावहारिकता तथा संचय करने की प्रवृत्ति एवं गुण पाए जाते हैं। यह लोग भौतिक साधनों से सम्पन्न सुखी समृद्ध होते हैं। यह लोग सिद्धान्तों पर चलने वाले होते हैं और दूसरे के प्रभाव में आकर आसानी से अपने सिद्धान्त नहीं बदलते। अगर इनके चेहरे में, पृथ्वी तत्व की अत्यधिक मात्रा हो तो यह व्यक्ति हठी, अदूरदर्शी, आलसी, विलासी होते हैं तथा अपनी अकर्मण्यता के कारण बाद में दुखी होते हैं।

वर्गाकार मुखाकृति वाली स्त्रियों का शरीर स्थूल होता है। इनकी चाल धीमी तथा मतवाली होती है। ऐसी स्त्रियां कर्मठ, व्यवहारकुशल तथा मनमौजी होती हैं। अगर इनकी मुखाकृति में पृथ्वी तत्व अत्यधिक मात्रा में हो तो यह स्वभाव तथा चरित्र की दृष्टि से दुर्बल होती हैं।

वृत्ताकार मुखाकृति—वृत्ताकार मुखाकृति वाले जल तत्व प्रधान होते हैं। यदि इनके चेहरे का चित्र लेकर एक गोले में फिट किया जाए तो उनमें यह लगभग फिट हो जाता है। ऐसे जातक के गाल भरे हुए मांसल एवं स्निग्ध होते हैं। इनका शरीर स्थूल तथा उदर लम्बा होता है। यह लोग भावुक, कल्पनाशील, प्रसन्नचित्त, सहृदय, स्वप्नदर्शी मिलनसार एवं संवेदनशील होते हैं। यह लोग आराम पसंद जीवन बिताना पसन्द करते हैं तथा संघर्ष से दूर भागते हैं। जिनके चेहरे पर जल तत्व का अत्यधिक प्रभाव हो वह निराशावादी और अकर्मण्य होते हैं।

गोल चेहरे वाली औरतें श्रृंगारप्रिय हावभाव वाली, बुद्धिमती तथा पतिव्रता, उदार हृदय, स्नेही तथा चंचल होती हैं। अगर जल तत्व का अत्यधिक प्रभाव हो तो यह दुर्बल, निराश एवं रोगग्रस्त होती हैं।

सूच्याकार मुखाकृति—सूच्याकार मुखाकृति वाले व्यक्ति अग्नि तत्व प्रधान होते हैं। अगर इनके चेहरे की तस्वीर चतुष्कोण में फिट की जाए तो ललाट वाला ऊपर का भाग चौड़ा होगा और नीचे का ठोड़ी वाला भाग संकरा होगा अथवा यूं कहा जा सकता है कि इनके चेहरे की आकृति बाल्टी की आकृति जैसी होगी। कोनों में गोलाई नहीं होगी। ऊपर का भाग विस्तृत होने के कारण यह लोग बुद्धिमान, चिंतक, दूरदर्शी, साहसी, स्वस्थ एवं समृद्ध, स्पष्ट वक्ता, अभिमानी, नेतृत्वप्रिय एवं हठी होते हैं। यह लोग शक्ति में विश्वास करते हैं और अगर कहीं वाद-विवाद में उलझ जाएं तो पीछे नहीं हटते। यह लोग रचनात्मक एवं ध्वंसात्मक दोनों प्रकार के कार्य करते हैं। अगर चेहरे पर अग्नि तत्व का अधिक प्रभाव हो तो जातक अत्यन्त क्रोधी, हिंसात्मक एवं पाशविक वृत्ति वाला होगा।

सूच्याकार मुखाकृति वाली स्त्रियां स्वाधीनताप्रिय, असहिष्णु एवं वाचाल होती हैं। गृहस्थ जीवन में यह औरतें सफल नहीं होतीं क्योंकि जरा-सी बात पर इनको क्रोध आ जाता है। हां, नौकरी, राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में यह स्त्रियां उन्नति कर सकती हैं।

अंडाकार मुखाकृति—अंडाकार मुखाकृति वायु तत्व प्रधान मुखाकृति होती है। इनका ललाट विशाल एवं उन्नत तथा [illegible] और कपोल [illegible] विशेष [illegible] होते हैं। जातक सामान्य कद के, पुष्ट शरीर एवं उभरे स्निग्ध गालों वाले, आकर्षक और लुभावने होते हैं। यह व्यक्ति आशावादी, स्वच्छन्द, साहसी होते हैं तथा हर बात तर्क से करते हैं। यह हमेशा ज्ञान की जिज्ञासा, आनन्द की खोज, शान्ति की चाह रखते हुए प्रगति की राह पर चलते हैं। अगर चेहरे का नीचे का भाग पुष्ट हो तो यह व्यक्ति प्रेम और सौन्दर्य की इच्छा, काम पिपासा तथा व्यर्थ आचरण की कामना रखते हैं।

यदि इन व्यक्तियों का चेहरा उल्टे अण्डे की तरह हो अर्थात् इनका ललाट का भाग संकुचित हो और नीचे का भाग विस्तृत हो तो ऐसे व्यक्तियों की बुद्धि इतनी विकसित नहीं होती। यह लोग हास्य एवं व्यंगप्रिय, मनमौजी, उथले स्वभाव के होते हैं। चेहरे के नीचे के भाग में वायु तत्व की प्रधानता जातक को असत्यवादी, अस्वस्थ एवं चिड़चिड़ा बनाती है।

अंडाकार मुखाकृति वाली स्त्रियां सामान्य होती हैं परन्तु थोड़े प्रयत्न से अच्छा जीवन साथी सिद्ध हो सकती हैं।

उल्टे घड़े समान मुखाकृति—ऐसे जातक को देखकर ऐसा लगता है जैसे शरीर पर गर्दन सहित उल्टा घड़ा रखा हो। इनमें आकाश तत्व की प्रधानता होती है। इनके चेहरे पर अद्भुत कांति तथा आंखों में विशेष तेज होता है। यह लोग उदार हृदय, महत्वाकांक्षी, स्वाभिमानी एवं आदर्शयुक्त, एकान्तप्रिय, सौम्य, तेजस्वी, आध्यात्मवादी, आत्मबली एवं असाधारण प्रवृति के व्यक्ति होते हैं। यह अपने क्षेत्र में उच्च पद पर होते हैं तथा लोगों का तथा समाज का जिसमें भला हो, ऐसा कार्य करते हैं।

अध्ययन के लिए चेहरे को तीन भागों में बांटा जाता है:—

(१) ललाट क्षेत्र (२) नासिका क्षेत्र तथा (३) मुख क्षेत्र।

ललाट क्षेत्र का विकास व्यक्ति की मानसिक, बौद्धिक एवं सात्विक शक्ति का सूचक है। नासिका क्षेत्र मनुष्य की भौतिक, व्यावहारिक एवं राजसी प्रवृत्तियों का सूचक है। मुख क्षेत्र जातक की जैविक, वासनात्मक एवं तामसिक इच्छाओं का सूचक है।

जिस जातक का ललाट एवं नासिका क्षेत्र उन्नत, विकसित तथा विस्तृत होता है वह बुद्धिमान, ज्ञानवान, विचारशील, व्यवहारिक, चतुर तथा साहसी होता है तथा जीवन में सफल होता है। यश, धन, सुख तीनों को प्राप्त करके जीवन में अपने लक्ष्य को प्राप्त करता है।

जिस जातक के ललाट एवं मुख क्षेत्र विकसित, उन्नत एवं विस्तृत हों वह गम्भीर, धीमा, चतुर, चालाक, धूर्त, कामी, दम्भी, विचारवान, समय और स्थिति को पहचानने वाला होता है। यह व्यक्ति अधिक स्वार्थी होता है और जरूरत पड़ने पर असत्य एवं अन्याय का भी सहारा लेता है।

जिस जातक के नासिका क्षेत्र एवं मुख क्षेत्र विस्तृत, उन्नत, विकसित हों, विशेषकर मुख क्षेत्र नासिका क्षेत्र से अधिक विकसित एवं उन्नत हो ऐसा व्यक्ति कामी, वासनायुक्त, असभ्य, मन्दबुद्धि, हिंसक होगा। यदि नासिका क्षेत्र, मुख क्षेत्र से अधिक विकसित हो तो जातक उत्तेजित, आक्रामक, [illegible] होगा।

स्त्रियों के तिलादि एवं हस्त रेखा का विचार

भारतीय सामुद्रिक शास्त्र के विद्वानों ने स्त्री शरीर पर पाये जाने वाले तिलों के सम्बन्ध में अनेक तथ्यों का विश्लेषण किया है। इनमें कुछ मुख्य बातों का उल्लेख करते हैं—

यदि किसी स्त्री के भौंहों के मध्य भाग में तिल चिह्न हो तो उसे राज्य प्राप्ति का लक्षण समझना चाहिए। यदि स्त्री के बायें कपोल पर लाल रंग का तिल हो तो वह मिष्ठान्न भोजन प्राप्त करने वाली होती है।

यदि किसी स्त्री के हृदय स्थान पर तिल हो तो उसे सौभाग्य सूचक समझना चाहिये। यदि दायें स्तन पर लाल रंग का तिल हो तो ऐसी स्त्री तीन कन्या तथा दो पुत्रों को जन्म देती है। यदि बायें स्तन पर लाल रंग का तिल हो तो स्त्री पहले बच्चे को जन्म देने के बाद विधवा हो जाती है।

यदि किसी स्त्री की नाभि के निचले भाग में तिल का चिह्न हो तो उसे शुभ समझना चाहिये। यदि गुप्त स्थान में तिल हो तो वह दारिद्रय कारक होता है। हाथ, कान, कपोल, कंठ अथवा बाईं ओर के किसी अंग में तिल हो तो ऐसी स्त्री अपने प्रथम गर्भ से पुत्र को जन्म देती है।

जिस स्त्री के बायें गाल पर लाल रंग का तिल हो तो, सदैव समधुर श्रेष्ठ भोजन प्राप्त करती है।

जिस स्त्री के ललाट पर काले रंग का चमकीला तिल हो तो वह पांच पुत्रों की माता तथा सौभाग्यवती होती है। ऐसी स्त्री स्वभाव से धार्मिक तथा दयालु प्रकृति की होती है।

मस्सा विचार

जिस स्त्री के कण्ठ, होंठ, दायें हाथ अथवा बायें कान पर मस्सा हो तो उसके पुत्र उच्च पद प्राप्त करते हैं।

जिस स्त्री के बायें गाल पर लाल रंग का मस्सा हो, तो वह सदैव विभिन्न प्रकार के भोजन प्राप्त करती है। जिस स्त्री की दोनों भौंहों के मध्य भाग में मस्सा हो तो वह स्वयं सर्विस के ऊंचे पद को प्राप्त करती है।

नख विचार

बन्धूक पुष्प के समान लाल रंग के तथा ऊंचे उठे हुए नखों वाली स्त्री, ऐश्वर्य शालिनी होती है। टेढ़े, खुरदरे विवर्ण, श्वेत तथा चमकतेदार नाखून होने से स्त्री दरिद्रा होती है। जिन स्त्रियों के नखों पर स्वेत रंग के बिन्दु होते हैं, वे प्रायः व्यभिचारिणी होती हैं। चिकने सुन्दर रंग के अरुणाभायुक्त, बैडूर्य अथवा मोती के समान चमकदार तथा श्वेत बिन्दु युक्त चिह्न सुख देने वाले होते हैं।

चपटी, मोटी, रूखी तथा जिनके पुष्टभाग पर रोम हों, ऐसी अंगुलियां अशुभ होती हैं। अत्यन्त छोटी, पतली, गहरे लाल रंग की तथा विरल अंगुलियां रोग देने वाली होती हैं। यदि अंगुलियों में तीन से अधिक पर्व हों तो उस स्त्री को दुःख प्राप्त होता है।

यदि अंगुलियां गोलाई लिए हुए हों, उनके पर्व बराबर हों वे आगे से पतली कोमल त्वचा युक्त तथा गांठ रहित हों तो ऐसी स्त्री सुख भोगने वाली होती है।

यदि अंगुलियां बहुत छोटी हों तथा दोनों हाथों से अंजुलि बनाने पर उनके बीच में छेद रहें तो ऐसी स्त्री अपने पति के घर को खाली कर देती है। अर्थात् वह धन का संचय करने वाली नहीं होती, खर्चीली होती है।

स्त्रियों के हाथ में गोल, सीधा तथा गोल नाखून वाला कोमल अंगूठा शुभ होता है। जिस स्त्री के अंगूठे अथवा अंगुलियों में यव का चिह्न हो तथा उस यव (जौ) चिह्न के ऊपर तथा नीचे की रेखा बराबर हो तो ऐसी स्त्री धन-धान्य से अत्यधिक सम्पन्न तथा सुख भोगने वाली होती है। यदि किसी स्त्री के हाथ का अंगूठा चौड़ा फैला हुआ हो तो वह विधवा होती है। यदि किसी स्त्री के हाथ का अंगूठा लंबा हो तो वह भाग्य हीन होती है।

स्त्रियों की हस्त रेखा विचार

यदि किसी स्त्री के हाथ में बुध क्षेत्र पर छोटी-छोटी कई खड़ी रेखायें हों तो वह बहुत बातूनी होती है। यदि किसी स्त्री के हाथ में बुध का पर्वत सूर्य की ओर झुका हुआ हो तो उसे वैधव्य का कष्ट भोगना पड़ता है। उसका पति दुराचारी तथा व्यसनी होता है।

यदि किसी स्त्री के दायें हाथ में भाग्य रेखा के दाईं ओर अथवा बायें हाथ में भाग्य रेखा के बाईं ओर चतुष्कोण में नक्षत्र चिह्न हो तथा हृदय रेखा टूटी हुई हो तो उसका किसी पुरुष अथवा अपने पति से अत्यधिक प्रेम होता है।

यदि किसी स्त्री के हाथ की तर्जनी उंगली के द्वितीय पर्व पर नक्षत्र चिह्न हो तथा उसके दोनों ओर एक-एक खड़ी रेखा भी हो तो ऐसी स्त्री पतिव्रता होती है।

यदि किसी स्त्री के हाथ में भाग्य रेखा का उदय चन्द्र पर्वत से हुआ हो वह स्पष्ट रूप से आगे बढ़ती हुई शनि के पर्वत पर चली गई हो तो ऐसी स्त्री विवाह के बाद अपने पति के अधीन रहती है। यदि स्त्री के दायें हाथ में भी ऐसी ही रेखा हो तो उसको उन्नति तथा भाग्योदय में सहायता प्राप्त होती है।

यदि स्त्री के हाथ में भाग्य रेखा चन्द्र पर्वत से उत्पन्न होकर गुरु पर्वत पर गई हो तो वह धनी पुरुष की पत्नी होती है तथा उसे सुख, यश एवं विदेश गमन आदि से लाभ प्राप्त होते रहते हैं।

यदि विवाह रेखा में से एक शाखा हृदय-रेखा की ओर लटकी हुई हो परन्तु हृदय रेखा से मिली न हो तो ऐसी स्त्री का पति शराबी होता है और उसके नशे में अपनी पत्नी को दुःख देता है। स्त्री के हाथ और पाँव की उंगलियां यदि टेढ़ी-बांकी हों तो वैधव्य अथवा हीनता का लक्षण समझना चाहिए। हृदय-रेखा श्रृंखलाकार होकर बीच में शनि क्षेत्र की ओर छुकी हुई हो तो ऐसी रेखा वाली स्त्रियों को पुरुषों की परवाह नहीं रहती।

प्रश्न विचार

जिस भाव सम्बन्धी विषय का विचार करना हो उस भाव का स्वामी कार्येश कहलाता है, और लग्न का स्वामी लग्नेश कहलाता है। अगर प्रश्न लग्न में निम्नलिखित योग हों तो कार्यसिद्धि होती है—

१. लग्न का स्वामी कार्यभाव में हो और कार्येश लग्न में हो।
२. लग्न का स्वामी लग्न में हो और कार्यभाव का स्वामी कार्यभाव में हो।
३. यदि लग्न का स्वामी और कार्यभाव का स्वामी दोनों ही लग्न में हों।
४. लग्नेश और कार्येश दोनों कार्यभाव में हों।

इन चारों योगों में से कोई एक योग हो तथा लग्नेश और कार्येश इन दोनों पर चन्द्रमा की दृष्टि हो और चन्द्रमा को भी लग्नेश कार्येश देखे तो कार्य सिद्धि जाननी चाहिए। यदि चन्द्रमा मित्रक्षेत्री हो तो और भी अधिक शुभ जानना चाहिए।

यदि लग्नेश कार्येश के ऊपर चन्द्रमा की दृषिट न हो तथा अन्य शुभ ग्रह की दृष्टि हो तो प्रश्न सम्बन्धी कार्य से भिन्न कोई नवीन शुभ प्रयोजन उत्पन्न हो।

लग्नेश लग्न को और कार्येश कार्य भाव को देखता है तो कार्यसिद्धि होगी। यह कार्यसिद्धि तब होगी जब चन्द्रमा कार्यभाव पर आएगा।

धन लाभ कब होगा

१. लग्न का स्वामी लेने वाला होता है और ग्यारहवें स्थान का स्वामी देने वाला होता है। जब लग्नेश और एकादशेश का योग होता है और चन्द्रमा लाभ भाव को देखता है तो लाभ होता है।
२. यदि लग्नेश छठे, आठवें, बारहवें घर में हो तो धन का नाश होता है।

गर्भ सम्बन्धी प्रश्न

१. यदि पंचम भाव का स्वामी पंचम भाव को न देखता हो और पाप ग्रह पंचम भाव में स्थित हो या पंचम भाव को देखता हो तो गर्भपात हो जाएगा।
२. यदि पंचम भाव का स्वामी पंचम भाव को देखता हो तो प्रसव होता है।
३. यदि प्रश्नकाल में जिस किसी चार स्थानों में दो-दो ग्रह हों तो एक साथ दो सन्तानों का प्रसव होता है।
४. प्रश्न लग्न से शुक्र जितने संख्यक स्थान में स्थित हो उतने महीने पर्यन्त गर्भ की स्थिति कहना और शुक्र यदि दसवें, ग्यारहवें, बारहवें भाव में हो तो पंचम भाव से लेकर शुक्र के स्थान तक गिनकर मास संख्या जानी जाती है।

यदि गर्भिणी स्त्री पिता के घर में हो तो पिता से धारित नाम और पति के घर में हो तो ससुराल का नाम ग्रहण करके जो अक्षर संख्या हो उसमें पति की नामाक्षर संख्या मिलाने फिर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से लेकर प्रश्न पूछने के दिन तक जो तिथि हो यहां तक गिनकर जोड़ दें, योगांक में तीन का भाग दें, एक शेष बचे तो पुत्र, दो बचें तो कन्या, शून्य बचे तो गर्भ नहीं है या गर्भ गिर जाएगा अथवा उत्पन्न होने पर भी उस गर्भ की सन्तति का नाश होगा, ऐसा कहना चाहिए।

सन्तान सम्बन्धी प्रश्न

- पंचम भाव में बुध या शुक्र हो तो जातक को कन्या रत्न की प्राप्ति सम्भव है।
- ग्यारहवें भाव में चन्द्रमा हो तो जातक को कन्या रत्न की प्राप्ति होगी।
- लग्नेश की पंचम भाव में स्थिति और पंचमेश तथा बृहस्पति का बलवान् होना भी सन्तति कारक योग बनाता है।
- शुभ ग्रह दृष्ट लग्नेश और पंचमेश का केन्द्रस्थ होना सन्तान योग बनाता है।
- यदि पाँचवें भाव में सूर्य, मंगल और राहु तीनों ही हों तो सन्तान देर से होगी।
- यदि पाँचवें भाव में केतु हो तो सन्तान की प्राप्ति में देर होगी।
- यदि प्रश्न कुण्डली में चौथे भाव में पाप ग्रह और पाँचवे भाव में बृहस्पति हो तो सन्तानाभाव का योग है।
- यदि तीसरे और आठवें भाव में शनि हो तो सन्तान नहीं होगी।
- यदि दूसरे, पांचवें या दशम भाव में मंगल हो तो पुत्रहीन योग बनता है।
- यदि पांचवें भाव में शनि और राहु के साथ सूर्य हो तो सन्तान उत्पन्न होते ही नष्ट हो जाती है।

भूमि, मकान सम्बन्धी प्रश्न

- यदि चतुर्थ भाव में शनि द्वारा दृष्ट राहु स्थित हो तो बटवारे में भूमि मकान आदि की प्राप्ति होती है।
- यदि चतुर्थेश द्वितीय अथवा ग्यारहवें भाव में हो तो भूमि आदि का प्रचुर लाभ होता है।
- यदि चतुर्थ भाव शुभ ग्रहों से युक्त अथवा दृष्ट हो तो जातक को घर, भूमि की प्राप्ति होती है।
- यदि बृहस्पति और शुक्र से दृष्ट चतुर्थेश त्रिकोण अथवा केन्द्र में हो तो जातक अपने परिश्रम से भूमि, मकान, खेत आदि प्राप्त करता है।
- यदि चतुर्थेश और दशमेश में राशि परिवर्तन योग हो तो जातक को घर, भूमि, खेती, बगीचा आदि की प्राप्ति शीघ्र होती है।

मुकदमें में जीत हार

१. यदि प्रश्न समय पाप ग्रह लग्न में बैठा है तो वादी जीते और यदि वही पाप ग्रह नीच राशि में, सूर्य के सानिध्य से अस्त या शत्रुग्रह के राशि में हो तो वादी नहीं जीतेगा अर्थात् उसकी हार होगी।
२. यदि सप्तम भाव में बली पापग्रह हो तो शत्रु की विजय हो।
३. यदि लग्न और सप्तम भाव में बराबर पापग्रह हों और वह बराबर बली हों तो मुकद्मा अथवा लड़ाई देर तक चले और अन्त में दोनों घरों में जो ग्रह अधिक बली होगा उस भाव वाला जीतेगा— प्रश्न लग्न वाला पापग्रह अधिक बली होगा तो वादी की जीत होगी। अगर सप्तम भाव स्थित पाप ग्रह अधिक बली होगा तो प्रतिवादी की जीत होगी।

विवाह में, शत्रु को मारने में, युद्ध में, संकट (आवश्यक विवाद यात्रादि) में भी पापग्रह लग्न में हों तो विजय होती है और प्रश्न लग्न पर पापग्रह की दृष्टि हो तो पराजय होती है।

प्रवासी सम्बन्धी प्रश्न

अगर कोई प्रश्न करे कि अमुक पुरुष विदेश गया है, घर नहीं पहुँचा, बंधा हुआ है या मर गया है?

१. यदि प्रश्न लग्न में पापग्रह हो तो वह मारा नहीं गया है और बन्धन में भी नहीं है अर्थात कुशल से है, ऐसा कहना।
२. प्रश्न लग्न से सप्तम या अष्टम भाव में यदि पापग्रह, अथवा लग्न और सप्तम इन दोनों में पापग्रह हों तो मरण व बन्धन कहना।

यदि प्रश्नकाल में चर राशि अर्थात् मेष, कर्क, तुला और मकर इनमें से कोई राशि लग्न में हो तथा चर राशि का नवांश भी लग्न में हो और लग्न से चौथे भाव में चन्द्रमा हो तो विदेशी अपने घर पहुँच गया ऐसा कहना।

प्रवासी का आगमन

१. प्रश्नकाल में केन्द्र से द्वितीय स्थानों (दूसरे, पाँचवें, आठवें, ग्यारहवें) में ग्रह प्राप्त हो तो विदेश गए व्यक्ति का आगमन कहना। अगर दूसरे, पाँचवें, आठवें और ग्यारहवें भाव में ग्रह न हों तो गोचर में जब इन भावों में ग्रह आने की सम्भावना हो तो प्रवासी तब लौट कर आएगा ऐसा कहना।
२. सातवें केन्द्र को छोड़कर अन्य केन्द्र भाव (१, ४, १०) से द्वितीय भाव (२, ५, ११) में चन्द्रमा हो तो विशेष रूप से आगमन कहना।

रोगी के जीवन मरण का विचार

१. यदि प्रश्न लग्न से सप्तम, द्वादश और दूसरे भाव में पापग्रह हों और लग्न, छठे, आठवें भाव में चन्द्रमा हो तो शीघ्र मृत्यु करने वाला योग होता है अथवा चन्द्रमा के दोनों तरफ यदि पापग्रह हों तो भी शीघ्र मृत्यु कारक योग होता है।
२. लग्न में सूर्य और सातवें भाव में चन्द्रमा हो तो भी मृत्यु योग होता है।

अगर जीवन-मरण प्रश्न का न होकर अन्य विषय सम्बन्धी हो तो मृत्यु योग नहीं कहना, खाली कठिनाईयां आएंगी ऐसा कहना।

बन्धन एवं दण्ड विषयक प्रश्न विचार

१. दूसरे-बारहवें अथवा पांचवें-नवें भाव में पाप ग्रह हो तो जातक को कारावास दण्ड भोगना पड़ेगा।
२. चौथे भाव में मंगल और दसवें भाव में शनि हो तो लम्बे कारावास या मृत्युदण्ड का सूचक है।
३. यदि नवम भाव में शुक्र, शनि और सूर्य तीनों एक साथ बैठें हों तो किसी घृणित अपराध में दण्ड भुगतना होगा।
४. यदि लग्नेश और षष्ठेश राहु, केतु से युक्त या दृष्ट होकर केन्द्र अथवा त्रिकोण में बैठे हों तो कठोर कारावास का दण्ड मिलेगा।

अमुक वस्तु खरीदने में लाभ रहेगा

प्रश्नलग्न का स्वामी खरीदने वाला और ग्यारहवें भाव का स्वामी बेचने वाला होता है। यदि लग्न का स्वामी लग्न को पूर्ण दृष्टि से देखता हो तो उस वस्तु को खरीदने से प्रश्नकर्ता को लाभ होता है। लग्न का

स्थित होकर लग्न को जितनी दृष्टि से देखता हो, उतना ही लाभ होगा। अर्थात् एक चरण दृष्टि से देखता

मन्दी तेजी जानने का सुलभ प्रकार

मेष — सोना, दालें, कंबल, गेहूं, जौ, मसूर।

स्थित होकर लग्न को जितनी दृष्टि से देखता हो, उतना ही लाभ होगा। अर्थात् एक चरण दृष्टि से देखता हो तो सवाया लाभ, दो चरण दृष्टि से देखता हो तो ड्योढ़ा लाभ, ऐसा जानना।

आमुक वस्तु बेचने में लाभ रहेगा

प्रश्नकाल में प्रश्न लग्न से एकादश भाव बलवान हो तो खरीदी हुई वस्तु बेचने में लाभ होगा, अर्थात् एकादश भाव का स्वामी एकादश भाव में हो या एकादश भाव को पूर्ण दृष्टि से देखता हो तो लाभ होगा, ऐसा कहना।

अमुक वस्तु सस्ती रहेगी या महंगी

१. ऐसे प्रश्न में जिस ग्रह से लग्न बलयुक्त होता है वह ग्रह जितने मास तक उस प्रश्न लग्न से अशुभदायक नहीं होता तब तक वह वस्तु सस्ती रहती है।

२. यदि लग्न में पापग्रह हो अथवा लग्न पर एवं लग्नेश पापग्रहों से युक्त एवं दुष्ट हो तो वस्तु महंगी होती है। परन्तु कब तक महंगी रहेगी? इतने दिन में वह प्रश्न लग्न गोचर में शुभत्व को प्राप्त हो तब तक महंगी उसके बाद सस्ती होगी जब लग्न शुभयुक्त और शुभदृष्ट होगा।

३. क्रय-विक्रय के प्रश्न लग्न बलवान् हों तो वस्तु सस्ती और लग्न निर्बल हो तो वस्तु महंगी होती है। लग्न शुभ ग्रह और स्वामी से देखा जाता हो तथा केन्द्र (१, ४, ७, १०) में शुभ ग्रह स्थित हो तो लग्न बलवान होती है। इसके विपरीत अर्थात् पाप ग्रह से दृष्ट, केन्द्र में पाप ग्रह हों तो निर्बल कहलाता है।

अमुक स्थान में गढ़ा धन है या नहीं

१. प्रश्न कुण्डली में चौथे भाव का स्वामी चौथे भाव को देखता हो तो धन है ऐसा कहना। यदि चतुर्थ स्थान पर पापग्रह की भी दृष्टि हो तो धन है परन्तु प्राप्ति नहीं होगी।

२. चौथे भाव में कोई भी ग्रह हो तो धन उत्तम पात्र में है ऐसा जानना। यदि चौथा यानि चतुर्थ भाव पर चतुर्थेश की दृष्टि न हो तो भी यदि चन्द्रमा चतुर्थ स्थान में हो तो धन है, ऐसा कहना।

नष्ट वस्तु प्रश्न

प्रश्न, तिथि, वार, नक्षत्र, लग्न तीनों एकत्र कर उनको पांच से भाग देने से शेष १ रहे तो वस्तु पृथ्वी में है। २ बचे तो जल में है मिलेगी नहीं। ३ बचे तो आकाश में है मिलेगी नहीं। ४ बचे तो राजा ले गया। ५ बचे तो वायुगत हुई शोक जानो।

मन्दी तेजी जानने का सुलभ प्रकार

तिथि, वार, नक्षत्र, योग, सूर्य संक्रांति, राशि और धान्य इनके ध्रुवांकों की संख्या को जोड़कर ७ से गुणा कर ३ का भाग देने से एक शेष बचे तो भाव उस पदार्थ का समान रहेगा। २ शेष रहे तो सस्ता और ३ अर्थात् ० शेष रहे तो महंगा रहेगा।

नक्षत्र	ध्रुवा	योग	ध्रुवा	वस्तु	ध्रुवा
अश्विनी	१७	विष्कुम्भ	१३	धान्य	७७
भरणी	५	प्रीति	१२	कनक	१००
कृत्तिका	३२	आयुष्मान	४७	ज्वार	१३३
रोहिणी	१४	सौभाग्य	५९	मूंग	४१
मृगशिर	४	शोभन	३६	चणा	३५
आर्द्रा	१३	अतिगंड	४७	झोना	७५
पुनर्वसु	२८	सुकर्मा	१८	तोरी	७७
पुष्य	३६	धृति	४४	तेल	३९
अश्लेषा	३६	शूल	१३	घृत	९९
मघा	१५	गंड	२५	खाण्ड	९९
पूर्वाफाल्गुनी	३	वृद्धि	१७	गुड़	४७
उत्तराफाल्गुनी	३१	ध्रुव	२२	शक्कर	१०१
हस्त	१८	व्याघात	२५	कपास	१२९
चित्रा	२५	हर्षण	२५	रुई	४४
स्वाति	१४	वज्र	१४	कांस्य	३७
विशाखा	२४	सिद्धि	२२	वस्त्र	१०९
अनुराधा	२९	व्यतीपात	१३	स्वर्ण	९६
ज्येष्ठा	३७	वरीयान	३९	हल्दी	७३
मूल	१८	परिधि	१५	चंदन	१८७
पूर्वाषाढ़	७३	शिव	१३	चांदी	८१
उत्तराषाढ़	३०	सिद्धि	१९	मिर्च	६८
श्रवण	२५	साध्य	१२	पित्तल	९९
धनिष्ठा	२३	शुभ	२५	जौ	५०७
शतभिषा	२४	शुक्ल	२२	कस्तू.	१३४
पूर्वाभाद्रपद	९	ब्रह्महू	१३		
उत्तराभाद्रमद	४१	ऐन्द्र	२७		
रेवती	२८	वैधृति	२६		

वार	ध्रुवा
रविवार	२१
सोमवार	१५
मंगलवार	१२
बुधवार	१२
गुरुवार	१३
शुक्रवार	१४
शनिवार	००
राशि	**ध्रुवा**
मेष	३
वृष	२२
मिथुन	२२
कर्क	२५
सिंह	१९
कन्या	१७
तुला	२०
वृश्चिक	१३
धन	१६
मकर	१९
कुम्भ	२३
मीन	१४
तिथि	**ध्रुवा**
१	१
२	२
३	३
४	४
५	५
६	६
७	७
८	८
९	९
१०	१०
११	११
१२	१२
१३	१३
१४	१४
१५	१५

मेष—सोना, दालें, कंबल, गेहूं, जौ, मसूर।
वृष—वस्त्र, पुष्प, सरसों, गेहूं, यव, चावल, महिप, बेल
मिथुन—रुई, कपास, कमलकंद, बाजरा, जुवार, मुनक्का
कर्क—केला, धान, जायफल, तमालपत्र, दालचीनी, चाय, चीनी
सिंह—शाली, पटरस, मृगछाल, गुड़, खांड
कन्या—ज्वार, बाजरा, कुलथी, मूंग, गेहूं, अलसी
तुला—उड़द, गेहूं, नारियल, सरसों, मटर, हरड़
वृश्चिक—गुड़, खांड, नागरपान, लोहा, शक्कर
धनु—रस, घोड़ा, लवण, चित्र, वस्त्र, शस्त्र, कंदफल
मकर—कनीर, सकुट, मजीठ, जमींकन्द
कुंभ—रस, पोस्त, रत्न, रंगदार वस्तुएं
मीन—सीप, मोती, समुद्र झाग, हीरा, पंसारियों की दवाएं

षट् सप्तमगो हानि वृद्धशुक्रः करोति शेषेषु उपचयसंस्थाः क्रूराः शुभदाः शेषेषु हानिकराः इति। जिस वस्तु की तेजी या मंदा देखना हो उस वस्तु की चत्र में राशि कौन सी ऐसा प्रथम देखना। फिर उस राशि में कनसा ग्रह कहां है ऐसा देखना। जिस वस्तु की राशि से बृहस्पति ४।१०।२।११।७।९।५ इतनी राशि पर हो तो वस्तु को मंदा करता है और १।३।६।८।१२ इतनी पर गुरु हो तो तेजी करता है। ऐसा हो २।११।१०।५।८ पर बुध हो तो मंदा करता है और १।३।४।६।७।९।१२ इन स्थानों पर होवे तो तेजी करता है। शुक्र ६।७ पर सर्वदा तेजी करता है और १।२।३।४।५।८।९।१०।११।१२ पर शुक्र सर्वदा मंदा करता है। मंगल, शनि, केतु, सूर्य, क्षीण चन्द्रग्रह ३।६।१०।११ मंदा करते हैं और १।२।४।५।७।८।९ पर तेजी करता है। पूर्ण चन्द्रमा का फल गुरु सदृश देखना। ऐसा मंदा तेजी का फल जानना चाहिए।

नक्षत्रों के पदार्थ—चांदी आदि धातुओं के कारक मंगल, सूर्य हैं। पुनर्वसु, पुष्य, उ.फा., चित्रा, ज्ये., श्रवण, धनि., पू.भा. उ.भा. नक्षत्र हैं। रुई—पुनर्वसु, मूला, रोहि., उ.भा., तेल पदार्थ—आर्द्रा, पुष्य, स्वाति, कृत्तिका, शत., मघा। धान्य—(मक्की, गुवार), उ.भा. पू.षा. श्ले, रोहिणी, कृत्तिका, स्वा., भर। गुड़—मघा, ज्ये., उ.भा.। गुवार—पुष्य, पू.भा.। मटर—श्ले., उ.फा.। सिल्क—पुन., म.। बिनौला—मूल। खिल—उ.भा.। ऊपर के नक्षत्रों में शुभ ग्रह के गमन से नक्षत्र पदार्थों में मंदा का असर रहेगा और अशुभ ग्रहों के गमन से तेजी का असर पड़ेगा।

स्वप्न विचार

जीव की तीन अवस्थायें कही गई हैं-जागृत, सुषुप्ति और स्वप्न। पूर्ण बोध युक्त रहकर क्रियाशील होने को जागृत, सोने अर्थात् निद्रावस्था को सुषुप्ति तथा सोने और जागने (सुषुप्ति एवं जागृत) के बीच की अवस्था स्वप्न कहलाती है। स्वप्न के मुख्यत: सात भेद हैं। बहुत लम्बे तथा बहुत छोटे स्वप्न प्राय: निष्फल होते हैं। स्वप्न का फल कब मिलेगा। इसके बारे में शास्त्रकारों का मत है कि रात्रि के प्रथम प्रहर में देखे गए स्वप्न का फल एक वर्ष पश्चात्, दूसरे प्रहर में देखे गये का छ: मास में, तीसरे प्रहर में देखे गये का तीन मास में, चौथे प्रहर में देखे गये का एक मास में, अरुणोदय अर्थात् सूर्योदय से कुछ काल पूर्व में देखे गये स्वप्न का फल एक सप्ताह में मिल जाता है।

स्वप्न	फल
आकाश में उड़ना	लम्बी यात्रा, पदोन्नति हो
आकाश से गिरना	कष्ट मिले, अवनति हो
अनाज भरना	धन लाभ हो
आग देखना	धन प्राप्ति हो
आग उठाना	कष्ट मिले
अनाज बेचना	हानि हो
अंगूठी पहनना	सुन्दर स्त्री मिले
आम खाना	लाभ मिले
आंधी देखना	यात्रा में कष्ट, चिन्ता
अनार खाना	अधिक धन लाभ हो
ऊंट देखना	लाभ, उन्नति हो
ऊंट से गिरना	अवनति हो
हंसना	कठिनाई आवे
रोना	अच्छा समाचार मिले
शत्रु के साथ खाना	समझौता हो
अपने को मृत देखना	चिन्तामुक्ति, हर्ष मिले
अपने को बूढ़ा देखना	सम्मान मिले
बाल कटाना	व्यापार में हानि
हाथ, पैर धोना	चिन्ता मुक्ति
मां का आलिंगन करना	सौभाग्य प्राप्ति
गर्भवती का आलिंगन	कष्ट, हानि
सफेद मांस देखना	लाभ मिले
काला मांस देखना	सन्तान को कष्ट
अपना कटा पैर देखना	यात्रा में विघ्न हो
स्वयं को जलते देखना	बदनामी हो
सफेद वस्त्र पहनना	लाभ मिले
काले वस्त्र पहनना	हानि चिन्ता
पीले वस्त्र पहनना	दमा रोग हो
लाल वस्त्र पहनना	शुभ, प्रशंसा मिले
वस्त्र फटे देखना	चिन्ता से मुक्ति मिले
[illegible]	[illegible]

स्वप्न	फल
सूखा वृक्ष देखना	लाभ मिले
दूध देखना	शत्रु नष्ट हो
शराब फेंकना	मन को शान्ति मिले
शराब पीना	कष्ट मिले
कई प्रकार की शराब मिलाते देखना	झगडे, फसाद में फंसे, अपवाद फैले
जल पीना	सौभाग्य सूचक
अपने को नंगा देखना	सम्पत्ति की हानि
अपने को गंदगी के ढेर पर बैठे देखाना	कठिनाइयों का सामना करना पड़े
सापों को पांवों से रौंदना	शत्रु का नाश हो
मिठाई खाना	विपत्ती आये
तलवार लिए व्यक्ति देखना	किसी से झगड़ा हो
बिच्छू काटे	बीमारी हो
अण्डे खाना	व्यर्थ का झगड़ा हो
कुत्ता भौंकता दिखे	शत्रुओं का नाश हो
चूहा दिखाई दे	शुभ है, लाभ हो
बर्रे (भिड, ततैया) दिखें	शत्रु परास्त हों
मरा बैल देखना	सूखा पड़े
सुरमा लगाना	रोग हो
सूर्य देखना	उच्चाधिकारी से मिलना
बादल देखना	उन्नति हो
थूक देखना	परेशानी हो
थूकना	खर्चा बढ़े
भैंस देखना	मुसीबत आये
हंस देखना	प्रतिष्ठा बढ़े
भेंड़िया देखना	राजभय हो
अपने बाल सफेद देखना	आयु बढ़े
मल (टट्टी) खाना	धन मिले
मल लगाना	व्यय बढ़े
[illegible]	[illegible]

स्वप्न	फल
फूल देखना	प्रेमी से मिलन हो
पकवान खाना	प्रसन्नता हो
पान खाना	स्त्री संग हो
पिंजड़ा देखना	कारागार मिले
तीतर देखना	अच्छा समाचार मिले
हरा वन देखना	अच्छा समाचार मिले
सूखा वन देखना	चिन्ता हो
तालाब भरा देखना	दूसरे से धन मिले
मुर्दा देखना	स्वास्थ्य लाभ हो
स्त्री से सहवास करना	धन प्राप्ति हो
चन्द्रमा देखना	प्रतिष्ठा मिले
ग्रहण देखना	आफत आये
तेल पीना	रोग हो
खाना बनाना	बच्चे बीमार हो
तिल खाना	बदनामी हो
घोड़े पर चढ़ना	व्यापार में लाभ
घोड़े से गिरना	व्यापार में हानि
बांहे कटी देखना	भाई की मृत्यु हो
सुअर देखना	आयु कम हो
बुलबुल देखना	विद्वानों से मिलन हो
चित्र देखना	राज्य से लाभ
जुआ खेलना	आर्थिक तंगी
कुएं में गिरना	परेशानी हो
कुत्ता काटे	शत्रुभय हो
सफेद सांप काटे	लाभ हो
काला सांप काटे	हानि हो
लाल सांप काटे	शौर्यपूर्ण कार्य करे
पीला सांप काटे	रोग हो
बरात देखना	रोगी हो
रीछ देखना	अच्छा समाचार मिले
विष खाना	चिन्ता, शोक हो
सोना पाना	हानि हो
सांप पकड़ना	शत्रु का नाश हो
सांप मारना	कष्ट से राहत मिले
चीता देखना	असफलता मिले
विद्यालय से भागना	सफलता मिले
ढोलक बजाना (स्त्री)	शीघ्र विवाह हो
ढोलक बजाना (पुरुष)	कठिनाई आये
हस्ताक्षर करना	धन हानि हो
स्याही देखना	इच्छाएं पूरी हों
[illegible]	[illegible]

स्वप्न	फल
चूहा काटे	दुर्घटना से बचाव
रथ पर सवारी करना	उच्च पद मिले
जिह्वा (जीभ) कटी देखना	मन्त्री पद मिले
वमन (उलटी) पीना	राज्य पद मिले
जीभ पर लिखना	विद्या प्राप्ति हो
नगर व ग्राम को घेरना	मुखिया पद मिले
गले में मोती का हार पहनना	राज्य पद मिले
कानों में कुण्डल पहनना	राज्य पद मिले
मुकुट धारण करना	राज्य पद मिले
लिङ्ग कटा देखना	स्त्री की प्राप्ति हो
वीर्य पान करना	धन मिले
मूत्र पान करना	धन मिले
रक्त पान करना	धन मिले
शरीर से रक्त निकलना	धन मिले
अपना सिर काटना	धन मिले
गुदा से जल पीना	धन मिले
घर जलता देखना	धन मिले
इन्द्र धनुष देखना	धन मिले
शिव मंदिर देखना	धन मिले
धुंआ पीना	लक्ष्मी मिले
अग्नि खाना	लक्ष्मी मिले
मोती, मूंगा, कौड़ी देखना	धन प्राप्ति हो
चावल खाना	धन प्राप्ति हो
मूंग खाना	धन प्राप्ति हो
सूखे मेवे देखना	धन प्राप्ति हो
इलायची, लौंग इत्यादि खाते देखना	धन मिले
गन्ना चूसना	लक्ष्मी बढ़े
कुंकुम लगाना	कष्ट निवृत्ति हो
देवी, देवता देखना	कष्ट निवृत्ति हो
सुगन्धित पदार्थ देह पर लगाना	सम्मान मिले
झाग वाला दूध पीना	सम्मान मिले
फल खाना व देखना	सम्मान मिले
बादलों, तारों को छूना	सम्मान मिले
मक्खी, मच्छर काटें	स्त्री लाभ मिले
हाथ में वीणा लेना	स्त्री लाभ मिले
अगम्य स्त्रियों से कामुक क्रीड़ा करना	स्त्री लाभ मिले
गेहूँ, जौ, सरसों देखना	विद्या लाभ हो
[illegible]	[illegible]

स्वप्न	फल
सरस्वती देखना	विद्या लाभ हो
जूते फटे देखना	सन्तति नाश हो
सूअर पर बैठी स्त्री पकड़ें	मृत्यु हो
सिंह, मगरमच्छ पकड़ें	कारागार मिले
गधे पर सवार होना	मृत्यु हो
लाल वस्त्र वाली स्त्री से रमन करना	मृत्यु हो
अपना विवाह देखना	मृत्यु हो
कौवे, गीध, नोचते देखना	मृत्यु हो
कौवे, गीध सिर पर बैठे	मृत्यु हो
पिशाच, प्रेतों के साथ मदिरा पीना	मृत्यु हो
सूर्य अस्त होते देखना	मृत्यु हो
कान में सर्प घुसना	भयंकर पीड़ा हो
अपना मांस खाना	अङ्ग-भङ्ग हो
स्त्री का स्तन पान करना	मृत्यु हो
शमशान में मदिरा पीना	मृत्यु हो
पर्वत की गुफा में जाना	आपत्तियां आएं
दांतों का गिरना	धन हानि हो
नाक-कान कटना	धन हानि हो
जलमुर्गी, उल्लू देखना	धन हानि हो
हिरण, बकरा देखना	धन हानि हो
जूते चोरी चले जाना	स्त्री वियोग हो
दोनों हाथ कटे देखना	माता-पिता की मृत्यु
छिपकली देखना	दुर्भाग्य सूचक
दर्पण में मुख देखना	सन्तान प्राप्त हो
सोने, चांदी की टट्टी करना	दश माह में मृत्यु हो
अचानक मोटा होना	आठ माह में मृत्यु हो
अचानक पतला होना	आठ माह में मृत्यु हो
अपने को कीचड़ में फंसे	शीघ्र मृत्यु हो
कैंचुए देखना	गुप्त शत्रु हो
हाथों में दस्ताने पहनना	सम्मान मिले
बकरी देखना	धन लाभ हो
ओले गिरते देखना	दु:ख, कष्ट मिले
टोपी फटना	मानहानि हो
टोपी सिर से गिरना	मानहानि हो
स्वर्ग में जाना	यश-गौरव मिले
नर्क में जाना	दु:ख क्लेश हो
सीढ़ी पर चढ़ना	उन्नति हो
[illegible]	[illegible]

छिपकली (कोढ़किरली) पतन फल

वर्षा ज्ञान

छिपकली (कोढ़किरली) पतन फल

अङ्ग	फल	अङ्ग	फल
सिर	राज्यलाभ	नीचे का होंठ	धन नाश
नाक की नोक	व्याधि	हृदय	धन लाभ
बायीं बांह	राज भय	उदर	भूषण लाभ
दाहिनी बांह	राजा समान सुख	कन्धा	विजय
ललाट	बन्धु मिलन	स्तन	दुर्भाग्य सूचक
गुल्फ	कारावास	नाभी	बहुत धन मिले
जानु	शुभ लाभ	नाखुन	धान्य लाभ
नेत्र	धनागम	दाहिने अंगुष्ठ	धन लाभ
भौंह	राज्याधिकार प्राप्ति	बायें अंगुष्ठ	हानि, दुःख
वाम मणिबंध	बदनामी	बायां पैर	नाश
दक्षिण मणिबंध	धन लाभ	दायां पैर	यात्रा
कपोल	स्त्री सुख	जंघा	शुभ लाभ
कण्ठ	शत्रु नाश	पादमध्य	स्त्री नाश
बायें कान	बहुलाभ	पादान्ते	मृत्यु
दायें कान	आयु वृद्धि	केशान्ते	मरण तुल्य कष्ट
मुख	मिष्ठान्न भोजन	पीठ पीछे	बुद्धि नाश
ऊपर का होंठ	ऐश्वर्य प्राप्ति	कटि प्रदेशे	वाहन लाभ

अङ्ग स्फुरण विचार

सिर	यात्रा हो	बायीं भौंह	आदर, सम्मान
बायां माथा	प्रसन्नता	बायां कान	परेशानी
दायां माथा	कष्ट, यात्रा	दायां कान	पदोन्नति
दायीं आंख	खुशी होगी	गर्दन	लाभ, स्त्री सुख
बायीं आंख	स्त्री वियोग	जीभ	झगड़ा
भौंह के मध्य	प्रेम मिलन	नाक	खुशी हो
बायीं पलक	दुःख कष्ट	पेट	खुशखबरी मिले
दायीं पलक	सुख आनन्द	पीठ	बुरा समाचार मिले
दाहिनी कपोल	लाभ	अण्डकोष	भोगानन्द मिले
बायां कपोल	हानि, व्यय	दायीं बगल	ऐश्वर्य बढ़े
दायीं भौंह	पुत्र सुख	बायीं बगल	पद घटे

योगासनों का अभ्यास

१. साधना करते समय शरीर को चुस्त रखना चाहिए। किसी समय भी ढीलापन व आलस्य नहीं आने देना चाहिए। २. हर एक साधना के पश्चात् शव आसन करना चाहिए। ३. अपने आप को हर समय स्वस्थ और बलवान् मनन् करना चाहिए। ४. साधना करते, खाते-पीते तथा चलते समय हर हालत में रीढ़ की हड्डी को सीधा रखना। ५. प्रत्येक आसन का अपना विशेष गुण व प्रभाव होता है। अतः यह आवश्यक है कि साधक अपनी प्रकृति व्यवसाय, आयु व ऋतु के अनुसार आसनों को करें। ६. रोगी साधक को चाहिए कि पूर्ण अरोग्यता प्राप्त होने तक ब्रह्मचर्य का पालन अवश्य करें। चक्रासन से मोटापा कम होता है व अनेक बीमारियों का ईलाज भी होता है जैसे:—१. यह कमर दर्द व गुर्दे के रोगों के लिए लाभकारी है। २. हर्नियां व नलों के रोगों से छुटकारा दिलाता है। ३. चक्रासन से पेट के वायु- विकार दूर होते हैं। ४. चक्रासन से पाचन शक्ति बढ़ती है।

वर्षा ज्ञान

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३
१५	५०	४२	३९	३४	२९	३०	२८	२४	२१	१६	१५	१२

सूर्य के रोहिणी नक्षत्र पर रहते नीचे लिखे दिनों में जहां कहीं थोड़ी सी वर्षा हो तो इतने दिनों तक वहां वर्षा न होवे जैसे रोहिणी में सूर्य प्रवेश के प्रथम दिन में थोड़ी सी वर्षा हो तो उस दिन से ७२ दिन तक वर्षा की खैंच रहती है। सूर्य रोहिणी पर रहे उन दिनों से गर्मी ज्यादा पड़े तो आगे वर्षा श्रेष्ठ, राजाओं में विग्रह, थोड़ी वर्षा से संवत् नष्ट, यदि अधिक वर्षा हो जावे और नदियों में वर्षा का जल भी चल पड़े तो अशुभ फल नष्ट होकर वर्षा अच्छी होती है। उन दिनों में बिजली वर्षा की कमी। अधिक दिन की बिजली में शुभ, बादल की दिशा में वर्षा की कमी, निर्मल दिशा में वर्षा अधिक होती है।

वर्षा ज्ञान ज्ञान सारणी से वर्षा जानने की रीति दिसम्बर, जनवरी, फरवरी, मार्च इन चारों मासों की तारीखों में जिन जिन तारीखों में जहाँ वर्षा होती है। उसके हिसाब से वर्षा होती है। उसके हिसाब से ही वर्षा ऋतु में जुलाई, अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर इन चार मासों में वहां वर्षा प्रायः हुआ करती है। प्राचीन ज्योतिष के दृष्टि विज्ञान के सिद्धान्त से आधुनिक समय के अनुसार भारत में १२ दिसम्बर के बाद ही शीतकाल में वर्षा साधारण रूप से होने का नियम है। जैसे मान लो कि शीतकाल में लुधियाना से १९ दिसम्बर को वर्षा हुई है तो वर्षा ऋतु में वहां-वहां जुलाई को वर्षा होगी। इसी प्रकार मान लिया कि शीतकाल में १५ जनवरी को देहली में वर्षा हुई है तो ऊपर की वर्षा ज्ञान सारणी यह पता देगी कि वर्षा ऋतु में वहां २९ जुलाई को वर्षा होगी। इसी प्रकार जैसे कि २२ फरवरी को शीतकाल में वर्षा हुई तो वहां ५ सितम्बर को वर्षा होगी। वर्षा ज्ञान के लिए शीतकाल में होने वाली वर्षा की तारीख वार टाईम सहित नोट करके देखने से वर्षा ऋतु की वर्षा का ज्ञान ठीक हो सकता है। विशेष सुगमता लिए मेघगर्भ तथा ग्रहों के रस नाड़ी चक्रादि का विचार करना चाहिए।

चक्रासन की विधि

भूमि पर सीधे लेट जाइये। और 3 बार 1:4:2 के अनुपात से पूरक कुम्भक व रेचक करना चाहिए। फिर दोनों हथेलियों को दोनों कन्धों के पास भूमि पर टेक लीजिए। पैरों को सिकोड़ कर श्वास की गति समान रखते हुए हाथों और पावों के बल कमर को धीरे-धीरे इस प्रकार उठायें कि वह गोलाकार हो जावे। जितनी देर हाथ व पैर सुख पूर्वक शरीर का भार सहन कर सकें इस आसन को करना चाहिए। पुनः धीरे-धीरे पूर्वावस्था में आ जाना चाहिए। यह आसन एक मिन्ट से शुरू करके तीन मिन्ट तक किया जा सकता है। जो इस तरह नहीं कर सकते उन्हें स्टूल का सहारा लेना चाहिए। योग के हर आसन जहां तक सम्भव हो अनुभवी योगाचार्य की देखरेख में ही करने चाहिए।

वर्षा ज्ञान सारणी

दिसम्बर	जून	जनवरी	जुलाई	फरवरी	अगस्त	मार्च	सितम्बर	अप्रैल	अक्टूबर
१	१४	१	१५	१	१५	१	१५	१	१५
२	१५	२	१६	२	१६	२	१६	२	१६
३	१६	३	१७	३	१७	३	१७	३	१७
४	१७	४	१८	४	१८	४	१८	४	१८
५	१८	५	१९	५	१९	५	१९	५	१९
६	१९	६	२०	६	२०	६	२०	६	२०
७	२०	७	२१	७	२१	७	२१	७	२१
८	२१	८	२२	८	२२	८	२२	८	२२
९	२२	९	२३	९	२३	९	२३	९	२३
१०	२३	१०	२४	१०	२४	१०	२४	१०	२४
११	२४	११	२५	११	२५	११	२५	११	२५
१२	२५	१२	२६	१२	२६	१२	२६	१२	२६
१३	२६	१३	२७	१३	२७	१३	२७	१३	२७
१४	२७	१४	२८	१४	२८	१४	२८	१४	२८
१५	२८	१५	२९	१५	२९	१५	२९	१५	२९
१६	२९	१६	३०	१६	३०	१६	३०	१६	३०
१७	३०	१७	३१	१७	३१	१७	O१	१७	३१
१८	J१	१८	A१	१८	S१	१८	२	१८	N१
१९	२	१९	२	१९	२	१९	३	१९	२
२०	३	२०	३	२०	३	२०	४	२०	३
२१	४	२१	४	२१	४	२१	५	२१	४
२२	५	२२	५	२२	५	२२	६	२२	५
२३	६	२३	६	२३	६	२३	७	२३	६
२४	७	२४	७	२४	७	२४	८	२४	७
२५	८	२५	८	२५	८	२५	९	२५	८
२६	९	२६	९	२६	९	२६	१०	२६	९
२७	१०	२७	१०	२७	१०	२७	११	२७	१०
२८	११	२८	११	२८	११	२८	१२	२८	११
२९	१२	२९	१२		१२	२९	१३	२९	१२
३०	१३	३०	१३		१३	३०	१४	३०	१३
३१	१४	३१	१४		१४	३१	१५		१४

अशौच व्यवस्था

अशौच दो प्रकार का होता है—(१) जननाशौच जिसे सूतक और (२) मरणाशौच जिसे पातक कहते हैं।

गर्भस्त्रावादि अशौच व्यवस्था

चार मास तक गर्भ के गिरने को 'गर्भस्त्राव' कहते हैं। पांचवे और छठे मास में 'गर्भपात' और इस के उपरान्त 'प्रसव' कहलाता है। तीन मास के भीतर किसी भी मास में गर्भ के गिराने से गर्भिणी को तीन दिन का और चौथे महीने में चार दिन का अशौच रहता है, पिता आदि सपिण्ड केवल स्नान मात्र से शुद्ध हो जाते हैं। पांचवें और छठे महीने में गर्भपात हो तो क्रम से ५ और ६ दिन का गर्भिणी को अशौच रहता है, पितादि सपिण्ड को ३ दिन का 'सूतक' होता है। गर्भस्त्राव और गर्भपात में चारों वर्णों को एकसा ही होता है।

जननाशौच व्यवस्था

सात महीने से लेकर किसी भी महीने में जन्म हो तो माता-पितादि सपिण्डों को अपने-अपने वर्ण के अनुसार पूरा अशौच (सूतक) होता है। जैसे ब्राह्मण को १० दिन, क्षत्रिय को १२ दिन, वैश्य को १५ दिन और शूद्र को एक मास का सूतक रहता है, किन्तु माता को सूतक निकालने के बाद भी पुत्र जन्मा हो तो २० दिन और कन्या उत्पन्न होने से १ मास तक धर्म कार्य करने का अधिकार नहीं होता। नाल-छेदन से पीछे सूतक हो जाने के कारण जात कर्म का अधिकार नहीं होता।

जननाशौच दान भोजन निर्णय

जननाशौच में पहले तथा छठे-दसवें दिन दान, पति ग्रह का दोष नहीं है। केवल अन्न भोजन का ही निषेध है।

मृतौत्पत्ति में विचार

यदि मरा हुआ बालक उत्पन्न हो तो पितादि सपिण्डों को अपने-२ वर्ण के अनुसार पूरा अशौच (सूतक) होता है। बालक जन्म लेकर नाल-छेदन से पूर्व ही मर जाय तो माता को १० दिन का सूतक और पितादि सपिण्डों को ३ दिन का जननाशौच (सूतक) होता है। नाल-छेदन के बाद १० दिन के भीतर अर्थात् नाम संस्कार से पूर्व बालक की मृत्यु हो जाये हो पितादि सपिण्डों को पूर्ण जननाशौच (सूतक) रहता है। पातक में देवकर्म और पितृकर्म का अधिकार नहीं रहता।

मृताशौच व्यवस्था

नामकरण अर्थात १० दिन के बाद ६ महीने के भीतर अर्थात् दांत आने से पहले बालक के मरने पर माता और पिता को ३ दिन का मृताशौच (पातक) होता है किन्तु सपिण्ड स्नानमात्र से शुद्ध हो जाते हैं। कन्या मरने पर पिता को एक दिन का पातक लगता है। स्मरण रखना चाहिए ७वें महीने से अर्थाथ् दांत निकलने के पीछे ३ वर्ष तक अर्थात् चूड़ाकरण संस्कार न होने पर बालक के मरने पर माता-पिता को ३ दिन सपिण्डों को १ दिन तक पातक हो जाता है, और ३ वर्ष तक मुण्डन-संस्कार हो गया हो तो बालक को जलाना चाहिए।

कन्या अशौच व्यवस्था

सगाई होने से पहले कन्या मरने पर तीन पुरुषों तक १ दिन का पातक होता है, सगाई हो जाने के बाद और विवाह से पहले कन्या मरने पर पिताकुल के और पतिकुल को ७ पुरुषों तक ३ दिन का पातक रहता है। यदि विवाह हुंई कन्या पिता के घर में मर जाये व प्रसूता हो तो माता पिता और सहोदर भाइयों को ३ दिन का पातक, चाचा आदि को १ दिन का अशौच होता है। परन्तु पतिकुल में पूर्ण अशौच होता है। विवाहित कन्या को १० दिन के भीतर माता पिता की मृत्यु की खबर मिले तो ३ दिन का पातक, १० दिन के बाद सुने तो १ दिन का।

मातामह मातामही दौहित्र मरण पर विचार

नाना मरे तो दौहित्र को ३ दिन, नानी मरने पर १॥ दिन का पातक होता है। यज्ञोपवीत संस्कार हुए दौहित्र के मरने पर नाना को ३ दिन, बिना यज्ञोपवीत के १॥ दिन का पातक होता है।

सास ससुर तथा जामातृ मरण पर अशौच विचार

सास और ससुर यदि मर जायें तो जामातृ पास होने से ३ दिन, बिना समीप होने से १॥ दिन का पातक लगता है। जमाई के मरने से १ दिन का पातक होता है।

बन्धुत्रय विचार

भूआ, मासी और मामी के पुत्रों को आत्मबांधव कहते हैं। पिता की भूआ, मासी और मामी के पुत्रों को पितृबांधव कहते हैं। माता की भूआ, मासी और मामी के पुत्रों को मातृबांधव कहते हैं। इन तीन प्रकार के बांधवों में से किसी की मृत्यु हो जाये तो ३ दिन का पातक होता है। इनकी बहिन मरे तो १॥ दिन का पातक होता है, और विवाहित कन्या मरने पर १ दिन का पातक होता है।

अशौच-सम्पात पर निर्णय

१० दिन के अशौच में यदि ५ दिन के भीतर दूसरा १० दिन का अशौच हो जावे तो पहले के अशौच की समाप्ति पर दूसरे अशौच की भी समाप्ति हो जाती है। ५ दिन के बाद ९ दिन के भीतर हो तो पिछले के साथ शुद्धि हो जाती है। यदि १० वें दिन की रात्रि में दूसरा अशौच हो जाय तो दो दिन अशौच और बढ़ जाता है। जननाशौच में मृताशौच अथवा मृतशौच में जननाशौच हो जावे तो मृताशौच के साथ शुद्धि होती है।

प्रथमाब्दे निषिद्ध कार्याणि

प्रथमाब्दे निषिद्धानि महातीर्थस्य गमनपुपवासव्रतानि च अब्दमध्यये न कुर्वीत महागुरुनिपातने। प्रभोतौ पितरौ यस्य दहस्तस्याशुचिर्भवेत्। नदेयंनापिवैपिच्यं पूर्णो न वत्सरः। प्रथमाब्दे गयाश्राद्धनिषेध उक्तः—तीर्थ श्राद्धं गयाश्राद्ध श्राद्धमञ्च पैत्रिकम्। अब्दमध्ये न कुर्वीतमहा गुरु विपत्तिषु। गयाश्राद्धं मृतानां तु पूर्णे त्वब्दे प्रशास्यते शुक्रस्यास्तमने चैव देवेज्यस्य तथैव च। प्रेतकार्य न दुष्येत प्रथम वत्सरं बिना॥ गयायां सर्वकालेषुपिंडंदद्याद्विचक्षण अधिमासे जन्मदिने, अस्ते च गुरुशुक्रयोः। गोदावर्योगयायां च श्री शैले ग्रहणाद्वये। सुरासुरगुरूणां च मौढ्यदोषो न विद्यते॥

गंगायामस्थिनिक्षेपने विचार

अस्तगते गुरौ शके तथैव चाधिमास के। गंगायास्थिनिक्षेप न कुर्यादिति गौतमः॥ दशाहाभ्यन्तरे न दोषः॥

न कुर्यादिति गौतमः॥ दशाहाभ्यन्तरे न दोषः॥

श्री भैरव भविष्यज्ञान प्रश्नावली

श्री भैरव भविष्यज्ञान प्रश्नावली को सिद्ध यंत्र ३२(बत्तीसा) के आधार पर तैयार किया गया है। निम्नांकित किसी भी इच्छित प्रश्न का उत्तर प्राप्त करने के लिए इसे प्रयोग में लाया जा सकता है। इस प्रश्नावली में मुख्य-मुख्य बत्तीस प्रश्न दिये गये हैं। कोई भी पाठक साधारण (धन अथवा ऋण) गणित द्वारा अपने प्रश्न का उत्तर पा सकता है। व्यर्थ में किंवा सत्यता की परख करने में प्रश्नावली का उत्तर सही नहीं आयेगा। तीन प्रश्न (एक बार में) से अधिक प्रश्नों के उत्तर भी संदेह पूर्ण होंगे, अतः उपर्युक्त बातों का ध्यान रखना आवश्यक ही नहीं परमावश्यक है।

प्रश्नावली में उत्तर जानने की विधि यह है कि दिये बत्तीसा यंत्र के किसी भी कोष्ठक में प्रच्छक (प्रश्न पूछने वाला) अपने दाहिने (दक्षिण) हाथ की मध्यमा अंगुली रखने से पूर्व "ॐ नमो भैरवाय" मन्त्र को तीन बार जप लें। आगे प्रश्न क्रम संख्या और जिस अंक पर अंगुली रखी है दोनों का योग कर लें तथा इस योग में से १ घटा दें, शेष जो संख्या बचे उसे संख्या वाले प्रश्न के सामने देवता का नाम देख लें। जिस देवता का नाम लिखा है उसके नीचे यन्त्र कोष्ठक संख्या के आगे उत्तर देख लें-

मान लो कोई प्रश्न पूछना चाहता है कि मेरा विवाह होगा या नहीं तो यह प्रश्न संख्या हुई १२ (बारह) और प्रश्न कर्ता ने यंत्र में १५ के अंक पर अंगुली रखी। अतः यन्त्र के कोष्ठक की संख्या है १५ (पन्द्रह) दोनों का योग आया २७ (सत्ताईस)। इसमें से १ (एक) घटाया तो शेष रहे २६ (छब्बीस) २६वीं संख्या का देवता है केतु, अतः केतु के नीचे १५वीं संख्या का उत्तर आया अर्थात् विवाह उपाय से होगा।

जब प्रश्न संख्या और यंत्र संख्या कोष्ठक संख्या का योग एक घटाने से भी ३२ से अधिक आये तो इसमें से ३२ घटा कर तब उपर्युक्त विधि से उत्तर देखना चाहियें जैसे प्रच्छक का प्रश्न है मुझे पत्नी कैसे स्वभाव की मिलेगी। प्रश्न संख्या है २९ यन्त्र के कोष्ठक (जिसमें अंगुली रखी है) की संख्या है १५ इनका योग किया तो आया ४४ इसमें १ ऋण किया शेष रहा ४३ वह बत्तीस की संख्या से अधिक है अतः इसमें से ३२ की संख्या घटाई शेष रहे ११ अब पूर्व विधि से ११ की संख्या का देवता देखा तो ज्ञात हुआ "इन्द्र" और देवता इन्द्र के नीचे १५वीं संख्या का उत्तर मिला "पत्नी मधुर स्वभाव की मिलेगी" इसी प्रकार सभी प्रश्नों के उत्तर ज्ञात कर लें।

३२ बत्तीसा यंत्र

८	१५	२	७
६	३	१२	११
१४	९	८	१
४	५	१०	१३

प्र. सं.	प्रश्न	अधिपति देवता
१.	मुझे सन्तान सुख मिलेगा या नहीं?	श्री भैरव
२.	मेरी मुकद्दमे में हार होगी अथवा जीत?	शिव
३.	मेरा भाग्योदय कब होगा?	कृष्ण
४.	मुझे नौकरी मिलेगी या नहीं?	राम
५.	मुझे उन्नति के अवसर मिलेंगे या नहीं?	सीता
६.	खेती से मुझे लाभ मिलेगा या हानि?	राधा
७.	मैं अपना मकान बना सकूँगा या नहीं?	लक्ष्मी
८.	क्या मुझे परीक्षा में सफलता मिलेगी?	विष्णु
९.	मेरे लिए विद्या प्राप्ति के योग हैं अथवा नहीं?	नारायण
१०.	मैं इस जीवन में सफलता पा सकूंगा या नहीं?	दामोदर
११.	क्या मुझे भूमिगत धन की प्राप्ति सम्भव है?	इन्द्र
१२.	मेरा विवाह होगा अथवा नहीं?	गणेश
१३.	अमुक रोगी रोग मुक्त होगा या नहीं?	अग्नि
१४.	मेरे स्वप्न का फल कैसा?	वायु
१५.	क्या मेरा स्थानान्तरण हो जायेगा?	वरुण
१६.	मुझे व्यापार में लाभ मिलेगा अथवा हानि?	यम
१७.	क्या मेरी चिन्ता दूर हो जायेगी?	कुबेर
१८.	मित्र के साथ मित्रता कैसी रहेगी?	सूर्य
१९.	मुझे कर्ज मिलेगा या नहीं?	चन्द्र
२०.	मेरी खोई हुई वस्तु मिलेगी अथवा नहीं?	मंगल
२१.	प्रवासी (परदेश गया हुआ) कब लौटेगा?	बुध
२२.	क्या मुझे यात्रा से लाभ मिलेगा?	बृहस्पति
२३.	मेरे भाईयों से कैसे निभेगी?	शुक्र
२४.	क्या मैं कुंआ बनवा सकूंगा?	शनि
२५.	मेरे लिए यह वर्ष कैसा है?	राहु
२६.	मेरा आज का दिन कैसा बीतेगा?	केतु
२७.	अमुक स्त्री को पुत्रोत्पन्न होगा या पुत्री?	मित्र
२८.	क्या मेरी इच्छा पूर्ण होगी?	पृथ्वी
२९.	मुझे पत्नी कैसे स्वभाव की मिलेगी?	काल
३०.	क्या मेरा सम्बन्धी धोखा देगा?	शेष
३१.	प्रेमिका/प्रेमी का प्रेम शुद्ध है या नहीं?	यक्ष
३२.	मैं तीर्थ यात्रा करुंगा अथवा नहीं?	तक्षक

१. श्री भैरव

१. सन्तान सुख मिलेगा।
२. तीर्थ यात्रा में विघ्न पड़ेगा।
३. प्रेमी-प्रेमिका का प्रेम शुद्ध है।
४. सम्बन्धी धोखा दे सकता है। होशियार।
५. पत्नी उग्र स्वभाव की मिलेगी।
६. इच्छा पूरी होने में अभी देर है।
७. पुत्रोत्पत्ति का हर्ष होगा।
८. यह दिन शुभ नहीं है।
९. वर्तमान वर्ष मध्यम रहेगा।
१०. कुआं बनना अभी सम्भव नहीं है।
११. भाईयों से प्रेम बना रहेगा।
१२. यात्रा में हानि होने की आशंका अधिक है।
१३. प्रवासी शीघ्र लौटेगा।
१४. खोई वस्तु शीघ्र मिल जायेगी।
१५. कर्ज मिलने में कठिनाई झेलनी पड़ेगी।

२. शिव

१. मुकद्दमे में जीत होगी
२. सन्तान सुख गृह देवता की पूजा से मिलेगा।
३. तीर्थ यात्रा की इच्छा पूर्ण हो जायेगी।
४. प्रेमी/प्रेमिका प्रेम नहीं करता/करती।
५. संबन्धी धोखा देगा, सावधान।
६. पत्नी सरल स्वभाव की मिलेगी।
७. अभी इच्छा पूरी नहीं होगी।
८. कन्या सन्तान उत्पन्न होगी।
९. आज का दिन शुभ रहेगा।
१०. यह साल उत्तम नहीं है।
११. कुआं बनवाने की इच्छा पूर्ण होगी।
१२. भाईयों में अनबन रहेगी।
१३ यात्रा लाभकारी रहेगी।
१४. प्रवासी निकट भविष्य में लौटने का इच्छुक नहीं है।
१५. नष्ट वस्तु (खोई) नहीं मिलेगी।

३. कृष्ण

१. आपका भाग्योदय शीघ्र होगा।
२. आप मुकद्दमे मे जीतें इसमें संदेह है।
३. सन्तान सुख मिलेगा किन्तु उपाय से।
४. तीर्थ यात्रा की इच्छा पूरी नहीं होगी।
५. प्रेमी/प्रेमिका का प्रेम गुप्त है।
६. संबंधी धोखा नहीं देगा।
७. पत्नी उत्तम स्वभाव की मिलेगी।
८. निकट भविष्य में इच्छा पूर्ण नहीं होगी।
९. कन्या सन्तान जन्म लेगी।
१०. आज का दिन मानसिक परेशानी वाला रहेगा।
११. वर्ष अत्याधिक लाभप्रद रहेगा।
१२. कुआं नहीं बनवा सकोगे।
१३. भाईयों से तकरार होने का भय है।
१४. यात्रा से लाभ मिलना कठिन है।
१५. चिन्ता न करें, प्रवासी कुछ दिनों में लौट आयेगा।

४. राम

१. नौकरी शीघ्र मिल जायेगी।
२. भाग्योदय होने में अभी देरी है।
३. आप मुकद्दमा हार जायेंगे।
४. सन्तान प्राप्ति की इच्छा पूरी हो जायेगी।
५. तीर्थ यात्रा होने में संदेह है।
६. प्रेमी/प्रेमिका प्रेम करता/करती है।
७. संबंधी धोखा दे सकता है सावधान रहें।
८. पत्नी के स्वभाव से मेल खा जायेगा।
९. इच्छा अवश्य पूरी होगी।
१०. पुत्र सन्तान का जन्म होगा।
११. यह दिन शुभ ही बीतेगा।
१२. यह वर्ष कष्टमय बीतेगा।
१३. कुआं बनवाने की इच्छा पूरी हो जायेगी।
१४. भाईयों से अनबन रहेगी।
१५. यात्रा करना लाभप्रद रहेगा।

५. सीता

१. उन्नति मिलने का समय आ गया है।
२. नौकरी मिलेगी किन्तु अत्याधिक प्रयत्न से।
३. भाग्योदय होने में अभी देरी है।
४. चिन्ता न करें मुकद्दमा जीत जाओगे।
५. सन्तान सुख के लिए पुत्रेष्टि यज्ञ करायें।
६. तीर्थ यात्रा पर अवश्य जाओगे।
७. प्रेमी/प्रेमिका का दिखावटी प्रेम है।
८. संबंधी गुप्त चाल चलेगा सावधानी से रहें।
९. पत्नी उत्तम स्वभाव वाली मिलेगी।
१०. इच्छा पूरी हो इसमें संदेह है।
११. कन्या सन्तान जन्म लेगी।

१२. आज का दिन विशेष शुभ नहीं है।
१३. वर्ष आप के लिए चुनौतियों भरा होगा।
१४. कुंआ बनवाने की इच्छा पूरी होने में देरी होगी।
१५. भाईयों से मेल मिलाप रहेगा।

६. राधा

१. खेती से लाभ मिलेगा।
२. उन्नति में अभी देरी है धैर्य रखें।
३. नौकरी नहीं मिलेगी।
४. भाग्योदय शीघ्र होगा।
५. मुकदमा जीत लो ऐसी सम्भावना कम ही है।
६. सन्तान सुख अभी देर में मिलेगा।
७. तीर्थ यात्रा पर जाना सम्भव नहीं हो सकेगा।
८. प्रेमी/प्रेमिका मात्र दिखावा करता/करती है।
९. संबंधी धोखा नहीं देगा।
१०. पत्नी का स्वभाव अच्छा नहीं होगा।
११. इच्छा पूरी होने में सन्देह है।
१२. पुत्र सन्तान जन्म लेगी।
१३. यह दिन उत्तम प्रकार से व्यतीत होगा।
१४. यह वर्ष श्रेष्ठतम रहेगा।
१५. कुंआ बन जायेगा।

७. लक्ष्मी

१. मकान की इच्छा पूरी हो जायेगी।
२. खेती से लाभ कम मिलेगा।
३. प्रमोशन हो जाये ऐसा सम्भव नहीं दिखता।
४. नौकरी अथक प्रयत्न करने पर मिलेगी।
५. निकट भविष्य में ही भाग्योदय होने वाला है।
६. मुकदमे में जीतना कठिन है।
७. सन्तान सुख मिल जायेगा।
८. तीर्थ यात्रा पर जाने में विघ्न-बाधाओं का सामना करना पड़ेगा।
९. प्रेमी/प्रेमिका का प्रेम शुद्ध नहीं है।
१०. संबंधी धोखा देने से नहीं चूकेगा।
११. पत्नी चिड़चिड़े स्वभाव की मिलेगी।
१२. इच्छा पूरी हो जायेगी।
१३. कन्या रत्न उत्पन्न होने की सम्भावना प्रबल है।
१४. आज का दिन अच्छा नहीं है।
१५. यह वर्ष मध्यम फलप्रद रहेगा।

८. विष्णु

१. परीक्षा में सफलता मिलेगी।
२. मकान निकट भविष्य में नहीं बना पाओगे।
३. खेती मत करो लाभ की आशा कम है।
४. प्रमोशन शीघ्र ही मिलने वाला है।
५. नौकरी मिलने में अभी देरी है।

७. मुकदमे में जीत जाओगे।
८. संतान सुख के लिए संतान गोपाल का अनुष्ठान करें।
९. तीर्थ यात्रा सकुशल होगी।
१०. प्रेमी/प्रेमिका का प्रेम छल है।
११. संबंधी धोखा दे ऐसा नहीं दिख रहा।
१२. पत्नी का स्वभाव अच्छा होगा।
१३. इच्छा पूरी होने में संदेह है।
१४. पुत्र सन्तानन जन्म ले ऐसे योग हैं।
१५. यह दिन शुभ रहेगा।

९. नारायण

१. विद्या प्राप्त कर लोगे, विश्वास करो।
२. परीक्षा में पास हो जाओ इसमें संदेह है।
३. मकान नहीं बन सकेगा।
४. खेती करने से लाभ मिलेगा।
५. प्रमोशन अभी मिलना सम्भव नहीं है।
६. नौकरी शीघ्र मिल जायेगी।
७. भाग्योदय शीघ्र ही होने वाला है।
८. मुकदमा जीतने में संदेह है।
९. सन्तान सुख अभी देरी से मिलेगा धैर्य रखें।
१०. तीर्थ यात्रा पर जाने का अवसर नहीं मिलेगा।
११. प्रेम का चक्कर हानिकारक है। सावधान रहें।
१२. संबंधी धोखा अवश्य देगा सावधान।
१३. पत्नी अच्छे स्वभाव की नहीं मिलेगी।
१४. इच्छा पूरी होने में संदेह है।
१५. कन्या सन्तान का जन्म होगा।

१०. दामोदर

१. जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।
२. अल्प विद्या प्राप्ति के योग हैं।
३. परीक्षा में असफलता हाथ लगेगी।
४. मकान बनाने की इच्छा पूरी नहीं होगी।
५. खेती से अल्प लाभ की आशा रखें।
६. प्रमोशन के योग बन रहे हैं।
७. नौकरी मिलने में अभी देरी है।
८. भाग्योदय निकट भविष्य में हो जायेगा।
९. मुकदमे में जीत निश्चित है।
१०. सन्तान सुख थोड़ा देरी से मिलेगा।
११. तीर्थ यात्रा पर जाने की इच्छा पूरी नहीं होगी।
१२. प्रेमी/प्रेमिका मन से प्रेम करता/करती है।
१३. संबंधी धोखा नहीं देगा।
१४. पत्नी मधुर स्वभाव की मिलेगी।
१५. इच्छा पूर्ण हो जावेगी।

११. इन्द्र

१. भूमिगत धन की प्राप्ति हो जायेगी।

३. विद्या पूर्णतया प्राप्त कर लो इसमें संदेह है।
४. परीक्षा उत्तीर्ण कर लोगे।
५. मकान अभी नहीं बन सकेगा।
६. खेती से लाभ नहीं होगा।
७. प्रमोशन हो इसमें संदेह है।
८. नौकरी अभी नहीं मिलेगी।
९. भाग्योदय शीघ्र हो जायेगा।
१०. मुकद्दमे में जीत जाने का अवसर क्षीण है।
११. सन्तान सुख मिलेगा। लेकिन उपाय से।
१२. तीर्थ यात्रा पर जाना सम्भव नहीं हो सकेगा।
१३. प्रेमी/प्रेमिका का प्रेम झूठा है, बच कर रहें।
१४. संबंधी धोखा देने की योजना बना रहा है।
१५. पत्नी अति नम्र और स्नेहशील होगी।

१२. गणेश

१. विवाह हो जायेगा चिन्ता न करें।
२. भूमिगत धन की प्राप्ति सम्भव नहीं है।
३. जीवन में सफलता मिल जायेगी।
४. विद्या प्राप्त कर लोगे।
५. परीक्षा में उत्तीर्ण होने के चांस नहीं हैं।
६. मकान अभी देर से बनेगा।
७. खेती से लाभ मिलेगा।
८. उन्नति (प्रमोशन) अभी नहीं होगी, देर है।
९. नौकरी मिल जायेगी।
१०. भाग्य का सितारा चमकने वाला है।
११. ऐसे आसार हैं कि मुकद्दमा हार जाओगे।
१२. संतान सुख मिल जायेगा।
१३. तीर्थ यात्रा को नहीं जा सकोगे।
१४. प्रेमी/प्रेमिका का शुद्ध प्रेम नहीं है।
१५. संबंधी गुप्त रूप से सहायता करेगा।

१३. अग्नि

१. बीमार अच्छा हो जायेगा।
२. विवाह होने के आसार नहीं हैं।
३. गड़ा धन मिलेगा, गृह देवता की पूजा करें।
४. जीवन में सफलता मिलेगी।
५. विद्या प्राप्त कर लोगे।
६. परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाओगे।
७. मकान शीघ्र ही बन जायेगा।
८. खेती से लाभ मिलेगा।
९. फिलहाल तरक्की मिलना कठिन है।
१०. नौकरी मिलने के आसार नहीं हैं।
११. भाग्योदय शीघ्र होगा।
१२. मुकद्दमा जीतना कठिन है।
१३. सन्तान सुख मिल जायेगा।
१४. तीर्थयात्रा करने की इच्छा पूर्ण होगी।

१४. वायु

१. स्वप्न का फल उत्तम फलप्रद है।
२. रोगी के रोगमुक्त होने में अभी देरी है।
३. विवाह संबंध के लिए उपाय करना।
४. भूमिगत धन मिलने की सम्भावना है।
५. जीवन में सफलता मिलने में संदेह है।
६. विद्या प्राप्त हो जायेगी शिवार्चन करें।
७. परीक्षा में उत्तीर्ण होना कठिन है।
८. मकान बनाने में कठिनाइयां आयेंगी।
९. खेती से लाभ होने की आशा है।
१०. प्रमोशन होने में अभी समय लगेगा।
११. नौकरी निकट भविष्य में नहीं मिलेगी।
१२. भाग्योदय शीघ्र ही होने वाला है।
१३. मुकद्दमे में जीत निश्चित मिलेगी।
१४. सन्तान सुख पाने के लिए सन्तान गोपाल का अनुष्ठान करें।
१५. तीर्थयात्रा नहीं हो सकेगी।

१५. वरुण

१. तबादला शीघ्र ही हो जायेगा।
२. स्वप्न का फल अच्छा नहीं है।
३. बीमार के ठीक होने के आसार नहीं हैं।
४. विवाह हो जायेगा चिन्ता न करें।
५. गड़ा धन मिल जायेगा लेकिन उपाय से।
६. जीवन में अधिक सफलता मिले आशा कम है।
७. विद्या प्राप्ति में विघ्न आयेंगे।
८. परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए शिवार्चन करें।
९. मकान बन जायेगा।
१०. खेती से विशेष लाभ की आशा रखना निर्मूल है।
११. उन्नति शीघ्र मिल जायेगी।
१२. नौकरी निकट भविष्य में मिल जायेगी।
१३. भाग्योदय अभी नहीं हो रहा देर लगेगी।
१४. मुकद्दमा जीतना कठिन है।
१५. संतान सुख भाग्य में नहीं है।

१६. यम

१. व्यापार में लाभ मिलेगा, परन्तु सावधानी आवश्यक है।
२. तबादले के योग बन रहे हैं।
३. स्वप्न का फल अच्छा है।
४. बीमार अच्छा हो जायेगा।
५. विवाह के लिए कुमार मन्त्र का सवा लाख जप करें।
६. गड़ा धन मिल जायेगा।
७. जीवन में सफलता नहीं मिलेगी।
८. उच्चशिक्षा प्राप्ति के लिए गणपति मन्त्र जपें।
९. परीक्षा में पास हो जाओगे।

११. खेती से लाभ हो इसमें संदेह है।
१२. प्रमोशन कठिनाई से मिलेगा।
१३. नौकरी मिलने में संदेह है।
१४. भाग्योदय शीघ्र होने वाला है।
१५. मुकद्दमे में जीत निश्चित है।

१७. कुबेर

१. चिन्ता अभी देर से मिटेगी।
२. व्यापार में लाभ मिलेगा।
३. स्थानांतरण अभी नहीं होगा।
४. स्वप्न शुभ फलप्रद है।
५. बीमार के अच्छा होने की संभावना कम है।
६. विवाह होने की संभावना नहीं है।
७. गड़े धन प्राप्ति के लिए आसुरी सिद्धि करें।
८. जीवन में सफलता मिल जायेगी।
९. विद्या से लाभ नहीं मिलेगा।
१०. उत्तीर्ण होने के लिए हनुमत् उपासना करें।
११. मकान अभी नहीं बन सकेगा।
१२. खेती से लाभ नहीं मिलेगा।
१३. तरक्की मिल जाये ऐसा योग नहीं है।
१४. नौकरी शीघ्र मिल जायेगी।
१५. भाग्योदय होने के लिए स्वर्णाकर्षण भैरव मन्त्र का जप करें।

१८. सूर्य

१. मित्र धोखा दे सकता है सावधान रहें।
२. चिन्ता शीघ्र मिट जायेगी।
३. व्यापार से लाभ नहीं रहेगा।
४. तबादला हो जायेगा।
५. स्वप्न का फल उत्तम नहीं है।
६. रोगी रोग मुक्त हो जायेगा।
७. विवाह शीघ्र हो जायेगा।
८. गड़ा धन भाग्य में नहीं है।
९. जीवन में सफलता प्राप्त करने की सम्भावना नहा है।
१०. विद्या प्राप्ति नहीं हो सकेगी।
११. परीक्षा में पास होने में संदेह है, मन लगाकर पढ़ो।
१२. मकान शीघ्र बन जायेगा।
१३. खेती से लाभ मिलेगा।
१४. प्रमोशन के योग प्रयत्न साध्य हैं।
१५. नौकरी देर से मिलेगी।

१९. चन्द्र

१. कर्ज मिलने में विघ्न-बाधाएं आयेंगी।
२. मित्र कपट करेगा सावधानी अपेक्षित है।
३. चिन्ता मिट जाएगी, ईश्वराधना करें।
४. व्यापार से लाभ रहेगा।

६. स्वप्न का फल विशेष अच्छा नहीं है।
७. रोगी स्वास्थ्य लाभ कर लेगा।
८. विवाह के लिए विश्वावसु मन्त्र का अनुष्ठान करें।
२. प्रवासी अभी नहीं लौट रहा है।
३. खोई वस्तु नहीं मिलेगी।
४. कर्जा विलम्ब से मिलेगा।
९. कर्ज कठिनाई से मिलेगा।
३. इच्छा पूरी होने में देरी है।

६. स्वप्न का फल विशेष अच्छा नहीं है।
७. रोगी स्वास्थ्य लाभ कर लेगा।
८. विवाह के लिए विश्वावसु मन्त्र का अनुष्ठान करें।
९. गड़ा धन पितृ पूजन करने से मिलेगा।
१०. जीवन में सफलता नहीं मिलेगी।
११. विद्या प्राप्ति के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा।
१२. परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाओगे।
१३. मकान बन जाये इसमें सन्देह है।
१४. खेती से अधिक लाभ नहीं मिलेगा।
१५. उन्नति होने के योग क्षीण हैं।

२०. मंगल

१. खोई वस्तु मिल जायेगी प्रयत्न करें।
२. कर्जा मिल जायेगा।
३. मित्र के साथ निभ जाये ऐसा नही लगता।
४. चिन्ता शीघ्र दूर हो जायेगी।
५. व्यापार में हानि होने के योग हैं।
६. ट्रांसफर नहीं हो सकेगा।
७. स्वप्न का फल उत्तम है।
८. बीमार के अच्छे होने की सम्भावना नहीं है।
९. विवाह अभी देर से होगा।
१०. गड़ा धन मिलने में सन्देह है।
११. जीवन में सफलता कष्ट से मिलेगी।
१२. विद्या प्राप्त कर लोगे।
१३. पास होना कठिन है।
१४. मकान अभी नहीं बन सकेगा।
१५. खेती से लाभ रहेगा।

२१. बुध

१. प्रवासी लौट कर आ रहा है।
२. खोई वस्तु मिल जायेगी।
३. कर्जा इस समय नहीं मिलेगा।
४. मित्र के साथ मित्रता बनी रहेगी।
५. चिन्ता अभी दूर नहीं होगी।
६. व्यापार से लाभ मिलेगा।
७. तबादला हो जायेगा।
८. स्वप्न का फल मध्यम है।
९. बीमार अच्छा हो जायेगा।
१०. विवाह हो जायेगा।
११. गड़ा धन मिल जायेगा।
१२. जीवन में सफलता प्राप्त करना असम्भव है।
१३. विद्या प्राप्ति का योग नहीं है।
१४. उत्तीर्ण होने के लिए परिश्रम एवं हनुमत मन्त्र जपें।
१५. मकान नहीं बन सकेगा।

२२. बृहस्पति

१. यात्रा लाभदायक रहेगी।
२. प्रवासी ...
३. खोई वस्तु नहीं मिलेगी।
४. कर्जा बिलम्ब से मिलेगा।
५. मित्र के साथ नहीं निभ सकेगी।
६. चिन्ता दूर हो जायेगी।
७. व्यापार में लाभ मिलना कठिन है।
८. तबादला हो जायेगा आश्वस्त रहें।
९. स्वप्न का फल अशुभ है।
१०. बीमार अच्छा नहीं होगा।
११. गड़ा धन मिलना सम्भव नहीं है।
१२. विवाह होना सम्भव नहीं है।
१३. जीवन में श्रेष्ठ सफलता प्राप्त कर लोगे।
१४. विद्या प्राप्ति के योग नहीं हैं।
१५. परीक्षा में पास हो जाओगे चिन्ता न करो।

२३. शुक्र

१. भाईयों से अनबन रहेगी।
२. यात्रा से लाभ कम मिलेगा।
३. परदेशी (बाहर गया हुआ) शीघ्र लौट जायेगा।
४. खोई हुई वस्तु बहुत जल्दी मिल जायेगी।
५. कर्जा नहीं मिलेगा।
६. मित्र के साथ अच्छा मेल-मिलाप रहेगा।
७. चिन्ता अभी नहीं मिटेगी।
८. व्यापार से लाभ मिलेगा।
९. तबादला के योग बन रहे हैं।
१०. स्वप्न का फल शुभ है।
११. रोगी रोग मुक्त हो जायेगा।
१२. विवाह के लिए उपाय करो।
१३. भूमिगत धन शीघ्र मिलेगा।
१४. जीवन में सफलता पाना कठिन है।
१५. विद्या प्राप्ति के लिए गायत्री उपासना करें।

२४. शनि

१. कुंआ बनवाने की इच्छा पूरी होगी।
२. भाईयों से बन जाएगी।
३. यात्रा लाभकारी रहेगी।
४. प्रवासी निकट भविष्य में लौटने का विचार नहीं कर रहा।
५. खोई वस्तु प्रयत्न करने पर मिल सकती है।
६. कर्ज मिल जाएगा।
७. मित्र से अनबन होने की सम्भावना है।
८. चिन्ता मिट जाएगी, श्री बटुक भैरवार्चन करें।
९. व्यापार में लाभ मिलने की आशा क्षीण है।
१०. तबादला प्रयत्न करने पर हो सकता है।
११. स्वप्न का फल अच्छा नहीं है।
१२. बीमार का स्वास्थ्य लाभ लेना असम्भव ही है।
१३. विवाह हो जाएगा व्यर्थ चिन्ता न करें।
१४. गड़ा धन नहीं मिलेगा।
१५. जीवन में अच्छी सफलता मिलेगी।

२५. राहु

१ यह वर्ष मध्यम रहेगा।
२. कुंआ बन जाएगा।
३. भाईयों से नहीं बनेगी।
४. यात्रा से लाभ मिलेगा।
५. परदेशी शीघ्र ही लौट आएगा।
६. नष्ट वस्तु मिल जाएगी।
७. कर्ज मिल जाएगा।
८. मित्र धोखा देगा सावधान।
९. चिन्ता मिट जाएगी।
१०. व्यापार में लाभ होगा।
११. तबादला हो जाएगा।
१२. स्वप्न का फल शुभ है।
१३. बीमार के अच्छा होने में संदेह है।
१४. विवाह हो जाएगा लेकिन उपाय से।
१५. गड़ा धन इष्ट देव के पूजन से मिलेगा।

२६. केतु

१. यह दिन शुभ नहीं है।
२. यह वर्ष अच्छा रहेगा।
३. कुंआ नहीं बन सकेगा।
४. भाईयों के साथ प्रेम रहेगा।
५. यात्रा से कोई लाभ नहीं मिलेगा।
६. प्रवासी अभी नहीं लौट रहा बीमार है।
७. खोई वस्तु मिलने में संदेह है।
८. कर्ज देरी से मिलेगा।
९. मित्र कपटी है अतः उसका त्याग करें।
१०. चिन्ता अभी नहीं मिटेगी।
११. व्यापार से लाभ की सम्भावना नहीं है।
१२. तबादला नहीं होगा।
१३. स्वप्न का फल शुभ नहीं है।
१४. रोगी रोग मुक्त हो जायेगा।
१५. विवाह उपाय से होना सम्भव है।

२७. मित्र

१. पुत्र सन्तान का जन्म होगा।
२. यह दिन शुभ है।
३. यह वर्ष उत्तम रहेगा।
४. कुंआ बन जाएगा व्यर्थ चिन्ता न करें।
५. भाईयों से बिगाड़ रहेगा।
६. यात्रा से लाभ मध्यम रहेगा।
७. प्रवासी आने के लिए चल चुका है।
८. खोई वस्तु नहीं मिलेगी।
९. कर्ज कठिनाई से मिलेगा।
१०. मित्र के साथ अच्छी पट जायेगी।
११. चिन्ता मिट जाएगी।
१२. व्यापार से लाभ नहीं मिलेगा।
१३. तबादला हो जाएगा।
१४. स्वप्न का फल उत्तम है।
१५. रोगी के स्वस्थ होने में संदेह है।

२८. पृथ्वी

१. इच्छा पूरी होने में देरी है।
२. कन्या रत्न की प्राप्ति होगी।
३. यह दिन मध्यम रहेगा।
४. यह वर्ष उत्तम रहेगा।
५. कुंआं बनने में बाधाएं हैं।
६. भाईयों से मिलाप रहेगा।
७. यात्रा में लाभ मिलेगा।
८. प्रवासी अभी नहीं लौट रहा है।
९. खोई वस्तु मिलने में संदेह है।
१०. कर्ज नहीं मिलेगा।
११. मित्र के साथ बनने की संभावना नहीं है।
१२. चिन्ता बढ़ सकती है।
१३. व्यापार में लाभ मिलना कठिन है।
१४. तबादले की सम्भावना क्षीण है।
१५. स्वप्न का फल अच्छा नहीं है।

२९. काल

१. पत्नी सरल स्वभाव की मिलेगी।
२. इच्छा पूरी होगी।
३. पुत्रोत्पत्ति का हर्ष होगा।
४. यह दिन शुभ है।
५. यह वर्ष अधम रहेगा।
६. कुंआं बन जाएगा।
७. भाईयों से अनबन रहेगी।
८. यात्रा में लाभ प्राप्त करना असम्भव है।
९. परदेशी निकट भविष्य में नहीं लौट रहा है।
१०. खोई वस्तु शीघ्र नहीं मिलेगी।
११. कर्ज देर से मिलेगा।
१२. मित्र के साथ नहीं बनेगी।
१३. चिन्ता शीघ्र दूर होगी।
१४. व्यापार से लाभ नहीं मिलेगा।
१५. तबादला हो जाएगा।

३०. शेष

१. सम्बन्धी धोखा नहीं देगा।
२. पत्नी उग्र स्वभाव की मिलेगी।
३. इच्छा पूरी होने में देरी है।
४. कन्या सन्तान का जन्म होगा।
५. यह दिन मध्यम रहेगा।
६. यह वर्ष उत्तम रहेगा।
७. कुआं बनने में आकस्मिक बाधा आएगी।
८. भाईयों से बनना मुश्किल है।
९. यात्रा से लाभ नहीं मिलेगा।
१०. परदेशी शीघ्र लौट कर आने वाला है।
११. खोई वस्तु मिलना कठिन है।
१२. कर्ज अभी नहीं मिलेगा।
१३. मित्र के साथ मेल-जोल रहेगा।
१४. चिन्ता अभी दूर नहीं होगी।
१५. व्यापार से लाभ मिलेगा।

३१. यक्ष

१. प्रेमी-प्रेमिका का प्रेम गुप्त है।
२. सम्बन्धी से धोखे की आशा नहीं है।
३. पत्नी का स्वभाव सरल होगा।
४. इच्छा देरी से पूरी होगी।
५. पुत्रोत्पत्ति होगी।
६. दिन शुभ रहेगा।
७. यह वर्ष मध्यम शुभप्रद है।
८. कुआं निर्माण की इच्छा पूरी होगी।
९. भाइयों से साधारण मेल रहेगा।
१०. यात्रा से लाभ मिलेगा।
११. प्रवासी अभी नहीं लौट रहा।
१२. खोई वस्तु मिल जायेगी।
१३. कर्ज मिल जायेगा।
१४. मित्र के साथ नहीं निभेगी।
१५. चिन्ता शीघ्र मिट जायेगी।

३२. तक्षक

१. तीर्थ यात्रा अभी नहीं हो सकेगी।
२. प्रेमी/प्रेमिका का प्रेम शुद्ध है।
३. सम्बन्धी धोखा दे सकता है।
४. पत्नी अच्छे स्वभाव की नहीं होगी।
५. इच्छा पूरी होने में देरी है।
६. कन्या सन्तान का जन्म होगा।
७. दिन शुभ रहेगा।
८. यह वर्ष अरिष्टप्रद होगा।
९. कुंआ देर से बनेगा।
१०. भाईयों से मेल कम रहेगा।
११. यात्रा से लाभ नहीं होगा।
१२. प्रवासी नहीं लौटेगा।
१३. खोई वस्तु मिलना सम्भव नहीं है।
१४. कर्ज मिलने में सन्देह है।
१५. मित्र का साथ कम रहेगा।

मंत्रों द्वारा कामना सिद्धि प्रयोग

पुत्र प्राप्ति के लिये:- ''ऊँ ह्रां ह्रीं हूं पुत्र करू स्वाहा'' इस द्वादशक्षर मंत्र का आम के वृक्ष पर बैठकर एकाग्र मन से जो एक वर्ष तक निरंतर जप करता है, उसको अवश्य ही पुत्र की प्राप्ति होती है, ऐसा भगवान शंकर जी ने कहा है।

पत्नी की प्राप्ति के लिए:- पत्नी मनोरमां देहि मनोवृत्तानुसारिणीम्। तारिणीं दुर्गसंसारसागरस्य कुलाद्भवाम्॥ (दुर्गा सप्तसती) इस मंत्र का सवा लाख जप स्वयं करने से शीघ्र पत्नी की प्राप्ति (विवाह) हो जाता है और 'पत्नी मनोरमां देहि.' इस मंत्र के सम्पुट से दुर्गा के 100 पाठ अर्थात् शतचण्डी कराने से शीघ्र विवाह हो जाता है। स देवि नित्यं परितप्यमानस्त्वामेव सीतेत्यभिभाषमाण:। दृढ़व्रतो राजसुतो महात्मा तवैव लाभाय कृतप्रयत्न:॥ (बाल्मीकीय रामायण, सुदंरकांड 36/46) इस यंत्र का सवा लाख जप करने और इसी मंत्र के सम्पुटित बाल्मीकीय रामायण के सुदंर कांड का कम से कम 1 पाठ स्वयं अथवा ब्राह्मण से कराने पर शीघ्र विवाह हो जाता है।

वर प्राप्ति के लिये:- हे, गौरि! शकङ्रार्धांङ्गि! तथा त्वं शङ्करप्रियाता। तथा मां कुरु कल्याणि! कान्त कान्तां सुदुर्लभाम्॥ भगवती पार्वतीजी का पूजन करके उपर्युक्त मंत्र का प्रतिदिन 5 माला जप करने से शीघ्र पति (वर की) की प्राप्ति हो जाती है। पार्वती जी का पूजन कर जो कन्या श्री रामचरित मानस के बालकाण्ड के 234 दोहे के बाद 'जय जय गिरिराज किशोरी' से 'मंजुल मंगल मूल बाम अंग फरकन लगे' यहां तक 236 दोहों का प्रतिदिन श्रद्धा विश्वास पूर्वक पाठ करती है, उसका शीघ्र विवाह हो जाता है। **कात्यायनि महामाये महायोगिनीधीश्वरी। नन्दगोपसुतं देवि पतिं मे कुरु ते नम:॥** (श्री मद्भागवत 10/ 22/ 4) कात्यायनि देवी अथवा पार्वती देवी की फोटो सामने रखकर जो कन्या उसका पूजन कर उपर्युक्त मंत्र की 1 माला जप प्रतिदिन करती है, उसका विवाह शीघ्र हो जाता है। **ऊँ देवेन्द्रामणि नमस्तुभ्यं देवन्द्रप्रियभामिनी। विवाहं भाग्यमारोग्यं शीघ्रलाभं च देहि मे॥** उपर्युक्त मंत्र का 108 बार कन्या को जप करना चाहिए। जप करने की विधि यह है कि तुलसी के पौधे का पूजन करके उसके सामने तुलसी की माला पर 108 बार जप पूर्ण होने पर तुलसी के पौधे की 12 बार परिक्रमा करनी चाहिए। प्रत्येक परिक्रमा में दुग्ध और जल से भगवान् सूर्यनारायण को अर्घ्य देते हुए 'ऊँ देवेंद्राणि नमस्तुभ्यम्' मंत्र को भी पढ़ना चाहिए। कन्या को चाहिए कि वह अपने दाहिनी हाथ में दूध [illegible] ही 12 बार देना चाहिए। जो कन्या उपर्युक्त विधि से जप और सूर्य को अर्घ्य प्रदान करती है, उसको बहुत शीघ्र वर की प्राप्ति हो जाती है। **ऊँ शं शंकराय सकल जन्मर्जितपापविध्वंसनाय। पुरुषार्थचतुष्ठयलाभाय च पतिं देहि कुरू कुरू स्वाहा॥** उपर्युक्त मंत्र का जप तीन माला तुलसी की माला पर करने से कन्या का विवाह शीघ्र हो जाता है। जप की विधि यह है कि भगवान् शंकर और अन्न पूर्णा की फोटो सामने रखकर उसका प्रतिदिन पूजन करके धूप बत्ती जलाकर जप करे। जप जहां किया जाय, वहां मिट्टी के गमले में अथवा टीन में केले के स्तंभ को रखकर उसको मौजी (नाला) से 9 अथवा 11 बार लपेट कर उस केले के वृक्ष की पूजा प्रतिदिन करनी चाहिए और जप के बाद केले के स्तंभ की 4 बार अथवा 9 बार परिक्रमा करनी चाहिए। जो कन्या उपर्युक्त अनुष्ठान नित्य करती है उसका शीघ्र विवाह हो जाता है।

ज्वर से मुक्त होने के लिए:- ऊँ भस्मायुधाय विद्ममहे एकदंष्ट्राय धीमहि। तन्नो ज्वर: प्रचोद्यात॥ इस मंत्र की उत्पत्ति संहारोत्पत्ति क्रम से 7 दिन तक जप स्वयं करने से अथवा 21 दिन तक दूसरे विद्वान् से जप कराने से सभी प्रकार का ज्वर ठीक हो जाता है। दंष्ट्राकरालानि च ते मुखानि दृष्टैव कालानलसन्निभानि। दिशो न जाने न लभे च शर्म प्रसीद देवेश जगन्निवास॥ (श्रीमद्भागवद् गीता 11/25) इस मंत्र का उत्पत्ति संहारोत्पति क्रम से 7 दिन तक जप स्वयं करने से अथवा 21 दिन तक दूसरे विद्वान से जप कराने से सभी प्रकार का ज्वर ठीक हो जाता है।

लक्ष्मी प्राप्ति के लिए:- ऊँ श्रीं श्रियै नम: स्वाहा। इस मंत्र से बाल्मीकीय रामायण के सुदंरकाण्ड के प्रत्येक श्लोक से घी की आहुति अग्नि में देनी चाहिए। अनन्तर सर्ग की समाप्ति पर 'ऊँ रामभद्र महेष्वास रघुवीर नृपोत्तम। भो दशास्यान्तकास्माकं रक्षां देहि श्रियं च ते।' इस मंत्र का पाठ करना चाहिए। 'ऊँ श्रीं श्रियै नम: महां श्रियं देहि देहि दापय दापय स्वाहा।' इससे बाल्मीकि रामायण के सुदंरकांड के प्रत्येक श्लोक से घी की आहुति देनी चाहिए। **विधि:-** इस अनुष्ठान का प्रारम्भ दीपावली की रात्रि को दीपक जलाने के बाद करना चाहिए। 8 दिनों तक प्रतिदिन सात सर्ग का और 9 वें दिन बारह सर्ग का पाठ करके नौ दिन में पाठ पूरा करना चाहिए। अथवा प्रतिदिन सात, पांच, तीन या एक सर्ग का पाठ करके अड़सट दिनों में सुन्दरकाण्ड का 7, 3 अथवा 1 पाठ पूर्ण करना चाहिए। [illegible] लक्ष्मी की प्राप्ति और [illegible] होती है।

भूत प्रेत बाधा की निवृत्ति के लिए:- स्थाने हृषिकेश तव प्रकीर्त्या जगत्प्रहृष्यत्यनु च। रक्षांसि भतानि दिशो द्रवन्ति सर्वे नमस्यन्ति च सिद्धसंघा॥ (गीता 11/36) इस मंत्र का सवा लाख जप करके सर्वप्रथम सिद्ध करना आवश्यक है। पश्चात् उपर्युक्त मंत्र काम करता है। भूत-प्रेत आवेश होने पर मिट्टी के किसी शुद्ध पात्र में गंगाजल लेकर अथवा कूप का जल लेकर 7 बार उपर्युक्त मंत्र को बोलकर उसमें दाहिने हाथ की तर्जनी उंगली को फिरा (घुमा) दें। फिर उस जल में से थोड़ा सा रोगी को पिला देना चाहिए। बा हुआ जल रोगी के समस्त अंगों पर छिड़क देना चाहिए। जब तक रोगी की भूत-प्रेत बाधा शांत न हो, तब तक प्रतिदिन दो बार प्रात: और सायंकाल इस प्रयोग को करना चाहिए।

मस्तक पीड़ा की निवृत्ति के लिए :- ऊँ नमो आदेश गुरु को बाल में कपाल, कपाल में भेजी, भेजी में कीड़ा करे पीड़ा, सोने का शाला का रूप का हथोड़ा, ईश्चर गढ़े गौरिया तोड़े इनका श्राप श्री महादेव तोड़े शब्द सांचा पिण्ड काचा फुरो मंत्र ईश्वर वाचा। अपने बाएं हाथ में 7 बार थोडी-थोड़ी पवित्र राख (भस्म) को लेकर दाहिने हाथ से ढककर उपर्युक्त मंत्र को 7 बार पढ़कर दर्द वाले मस्तक पर लगाने से दर्द दूर हो जाता है।

मित्रता के लिए:- ऊँ दमयन्तीनलाभ्यां च नमस्कारं करोभ्यहम। अभिवादी भवेदत्र कलिदोष प्रशान्तिद:॥1॥ ऐकतत्यं भवेदेषां ब्राह्मणानां पृथधियाम्। निर्वैरिता च जायेत संवादाग्ने प्रसीद में॥2॥ उपर्युक्त दोनों मंत्रों से अलग-अलग पायस (खीर) में घृत डालकर हवन करने से शत्रुता हटकर मित्रता हो जाती है। यह अनुष्ठान कम से कम 61 दिन का है।

शत्रुता कराने के लिए:- ऊँ महाभैरवाय श्मशान- अमुको-विद्वेषं कुरु फट्। इस मंत्र का 41 दिन तक 108 बार जप करने से प्रेमियों का प्रेम हटकर परस्पर शत्रुता हो जाती है। मंत्र में जिन जगहों पर अमुक-अमुक शब्द लिखा है, उस स्थान पर प्रेमियों का नाम लिखना चाहिए जिसकी शत्रुता करानी हो।

शूल निवृत्ति के लिए:- ऊँ मीढुष्टम शिवतम शिवो न: सुमना भव:। परमे वृक्षऽआयुधं कृत्तिंवसानऽआचार पिनाकं विभ्रदागहि॥ (शुक्ल यजुर्वेद 16/51) इस मंत्र का पाठ अथवा जाप करने से मनुष्य के दर्द दूर हो जाते हैं।

सुख से प्रसव होने के लिए:- ऊँ मुक्तापाशा विपाशाश्च [illegible]

स्वाहा॥ इस मंत्र द्वारा पवित्र जल को आठ बार अभिमंत्रित करके गर्भिणी स्त्री को जल पिलाने से उसको सुख से प्रसव होगा।

पति को वश में करने के लिए:- ऊँ नमो महायक्षिणि पतिं में वश्यं कुरू कुरू स्वाहा। इस मंत्र को दीपावली अथवा ग्रहण के दिन 108 बार जप करके सिद्ध कर लें। पश्चात् 31 दिन 108 बार जप करने से स्त्री का पति उसके वश में हो जाता है।

जलती अग्नि शीतल हो:- ऊँ नमो कोरा करावा जल सा भरिया, ले गौरा के सिर पर धरिया, ईश्वर ले गौरा नहाय, ई जलती अग्नि शीतल हो जाय। शब्द सांचा पिंड काचा फरो मंत्र ईश्वरो वाचा॥ इस मंत्र को ग्रहण या दीपावली में जगा लेवें। **विधि:-** कुंए के सन्निकट से सात कंकड़ी लेकर प्रत्येक पर सात बार मंत्र पढ़कर अग्नि की ओर फैंके।

नजर झाड़ने का मंत्र:- गुरु चरणे दिया मन, श्रीहरी मोक्ष कारन, देव दानव दैत्यानी लाई, नरसिंह वरा आसी सब उड़ाई, आलाली पालाली चोटी चोटी हुंकारे फुंकारे उड़ाय, माटी शलिकेर पांव देख टुकरियाजय अमुकार अंगे डाइनेर दृष्टि पलाय कार अक्षावीर नरसिंह आज्ञा। दीपावली में सिद्ध करके इस मंत्र को झाड़ने का विधान है।

सर्प विषनाशक मंत्र औषधि:- गरुड़ास्य मंत्र ऊँ सुपर्णोसि गरुत्मांस्त्रिवृतो शिरो गायंत्र चक्षुर्बृहद्रयन्तरेवक्षी। सोम गरुत्मांस्त्रिवृतो शिरो गायंत्र चक्षुर्बृहद्रयन्तरेवक्षी। सोम आत्माछन्दास्यंकानि यजुंविषनाम। साम ते तनुर्वामदेव्यं यज्ञयज्ञियम्पुच्छन्धिष्ण्याऽशम्या सपुर्णोसि गरुश्रममान्दिवं गच्छ स्वः पत ऊँ। इसे ग्रहण में सिद्ध कर नीम की टहनी या अपामार्ग से झाड़े का विधान है। दधि मधु नवनीता, पीप्पली शृंगवेरं, मीरचमपि कूटो प्रतिहंन्सा सुकेशी। यदि दसति सरोपो, तक्षको वासुकी वा, यमस दनगतानां नास्ति मृत्युर्नराणम्॥ गाय के ताजे दूध से निकाला जाता मक्खन, गाय का दही, शहद, पीपल, अदरक, मिर्च और कूट बराबर मात्रा में मिलाकर सांप से डसे हुए व्यक्ति को पिला देने से विष उतर जाएगा।

चिन्ता निवारण लक्ष्मी प्राप्ति मंत्र:- ऊँ ह्रीं कमले कमल वालेय प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्मयै नमः।

स्थायी धनस्थिति मंत्र:- ऊँ ह्रीं क्लीं महालक्ष्म्यै नमः।

प्रसव समये जल मंत्र:- आकाश टले पवन राम लक्ष्मण दुई लाचा सुन की कर कोका कोकी रिक्ता कुण्डली बसिया बाहिर हव असिया सिद्ध गुड़ कालिका चराडीर वरे शीघ्र करिया भूमे पड़े। **विधि:-** ताजा शुद्ध जल को सात बार मंत्र पढ़कर पसीने के पश्चात् पिलाने का विधान है।

मृत्युंजय मंत्र:- ऊँ ह्रौ ऊँ जूं सः भूर्भव स्वः त्र्यम्बकं यजामहे सुगंधिपुष्टिर्धनम्। उर्वारूकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् भूर्भवः स्वरो जूं सः ह्रौं ऊँ। पुरोणोक्तमृत्युंजय मंत्र- मृत्युंजयाय रुद्राय नीलकण्ठाय शम्भवे। अमृतेशाय शवाय महादेवाय ते नमः।

धनधान्य पूर्ण कर अन्नपूर्णा मंत्र:- ऊँ ह्रीं क्लीं नमो भगवती माहेश्वरी अन्नपूर्णे स्वाहां क्लीं श्रीं ह्रीं ऊँ। इस मंत्र के प्रभाव से धन धान्य पूर्ण रहता है। दो लक्ष जप, तिल, लाल धान की लाई, खीर, दाख, गोघृत से हवन करना चाहिए। दो लक्ष का पुरश्चरण क्षेत्र के भीतर यंत्र या ताबीज गाड़ देते हैं, उससे धान्य बढ़ता है।

सर्वसिद्धि हनुमानजी का अष्टादशाक्षर मंत्र:- ऊँ नमो भगवते आंजनेयाय महाबलाय स्वाहा। खीर, दाख, उखरस, पला, पीपल, शैर की लकड़ी से हवन एक लक्ष का पुरश्चरण। भेद यह है कि कामना के लिए अनुकूल हवन वस्तु होनी चाहिए।

बिच्छु झाड़ने का मंत्र:- ऊँ छः फट् स्वाहा। जल अभिमंत्रित करके देना। आदित्यरथ वेगेन विष्णुबाणबलेन च ताक्ष्र्य पक्षनिपातेन भूम्यां गच्छ महाविष॥ **विधि:** राई से उतारना।

आंख झाड़ने का मंत्र:- शर्यातिंच संकन्यांच च्यवनं शुक्रमश्विनौ। संध्ययोः स्मरतां नित्यं तस्य चक्षुर्न नश्यति॥ मंत्र पढ़कर जल से धुलवायें।

ज्वर झाड़ना:- 1. ऊँ नमो नरहरे रोगापहारिणे ज्वरं नाशय नाशय सुखमारोग्यं कुय स्वाहा। इस मंत्र को सात बार पढ़कर झाड़ें तो ज्वर न रहे। 2. ऊँ नमों अजैपालकी दुहाई जो ज्वर रहे तो महादेव की दुहाई फुरो मंत्र ईश्वरों वाचा। इस मंत्र को दीपावली की रात्रि में सात बार पढ़कर तथा धूप दीप देकर सिद्ध कर लेना चाहिए।२

अन्तर तिजारा चौथिया का मंत्र:- ऊँ लंकायाम तीरे कुमुदो नाम वानरः। तस्य स्मरणमात्रेण ज्वरो याति दिशोदश॥ से पीपल के पत्ते पर लिखकर डोर से बांध देवे।

यात्रा में स्मरण करने का मंत्र:- यः स्मरेततुलसी सीता रामं सौमित्रिणा सह। कार्य कृत्वा रिपूंजित्वा क्षेमेणायाति वै नरः॥ थोड़ा सा दही खाकर यात्रा आरंभ करें और चंदन तिलक से सदा पूर्ण रहें।

बीमारी दूर भगाने के लिए:- गांव में पशुओं की बीमारी न आवे इसके लिए गुरु पुष्य हस्तार्क अथवा उत्तम पर्व में मिट्टी के बड़े सकोरे के भीतर मंत्र लिखकर गोशाला में लटका दें तो बीमारी नहीं होगी। मंत्र:- अर्जुनः फाल्गुनो जिष्णुः किरीटी श्वेतवाहनः। बीभत्सुविजयी पार्थ सव्यसाची धनंजयः। कपिध्वजो गुड़ाकेशो गांडीव कृष्णसारथिः। एतान्यर्जुननामानि गवां गोष्ठे च यो लिखेत्। न तत्र पशुरोगादि शुभं शीघ्र प्रजायते।

झाड़ फूंक शाबर मंत्र -सिरपीड़ा दूर करने के लिए:- लंका में बैठ के माथ हिलावै हनुमंत। सो देखिके राक्षसगण पराय दूरंत॥ बैठी सीता देवी अशोकवन में। देखि हनुमान को आनंदे मन में॥ गई उर विषाद देवी सिथर दरशाय। 'अमुक' के नहीं कछू पीर नहिं कछु भार। आदेश कामाख्या हरिदासी चण्डी की दोहाई॥ सिर के पीड़ा से पीड़ित व्यक्ति को दक्षिण की ओर मुख करके बैठा दें। सिर को हाथ से पकड़कर मंत्रोच्चारण करते हुए झाड़ें। 'अमुक' के स्थान पर रोगी का नाम ले लें।

आधासीसी दूर करने के लिए:- 1. बन में ब्याई कच्चे वनफल खाय। हाँक मारी हनुमंत ने इस पिंड से आधा सीसी उतर जाय॥ 2. ऊँ नमों वन में ब्याई बानरी, उछल वृक्ष पै जाय। कूद-कूद शाखानरी, कच्चे वनफल खाय॥ आधा तोड़े आधा फोड़े, आधा देय गिराय। हंकारत हनुमान जी, आधासीसी जाय॥ किसी एक मंत्र का उच्चारण करते हुए भस्म से झाड़ें।

नेत्र रोग शमन करने के लिए:- ऊँ नमों वने बिआई बानरी जहां-हजां हनुमंत आँखि पीड़ा कषवरी गिहिया थनै लाई चरिउ जाइ। भस्मन्तन गुरु की शक्ति मेरी भक्ति फुरो मंत्र ईश्चरोवाचा॥ आंख पर हाथ फेरते हुए सात बार मंत्र पढ़कर मंत्र फूंके। व्यथा मिट जाएगी॥

कर्णमूल पीड़ा दूर करने के लिये:- वनरा गांठि वावरी तो डांटे हनुमान कंठ। बिलारी बाघी थनैजी कर्णमूल सम जाइ॥ श्री रामचन्द्र की बानी पानी पथ होई जाइ॥ विभूति से सात बार झाड़ने से कर्णरोग नष्ट होता है।

बिच्छू का विष झाड़ने के लिए:- 1. पर्वत ऊपर सुरही गाइ। कारी गाइ की चमरी पूछी तेकरे गोबरे बिछी बिआइ। बिछी तोरे कर अठारह जाति। छ कारी छ पीअरी छ भूमाधारी छ रत्नपवारी। छ कुं हुं कुं हुं छारि। उतरू का बिछी हाड-हाड पोर-पोर ते। कस मारें लीलकंठ गरमोर महादेव की दुहाई गौरा पार्वती की दुहाई अनीत टेहरी शंडार बन छाइ उतरहिं बीछी हनुमंत की आज्ञा दुहाई हनुमंत की। 2. ऊँ हरमर्कटमर्कटाय स्वाहा॥ मंगलवार को एक लाख जप तथा दशांश हवन करने से सिद्धि होती है।

अंड वृद्धि रोग दूर करने के लिए:- ऊँ नमो आदेश गुरु को जैसे के लेहु रामचन्द्र कबूत ओई करहु राध बिनि कबूत पवनपूत हनुमंत धाउ हर-हर रावन कूट मिरावन श्रवइ अण्ड खेतहि श्रवइ अण्ड-अण्ड विहण्ड खेतहि श्रवइ बाजं गर्भ हि श्रवइ स्त्री पीलहि श्रवइ शाप हर हर जंबीर हर जंबीर हर हर हर॥ मंत्र पढ़कर फूले हुए अण्डकोश को हल्के हाथ से मलें तथा अभिमंत्रित जल पिलायें तो अण्डवृद्धि शांत हो जाती है। मिट्टी दे। आंगन और बरामदों में सिर्फ उड़द के दाने ही बिखेरना चाहिए। मात्र इतनी ही क्रिया से ग्रह दोष सदा के लिए दूर हो जाता है।

यंत्र-मंत्र-तंत्र एक साधना एवं सफलता

विश्वासम् फलमदायकम्। श्रद्धारूपेण कर्म साधनम्॥ गुरुत्व गुरु ग्राह्य मंत्रम्। आज्ञानुसारेण साधना सफलम्॥

साधक को आवश्यकतानुसार अपने जीवन में तंत्र साहित्य का प्रयोग मंत्र-यंत्र के रूप में करना हो तो भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। हां उसमें अपने भाव समर्पित होना नितान्त आवश्यक है। तंत्र में शक्ति का योगदान, मंत्र में गुरु का योगदान तथा यंत्र में बुद्धि सरस्वती का योगदान प्राप्त करके अपना कदम रखा जाय या शाबर तंत्र की सामान्य प्रक्रिया को भी यदि अपनाया जाय तो कोई भी यंत्र-मंत्र-तंत्र में विफलता का आना संभव नहीं है। अवश्य सफलता प्राप्त होती है। जरूरत है साधना के नियमों-उपनियमों एवं सीमांकन की। शिव+शक्ति=साधना का आधार। इसीलिए **सत्यम्-शिवम्-सुन्दरम्** की उक्ति चरितार्थ होती है।

आईये जन हिताय-सुरक्षाय-लाभाय कुछ सरल यंत्रों एवं मंत्रों की जानकारी सर्व कल्याण की भावना से परीक्षित यंत्रों की जानकारी आप भी प्रयोग करके देखें। तथा अपनी मंजिल प्राप्त होने पर हमें जरूर संकेत डाक द्वारा/फोन द्वारा बतायें। जिससे विश्वास, श्रद्धा भावना एवं कर्म का सटीक प्रमाण मिल सके। स्वयं करें, फिर लिखें। अनुभव की पाठशाला में जीवन पर्यन्त पढ़ना पड़ता है। यंत्र इस प्रकार है:-

मनोकामना पूर्ण करने के लिए-विधि-इस यंत्र को हल्दी के रस से कागज पर या भोजपत्र के ऊपर लिखें तथा इस यंत्र के नीचे अपना मनोरथ लिख दें। फिर इसका पलीता बनाकर रविवार के दिन जला दें। इस तरह सात रविवार तक प्रयोग करने से तथा साथ ही मंत्र का नित्य हल्दी की माला से जप करें तो शीघ्र ही मनोरथ पूर्ण होगा। मंत्र-ॐ ह्रीं ह्रां सः॥ सूर्य का पूजन भी करें। अवश्य ही लाभ होगा। प्रत्येक मनोरथ की पूर्ति अलग-अलग करें।

८	१५	२	७
६	३	१२	११
१४	१	८	१
४	५	१०	१३

गर्भ धारण के लिए यंत्र-विधि-इस ताबीज (यंत्र) को भोजपत्र के ऊपर केसर से रविवार को लिखकर स्त्री के गले में शुभ समय में बांधे तो गर्भ धारण होगा। रजस्वला समय को त्यागना है। तथा गौरी शंकर की पूजा स्त्री २१ दिन तक करें। अवश्य लाभ होगा।

३४२	३४९	२	७
६	३	३४६	३४९
३४८	२४३	८	१
४	५	३४४	३४८

व्यापार में लाभ प्राप्ति के लिए यंत्र-विधि-इस यंत्र को केसर की स्याही से नदी का जल डालकर चमेली की कलम से भोजपत्र के ऊपर शुक्रवार के दिन २१००० यंत्र लिखकर (२४ घंटों में) फिर २१००० आटे की गोलियां बनाकर मछलियों को खिलाने पर यह यंत्र सिद्ध होगा। तब इस सिद्ध यंत्र को भोजपत्र या चांदी में या सोने की पतरी पर लगायें तो दिन-प्रतिदिन लाभ होगा।

५०	५३	२	७
६	३	५२	५१
५६	५१	८	५१
४	५	५२	५५

प्रत्येक कार्य में सफलता के लिए यंत्र-विधि-इस यंत्र को भोजपत्र के ऊपर रविपुष्य / गुरुपुष्य / सर्वार्थ सिद्धि योग में शुभ की होरा में केसर की स्याही से अनार की कलम से लिखें। तथा अपने पास रखें तो लाभ होगा। गुरु मंत्र जपें।

८	१	६
३	५	७
४	९	२

विद्या प्राप्ति के लिए यंत्र-विधि-इस यंत्र को सरस्वती मंत्र से सिद्ध करके अपनी भुजा पर बांधे तो लाभ होगा। यंत्र केसर से भोजपत्र के ऊपर गुरु पुष्य, रवि हस्त बसंत पंचमी को तैयार करें। अनार की कलम से तथा ५१ दिन तक सरस्वती उपासना करें, लाभ होगा।

११	१	८
४	७	९
५	१२	३

बूरी नजर दूर करने का यंत्र-विधि-हल्दी के द्वारा पीले रंग से रंगे सूती कपड़े पर यंत्र लिखकर पोटली सी बनाकर अजवायन डालकर काले धागे से बच्चे के गले में बांधने से बुरी नजर दूर होती है। अथवा इस यंत्र को बुधवार के दिन हल्दी से भोजपत्र पर लिखकर बालक के गले में बांधने से नजर दोष का निवारण होता है।

१४८	१३	१३८	६
२	१४६	१३	१३९
६३	७	१४०	९
२०	१३४	९	१४७

भाग्योन्नति

भाग्योन्नतिः- इस यंत्र को गुरुवार के दिन से लिखना आरंभ करें। प्रतिदिन भोजपत्र पर केशर से 625 यंत्र लिखें। जितने दिनों में संख्या दस हजार पूरी हो जाय, उतने दिनों तक प्रतिदिन यंत्रों को लिख-लिखकर नदी के जल में प्रवाहित करते रहें, तो भाग्य की उन्नति होती हैं। एवं कामनाएं पूर्ण होती है।

परीक्षा में सफलताः- परीक्षा आरंभ होने से 15 दिन पूर्व इस यंत्र को केसर द्वारा भोजपत्र के ऊपर लिखना आरंभ करें। प्रतिदिन 101 यंत्र लिखकर नदी के जल में प्रवाहित कर दें। सोलहवें दिन एक यंत्र को यथा विधि पूजकर ताबीज में भरकर अपनी दांई भुजा अथवा गले में धारण कर लें और परीक्षा देने जायें तो उसमें सफलता मिलती है।

२	९	२	७
६	३	६	५
८	३	८	१
४	५	४	७

परीक्षा में सफलता

बंधन मुक्तिः-इस यंत्र को रविवार के दिन कागज या भोजपत्र के ऊपर चंदन से लिखकर एक जंगली कबूतर के गले में बांधकर कबूतर को छोड़ दें। इस यंत्र में जिस स्थान पर कैदी का नाम लिखा है, वहां 'कैदी के नाम' का तथा जहां 'मां का नाम' लिखा है वहां कैदी की मां का नाम लिखना चाहिए। बड़ा प्रभावकारी यंत्र है।

या हाफज	३३३	३३८	३३१
या हाफज	३२२	३३४	३३६
९९	३३७	३३०	३३५
कैदी का नाम मां का नाम	९९	या हाफज	या हाफज

बंधन मुक्ति

कारावास मुक्तिः- इस चक्र को पुए के ऊपर घी से लिखकर बीच में देवदत्त के स्थान पर उस व्यक्ति का नाम लिखें जो जेल में पड़ा हो। गंध, पुष्प आदि से यंत्र वाले पुए का पूजन करके, वह पुआ उस कैदी व्यक्ति को खिला दें। इस यंत्र के प्रभाव से वह कैदी व्यक्ति तीन अथवा सात दिन के भीतर ही कैद से छूट जाता है। यह भी बड़ा प्रभावकारी यंत्र है।

हीं
हीं देवदत्त हीं
हीं

कारावास मुक्ति

गये हुए व्यक्ति का लौटनाः- घर से लड़का, लड़की, स्त्री, पुरुष, भाई, बहिन, सेवक अथवा अन्य व्यक्ति रूठकर या किसी भी कारण से चुपचाप बाहर चला गया हो और न आ रहा हो तो उसे वापिस बुलाने के लिए इस यंत्र को रविवार के दिन भोजपत्र पर चंदन से लिखकर चरखे पर बांध दें और कुंवारी कन्या के हाथ से उल्टा चरख चलवाकर सूत कतवायें तो गया हुआ व्यक्ति वापिस लौट आता है।

क्रोध शमनः- इस यंत्र को लोहे के कांटे से गोरोचन द्वारा ताड़ पत्र पर सोमवार के दिन लिखें। मध्य में 'देवदत्त' के स्थान पर उस व्यक्ति का नाम लिखना चाहिए जिसका क्रोध शांत करना हो फिर यंत्र को कुम्हार की मिट्टी में रखकर 7 दिन तक पूजन करें। अंत में ब्राह्मण को भोजन करावें। इसके प्रभाव से शत्रु मित्र अथवा अन्य व्यक्ति का क्रोध दूर हो जाता है।

विद्या प्राप्तिः- इस यंत्र को गुरुवार के दिन से लिखना आरंभ करें। प्रतिदिन 225 यंत्र केशर द्वारा भोजपत्र पर लिखें और उन यंत्रों को उसी दिन पूजन करके नदी के जल में प्रवाहित कर दें। 15 दिन तक इसी प्रकार निरंतर करता रहे तो साधक को इच्छित विद्या की प्राप्ति होती है। एक यंत्र ताबीज में भरकर अपनी भुजा में भी धारण करना चाहिए।

११	१	८
४	७	९
५	१२	३

विद्या प्राप्ति

आजीविका प्राप्तिः- इस यंत्र को मंगलवार अथवा गुरुवार के दिन से लिखना प्रारंभ करें। प्रतिदिन 201 यंत्र अष्टगंध से भोजपत्र पर लिखें। जब 5 हजार लिखे जा चुके हों तो उन्हें किसी नदी के जल में प्रवाहित कर दें। इसके प्रभाव से आजीविका (नौकरी आदि) की प्राप्ति होती है।

१३
६ १० ४
१०
९ ३ ८
१

आजीविका प्राप्ति

भागे हुए व्यक्ति को बुलाने का यंत्रः- खोए या भागे हुए व्यक्ति के पहने हुए, बिना धुले हुए वस्त्र पर गुरु से इस यंत्र को बनायें और पत्थर की सिर के नीचे दबा कर रख दें। व्यक्ति के वापस आने तक रोज सायंकाल इसके ऊपर दीप जलाकर रखें। ऐसा करने से व्यक्ति आ जाता है। शीघ्र न लौटे तो पत्थर को कोड़े से मारें। इस तरह वह व्यक्ति जीवित होगा तो लौट आवेगा। नहीं तो समाचार तो मिल ही जाएगा।

८	१	६
३	५	७
४	९	२

भागे व्यक्ति को बुलाना

राजदण्ड से मुक्तिः- इस यंत्र को कपूर कुंकुम से एक बड़े भोजपत्र पर लिखकर बीच में 'देवदत्त' के स्थान पर साध्य व्यक्ति का नाम लिखें। फिर यंत्र का गंध, पुष्प आदि से पूजन कर, गिलोह के ताबीज में भरकर कंठ अथवा भुजा में धारण करें तो इसके प्रभाव से राजदण्ड अथवा वंदन (कैद भय से) दूर हो जाता है। यदि किसी ने किसी को जबरदस्ती रोक रखा हो तो छुटकारा मिल जाता है।

मांगोक्षय
मांगोक्षय देवदत्त मांगोक्षय
मांगोक्षय

राजदंड से मुक्ति

शत्रु विजयः- इस यंत्र को शमशान के कोयले द्वारा शत्रु के वस्त्र पर लिखकर उसे धूप, दीप दें। तत्पश्चात् उस वस्त्र को जमीन में गाड़ दें या किसी नदी में बहा दें तो शत्रु पर विजय प्राप्त होती है। इस यंत्र के प्रभाव से शत्रु देश छोड़कर चला जाता है अथवा क्षमा मांगकर शत्रुता छोड़ देता है।

तं.	तं.	तं.	तं.
तं.	तं.	तं.	तं.
तं.	तं.	तं.	तं.
तं.	तं.	तं.	तं.

शत्रु विजय

खोई हुई वस्तु का मिलनाः- इस यंत्र को कनेर के वृक्ष की छाया में बैठकर बकरे की हड्डी से पृथ्वी पर 108 बार लिखें। तत्पश्चात् भगवान् शिव का यथाविधि पूजन करें तो इसके प्रभाव से खोई वस्तु मिल जाती है। इस यंत्र को मंगलवार या शनिवार के दिन लिखना चाहिए।

हूं.	हूं.	हूं.	हूं.
हूं.	हूं.	हूं.	हूं.
जं.	जं.	जं.	जं.
ह्रीं.	ह्रीं.	ह्रीं.	ह्रीं.

खोई हुई वस्तु का मिलना

पुत्री का विवाहः- इस यंत्र को सोमवार के दिन से लिखना आरंभ करें। प्रतिदिन 225 यंत्र भोजपत्र पर अष्टगंध की स्याही से लिखें। जब तक पांच हजार यंत्र लिखे जा चुकें, तब सबको एकत्र कर, धूप दीप देकर नदी के जल में प्रवाहित कर दें। इस यंत्र के प्रभाव से पुत्री का विवाह आनन्दपूर्वक हो जाता है और उसके लिए चिन्ता नहीं करनी पड़ती।

पुत्री का विवाह

पारिवारिक सुखः- इस यंत्र को शुक्ल पक्ष के पुष्य नक्षत्र वाले दिन से प्रतिदिन 101 की संख्या में लिखना प्रारंभ करें। यंत्र को भोजपत्र पर केशर द्वारा लिखना चाहिए। जब 5000 की संख्या पूरी हो जाय तब से यंत्रों का पूजन कर उन्हें नदी के जल में विसर्जित कर दें। इसके प्रभाव से पारिवारिक सुख प्राप्त होता है।

३		२
७		८
९		४
१		६

पारिवारिक सुख

यश प्राप्तिः- इस यंत्र को रविवार के दिन प्रातःकाल 5 बजे से लिखना आरंभ करें। प्रतिदिन 101 यंत्र भोजपत्र पर केशर या गोरोचन से लिखें। जब 2400 यंत्र लिखे जा चुकें, तब उन्हें किसी नदी या समुद्र के जल में प्रवाहित कर दें तो इसके प्रभाव से यश और संतान की प्राप्ति होती है।

यश प्राप्ति
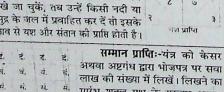
सम्मान प्राप्तिः- यंत्र को केसर अथवा अष्टगंध द्वारा भोजपत्र पर सवा लाख की संख्या में लिखें। लिखने का प्रारंभ शुक्ल पक्ष के गुरुवार अथवा पूर्णिमा के दिन करना चाहिए। निश्चित संख्या में लेखन कार्य पूरा हो जाने पर यंत्र लेखक को सर्वत्र सम्मान की प्राप्ति होती है। यंत्र लिखते समय धूप दीप भी जलानी चाहिए।

दं.	दं.	दं.	दं.
यं.	यं.	यं.	यं.
मं.	मं.	मं.	मं.
अं.	अं.	अं.	अं.

सम्मान प्राप्ति

संतान सुखः- इस यंत्र को रविवार के दिन से लिखना आरंभ करें। प्रतिदिन 201 यंत्र लिखें। जब 2500 यंत्र पूरे हो जायें, तब उनका पूजन करके नदी में प्रवाहित कर दें। इस यंत्र के प्रभाव से संतान का सुख प्राप्त होता है तथा बिगड़ी हुई संतान सुधर जाती है।

६	११	३
४	७	९
१०	२	८

संतान सुख

स्थानांतरणः- इस यंत्र को मंगलवार के दिन से प्रतिदिन 101 की संख्या में लिखना आरंभ करें। सफेद कागज या भोजपत्र पर केशर से यंत्र लिखने चाहिए। जब 2400 यंत्र लिख जायें, तब उन्हें किसी नदी के जल में प्रवाहित कर दें तो साधक व्यक्ति का स्थानांतरण उसके इच्छित स्थान पर हो जाता है।

स्थानान्तरण
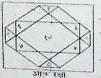
आत्म रक्षाः- इस यंत्र को शुक्ल पक्ष के पुष्य नक्षत्र वाले दिन अष्टगंध से भोजपत्र पर लिखकर यथाविधि धूप दीप आदि से पूजा कर त्रिलोहर के ताबीज में भरकर अपनी दांई भुजा अथवा कंठ में धारण करें तो आत्म रक्षा होती है। ऐसे व्यक्ति को कहीं भय नहीं होता।

आत्म रक्षा

धन प्राप्तिः- इस यंत्र को गुरुवार के दिन से केशर द्वारा भोजपत्र पर लिखना प्रारंभ करें। प्रतिदिन 125 यंत्र लिखें, जब 5000 यंत्र लिख जायें, तब उन्हें जल में प्रवाहित कर दें तथा एक यंत्र को चांदी के ताबीज में भरकर अपनी दांई भुजा में धारण करें, तो धन की प्राप्ति होती है।

धन प्राप्ति

शत्रु विनाश :- शत्रु का उच्चाटन करने तथा शत्रु से छुटकारा पाने के लिए इस यंत्र को लोहे की कलम से तांबे के यंत्र (ताम्र पत्र) पर लिखकर गंध पुष्पादि से पूजन करें तथा जिस शत्रु का विनाश करना हो, उसका ध्यान करें तो यंत्र के प्रभाव से शत्रु का उच्चाटन होता है। वह उस स्थान को छोड़कर दूर चला जाता है तथा शत्रुता करने का कभी नाम भी नहीं लेता।

लं.	लं.	लं.	लं.
लं.	लं.	लं.	लं.
लं.	लं.	लं.	लं.
लं.	लं.	लं.	लं.

शत्रु विनाश

सर्वकामना सिद्ध, इक्कीसा यंत्रः- इस इक्कीसा यंत्र को शुभ मुहूर्त में भोजपत्र पर अनार की कलम व अष्टगंध की स्याही से लिखकर भुजा में बांधे। इससे सभी कार्य निर्विघ्न पूर्ण होकर सर्वकार्य सिद्ध होते हैं।

४	१२	५
८	७	६
९	२	१०

इक्कीसा यंत्र

रमल अरबी ज्योतिष बताएगा धन लाभ कब और कैसे?

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में यह द्वितीय घर का सवाल है। जबकि रमल ज्योतिष शास्त्र में 16 घर होते हैं और यह सभी घर जीवन की समस्त स्थावर और जंगम साथ ही भूत-भविष्य-वर्तमान बातों से सम्बन्धित रखते हैं। प्रश्नकर्ता इसी नियत से प्रश्न करे कि मुझे या अमुक व्यक्ति को धन लाभ और धन से सम्बन्धित शान्ति कब कैसे प्राप्ति होगी? यदि प्रस्तार यानी कि जायचे के द्वितीय घर में शुभ शकल हो और गवाहन भी शुभ हो साथ ही नजर-ए-मिकारना हो तो उसे धन लाभ और धन से सम्बन्धित प्राप्ति शीघ्र आसानी से होती है। यह स्थिति जीवन के आधे से अधिक समय तक रहेगी। यदि प्रस्तार के द्वितीय घर में महान अशुभ शकल हो तो धन लाभ व शान्ति प्राप्ति नहीं होती है। यदि शकल साबित हो तो देरी और परेशानी विशेष के बाद ही धन की प्राप्ति होती है। साथ ही जितना और जो चाहते हैं प्राप्ति का योग नहीं होना पाया जाता है। यदि प्रस्तार के प्रथम घर में शकल लहियान जो कि गुरु ग्रह की शकल है साथ ही शकुन पंक्ति की प्रथम घर की मालिक भी है। नुस्तुल खारिज यह भी गुरु ग्रह की शकल है और दो बिन्दुओं को विद्यमान रखने वाली है तो धन की बाबत् भाग्य का उत्थान का प्रतीक होना पाया जाता है। लेकिन अन्तिम समय तक टिकाऊ नहीं होना दिखाई देता है। यदि शकल अतवे खारिज, कब्जुल खारिज प्रथम घर हो तो प्रश्नकर्ता का भाग्य कमजोरी की स्थिति में स्थायी तौर पर पाया जाता है। जिससे धन लाभ प्राप्ति का योग नहीं बनता है। यदि प्रस्तार के द्वितीय घर में अंकिश शकल हो जो कि शनि ग्रह की शकल है और एक बिन्दु वाली शकल है। भाग्य की भाग्यहीनता के कारण भाग्य निर्बल है व आगामी समय में भी यह स्थिति रहेगी। अतः कभी किसी स्थिति में धन लाभ व स्थायी सम्पत्ति की प्राप्ति का योग नहीं होना दिखाई देता है। यदि प्रस्तार के द्वितीय घर में व चतुर्थ घर में उक्ला शकल हो जो कि शनि ग्रह की महान अशुभ शकल है, साथ ही नजर-ए-मिकारना और नजर-ए-तसरीक रखती हो तो दफीना यानी कि खजाना (गढ़ा धन) प्राप्ति होती है। जिसमें स्वर्ण मुद्राएं या स्वर्ण के आभूषण की प्राप्ति होती है। मगर शर्त है कि सारी शकलें बलावल के अनुसार शुभ दाखिल होना अवश्य चाहिए। यदि प्रस्तार के द्वितीय घर में कब्जुल दाखिल शकल हो या अतवे दाखिल शकल हो इनकी नजर गवाहन घर पर बराबर पड़े साथ ही नजर-ए-तररीर की दृष्टि होती है। प्रश्नकर्ता को आजीवन धन की कमी का सामना नहीं करना पडेगा। साथ किसी ना किसी कार्य और बात द्वारा स्थायी तौर पर धन की प्राप्ति, एकत्रित धन और स्थायी सम्पत्ति का योग भी नहीं पाया जाता है। यदि प्रस्तार के द्वितीय घर में महान अशुभ शकलें और उन महान अशुभ शकलों की दृष्टि हो तो जातक जीवन भर हर वक्त दरिद्रता की स्थिति में बना रहेगा। वह दाने-दाने को मुंहताज रहेगा। अन्य कोई व्यक्ति मदद को तैयार नहीं होगा।

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में बिना कुण्डली के भविष्य कथन जाना जाता है। इस शास्त्र में किसी प्रकार की जन्म कुण्डली की आवश्यकता कभी किसी स्थिति में नहीं होती है। रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में प्रश्नकर्ता के हाथ पर पासे जिसे अरबी भाषा में "कुरा" कहते हैं। इन पासों को किसी शुद्ध पवित्र स्थान पर डलवाए जाते हैं। इन पासों से प्राप्त शकलों (आकृतियों) के मुताबिक जो शकल आती है। उससे रमल ज्योतिष शास्त्र में प्रश्नकर्ता का नाम, माता-पिता का नाम, वार, दिन, तिथि और तो और पंचाग की आवश्यकता नहीं होती है। यह सारी स्थिति प्रश्नकर्ता द्वारा विद्वान् रमलाचार्य के समक्ष होने पर होती है। यदि प्रश्नकर्ता रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के विद्वान् के समक्ष ना हो तो प्रश्नकर्ता को **"प्रश्न-फार्म"** के माध्यम से अमुक धन से सम्बन्धित या अन्य किसी सवाल के जवाब मय समाधान के फलादेश किया जा सकता है।

डॉ० नरेन्द्र कुमार "भैया" रमलाचार्य
रमल (अरबी ज्योतिष) शोध संस्थान (रजि.)

रमल अरबी ज्योतिष शास्त्र बताएगा सन्तान सुख कब?

रमल (अरबी ज्योतिष)शास्त्र में बिना कुण्डली के यानी कि ज्योतिष शास्त्र के पासे जिसे अरबी भाषा में **"कुरा"** कहते हैं। यदि स्त्री प्रश्नकर्ता हो तो सबसे अच्छा रहता है। यदि किसी कारणवश स्त्री प्रश्नकर्ता ना हो तो उसके पति के द्वारा उक्त प्रश्न पासे के द्वारा किया जा सकता है। यदि ये महाशय भी ना हो तो माता-पिता के द्वारा भी पासे डाले जा सकते हैं। उन पासों के मुताबिक बनाए गये प्रस्तार (जायचे)के अनुसार मार्ग दर्शन व समाधान प्राप्त होता है। रमल (अरबी ज्योतिष)शास्त्र में इस प्रश्न के अतिरिक्त किसी भी प्रश्न में जातक का नाम, माता-पिता का नाम, जन्म-तिथि, वार, घड़ी और तो और पंचाग की आवश्यकता नहीं होती है। मात्र पासे द्वारा ही प्रश्न करवाकर उक्त प्रश्न का सन्तान सुख और कैसे ही बाबत् मार्ग दर्शन व समाधान प्राप्त किया जा सकता है। यह सारी कार्य प्रणाली जातक के रमलाचार्य के सम्मुख होती है। मगर रमल ज्योतिष का विद्वान् ना होने की स्थिति में **"प्रश्न-फार्म"** के माध्यम से भी उक्त कार्य को सम्पादित किया जा सकता है। यह दोनों कार्य प्रणाली एक ही हैं मगर गणितीय स्थिति अलग-अलग अवश्य है। जो कि प्रत्येक कार्य बात में विभिन्न समयानुसार आती रहती है।

रमल (अरबी ज्योतिष)शास्त्र में प्रस्तार (जायचे)के प्रथम, पांचवे, छठे घर में यदि शुभ शकलें हों और साक्षी घर भी शुभ हो साथ ही नजर-ए-मिकारना भी हो व निकटवर्ती व दूरवर्ती साक्षी शुभ हो तो सन्तान विशेष सुन्दर, सुशील, भाग्यशाली और परिवारजनों की भाग्यहीनता को नष्ट करने वाली, रंग साफ गोरा होती हैं। यदि इसके विपरीत हो और नजर-ए-तसदीर की दृष्टि हो तो सन्तान परिवार की सुखीयाजता, भाग्यशालीता को भाग्यहीनता में तब्दीली करने में सहायक होती है। शिशु का रंग कुरूप होता है। यदि प्रश्नकर्ता के प्रस्तार में शकल जमात लग्न पर दृष्टि रखती हो तो सन्तान विकलांग होती है। यदि पंचम घर में अशुभ शकलें हों व छठे घर में किसी प्रकार से अशुभ शकल हो तो सन्तान के अतिरिक्त स्त्री की किसी दुष्ट आत्मा की नजर यानी कि छाया (साया) होना स्पष्ट रूप से होना पाया दिखाई देती है। जिससे प्रश्नकर्ता स्त्री को शारीरिक-मानसिक-आर्थिक और पारिवारिक साथ ही दाम्पत्य जीवन में बराबर परेशानी व टकराव रहने का योग स्थायी तौर पर कायम होता है। प्रश्नकर्ता को सन्तान सुख के अतिरिक्त मन का उदासीनता व तनाव ग्रस्त स्थिति भी होना पायी जाती है। साथ ही जीवन बराबर असन्तुष्ट और टकरावमय, जिससे शोकाकुल की स्थिति में स्थायी तौर पर होना दिखाई देती है। यदि प्रस्तार के अष्टम घर में शकल

फरह हो यह शकल तुला राशि की है व स्त्री संज्ञक से सम्बन्धित रखती है, साथ ही मुनकलिब शकल है। यह स्थिति दवाओं से लाभ और वांछित शान्ति का योग ... आती है। ... हो जो कि शनि ग्रह की महान शकल है। माता को भी जीवनकाल ...

फरह हो यह शकल तुला राशि की है व स्त्री[illegible] से सम्बन्धित रखती है, साथ ही मुनकलिब शकल है। यह स्थिति में प्रश्नकर्ता को सन्तान सुख विशेष ही परेशानी के साथ वृद्ध अवस्था में होगी। यदि प्रस्तार में अधिकांशतः शकलें इज्जतमा और जमात हो तो पुरुष के वीर्य में सन्तानोत्पत्ती के शुक्राणु की कमी होने के कारण सन्तान सुख प्राप्ति का योग नहीं होता है। यदि उसी प्रस्तार के दशम् घर में महान अशुभ शकलें कब्जुल खारिज, अतबे खारिज हो व मिकंराना की दृष्टिपात हो तो प्रश्नकर्ता को इस वास्ते चिकित्सक द्वारा दी जाने वाली दिशाओं से लाभ और वांछित शान्ति का योग भी नहीं होना पाया जाता है।

यदि प्रश्नकर्ता के प्रस्तार के छठे घर में इज्जतमा व जमात शकल हो जो कि बुध ग्रह की साबित शकलें हैं। जो कि उक्त जातक को किसी प्रेत-आत्मा (मसान) की दृष्टिता नजर (छाया) का स्पष्ट रूप से संकेत देती है। जिससे गर्भधान में परेशानी व गर्भपात का बराबर भय, साथ ही गर्भपात से होने वाली बीमारियों की आशंका बराबर बनी रहती है। जिससे शिशु सन्तान को तो हानि होती है। यदि प्रस्तान के अष्टम घर में उक्ला शकल हो जो कि शनि ग्रह की महान शकल है। माता को भी जीवनकाल की बावत मृत्यु योग बनाती है। प्रश्नकर्ता को इन समस्त स्थिति द्वारा मार्ग दर्शन होने के बावजूद यह जानना आवश्यक है कि वर्तमान में किस ग्रह की प्रतिकूलता (अशुभता) बराबर चल रही है । जिससे उक्त सन्तान सुख की बावत लाभ-हानि द्वारा समाधान हो सके। इस वास्ते जातक **रमल सिद्धयंत्र** धारण करें अथवा उस ग्रह के वास्ते नग या ग्रह शान्ति विधि-विधान द्वारा कराने से लाभ व शान्ति प्राप्ति होती है।

रमल अरबी ज्योतिष बताएगा किस माह में होगा विवाह?

भारतीय संस्कृति में शुभ-विवाह 16 संस्कारों में से एक मुख्य है। भारतीय संस्कृति के अतिरिक्त अन्य पाश्चात्य संस्कारों एवं अन्य संस्कृति में भी शुभ-विवाह सृष्टि के संचालन का एक अद्भुत अद्वितीय संस्कार है। यह संस्कार दो व्यक्तियों का अनमोल मिलन तो है ही, साथ ही दो परिवारों का महान पवित्र व आत्मिक मिलन और सम्बन्ध भी है। वैदिक पुरातन आर्य परम्परा से वैदिक विवाह आठ प्रकार के होते हैं। ब्रह्म विवाह, दैव विवाह, आदर्श विवाह, प्रजापत्य विवाह, गान्धर्व विवाह, आसुर विवाह, राक्षस विवाह और अन्तिम पैशाच विवाह। उपरोक्त विवाहों के कुछ अंश यहां पर दिये जा रहे हैं।

ब्रह्म विवाह-वह विवाह है जिसमें वर कन्या दोनों यथावत् ब्रह्मचर्य से पूर्व विद्वान् धार्मिक और सुशील हो, उनका परस्पर प्रसन्नता से विवाह होना ही ब्रह्म विवाह कहलाता है। दैव विवाह-वह विवाह है विस्तृत यज्ञ करने में ऋत्विक कर्म करते हुए जामाता (दामाद) को अलंकार युक्त कन्या का देना, दैव विवाह कहलाता है। आदर्श विवाह-वे विवाह है जो वर से कुछ लेकर विवाह हो, यह विवाह आदर्श विवाह कहलाता है। प्रजापत्य विवाह-वे विवाह है जो कि दोनों का विवाह धर्म की वृद्धि के अर्थ होना ही प्रजापत्य विवाह की श्रेणी में आता है। गान्धर्व विवाह-वह विवाह है जो कि अनियम, असंयम किसी कारण से दोनों की इच्छा पूर्वक वर-कन्या का परस्पर संयोग होना ही गान्धर्व विवाह कहलाता है। आसुर विवाह-वह विवाह है वर कन्या को कुछ देकें विवाह होना ही आसुर विवाह की श्रेणी में आता है। राक्षस विवाह-वह विवाह है जो कि लड़ाई करके बलात्कार अर्थात् छीन, झपटकर, कपट के रूप में कन्या को ग्रहण किया जाता है। ये विवाह राक्षस की श्रेणी में आता है। पैशाच विवाह-ये विवाह वह है जो कि शयन के दौरान या मद्यपान कराके, पागल कन्या से बलात्कार कर ले जाना ही पैशाच विवाह की श्रेणी में आता है।

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के मुताबिक विद्वान् रमलाचार्य के सम्मुख अमुक सवाल जातक के द्वारा, उनके माता-पिता, भाई-बहिन या निकटतम रिश्तेदारों के द्वारा किया जाता है कि किस माह (महीने) में मेरा या मेरे अमुक व्यक्ति का शुभ-विवाह होगा? इस वास्ते जातक द्वारा पासे जिसे अरबी भाषा में **"कुरा"** कहते हैं। एक शुद्ध पवित्र स्थान पर डलवाए जाते हैं। रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में जातक की जन्म कुण्डली और न ही पंचाग की जरूरत होती है। मात्र पासों के अनुसार प्रस्तार यानी कि जायचा बनाया जाता है। यदि जातक विद्वान् के समक्ष ना हो तो **"प्रश्न-फार्म"** के द्वारा भी उक्त कार्य को सम्पादित किया जा सकता है। इन दोनों कार्य प्रणाली का परिणाम् एक ही आता है।

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के सोपान चक्र के प्रथम, सप्तम्, तेरह बिन्दु लें साथ ही नजर-ए-मिकरना व निकटवर्ती दृष्टि भी बराबर हो और बलावल भी होना आवश्यक है। निम्न सारणी के अनुसार शुभ-विवाहं अमुक माह (महीने) में या सम्बन्ध होने का योग बनता है।

क्र.	शकल	माह
1-	लहियान	मार्गशीर्ष
2-	कब्जुल दाखिल	श्रावण
3-	कब्जुल खारिज	माघ
4-	जमात	भाद्रपद
5-	फरह	कार्तिक
6-	उक्ला	पौष
7-	अंकित	पौष
8-	हुमरा	चैत्र
9-	ब्याज	आषाढ़
10-	नुस्तुल खारिज	श्रावण
11-	नुस्तुल दाखिल	मार्गशीर्ष
12-	अतबे खारिज	अश्विनी
13-	नकी	फाल्गुन
14-	अतबे दाखिल	वैसाख
15-	इज्जतमा	ज्येष्ठ
16-	तरीक	आषाढ़

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के प्रस्तार के लग्न स्थान में शुभ शकल हो, साथ ही नजर-ए-तरबीर की दृष्टि हो तो वैवाहिक जीवन शारीरिक-मानसिक-आर्थिक व पारिवारिक सम्पन्नता की ओर होना दिखाई देता है। यदि प्रस्तार के लग्न घर में नजर-ए-तरबीर की पूर्ण दृष्टि ना हो तो परिवार में बराबर प्रत्येक कार्य व बात के वास्ते स्नेहकारी का नहीं होना पाया जाता है। ससुराल पक्ष से बराबर समय-समय पर लाभ का योग कायम नहीं होना भी नजर आता है। इस वास्ते समय रहते हुए, **रमल सिद्ध** यन्त्र विधि-विधान से धारण करने पर अमुक कार्य में वांछित लाभ व उचित समय कार्य की सिद्धी का योग बनता है।

डॉ० नरेन्द्र कुमार "भैया" रमलाचार्य
रमल (अरबी ज्योतिष) शोध संस्थान (रजि.)
3, महल खास, किला, भरतपुर (राजस्थान)
94142 68172, 838698 1718, (05644) 22 3216
Website- www.ramalarabicastrology.com
E-mail- narendrabhaiya9@gmail.com

रमल ज्योतिष में बिना कुण्डली के जाने सुखी दाम्पत्य जीवन के सूत्र

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र एवं आध्यात्मिक शास्त्रों के मुताबिक आदिकाल से ही मानव जाति अपने जीवन को सुखी, सुन्दर आनन्दित और सुरक्षित बनाऐ रखने के वास्ते हमेशा प्रयत्नशील रहा है। इसी प्रयास के अन्तर्गत ज्योतिष शास्त्र, आयुर्वेदिक शास्त्र व आध्यात्मिक ज्ञान का आविष्कार हुआ है। तथा समय-समय पर शोधकर्ताओं द्वारा अनेकानेक शोध भी होते आ रहे हैं। ग्रहों का प्रभाव प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से मानव जीवन पर बराबर पड़ रहा है। इसको मानव अपने आप में बराबर भुगत भी रहा है। वैज्ञानिक परीक्षणों द्वारा यह स्पष्ट हो चुका है कि चन्द्रमा का ज्वार-भाटे से सीधा सम्बन्ध है। शरीर की रचना में अधिकांशतः भाग में जल की मात्रा है। चन्द्रमा के प्रभाव से जब समुद्र में ज्वार-भाटा आता है। इसी विचार में हमारे ऋषि-मुनियों ने चन्द्रमा को रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में प्रमुख माना है।

प्रायः देखने में आया है कि घर से गायब हो जाने से सम्बन्धित समस्याएं तथा मानसिक द्वन्द्व व अन्य मानसिक परेशानी की बावत् परेशानी वैवाहिक जीवन में विशेष उतार-चढ़ाव और आत्म-हत्या आदि पूर्ण चन्द्रमा-पूर्णमासी, क्षीण चन्द्रमा-अमावस्या के समय लगभग अधिक घटित होती है। संसार में जलवायु बाढ़, जल ग्रस्तता, भूकम्प आदि अधिकांशतः इन्हीं समय होती हैं।

माता के गर्भ से उत्पन्न शिशु जब इस दुनिया में आता है। तब ब्रह्माण्डीय ग्रहों के प्रभाव उस पर आकर समस्त शुभ-अशुभ फल देना प्रारम्भ कर देते हैं। रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के मुताबिक प्रत्येक नौ ग्रह किसी विशेष कारक शरीर के अंग, व्यवसाय, क्षैत्र, कार्य प्रणाली इत्यादि को प्रभावित करते हैं। जैसे रवि ग्रह-आत्मा व पिता का, चन्द्रमा ग्रह-अन्तरात्मा और विचार धारा और किसी विशेष कार्य प्रणाली पर तथा माता का, मंगल ग्रह-शक्ति, शौर्य और वीरता तथा वीरता पूर्ण वार्ता की क्रियाओं का, बुध ग्रह-बुद्धि, विवेक और ज्ञान, धार्मिक आध्यात्मिक क्षैत्र-शान्ति प्रमुख, रबि, ग्रह-क्रिया और पति अथवा पत्नि का, शनि ग्रह- आयु (वय) व मृत्यु व मृत्यु कार्य का कारक होता है।

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के मुताबिक यानी कि जायचे के 16 घर होते हैं। प्रस्तार के चार घर गवाहन यानी कि साक्षी घर के होते हैं। जो केन्द्र के घर होते हैं। यही उम्हान्त घरों के भी होते हैं। बाकी 12 घर के अलग-अलग क्षेत्रों के प्रतीक होते हैं। जैसे प्रथम घर व्यक्ति के रंग-रूप, स्वभाव, वैचारिक, भाग्य की उन्नति व अवनति, द्वितीय घर मनुष्य के धन, आजीविका, व्यापारिक स्थिति, क्रय-विकय, तेजी-मंदी का, पुत्रों की कला, तृतीय घर निकटवर्ती व्यक्तियों के आने-जाने, मित्रता इत्यादि। चौथा सुख-समृद्धि, अचल सम्पत्ति, भूमि, पांचवा घर-पुत्र-पुत्री, धर्म भाई, पेय पदार्थ, व्यभिचार, छटा घर-निकटतम व्यक्ति, नौकर-दास, नौकरी, बीमारी, सातवां घर-रवि ग्रह तथा राहू ग्रह से सम्बन्धित होता है साथ ही वैवाहिक जीवन में उतार-चढ़ाव, तनाव और तलाक व शुभ-अशुभ साथ ही ससुराल पक्ष को भी प्रभावित करता है। इसी प्रकार से अन्य घर भी प्रत्येक बातों से निर्धारित होते हैं।

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के द्वारा मानव को सुखी अथवा दुःखी वैवाहिक जीवन के प्रस्तार को बारीकी से अध्ययन कर तथा रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के गणित के मार्गदर्शन मय समाधान सहित मालूम किया जा सकता है। सुखी वैवाहिक जीवन के मतभेद तनाव, दाम्पत्य जीवन की समस्याएं, शुभ-विवाह पूर्व व उपरान्त धन की प्राप्ति या नहीं। सन्तान सुख शीघ्र या देरी से, ससुराल पक्ष से लाभ व शान्ति की प्राप्ति या नहीं अन्य बातों की जानकारी भी की जा सकती है।

यदि रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के प्रस्तार के सातवें घर में क्रूर ग्रह हो और नजर-ए-तसदीक या तालीम की तो वैवाहिक जीवन में अनेकानेक प्रकार की समस्याएं दिन-प्रतिदिन बराबर रहेंगी। साथ ही प्रतिकूलता (अशुभता) भी बराबर कायम रहेगी। यह सारी स्थिति जीवन की स्थिति की जानकारी मय समाधान सहित प्रश्नकर्ता द्वारा पासे डलवाकर की जाती है। पासे को अरबी भाषा में **"कुरा"** के नाम से जाना जाता है। यह क्रिया रमलाचार्य के सम्मुख होने पर ही होती है। यदि प्रश्नकर्ता विद्वान रमलाचार्य के समक्ष ना हो तो एक नवीन शोध विषय **"प्रश्न फार्म"** के द्वारा भी यह कार्य किया जा सकता है। इन दोनों कार्य प्रणाली से प्राप्त फलादेश एक समान ही आता है। मगर रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र की गणितीय पद्धति भिन्न अवश्य है।

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र द्वारा प्रश्न नहीं पूछने पर और भारतीय ज्योतिष में कुण्डली के सही मिलान ना किए जाने पर अथवा दोनों या दोनों के अतिरिक्त अन्य किसी भी ज्योतिष शास्त्र के द्वारा जानकारी नहीं किए जाने पर आज समाज में प्रायः तलाक, पति-पत्नि में टकराव, मान-प्रतिष्ठा में हानि, ससुराल पक्ष द्वारा निरन्तर लाभ ना होने पर दाम्पत्य जीवन में निरन्तर कभी तथा कई परेशानियों का समय-समय पर सामना करना पड़ता है। यदि प्रस्तार के चौथे घर में अशुभ ग्रह की प्रतिकूलता (अशुभता)हो या पाप ग्रहों से सम्बन्धित स्थिति हो तो दीर्घायु (वय) में कमी आ जाती है। रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के मतानुसार पिछले जीवन के कर्मों के फल लगभग 36 वर्ष की आयु तक कायम रहते हैं। यदि रवि ग्रह किसी प्रकार से ताजीक पंक्ति के अनुसार अशुभ स्थिति में हो तो मृत्यु का कारण अग्नि हो सकती है। ये बुरे प्रभाव के द्वारा समय-समय पर प्रभाव कम और अधिक होता रहता है।

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के मुताबिक जीवन के सुख-समृद्धि के वास्ते जिस ग्रह की प्रतिकूलता (अशुभता) हो उस ग्रह का रत्न रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के शुभ-मुहूर्त में विधि-विधान द्वारा प्राण-प्रतिष्ठा करवाकर जातक को उचित समय पर धारण करना चाहिए या उस ग्रह का रमल ज्योतिष शास्त्र का अधिष्ठाता मन्त्र जाप करना अथवा करवाना चाहिए या रमल सिद्ध यंत्र जातक को उचित समय पर धारण करने से लाभ वांछित प्राप्त होता है।

डॉ० नरेन्द्र कुमार "भैया" रमलाचार्य
रमल (अरबी ज्योतिष) शोध संस्थान (रजि.)
3, महल खास, किला, भरतपुर (राजस्थान)
94142 68172, 838698 1718, (05644) 22 3216
Website- www.ramalarabicastrology.com
E-mail- narendrabhaiya9@gmail.com

 पृष्ठ 40 का शेष

कुंभ राशि—जनवरी से अप्रैल तक आर्थिक उन्नति के अवसर ... सहयोग मिलेगा। स्वभाव की जड़ता समाप्त होगी। उद्यमता बढ़ेगी। अधिकार क्षेत्र में वृद्धि होगी। ... मच्छरों के कारण रोग ग्रस्त होंगे। धन राशि—...

कुंभ राशि–जनवरी से अप्रैल तक आर्थिक उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। स्वजनों का सहयोग मिलेगा। स्वभाव की जड़ता समाप्त होगी। उद्यमता बढ़ेगी। अधिकार क्षेत्र में वृद्धि होगी। प्रत्येक कार्य को करने का उत्साह रहेगा। व्यर्थ वाद-विवादों से छुटकारा मिलेगा। भू-सम्पत्ति के वाद-विवाद में सफलता मिलेगी। किसी नवीन स्थान-भवन आदि की प्राप्ति होगी। सन्तान सुख रहेगा। मई तथा जून मास में धन हानि का योग बनेगा। स्वजनों से विवाद होगा। स्वभाव में जड़ता तथा निरुद्यमता रहेगी। किसी भी कार्य में मन नहीं लगेगा। स्थान हानि होगी। भू-सम्पत्ति के वाद-विवाद बढ़ेंगे। सन्तान के विषय में चिन्तित रहेंगे। जुलाई मास से कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। अधिकार क्षेत्र में वृद्धि होगी। स्वजनों का सहयोग मिलेगा। स्वभाव की जड़ता समाप्त होगी। उद्यमता बढ़ेगी। प्रत्येक कार्य को करने का उत्साह रहेगा। व्यर्थ वाद-विवादों से छुटकारा मिलेगा। किसी नवीन स्थान-भवन आदि की प्राप्ति होगी। भू-सम्पत्ति के वाद-विवाद में सफलता मिलेगी। सन्तान सुख रहेगा।

मीन राशि–जनवरी से मार्च में गुरु का गोचर धनागम में वृद्धि करेगा। दाम्पत्य एवं पारिवारिक जीवन में सुख रहेगा। सन्तान के दायित्वों की पूर्ति होगी। विचारशीलता गुण बनेगी। पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी नये भवन की प्राप्ति होगी। अप्रैल मास में स्वजनों से विवाद होगा। स्वभाव में जड़ता तथा निरुद्यमता रहेगी। किसी भी कार्य में मन नहीं लगेगा। व्यर्थ के वाद-विवादों में समय व्यतीत होगा। स्थान हानि होगी। भू-सम्पत्ति के वाद-विवाद बढ़ेंगे। सन्तान के विषय में चिन्तित रहेंगे। मई से सितम्बर तक दाम्पत्य एवं पारिवारिक जीवन में सुख रहेगा। सन्तान के दायित्वों की पूर्ति होगी। अक्तूबर से धनागम में अवरोध रहेगा। विभिन्न प्रकार की बाधायें आयेंगी। सन्तान के दायित्वों की पूर्ति न होने का खेद रहेगा। भूमि-भवन सुख में न्यूनता रहेगी। स्वभाव में जड़ता तथा निरुद्यमता रहेगी।

मिथुन राशिस्थ राहु का गोचर फल

दिनांक 23 मार्च 2019 को 16।14 पर राहु का प्रवेश कर्क से मिथुन राशि में हुआ है। वर्ष पर्यन्त (संवत् 2076) में राहु मिथुन राशि में ही गोचर करते रहेंगे। नक्षत्रचारवश राहु का गोचर पुनर्वसु तथा आर्द्रा नक्षत्र से होगा। यद्यपि अनेक विद्वानों के मत से मिथुन राशि राहु की उच्च राशि है परन्तु वास्तव में इस राशि में गोचर कर रहा राहु अशुभ फल करता है। जन्म समय पर मेष, वृश्चिक तथा कुंभ राशि के लिये राहु का प्रवेश स्वर्णपाद से धनु, मीन तथा सिंह राशि के लिये राहु का प्रवेश रजत पाद से, कर्क, तुला तथा कुंभ राशि के लिये राहु का प्रवेश ताम्रपाद से एवं वृष, कन्या तथा मकर राशि के लिये राहु का प्रवेश लौह पाद से होगा। अब विभिन्न राशियों पर राहु के गोचर का प्रभाव बताया जा रहा है।

मेष राशि–आर्थिक लाभ होगा। यात्राओं में व्यस्त रहेंगे। बंधु-बांधवों एवं मित्रों से वाद-विवाद में हानि होगी। वृष राशि-नेत्र विकार से पीड़ित होंगे। आर्थिक हानि होगी। असत्य भाषण की प्रवृति बनेगी। मन में असंतोष रहेगा। मिथुन राशि-अहंकारवश उचित निर्णय लेने में बाधा रहेगी। शारीरिक कष्ट रहेगा। आलस्य में वृद्धि होगी। दुर्बुद्धि हानि का कारण बनेगी। कर्क राशि-व्यय की अधिकता से ऋण ग्रस्त होने की स्थिती बनेगी। आर्थिक दंडयोग होने से अर्थ हानि होगी। अपमानजनक स्थितियों का सामना करना पड़ेगा। मिथ्या अपवाद होंगे। अधिकारियों का कोपभाजन बनेंगे। शासन-सत्ता की हानि होगी। सिंह राशि-भ्रष्टाचारी अधिकारियों की कृपा प्राप्त करेंगे। बंधु-बांधवों से विग्रह विवाद होंगे। बड़े भाई को कष्ट होगा। किसी अनिष्ट का भय रहेगा। कन्या राशि-समाज विरोधी कार्यों में लिप्त रहेंगे। पद-प्रतिष्ठा की हानि होगी। पिता अथवा पितृतुल्य व्यक्तियों से मतभेद होंगे। तुला राशि-महत्वाकांक्षी कार्यों में कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्योन्नति में अड़चनें रहेंगी परन्तु विदेश में भाग्योदय होने का योग है। वृश्चिक राशि-जीवन भय बनेगा। मन अनुचित कार्यों की ओर आकर्षित होगा तथा उससे लाभ भी मिलेगा। मच्छरों के कारण रोग ग्रस्त होंगे। धनु राशि-दाम्पत्य जीवन में मतभेद रहेंगे। सुखों की हानि होगी। यात्राओं में कष्ट होगा। कोर्ट-कचहरी के मामलों में विपरीत परिणाम प्राप्त होंगे। मकर राशि-धन लाभ तथा सुख होगा। रोगों से छुटकारा मिलेगा। विरोध समाप्त होगा। मन ऐडवेंचरस कार्यों की ओर आकर्षित होगा। मातृपक्ष से लाभ रहेगा। कुंभ राशि-मानसिक व्यथा का योग रहेगा। विद्यार्थियों को सफलता के लिये कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। सतांन के प्रति चिंता बढ़ेगी। कार्यकुशलता में कमी आयेगी परन्तु झूठे अभिमान से आनन्दित रहेंगे। भाग्य, आय, धन तथा ऐश्वर्य में अचानक वृद्धि होगी। शेयर मार्केट तथा स्पैकुलेशन से लाभ मिलेगा। मीन राशि-जमीन-जायदाद का साधारण लाभ होगा। मातृ सुख में कमी रहेगी। पैतृक स्थान से दूर होंगे। वाहनादि से कष्ट रहेगा तथा अपव्यय होगा। शासन के विरुद्ध मन में विद्रोह की भावना बनेगी। सम्बन्धियों से कष्ट रहेगा।

धनु राशिस्थ केतु का गोचर फल

दिनांक 23 मार्च 2019 को 16।14 पर केतु का प्रवेश मकर से धनु राशि में हुआ है। वर्ष पर्यन्त (संवत् 2076) में केतु धनु राशि में ही गोचर करते रहेंगे। नक्षत्रचारवश केतु का गोचर पूर्वाषाढ़ा तथा मूल नक्षत्र से होगा। राहु की भांति ही केतु के राशि स्वामित्व, उच्च तथा मूल त्रिकोण राशियों के निर्धारण में अनेक मत हैं। दैवज्ञ मनोहर के मत से धनु केतु की उच्च राशि है। विभिन्न राशि के जातकों पर केतु का प्रभाव निम्नवत् रहेगा।

मेष–मान-सम्मान तथा प्रतिष्ठा की हानि होगी। मित्रगण हानि का कारण बनेंगे। सन्तान के लिये मन में चिंता रहेगी, कष्ट होगा। वृष–स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। रोगों से मुक्ति मिलेगी। आर्थिक लाभ। विदेश यात्रा निरस्त होगी। मिथुन–प्रशासकीय कारणों से हानि होगी। मान-सम्मान तथा प्रतिष्ठा को आंच आयेगी। भाग्योन्नति में बाधा अनुभव होगी। व्यापार में हानि उठायेंगे। कर्क–व्यय पर नियन्त्रण होगा। आंखों की पीड़ा से छुटकारा मिलेगा। विरोध समाप्त रहेगा। सिंह–सन्तान सुख मिलेगा। सन्तान की उन्नति की प्रसन्नता रहेगी। भाग्योन्नति में आ रही बाधायें समाप्त होंगी। कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। कन्या–अचानक भूमि-भवन प्राप्ति का योग बनेगा। विरोधी पराजित होंगे। धार्मिक स्थानों की यात्रायें होंगी। तुला–भाग्योन्नति होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। विरोधी पराजित होंगे। वृश्चिक–अक्समात् धन हानि होगी। व्यय बढ़ेगा। आंखों की पीड़ा से छुटकारा मिलेगा। धनु–मन प्रफुल्लित रहेगा। शरीर रोग मुक्त होगा। आर्थिक हानि का योग। सन्तान के कारण मन व्यथित रहेगा। मान प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें। मकर–नेत्र पीड़ा का योग। सुख-ऐश्वर्य वृद्धि का आनन्द रहेगा। स्थान लाभ होगा। कार्यों में सफलता से मन प्रसन्न रहेगा। कुंभ–कार्यों में सफलता मिलेगी। लाभ होगा। मित्रों का सहयोग रहेगा। मीन–कार्यों में सफलता। मन प्रसन्न रहेगा। प्रशासकीय सहयोग मिलेगा। राजकीय लाभ मिलेगा।

लाभ-खर्च कोष्ठक वि. सं. 2076

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
आय	8	2	8	2	5	8	2	8	5	14	14	5
व्यय	5	14	11	8	5	11	14	5	11	11	11	11

आय-व्यय देखने की विधि–अपनी राशि के आय-व्यय अंकों को जोड़कर उसमें 1 घटा दें, शेष को 8 से भाग करने पर यदि अंक 1 शेष बचे तो लाभ, 2-सुख, 3-चिन्ता, 4-रोग, 5-अपयश, 6-सम्मान, 7-विजय, 8 या 0 बचें तो हानि योग हैं। यह फल सारांश रूप में माना जाता है।

पृष्ठ 21 का शेष

सफलता का योग। व्यवसाय भी अच्छा होगा। पड़ोसी व मित्रों से कुछ विवाद योग बनता है। गौमाता की पूजा 100 दिन करें तो शुभ दायक रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। वाहन क्रय-विक्रय योग। धार्मिक कार्यों में चहल-पहल का लाभ मिलेगा। दिनांक 7, 8, 9, 15, 16, 25, 27 अशुभ दायक रहेंगी। नया कार्य नहीं करें तो अच्छा रहेगा। उधार प्राप्ति योग भी। **जून**–माह में आर्थिक खर्चा ज्यादा होगा। भूमि-भवन, लेन-देन का योग। सुरक्षा संबंधी खर्चा भी बढ़ेगा। कुछ मित्रों से विदेश यात्रा का लाभ भी प्राप्त होगा। शोक-संताप योग भी बनता है। पारिवारिक बाधाओं से छुटकारा प्राप्त होगा। **कृषि** कार्य में शुभ दायक योग। मित्र वर्ग से अच्छी योजना का लाभ प्राप्त होगा। वाहन प्राप्ति का शुभ योग। दाम्पत्य जीवन अच्छा रहेगा। शुभ कार्यों से कीर्ति बढ़ेगी। दिनांक 4, 5, 14, 15, 23, 24, 27 अशुभ दायक हैं। यात्रा इन दिनों नहीं करें। **जुलाई**–माह में व्यापार-धंधा में उन्नति का योग बनेगा। कुछ धार्मिक यात्रा का लाभ प्राप्त होगा। मित्र मण्डली द्वारा रोजगार प्राप्ति का शुभ योग। पारिवारिक कार्यों में शुभ योग। न्यायालय प्रकरण हो तो विजय योग। वैवाहिक योग बनता है। पशुओं के लेन-देन से लाभ होगा। मानसिकता अच्छी रहेगी। संतान प्राप्ति का शुभ योग। देव-दर्शन यात्रा का योग भी। किसी जगह सम्मान, प्रतिष्ठा प्राप्ति का योग बनेगा। दिनांक 3, 4, 11, 12, 13, 22, 23 अशुभ। **अगस्त**–इस माह में यात्राएं ज्यादा होंगी। सामाजिक दायित्व बढ़ेगा। कुछ आर्थिक हानि योग बनेगा। अधिकारी वर्ग से सम्पर्क बढ़ेगा। धंधा, व्यवसाय में परिवर्तन। सरकारी संवार्थ कर्मियों का स्थान परिवर्तन योग। आमोद-प्रमोद का वातवरण बनेगा। गोचर ग्रहों की अनुकूलता से घरेलू कार्यों में वृद्धि एवं लाभ होगा। दिनांक 7, 8, 9, 15, 16, 17, 24, 26 अशुभ दायक रहेंगी। अधूरे पड़े कार्य में गति बढ़ेगी, लाभ होगा। **सितंबर**–इस माह में राजकीय कार्यों में शुभ लाभ प्राप्ति का योग। नौकरी का शुभ योग। भागदौड़ ज्यादा रहेगी। पितृ-पूजन, देव-पूजन, सत्संग जैसा शुभ कार्यों का योग। वाहन संचालन में सावधानी बरतें। गोचर ग्रहों के योग से सामाजिक दायित्वों में वृद्धि का योग बनेगा

सफलता मिलेगी। वाहन क्रय का शुभ योग। माता-पिता के स्वास्थ्य में गड़बड़ी का योग बनता है। पदोन्नति का योग भी। दिनांक 5, 13, 14, 22, 23, 27 अशुभ दायक रहेंगी। धार्मिक कार्यों में भागदौड़ चलेगी। गणेशोपासना करें। **अक्टूबर**–माह में स्वास्थ्य प्रतिकूल योग बनता है। धार्मिक यात्रा का योग। सृजनात्मक, रचनात्मक गति से कुछ आर्थिक लाभ होगा। पशुओं का क्रय-विक्रय शुभ दायक बनेगा। कल्पना शक्ति का लाभ भी कार्य गति में लाभ दायक योग बनेगा। शुक्र+बुध के प्रभाव प्रेम-प्रसंग, शुभ-विवाह न्यायालय द्वारा बनेगा। भूमि-भवन प्राप्ति का योग। शनि+मंगल कुछ विवाद भी करेंगे, विजय होगी। दिनांक 4, 5, 11, 14, 17, 22, 24 अशुभ दायक रहेंगी। जन सम्पर्क बढ़ेगा। लाभ होगा। **नवंबर**–माह में खर्चा अधिक होगा। मित्र वर्ग से विवाद होने का योग बनता है। चोर/दुर्घटना से बचें। सावधानी रखें। व्यापार, धंधा, नौकरी में भी चिन्ता दायक योग। समयानुसार आप इस में शिवोपासना करें तो शुभ रहेगा। राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी। वाहन क्रय-विक्रय का योग बनेगा। मांगलिक खर्चा भी आयेगा। भूमि-भवन क्रय-विक्र का योग बनेगा। दिनांक 6, 9, 14, 20, 24, 27 अशुभदायक रहेंगी। **दिसंबर**–माह में शुभ कार्यों की गति बढ़ेगी। काफी स्थानों की यात्राएं होंगी। जन सम्पर्क बढ़ेगा। व्यवसाय में मित्र वर्ग मदद करेंगे। सामाजिक दायित्व बढ़ेंगे। मशीनरी **क्रय योग बनेगा। पशुओं से सावधान। मगल+शुक्र के कारण देश-विदेश यात्रा भी होने का योग। राजनीति में भी भागदौड़ करें तो लाभ प्राप्ति का योग। वाहन क्रय तथा संतान प्राप्ति का शुभ योग बनता है।** दिनांक 2, 4, 8, 14, 22, 24, 26 **अशुभ कारक रहेंगी। जनवरी 2020–इस माह में आर्थिक योग अच्छा बनेगा। सेवा कर्मियों की** शुभ पदोन्नति तथा वेतन प्राप्ति का शुभ योग बनता है। स्मृति एवं मनोबल बढ़ेगा। कोई मित्र मण्डली के सहयोग से योजनाबद्ध कार्य में लाभ होगा। पारिवारिक कार्यों में शुभ दायक योग बनेंगे। मांगलिक कार्य बनेंगे। सामाजिक दायित्व बढ़ेंगे। स्त्री वर्ग से विशेष लाभ प्राप्त होगा। समाज सेवा कार्य का शुभ योग बनेगा। राजकीय गतिविधियों

27 अशुभ दायक। सावधानी से कार्य करें तो शुभ रहेगा। **फरवरी**–इस माह में पुराने अधूरे कार्यों में सफलता का शुभ योग बनेगा। उधार प्रदत्त राशि की प्राप्ति का योग बनता है। भवन निर्माण एवं भूमि क्रय का योग भी। आर्थिक दृष्टि से माह शुभ रहेगा। नौकर वर्ग के लिए स्थान परिवर्तन या अतिरिक्त भार का योग बनता है। मित्र वर्ग अच्छी मदद करेंगे। दिनांक 5, 10, 15, 25, 28 अशुभ दायक रहेंगी। **मार्च**–इस माह में साधना योग, पूजा कार्य का लाभ प्राप्त होगा। मांगलिक कार्यक्रम, गृह निर्माण, नवीन दुकान का योग बनता है। इच्छित स्थान पर परिवर्तन योग बनेगा। आपको मित्र वर्ग तीर्थाटन करायेंगे। धार्मिक यात्रा भी। कुटुम्ब में नये सदस्य का आगमन योग। कुलमाता की उपासना करें शुभ लाभ होगा। दिनांक 3, 9, 15, 21, 27 अशुभ दायक रहेंगी। लम्बी यात्रा नहीं करें तो शुभ रहेगा।

मिथुन-क, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह

मिथुन

स्वामी-बुध　　नग-पन्ना　　शुभ

अप्रैल 2019–इस माह में कम्प्यूटर शिक्षा, तकनीकी शिक्षा का लाभ प्राप्त होगा। सुरक्षा संबंधी कार्य पर नियंत्रण रखना होगा। मांगलिक कार्यों के सम्पादन से शुभयोग बनेगा। प्रत्येक कार्य की गति में अच्छी सफलता का योग। विशेष सज्जनों का निर्देशन भी प्राप्त होगा। नौकरी-पेशा कर्मियों को प्रशासनिक बाधाएं रहेंगी। भूमि-भवन संबंधी लेन-देन में लाभ भी होगा। नवीन भवन निर्माण का योग भी बनता है। संतान पक्ष से कुछ चिन्ता रहेगी। दिनांक 3, 4, 11, 12, 20, 21, 30 अशुभ दायक। **मई**–इस माह में पारिवारिक कार्यों में वृद्धि होगी। मांगलिक खर्च आयेगा। दाम्पत्य जीवन में माधुर्य भाव बने रहेंगे। आर्थिक लाभ भी होगा। विदेश यात्रा व्यवसाय के लिए

की उपासना; महादान-पुण्य करें, तो शुभ होगा। संकट के समय कुलदेवी की पूजा करें, तो शुभ होगा। गुरुजनों का आशिर्वाद प्राप्त होगा। सत्संग करने जैसा योग भी बनता है। दिनांक 4, 5, 15, 20, 23, 28, 29 अशुभ दायक हैं। घरेलू कार्यों में वृद्धि होगी। **जून**–इस माह में भ्रमण ज्यादा होंगे। सम्पर्क सूत्र बढ़ेगा। कुछ शुभ कार्यों की प्रक्रिया में व्यस्त रहेंगे। आर्थिक स्थिति अच्छी होगी। नवीन व्यापार व धंधा का योग। साझेदारी कार्यों का योग बनेगा। नौकरी-पेशा कर्मियों का स्थान परिवर्तन योग बनेगा। आत्म विश्वास बढ़ेगा। पदोन्नति का योग भी। पशुओं के लेन-देन में भी लाभ दायक योग। व्यक्तिगत सम्पर्क बढ़ेगा। संतान प्राप्ति योग। अविवाहितों का शुभ विवाह योग। मित्र वर्ग से कुछ नवीन कार्य का लाभ मिलेगा। दिनांक 2, 6, 9, 11, 15, 17, 21, 24 अशुभ। **जुलाई**–इस माह में आर्थिक लाभ अच्छा होगा। धंधा में मित्र लोग मदद करेंगे। स्वास्थ्य में कुछ गड़बड़ी व चोट का योग बनेगा। तर्क-वितर्क से बचें तो शुभ। माता का स्वास्थ्य गड़बड़। लम्बी यात्रा नहीं करें। खान-खदान के कार्य में कुछ परेशानी रहेगी। सीमेन्ट व्यापार में लाभ। रुके हुए कार्यों की गति में परिवर्तन। लाभ होगा। उपाय-मां दुर्गा की पूजा करें। दिनांक 3, 10, 11, 15, 17, 20, 22, 27, 28 अशुभ हैं। **अगस्त**–माह में आत्म विश्वास बढ़ेगा। सिर दर्द का योग। कुछ कार्यों में बाधाएं आयेंगी। श्री हनुमान जी की उपासना करें तथा भोग-प्रसाद चढ़ायें। पत्नी के स्वास्थ्य में कुछ गड़बड़ होने का योग। मानसिक रोग का प्रभाव बढ़ेगा। प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता मिलेगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। योजना का लाभ प्राप्त होगा। राजनैतिक कार्यों में गति बढ़ेगी। लाभ भी होगा। रोजगार प्राप्ति का शुभ योग बनेगा। स्त्री वर्ग से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। दिनांक 5, 8, 13, 15, 22, 27, 28 अशुभ दायक हैं। **सितंबर**–माह में आर्थिक लाभ प्राप्ति का कार्य होगा। आमोद-प्रमोद कार्यों में धन खर्च होगा। परिवार में खर्च का योग। राजकीय कर्मियों के लिए सत्ता परिवर्तन का योग। भूमि-भवन का लेन-देन भी बनता है। साज-सज्जा सामग्री क्रय-विक्रय से शुभ लाभ। संतान प्राप्ति एवं पत्नी

मिलेगा। भूमि-भवन लेन-देन का व्यवसाय करें तो लाभ होगा। न्यायालय संबंधी प्रकरण हो तो हार का योग बनता है। संकट में श्री गणेशोपासना का लाभ प्राप्त करें। दिनांक 2, 5, 9, 12, 17, 24, 28, 30 अशुभ रहेंगी। भ्रमण ज्यादा होगा। **अक्टूबर**–इस माह में कार्यों में वृद्धि होगी। नौकरी-पेशा का योग बनता है। न्यायालय संबंधी विवाद से मुक्ति का योग है। गोचर में ग्रह अनुकूलता से अधूरे कार्यों में सफलता योग बनेगा। मांगलिक कार्यों का योग ज्यादा होगा। व्यापार में परिवर्तन का योग। शुभ तीर्थाटन का योग रहेगा। ननिहाल पक्ष से अच्छा लाभ मिलेगा। दक्षिण भारत या पूर्वी भारत की यात्रा का योग बनता है। व्यापारिक क्षेत्र में अच्छी गति बढ़ेगी। उद्योग स्थापना योग बनता है। दिनांक 3, 10, 15, 19, 24, 27, 31 अशुभ हैं। **नवंबर**–माह में आमदनी अच्छी होगी। कृषि कार्यों में भी शुभ योग। गेहूं, चना, सरसों, रायरा पैदावार में लाभ होगा। साझेदारी कार्य में भी लाभ होगा। कृषि संबंधी सामग्री क्रय-विक्रय का योग। मित्र वर्ग का सहयोग मिलेगा। ट्रक-ट्रेक्टर मशीनरी क्रय का योग। उच्च वर्ग के लोगों से लाभ प्राप्त होगा। नये स्थान का चयन एवं व्यवसाय में शुभता योग है। यज्ञ-पूजा का योग। श्रीहनुमान जी की उपासना, मंगलवार का व्रत करें तो शुभ होगा। दिनांक 6, 15, 22, 27, 30 अशुभ दायक रहेंगी। आवश्यकता के अनुरूप कार्यों का लाभ अच्छा होगा। **दिसंबर**–माह के शुभारंभ में मांगलिक खर्चा होगा। काफी स्थानों की यात्रा भी होगी। व्यक्तिगत सम्पर्क बढ़ेगा। स्त्री वर्ग का विशेष सहयोग प्राप्त होगा। वाहन क्रय-विक्रय का योग बनेगा। संतान का भाग्योदय, शिक्षा में सफलता का योग। देश-विदेश यात्रा तथा साझेदारी में उद्योग स्थापना का योग। भूमि-भवन क्रय-विक्रय का योग। वैवाहिक योग्य जातकों का शुभ विवाह योग। दिनांक 4, 10, 15, 19, 24, 28 अशुभ दायक रहेंगी। घरेलू कार्यों का दायित्व ज्यादा बढ़ेगा। सामाजिक सेवा का लाभ भी मिलेगा। **जनवरी 2020**–इस माह में आवश्यकता के अनुरूप कार्य गति बढ़ेगी। आर्थिक दृष्टि से लाभ भी होगा। परिवार में नया सदस्य का आगमन योग। भूमि-भवन लेन-देन योग भी। सेवारत कर्मियों का स्थान परिवर्तन योग या पदोन्नति का लाभ मिलेगा। स्त्री को पीड़ा योग। चोरी का योग भी बनता है। दिनांक 2, 8, 10, 20, 24, 27 अशुभ दायक। मित्र वर्ग धोखा कर सकते हैं। **फरवरी**–इस माह में कार्य प्राप्ति के लिए भागदौड़ ज्यादा रहेगी। मानसिक स्थिति चिन्तित रहेगी। शरीर में पीड़ा रोग बाधा भी रहेगी। नया कार्य के लिए मित्र वर्ग अच्छी मदद करेंगे। भवन निर्माण या भूमि क्रय का शुभारंभ बनेगा। संतान को रोग बाधा। श्रीहनुमान चालीसा का 108 पाठ करें तो शुभ होगा। पत्नी के द्वारा योगदान प्राप्त होगा। दिनांक 2, 8, 14, 22, 24, 28 अशुभ दायक। लम्बी यात्रा नहीं करें। **मार्च**–माह में सामाजिक दायित्व बढ़ेगा। कुछ विवाद से बचें। सरकारी सेवा का योग। कृषि कार्य अच्छा रहेगा। स्थान परिवर्तन तथा देश-विदेश की यात्राएं भी निजी या सरकारी योग से बनेगी। वाहन संचालन या वाहन क्रय का शुभ योग बनता है। वैवाहिक खर्चा का शुभ योग बनेगा। प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता योग। कुछ मित्र वर्ग मदद करेंगे। दिनांक 1, 6, 10, 15, 19, 22, 24 अशुभ दायक रहेंगी।

कर्क-ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

स्वामी-चन्द्र   नग-मोती   शुभ

अप्रैल 2019–इस माह में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। राजकीय योजनाओं का लाभ मिलेगा। कार्यालय में कार्य गति बढ़ेगी। आवास निर्माण का शुभ योग। सरकारी नौकरी प्राप्ति का योग। सामान्य बीमारी से कुछ अशान्ति बन सकती है। विदेश यात्रा का योग भी। मनोबल अच्छा रहेगा। मित्र वर्ग की ओर से शुभ सूचना प्राप्त होगी। रोजगार बढ़ेगा। मांगलिक खर्चा होगा। दिनांक 4, 8, 16, 20, 27, 28 अशुभ रहेंगी। **मई**–इस माह में स्वास्थ्य की दृष्टि से बेचैनी रहेगी। कुछ स्थानों में आर्थिक लाभ प्राप्ति का योग। व्यवसाय शुभ दायक चलेगा। साझेदारी का लाभ भी मिलेगा। मांगलिक कार्य का शुभ योग। नवीन धंधा, व्यापार, उद्योग का योग भी। वाहन प्राप्ति योग बनेगा। राष्ट्रीय योजना में भागीदार योग बनेगा। स्त्री वर्ग द्वारा सहयोग प्राप्त होगा। दिनांक 4, 8, 12, 16, 22, 28 अशुभ दायक। **जून**–इस माह में स्वास्थ्य में कुछ गड़बड़ी रहेगी। आर्थिक स्थिति कमजोर। पारिवारिक कार्यों की गति बढ़ेगी। किसी जोखिम संबंधी कार्य में चिन्ता दायक योग बनेगा। राजकीय सेवा योग का लाभ बनेगा। राजनैतिक लाभ प्राप्ति का योग बनता है। संतान प्राप्ति का शुभ योग बनेगा। चौपाया, दुधारू पशुओं के लेन-देन में लाभ होगा। अनावश्यक यात्राएं भी करनी पड़ेंगी। कृषक वर्ग को शुभ दायक योग। श्रीमहाकालेश्वर की उपासना करें तो शुभ रहेगा। दिनांक 3, 10, 14, 17, 24, 27 अशुभ दायक रहेंगी। **जुलाई**–इस माह में सामाजिक कार्यों के लिए भागदौड़ चलेगी। देव-प्रसादी, सत्संग का शुभ आयोजन करना तथा मांगलिक कार्यों में खर्चा होगा। नया सदस्य का आगमन होगा। भवन-निर्माण संबंधी कार्य का योग बनता है। चिकित्सा सेवा का लाभ प्राप्त होगा। सामुद्रिक यात्रा में लाभ मिलेगा। माता दुर्गा की साधना से शुभ लाभ होगा। दिनांक 6, 9, 14, 18, 24, 28 अशुभ दायक हैं। **अगस्त**–इस माह में अधूरे कार्य पूर्ण होने का योग है। मांगलिक कार्य एवं उधार प्रदत्त राशि प्राप्ति का योग बनता है। जोखिम पूर्ण कार्य में भागदौड़ रहेगी। कहीं पर तर्क-वितर्क से झगड़ा का योग बनेगा। नये कार्य में स्त्री वर्ग का सहयोग प्राप्त होगा। वाहन क्रय-विक्रय का शुभ योग बनता है। श्रीगणेशोपासना करें तो कार्य अच्छा होगा। दिनांक 4, 5, 6, 13, 14, 15, 22, 23, 24 अशुभ दायक रहेंगी। वाहन चलाते वक्त भी सावधानी रखें तो शुभ रहेगा। विदेश यात्रा का योग भी बनता है। **सितंबर**–माह में राजकीय कार्यों में लाभ मिलेगा। जातकों का नौकरी योग बनता है। कार्य की गति योजना बद्ध चलेगी। केन्द्रीय सरकार से भी कुछ लाभ या सेवा योग बनेगा। सकारात्मक धारणाओं का शुभ योग रहेगा। विदेशगमन एवं सेवा योग बनता है। पशुओं का लेन-देन शुभ होगा। श्रीहनुमान जी की उपासना से अपूर्ण कार्य में पूर्णता आयेगी। दिनांक 1, 2, 10, 11, 12, 19, 20, 21 अशुभ दायक रहेंगी। **अक्टूबर**–इस माह में सामाजिक कारोबार बढ़ेगा। पारिवारिक कार्यों की गति बढ़ेगी। स्त्री वर्ग को रोग बाधा, प्रसव पीड़ा का योग बनता है। लेन-देन के मामलों में विवाद से बचें। उदासीनता एवं लापरवाही से बचें। न्यायालय संबंधी प्रकरण से विजय योग। पारिवारिक अनबन का योग। चोट या चोरी का योग भी बनता है। दिनांक 7, 8, 9, 17, 18, 19, 24, 25, 26 अशुभ दायक हैं। **नवंबर**–माह में व्यवसायिक संकट का योग बनता है। मित्र वर्ग काफी सहयोग करेंगे। कुटुम्ब जनों से हानि कारक योग बनेगा। गाय की सेवा करें तो शुभ लाभ होगा। चिकित्सालय का सहयोग प्राप्त होगा। सामाजिक दायित्व बढ़ेंगे। भवन निर्माण संबंधी कार्य का लाभ होगा। सरकारी सेवा योग्य जातकों को लाभ प्राप्ति। चल-अचल सम्पत्ति का शुभ लाभ प्राप्त होगा। दिनांक 4, 5, 6, 13, 14, 19, 20, 21 अशुभ दायक। **दिसंबर**–माह में परिवार में वैवाहिक मांगलिक कार्यक्रमों में भागदौड़ चलेगी। पड़ोसियों के कार्य का भार भी बढ़ेगा। विदेशी कम्पनी का निमंत्रण या कार्यक्रम में लाभ मिलेगा। पत्नी को उदर-पीड़ा योग। संतान को कष्ट होगा। धार्मिक कार्यक्रम कथा, उत्सव, सत्संग का शुभ योग भी बनता है। प्रतियोगी परीक्षा में विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। मनोरंजन का योग भी बनता है। दिनांक 7, 8, 9, 17, 18, 19, 24, 25, 26 अशुभ हैं। **जनवरी 2020**–धंधा में वृद्धि का शुभ योग बनेगा। मांगलिक कार्यों में खर्चा ज्यादा होने का योग। पदोन्नति या स्थान परिवर्तन योग सरकारी कर्मियों को बनता है। दान-पुण्य करें तो शुभ रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। नये कार्य में मित्र वर्ग मदद करेंगे। कोर्ट-कचहरी विवाद से जेल जाने का योग बनता है। रोजगार का शुभ लाभ बनेगा। पारिवारिक विवाद से बचें। दिनांक 1, 3, 14, 15, 23, 24, 25 अशुभ कारक हैं। शत्रु

पक्ष से सावधान रहें। **फरवरी**–माह में यात्राएं ज्यादा होंगी। प्रतियोगी परीक्षा में शुभदायक योग बनते हैं। प्रसव पीड़ा का योग स्त्रीवर्ग को बनता है। नये कार्य में मित्र वर्ग काफी सहयोग करेंगे। पशुओं के लेन-देन, भूमि-भवन, वाहन व्यापार का योग बनता है। कुलमाता की पूजा से भाग्योदय होगा। दिनांक 5, 6, 7, 14, 15, 23, 24, 25 अशुभ दायक हैं। **मार्च**–माह में राजकीय सेवा का योग। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। कार्य क्षमता बढ़ेगी। राजनीति क्षेत्र में भी वर्चस्व बढ़ेगा। जन सहयोग से कोई शुभ कार्य होगा। गौशाला में पूजा करें तो श्रेष्ठ रहेगा। कुछ स्थानों पर मान-सम्मान प्राप्ति का योग बनता है। राजकीय सेवारत कर्मियों का स्थान परिवर्तन योग। खेल-कूद में पुरस्कार मिलेगा। दिनांक 4, 5, 9, 10, 11, 20, 22, 24 अशुभ रहेंगी।

सिंह-टा, टी, टू, टे, मा, मी, मू, मे, मो

सिंह

स्वामी-सूर्य नग-माणिक शुभ

अप्रैल 2019–इस माह में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होने का शुभ योग बनता है। नई संस्था की स्थापना का योग बनता है। नये व्यवसाय में साझेदारी का योग बनता है। अधूरे कार्यों की पुनरावृत्ति एवं सम्पन्नता का योग। नौकरी-पेशा का शुभावसर बनेगा। भूमि-भवन लेन-देन का शुभ योग मित्रों के सहयोग से बनेगा। प्रतियोगिता परीक्षा में भी सफलता मिलेगी। आमोद-प्रमोद, मनोरंजन का योग बनेगा। दिनांक 1, 7, 9, 10, 14, 15, 22, 23, 27, 28 अशुभ दायक। **मई**–इस माह में आर्थिक लाभ अच्छा रहेगा। राजकीय कार्यों में काफी लाभ प्राप्त होगा। सरकारी नौकरी या पदोन्नति का योग। पुत्र प्राप्ति का योग भी। सामाजिक दायित्व बढ़ेगा। नया भवन निर्माण का शुभ योग। स्त्री वर्ग को विशेष आर्थिक लाभ। मांगलिक कार्य होंगे। मित्र वर्ग यात्रा का लाभ भी करायेंगे। पशुओं और वाहनों

से सावधान रहें। दिनांक 6, 7, 8, 13, 14, 27, 28 अशुभ दायक हैं। **जून**–इस माह में स्वास्थ्य में गड़बड़ी का योग। चोट या बीमारी का योग भी। राहु-केतु ग्रहों की पूजा, साधना, दान-पुण्य करें तो शुभ। असहायों को यथा योग्य फल-भोजन देना भी शुभकारक रहेगा। स्त्री वर्ग से शुभ सूचना प्राप्त होगी। आर्थिक लाभ मिलेगा। सामाजिक कार्यों में भागदौड़ बढ़ेगी। मित्र वर्ग व्यवसाय-धंधा में सहयोग करेंगे। घोड़ा, हाथी, ऊंट की सवारी नहीं करें तो शुभ। दिनांक 1, 7, 8, 9, 13, 14, 22, 26, 27, 28 अशुभ हैं। इन दिनों लम्बी यात्रा नहीं करें। **जुलाई**–माह में नया धंधा का शुभ योग बनेगा। राजपक्ष से नई सूचनाओं का लाभ मिलेगा। मां दुर्गा की पूजा से वांछित कार्य में सफलता शीघ्र मिलेगी। भाई-बन्धु, स्त्री वर्ग एवं पत्नी का शुभ सहयोग मिलेगा। देश-विदेश यात्रा का शुभ योग बनेगा। अधूरे कार्य की पूर्ति का शुभ योग। दिनांक 8, 9, 17, 18, 25, 26, 30, 31 अशुभ हैं। **अगस्त**–इस माह में सामाजिक सेवा का लाभ मिलेगा। परिवार में नये कार्यों, नयी योजना व नये धंधा का योग। कुछ मित्रों द्वारा शुभ समाचारों की प्राप्ति भी होगी। कृषक वर्ग को अच्छा लाभ का योग। मित्रों के सहयोग से सोचा गया कार्य का लाभ प्राप्त होगा। किसी स्थान विशेष की सेवा का लाभ भी मिलेगा। गरीबों को वस्त्र दान करें तो शुभदायक होगा। दिनांक 7, 8, 18, 19, 23, 24, 27, 28 अशुभ दायक हैं। **सितंबर**–इस माह में रुके हुए कार्य पुनः प्रारंभ होंगे। नये स्थान पर मान-सम्मान की प्राप्ति। जीवन साथी की ओर से काफी लाभदायक कार्यों का योग। नौकरी तथा धंधा में बड़े अधिकारी एवं प्रेरणादायी पुरुषों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का योग बनेगा। वैवाहिक योग्य जातकों का संबंध योग। भूमि-भवन प्राप्ति का योग भी मित्रों के सहयोग से बनेगा। दिनांक 3, 6, 10, 12, 17, 18, 22, 25 अशुभ दायक हैं। **अक्टूबर**–इस माह में राजनैतिक कार्यों में लाभ मिलेगा। सरकारी सेवा, उद्योग स्थापना योग बनता है। विद्यार्थी वर्ग को विशेष पुरस्कार प्राप्ति योग भी बनता है। नये व्यवसाय योग ... नौकरी कार्य में लाभ

मिलेगा। मन की शंका का निवारण मित्रों के माध्यम से होगा। विदेश यात्रा का शुभ योग भी। भूमि-भवन, प्लॉट क्रय-विक्रय का धंधा भी चलेगा। दिनांक 1, 6, 8, 14, 15, 20, 22, 24 अशुभ हैं। सावधानी बरतें। **नवंबर**–इस माह में मित्र वर्ग अच्छी मदद करेंगे। कृषि कार्य खाद्यान्न लेन-देन में भी लाभ प्राप्त होगा। स्थान परिवर्तन योग नौकरी वालों को होगा। पड़ोसियों के सहयोग से कार्य योजना बनेगी, लाभ मिलेगा। वाद-विवाद से बचें। वाहन क्रय-विक्रय में भी लाभ होगा। जीवन साथी के ओर से शुभ सूचना प्राप्त होगी। धार्मिक कार्य-सत्संग, शुभ यात्रा तथा मन्दिर निर्माण संबंधी कार्य का शुभ योग बनेगा। दिनांक 2, 6, 9, 14, 17, 20, 24, 29 अशुभ दायक। **दिसंबर**–इस माह में पारिवारिक कार्यों की गति ठीक होगी। व्यवसाय का शुभ योग बनेगा। सामाजिक कार्यों का दायित्व बढ़ेगा। अचानक शुभ यात्र का योग। कुलमाता की प्रसादी का कार्यक्रम हवन सहित करायें तो शुभ होगा। कार्य में स्त्री वर्ग का सहयोग मिलेगा। वाहन क्रय-विक्रय का शुभ योग बनेगा। आर्थिक दृष्टि से माह उत्तम रहेगा। विद्यार्थियों के लिए माह में भागदौड़ ज्यादा रहेगी। कृषि योग्य कार्यों के प्रति रुचि बढ़ेगी। गाय की सेवा करें तो बाधाएं हटेंगी। दिनांक 5, 8, 13, 17, 22, 24, 27 अशुभ दायक। **जनवरी 2020**–माह में सामाजिक चेतना के कार्य में हाथ बटायेंगे। आर्थिक लाभ भी अच्छा होगा। सरकारी कर्मियों का स्थान परिवर्तन योग बनता है। कहीं पर धोखा होने का योग। चोरी का आरोप भी लग सकता है। उपाय-श्रीहनुमान जी की उपासना महीने भर करें। गायों को गुड़ भी खिलायें। साझेदारी कार्यों में प्रगति होगी। मित्रों के सहयोग से अपूर्ण कार्य पूर्ण होंगे। लम्बी यात्रा नहीं करें तो ठीक रहेगा। व्यापारी वर्ग में कुछ अशांति रहेगी। श्रीगणेश जी की पूजा-व्रत-साधना करें तो शुभ होगा। दिनांक 1, 4, 9, 15, 17, 20, 22 अशुभ हैं। **फरवरी**–इस माह में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। कुछ स्थानों पर मान-सम्मान में बाधा या गड़बड़ी का योग। राजकीय सहयोग अच्छा रहेगा। मन की शंका का निवारण मित्रों द्वारा होगा।

अनावश्यक खर्चा व यात्रा योग भी। चलते धंधें में अच्छी प्रगति का योग बनता है। संतान का भाग्योदय या संतान प्राप्ति का योग बनता है। दिनांक 1, 6, 10, 16, 19, 24, 27 अशुभ दायक। **मार्च**–माह में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। राज्य अधिकारियों से सम्पर्क बढ़ेगा। मनोबल अच्छा रहेगा। किसी प्रियजन के वियोग से मन में अशांति रहेगी। स्त्री वर्ग द्वारा बताया गया परामर्श काफी लाभदायक रहेगा। सभी समस्याओं का निवारण मित्रों के सहयोग से होगा। राजकीय योजनाओं का लाभ मिलेगा। नौकरी-पेशा वालों को परेशानियां बढ़ेंगी। कहीं पर अचानक विवाद-झगड़ा योग बनता है। दिनांक 3, 7, 10, 14, 20, 24, 27 अशुभ दायक हैं।

कन्या-टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

कन्या

स्वामी-बुध नग-पन्ना शुभ

अप्रैल 2019–इस माह काफी नया सम्पर्क बढ़ेगा। शुभ साधना योग भी। राजनैतिक दृष्टिकोण का शुभ योग बनेगा। मित्र वर्ग से शुभ समाचारों की प्राप्ति का योग बनेगा। राजकीय सेवा का पदोन्नति योग बनेगा। विवाह योग्य जातकों का शुभ विवाह योग भी। जीवन में उत्साह जनक कार्य बनेगा। नये कार्य-धंधे की योजना बनेगी। क्रियान्विति से लाभ भी होगा। ईष्ट मित्रगण शुभ सहयोग देंगे। श्रीदुर्गा उपासना करें तो शुभ। दिनांक 7, 8, 14, 19, 25, 26 अशुभ दायक। **मई**–इस माह में विद्या योग में शुभ सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन में कुछ नवीन कार्य की नोक-झांक बनेगी। राजकीय सेवा में भी बाधा योग। अपराधिक योग का पर्दाफाश होने का योग। राजनैतिक क्षेत्र से बचाव बनेगा। न्यायालय में विजय मिलेगी। धार्मिक स्थानों का दर्शन योग बनेगा। परिवार में सुखदायी वातावरण बनाने के लिए भी सुन्दरकाण्ड का पाठ एवं हनुमानोपासना करें। दिनांक 4, 9, 16, 23, 24, 28 अशुभ दायक। जून–इस माह

में धार्मिक यात्राओं का लाभ मिलेगा। कार्य की | अनुकूल बनने ... | अवसर प्राप्त होगा। अधूरे कार्यों में पूर्ति की गति

में धार्मिक यात्राओं का लाभ मिलेगा। कार्य की गति बढ़ेगी। कुछ स्थानों पर मान-सम्मान भी होगा। विद्यार्थियों में शुभ सफलता योग बनेगा। पारिवारिक गतिविधियों के प्रभाव से कार्यों में शुभ सफलता योग बनेगा। राजसेवा योग भी बनेगा। मित्र वर्ग से वाहन क्रय का प्रोत्साहन मिलेगा। स्त्री पक्ष द्वारा भाग्योदय का सहयोग मिलेगा। कार्यों में वृद्धि से व्यस्तता अधिक रहेगी। नये कार्यों में मित्र सहयोग करेंगे। दिनांक 7, 12, 18, 24, 27, 29 अशुभ दायक। **जुलाई**–माह में नौकरी-पेशा, धंधा का शुभ योग बनेगा। अर्थ प्राप्ति का भी शुभ योग। विद्या लाभ भी होगा। कार्यों में वृद्धि होगी। मित्र वर्ग का अच्छा सहयोग प्राप्त होगा। उत्साहवर्द्धक कार्य की भूमिका मिलेगी। प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता का योग बनेगा। धार्मिक कार्यों में भी भागदौड़ चलेगी। राजकीय सेवा का शुभ योग बनेगा। वाहन से सावधान। कुछ स्थानों पर मान-सम्मान की प्राप्ति। शिवोपासना करें तो शुभ दायक रहेगा। पारिवारिक सेवा से कीर्ति योग बनेगा। दिनांक 9, 14, 19, 23, 28, 29 अशुभ दायक। **अगस्त**–पिछले माह के अधूरे कार्यों की पूर्ति होगी। वाहन क्रय-विक्रय का योग बनता है। राजकीय सम्मान प्राप्ति का योग बनता है। आर्थिक लाभ का कार्य होगा। भवन निर्माण संबंधी योग बनेगा। मित्र वर्ग से नये व्यवसाय की प्रेरणा मिलेगी। स्त्री पक्ष से भाग्योदय की प्रेरणा मिलेगी। तीर्थाटन जाने का योग बनता है। गौ सेवा करें तो नवीन कार्य में अच्छी सफलता का योग बनेगा। माता-पिता का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़। दिनांक 7, 12, 19, 24, 27, 30 अशुभ दायक हैं। **सितंबर**–सामाजिक क्षेत्र में शुभ कार्यों में भाग लेने का योग। नौकरी-पेशा वालों का स्थान परिवर्तन का योग बनता है। कम्पनी या नये उद्योग धंधे का भी शुभ योग बनता है। पदोन्नति सेवा योग। नये मित्रों द्वारा सम्मान प्राप्ति का शुभ योग बनता है। कठिन परिश्रम का लाभ भी श्रेष्ठ मिलेगा। रचनात्मक लेखन कार्य का शुभ योग बनेगा। कठिन कार्य से सफलता भी। दिनांक 2, 5, 6, 12, 13, 17, 18 अशुभ हैं। **अक्टूबर**–इस माह में स्त्रियों द्वारा शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। कुछ विवाद जन्य मामलों से मन उदास होने का योग बनेगा। पुराने उलझे कार्यों की गति अनुकूल बनने का योग बनता है। जटिल कार्य भी मित्रों के सहयोग से पूर्ण होगा। स्त्री पक्ष से कुछ अमानवीयता का योग बन सकता है। सावधान रहें। मित्रों द्वारा बचाव भी होगा। धार्मिक कार्यक्रमों में भी सहभागिता निभायेंगे। स्थानीय लोग कुछ अपमान जनक बातें करेंगे। दिनांक 4, 8, 15, 19, 24, 25, 27 अशुभ दायक हैं। **नवंबर**–इस माह में रोजगार में वृद्धि होगी। नया कार्य लाभ भी बनेगा। पारिवारिक कार्यों में भागदौड़ ज्यादा रहेगी। धार्मिक आयोजनों में भाग लेने में व्यस्त रहेंगे। सामाजिक सेवा का लाभ मिलेगा। पुराने कार्यों की पुनरावृत्ति होगी। सुधार भी होगा। विवाह योग्य जातकों का विवाह होगा। जटिल कार्य में मित्र वर्ग मदद करेंगे। संतान प्राप्ति का योग। परिवार में मांगलिक कार्य में खर्चा का योग। कुछ विवादों का छुटकारा स्वयं द्वारा हो जायेगा। दिनांक 4, 5, 6, 14, 15, 22, 23, 24 अशुभ हैं। **दिसंबर**–माह में नया कार्य स्त्री के परामर्श से बनेगा। लाभ भी होगा। अनावश्यक खर्चा भी चलते-फिरते होगा। सामाजिक सेवा वैवाहिक कार्य या आध्यात्मिक कार्य में भागदौड़ रहेगी। यंत्र-तंत्र-मंत्र जैसी साधना का योग बनेगा। मानसिक स्थिति में सुधार का शुभ योग बनेगा। वाहन क्रय-विक्रय का योग बनेगा। गायत्री मंत्र की साधना से अच्छा लाभ होगा। मित्र वर्ग शुभ यात्रा में मदद करेंगे। कुछ चिन्ता भी रहेगी। दिनांक 7, 8, 9, 15, 16, 17, 22, 23, 26, 28, 29 अशुभ दायक। **जनवरी 2020**–इस माह में शुभ समाचार प्राप्ति का योग बनेगा। भवन निर्माण जैसा शुभ कार्य होगा। शत्रु भी मित्रवत् व्यवहार करेंगे। ईश्वर कृपा का शुभ योग रहेगा। राजनैतिक लाभ भी प्राप्त होगा। न्यायालय संबंधी प्रकरण हो तो विजय का योग। मित्र वर्ग वाहन प्राप्ति में मदद करेंगे। व्यर्थ भागदौड़ से बचें। शैक्षिक स्तर में शुभ सफलता का योग बनेगा। व्यापारिक गति बढ़ेगी। हवाई यात्रा का शुभ योग बनता है। देश-विदेश में भ्रमण का योग बनता है। दिनांक 4, 7, 12, 16, 17, 19, 24, 27 अशुभ दायक हैं। **फरवरी**–माह में राजकीय सेवा का शुभ योग बनता है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। सामाजिक सेवा का कार्य बढ़ेगा। कुटुम्ब जनों में मांगलिक कार्यों में काफी भागदौड़ चलेगी। स्वाध्याय का शुभ अवसर प्राप्त होगा। अधूरे कार्यों में पूर्ति की गति बढ़ेगी। कुछ धार्मिक स्थलों में जाना पड़ेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। राजनैतिक गतिविधियों का भी शुभ लाभ बनता है। दिनांक 3, 4, 11, 12, 19, 20, 22 अशुभ दायक। वाहन से सावधानी बरतें। **मार्च**–माह में स्थान परिवर्तन योग। नये भवन में प्रवेश योग। संतान प्राप्त का शुभ योग। शत्रु पराजित होंगे। विवाह योग्य जातकों का विवाह भी होगा। स्त्री वर्ग के परामर्श से भाग्योदय जैसा शुभ योग बनेगा। कार्य योजना का लाभ भी मिलेगा। मित्र वर्ग राज-काज में कार्य गति को सफल बनने में सहयोग करेंगे। शत्रु वर्ग से बचाव, अपनी हार मानना शुभ रहेगा। मांगलिक कार्यों का शुभ योग। दिनांक 2, 3, 11, 12, 13, 21, 22, 24 अशुभदायक हैं।

तुला-रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

तुला

स्वामी-शुक्र **नग-हीरा** **शुभ**

अप्रैल 2019–इस माह में नये कार्यों का शुभारंभ होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। सामाजिक दायित्व बढ़ेगा। राजनेताओं का सहयोग प्राप्त होगा। गुरुजनों की आज्ञा से लाभ प्राप्त होगा। परिवार में सौहार्द वातावरण रहेगा। चिकित्सालय सहयोग का लाभ प्राप्त होगा। व्यापार की गति बढ़ेगी। पारिवारिक कार्यों में मांगलिक खर्चा होगा। कृषकों को लाभ मिलेगा। राजकीय सेवा का लाभ मिलेगा। सरकारी सेवा कर्मियों का स्थान परिवर्तन का योग बनेगा। दिनांक 1, 9, 10, 11, 20, 27, 29 अशुभ दायक। **मई**–इस माह में तीर्थाटन में लाभ मिलेगा। सामाजिक सेवा कार्य में गति बढ़ेगी। धार्मिक कार्यों का शुभ योग बनेगा। विवाह योग्य जातकों का शुभ विवाह होगा। भूमि-भवन-प्लॉट क्रय का शुभ योग बनेगा। ज्वैलर्स संबंधी कार्यों में लाभ होगा। बंधु-बांधव, मित्र, स्त्री वर्ग का शुभ सहयोग प्राप्त होगा। शैक्षिक स्तर बढ़ेगा। पी.एच.डी प्राप्ति का शुभ योग। दिनांक 9, 10, 11, 17, 18, 19, 24, 25, 26 अशुभ। **जून**–इस माह में रोग बाधा का प्रभाव बनेगा। पत्नी को गुप्त रोग का योग बनेगा। स्वास्थ्य सुधार बावत् औषधि-उपचार के साथ ही शिवोपासना, पूजा, महामृत्युंजय जप करावें तो शुभ होगा। मित्र-मण्डली का अच्छा सहयोग मिलेगा। नया सम्पर्क बढ़ेगा। घरेलू कार्यों में कुछ लाभ प्राप्त होगा। सरकारी सहयोग का योग बनता है। धंधा में मित्र वर्ग मदद करेंगे। नये कार्य में वित्तीय सहयोग मित्रों द्वारा होगा। दिनांक 10, 11, 12, 19, 20, 21, 24, 27 अशुभ हैं। **जुलाई**–माह में अनेक तरह की समस्याओं से मुक्ति मिलेगी। कुछ स्थानों पर मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शारीरिक व्याधि से छुटकारा मिलेगा। धार्मिक यात्रा का योग बनेगा। संतान प्राप्ति का शुभ योग बनेगा। वाहन क्रय-विक्रय का शुभ योग। परिवार में मांगलिक कार्य शुभ दायक बनेगा। विदेशी वस्तुओं के व्यापार में भी लाभ होगा। शेयर्स बाजार में भी लाभ बनेगा। घरेलू समस्याएं धीरे-धीरे कम होंगी। दिनांक 8, 10, 12, 19, 20, 21, 24, 25, 26 अशुभ। लम्बी यात्रा नहीं करें तो शुभ रहेगा। **अगस्त**–इस माह में अध्ययन-अध्यापन जैसे कार्यों में प्रगति होगी। मित्रों के द्वारा शुभ कार्य की सूचना प्राप्त होगी। धार्मिक कार्यों की स्थिति अच्छी रहेगी। कुलमाता के दर्शनों का लाभ मिलेगा। सामाजिक सेवा का विशेष लाभ मिलेगा। उधार प्रदत्त राशि प्राप्ति का शुभ योग बनेगा। माता-पिता को स्वास्थ्य लाभ। न्यायालय प्रकरण चल रहा हो तो आपकी विजय होगी। मित्र-मण्डली द्वारा कुछ नया कार्य का संकेत बनेगा। दिनांक 3, 4, 5, 12, 13, 22, 23, 24 अशुभ कारक है। लम्बी यात्रा न करें। **सितंबर**–इस माह में व्यवसाय की गति तेज चलेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। रुका हुआ कार्य पूर्ण होगा। सबलता के साथ मित्रों का सहयोग से विदेश यात्रा का योग बनता है। रोजगार प्राप्ति में राजकीय सेवा का योग अच्छा बनेगा। स्त्री वर्ग द्वारा विशेष योजना का लाभ बनेगा। पूंजी निवेश, ज्वैलर्स, शेयर्स, बीमा में लाभ का शुभ योग बनेगा। विद्या पक्ष प्रबल रहेगा। कृषि कार्य में विशेष लाभ योजना की गति

बनेगी। दिनांक 4, 5, 14, 15, 23, 24, 28, 29 अशुभ दायक। वाहन से सावधान रहें। **अक्टूबर**–इस माह में काफी स्थानों पर भ्रमण करना पड़ेगा। भ्रमण में कार्य सेवा रोजगार प्राप्ति की सूचना प्राप्त होगी। बैंक से ऋण प्राप्ति का योग बनेगा। माह में व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। भवन-निर्माण संबंधी सामग्री के व्यापार में लाभ दायक योग बनेंगे। व्यर्थ खर्च योग से बचें। मानसिक चिन्ता का योग बनता है। शिवोपासना एवं सोलह सोमवार का व्रत करें तो शुभ होगा। माता-पिता के मार्गदर्शन से कार्यों में गति बढ़ेगी। वाहन क्रय-विक्रय का शुभ योग। दिनांक 5, 6, 7, 16, 18, 20, 22, 28 अशुभ दायक हैं। वाहन से सावधान रहें। **नवंबर**–इस माह व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। शत्रुता का योग चिन्ता दायक होगा। न्यायालय प्रकरण हो तो विजय योग। पारिवारिक कार्य गति अच्छी रहेगी। शारीरिक व्याधि से छुटकारा मिलेगा। अध्ययन और व्यवसाय की गति बढ़ेगी। आर्थिक दृष्टि से कार्य गति तेज होगी। भूमि-प्लॉट क्रय-विक्रय का व्यवसाय हो तो शुभ योग बनेगा। मां दुर्गा की साधना करें तो अधूरे कार्य में सफलता का योग बनेगा। जीवन साथी को कुछ रोग का योग। दिनांक 1, 3, 4, 7, 13, 17, 22, 24 अशुभ दायक हैं। **दिसंबर**–माह में नवीन कार्यों का शुभ योग बनेगा। वाहन क्रय का योग भी बनेगा। साहित्यिक-सामाजिक गतिविधियों में अच्छा लाभ मिलेगा। विवाद जन्य मामलों में मित्र लोग मदद करेंगे। संतान प्राप्ति का शुभ योग बनेगा। ऋण प्राप्ति एवं उद्योग संचालन का योग बनता है। काफी स्थानों का भ्रमण योग भी बनेगा। शोधार्थी योग पी.एच.डी का बनता है। भवन निर्माण का योग। दिनांक 4, 5, 14, 15, 23, 24, 25 अशुभ दायक। **जनवरी 2020**–इस माह में चल-अचल सम्पति का विकास होगा। विद्या पक्ष शुभ दायक। राजकीय सेवा का योग। मित्र वर्गों से शुभ दायक योग बनेगा। विवाह योग्य जातकों का शुभ योग बनेगा। रचनात्मक प्रवृति का शुभ योग। धार्मिक यात्रा, गायत्री यज्ञ आयोजन का शुभ योग बनेगा। चोरी-डकैती का योग। सतर्कता बनाये रखें। दिनांक 5, 6, 7, 16, 18, 22, 23, 28 अशुभ हैं। **फरवरी**–इस माह में मन अशांत रहेगा। मांगलिक विकृति के योग से कार्य सफलता में बाधा रहेगी। अनावश्यक लोगों से सम्पर्क होगा। चित्त शांति बावत् गायत्री माता का यज्ञ माह में दो बार करें तो शुभ होगा। उदर पीड़ा, नैत्र रोग बाधा रहेगी। सामाजिक कार्य क्षमता से परे रहेगा। न्यायालय के कार्य में समझौता योग बनेगा। विवाद जन्य मामलों से बचें। दिनांक 2, 4, 9, 11, 15, 17, 22, 23 अशुभ। **मार्च**–इस माह में नये कार्यों में मित्रों का सहयोग मिलेगा। आकस्मिक धन प्राप्ति का योग बनेगा। राजनैतिक कार्यों में सफलता योग बनता है। जीवनोदय का समय शुभ कारक चलेगा। भूमि-भवन एवं वाहन क्रय का शुभ योग चलेगा। किसी अच्छे पद पर मनोबल योग बनेगा। पशुओं से सावधान रहें। संतान प्राप्ति तथा संतान का भाग्योदय योग बनेगा। दिनांक 9, 13, 18, 20, 27, 28 अशुभ हैं।

वृश्चिक-तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू
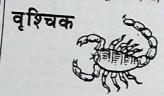
स्वामी-मंगल नग-मूंगा शुभ

अप्रैल 2019–इस माह में शुभ कार्यों की धूम मचेगी। मांगलिक कार्य होंगे। शिक्षा की दृष्टि से माह उत्तम रहेगा। कुछ चिन्ता एवं विकार जैसा योग बनेगा। राजकीय सेवकों का स्थान परिवर्तन योग। परिवार में शुभ जातक का जन्म। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का योग बनता है। धार्मिक कार्यों की ओर भागदौड़ चलेगी। वाहन से सावधान रहें। दिनांक 6, 7, 8, 15, 16, 25, 26 अशुभ दायक हैं। **मई**–ग्रहों की शुभता के कारण शुभ कार्यों में लाभ की प्राप्ति। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। सामाजिक सेवा का शुभ योग। मान-सम्मान प्राप्त होगा। मन्दिर या धर्मशाला निर्माण जैसा योग बनता है। भवन निर्माण का भी योग। मित्रों का सहयोग श्रेष्ठ रहेगा। गायत्री यज्ञ जैसा शुभ कार्य भी होगा। परिवार में शुभ दायक योग बनेगा। विवादित योग में विजय योग बनेगा। दिनांक 3, 4, 5, 13, 14, 19, 20, 22 अशुभ दायक। **जून**–स्वास्थ्य में सुधार अच्छा होगा। पत्नी का सहयोग श्रेष्ठ रहेगा। पारिवारिक कार्यों में भागदौड़ ज्यादा होगी। आत्म विश्वास बढ़ेगा। पुरुषार्थ का लाभ भी प्राप्त होगा। राजनैतिक गतिविधियों में काफी लाभ दायक योग बनेंगे। राजकीय सेवा का शुभ लाभ भी बनता है। स्त्री वर्ग की ओर से वर्चस्व बढ़ेगा। पी.एच.डी. जैसा शुभ योग भी बनता है। नवीन कार्य में भी लाभ होगा। दिनांक 1, 5, 10, 11, 17, 20, 24, 27 अशुभ दायक हैं। **जुलाई**–माह में आर्थिक भार बढ़ेगा। परिवार में कुछ विवाद जन्य घटना होने का योग बनता है। भूमि-भवन का योग बनेगा। जीवन में शुभ कार्यक्षेत्र में भाग्योदय का अवसर बनेगा। पदोन्नति का योग भी बनता है। राजकी सेवा का शुभ लाभ बनता है। कृषि पैदावार भी अच्छा होगा। सामाजिक कार्यों का दायित्व बढ़ेगा। स्त्री वर्ग का शुभ सहयोग प्राप्त होगा। वाहन क्रय का शुभ योग। दिनांक 5, 6, 9, 13, 14, 15, 21, 22, 23 अशुभ दायक हैं। **अगस्त**–स्वास्थ्य की दृष्टि से माह चिन्ता दायक रहेगा। कुछ विवाद जनक योग भी बनेगा। घरेलू समस्याओं का निवारण होगा। भूमि-भवन विवाद योग। संतान पक्ष से शुभ योग बनेगा। वाहन संचालन में सावधानी बरतें। कुछ मित्र वर्ग अच्छी मदद करेंगे। श्री हनुमानोपासना की साधना करें तो शुभ रहेगा। साझेदारी में कार्य न करें। दिनांक 1, 2, 10, 11, 17, 18, 19, 24, 25 अशुभ। **सितंबर**–माह में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घरेलू कार्य बढ़ेगा। संतान प्राप्ति का शुभ योग बनता है। सरकारी कर्मियों का स्थान परिवर्तन योग भी बनता है। नये कार्य में स्त्री वर्ग का परामर्श शुभ दायक रहेगा। सामाजिक दायित्व बढ़ेंगे। वाहन क्रय का शुभ योग बनता है। पशुओं से सावधान रहें तो ठीक रहेगा। राजनैतिक सम्पर्क भी बढ़ेगा। अधूरा कार्य पूर्ण होगा। अचानक शुभ समाचार प्राप्ति का योग बनता है। दिनांक 3, 4, 9, 10, 17, 18, 19 अशुभ दायक हैं। **अक्टूबर**–माह में नये कार्य की भागदौड़ में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। वैवाहिक कार्य योजना का योग मित्रों के सहयोग से बनेगा। कुछ आवश्यक कार्यों की सफलता का शुभ योग बनता है। यात्राएं होंगी। मित्रों द्वारा धंधा में सहायता प्राप्त होगी। कुछ अशांति का वातावरण बनेगा। मौन धारण करना शुभ दायक रहेगा। अचानक धार्मिक यात्रा का शुभ योग बनेगा। दिनांक 4, 5, 9, 10, 12, 19, 20, 21, 27 अशुभ हैं। **नवंबर**–इस माह में सामाजिक कार्यों का दायित्व बढ़ेगा। विवादित योग बनेगा। विजय भी होगी। कुछ मित्रों की मदद करने का योग बनता है। आर्थिक दृष्टि से माह अच्छा रहेगा। किसी दुर्गम स्थान पर यात्रा का योग भी बनता है। भूमि-भवन लेन-देन का शुभ योग बनेगा। पारिवारिक कार्यों में मित्रों का सहयोग मिलेगा। दिनांक 2, 3, 10, 14, 15, 22, 24, 27 अशुभ दायक हैं। **दिसंबर**–माह में पूंजी निवेश शेयर्स बाजार का योग बनता है। रुके हुए कार्यों का पुनः शुभारंभ होगा। ग्रह गोचर की शुभता के कारण वांछित कार्यों में लाभ होगा। माह में नया धंधा, व्यवसाय की योजना बनेगी। स्त्री वर्ग से योजना का लाभ भी होगा। पशुओं से बचाव करके रहें तो ठीक रहेगा। राजकीय कार्यों में भी शुभ योग बनेगा। दिनांक 3, 5, 8, 14, 15, 19, 28 अशुभ हैं। **जनवरी 2020**–माह में आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा। घरेलू कार्यों में शुभ वृद्धि होगी। देश-विदेश यात्रा का शुभ योग बनेगा। मशीनरी क्रय का शुभ योग बनेगा। साझेदारी में भी लाभ मिलेगा। धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने का योग बनेगा। औद्योगिक कार्य का लाभ भी मिलेगा। राजकीय एजेन्सी प्राप्ति का शुभ योग बनता है। धंधा की गति बढ़ेगी। सामुदायिक कार्यों के लिए भी भागदौड़ चलेगी। दिनांक 3, 4, 5, 12, 14, 22, 24, 30 अशुभ हैं। **फरवरी**–इस माह में यात्राओं का दौर ज्यादा रहेगा। किसी स्थान पर मान-सम्मान भी प्राप्त होगा। जेवरात निर्माण जैसा शुभ योग बनेगा। वाहन-भूमि-भवन का लेन-देन जैसा योग भी बनेगा। संतान का भाग्योदय होगा। कुछ मित्रों द्वारा धंधा में सहयोग प्राप्त होगा। सामाजिक दायित्वों से शुभ योग बनेगा। वाहन संचालन में सावधानी बरतें। देश-विदेश यात्रा में शुभ लाभ भी होगा। व्यवसाय बढ़ेगा। दिनांक 7, 8, 14, 21, 23, 27 अशुभ दायक। मार्च–इस माह में व्यापार व्यवसाय

आर्यभट्ट पंचांगम्

अच्छा चलेगा। विद्या लाभ भी अच्छा होगा। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त होगी। नवीन

अच्छा चलेगा। विद्या लाभ भी अच्छा होगा। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त होगी। नवीन कार्यों का शुभ योग बनेगा। पिछले माह के अधूरे कार्यों की पूर्णता का शुभ योग बनेगा। शत्रु पक्ष का मान कमजोर बनेगा। शेयर्स बाजार का भी लाभ मिलेगा। राजकीय रोजगार प्राप्ति का योग बनेगा। भवन निर्माण या नया भवन क्रय जैसा योग बनता है। दिनांक 7, 8, 9, 16, 17, 18, 24, 25 अशुभ दायक।

धनु-ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे

धनु

स्वामी-गुरु नग-पुखराज शुभ

अप्रैल 2019–इस माह में धार्मिक कार्यों का योग ज्यादा बनेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से माह अच्छा रहेगा। न्यायालय संबंधी कार्यों में भी विजय होगी। स्त्री वर्ग के परामर्श से कीर्ति बढ़ेगी। सरकारी सेवा प्राप्ति योग। सरकारी कर्मियों का स्थान परिवर्तन योग बनेगा। गाय, भैंस, ऊंट क्रय का योग बनेगा। मन्दिर निर्माण जैसा कार्य बनेगा। देश-विदेश में सम्पर्क बढ़ेगा। पत्र-पत्रिका लेखन-सम्पादन कार्य का योग बनेगा। दिनांक 6, 9, 13, 17, 19, 22, 25, 26 अशुभ हैं। **मई**–माह में व्यवसाय की गति बढ़ेगी। परिवार में नये सदस्य का शुभागमन होगा। परिश्रम का लाभ अच्छा मिलेगा। शनि ग्रह के प्रभाव से वाहन, मशीनरी, उद्योग कार्य, खान, पत्थर, सीमेन्ट, लोहा जैसे व्यवसाय का योग बनेगा। संतान, पत्नी का भाग्योदय शुभ दायक होगा। पुराने रुके हुए कार्यों की गति बढ़ेगी। विद्या का शुभ लाभ सेवा योग बनेगा। दिनांक 5, 6, 7, 13, 14, 15, 22, 23, 29 अशुभ। **जून**–माह में मांगलिक कार्यों की गति तेज होगी। सामाजिक कार्यों का बाहुल्य होगा। तीर्थाटन का योग बनता है। आत्म विश्वास का लाभ प्राप्त होगा। अनेक प्रकार के कार्यों का योग बनेगा। सफलता प्राप्ति का योग। धार्मिक कार्यों की स्थिति बढ़ेगी। नये उद्योग धंधा, व्यवसाय का शुभ योग बनेगा। राजकीय लाभ भी। स्त्री वर्ग के परामर्श से आर्थिक लाभ होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। कहीं पर अचानक विवाद योग। दिनांक 3, 4, 5, 13, 20, 22, 27 अशुभ दायक हैं। **जुलाई**–इस माह में शत्रु पक्ष प्रभावी रहेगा। लम्बी यात्रा अकेले नहीं करें तो शुभ। आत्म विश्वास के साथ धोखा, लूट, चोरी, डकैती अशांति दायक योग बनें। पानी से भी बचाव करके रहना होगा। स्त्री वर्ग का परामर्श शुभ दायक सिद्ध होगा। मित्र वर्ग व्यवसाय में सहयोग करेंगे। आर्थिक लाभ न्यून बनता है। निजी संस्था या औद्योगिक इकाई या राजकीय सेवा योग बनेगा। पशुओं से भी बचकर चलना शुभ रहेगा। दिनांक 1, 2, 10, 11, 17, 19, 24, 25 अशुभ दायक। सावधानी रखें। **अगस्त**–माह में रोजगार का अच्छा अवसर मिलेगा। नवीन कार्य-योजना में मित्र वर्ग सहयोग करेंगे। सामाजिक एवं राजनैतिक गतियों में लाभ प्राप्त होगा। मान-सम्मान भी होगा। पितृदेव की पूजा करें तो आवश्यकता के अनुसार कार्यों की पूर्ति एवं लाभ होगा। देश-विदेश में व्यापार या भ्रमण का शुभ योग बनेगा। मानसिक परेशानी से निवृत्ति होगी। सामाजिक दृष्टि से कार्य भार बढ़ेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। वाहन क्रय का शुभ योग। घरेलु कार्यों में भागदौड़ रहेगी। दिनांक 4, 5, 6, 12, 13, 14, 20, 21, 22 अशुभ हैं। **सितंबर**–इस माह में व्यापारिक गति बढ़ेगी। परिवार में शुभ कार्यों का योग बनता है। न्यायालय संबंधी विवाद में निर्णय शुभ दायक होगा। कार्य की गति ज्यादा रहेगी। मित्र वर्गों के सहयोग से प्रगति का योग बनेगा। शुभ खर्चों में भवन निर्माण वाहन क्रय का योग बनता है। माह में पारिवारिक कार्यों में गति का शुभ लाभ प्राप्त होगा। साझेदार भी आपको लाभ देंगे। दक्षिण की यात्रा का योग बनता है। ऋण भुगतान का योग बनेगा। दिनांक 2, 6, 9, 14, 17, 20, 24, 27 अशुभ दायक हैं। **अक्टूबर**–इस माह में पशुधन क्रय-विक्रय का शुभ योग बनता है। विद्या पक्ष भी अच्छा रहेगा। शुभ समाचार प्राप्ति का योग आर्थिक लाभ होगा। परिश्रम का पूरा लाभ भी मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा। व्यापार, रोजगार, व्यवसाय संबंधी कार्य की गति बढ़ेगी। राजकीय नौकरी का योग बनता है। पारिवारिक विवाद से बचें। पूर्व दिशा की यात्रा सुखदायक रहेगी। चापलूस व्यक्तियों से सावधान रहें। कहीं कुछ धोखा का योग। दिनांक 8, 10, 11, 17, 18, 22, 23 अशुभ दायक हैं। सावधानी से काम करें। **नवंबर**–किसी संस्था की स्थापना करेंगे। आमदनी अच्छी होगी। दैनिक कार्यों में भी शुभ दायक योग बनेंगे। तीर्थाटन यात्रा का शुभ योग बनता है। मित्र वर्ग के सहयोग से मांगलिक कार्य होगा। राजकीय कर्मियों का इच्छित स्थान पर स्थानांतरण योग। किसी मित्र के सहयोग से उधार राशि प्राप्ति का योग। घरेलू समस्या से कुछ विवाद भी बनेगा। वाहन का संचालन न्यून करें। रचनात्मक गति बढ़ेगी। दिनांक 1, 2, 10, 11, 17, 18, 27, 28 अशुभ दायक। लम्बी यात्रा नही करें। **दिसंबर**–पारिवारिक कार्यों में भागदौड़ चलेगी। नये मित्रों का मिलन भी होगा। भूमि-भवन लेन-देन हो तो सावधानी रखें या सौदा नहीं करें। कुछ रोग का योग भी बनेगा। औषधि, घरेलू उपचार करें तो शुभ होगा। घरेलू कार्यों में वृद्धि होगी। राजकीय कार्यों में कुछ रूकावट का योग बनता है। किसी दुर्गम स्थान की यात्रा का योग बनता है। लाभ भी होगा। पशुधन क्रय-विक्रय का शुभ योग बनता है। वाहन से सावधान रहें। दिनांक 2, 3, 4, 11, 12, 15, 24, 25 अशुभ दायक। **जनवरी 2020**–इस माह में आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा। इच्छित कार्य का योग बनेगा। राजकीय सेवा योग भी बनता है। मित्र-मण्डली द्वारा समूह यात्रा का योग बनेगा। विवादित परिस्थिति का शुभ समाधान होगा। संतान पक्ष से शुभ दायक कार्य बनेगा। रिश्तेदारों का कार्य करने की भागदौड़ भी करनी पड़ेगी। वाहन क्रय का शुभ योग बनता है। गुरु ग्रह के कारण प्रकाशन का शुभ योग बनेगा। दिनांक 7, 8, 9, 17, 18, 19, 22, 24 अशुभ दायक। **फरवरी**–माह में व्यापारियों को कुछ कष्ट होगा। कानूनी मामलों में सुधार होगा। मां दुर्गा की उपासना करें तो विजय भी होगी। न्यायालय प्रकरण में मानसिकता को ठेस पहुंचेगी। लम्बी यात्रा इस माह में नहीं करें तो शुभ है। इच्छित कार्य पूर्ति में मां की उपासना का लाभ मिलेगा। परिवार में कुछ अशांति का योग बनेगा। दिनांक 3, 4, 5, 9, 10, 12, 19, 20, 24 अशुभ है। **मार्च**–माह में स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। भवन निर्माण संबंधी योग भी बाधा योग बनेगा। श्रीगणेशोपासना करें तो शुभ रहेगा। आर्थिकता की समस्या का योग बनेगा। जटिल समस्याओं का समाधान मित्र वर्ग द्वारा होगा। धार्मिक यात्रा का योग शुभ दायक बनता है। परिवार में नवीन सदस्य का आगमन होगा। राजकीय कार्य गति का शुभ योग बनेगा। परिश्रम ज्यादा रहेगा। दिनांक 6, 7, 8, 16, 17, 18, 25, 26 अशुभ हैं।

मकर-भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

मकर

स्वामी-शनि नग-नीलम शुभ

अप्रैल 2019–माह में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। धार्मिक कार्यों की धूम रहेगी। विद्यार्थियों को अच्छी सफलता का योग बनेगा। राजकीय सेवा योग एवं सेवा कर्मियों का स्थानांतरण योग बनता है। विदेश यात्रा का योग एवं मित्र वर्ग द्वारा शुभ कार्य के प्रति निमंत्रण प्राप्त होगा। वाहन संचालन में सावधानी रखें। दिनांक 1, 2, 8, 10, 15, 17, 22, 27 अशुभ दायक। सावधानी से कार्य सम्पादन करें। मित्रों के परामर्श से व्यवसाय, नौकरी में वृद्धि होगी। लाभ मिलेगा। **मई**–माह में मानसिक अशांति का योग बनता है। पारिवारिक मतभेद चलेगा। जटिल कार्य में फंसने का योग बनता है। आर्थिक हानि का योग बनेगा। अनियमितता के योग से बने हुए कार्य रुक जायेंगे। श्रीहनुमान चालीसा का पाठ रोज एक माह तक करें, कार्य में सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्यों में सहभागिता का लाभ मिलेगा। शारीरिक कष्ट योग बनता है। वाहन से सावधानी बरतें। दिनांक 7, 8, 13, 14, 22, 24, 28 अशुभ। इन दिनों यात्रा नहीं करें। **जून**–इस माह में सामाजिक दायित्व बढ़ेंगे। माता-पिता का स्वास्थ्य गड़बड़ होने का योग बनता है। राजकीय कार्यों से लाभ योग। नौकरी

योग भी। अपनी क्षमता से अधिक कार्य करने की योजना बनेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। लिमिटेड कम्पनी में नौकरी योग बनेगा। आर्थिक लाभ भी होगा। ग्रह योग से पत्नी का परामर्श से भवन निर्माण का शुभ योग बनता है। पशुओं से लाभ। दिनांक 8, 10, 17, 24, 27, 30 अशुभ। **जुलाई**–माह में काफी कार्यों की योजना का लाभ मिलेगा। पारिवारिक कार्यों में काफी परिवर्तन का योग बनता है। नये भवन निर्माण या उद्योग स्थापना का योग बनता है। वाहन क्रय-विक्रय का शुभ योग बनेगा। विदेश यात्रा का भी योग। राजनैतिक गतिविधियों का लाभ मिलेगा। सरकारी कार्यों की भूमिका से लाभ होगा। मित्र वर्ग द्वारा कुछ नया धंधा का लाभ भी मिलेगा। दिनांक 10, 12, 15, 19, 24, 27 अशुभ दायक हैं। **अगस्त**–माह में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। नवीन मित्र वर्ग का सम्पर्क भी बढ़ेगा। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता का योग बनेगा। पुराने अधूरे कार्य पुनः प्रारंभ होकर सफल होंगे। राजनैतिक गतिविधियों में भागदौड़ चलेगी। बुध ग्रह के प्रभाव से नवीन संस्था की स्थापना होगी। नौकरी-पेशा में तबादला योग बनेगा। विदेश गमनादि योग शुभ है। वाहन क्रय का शुभ योग बनेगा। मान-सम्मान प्रतिष्ठा योग शुभ दायक बनेगा। माह में कुछ विशेष आयोजन भी होंगे। दिनांक 4, 7, 8, 14, 15, 19, 22, 25 अशुभ दायक हैं। सावधानी से कार्य करें। **सितंबर**–इस माह में राजकीय कार्यों की गति बढ़ेगी। भागदौड़ भी रहेगी। नौकरी योग बनेगा। योजना के अनुसार कार्यों की गति अच्छी होगी। नये स्थान पर शुभ खर्चा योग भी बनेगा। व्यवसाय घटेगा। श्रीगणेशोपासना करें तो शुभ। कुछ स्थानों पर मान-सम्मान होगा। सार्वजनिक अभिनन्दन का योग भी समाज द्वारा बनता है। मांगलिक कार्य, सत्संग-प्रसादी का शुभ योग बनेगा। नौकरी में पदोन्नति का योग बनेगा। पशुओं से सावधान! दिनांक 2, 4, 8, 14, 18, 21, 24 अशुभ हैं। **अक्टूबर**–माह में रोजगार का अवसर प्राप्त होगा। स्त्री वर्ग के परामर्श से भाग्योदय योग बनेगा। रुके हुए अधूरे कार्यों में पूर्णता यानि सफलता का योग बनेगा। विदेशी व्यापार सेवा, एजेन्सी प्राप्ति का शुभ योग बनेगा। सामाजिक सेवा का कार्य होगा। सरकारी योजनाओं

का लाभ भी मिलेगा। वाहन क्रय-विक्रय का लाभ बनता है। किसी राजनैतिक पार्टी की सदस्यता का योग बनता है। संतान का भाग्योदय योग। विद्या लाभ होगा। भागदौड़ ज्यादा रहेगी। दिनांक 10, 12, 14, 17, 23, 25, 27 अशुभ हैं। सतर्कता से रहें। **नवंबर**–माह में नूतन व्यापार-संस्था की स्थापना बावत् भागदौड़ होगी। कार्य भी ज्यादा होंगे। मांगलिक कार्य योग भी बनता है। राजकीय कर्मियों को पदोन्नति का योग। स्त्री वर्ग द्वारा कार्य में शुभता का योग बनेगा। राजकीय सम्मान प्राप्ति का योग भी बनता है। सार्वजनिक क्षेत्र का लाभ। ग्रह योग से मशीनरी उद्योग, आर्थिक लाभ अच्छा मिलेगा। गायों की सेवा करें तो चिन्ता योग मिटेगा। दिनांक 5, 7, 9, 15, 20, 22, 25, 28 अशुभ हैं। **दिसंबर**–माह में यात्राएं ज्यादा होंगी। मित्रों का सहयोग शुभ दायक रहेगा। रुके हुए कार्यों की गति बढ़ेगी। सफलता मिलेगी। वाहन क्रय-विक्रय का योग बनता है। माह में लम्बी यात्रा नहीं करें तो ठीक रहेगा। कुलमाता की उपासना-पूजा से शुभ योग बनेगा। आर्थिक लाभ अच्छा होगा। देश-विदेश यात्रा का योग भी बनता है। संकट में गायत्री माता का मंत्र जपें। यज्ञ करायें तो शुभ होगा। घरेलु कार्यों में सावधानी रखें तो ठीक होगा। दिनांक 8, 10, 14, 19, 24, 27, 29 अशुभ हैं। सावधानी रखें। **जनवरी 2020**–माह में सार्वजनिक कार्यों में भागदौड़ ज्यादा रहेगी। व्यापार-धंधा में कुछ नवीनता का योग बनता है। परिवार में नये सदस्य का आगमन योग। प्रबंधकीय कार्य योग का विस्तार बनेगा। कार्यों का उत्तरदायित्व बढ़ेगा। भूमि-भवन लेन-देन का शुभ योग बनेगा। वाहन क्रय-विक्रय का योग बनेगा। दिनांक 5, 6, 7, 13, 14, 22, 23, 25 अशुभ दायक हैं। इन तिथियों में नया कार्य न करें। **फरवरी**–इस माह में नया कार्य-धंधा-व्यवसाय का योग बनेगा। मित्रों का शुभ सहयोग मिलेगा। बैंकिंग प्रणाली में शुभ लाभ-सेवा यो बनेगा। पत्नी द्वारा शुभ कार्यों की बात बनेगी। भूमि-भवन क्रय-विक्रय का योग। सहकारी समितियों की सदस्यता का योग बनेगा। धार्मिक कार्यों की गतिविधियों का लाभ मिलेगा। संतान का शुभ योग बनता है। आजीविका में नया सोपान प्राप्ति का योग...

या रोग बाधा योग। लम्बी यात्रा का शुभ योग बनेगा। दिनांक 1, 2, 3, 10, 11, 20, 24 अशुभ दायक। **मार्च**–माह में पारिवारिक कार्यों में काफी भागदौड़ चलेगी। शुभ खर्चा भी होगा। राजकीय सेवा योग। पदोन्नति सेवा योग। देश-विदेश की यात्रा का शुभ योग। स्त्री वर्ग से घरेलु कार्यों की गति का लाभ मिलेगा। वाहन क्रय-विक्रय योग। वैवाहिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। गायों की सेवा का लाभ लेवें तो स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। नये धंधे में मित्र मदद करेंगे। दिनांक 1, 4, 8, 13, 19, 24, 25 अशुभ दायक हैं।

कुम्भ–गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

कुम्भ

स्वामी-शनि नग-नीलम शुभ

अप्रैल 2019–इस माह में नया व्यवसाय या सेवा योग निजी कम्पनी में बनता है। राजनैतिक कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। निजी उद्योग स्थापना का योग बनता है। मित्र वर्ग का सहयोग अच्छा मिलेगा। घरेलू जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। सामाजिक सेवा का शुभ योग बनेगा। वाहन क्रय-विक्रय का योग। दिनांक 3, 4, 5, 9, 10, 11, 19, 20, 21 अशुभ हैं। **मई**–इस माह में भागदौड़ ज्यादा रहेगी। सामाजिक सेवा का लाभ मिलेगा। मांगलिक कार्यों में भी उत्तरदायित्व बढ़ेगा। सभी तरह के व्यवसायों का शुभ योग बढ़ेगा। राजकीय सेवा का योग बनता है। विदेशी कम्पनियों में सेवा का योग। विदेश यात्रा भ्रमण का योग। नई तकनीकी शिक्षा का शुभ योग बनेगा। इंजीनियरिंग शिक्षा का लाभ मिलेगा। मित्र वर्ग मदद करेंगे। दिनांक 3, 4, 7, 9, 10, 12, 20, 24, 25 अशुभ हैं। **जून**–माह में कार्यों की गति तेज चलेगी। कार्य योजना का शुभ लाभ प्राप्त होगा। राजकीय कर्मियों की पदोन्नति का शुभ योग बनेगा। स्त्री पक्ष से प्राप्त सूचना का भी लाभ होगा। राजनैतिक मामलों में सफलता का योग बढ़ेगा। कुछ व्यक्तियों द्वारा...

वर्ग का व्यापार अच्छा चलेगा। बैंकिंग लेन-देन का लाभ भी प्राप्त होगा। मित्र वर्ग मदद करेंगे। दिनांक 7, 10, 15, 22, 27, 30 अशुभ हैं। **जुलाई**–माह में शैक्षिक गति बढ़ेगी। आर्थिक लाभ अच्छा होगा। पूर्व प्राप्त ऋण का भुगतान भी होगा। उच्च स्तरीय कार्यों का लाभ एवं भूमिका बढ़ेगी। राजकीय कार्य योजनाओं का शुभ लाभ प्राप्त होगा। अविवाहित का शुभ विवाह योग भी बनेगा। प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता मिलेगी। माता-पिता का शुभ आशीर्वाद बना रहेगा। धार्मिक कार्यक्रमों में भी लाभ प्राप्त करेंगे। स्त्री वर्ग द्वारा शुभ लाभदायक योग। दिनांक 6, 10, 18, 21, 24, 27 अशुभ हैं। **अगस्त**–माह में पारिवारिक कार्यों का दायित्व बढ़ेगा। कुछ स्थानों पर धन खर्चा का योग बनेगा। वाहन क्रय का शुभ योग बनता है। राज्य कर्मियों का स्थान परिवर्तन का योग बनता है। राजनैतिक गति में भी शुभ लाभ होगा। परिवार में शुभ खर्चा योग बनता है। भूमि-भवन का लेन-देन भी शुभ दायक रहेगा। मान-सम्मान प्राप्ति का योग भी बनता है। वाहन से सावधान रहें तो ठीक है। दिनांक 10, 12, 16, 19, 23, 27 अशुभ दायक। **सितंबर**–इस माह में सार्वजनिक क्षेत्र में काफी लाभ होगा। राजकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त होगा। मित्र वर्ग द्वारा शुभ कार्यों का लाभदायक योग। तकनीकी शिक्षा का लाभ मिलेगा। राजकीय सेवा का योग बनेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। बाजार में ख्याति बढ़ेगी। विदेशी कम्पनी से व्यापार होने का योग। अचानक आर्थिक लाभ भी होगा। पत्नी द्वारा प्राप्त सूचनाओं से सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। दिनांक 8, 9, 17, 18, 26, 28 अशुभ दायक। **अक्टूबर**–माह में राजनैतिक कार्यों का लाभ मिलेगा। नये स्थान की महत्ता का शुभ योग बनेगा। वाहन क्रय-विक्रय का योग बनेगा। पारिवारिक समस्याओं का निवारण होगा। उद्योग स्थापना का योग बनेगा। आर्थिक स्थिति भी शुभ दायक रहेगी। आध्यात्मिक कार्य-यज्ञ, पूजा, कथा वचन व श्रवण का लाभ मिलेगा। माह में लम्बी यात्रा नहीं करें तो शुभ। वाहन क्रय का शुभ योग बनता है। मित्र मदद करेंगे। दिनांक 5, 6, 7, 14, 15, 24, 25 अशुभ हैं। **नवंबर**–इस माह में विदेशी ...

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। रोजगार प्राप्ति का शुभ योग बनता है। मित्र वर्ग मदद करेंगे। माह में कार्य

मीन–दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, च, ची

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। रोजगार प्राप्ति का शुभ योग बनता हैं। मित्र वर्ग मदद करेंगे। माह में कार्य क्षमता से अधिक कार्य करना पड़ेगा। प्रकाशन-सम्पादन कार्य का शुभ योग भी होगा। राजकीय सेवा योग, प्रतियोगी परीक्षा में सफलता एवं नौकरी योग बनता है। वाहन क्रय का शुभ योग बनेगा। भूमि-भवन का लाभ भी प्राप्त होगा। राजनैतिक गतिविधियों में भी लाभ मिलेगा। दिनांक 4, 5, 13, 14, 15, 22, 24 अशुभ दायक हैं। सावधानी से कार्य करें। **दिसंबर**–माह में अनेक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। लम्बी यात्रा मित्रों के साथ बनने का योग है। देश-विदेश में व्यापार बढ़ेगा। पशु क्रय-विक्रय का योग बनता है। ननिहाल में शुभ कार्य का योग बनेगा। ससुराल पक्ष में भी शुभ खर्च का योग बनता है। उधार प्रदत्त राशि प्राप्ति का शुभ योग है। बेरोजगारी को एजेन्सी या निविदा जैसा कार्य का शुभ योग बनेगा। वाहन क्रय योग भी। नई तकनीकी कार्य में शुभ योग। दिनांक 2, 6, 9, 14, 22, 24, 27 अशुभ दायक। **जनवरी 2020**–इस माह में पूर्व में छूटे कार्यों की पुनरावृत्ति होगी। आर्थिक लाभ भी होगा। भूमि-भवन क्रय का शुभ योग बनेगा। वाहन क्रय का शुभ योग भी। न्यायालय जैसा मुद्दा में शुभ विजय होगी। शृंगार सामग्री क्रय का शुभ योग बनता है। किसी स्थान पर मान-सम्मान प्राप्ति का योग बनेगा। दिनांक 2, 8, 14, 20, 24, 28, 30 अशुभ दायक। राजकीय सेवा का शुभ योग भी बनता है। **फरवरी**–इस माह में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। संतान प्राप्ति का शुभ योग बनेगा। नये मित्र वर्ग द्वारा सहभागिता के कारण व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। स्त्री वर्ग द्वारा काफी लाभदायक परामर्श प्राप्त होगा। ननिहाल में शुभ खर्चा होगा। दायित्व निभाना पड़ेगा। पशुओं से सावधान! दिनांक 1, 7, 13, 17, 22, 25 अशुभ दायक। नये कार्य का शुभ योग भी बनता है। **मार्च**–इस माह व्यापारिक गतिविधियां तेज चलेगी। गायत्री मंत्र की साधना करें तो शुभ रहेगा। भूमि-भवन लेन-देन का शुभ लाभदायक योग बनेगा। वाहन प्राप्ति का शुभ योग बनता है। मित्र वर्ग कार्य में मदद करेंगे। देश-विदेश की यात्रा का शुभ लाभ होगा। दिनांक 7, 12, 19, 24, 28, 31 अशुभ दायक हैं। सावधानी से कार्य करें।

मीन-दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, च, ची

मीन

स्वामी-गुरु नग-पुखराज शुभ

अप्रैल 2019–इस माह में वांछित कार्यों की गति बढ़ेगी। लाभ भी होगा। मित्रों द्वारा कुछ भेंट प्राप्ति का योग बनेगा। यात्राओं का वर्चस्व रहेगा। न्यायालय पक्ष से शुभ विजय कारक योग बनेगा। प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता मिलेगी। राजकीय सेवा का शुभ योग तथा सेवारत कर्मियों की पदोन्नति का शुभ योग बनता है। निजी कार्य की गति बढ़ेगी। आमदनी अच्छी होगी। व्यापारिक दृष्टि से माह लाभ दायक रहेगा। मां दुर्गा की पूजा करें तो शुभ रहेगा। दिनांक 3, 4, 8, 10, 13, 17, 22, 24, 27 अशुभ हैं। सावधानी से कार्य करें। **मई**–इस माह में व्यापारिक प्रतिस्पर्धा के योग से मानसिक चिन्ता बढ़ेगी। कुछ स्थान पर चोट-पीड़ा का योग बनेगा। आमदनी अच्छी होगी। राजकीय सेवा योग बनेगा। मित्र वर्ग काफी मदद करेंगे। सामाजिक सेवाओं के लिए भागदौड़ चलेगी। वाहन चोट से काफी हानि का योग बनता है। सावधानी बरतें। श्रीगणेशोपासना करें तो शुभ रहेगा। गायों को हरा घास डालें तो शुभ रहेगा। परिवार में कुछ असंतोष रहेगा। दिनांक 9, 10, 11, 12, 18, 19, 20, 21 अशुभ दायक हैं। **जून**–माह में सामाजिक सेवाओं का दायित्व बढ़ेगा। पूर्व में छूटे कार्यों की सम्पन्नता का लाभ मिलेगा। वैवाहिक मांगलिक कार्य योग्य जातकों का बनेगा। वाहन क्रय का शुभ योग बनेगा। संतान का भाग्योदय होगा। पत्नी को रोग बाधा का योग। राजकीय सम्मान प्राप्ति या पदोन्नति का योग बनेगा। कृषि कार्य में अच्छा लाभ होगा। मित्र वर्ग का शुभ सहयोग प्राप्त होगा। दिनांक 1, 2, 3, 11, 12, 13, 20, 21, 22 अशुभ दायक हैं। **जुलाई**–माह में परिश्रम ज्यादा करना होगा। व्यवसाय अच्छा चलेगा। कुछ लोग धोखा कर सकते हैं। बचाव रखें। भवन निर्माण जैसा शुभ योग भी बनेगा। ग्रहों की अनुकूलता के शुभ योग से देश-विदेश की शुभ यात्रा का शुभ योग बनेगा। रोजगार बढ़ेगा। आय से अधिक खर्चा होगा। वाहन क्रय-विक्रय का शुभ योग बनेगा। राजकीय कार्यों की गति बढ़ेगी। खेलकूद प्रतियोगिता में शुभ दायक योग बनेंगे। कुलमाता की पूजा करें। दिनांक 3, 7, 12, 15, 20, 22, 26 अशुभ हैं। **अगस्त**–इस माह में कुछ महत्वपूर्ण कार्य का शुभ योग बनेगा। कृषि कार्य में विशेष लाभ होगा। आर्थिक लाभ अच्छा होगा। देश-विदेश की यात्रा का लाभ होगा। राजकीय सेवा योग बनेगा। मान-सम्मान प्राप्ति का योग राष्ट्रीय स्तर पर बनेगा। नये कार्य में मित्र वर्ग मदद करेंगे। रोजगार प्राप्ति का शुभ अवसर बनेगा। वाहन क्रय-विक्रय का शुभ योग बनेगा। सामाजिक कार्यों में भागदौड़ ज्यादा होगी। धार्मिक कार्यों में विशेष लाभ होगा। दिनांक 1, 4, 7, 10, 13, 17, 22, 24, 27 अशुभ दायक हैं। **सितंबर**–माह में शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा। वाहन संचालन में ध्यान रखें। प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता का योग बनेगा। व्यापारिक लेन-देन बढ़ेगा। राजकीय सेवा का योग बनकर रह जायेगा। श्रीगणेशोपासना करें तो शुभ होगा। क्षेत्रीय यात्रा योग। खर्चा होगा। परिश्रम का लाभ नहीं मिलेगा। कुछ स्थानों पर आर्थिक लाभ होगा। राजनैतिक गतिविधियों में शुभ दायक योग बनता है। कुछ मित्रों द्वारा सम्मान प्राप्त होगा। दिनांक 1, 9, 10, 11, 16, 17, 19, 22 अशुभ हैं। **अक्टूबर**–माह में आय कम खर्चा ज्यादा होगा। परिवार में बीमारी का प्रकोप बढ़ेगा। चिन्ता योग भी। महामृत्युंजय मंत्र का जप करें। श्री शिवजी की पूजा करें तो शुभ होगा। संतान पक्ष का शुभ योग बनेगा। स्त्री वर्ग की ओर से शुभ सहयोग प्राप्त होगा। राजकीय योजनाओं का लाभ मिलेगा। सामाजिक सेवार्थ तत्पर रहना पड़ेगा। प्रतिकूलता का योग। निवारण हेतु गायों की सेवा करें तो शुभ होगा। दिनांक 2, 4, 5, 14, 17, 19, 24, 27 अशुभ हैं। **नवंबर**–माह में व्यवसाय परिवर्तन का योग बनता है। संतान पक्ष से चिन्ता बनेगी। स्त्री पक्ष को भी रोग बाधा योग बनता है। कुलमाता की सेवा-प्रसादी करें तो शुभ होगा। आर्थिक योग संतोष जनक रहेगा। राजकीय सेवा योग बनेगा। स्थान परिवर्तन योग भी बनता है। शनि-बुध के कारण पुराने विवाद में विजय होगी। रचनात्मक प्रवृत्ति बढ़ेगी। वाहन क्रय का योग बनता है। दिनांक 4, 9, 13, 17, 20, 22, 24, 28 अशुभ हैं। **दिसंबर**–माह में धार्मिक कार्यों का शुभ योग बनेगा। यश-कीर्ति भी बढ़ेगी। भूमि-भवन लेन-देन का शुभ योग बनेगा। श्रीगणेशोपासना से शुभ योग बनेगा। वाहन क्रय-विक्रय का योग अचानक बनेगा। कुछ पुरानी वार्त्ताओं का विवाद उठेगा। राजनैतिक हल-चल में सहयोग मिलेगा। सामाजिक कार्यों में भागदौड़ ज्यादा होगी। वाहन संचालन में सावधान रहें। कहीं धोखा का योग भी बनता है। दिनांक 3, 4, 5, 13, 15, 24, 28 अशुभ हैं। **जनवरी 2020**–माह में राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय यात्रा योग बनेगा। परिश्रम का शुभ लाभ मिलेगा। पिछले माह के अधूरे कार्य पूर्ण होने का शुभ योग बनता है। सरकारी सेवा का योग बनेगा। मान-सम्मान भी राष्ट्रीय एवं प्रान्तीय स्तर पर प्राप्त होगा। त्रुटियों का समाधान भी होगा। कृषि, खाद्य सामग्री क्रय-विक्रय का धंधा चलेगा। रचनात्मक कार्यों की भूमिका में शुभ लाभ भी होगा। स्त्री वर्ग के परामर्श से शुभ योग बनेगा। दिनांक 5, 8, 12, 15, 24, 27 अशुभ हैं। **फरवरी**–इस माह में सामाजिक एवं राजनैतिक क्षेत्र में शुभ योग बनेगा। अनुकूलता का लाभ भी मिलेगा। मोटर कार वाहन क्रय का शुभ योग बनेगा। राजकीय कार्यों की गति में सहभागिता शुभ दायक रहेगी। मांगलिक कार्यों का शुभ योग बनेगा। रोजगार प्राप्ति का शुभ योग भी बनेगा। माता-पिता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। मित्र वर्ग प्रत्येक कार्य में मदद करेंगे। माह अच्छा रहेगा। दिनांक 4, 5, 13, 19, 22, 26 अशुभ हैं। **मार्च**–माह में नये भवन में प्रवेश का योग। नया बंगला मोटरों की प्राप्ति का शुभ योग बनेगा। आर्थिक योग अच्छा रहेगा। पूर्व में घोषित सूचनाओं का लाभ मिलेगा। स्त्री वर्ग द्वारा प्राप्त सहयोग से कार्य की गति बढ़ेगी। राजनैतिक दृष्टि से माह अच्छा रहेगा। वाहन क्रय-विक्रय का योग बनता है। विवाह योग्य जातकों का शुभ विवाह योग बनेगा। दिनांक 2, 8, 14, 20, 24, 26, 29 अशुभ हैं। सतर्क रहें।

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त—अप्रैल सन् 2019 ई.

ता. अप्रै.	अहमदाबाद		भोपाल		चड़ीगढ़		दिल्ली		जयपुर		लखनऊ		मुम्बई		डिब्रूगढ़		ता. अप्रै.
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	
1	04116	15138	03156	15118	04111	15110	04105	15111	04109	15120	03148	15100	04109	15144	02152	14100	1
2	04153	16130	04133	16110	04146	16105	04140	16105	04145	16114	04124	15153	04148	16134	03128	14154	2
3	05129	17121	05109	17101	05118	16159	05114	16158	05119	17106	04158	16145	05125	17123	04102	15147	3
4	06104	18112	05144	17152	05150	17153	05146	17151	05152	17158	05132	17137	06101	18112	04135	16139	4
5	06138	19103	06118	18143	06121	18148	06119	18144	06125	18151	06105	18130	06138	19102	05107	17132	5
6	07113	19155	06153	19135	06153	19143	06152	19139	06159	19145	06138	19124	07114	19152	05141	18126	6
7	07149	20149	07129	20129	07126	20141	07125	20135	07134	20140	07113	20119	07152	20144	06115	19122	7
8	08127	21146	08107	21126	08101	21140	08101	21134	08110	21138	07150	21117	08132	21139	06151	20120	8
9	09109	22145	08149	22125	08139	22142	08140	22135	08150	22138	08130	22117	09115	22136	07131	21120	9
10	09154	23145	09134	23125	09122	23145	09124	23137	09135	23140	09114	23118	10103	23135	08114	22122	10
11	10145	24100	10125	24100	10111	24100	10113	24100	10124	24100	10104	24100	10154	24100	09104	23122	11
12	11142	00144	11121	00124	11107	00145	11109	00137	11121	00139	11100	00118	11151	00134	09159	24100	12
13	12143	01141	12122	01121	12109	01141	12111	01133	12123	01136	12102	01115	12152	01131	11101	00118	13
14	13148	02133	13127	02113	13116	02132	13118	02125	13128	02127	13107	02107	13155	02125	12107	01110	14
15	14153	03122	14132	03102	14125	03118	14126	03111	14135	03115	14114	02154	14158	03115	13114	01158	15
16	15157	04108	15137	03148	15134	04100	15133	03155	15141	03159	15120	03139	16101	04103	14121	02142	16
17	17101	04152	16140	04132	16141	04140	16139	04136	16146	04142	16125	04121	17102	04149	15126	03124	17
18	18103	05135	17143	05115	17147	05119	17144	05116	17150	05122	17129	05102	18102	05134	16131	04104	18
19	19105	06117	18145	05157	18153	05157	18149	05155	18154	06103	18133	05142	19102	06118	17135	04144	19
20	20106	06159	19146	06139	19158	06136	19153	06135	19158	06143	19137	06123	20101	07102	18139	05124	20
21	21108	07142	20148	07122	21103	07115	20157	07115	21101	07124	20140	07104	21101	07147	19142	06105	21
22	22108	08126	21148	08106	22107	07156	22100	07157	22103	08107	21142	07146	22100	08133	20145	06147	22
23	23106	09112	22146	08152	23107	08139	22159	08141	23101	08152	22140	08131	22157	09121	21144	07132	23
24	24100	10101	23140	09140	24100	09126	23154	09128	23156	09140	23135	09119	23150	10110	22139	08119	24
25	00100	10152	24100	10131	00102	10116	24100	10119	24100	10130	24100	10110	24100	11101	23128	09110	25
26	00149	11144	00129	11124	00150	11110	00142	11112	00144	11124	00124	11103	00139	11153	24100	10103	26
27	01134	12137	01114	12117	01133	12106	01125	12107	01128	12118	01107	11157	01125	12145	00111	10157	27
28	02114	13130	01154	13110	02111	13101	02104	13102	02108	13112	01147	12151	02106	13136	00151	11151	28
29	02152	14122	02132	14102	02146	13156	02140	13156	02144	14105	02123	13144	02146	14127	01127	12145	29
30	03128	15113	03108	14153	03119	14150	03114	14149	03119	14158	02158	14137	03123	15116	02101	13138	30

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त—मई सन् 2019 ई.

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त—मई सन् 2019 ई.

ता.	अहमदाबाद		भोपाल		चड़ीगढ़		दिल्ली		जयपुर		लखनऊ		मुम्बई		डिब्रूगढ़		ता.
मई	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	मई
1	04103	16104	03143	15144	03150	15144	03146	15142	03152	15150	03131	15129	04100	16105	02134	14131	1
2	04137	16155	04117	16135	04122	16139	04119	16136	04125	16143	04104	16122	04136	16155	03107	15123	2
3	05112	17147	04152	17127	04153	17134	04151	17130	04158	17136	04138	17115	05112	17145	03140	16117	3
4	05148	18142	05128	18121	05126	18132	05125	18127	05133	18132	05112	18111	05150	18137	04114	17113	4
5	06126	19138	06105	19118	06100	19132	06100	19126	06109	19130	05148	19109	06130	19132	04150	18112	5
6	07106	20138	06146	20118	06138	20134	06139	20128	06148	20131	06128	20110	07112	20130	05129	19113	6
7	07151	21139	07131	21119	07119	21138	07121	21131	07132	21133	07111	21112	07159	21129	06111	20115	7
8	08141	22140	08120	22119	08107	22141	08109	22133	08120	22135	07159	22114	08150	22129	06159	21117	8
9	09136	23137	09115	23117	09101	23139	09103	23131	09115	23133	08154	23112	09146	23127	07154	22115	9
10	10136	24100	10116	24100	10102	24100	10104	24100	10115	24100	09154	24100	10145	24100	08154	23108	10
11	11140	00131	11119	00111	11107	00131	11109	00123	11120	00126	10159	00105	11147	00122	09158	23156	11
12	12144	01120	12123	01101	12115	01117	12115	01110	12125	01114	12104	00153	12150	01113	11104	24100	12
13	13147	02106	13126	01146	13122	01159	13121	01154	13130	01158	13109	01137	13151	02100	12110	00140	13
14	14149	02149	14128	02129	14127	02139	14126	02134	14134	02139	14113	02119	14151	02146	13114	01122	14
15	15149	03131	15129	03111	15132	03117	15129	03113	15136	03119	15115	02158	15149	03129	14116	02101	15
16	16150	04112	16129	03152	16136	03154	16132	03151	16138	03158	16117	03138	16148	04112	15119	02140	16
17	17150	04153	17130	04132	17140	04131	17136	04130	17141	04138	17119	04117	17146	04155	16122	03119	17
18	18151	05134	18131	05114	18145	05109	18139	05109	18143	05117	18122	04157	18145	05138	17125	03158	18
19	19153	06117	19133	05157	19150	05148	19143	05149	19146	05159	19125	05138	19145	06123	18128	04139	19
20	20153	07102	20133	06142	20153	06130	20145	06132	20147	06143	20126	06122	20143	07110	19130	05122	20
21	21150	07150	21130	07130	21151	07116	21143	07118	21145	07129	21124	07108	21139	07159	20128	06109	21
22	22142	08141	22122	08120	22143	08105	22135	08108	22137	08119	22116	07158	22131	08150	21120	06158	22
23	23129	09133	23109	09113	23129	08158	23121	09101	23124	09112	23103	08151	23119	09143	22107	07151	23
24	24100	10127	23151	10107	24100	09154	24100	09156	24100	10107	23144	09146	24100	10136	22148	08146	24
25	00111	11121	24100	11100	00109	10150	00102	10151	00105	11102	24100	10141	00103	11128	23126	09141	25
26	00150	12113	00130	11153	00145	11146	00139	11146	00143	11156	00122	11135	00143	12119	24100	10135	26
27	01126	13104	01107	12144	01119	12140	01113	12140	01118	12148	00157	12127	01121	13108	00101	11128	27
28	02101	13155	01141	13135	01150	13134	01146	13132	01151	13140	01131	13119	01158	13157	00134	12121	28
29	02135	14145	02115	14125	02121	14127	02118	14125	02124	14132	02103	14111	02133	14146	01106	13113	29
30	03109	15137	02149	15116	02152	15122	02150	15119	02156	15125	02136	15104	03109	15135	01138	14106	30
31	03144	16130	03124	16110	03124	16118	03122	16114	03130	16119	03109	15158	03146	16126	02112	15101	31

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त—जून सन् 2019 ई.

ता.	अहमदाबाद		भोपाल		चड़ीगढ़		दिल्ली		जयपुर		लखनऊ		मुम्बई		डिब्रूगढ़		ता.
जून	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	जून
1	04121	17126	04101	17105	03157	17118	03157	17112	04105	17117	03145	16156	04125	17120	02146	15158	1
2	05101	18125	04141	18105	04134	18120	04134	18114	04143	18117	04123	17156	05106	18117	03124	16159	2
3	05144	19127	05124	19106	05114	19125	05115	19118	05125	19121	05105	19100	05151	19118	04105	18103	3
4	06133	20129	06112	20109	06100	20130	06102	20122	06113	20125	05152	20103	06142	20119	04152	19107	4
5	07127	21130	07107	21110	06152	21132	06155	21124	07106	21126	06145	21105	07137	21120	05145	20108	5
6	08128	22127	08107	22107	07152	22127	07155	22120	08106	22122	07145	22101	08137	22117	06145	21105	6
7	09132	23119	09111	22159	08158	23116	09100	23110	09111	23113	08150	22152	09140	23110	07150	21155	7
8	10137	24100	10116	23146	10106	24100	10108	23155	10118	23158	09157	23138	10144	24100	08157	22141	8
9	11141	00106	11120	24100	11114	00100	11114	24100	11123	24100	11102	24100	11146	24100	10103	23123	9
10	12143	00150	12122	00130	12120	00141	12119	00136	12127	00141	12106	00120	12145	00146	11107	24100	10
11	13143	01131	13122	01111	13124	01118	13122	01115	13129	01120	13108	01100	13143	01129	12109	00102	11
12	14142	02112	14121	01152	14127	01155	14123	01152	14130	01159	14109	01138	14140	02111	13110	00141	12
13	15141	02151	15120	02131	15129	02131	15125	02129	15130	02137	15109	02116	15137	02153	14111	01118	13
14	16140	03131	16120	03111	16132	03107	16127	03107	16131	03115	16110	02155	16135	03135	15113	01156	14
15	17140	04113	17120	03152	17136	03145	17130	03146	17133	03155	17112	03134	17133	04118	16115	02136	15
16	18140	04156	18120	04136	18139	04125	18132	04127	18135	04137	18113	04116	18131	05103	17117	03117	16
17	19138	05142	19118	05122	19139	05108	19131	05111	19134	05122	19113	05101	19128	05151	18116	04101	17
18	20133	06131	20113	06111	20135	05156	20127	05159	20129	06110	20108	05149	20123	06141	19112	04149	18
19	21123	07123	21103	07103	21124	06148	21116	06150	21118	07102	20157	06141	21113	07133	20101	05141	19
20	22107	08117	21148	07156	22107	07143	21159	07145	22102	07156	21141	07135	21158	08126	20145	06135	20
21	22148	09111	22128	08151	22144	08139	22138	08141	22141	08152	22120	08131	22140	09119	21124	07131	21
22	23125	10105	23105	09144	23119	09136	23113	09136	23117	09146	22156	09125	23119	10111	22100	08126	22
23	24100	10156	23140	10136	23151	10131	23146	10130	23151	10139	23130	10119	23156	11101	22134	09119	23
24	00100	11147	24100	11127	24100	11124	24100	11123	24100	11131	24100	11111	24100	11150	23106	10112	24
25	00134	12137	00114	12116	00122	12117	00118	12115	00123	12123	00103	12102	00132	12138	23138	11103	25
26	01108	13127	00148	13106	00152	13110	00149	13107	00155	13114	00135	12153	01107	13126	24100	11155	26
27	01141	14118	01121	13158	01123	14105	01121	14101	01128	14107	01107	13146	01142	14115	00110	12148	27
28	02117	15111	01156	14151	01155	15102	01153	14157	02101	15102	01141	14141	02119	15107	00143	13143	28
29	02154	16108	02134	15148	02129	16102	02128	15156	02137	16100	02117	15139	02159	16102	01118	14142	29
30	03135	17109	03115	16149	03106	17106	03107	16159	03117	17103	02156	16141	03142	17101	01157	15144	30

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त—जुलाई सन् 2019 ई.

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त—जुलाई सन् 2019 ई.

ता.	अहमदाबाद		भोपाल		चड़ीगढ़		दिल्ली		जयपुर		लखनऊ		मुम्बई		डिब्रूगढ़		ता.
जुला.	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	जुला.
1	04121	18112	04101	17152	03149	18112	03151	18104	04102	18107	03141	17146	04129	18103	02141	16149	1
2	05114	19116	04153	18156	04139	19117	04142	19109	04153	19111	04132	18150	05123	19105	03132	17153	2
3	06113	20116	05152	19156	05137	20117	05140	20109	05151	20111	05130	19150	06122	20106	04130	18154	3
4	07117	21111	06156	20151	06143	21110	06145	21103	06156	21106	06135	20145	07126	21102	05135	19148	4
5	08124	22102	08104	21142	07153	21158	07154	21151	08105	21155	07144	21134	08132	21155	06143	20137	5
6	09131	22148	09111	22128	09103	22140	09104	22135	09113	22140	08152	22119	09137	22143	07152	21122	6
7	10136	23132	10115	23112	10112	23120	10111	23116	10119	23121	09158	23100	10139	23129	08159	22103	7
8	11137	24100	11117	23153	11117	23157	11115	23154	11123	24100	11102	23140	11139	24100	10103	22142	8
9	12137	00113	12117	24100	12121	24100	12118	24100	12125	00100	12104	24100	12136	00112	11105	23120	9
10	13136	00153	13116	00132	13123	00133	13119	00131	13125	00139	13104	00118	13133	00153	12106	23158	10
11	14134	01132	14114	01112	14125	01109	14120	01108	14125	01117	14104	00156	14130	01135	13106	24100	11
12	15133	02112	15113	01152	15128	01146	15122	01146	15126	01155	15105	01135	15127	02117	14107	00136	12
13	16132	02154	16112	02134	16130	02125	16123	02126	16126	02136	16105	02115	16124	03101	15108	01116	13
14	17130	03138	17110	03118	17131	03106	17123	03108	17125	03118	17104	02158	17121	03147	16108	01158	14
15	18126	04125	18106	04105	18127	03151	18119	03153	18121	04105	18100	03144	18115	04135	17104	02144	15
16	19117	05116	18157	04155	19119	04140	19110	04143	19113	04155	18152	04134	19107	05126	17156	03134	16
17	20104	06109	19144	05148	20104	05134	19156	05137	19158	05148	19138	05127	19154	06118	18142	04127	17
18	20146	07103	20126	06143	20143	06130	20136	06132	20139	06143	20119	06122	20137	07111	19123	05122	18
19	21124	07157	21104	07137	21119	07127	21113	07128	21117	07138	20156	07117	21117	08104	20100	06118	19
20	22100	08150	21140	08129	21152	08123	21147	08123	21151	08132	21131	08111	21155	08155	20134	07112	20
21	22134	09141	22114	09120	22123	09117	22119	09116	22124	09125	22103	09104	22131	09144	21107	08105	21
22	23107	10130	22148	10110	22153	10110	22150	10108	22156	10116	22135	09155	23106	10132	21138	08156	22
23	23141	11120	23120	10159	23123	11102	23121	11100	23127	11107	23107	10146	23141	11120	22109	09148	23
24	24100	12109	23154	11149	23154	11155	23152	11152	24100	11158	23139	11137	24100	12108	22141	10139	24
25	00114	13101	24100	12141	24100	12150	24100	12145	24100	12151	24100	12130	00116	12157	23115	11132	25
26	00150	13155	00130	13135	00126	13147	00125	13142	00134	13146	00113	13125	00153	13149	23151	12128	26
27	01128	14152	01108	14132	01101	14148	01101	14142	01110	14145	00150	14124	01133	14145	24100	13127	27
28	02111	15153	01150	15133	01140	15152	01141	15145	01152	15148	01131	15126	02118	15144	00132	14130	28
29	02159	16156	02139	16136	02125	16157	02128	16149	02139	16152	02118	16130	03108	16146	01118	15134	29
30	03154	17158	03134	17138	03119	18100	03121	17152	03133	17154	03112	17133	04104	17148	02112	16136	30
31	04156	18157	04136	18137	04121	18157	04124	18149	04135	18152	04114	18131	05106	18147	03114	17134	31

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त–अगस्त सन् 2019 ई.

ता. अग.	अहमदाबाद उदय	अहमदाबाद अस्त	भोपाल उदय	भोपाल अस्त	चड़ीगढ़ उदय	चड़ीगढ़ अस्त	दिल्ली उदय	दिल्ली अस्त	जयपुर उदय	जयपुर अस्त	लखनऊ उदय	लखनऊ अस्त	मुम्बई उदय	मुम्बई अस्त	डिब्रूगड़ उदय	डिब्रूगड़ अस्त	ता. अग.
1	06104	19151	05143	19131	05131	19148	05132	19141	05143	19144	05122	19123	06112	19143	04122	18127	1
2	07113	20140	06152	20120	06143	20134	06144	20128	06154	20132	06133	20111	07119	20134	05133	19115	2
3	08121	21126	08100	21106	07155	21116	07155	21111	08104	21117	07143	20156	08125	21122	06143	19159	3
4	09126	22110	09105	21150	09104	21156	09103	21152	09111	21158	08150	21137	09128	22108	07151	20140	4
5	10128	22151	10108	22131	10111	22133	10108	22131	10115	22138	09154	22117	10128	22152	08156	21120	5
6	11129	23132	11109	23112	11115	23110	11112	23109	11118	23117	10157	22156	11127	23134	09159	21158	6
7	12129	24100	12109	23152	12119	23147	12114	23147	12119	23156	11158	23135	12125	24100	11100	22137	7
8	13128	00113	13108	24100	13122	24100	13116	24100	13120	24100	12159	24100	13122	00117	12102	23116	8
9	14127	00154	14107	00134	14124	00125	14118	00126	14121	00136	14100	00115	14119	01100	13103	23158	9
10	15126	01137	15106	01117	15125	01105	15118	01107	15120	01118	14159	00157	15116	01145	14103	24100	10
11	16121	02123	16101	02103	16123	01149	16115	01151	16117	02102	15156	01142	16111	02132	15100	00142	11
12	17113	03112	16154	02151	17115	02137	17107	02139	17109	02151	16148	02130	17103	03122	15152	01130	12
13	18101	04104	17141	03143	18102	03129	17154	03131	17156	03143	17135	03122	17151	04113	16139	02122	13
14	18144	04157	18124	04137	18143	04124	18136	04126	18138	04137	18118	04116	18135	05106	17122	03116	14
15	19124	05151	19104	05131	19119	05120	19113	05121	19117	05132	18156	05111	19116	05158	18100	04111	15
16	20100	06144	19141	06124	19153	06116	19148	06117	19152	06126	19131	06105	19155	06150	18135	05106	16
17	20135	07136	20115	07115	20125	07111	20120	07110	20125	07119	20105	06158	20131	07140	19108	05159	17
18	21108	08126	20149	08106	20155	08104	20152	08103	20157	08111	20137	07150	21106	08128	19140	06152	18
19	21141	09115	21121	08155	21125	08157	21122	08155	21129	09102	21108	08141	21141	09116	20111	07143	19
20	22115	10105	21155	09145	21155	09149	21153	09146	22101	09153	21140	09132	22116	10104	20142	08134	20
21	22149	10155	22129	10135	22126	10143	22125	10139	22133	10144	22113	10123	22152	10152	21115	09126	21
22	23125	11147	23105	11127	22159	11138	22159	11133	23108	11138	22147	11117	23130	11142	21149	10119	22
23	24100	12141	23144	12121	23135	12136	23136	12130	23146	12134	23125	12113	24100	12135	22126	11115	23
24	00104	13139	24100	13119	24100	13137	24100	13130	24100	13133	24100	13112	00111	13131	23108	12115	24
25	00149	14140	00128	14120	00116	14140	00118	14132	00129	14135	00108	14114	00157	14130	23157	13117	25
26	01139	15141	01118	15121	01104	15143	01106	15135	01118	15137	00157	15116	01148	15131	24100	14119	26
27	02136	16140	02115	16120	02100	16142	02103	16134	02115	16136	01154	16115	02146	16130	00153	15118	27
28	03140	17136	03119	17116	03105	17135	03108	17127	03119	17130	02158	17109	03149	17127	01158	16113	28
29	04148	18127	04128	18107	04117	18123	04118	18116	04129	18120	04108	17159	04156	18120	03107	17102	29
30	05157	19115	05137	18155	05130	19107	05130	19102	05140	19106	05118	18145	06103	19110	04118	17148	30
31	07105	20100	06145	19140	06142	19148	06141	19144	06149	19150	06128	19129	07108	19158	05129	18132	31

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त–सितम्बर सन् 2019 ई.

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त—सितम्बर सन् 2019 ई.

ता.	अहमदाबाद		भोपाल		चड़ीगढ़		दिल्ली		जयपुर		लखनऊ		मुम्बई		डिब्रूगढ़		ता.
सितं.	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	सितं.
1	08111	20144	07150	20124	07151	20128	07149	20125	07157	20131	07136	20111	08112	20143	06137	19113	1
2	09115	21126	08154	21106	08159	21106	08156	21105	09102	21112	08141	20151	09113	21128	07143	19153	2
3	10117	22108	09157	21148	10106	21145	10101	21144	10107	21152	09146	21132	10114	22112	08148	20133	3
4	11119	22151	10159	22131	11111	22123	11106	22124	11110	22133	10149	22112	11113	22156	09152	21114	4
5	12120	23135	12100	23114	12116	23103	12110	23105	12113	23115	11152	22155	12113	23142	10155	21155	5
6	13120	24100	13100	24100	13119	23146	13112	23149	13114	24100	12153	23139	13111	24100	11157	22139	6
7	14117	00120	13158	24100	14119	24100	14111	24100	14113	24100	13152	24100	14107	00129	12155	23127	7
8	15111	01109	14151	00148	15113	00133	15105	00136	15107	00147	14146	00127	15100	01118	13150	24100	8
9	16100	02100	15140	01139	16101	01124	15153	01127	15155	01138	15134	01118	15150	02109	14138	00117	9
10	16144	02153	16124	02132	16143	02119	16136	02121	16138	02132	16118	02111	16135	03102	15122	01111	10
11	17124	03147	17104	03126	17121	03115	17114	03116	17117	03127	16157	03106	17116	03154	16101	02106	11
12	18101	04140	17142	04119	17155	04111	17149	04112	17153	04121	17133	04101	17155	04146	16136	03101	12
13	18136	05132	18117	05111	18127	05106	18122	05106	18127	05115	18106	04154	18132	05136	17110	03155	13
14	19110	06123	18150	06102	18158	06100	18154	05159	18159	06107	18139	05146	19107	06125	17142	04147	14
15	19143	07112	19123	06152	19128	06153	19125	06151	19131	06158	19110	06137	19142	07113	18113	05139	15
16	20116	08102	19156	07142	19158	07145	19155	07142	20103	07149	19142	07128	20117	08101	18145	06130	16
17	20150	08152	20130	08131	20128	08138	20127	08135	20135	08140	20114	08119	20152	08149	19116	07122	17
18	21125	09143	21105	09123	21100	09133	21100	09128	21108	09133	20148	09112	21129	09138	19150	08115	18
19	22103	10136	21142	10116	21134	10129	21135	10124	21145	10128	21124	10107	22109	10130	20125	09110	19
20	22144	11132	22124	11112	22112	11129	22114	11122	22124	11125	22104	11104	22152	11124	21104	10107	20
21	23130	12130	23110	12110	22156	12130	22158	12122	23109	12125	22149	12104	23139	12121	21149	11107	21
22	24100	13130	24100	13110	23147	13131	23150	13123	24100	13125	23141	13104	24100	13119	22140	12108	22
23	00123	14128	00102	14108	24100	14130	24100	14122	00101	14124	24100	14103	00133	14117	23139	13106	23
24	01122	15123	01101	15103	00146	15124	00149	15116	01101	15118	00140	14157	01132	15113	24100	14101	24
25	02127	16114	02106	15154	01153	16112	01155	16105	02106	16108	01145	15147	02135	16106	00145	14151	25
26	03134	17103	03113	16143	03104	16156	03105	16151	03115	16155	02154	16134	03140	16156	01154	15137	26
27	04141	17148	04121	17128	04115	17138	04115	17134	04124	17139	04103	17118	04146	17144	03103	16121	27
28	05148	18132	05127	18112	05126	18118	05124	18115	05132	18121	05111	18100	05150	18131	04112	17103	28
29	06153	19116	06132	18156	06135	18158	06133	18155	06140	19102	06118	18142	06153	19116	05120	17144	29
30	07157	19159	07137	19139	07144	19137	07140	19135	07146	19144	07125	19123	07155	20101	06126	18125	30

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त—अक्टूबर सन् 2019 ई.

ता.	अहमदाबाद		भोपाल		चड़ीगढ़		दिल्ली		जयपुर		लखनऊ		मुम्बई		डिब्रूगड़		ता.
अक्टू.	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	अक्टू.
1	09101	20142	08141	20122	08152	20116	08147	20116	08152	20125	08131	20104	08157	20147	07133	19106	1
2	10105	21127	09145	21106	10100	20157	09153	20158	09157	21108	09136	20147	09158	21133	08139	19148	2
3	11108	22113	10148	21153	11106	21140	10159	21142	11102	21153	10141	21132	10159	22121	09144	20132	3
4	12109	23102	11149	22141	12110	22126	12102	22129	12104	22141	11143	22120	11159	23111	10146	21120	4
5	13106	23153	12146	23133	13108	23117	12159	23120	13101	23132	12140	23111	12155	24100	11144	22111	5
6	13157	24100	13137	24100	13159	24100	13151	24100	13153	24100	13132	24100	13147	00103	12136	23105	6
7	14143	00147	14123	00126	14143	00112	14136	00114	14138	00126	14117	00105	14133	00156	13121	24100	7
8	15124	01141	15105	01121	15122	01108	15115	01110	15118	01121	14158	01100	15116	01150	14102	00100	8
9	16102	02135	15143	02114	15157	02105	15151	02106	15155	02116	15134	01155	15156	02142	14138	00155	9
10	16138	03127	16118	03107	16130	03100	16124	03100	16129	03110	16108	02149	16133	03132	15112	01150	10
11	17112	04118	16152	03158	17100	03154	16156	03154	17102	04102	16141	03141	17108	04122	15144	02143	11
12	17145	05108	17125	04148	17130	04148	17127	04146	17133	04154	17113	04133	17143	05110	16116	03134	12
13	18118	05158	17158	05138	18100	05141	17158	05138	18105	05145	17144	05124	18118	05158	16147	04126	13
14	18151	06148	18131	06128	18131	06134	18129	06130	18137	06136	18116	06115	18153	06146	17118	05118	14
15	19126	07139	19106	07119	19102	07128	19101	07124	19110	07129	18149	07108	19130	07135	17151	06110	15
16	20103	08132	19143	08112	19135	08125	19136	08119	19145	08123	19125	08102	20108	08126	18126	07105	16
17	20143	09127	20123	09107	20112	09123	20113	09117	20124	09120	20103	08159	20150	09120	19104	08102	17
18	21127	10125	21107	10105	20153	10124	20156	10117	21107	10119	20146	09158	21136	10116	19146	09102	18
19	22117	11124	21156	11104	21141	11125	21144	11117	21155	11119	21135	10158	22127	11113	20135	10102	19
20	23112	12122	22152	12102	22136	12124	22139	12116	22151	12118	22130	11157	23122	12111	21130	11100	20
21	24100	13116	23153	12157	23139	13118	23141	13110	23152	13112	23131	12151	24100	13106	22131	11155	21
22	00113	14107	24100	13148	24100	14107	24100	13159	24100	14102	24100	13141	00123	13158	23137	12145	22
23	01118	14155	00157	14135	00146	14151	00147	14144	00158	14148	00137	14127	01125	14148	24100	13130	23
24	02123	15140	02102	15120	01155	15131	01155	15126	02105	15131	01144	15110	02128	15134	00144	14113	24
25	03128	16123	03107	16103	03104	16111	03103	16107	03111	16112	02150	15151	03131	16120	01151	14154	25
26	04132	17105	04111	16145	04112	16149	04110	16146	04117	16153	03156	16132	04133	17104	02157	15134	26
27	05135	17148	05115	17127	05119	17127	05116	17126	05123	17133	05102	17112	05134	17149	04103	16114	27
28	06139	18131	06119	18110	06128	18106	06123	18106	06129	18114	06107	17154	06136	18134	05109	16155	28
29	07144	19115	07123	18155	07136	18147	07131	18147	07135	18157	07114	18136	07138	19121	06116	17137	29
30	08149	20101	08128	19141	08145	19129	08138	19131	08142	19141	08121	19121	08141	20109	07123	18121	30
31	09153	20150	09133	20129	09153	20115	09145	20118	09147	20129	09126	20108	09143	20159	08129	19108	31

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त ... 2019 ई.

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त—नवम्बर सन् 2019 ई.

ता.	अहमदाबाद		भोपाल		चड़ीगढ़		दिल्ली		जयपुर		लखनऊ		मुम्बई		डिब्रूगढ़		ता.
नवं.	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	नवं.
1	10154	21142	10134	21121	10156	21105	10147	21108	10149	21120	10128	20159	10143	21152	09132	19159	1
2	11149	22136	11129	22115	11152	22100	11143	22103	11145	22115	11124	21154	11138	22146	10128	20153	2
3	12139	23132	12119	23111	12140	22157	12132	23100	12134	23111	12113	22150	12128	23141	11117	21150	3
4	13122	24100	13103	24100	13121	23155	13114	23157	13117	24100	12156	23146	13113	24100	12100	22147	4
5	14102	00127	13142	00106	13158	24100	13152	24100	13155	00107	13134	24100	13154	00134	12138	23142	5
6	14138	01120	14118	01100	14131	00152	14126	00153	14130	01102	14109	00141	14132	01126	13113	24100	6
7	15112	02112	14153	01152	15102	01147	14158	01147	15103	01156	14142	01135	15108	02116	13146	00136	7
8	15146	03102	15126	02142	15132	02141	15129	02139	15134	02147	15114	02126	15143	03105	14117	01128	8
9	16118	03152	15158	03132	16102	03133	15159	03131	16106	03138	15145	03118	16118	03153	14148	02119	9
10	16152	04142	16132	04122	16132	04126	16130	04123	16138	04130	16117	04109	16153	04141	15119	03111	10
11	17126	05133	17106	05113	17103	05121	17102	05116	17110	05122	16150	05101	17129	05130	15152	04103	11
12	18102	06125	17142	06105	17136	06117	17136	06112	17145	06116	17124	05155	18107	06121	16126	04158	12
13	18141	07121	18121	07101	18112	07116	18113	07109	18123	07113	18102	06152	18148	07114	17103	05155	13
14	19125	08119	19104	07159	18152	08117	18154	08110	19104	08113	18144	07152	19133	08110	17144	06155	14
15	20113	09118	19152	08158	19138	09119	19140	09111	19152	09113	19131	08152	20123	09108	18131	07156	15
16	21107	10117	20147	09157	20131	10120	20134	10111	20145	10113	20125	09152	21117	10106	19124	08156	16
17	22107	11113	21146	10153	21131	11116	21134	11107	21145	11109	21124	10148	22116	11103	20124	09152	17
18	23109	12105	22149	11145	22136	12105	22138	11158	22149	12100	22128	11139	23118	11155	21128	10143	18
19	24100	12153	23153	12133	23144	12150	23145	12143	23155	12146	23134	12125	24100	12145	22134	11129	19
20	00113	13137	24100	13117	24100	13130	24100	13125	24100	13129	24100	13108	00120	13131	23139	12112	20
21	01116	14119	00156	13159	00151	14109	00151	14104	01100	14109	00139	13149	01120	14115	24100	12152	21
22	02118	15100	01158	14140	01157	14146	01155	14142	02103	14149	01142	14128	02120	14159	00143	13131	22
23	03120	15141	02159	15121	03102	15123	03100	15120	03107	15127	02146	15107	03119	15141	01147	14109	23
24	04121	16122	04101	16102	04108	16100	04104	15159	04110	16107	03149	15146	04119	16125	02151	14148	24
25	05124	17105	05104	16144	05115	16139	05110	16139	05115	16148	04154	16127	05119	17109	03156	15128	25
26	06128	17149	06108	17129	06123	17119	06117	17120	06121	17130	05159	17110	06121	17156	05102	16110	26
27	07133	18137	07113	18116	07131	18103	07124	18105	07127	18116	07106	17155	07124	18145	06109	16156	27
28	08136	19127	08116	19107	08138	18151	08130	18154	08132	19106	08111	18145	08126	19137	07114	17145	28
29	09136	20122	09116	20101	09139	19145	09130	19148	09132	20100	09111	19139	09125	20132	08114	18138	29
30	10129	21118	10109	20157	10132	20142	10123	20145	10125	20157	10104	20136	10118	21128	09108	19135	30

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त—दिसम्बर सन् 2019 ई.

ता. दिसं.	अहमदाबाद उदय	अहमदाबाद अस्त	भोपाल उदय	भोपाल अस्त	चड़ीगढ़ उदय	चड़ीगढ़ अस्त	दिल्ली उदय	दिल्ली अस्त	जयपुर उदय	जयपुर अस्त	लखनऊ उदय	लखनऊ अस्त	मुम्बई उदय	मुम्बई अस्त	डिब्रूगढ़ उदय	डिब्रूगढ़ अस्त	ता. दिसं.
1	11116	22115	10157	21154	11117	21142	11109	21144	11111	21155	10151	21134	11107	22123	09155	20134	1
2	11158	23110	11138	22150	11156	22140	11149	22141	11152	22151	11131	22130	11150	23117	10135	21131	2
3	12136	24100	12116	23143	12131	23137	12125	23137	12129	23146	12108	23125	12130	24100	11112	22126	3
4	13111	00103	12152	24100	13103	24100	12158	24100	13102	24100	12142	24100	13107	00108	11145	23119	4
5	13145	00154	13125	00134	13133	00131	13129	00130	13134	00139	13114	00118	13142	00157	12117	24100	5
6	14137	01144	13158	01124	14102	01124	13159	01122	14106	01130	13145	01109	14116	01145	12148	00110	6
7	14150	02133	14130	02113	14132	02117	14130	02114	14137	02121	14116	02100	14151	02133	13119	01102	7
8	15124	03124	15104	03103	15102	03110	15101	03106	15109	03112	14148	02151	15126	03121	13150	01154	8
9	15159	04115	15139	03155	15134	04105	15134	04100	15143	04106	15122	03145	16103	04111	14124	02147	9
10	16137	05110	16117	04150	16109	05103	16109	04157	16119	05102	15158	04141	16143	05104	15100	03143	10
11	17119	06107	16159	05147	16147	06104	16149	05157	16159	06101	16139	05140	17127	05159	15139	04143	11
12	18106	07107	17146	06147	17131	07107	17134	07100	17145	07102	17124	06141	18115	06158	16125	05144	12
13	18159	08108	18139	07148	18123	08110	18126	08102	18138	08104	18117	07143	19109	07158	17116	06147	13
14	19159	09107	19138	08147	19122	09110	19125	09101	19137	09103	19116	08142	20108	08156	18115	07146	14
15	21102	10102	20141	09142	20128	10103	20130	09155	20141	09157	20120	09136	21111	09152	19120	08140	15
16	22107	10151	21146	10132	21136	10150	21137	10143	21147	10145	21126	10125	22113	10143	20126	09128	16
17	23110	11137	22150	11117	22144	11132	22144	11126	22153	11130	22132	11109	23115	11131	21132	10112	17
18	24100	12120	23152	12100	23149	12111	23148	12106	23157	12110	23136	11150	24100	12115	22136	10153	18
19	00112	13101	24100	12141	24100	12147	24100	12144	24100	12149	24100	12129	00115	12158	23139	11132	19
20	01113	13140	00152	13120	00154	13123	00152	13121	00159	13127	00138	13107	01113	13140	24100	12109	20
21	02112	14120	01152	14100	01158	13159	01154	13158	02100	14105	01139	13145	02111	14122	00141	12147	21
22	03113	15101	02152	14140	03102	14136	02157	14136	03103	14144	02142	14124	03109	15104	01144	13125	22
23	04114	15143	03154	15123	04107	15114	04102	15115	04106	15125	03145	15104	04108	15149	02147	14105	23
24	05117	16128	04157	16107	05114	15156	05107	15157	05111	16108	04150	15147	05109	16136	03152	14148	24
25	06120	17116	06100	16156	06121	16141	06113	16144	06115	16155	05154	16134	06111	17126	04157	15134	25
26	07121	18108	07101	17148	07124	17132	07115	17135	07117	17146	06156	17126	07110	18118	06100	16125	26
27	08118	19104	07158	18143	08120	18128	08112	18130	08114	18142	07153	18121	08107	19114	06157	17121	27
28	09108	20101	08148	19141	09109	19127	09101	19129	09103	19140	08143	19119	08158	20110	07147	18119	28
29	09152	20158	09133	20137	09151	20126	09144	20128	09147	20138	09126	20117	09144	21105	08130	19118	29
30	10132	21153	10112	21132	10128	21124	10122	21125	10125	21135	10105	21114	10125	21158	09108	20114	30
31	11109	22145	10149	22124	11101	22120	10156	22120	11100	22128	10140	22107	11103	22149	09143	21108	31

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त—जनवरी सन् 2020 ई.

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त—जनवरी सन् 2020 ई.

ता.	अहमदाबाद		भोपाल		चड़ीगढ़		दिल्ली		जयपुर		लखनऊ		मुम्बई		डिब्रूगड़		ता.
जन.	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	जन.
1	11143	23135	11123	23115	11132	23114	11128	23112	11133	23120	11112	22159	11139	23137	10116	22101	1
2	12116	24100	11156	24100	12102	24100	11159	24100	12104	24100	11144	23150	12114	24100	10147	22152	2
3	12148	00125	12128	00104	12131	00106	12129	00104	12135	00111	12115	24100	12148	00125	11118	23143	3
4	13121	01114	13101	00154	13101	00159	12159	00156	13107	01102	12146	00141	13122	01112	11148	24100	4
5	13155	02104	13135	01144	13131	01152	13131	01148	13139	01154	13118	01133	13158	02101	12120	00135	5
6	14131	02157	14111	02137	14104	02148	14104	02143	14114	02148	13153	02127	14136	02151	12155	01129	6
7	15111	03152	14151	03132	14141	03148	14142	03141	14152	03145	14131	03124	15118	03145	13132	02127	7
8	15156	04151	15135	04131	15122	04150	15124	04143	15135	04145	15114	04124	16104	04142	14115	03127	8
9	16146	05153	16126	05132	16110	05154	16113	05146	16125	05148	16104	05127	16156	05142	15104	04130	9
10	17144	06154	17123	06134	17107	06156	17110	06148	17122	06150	17101	06128	17154	06143	16101	05132	10
11	18148	07151	18127	07131	18113	07153	18115	07145	18126	07147	18105	07126	18157	07141	17105	06130	11
12	19154	08145	19134	08125	19122	08144	19124	08137	19134	08139	19113	08118	20102	08135	18113	07122	12
13	21101	09133	20140	09113	20132	09129	20133	09123	20143	09126	20122	09105	21106	09126	19122	08109	13
14	22105	10118	21145	09158	21141	10110	21140	10105	21149	10110	21128	09149	22108	10113	20128	08152	14
15	23107	11101	22147	10141	22147	10149	22145	10145	22153	10150	22132	10129	23108	10158	21133	09132	15
16	24100	11141	23147	11121	23151	11125	23148	11122	23155	11129	23134	11108	24100	11140	22136	10111	16
17	00107	12121	24100	12101	24100	12101	24100	12100	24100	12107	24100	11146	00106	12122	23138	10148	17
18	01107	13101	00147	12141	00155	12138	00151	12137	00157	12145	00136	12124	01104	13104	24100	11126	18
19	02108	13142	01147	13122	01159	13115	01154	13115	01159	13124	01138	13104	02102	13147	00140	12105	19
20	03109	14125	02149	14105	03105	13154	02158	13155	03102	14106	02141	13145	03102	14132	01143	12146	20
21	04111	15111	03151	14150	04110	14137	04102	14139	04105	14150	03144	14129	04102	15120	02147	13130	21
22	05111	16100	04151	15140	05113	15124	05105	15127	05107	15139	04146	15118	05101	16110	03149	14118	22
23	06109	16154	05149	16133	06111	16117	06103	16120	06105	16132	05144	16111	05158	17104	04148	15111	23
24	07101	17150	06141	17130	07103	17115	06155	17117	06157	17129	06136	17108	06150	18100	05140	16108	24
25	07147	18147	07127	18127	07147	18114	07140	18116	07142	18127	07121	18106	07138	18155	06125	17106	25
26	08129	19143	08109	19122	08126	19113	08119	19114	08122	19124	08101	19103	08121	19149	07105	18104	26
27	09106	20136	08147	20116	09100	20110	08155	20110	08159	20119	08138	19158	09100	20141	07142	18159	27
28	09141	21127	09122	21107	09132	21105	09127	21104	09132	21112	09111	20151	09137	21130	08115	19152	28
29	10115	22117	09155	21157	10102	21158	09158	21156	10104	22103	09143	21142	10112	22118	08146	20144	29
30	10147	23106	10127	22146	10131	22150	10128	22147	10135	22153	10114	22133	10146	23105	09117	21135	30
31	11119	23155	10159	23135	11100	23142	10158	23138	11106	23144	10145	23123	11120	23153	09147	22126	31

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त—फरवरी सन् 2020 ई.

ता. फर.	अहमदाबाद उदय	अहमदाबाद अस्त	भोपाल उदय	भोपाल अस्त	चड़ीगढ़ उदय	चड़ीगढ़ अस्त	दिल्ली उदय	दिल्ली अस्त	जयपुर उदय	जयपुर अस्त	लखनऊ उदय	लखनऊ अस्त	मुम्बई उदय	मुम्बई अस्त	डिब्रूगढ़ उदय	डिब्रूगढ़ अस्त	ता. फर.
1	11152	24100	11132	24100	11130	24100	11129	24100	11137	24100	11116	24100	11155	24100	10118	23118	1
2	12126	00146	12106	00126	12101	00136	12101	00131	12110	00136	11149	00115	12131	00141	10151	24100	2
3	13104	01139	12143	01119	12135	01133	12136	01127	12145	01131	12125	01110	13110	01133	11126	00113	3
4	13145	02135	13124	02115	13113	02132	13114	02125	13125	02129	13104	02108	13153	02127	12105	01111	4
5	14132	03135	14111	03114	13157	03135	13159	03127	14111	03129	13150	03108	14141	03125	12150	02112	5
6	15126	04135	15105	04115	14149	04138	14152	04129	15104	04131	14143	04110	15136	04124	13143	03114	6
7	16127	05135	16106	05115	15151	05138	15154	05129	16105	05131	15144	05110	16137	05124	14144	04114	7
8	17133	06131	17113	06111	17100	06132	17102	06124	17113	06126	16152	06105	17142	06121	15151	05109	8
9	18142	07122	18121	07102	18112	07120	18113	07113	18123	07116	18102	06155	18148	07114	17102	05159	9
10	19149	08110	19129	07150	19123	08104	19123	07158	19132	08102	19111	07141	19154	08104	18111	06145	10
11	20155	08155	20134	08135	20133	08145	20132	08140	20140	08145	20118	08124	20157	08151	19119	07127	11
12	21158	09138	21137	09117	21140	09123	21138	09120	21145	09126	21124	09105	21158	09136	20125	08108	12
13	23100	10119	22139	09159	22146	10101	22143	09158	22148	10105	22127	09145	22157	10119	21129	08147	13
14	24100	11100	23141	10140	23152	10138	23147	10136	23152	10145	23131	10124	23157	11102	22133	09126	14
15	00101	11141	24100	11121	24100	11115	24100	11115	24100	11124	24100	11103	24100	11146	23137	10105	15
16	01103	12124	00143	12103	00158	11154	00152	11155	00155	12105	00134	11144	00156	12131	24100	10145	16
17	02105	13109	01145	12148	02103	12136	01156	12138	01159	12149	01138	12128	01156	13117	00141	11128	17
18	03106	13157	02146	13136	03107	13121	02159	13124	03101	13136	02140	13115	02156	14107	01144	12115	18
19	04104	14149	03144	14128	04106	14112	03158	14115	04100	14127	03139	14106	03153	14159	02143	13106	19
20	04157	15144	04137	15123	04159	15108	04151	15110	04153	15122	04132	15101	04146	15154	03136	14101	20
21	05144	16140	05125	16119	05145	16106	05137	16108	05140	16119	05119	15158	05134	16149	04123	14158	21
22	06127	17136	06107	17115	06125	17105	06118	17106	06121	17116	06100	16156	06118	17143	05104	15156	22
23	07106	18130	06146	18109	07101	18102	06155	18103	06158	18112	06138	17151	06159	18135	05141	16152	23
24	07141	19122	07121	19101	07133	18158	07128	18157	07133	19106	07112	18145	07136	19125	06115	17146	24
25	08115	20112	07155	19152	08104	19151	07159	19150	08105	19157	07144	19136	08112	20113	06147	18138	25
26	08148	21101	08128	20141	08133	20144	08130	20141	08136	20148	08115	20127	08146	21101	07118	19129	26
27	09120	21150	09100	21130	09102	21136	08159	21132	09106	21138	08146	21117	09120	21148	07148	20120	27
28	09152	22139	09132	22119	09131	22129	09129	22124	09137	22129	09117	22108	09154	22136	08119	21111	28
29	10125	23131	10105	23111	10101	23123	10100	23118	10109	23122	09148	23101	10129	23125	08150	22104	29

भारत के प्रमुख शहरों के चन्द्रोदयास्त–मार्च सन् 2020 ई.

ता.	अहमदाबाद		भोपाल		चड़ीगढ़		दिल्ली		जयपुर		लखनऊ		मुम्बई		डिब्रूगड़		ता.
मार्च	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	मार्च
1	11100	24100	10140	24100	10133	24100	10133	24100	10143	24100	10122	23157	11106	24100	09123	23100	1
2	11139	00125	11118	00104	11108	00121	11109	00114	11119	00118	10159	24100	11146	00117	10100	23158	2
3	12122	01121	12101	01101	11147	01120	11150	01113	12101	01116	11140	00155	12131	01112	10141	24100	3
4	13111	02120	12150	02100	12134	02122	12137	02114	12149	02116	12128	01155	13121	02109	11128	00158	4
5	14107	03119	13146	02159	13130	03122	13133	03113	13145	03115	13124	02154	14117	03107	12124	01158	5
6	15110	04115	14149	03155	14135	04117	14137	04109	14149	04111	14128	03150	15119	04104	13127	02154	6
7	16117	05108	15156	04148	15145	05107	15147	05100	15157	05102	15136	04142	16125	04158	14136	03145	7
8	17125	05157	17105	05137	16157	05153	16158	05146	17107	05150	16146	05129	17131	05149	15146	04132	8
9	18133	06143	18112	06123	18109	06135	18108	06130	18117	06134	17156	06113	18136	06138	16156	05117	9
10	19139	07127	19118	07107	19119	07115	19117	07111	19125	07117	19103	06156	19139	07125	18105	05159	10
11	20143	08110	20123	07150	20128	07154	20125	07151	20131	07158	20110	07137	20142	08110	19112	06139	11
12	21147	08153	21127	08133	21137	08132	21132	08131	21137	08138	21116	08118	21144	08155	20118	07120	12
13	22152	09136	22131	09115	22145	09111	22139	09110	22144	09119	22122	08158	22146	09140	21125	08100	13
14	23156	10119	23136	09159	23153	09150	23146	09151	23150	10101	23128	09140	23148	10125	22131	08141	14
15	24100	24100	24100	10144	24100	10132	24100	10134	24100	10144	24100	10124	24100	11113	23136	09124	15
16	00159	11153	00139	11132	01100	11117	00152	11120	00154	11131	00133	11110	00149	12102	24100	10110	16
17	01159	12144	01139	12123	02102	12107	01153	12110	01155	12122	01134	12101	01148	12154	00138	11101	17
18	02154	13139	02134	13118	02157	13102	02149	13105	02150	13117	02129	12156	02143	13149	01133	11155	18
19	03143	14135	03123	14114	03145	14100	03137	14102	03139	14114	03118	13153	03133	14144	02122	12153	19
20	04127	15131	04107	15110	04126	14159	04119	15100	04122	15111	04101	14150	04118	15138	03105	13150	20
21	05106	16125	04147	16105	05103	15157	04156	15157	05100	16107	04139	15146	04159	16131	03143	14147	21
22	05143	17117	05123	16157	05136	16152	05130	16152	05134	17101	05114	16140	05137	17121	04117	15141	22
23	06117	18108	05157	17148	06106	17146	06102	17145	06107	17153	05146	17132	06113	18110	04150	16133	23
24	06149	18157	06129	18137	06136	18139	06132	18137	06138	18144	06117	18123	06147	18158	05121	17125	24
25	07121	19146	07101	19126	07105	19131	07102	19128	07109	19134	06148	19113	07121	19145	05151	18116	25
26	07154	20136	07134	20116	07133	20124	07132	20120	07139	20125	07119	20104	07155	20133	06121	19107	26
27	08126	21127	08106	21106	08103	21118	08102	21113	08110	21118	07150	20157	08130	21121	06152	19159	27
28	09100	22119	08140	21159	08134	22114	08134	22108	08143	22112	08123	21151	09105	22112	07124	20154	28
29	09137	23114	09117	22154	09107	23113	09108	23106	09118	23109	08158	22148	09144	23106	07159	21151	29
30	10117	24100	09157	23152	09144	24100	09146	24100	09157	24100	09136	23146	10126	24100	08137	22149	30
31	11103	00111	10142	24100	10127	00113	10130	00105	10141	00107	10121	24100	11113	00101	09121	23148	31

शर क्रांति–अप्रैल सन् 2019 ई.

ता. अप्रै.	सूर्य	चन्द्र		मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		ता. अप्रै.
	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	
1	04120137	-02126156	-16115112	00155108	21108158	-00114112	-05129137	00137153	-22140140	-00154127	-10103158	00124142	-21133145	1
2	04143147	-03117156	-12154151	00155132	21117136	-00127112	-05133130	00137153	-22140144	-00157100	-09139130	00124140	-21133123	2
3	05106151	-04100138	-09102117	00155155	21126105	-00139138	-05135101	00137154	-22140148	-00159129	-09114145	00124137	-21133102	3
4	05129151	-04133101	-04145157	00156118	21134122	-00151130	-05134114	00137155	-22140150	-01101154	-08149144	00124135	-21132142	4
5	05152144	-04153114	-00114155	00156140	21142130	-01102147	-05131113	00137156	-22140153	-01104114	-08124129	00124133	-21132123	5
6	06115132	-04159152	04120151	00157103	21150126	-01113128	-05126102	00137156	-22140155	-01106131	-07158158	00124131	-21132104	6
7	06138113	-04151159	08150118	00157124	21158112	-01123132	-05118146	00137157	-22140156	-01108143	-07133114	00124129	-21131146	7
8	07100147	-04129125	13101102	00157146	22105147	-01133100	-05109129	00137157	-22140157	-01110151	-07107117	00124126	-21131129	8
9	07123114	-03152142	16139127	00158107	22113111	-01141152	-04158114	00137158	-22140158	-01112155	-06141107	00124124	-21131113	9
10	07145133	-03103110	19131112	00158128	22120125	-01150107	-04145107	00137158	-22140158	-01114154	-06114145	00124122	-21130158	10
11	08107145	-02102155	21122120	00158148	22127127	-01157146	-04130111	00137158	-22140158	-01116149	-05148112	00124120	-21130143	11
12	08129148	-00154146	22101109	00159108	22134118	-02104148	-04113130	00137159	-22140157	-01118140	-05121128	00124117	-21130129	12
13	08151142	00117146	21120128	00159128	22140159	-02111115	-03155108	00137159	-22140156	-01120126	-04154134	00124115	-21130116	13
14	09113127	01130135	19119130	00159147	22147128	-02117106	-03135107	00137159	-22140154	-01122107	-04127132	00124113	-21130104	14
15	09135104	02139100	16104133	01100106	22153146	-02122121	-03113132	00137159	-22140153	-01123144	-04100120	00124111	-21129153	15
16	09156130	03138111	11148117	01100125	22159152	-02127102	-02150125	00137159	-22140150	-01125117	-03133101	00124108	-21129143	16
17	10117147	04123137	06148102	01100143	23105148	-02131107	-02125150	00137159	-22140148	-01126145	-03105134	00124106	-21129133	17
18	10138153	04151143	01123154	01101101	23111132	-02134138	-01159149	00137159	-22140144	-01128108	-02138101	00124104	-21129124	18
19	10159149	05100128	-04102159	01101119	23117104	-02137135	-01132125	00137159	-22140141	-01129127	-02110122	00124101	-21129117	19
20	11120134	04149147	-09112110	01101136	23122126	-02139157	-01103141	00137158	-22140137	-01130141	-01142137	00123159	-21129110	20
21	11141107	04121127	-13145119	01101153	23127135	-02141145	-00133140	00137158	-22140133	-01131151	-01114148	00123157	-21129104	21
22	12101129	03138134	-17127130	01102109	23132134	-02143100	-00102124	00137157	-22140128	-01132156	-00146155	00123154	-21128158	22
23	12121140	02144156	-20108109	01102126	23137121	-02143141	00130104	00137157	-22140123	-01133156	-00118158	00123152	-21128154	23
24	12141138	01144121	-21141142	01102142	23141156	-02143149	01103142	00137156	-22140117	-01134152	00109101	00123150	-21128151	24
25	13101124	00140122	-22107121	01102158	23146119	-02143124	01138128	00137156	-22140111	-01135143	00137102	00123147	-21128148	25
26	13120157	-00124101	-21128126	01103113	23150131	-02142126	02114120	00137155	-22140104	-01136129	01105105	00123145	-21128147	26
27	13140117	-01126117	-19151107	01103128	23154132	-02140156	02151113	00137154	-22139157	-01137111	01133109	00123142	-21128146	27
28	13159123	-02124114	-17123104	01103143	23158121	-02138153	03129107	00137153	-22139150	-01137148	02101112	00123140	-21128146	28
29	14118116	-03115153	-14112122	01103157	24101158	-02136117	04107159	00137151	-22139142	-01138120	02129115	00123137	-21128147	29
30	14136155	-03159119	-10127108	01104111	24105123	-02133110	04147146	00137150	-22139134	-01138148	02157117	00123135	-21128149	30

आर्यभट्ट पंचांगम्

शर क्रांति–मई सन् 2019 ई.

ता. सूर्य चन्द्र मंगल बुध गुरु शुक्र शनि ता.

शर क्रांति—मई सन् 2019 ई.

<table>
<tr><th>ता.</th><th>सूर्य</th><th colspan="2">चन्द्र</th><th colspan="2">मंगल</th><th colspan="2">बुध</th><th colspan="2">गुरु</th><th colspan="2">शुक्र</th><th colspan="2">शनि</th><th>ता.</th></tr>
<tr><th>मई</th><th>क्रांति</th><th>शर</th><th>क्रांति</th><th>शर</th><th>क्रांति</th><th>शर</th><th>क्रांति</th><th>शर</th><th>क्रांति</th><th>शर</th><th>क्रांति</th><th>शर</th><th>क्रांति</th><th>मई</th></tr>
<tr><td>1</td><td>14|55|19</td><td>-04|32|40</td><td>-06|15|20</td><td>01|04|25</td><td>24|08|37</td><td>-02|29|31</td><td>05|28|25</td><td>00|37|49</td><td>-22|39|25</td><td>-01|39|12</td><td>03|25|16</td><td>00|23|32</td><td>-21|28|52</td><td>1</td></tr>
<tr><td>2</td><td>15|13|28</td><td>-04|54|09</td><td>-01|45|18</td><td>01|04|39</td><td>24|11|39</td><td>-02|25|20</td><td>06|09|54</td><td>00|37|47</td><td>-22|39|16</td><td>-01|39|30</td><td>03|53|13</td><td>00|23|30</td><td>-21|28|56</td><td>2</td></tr>
<tr><td>3</td><td>15|31|23</td><td>-05|02|11</td><td>02|53|50</td><td>01|04|52</td><td>24|14|29</td><td>-02|20|39</td><td>06|52|09</td><td>00|37|46</td><td>-22|39|06</td><td>-01|39|45</td><td>04|21|07</td><td>00|23|27</td><td>-21|29|01</td><td>3</td></tr>
<tr><td>4</td><td>15|49|02</td><td>-04|55|38</td><td>07|31|31</td><td>01|05|05</td><td>24|17|08</td><td>-02|15|27</td><td>07|35|07</td><td>00|37|44</td><td>-22|38|56</td><td>-01|39|54</td><td>04|48|56</td><td>00|23|24</td><td>-21|29|06</td><td>4</td></tr>
<tr><td>5</td><td>16|06|25</td><td>-04|33|58</td><td>11|55|18</td><td>01|05|18</td><td>24|19|34</td><td>-02|09|44</td><td>08|18|45</td><td>00|37|42</td><td>-22|38|45</td><td>-01|39|59</td><td>05|16|40</td><td>00|23|22</td><td>-21|29|13</td><td>5</td></tr>
<tr><td>6</td><td>16|23|32</td><td>-03|57|32</td><td>15|50|45</td><td>01|05|30</td><td>24|21|49</td><td>-02|03|32</td><td>09|03|00</td><td>00|37|40</td><td>-22|38|34</td><td>-01|40|00</td><td>05|44|19</td><td>00|23|19</td><td>-21|29|20</td><td>6</td></tr>
<tr><td>7</td><td>16|40|23</td><td>-03|07|37</td><td>19|02|04</td><td>01|05|43</td><td>24|23|52</td><td>-01|56|51</td><td>09|47|46</td><td>00|37|38</td><td>-22|38|22</td><td>-01|39|56</td><td>06|11|52</td><td>00|23|16</td><td>-21|29|29</td><td>7</td></tr>
<tr><td>8</td><td>16|56|57</td><td>-02|06|30</td><td>21|13|40</td><td>01|05|55</td><td>24|25|43</td><td>-01|49|42</td><td>10|32|59</td><td>00|37|36</td><td>-22|38|10</td><td>-01|39|48</td><td>06|39|18</td><td>00|23|14</td><td>-21|29|38</td><td>8</td></tr>
<tr><td>9</td><td>17|13|15</td><td>-00|57|21</td><td>22|12|32</td><td>01|06|06</td><td>24|27|23</td><td>-01|42|05</td><td>11|18|35</td><td>00|37|33</td><td>-22|37|58</td><td>-01|39|36</td><td>07|06|37</td><td>00|23|11</td><td>-21|29|48</td><td>9</td></tr>
<tr><td>10</td><td>17|29|14</td><td>00|15|56</td><td>21|50|56</td><td>01|06|18</td><td>24|28|51</td><td>-01|34|02</td><td>12|04|28</td><td>00|37|31</td><td>-22|37|44</td><td>-01|39|19</td><td>07|33|47</td><td>00|23|08</td><td>-21|29|59</td><td>10</td></tr>
<tr><td>11</td><td>17|44|56</td><td>01|29|06</td><td>20|08|22</td><td>01|06|29</td><td>24|30|07</td><td>-01|25|34</td><td>12|50|32</td><td>00|37|28</td><td>-22|37|31</td><td>-01|38|58</td><td>08|00|48</td><td>00|23|05</td><td>-21|30|11</td><td>11</td></tr>
<tr><td>12</td><td>18|00|21</td><td>02|37|35</td><td>17|11|34</td><td>01|06|39</td><td>24|31|11</td><td>-01|16|43</td><td>13|36|39</td><td>00|37|25</td><td>-22|37|17</td><td>-01|38|32</td><td>08|27|40</td><td>00|23|03</td><td>-21|30|24</td><td>12</td></tr>
<tr><td>13</td><td>18|15|27</td><td>03|37|02</td><td>13|13|00</td><td>01|06|50</td><td>24|32|03</td><td>-01|07|29</td><td>14|22|43</td><td>00|37|22</td><td>-22|37|02</td><td>-01|38|03</td><td>08|54|21</td><td>00|23|00</td><td>-21|30|37</td><td>13</td></tr>
<tr><td>14</td><td>18|30|14</td><td>04|23|25</td><td>08|28|38</td><td>01|07|00</td><td>24|32|43</td><td>-00|57|56</td><td>15|08|35</td><td>00|37|19</td><td>-22|36|47</td><td>-01|37|29</td><td>09|20|51</td><td>00|22|57</td><td>-21|30|52</td><td>14</td></tr>
<tr><td>15</td><td>18|44|43</td><td>04|53|36</td><td>03|16|10</td><td>01|07|10</td><td>24|33|12</td><td>-00|48|05</td><td>15|54|07</td><td>00|37|16</td><td>-22|36|31</td><td>-01|36|51</td><td>09|47|10</td><td>00|22|54</td><td>-21|31|07</td><td>15</td></tr>
<tr><td>16</td><td>18|58|52</td><td>05|05|29</td><td>-02|06|01</td><td>01|07|20</td><td>24|33|29</td><td>-00|37|59</td><td>16|39|08</td><td>00|37|13</td><td>-22|36|14</td><td>-01|36|09</td><td>10|13|16</td><td>00|22|51</td><td>-21|31|23</td><td>16</td></tr>
<tr><td>17</td><td>19|12|43</td><td>04|58|30</td><td>-07|19|35</td><td>01|07|30</td><td>24|33|35</td><td>-00|27|42</td><td>17|23|28</td><td>00|37|09</td><td>-22|35|58</td><td>-01|35|23</td><td>10|39|09</td><td>00|22|48</td><td>-21|31|40</td><td>17</td></tr>
<tr><td>18</td><td>19|26|13</td><td>04|33|36</td><td>-12|06|46</td><td>01|07|39</td><td>24|33|28</td><td>-00|17|15</td><td>18|06|56</td><td>00|37|06</td><td>-22|35|40</td><td>-01|34|33</td><td>11|04|48</td><td>00|22|45</td><td>-21|31|58</td><td>18</td></tr>
<tr><td>19</td><td>19|39|24</td><td>03|53|06</td><td>-16|11|19</td><td>01|07|48</td><td>24|33|10</td><td>-00|06|42</td><td>18|49|20</td><td>00|37|02</td><td>-22|35|22</td><td>-01|33|39</td><td>11|30|13</td><td>00|22|42</td><td>-21|32|16</td><td>19</td></tr>
<tr><td>20</td><td>19|52|15</td><td>03|00|22</td><td>-19|19|48</td><td>01|07|57</td><td>24|32|40</td><td>00|03|50</td><td>19|30|28</td><td>00|36|58</td><td>-22|35|04</td><td>-01|32|41</td><td>11|55|23</td><td>00|22|39</td><td>-21|32|35</td><td>20</td></tr>
<tr><td>21</td><td>20|04|46</td><td>01|59|13</td><td>-21|22|53</td><td>01|08|05</td><td>24|31|59</td><td>00|14|22</td><td>20|10|07</td><td>00|36|54</td><td>-22|34|45</td><td>-01|31|40</td><td>12|20|17</td><td>00|22|36</td><td>-21|32|56</td><td>21</td></tr>
<tr><td>22</td><td>20|16|56</td><td>00|53|29</td><td>-22|16|25</td><td>01|08|14</td><td>24|31|06</td><td>00|24|46</td><td>20|48|06</td><td>00|36|49</td><td>-22|34|25</td><td>-01|30|34</td><td>12|44|55</td><td>00|22|32</td><td>-21|33|16</td><td>22</td></tr>
<tr><td>23</td><td>20|28|45</td><td>-00|13|20</td><td>-22|01|33</td><td>01|08|22</td><td>24|30|01</td><td>00|35|00</td><td>21|24|12</td><td>00|36|45</td><td>-22|34|05</td><td>-01|29|25</td><td>13|09|15</td><td>00|22|29</td><td>-21|33|38</td><td>23</td></tr>
<tr><td>24</td><td>20|40|13</td><td>-01|18|18</td><td>-20|43|40</td><td>01|08|30</td><td>24|28|45</td><td>00|44|58</td><td>21|58|15</td><td>00|36|40</td><td>-22|33|45</td><td>-01|28|13</td><td>13|33|17</td><td>00|22|26</td><td>-21|34|01</td><td>24</td></tr>
<tr><td>25</td><td>20|51|20</td><td>-02|18|53</td><td>-18|30|54</td><td>01|08|37</td><td>24|27|17</td><td>00|54|36</td><td>22|30|03</td><td>00|36|36</td><td>-22|33|23</td><td>-01|26|57</td><td>13|57|01</td><td>00|22|23</td><td>-21|34|24</td><td>25</td></tr>
<tr><td>26</td><td>21|02|06</td><td>-03|12|59</td><td>-15|32|18</td><td>01|08|44</td><td>24|25|38</td><td>01|03|50</td><td>22|59|29</td><td>00|36|31</td><td>-22|33|02</td><td>-01|25|37</td><td>14|20|25</td><td>00|22|19</td><td>-21|34|48</td><td>26</td></tr>
<tr><td>27</td><td>21|12|29</td><td>-03|58|46</td><td>-11|56|49</td><td>01|08|51</td><td>24|23|48</td><td>01|12|36</td><td>23|26|25</td><td>00|36|26</td><td>-22|32|40</td><td>-01|24|14</td><td>14|43|29</td><td>00|22|16</td><td>-21|35|12</td><td>27</td></tr>
<tr><td>28</td><td>21|22|31</td><td>-04|34|30</td><td>-07|52|46</td><td>01|08|58</td><td>24|21|46</td><td>01|20|50</td><td>23|50|44</td><td>00|36|20</td><td>-22|32|17</td><td>-01|22|48</td><td>15|06|12</td><td>00|22|13</td><td>-21|35|38</td><td>28</td></tr>
<tr><td>29</td><td>21|32|11</td><td>-04|58|34</td><td>-03|28|08</td><td>01|09|05</td><td>24|19|32</td><td>01|28|30</td><td>24|12|23</td><td>00|36|15</td><td>-22|31|54</td><td>-01|21|19</td><td>15|28|34</td><td>00|22|09</td><td>-21|36|04</td><td>29</td></tr>
<tr><td>30</td><td>21|41|28</td><td>-05|09|28</td><td>01|08|56</td><td>01|09|11</td><td>24|17|07</td><td>01|35|32</td><td>24|31|19</td><td>00|36|10</td><td>-22|31|30</td><td>-01|19|46</td><td>15|50|34</td><td>00|22|06</td><td>-21|36|30</td><td>30</td></tr>
<tr><td>31</td><td>21|50|23</td><td>-05|05|58</td><td>05|49|14</td><td>01|09|18</td><td>24|14|31</td><td>01|41|54</td><td>24|47|32</td><td>00|36|04</td><td>-22|31|06</td><td>-01|18|10</td><td>16|12|10</td><td>00|22|02</td><td>-21|36|58</td><td>31</td></tr>
</table>

शर क्रांति—जून सन् 2019 ई.

ता.	सूर्य	चन्द्र		मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		ता.
जून	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	जून
1	00100100	21158155	-04147114	10121139	01109123	24111144	01147135	25101102	00135158	-22130141	-01116131	16133123	00121159	1
2	00100100	22107104	-04113107	14132130	01109129	24108146	01152131	25111151	00135152	-22130116	-01114150	16154112	00121155	2
3	00100100	22114149	-03124126	18105135	01109135	24105136	01156143	25120104	00135146	-22129150	-01113105	17114135	00121151	3
4	00100100	22122112	-02123106	20143116	01109140	24102115	02100109	25125144	00135139	-22129124	-01111118	17134133	00121148	4
5	00100100	22129111	-01112116	22109119	01109145	23158143	02102149	25128157	00135133	-22128158	-01109128	17154104	00121144	5
6	00100100	22135146	00103152	22112131	01109150	23155100	02104143	25129149	00135126	-22128131	-01107135	18113108	00121140	6
7	00100100	22141158	01120131	20150104	01109155	23151107	02105151	25128126	00135119	-22128103	-01105140	18131144	00121137	7
8	00100100	22147145	02132134	18108120	01109159	23147102	02106112	25124155	00135112	-22127136	-01103142	18149152	00121133	8
9	00100100	22153109	03135118	14120155	01110103	23142147	02105147	25119123	00135105	-22127108	-01101143	19107130	00121129	9
10	00100100	22158108	04124139	09145116	01110107	23138120	02104137	25111157	00134158	-22126140	-00159140	19124139	00121125	10
11	00100100	23102143	04157139	04139148	01110111	23133144	02102141	25102145	00134151	-22126111	-00157136	19141117	00121121	11
12	00100100	23106154	05112133	-00137135	01110115	23128156	02100101	24151154	00134143	-22125142	-00155130	19157124	00121117	12
13	00100100	23110140	05108151	-05150104	01110118	23123158	01156137	24139130	00134135	-22125113	-00153122	20112159	00121113	13
14	00100100	23114102	04147121	-10141140	01110121	23118150	01152130	24125141	00134127	-22124144	-00151111	20128102	00121109	14
15	00100100	23116159	04109158	-14157124	01110124	23113131	01147140	24110135	00134119	-22124114	-00148159	20142132	00121105	15
16	00100100	23119132	03119133	-18123147	01110127	23108101	01142108	23154117	00134111	-22123144	-00146146	20156128	00121100	16
17	00100100	23121140	02119130	-20149153	01110130	23102122	01135154	23136155	00134103	-22123114	-00144130	21109150	00120156	17
18	00100100	23123123	01113132	-22108148	01110132	22156132	01129101	23118135	00133154	-22122145	-00142114	21122138	00120152	18
19	00100100	23124141	00105113	-22118136	01110134	22150132	01121127	22159124	00133146	-22122114	-00139156	21134150	00120148	19
20	00100100	23125135	-01102108	-21122126	01110136	22144122	01113115	22139128	00133137	-22121144	-00137136	21146127	00120143	20
21	00100100	23126103	-02105142	-19127122	01110138	22138102	01104124	22118154	00133128	-22121114	-00135116	21157128	00120139	21
22	00100100	23126108	-03103105	-16142140	01110139	22131133	00154157	21157148	00133119	-22120144	-00132154	22107151	00120134	22
23	00100100	23125147	-03152114	-13118105	01110141	22124153	00144153	21136117	00133110	-22120114	-00130131	22117138	00120130	23
24	00100100	23125101	-04131126	-09122155	01110142	22118103	00134114	21114125	00133101	-22119144	-00128108	22126147	00120125	24
25	00100100	23123151	-04159109	-05105139	01110143	22111104	00123101	20152121	00132151	-22119114	-00125143	22135118	00120121	25
26	00100100	23122116	-05114103	-00134116	01110144	22103155	00111116	20130110	00132142	-22118144	-00123118	22143110	00120116	26
27	00100100	23120116	-05115101	04103103	01110144	21156137	-00101100	20107157	00132132	-22118115	-00120152	22150123	00120111	27
28	00100100	23117152	-05101109	08136157	01110145	21149109	-00113147	19145150	00132123	-22117145	-00118126	22156158	00120107	28
29	00100100	23115103	-04132100	12155154	01110145	21141132	-00127102	19123155	00132113	-22117116	-00116100	23102152	00120102	29
30	00100100	23111150	-03147148	16145123	01110145	21133145	-00140143	19102118	00132103	-22116147	-00113[illegible]	23108107	00119157	30

शर क्रांति–जुलाई सन् 2019 ई.

ता.	सूर्य	चन्द्र		मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		ता.
जुला.	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	जुला.
1	23108112	-02149144	19148109	01110145	21125150	-00154148	18141105	00131153	-22116119	-00111106	23112141	00119152	-21155100	1
2	23104110	-01140113	21145146	01110145	21117145	-01109114	18120123	00131143	-22115150	-00108138	23116136	00119147	-21155139	2
3	22159144	-00123101	22122124	01110144	21109131	-01123158	18100118	00131133	-22115123	-00106111	23119149	00119142	-21156118	3
4	22154153	00156154	21129133	01110144	21101108	-01138157	17140158	00131122	-22114155	-00103144	23122122	00119138	-21156157	4
5	22149139	02113154	19109123	01110143	20152136	-01154107	17122127	00131112	-22114128	-00101117	23124113	00119133	-21157136	5
6	22144101	03122120	15134120	01110142	20143156	-02109123	17104154	00131102	-22114102	00101108	23125124	00119127	-21158115	6
7	22137159	04117121	11103128	01110141	20135107	-02124141	16148124	00130151	-22113136	00103134	23125153	00119122	-21158154	7
8	22131134	04155126	05158102	01110139	20126109	-02139156	16133104	00130140	-22113111	00106100	23125141	00119117	-21159133	8
9	22124145	05114143	00138118	01110138	20117103	-02155101	16118159	00130130	-22112147	00108125	23124147	00119112	-22100112	9
10	22117133	05114153	-04137139	01110136	20107148	-03109149	16106116	00130119	-22112123	00110149	23123112	00119107	-22100151	10
11	22109158	04156156	-09134105	01110134	19158125	-03124114	15155100	00130108	-22111159	00113113	23120156	00119102	-22101130	11
12	22102101	04122153	-13157103	01110132	19148154	-03138107	15145116	00129157	-22111137	00115135	23117158	00118156	-22102109	12
13	21153140	03135128	-17134114	01110130	19139115	-03151121	15137107	00129146	-22111115	00117157	23114119	00118151	-22102147	13
14	21144158	02137153	-20115116	01110128	19129128	-04103146	15130137	00129135	-22110154	00120117	23109159	00118146	-22103126	14
15	21135153	01133130	-21152135	01110125	19119132	-04115115	15125150	00129124	-22110134	00122137	23104158	00118140	-22104104	15
16	21126125	00125145	-22122134	01110122	19109129	-04125137	15122145	00129113	-22110115	00124155	22159116	00118135	-22104142	16
17	21116137	-00142106	-21146108	01110119	18159119	-04134146	15121125	00129102	-22109156	00127111	22152153	00118129	-22105120	17
18	21106126	-01147108	-20108129	01110116	18149100	-04142133	15121147	00128151	-22109139	00129126	22145149	00118124	-22105157	18
19	20155154	-02146142	-17137155	01110113	18138134	-04148151	15123150	00128139	-22109122	00131140	22138106	00118118	-22106135	19
20	20145101	-03138134	-14124110	01110110	18128100	-04153135	15127132	00128128	-22109106	00133152	22129142	00118113	-22107112	20
21	20133147	-04120150	-10137111	01110106	18117119	-04156139	15132146	00128117	-22108152	00136102	22120139	00118107	-22107149	21
22	20122112	-04151157	-06126118	01110102	18106131	-04158100	15139129	00128105	-22108138	00138110	22110156	00118102	-22108125	22
23	20110117	-05110139	-02100109	01109158	17155135	-04157137	15147133	00127154	-22108125	00140117	22100134	00117156	-22109101	23
24	19158101	-05115155	02133102	01109154	17144133	-04155131	15156151	00127143	-22108114	00142121	21149134	00117150	-22109137	24
25	19145125	-05107104	07104145	01109150	17133123	-04151142	16107116	00127131	-22108103	00144124	21137155	00117145	-22110113	25
26	19132130	-04143141	11125116	01109146	17122106	-04146114	16118137	00127120	-22107153	00146124	21125138	00117139	-22110148	26
27	19119115	-04105147	15122136	01109141	17110142	-04139112	16130146	00127108	-22107145	00148122	21112144	00117133	-22111123	27
28	19105141	-03113159	18142103	01109136	16159112	-04130142	16143134	00126157	-22107138	00150117	20159113	00117127	-22111158	28
29	18151148	-02109149	21106121	01109131	16147134	-04120150	16156150	00126145	-22107132	00152110	20145106	00117121	-22112132	29
30	18137136	-00156103	22117153	01109126	16135151	-04109143	17110124	00126134	-22107127	00154101	20130122	00117116	-22113106	30
31	18123106	00123113	22102151	01109121	16124100	-03157131	17124107	00126122	-22107123	00155149	20115103	00117110	-22113140	31

शर क्रांति–अगस्त सन् 2019 ई.

ता.	सूर्य	चन्द्र		मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		ता.
अग.	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	अग.
1	18108118	01142137	20116109	01109116	16112104	-03144120	17137147	00126111	-22107121	00157135	19159109	00117104	-22114113	1
2	17153112	02156103	17104114	01109110	16100101	-03130120	17151114	00125159	-22107119	00159118	19142141	00116158	-22114146	2
3	17137148	03157137	12143152	01109105	15147151	-03115137	18104119	00125148	-22107119	01100158	19125138	00116152	-22115118	3
4	17122107	04142133	07137146	01108159	15135136	-03100122	18116149	00125136	-22107120	01102135	19108103	00116146	-22115150	4
5	17106110	05108102	02109152	01108153	15123115	-02144140	18128136	00125125	-22107123	01104109	18149155	00116140	-22116121	5
6	16149156	05113116	-03117158	01108147	15110147	-02128139	18139127	00125114	-22107126	01105140	18131115	00116134	-22116152	6
7	16133126	04159121	-08127115	01108140	14158114	-02112127	18149112	00125102	-22107131	01107109	18112104	00116128	-22117122	7
8	16116139	04128135	-13102149	01108134	14145135	-01156110	18157141	00124151	-22107137	01108134	17152122	00116122	-22117152	8
9	15159138	03144102	-16152125	01108127	14132151	-01139154	19104141	00124139	-22107145	01109156	17132110	00116116	-22118122	9
10	15142120	02149101	-19146122	01108120	14120101	-01123147	19110104	00124128	-22107153	01111114	17111129	00116110	-22118151	10
11	15124148	01146156	-21137148	01108113	14107106	-01107152	19113137	00124117	-22108103	01112130	16150118	00116104	-22119119	11
12	15107102	00141100	-22123106	01108106	13154105	-00152117	19115110	00124105	-22108114	01113142	16128140	00115158	-22119147	12
13	14149100	-00125141	-22102125	01107159	13140159	-00137105	19114134	00123154	-22108127	01114151	16106135	00115151	-22120115	13
14	14130145	-01130117	-20139141	01107152	13127148	-00122123	19111140	00123143	-22108140	01115156	15144102	00115145	-22120142	14
15	14112116	-02130112	-18121157	01107144	13114132	-00108115	19106118	00123132	-22108155	01116158	15121104	00115139	-22121108	15
16	13153133	-03123105	-15118111	01107136	13101111	00105115	18158123	00123120	-22109111	01117156	14157140	00115133	-22121134	16
17	13134138	-04106156	-11138113	01107128	12147145	00118103	18147148	00123109	-22109129	01118151	14133152	00115127	-22122100	17
18	13115129	-04140103	-07131148	01107120	12134114	00130106	18134130	00122158	-22109147	01119142	14109140	00115121	-22122124	18
19	12156107	-05101105	-03108115	01107112	12120138	00141119	18118125	00122147	-22110107	01120130	13145104	00115115	-22122149	19
20	12136134	-05109108	01123133	01107104	12106158	00151142	17159135	00122136	-22110128	01121113	13120106	00115108	-22123113	20
21	12116148	-05103136	05154150	01106155	11153113	01101111	17138100	00122125	-22110150	01121154	12154146	00115102	-22123136	21
22	11156150	-04144119	10116118	01106146	11139124	01109145	17113144	00122114	-22111113	01122130	12129105	00114156	-22123158	22
23	11136141	-04111127	14117127	01106138	11125130	01117123	16146153	00122103	-22111138	01123103	12103103	00114150	-22124121	23
24	11116121	-03125135	17145154	01106129	11111132	01124106	16117133	00121152	-22112104	01123131	11136142	00114144	-22124142	24
25	10155151	-02127154	20127107	01106120	10157130	01129153	15145154	00121142	-22112130	01123156	11110102	00114137	-22125103	25
26	10135109	-01120119	22105112	01106110	10143123	01134145	15112104	00121131	-22112158	01124117	10143104	00114131	-22125124	26
27	10114118	-00105153	22125119	01106101	10129113	01138143	14136114	00121120	-22113127	01124135	10115148	00114125	-22125143	27
28	09153117	01111111	21117131	01105151	10114158	01141150	13158134	00121109	-22113157	01124148	09148115	00114119	-22126103	28
29	09132106	02125131	18140150	01105141	10100140	01144107	13119116	00120159	-22114129	01124158	09120126	00114112	-22126121	29
30	09110146	03131105	14145101	01105132	09146118	01145136	12138129	00120148	-22115101	01125104	08152122	00114106	-22126140	30
31	08149117	04122112	09149101	01105121	09131152	01146120	11156125	00120138	-22115134	01125105	08124104	00114100	-22126157	31

शर क्रांति–सितम्बर सन् 2019 ई.

शर क्रांति—सितम्बर सन् 2019 ई.

ता.	सूर्य	चन्द्र		मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		ता.
सितं.	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	सितं.
1	00100100	08127140	04154131	04117106	01105111	09117123	01146121	11113113	00120127	-22116109	01125103	07155131	00113154	1
2	00100100	08105155	05105156	-01125123	01105101	09102151	01145142	10129102	00120117	-22116144	01124157	07126146	00113148	2
3	00100100	07144102	04156146	-06155121	01104150	08148115	01144125	09144103	00120106	-22117120	01124147	06157148	00113141	3
4	00100100	07122102	04129116	-11153126	01104140	08133136	01142133	08158123	00119156	-22117157	01124133	06128139	00113135	4
5	00100100	06159154	03146152	-16104135	01104129	08118153	01140108	08112109	00119146	-22118136	01124116	05159118	00113129	5
6	00100100	06137140	02153125	-19117156	01104118	08104108	01137112	07125129	00119136	-22119115	01123154	05129148	00113123	6
7	00100100	06115120	01152141	-21126129	01104107	07149119	01133148	06138128	00119125	-22119155	01123129	05100108	00113117	7
8	00100100	05152153	00148107	-22127109	01103155	07134128	01129158	05151114	00119115	-22120135	01122159	04130120	00113110	8
9	00100100	05130120	-00117115	-22120133	01103144	07119134	01125143	05103150	00119105	-22121117	01122126	04100123	00113104	9
10	00100100	05107143	-01120142	-21110141	01103132	07104137	01121107	04116122	00118155	-22121159	01121149	03130120	00112158	10
11	00100100	04145100	-02119150	-19104116	01103121	06149138	01116109	03128154	00118145	-22122143	01121108	03100109	00112152	11
12	00100100	04122112	-03112124	-16109142	01103109	06134136	01110154	02141130	00118136	-22123127	01120124	02129153	00112146	12
13	00100100	03159120	-03156126	-12136115	01102157	06119132	01105121	01154113	00118126	-22124111	01119135	01159132	00112140	13
14	00100100	03136123	-04130108	-08133125	01102144	06104125	00159133	01107107	00118116	-22124156	01118143	01129107	00112134	14
15	00100100	03113123	-04152105	-04110139	01102132	05149116	00153130	00120114	00118106	-22125142	01117147	00158138	00112127	15
16	00100100	02150119	-05101114	00122145	01102119	05134105	00147115	-00126121	00117157	-22126129	01116147	00128106	00112121	16
17	00100100	02127111	-04157102	04157123	01102107	05118152	00140148	-01112140	00117147	-22127116	01115144	-00102127	00112115	17
18	00100100	02104101	-04139122	09123130	01101154	05103136	00134111	-01158137	00117138	-22128104	01114137	-00133103	00112109	18
19	00100100	01140148	-04108140	13130135	01101141	04148119	00127125	-02144112	00117128	-22128152	01113127	-01103139	00112103	19
20	00100100	01117133	-03125145	17107101	01101128	04133100	00120131	-03129123	00117119	-22129141	01112113	-01134115	00111157	20
21	00100100	00154116	-02131157	19159154	01101114	04117139	00113130	-04114106	00117109	-22130130	01110156	-02104151	00111151	21
22	00100100	00130157	-01129105	21155128	01101101	04102116	00106123	-04158122	00117100	-22131120	01109135	-02135125	00111145	22
23	00100100	00107137	-00119141	22140133	01100147	03146152	-00100148	-05142109	00116151	-22132110	01108111	-03105157	00111139	23
24	00100100	-00115144	00152156	22104155	01100133	03131126	-00108104	-06125124	00116142	-22133100	01106143	-03136127	00111133	24
25	00100100	-00139106	02104133	20104114	01100119	03115159	-00115124	-07108106	00116133	-22133151	01105112	-04106152	00111127	25
26	00100100	-01102128	03110104	16142115	01100105	03100130	-00122145	-07150114	00116124	-22134142	01103138	-04137113	00111121	26
27	00100100	-01125150	04104106	12111118	00159151	02145101	-00130109	-08131147	00116115	-22135134	01102101	-05107129	00111115	27
28	00100100	-01149112	04141138	06150145	00159136	02129130	-00137133	-09112143	00116106	-22136126	01100121	-05137140	00111109	28
29	00100100	-02112133	04159111	01104117	00159122	02113158	-00144157	-09153101	00115157	-22137118	00158137	-06107143	00111103	29
30	00100100	-02135152	04155131	-04143102	00159107	01158125	-00152120	-10132140	00115148	-22138110	00156151	-06137139	00110157	30

शर क्रांति—अक्टूबर सन् 2019 ई.

ता. अक्टू.	सूर्य	चन्द्र		मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		ता. अक्टू.
	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	
1	-02159110	04131150	-10107139	00158152	01142151	-00159142	-11111137	00115139	-22139102	00155102	-07107127	00110151	-22130157	1
2	-03122127	03151119	-14149125	00158137	01127117	-01107101	-11149152	00115131	-22139155	00153110	-07137106	00110145	-22130155	2
3	-03145141	02158113	-18133103	00158121	01111142	-01114117	-12127123	00115122	-22140147	00151115	-08106135	00110140	-22130152	3
4	-04108152	01156159	-21108141	00158106	00156107	-01121129	-13104109	00115113	-22141140	00149117	-08135154	00110134	-22130149	4
5	-04132100	00151141	-22131157	00157150	00140131	-01128136	-13140108	00115105	-22142133	00147117	-09105101	00110128	-22130144	5
6	-04155105	-00114113	-22143133	00157134	00124154	-01135137	-14115119	00114156	-22143125	00145114	-09133157	00110122	-22130140	6
7	-05118106	-01117153	-21148114	00157119	00109118	-01142132	-14149140	00114148	-22144118	00143109	-10102139	00110116	-22130134	7
8	-05141103	-02116156	-19153129	00157102	-00106118	-01149119	-15123108	00114140	-22145111	00141102	-10131108	00110111	-22130128	8
9	-06103156	-03109121	-17108114	00156146	-00121155	-01155157	-15155144	00114131	-22146103	00138152	-10159122	00110105	-22130121	9
10	-06126144	-03153118	-13141148	00156130	-00137131	-02102127	-16127123	00114123	-22146156	00136140	-11127122	00109159	-22130114	10
11	-06149126	-04127110	-09143124	00156113	-00153108	-02108145	-16158105	00114115	-22147148	00134125	-11155105	00109153	-22130105	11
12	-07112103	-04149130	-05122104	00155156	-01108144	-02114152	-17127147	00114107	-22148140	00132109	-12122132	00109148	-22129157	12
13	-07134134	-04159109	-00146153	00155139	-01124120	-02120145	-17156127	00113159	-22149132	00129151	-12149141	00109142	-22129147	13
14	-07156159	-04155124	03152143	00155122	-01139156	-02126125	-18124103	00113150	-22150123	00127131	-13116132	00109136	-22129137	14
15	-08119117	-04138104	08126140	00155105	-01155132	-02131148	-18150131	00113143	-22151115	00125109	-13143104	00109131	-22129126	15
16	-08141128	-04107132	12143149	00154147	-02111106	-02136154	-19115149	00113135	-22152106	00122146	-14109116	00109125	-22129115	16
17	-09103132	-03124149	16132101	00154129	-02126140	-02141141	-19139153	00113127	-22152156	00120120	-14135107	00109120	-22129103	17
18	-09125128	-02131128	19138110	00154111	-02142114	-02146106	-20102140	00113119	-22153146	00117154	-15100137	00109114	-22128150	18
19	-09147116	-01129137	21148159	00153153	-02157146	-02150109	-20124107	00113111	-22154136	00115126	-15125145	00109108	-22128137	19
20	-10108156	-00121153	22152118	00153135	-03113118	-02153145	-20144108	00113103	-22155126	00112156	-15150130	00109103	-22128123	20
21	-10130127	00148131	22139100	00153117	-03128149	-02156154	-21102140	00112156	-22156115	00110126	-16114151	00108157	-22128108	21
22	-10151149	01157155	21105101	00152158	-03144119	-02159131	-21119138	00112148	-22157103	00107154	-16138148	00108152	-22127153	22
23	-11113101	03102103	18112135	00152139	-03159147	-03101134	-21134155	00112140	-22157151	00105122	-17102119	00108146	-22127137	23
24	-11134103	03156124	14110128	00152120	-04115114	-03102159	-21148126	00112133	-22158139	00102148	-17125124	00108141	-22127120	24
25	-11154155	04136130	09113108	00152101	-04130140	-03103141	-22100104	00112125	-22159126	00100114	-17148102	00108136	-22127102	25
26	-12115136	04158133	03139123	00151142	-04146104	-03103138	-22109140	00112118	-23100112	-00102120	-18110112	00108130	-22126144	26
27	-12136105	05100119	-02109101	00151122	-05101126	-03102143	-22117106	00112111	-23100158	-00104156	-18131154	00108125	-22126125	27
28	-12156123	04141132	-07148158	00151102	-05116147	-03100152	-22122113	00112103	-23101143	-00107132	-18153107	00108119	-22126106	28
29	-13116129	04104112	-12157152	00150142	-05132106	-02157159	-22124149	00111156	-23102127	-00110108	-19113149	00108114	-22125146	29
30	-13136123	03112101	-17115144	00150122	-05147123	-02153157	-22124143	00111149	-23103111	-00112145	-19134101	00108109	-22125125	30
31	-13156103	02109140	-20127120	00150102	-06102138	-02148141	-22121141	00111141	-23103153	-00115122	-19153141	00108103	-22125103	31

शर क्रांति–नवम्बर सन् 2019 ई.

ता.	सूर्य	चन्द्र		मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		ता.
नवं.	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	नवं.
1	-14115130	01101155	-22123146	00149141	-06117151	-02142103	-22115131	00111134	-23104136	-00117159	-20112148	00107158	-22124141	1
2	-14134144	-00106158	-23102159	00149121	-06133102	-02133157	-22105159	00111127	-23105117	-00120136	-20131123	00107153	-22124118	2
3	-14153143	-01113133	-22129101	00149100	-06148110	-02124118	-21152150	00111120	-23105157	-00123113	-20149123	00107148	-22123155	3
4	-15112127	-02115104	-20150107	00148139	-07103115	-02113101	-21135153	00111113	-23106137	-00125149	-21106150	00107142	-22123131	4
5	-15130157	-03109125	-18116132	00148117	-07118118	-02100104	-21114157	00111106	-23107116	-00128125	-21123140	00107137	-22123106	5
6	-15149111	-03154154	-14158146	00147156	-07133119	-01145125	-20149159	00110159	-23107154	-00131101	-21139155	00107132	-22122140	6
7	-16107110	-04130105	-11106140	00147134	-07148116	-01129109	-20121101	00110152	-23108131	-00133136	-21155134	00107127	-22122114	7
8	-16124152	-04153141	-06149114	00147112	-08103111	-01111124	-19148115	00110145	-23109107	-00136110	-22110135	00107122	-22121147	8
9	-16142117	-05104138	-02115102	00146150	-08118103	-00152123	-19112105	00110138	-23109142	-00138143	-22124158	00107117	-22121119	9
10	-16159126	-05102108	02127110	00146128	-08132151	-00132125	-18133110	00110131	-23110116	-00141116	-22138143	00107112	-22120150	10
11	-17116117	-04145149	07107149	00146105	-08147137	-00111152	-17152120	00110125	-23110149	-00143147	-22151148	00107106	-22120121	11
12	-17132151	-04115149	11136100	00145143	-09102119	00108147	-17110138	00110118	-23111121	-00146117	-23104114	00107101	-22119152	12
13	-17149106	-03132158	15139103	00145120	-09116158	00129106	-16129115	00110111	-23111152	-00148146	-23116100	00106156	-22119121	13
14	-18105103	-02138148	19102154	00144157	-09131133	00148136	-15149123	00110105	-23112122	-00151114	-23127105	00106151	-22118150	14
15	-18120141	-01135137	21132153	00144133	-09146105	01106153	-15112114	00109158	-23112151	-00153140	-23137128	00106146	-22118118	15
16	-18135159	-00126120	22155142	00144110	-10100133	01123135	-14138149	00109151	-23113119	-00156105	-23147110	00106141	-22117146	16
17	-18150158	00145130	23101140	00143146	-10114157	01138129	-14109155	00109145	-23113146	-00158128	-23156110	00106136	-22117112	17
18	-19105138	01156100	21146158	00143122	-10129117	01151124	-13146106	00109138	-23114111	-01100149	-24104127	00106131	-22116139	18
19	-19119156	03101102	19114128	00142158	-10143134	02102118	-13127140	00109132	-23114136	-01103108	-24112101	00106126	-22116104	19
20	-19133154	03156127	15133107	00142133	-10157146	02111111	-13114142	00109125	-23114159	-01105125	-24118152	00106122	-22115129	20
21	-19147131	04138122	10156122	00142108	-11111154	02118108	-13107104	00109119	-23115121	-01107140	-24124159	00106117	-22114153	21
22	-20100146	05103130	05140128	00141143	-11125158	02123116	-13104128	00109112	-23115141	-01109153	-24130122	00106112	-22114116	22
23	-20113139	05109138	00103133	00141118	-11139157	02126142	-13106134	00109106	-23116101	-01112103	-24135101	00106107	-22113139	23
24	-20126110	04155156	-05134152	00140153	-11153151	02128138	-13112154	00109100	-23116119	-01114111	-24138156	00106102	-22113101	24
25	-20138119	04123119	-10154128	00140127	-12107141	02129111	-13122159	00108153	-23116136	-01116117	-24142105	00105157	-22112122	25
26	-20150104	03134125	-15135105	00140102	-12121126	02128131	-13136123	00108147	-23116152	-01118119	-24144130	00105152	-22111143	26
27	-21101126	02133111	-19118128	00139135	-12135107	02126147	-13152136	00108141	-23117107	-01120119	-24146110	00105148	-22111103	27
28	-21112125	01124117	-21150147	00139109	-12148142	02124106	-14111113	00108135	-23117120	-01122117	-24147104	00105143	-22110122	28
29	-21122159	00112125	-23104140	00138143	-13102112	02120137	-14131150	00108129	-23117132	-01124111	-24147113	00105138	-22109140	29
30	-21133109	-00158113	-23100116	00138116	-13115136	02116126	-14154105	00108122	-23117142	-01126102	-24146138	00105133	-22108158	30

शर क्रांति–दिसम्बर सन् 2019 ई.

ता.	सूर्य	चन्द्र		मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		ता.
दिसं.	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	दिसं.
1	-21 42 55	-02 04 13	-21 44 11	00 37 49	-13 28 55	02 11 38	-15 17 37	00 08 16	-23 17 51	-01 27 50	-24 45 17	00 05 29	-22 08 16	1
2	-21 52 15	-03 02 54	-19 27 03	00 37 22	-13 42 09	02 06 19	-15 42 09	00 08 10	-23 17 59	-01 29 35	-24 43 10	00 05 24	-22 07 32	2
3	-22 01 11	-03 52 19	-16 20 53	00 36 54	-13 55 17	02 00 33	-16 07 25	00 08 04	-23 18 05	-01 31 17	-24 40 19	00 05 19	-22 06 48	3
4	-22 09 41	-04 31 00	-12 37 07	00 36 26	-14 08 19	01 54 25	-16 33 12	00 07 58	-23 18 11	-01 32 55	-24 36 43	00 05 15	-22 06 03	4
5	-22 17 45	-04 57 49	-08 25 48	00 35 58	-14 21 15	01 47 59	-16 59 16	00 07 52	-23 18 14	-01 34 29	-24 32 22	00 05 10	-22 05 18	5
6	-22 25 23	-05 11 53	-03 55 46	00 35 30	-14 34 06	01 41 17	-17 25 27	00 07 46	-23 18 17	-01 36 01	-24 27 16	00 05 05	-22 04 32	6
7	-22 32 35	-05 12 30	00 44 43	00 35 02	-14 46 50	01 34 22	-17 51 36	00 07 40	-23 18 17	-01 37 28	-24 21 26	00 05 01	-22 03 45	7
8	-22 39 21	-04 59 15	05 27 15	00 34 33	-14 59 28	01 27 16	-18 17 34	00 07 34	-23 18 17	-01 38 52	-24 14 52	00 04 56	-22 02 58	8
9	-22 45 40	-04 32 05	10 02 08	00 34 04	-15 11 59	01 20 03	-18 43 15	00 07 28	-23 18 15	-01 40 11	-24 07 34	00 04 51	-22 02 10	9
10	-22 51 32	-03 51 26	14 17 43	00 33 35	-15 24 25	01 12 44	-19 08 30	00 07 22	-23 18 12	-01 41 27	-23 59 32	00 04 47	-22 01 21	10
11	-22 56 57	-02 58 27	18 00 05	00 33 05	-15 36 43	01 05 20	-19 33 15	00 07 16	-23 18 07	-01 42 39	-23 50 48	00 04 42	-22 00 32	11
12	-23 01 55	-01 55 05	20 53 26	00 32 35	-15 48 55	00 57 53	-19 57 25	00 07 10	-23 18 00	-01 43 47	-23 41 20	00 04 38	-21 59 42	12
13	-23 06 26	-00 44 13	22 41 55	00 32 05	-16 01 01	00 50 25	-20 20 54	00 07 04	-23 17 53	-01 44 50	-23 31 10	00 04 33	-21 58 51	13
14	-23 10 29	00 30 25	23 12 41	00 31 35	-16 12 59	00 42 57	-20 43 40	00 06 59	-23 17 44	-01 45 50	-23 20 19	00 04 28	-21 58 00	14
15	-23 14 04	01 44 31	22 19 16	00 31 04	-16 24 50	00 35 29	-21 05 37	00 06 53	-23 17 33	-01 46 45	-23 08 45	00 04 24	-21 57 08	15
16	-23 17 12	02 53 24	20 03 33	00 30 33	-16 36 35	00 28 04	-21 26 44	00 06 47	-23 17 21	-01 47 35	-22 56 31	00 04 19	-21 56 16	16
17	-23 19 52	03 52 32	16 35 14	00 30 02	-16 48 12	00 20 41	-21 46 57	00 06 41	-23 17 07	-01 48 21	-22 43 36	00 04 15	-21 55 23	17
18	-23 22 04	04 37 58	12 09 20	00 29 31	-16 59 42	00 13 22	-22 06 14	00 06 35	-23 16 53	-01 49 03	-22 30 02	00 04 10	-21 54 30	18
19	-23 23 47	05 06 37	07 03 19	00 28 59	-17 11 04	00 06 08	-22 24 31	00 06 30	-23 16 36	-01 49 40	-22 15 48	00 04 06	-21 53 35	19
20	-23 25 03	05 16 37	01 35 11	00 28 27	-17 22 19	-00 01 00	-22 41 47	00 06 24	-23 16 18	-01 50 12	-22 00 55	00 04 01	-21 52 41	20
21	-23 25 51	05 07 20	-03 57 13	00 27 55	-17 33 26	-00 08 04	-22 57 59	00 06 18	-23 15 59	-01 50 40	-21 45 24	00 03 57	-21 51 45	21
22	-23 26 10	04 39 33	-09 16 16	00 27 22	-17 44 25	-00 15 01	-23 13 06	00 06 12	-23 15 38	-01 51 03	-21 29 16	00 03 52	-21 50 50	22
23	-23 26 01	03 55 19	-14 04 26	00 26 49	-17 55 17	-00 21 50	-23 27 05	00 06 07	-23 15 16	-01 51 21	-21 12 30	00 03 48	-21 49 53	23
24	-23 25 23	02 57 49	-18 04 47	00 26 16	-18 06 00	-00 28 32	-23 39 55	00 06 01	-23 14 52	-01 51 34	-20 55 08	00 03 44	-21 48 56	24
25	-23 24 18	01 51 02	-21 02 23	00 25 43	-18 16 35	-00 35 06	-23 51 35	00 05 55	-23 14 27	-01 51 42	-20 37 11	00 03 39	-21 47 58	25
26	-23 22 44	00 39 17	-22 46 31	00 25 09	-18 27 02	-00 41 31	-24 02 02	00 05 50	-23 14 00	-01 51 46	-20 18 39	00 03 35	-21 47 00	26
27	-23 20 42	-00 33 06	-23 12 44	00 24 35	-18 37 20	-00 47 46	-24 11 16	00 05 44	-23 13 32	-01 51 44	-19 59 32	00 03 30	-21 46 02	27
28	-23 18 12	-01 42 19	-22 23 34	00 24 01	-18 47 30	-00 53 52	-24 19 14	00 05 38	-23 13 02	-01 51 37	-19 39 52	00 03 26	-21 45 03	28
29	-23 15 14	-02 45 08	-20 27 30	00 23 26	-18 57 31	-00 59 47	-24 25 56	00 05 33	-23 12 31	-01 51 25	-19 19 39	00 03 21	-21 44 03	29
30	-23 11 48	-03 39 05	-17 36 22	00 22 51	-19 07 24	-01 05 31	-24 31 20	00 05 27	-23 11 59	-01 51 09	-18 58 55	00 03 17	-21 43 03	30
31	-23 07 53	-04 22 19	-14 02 47	00 22 16	-19 17 07	-01 11 03	-24 35 26	00 05 22	-23 11 25	-01 50 46	-18 37 39	00 03 13	-21 42 02	31

शर क्रांति—जनवरी सन् 2020 ई.

ता.	सूर्य	चन्द्र		मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		ता.
जन.	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	जन.
1	-23 03 32	-04 53 34	-09 58 26	00 21 41	-19 26 42	-01 16 24	-24 38 11	00 05 16	-23 10 49	-01 50 19	-18 15 53	00 03 08	-21 41 01	1
2	-22 58 42	-05 11 59	-05 33 26	00 21 05	-19 36 07	-01 21 32	-24 39 34	00 05 10	-23 10 12	-01 49 47	-17 53 37	00 03 04	-21 39 59	2
3	-22 53 25	-05 17 00	-00 56 33	00 20 29	-19 45 24	-01 26 26	-24 39 35	00 05 05	-23 09 34	-01 49 09	-17 30 52	00 03 00	-21 38 57	3
4	-22 47 41	-05 08 22	03 44 05	00 19 52	-19 54 31	-01 31 07	-24 38 13	00 04 59	-23 08 55	-01 48 26	-17 07 39	00 02 55	-21 37 54	4
5	-22 41 29	-04 46 03	08 20 04	00 19 16	-20 03 28	-01 35 34	-24 35 26	00 04 54	-23 08 14	-01 47 37	-16 43 59	00 02 51	-21 36 51	5
6	-22 34 51	-04 10 18	12 41 37	00 18 39	-20 12 16	-01 39 45	-24 31 13	00 04 48	-23 07 31	-01 46 44	-16 19 52	00 02 46	-21 35 48	6
7	-22 27 46	-03 21 53	16 36 46	00 18 01	-20 20 55	-01 43 41	-24 25 34	00 04 43	-23 06 47	-01 45 45	-15 55 20	00 02 42	-21 34 44	7
8	-22 20 14	-02 22 07	19 50 54	00 17 23	-20 29 23	-01 47 20	-24 18 28	00 04 37	-23 06 02	-01 44 41	-15 30 22	00 02 38	-21 33 40	8
9	-22 12 16	-01 13 13	22 07 30	00 16 45	-20 37 42	-01 50 43	-24 09 53	00 04 31	-23 05 16	-01 43 31	-15 05 01	00 02 33	-21 32 35	9
10	-22 03 52	00 01 34	23 10 27	00 16 07	-20 45 51	-01 53 47	-23 59 49	00 04 26	-23 04 28	-01 42 16	-14 39 16	00 02 29	-21 31 30	10
11	-21 55 02	01 18 02	22 48 09	00 15 28	-20 53 50	-01 56 33	-23 48 15	00 04 20	-23 03 38	-01 40 55	-14 13 09	00 02 25	-21 30 24	11
12	-21 45 46	02 31 08	20 57 20	00 14 49	-21 01 39	-01 59 00	-23 35 11	00 04 15	-23 02 48	-01 39 30	-13 46 39	00 02 21	-21 29 18	12
13	-21 36 05	03 35 35	17 44 55	00 14 10	-21 09 18	-02 01 07	-23 20 36	00 04 09	-23 01 56	-01 37 58	-13 19 49	00 02 16	-21 28 12	13
14	-21 25 59	04 26 35	13 26 12	00 13 30	-21 16 46	-02 02 52	-23 04 28	00 04 04	-23 01 03	-01 36 22	-12 52 39	00 02 12	-21 27 05	14
15	-21 15 28	05 00 27	08 21 12	00 12 50	-21 24 04	-02 04 15	-22 46 49	00 03 58	-23 00 08	-01 34 40	-12 25 09	00 02 08	-21 25 59	15
16	-21 04 32	05 15 02	02 50 55	00 12 10	-21 31 12	-02 05 16	-22 27 36	00 03 53	-22 59 13	-01 32 53	-11 57 21	00 02 03	-21 24 51	16
17	-20 53 12	05 09 54	-02 44 40	00 11 29	-21 38 09	-02 05 52	-22 06 51	00 03 47	-22 58 16	-01 31 00	-11 29 14	00 01 59	-21 23 44	17
18	-20 41 29	04 46 07	-08 07 25	00 10 48	-21 44 55	-02 06 03	-21 44 33	00 03 42	-22 57 17	-01 29 03	-11 00 51	00 01 55	-21 22 36	18
19	-20 29 21	04 05 56	-13 00 50	00 10 06	-21 51 30	-02 05 48	-21 20 42	00 03 36	-22 56 18	-01 26 59	-10 32 11	00 01 50	-21 21 28	19
20	-20 16 51	03 12 28	-17 09 49	00 09 24	-21 57 55	-02 05 05	-20 55 18	00 03 30	-22 55 17	-01 24 51	-10 03 16	00 01 46	-21 20 19	20
21	-20 03 57	02 09 20	-20 21 03	00 08 42	-22 04 08	-02 03 53	-20 28 22	00 03 25	-22 54 15	-01 22 37	-09 34 06	00 01 42	-21 19 10	21
22	-19 50 41	01 00 25	-22 24 05	00 08 00	-22 10 11	-02 02 11	-19 59 54	00 03 19	-22 53 12	-01 20 19	-09 04 41	00 01 37	-21 18 01	22
23	-19 37 02	-00 10 24	-23 12 51	00 07 17	-22 16 02	-01 59 58	-19 29 56	00 03 14	-22 52 08	-01 17 55	-08 35 04	00 01 33	-21 16 52	23
24	-19 23 02	-01 19 30	-22 46 59	00 06 34	-22 21 43	-01 57 12	-18 58 29	00 03 08	-22 51 03	-01 15 26	-08 05 14	00 01 29	-21 15 43	24
25	-19 08 40	-02 23 34	-21 11 53	00 05 50	-22 27 11	-01 53 51	-18 25 34	00 03 03	-22 49 56	-01 12 51	-07 35 12	00 01 25	-21 14 33	25
26	-18 53 57	-03 19 49	-18 37 20	00 05 06	-22 32 29	-01 49 54	-17 51 14	00 02 57	-22 48 49	-01 10 12	-07 05 00	00 01 20	-21 13 23	26
27	-18 38 53	-04 06 05	-15 15 24	00 04 22	-22 37 35	-01 45 19	-17 15 32	00 02 51	-22 47 40	-01 07 28	-06 34 37	00 01 16	-21 12 13	27
28	-18 23 29	-04 40 45	-11 18 22	00 03 37	-22 42 29	-01 40 05	-16 38 32	00 02 46	-22 46 30	-01 04 39	-06 04 05	00 01 12	-21 11 03	28
29	-18 07 45	-05 02 46	-06 57 35	00 02 52	-22 47 12	-01 34 11	-16 00 18	00 02 40	-22 45 20	-01 01 45	-05 33 24	00 01 07	-21 09 53	29
30	-17 51 42	-05 11 35	-02 23 01	00 02 07	-22 51 43	-01 27 34	-15 20 56	00 02 35	-22 44 08	-00 58 46	-05 02 35	00 01 03	-21 08 42	30
31	-17 35 19	-05 07 00	02 16 27	00 01 21	-22 56 03	-01 20 13	-14 40 32	00 02 29	-22 42 55	-00 55 42	-04 31 39	00 00 59	-21 07 32	31

शर क्रांति–फरवरी सन् 2020 ई.

ता. फर.	सूर्य	चन्द्र		मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		ता. फर.
	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर.	क्रांति	
1	-17।18।38	-04।49।12	06।52।26	00।00।35	-23।00।10	-01।12।08	-13।59।14	00।02।23	-22।41।41	-00।52।33	-04।00।37	00।00।55	-21।06।21	1
2	-17।01।38	-04।18।34	11।16।10	-00।00।11	-23।04।06	-01।03।17	-13।17।11	00।02।18	-22।40।27	-00।49।20	-03।29।30	00।00।50	-21।05।10	2
3	-16।44।21	-03।35।47	15।17।38	-00।00।58	-23।07।50	-00।53।38	-12।34।34	00।02।12	-22।39।11	-00।46।02	-02।58।17	00।00।46	-21।04।00	3
4	-16।26।46	-02।41।53	18।44।42	-00।01।45	-23।11।22	-00।43।13	-11।51।36	00।02।06	-22।37।55	-00।42।40	-02।27।00	00।00।42	-21।02।49	4
5	-16।08।54	-01।38।27	21।22।57	-00।02।33	-23।14।42	-00।31।59	-11।08।32	00।02।01	-22।36।38	-00।39।13	-01।55।40	00।00।37	-21।01।38	5
6	-15।50।45	-00।27।51	22।56।34	-00।03।21	-23।17।50	-00।19।59	-10।25।36	00।01।55	-22।35।20	-00।35।42	-01।24।17	00।00।33	-21।00।27	6
7	-15।32।20	00।46।35	23।10।57	-00।04।10	-23।20।45	-00।07।14	-09।43।09	00।01।49	-22।34।01	-00।32।06	-00।52।53	00।00।29	-20।59।16	7
8	-15।13।39	02।00।26	21।56।45	-00।04।59	-23।23।29	00।06।15	-09।01।29	00।01।44	-22।32।41	-00।28।27	-00।21।27	00।00।24	-20।58।05	8
9	-14।54।43	03।08।22	19।13।50	-00।05।48	-23।26।00	00।20।25	-08।20।59	00।01।38	-22।31।21	-00।24।43	00।09।59	00।00।20	-20।56।54	9
10	-14।35।32	04।04।51	15।12।30	-00।06।38	-23।28।19	00।35।12	-07।42।03	00।01।32	-22।30।00	-00।20।55	00।41।25	00।00।16	-20।55।44	10
11	-14।16।06	04।44।59	10।11।37	-00।07।28	-23।30।26	00।50।31	-07।05।05	00।01।27	-22।28।38	-00।17।03	01।12।50	00।00।11	-20।54।33	11
12	-13।56।26	05।05।27	04।34।34	-00।08।18	-23।32।20	01।06।15	-06।30।31	00।01।21	-22।27।15	-00।13।07	01।44।14	00।00।07	-20।53।22	12
13	-13।36।32	05।05।05	-01।14।34	-00।09।09	-23।34।02	01।22।16	-05।58।47	00।01।15	-22।25।52	-00।09।07	02।15।36	00।00।03	-20।52।12	13
14	-13।16।24	04।44।52	-06।53।31	-00।10।01	-23।35।32	01।38।25	-05।30।19	00।01।09	-22।24।28	-00।05।04	02।46।55	-00।00।01	-20।51।01	14
15	-12।56।03	04।07।23	-12।03।00	-00।10।52	-23।36।49	01।54।32	-05।05।31	00।01।03	-22।23।04	-00।00।57	03।18।10	-00।00।05	-20।49।51	15
16	-12।35।30	03।16।16	-16।26।55	-00।11।45	-23।37।54	02।10।24	-04।44।47	00।00।57	-22।21।39	00।03।13	03।49।21	-00।00।10	-20।48।41	16
17	-12।14।44	02।15।29	-19।52।20	-00।12।37	-23।38।47	02।25।48	-04।28।24	00।00।52	-22।20।14	00।07।27	04।20।27	-00।00।14	-20।47।31	17
18	-11।53।47	01।08।58	-22।09।51	-00।13।30	-23।39।26	02।40।29	-04।16।40	00।00।46	-22।18।48	00।11।44	04।51।27	-00।00।18	-20।46।21	18
19	-11।32।38	00।00।25	-23।14।11	-00।14।24	-23।39।54	02।54।11	-04।09।45	00।00।40	-22।17।22	00।16।04	05।22।22	-00।00।23	-20।45।11	19
20	-11।11।18	-01।06।46	-23।04।49	-00।15।17	-23।40।09	03।06।40	-04।07।44	00।00।34	-22।15।55	00।20।28	05।53।09	-00।00।27	-20।44।02	20
21	-10।49।48	-02।09।38	-21।46।02	-00।16।12	-23।40।11	03।17।39	-04।10।36	00।00।28	-22।14।28	00।24।54	06।23।49	-00।00।31	-20।42।53	21
22	-10।28।07	-03।05।32	-19।26।05	-00।17।06	-23।40।01	03।26।55	-04।18।13	00।00।22	-22।13।00	00।29।23	06।54।20	-00।00।36	-20।41।44	22
23	-10।06।17	-03।52।16	-16।15।37	-00।18।01	-23।39।38	03।34।15	-04।30।17	00।00।16	-22।11।32	00।33।55	07।24।43	-00।00।40	-20।40।35	23
24	-09।44।17	-04।28।04	-12।26।16	-00।18।57	-23।39।03	03।39।28	-04।46।26	00।00।10	-22।10।04	00।38।29	07।54।56	-00।00।45	-20।39।27	24
25	-09।22।08	-04।51।40	-08।09।28	-00।19।53	-23।38।15	03।42।29	-05।06।10	00।00।04	-22।08।36	00।43।06	08।24।59	-00।00।49	-20।38।19	25
26	-08।59।52	-05।02।19	-03।35।49	-00।20।49	-23।37।14	03।43।15	-05।28।55	-00।00।01	-22।07।07	00।47।46	08।54।50	-00।00।54	-20।37।12	26
27	-08।37।27	-04।59।47	01।04।54	-00।21।46	-23।36।02	03।41।46	-05।54।03	-00।00।07	-22।05।38	00।52।27	09।24।31	-00।00।58	-20।36।04	27
28	-08।14।54	-04।44।18	05।43।34	-00।22।43	-23।34।36	03।38।08	-06।20।52	-00।00।13	-22।04।10	00।57।11	09।53।59	-00।01।03	-20।34।57	28
29	-07।52।14	-04।16।27	10।11।09	-00।23।41	-23।32।58	03।32।28	-06।48।45	-00।00।19	-22।02।41	01।01।56	10।23।13	-00।01।07	-20।33।51	29

शर क्रांति–मार्च सन् 2020 ई.

ता.	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	ता.

शर क्रांति—मार्च सन् 2020 ई.

ता.	सूर्य	चन्द्र		मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		ता.
मार्च	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	मार्च
1	-07 29 28	-03 37 08	14 18 06	-00 24 39	-23 31 08	03 24 58	-07 17 03	-00 00 26	-22 01 11	01 06 43	10 52 15	-00 01 12	-20 32 45	1
2	-07 06 35	-02 47 30	17 53 47	-00 25 37	-23 29 06	03 15 51	-07 45 12	-00 00 32	-21 59 42	01 11 32	11 21 02	-00 01 16	-20 31 39	2
3	-06 43 36	-01 49 02	20 46 00	-00 26 36	-23 26 50	03 05 21	-08 12 40	-00 00 38	-21 58 13	01 16 23	11 49 34	-00 01 21	-20 30 34	3
4	-06 20 32	-00 43 38	22 41 14	-00 27 36	-23 24 23	02 53 42	-08 39 04	-00 00 44	-21 56 44	01 21 15	12 17 50	-00 01 25	-20 29 29	4
5	-05 57 22	00 26 06	23 25 51	-00 28 36	-23 21 43	02 41 08	-09 04 00	-00 00 50	-21 55 15	01 26 08	12 45 51	-00 01 30	-20 28 25	5
6	-05 34 08	01 36 50	22 48 40	-00 29 36	-23 18 51	02 27 52	-09 27 14	-00 00 57	-21 53 46	01 31 02	13 13 34	-00 01 34	-20 27 22	6
7	-05 10 49	02 44 10	20 44 16	-00 30 37	-23 15 47	02 14 06	-09 48 32	-00 01 03	-21 52 18	01 35 57	13 41 00	-00 01 39	-20 26 18	7
8	-04 47 27	03 43 01	17 15 45	-00 31 38	-23 12 30	02 00 01	-10 07 46	-00 01 10	-21 50 49	01 40 53	14 08 08	-00 01 43	-20 25 16	8
9	-04 24 00	04 28 02	12 35 27	-00 32 39	-23 09 01	01 45 46	-10 24 50	-00 01 16	-21 49 21	01 45 49	14 34 57	-00 01 48	-20 24 14	9
10	-04 00 30	04 54 41	07 03 25	-00 33 41	-23 05 20	01 31 29	-10 39 41	-00 01 22	-21 47 53	01 50 46	15 01 27	-00 01 53	-20 23 12	10
11	-03 36 57	05 00 13	01 04 21	-00 34 44	-23 01 27	01 17 17	-10 52 17	-00 01 29	-21 46 25	01 55 43	15 27 38	-00 01 57	-20 22 12	11
12	-03 13 22	04 44 22	-04 55 47	-00 35 47	-22 57 22	01 03 16	-11 02 39	-00 01 35	-21 44 58	02 00 40	15 53 27	-00 02 02	-20 21 11	12
13	-02 49 44	04 09 20	-10 32 33	-00 36 50	-22 53 05	00 49 29	-11 10 48	-00 01 42	-21 43 30	02 05 38	16 18 56	-00 02 06	-20 20 12	13
14	-02 26 05	03 19 01	-15 24 56	-00 37 54	-22 48 35	00 36 01	-11 16 45	-00 01 48	-21 42 04	02 10 35	16 44 04	-00 02 11	-20 19 13	14
15	-02 02 24	02 18 06	-19 16 38	-00 38 58	-22 43 54	00 22 54	-11 20 34	-00 01 55	-21 40 38	02 15 31	17 08 49	-00 02 16	-20 18 14	15
16	-01 38 41	01 11 15	-21 56 40	-00 40 03	-22 39 01	00 10 11	-11 22 17	-00 02 02	-21 39 12	02 20 27	17 33 12	-00 02 20	-20 17 17	16
17	-01 14 58	00 02 40	-23 19 42	-00 41 08	-22 33 57	-00 02 06	-11 21 57	-00 02 08	-21 37 47	02 25 22	17 57 12	-00 02 25	-20 16 20	17
18	-00 51 15	-01 04 10	-23 25 59	-00 42 13	-22 28 40	-00 13 58	-11 19 39	-00 02 15	-21 36 22	02 30 16	18 20 49	-00 02 30	-20 15 24	18
19	-00 27 31	-02 06 22	-22 20 40	-00 43 19	-22 23 13	-00 25 21	-11 15 24	-00 02 22	-21 34 58	02 35 09	18 44 01	-00 02 35	-20 14 28	19
20	-00 03 47	-03 01 32	-20 12 22	-00 44 26	-22 17 33	-00 36 16	-11 09 17	-00 02 29	-21 33 35	02 40 01	19 06 49	-00 02 39	-20 13 34	20
21	00 19 54	-03 47 44	-17 11 39	-00 45 32	-22 11 42	-00 46 43	-11 01 21	-00 02 35	-21 32 12	02 44 51	19 29 12	-00 02 44	-20 12 40	21
22	00 43 36	-04 23 21	-13 29 40	-00 46 40	-22 05 40	-00 56 39	-10 51 38	-00 02 42	-21 30 50	02 49 40	19 51 10	-00 02 49	-20 11 47	22
23	01 07 17	-04 47 06	-09 17 18	-00 47 48	-21 59 26	-01 06 07	-10 40 11	-00 02 49	-21 29 29	02 54 26	20 12 41	-00 02 54	-20 10 55	23
24	01 30 55	-04 58 10	-04 44 56	-00 48 56	-21 53 02	-01 15 04	-10 27 04	-00 02 56	-21 28 09	02 59 11	20 33 47	-00 02 58	-20 10 03	24
25	01 54 32	-04 56 10	-00 02 24	-00 50 04	-21 46 26	-01 23 32	-10 11·2 119	-00 03 03	-21 26 49	03 03 53	20 54 25	-00 03 03	-20 09 13	25
26	02 18 05	-04 41 12	04 40 42	-00 51 13	-21 39 39	-01 31 30	-09 55 58	-00 03 10	-21 25 31	03 08 32	21 14 37	-00 03 08	-20 08 23	26
27	02 41 36	-04 13 53	09 14 49	-00 52 23	-21 32 42	-01 38 58	-09 38 05	-00 03 17	-21 24 13	03 13 09	21 34 20	-00 03 13	-20 07 35	27
28.	03 05 04	-03 35 15	13 29 57	-00 53 33	-21 25 33	-01 45 55	-09 18 41	-00 03 24	-21 22 57	03 17 43	21 53 36	-00 03 18	-20 06 47	28
29	03 28 28	-02 46 42	17 15 26	-00 54 43	-21 18 14	-01 52 24	-08 57 48	-00 03 32	-21 21 41	03 22 14	22 12 23	-00 03 23	-20 06 00	29
30	03 51 47	-01 49 54	20 19 44	-00 55 54	-21 10 45	-01 58 22	-08 35 29	-00 03 39	-21 20 27	03 26 41	22 30 42	-00 03 28	-20 05 14	30
31	04 15 03	-00 46 53	22 30 42	-00 57 05	-21 03 05	-02 03 50	-08 11 45	-00 03 46	-21 19 13	03 31 05	22 48 32	-00 03 33	-20 04 29	31

व्यापार भविष्य वैज्ञानिक अनुसंधान पर सन् 2019-2020

लेखक-
पी.सी. जैन पोरसा वाले

(नोट-व्यापार में लाभ-हानि की जिम्मेदारी लेखक और प्रकाशक की किसी प्रकार से नहीं होगी। अत: स्व-विवेक से व्यापार करें।)

4 फरवरी 2019 सोमवार माघ अमावस्या, 20 मार्च 2019 होलिका दहन, 6 अप्रैल 2019 नया सं. 2076 प्रतिपदा शनिवार, 12 जून बुधवार गंगा दशहरा, मंगल अस्त 22 जुलाई से 22 अक्टूबर तक, 15 अगस्त गुरुवारी श्रावण पूर्णिमा, 27 अक्टूबर रविवारी दिवाली, 12 जुलाई से 1 अक्टूबर 2019 तक शुक्र ग्रह पूर्व दिशा में अस्त, रोहिणी रजक घर सन् 2019 में पानी वर्षा अच्छी, शेयर्स मार्केट में बी एस ई सेंसेक्स में 5575 प्वाइंट की तूफानी तेजी, हल्दी में तेजी, सरसों 1575 तेज, मूंग-उड़द-मोठ में तेजी। ग्वार में मध्यम तेजी। चांदी, सोना में कुछ तेजी आ सकती है।

चन्द्रमास में 5 वार होने से कृषि जिन्सों के बाजारों की तेजी-मंदी सन् 2019-2020-

22 जनवरी 2019 को माघ मास में 5 मंगलवार होने से-24 दिसंबर 2018 से 2 जनवरी 2019 तक जीरा में 250 की मंदी। 26 दिसंबर 2018 से 2 जन. 2019 तक चना में 25 की मंदी। 2 से 8 जनवरी 2019 तक 50 रुपये की तेजी चल सकती है। 8 से 28 जनवरी 2019 तक चना में 75 की मंदी, 28 जनवरी से 4 फरवरी 2019 तक चना में 110 रुपये की तेजी चल सकती है। 4 से 8 फरवरी 2019 तक चना में 25 की मंदी। 8 से 26 फरवरी 2019 तक चना में 150 की तूफानी तेजी। 26 फरवरी से 2 मार्च 2019 तक चना में 50 की मंदी आ सकती है। 15 जनवरी से 15 फरवरी 2019 तक गुवार में मंदी तो 15 मार्च से 21 मई तक उड़द, मूंग, मौठ में भारी तेजी आ सकती है। 2 से 21 जनवरी 2019 तक जीरा में 1150 की तेजी तो 21 से 25 जन. 2019 तक 375 की मंदी चलने की संभावना है। 7 फर. से 21 मार्च 2019 तक जीरा में 277 की तेजी आ सकती है।

20 फरवरी 2019 को फाल्गुन मास में 5 बुधवार होने से-9 फर. से 15 मार्च 2019 तक रुई में मंदी आवे तो 21 अप्रैल तक अच्छी तेजी चल सकती है। 25 मार्च से 14 अप्रैल 2019 तक चना में 55 रुपये की तेजी। गुवार में 100 की तेजी। अरहर में 155 रुपये की तेजी। मूंग-सरसों-सोयाबीन में तेजी। उड़द, तिल में तेजी। जीरा, हल्दी, धनियां में मंदी आ सकती है। 23 अप्रैल से 2 मई 2019 तक सरसों में तेजी। लालमिर्च में 500 रुपये की तेजी। जौ, बाजरा में तेजी। 17 मई से 28 जुलाई 2019 तक चना में 1300 रुपये की तूफानी तेजी चल सकती है। 28 जुलाई से 20 अगस्त 2019 तक चना में 850 की मंदी। 20 अगस्त से 21 सितंबर 2019 तक चना में 800 की तेजी। 29 जुलाई से 3 अक्टूबर 2019 तक सोयाबीन तेल में 100 रुपये की मंदी आ सकती है।

21 मार्च 2019 को चैत्र मास में 5 गुरुवार होने से-17 मार्च से 5 अपरैल 2019 तक जीरा में भारी मंदी तो अप्रैल आखिर तक तेजी चल सकती है। 24 अप्रैल से 20 मई 2019 तक तिल, शक्कर में मंदी। 4 से 12 मई 2019 तक मूंग, उड़द, तुअर में 500 रुपये की तेजी। गेहूं, जौ, तेज तो मसूर में 300 की मंदी। ओला बरसात में जीरा, धनियां में तेजी चल सकती है। 27 मई से 25 जून 2019 तक मसूर में 277 की तेजी। चना में 175 रुपये की तेजी। अरहर में 125 रुपये की तेजी। सरसों में 275 की तेजी। मटर, उड़द में जोरदार तेजी। जीरा, धनियां में तेजी तो मैदा में मंदी। तिल, गुंवार में तेजी। 8 से 16 मार्च 2019 तक जीरा में 1475 रुपये की तेजी तो 16 मार्च से 9 अप्रैल 2019 तक जीरा में 2275 रुपये की धमाकेदार मंदी चलने की संभावना है। 2 से 8 मार्च तक चना में 50 रुपये की तेजी तो 8 से 23 मार्च 2019 तक 100 की मंदी आने की संभावना है। 23 मार्च से 1 अप्रैल 2019 तक चना में 50 रुपये की तेजी चल सकती है।

20 अप्रैल 2019 को वैशाख मास में 5 शनिवार होने से-1 से 19 अप्रैल 2019 तक चना में 50 रुपये की मंदी तो 19 से 29 अप्रैल तक चना में 50 रुपये की तेजी चलने की संभावना है। 29 अप्रैल से 16 मई 2019 तक चना में 50 रुपये की मंदी आ सकती है। 21 अप्रैल से 9 मई 2019 तक जीरा, चांदी व तैलों में अच्छी मंदी आ सकती है। 23 अप्रैल से 28 जुलई 2019 तक रुई में अच्छी तेजी आ सकती है।

19 मई 2019 को ज्येष्ठ मास में 5 रविवार होने से-21 अप्रैल से 20 मई 2019 तक चांदी, तैल में भारी मंदी आ सकती है। 11 मई से 21 जून 2019 के बीच जीरा में 505 की जोरदार तेजी तो गुंवार, गुड़ में मंदी आ सकती है। 9 से 22 अप्रैल तक जीरा में 1210 की तेजी। 22 से 25 अप्रैल 2019 तक जीरा में 950 की मंदी आ सकती है। 25 से 30 अप्रैल 2019 तक 810 रुपये की तेजी तो 30 अप्रैल से 7 मई 2019 तक 875 रुपये की मंदी आ सकती है। 7 मई से 20 जून 2019 तक जीरा में 3275 रुपये की तेजी का उछाला बन सकता है। 20 से 27 जून 2019 तक जीरा में 850 की मंदी आने की संभावना है।

18 जून 2019 को आषाढ़ मास में 5 मंगलवार होने से-18 जून से 9 जुलाई 2019 तक जीरा में मंदी तो 19 जून से 18 जुलाई 2019 तक जीरा तेज। चांदी, तैलों में तेजी आ सकती है। 16 से 20 मई 2019 तक चना में 25 की तेजी तो 20 से 26 मई 2019 तक 25 की मंदी आ सकती है। 26 मई से 13 जून 2019 तक चना में 125 रुपये की तेजी चल सकती है। 13 से 19 जून 2019 तक चना में 50 की मंदी तो 19 जून से 14 जुलाई 2019 तक 375 की तेजी का तूफान आ सकता है। 27 जून से 1 जुलाई 2019 तक जीरा में 510 रुपये की तेजी चलने की संभावना है। 15 मई से 21 जून 2019 तक तैल, तिलहन में तेजी आ सकती है।

17 जुलाई 2019 को श्रावण मास में 5 बुधवार होने से-11 जुलाई से 23 अक्टूबर 2019 को पश्चिम दिशा में अस्त मंगल ग्रह होने पर 21 जुलाई से 27 अगस्त 2019 तक जीरा में जोरदार मंदी। गुवार, हल्दी तेज। तेल, चांदी में अच्छी तेजी आ सकती है। 28 जुलाई से 27 अगस्त 2019 तक रुई में जोरदार मंदी आ सकती है। 22 जुलाई से 28 सितंबर 2019 तक शुक्र ग्रह पूर्व दिशा में अस्त होने से शेयर्स में तेजी। फल, सब्जी में अच्छी पैदावार होने से फलों व सब्जी सस्ती होगी। लहसुन में तेजी। 1 से 10 जुलाई 2019 तक जीरा में 825 की मंदी तो 10 से 16 जुलाई तक जीरा में 1125 रुपये की तेजी चलने की संभावना है। 16 से 24 जुलाई 2019 तक जीरा में 1075 की मंदी तो 24 से 28 जुलाई तक 610 रुपये की तेजी आने की संभावना है। 28 जुलाई से 19 अगस्त 2019 तक जीरा में 1910 रुपये की धमाकेदार मंदी चलने की संभावना है। 14 से 22 जुलाई तक चना में 50 रुपये की मंदी तो 22 से 28 जुलाई तक 75 की तेजी आने की संभावना है। 28 जुलाई से 20 अगस्त 2019 तक चना में 275 रुपये की धमाकेदार मंदी चल सकती है। 15 जुलाई से 5 सितंबर 2019 तक गुंवार में 909 की तेजी आ सकती है।

16 अगस्त को भाद्रपद मास में पांच शुक्रवार होने से-20 अगस्त से 16 सितंबर 2019 तक चना में 150 रुपये की भयंकर तेजी चलने की संभावना है। 19 से 23 अगस्त 2019 तक जीरा में 725 रुपये की तेजी चल सकती है। 23 अगस्त से 2 सितंबर 2019 तक 750 रुपये की मंदी आ सकती है।

15 सितंबर आश्विन मास में पांच रविवार होने से-16 सितंबर से 3 अक्टूबर 2019 तक चना में 150 रुपये की मंदी आने की संभावना है। 2 से 26 सितंबर तक जीरा में 510 रुपये

की तेजी आने की संभावना है। 26 सितंबर से 2 अक्टूबर 2019 तक जीरा में 675 रुपये की मंदी चल सकती है।

तांबा तेजी-मंदी रिपोर्ट 2019-2020

दिसंबर 2019-7 से 18 दिसंबर 2019 तक तांबा में 12 रुपये की मंदी आने की संभावना है। 18 दिसंबर 2019 से 5

की तेजी आने की संभावना है। 26 सितंबर से 2 अक्टूबर 2019 तक जीरा में 675 रुपये की मंदी चल सकती है।

14 अक्टूबर को कार्तिक मास में 5 सोमवार होने से–3 अक्टूबर से 1 नवंबर 2019 तक चना में 225 रुपये की जोरदार तेजी आ सकती है। 2 से 17 अक्टूबर 2019 तक जीरा में 1275 रुपये की तेजी चलने की संभावना है। 17 से 23 अक्टूबर 2019 तक 725 रुपये की मंदी आ सकती है। 23 अक्टूबर से 4 नवंबर 2019 तक 550 रुपये की तेजी आने की संभावना है। 3 अक्टूबर से 15 नवंबर 2019 तक सरसों, अरण्ड, बिनौला, सोयाबीन में भारी तेजी आ सकती है।

13 नवंबर 2019 को मार्गशीर्ष मास में 5 बुधवार होने से–1 नवंबर से 4 दिसंबर 2019 तक चना में 110 रुपये की मंदी आने की संभावना है। 4 से 12 नवंबर 2019 तक जीरा में 710 रुपये की मंदी चल सकती है। 12 नवंबर से 18 नवंबर 2019 तक जीरा में 1175 रुपये की तेजी चलने की संभावना है। 18 से 26 नवंबर 2019 तक जीरा में 625 रुपये की मंदी तो 26 नवंबर 2019 से 2 जनवरी 2020 तक 250 रुपये की तेजी आ सकती है।

13 दिसंबर 2019 को पौष मास में 5 शुक्रवार होने से–4 से 11 दिसंबर 2019 तक चना में 110 रुपये की तेजी चलने की संभावना है। 11 से 23 दिसंबर 2019 तक चना में 250 रुपये की झड़पी मंदी चल सकती है। 23 दिसंबर 2019 से 3 जनवरी 2020 तक चना में 210 रुपये की तूफानी तेजी आ सकती है।

11 जनवरी 2020 माघ मास में 5 शनिवार होने से–3 जनवरी से 21 जनवरी 2020 तक चना में 325 रुपये की धमाकेदार मंदी चलने की संभावना है। 21 जनवरी से 4 मार्च 2020 तक 25 रुपये की तेजी आ सकती है। 2 से 13 जनवरी 2020 तक जीरा में 425 रुपये की मंदी आने की संभावना है। 13 जनवरी 2020 से 17 मार्च 2020 तक जीरा में 450 रुपये की तेजी चल सकती है।

10 फरवरी 2020 फाल्गुन मास में 5 सोमवार होने से–4 से 29 मार्च 2020 तक चना में 100 रुपये की मंदी चल सकती है। 29 मार्च से 24 अप्रैल 2020 तक चना में 50 रुपये की तेजी चलने की संभावना है।

10 मार्च 2020 चैत्र मास में 5 मंगलवार होने से–17 से 29 मार्च 2020 तक जीरा में 325 रुपये की मंदी आ सकती है। 29 मार्च से 14 अप्रैल 2020 तक जीरा में 1210 रुपये की तेजी चलने की संभावना है।

तांबा तेजी-मंदा रिपोर्ट 2019-2020

10 दिसंबर 2018 से 3 जनवरी 2019 तक तांबा में 58 की तेजी का उछाला आ सकता है। 3 से 22 जनवरी 2019 तक 18 रुपये की मंदी आने की संभावना है। 22 से 27 जनवरी 2019 तक 13 की तेजी आ सकती है। 27 जनवरी से 17 फरवरी 2019 तक तांबा में 28 रुपये की धमाकेदार मंदी चल सकती है।

फरवरी 2019–17 फरवरी से 7 मार्च 2019 तक 25 रुपये की जोरदार तेजी आने की संभावना है।

मार्च–7 से 10 मार्च 2019 तक तांबा में 10 रुपये की मंदी तो 10 से 16 मार्च 2019 तक 12 रुपये की तेजी आ सकती है। 16 से 25 मार्च 2019 तक तांबा में 14 रुपये की मंदी तो 25 मार्च से 7 अप्रैल 2019 तक 17 की तेजी आने की संभावना है।

अप्रैल–7 से 17 अप्रैल 2019 तक 16 रुपये की मंदी तो 17 से 23 अप्रैल 2019 तक 15 रुपये की तेजी आ सकती है। 23 से 30 अप्रैल 2019 तक 14 रुपये की मंदी तो 30 अप्रैल से 8 मई 2019 तक में 4 रुपये की तेजी आने की संभावना है।

मई–8 से 18 मई 2019 तक तांबा में 9 रुपये की मंदी तो 18 से 21 मई 2019 तक 9 रुपये की तेजी आने की संभावना है। 21 मई से 11 जून 2019 तक तांबा में 17 रुपये की मंदी आ सकती है।

जून–11 से 23 जून 2019 तक तांबा में 13 रुपये की तेजी चल सकती है। 23 से 30 जून तक तांबा में 19 रुपये की झड़पी मंदी तो 30 जून से 16 जुलाई 2019 तक 12 रुपये की तेजी आ सकती है।

जुलाई–16 से 28 जुलाई 2019 तक तांबा में 9 रुपये की मंदी चलने की संभावना है। 28 जुलाई से 1 अगस्त 2019 तक 11 रुपये की तेजी आने की संभावना है।

अगस्त–1 से 13 अगस्त 2019 तक तांबा में 8 रुपये की मंदी चल सकती है। 13 से 22 अगस्त 2019 तक तांबा में 14 रुपये की तेजी चलने की संभावना है। 22 अगस्त से 1 सितंबर 2019 तक 8 रुपये की मंदी आ सकती है।

सितंबर–1 से 17 सितंबर 2019 तक तांबा में 23 रुपये की भयंकर तेजी आने की संभावना है। 17 से 25 सितंबर 2019 तक 7 रुपये की मंदी चल सकती है। 25 सितंबर से 28 अक्टूबर 2019 तक तांबा में 33 रुपये की तेजी का उछाला आ सकता है।

अक्टूबर–28 अक्टूबर से 14 नवंबर 2019 तक तांबा में 18 रुपये की मंदी आ सकती है।

नवम्बर–14 नवंबर से 7 दिसंबर 2019 तक तांबा में 29 रुपये की तेजी का तूफान आ सकता है।

दिसंबर 2019–7 से 18 दिसंबर 2019 तक तांबा में 12 रुपये की मंदी आने की संभावना है। 18 दिसंबर 2019 से 5 जनवरी 2020 तक तांबा में 6 रुपये की तेजी चल सकती है।

जनवरी 2020–5 से 9 जनवरी 2020 तक तांबा में 10 रुपये की मंदी चलने की संभावना है। 9 से 16 जनवरी 2020 तक 9 रुपये की तेजी। 16 से 27 जनवरी तक 21 रुपये की झड़पी मंदी आ सकती है। 27 जनवरी से 19 फरवरी 2020 तक 29 रुपये की तेजी का उछाला आ सकता है।

फरवरी–19 से 28 फरवरी 2020 तक तांबा में 11 रुपये की मंदी चलने की संभावना है। 28 फरवरी से 6 मार्च 2020 तक तांबा में 6 रुपये की तेजी चल सकती है।

मार्च–6 से 14 मार्च 2020 तक तांबा में 13 रुपये की मंदी आ सकती है। 14 से 27 मार्च तक 14 रुपये की तेजी चलने की संभावना है। 27 मार्च से 3 अप्रैल 2020 तक 18 रुपये की मंदी आ सकती है।

अप्रैल–3 से 16 अप्रैल 2020 तक तांबा में 20 रुपये की तूफानी तेजी चल सकती है। 16 से 30 अप्रैल 2020 तक 16 रुपये की मंदी आने की संभावना है। 30 अप्रैल से 5 मई 2020 तक तांबा में 10 रुपये की तेजी चलने की संभावना है।

मई–6 मई से 17 मई 2020 तक तांबा में 21 रुपये की झड़पी मंदी आ सकती है।

व्यापार भविष्य फल सन् 2019 ई.

लेखक-
अनिल कुमार व्यास

जनवरी 2019

यह मास पौष कृष्ण 11 मंगलवार से प्रारंभ होकर माघ कृष्ण 11 गुरुवार तक रहेगा। मास में पांच मंगलवार होने से लाल रंग की वस्तु, सरसों, तेल, लालमिर्च आदि में तेजी। गेहूं, जौ, चना आदि में तेजी का वातावरण रहेगा। सोना, चांदी, कॉपर में तेजी का वातावरण रहेगा। ता. 5 को शनिवार अमावस्या होने से तेल, तिलहन तेजी कारक है। ता. 7 को उषा. में चन्द्रदर्शन होने से अफीम, मिर्च, जीरा, हल्दी, धनियां, मेवा, काजू, बादाम, अखरोट आदि, घोड़ा, खच्चर, सोना, चांदी, लोहा, मटर, मूंग, उड़द, घी, तेल आदि में मंदी का वातावरण बनेगा। दोपहर बाद भाव परिवर्तन कर सकता है। ता. 14 मकर संक्रांति सोमवासरी से कपास, सूत, कपड़ा, गुड़, खाण्ड, तिल, तेल, सरसों, मूंगफली तेल, सोयाबीन तेल, रिफायंड तेलों में तेजी का वातावरण बनेगा। सोना, चांदी, आयरन, शेयर्स में सुधार। ता. 18 शनि उदय पूर्व में होने से बाजार में उतार-चढ़ाव का वातावरण बना रहेगा। ता. 19 गेहूं का संग्रह करने पर लाभ मिलेगा। लाल रंग की वस्तुओं में अच्छी तेजी। चना, सरसों, अलसी, सोना, चांदी, उड़द, मसूर, अरहर में तेजी। मूंग, मोंठ, अनाज में घटाबढ़ी का रुख रहे। ता. 28 वर्षा, ओला-पाला से गेहूं आदि फसलों की हानि। अनाज में मंदी का रुख रहेगा। रुई गिरकर तेजी ले।

माघ सुदी सातै पड़े शनि रविवार चन्द्रवार।
विग्रह भय दुर्भिक्ष से दुख पावै संसार॥
पड़वा आठै पूर्णिमा जो बुधवारी आय।
सभी वस्तुओं की न्यूनता महंगी भाव बिकाय॥

फरवरी 2019

यह मास माघ कृष्ण 12 शुक्रवार से आरंभ होकर फाल्गुन कृष्ण 10 गुरुवार तक रहेगा। ता. 3 धनिष्ठा के बुध के कारण चावल, गेहूं, चना में तेजी। सोना, चांदी, रुई में घटाबढ़ी रहे। ता. 6 रविवार को धनिष्ठा के रवि से सोना, चांदी 15 दिन में तेजी ले। मोती, माणिक, जवाहरात, मूंग, मसूर, गेहूं, जौ, चना, मटर, ज्वार, बाजरा के भावों एवं अलसी, अरण्डी, सोयाबीन के भावों व रुई, सोना, चांदी में तेजी। ता. 13 बुधोदय पश्चिम में होने से लौंग, ईलायची, कालीमिर्च, जीरा, ईमली, अनारदाना, गेहूं, जौ, चना, मटर, रुई, चौपाये पशुओं में मंदा रहेगा। मक्का, ज्वार, बाजरा, सूत, शेयर, ऊनी वस्त्र, तिलहन में तेजी के बाद मंदी रहेगी। ता. 13 कुंभ की संक्रांति से तांबा, लोहा, जस्ता, पीतल, तिल तेल व लाल रंग की वस्तुओं के भाव सम रहें। चांदी, सोना, बिनौला में घटाबढ़ी। पत्थर एवं पत्थर की वस्तुओं में तेजी। उड़द, मूंग, तुअर, कुल्थी में तेजी। इसमें मंदी हुई वस्तु खरीदकर दो महीने बाद बेचें तो अच्छा लाभ मिलेगा। ता. 24 मीने बुध से शक्कर, चावल, घी, रिफायंड तेल, चीनी तेज होकर गिरावट लें। ता. 28 उषा. के बुध से चना, गेहूं, जौ में मंदी रहेगी। प्रजा में अराजकता, वर्षा, वायु प्रकोप से खड़ी फसलों की हानि होगी।

माघ सुदी सातै दिना, भरणी नखत विचार।
रोग नाश हो धरा पर, उत्तम रहे पैदावार॥
माघ सुदी आठै तिथि, जो कृतिका संयोग।
फाल्गुन फसल रोली रहे, सावन अन्न तेजी का योग॥

मार्च 2019

यह मास फाल्गुन कृष्ण 10 शुक्रवार से प्रारंभ होकर चैत्र कृष्णा 11 रविवार तक रहेगा। इस मास में बुधवारी अमावस्या होने से प्रजा में कष्ट, सत्ता का विघटन, दुखों की अधिकता रहे। ता. 5 श्रवण में शुक्र से सोना, चांदी, गुड़, चीनी, शक्कर, खाण्ड, मूंग, मौंठ, उड़द, गेहूं, जौ, चना में मंदी। तिल, तिलहन, मूंगफली, सोयाबीन, रिफायंड तेल में तेजी। रुई के भाव मंदी लेकर तेजी ले। ता. 6 अमावस्या बुध वक्री से शक्कर, चावल, घी में पहले तेजी आकर फिर मंदी ले। ता. 8 बुधास्त पश्चिम में होने से रुई में मंदी, चांदी में तेजी, हैशियन-शेयर मार्केट में मंदी रहे। 14 मार्च संक्रांति से गेहूं, जौ, चना के भाव पहले तेज ले, बाद में मंदी का मान करेंगे। गुड़, खाण्ड, शक्कर, मक्का, ज्वार-बाजरा, सरसों, राई, ईलायची, नीला थोथा, गेरू के भाव सम रहेंगे। घी, उड़द, मूंग, मटर, नमक, मिर्च, हल्दी, धनियां, तेल, तिल, अलसी, कपास, तांबा, पीतल, जस्ता, गिलट, लोहा, घोड़ा, ऊंट के भावों में तेजी। सोना, चांदी, नारियल, केसर, खोपरा, छुआरा, मेवा, जायफल, बैल, गाय, बकरी के भावों में मंदी। रुई, सूत में घटाबढ़ी हो। जो व्यापारी इस संक्रांति में आयी किसी वस्तु में मंदी का माल भरकर आगे संक्रांति में बेचें, तो अच्छा लाभ मिलेगा। ता. 27 शतभिषा के शुक्र से गेहूं, गुड़, खाण्ड, चावल, घी, सरसों, रुई, सोना, चांदी, जस्ता, शेयर्स के भावों में तेजी। देश-प्रदेश में अल्पवर्षा से खेती को नुकसान होने की संभावना है।

फाल्गुन शुक्ल चौदस, बने शुक्रवारी योग।
जेठ आषाढ़ श्रावण माह में, बढ़ै संक्रामक रोग॥
एक ही राशि पर वास करै रवि शुक्र सूर।
वर्षा की खेंच करै, तेजी रहे भरपूर॥

अप्रैल 2019

यह मास चैत्र कृष्ण 12 सोमवार से आरंभ होकर वैशाख कृष्ण 11 मंगलवार तक रहेगा। मास में कुंभ राशि में बुध उदय होने से आंधी-तूफान, वर्षा से जनमानस परेशान होंगे। शतभिषा में शुक्र से मनो-विनोद में वृद्धि। ता. 6 शनिवार नव सम्वत् आरंभ व रोहिणी के भौम से रुई, कपास, ऊन, सूत, सूती वस्त्र, रेशम, सरसों, तिल, तिलहन, तेल, लालमिर्च, हींग व सभी शेयरों में तेजी का योग रहेगा। ता. 11 मीने बुध, गुरु वक्री से शक्कर, चावल, घी में पहले तेजी के बाद मंदी रहेगी। ता. 14 संक्रांति से गेहूं, जौ, चना, मटर, तुअर, अरहर, धान, हाथी दांत, लाख, मोम, मजीठ, केशर, सिन्दूर में तेजी। सोना, चांदी, जस्ता, जिंक, शेयर्स, आयरन के भावों में घटाबढ़ी से तेजी रहेगी। ता. 15 मीने शुक्र से चांदी में साधारण मंदी आकर तेजी। अनाज, सरसों, तिलहन, अलसी, अरण्डी, गुड़, खाण्ड में मंदी रहेगी। ता. 18 उषा. के शुक्र से गुड़, खाण्ड, सोना, चांदी, अलसी, अरण्डी, तुअर, ग्वार, हैशियन में मंदी। अनाज में तेजी। रुई, गुड़ में घटाबढ़ी से तेजी। ता. 27 भरणी के रवि से रुई, अलसी, ऊन में मंदी। सोना, चांदी, पीतल, तांबा, आयरन, एंगल, सरिया, चादर तेज। गेहूं, जौ, चना, चावल, मोंठ, मूंग, उड़द, अरहर, चना, अलसी, सरसों, गुड़, खाण्ड, घी में तेजी।

चैत्र मास कृष्ण तिथि बढ़ै शुक्ल पक्ष में घट जाय।
पैदावार की हो न्यूनता खड़ी फसल झुक जाय॥
वृष राशि के रवि करें सुख सम्पदा सुकाल।
दूध दही अरु घी में चले महंगाई की चाल॥

मई 2019

यह मास वैशाख कृष्ण 12 बुधवार से आरंभ होकर ज्येष्ठ कृष्ण 12 शुक्रवार तक रहेगा। इस मास में पांच शनिवार से महंगाई में वृद्धि। ता. 3 कृष्ण चतुर्दशी शुक्रवार की होने से अन्न की पैदावार अच्छी रहेगी। इसी तारीख में बुध अस्त पश्चिम में होने से रुई में मंदी। चांदी में तेजी। पाट, पटसन, हैशियन में तेजी। सभी प्रमुख शेयरों में तेजी। ता. 6 **मिथुने भौम** से रुई, गुड़, खाण्ड, शक्कर, अलसी, अफीम, तांबा, कुमकुम, लालरंग की वस्तुयें, लालमिर्च में अच्छी तेजी की चाल निकलेगी। सोना, चांदी, शेयर्स घटाबढ़ी में मंदी ले। ता. 15 **वृष संक्रांति** से प्रजा में सुख-शांति रहेगी। गुड़, घी, रस, रुई, तिल-तेल, सरसों में तेजी। गेहूं, जौ, चना, मटर, मोंठ, मूंग, तुअर में मंदी। ता. 18 वृषे

बुध व पूर्णिमा योग से रुई में मंदी होकर तेजी। प्रायः सभी खाद्य पदार्थों, मेवा, दलहन, तिलहन में घटाबढ़ी। गेहूं, जौ, चना, चावल, मटर, रुई, कपास, सूत, अफीम, तिल-तेल, सोना, चांदी में तेजी। ता. 21 मंगल-भरणी के शुक्र से 12 दिन में सोना, चांदी, अफीम, लाल रंग की वस्तुओं, सरसों, तिल, तेल, अलसी, अरण्डी, घी, गुड़, उड़द, नारियल में मंदी। चना, मूंग, मोंठ, तुअर, ज्वार में घटाबढ़ी। रुई में तेजी।

जेठ बदी की प्रतिपदा सोम गुरु भृगुवार।
वर्षा हो उत्तम घनी उत्तम हो पैदावार॥
द्वितीया तृतीया ज्येष्ठ सुदी आवै आर्द्रा रिक्ष।
बरसै तो कर्षे नमी दरषे दुःख अरु दुर्भिक्ष॥

जून 2019

यह मास ज्येष्ठ कृष्ण 13 शनिवार से आरंभ होकर आषाढ़ कृष्ण 12 रविवार तक रहेगा। सोमवती अमावस्या से सभी प्रकार के व्यापारिक जिन्सों में घटाबढ़ी से मंदी रहेगी। ज्येष्ठ शुक्ल में 5 तिथि क्षय से रुई, सूत, रेशम, कपूर, कस्तूरी, चन्दन, सोना, चांदी, उड़द, मूंग, मोंठ, चना, बाजरा, अलसी, सिंघारा, नारियल तेज। शेयर्स में घटाबढ़ी चलेगी। ता. 12 रोहिणी के शुक्र से 12 दिन में चांदी, सोना धातु तथा अलसी, अरण्डी, सरसों, घी, तेल, गुड़, खाण्ड, छुआरा, काजू, किशमिश, पोस्ता, सुपारी, नारियल, ऊनी वस्त्र में मंदी। अफीम, अरण्डी, अनाज में तेजी। ता. 15 मिथुन संक्रांति से अनाज, चना, गेहूं, बाजरा, मक्का, मोंठ, तुअर, अरहर, मूंग में तेजी। ता. 23 को रोहिणी के बुध से कपास, रुई में तेजी। सोना, चांदी, तिल, तिलहन, तेल में तेजी। सरसों, चावल, गुड़, खाण्ड में तेजी। राई, तुअर, गुवार, सन, ऊनी वस्त्र, ऊन में मंदी। रुई तेज होकर मंदी का मान करे। शेयर, हैशियन, पटसन में तेजी को बल। ता. 29 मृगे बुध से 8 दिन में रुई में तेजी। चांदी घटबढ़ लेकर मंदी ले। तिल, गेहूं, सरसों, उड़द में मंदी रहेगी। ता. 30 बुध उदय पश्चिम में होने से एक मास तक अन्न के भावों में तेजी। गेहूं, जौ, चना, मटर, ग्वार, मूंग, मोंठ तेज रहे।

पड़वा पांचै चतुर्दशी शुक्ल पक्ष में तीन।
बढ़ने पर मंदी करे तेजी होय तब क्षीण॥
आषाढ़ बदी चौदस दिना रोहिणी का हो संयोग।
कर्फ्यू अरु कंट्रोल से दुःख पावैं सब लोग॥

जुलाई 2019

यह मास आषाढ़ कृष्ण 14 सोमवार से आरंभ होकर श्रावण कृष्ण 14 बुधवार तक रहेगा। मास में पांच मंगलवार होने से देश-विदेश में किसी प्रमुख व्यक्ति का विद्रोह होगा। मास में पांच मंगलवार का होना शुभदायक है। कृष्ण पक्ष चतुर्दशी में रोहिणी नक्षत्र होने से व सोमवार होने से धान, घास-चारे की कमी रहेगी। लालवर्ण की वस्तुओं, धान में तेजी रहेगी। ता. 4 आर्द्रा के शुक्र से गेहूं, अनाज के भावों में अकस्मात् मंदी का वातावरण बनेगा। ता. 9 बुध वक्री से 24 दिन में घी, गुड़, खाण्ड, शक्कर, चीनी, तिलहन, तेल, रिफायंड में तेजी। अनाज में मंदी। ता. 16 कर्क की संक्रांति से गेहूं, जौ, चना, चावल, ज्वार, ग्वार में तेजी। गुड़, घी, रसीले पदार्थ में तेजी रहेगी। ता. 21 को शुक्रास्त पूर्व में होने से रुई में मंदी। चांदी घटाबढ़ी में रहकर तेजी का मान करे। गेहूं, जौ, चना, ग्वार, चावल एक माह में तेजी के बाद मंदी ले। सोना, तांबा, पीतल, जस्ता, आयरन में तेजी। हींग, पारा, केशर, काजू, छुआरे, बादाम, मेवा में तेजी रहे। ता. 25 पुष्य के शुक्र से रुई, सूत, सन, शेयर्स, ऊन, धान तेजी में रहे। लाल चपड़ा, कपूर, पारा, हींग, गुड़, चीनी, शक्कर में मंदी। ता. 30 बुध उदय पूर्व में होने से ओला, वर्षा, आंधी-तूफान, दुर्भिक्ष व अन्न के भावों में तेजी। सरसों, अरहर, ग्वार में नमी। गेहूं, जौ, चना, चावल तेज।

कर्क मकर दो बहन हैं जो पड़ैं एक ही बार।
या प्रजा का पति मरै या पड़े अचिन्तो कार॥
श्रावण पड़वा भादौं पूरवी आश्विन बहे ईशान।
कार्तिक सीक न उगे लिया निर्भय रहे किसान॥

अगस्त 2019

यह मास श्रावण कृष्ण अमावस्या गुरुवार से आरंभ होकर भाद्रपद शुक्ल 1 शनिवार तक चलेगा। इस मास में गुरुवारी अमावस्या होने से वृष्टि, सुभिक्ष, प्रजा में रोग-दुख से छुटकारा मिले। मास में पांच शनिवार से महंगाई में वृद्धि। सभी प्रमुख वस्तुओं, पदार्थों के भावों में तेजी का मान रहेगा। ता. 5 आश्लेषा के शुक्र से रुई में मंदी। तुअर, चावल, चांदी में मंदी। अन्य सफेद रंग के पदार्थों में भी मंदी को बल मिलेगा। ता. 9 पुष्ये बुध से 10 दिन के अंदर सोना, चांदी में मंदी। रुई घटाबढ़ी में रहे। माणिक, मोती, जवाहरात, ऊन, ऊनी वस्त्रों में तेजी। शेयर्स में घटाबढ़ी रहेगी। ता. 12 गुरु मार्गी से रुई 3 दिन में मंदी लेकर फिर तेजी ले। चांदी, चावल में मंदी। अलसी, सरसों, गुड़, तम्बाकू एक हफ्ते में तेज। मूंग, मोंठ, अरहर, चना, तुअर, उड़द के भावों में घटाबढ़ी से तेजी का रुख रहेगा। ता. 17 सिंह की संक्रांति से मूंग, उड़द, चना, चावल व तुअर, धान की फसल को हानि। जिससे पहले भावों में तेजी फिर बाद में मंदी का वातावरण रहेगा। शेयर्स, सोना, तांबा, जस्ता, पीतल के भाव तेजी ले। आयरन व आयरन शेयर्स में तेजी का मान रहेगा। ता. 19 को आश्लेषा के बुध से तिल, तेल, तिलहन, सरसों, गुड़, खाण्ड, शक्कर, चीनी, उड़द, मूंग, मोंठ, मूंगफली में 15 दिन में तेजी। व बाद में मंदी का रुख रहेगा। ता. 24 श्रीकृष्ण जन्माष्टमी रोहिणी युक्त होने से शुभ फलकारी रहेगा। शुक्रवारी अमावस्या से खेती को नुकसान हो। ता. 27 पुष्य में शुक्र से रुई, सूत, सन, रेशम, ऊन, धान, जौ में तेजी। घी, शक्कर, तेल, चौपाये पशुओं में तेजी। अलसी, अनाज, रुई में मंदी। ता. 29 से 20 दिन में गुड़, खाण्ड, गेहूं, अनाज के भावों में मंदी। प्रजा में कुशल क्षेम। रसीले पदार्थ व वस्तुओं में तेजी रहेगी।

श्रावण मास में कभी पड़ै शनि पांच रविवार।
छत्र भंग दुर्भिक्ष दुःख इनमें नहीं विचार॥
श्रावण शुक्ला मास में जे तिथि घट जाय।
तो कार्तिक मास कोई मंत्री मण्डल डगमगाय॥

सितम्बर 2019

यह मास भाद्रपद शुक्ल 2 रविवार से आरंभ होकर आश्विन शुक्ल 2 सोमवार तक रहेगा। मास में पांच रविवार होना अशुभ है। ता. 9 उफा. बुध से 7 दिन में उड़द, मूंग, मोंठ, कपूर, मसूर, अरहर में आंशिक तेजी। रुई में घटाबढ़ी होकर मंदी। चांदी, चावल में भी मंदी का योग। ता. 14 शुक्रोदय पश्चिम में होने से घी, खाण्ड, चीनी, गुड़ में मंदी। रुई, वस्त्र, सूत, सन, सोना, चांदी, तिल, चावल, मूंग, मोंठ, अरहर, उड़द में घटाबढ़ी से तेजी। शेयर्स, अनाज उतार-चढ़ाव में रहे। ता. 17 कन्या संक्रांति मंगलवार को होने से रुई, सूत, बिनौला, अलसी, मूंग, उड़द, मसूर, मकई, गेहूं, तांबा, लोहा, पीतल, हल्दी, जीरा, धनियां, मिर्च में तेजी। नारियल, जायफल में मंदी। शेयर्स मार्केट में मिला-जुला असर रहेगा। ता. 18 शनि मार्गी से 6 दिन में रुई में मंदी होकर तेजी ले। तिल, तेल, सरसों, अलसी, तिलहन पदार्थ, लालमिर्च, कालीमिर्च, मटर, अरहर, चना, गेहूं में तेजी का वातावरण बना रहेगा। ता. 24 को कन्या के भौम से रुई, चांदी, चावल में तेजी। सोना, ऊनी वस्त्र, लालवर्ण की वस्तुएं, लालमिर्च, अलसी, गेहूं, जौ, चना में तेजी का रुख रहेगा। ता. 30 बुध उदय से एवं शनिश्चरी अमावस्या से दुःख की वृद्धि, आतंकी घटना, सीमा विवाद का भय बना रहेगा।

आश्विन कृष्णा पंचमी जो होय रविवार।
माघी मावस के दिना घी का तेज हो बाजार॥
पड़वा पाचै चतुर्दशी शुक्ल पक्ष तीन।
बढ़ने पर मंदी करे, तेजी होय जब क्षीण॥

अक्टूबर 2019

यह मास आश्विन शुक्ल 3 मंगलवार से प्रारंभ होकर कार्तिक शुक्ल 4 गुरुवार तक रहेगा। ता. 14 अन्न की तेजी से महंगाई बढ़ेगी। ता. 3 स्वाती के बुध से रुई में तेजी से 8 दिन बाद मंदी रहे। **सूत**, सन, रेशम, कपड़ा, सोना, चांदी, गुड़, शक्कर, बिनौला, **सुपारी**, मिर्च, अलसी, सरसों, राई, हींग, कालीमिर्च में तेजी का झटका। ता. 9 स्वाती के शुक्र गुड़, चीनी, खाण्ड, शक्कर, बूरा 11 दिन में तेजी ले। चना, जौ, ज्वार, मक्का, गेहूं,

मटर, अरहर, अलसी, अरण्डी, तुअर, आलू में तेजी। नमक, पीतल, धनियां, जस्ता, जीरा के भावों में तेजी। ता. 17 को गुरुवार की संक्रांति से गुड़, खाण्ड, शक्कर, लालमिर्च, लाल चन्दन, गेरू, सोना, लालवर्ण की वस्तुएं तथा चूना, नारियल, जायफल, रुई, तिल, तेल, सूत, सरसों में तेजी। मूंग, मोंठ, ज्वार, बाजरा, मक्का, मसूर, अरहर, उड़द, कोयला, पत्थर, गौ-बैल में मंदी। सन, जूट, पोस्त में नरमी। सोना, चांदी, तांबा, जस्ता, अलसी, तिल-तिलहन व ऊनी वस्त्र, रेशमी वस्त्र में पहले अच्छी तेजी के बाद अचानक रुख बदल कर मंदी का मान करेंगे। ता. 18 वृश्चिक के बुध से घी, तेल, सरसों, तिलहन, अलसी, अरण्डी, रुई में मंदी। चांदी में तेजी। सोने का भाव सम रहे। तथा अफीम, गेहूं, जौ, चना, ग्वार, मटर, तुअर, जौ, धान में मंदी होगी। ता. 21 वृश्चिक के शुक्र से रुई, शेयर्स, चांदी, अफीम में पहले मंदी के बाद तेजी हो। गुड़ में घटाबढ़ी रहेगी। गेहूं, जौ, मूंग, मोंठ, बाजरा आदि धान, सरसों, तुअर, ग्वार में तेजी होगी। अलसी में तेजी। पाप ग्रहों का योग हो तो अच्छी तेजी आये। अथवा शुभ ग्रहों के योग से मंदी का वातावरण बनेगा। ता. 30 अनुराधा के शुक्र से गुड़ में 22 दिन में मंदी। खाण्ड, चावल, नमक में मंदी रहे।

कार्तिक कृष्ण सप्तमी या दशमी शनि संयोग।
अन्न भाव तेजी में रहे प्रजा में बढ़े रोग॥
दशमी कार्तिक बदी शनि वास संयोग।
पुंगी फल घी में तेजी हो प्रजा में बढ़े रोग॥

नवम्बर 2019

यह मास कार्तिक शुक्ल 5 शुक्रवार से आरंभ होकर मार्गशीर्ष शुक्ला 4 शनिवार तक रहेगा। मास में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुएं, संतरा, अनानास, मौसमी आदि वस्तुओं की कमी रहेगी। मास में पांच गुरुवार होने से धान में मंदी। ता. 5 बुधास्त पश्चिम में होने से रुई में मंदी। चांदी में तेजी। सोना, तांबा, पीतल, जस्ता, आयरन, हैशियन, पाट, पटसन, शेयर्स में मंदी रहे। ता. 6 चित्रा के रवि से रुई, सोना, चांदी, कपास तथा मोती, अन्य रत्न में तेजी। गुड़, खाण्ड, चीनी, बूरा, अरहर, मूंग, मोंठ, मसूर, गेहूं, जौ, चना, मटर, तिल, तिल तेल, सरसों, नारियल, केशर, कपूर, लाल रंग की वस्तुओं में तेजी। ता. 10 तुलायां भौम से रुई, कपास, सूत, पाट, पटसन, बारदाना, मूंगफली, गुड़, खाण्ड, उड़द, मूंग, चना, सरसों, अरहर, गेहूं, जौ में तेजी। ता. 16 सोना, चांदी, लौंग, ईलायची, गोला, लकड़ी, पत्थर में मंदी। रुई, सूत, लोहा, जस्ता, पीतल में मंदी। ज्वार, बाजरा तेज। गेहूं, जौ, चना, सरसों के भावों में घटाबढ़ी रहेगी। तिल, तिलहन, अलसी में मंदी रहेगी। वृश्चिक के सूर्य से रुई, तांबा, सोना, चांदी, ऊनी वस्त्र में तेजी। लाल मिर्च व लाल रंग की वस्तुओं में मंदी। ता. 21 बुध मार्गी से रुई में मंदी के बाद तेजी का उछाल रहेगा। चांदी उतार-चढ़ाव लेकर तेज। 8 दिन में गेहूं, जौ, चना तेजी में रहेंगे। रेशम, तेल, अरण्डी, अलसी, गुड़, बिनोला, मूंगफली, कपुर, चन्दन, सुगन्धित वस्तुएं, सोना तेज रहें। ता. 25 पूर्वाषाढ़ा शनि से गेहूं, अनाज, अलसी, अरण्डी, सोयाबीन, तिल-तेल, सरसों, मूंगफली, मूंग, उड़द में अच्छी तेजी रहे।

मार्गशीर्ष चौदस मावस दिना बादल रहे आकाश।
पैदावार अति उत्तम रहे मंदी आवै चौथे मास॥
मार्गशीर्ष में बुध का उदय अथवा मंगल का अस्त।
तृण चारा तेजी में दुःखी रहे पशु समस्त॥

दिसम्बर 2019

यह मास मार्गशीर्ष शुक्ल 5 रविवार से आरंभ होकर पौष शुक्ल 5 मंगलवार तक रहेगा। मास में अमावस मूल योग से कष्टदायक है। ता. 1 पूर्वाषाढ़ के शुक्र से मूंग, मोंठ, अरहर, मसूर, उड़द, तिलहन, तिल, तिल तेल, सरसों, नमक में मंदी। सोना, चांदी में उतार-चढ़ाव का वातावरण रहे। शेयर्स बाजार में अस्थिरता का माहौल रहेगा। ता. 5 वृश्चिक के बुध से घी, तेल, सरसों, रुई, चांदी, हैशियन, मूंगफली, मेवा में तेजी। सोना में स्थिरता। गेहूं, ग्वार, तुअर, चना, जौ, मटर में मंदी। ता. 15 उषा. के शुक्र से गुड़, खाण्ड, सोना, चांदी, अलसी, अरण्डी में मंदी। अनाजों में तेजी। रुई घटबढ़ी में रहे। ता. 16 धनु संक्रांति से सूत, चांदी, चावल, गेहूं में मंदी। तिल तेल, सरसों, लालमिर्च, अन्य लाल रंग की वस्तुओं, लोहा, आयरन, जंगला, चौखड़, जाली, चादर में तेजी। उड़द, मूंग, मोंठ, ग्वार, चना, अरहर, मक्का, बाजरा के भाव स्थिर-सम रहे। खल, बिनौला, खाण्ड, चीनी में घटाबढ़ी के बाद तेजी रहे। ता. 19 बुधास्त पूर्व में से अनाज, घी, मंदी में। रुई में उतार-चढ़ाव। पहले तेजी बीच में मंदी, शाम को फिर तेजी में रहे। सोना, चांदी घटाबढ़ी में रहकर तेजी ले। ता. 26 उषायां शनि से अनाज, रुई, कपास, लोहा, चन्दन, मजीठ, लाख, काजू, बादाम, छुआरे, किशमिश में तेजी। ता. 26 को सूर्यग्रहण मूल नक्षत्र में हाने से शक्कर, बिनौला, ज्वार, बाजरा, ईलायची में तेजी। चावल का संग्रह कर लाभ लें। अन्न के भाव तेजी में रहे। मौसम में भारी परिवर्तन से आला, पाला, शीत लहर के प्रकोप में वृद्धि से जन मानस को कष्ट। यातायात में बाधा रहेगी।

मार्गशीर्ष कृष्ण तीज को आर्द्रा का संयोग।
धान्य भाव सस्ते रहे सुखी रहे सब लोग॥
अगहन मास पांच शनि तेजी हो अपार।
एक जगह गुरु शुक्र हो बने युद्ध के आसार॥

विशेष-सन् 2019 का यह लेख ग्रहों की राशियों पर भ्रमण के फलानुसार लिखा गया है। जो कि 80% से 90% तक सत्य है। इस लेख को सूक्ष्म से लिखा गया है। हमारे यहां से प्रत्येक जिन्सों की तेजी-मंदी की दैनिक/मासिक/वार्षिक रिपोर्ट भी तैयार की जाती है। स्टॉक करने, खरीदने, बेचने का समय का भी चांस मिलता है। एक वस्तु एक मास की रिपोर्ट 551/-, वार्षिक 6000/-रु. है (डाक खर्च सहित)। तेजी-मंदी का वार्षिक भविष्य फल 551/-(डाक खर्च सहित)। रिपोर्ट व तेजी-मंदी की जानकारी के लिये सम्पर्क करें-

लेखक-पं. अनिल कुमार व्यास, सुनील कुमार व्यास
निर्देशक-डॉ. वसंत लाल व्यास (ज्योतिष सम्राट)
श्री अम्बा ज्योतिष पीठ (रजि.), राया (मथुरा), उ.प्र.
सम्पर्क सूत्र-09719822007, 09720686322

चन्द्रदर्शन का व्यापार पर प्रभाव सन् 2019-20 ई.

चैत्र मास-मास में 6 अप्रैल 2019 शनिवार को नव संवत् 2076 का चैत्र मास का नवीन चन्द्रदर्शन रेवती नक्षत्र में हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ती व मेष राशि अंतर्गत है। रुई, सूत, वस्त्र, चांदी, सोना, सरसों, मूंगफली में अच्छी तेजी रहेगी। गेहूं, चना, जौ में भी अच्छी तेजी की संभावना है। गुड़, खाण्ड, चीनी, बूरा, शक्कर में मंदी। अनाज तेज रहेगा। चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ती से एवरेज से भावों में मंदी। गुड, तिल, सोना, चांदी के भावों में उतार-चढ़ाव से तेजी। रुई के भावों में गिरावट। उड़द, चना, मूंग, मोंठ, अरहर में मंदी। अत: चन्द्रदर्शन उदित समय इसका दक्षिणी शृंग (नोंक) उच्च होगी। जिससे प्रत्येक जिन्सों में तेजी बनेगी। वायु, वर्षा, ओला आदि प्राकृतिक प्रकोपों से फसल में हानि। संक्रामक रोगों की वृद्धि होगी।

वैशाख मास-ता. 6 मई 2019 सोमवार को वैशाख मास का नवीन चन्द्रदर्शन हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 45 मुहूर्ती व वृष राशि के अंतर्गत कृतिका नक्षत्र में हो रहा है। अत: इसकी दक्षिणी शृंग (नोंक) ऊंची हो तो प्रत्येक वस्तुओं में तेजी आयेगी। कृतिका नक्षत्र के चन्द्रमा में रात को कुण्डल (मण्डल) हो तो अन्न का संग्रह करें, आगे लाभ देगा। वस्त्र, रुई, सूत, सोना, रांगा में तेजी। चांदी में घटाबढ़ी से मंदी। गेहूं, जौ, चना, मटर में मंदी होगी। अफीम, सरसों, गुड़, खाण्ड, चावल, गेहूं, जौ, चना में तेजी होगी। चन्द्रदर्शन 45 मुहूर्ती से तेजी के योग का संकेत है। अनाजों, वायदा व्यापार में घटाबढ़ी तो होगी लेकिन मान तेजी का रहेगा। सोना, चांदी, तांबा सहित प्रमुख धातुओं में तेजी का रुख रहेगा।

ज्येष्ठ मास-ता. 4 जून 2019 मंगलवार को ज्येष्ठ मास ... चन्द्रदर्शन हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 45 मुहूर्ती, मकर राशि के

ज्येष्ठ मास—ता. 4 जून 2019 मंगलवार को ज्येष्ठ मास का नवीन चन्द्रदर्शन हो रहा है। जो कि 30 मुहूर्ती व मिथुन राशि, मृगशिरा नक्षत्र के अंतर्गत हो रहा है। अत: गेहूं, जौ, चना, ग्वार, ज्वार के भावों में मंदी। यदि चन्द्रमा उदित समय शूल के समान सींग वाला हो तो प्रत्येक वस्तु में तेजी होगी। अन्न वायदा व्यापारिक वस्तुओं में तेजी का रुख रहे। रुई में पहले मंदी, बाद में तेजी। सोना, चांदी घटाबढ़ी के बाद तेजी में रहे। गुड़, सरसों, सोयाबीन, तिल, तिलहन, मूंगफली में तेजी रहे। चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ती से धान, चावल, घास तथा रसादि के भाव मध्यम में ही रहेंगे। न ज्यादा तेजी लेंगे, न ज्यादा मंदी। वर्षा मध्यम रहेगी।

आषाढ़ मास—दिनांक 4 जुलाई 2019 गुरुवार को आषाढ़ मास का नवीन चन्द्रदर्शन हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ती व कर्क राशि, पुष्य नक्षत्र के अंतर्गत हो रहा है। यदि उदित समय इसके दोनों शृंग (नोंक) बराबर हो तो लगभग सभी व्यापारिक जिन्सों में घटाबढ़ी से समता को बल मिलेगा। यदि चन्द्रमा पर मण्डल दिखे तो दूसरे या तीसरे दिन वर्षा का प्रकोप हो। उदित समय इसके दोनों शृंग (नोंक) उच्च व वर्ण श्वेत हो तो सोना, चांदी, रुई, वस्त्र, बारदाना, जूट, शक्कर, गुड़, खाण्ड के भावों में घटाबढ़ी से मंदी। अनाजों गेहूं, चना, जौ में मंदी। सूत, सन, तेल, घी, सरसों में तेजी। तथा 30 मुहूर्ती से धान, घास, रस के भावों में मध्यमता रहेगी। वर्षा मध्यम रहेगी।

श्रावण मास—दिनांक 2 अगस्त 2019 ई. शुक्रवार को श्रावण मास का नवीन चन्द्रदर्शन हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ती सिंह राशि व आश्लेषा नक्षत्र अंतर्गत हो रहा है। चन्द्रदर्शन के समय चन्द्रमा के दोनों शृंग (नोंक) बराबर हो तो प्रत्येक वस्तु में घटाबढ़ी होकर बाद भाव सामान्य रहे। आश्लेषा नक्षत्र से किराने की वस्तुओं, अन्न व धातु में मंदी। खाण्ड सम रहे। शुक्रवार को चन्द्रदर्शन होने से सरसों, तिल, तेल, गेहूं, चावल, उड़द, चना, ऊनी वस्त्र व ऊन के भावों में मंदी। रुई, चांदी, सोना, तांबा के भावों में घटाबढ़ी के बाद भाव तेजी ले। रसकस, लवण पदार्थ में तेजी। शेयर्सों के भावों में अच्छी घटाबढ़ी से तेजी-मंदी की लाईन निकले। चौपाये पशुओं को कष्ट, वर्षा से परेशानी, वायु से परेशानी, जनता को कष्ट।

भाद्रपद मास—ता. 31 अगस्त 2019 को भाद्रपद मास का नवीन चन्द्रदर्शन शनिवारी व 45 मुहूर्ती है। तथा पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र के कन्या राशि अंतर्गत हो रहा है। अत: वर्षा में तेजी से चौपाये पशुओं, पशु-पक्षियों, पालतू पशुओं को कष्ट। व्यापारी वर्ग को भावों में घटाबढ़ी से आश्चर्य। चन्द्रदर्शन 45 मुहूर्ती से वर्षा अच्छी हो, खेती में सुधार। गेहूं, चना, जौ, धान, घी, तेल, कपास, रसकस के भावों में मंदी। शनिवारी चन्द्रदर्शन से रुई, सूत, वस्त्र, चांदी, सोना, सरसों, मूंगफली में अच्छी तेजी आयेगी। अन्न में तेजी। चौपाये के व्यापारियों को हानि का भय रहेगा। पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रभाव से सभी अनाजों में मंदी का योग। सरसों, तेल, गुड़, कपास, रुई में तेजी। चन्द्रदर्शन 45 मुहूर्ती होने से तेजी के संकेत का योग है। वर्षा से कष्ट, प्रजा में सुख-सहयोग व सौहार्द में वृद्धि।

आश्विन मास—दिनांक 30 सितंबर 2019 को आश्विन मास का चन्द्रदर्शन हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 45 मुहूर्ती व तुला राशि पर चित्रा नक्षत्र के अंतर्गत हो रहा है। अत: उदित समय इसके दोनों शृंग समान व कुण्डल (मण्डल) सफेद हो तो वर्षा होगी। तथा प्रत्येक वस्तु में उतार-चढ़ाव के बाद भाव सामान्य होंगे। अगर जिस वस्तु में सोमवार को अचानक तेजी होगी तो वह दूसरे दिन दोपहर तक रहेगी। बुधवार को मंदी के बाद दूसरे दिन तेजी होगी। वस्त्र, रुई, सूत, सोना, रंग में तेजी। चांदी घटाबढ़ी में मंदी। अन्न के भावों में मंदी। कपास, मूंग, उड़द में तेजी। गेहूं, जौ, चना, ग्वार में मंदी। शिल्पकार, विद्वानों को कष्ट का योग बनता है। प्रजा में असंतोष, सड़क दुर्घटना, आंदोलनों से जनता में विग्रह, वर्षा से परेशानी का योग।

कार्तिक मास—ता. 29 अक्टूबर 2019 मंगलवार को कार्तिक मास का नवीन चन्द्रदर्शन हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 45 मुहूर्ती व वृश्चिक राशि में विशाखा नक्षत्र के अंतर्गत हो रहा है। अत: अर्थहानि, राज दु:ख व राजनीति में कलह, वाक्युद्ध, आरोप-प्रत्यारोपों से माहौल में गर्मी रहेगी। गेहूं, जौ, चना, ग्वार आदि अन्न तथा अन्य वायदा व्यापारिक वस्तुओं में तेजी का रुख। रुई पहले मंदी, बाद में तेजी ले। सोना, चांदी, जस्ता में घटाबढ़ी के बाद तेजी। गुड़, सरसों, घी, मूंगफली में तेजी। ज्वार, ग्वार, उड़द, खाण्ड, अलसी, अरण्डी में तेजी। वर्षा अच्छी, खेती में वृद्धि। गेहूं आदि सभी धान्य, घी, तेल, रस, कपास आदि के भावों में मंदी। शेयर्सों में घटाबढ़ी के बाद सुधार। गाय, भैंस, अन्य चौपाये पशुओं में तेजी बनेगी।

मार्गशीर्ष मास—ता. 28 नवम्बर 2019 गुरुवार को मार्गशीर्ष मास का नवीन चन्द्रदर्शन धनु राशि में ज्येष्ठा नक्षत्र के अंतर्गत हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ती है। इसकी नोंक उत्तर की ओर ऊंची हो तो प्रत्येक व्यापारिक वस्तुओं में मंदी का मान हो। रुई, सूत तथा सूती वस्त्र, रेशमी-ऊनी वस्त्र, सरसों, घी, तेलों में तेजी। सोना, चांदी, खाण्ड, चीनी, गुड़ में मंदी हो। अनाजों में गिरावट से मंदी रहेगी। पशुचारा, कोयला, लकड़ी के भावों में तेजी। आतंकी घटनाओं में वृद्धि। सेना व सुरक्षा बलों का कार्य सराहनीय होगी। प्रजा व सुरक्षा का माहौल बनेगा।

पौष मास—इस मास 27 दिसम्बर 2019 शुक्रवार को नवीन चन्द्रदर्शन हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 45 मुहूर्ती, मकर राशि के पूर्वाषाढ़ नक्षत्र के अंतर्गत हो रहा है। उदित अवस्था में इसकी शृंग (नोंक) ऊंची होगी। अत: सरसों, तिल, तेल, गेहूं, चावल, उड़द, चना, ऊनी वस्त्र तथा ऊन में मंदी। चांदी, सोना में घटाबढ़ी के बाद तेजी होगी। पूर्वाषाढ़ के अंतर्गत नमक, जौ, कपास, चांदी, रुई में मंदी होगी। प्रजा में सुख व सुरक्षा की अनुभूति होगी। आयरन, मेडिसिन, रसायन व शेयर्स के भाव उठकर गिर जायेंगे। शीत प्रकोप, ओला-पाला, पहाड़ी क्षेत्रों में भारी वर्फबारी से फसल व यातायात प्रभावित होगा। शीत लहर का प्रकोप बढ़ेगा। जनता को कष्ट।

माघ मास—26 जनवरी 2020 ई. रविवार को माघ मास का नवीन चन्द्रदर्शन हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ती व कुंभ राशि में धनिष्ठा नक्षत्र के अंतर्गत हो रहा है। अत: उदित समय इसके दोनों शृंग (नोंक) समान व श्याम वर्ण के होंगे। ऐवरेज में बाजार मंदी में रहेगा। गुड़, तेल, सोना, चांदी में तेजी। रुई में घटाबढ़ी से मंदी। धनिष्ठा अंतर्गत चन्द्रदर्शन से सोना, चांदी, तांबा, जस्ता, पीतल, आयरन धातुओं में तेजी। गुड़, खाण्ड में मंदी। उड़द, मूंग, अरहर, मोंठ, चना, मसूर तेजी ले। सभी अनाजों में तेजी।

फाल्गुन मास—25 फरवरी 2020 ई. मंगलवार को फाल्गुन मास का नवीन चन्द्रदर्शन हो रहा है। यह चन्द्रदर्शन 30 मुहूर्ती है। जो मास में तेजी का संकेत देती है। सभी अनाजों व वायदा व्यापार में घटाबढ़ी होगी। परन्तु मान तेजी का ही रहेगा। रुई पहले गिरावट के बाद तेजी ले। सोना, चांदी में घटाबढ़ी के बाद सुधार होकर तेज। गुड़, मूंगफली, सरसों में तेजी। मीन राशि के पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र के चन्द्रदर्शन के अनुसार चांदी, रुई, गुड़, घी, तेल, तिल, सरसों में तेजी। अनाज में घटाबढ़ी से तेजी का रुख रहेगा।

पाठकगण यह तेजी-मंदी ग्रह चाल, नक्षत्र, वार के अनुसार लिखी गई है। बाजार रुख, राजनैतिक चाल पर भी निर्भर रहता है। अत: सावधानी भी अति आवश्यक है। विशेष तेजी-मंदी के लिये प्रत्येक मास की तेजी-मंदी चांस मंगाकर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। एक वस्तु एक मास 300/-, एक वस्तु छ: मास 1800/-, एक वस्तु एक वर्ष 3500/-रुपये। डाक खर्च अलग से लगेगा। व्यापार भविष्य वार्षिक 551/-, तेजी-मंदी दर्पण 251/-, सट्टे का गुरु 251/-, तीनों भाग 751/- रुपये में मंगाकर व्यापार में उचित लाभ प्राप्त करें। यहीं हमारी कामना है।

लेखक-पं. अनिल कुमार व्यास, सुनील कुमार व्यास
(ज्योतिष विशेषज्ञ)
निर्देशक-डॉ. वसंत लाल व्यास (ज्योतिष सम्राट)
श्री अम्बा ज्योतिष पीठ (रजि.), राया (मथुरा), उ.प्र.
सम्पर्क सूत्र-09719822007, 09720686322

सन् 2019 ई. में ग्रहों का शेयर्स मार्केट पर प्रभाव

जनवरी–2019

ता. 1 नववर्ष शुभ मंगलमय हो। ता. 4 भाव में तेजी। ता. 5 भावों में तेजी। ता. 8 मेडीसिन, आयरन के शेयरों में भाव तेज। ता. 10 भावों में तेजी। ता. 12 भाव में मंदी। ता. 14 गिरे भावों में सुधार। ता. 17 चलती लाईन में परिवर्तन। रुख देखकर काम करें। ता. 20 भावों में स्थिरता। ता. 24 भावों में मंदी का झटका। ता. 29 गिरे भावों में सुधार।

फरवरी–2019

ता. 2 भावों मे तेजी। ता. 4 बाजार में अधिक बिकवाली। ता. 6 भावों में तेजी। ता. 11 चलती लाईन में परिवर्तन। ता. 15 भावों में गर्माहट। ता. 17 भावों में मंदी का झटका, प्रमुख शेयरों में गिरावट। ता. 25 भावों में घटाबढ़ी से तेजी। ता. 26 भावों में उतार-चढ़ाव। ता. 28 भावों में मंदी को बल।

मार्च–2019

ता. 3 भावों में घटाबढ़ी। ता. 5 भावों में सुधार। ता. 10 भावो में अच्छी तेजी। ता. 15 घटाबढ़ी अधिक, संभल कर कार्य करें। ता. 20 मंदी, शाम को बंद के समय तेज। ता. 23 भावों में गिरावट। ता. 25 बाजार रुख परिवर्तन से मंदी को बल। ता. 28 भावों में तेजी। ता. 29 मंदी में रहकर सुधार लें।

अप्रैल–2019

ता. 1 मंदी में रहें। ता. 5 भावों में सुधार। ता. 9 चुनिन्दा शेयरों में घटाबढ़ी से तेजी। ता. 11 गिरे भावों में उछाल। ता. 15 भावों में तेजी। ता. 20 सभी प्रमुख शेयरों में उछाल, शाम को गिरें। ता. 21 घटाबढ़ी हो, परन्तु मंदी। ता. 25 भावों में घटाबढ़ी, संभलकर कार्य करें। ता. 29 बाजार में अच्छी घटाबढ़ी।

मई–2019

ता. 1 भावों में मंदी। ता. 3 चुनिन्दा शेयरों के भाव आंधी के आम की तरह टूट सकते हैं। संभल कर काम करें। ता. 6 भावों में सुधार। ता. 9 भावों में तेजी का झटका लगेगा। ता. 12 भावों में सुधार। ता. 18 भावों में स्थिरता को बल। ता. 23 घटाबढ़ी में तेजी। ता. 27 भावों में स्थिरता बनेगी। ता. 30 भावों में आंशिक मंदी।

जून–2019

ता. 1 भावों में सुधार हो। ता. 5 भावों में तेजी को बल। ता. 9 भावों में मंदी का झटका। ता. 14 भावों में उतार-चढ़ाव अधिक। ता. 20 भावों में उतार-चढ़ाव से मंदी। ता. 23 भावों में मंदी का मान रहेगा। ता. 25 भावों में तेजी। प्रमुख शेयरों में अच्छी तेजी। ता. 28 भावों में मंदी। ता. 30 में उतार-चढ़ाव अधिक। प्रत्येक मास की तेजी-मंदी रिपोर्ट मंगाकर लाभ लें।

जुलाई–2019

भावों में मंदी से तेजी मिले। ता. 4 भावों में घटाबढ़ी। ता. 8 भावों में गर्मी। ता. 10 तेजी के बाद मंदी का झटका। ता. 20 भावों में घटाबढ़ी से मंदी। ता. 23 मेडिसिन, दवा, रबर, आयरन, फार्मा में तेजी। ता. 26 भावों में तेजी। ता. 28 घटाबढ़ी में गिरे भावों में तेजी। ता. 30 भाव मंदी में।

अगस्त–2019

भावों में मंदी, शाम को तेज। ता. 6 तेजी का योग। ता. 9 भाव में सुधार। ता. 12 भावों में मंदी का रुख। ता. 15 मंदी का अस्थाई झटका, बाद में सुधार। ता. 20 घटाबढ़ी में तेजी का उछाल। ता. 22 भावों में आंशिक मंदी। ता. 26 भाव उठकर गिरें। ता. 27 भावों में उतार-चढ़ाव। ता. 30 भावों में अच्छी मंदी परन्तु शाम को तेज, संभलकर कार्य करें।

सितम्बर–2019

ता. 1 भावों में मंदी। ता. 7 गिरे भाव सुधरकर तेजी लें। ता. 11 भावों में चमक बढ़े। ता. 14 पांच दिन तेजी या मंदी की लाईन रहे। ता. 20 भावों में एकतरफा तेजी। आयरन शेयर तेजी लेकर गिरें। ता. 22 में मंदी का झटका। ता. 25 भावों में सुधार। ता. 29 भावों में घटाबढ़ी, शाम को सुधार। ता. 29 तेजी का रुख।

अक्टूबर–2019

शुभ दिपावली सभी व्यापारी भाईयों को मंगलमय हो। ता. 1 भावों में तेजी को बल। ता. 7 भावों में घटाबढ़ी अधिक। ता. 12 भावें में भड़कती तेजी का रुख। ता. 15 भावों में तेजी का मान। ता. 20 चलती लाईन बदले, रुख देखकर कार्य करें। ता. 25 गिरे भावों में उछाल। ता. 29 भावों में सुधार।

नवम्बर–2019

ता. 5 भावों में तेजी को बल। ता. 9 भावों में गिरावट। ता. 11 भावों में दोपहर बाद तेजी। ता. 17 गिरे भावों में सुधार। ता. 20 भावों में उतार-चढ़ाव से तेजी। ता. 23 मंदी का झटका। रुख देखकर कार्य करें। ता. 29 भावों में तेजी को बल।

दिसम्बर–2019

ता. 2 भावों में तेजी का उछाल। ता. 5 भाव उतार-चढ़ाव में गिरें। ता. 10 भावों में मंदी। ता. 16 भावों में मजबूती, सभी प्रमुख शेयरों में उछाल। ता. 20 भावों में तेजी। ता. 23 भाव गिरें। ता. 27 भाव मंदी में खुलकर तेजी लें। ता. 30 तेजी रहे।

शेयर्स बाजार में तेजी के अचूक चांस

1. शनि वक्री हो तो तेजी। 2. बुध वक्री से तेजी। 3. जिस दिन ऐन्द्र, व्यतिपात व वैधृति योग होता है, उस दिन भी तेजी आती है। 4. सोम, गुरु, अमावस्या से मंदी। भौम, शनिवासरी अमावस्या से तेजी। 5. सोम को तेजी हो तो भौम को मंदी। यदि सोम को मंदी हो तो भौम को तेजी।

विशेष–शेयर बाजार की यह जानकारी पूर्णतः ग्रहों की चाल के आधार पर है। जो 90% से 98% तक सत्य होती है। परन्तु कुछ ऐसे भी अन्य घटनाक्रम व ग्रह हैं जिनका असर शेयर्स मार्केट पर पड़ता है। जैसे-राजनीति की हलचल, देश का घटनाक्रम व दलाल व शेयर्स ब्रोकर का भविष्य। अतः जिन शेयर्स दलाल व सटोरियों को मार्केट शूट नहीं कर रही हो तो वह जन्मपत्रिका अवश्य दिखायें। जानकारी लें तो वो भी शेयर्स के बाजार में लाभ कमा सकते हैं। हमारा उद्देश्य सिर्फ सेवा करना है। दान-दक्षिणा तो गुरु आश्रम, गौ, कन्या, विधवा, अनाथों की सेवा के लिये है। अतः प्रत्येक जिन्स व जनरल शेयर्स की एक मास की रिपोर्ट 551/-, अर्द्धवार्षिक 3000/-रु. व वार्षिक 6000/-रु. है। डाक खर्च 50/-रु. प्रति मास के लिये।

लेखक–पं. अनिल कुमार व्यास, सुनील कुमार व्यास
(ज्योतिष विशेषज्ञ)
निर्देशक–डॉ. वसंत लाल व्यास (ज्योतिष सम्राट)
श्री अम्बा ज्योतिष पीठ (रजि.),
राया (मथुरा), उ.प्र.
सम्पर्क सूत्र-09719822007, 09720686322

प्रमुख जिंस-धातुओं की दशा-दिशा-धारणा सन् 2019-20 ई.

लेखक- पं. टुनटुन शास्त्री

सोना, चांदी, तांबा, जिंक, लैड, निकिल, ईस्पात की तेजी-मंदी

जनवरी 2019—मासारंभ में सूर्य-शनि-बुध धनु राशि में, केतु मकर राशि में, मंगल मीन राशि में, राहु कर्क में तथा गुरु-शुक्र वृश्चिक राशि में भ्रमणशील रहेंगे। ता. 1 को बुध धनु में तथा शुक्र वृश्चिक में प्रवेश करने से ता. 6 तक उपरोक्त जिन्सों में अस्थिरता संभावित है। ता. 7 को बुध पूर्व में अस्त होने से ता. 13 तक चांदी में अस्थिरता जबकि सोना, कॉपर में सुधार हो सकता है। ता. 14 को सूर्य केतु के साथ युति करेगा जिससे ता. 19 तक घटवढ़ पूर्ण खामोशी बनी रह सकती है। ता. 20 को शनि पूर्व में उदय होने से अस्थिरता संभावित है। कुल मिलाकर इस माह में धातुओं के तेजी-मंदी में समभाव अथवा एक परिधि में भाव चक्र घूमती रहती है। ता. 20 को बुध मकर राशि में प्रवेश कर सूर्य-केतु के साथ प्रतियुति होने से ता. 28 तक अस्थिर सुधार। ता. 29 को शुक्र-शनि की युति होने से अच्छा सुधार।

फरवरी—मासारंभ से ता. 4 तक सुधार जारी रह सकती है। ता. 5 को मंगल अपनी राशि मेष में प्रवेश करने से ता. 6 तक कुछ सुधार बनी रह सकती है। ता. 7 को बुध कुंभ राशि में प्रवेश करने से ता. 12 तक सिल्वर, निकिल में अस्थिर सुधार। अन्य धातुओं में सम भाव। ता. 13 को सूर्य-बुध की युति होने से ता. 23 तक खामोशी तथा अस्थिरता संभावित है। ता. 24 को शुक्र-केतु की युति होने से तथा बुध का मीन राशि में प्रवेश होने से मासान्त तक घटवढ़ पूर्ण स्थिरता संभावित है।

मार्च—मासारंभ में व्यापक अस्थिरता। बाजार में अधिकतर सौदे गलत हो सकते हैं। ता. 6 को बुध मीन राशि में वक्री होने से तथा राहु मिथुन राशि में स्थान परिवर्तन करने से अचानक अंतर्राष्ट्रीय हालातों या सरकार के दिशा-निर्देशों के कारण बाजार आंधी के आम की तरह गिर सकता है। यह क्रम ता. 13 तक चल सकता है। ता. 14 को सूर्य-बुध की युति होने से सोना, कॉपर में कुछ सुधार जबकि सिल्वर, निकिल में मंदी बन सकती है। ता. 15 को बुध कुंभ राशि में प्रवेश करने से ता. 20 तक व्यापक घटवढ़। परन्तु धारणा अस्थिर बन सकती है। ता. 21 को शुक्र-बुध की युति होने से सफेद धातुओं में अस्थिरता जबकि सोना, कॉपर में घटवढ़ जारी रह सकती है। परन्तु धारणा पकड़ में नहीं आयेगी। ता. 22 को मंगल वृष राशि में प्रवेश करने से ता 27 तक धातुओं में सुधार। ता. 28 से 29 तक सोना, कॉपर में सुधार। सिल्वर में घटवढ़। ता. 30 को गुरु-शनि की युति होने से ता. 31 तक सभी धातुओं में मंदी बन सकती है।

अप्रैल—मासारंभ से ता. 10 तक सभी धातुओं में अंतर्राष्ट्रीय हालातों के कारण व्यापक अस्थिरता। ता. 11 से गुरु वक्री होने से तथा बुध मीन राशि में प्रवेश करने से ता. 13 तक अस्थिर सुधार संभावित है। ता. 14 को सूर्य मेष राशि में प्रवेश से सुधार। ता. 15 को बुध-शुक्र की युति होने से ता. 21 को घटवढ़ जारी रह सकती है। परन्तु धारणा कुछ सुधार की होगी। ता. 22 को गुरु वृश्चिक राशि में प्रवेश करने से ता. 29 तक अच्छी तेजी बन सकती है। ता. 30 को शनि वक्री होने से सोना, तांबा में मंदी जबकि अन्य धातुओं में घटवढ़ जारी रह सकती है।

मई—मासारंभ में सोना, कॉपर में मंदी। अन्य धातुओं में घटवढ़। ता. 3 को बुध-सूर्य की युति होने से ता. 5 तक व्यापक मंदी। ता. 6 को मंगल मिथुन राशि में प्रवेश कर राहु के साथ युति करेगा। जिससे सोना, कॉपर में सुधार। अन्य धातुओं में घटवढ़ जारी रह सकती है। ता. 10 को शुक्र-बुध-सूर्य की प्रतियुति होने से ता. 14 तक अच्छी तेजी बन सकती है। ता. 15 को सूर्य वृष राशि में प्रवेश करने से ता 17 तक सुधार जारी रह सकता है। ता. 18 को बुध-सूर्य की युति होने से ता. 30 तक घटवढ़ पूर्ण सुधार जारी रह सकता है।

जून—मासारंभ में बुध मिथुन राशि में प्रवेश कर मंगल-राहु के साथ प्रतियुति होने से ता. 3 तक अस्थिरता बनी रह सकती है। ता. 4 को शुक्र वृष राशि में प्रवेश करने से ता. 14 तक घटवढ़ पूर्ण सुधार संभावित है। ता. 15 को सूर्य-बुध-मंगल-राहु का चतुर्थ ग्रहीय योग बनने से ता. 19 तक सुधार संभावित है। ता. 20 को बुध कर्क राशि में प्रवेश करने से ता. 21 तक घटवढ़ अस्थिरता। ता. 22 को मंगल-बुध की युति होने से ता. 27 तक घटवढ़ पूर्ण अस्थिरता। अतः सावधानी अपेक्षित है। ता. 28 को शुक्र-राहु-सूर्य की युति होन से ता. 30 को समभाव।

जुलाई—मासारंभ से ता. 7 तक अस्थिरता। ता. 8 को बुध वक्री एवं मंगल अस्त होने से ता. 15 तक अस्थिरता। ता. 16 को सूर्य-मंगल-बुध की प्रतियुति होने से ता. 20 तक कुछ सुधार। ता. 21 को शुक्र अस्त होने से सिल्वर में घटवढ़। सोना, कॉपर में अस्थिर सुधार। ता. 23 को शुक्र-सूर्य-मंगल-बुध की प्रतियुति से ता. 28 तक सिल्वर में मंदी। सोना, कॉपर में घटवढ़ जारी। ता. 29 को बुध-राहु की युति होने से ता. 31 तक मंदी की धारणा बन सकती है।

अगस्त—मासारंभ में बुध मार्गी होने से सिल्वर, निकिल में अस्थिरता। सोना, कॉपर में सुधार। ता. 3 को बुध-शुक्र-सूर्य के साथ प्रतियुति से ता. 7 तक सभी धातुओं में अस्थिरता। ता. 8 को मंगल सूर्य की राशि सिंह में प्रवेश करने से ता. 11 तक अच्छा सुधार। ता. 12 को गुरु मार्गी होने से ता. 15 तक मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 16 को शुक्र-मंगल की युति होने से सोना, कॉपर में अच्छा सुधार। अन्य धातुओं में अस्थिरता। ता. 17 को सूर्य-शुक्र-मंगल की प्रतियुति होने से ता. 25 तक सभी धातुओं में सुधार हो सकता है। ता. 26 को बुध चतुर्थ ग्रहीय योग बनाने से ता. 31 तक अच्छा सुधार संभावित है।

सितम्बर—मासारंभ से ता 8 तक सुधार जारी रहेगा। ता. 9 को शुक्र कन्या राशि में तथा शुक्र के साथ बुध की युति ता. 10 को होने से ता. 13 तक घटवढ़ जारी रहेगी। ता. 10 को शुक्र उदय होने से ता. 16 तक अस्थिरता। ता. 17 को सूर्य-शुक्र-बुध के साथ प्रतियुति होने से सिल्वर, निकिल में मंदी। अन्य धातुओं में कुछ सुधार संभावित है। ता. 18 को शनि मार्गी होने से ता. 23 तक कुछ सुधार संभावति है। ता. 24 को मंगल-सूर्य-बुध-शुक्र की प्रतियुति होने से ता. 28 तक सुधार संभावित है। ता. 29 को बुध तुला राशि में प्रवेश करने से सुधार। सिल्वर में मंदी बन सकती है।

अक्टूबर—मासारंभ से ता. 2 तक घटवढ़ जारी रहेगी। ता 3 को शुक्र-बुध की युति होने से ता. 15 तक अस्थिर सुधार संभावित है। ता. 16 को मंगल उदय होने से घटवढ़। ता. 17 को सूर्य-बुध-शुक्र की प्रतियुति होने से ता. 22 तक सिल्वर, निकिल, जिंक, ईस्पात में अस्थिरता। जबकि सोना, कॉपर में कुछ सुधार संभावित है। ता. 23 को बुध-गुरु की युति होने से ता. 27 तक सिल्वर में सुधार। सोना, कॉपर में घटवढ़ जारी। ता. 28 को शुक्र-गुरु-बुध की प्रतियुति होने से ता. 30 तक व्यापक घटवढ़। ता. 31 को बुध वक्री होने से अस्थिरता संभावित है।

नवंबर—मासारंभ में बुध अस्त होने से ता 3 तक घटवढ़ जारी रहेगी। ता. 4 को गुरु-शनि के साथ युति होने से ता. 6 तक अचानक मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 7 को तुला राशि में प्रवेश करने से ता. 9 तक सोना, कॉपर में कुछ सुधार। जबकि सिल्वर, जिंक, निकिल, ईस्पात में अस्थिरता संभावित है। ता. 10 को मंगल-बुध-सूर्य की प्रतियुति होने से ता. 15 तक व्यापक घटवढ़। ता. 16 को सूर्य-शुक्र की युति होने से ता. 20 तक सुधार। ता. 21 से 30 तक शुक्र-शनि की युति होने से मासान्त

तक सभी धातुओं में अच्छा सुधार संभावित है। जो एक अचूक चांस हो सकता है।

दिसम्बर–मासारंभ से ता. 4 तक अच्छा सुधार संभावित है। ता. 5 को बुध-सूर्य के साथ युति से ता. 14 तक सिल्वर में सुधार। सोना में खामोशी बनी रह सकती है। ता. 15 को गुरु अस्त तथा शुक्र मकर राशि में प्रवेश करने से ता. 24 तक अस्थिर सुधार संभावित है। ता. 25 को बुध-शनि-केतु की प्रतियुति होने से ता. 28 तक सिल्वर में मंदी की संभावना। जबकि सोना, कॉपर में अस्थिर सुधार संभावित है। ता. 29 को शनि अस्त होने से सोना में अस्थिरता जबकि सिल्वर, ईस्पात, निकिल में कुछ सुधार संभावित है।

इस धातु बाजार में दशा-दिशा-धारणा राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय हालातों, कच्चे तेलों में उठा-पटक, डॉलर की स्थिरता-अस्थिरता, सरकार का दिशा-निर्देश, आयात-निर्यात, प्राकृतिक वातावरण, राजनैतिक उठा-पटक घटना चक्र आदि कारणों से कभी भी किसी समय धारणा परिवर्तित हो सकती है। वैसी हालात में विवेकशील, धैर्यवान निवेशकगण एवं कारोबारीगण बाजार की दशा-दिशा-धारणा देखते हुए स्व-विवेक से भी तेजी-मंदी विचार करें। क्योंकि यह आंकलन ग्रहीय चाल पर आधारित है। इसमें उपरोक्त कारणों से कभी-कभी जोखिम भी हो सकता है।

तेल, तिलहन, दलहन, रुई, कपास, कॉटन एवं मोटे अनाजों की तेजी-मंदी

जनवरी 2019–मासारंभ में ता. 1 से 13 तक रुई, कपास, पाट, पटसन, बारदाना में कुछ मंदी। जबकि गेहूं, जौ, चना, उड़द, मूंग, मोंठ, ज्वार, बाजरा में कुछ सुधार तथा तेल-तेलवाना में घटबढ़ जारी रह सकती है। ता. 14 से 19 तक घृत, डिब्बा बंद तेल-तेलवाना, अन्य तेल-तेलवाना, रुई, कपास, कॉटन में सुधार। जबकि दाल-दालवाना, कुछ अनाजों के साथ पाट, पटसन में कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 20 से 28 तक रुई, कपास में सुधार। अनाजों में घटबढ़ एवं तेल-तेलवाना में कुछ अस्थिरता संभावित है। अतः सावधानी अपेक्षित है। ता. 29 से 31 तक दाल-दालवाना एवं मोटे अनाजों में सुधार। रुई, कपास, कॉटन में घटबढ़ एवं घृत, तेल-तेलवाना में अस्थिर सुधार संभावित है।

फरवरी–मासारंभ से ता. 4 तक सभी जिन्सों में अस्थिर सुधार। ता. 5 से 6 तक तेल-तेलवाना, रुई, कपास, कॉटन में कुछ सुधार। जबकि दाल-दालवाना एवं अनाजों में कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 7 से 12 तक तेल-तेलवाना, घृत, दूध में सुधार। दाल-दालवाना एवं अनाजों में समभाव जबकि रुई, कपास, कॉटन में कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 13 से 23 तक घृत, तेल-तेलवाना, सरसों, सोयाबीन, मूंगफली, अन्य तेल-तेलवाना में सुधार तथा रुई, पाट, पटसन, गेहूं, चना, तुअर में कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 24 से मासान्त तक सभी जिन्सों में घटबढ़ जारी रह सकती है।

मार्च–मासारंभ से ता. 5 तक सभी जिन्सों में घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 6 से 13 तक रुई, कपास, कॉटन में सुधार। दाल-दालवाना एवं अनाजों में कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। घृत, तेल, तेलवाना में अस्थिर सुधार संभावित है। ता. 14 को उपरोक्त सभी जिन्सों में सुधार। ता. 15 से 20 तक रुई, कपास में मंदी। घृत, तेल-तेलवाना में सुधार तथा अनाजों में घटबढ़ जारी। ता. 21 को रुई, गेहूं, जौ, चना, तुअर, मूंग, मोंठ, ज्वार, बाजरा, मंडुआ में मंदी बन सकती है। जबकि तेल-तेलवाना में सुधार संभावित है। ता. 22 से 27 तक सभी जिन्सों में तेजी संभावित है। ता. 28 से 29 तक तेल-तेलवाना में कुछ मंदी जबकि अन्य जिन्सों में कुछ सुधार संभावित है। ता. 30 से 31 तक रुई, कपास, कॉटन में मंदी जबकि तेल-तेलवाना एवं दालवाना में भी अस्थिरता संभावित है।

अप्रैल–मासारंभ से ता. 10 तक उपरोक्त जिन्सों में अस्थिरता बनी रह सकती है। ता. 11 से 13 तक रुई, कपास, कॉटन में मंदी। तेल-तेलवाना, दालवाना एवं अनाजों में घटबढ़। ता. 14 को रुई, कपास, कॉटन, घृत, तेल-तेलवाना, सरसों, सोयाबीन, नारीयल, तेल-तेलवाना में सुधार। दाल-दालवाना एवं मोटे अनाजों में कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 15 से 21 तक रुई में सुधार। अन्य सभी जिन्सों में मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 22 से 29 तक सभी जिन्सों में सुधार संभावित है। ता. 30 को शनि वक्री होने से रुखों में परिवर्तन मंदी की ओर हो सकता है।

मई–मास के प्रारंभ से ता. 2 तक घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 3 से 5 तक गेहूं, जौ, चना, तुअर, मूंग, मोंठ, उड़द, सरसों, सोयाबीन, रुई, कपास, घृत में मंदी बन सकती है। ता. 6 से 9 तक कुछ सुधार संभावित है। ता. 10 से 14 तक कुछ तेल-तेलवाना में मंदी। अन्य जिन्सों में अस्थिर सुधार संभावित है।

जून–मासारंभ से ता. 3 तक रुई, कपास में मंदी। अन्य जिन्सों में घटबढ़ जारी। ता. 4 से 14 तक रुई, कपास, कॉटन में अच्छी मंदी। दाल-दालवाना एवं अनाजों में भी अस्थिरता जबकि तेल-तेलवाना, घृत में अस्थिर सुधार। ता. 15 से 19 तक पाट, पटसन, बारदाना, रुई, कपास, कॉटन, सरसों, सोयाबीन, तिल, घृत, तुअर, मूंग, मोंठ, उड़द, गेहूं, चना आदि अनाजों में तेजी बन सकती है। ता. 20 से 21 तक सभी जिन्सों में मंदी की धारणा। ता. 22 से 27 तक मंदी की धारणा बनी रह सकती है। ता. 28 से 30 तक सभी जिन्सों में मंदी की लम्बी लाईन बन सकती है।

जुलाई–मासारंभ से ता. 9 तक सभी जिन्सों में अस्थिरता। ता. 10 से 15 तक घटबढ़ जारी। ता. 16 से 22 तक गेहूं, जौ, चना, तुअर, मूंग, मोंठ, उड़द, चावल, तुअर में मंदी बन सकती है। जबकि रुई, कपास, कॉटन, पाट, पटसन, बारदाना एवं तेल-तेलवाना में सुधार संभावित है। ता. 23 से 28 तक तेल-तेलवाना, घृम में सुधार। रुई, अनाजों में अस्थिरता संभावित है। ता. 29 से 31 तक सभी जिन्सों में अस्थिरता संभावित है।

अगस्त–मासारंभ से ता. 2 तक रुई, कपास में सुधार। तेज-तेलवाना में मंदी। जबकि दाल-दालवाना एवं अनाजों में अस्थिर सुधार। ता. 3 से 7 तक सभी जिन्सों में घटबढ़ जारी। ता. 8 से 11 तक सभी जिन्सों में कुछ सुधार। ता. 12 से 15 तक रूखों में परिवर्तन। ता. 16 को गेहूं, जौ, चना, तुअर, दूध, घृत में सुधार। रुई, कपास, कॉटन, एवं कुछ तेल-तेलवाना में कुछ अस्थिरता संभावित है। ता. 17 से 25 तक रुई, कपास, कॉटन, सरसों, सोयाबीन, तिल, अरण्ड, मैंथोल आदि तेल-तेलवाना में तेजी जबकि अनाजों में मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 26 से 31 तक रुई, कपास, ऊनी-रेशमी वस्त्रों में सुधार। जबकि तेज-तेलवाना, घृत एवं अनाजों में अस्थिरता संभावित है।

सितम्बर–मासारंभ में ता. 8 तक सभी जिन्सों में घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 9 को दाल-दालवाना एवं अनाजों में सुधार। ऊनी-रेशमी वस्त्रों में भी सुधार। जबकि तेल-तेलवाना में घटबढ़ जारी रह सकती है। ता. 10 से 16 तक रुई, सिल्वर में मंदी। गेहूं, जौ, चना, तुअर, मूंग, मोंठ, उड़द में सुधार। तेल-तेलवाना में घटबढ़ जारी रह सकता है। ता. 17 को रुई, कपास, नारीयल, खोपरा, समस्त तेल-तेलवाना में सुधार संभावित है। अनाजों में घटबढ़ जारी रह सकती है। ता. 18 से 23 तक रूखों में परिवर्तन होगा। ता. 24 से 28 तक रुई, सिल्वर में अस्थिर सुधार। अनाजों में सुधार एवं तेल-तेलवाना में अस्थिर सुधार संभावित है। ता. 29 से 30 तक रुई, कपास में सुधार। सरसों, सोयाबीन, अरण्डी, मैंथोल, डिब्बा बंद तेल-तेलवाना में मंदी। अनाजों में घटबढ़।

अक्टूबर–मासारंभ से ता. 15 तक रुई, सिल्वर में घटबढ़। तेल-तेलवाना एवं अनाजों में खामोशी बन सकती है। ता. 17 से 22 तक रुई, सिल्वर में मंदी। गेहूं, जौ, चना, मूंग, मोंठ, मंडुआ, ज्वार, बाजरा, मक्का, सरसों, सोयाबीन आदि तेल-तेलवाना में सुधार संभावित है। ता. 23 से 27 तक घृत, दूध, सरसों, सोयाबीन, रुई, कपास, कॉटन में सुधार। जबकि अनाजों में कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 28 से 30 तक रुई, कपास में घटबढ़। गेहूं, जौ, चना, उड़द, मूंग, मोंठ, ज्वार, बाजरा आदि अनाजों में सुधार। जबकि तेल-तेलवाना में अस्थिर सुधार संभावित है। ता. 31 को कुछ मंदी कद धारणा बन सकती है।

नवम्बर–ता. 1 से 3 तक अस्थिरता। ता. 4 से 6 तक रुई, कपास, कॉटन में मंदी। अन्य जिन्सों में भी मंदी की धारणा। ता. 7 से 9 तक रुई, कपास में सुधार। ता. 10 से 15 तक रुई, कपास, कॉटन, पाट, पटसन, बारदाना, सरसों, सोयाबीन, गेहूं, उड़द, मूंग आदि अनाजों में सुधार संभावित है। ता. 16 से 20 तक रुई, कपास, कॉटन में सुधार। अन्य जिन्सों में भी घटबढ़ जारी रह सकती है। ता. 21 से 30 तक गेहूं, जौ, चना, तुअर, मूंग, मोंठ, मसूर, उड़द में सुधार। रुई, कपास, कॉटन, अरण्डी, मैंथोल, डिब्बा बंद तेल-तेलवाना में अस्थिरता संभावित है।

दिसम्बर–ता. 1 से 4 तक में सभी जिन्सों में घटबढ़ जारी रहेगा। ता. 5 से 14 तक दूध, घृत, सरसों, सोयाबीन, रुई, कपास, कॉटन में सुधार। जबकि दाल-दालवाना एवं अनाजों में कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 15 से 24 तक दूध, घृत, गेहूं, चना, तुअर, मूंग, मोंठ, ज्वर, बाजरा, मंडुआ, मटर, चावल, बासमती चावल में सुधार। रुई, कपस में अस्थिर सुधार संभावित है। ता. 25 से 28 तक रुई, कपास, कॉटन में मंदी। अन्य जिन्सों में घटबढ़। ता. 29 से 31 तक सभी जिन्सों में अस्थिर सुधार संभावित है।

गुड़, चीनी, किराना जिन्सों, गम-ग्वार, ईमली में तेजी-मंदी

मासारंभ में बुध मूल नक्षत्र, गुरु की राशि धनु में प्रवेश करते हुए शनि-सूर्य के साथ प्रतियुति करेगा। साथ ही शुक्र वृश्चिक राशि में प्रवेश कर गुरु के साथ युति करेगा। जिससे व्यापार से संबंधित कायदा-कानून में कठोरता उत्पन्न हो सकती है। जिन्सों के उत्पादन, बकाया स्टॉक, अगला उत्पादन, आयात-निर्यात, मानसून के हालात् एवं प्राकृतिक कारणों तथा सरकार के दिशा-निर्देश के कारण कुछ किराना जिन्सों, गुड़, चीनी में 5 मार्च तक व्यापक अस्थिरता संभावित है। इसके बाद धीरे-धीरे स्थिरता संभावित है। फिर भी दशा-दिशा-धारणा देखते हुए काम करना सफल व्यापार की कुंजी है।

जनवरी–ता. 1 से 13 तक उपरोक्त जिन्सों में घटबढ़ पूर्ण सुधार संभावित है। ता. 14 से 19 तक गुड़, चीनी, गमग्वार, ईमली में कुछ सुधार। जबकि किराना जिन्सों में घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 20 से 28 तक कालीमिर्च, जीरा, हल्दी, धनियां, लौंग, ईलायची, जायफल में अस्थिर सुधार। गुड़, चीनी, गमग्वार, ईमली में घटबढ़ जारी। ता. 29 से 31 तक सभी जिन्सों में कुछ सुधार संभावित है।

फरवरी–मासारंभ से ता 4 तक सभी जिन्सों में अस्थिर सुधार। ता. 5 से 6 तक गुड़, चीनी, चाय, कॉफी में कुछ सुधार। गमग्वार, ईमली, लालमिर्च, धनियां, जीरा, हल्दी में घटबढ़ जारी रह सकती है। अन्य मसाला, जिन्सों में कुछ स्थिरता संभव है। ता. 7 से 12 तक सभी जिन्सों में घटबढ़ पूर्ण सुधार। ता. 13 को सूर्य-बुध की युति से ता. 23 तक सभी जिन्सों में मंदी संभावित है। अतः सावधानी अपेक्षित है। ता. 24 से मासान्त तक व्यापक घटबढ़ जारी रहेगी। परन्तु धारणा स्थिर नहीं रहेगी। जिससे अधिकतर सौदा गलत हो सकता है।

मार्च–मासारंभ से ता. 5 तक उपरोक्त जिन्सों में अस्थिरता संभावित है। ता. 6 को बुध वक्री तथा राहु-केतु मिथुन-धनु राशि में स्थान परिवर्तन से ता. 13 तक गुड़, चीनी में सुधार। अन्य जिन्सों में व्यापक अस्थिरता संभावित है। ता. 14 को सभी जिन्सों में सामान्य सुधार। ता. 15 से 20 तक अस्थिर सुधार संभावित है। ता. 21 को शुक्र-बुध की युति होने से मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 22 से 27 तक गमग्वार, ईमली में सुधार, अन्य जिन्सों में घटबढ़ जारी। ता. 28 से 29 तक किराना जिन्सों एवं गमग्वार, ईमली, आमचूर में सुधार। लालमिर्च, हल्दी में सुधार। जबकि अन्य किराना जिन्सों में घटबढ़ जारी रह सकती है। ता. 30 को गुरु-शनि की युति होने से मासान्त तक सभी जिन्सों में अस्थिरता संभावित है।

अप्रैल–मासारंभ से ता. 10 तक धनियां, जीरा, हल्दी, लौंग, ईलायची, दालचीनी, लालमिर्च, कालीमिर्च में कुछ सुधार। जबकि ता. 11 से 13 तक गुड़, चीनी, गमग्वार, ईमली में अस्थिरता। किराना जिन्सों में कुछ सुधार संभावित है। ता. 14 को सूर्य अपनी उच्च राशि मेष में प्रवेश करने से सभी जिन्सों में सुधार संभावित प्रतीत हो रहा है। ता. 15 से 21 तक अचानक मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 22 से 29 तक सभी जिन्सों में सुधार संभावित है। ता. 30 को शनि वक्री होने से गुड़, चीनी में विशेष सुधार। ग्वार में मंदी। किराना जिन्सों में अस्थिर सुधार संभावित है।

मई–मासारंभ में ता. 5 तक अचानक मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 6 को मंगल मिथुन राशि में प्रवेश करने से ता. 9 तक गुड़, चीनी, लालमिर्च, गमग्वार, ग्वार सीड, दालचीनी, लौंग में सुधार। अन्य जिन्सों में अस्थिर सुधार संभावित है। ता. 10 को शुक्र-बुध की युति होने से ता. 14 तक उपरोक्त जिन्सों में अस्थिर सुधार जारी रह सकता है। ता. 15 से 17 तक सभी जिन्सों में सुधार संभावित है। ता. 18 को बुध-सूर्य की युति होने से ता. 31 तक उपरोक्त जिन्सों में व्यापक घटबढ़ जारी रह सकती है। अतः रुख देखकर काम करें।

जून–मासारंभ में बुध-मंगल की युति होने से ता. 3 तक अस्थिरता सभी जिन्सों में संभावित है। ता. 4 से 14 तक घटबढ़ पूर्ण सामान्य सुधार संभावित है। ता. 15 से 19 तक सभी जिन्सों में अच्छा सुधार संभावित है। ता. 20 से 21 तक चन्द्रमा के भाव में बुध का प्रवेश पिता-पुत्र के घर में होने से व्यापक घटबढ़, धारणा मंदी की ओर जा सकती है। ता. 22 को मंगल-बुध की युति होने से ता. 27 तक सभी जिन्सों में अस्थिरता संभावित है। ता. 28 से 30 तक सूर्य-शुक्र-राहु की प्रतियुति होने से सभी जिन्सों में अचानक मंदी की धारणा बन सकती है।

जुलाई–मासारंभ में ता. 7 तक सभी जिन्सों में अस्थिरता संभावित है। ता. 8 को मंगल अस्त एवं बुध वक्री होने से ता. 15 तक किराना जिन्सों को छोड़कर सभी जिन्सों में कुछ सुधार संभावित है। ता. 16 से 22 तक किराना जिन्सों में अस्थिरता जबकि अन्य जिन्सों में अस्थिर सुधार संभावित है। ता. 23 से 28 तक गुड़, चीनी में सुधार जबकि बाकी जिन्सों में अस्थिरता संभावित है। ता. 29 को बुध-राहु की युति होने से ता. 30 तक अस्थिरता संभावित है। अतः धारणा देखकर काम करें।

अगस्त–मासारंभ में बुध मार्गी होने से ता. 2 तक गमग्वार, किराना जिन्सों में सुधार। गुड़, चीनी में मंदी बन सकती है। ता. 3 से 7 तक सभी जिन्सों में घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 8 से 11 तक सभी जिन्सों में सुधार संभावित है। ता. 12 से 15 तक सुधार। ता. 16 को सुधार। ता. 17 से 25 तक सभी जिन्सों में तेजी की लम्बी लाईन बन सकती है। ता. 26 से 31 तक सुधार।

सितम्बर–मासारंभ से ता. 8 तक सुधार। ता. 9 को कुछ सुधार। ता. 10 को बुध-शुक्र की युति होने से 16 तक सुधार। ता. 17 को सूर्य-बुध-शुक्र की प्रतियुति होने से सुधार संभावित है। ता. 18 को शनि मार्गी होने से ता. 23 तक व्यापक अस्थिरता संभावित है। जिससे धारणा पकड़ में नहीं आयेगी। ता. 24 से 28 तक मंगल चतुर्थ ग्रहीय योग बनाने से कहीं अतिवृष्टि, तो अधिकांश भू-भागों में अनावृष्टि से किसान चिन्तित हो सकते हैं। गमग्वार, लालमिर्च, गुड़, चीनी में सुधार की संभावना। अन्य जिन्सों में घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 29 से 30 तक कुछ जिन्सों में स्थिरता संभावित है।

अक्टूबर–मासारंभ में बुध-शुक्र की युति जारी रहने से ता. 15 तक सभी जिन्सों में घटबढ़ पूर्ण सुधार संभावित है। ता. 16 को घटबढ़। ता. 17 से 22 तक गमग्वार, लालमिर्च में सुधार। अन्य जिन्सों में घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 23 से 27 तक व्यापक अस्थिरता। ता. 28 को शुक्र-बुध की युति तथा गुरु की प्रतियुति होने से ता. 31 तक सभी जिन्सों में अस्थिरता संभावित है।

नवम्बर–मासारंभ से ता. 3 तक घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 4 को गुरु-शनि की युति होने से ता. 6 तक सभी जिन्सों में अस्थिरता संभावित है। ता. 7 से 9 तक कुछ सुधार। ता. 10 से

15 तक कुछ सुधार संभावित है। ता. 16 से 20 तक कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। जबकि ता. 21 से 30 तक अधिकांश जिन्सों में सुधार संभावित है।

दिसम्बर—मासारंभ से ता. 4 तक सुधार संभावित है। ता. 5 को बुध-सूर्य की युति होने से ता. 14 तक सभी जिन्सों में खामोशी बनी रह सकती है। ता. 15 से 24 तक अधिकांश जिन्सों में सुधार संभावित है। ता. 25 को बुध-गुरु-केतु-शनि की प्रतियुति से ता. 31 तक सभी जिन्सों में अस्थिर सुधार संभावित है। परन्तु ता. 29 को शनि अस्त होने से तथा धनु राशि में चतुर्थ ग्रहों की प्रतियुति, प्राकृतिक उत्पात, आंधी-तूफान, गृह-युद्ध जैसी स्थितियां, वायुवेगात्मक वर्षा या कुछ राष्ट्रों की सरकारें अस्थिर हो सकती हैं।

आप चाहें तो सोना, चांदी, कॉपर, जिंक, लैड, निकिल, क्रूड आयल, पामोलीन, सरसों, सोयाबीन, मूंगफली, सूर्यमुखी, तिल, अन्य तेल-तेलवाना, गमग्वार, ईमली, आमचूर, रुई, कपास, कॉटन, पाट-पटसन, बारदाना, चना, तुअर, मसूर, मूंग, मोंठ, उड़द, गेहूं, जौ, ज्वार-बाजरा, मंडुआ, मक्का, चावल, गुड़, खाण्ड, चीनी, लहसुन, प्याज, अदरख, हल्दी, धनियां, जीरा, कालीमिर्च, लालमिर्च आदि समस्त किराना जिन्सों के लिखित विस्तार से रिपोर्ट अलग-अलग प्राप्त कर सकते हैं। अचूक चांसों को जानकारी मो.-9801873719 पर दी जाती है। वार्षिक सेवा शुल्क ही स्वीकार होते हैं। साधारण सेवा शुल्क (12 माह) 20500/-, मध्यम 25500/-, स्पेशल 30500/-, सर्वोत्कृष्ट 35500/-, शेयर बाजार तथा कमोडिटी ट्रेडिंग व्यापार सर्व उत्कृष्ट रिपोर्ट संयुक्त रियायत दर एक साथ लेने पर 55500/- रुपया निर्धारित है। जन्म-पत्रिका लेटर पैड पर फलादेश सेवा शुल्क 2500/- तथा विस्तार से फल कथन रुपये 5500/-निर्धारित है। जन्म-पत्रिका निर्माण साधारण शुल्क 1100/-, मध्यम 3500/-, स्पेशल 5500/-, सर्वोत्कृष्ट 15500/-निर्धारित है।

लेखक-**प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पं. टुनटुन शास्त्री**
(विभिन्न राष्ट्रीय पंचांगकर्त्ता)
व्यापार भविष्य कमोडिटी ट्रेडिंग एवं शेयर्स बाजार समीक्षक
ग्राम-करौन्दी, पोस्ट-सरांव (नटवार)
जिला-रोहतास (बिहार) पिन कोड-802218
मोबाइल-09431486216, 09801873719
E-mail :tuntunshastri@gmail.com

शेयर्स बाजार समीक्षा सन् 2019-20 ई.

लेखक-
पं. टुनटुन शास्त्री

शेयर बाजार में कब क्या हो जाए, यह संभावनाएं अंतर्राष्ट्रीय हालातों, स्थिर सरकार का गठन, राजनैतिक स्थिरता-अस्थिरता, औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि आदि कई कारणों से दशा-दिशा-धारणा बनती-बिगड़ती रहती है। यह एक ऐसा बाजार है, जो किसी राष्ट्र के आर्थिक हालात् का आईना भी माना जाता है। इस बाजार में आर्थिक आंकड़ों से भी इसकी दशा-दिशा-धारणा निर्धारित होती है। फिलहाल तो औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े, वैश्विक रुख, कच्चे तेल की कीमतें, मानसून की प्रगति और आगामी लोकसभा चुनाव के नतीजे तय करेंगे। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल का भी असर पड़ता है। आने वाले समयों में बाजार की नजरें घरेलू वृहद् आर्थिक आंकड़ों पर रहेगी। औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक महत्वपूर्ण कारक बाजार की स्थिति निर्धारित कर सकती है।

ऐसे तो इस संवेदनशील बाजार में स्थिरता-अस्थिरता, अंतर्राष्ट्रीय हालातों, सरकार की दिशा-निर्देशों को देखते हुए स्व-विवेक से तेजी-मंदी का विचार कर काम करें। क्योंकि यह आंकलन ग्रहीय चाल पर आधारित है। इसमें कभी-कभी जोखिम भी हो सकता है।

जनवरी 2019—मासारंभ में बुध धनु राशि में प्रवेश कर शनि-सूर्य के साथ प्रतियुति करेगा। शुक्र गुरु के साथ युति करेगा। ता. 7 को बुध अस्त होगा। ता. 14 को केतु के साथ युति करेगा। ता. 20 को शनि उदय व बुध सूर्य के साथ प्रतियुति, ता. 29 को शुक्र शनि के साथ युति करेगा। मासारंभ में धनु राशि में बुध उदित अवस्था में चलेगा। जिससे शेयर बाजार में अंतर्राष्ट्रीय हालातों एवं भारतीय राजनैतिक अस्थिरता को लेकर बाजार में अस्थिरता की संभावना अधिक प्रतीत हो रही है। ता. 1 से 4 तक साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा, वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में अस्थिर सुधार संभावित है। ता. 7 से 11 तक ब्लूचिप विभिन्न सेक्टरों के शेयरों में बिकवाली दबाव से सूचकांक में गिरावट आने की संभावना है। ता. 14 से 16 तक बाजार में अफरा-तफरी की स्थिति देखने को मिल सकती है। जिससे साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में दबाव बन सकता है। ता. 17 से 18 तक ईस्पात, सीमेन्ट, ऑटोमोबाईल, विद्युत, रियल इस्टेट, पावर कंपनियों के शेयरों में कुछ समर्थन संभावित है। यदि ऐसा होता है तो ता. 21 से 25 तक उपरोक्त सेक्टरों में बारी-बारी से सामान्य समर्थन मिलने से सूचकांक में सुधार संभावित है। ता. 28 से 31 तक नई-पुरानी अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ मिडकैप, स्मॉलकैप श्रेणी के शेयरों में उतार-चढ़ावपूर्ण कुछ स्थिरता संभावित है।

फरवरी 2019—मासारंभ में सूर्य मकर राशि में, बुध-केतु के साथ भ्रमणशील रहते हुए ता. 13 को कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे। मंगल मीन राशि में विचरण करते हुए ता. 5 को मेष राशि में प्रवेश करेंगे। बुध मकर राशि में सूर्य-केतु के साथ प्रतियुति करते हुए ता. 7 को कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे। ता. 13 को यह इसी राशि में उदय होंगे। ता. 24 को शुक्र केतु के साथ युति करेगा। इसी तारीख को बुध पुनः मीन राशि में प्रवेश करेगा। फलतः ग्रह की स्थितियां इस माह में बाजार के समर्थन में सहायक नहीं है। ता. 1 को उतार-चढ़ाव। ता. 4 से 8 तक साफ्टवेयर, मीडिया, सूचना प्रोद्योगिकी क्षेत्र की कम्पनियों, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में बिकवाली से शेयर बाजार के सूचकांक में व्यापक गिरावट संभावित है। ता. 11 से 12 तक व्यापक घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 13 से 15 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो ईस्पात, सिमेन्ट, पावर, विद्युत, गैस, पेट्रो-रसायन, ऑटोमोबाईल एवं धातुओं के शेयरों में कुछ समर्थन संभावित है। ता. 18 से 22 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो उपरोक्त सैक्टरों में रुक-रुककर समर्थन मिलने से सूचकांक में सामान्य समर्थन संभावित प्रतीत हो रहा है। ता. 25 से 28 तक राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद भी साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में अस्थिर सुधार संभावित है। इस संवेदनशील बाजार में भाग्य के भरोसे निवेश अधिकतर अहितकर हो सकता है।

मार्च 2019—मासारंभ में सूर्य कुंभ राशि में विचरण करते हुए ता. 4 को मीन राशि में प्रवेश करेंगे। ता. 6 को बुध मीन राशि में वक्री होंगे व राहु मिथुन में और केतु धनु राशि में प्रवेश करेंगे। ता. 8 को बुध अस्त होगा। ता. 15 को बुध कुंभ राशि में, ता. 21 को शुक्र-बुध की युति होगी। ता. 22 को मंगल वृष राशि में, ता. 23 को बुध उदय होगा तथा उदित अवस्था में ही ता. 28 को मार्गी हो जायेगा। ता. 30 को गुरु शनि-केतु के साथ प्रतियुति करेगा। फलतः यह मास भी बाजार के अनुकूल नहीं प्रतीत हो रहा है। ता. 1 को उतार-चढ़ाव। ता. 4 से 8 तक व्यापक अस्थिरता के कारण पैट्रो-रसायन, ईस्पात, सीमेन्ट, भारी इंजीनियरिंग, रियल इस्टेट, टेक्सटाईल्स, सीमेन्ट एवं शुगर कंपनियों के शेयरों में व्यापक अस्थिरता संभावित है। हालांकि साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में कुछ समर्थन संभावित है। ता. 11 से 15 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो ईस्पात, सिमेन्ट,

आर्यभट्ट पंचांगम् 231
ऑटोमोबाईल, रियल इस्टेट, पावर, विद्युत एवं धातुओं के शेयरों | में ही अस्त हो जायगा। मासारंभ में मंगल वृष राशि में विचरण | मिथुन राशि में जारी रहेगी।

ऑटोमोबाईल, रियल इस्टेट, पावर, विद्युत एवं धातुओं के शेयरों में सामान्य समर्थन संभावित है। ता. 18 से 22 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो उपरोक्त सेक्टरों में बारी-बारी से अस्थिर समर्थन संभावित प्रतीत हो रहा है। ता. 25 से 29 तक नई-पुरानी अर्थव्यवस्था के साथ-साथ मिडकैप, स्मॉलकैप श्रेणी के शेयरों में अस्थिर सुधार संभावित है। फिलहाल सुदृढ़ तेजी की संभावना न्यूनतम प्रतीत हो रही है।

अप्रैल 2019—मासारंभ में सूर्य मीन राशि में विचरण करते हुए ता. 11 को बुध के साथ युति करेगा। ता. 11 को गुरु, शनि-केतु के साथ प्रतियुति करेगा। ता. 14 को सूर्य अपनी ऊंच राशि मेष में प्रवेश करेगा। ता. 15 को शुक्र बुध के साथ युति करेगा। ता. 22 को गुरु वृश्चिक राशि में प्रवेश करेगा। ता. 30 को शनि धनु राशि में केतु के साथ युति करते हुए वक्री हो जायेगा। जिसके फलस्वरूप राजनैतिक अस्थिरता के कारण बाजार में असमंजस पूर्ण स्थितियां उत्पन्न कर सकती है। जिससे इस बाजार में लिवाली कम, बिकवाली का पलड़ा भारी होने से बाजार में अस्थिरता की भावना मुखर होगी। अतः सावधानी अपेक्षित है। ता. 1 से 5 तक अचानक बिकवाली से ब्लूचिप विभिन्न सेक्टरों के शेयरों में बिकवाली से बाजार आंधी के आम की तरह गिर जाये तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। ता. 8 से 12 तक कुछ स्थितियां सामान्य रहीं तो साफ्टवेयर, मीडियाँ, फार्मा, वित्तीय संस्थाओं के साथ-साथ विद्युत, पावर एवं धातुओं के शेयरों में कुछ समर्थन संभावित है। यदि ऐसा होता है तो ता. 15 से 19 तक उपरोक्त सेक्टरों में अस्थिर सुधार की संभावना अधिक प्रतीत हो रही है। हांलाकि भारतीय राजनीति में स्थिरता-अस्थिरता को लेकर असमंजस पूर्ण स्थितियां विदेशी निवेशकों के मन में हाल-फिलहाल तबाही का मंजर उत्पन्न करता रहेगा। जिसकी धारणा इन संभावनाओं के कारण अस्थिर और अशांत वातावरण में बाजार की धारणा पल-पल बनती-बिगड़ती रहेगी। अत; जोखिम पूर्ण निवेश से बचना हितकर होगा। ता. 22 से 26 तक उपरोक्त सेक्टरों में विशेषकर नई-पुरानी अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ मिडकैप, स्मॉलकैप श्रेणी के शेयरों में अस्थिर सुधार संभावित है। हांलाकि रूखों में जल्दी-जल्दी परिवर्तन से बाजार की दशा-दिशा-धारणा परिवर्तित होती रहेगी। जिससे धारणा पकड़ में नहीं आयेगी और सौदा अहितकर हो सकता है। ता. 29 से 30 तक अज्ञात कारणों या राजनैतिक अथिरता के कारण बाजार में अचानक बिकवाली से ब्लूचिप अधिकांश सेक्टरों के शेयरों में बिकवाली से अचानक बाजार आंधी के आम की तरह गिर सकता है।

मई 2019—मास के प्रारंभ में सूर्य मेष राशि में विचरण करते हुए ता. 3 को बुध के साथ युति करेगा। तथा यह मेष राशि में ही अस्त हो जायेगा। मासारंभ में मंगल वृष राशि में विचरण करते हुए ता. 6 को मिथुन राशि में प्रवेश कर राहु के साथ युति करेगा। ता. 10 को शुक्र बुध-सूर्य के साथ प्रतियुति करेगा। ता. 15 को सूर्य वृष राशि में प्रवेश करेगा। ता. 18 को पुनः बुध-सूर्य की युति होगी। ता. 30 को बुध वृष राशि में उदित होगा। फलतः ग्रह योग से बाजार में प्रतिकूल असर पड़ सकता है। ता. 1 से 3 तक असमंजस पूर्ण स्थितियां बनी रहेंगी। जिससे साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में बिकवाली का सिलसिला बना रह सकता है। ता. 6 से 10 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो इस्पात, सिमेन्ट, भारी इंजीनियरिंग, रियल इस्टेट, ऑटोमोबाईल, पावर, विद्युत एवं धातुओं के शेयरों में अस्थिर सुधार संभावित है। ता. 13 से 17 तक उपरोक्त सेक्टरों में अफवाहों पर आधारित तथा सरकार की सेहत को लेकर विदेशी निवेशकों एवं संस्थागत निवेशकों के सामान्य समर्थन से कुछ सुधार संभावित है। ता. 20 से 23 तक अस्थिर सुधार संभावित है। ता. 24 को अचानक बिकवाली से बाजार आंधी के आम की तरह गिर सकते हैं। ता. 27 को घटवढ़। ता. 28 से 31 तक व्यापक घटबढ़ चलते हुए धारणा अस्थिर और अशांत भी हो सकती है। अतः देश-काल की स्थितियां, अंतर्राष्ट्रीय हालातों का अनुसरण करते हुए स्व-विवेक से व्यापार करें।

जून 2019—मासारंभ में सूर्य वृष राशि में विचरण करते हुए ता. 4 को शुक्र के साथ युति करेगा। ता. 15 को यह मिथुन राशि में प्रवेश कर बुध-मंगल-राहु के साथ प्रतियुति करेगा। ता. 20 को बुध जलीय राशि कर्क में प्रवेश करेगा। ता. 22 को मंगल-बुध की युति होगी। ता. 28 को शुक्र मिथुन राशि में प्रवेश कर सूर्य-राहु के साथ प्रतियुति करेगा। हांलाकि मासारंभ में बुध मिथुन राशि में उदित अवस्था में चलेगा। फलतः ता. 3 से 7 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो साफ्टवेयर, मीडिया, सूचना प्रोद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियां, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में सामान्य समर्थन संभावित है। जिससे सूचकांक में सुधार संभावित है। यदि ऐसा होता है तो ता. 10 से 14 तक उपरोक्त सेक्टरों के साथ-साथ विद्युत, पावर, गैस, पेट्रो-रसायन एवं धातुओं के शेयरों में बारी-बारी से समर्थन मिल सकता है। ता. 17 से 21 तक व्यापक घटबढ़, धारणा अस्थिर और अशांत होने से बाजार में ब्लूचिप, विभिन्न सेक्टरों के शेयरों में बिकवाली के दवाव से बाजार में अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ता. 24 से 28 तक व्यापक अस्थिरता बाजार में तबाही का मंजर उत्पन्न करता रहेगा। जिससे बाजार की धारणा पकड़ में नहीं आयेगी। और सौदा अहितकर हो सकता है।

जुलाई 2019—मासारंभ में सूर्य-शुक्र-राहु की प्रतियुति मिथुन राशि में जारी रहेगी। ता. 8 को मंगल अस्त व बुध कर्क राशि में वक्री होगा। ता. 10 को बुध इसी राशि में अस्त होगा। ता. 16 को सूर्य कर्क राशि में प्रवेश कर मंगल-बुध के साथ प्रतियुति करेगा। ता. 21 को शुक्र अस्त होगा। ता. 23 को शुक्र-बुध-सूर्य-मंगल के साथ प्रतियुति होगी। ता. 29 को बुध-राहु के साथ युति करेगा। ता. 30 को इसी राशि में बुध उदित होगा। फलतः मासारंभ में बुध उदित अवस्था में चलते हुए ता. 8 को वक्री होगा। ता. 10 को यह अस्त हो जायेगा। जिससे ता. 1 से 5 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो साफ्टवेयर, मीडिया, सूचना प्रोद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों, फार्मा, वित्तीय संस्थाओं के साथ-साथ विद्युत, पावर कंपनियों के शेयरों में बारी-बारी से समर्थन मिल सकता है। जिससे सूचकांक में सामान्य से भारी सुधार संभावित है। ता. 8 से 12 तक इस्पात, सिमेन्ट, भारी इंजीनियरिंग, ऑटोमोबाईल, रियल इस्टेट, शुगर, टेक्सटाईल्स कंपनियों के शेयरों में बारी-बारी से समर्थन संभावित प्रतीत हो रहा है। ता. 15 से 17 तक व्यापक घटबढ़ जारी रह सकती है। जिससे धारणा पकड़ में नहीं आयेगी। ता. 18 से 19 तक अचानक बिकवाली से विशेषकर साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में अचानक बिकवाली से बाजार आंधी के आम की तरह गिर सकते हैं। ता. 22 से 26 तक व्यापक अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है। जिससे धारणा पकड़ में नहीं आयेगी। ता. 29 से 31 तक नई-पुरानी अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ मिडकैप, स्मॉलकैप श्रेणी के शेयरों के साथ-साथ म्यूचुअल फण्ड कंपनियों के शेयरों में सामान्य समर्थन संभावित प्रतीत हो रहा है।

अगस्त 2019—मासारंभ में सूर्य-मंगल-शुक्र की प्रतियुति कर्क राशि में जारी रहेगी। ता. 1 को बुध मार्गी होगा। ता. 3 को बुध कर्क राशि में चतुर्थ ग्रहीय योग बनायेगा। ता. 8 को मंगल सिंह राशि में प्रवेश करेगा। ता. 12 को गुरु मार्गी होगा। ता. 16 को शुक्र-मंगल की युति होगी। ता. 17 को सूर्य-मंगल-शुक्र की प्रतियुति होगी। ता. 24 को बुधास्त। ता. 26 को बुध सूर्य-शुक्र-मंगल के साथ प्रतियुति करेगा। मासारंभ में बुध उदित अवस्था में मार्गी चाल से चलते हुए ता. 3 को कर्क राशि में तथा ता. 26 को सिंह राशि में प्रवेश करेगा। फलतः मासारंभ में ता. 1 से 2 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो साफ्टवेयर, मीडिया, सूचना प्रोद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियां, फार्मा, वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में कुछ समर्थन संभावित है। यदि ऐसा होता है तो ता. 5 से 9 तक उपरोक्त सेक्टरों में समर्थन से कुछ सुधार संभावित है। ता. 12 से 13 तक व्यापक घटबढ़ जारी रह सकती है। मानसून के हालात को लेकर या अंतर्राष्ट्रीय हालातों के कारण अचानक 14 से 16 तक ब्लूचिप, विभिन्न सेक्टरों के शेयरों में बारी-बारी से बिकवाली

की स्थिति बाजार की धारणा अस्थिर और अशांत बना सकती है। जिससे सूचकांक में गिरावट बन सकती है। ता. 19 से 22 तक अफरा-तफरी की स्थिति, तबाही का मंजर उत्पन्न करती रहेगी। ता. 23 को सामान्य सुधार। ता. 26 से 30 तक ईस्पात, सिमेन्ट, ऑटोमोबाईल, विद्युत एवं धातुओं के शेयरों में कुछ समर्थन संभावित है।

सितम्बर 2019—मासारंभ में सूर्य-मंगल-बुध-शुक्र की प्रतियुति सिंह राशि में, गुरु वृश्चिक में, शनि-केतु धनु राशि में विचरण करेंगे। ता. 9 को शुक्र कन्या में, ता. 10 को बुध-शुक्र की युति होगी। ता. 14 को शुक्र उदय होगा। ता. 17 को सूर्य-बुध-शुक्र की प्रतियुति होगी। ता. 18 को शनि मार्गी होगा। ता. 24 को मंगल कन्या राशि में चतुर्थ ग्रहीय योग बनायेगा। ता. 29 को बुध तुला राशि में प्रवेशकर उसी दिन उदित हो जायेगा। फलतः मासारंभ में बुध अस्त अवस्था में चलेगा। ता. 2 से 3 तक सामान्य सुधार। ता. 4 से 6 तक नई-पुरानी अर्थव्यवस्थाओं के शेयरों में अस्थिर सुधार संभावित है। ता. 9 से 13 तक साफ्टवेयर, मीडिया, सूचना प्रोद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों के साथ-साथ फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में बारी-बारी से बिकवाली बन सकती है। ता. 16 से 18 तक अफवाहों पर आधारित अस्थिरता संभावित है। ता. 19 से 20 तक ईस्पात, सिमेन्ट, रियल इस्टेट, पावर, विद्युत एवं धातुओं के शेयरों में कुछ समर्थन संभावित है। यदि ऐसा होता है तो ता. 23 से 27 तक ब्लूचिप विभिन्न सेक्टरों के शेयरों में विदेशी निवेशकों एवं संस्थागत निवेशकों के समर्थन से सूचकांक में व्यापक सुधार संभावित है। ता. 30 को अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ फार्मा, दूरसंचार कंपनियों के शेयरों में अचानक समर्थन से व्यापक सुधार संभावित हो रहा है। फिर भी बाजार की दशा-दिशा-धारणा देखकर काम करें।

अक्टूबर 2019—मासारंभ में सूर्य-मंगल-शुक्र की प्रतियुति, कन्या राशि में गुरु, वृश्चिक में शनि, केतु धनु में, बुध तुला में उदित अवस्था में चलेंगे। ता. 3 को शुक्र बुध के साथ युति करेगा। ता. 16 को मंगल उदय होगा। ता. 17 को सूर्य-शुक्र-बुध की प्रतियुति तुला राशि में होगी। ता. 23 को बुध गुरु के साथ युति करेगा। ता. 28 को शुक्र गुरु-बुध के साथ प्रतियुति करेगा। ता. 31 को बुध वक्री होगा। फलतः मानसून की हालात् अस्थिर और अशांत हो सकती है। मासारंभ में ता. 1 से 4 तक नई-पुरानी अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ म्यूचुअल फंड एवं मिडकैप, स्मॉलकैप श्रेणी के शेयरों में अस्थिर सुधार संभावित है। ता. 7 को घटबढ़। ता. 8 से 11 तक ईस्पात, सिमेन्ट, ऑटोमोबाईल, भारी इंजीनियरिंग, रियल इस्टेट कंपनियों के शेयरों में बारी-बारी से दबाव बन सकता है। अतः सावधानी अपेक्षित है। यदि ऐसा होता है तो ता. 14 से 16 तक अस्थिरता संभावित है। ता. 17 से 18 तक साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में समर्थन संभावित है। यदि ऐसा होता है तो ता. 21 से 25 तक उपरोक्त सेक्टरों में समर्थन से व्यापक सुधार संभावित है। ता. 28 से 31 तक विद्युत, पावर, गैस, पेट्रो-रसायन, टेक्सटाईल्स, शुगर कंपनियों के शेयरों में उतार-चढ़ाव पूर्ण कुछ सुधार संभावित हो रहा है। फिर भी बाजार की धारणा देखकर ही काम करें।

नवम्बर 2019—मास के प्रारंभ में सूर्य अपनी नीच राशि तुला में विचरण करते हुए ता. 16 को वृश्चिक राशि में प्रवेश कर शुक्र के साथ युति करेगा। बुध वृश्चिक राशि में विचरण करते हुए ता. 1 को इसी राशि में अस्त हो जायेगा। ता. 7 को यह सूर्य के साथ युति करेगा। ता. 10 को मंगल बुध-सूर्य के साथ प्रतियुति करेगा। ता. 16 को बुध तुला राशि में उदित हो जायेगा। ता. 21 को बुध उदित अवस्था में ही मार्गी हो जायेगा। इसी तारीख को शुक्र धनु राशि में प्रवेश कर गुरु-शनि-केतु के साथ प्रतियुति करेगा। फलतः मासारंभ में अर्थ व्यवस्था को लेकर चिन्ताजनक स्थितियां बाजार में तबाही का मंजर उत्पन्न कर सकती हैं। जिससे विदेशी निवेशक एवं संस्थागत निवेशक इस अस्थिरता के कारण क्रय की जगह बिकवाली के लिए तत्पर रहेंगे। जिससे बाजार की धारणा प्रायः अस्थिर सी रहेगी। मास के प्रारंभ में साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा, वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में व्यापक अस्थिरता संभावित है। ता. 1 को घटबढ़। ता. 4 से 8 तक स्थितियां अस्थिर होने से उपरोक्त सेक्टरों में बारी-बारी से बिकवाली बन सकती है। जिससे सूचकांक में व्यापक गिरावट की आशंका अधिक प्रतीत हो रही है। ता 11 से 12 तक व्यापक अस्थिरता। जबकि ता. 13 से 15 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो ईस्पात, सिमेन्ट, रियल इस्टेट, ऑटोमोबाईल, विद्युत, पावर एवं धातुओं के शेयरों में बारी-बारी से समर्थन मिल सकता है। यदि ऐसा होता है तो ता. 18 से 22 तक साफ्टवेयर, मीडिया, सूचना प्रोद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों, फार्मा, वित्तीय संस्थाओं, विद्युत, पावर एवं धातुओं के शेयरों में सामान्य समर्थन संभावित प्रतीत हो रहा है। ता. 25 से 29 तक उपरोक्त सेक्टरों में स्थितियां सामान्य रहीं तो अस्थिर सुधार संभावित है।

दिसम्बर 2019—मासारंभ में सूर्य वृश्चिक राशि में विचरण करते हुए ता. 16 को धनु राशि में प्रवेश कर शनि-गुरु-केतु के साथ प्रतियुति करेगा। ता. 5 को बुध सूर्य के साथ युति करेगा। ता. 15 को गुरु अस्त होगा। इसी तारीख को शुक्र मकर राशि में प्रवेश करेगा। ता. 15 को बुध पूर्व में अस्त होगा। ता. 25 को बुध सूर्य-गुरु-शनि-केतु के साथ प्रतियुति करेगा। ता. 29 को शनि पश्चिम में अस्त हो जायेगा। मासारंभ में बुध उदित अवस्था मे चलेगा। फलतः भारत सहित विश्व के अधिकांश भू-भागों में प्राकृतिक उत्पात, गृह युद्ध जैसी स्थितियां शेयर बाजार की दशा-दिशा-धारणा अस्थिर बना सकती हैं। ता. 2 से 6 तक गलत अफवाह या अंतर्राष्ट्रीय हालातों के कारण बाजार में अचानक बिकवाली से बाजार आंधी के आम की तरह गिर सकता है। अतः सावधानी अपेक्षित है। यदि स्थितियां सामान्य रहीं तो ता. 9 से 13 तक साफ्टवेयर, मीडिया, सूचना प्रोद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों, फार्मा, वित्तीय संस्थाओं, ऑटोमोबाईल, विद्युत, पावर एवं धातुओं के शेयरों में समर्थन संभावित है। ता. 16 से 20 तक उपरोक्त सेक्टरों में संस्थागत निवेशकों, लिवाली से सामान्य सुधार संभावित प्रतीत हो रहा है। ता. 23 से 27 तक ऑटोमोबाईल, ईस्पात, सिमेन्ट, रियल इस्टेट, टेक्सटाईल्स, शुगर, विद्युत, गैस, पेट्रो-रसायन सेक्टरों में घटबढ़ पूर्ण सुधार संभावित है। ता. 30 से 31 तक गलत अफवाहों से अचानक नई-पुरानी अर्थव्यवस्थाओं के शेयरों में बिकवाली से बाजार आंधी के आम की तरह गिर सकते हैं। मेरे समझ से ता. 23 से 31 तक व्यापक अस्थिरता लम्बी लाईन में चल सकती है।

जनवरी 2020—मासारंभ में सूर्य-बुध-गुरु-शनि-केतु की प्रतियुति धनु राशि में, शुक्र मकर राशि में, मंगल वृश्चिक में भ्रमणशील रहेंगे। ता. 8 को शुक्र कुंभ राशि में, ता. 9 को गुरु पूर्व में उदय होगा। ता. 13 को बुध मकर राशि में प्रवेश करेंगे। ता. 14 को सूर्य-बुध की युति होगी। ता. 23 को शनि मकर राशि में प्रवेश कर सूर्य-बुध के साथ युति करेगा। ता. 27 को बुध पश्चिम में उदय होगा। ता. 30 को बुध कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे। फलतः मासारंभ में बुध अस्त अवस्था में चलेंगे। अतः ता. 1 से 3 तक नई-पुरानी अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ मिडकैप, स्मॉलकैप श्रेणी के शेयरों में व्यापक अस्थिरता तबाही का मंजर उत्पन्न कर सकती है। ता. 6 से 10 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो भारी इंजीनियरिंग, पावर, विद्युत, गैस, पेट्रो-रसायन, ऑटोमोबाईल, रियल इस्टेट, शुगर एवं टेक्सटाईल्स कंपनियों के शेयरों में कुछ समर्थन संभावित है। फिर भी धारणा देखकर काम करें। ता. 13 से 17 तक उपरोक्त सेक्टरों में सामान्य समर्थन से कुछ सुधार संभावित है। इस माह की तेजी-मंदी अंतर्राष्ट्रीय हालातों पर निर्भर होगी। ता. 20 से 24 तक बाजार में सिमेन्ट, ईस्पात, पावर, विद्युत, पेट्रो-रसायन, धातुओं के शेयरों में कुछ स्थिरता तो साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में अस्थिरता भी संभावित है। ता. 27 से 31 तक गलत अफवाह या सरकार के दिशा-निर्देश के कारण बाजार में अफरा-तफरी की स्थिति बाजार में तबाही का मंजर उत्पन्न कर सकती है।

फरवरी 2020—मासारंभ में सूर्य-शनि मकर में, बुध कुंभ

में, शुक्र मीन में, राहु मिथुन में, मंगल वृश्चिक में, गुरु-केतु धनु में भ्रमणशील रहेंगे। ता. 2 को शुक्र मीन राशि में, ता. 7 को मंगल धनु राशि में प्रवेश कर गुरु-केतु के साथ प्रतियुति करेगा। ता. 13 को सूर्य कुंभ राशि में प्रवेश कर बुध के साथ युति करेगा। ता. 17 को बुध वक्री होगा। ता. 20 को बुध पश्चिम में अस्त होगा। ता. 28 को शुक्र मेष राशि में प्रवेश करेगा। फलतः मासारंभ में कुछ राष्ट्रों में अचानक सत्ता परिवर्तन या गृहयुद्ध जैसी स्थितियां अर्थव्यवस्था से संबंधित कुछ घटना चक्र शेयर बाजार के हालात को अस्थिर और अशांत बना सकती हैं। अतः बाजार की दशा-दिशा-धारणा देखकर काम करना सफल व्यापार की कुंजी हो सकती है। ता. 3 से 7 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो साफ्टवेयर, मीडिया, फार्मा, वित्तीय संस्थाओं के शेयरों में कुछ समर्थन संभावित है। यदि ऐसा होता है तो उपरोक्त सेक्टरों में ता. 10 से 14 तक अस्थिर सुधार संभावित है। ता. 17 से 20 तक नई-पुरानी अर्थव्यवस्था के साथ-साथ मिडकैप, स्मॉलकैप श्रेणी के शेयरों में अस्थिर सुधार संभावित है। ता. 21 को व्यापक अस्थिरता संभावित है। ता. 24 से 28 तक व्यापक अस्थिरता के कारण मंदी की लम्बी लाईन बन सकती है।

मार्च 2020–मासारंभ में सूर्य-बुध कुंभ राशि में, शुक्र मेष राशि में, राहु मिथुन में, मंगल-गुरु-केतु धनु राशि में तथा शनि मकर राशि में भ्रमणशील रहेंगे। मासारंभ में बुध अस्त अवस्था में चलते हुए ता. 3 को पूर्व में उदय होगा। ता. 10 को उदित अवस्था में मार्गी हो जायेगा। ता. 14 को सूर्य मीन राशि में प्रवेश करेगा। ता. 22 को मंगल मकर राशि में प्रवेश कर शनि के साथ युति करेगा। ता. 28 को शुक्र वृष राशि में प्रवेश करेगा। ता. 29 को गुरु उत्तराषाढ़ा नक्षत्र, मकर राशि में प्रवेश कर शनि-मंगल के साथ प्रतियुति करेगा। फलतः मासारंभ में सरकार के दिशा निर्देष के कारण या वित्तीय संस्थाओं में कोई अप्रिय घटना चक्र या अंतर्राष्ट्रीय हालातों के कारण बाजार में कुछ सकारात्मक दशा-दिशा-धारणा बन सकती है। ता. 2 से 6 तक स्थितियां उपरोक्त कारणों से अनुकूल होने से ब्लूचिप विभिन्न सेक्टरों के शेयरों में बारी-बारी से समर्थन शेयर बाजार के सूचकांक में आश्चर्य जनक तरीकों से ग्राफ ऊपर उठना चाहिए। यदि ऐसा होता है तो ता. 9 से 13 तक साफ्टवेयर, मीडिया, सूचना प्रोद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियां, फार्मा, वित्तीय संस्थाओं, विद्युत, पावर, गैस, पेट्रो-रसायन, ईस्पात, ऑटोमोबाईल कंपनियों के शेयरों में समर्थन से व्यापक सुधार संभावित है। ता. 16 से 17 तक घटबढ़। ता. 18 से 20 तक अचानक बिकवाली से ब्लूचिप कंपनियों के शेयरों में भारी बिकवाली बन सकती है। ता. 23 से 24 तक व्यापक घटबढ़, धारणा अस्थिर और अशांत रह सकती है। ता. 25 से 27 तक भारी बिकवाली से शेयर बाजार के सूचकांक में व्यापक गिरावट बन सकती है। ता. 30 से 31 तक स्थितियां सामान्य रहीं तो नई-पुरानी अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ मिडकैप, स्मॉलकैप श्रेणी के शेयरों में सामान्य सुधार संभावित है। अतः कारोबारी बाजार की दशा-दिशा-धारणा देखते हुए स्व-विवेक से भी तेजी-मंदी का विचार करें।

यदि आप चाहें तो मेरे यहां से ग्रहीय चाल पर आधारित तेजी-मंदी की रिपोर्ट प्राप्त कर सकते हैं। किराना जिन्सों, सोना, चांदी, कॉपर, रुई, कपास, कॉटन, गमग्वार, तेलवाना, दालवाना आदि रिपोर्ट अलग-अलग तथा शेयर बाजार की दैनिक रिपोर्ट प्राप्त की जा सकती है। जिसका सेवा शुल्क वार्षिक ही स्वीकार होता है। साधारण सेवा शुल्क 12 माह-20500/-, मध्यम-25500/-, स्पेशल-30500/-, सर्वोत्कृष्ट-35500/-रुपये निर्धारित है। रियायत दर कमोडिटी ट्रेडिंग व्यापार भविष्य शेयर्स बाजार संयुक्त रिपोर्ट सेवा शुल्क-55500/- रुपये निर्धारित है। 2, 4, 6 माह की रिपोर्ट नहीं भेजी जाती। लिखित रिपोर्ट के साथ मोबाईल-09801873719 पर अचूक चांस की जानकारी दी जाती है। जन्म पत्रिका विचार फलादेश दक्षिणा-5500/-रुपये से 12500/-रुपये निर्धारित है।

लेखक-**आचार्य पं. टुनटुन शास्त्री**

कमोडिटी ट्रेडिंग एवं व्यापार भविष्य दशा-दिशा, धारणा 2019 ई.

जनवरी–2019

यह मास पौष कृष्ण पक्ष एकादशी तिथि, स्वाती नक्षत्र, धृतिनाम योग, वृश्चिक राशि में प्रारंभ हो रहा है। मासारंभ में शुक्र वृश्चिक राशि में तथा बुध धनु राशि में प्रवेश करेगा। शुक्र-गुरु की युति वृश्चिक राशि में तथा बुध-सूर्य-शनि की प्रतियुति धनु राशि में होगी। जिससे रुई, कपास, कॉटन, सिल्वर, काजू, मखाना, साबुदाना, पोस्ता में कुछ मंदी की धारणा बनकर पुनः सुधार हो सकता है। गेहूं, जौ, चना, तुअर, उड़द, मूंग, मोंठ, ज्वार, बाजरा, मडुआ आदि अनाजों में अस्थिर सुधार हो सकता है। जबकि सोना, कॉपर, गमग्वार, लालमिर्च, कालीमिर्च, हल्दी, धनियां, जीरा में घटबढ़ जारी रह सकती है। ता. 7 को बुध पूर्व में अस्त होने से एक माह के अंदर दूध, घृत एवं सर्व अनाजों में कुछ मंदी बन सकती है। जबकि रुई, कपास, कॉटन, ऊनी-रेशमी वस्त्रों में अस्थिर सुधार। सोना, कॉपर एवं किराना जिन्सों में कुछ तेजी बन सकती है। सिल्वर, निकिल में अस्थिरता संभावित है। ता. 14 को सूर्य मकर राशि में प्रवेश कर केतु के साथ युति करेगा। मकरे च स्थितोभानुर्युत तैल महर्धता। सुभिक्षं सर्वधान्यानां लोकानां दुःख पीडनम्॥ अर्थात् इस राशि में सूर्य के प्रवेश से दूध, घृत, मखाना, काजू, पोस्ता, चीनी, कपूर, समस्त तेल-तेलवाना, गुड़, खाण्ड, रुई, कपास, कॉटन में सुधार। जबकि अनाजों एवं किराना जिन्सों के साथ-साथ गमग्वार, सोना, चांदी, कॉपर आदि धातुओं में कुछ अस्थिरता संभावित है। ता. 20 को शनि उदय पूर्व में होने से 1 सप्ताह के अंदर सरसों, सोयाबीन, बिनौला, अरण्डी आदि तेल-तेलवाना, रुई, कपास में कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। ईस्पात, जिंक, रांगा, कालीमिर्च, हल्दी, पशुचारा, जलावन, कोयला, लहसुन, अदरख, सौंठ, गुड़, खाण्ड एवं गैर बासमती चावल में कुछ तेजी बन सकती है। ता. 20 को बुध-सूर्य-केतु की प्रतियुति होने से एक सप्ताह के अंदर अचानक सोना, चांदी, कॉपर, ईस्पात, निकिल, रुई, कॉटन में तेजी बन सकती है। ता. 29 को शुक्र धनु राशि में प्रवेश से सोना, चांदी, कॉपर, गमग्वार, लालमिर्च, कालीमिर्च, जीरा, हल्दी, धनियां, गेहूं, जौ, चना, तुअर तेज हो सकते हैं। जबकि रुई, कपास, कॉटन में घटबढ़ जारी रह सकती है।

फरवरी–2019

मासारंभ में मंगल मीन में विचरण करते हुए ता. 5 को अपनी राशि मेष में प्रवेश करेंगे। जिससे सर्व अनाज में मंदी। सोना, चांदी, कॉपर आदि धातु, हीरा, जवाहरात, ऊनी-रेशमी वस्त्र, रुई, कपास, कॉटन, पाट, हैशियन, गुड़, खाण्ड, रसकस पदार्थ, किशमिश, खजूर तेज हो सकते हैं। हालांकि यह प्रभाव एक पक्ष के अंदर विशेष प्रभावित होता है। किराना, जिन्स एवं गमग्वार में कुछ अस्थिरता संभावित होती है। ता. 7 को बुध कुंभ राशि में प्रवेश से रुई, सिल्वर, काजू, पोस्ता, मखाना, सिंघारा, निकिल में अस्थिरता। जबकि दूध, घृत, तेल-तेलवाना, गुड़, खाण्ड, चीनी, हल्दी, धनियां, जीरा, कालीमिर्च, दालचीनी, लौंग, इलायची में तेजी बन सकती है। वहीं सर्व अनाज एवं दाल-दालवाना में अस्थिरता बनी रह सकती है। सोना, गमग्वार में अस्थिर सुधार हो सकता है। ता. 13 को सूर्य-बुध की युति होने से सरकार की दिशा-निर्देश, आयात-निर्यात, उत्पादन-मांग, काला बाजारी, प्राकृतिक वातावरण के कारण अचानक दूध पाऊडर, घृत, डिब्बा बंद तेल,

तेलवाना में सुधार हो सकता है। रुई, पाट, पटसन, अरण्ड, मैंथोल, गेहूं आदि अनाज, गुड़, खाण्ड, चीनी, चाय, कॉफी में कुछ मंदी बन सकती है। वहीं सोना, चांदी, कॉपर, ईस्पात, हल्दी, धनियां, जीरा, लौंग, ईलायची, जायफल, दालचीनी, खजूर, मुनक्का आदि में अस्थिर सुधार हो सकता है। ता. 24 को शुक्र मकर राशि में, बुध मीन में प्रवेश करने से भाग, अफीम, गुड़, खाण्ड, चीनी, चाय, दूध, घृत, गेहूं, चना, तुअर आदि अनाजों में सुधार जबकि रुई, सिल्वर में अस्थिर सुधार संभावित है। वहीं बुध के प्रभाव से सोना, कॉपर में अस्थिर सुधार। किराना जिन्सों में घटबढ़ जारी रह सकती है।

मार्च—2019

मासारंभ में बुध मीन राशि में एवं मंगल मेष राशि में भ्रमणशील रहेंगे। जिससे सोना, चांदी, कॉपर, गमग्वार एवं किराना जिन्सों में व्यापक घटबढ़ जारी रहेगी। ता. 6 को बुध वक्री होगा। जिससे गुड़, खाण्ड, घृत में सुधार। ता. 7 को राहु-केतु राशि परिवर्तन कर मिथुन एवं धनु राशि में प्रवेश करेंगे। जिससे रुई, कपास, कॉटन में अचानक मंदी बने तो इसका संग्रह 5 मास के अंदर लाभकारी सिद्ध हो सकता है। हाथी, घोड़े, खच्चर, बकरी एवं कुछ किराना जिन्सों में व्यापक तेजी का संचार हो सकता है। ता. 8 को बुध पश्चिम में अस्त होने से रुई में कुछ मंदी जबकि सिल्वर में तेजी हो सकती है। ता. 14 को सूर्य बुध के साथ युति करेगा। जिससे समस्त तैल-तेलवाना, गुड़, खाण्ड, चीनी, मुनक्का, खजूर, रुई, कॉटन, सोना, कॉपर, गमग्वार, ईमली, मजीठ, मेंथी, लालमिर्च तेज हो सकते हैं। सर्व अनाजों में घटबढ़ जारी रह सकती है। हल्दी, जीरा, धनियां, सिल्वर में कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 15 को बुध कुंभ राशि में प्रवेश करने से रुई, सिल्वर में घटबढ़। दूध, घृत, तेल-तेलवाना, गुड़, खाण्ड, चीनी, हल्दी, धनियां, जीरा, लौंग, ईलायची में कुछ सुधार हो सकता है। दाल-दालवाना एवं अनाजों में खामोशी बनी रह सकती है। ता. 21 को शुक्र-बुध की युति से रुई, कपास, कॉटन, सिल्वर, निकिल, मखाना, काजु, पोस्ता, गुड़, खाण्ड, गेहूं, जौ, चना, तुअर, मूंग, मोंठ, ज़्वार, बाजरा, मंडुआ तथा श्वेत जिन्स धातुओं में मंदी की धारणा बन सकती है। किराना जिन्सों, गमग्वार, सोना, कॉपर में घटबढ़ जारी रह सकता है। ता. 22 को मंगल वृष राशि में प्रवेश से एक मास के अंदर लालमिर्च, मजीठ, मेंथी, गमग्वार, ईमली, किशमिश, छुआरा, रक्तवर्ण की प्रत्येक वस्तुएं, रुई, कपास, कॉटन, चन्दन, केसर, कुछ तेल-तेलवाना, सोना, चांदी, कॉपर तेज हो सकते हैं। ता. 28 को बुध मार्गी होने से अचानक चलते रुखों में परिवर्तन हो सकता है। साथ ही रुई, सिल्वर में अस्थिर सुधार। जबकि एक सप्ताह के अंदर गेहूं, जौ, चना, तुअर आदि अनाजों के साथ सोना, कॉपर, गमग्वार, लालमिर्च, हल्दी में भी सुधार हो सकता है। कुछ तेल-तेलवाना में मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 30 को गुरु धनु राशि में प्रवेश करेंगे। जिससे गुड़, खाण्ड, गेहूं आदि अनाज, पाट, पटसन, तेज-तेलवाना, घृत, सोना, चांदी, कॉपर एवं किराना जिन्सों में अचानक मंदी की धारणा बन सकती है। अतः बाजार की दशा-दिशा देखते हुए काम करें।

अप्रैल—2019

मासारभ में मंगल वृष राशि में, गुरु-शनि-केतु धनु राशि में एवं शुक्र-बुध कुंभ राशि में भ्रमणशील रहेंगे। जिससे ता. 10 तक सोना, चांदी, कॉपर, जिंक, लैड, निकिल, विरोजा, रस-रसायन, चना, तुअर, मूंग, मोंठ, ज्वार, बाजरा, हल्दी, जीरा, धनियां, गमग्वार, लालमिर्च, कालीमिर्च में अस्थिरता संभावित है। ता. 11 को गुरु वक्री होने से तथा इसी तारीख को बुध सूर्य के साथ मीन राशि में युति से रुई, कपास, गुड़, खाण्ड, चीनी में मंदी बन सकती है। सोना, चांदी, कॉपर, हल्दी, जीरा, धनियां, लौंग, ईलायची, गमग्वार में तेजी होकर फिर मंदी बन सकती है। ता. 14 को सूर्य अश्विनी नक्षत्र, मेष राशि में प्रवेश करेंगे। जिसके शुभाशुभ प्रभाव से मेंथोल, अरण्डी, सरसों, सोयबीन, अरण्डी, तेल-तेलवाना, डिब्बा बंद तेलों, सोना, चांदी, कॉपर, ईस्पात, रक्त चंदन, खोपरा, हींग, सुपारी, कॉटन, मेंथी, गमग्वार, लौंग, ईलायची एवं अनाजों में तेजी बन सकती है। जबकि रुई, हल्दी, धनियां, जीरा में घटबढ़ जारी रह सकती है। ता. 15 को शुक्र बुध के साथ मीन राशि में युति करेगा। जिससे 6 मास तक रुई, कपास में तेजी की लम्बी लाईन बनकर फिर मंदी की धारणा बन सकती है। दूध, घृत, तेल-तेलवाना में मंदी की लम्बी लाईन बनकर अस्थिरता बनी रह सकती है। परन्तु शुक्र-बुध की युति होने से रुई, सिल्वर में अस्थिरता से पूर्ण सुधार हो सकता है। ता. 22 को गुरु वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे। जिससे रुई, कपास, कॉटन में तेजी की लम्बी लाईन बन सकती है। सोना, चरंदी, घृत, कॉपर, तेल-तेलवाना, सुपारी, नारियल, गुड़, खाण्ड, किशमिश, छुआरा, तुअर, उड़द आदि, दाल-दालवाना, हल्दी, जीरा, धनियां, कालीमिर्च तेज हो सकते हैं। ता. 30 को शनि वक्री होने से मासान्त तक किराना जिन्सों, गुड़, खाण्ड, चीनी, सिमेन्ट, इस्पात में तेजी।

मई—2019

मासारंभ में सूर्य मेष में, मंगल वृष में, गुरु वृश्चिक में, शनि-केतु धनु में, बुध-शुक्र मीन राशि में भ्रमणशील रहेंगे। जिससे किराना जिन्सों, सोना, चांदी, कॉपर, दाल-दालवाना एवं गमग्वार में सुधार जारी रह सकता है। ता. 3 को बुध सूर्य के साथ युति से हीरा, जवाहरात, सोना, चांदी, कॉपर आदि धातुएं, गेहूं, जौ, चना, तुअर, समस्त तेल-तेलवाना, रुई, कपास, घृत, गुड़, खाण्ड में मंदी का संचार हो सकता है। ता. 6 को मंगल मिथुन में प्रवेश कर राहु के साथ युति करेगा। जिससे गुड़, खाण्ड, चीनी, किशमिश, छुआरा, खजूर, मुनक्का, रुई, कपास, कॉटन, अफीम, कॉपर, मजीठ, लालमिर्च, मेंथी, गमग्वार, ईमली एवं अन्य लालवर्ण की जिन्स धातुओं में व्यापक तेजी की धारणा बन सकती है। सोना में भी सुधार संभावित है। जबकि चांदी में घटबढ़ जारी रह सकती है। डिब्बा बंद तेल-तेलवाना एवं दालवाना में अस्थिरता संभावित है। ता. 10 को शुक्र मेष राशि में प्रवेश कर सूर्य-बुध के साथ प्रतियुति करेगा। जिससे गेहूं, जौ, चना, तुअर, मसूर, मटर, उड़द, ज्वार, बाजरा, मंडुआ, मक्का, गैर बासमती चावल, दूध पाऊडर, घृत में तेजी बन सकती है। जबकि सोना, चांदी में अफवाहों पर आधारित या अंतर्राष्ट्रीय हालातों के कारण भड़कती तेजी की धारणा बन सकती है। गुड़, खाण्ड, चीनी, खजूर, मुनक्का, बारदाना, पाट, पटसन, काजू, अखरोट, बादाम, चिरौंजी, पोस्ता, हल्दी, धनियां, जीरा, कालीमिर्च, जायफल, दालचीनी में अस्थिर सुधार। जबकि समस्त तेल-तेलवाना में कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 15 को सूर्य वृष राशि में प्रवेश करेंगे। जिससे सोना, चांदी, कॉपर, जिंक, लैड, निकिल, बिरोजा, गुड़, खाण्ड, चीनी, रुई, कपास, कॉटन, अखरोट, बादाम, सुपारी, नारियल, खोपरा, समस्त तेल-तेलवाना में तेजी। गेहूं, जौ, चना, तुअर, मूंग, मोंठ, चावल में मंदी की धारण बन सकती है। जबकि गमग्वार, लालमिर्च, कालीमिर्च, जीरा, धनियां, हल्दी में कुछ स्थिरता संभावित है। ता. 18 को बुध-सूर्य की युति से एक पक्ष के अंदर रुई, कपास में अस्थिर सुधार। दालवाना, तेलवाना, किराना जिन्सों में घटाबढ़ी अधिक चले। गेहूं, जौ, चना, तुअर, मसूर, मटर, चावल एवं डिब्बा बंद तेलों में कुछ स्थिरता संभावित है। जबकि सोना, चांदी, कॉपर में खामोशी बनी रह सकती है। ता. 30 को बुध पश्चिम में उदय होने से रुई में कुछ सुधार, सिल्वर में मंदी एवं पाट-पटसन, हैसियन में कुछ सुधार संभावित है। मेवा, केशर, शृंगार की सामग्रियां एवं सुगन्धित पदार्थों में कुछ तेजी जबकि सर्राफा बाजार में अस्थिरता संभावित है।

जून—2019

मास के प्रारंभ में बुध मिथुन राशि में प्रवेश कर मंगल, राहु के साथ प्रतियुति करेगा। जिससे दुधारू पशु, बकरा, हाथी, घोड़े, ऊंट, खच्चर में तेजी। जबकि एक पक्ष के अंदर रुई, कपास,

कॉटन, पाट, पटसन, बारदाना, हैसियन, सोना, चांदी, कॉपर ... सिल्वर में मंदी एवं एक सप्ताह के अंदर चावल,

कॉटन, पाट, पटसन, बारदाना, हैसियन, सोना, चांदी, कॉपर, जिंक, लैड, ईस्पात, सरिया, सिमेन्ट में कुछ मंदी की धारणा बन सकती है। सरसों, सोयाबीन, डिब्बा बंद तेल-तेलवाना, हल्दी, जीरा, धनियां, लालमिर्च, कालीमिर्च, गमग्वार, ईमली, आमचूर, लौंग, ईलायची, दालचीनी, जायफल, लहसुन, प्याज, अदरख, सौंठ, मेंथी में घटबढ़ जारी रह सकती है। ता. 4 को शुक्र वृष राशि में प्रवेश कर सूर्य के साथ युति करेगा। जिससे रुई, कपास, कॉटन में व्यापक मंदी। सोना, चांदी, कॉपर, गमग्वार, लालमिर्च, कालीमिर्च, जीरा, धनियां, हल्दी में घटबढ़ चलकर सामान्य सुधार संभावित है। जबकि अनाज एवं तेलवाना, दालवाना में कुछ मंदी का संचार हो सकता है। ता. 15 को सूर्य मिथुन राशि में प्रवेश कर बुध-मंगल-राहु के साथ चतुर्थग्रहीय योग बनाएगा। अर्थात् इस राशि में यह युति होने से पाट, पटसन, बारदाना, ऊनी-रेशमी वस्त्र, रुई, कपास, सरसों, सोयाबीन, अरण्डी, मैंथोल, ईस्पात, सिमेन्ट, डिब्बा बंद तेल-तेलवाना, गुड़, खाण्ड, चीनी, मुनक्का, खजूर, चाय, कॉफी, दूध, घृत, तुअर, मूंग, मोंठ, उड़द, गेहूं, चना, चावल, ज्वार, बाजरा, मंडुआ में तेजी बन सकती है। जबकि सोना, चांदी, कॉपर, गमग्वार एवं किराना के जिन्सों में भी तेजी बन सकती है। ता. 20 को बुध कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। जिससे रसकस पदार्थ, गुड़, खाण्ड, दूध, तेल-तेलवाना, सोना, कॉपर, गमग्वार एवं किराना जिन्सों में कुछ तेजी आकर पीछे मंदी हो सकती है। सिल्वर में अस्थिर सुधार संभावित है। ता. 22 को मंगल-बुध की युति कर्क राशि में होने से सरसों, सोयाबीन, अन्य तेल-तेलवाना, रुई, कपास में मंदी बन सकती है। सिल्वर में घटबढ़ तथा सर्व अनाजों, गुड़, खाण्ड, चीनी, हल्दी, धनियां, जीरा तेज हो सकते हैं। हाथी, घोड़े, ऊंट, दूधारू पशु, बकरा के भावों में तेजी। ता. 28 को शुक्र मिथुन राशि में प्रवेश कर सूर्य-राहु के साथ युति करेगा। जिससे रुई, कपास, कॉटन, अरण्डी, मैंथोल, अन्य तेल-तेलवाना, गमग्वार, तुअर, लालमिर्च में व्यापक मंदी का संचार हो सकता है। जबकि गेहूं, जौ, चना, चावल, ज्वार-बाजरा में सुधार हो सकता है।

जुलाई—2019

मासारंभ में सूर्य-शुक्र-राहु की प्रतियुति मिथुन राशि में, मंगल-बुध की युति कर्क राशि में, गुरु वृश्चिक राशि में तथा शनि-केतु धनु राशि में भ्रमणशील रहेंगे। जिससे मासारंभ में हल्दी, धनियां, जीरा, लौंग, ईलायची, दालचीनी, किशमिश, छुआरा, सोना, चांदी, कॉपर, ईस्पात, गमग्वार, ईमली, आमचूर, लालमिर्च, कालीमिर्च, मजीठ में घटबढ़ जारी रह सकती है। जबकि दालवाना एवं डिब्बा बंद तेलों में कुछ अस्थिरता संभावित है। ता. 8 को मंगल पश्चिम में अस्त तथा बुध वक्री होने से अनाजों में कुछ सुधार हो सकता है। जबकि गुड़, खाण्ड, दूध, घृत में भी तेजी बन सकती है। ता. 10 को बुध पश्चिम में अस्त होने से रुई में कुछ मंदी, सिल्वर में कुछ सुधार। जबकि पाट, हैसियन, शेयर्स बाजार में अस्थिरता संभावित है। ता. 16 को कर्क राशि में प्रवेश कर सूर्य मंगल-बुध के साथ प्रतियुति करेगा। फलतः रुई, कपास, कॉटन, पाट-पटसन, बारदाना, ऊनी-रेशमी वस्त्र, अखरोट, बादाम, काजू, चिरौंजी, पोस्ता, मखाना, सुपारी, खोपरा, किशमिश, छुआरा, गुड़, खाण्ड, चीनी, सरसों, सोयाबीन, सोना, चांदी, कॉपर आदि धातुओं में तेजी आ सकती है। जबकि गेहूं, जौ, चना, तुअर, मटर, मसूर, उड़द, मूंग, मोंठ, चावल, ज्वार-बाजरा, मक्का, मंडुआ के साथ-साथ कुछ किराना जिन्सों में एवं गमग्वार में मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 21 को शुक्र पूर्व में अस्त होने से रुई, कपास में मंदी। चांदी में अस्थिर सुधार। अनाज एक मास में तेज होकर बाद में मंदा हो जायेगा। सोना, हल्दी, कॉपर, जीरा, धनियां, लालमिर्च, कालीमिर्च, लहसुन, प्याज, अदरख में कुछ सुधार। ता. 23 को शुक्र-सूर्य-मंगल-बुध की प्रतियुति से रुई में अस्थिर सुधार। समस्त तेल-तेलवाना, घृत, गुड़, खाण्ड, चीनी में सुधार। सिल्वर, गेहूं जौ, चना, तुअर में मंदी। सोना, किराना जिन्सों एवं ग्वार में अस्थिर सुधार संभावित है। ता. 29 को बुध मिथुन राशि में प्रवेश करने से मासान्त तक रुई, कपास, कॉटन, सोना, चांदी, कॉपर में मंदी बन सकती है। समस्त तेल-तेलवाना, किराना जिन्सों एवं दाल-दालवाना में घटबढ़ जारी रह सकती है। जबकि पशुचारा व पशुओं में तेजी।

अगस्त—2019

मास के प्रारंभ में सूर्य-मंगल-शुक्र की प्रतियुति, कर्क राशि में राहु-बुध की युति मिथुन राशि में होने व बुध मार्गी अवस्था में चलने से मूंग, मोंठ, चना, तुअर, हाथी, घोड़ा आदि पशुओं में मंदी बन सकती है। जबकि लालमिर्च, मजीठ, सोना, ग्वार, हल्दी, लहसुन, प्याज, अदरख में सुधार। ता. 3 को बुध कर्क राशि में प्रवेश करने से रुई में मंदी। सिल्वर में अस्थिर सुधार। रसकस पदार्थ, गुड़, खाण्ड, मुनक्का, खजूर, समस्त तेल-तेलवाना, सोना, कॉपर, ग्वार में तेजी आकर मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 8 को मंगल सिंह राशि में प्रवेश से सोना, चांदी, कॉपर, जिंक, लैड, निकिल, बिरोजा, इस्पात, सिमेन्ट, गुड़, खाण्ड, चीनी, चाय, कॉफी, गेहूं, अलसी, रुई, लाल वस्त्र, मजीठ, लालमिर्च, मेंथी, रक्त चन्दन, गमग्वार, दालचीनी, जायफल, हल्दी में तेजी हो सकती है। ता. 12 को गुरु वक्री होने से अचानक चलते रुखों में परिवर्तन होगा। तथा रुई में अस्थिर सुधार हो सकता है। सिल्वर में मंदी एवं एक सप्ताह के अंदर चावल, तेल-तेलवाना, गुड़, खाण्ड, गमग्वार, लालमिर्च, हल्दी, जीरा, ग्वार में तेजी हो सकती है। ता. 16 को शुक्र सिंह राशि में प्रवेश कर मंगल के साथ युति करेगा। जिससे सोना, कॉपर, गेहूं, जौ, चना, लाल चंदन, मजीठ, लालमिर्च, मेंथी, दालचीनी, सुपारी, गमग्वार, ईमली तथा लाल रंग की प्रत्येक जिन्स धातुओं, घृत, रसकस पदार्थ, पशुचारा व पशुओं में तेजी बन सकती है। चांदी में अस्थिरता। ता. 17 को सूर्य-मंगल-शुक्र की प्रतियुति से सोना, चांदी, कॉपर, जिंक, लैड, निकिल, बिरोजा, अन्य रस-रसायन, रुई, कपास, कॉटन, गुड़, खाण्ड, चीनी, समस्त तेल-तेलवाना तथा रक्त वर्ण की प्रत्येक जिंस धातुओं में तेजी हो सकती है। गमग्वार, ईमली, लालमिर्च, हल्दी, धनियां, जीरा, दालचीनी, मेंथी में भी तेजी। जबकि दाल-दालवाना एवं अनाजों में मंदी का संचार हो सकता है। ता. 24 को बुध पूर्व में अस्त होने से एक माह के अंदर अनाज, घृत में मंदी, सोना में अस्थिर सुधार। ता. 26 को बुध-सूर्य-शुक्र-मंगल की प्रतियुति होने से सोना, चांदी, कॉपर, रुई, कपास, कॉटन, ऊनी-रेशमी वस्त्र, देवदारू, ईमली, आमचूर, हल्दी, जीरा, धनियां, लालमिर्च, कालीमिर्च तेज हो सकते हैं। जबकि गुड़, खाण्ड, चीनी, किशमिश, छुआरा में मंदी बन सकती है।

सितंबर—2019

मासारंभ में सूर्य-मंगल-बुध-शुक्र की प्रतियुति सिंह राशि में होने से सोना, चांदी, कॉपर, हल्दी, धनियां, जीरा, लहसुन, प्याज अदरख, दालचीनी, लौंग, ईलायची एवं डिब्बा बंद तेलों में सुधार संभावित है। ता. 9 को शुक्र कन्या राशि में प्रवेश से सभी अनाजों में विशेष तेजी संभावित है। सिल्वर में घटबढ़, सोना में अस्थिर सुधार। रुई, कपास, कॉटन में भी सुधार जबकि चावल में विशेष तेजी। ता. 10 को बुध-शुक्र की युति कन्या राशि में होने से रुई, चांदी, कपास, कॉटन, काजू, बादाम, पोस्ता, मखाना, सिंघारा में कुछ मंदी बन सकती है। जबकि गेहूं, जौ, चना, तुअर, गुड़, खाण्ड, चीनी, हल्दी, धनियां, जीरा, लालमिर्च, कालीमिर्च, लौंग, ईलायची, दालचीनी एवं डिब्बा बंद तेल-तेलवाना, गमग्वार में तेजी बन सकती है। ता. 14 को शुक्र पश्चिम में उदय होने से दूध, घृत, गुड़, खाण्ड, चीनी में मंदी। रुई, कपास, कॉटन, पाट, पटसन, बारदाना, सोना, चांदी, कॉपर, चावल आदि अनाजों में सुधार हो सकता है। ता. 17 को सूर्य-बुध-शुक्र के साथ प्रतियुति से रुई, कपास, कॉटन, पाट, पटसन, बारदाना, हैसियन, नारियल, खोपरा, सुपारी, सरसों, सोयाबीन, तिल अन्य तेल-तेलवाना, मजीठ, लालमिर्च, ईमली, आमचूर, गमग्वार, किशमिश, छुआरा, मेंथी,

दालचीनी, जायफल, लौंग में सुधार हो सकता है। सोना, कॉपर में अस्थिर सुधार। जबकि चांदी में मंदी की धारणा बन सकती है। ता. 18 को शनि मार्गी होने से एक सप्ताह के अंदर रुई में अस्थिर सुधार। जबकि दो मास के अंदर तेल-तेलवाना, हींग, मिर्च, कोयला, ईस्पात, लहसुन, प्याज, अदरख, हल्दी तेज हो सकते हैं। ता. 24 को मंगल-सूर्य-बुध-शुक्र के साथ प्रतियुति से रुई, सिल्वर में अस्थिर सुधार। सोना, कॉपर, गमग्वार, लालमिर्च, मेंथी, लालवर्ण की प्रत्येक जिन्स धातुओं में तेजी बन सकती है। ता. 29 को बुध तुला राशि में प्रवेश करने से रुई, कपास, गुड़, खाण्ड, सोना, कॉपर में सुधार। जबकि सिल्वर, समस्त तेल-तेलवाना में मंदी बन सकती है।

अक्टूबर–2019

मासारंभ में सूर्य-मंगल-शुक्र कन्या राशि में, बुध तुला में, गुरु वृश्चिक में, केतु-शनि धनु राशि में भ्रमणशील रहेंगे। जिससे मासारंभ में सोना, कॉपर, ग्वार, लालमिर्च, कालीमिर्च, जीरा, हल्दी, दालचीनी, लौंग, ईलायची, गमग्वार, ईमली, आमचूर में अस्थिर सुधार जारी रह सकता है। ता. 3 को शुक्र तुला राशि में प्रवेश कर बुध के साथ युति करेंगे। जिससे एक मास के अंदर रुई, सिल्वर में पहले तेजी फिर मंदी बन सकती है। सोना में सामान्य सुधार। गुड़, खाण्ड में भी कुछ तेजी। जबकि किराना जिन्सों एवं तेल-तेलवाना में कुछ अस्थिरता संभावित है। ता. 16 को मंगल पूर्व में उदय होने से रुई में सुधार। गेहूं, अलसी, ग्वार, मेंथी, ईमली, लालमिर्च में विशेष मंदी। जबकि चना, गुड़, ग्वार में भी कुछ मंदी की धारण बन सकती है। ता. 17 को सूर्य अपनी नीच राशि तुला में प्रवेश करेंगे और इसी राशि में बुध-शुक्र की प्रतियुति होने से रुई, सिल्वर, काजू, मखाना में मंदी। जबकि गेहूं, जौ, चना, तुअर, सोना, कॉपर, ग्वार, लालमिर्च, कालीमिर्च, हल्दी, सुपारी में कुछ तेजी बन सकती है। ता. 23 को बुध वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे तथा इस राशि में बुध-गुरु की युति होने से दूध, घृत, तेल-तेलवाना, रुई, कपास, सिल्वर, निकिल, काजू, मखाना, सिंघारा, पोस्ता, चावल तेज हो सकते हैं। जबकि सोना, कॉपर, ग्वर एवं कुछ किराना जिन्सों में घटबढ़ जारी रह सकता है। ता. 28 को शुक्र-बुध की युति वृश्चिक राशि में होने से यह गुरु के साथ प्रतियुति करेंगे। जिससे रुई, सिल्वर, अफीम, मादक पेय पदार्थों में अस्थिर सुधार। गुड़, चीनी में घटाबढ़ी। गेहूं, उड़द, मूंग, मोंठ, तुअर, ज्वार, बाजरा, मक्का में सुधार। जबकि सोना, कॉपर एवं कुछ किराना जिन्सों में घटबढ़ जारी रह सकता है। ता. 31को बुध वक्री होने से अचानक रुखों में परिवर्तन हो सकता है। तथा गुड़, खाण्ड, चीनी तेज हो सकते हैं। जबकि तेलों में मंदी की धारणा गंभीर हो सकती है।

नवम्बर–2019

मास के प्रारंभ में बुध-गुरु-शुक्र वृश्चिक राशि में, सूर्य तुला राशि में, शनि-केतु धनु राशि में विचरण करेंगे। मास के प्रारंभ में ही बुध पश्चिम में अस्त हो जायेंगे। मासारंभ में सर्व अनाज, घृत, दूध, रुई, कपास, कॉटन में घटबढ़ चलकर धारणा मंदी की ओर जा सकती है। सोना में अस्थिर सुधार संभावित है। ता. 4 को गुरु मूल नक्षत्र, धनु राशि में प्रवेश कर शनि-केतु के साथ प्रतियुति करेगा। अपनी नीच राशि धनु में होने से रुई, कपास, कॉटन, गुड़, खाण्ड, चीनी में मंदी। सफेद जिन्स धातुओं, गेहूं आदि अनाज तथा पाट, पटसन, तिल, समस्त तेल-तेलवाना, घृत, सोना, कॉपर, चांदी में मंदी बन सकती है। जबकि किराना जिन्सों में अस्थिर सुधार। ता. 7 को बुध तुला में प्रवेश कर सूर्य के साथ युति करेगा। जिससे रुई, कपास, कॉटन, गुड़, खाण्ड, किशमिश, छुआरा, सोना, कॉपर, गमग्वार, लालमिर्च, अफीम में सुधार। जबकि सोना, सोयाबीन, अन्य तेल-तेलवाना, हल्दी, धनियां, जीरा में अस्थिरता संभावित है। ता. 10 को मंगल-बुध-सूर्य के साथ प्रतियुति होने से रुई, कपास, कॉटन, पाट, पटसन, गुड़, खाण्ड, खजूर, मुनक्का, गेहूं, तुअर, उड़द, मूंग, मोंठ, ज्वार-बाजरा आदि अनाजों एवं हल्दी, जीरा, धनियां, लौंग, ईलायची, दालचीनी में सुधार हो सकती है। गमग्वार, लालमिर्च, कालीमिर्च में मंदी बन सकती है। ता. 16 को सूर्य वृश्चिक राशि में प्रवेश कर शुक्र के साथ युति करेगा। जिसके प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, जिंक, लैड, निकिल, ईस्पात, सिमेन्ट, रुई, कपास, कॉटन, ऊनी-रेशमी वस्त्रों में तेजी। तथा रक्त वर्ण की कुछ जिन्स धातुओं में मंदी बन सकती है। विशेषकर लालमिर्च, मेंथी, गमग्वार, ईमली, दालचीनी में मंदी की धारणा। ता. 21 को बुध मार्गी होने से रुखों में परिवर्तन हो सकता है। जबकि रुई, कपास, सिल्वर में अस्थिर सुधार। एक सप्ताह के अंदर गेहूं, जौ, चना, तुअर, लालमिर्च, हल्दी, गमग्वार, सोना में सुधार। इसी तारीख को शुक्र-शनि-गुरु-केतु के साथ प्रतियुति करेगा। जिससे तुअर, मसूर, मंडुआ, ज्वार-बाजरा, मक्का, गेहूं, चना, उड़द, सोना, चांदी, कॉपर, हल्दी, धनियां, जीरा, लालमिर्च, कालीमिर्च एवं शेयर्स बाजार में तेजी बन सकती है। जबकि रुई, कपास, कॉटन में अस्थिरता संभावित है। अतः धारणा देखकर काम करें।

दिसम्बर–2019

मासारम्भ में गुरु-शुक्र-शनि-केतु की प्रतियुति धनु राशि में तथा बुध-मंगल की युति तुला राशि में होने से सोना, तांबा, चांदी, हल्दी, धनियां, जीरा, लौंग, ईलायची, दालचीनी, मेंथी, गमग्वार, लालमिर्च, कालीमिर्च, छुआरा, बादाम, अखरोट में सुधार हो सकता है। ता. 5 को बुध वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे। जिसके प्रभाव से दूध, घृत, समस्त तेल-तेलवाना तेज हो सकते हैं। सिल्वर में भी तेजी। सोना, तांवा, गमग्वार एवं किराना जिन्सों में कुछ अस्थिरता संभावित है। ता. 15 को गुरु पश्चिम में अस्त होने से सोना, चांदी, कॉपर, किराना जिन्सों एवं अनाजों में मंदी का संचार हो सकता है। इसी तारीख को शुक्र मकर राशि में प्रवेश करने से गुड़, खाण्ड, घृत, दूध पाऊडर, अफीम, गेहूं, जौ, चना, तुअर, हल्दी, धनियां, जीरा, ईमली, आमचूर, गमग्वार तेज हो सकते हैं। जबकि रुई, सिल्वर में घटबढ़ जारी रह सकती है। ता. 16 को सूर्य धनु राशि में प्रवेश कर गुरु-शनि-केतु के साथ प्रतियुति करेगा। जिसके प्रभाव से सोना, चांदी, कॉपर आदि धातुओं के साथ-साथ रुई, कपास, कॉटन, समस्त तेल-तेलवाना एवं किराना जिन्सों में सुधार हो सकती है। ता. 25 को बुध-सूर्य-गुरु-शनि-केतु के साथ पंचग्रहीय योग बनायेगा। जिससे रुई, कपास, कॉटन, सिल्वर, मखाना, काजू, पोस्ता, सिंघारा में मंदी बन सकती है। परन्तु क्रूर ग्रहों की युति से कुछ देर बाद इसमें सुधार भी हो सकता है। ता. 29 को शनि पश्चिम में अस्त होने से बेमौसमी वर्षा, ओला आदि का उपद्रव हो सकता है। साथ ही रुई, कपास, कॉटन, सोना, कॉपर, किराना जिन्सों में कुछ मंदी बन सकती है।

उपर्युक्त तेजी-मंदी आंकलन ग्रहीय गणना पर आधारित अति संक्षिप्त रूप में लिखा गया है। सम्पूर्ण दशा-दिशा-धारणा की जानकारी लिखित एवं मोबाईल नं. 9801873719 पर अचूक चांसों की जानकारी दी जाती है। सेवा शुल्क वार्षिक ही स्वीकार होता है। सोना, चांदी, किराना जिन्सों, तेलवाना, दालवाना, लहसुन, प्याज, अदरख, गमग्वार अन्य सभी सामग्रियों की रिपोर्ट उपलब्ध है। साधारण सेवा शुल्क 12 माह-20500/-, मध्यम-25500/-, स्पेशल-30500/-, सर्वोत्कृष्ट-35500/-। रियायत दर सर्वोत्कृष्ट रिपोर्ट संयुक्त रूप से शेयर बाजार एवं कमोडिटी ट्रेडिंग भविष्य फल एक साथ-55500/-निर्धारित है। यह स्मरण रखें कि 2, 4 या 6 माह की रिपोर्ट भेजने की सुविधा नहीं है। साथ ही सॅपल रूप में कुछ भी जानकारी की उपेक्षा न करें।

लेखक-प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पं. टुनटुन शास्त्री
व्यापार भविष्य कमोंडिटी ट्रेडिंग एवं शेयर्स बाजार समीक्षक
ग्राम-करौन्दी, पोस्ट-सरांव (नटवार) जिला-रोहतास (बिहार)
पिन-802218, मो.-09431486216, 09801873719
E-mail :tuntunshastri@gmail.com

व्यापारिक भविष्यफल प्रकाश सन 2019 ई

लेखकः

व्यापारिक भविष्यफल प्रकाश सन् 2019 ई.

लेखकः
राम अवतार गुप्ता

जनवरी–2019

तेजी की प्रमुख तारीखें–11, 12, 21, 23, 25, 26, 29, 30 जनवरी। **मंदी की प्रमुख तारीखें**–2, 3, 7, 10, 14, 15, 16, 17, 18, 22, 28, 31 जनवरी।

पौष बदी 11 मंगलवार से नवीन वर्ष 2019 का शुभारंभ होगा। ता. 1 जन. को धनु में बुध का प्रवेश होकर सूर्य-शनि के साथ राशि योग बनायेगा। यथाफल–**शनि बुध सूरज जब एक राशि एक सेज। जौ गेहूं चावल चना ज्वार बाजरा तेज॥** यह योग उपरोक्त वस्तुओं में, अनाजों में तेजी कारक तथा मिर्च, मसाला बाजारों में आगे भारी तेजी की संभावना है। शनिवारी मावस मूल नक्षत्र युक्त है-**पौषी मावस मूल रिख शनि रवि मंगलवार। जल वर्षे हर्षे प्रजा लाभ अन्न अपार॥**

व्यापारियों को अनाज के व्यापार से लाभ। चना में अच्छी तेजी कारक तथा प्रजा में सुख-शांति रहेगी। रुई में प्रथम अच्छी तेजी के झटके आकर पूनम तक जोरदार गिरावट की संभावना रहेगी। ता. 9 जन. सुदी 3 बुधवारी एक मास के अंदर अनाजों में अच्छी तेजी कारक है। यदि यहां अच्छी तेजी आती है तो स्टॉक निकालना उचित है। ता. 10 जन. पू.षा. का बुध एक सप्ताह में सोना, चांदी में खास मंदी के झटके आयेंगे। अनाज मंदा तो दाल, गुड़, खल-बिनौला तेज करेगा। सफेद वस्तुओं में पूनम तक घटबढ़ से भारी मंदी की आशा रहेगी। ता. 14 जन. मकर संक्रांति घी, तेल, तिलहन तेज। दालों के भाव सम रहेंगे। दो-तीन सप्ताह के अंदर रुई, कालीमिर्च, पाट, बारदाना में मंदी का धमाका।

ता. 17 जन.-एकादशी कृतिका युक्त है। यथाफल–**पौष बदी एकादशी जो कृतिका नक्षत्र। लाल वस्तुओं में रहे खूब लाभ सर्वत्र॥** लाल वर्ण की वस्तुओं में, लालमिर्च, मसूर, चना आदि, लौंग, दालचीनी, सुपारी आदि किराना की वस्तुओं में जो भी मंद स्तर पर स्टॉक करके फाल्गुन अथवा आषाढ़ में बेचने से अच्छा लाभ। सोना में होली तक तेजी रहेगी। ता. 18 जन.-उ.षा. बुध-एक सप्ताह के अंदर अनाज, गुड़, दालें, घी में अच्छी मंदी कारक है। अनाजों की फसलें भी अच्छी दिखाई देंगी। गुंवार मंदा रहेगा। सुदी 13 शनिवारी घी स्टॉक करने की राय देती है। माघ-फागुन में घी में तेजी आयेगी। ता. 20 जन. शनि उदय पूर्व कालीमिर्च, सोना, चांदी, लहसुन, चावल, अनाजों में तेजी के झटके लायेगी। लोहा, मशीनरी कल-पूर्जे भी तेज होंगे। सोमवारी पूनम स्टॉक खाली करने की राय देती है। आगे तेजी में माल बेचें।

माघ बदी पक्ष–प्रतिपदा का क्षय-तीन दिन के अंदर अनाज, रुई, कपास, सोना, चांदी, तिलहन, खल-बिनौला आदि में अच्छी मंदी संभव। **एकम दोयज तीन कोई माघ बदी घट जाय। संग्रह कर लो अन्न का कंगाली घट जाय॥** अनाज स्टॉक करने की राय देती है। ता. 23 जन. पू.षा. 3 शनि से इस वर्ष लकड़ी, फर्नीचर के व्यापार से विशेष लाभ। ता. 24 जन. श्रवणे सूर्य-अनाज तेज करेगा। **श्रवण नखत पर कोई ग्रह हो क्रूर। अन्न भाव महंगा रहै, गेहूं तेज जरूर॥** ता. 25 जन. बदी 5 शुक्रवारी आगे श्रावण-भादव मास में अच्छी वर्षा। माघ मास में अनाज, चना, रुई, कालीमिर्च, शेयरों में भारी तेजी। ता. 30 जन. धनु शुक्र एक मास के अंदर प्राकृतिक कारणों से फसलों को नुकसान संभव। अनाज धातुऐं, प्रमुख शेयर्स, कागज आदि में तेजी लायेंगी। माघ मास स्थूल रूप से प्रमुख वस्तुओं में अच्छी तेजी का प्रतीत होता है।

फरवरी–2019

तेजी की प्रमुख तारीखें–5, 6, 12, 19, 20, 21, 22, 25 फर.। **मंदी की प्रमुख तारीखें**– 1, 8, 13, 14, 15, 26, 27 हैं।

ता. 1 फर. धनु राशि में शुक्र-शनि चन्द्र योग है। बाजारों में मंदी का प्रभाव होगा। **शुक्र शनैश्चर साथ हो आगे-पीछे चन्द्र। सुख सुभिक्ष धन-धान्य मय पृथ्वी पर आनंद॥** ता. 4 फर. सोमवती अमावस-तेजी का समर्थन कर सकती है। माघ की सोमवती मावस व्यापारियों के हक में अच्छी नहीं है। बाजारों में भारी घटबढ़। जिससे व्यपारियों को नुकसान की संभावना है।

माघ सुदी पक्ष–पक्ष में शनि अंगारक योग है। अतः प्रमुख वस्तुओं में विशेष घटाबढ़ी रहेगी। रुई, शेयर्स, कालीमिर्च में विशेष तेजी/मंदी के झटके संभव हैं। एक मास के अंदर अनाजों में भारी तेजी आने की संभावना है। ता. 5 फर. **मेषे मंगल** दो-तीन सप्ताह के अंदर तिलहन, बिनौला, अनाज, दालों, हल्दी, धनियां, चना, गुवार, मसाले, आलू, प्याज आदि में तेजी/अच्छी तेजी कारक है। ता. 10 फर. रविवारी बसंत पंचमी प्रमुख वस्तुओं में पूनम तक अच्छी तेजी के झटके लायेगी। कभी अनाज, तिलहन के भाव सवाया तक कर देती है। ता. 13 फर. **कुंभ संक्रांति** गुड़ स्टॉक करने की राय देता है। अनाज, जीरा, कालीमिर्च आदि किराना, चना, मटर, अनाजों में मंदी कारक तो जीरा, धान में खासी मंदी कारक है। यदि यहां एक मास के अंदर जो भी वस्तुएं मंदे स्तर पर हो खरीदकर दो मास बाद बेचने से अच्छा लाभ होगा। बुध का उदय पश्चिम में होने से उपरोक्त वस्तुओं, सोना, चांदी में मंदी कारक है। ता. 16 फर. सुदी 11 शनिवारी से बाजारों में तेजी रहेगी। त्रयोदशी का क्षय अगले पक्ष में घी तेज करेगी। तथा एक सप्ताह के अंदर सोना-चांदी धातुएं, अनाज, गुड़, मूंग, मोठ आदि में भारी मंदी के झटके तो अन्य वस्तुओं, कालीमिर्च आदि में जोरदार तेजी के झटके तो अन्य प्रमुख वस्तुओं को भी तेज करेगा।

फाल्गुन कृष्ण पक्ष–पक्ष में घी तेज। अनाज, दालें, किराना, मसाले, आलू, प्याज घटबढ़ से तेज रहेगा। तो चांदी धातुओं, गुंवार आदि में मंदी अथवा अच्छी मंदी आकर तेजी होगी। ता. 22 फर. **उषायां शुक्र** 10 दिन के अंदर रुई, कपास, कालीमिर्च आदि में अच्छी मंदी, अन्य प्रमुख वस्तुओं, तिलहन आदि भी मंदा होगा। ता. 24 फर. **मकरे शुक्र** एक मास के अंदर प्राकृतिक कारणों से फसलों को नुकसान तथा अनाज तेज करेगा। प्रमुख शेयर्स, चना, घी आदि भी तेज होंगे। सोना-चांदी में भारी घटबढ़। ता. 25 फर. **भरणी मंगल** से 21 दिन में सभी अनाज, खल, बिनौल, घी, गुड़, सोना, चांदी में भारी घटबढ़ रहेगी। ता. 28 फरवरी **उभायां** बुध एक सप्ताह के अंदर रुई, कपास, अनाजों में अच्छी मंदी के झटके। आलू, प्याज, मूल पदार्थ, चावल, धनियां तेज करेगा।

मार्च–2019

तेजी की प्रमुख तारीखें–6, 8, 9, 14, 15, 20, 22, 30 मार्च। **मंदी की प्रमुख तारीखें**–1, 7, 16, 21, मार्च हैं।

ता. 1 मार्च तिथि वृद्धि व्यतिपात योग एक सप्ताह के अंदर सभी प्रमुख बाजार, रुई, सोना, चांदी, गुवार, मटर, गेहूं, अनाजों में अच्छी मंदी संभव होगी। ता. 6 मार्च बुधवारी मावस तीन दिन में सर्व धातु, अनाज, किराना, रुई, कपास तेज तो चना में अच्छी तेजी के झटके तो बुध बक्री रस पदार्थ, गुड़, चावल तेज करेगा। मिथुन का राहु में प्रवेश चांदी में विशेष मंदी कारक है। गुंवार में भी अच्छी मंदी समर्थक है। प्रमुख किराना अजवायन आदि, घी, अनाज तेज करेगा। किराना में तेजी की लम्बी लाईन चल सकती है। फागुन मावस को यदि आकाश में बादल छा जाये तो आगे ज्येष्ठ सुदी पक्ष में रुई तेज बिकेगी।

फागुन सुदी पक्ष–ता. 7 मार्च सुदी एकम् गुरुवारी से पक्ष में रुई, कपास तेज तो चांदी धातुओं में मंदी लायेगी। ता. 9 मार्च सुदी 3 शनिवारी पक्ष में घी, मूंग, प्रमुख दालें, गेहूं आदि अनाजों में घटबढ़ से तेजी का वातावरण बना सकती है। आज बुधास्त पश्चिमे से सोना, चांदी व अन्य प्रमुख वस्तुओं में गिरावट लाकर एक सप्ताह में अचछी मंदी के झटके ला सकती हैं। ता. 14 मार्च मीने संक्रांति आर्द्रा में होने से-**ज्येष्ठा आर्द्रा शतभिषा स्वाती श्लेषा माहि। जो सूर्य संक्रमण हो तो महंगा धान्य बिकाहि॥** अनाज, दालें, हल्दी, धनियां, चना, मटर तेज करेगी। **विशेष**–इस संक्रांति काल में एक मास में यदि कोई भी माल अपने मंदे

स्तर हो तो खरीदकर अगली संक्रांति अर्थात् मेष संक्रांति में बेचने से अच्छा लाभ होगा। ता. 15 मार्च सुदी 9 आर्द्रा युक्त से उपज की पैदावार में कमी करता है। प्रमुख बाजारों में तेजी का संचार होगा। लहसुन में कुछ दिनों में अचानक तेजी आ सकती है। ता. 16 मार्च धनिष्ठा शुक्र 12 दिन के अंदर किराने में बढ़ोतरी होगी। अनाज, धातुओं में मंदी कारक तो चावल, दालें, कालीमिर्च तेज करेगा। ता. 20 मार्च बुधवार का होलिका दहन अकाल सूचक है। यदि आज होली के दिन वर्षा होने से प्रहलाद जी भींग जाये तो आगे तीन-चार मासों में चना में जोरदार तेजी आ सकती है। ता. 21 मार्च कुंभे शुक्र एक मास के अंदर प्रमुख वस्तुओं में मंदी कारक। एक मास के अंदर जिन वस्तुओं में अच्छी मंदी चले, स्टॉक करना लाभदायक रहेगा।

चैत्र मास–मास में 5 शुक्रवार होने से-**चैत्र मास में आ पड़े पांच शुक्र शनिवार। प्रजा नाश दुर्भिक्ष दुख दिन-दिन तेज बाजार॥** बाजार में तेजी का योग बनता है। बदी पक्ष में तिथि वृद्धि एवं सुदी पक्ष में तिथि क्षय से-**चैत में तिथि बढ़े किन्तु सुदी में घट जाये। पैदावार कम रहे, खड़ी फसल हट जाये॥** फसलों की पैदावार में काफी कमी रहेगी। प्रमुख वस्तुओं में भारी तेजी/मंदी का वातावरण बनता है। ता. 22 मार्च **वृषे मंगल** एक मास के अंदर लाल वर्ण वस्तुओं, तम्बाकू आदि नशीले पदार्थ, रुई, कपास, सोना, चांदी, बिजली का सामान, प्रमुख शेयर्स, गुवार, चावल आदि में घटबढ़ से भारी तेजी का वातावरण बना सकता है। ता. 30 मार्च धनु राशि में गुरु का प्रवेश होकर शनि के साथ राशि योग बनायेगा-**समसप्तक शनि गुरु रहे अथवा हो इक ठौर। प्रजानाश अरु अन्न में महंगाई का जौर॥** अनाज, गेहूं, गल्ला माल, पशुचारा आदि में तेजी लायेगा। गुड़, खाण्ड, रुई, कपास आदि में जोरदार मंदी एक मास के अंदर लायेगा। धनु राशि का गुरु एक वर्ष के अंदर धनियां में ऊंचे भाव बनाता है। तो गुड़, रुई में नीचे भाव बनाता है। गुड़ का भाव कभी-कभी तो गेहूं के भाव से भी नीचा चला जाता है।

अप्रैल 2019

तेजी की प्रमुख तारीखें–3, 8, 9, 16, 22, 24, 25, 30 अप्रैल। **मंदी की प्रमुख तारीखें**–1, 2, 4, 5, 11, 18, 19, 23, 26, 27 अप्रैल हैं।

ता. 1 अप्रैल बदी 12 सोमवारी रुई, कपास, सूत में अमावस्या तक तेजी के झटके लायेगी। तिलहन, दालें भी तेज होंगी। सोना, चांदी, गुड़, खाण्ड में अच्छा मंदा आ सकता है। ता. 5 अप्रैल शुक्रवारी मावस प्रमुख वस्तुओं में गिरावट लायेगी। चना में एक सप्ताह के अंदर अच्छी तेजी के झटके लायेगी।

चैत्र सुदी पक्ष–ता. 6 अप्रैल संवत् 2076 का शुभारंभ होगा। संवत् का राजा शनि व मंत्री सूर्यदेव हैं। दशाधिकारी में क्रूर ग्रहों का स्थान 8 व 2 सौम्य ग्रहों को प्राप्त हैं। अत: संवत् का फल अच्छा प्रतीत नहीं होता है। अशुभ फलों की प्राप्ति अधिक तो व्यापारिक दृष्टि से संवत् तेजी प्रधान होगा। स्थूल रूप से उपज की वस्तुएं फसल पर मंदी में खरीदकर आगे श्रावण तथा मार्गशीर्ष मास में बेचने से अच्छा लाभ होगा। ता. 10 अप्रैल सुदी पंचमी को यदि आकाश बादलों से ढक जाये व इन्द्रधनुष आदि दिखाई दे तो आगे गेहूं में श्रावण-भादवा में भारी तेजी तथा पक्ष में या मास में रस पदार्थ, चीनी, तिलहन, दालों, अनाजों, देशी घी, किराना में अच्छी तेजी लाने वाला यह योग परिक्षित है। ता. 15 अप्रैल मीन में शुक्र का प्रवेश होकर बुध के साथ राशि योग बनायेगा। जिससे दो-तीन सप्ताह के अंदर भारी वर्षा एवं सोना, चांदी सहित अन्य प्रमुख व्यापरिक वस्तुओं, अनाज, किराना, तिलहन, दालें आदि में मंदी का प्रभाव होगा। अचदी मंदी की आशा रहेगी। ता. 19 अप्रैल शुक्रवारी पूनम, हनुमान जयंती, आज सोना में अच्छी तेजी के झटके तो चांदी, गुड़, तेलवाना में तेजी।

वैशाख कृष्ण–मास में 5 शनिवार से प्रमुख वस्तुओं में मंदी की बजाय तेजी का रुख अधिक रहेगा। ता. 22 अप्रैल **वृश्चिके गुरु वक्री** से रुई, पाट, बारदाना में मंदी का रुख अधिक रहेगा तथा अच्छी मंदी भी आती रहेगी। ता. 25 अप्रैल रेवती का बुध एक सप्ताह में लाल वर्ण की वस्तुएं, गेहूं तेज करेगा। तो गुंवार, घी, सोना, चांदी, तिलहन, दालों में मंदी कारक तथा अच्छी मंदी के झटके ला सकते हैं। ता. 30 अप्रैल शनि गुरु के साथ वक्री चल रहा है-**साथ-साथ गुरु शनिश्चर दोनों वक्राचार। जौ गेहूं मकई मटर तेज बाजरा गुंवार॥** उपरोक्त सभी वस्तुएं तेज हो जायेंगी। ता. 7 जुलाई तक दोनों वक्री रहेंगे। अत: घटबढ़ से प्राय: तेजी की तरफ रुख रह सकता है।

मई–2019

तेजी की प्रमुख तारीखें–6, 7, 8, 9, 13, 14, 18, 21, 22 मई। **मंदी की प्रमुख तारीखें**–1, 2, 3, 16, 17, 20, 24, 30, 31 मई।

ता. 4 मई शनिवारी मावस गल्ला माल, चना खरीदने की राय देता है। श्रावण मास अच्छा लाभ हो।

वैशाख शुक्ल पक्ष–ता. 5 मई एकम् रविवारी भरणी युक्त से चार-पांच दिन के अंदर गुड़, चीनी, घास, चारा, पशु आहार में अच्छी मंदी के झटके लायेगी। ता. 6 मई **मिथुने भौम** से लाल वर्ण की वस्तुएं, घी, तांबा, रुई में अचछी तेजी के ढटके लायेगा। यहां मंगल-राहु का राशि योग बनेगा-**मंगल राहु साथ में इक नखत इक रास। अनावृष्टि दुर्भिक्ष दुख हो खेती का नाश॥** फसलों को व्यापक नुकसान तथा डेढ़ मास के अंदर प्रमुख वस्तुओं में अच्छी तेजी का वातवरण बना सकता है। ता. 10 मई सुदी छट शुक्रवारी से 9-10 महीनों में रुई का आधा भाव रह जायेगा। पूर्व में बुधास्त से 5 दिन में रुई, सोना, चांदी के भावों में अचानक अच्छी तेजी के झटके, तो अनाज, घी के भावों में गिरावट लायेगा। यहां सूर्य-बुध-शुक्र एक खास क्रम में चल रहे हैं-**आगे सूर्य बीच बुध पीछे भृगु की चाल। गल्ला रुई उड़द तिल तेल तेजी तिलहन माल॥**

ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष–ता. 25 मई बदी छट की वृद्धि रुई में मावस तक कहीं अचछी तेजी के झटके तो गेहूं आदि अनाज खरीदने की राय देती है। रोहिणी का सूर्य सोना, चांदी मंदी तो अन्य प्रमुख वस्तुओं में तेज करेगा। ता. 30 मई गुरुवारी 11 प्रमुख वस्तुओं में अच्छी मंदी के झटके लायेगी। बुध का उदय पश्चिम में धातुएं, अनाजों, गुड़, चीनी में प्रथम मंदी बनाकर तेजी तो सप्ताह दस दिनों में शेयर्स मार्केट में भारी मंदी का वातावरण।

जून–2019

तेजी की प्रमुख ता.–1, 4, 5, 8, 11, 14, 17, 18, 19, 29, 30 जून। **मंदी की प्रमुख ता.**–6, 10, 12, 13, 21, 25, 27 जून।

ता. 1 जून बदी 13 भरणी युक्त से अनाज, तिलहन, गुड़ आदि में अच्छी तेजी के झटके लायेगी। तो मिथुन राशि का बुध 1 मास के अंदर तांबा, मिर्च, मूंग, मसाले, सोना, चांदी आदि में अच्छी तेजी ला सकेगा। ता. 2 जून सोमवारी मावस मंदी कारक है। वैशाखी मावस सोमवती होने से प्रमुख वस्तुओं में मंदी का व्यापक लम्बा प्रभाव बाजारों पर पड़ता है। आज सूर्य-चन्द्र एक नक्षत्र पर होने से दुर्भिक्ष खर्पर योग भी बना है-**रोहिणी माही रोहिणी एक घड़ी जो दिखे। हाथ में खपरा मेदिनी घर-घर मांगे भीख॥** इस योग से अनाजों में अच्छी तेजी आती है।

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष–सुदी एकम् मंगलवारी होने से पक्ष में शनि अंगारक योग युक्त है। अत: पक्ष में प्रमुख व्यापारिक वस्तुओं में भारी उतार-चढ़ाव रहेगा। ता. 8 जून छट शनिवारी एक मास अनाज, चावल में जनरल लाईन तेज रहेगी। ता. 15 जून मिथुन संक्रांति शनिवारी से-**शनिवारी संक्रांति हो तिलहन तेज अनाज। होय युद्ध भय रोग से जग में अमित अकाज॥** यहां मिथुन राशि में सूर्य-मंगल-बुध-राहु का योग उपरोक्त वस्तुएं तथा किराना धातुएं, मूल पदार्थ, आलू, प्याज आदि में आगे अच्छी तेजी ला सकता है।

आषाढ़ कृष्ण पक्ष–मास में पांच मंगलवार से प्रमुख वस्तुओं में तेजी। माह में अच्छी वर्षा से बाजारों में मंदी होगी अन्यथा तेजी चलेगी। ता. 18 जून बदी एकम् से अनाज तेज होगा। ता. 22 जून गुरु दृष्ट कर्क राशि में मंगल-बुध का योग अच्छी वर्षा कारक परन्तु सूर्य से अगली राशि में मंगल के भ्रमण से गुड़, खाण्ड में कोई विशेष चाल तो तिलहन, अनाज, दालों में मंदी। सोना, चांदी, खट्टे पदार्थों, रुई, कालीमिर्च, हल्दी में अच्छी

तेजी तो लौंग, कत्था, सुपारी, लालमिर्च, किराना बाजार भी तेज रह सकते हैं। ता. 25 जून बदी 8 मंगलवारी दो सप्ताह के अंदर चना में अच्छी तेजी तो सोना, चांदी सहित प्रमुख वस्तुओं में अच्छी मंदी के झटके संभव, बाद में तेजी। ता. 28 जून मिथुन राशि में सूर्य-राहु-शुक्र के योग से रुई की फसल खराब होगी। अतः रुई, चना, गेहूं में अच्छी तेजी कारक है।

जुलाई–2019

तेजी की प्रमुख ता.–1, 2, 3, 4, 5, 13, 16, जुलाई। **मंदी की प्रमुख ता.**–14, 21, 22, 23, 24, 25, 30, जुलाई।

ता. 1 जुलाई-बदी 14 सोमवारी अनाज, पशुचारा में भारी तेजी लायेगी। **साढ़ी चौदस हो कभी सोमवार सम हेतु। खेत न उपजे धान्य तृण गाय भैंस केहि हेतु॥** रोहिणी का संयोग होने से–**साढ़ बदी चौदस दिना होय रोहिणी योग। कर्फ्यू अरु कंट्रोल से दुख पावें सब लोग॥** यह योग अनाज, रस पदार्थ, तिलहन आदि में श्रावण-भादवा तक अच्छी तेजी। ता. 2 जुलाई मंगलवारी मावस चना खरीदने की राय देती है। आगे तेजी।

आषाढ़ शुक्ल पक्ष–सुदी एकम् बुधवारी से पक्ष में आलू, प्याज, लहसुन, हल्दी, मूल पदार्थों में तिलहन, गुड़, चीनी, दालें, रुई, कालीमिर्च आदि में अच्छी तेजी तो चांदी में अच्छी मंदी आकर तेजी होगी। ता. 14 जुला. सुदी 2 गुरुवारी अच्छी वर्षा से अनाजों में मंदी आयेगी। ता. 9 जुलाई सुदी 8 मंगलवारी सप्तमी का क्षय चांदी में विशेष मंदी के झटके तो पूनम तक रुई, चना में तेजी के झटके लायेगी। ता. 16 जुलाई मंगलवारी पूनम, खण्डग्रास चन्द्रग्रहण कई वस्तुओं का स्टॉक करने की राय देता है–**साढ़ी पूनम के दिवस चन्द्रग्रहण हो जाये। संग्रह कीजै अन्न का भारी तेज बिकाय॥ सूर संक्रमण समय से समसप्तक राकेश। कई मास तक अन्न में तेजी रहे विशेष॥** अनाजों में तेजी की लम्बी लाईन चल सकती है। सर्व वस्तुओं में दो-तीन मासों में अच्छी तेजी की आशा करनी चाहिये।

श्रावण कृष्ण पक्ष–बदी एकम् बुधवारी से पक्ष में आलू, प्याज, लहसुन सहित अनाज, तिलहन, दालें, किराना खाद्य पदार्थ, तेलों आदि में पक्ष अथवा मास तेज रहकर अच्छी तेजी भी संभव होगी। ता. 21 जुलाई श्रावण में शुक्रास्त होगा। **सावन में हो बुद्धोदय शुक्र अस्त के बाद, भादव में बरसे नहीं पशु विनाश के नाद।** के अनुसार भादव मास में वर्षा नहीं होगी तथा अवर्षण के कारण पशु चारा, घास चारा न मिलने से पशुधन नष्ट होता है। एक मास अनाज तेज रहेगा। ता. 30 जुलाई त्रयोदशी मंगलवारी से एक सप्ताह पूर्व अनाज, गुड़, खाण्ड में मंदी। मौका देखकर खरीदें। आगे अच्छा लाभ होगा। यहां सूर्य-मंगल-शुक्र का राशि योग-**एक राशि पर होय जब मंगल भृगुवार। भय होवे महंगे बिके घी तिल मेल मसूर॥ सावन भादव में बने रवि मंगल भृगु योग। अन्न तेज घी तेल हो विग्रह पीड़ित लोग॥** उपरोक्त वस्तुओं में आगे भारी तेजी आयेगी।

अगस्त–2019

तेजी की प्रमुख ता.–1, 2, 8, 12, 17, 22, अगस्त। **मंदी की प्रमुख ता.**–14, 26, 27, 28, 29, 30, 21 अगस्त।

ता. 1 अग. गुरुवारी मावस अच्छी वर्षा होगी। पुनर्वसु का संयोग होने से–**सावन मावस उत्तरा रेवती पुनर्वसु धनिष्ठा। एक मास दुर्भिक्ष से जग में रहे अनिष्ट॥** एक मास दुर्भिक्ष, तेजी तथा संसार में कई प्रकार के अनिष्ट आदि होंगे।

श्रावण शुक्ल पक्ष–ता. 2 अग. प्रतिपदा का क्षय तेजी कारक है। आगे पूनम तक रुई, सोना, चांदी, खल, बिनौला में भारी तेजी/मंदी दोनों चल सकती हैं। तो तिलहन में अच्छी मंदी तो आलु, प्याज में भारी तेजी की आशा रहेगी। ता. 8 अग. सिंह मंगल लाल वर्ण की वस्तुएं, दालें, अनाज, गुड़ आदि में एक मास के अंदर भारी तेजी ला सकता है। शेयर्स मार्केट में जोरदार मंदी की संभावना रहेगी। दो सप्ताह के अंदर कोई विशेष कानून आने से सोना, चांदी में अच्छा मंदा संभव। ता. 12 अग. को सोना, चांदी में अच्छी तेजी के झटके संभव। ता. 14 अग. बदी 14 श्रवण युक्त से दो सप्ताह के अंदर अनाजों में प्रमुख बाजारों में अच्छा मंदा। पूनम धनिष्ठा युक्त होने से चना, जीरा, लहसुन में अच्छी तेजी तो हल्दी, लालमिर्च, किराना बाजार भी तेज होंगे।

भाद्रपद कृष्ण पक्ष–ता. 17 अग. सिंह संक्रांति का प्रवेश होकर मंगल शुक्र के साथ राशि योग बनायेगा। घी, तेल, मसूर, चना, गेहूं, अनाज, गुवार, तिलहन, खल, बिनौला, सोना, चांदी, लालवर्ण की वस्तुओं में अच्छी तेजी की आशा रहेगी। ता. 22 अगस्त छट की वृद्धि से पांच-सात दिन में रुई, कपास में अच्छी तेजी के झटके आ सकते हैं। ता. 26 अग. से 9 सितं. तक सिंह राशि में चार ग्रहों की युति से तिलहन, दालों में अच्छी मंदी। तो सोना, चांदी, रुई, अनाजों में तेजी। एकादशी का क्षय रुई में तेजी कारक है। ता. 27 अग. से 6 सितं. तक बुध अतिचारी तथा शनि वक्री चलेगा। **क्रूर ग्रह वक्री चले शुभ ग्रह हो अतिचार। युद्ध तथा दुर्भिक्षकारी से दुखी रहे संसार॥** के अनुसार पृथ्वी पर झगड़े, दंगे आदि में बढ़ोतरी तथा दुर्भिक्षकारी योग बनेगा। ता. 30 अगस्त शुक्रवारी मावस धान मंदा करेगी। **उत्तम उपजे शुक्र युत किन्तु चोर उत्पात-शुक्रवारी मावस से** उपज तो उत्तम होगी किन्तु चोरों का आतंक बढ़ेगा।

सितंबर–2019

तेजी की प्रमुख ता.–3, 4, 7, 8, 17, 18, 19, 23, 26, 27, 30 सितंबर। **मंदी की प्रमुख ता.**–5, 6, 9, 10, 11, 12, 16, 18, 20, 21, 24, 25 सितंबर 2019।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष–पक्ष में तीन शनिवार से रुई, पाट, बारदाना, कालीमिर्च, खाद्य वस्तुओं में अच्छी मंदी संभव। पक्ष में मंगल गुरु को चतुर्थ दृष्टि से देख रहा है। अच्छी तेजी कारक भी है। स्थूल रूप से पक्ष में सोना, चांदी आदि प्रमुख व्यापारिक वस्तुओं में घटाबढ़ी अधिक रहेगी। ता. 2 सितं. सुदी 4 को चित्रा सुख-सुभिक्ष तथा अच्छी वर्षा कारक है। फसलें उत्तम होंगी। सुदी 3 के क्षय से–**किसी मास में तीज या सुदी चौथ घट जाय। ग्राहक मांगे मूंग घी विक्रेता नट जाय॥** पक्ष में घी, देशी घी, मूंग आदि दालों, चावल, तिलहन, तेलों, गुड़, खाण्ड में घटबढ़ से अच्छी तेजी संभव। यहां सूर्य के पीछे मंगल चलेगा। तथा आसोज बदी पक्ष तक अच्छी वर्षा कर सकता है। तथा घी, तेल, रुई, गुड़ आदि में तेजी का संचार होगा। ता. 13 सितं. सुदी 14 की वृद्धि से प्रमुख वस्तुओं में मंदी के झटके तो तिलहन पदार्थों में एक मास के अंदर भयंकर मंदी संभव।

आश्विन कृष्ण पक्ष–मास में 5 शनिवार से लालवर्ण की वस्तुओं में अधिक तेजी की आशा रहेगी। ता. 17 सितं. बदी 3 मंगलवारी अंगारक चौथ लालवर्ण की वस्तुओं में अच्छी तेजी के झटके लायेगी। **बदी तीज आसोज में मंगल या शनिवार। अग्निकांड भयभीत जग महंगा चलै बाजार॥** प्रमुख बाजारों में तेजी का संचार होगा। कन्या की संक्रांति का प्रवेश–**किसी राशि पर संक्रमण करे भौम दिन सूर। तो महंगा होवे नमक रस घी तेल कपूर॥** उपरोक्त वस्तुएं तेज होंगी। ता. 18 सितं. को शनि मार्गी से बाजार के चालू रुख में परिवर्तन होगा। अतः रुख देखकर काम करें। ता. 20 सितं. बुध का उदय से रुई, कपास में तेजी। ता. 24 सितं. दशमी मंगलवारी गुड़, चीनी में अच्छी तेजी के झटके लायेगी। कन्या का मंगल में प्रवेश होगा। यहां मंगल शनि से पारस्परिक दृष्टि युक्त केन्द्र योग बनेगा। जिससे डेढ़ मास के अंदर लालवर्ण की वस्तुएं, गुवार, गुड़, गेहूं, सोना कीमती धातुओं में भारी तेजी की आशा करनी चाहिए। ता. 28 सितंबर शनिवारी मावस चना खरीदने की राय देता है। तथा लगभग दिसंबर मास के अंत तक तिलहन पदार्थों, अनाजों में जोरदार तेजी का वातावरण भी बना सकती है।

अक्टूबर–2019

तेजी की प्रमुख ता.–1, 4, 5, 17, 19, 22 से 26, 29 अक्टूबर। **मंदी की प्रमुख ता.**–2, 3, 7, 10, 11, 12, 14, 15, 16, 18, 21, 28, 30, 31अक्टूबर।

ता. 1 अक्टूबर सुदी 3 का मंगल अनाज, तिलहन, गुड़, दालों में तेजी के झटके लायेगी। ता. 2 अक्टू. पू.षा. 3 शनि दिसंबर तक लकड़ी फर्नीचर के व्यापार से विशेष लाभ। तथा 15 दिन के अंदर अनाज खरीदने से आगे लाभ होगा। मंदी में मौका देखकर खरीदें। ता. 5 अक्टू. सुदी 7 शनिवारी अनाज, तिलहन

पदार्थों में मंदा लायेगी। तो एक मास के अंदर रुई, रेशम, कालीमिर्च में घटबढ़ से गिरावट लाती जायेगी तथा एक सप्ताह के अंदर सोना, चांदी सहित सर्व वस्तुओं में अच्छी मंदी के झटके ला सकेगी। ता. 8 अक्टू. मंगलवारी दशहरा सभी वायदों में एकदम तेजी के झटके लायेगा। ता. 13 अक्टू. रविवारी पूनम विशाखा का बुध 7 दिन में सावणी फसल का माल, तिलहन, गुड़, खाण्ड, कपास, कालीमिर्च में घटबढ़ से अच्छी मंदी लायेगी।

आज का शकुन–**आश्विन पूनम को अगर बादल बिजली गाज। नफा मिलेगा चैत में संग्रह करो अनाज॥**

कार्तिक कृष्ण पक्ष–कार्तिक मास में लाल वर्ण की वस्तुएं तेज रह सकती हैं। बदी पक्ष में रुई, सोना, चांदी, गुंवार, अनाज आदि सर्व वस्तुएं मंदी रहकर पक्ष के अंत में तेजी होगी। ता. 17 अक्टूबर तुला की संक्रांति 45 मुहूर्ति गुरुवार होने से सर्व वस्तुओं में अच्छी मंदी कारक है। परन्तु सोना, चांदी, तिलहन पदार्थों में घटबढ़ से थोड़ी तेजी कारक है। ता. 22 अक्टू. मंगल का उदय से प्रमुख वस्तुओं में तेजी के झटके तो एक सप्ताह में अच्छी तेजी के झटके। ता. 27 अक्टू. 12I25 उपरांत चित्रा में मावस शुभ दीपावली। **रविवारी दीपावली होली भी रविवार। कार्तिक से तेजी चलै पौष मास हो पार॥** प्रमुख वस्तुओं में घटबढ़ से 2 मास बाजार तेज रहेगा। परन्तु रुई, कपास, कालीमिर्च, रेशम आदि में मंदी कारक है। गेहूं, चना में भारी तेजी ला सकेगी। फसल का माल संग्रह करने से दो-तीन मासों में अच्छा लाभ। ता. 31 अक्टू. चित्रा का भौम से प्रमुख वस्तुओं में तेजी कारक है। बुध वक्री गुड़, खाण्ड, सोना,, चांदी, अनाज, दालों में तेजी के झटके लायेगा।

नवंबर–2019

तेजी की प्रमुख ता.–1, 2, 8, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 19, 21, 22, 26, 27, 29, 30 नवंबर। **मंदी की प्रमुख ता.**–6, 10, 18, 20, 25 नवंबर।

ता. 1 नवं. सुदी 5 शुक्रवारी दो सप्ताह के अंदर सर्व प्रमुख शेयर्स में भारी तेजी तो गेहूं, चना तेज। कार्तिक पूनम से एक बार सर्व वस्तुओं में घोर मंदी। ता. 4 नवं. धनु में गुरु का प्रवेश से अनाजों, गल्ला माल, धनियां आदि में एक मास में भारी तेजी। सोना, चांदी में भारी तेजी या भारी मंदी दोनों चल सकती हैं। रुई, गुड़, खाण्ड आदि में भयंकर मंदी। विशेषत: कार्तिक मंगसिर मास में जो भी वस्तुएं मंदे स्तर पर हों, स्टॉक करके चैत्र-बैशाख मास में बेचने से अच्छा लाभ। ता. 12 नवं. मंगलवारी पूनम भरणी युक्त है–**अश्विनी भरणी का बने पूनम से संयोग। गुवार जुवार मकई मटर महंगाई अरु रोग।** के अनुसार एक सप्ताह के अंदर अनाज, चना, सावणी फसल के भावों में अच्छी तेजी।

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष–पक्ष में रुई, चांदी मंदी रह सकती है। आलू, प्याज, मूल पदार्थ, किराना, मसाले, दालें, खाद्य पदार्थ, तेलों, अनाजों में बाजार तेज होकर अच्छी तेजी की आशा रहेगी। यहां प्रतिपदा बुधवारी के साथ-साथ कृतिका युक्त है। अत: उपरोक्त वस्तुओं में तेजी की लम्बी लाईन चलकर फागुन में अच्छा मंदा तो पशु आहार, घास, चारा में भी भारी तेजी रहेगी। ता. 21 नवं. धनु में शुक्र का प्रवेश होकर शनि-गुरु-केतु से राशि योग बनायेगा। **गुरु शुक्र शनि केतु जब हों चारों इकठोर। अन्न भाव महंगा रहे वर्षा का हो जोर॥** के अनुसार अनाज, सोना, चांदी सर्व तेज होंगे। दालें, गुंवार भी तेज होंगे। गुड़, चीनी, रुई, कपास में भारी मंदी। ता. 25 नवं. से चांदी में तीन दिन में भारी मंदी के झटके संभव। मंगलवारी मावस से अनाज, दालों में तेजी।

मार्गशीर्ष सुदी पक्ष–पक्ष में तीन बुधवार प्रमुख वस्तुओं में घोर तेजी कारक माने गये हैं। परन्तु चांदी में अच्छी मंदी संभव। **पड़वा आठे पूर्णिमा जो बुधवारी आव। सर्व वस्तुऐं व्यापार की महंगे भाव बिकाय॥**

दिसंबर–2019

तेजी की प्रमुख ता.–3, 5, 10, 17, 18, 19, 20 दिसंबर। **मंदी की प्रमुख ता.**–2, 4, 6, 9, 13, 16, 24, 26, 27, 30, 31 दिसंबर 2019।

ता. 3 दिसंबर सुदी 7 मंगलवारी सप्ताह में रुई, कालीमिर्च, पाट, बारदाना में कहीं अच्छी तेजी के झटके लायेगी। दो सप्ताह के अंदर प्रमुख शेयर्स बाजार में जोरदार तेजी की आशा रहेगी। ता. 7 दिसं. सुदी 11 शनिवारी-**मंगसिर सुदी एकादशी शनिवार का संग। वर्षा नासै प्रजा दुखी मंत्रीमण्डल भंग॥** ता. 8 दिसंबर रविवारी एकादशी तिथि वृद्धि होगी। **रविवारी एकादशी होवे मंगसिर मास। लाभ देय वैशाख में रुई सूत कपास॥** आगे मंदी में मौका देखकर रुई, सूत, कपास का स्टॉक करके वैशाख-ज्येष्ठ मास में अच्छा लाभ। ता. 12 दिसं. गुरुवारी पूनम मृगसिर युक्त है। एक सप्ताह के अंदर चांदी के साथ प्रमुख वस्तुओं में गिरावट लायेगा। परन्तु चना, मोटे अनाज तेज होंगे। 10 दिन में रुई, कपास में अच्छी मंदी के झटके आयेंगे।

पौष कृष्ण पक्ष–ता. 15 दिसं. गुरु का अस्त पश्चिम में होने से एक मास के अंदर बाजारों को मंदी की तरफ झुका देगा। **मकरे शुक्र** से एक मास के अंदर प्राकृतिक कारणों से फसलों को नुकसान। गुड़, खाण्ड, गेहूं, घी, तेलों, शेयर्स आदि में घटबढ़ से अच्छी तेजी कारक है। ता. 16 दिसं. धनु संक्रांति अनाज, धातुएं मंदी करेगी। तिलहन पदार्थों में तेजी। ज्येष्ठा का बुध एक सप्ताह के अंदर आलू, प्याज आदि मूल पदार्थ, हरी सब्जियां, गुड़, खाण्ड, चावल, धान आदि, सोना, चांदी, रुई में घटबढ़ से अच्छी तेजी के झटके संभव। ता. 25 दिसं. धनु राशि में बुध का प्रवेश होकर सूर्य-गुरु-शनि-केतु के साथ राशि योग बनायेगा। **शनि सूरज बुध गुरु मिले जब राहु केतु के संग। क्षेम कुशल आरोग्यता बढ़ै सुभिक्ष उमंग॥** के अनुसार प्रमुख व्यापारिक वस्तुओं में मंदी का संचार करता है। परन्तु वृश्चिक राशि में मंगल का प्रवेश सोना, तांबा, प्रमुख वस्तुओं, खाद्य वस्तुओं, तेलों आदि अनाजों में तेजी कारक भी है। यहां मंगल शनि से बारहवें चल रहा है। स्थूल रूप से आगे वर्षा हो तो अच्छा मंदा अन्यथा बाजार घटबढ़ से तेज चलेंगे। रुई, कपास में जोरदार घटबढ़ रहेगी। ता. 26 दिसंबर गुरुवारी मूल युक्त मावस सभी बाजारों में अच्छी मंदी लाती है। तथा उत्तम उपज की निशानी है। अत: आगे मौका देखकर अनाजों का स्टॉक निकालना चाहिये। आज खण्डग्रास सूर्य ग्रहण होगा। जो काफी वस्तुएं स्टॉक करने की राय देता है।

पौष शुक्ल पक्ष–ता. 29 दिसं. शनि पश्चिम में अस्त से तिलहन, सोना, चांदी, तांबा, गुड़, खाण्ड, किराना, अनाज, दालों में मंदी कारक है। रुई, कपास, कालीमिर्च में प्रथम अच्छी मंदी आकर फिर तेजी। प्रमुख शेयर्स में 15 दिन के अंदर भयंकर मंदी का दौर शुरू होगा। सावधानी से काम करें। यहां गुरु भी अस्त चल रहा है। अत: सोना, चांदी में भारी उतार-चढ़ाव रहेगा।

आवश्यक सूचना

यह लेख ग्रहों की विभिन्न पोजीशनों को आधार बनाकर लिखा है। होना न होना ईश्वराधीन है। लाभ-हानि में हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। यह लेख सूक्ष्म रूप से लिखा है। सम्पूर्ण डिटेल के लिए हमारे द्वारा प्रकाशित पुस्तक मंगाकर लाभ उठाएं।

भविष्यफल प्रकाश सन् 2019 ई.

पुस्तक में समस्त तिलहन पदार्थ, सरसों, सोयाबीन आदि, रुई, गुड़, ग्वार, चीनी, सोना, चांदी, मूंग, मक्का, जौ, चना, उड़द, मसूर, अरहर, हल्दी, कालीमिर्च, जीरा, धनियां लालमिर्च, गेहूं, आलू, प्याज, लहसुन, चावल, घी, सभी शेयर्सों आदि के दैनिक घटती-बढ़ती लाईनें और स्पेशल चांस बनाये जाते हैं। माल खरीदने व बेचने की लाभकारी तारीखें, स्टॉक करने के उचित मौके मासिक विश्लेषण ज्योतिष शास्त्र के आधार पर विश्लेषण एवं पुर्वानुमान से संबंधित लिखे गये हैं। एक प्रति का मूल्य 325/-रु. व डाककर्च 25/-रुपया अलग से, 350/-रुपये का मनीआर्डर भेजकर मंगवा सकते हैं। पुस्तक का पंचवर्षीय शुल्क 1300/-रुपये है। कार्यालय द्वारा उपरोक्त एक वस्तु की एक वर्ष की फीस 3500/-रुपये मात्र है। 6 मास 1800/-रुपये मात्र है। सोना, चांदी, इन्दौर तेल, वायदा दैनिक टाईम सहित बनाई जाती है। एक वर्ष का चार्ज 10,000/-रुपये मात्र है। मासिक 1000/-रुपये है। छ: माह 5000/-रुपये मात्र है। शेयर्स मार्केट की दैनिक टाईम रिपोर्ट बनाई है। एक वर्ष का चार्ज 8000/-रुपये मात्र है। मंगाकर लाभ उठायें। हमारा पता:-

श्री राम अवतार गुप्ता "व्यापार भूषण"
राव उमराव सिंह मार्किट, आर्य समाज रोड,
नई सब्जी मण्डी, रेवाड़ी (हरियाणा)–123401
मो.-9416110996, 7400300094

सामूहिक व्यापार भविष्य संवत् 2076 वि.

लेखक-विश्वबन्धु शर्मा एवं
जयवर्द्धन शर्मा दैवज्ञ

सम्वत् 2076 में आकाशीय काउंसिल में राजा पद पर शनिदेव आरूढ़ हुए हैं। जो लोहा, तिल, चमड़ा, सरिया, हथियार, बारूद, जूट-पाट, बारदाना, सन, क्रूड आयल, गैस के भावों में भारी उतार-चढ़ाव को इंगित करता है। मंत्री पद पर सूर्यदेव के आरूढ़ होने के फलस्वरूप जनता में प्रेमभाव की कमी, सुख-समृद्धि में कमी व तमाम तरह के दुःखों का प्रभाव होगा।

चैत्र शुक्ल पक्ष

चैत्र शुदी पक्ष में प्रथम दिन शनिवार का विशेष प्रभाव होगा। पक्ष में एकादशी तिथि का क्षय तेजी को बल देने वाला सिद्ध होगा। इंफीरियर लाईन के प्रभाव में मार्केट के रहने से तेल, तिलहनों में विशेष तेजी का रुख रहेगा। ता. 6 अप्रैल से यह पक्ष प्रारम्भ होकर ता. 19 अप्रैल तक चलेगा। ता. 7 अप्रैल को रविवारी चन्द्रदर्शन के प्रभाव से लाल व सफेद रंग की वस्तुओं के भावों में तेजी का रूख रहने की धारणा है। ता. 10 अप्रैल की रात्रि में वक्री गुरु का प्रभाव सोना, चांदी, पीतल, हल्दी, मुलहठी, रुई, कपास व पीले रंग की वस्तुओं भावों में नरमी का रुख बनेगा। ता. 12 अप्रैल को सूर्योदय से पूर्व मीन राशि में बुध के प्रभाव से लौंग, रुई, अलसी, मेथीदाना के भावों में अचानक तेजी का प्रभाव 15 दिन में होगा। ता. 14 अप्रैल को दोपहर में मेष संक्रांति के प्रभाव से लोहा, मशीनरी, सोना, गेहूं, मसूर, तांबा, लालमिर्च, पैट्रोल के भावों में तेजी होगी। सोना, चांदी, तांबा, गैस, जीरा, धनियां, ग्वार, चना के वायदा भावों में जिस वस्तु में ता. 10 अप्रैल को ता. 9 के बने नीचे भाव से मार्केट टूट जाय और नीचे ही बंद हो जाये तब उसी वस्तु में तीन दिन में ही जोरदार मंदी का चांस सम्पन्न होगा।

वैशाख मास

वैशाख मास में 5 शनिवारों का होना तेजी कारक सिद्ध होगा। साथ ही ता. 20 अप्रैल से इंफीरियर लाईन चालू रहेगी। जो विशेष रूप से सरसों, तिल तेल, सोयाबीन, मूंगफली, अलसी, अरंडा के भावों में जोरदार तेजी की चाल आगे चलायेगी। ता. 7 मई को सोमवारी चन्द्रदर्शन घटबढ़ साथ नरमी कारक है। ता. 22 अप्रैल की रात्रि में वृश्चिक राशि में गुरुदेव के प्रवेश के प्रभाव से बारिश की कमी के कारण फसल की वस्तुओं के भावों में तेजी का रुख देखने को मिलेगा। ता. 30 अप्रैल मंगलवार की प्रातः शनिदेव के वक्री होने के प्रभाव से जोरदार तेजी का चांस धान्यों के भावों में बनेगा। ता. 3 मई को 4 बजकर 59 मिनट पर मेष राशि में बुध के प्रभाव से जोरदार तेजी हीरा, मोती, मूंगा, जवाहिरात के भावों में होगी। ता. 7 मई की प्रातः मिथुन राशि में मंगल के प्रवेश के प्रभाव से पशुओं के भावों में तेजी होगी। ता. 10 मई को प्रातः 10 बजकर 24 मिनट पर पूर्व दिशा में बुधदेव के अस्त होने के प्रभाव से जोरदार तेजी की चाल 20 दिन में चलेगी। जो भयंकर भी हो सकती है। यहां मंगल राहु का अंशात्मक योग है जिसमे लाल रंग की वस्तुएं खरीदकर ता. 14 मई तक ही जोरदार तेजी आने पर लाभ उठा लेना चाहिए। ता. 15 मई को 11 बजे वृष राशि में सूर्य के प्रवेश के प्रभाव से जोरदार तेजी। शेयर मार्केट, गेहूं, गुड़, शक्कर, इलायची, कपूर, काजू, बिनौला के भावों में तेजी होगी। वायदा मार्केटों में विशेष चाल--ता. 1 मई को जिस भी वायदा वस्तु में ता. 30 अप्रैल के बने ऊंचे भाव से मार्केट बढ़ जाएगा, तब उसी वस्तु के भावों में तूफानी तेजी का चांस ता. 3 मई तक ही सम्पन्न होगा।

ज्येष्ठ मास

ज्येष्ठ माह का प्रारम्भ ता. 19 मई से होकर ता. 17 जून तक के समाप्ती काल में पांच रविवारों का होना व्यापारिक वस्तुओं के भावों में उतार-चढाव के साथ तेजी की पकड़ मजबूत बनायेगा। सुपीरियर लाइन का प्रभाव ता. 20 मई से दृष्टिगोचर होगा। ता. 4 जून को भौमवारी चन्द्रदर्शन तेजी का प्रभाव लाल रंग की वस्तुओं में रखेगा। ता. 20 जून से शनिदेव केतु से आगे परिभ्रमण करने लगेंगे तब से लोहा, जिंक, लेड, सीमेंन्ट, कालीमिर्च, तिल, काले पीपल, लौंग के भावों में तेजी का बिगुल बजेगा यह चाल 2 जुलाई तक चलेगी। अतः स्टॉकिस्ट स्टॉक करके मोटा लाभ उठा सकते हैं। ज्येष्ठ बदि त्रयोदशी ता. 1 जून की शाम को बुध पश्चिम मे उदय होकर बाद रात्रि में मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। यहीं से जोरदार व धमाकेदार मंदी की चाल जीरा, धनियां, सौंफ, अजवायन व हरें रंग की वस्तुओं के भावों में होगी। ता. 4 जून को 11:20 पर वृष राशि पर शुक्र के प्रवेश के प्रभाव से जोरदार नशीले पदार्थ व रुई, कपास, सूत के भावों में एक माह में ही विशेष मंदी की चाल चलेगी। चांदी, कपूर, चावल, सफेद तिल, गुड़, खांड के भावों में एक माह में ही विशेष तेजी होगी। ता. 15 जून की शाम को मिथुन संक्रान्ति के प्रभाव से गेहूं, चना, मटर, जौ, जई, बाजरा, सिल्क, सूत, शक्कर, रुई, कपास, तांबा के भावों में मंदी का रुझान रहेगा।

आषाढ़ मास

आषाढ़ माह में पांच मंगलवारों का होना विशेष कर जोरदार तेजी का रुख मार्केटों में बनायेंगे। बदि पक्ष में नवमी वृद्धि होकर त्रयोदशी क्षय का होना हाजिर मार्केटों में मंदी का सूचक होने से बहुत ही सावधानी से व्यापार करने की आवश्यकता है। ता. 4 जुलाई को गुरुवारी चन्द्रदर्शन से जोरदार मंदी का रुख माह में रहेगा। बदि तीज ता. 20 जून को रात्रि में कर्क में बुध का प्रवेश हरे रंग की वस्तुओं के भावों में तेजी कारक होगा। साथ ही ता. 22 जून की रात्रि में कर्क राशि में मंगल का प्रवेश करना धान्य, गन्ना, गुड़, खांड, धान के भावों में विशेष नरमी कारक होगा। आगे ता. 28 जून को रात्रि में मिथुन राशि में शुक्रदेव का प्रवेश रुई के भावों में मंदी कारक होगा। यहां पर विशेष चांस वायदा वस्तुओं में यह है कि ता. 1जुलाई को ता. 28 जून के बने नीचे भाव से जिस नीचे लिखी वस्तु के भावों से भाव टूट जाए तब उसी वस्तु में तूफानी मंदी का चांस संपन्न होगा। वस्तुएं-लालमिर्च, जीरा, धनियां, दवा कम्पनीयों के शेयर, रुई, कपास हैं। ता. 7 जुलाई की रात्रि में बुध वक्री होकर गुड़, खांड, चीनी, सोना, चांदी, एल्यूमीनियम, तांबा, निकिल, लेड के भावों में जोरदार तेजी की चाल चलायेंगे। सरसों, सोयाबीन तेलों के भावों में हर उछाले में बेचना लाभप्रद होगा। ता. 13 जुलाई को प्रातः 10 बजकर 57 मिनट पर बुधास्त का होना भी गेहूं, चना, मटर, सोना, चांदी, रुई, कपास में तूफानी तेजी को प्रोत्साहन देने वाला ही सिद्ध होगा।

श्रावण मास

श्रावण माह का आरम्भ ता. 17 जुलाई को होकर ता. 15 अगस्त को समाप्त होगा। इस माह में विशेषतया पांच गुरुवार व पांच ही शुक्रवार होने से मंदी का प्रभाव नरमी की प्रधानता करेगा। ता. 17 जुलाई से सूर्य-मंगल का योग, ता. 8 अगस्त तक ही लालमिर्च, छुआरा, बादाम, गुड़, मसूर, रोली, लालचंदन, नारियल, गोला, मूंगफली, मोंठ व लाल रंग की वस्तुओं में से जो भी नीचे स्तर पर मिलें, उनका स्टॉक करके ता. 8 अगस्त तक ही मोटा लाभ उठाया जा सकता है। ता. 2 अगस्त शुक्रवार को चन्द्रदर्शन के प्रभाव से सफेद वस्तुओं के भाव माह में मंदी में रहेंगे। वायदा मार्केटों में ता. 17 जुलाई को ता. 16 जुलाई के बने ऊंचे व नीचे भाव महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे। खास तौर से नेचुरल

गैस, जिंक, लैड, सोना, चांदी, क्रूड आयल, सोया तेल के भावों में अगर ता. 17 जुलाई को ता. 16 जुलाई के बने नीचे भाव से मार्केट टूट जाए तब मंदी की चाल 23 जुलाई तक चलेगी। ता. 21 जुलाई की दोपहर में कर्क में शुक्र के प्रभाव से धान्य व अनाजों के भावों में छः माह में ही विशेष तेजी का चांस मिलेगा। रुई, खल, बिनौला के भावों में 25 दिन में ही विशेष तेजी होगी। ता. 30 जुलाई की प्रातः पूर्व दिशा में बुधदेव के उदय के प्रभाव से जिन वस्तुओं में तेजी चली आ रही होगी उनमें मंदी का या नरमी का रुख बन जाएगा। श्रावण शुदि पक्ष में ता. 3 अग. को प्रातः कर्क राशि में बुध के प्रभाव से घटबढ़ की प्रधानता होगी। ता. 8 अगस्त की रात्रि में सिंह राशि में मंगल के प्रभाव से चावल, जई के भावों में चालीस दिन में ही जोरदार तेजी होगी। ता. 11 अगस्त की शाम को गुरुदेव के मार्गी होने से जिन पीली व लाल रंग की वस्तुओं के भावों में पहले से मंदी चली आ रही होगी, उन वस्तुओं के भावों मे तेजी की चाल चलने लगेगी।

भाद्रपद मास

इस माह का प्रारम्भ ता. 16 अगस्त शुक्रवार से आरम्भ होकर ता. 14 सितम्बर शनिवार तक रहेगा। माह में पांच शुक्रवार व शनिवार का होना दुतर्फा चालदायक होगा। प्रथम पक्ष में छट वृद्धि होकर बाद एकादशी तिथि का क्षय होना नरमी को बल देने वाला सिद्ध होगा। इंफीरियर लाइन ता. 4 सित. तक चलकर बाद सुपीरियर लाइन चलेगी और इस पीरियड में धुंआधार तेजी का चांस तिलहनों में संपन्न होने की धारणा है। ता. 31 अगस्त को शनिवारी चन्द्दर्शन से हल्की तेजी का रुख माह में रहने की धारणा है। ता. 16 अगस्त को सिंह राशि में शुक्र के प्रभाव से 17 अग. से धान्यों के भावों में तेजी होगी । सोना के भावों में विशेष तेजी की चाल चलेगी। ता. 17 अगस्त को दोपहर 1 बजकर 01 मिनट पर सिंह संक्रांति के प्रवेश के प्रभाव से शहद, पीतल, गिलट, चावल, तिल, धान्यों में जोरदार तेजी एक ही माह में बन जाएगी। रुई, सोना, चांदी, लाल रंग की वस्तुएं घटबढ़ साथ जोरदार तेजी पर जाती है। ता. 22 जून को 01 बजकर 27 मिनट पर बुधास्त का होना विशेष तया वायदा मार्केटों में मंदी की चाल चलाएगा। इस चांस में व्यापारी बन्धु मालामाल हो सकते हैं। यहां पर जीरा, धनियां, ग्वार, चना, गेहूं, गुड़, चीनी में विशेष मंदी की चाल 30 दिन की चल सकती है। हर तेजी के उछाले में बेचान करना लाभप्रद होना चाहिए। ता. 26 अगस्त को दोपहर में सिंह राशि में बुध प्रवेश के प्रभाव से सूत, सूती वस्त्र, आंवला, खटाई, नींबू व सिरका के भावों में तेजी की चाल 25 दिन की होगी। भादों शुदि में तीज का क्षय होकर चतुर्दशी की वृद्धि होना तेजी को प्रोत्साहित करेंगे। ता. 9 सितं. की रात्रि में कन्या राशि में शुक्र प्रवेश के प्रभाव से जीरा, ऊन, ऊनी शाल के भावों में जोरदार तेजी होगी । रुई, कपास के भावों में 27 दिन में ही भारी गिरावट आयेगी।

आश्विन मास

इस माह का प्रारम्भ ता. 15 सितं. रविवार से होकर ता. 13 अक्तूबर रविवार तक के माह में पांच रविवारों का होना भयंकर तेजी की चाल देने वाला होगा। माह के आरम्भ से अन्त तक सुपीरियर लाईन रहेगी। ता. 30 सितं. को सोमवारी चन्द्रदर्शन से नरमी का रुख माह में रहने की धारणा है। बदि तीज ता. 17 सितं. को दोपहर में कन्या राशि में सूर्य के प्रवेश के प्रभाव से सूत, शक्कर, रुई, तांबा, इलेक्ट्रिक उपकरण, गेहूं, चना, बाजरा, तथा शेयरों के भावों में मंदी होगी। सरसों, तिल, तेल, सोयाबीन, अरन्डी, मूंगफली के भावों में नरमी का रुख बनेगा। ता. 18 सितं. को 02:20 पर मार्गी शनि के प्रभाव से लोहा, स्टील, तिल, तेल, वनस्पति घी, गुग्गल, अदरक, हल्दी के भावों में विशेष चाल चलेगी। ता. 20 सितं. को शाम 04:03 पर बुधोदय के प्रभाव से घटबढ़ साथ नरमी रह सकती है तथापि आज के बने ऊंचे व नीचे भाव आगे के लिए महत्वपूर्ण हो जायेंगे। आगे ता. 25 सितं. को प्रातः कन्या राशि में मंगल का प्रवेश लाल मिर्च, चन्दन, रेशम, लाल पदार्थ, गुड़, मजीठ, रुई, कपास के भाव पन्द्रह दिनों में अच्छी तेजी पकड़ेंगे। आश्विन शुदि प्रतिपदा ता. 29 सितं. को चन्द्रदर्शन के प्रभाव से तथा 12:57 पर तुला राशि में बुध के प्रवेश के प्रभाव से धान्यादि के भावों में तेजी का रुख बना रहने की धारणा है। बाद ता. 3 अक्तूबर की रात्रि में तुला राशि में शुक्रदेव के प्रवेश के प्रभाव से जीरा, धनियां, सौंफ, अजवायन, मेंथा आयल के भावों में विशेष नरमी की चाल चलेगी। आज से पूर्व अगर तेजी चली आ रही हो तब ऊंचे भावों में बेचकर आगे मोटा लाभ उठाया जा सकता है।

कार्तिक मास

कार्तिक माह का प्रारम्भ ता. 14 अक्तूबर सोमवार से होकर ता. 12 नवम्बर मंगलवार को समाप्त होगा। यह माह 5 सोमवार तथा 5 ही मंगलवारों से युक्त होने से व तीज वृद्धि तथा अष्टमी क्षय होने तथा सुपीरियर लाईन के ता. 11 नवं. तक रहने के प्रभाव से तिलहनों के भावों में नरमी की चाल चलेगी। ता. 29 अक्तू. को भौमवारी चन्द्रदर्शन से अच्छी तेजी का रुख माह में रहने की धारणा है। ता. 17 अक्तू. को रात्रि में तुला संक्रांति के प्रभाव से अरहर, गेहूं, चना, चावल, रुई, रेशम, साबूदाना, गोला, नारियल, पोस्तदाना में साधारण तेजी का रुख बनने की धारणा है। ता. 23 अक्तू. को वृश्चिक राशि में बुध के प्रभाव से ता. 24 नवं. से जीरा, धनियां आदि हरें रंग की वस्तुएं धमाके के रूप में गिरेंगी। ता. 22 अक्तू. को रात्रि में मंगलदेव के पूर्व दिशा में उदय होने के प्रभाव से लाल मिर्च, सिन्दूर, मनसिल दवाओं, लाल चन्दन, लाल वस्त्र, रोली, पूजा का सामान के भावों में तेजी की चाल बनेगी। जिस हाजिर या वायदा वस्तु के भाव पलटकर चलेंगे उनमें पलट आगे माह के अन्त तक जारी रहेगी। ता. 18 अक्तू. की प्रातः वृश्चिक राशि में शुक्र के प्रवेश के प्रभाव से धान्यादि के भावों में विशेष तेजी की चाल देखने में आयेगी। आगे ता. 31 अक्तू. की रात्रि में वक्री बुध के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, पीतल, जिंक, लेड आदि धातुओं के भावों में विशेष तेजी का उछाला 20 दिन में ही आयेगा, बाद ता. 5 नवं. को बुधास्त होने के बाद तेजी की चाल तूफानी चलने की धारणा है। यह तेजी गुड़, खांड, चीनी, सोना, चांदी, निकिल, मेंथा, रुई, कपास, चना, अरहर, उरद, मोठ के भावों में होगी। ता. 10 नवं. रविवार को तुलाराशि में मंगलदेव के प्रवेश के प्रभाव से 45 दिन में ही उड़द, मूंग, मोंठ, रुई, सूत, कपास के भावों में तेजी की चाल चलेगी। लाल व हरे रंग की वस्तुओं में खरीद न करें क्यूंकि मंगल-बुध का अंशात्मक योग जोरदार मंदी कारक ता. 7 दिसम्बर तक है।

मार्गशीर्ष मास

मंगशिर माह का प्रारम्भ ता. 13 नवं. बुधवार से होकर ता. 12 दिसम्बर गुरुवार को समाप्त होगा। माह में पांच बुधवार तथा पांच ही गुरुवार होना घटाबढ़ी साथ मंदी कारक है। तमाम माह में इंफीरियर लाइन चलेगी जोकि तेजी जोरदार तेलवाना की वस्तुओं में करेगी। ता. 28 नवं. को गुरुवारी चन्द्रदर्शन से हल्की नरमी का रुख माह में रहने की धारणा है। माह के प्रारम्भ में ता. 16 नवं. को वृश्चिक संक्रांति के प्रभाव से 18 नवं. से सोना, चांदी, तांबा, जस्ता आदि धातु, चावल, मशीनरी, लोहा, चाय, काफी, रबर, टीन, शेयर्स, चर्म के भावों में तेजी का रुख बनने की धारणा है। दुष्ट प्रकृति के लोगों में रोग होंगे। ता0 18 नवं. को बुधोदय होने से बुधास्त वाली वस्तुएं नरमी पकड़ेंगी। ता. 25 नवं. की शाम को पूर्वाषाढ़ नक्षत्र के चतुर्थ चरण पर शनिदेव के प्रभाव से ता. 26 नवम्बर से तेजी का प्रभाव सोना, चांदी, गुड़, खांड, चीनी, रुई, कपास, सूत, जूट, पाट, बारदाना, गेहूं, जौ, चना के भावों में होगा।

नोटः-जिस वस्तु के भावों में ता. 25 नवम्बर को ता. 22 के बने नीचे भाव से मार्केट टूटेगा, तब उसी वस्तु में जोरदार मंदी

होगी। आगे ता. 28 नवं. को चन्द्रदर्शन नरमी का रुझान आगे के लिए बनाएगा। ता. 5 दिसं. को वृश्चिक राशि में बुध के प्रवेश के प्रभाव से सरसों, तिल तेल के भावों में तेजी की चाल चलेगी।

पौष मास

यह माह ता. 13 दिसं. शुक्रवार से प्रारम्भ होकर ता. 10 जनवरी 2020 को समाप्त होगा। पांच शुक्रवार होने से यह माह साधारण मंदी के दौर में रहेगा। इंफीरियर लाइन का प्रभाव तमाम माह रहेगा। अतः कुल मिलाकर तेजी के झटकों के साथ नरमी को बल मिलता रहेगा। ता. 27 दिसं. को शुक्रवारी चन्द्रदर्शन से हल्की तेजी के बाद मंदी का रुख माह में रहने की धारणा है। बदि तीज की शाम को मकर राशि में शुक्र के प्रवेश के प्रभाव से चांदी, जस्ता, जूट, पाट, कपास, रुई, कपूर, सूत के भावों में विशेष तेजी की चाल चलेगी। बाद ता. 17 दिसं. की रात्रि में बुधास्त होने से गेहूं, जौ, चना, मटर, गुड़, खांड, शक्कर, चांदी, सोना के भावों में मंदी का बिगुल बजेगा। यह मंदी कम से कम एक सप्ताह या अधिक चल सकती है। ता. 25 दिसम्बर की शाम 3 बजकर 45 मि. पर धनु राशि में बुध के प्रवेश के प्रभाव से व बाद रात्रि में वृश्चिक राशि में मंगल के प्रवेश के प्रभाव से जोरदार तेजी का चांस आसव, अरिष्ट, जूस पेय पदार्थ, तेल द्रव्यों के भावों में विशेष तेजी 20 दिन में चलेगी। ता0 27 दिसं. को रात्रि में शनिदेव पश्चिम दिशा में अस्त हो रहे हैं। यहां पर विशेष तेजी अनाजों के भावों में होगी। दलहनों के भाव भी समर्थन में तेजी पकड़ेंगे। लेकिन जिस वस्तु के भाव ता. 28 दिसं. को ता. 27 के बने ऊंचे भाव से न बढ़े और नीचे बने भाव से टूट जाए तब मंदी की जोरदार चाल पौष माह में चलेगी। आगे ता. 08 जनवरी को रात्रि में कुम्भ राशि में शुक्र के प्रवेश के प्रभाव से जोरदार नरमी की चाल तीन दिन की सफेद रंग की वस्तुओं के भावों में बनेगी। वायदा मार्केटों में ता. 18 दिसं. को ता. 17 के बने नीचे भाव से जिस भी वायदा वस्तु के भाव टूट जाएं तब उसी वस्तु के भावों में जोरदार मंदी का चांस दो सप्ताह का अवश्य संपन्न होने की धारणा है।

माघ मास

इस माह का प्रारम्भ ता. 11 जनवरी शनिवार से होकर ता. 09 फरवरी तक होगा। इस माह में पांच शनिवार व पांच ही रविवार होने से तेजी का रुख प्रधान होगा। ता. 11 जनवरी तक इंफीरियर लाईन के बाद सुपीरियर लाईन के प्रारम्भ होने से अरन्डी, सरसों, तेलवाना की जिन्सों में नरमी का रुख बन जाएगा। ता. 26 जनवरी को रविवारी चन्द्रदर्शन से तेजी का रुख माह में रहने की धारणा है। ता. 13 जनवरी को 11135 पर मकर राशि में बुध के प्रभाव से अन्नादि के भावों में समता रहेगी। ता. 14 जनवरी को मकर संक्रांति के प्रभाव से घी, तेल, लकड़ी, सोना, चांदी, तांबा, कोयला, शीशा, जस्ता, टीन, रांगा, गन्ना, तिल, कालीमिर्च, लौंग, दाख, चीनी, मुनक्का, किसमिस, काला नमक व शेयरों के भावों में तेजी जोरदार होगी। सोना, चांदी, निकिल, जीरा, धनियां, लालमिर्च, क्रूड आयल, ग्वार, चना के वायदा मार्केटों में ता. 20 जनवरी को ता. 17 के बने ऊंचे भाव से जिस भी वस्तु के भाव नीचे खुलकर बढ़ जाएंगे उसी वस्तु के भावों में तूफानी तेजी का चांस दो सप्ताह में ही संपन्न होगा। विपरीत दिशा के भाव कटने पर मंदी की तूफानी चाल भी चलेगी। अतः व्यापार करते समय पूर्ण सावधानी अवश्य बरतें। ता. 24 जनवरी की प्रातः मकर राशि में शनि के प्रवेश के प्रभाव से लोहा, कांसा, तिल, गोला, जीरा, कोयला, क्रूड आयल, जावित्री, जायफल, हल्दी, अदरक, आलू आदि जड़ पदार्थों व खनिजों के भावों में विशेष मंदी का चांस 22 दिन में ही संपन्न होने की धारणा है। सावधानी हेतु विशेष नोट है कि जिस ऊपर लिखी वस्तु में ता. 27 जन. को ता. 24 जन. के बने ऊंचे भाव से मार्केट बढ़ जाएगा तब उसी में तेजी का चांस संपन्न होगा। बाद ता. 7 फरवरी की रात्रि में धनु राशि में मंगल के प्रवेश के प्रभाव से अगर चावल, जड़ी-बूटी, धान्य के भावों में तेजी होगी।

फाल्गुन मास

फाल्गुन माह का प्रारम्भ ता. 10 फरवरी सोमवार से होकर ता. 09 मार्च 2020 तक रहेगा। माह में पांच सोमवार व ता. 25 फरवरी तक सुपीरियर लाईन के प्रभाव से जोरदार नरमी औसत रूप में चलने की धारणा है। किसी-किसी वस्तु के भावों में तूफानी मंदी की चाल भी देखने में आयेगी। ता. 25 फरवरी को भौमवारी चन्द्रदर्शन से तेजी का रुख माह में रहने की धारणा है। ता. 13 फरवरी को 03104 पर कुम्भ संक्रांति के प्रभाव से भूकम्प की संभावना होगी। कोयला, अलसी, तांबा, तिलहन, मूंगफली, लोहा, जूट, पाट, जौ, संगमरमर, मिट्टी की वस्तुएं, कागज, शेयर, एल्यूमीनियम के भावों में तेजी का चांस संपन्न होगा। ता. 17 फरवरी को प्रातः वक्री बुध के प्रभाव से जोरदार तेजी आकर बाद मंदी। गुड़, खांड, चीनी व रस पदार्थों के भावों में चलेगी। बाद ता. 19 फरवरी के बने नीचे भाव से मार्केट टूट जाए तब मंदी जानना। ता. 28 फरवरी को मेष राशि में शुक्र के प्रभाव से मंदी का प्रभाव हाजिर मार्केटों पर रहने की धारणा है। ता. 3 मार्च को बुधोदय 02133 पर होने के बाद मंदी का जोरदार झटका सोना; चांदी, गुड़, खांड, चीनी, गेहूं, चना, रुई के भावों में लगेगा। अन्य वस्तुओं के भावों में कुल मिलाकर ता. 24 फरवरी से 9 मार्च तक का पीरियड मंदी का रहने की धारणा है। वायदा मार्केटों में ग्वार, चना, जौ, जीरा धनियां, हल्दी, सोया तेल में ता. 26 फरवरी को ता. 25 के बने ऊंचे भाव से जिस वस्तु में भाव बढ़ जाए, उसी में डबल खरीद करके ता. 9 मार्च तक मोटा लाभ उठाया जा सकता है। वितरीत दिशा के भाव कटने पर मंदी का व्यापार करना चाहिए।

चैत्र मास

चैत्र बदि पक्ष में पंचमी तिथि का क्षय व द्वादशी तिथि की वृद्धि का होना तेजी की चाल को बल देने वाला होगा। ता. 10 मार्च को मार्गी बुध का प्रभाव ता. 11 मार्च से तेजी की चाल गुड़, खाण्ड, चीनी, पाट, बारदाना, सोना, चांदी, तांबा आदि धातुओं के भावों में चलाएगा। ता. 11 मार्च को ता. 9 के बने नीचे भाव से जिस वस्तु के भी भाव ऊंचे खुलकर टूट जाएंगे उसी वस्तु के भावों में 12 दिनों में ही धमाकेदार मंदी होगी। धारणा अधिकांश वस्तुओं में तेजी की ही है। ता. 14 मार्च को 11154 पर मीन संक्रांति के प्रभाव से मोम, मोती, जवाहरात, हीरा, सुगन्धित पदार्थ, दवाइयां, सोना, चांदी, गेहूं, चना, उड़द, घी, रुई, रेशम, गूगल, पीपलामूल के भावों में विशेष तेजी की चाल चलने की धारणा है। ता. 22 मार्च को 02140 पर मकर राशि में मंगल के प्रवेश से घी, तेल के भावों में जोरदार तेजी। धान्य, रुई के भावों में 30 दिन में जोरदार चलने की धारणा है।

पताः- विश्वबन्धु शर्मा एवं जयवर्द्धन शर्मा ज्योतिषी

21-22 ब्रह्मनान, निकट खारी कुंआ

पोस्ट व जिला-हापुड (उ0 प्र0)-245101

मोबाईल-9837279823, 9412573895

व्यापारिक भविष्य फल वर्ष 2019–2020

लेखक:- प्रवीन कुमार जैन, डॉ. उमा जैन

अप्रैल मास–01 अप्रैल-चैत्र कृ. द्वादशी की वृद्धि तथा शुक्ल पक्ष में एकादशी के क्षय से अन्न उत्पादन में कमी रहेगी। सूर्य रेवती में रात्रि 00।53 पर-रुई, चावल, चांदी, सरसों, अलसी, लाख, गेहूं, जौ, चना, अरहर, मूंग, उड़द, लहसुन, सब्जी, चपड़ा, मोती, रत्न अन्य अनाजों तथा पशुओं में तेजी आयेगी। जलीय वस्तुओं मोती, रत्न, फल, फूल, सुगन्धित पदार्थों, नमक की हानि होने से इन में भी तेजी चलेगी। 06 अप्रैल-चैत्र सुदि शनिवारी प्रतिपदा धान्यों, रसकस तथा भूसे आदि पशु आहारों की हानि होगी। मंगल रोहिणी में सायं 17।20 पर-रुई, सूत, कपास, कपड़ा, शेयर मार्केट, गुड़, खाण्ड, शक्कर, रेशम, हींग, मिर्च, सरसों तथा तैलों में तेजी चलेगी। राई मिर्च, हींग, छुआरा, सरसों तैल, गुड़, खांड, रेशम 21 दिनों में तेज होंगे। मुख्य रूप से कपड़ा, सूत, कपास में तेजी आयेगी।

07 अप्रैल-शुक्र पू.भा. में-स्वर्ण द्वार का शुक्र सुभिक्ष का योग बना रहा है। रुई में 10 से 15 टके की तेजी बनेगी। गेहूं, जौ, चना आदि अन्नों में गिरावट रहेगी। 10 अप्रैल-गुरु वक्री धनु राशि में मध्यान्ह 11।52 पर-शेयरों में गिरावट आयेगी। मालवे की अफीम में पहले तेजी आकर बाद में मंदा आयेगा। कुछ ही समय में सभी धान्यों में गिरावट आयेगी। गेहूं, चना, गुड़, नमक आदि में गिरावट रहेगी। चैत्र तथा बैशाख मास में इनका संग्रह करके मार्गशीर्ष मास में बेचने से लाभ मिलेगा।

12 अप्रैल-बुध मीन में रात्रि 04।24 पर-अपनी नीच राशि में बुध के गोचर से पशु-आहारों-घास, भूसा आदि की उपज अच्छी रहेगी। रुई, कपास, बिनोला में तेजी बनेगी। सोना, चांदी तेज होकर मंदे होंगे। गेहूं, चना, गुड़, शक्कर, घी, तैल, मूंगफली, अरण्डा, बिनोला तथा रुई में मंदा आयेगा।

14 अप्रैल-रविवार-सूर्य मेष राशि अश्विनी नक्षत्र में मध्यान्ह 14।09 पर-चैत्र मास की 15 मुहूर्ति रविवारी मेष संक्रांति में सभी धातुओं-सोना, चांदी, लोहा, तांबा, सभी धान्यों -गेहूं, चना आदि अनाजों, रसकसों, फलों, वस्त्रों, अलसी, अरण्डा, तिल, तैल, मेथी, लाल चन्दन, इलायची, लौंग, सुपारी, नारियल, कपूर, हींग, हिंगुल, सूत, कपड़ा, सुपारी, नारियल, लाल चन्दन, मेथी, लौंग, इलायची, हींग, अरण्डा, ईख, घी, तिल, तैल, फलों आदि सभी वस्तुओं में तेजी बनेगी। रुई, कपास में पहले मंदा आकर बाद में तेजी आयेगी। मेष का सूर्य छः मास तक गुड़, घी, दूध, रुई, कपास में तेजी बनायेगा। 13 दिनों के अन्दर सोना, चांदी, अलसी, अरण्डा, तिल, मेथी, अनाज, सभी प्रकार के अनाज, सोना, चांदी, रसकस, लोहा, तांबा, सूत, कपड़ा, सुपारी, नारियल, शिंगरू, कपूर, लाल चन्दन, मेथी, लौंग, इलायची, हींग, अरण्डा तथा ऊनी वस्त्रों में तेजी बनेगी। रुई में मंदी आकर तेजी बनेगी। संक्रांति सूती होने से महंगाई पर नियन्त्रण के प्रयास होंगे। शकुन शास्त्र के अनुसार आज की वर्षा आगे चलकर वर्षा में कमी करेगी तथा अन्नों में तेजी लायेगी। सभी वस्तुऐं महंगी होंगी।

15 अप्रैल-बुध उ.भाद्रपद में प्रातः 07।31 पर-चांदी में घटबढ़ चलेगी। खाद्यान्नों के भावों में अधिक फेरबदल नहीं होने से गुड़, खाण्ड, रुई, धान्य एवं चावलों के भावों में समता रहेगी। 16 अप्रैल-शुक्र मीन में-खाद्यान्नों की उपलब्धता में कमी होगी। महंगाई बढ़ेगी फिर भी जनसामान्य असाधारण रूप से शांत रहेगा। सभी प्रकार के धान्यों, तैल, तिलहन, अलसी, अरण्डी, गुड़, खांड में गिरावट आयेगी। घी, रुई एवं चांदी में तेजी बनेगी। धान्यों में मंदा रहेगा। रुई 25 दिनों में तेज होगी। 18 अप्रैल-शुक्र उ.भा. में रात्रि 19।12 पर-स्वर्ण द्वार का शुक्र सुभिक्ष का योग बना रहा है। मूल पदार्थों में तेजी बनेगी। चांदी, मोती, ईख, गुड़, खांड, रुई, कपास, सूत, सन, चावल, नमक, कपूर, गोला, सरसों तथा अन्य तिलहनों में मंदा आयेगा। सोना के मूल्यों में समता रहेगी। फसलों को रोग तथा कीटों से हानि के कारण गेहूं, जौ, चना, ज्वार, बाजरा, मोंठ, मूंग, फलों, अदरक, हल्दी, प्याज, लहसुन आदि कृषि उत्पादों तथा चौपायों में तेजी आयेगी। दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थों, घी में घटबढ़ चलेगी। मोती, तिल, तैल में मंदा आकर तेजी बनेगी। शाक भाजी के उत्पादकों को हानि होगी।

बैशाख मास (20 अप्रैल 2019)– मास पांच शनिवार युत है। पांच शनिवार से-कृषि को किन्हीं कारणों से हानि होगी। वर्षा में कमी रहेगी। यदि वर्षा हुई भी तो बिल्कुल साधारण। महंगाई बढ़ेगी। प्रत्येक वस्तु में तेजी बनेगी।

23 अप्रैल-वक्री गुरु वृश्चिक राशि ज्येष्ठा नक्षत्र में रात्रि 01।1 पर-सुभिक्ष, गाय का दूध, घी आदि रस में मंदा आयेगा। 15 दिन में केशर, कपूर, रुई, तथा धातुओं में मंदा आयेगा। मादक पदार्थों, अफीम आदि में तेजी बनेगी। दो मास तक वर्षा में कमी रहेगी। इसके बाद खण्डवृष्टि होगी 27 अप्रैल-मंगल मृगशिरा में रात्रि 01।02 पर-वर्षा से कपास की खेती की हानि होकर रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। तिल की हानि होगी। चांदी तेजी में रहेगी। 28 अप्रैल-सूर्य भरणी में प्रातः 06।03 पर-कृषि उत्पादन उत्तम रहेगा। सोना, तांबा, पीतल आदि धातुओं, चावल, गेहूं, जौ, चना, मोंठ, अलसी, तूअर, सरसों, राई, गुड़, खांड, घी, अफीम में तेजी आयेगी। चांदी, रुई में घटबढ़ चलेगी। 29 अप्रैल-शनि वक्री धनु राशि में सायं 18।09 पर-मणि, मोती, रत्न तथा सोना चांदी में मंदा आयेगा। लौंग, सुपारी, नारियल, तिल तैल आदि के भाव में घटाबढ़ी चलेगी। घोड़ा, अफीम, नील, नीला थोथा, पतंग, हल्दी, जीरा, धनियां, मेथी, द्राक्ष, खजूर, घी, धान्यों, गेहूं, मूंग, ज्वार, प्रोमेसरी नोट आदि में तेजी आयेगी। शनि वक्री होने के समय वृष राशि के मंगल से हाथी, घोड़े, गाय, भैंस आदि चौपायों तथा मनुष्यों की हानि होगी। शुक्र रेवती में रात्रि 19।23 पर-चांदी, गुड़, खाण्ड, शक्कर, रुई, कपास, चावल, सूत, चन्दन, सन, जवाहरात में मंदा रहेगा। रुई, चांदी, चावल, खाण्ड के भावों में मंदे के झटके आयेंगे।

03 मई-शुक्रवारी वैशाख चतुर्दशी के प्रभाव से अन्न उत्पादन उत्तम होगा। परन्तु 04 मई वैशाखी अमावस्या में अश्विनी नक्षत्र होने से मध्यम फल मिलेगा। बुध मेष राशि में सायं 17।03 पर-सोना, चांदी आदि धातुओं, मूंगा आदि बहुमूल्य रत्नों में, गेहूं, जौं चना आदि में तेजी बनेगी। मोती, तिल, तैल, तिलहन तथा अलसी में मंदा आकर तेजी बनेगी। गुड़, खाण्ड, शक्कर, रसकस, तेल, तिल, सरसों, घी, रुई, सूत, सन, कपास में गिरावट आयेगी। चौपायों के मूल्यों में घटबढ़ रहेगी। 05 मई-बुध अस्त पश्चिम दिशा में मेष राशि में मध्यान्ह 14।56 पर-रुई, चांदी में तेजी होकर मंदा आयेगा। शेयर्स, हैसियन, बारदाना में गिरावट। 15 दिनों में रुई में मंदा। उत्तम वर्षा से धान्य की वृद्धि होगी।

07 मई-मंगल मिथुन में-सभी प्रकार की लाल वस्तुओं में तेजी बनेगी। 09 मई-गुरुवारी वैशाख सुदी पंचमी से सुभिक्ष योग बना है। यदि वर्षा हुई तो घास भूसा, तथा ईंधन में तेजी चलेगी। 10 मई-शुक्र मेष राशि अश्विनी नक्षत्र में रात्रि 19।06 पर-मेष का शुक्र छः मास तक गुड़, घी, दूध, रुई कपास में तेजी बनायेगा तथा 'मंगल घर में शुक्र हो अन्न तेज तब जान के अनुसार' अन्न पदार्थों में तेजी बनायेगा। पशुओं में तेजी बनेगी। धान्यों में तेजी आयेगी। रुई, कपास, ऊन के भावों में गिरावट रहेगी। सोना, चांदी, गेहूं, जौ, चना, अन्य सभी प्रकार के धान्यों तथा घी में तेजी रहेगी। गुड़, खाण्ड, शक्कर, पटसन, बारदाना में घटबढ़ के बाद तेजी बनेगी। रुई, कपास, सूत, तैल, तिल, सरसों, अरण्डी, अलसी, मटर, उड़द, मूंग, मोठ, अरहर में घटाबढ़ी के बाद मंदे का रुख बनेगा। अन्य मत से दूध, घी, चावल, चांदी में तेजी चलेगी। ऊन, धातु, रसकस, सोंठ, तिल, अलसी, जौ, चना, उड़द में 12 दिनों में गिरावट आयेगी।

12 मई-सूर्य कृतिका में 00।08 पर-शकुन शास्त्र के अनुसार आज की वर्षा आगे चलकर सुभिक्ष का योग करेगी। अन्न उत्पादन उत्तम रहेगा। सफेद फूल में तेजी आयेगी। 15 दिनों के अन्दर सोना, चांदी, अलसी, गेहूं, जौ, चना, मूंग, मोठ, चावल, गुड़, सरसों तथा राई में तेजी आयेगी।

15 मई-बुधवार-सूर्य वृष में 11।01 पर बैठी संक्रांति से समान व्यापारिक स्थिति रहेगी। शुक्र के क्षेत्र का सूर्य दो मास तक तेजी बनाये रखेगा। अन्न उत्पादन उत्तम रहेगा। बैशाख मास की बुधवारी वृष संक्रांति अनाजों के भावों में गिरावट का योग बना रही है। तेल, घी तथा गुड़ में तेजी आयेगी। अन्न उत्पादन अधिक होगा। तथा अन्य मत से अनाजों में तेजी बनेगी। दूध, दही, घी एवं अन्य दुग्ध उत्पादों के भावों में तेजी रहेगी। 30 मुहूर्ति संक्रांति में रसकस के भाव सम रहेंगे। सोना, कपड़ा, शस्त्र तथा अफीम में तेजी रहेगी। 17 मई-मंगल आर्द्रा में मध्यान्ह 13।59 पर-तिल के उत्पादन में कमी आयेगी। 18 मई-अस्त बुध वृष में रात्रि 23।35 पर-सभी व्यापारिक वस्तुओं में घटबढ़ चलेगी। तिल, तेल, कपास, चावल जौ, चना, मटर आदि धान्यों में तेजी बनेगी। चांदी, अलसी, शक्कर तथा वस्त्रों में गिरावट आयेगी। गेहूं, रुई, सूत में मंदा आकर तेजी बनेगी।

ज्येष्ट मास–मास पांच रवि तथा पांच सोमवार युत है। पांच सोमवार युत मास में-**'सोमस्य पंच वारास्तु यत्र मासे भवति हि धन-धान्य समृद्धि। स्यात् सुखम् भवति सर्वदा।।'** अच्छी वर्षा होगी। कृषि उत्पादन अच्छा रहेगा। व्यापारिक वस्तुओं में अच्छी घटाबढ़ी के साथ मंदे का रुख प्रबल रहेगा। एकाएक सभी वस्तुओं पर नियन्त्रण होगा। समय मंदी कारक रहेगा। धन-धान्य की वृद्धि होगी। उद्योग बढ़ेंगे। कृषि उत्पादन अच्छा होगा।

21 मई-शुक्र भरणी में-तिलों की फसल नष्ट होगी। भूसे वाले धान्यों में तेजी आयेगी। तैल, तिल, सरसों, गेहूं, जौ, चना, मूंग, मेन्ड़, ज्वार, श्रीफल, सुपारी, धान्य, तूअर आदि में घटबढ़ रहेगी। रुख मंदे का बनेगा। सोना, चांदी में गिरावट आयेगी। तिलों की फसल नष्ट होगी। रुई तथा भूसे वाले धान्यों में तेजी आयेगी। चांदी, सोना, तांबा, लाल रंग की वस्तु तथा नारियल में 12 दिनों में मंदा आयेगा।

25 मई-सूर्य रोहिणी में 20।26 पर-चना, घी, ज्वार, बाजरा, सरसों, राई, तिल, अरण्डा, गुड़, खाण्ड के भावों में तेजी आयेगी। 15 दिनों में गेहूं, जौ, चावल आदि अन्न, मूंग, सरसों, राई, गुड़, खाण्ड, सुपारी, सूत, सन, अलसी, द्राक्ष, तेल में तेजी आयेगी। रुई में साधारण तेजी बनेगी। चांदी में मंदा आयेगा। 30 मई-बुध उदित वृष राशि पश्चिम में रात्रि 04।08 पर-बुध उदय होने पर 10 दिन में रुई में लगभग 10 से 12 की तेजी आयेगी। 40 दिन में धान्य तेज होगा। रुई, कपास, कपड़ा, धान, चांदी में 15 दिनों में मंदा होगा। घी, तैल, अरण्डी, सरसों तथा धान्यों में तेजी बनेगी। अलसी घटाबढ़ी में रहेगी।

01 जून-शुक्र कृतिका में सायं 17।38 पर-किन्हीं स्थानों पर उत्तम वर्षा होगी। सरसों, उड़द के उत्पादन में कमी आयेगी परन्तु अन्य धान्यों का उत्पादन सामान्य रहेगा। सोना, चांदी, हींग, जीरा, सुपारी, रुई, सूत, कपास, कपड़ा, चावल, अन्न, सरसों, तिल, तैल सरसों में गिरावट रहेगी। 11 दिनों में चांदी, रुई, सूत, कपास, रेड़ी, तिल, तैल, सरसों, हींग, खजूर, घी तेज होंगे। अन्य मत से रुई, सूत, कपास, सन, सूत, बिनोला, तिल, सरसों, तेल, चांदी, सोना, तांबा, पीतल में छः दिनों में मंदा आयेगा। 02 जून-बुध मिथुन में रात्रि 00।17 पर-रुई, चांदी, सोना, सरसों में मंदा आकर घटाबढ़ी चलेगी। सरसों एवं तरे में घटबढ़ रहेगी। तैल, तिल, अरण्डी में साधारण तेजी रहेगी। चना, मूंग, मोठ, भारवाहक पशुओं तथा वाहनों में गिरावट आयेगी। अन्य पशुओं के मूल्यों में वृद्धि होगी। 15 दिनों में सोना, चांदी तथा रुई में गिरावट आयेगी। 04 जून-शुक्र वृष में पूर्वान्ह 11।20 पर-सोना में घटाबढ़ी के बाद तेजी का रुख बनेगा। रुई तथा चांदी में गिरावट के बाद 15 दिनों में तेजी बनेगी। चावल, घी, शेयर्स में गिरावट आयेगी परन्तु आगे चलकर तेजी बनेगी। जौ, गेहूं, चना, मटर आदि अनाजों में तेजी बनेगी।

07 जून-मंगल पुनर्वसु में प्रातः 07।39 पर-तिल के उत्पादन में कमी आयेगी। 27 दिनों में श्वेत वस्त्र, कपास, नमक, रस तथा धान्यों में तेजी आयेगी। भैंसों की हानि होगी। 08 जून-सूर्य मृगशिरा में सायं 18।13 पर-सभी प्रकार के फलों, सोना, चांदी, धान्य, कपास, सन, उड़द, मूंग, मोठ, बाजरा, अलसी में तेजी आयेगी। 14 दिनों में चना, भूसा, जलीय उत्पादों, कपूर, चन्दन, कस्तूरी, नारियल आदि सुगन्धित वस्तुओं, रुई, रेशम, सूत, कपड़ा तथा धातुओं में तेजी आयेगी।

12 जून-शुक्र रोहिणी में सायं 16।20 पर-सोना, तांबा, जस्ता मंदा होगा। सोना, चांदी, नारियल, द्राक्ष, सुपारी, गुड़, शक्कर, खांड. में गिरावट रहेगी। 12 दिनों में अफीम में तेजी आयेगी तो खारी, मुनक्का तथा सुपारी में मंदा आयेगा। अन्य मत से चांदी रुई में तेजी बनेगी। द्राक्ष, छुवारे, सुपारी श्रीफल, सरसों, सूत, सन में मंदा आयेगा। 15 जून-सूर्य मिथुन में 17।38 पर शनिवार-30 मुहूर्ति बैठी संक्रांति से व्यवसायिक गतिविधियों में अधिक परिवर्तन नहीं होगा। रसकस के भाव सम रहेंगे। समान स्थिति रहेगी। 'मिथुने रवि महंगे बिकै मूल अरु कन्द कपास। तिलहन सारे धान्य में तेजी का आभास ।। कपास, कंदमूल, तिल, आलू, अरवी, अदरक, सोंठ, मूंगफली, हल्दी, प्याज, अदरक, रुई, तिलहन, जूट, सरसों, अलसी, तैल तथा सभी प्रकार के अनाजों में तेजी आयेगी। बुध की मिथुन राशि के सूर्य में भूसा, धान्य, ज्वार, बाजार, मकई, ग्वार की पैदावार में वृद्धि होगी।

आषाढ़ मास–18 जून-पांच मंगलवार युत मास में लाल रंग की वस्तुओं तथा धान्यों में तेजी आयेगी।

21 जून-बुध कर्क में रात्रि 02।27 पर-अनाज का भाव मध्यम रहेगा। अन्न आपूर्ति सामान्य से कम होगी। बढ़ती हुई मंहगाई के कारण जनसाधारण कष्ट में रहेगा। रुई, कपड़ा में मंदा आयेगा। रुई में 15 टके तक की गिरावट आयेगी। चांदी में 2 टके तक की घटाबढ़ी रहेगी। गेहूं, जौ, चना, मटर, अरहर में कुछ मंदा रहेगा। श्वेत कपड़े में मंदा रहेगा। सरसों, मूंगफली, तैल, तिल, गुड़, दही तथा रसकस तेज रहेंगे। धान, गुड़, दूध, कपास, सोना में अस्थाई तेजी आयेगी। कपड़ा, चावल में गिरावट आयेगी। मादक पदार्थों, जलवाहनों यथा-नौका, मोटरबोट, जलपोत आदि में तेजी आयेगी।

22 जून-सूर्य आर्द्रा में सायं 17।18 पर-पंचमी तिथि का आर्द्रा प्रवेश शुभ है परन्तु शनिवार होने से शुभ फलों में न्यूनता रहेगी। दिन में आर्द्रा प्रवेश से सूर्य जल का शोषण करेगा, वर्षा में कमी रहेगी। सूत, अलसी, सरसों, अरण्डा, चीनी, चावल, जौ, चना में तेजी आयेगी। सोने में कुछ घटाबढ़ी के बाद तेजी आयेगी। 14 दिनों में रुई, कपास, लाल रंग के वस्त्र, कपूर, चन्दन आदि सुगन्धित वस्तुओं, लोहा, चांदी, सीसा, मोती, रत्न, गुड़, खाण्ड, खल, सोंठ, घी, हल्दी, गेहूं आदि धान्य तथा भूसा में तेजी बनेगी। मंगल कर्क में रात्रि 23।22 पर-भैंसों, ऊन, सभी प्रकार के अन्न तथा ईख में तेजी आयेगी। 15 दिन के अन्दर अफीम, रुई, धान, गुड़ तथा खांड में तेजी बनेगी। कहीं-कहीं पर धान्यों में तेजी आयेगी।

23 जून-शुक्र मृगशिरा में मध्यान्ह 14।38 पर-धान्यों तथा रुई की फसल खराब होगी। चावल, गुड़, खांड, शक्कर तथा सभी प्रकार के धान्यों तथा रसकस में तेजी आयेगी परन्तु गेहूं, जौ, चना, मूंग, मोठ, ज्वार, घी में मंदा रहेगा। चना, धान, भूसा 12 दिनों में मंदा होगा।

29 जून-शुक्र मिथुन में रात्रि 01।33 पर-रुई, बारदाना, मूंगफली, कपास, सूत, कपड़ा, सरसों, अरण्डी, तिल, तैल में मंदा चलेगा। चांदी घटबढ़ में रहेगी। जौं, गेहूं, चना में सामान्य तेजी आयेगी। खांड, घी में घटाबढ़ी चलेगी। गुड़ तेज होकर मंदा होगा। अरहर, ग्वार, रुई, कपास, सूत, पटसन, बारदाना, अरण्डी, तिल, तैल, सरसों में गिरावट रहेगी। एक मत से रुई, घी में मंदे

का अचूक चास है। 03 जुलाई-आषाढ़ सुदी प्रतिपदा के पुनर्वसु नक्षत्र से 95.97 प्रतिशत वर्षा का अनुमान है।

04 जुलाई-आषाढ़ सुदी द्वितीया में पुष्य नक्षत्र से 17.45 विश्वे है। गुरुवारी द्वितीया से उत्तम वर्षा होगी अन्न सस्ता होगा। शुक्र आर्द्रा में मध्यान्ह 12।19 पर-चांदी, रुई में मंदा आयेगा। कृषि उत्पादों में अचानक मंदा आयेगा। सूर्य पुनर्वसु में सायं 16।49 पर- बिनौला, तिल, ज्वार, मूंग, मोंठ, मसूर, बाजरा, उड़द, अलसी, सरसों, गुड़, खांड, चावल, नमक, कपड़ा, तिल, कुसुंभा, अरण्डा, नील, सज्जी, मजीठ, माजूफल, केसर, देवदारु, लौंग, नारियल, सफेद वस्तुओं में तेजी आयेगी। 14 दिनों में रुई, कपास, लाल रंग के वस्त्र, चन्दन, कपूर आदि सुगन्धित पदार्थों, चांदी, सोना, लोहा, सीसा, मोती, रत्न, खल, सोंठ, घी, हल्दी, गेहूं तथा भूसा में तेजी आयेगी।

07 जुलाई-रविवारी आषाढ़ सुदी पंचमी से कम वर्षा का योग बना है। यदि आषाढ़ सुदी पंचमी में पछुवा हवा चली अथवा वर्षा हुई या इन्द्रधनुष दिखाई पड़ा तो अन्न तथा तृण के संग्रह से कार्तिक मास में बेचने से लाभ की सम्भावना रहेगी। 07 जुलाई-बुध वक्री सायं 16।47 पर कर्क राशि में-प्रायः सभी वस्तुओं में मंदा आयेगा। धान्य सस्ते होंगे। रुई में तेजी आकर मंदा होगा। ईख, गुड़, खाण्ड, शक्कर, घी, तैल, सरसों, अलसी, अरण्डी, बिनौला एवं अन्य तिलहनों तथा कपूर में तेजी बनेगी। 10 जुलाई-वक्री बुध अस्त पश्चिम दिशा में कर्क राशि में प्रातः 06।14 पर-रुई, चांदी में तेजी होकर मंदा आयेगा। शेयर्स, हैसियन, बारादाना में गिरावट चलेगी। 15 दिनों में रुई में मंदा आयेगा। 11 जुलाई-मंगल अस्त कर्क राशि पर सायं 16।30 पर-खाद्यान्नों में कमी रहेगी। मादक पदार्थों में कुछ मंदा बनेगा। लगभग साढ़े तीन मास में भूसा आदि में गिरावट आयेगी। कर्क राशि में अस्त मंगल से धान्यों की हानि होगी।

15 जुलाई-शुक्र पुनर्वसु में प्रातः 09।25 पर-रुई, सोना, चांदी, कपास, सूत, में मंदा रहेगा। गेहूं, जौ, चना, मटर, अरहर में तेजी बनेगी। वर्षा में कमी से कृषि उत्पादन के विषय में चिन्ता बनेगी। अन्नों की अनुपलब्धता से इनमें तेजी आयेगी। 12 दिनों में धान्यों में तेजी तथा रुई में मंदा आयेगा। 16 जुलाई- आषाढ़ी पूर्णिमा का मान चतुर्दशी से अधिक होने के प्रभाव से अन्न में सस्ता रहेगा।

श्रावण मास—मास पांच बुधावार तथा पांच गुरुवार युत है। कृषि की उत्तम उपज से सुभिक्ष रहेगा। धान्य आदि के भावों में न तो अधिक तेजी आयेगी और न ही अधिक मंदा होगा। व्यापारिक वस्तुओं में घटाबढ़ी चलेगी। रुख मंदे का रहेगा। रसकस की हानि से रसादि में तेजी चलेगी।

17 जुलाई-बुधवार-सूर्य कर्क में 04।33 पर-45 मुहूर्ति संक्रांति में रसकस तथा अन्न में गिरावट आयेगी। बैठी संक्रांति से समान व्यवसायिक स्थिति रहेगी। कर्क राशि के सूर्य में यदि आश्लेशा नक्षत्र के दिन वर्षा हुई तो सभी प्रकार के अन्न उत्पन्न होंगे। साथ ही धान्यों में तेजी आयेगी। जौ, गेहुं, चना, चावल, गुड़, शक्कर, खांड, बाजरा, ज्वार, सरसों, तिल, तैल, घी, नमक में तेजी आयेगी। सोना, चांदी, लोहा, पीतल आदि धातुओं में मंदा रहेगा। धान्यों के मूल्यों में गिरावट आयेगी। खाद्यान्नों का आयात बढ़ेगा। संक्रांति समय के मकर के चन्द्रमा से अन्न का संग्रह छः मास पश्चात् लाभ देगा परन्तु सातवें मास तक रखने से हानि होगी। मालवे की अफीम में मंदा आयेगा।

19 जुलाई-मंगल आश्लेषा में रात्रि 04।30 पर-कृषि की हानि से अन्न उत्पादन के अनुमान में कमी आयेगी। विषैले कीटों तथा जन्तुओं के प्रकोप से जन-धन की हानि होगी। 23 दिनों में धान्यों में तेजी आयेगी। 20 जुलाई-सूर्य पुष्य में सायं 16।26 पर-सरसों, मद्य, गुड़, खांड, बाजरा, नारियल, सौंठ, मोम, जूट, सोना में तेजी आयेगी। रुई में तेजी आकर मंदा बनेगा। 14 दिनों में चांदी की वस्तुओं, सीसा, ऊनी वस्त्र, हल्दी, हींग, सोंठ, सुपारी, मोम, गुग्गल, लाख, सन, ज्वार, तिल, तैल, मदिरा तथा गुड़ में तेजी आयेगी। 23 जुलाई-अस्त शुक्र कर्क में मध्यान्ह 12।49 पर-सभी प्रकार के रसकस, गुड़, खांड, शक्कर, घी, तैल, सूत, सन, बारदाना, गोला में तेजी बनेगी। कृषि उत्पादन उत्तम रहेगा। रुई में मंदा आकर तेजी का योग है। जौं, गेहूं, चना में गिरावट के बाद में तेजी आयेगी। चांदी में गिरावट रहेगी। शकुन शास्त्र के अनुसार यदि आज वर्षा हुई तो गेहूं, जौ, चना, मटर, अरहर में मंदा आयेगा। पशु-पक्षियों की वृद्धि होगी। एक मत से चांदी, सोना, रुई, घी, सूत, में तेजी रहेगी। धान्यों में तेजी आयेगी। कर्क का शुक्र तेजी का योग बना रहा है।

26 जुलाई-शुक्र पुष्य में प्रातः 05।51 पर-खाद्यान्नों की उपलब्धता में कमी आयेगी। गुड़, खाण्ड, शक्कर, कपूर, शिंगरू, पारा, हींग, लाख, चमड़ा में मंदा रहेगा। रुई, कपास, सूत, सन, रेशम, ऊन तथा धान्यों में तेजी बनेगी। अन्य मत से रुई सोना, लाख, चपड़ा, गुड़ में मंदा चलेगा।

30 जुलाई-वक्री बुध उदित पूर्व दिशा मिथुन राशि में प्रातः 08।41 पर-बुध उदय होने पर 10 दिन में रुई में लगभग 10 से 12 की तेजी बनेगी। रुई की 25 दिनों तक तेजी चलेगी। 40 दिन में धान्यों में तेजी आयेगी। अनावृष्टि, कष्ट तथा पीड़ा का योग बनेगा। महंगाई बढ़ेगी। चांदी में घटबढ़ी के बाद तेजी आयेगी। सोना में मंदा बनेगा। गेहूं, जौ, चना, अलसी, अरण्डी, तिल, तैल, सरसों, लाल मिर्च में तेजी आयेगी। वक्री बुध मिथुन राशि में मध्यान्ह 12।01 पर-रुई, चांदी, सोना, सरसों में मंदा आकर घटाबढ़ी चलेगी। सरसों एवं तरे में घटबढ़ रहेगी। तैल, तिल, अरण्डी में साधारण तेजी रहेगी। चना, मूंग, मोठ, भारवाहक पशुओं तथा वाहनों में गिरावट आयेगी। अन्य पशुओं के मूल्यों में वृद्धि होगी। 15 दिनों में सोना, चांदी तथा रुई में गिरावट आयेगी।

31 जुलाई-बुध मार्गी मिथुन राशि में रात्रि 21।31 पर-भारवाहक पशुओं में मंदा आयेगा। धान्यों में घटाबढ़ी रहेगी। रुई में घटाबढ़ी चलकर तेजी बनेगी। सन तथा लकड़ी में 15 दिनों में तेजी आयेगी। गुड़, खाण्ड, शक्कर, तिल, तैल, सरसों, अलसी, कपूर, चन्दन में मंदा रहेगा। 03 अगस्त-बुध कर्क में प्रातः06।00 पर- बढ़ती हुई मंहगाई के कारण जनसाधारण कष्ट में रहेगा। मादक पदार्थों में तेजी बनेगी। सुभिक्ष अत्यन्त अल्प रहेगा। रुई, कपड़ा, चावल में गिरावट आयेगी। गेहूं, जौ, चना, मटर, अरहर में कुछ मंदा रहेगा। रुई में 15 टके तक की गिरावट आयेगी। चांदी में 2 टके तक घटाबढ़ी रहेगी। सरसों, मूंगफली, तैल, तिल, गुड़, दही तथा रसकस तेज रहेंगे। धान, गुड़, दूध, कपास, सोना में अस्थाई तेजी आयेगी। इनमें तेजी के बाद मंदा बनेगा। श्वेत कपड़े में मंदा रहेगा। अनाज का भाव मध्यम रहेगा। अन्न आपूर्ति सामान्य से कम होगी। जलवाहनों यथा- नौका, मोटरबोट, जलपोत आदि में तेजी आयेगी। सूर्य आश्लेषा में मध्यान्ह 15।18 पर-आश्लेषा नक्षत्र का सूर्य वर्षा का योग बना रहा है। किन्हीं स्थानों पर वर्षा के कारण खाद्यान्नों के खराब अथवा नष्ट होने का योग है। सोना, चांदी, रुई, विनोला, चावल, उड़द, शक्कर, ज्वार, घी, तेल, सरसों, अरण्डी, तिल, तैल, द्राक्ष, मिर्च, शेयर मार्केट में तेजी आयेगी। 14 दिनों में तिल, गुड़, गेहूं, चना, अलसी, नील, अफीम आदि मादक पदार्थ, प्रोमेसरी नोट तेज होंगे।

06 अगस्त-शुक्र आश्लेषा में-अच्छी वर्षा के उपरान्त भी किन्हीं स्थानों पर वर्षा में कमी रहेगी। कृषि उत्पादन उत्तम रहेगा। अन्नों में घटाबढ़ी से भावों में कुछ तेजी बनेगी। चावल, मोठ, चना, जौ, भूसा तथा धान्यों में गिरावट चलेगी। रुई, कपास में साधारण मंदा रहेगा। तूअर, मोठ, चावल, चना, धान, भूसा में 12 दिनों में मंदा होगा। 07 अगस्त-स्वाति नक्षत्रयुत सप्तमी में यदि वर्षा हुई तो सभी प्रकार के धान्यों का उत्पादन उत्तम होगा। 09 अगस्त-अस्त मंगल सिंह राशि में रात्रि 04।47 पर -वर्षा में कमी आयेगी। तिल, उड़द, मूंग की हानि होगी। धान्य नष्ट होंगे। महंगाई बढ़ेगी। सोना, चांदी, तांबा तथा लाल रंग की सभी वस्तुओं में 45 दिनों में तेजी। 13 अगस्त-श्रावण मास की पूर्णिमा में श्रवण नक्षत्र के योग में यदि वर्षा हुई तो सुभिक्ष रहेगा। अन्न का उत्पादन उत्तम होगा। 15 अगस्त-प्रातः 08।02 तक आज यदि वर्षा हुई तो सुभिक्ष रहेगा तथा अन्न उत्पादन उत्तम होगा।

आर्यभट्ट पंचांगम् 247

भाद्रपद मास—16 अगस्त—मास पांच शुक्र तथा पांच ... 26 अगस्त ... तेज हवाएं चलेंगी। वर्षा में कमी आयेगी। कृषि की हानि होगी। ... सितम्बर-सूर्य उ. फाल्गुनी में रात्रि 02।54 पर-तिल, चावल, उड़द, नारियल, मूंग, जौ, ज्वार, गुड़, चीनी, जूट,

भाद्रपद मास–16 अगस्त–मास पांच शुक्र तथा पांच शनिवार युत है। पांच शुक्रवार युत मास में- '**शुक्रस्य पंचवारास्युर्यत्र मासे निरन्तरम्। प्रजा वृद्धि सुभिक्ष च सुखं तत्र प्रवर्तते।।**' प्रजा में कुशल क्षेम रहेगी। मित्रता के भाव जाग्रत होंगे। सुभिक्ष तथा क्षेम रहेगा। उत्तम वर्षा होगी। व्यापारिक वस्तुओं में घटबढ़ चलेगी। रुख मंदे का रहेगा। रसकसों में भी मंदे का प्रभाव रहेगा। पांच शनिवार से- '**शनैश्च पंचकं दृष्ट्वा पाताले कम्पते फणी। ईशान देशं भंगश्च वह्निदाहो महर्घता।।**' भूकम्पों तथा अग्निकांडों से जन-धन की हानि होगी। जनता में अराजकता तथा अशान्ति रहेगी। महंगाई बढ़ेगी। प्रत्येक वस्तु में तेजी बनेगी।

16 अगस्त–अस्त शुक्र सिंह राशि मघा नक्षत्र में रात्रि 20।39 पर-सभी प्रकार के धान्यों, सोना, लाल रंग की वस्तुओं तथा चौपायों में तेजी आयेगी। सभी प्रकार के धान्यों, सोना, तांबा, पीतल, चांदी, गेहूं, जौ, चना, मटर, बाजरा, मजीठ, लाल चन्दन, लाल मिर्च, लाल रंग के अन्य सभी पदार्थों, तैल तिल, मूंगफली, **सरसों**, ग्वार, केसर, कस्तूरी, रसकस, घी, रसादि पदार्थों में तेजी आयेगी। रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। एक मत से कपड़ा, जौ, गेहूं, जौ, चावल, चांदी, रुई, सूत, सन, सोना में मंदा आयेगा।

17 अगस्त–शनिवार-सूर्य सिंह राशि मघा नक्षत्र में 13।02 पर-15 मुहूर्ति संक्रांति में रसकस तथा अन्न में तेजी बनेगी। बैठी संक्रांति से समान स्थिति रहेगी। **ईख शर्करा मिष्ट रस गुड़ हल्दी तिल तैल। सोना तांबा तेज हो, सूर्य सिंह के मेल।।** शक्कर तथा लाल रंग के बर्तन, लाल रंग की धातुओं, ईख, गुड़, खांड आदि मिष्ट पदार्थों, रत्न, गुड़, हल्दी, तिल, तैल, मूंग, ज्वार, बाजरा, अरण्डा, द्राक्ष, मिर्च, चांदी, रुई, कपास, सरसों, सोना, तांबा महंगे होंगे। अफीम तथा अन्य मादक पदार्थों में तेजी की सम्भावना रहेगी। एक मत से धान्य में गिरावट आयेगी। घी में तेजी बनेगी। शनिवारी संक्रांति से 15 दिनों में वर्षा का योग रहेगा। संक्रांति समय के कुंभ के चन्द्रमा से इस समय का अन्न का संग्रह पांच मास पश्चात् लाभ देगा।

24 अगस्त–रोहिणी युत शनिवारी भाद्रपद कृष्ण अष्टमी से गेहूं, हल्दी, जीरा, पारा, शीशा में तेजी बनेगी। कस्तूरी, तिल, तैल, गुड़, हींग में तेजी आयेगी। इन वस्तुओं का संग्रह कर तीन मास पश्चात् बेचने से लाभ होगा। 25 अगस्त-बुध अस्त पूर्व दिशा कर्क राशि में प्रातः 10।57 पर-मिश्र गति में अस्त बुध से चांदी में घटाबढ़ी चलेगी, रुई की घटबढ़ी 15 दिनों में चलेगी। इसमें रुख गिरावट का रहेगा। सोना, गेहूं, सोना, अलसी में तेजी रहेगी। धान्यों तथा घी में 30 दिनो में मंदा आयेगा। पहले तेजी फिर मंदा तथा फिर तेजी बनेगी।

26 अगस्त–बुधास्त सिंह राशि में मध्यान्ह 14।07 पर-तेज हवाएं चलेगी। वर्षा में कमी आयेगी। कृषि की हानि होगी। फिर भी धान्यों के मूल्य नियंत्रण में रहकर भावों में समता बनी रहेगी। इमली, आंवला आदि खट्टे पदार्थों, औषधीय वनस्पतियों तथा देवदारु, सोना, तांबा, पीतल, चांदी आदि धातु, खांड, कपूर, सूत, कपड़ा, ऊनी, सूती वस्त्रों, बारदाना में तेजी आयेगी। गेहूं, जौ, चना, गुड़, शक्कर, सरसों, कपास, ऊन में मंदा बनेगा। रुई, पटसन, शेयर्स में मंदा आकर तेजी बनेगी।

27 अगस्त–शुक्र पू.फा. में मध्यान्ह 15।11 पर-उत्तम वर्षा का योग है। सभी स्थानों पर वर्षा होगी। चावल, चांदी, सोना, रुई, सूत, सन, गेहूं, जौ, चना, ज्वार, बाजरा, उड़द, मूंग, घी आदि में गिरावट आयेगी। 14 दिनों में धान्य कुछ मंदा होगा। 30 अगस्त–मंगल पू.फा. में रात्रि 04।21 पर-गुड़, खांड, नमक, सरसों, लाही, अलसी, मूंगफली, घी तथा तैल के मूल्यों में तेजी बनेगी। गुड़, खांड, तैल, घी, रसकस में 20 दिनों में तेजी बनेगी।

31 अग.–सूर्य पू. फाल्गुनी में प्रातः 09।00 पर- सोने में अच्छी तेजी बनेगी। लोहा, जूट, सूत, गुड़, खांड, तैल, अरण्डी, सुपारी, ज्वार, ऊनी वस्त्रों में तेजी आयेगी। खाद्यान्नों की उपलब्धता सुलभ होगी। 14 दिनों में मादक पदार्थों, चावल, गेहूं, ज्वार, तिल, सरसों, घी, जीरा, रुई, कपास, चांदी तथा चांदी की वस्तुओं में तेजी आयेगी।

07 सितम्बर–शुक्र उ.फा. में प्रातः 09।13 पर-सभी प्रकार के अन्नों एवं रुई में तेजी आयेगी। 12 दिनों में धान्य कुछ तेज होंगे। सोना, चांदी में घटबढ़ चलेगी। एक मत से धान्यों में गिरावट आयेगी। 09 सितम्बर-आज के दिन की वर्षा से धान्यों में मंदा रहेगा।

10 सितम्बर–अस्त शुक्र कन्या में रात्रि 01।41 पर-अन्न तेज होंगे। उत्तम क्वालिटी के चावलों-बासमती आदि में विशेष तेजी आयेगी। सभी प्रकार के अन्न-गेहूं, चावल, सोना, गुड़, खाण्ड, घास तथा ऊनी वस्त्रों में तेजी आयेगी। चांदी घटाबढ़ी में आकर तेजी होगी। रुई में गिरावट आयेगी। सन तथा बारदाना के भावों में मंदा होगा। चौपायों के मूल्यों में तेजी आयेगी। एक अन्य मत से रुई, चांदी, चावल, घी में मंदा रहेगा। खड़ी फसल खराब होने से महंगाई बढ़ेगी। शाल की लकड़ी में तेजी रहेगी।

11 सितम्बर–अस्त बुध कन्या राशि में प्रातः 04।59 पर-अगले छः मास तक सोना उत्तम क्वालिटी की गुड़, खाण्ड, शक्कर में तेजी आयेगी। बाद में यह पदार्थ सस्ते होंगे। हल्दी, गेहूं, जौ, चना में तेजी बनेगी। चांदी, रुई में गिरावट रहेगी। 12 सितम्बर-पश्चिम दिशा में उदित शुक्र से अन्न में वृद्धि होगी।

14 सितम्बर–सूर्य उ. फाल्गुनी में रात्रि 02।54 पर-तिल, चावल, उड़द, नारियल, मूंग, जौ, ज्वार, गुड़, चीनी, जूट, कपास, हल्दी, हरड़, हींग, क्षार, कत्था में तेजी आयेगी। 14 दिनों में रेशम एवं रेशमी वस्त्र तथा कपास, सोना, चांदी, लोहा, घी, तेल, सरसों, अरंडा, सुपारी, अफीम, मूंज, बांस, नील में तेजी आयेगी।

आश्विन मास–15 सितंबर–मास पांच रविवार युत है। पांच रविवार होने से-**यत्र मासे रवेर्वारा जायन्ते पंच संततम्। दुर्भिक्षं छत्र भंग स्यात्तदास्ते च महद्भयं।।** वर्षा की कमी से कृषि उत्पादन प्रभावित होगा। जनता तथा शासन में परस्पर मतभेद बढ़ेंगे। 17 सितंबर-मंगलवारी आश्विन तृतीया के योग से धान्यों में तेजी आयेगी। बैठी संक्रांति से समान स्थिति रहेगी। सूर्य कन्या में 13।03 पर-**कन्यायां रवि नारियल तिलहन आदि मजिष्ठ । लाल द्रव्य घी तेल सब महंगे बिके विशिष्ठ ।।** 30 मुहूर्ति संक्रांति में रसकस के भाव सम रहेंगे। नारियल, तिल, तैल में तेजी बनेगी। अन्य मत से रुई, सूत, कपड़ा, नारियल, सुपारी, मेवा, मजीठ, लाल वस्तुओं, अरण्डा, घी, तेल, तिल, सरसों, सोना, चांदी, लोहा, तांबा, पीतल तथा शेयर्स में गिरावट आयेगी। किसी और के मत से नारियल, सरसों, अलसी, तिलहन, मजीठ आदि लाल रंग के पदार्थों में तिल, तेल घी, में विशेष तेजी चलेगी। मंगलवारी संक्रांति से वर्षा में कमी रहेगी। महंगाई बढ़ेगी प्रजा में भय व्याप्त होगा। कपास, मजीठ में तेजी रहेगी।

18 सितंबर–शनि मार्गी धनु राशि में रात्रि 02।30 पर-शनि मार्गी होने पर अन्न तथा रुई में मंदा बनेगा। मादक पदार्थों में 10 दिन में मंदा आयेगा। धान्यों की हानि होगी। शुक्र हस्त में रात्रि 03।00 पर-सोना में साधारण तेजी बनेगी। चावल, चांदी तथा रुई में मंदा आयेगा। अन्न, गुड़, खाण्ड, शक्कर में घटाबढ़ी रहेगी। 13 दिनों में यदि धान्यों में मंदा आ गया तो उनके संग्रह करने से लाभ होगा। 20 सितंबर-मंगल उ.फा. में रात्रि 01।42 पर-घोड़ों के मूल्यों में वृद्धि होगी। गुड़, खाण्ड, शक्कर, भारी माल वाहकों के मूल्यों में तथा सवारी गाड़ियों के मूल्यों में वृद्धि होगी। गुड़, खांड में 23 दिनों में तेजी बनेगी।

25 सितंबर–बुधवारी आश्विन कृष्ण एकादशी में गाय, भैंस आदि पशुओं में तेजी बनेगी। अस्त मंगल कन्या में प्रातः 06।33 पर-चन्दन, रेशम एवं रेशमी वस्त्र, अलसी, लाख-चपड़ा, लाल रंग की वस्तुओं एवं सभी लाल रंग के वस्त्रों, ऊनी वस्त्रों, जूट, सोना, चांदी, पीतल, तांबा, सूत, कपास, गेहूं, जौ, चना, गोला, गुड़, मिर्च, मजीठ, तैल, तिल, रुई, सूत हैशियन, बारदाना में तेजी आयेगी। 16 दिनों में रुई में तेजी आयेगी। मादक पदार्थों में मंदा आयेगा। अलसी में फेरबदल होगा।

27 सितम्बर-बुधोदय पश्चिम दिशा में कन्या राशि में प्रातः 05।57 पर-आश्विन मास उदित बुध से किसी स्थान पर अधिक वर्षा होगी। कृषि लाभान्वित होगी। धान्यों की उपज उत्तम रहेगी। बुध उदय होने पर 10 दिन में रुई में लगभग 10 से 12 की तेजी आयेगी। 40 दिन में धान्य तेज होंगे। रुई, कपास, कपड़ा, धान, चांदी में 15 दिनों में मंदा होगा। घी, तैल, अरण्डी, सरसों तथा धान्यों में तेजी बनेगी। अलसी घटाबढ़ी में रहेगी। सूर्य हस्त में सायं 18।26 पर-चना, घी, सूत, जूट, कपड़ा, धनियां, घास, लकड़ी, नमक, रुई में तेजी आयेगी। 15 दिनों में गेहूं, जौ, ज्वार, गुड़, खांड, कथीर, हरड़, खार, हल्दी, हींग, कपास तथा सन में तेजी आयेगी।

28 सितम्बर-शुक्र चित्रा में रात्रि 20।32 पर-सोना, चांदी तथा समस्त धान्यों के मूल्यों में समता रहेगी। प्रायः ही सभी वस्तुओं के भावों में स्थिरता रहेगी। रुई में मंदे का ध्यान रख कर कार्य करें। 29 सितम्बर-बुध तुला में 12।55 पर-रुई, सोना, गेहूं, जौ, चना, गुड़, शक्कर, खाण्ड, अफीम, बारदाना, गोला घी, शक्कर, अलसी तथा यूनानी एवं आयुर्वेदिक औषधियों में तेजी। चांदी, सरसों, अलसी, मूंगफली, बिनौला, मिर्च में मंदा रहेगा।

04 अक्तूबर-शुक्र तुला में प्रातः 05।14 पर-रुई में तेजी आकर गिरावट देखने में आयेगी। गुड़, शक्कर, सोना में साधारण तेजी रहेगी। चांदी में घटबढ़ चलेगी। उत्तम कृषि से अन्न घटाबढ़ी में रह कर मंदा होगा। शुभ ग्रहों से दृष्ट शुक्र से अच्छा मंदा बनेगा। एक मास में मादक पदार्थों में तेजी बनेगी। शुक्र तथा बुध की युति से गिरावट आयेगी। एक मत से रुई में मंदा खेले। शनि पू.षा. नक्षत्र तृतीय चरण रात्रि 21।31 पर-सभी प्रकार से हानि होगी। 09 अक्तूबर-शुक्र स्वाति में मध्यान्ह 13।57 पर- गुड़, खाण्ड, शक्कर, सरसों, तैल, पशु आहारों एवं भूसी वाले धान्यों में तेजी बनेगी। अन्नों, अन्न पदार्थों तथा गेहूं, जौ, चना में गिरावट आयेगी। अन्य सभी अन्नों में घटाबढ़ी चलेगी। अन्य मत से सभी वस्तुओं में तेजी बनेगी।

10 अक्तूबर-मंगल हस्त में रात्रि 19।38 पर-सभी प्रकार के अन्न विशेष रूप से मोटे अनाजों, घी, गुड़, खांड, नमक में तेजी बनेगी। सैंधा नमक तेज होगा। धान्यों के उत्पादन में कमी रहेगी। तेजी का प्रभाव 22 दिनों में होगा। 11 अक्तूबर-सूर्य चित्रा में प्रातः 07।25 पर-सोना, चांदी, रुई, तिल, सोना, चांदी, गुड़, खांड, केसर, कपूर में तेजी। 15 दिनों में गेहूं, चना, अरहर तथा धान्य, लाख, चपड़ा, सूत, कपास एवं रेशम में तेजी बनेगी।

कार्तिक मास-मास पांच सोमवार तथा पांच मंगलवार युत है। पांच सोमवार युत मास में-**सोमस्य पंच वारास्तु यत्र मासे भवति हि। धन धान्य समृद्धिः स्यात् सुखम् भवति सर्वदा॥** अच्छी वर्षा होगी। कृषि उत्पादन अच्छा रहेगा। व्यापारिक वस्तुओं में अच्छी घटाबढ़ी के साथ मंदे का रुख प्रबल रहेगा। एकाएक सभी वस्तुओं पर नियन्त्रण होगा। समय मंदी कारक रहेगा। धन-धान्य की वृद्धि होगी। उद्योग बढ़ेंगे। कृषि उत्पादन अच्छा होगा। मास पांच **मंगलवार** युत होने से-**यत्र मासे महीसूनोर्जायन्ते पंच वासरा। रक्तेन पूरिता पृथ्वी छत्र भंगस्तदा भवेत्॥** पश्चिमी देशों में भारी रक्तपात, आंतकवाद की घटनायें घटित होंगी। किन्हीं स्थानों पर सत्ता परिवर्तन होगा। लाल वस्तुओं तथा धान्यों में तेजी आयेगी।

14 अक्तूबर-मंगल उदित कन्या राशि में रात्रि 03।54 पर-धान्य उत्पादन उत्तम रहेगा। 05 दिनों में मादक पदार्थों तथा रुई में तेजी आयेगी। 18 अक्तूबर-सूर्य तुला में 01।03 पर-शुक्र के क्षेत्र का सूर्य दो मास तक तेजी बनाये रखेगा। 45 मुहूर्ति बैठी संक्रांति से बाजार की स्थिति समान रहेगी। कोई विशेष परिवर्तन नहीं होगा। रसकस तथा अन्न में गिरावट आयेगी। मादक पदार्थों में मंदा रहेगा। 20 अक्तूबर-शुक्र विशाखा में प्रातः 07।25 पर-उत्तम वर्षा होगी। धान्यों, गेहूं, जौ, चना, मटर, अरहर, मूंग, सूत, कपास, चांदी, चावल, स्वर्ण, सरसों में मंदा रहेगा। पशु आहारों एवं भूसी वाले धान्यों में घटबढ़ रहेगी। व्यापार में लगातार उतार-चढ़ाव होने से व्यापारी वर्ग चिन्ता में रहेगा। रुई में 15 दिनो में मंदा होगा।

23 अक्तूबर-बुध वृश्चिक में रात्रि 23।12 पर-सोना के मूल्यों में समता रहेगी। घी, तैल, रुई में घटाबढ़ी चलेगी। चांदी, अफीम, अलसी, सरसों, अरण्डा, बिनोला आदि तिलहनों तथा पशुओं के मूल्यों में तेजी आयेगी। अफीम, अलसी, सरसों, धान्यों-गेहूं, जौ, चना, बाजरा, ग्वार में गिरावट आयेगी। 24 अक्तूबर-सूर्य स्वाति में सायं 18।00 पर-सोना, चांदी, जूट, सूत, कपड़ा, शक्कर, बिनौला, सुपारी, मिर्च, सरसों, अलसी, राई में तेजी बनेगी। 14 दिनों में गुड, खाण्ड, तैल, लाख, हल्दी, हींग, कपूर, गुग्गल, रुई, सन तथा धातुओं में तेजी बनेगी।

28 अक्तूबर-शुक्र वृश्चिक में प्रातः 08।32 पर-सुभिक्ष से प्रायः ही शुभ फल प्राप्त होंगे। उत्तम कृषि से सभी प्रकार के धान्यों के मूल्यों में गिरावट आयेगी। महंगाई कम होने से राहत होगी। ज्वार, बाजरा, गेहूं, जौ, चना, उड़द, मूंग, मोठ आदि में मंदा होगा। चांदी में यदि अब तक तेजी रही तो मंदा होगा अन्यथा मंदा होने पर तेजी आयेगी। अलसी, रुई, कपास तथा शेयर मार्केट में तेजी बनेगी। गुड में घटावढ़ी चलेगी। मादक पदार्थों में पहले मंदा होकर बाद में तेजी बनेगी। 33 दिनों में रुई में मंदा आयेगा। वृश्चिक का शुक्र छः मास तक गुड, घी, दूध, रुई, कपास में तेजी बनायेगा तथा **मंगल घर में शुक्र हो अन्न तेज तब जान के अनुसार**-अन्न पदार्थों में तेजी बनायेगा। शुभ ग्रहों से बुध तथा गुरु के योग अच्छा मंदा बनेगा।

31 अक्तूबर-शुक्र अनुराधा में रात्रि 00।54 पर-रुई में तेजी बनेगी। गुड़, खाण्ड, शक्कर दूध, घी, चांदी, चावल, नमक तथा क्षारीय पदार्थों में गिरावट आयेगी। चावल और खांड में 22 दिनों में कुछ मंदा बनेगा। अन्य मत से-पशुओं की वृद्धि होगी। रुई में मंदा आयेगा। बुध वक्री वृश्चिक राशि में प्रातः 09।07 पर-रुई में तेजी आकर मंदा होगा। ईख, गुड, खाण्ड, शक्कर, घी, तैल, सरसों, अलसी, अरण्डी, बिनौला अन्य तिलहनों तथा कपूर में तेजी बनेगी। खाद्यान्नों के भावों में गिरावट आयेगी। मंगल चित्रा में प्रातः 09।19 पर-गेहूं, जौ, चना, चावल, चांदी, सोना, पीतल, तांबा में तेजी बनेगी। 12 दिनों में गेहूं, चावल, अन्य धान्यों तथा धातुओं में तेजी बनेगी।

01 नवम्बर-वक्री बुध अस्त पश्चिम दिशा वृश्चिक राशि में प्रातः 11।49 पर-सभी प्रकार की धातुओं में तेजी आयेगी। रुई, चांदी में तेजी होकर 15 दिनों में मंदा आयेगा। शेयर्स, हैसियन, बारादाना में गिरावट चलेगी। 05 नवंबर-गुरु धनु राशि मूल नक्षत्र में प्रातः 05।17 पर-गेहूं में तेजी बनेगी। मदिरा, मादक पदार्थों, तिल तथा गुड़ में गिरावट रहेगी। मूंग तथा कुल्थी का उत्पादन अधिक होगा।

07 नवम्बर-सूर्य विशाखा में रात्रि 02।04 पर-सोना, गुड़, खाण्ड, रुई, कपास, गेहूं, जौ, चना, सरसों, तिल तथा शेयरों में तेजी बनेगी। चांदी, रसकस, चावल, सूत, अफीम आदि मादक पदार्थ तथा विदेशी करेंसी में तेजी आयेगी। वक्री तथा अस्त बुध तुला राशि में मध्यान्ह 15।56 पर-रुई, सोना, गेहुं, जौ, चना, गुड़, शक्कर, खाण्ड, अफीम, बारदाना, गोला घी, शक्कर, अलसी तथा यूनानी एवं आयुर्वेदिक औषधियों में तेजी आयेगी। चांदी, सरसों, अलसी, मूंगफली, बिनौला, मिर्च में मंदा रहेगा।

10 नवम्बर-मंगल तुला में मध्यान्ह 14।24 पर-सभी प्रकार के अन्नों-गेहूं, जौ, चना मटर, अरहर, ग्वार, ज्वार, बाजरा, गुड़, शक्कर, मूंगफली, बिनौला तथा सभी प्रकार की सफेद वस्तुओं, तांबा, पीतल, बारदाना में तेजी। उड़द, मूंग, रुई, सूत, कपास में विशेष तेजी बनेगी। 45 दिनों में अफीम में तेजी बनेगी। शुक्र ज्येष्ठा में सायं 18।31 पर-सोना, चांदी, तिल, चावल, तैल, सरसों, हींग, सूत, रुई, खांड में मंदा रहेगा। अन्य मत से सरसों, तिल तैल में तेजी रहेगी। धान्यों में 18 दिनों में तेजी बनेगी।

मार्गशीर्ष मास-13 नवम्बर-मास पांच बुध तथा पांच गुरुवार युत है। पांच बुधवार होने से **बुधस्य पंच वाराश्चेज्जायन्ते च निरन्तरम्। प्रजानां सुखमत्यन्तम सुभिक्ष च प्रजायेत॥** किन्हीं स्थानों पर अच्छी वर्षा होगी तथा किन्हीं स्थानों पर साधारण वर्षा रहेगी। कृषि की उपज उत्तम रहेगी। सुभिक्ष रहेगा। धान्य आदि के भावों में न तो अधिक तेजी आयेगी और न ही अधिक मंदा होगा। पांच गुरुवार होने से-**यत्र मासे पंचवारा जायन्ते च**

बृहस्पते॥ विग्रह पश्चिमी देशे खड्ग युद्धज्च जायते॥ पश्चिमी | होकर बाद में मंदे में जायगी। व्यापार में अच्छी तेजी मंदी चलने | 16 दिवाली सोमवार-सूर्य धनु में 15।29 पर-15 मर्दी

बृहस्पते॥ विग्रह पश्चिमी देशे खड्ग युद्धञ्च जायते॥ पश्चिमी देशों में विग्रह होंगे। सशस्त्र युद्ध का योग बनेगा। व्यापारिक वस्तुओं में घटाबढ़ी चलेगी। रुख मंदे का रहेगा। रसकस की हानि से रसादि में तेजी चलेगी।

16 नवम्बर–वक्री बुध उदित पूर्व दिशा तुला राशि में रात्रि 23।04 पर-बुध उदय होने पर 10 दिन में रुई में लगभग 10 से 12 की तेजी आयेगी। 40 दिन में धान्यों में तेजी बनेगी। रुई में 25 दिनों तक तेजी चलेगी। चांदी में घटाबढ़ी के बाद तेजी आयेगी। सोना में मंदा बनेगा। गेहूं, जौ, चना, अलसी, अरण्डी, तिल, तैल, सरसों, लाल मिर्च में तेजी आयेगी। सूर्य वृश्चिक में 00।52 पर-**वृश्चिक राशि गत सूर्य हो तो ऊन वस्त्र समभाव। लाल द्रव्य मंदे मिले तो खरीद कर लाव॥** 45 मुहूर्ति खड़ी संक्रांति से सफेद वस्तुओं, ऊन, ऊनी वस्त्रों में तेजी चलेगी। चांदी, तांबा में साधारण तेजी बनेगी। गुड़, घी, दूध, रुई कपास में छः मास तक तेजी रहेगी। अन्य वस्तुओं के मूल्यों में कुछ तेजी रहेगी। लाल रंग के पदार्थों रसकस तथा अन्न में गिरावट आयेगी। ऊन एवं ऊनी वस्त्रों में तेजी के रुख के बाद भी भावों में समता रहेगी। अन्न उत्पादन उत्तम रहेगा। ज्वार, उड़द आदि का संग्रह करने से लाभ होगा। मालवे की अफीम में तेजी बनेगी। रुई तथा तैल में तेजी रहेगी।

20 नवम्बर–सूर्य अनुराधा में प्रातः 08।11 पर-चांदी, चावल, सूत, मादक पदार्थ, जौ, चना, आदि अनाजों में तेजी बनेगी। सोना में गिरावट रहेगी। चांदी में घटबढ़ चलेगी। 14 दिनों में गेहूं तथा विदेशी करेंसी में तेजी आयेगी। बुध मार्गी तुला राशि में मध्यान्ह 12।57 पर-रुई में घटाबढ़ी चलकर तेजी बनेगी। रेशम, चंदन, कपूर, अफीम तथा अनाजों में तेजी चलेगी। सन, भूसा तथा लकड़ी में 15 दिनों में तेजी आयेगी। गुड़, खाण्ड, शक्कर, तिल, तैल, सरसों, अलसी, कपूर, चन्दन में मंदा रहेगा। आयुर्वेदिक तथा यूनानी औषधियों में तेजी बनेगी। मंगल स्वाति में सायं 18।13 पर-गेहूं, जौ, चना, तिल, रुई, कपास, कपड़ा, तांबा, पीतल, गुड़, खांड, शक्कर में तेजी आयेगी। चांदी में घटाबढ़ी चलेगी तथा सोना, सन, सूत में साधारण मंदा रहेगा। 24 दिनों में गेहूं, तिल, तैल में तेजी बनेगी। रुई में अच्छी तेजी बनेगी। धान्य, मूंगफली, सरसों, राई, गेहूं, तिल, तैल महंगे होंगे। सोना में गिरावट आयेगी।

21 नवम्बर–शुक्र धनु राशि मूल नक्षत्र में मध्यान्ह 12।23 पर-कृषि को अनेक कारणों से क्षति होने से सभी प्रकार के धान्यों में तेजी आयेगी। कृषि नष्ट होने से गेहूं, जौ, चना, गुड़, शक्कर, खाण्ड, घी, चांदी, शेयर्स, सन, सूत, कपास, वस्त्रों, अफीम, चांदी, तांबा, लोहा आदि में तेजी रहेगी। सोना में घटाबढ़ी चलेगी। रुई तथा सभी प्रकार के अन्नों में पहले तेजी होकर बाद में मंदे में जायेगी। व्यापार में अच्छी तेजी मंदी चलने से व्यापारियों में घबराहट रहेगी। अन्य मत से चांदी, सोना, रुई कपास, गेहूं में तेजी बनेगी। सभी प्रकार के धान्यों में तेजी आकर बाद में मंदा बनेगा।

02 दिसम्बर-शुक्र पूर्वाषाढ़ में प्रातः 06।30 पर-उड़द, मूंग, तिल, तैल, सरसों, गुड़, शक्कर, खाण्ड, नमक में मंदा आयेगा। अन्य मत से तिल, तैल, सरसों, अलसी, उड़द, नमक 13 दिनों में मंदे होंगे। सोना, चांदी, रुई में तेजी आकर मंदा होगा। 03 दिसम्बर-सूर्य ज्येष्ठा में मध्यान्ह 12।24 पर-सभी प्रकार के शेयरों, गेहूं, जौ, चना, रुई, सूत, गुड़, खांड, शक्कर, अलसी, पारा, हींग, अरण्डा, गूगल में तेजी आयेगी। रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। 15 दिनों में चावल, सरसों, धान्य, कपड़ा, मादक पदार्थ, सोना, चांदी तेज होंगे।

05 दिसम्बर-बुध वृश्चिक में प्रातः 10।34 पर-अरण्डा, बिनोला आदि तिलहनों तथा पशुओं के मूल्यों में तेजी आयेगी। सोना के मूल्यों में समता रहेगी। घी, तैल, रुई, चांदी, अफीम, अलसी, सरसों में घटाबढ़ी चलेगी। धान्यों गेहूं, जौ, चना, बाजरा, ग्वार में गिरावट आयेगी।

10 दिसम्बर–मंगल विशाखा में रात्रि 22।00 पर-खाद्यान्नों की उपलब्धता से अन्न महंगे होंगे। कपास, रुई, गेहूं में तेजी की धारणा बनेगी तथा इनमें 24 दिनों में तेजी बनेगी। सूत, वस्त्र तथा गेहूं, जौ, चना में तेजी बनेगी। उड़द, मूंग, तिल, तैल, सरसों, गुड़, शक्कर, खाण्ड, खार तथा नमक में मंदा आयेगा। सोना, चांदी में तेजी आकर मंदा होगा। रसकसों में गिरावट का रुख रहेगा। सोंठ, मिर्च, पीपल अदरक खरीदने से चौथे मास में लाभ की सम्भावना रहेगी।

पौष मास–मास पांच शुक्रवार युत है। पांच शुक्रवार युत मास में-**शुक्रस्य पंचवारास्युर्यत्र मासे निरन्तरम्। प्रजा वृद्धि सुभिक्ष च सुखं तत्र प्रवर्तते॥** प्रजा में कुशल क्षेम रहेगी। मित्रता के भाव जाग्रत होंगे। व्यापारिक वस्तुओं में घटबढ़ चलेगी। रुख मंदे का रहेगा। रसकसों में भी मंदे का प्रभाव रहेगा।

13 दिसम्बर-शुक्र उ.षा. में रात्रि 01।11 पर-सोना, चांदी, अलसी, सरसों, अरण्डी, रसकस, गुड़, शक्कर, खाण्ड में मंदा आयेगा। रुई तथा अन्न में घटाबढ़ के बाद तेजी चलेगी। अन्य मत से रुई में मंदा चलेगा। 14 दिसम्बर-गुरु अस्त धनु में सायं 18।40 पर-उड़द, तिल का उत्पादन उत्तम रहेगा। 15 दिसम्बर-शुक्र मकर में 17।58 पर-कृषि नष्ट होने से उत्पादन में कमी रहेगी। सभी प्रकार के खाद्यान्नों, गुड़, खाण्ड, शक्कर, घी में तेजी आयेगी। रुई, चांदी में घटाबढ़ी के बाद तेजी का रुख रहेगा। अन्य मत से चांदी, सोना, सूत, सन में घटाबढ़ी होकर तेजी आयेगी। खाण्ड, गुड़, गेहूं, घी तेल में तेजी रहेगी। खुला चांस है।

16 दिसम्बर–सोमवार-सूर्य धनु में 15।29 पर-15 मुहूर्ति खड़ी संक्रांति में सोना, चांदी, चावल, तिल, तैल, सरसों, अलसी आदि तिलहनों, रसकस, रुई, सूत, कपास, कपड़ा, पाट एवं बारदाना, मादक द्रव्यों में तेजी बनेगी। सोमवारी पौषी संक्रांति से सुभिक्ष रहेगा। धान्यों के मूल्यों में गिरावट आयेगी। 15 दिनों में रुई तथा धान्यों में तेजी आयेगी। 20 दिसम्बर-बुध अस्त पूर्व दिशा वृश्चिक राशि में सायं 18।40 पर-चांदी में घटाबढ़ी चलेगी। 15 दिनों में रुई में घटबढ़ी चलेगी। पहले तेजी फिर मंदा तथा फिर तेजी बनेगी। रुख गिरावट का रहेगा। घी में 30 दिनों में मंदा आयेगा। ज्येष्ठा नक्षत्र में अस्त बुध से धान्यों, सोना, गेहूं, अलसी तथा अन्य वस्तुओं में तेजी आयेगी।

23 दिसम्बर–शुक्र श्रवण में रात्रि 20।42 पर-चांदी, सोना, गोला, गुड़, शक्कर, खांड, उड़द, मूंग, मोठ में मंदा आयेगा। कपास, तिल, तैल, सरसों, अलसी, अरण्डी में तेजी बनेगी। रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। अन्य मत से रुई में मंदा रहेगा। 25 दिसम्बर-मूल नक्षत्र युत पौषी अमावस्या में यदि बिजली चमकी तथा बादलों की गर्जना हुई तो वर्षा काल के चारों मास में वर्षा होगी। अस्त बुध धनु में मध्यान्ह 15।45 पर -उत्तम वर्षा होगी। पशु आहारों-घास, भूसा आदि की उपज अच्छी रहेगी। सोना, चांदी तथा धान्यों के मूल्यों में गिरावट आयेगी। रुई में घटाबढ़ी चलेगी। कपास, सूत, वस्त्रों, ईख तथा चावल में तेजी होगी। मंगल वृश्चिक में रात्रि 21।29 पर-वृश्चिक के मंगल से छः मास तक गुड़, घी, दूध, रुई कपास में तेजी चलेगी। सोना, चांदी, तांबा, रुई तथा सभी प्रकार के अन्नों में तेजी आयेगी। 15 दिन में अफीम में तेजी। आयुध तथा अस्त्रों में तेजी आयेगी। 26 दिसम्बर मूल नक्षत्र युत पौषी अमास्या से अन्न के भावों में गिरावट।

27 दिसम्बर–रात्रि 02।21 तक शनिदेव का गोचर उ.षा. नक्षत्र से रहेगा। **उत्तराषाढ़ के सौरि। सप्तमासे हि भास्कर॥ पानीयस्य लयं कुर्याद्धार्हीना च मही भवेत्।** धान्यों में तेजी आयेगी। 29 दिसम्बर–सूर्य पू.षा. में सायं 17।36 पर- सरसों, खाण्ड, ऊनी वस्त्रों में तेजी बनेगी। 14 दिनों में अफीम तथा अन्य मादक पदार्थों, ऊनी वस्त्रों, चांदी, सन, चपड़ा, हल्दी, गुग्गल, कपूर, तिल, गुड़, तेल में तेजी आयेगी। शनि अस्त धनु राशि में सायं 18।59 पर-अन्न की कमी रहेगी। 30 दिसम्बर-मंगल अनुराधा में रात्रि 20।40 पर-गेहूं, लाल मिर्च, लाल चन्दन तथा लाल रंग की सभी वस्तुओं में तेजी बनेगी। गेहूं तथा लाल मिर्च की तेजी 25 दिनों तक बनेगी।

03 जनवरी 2020–शुक्र धनिष्ठा में सायं 17।23 पर-स्वर्ण द्वार का शुक्र सुभिक्ष का योग बना रहा है। गेहूं में गिरावट आयेगी। सामान्य जन को राहत रहेगी। मूंग, मोठ, सोना, चांदी, रुई कपास, चावल, उड़द, मूंग, मोठ, अरहर, ज्वार में तेजी

बनेगी। गेहूं में घटबढ़ चलेगी। 05 जनवरी–अस्त गुरु के पूर्वाषाढ़ नक्षत्र से गोचर में सुभिक्ष होकर प्रजा में सुख रहेगा। वर्षा काल में तीन मास तक वर्षा होगी। एक मास वर्षा में कमी रहेगी।

09 जनवरी–शुक्र कुंभ में रात्रि 04।23 पर-खाद्यान्नों की उपलब्धता में कमी होगी। मंहगाई बढ़ेगी फिर भी जनसामान्य असाधारण रूप से शांत रहेगा। चांदी, रुई, गेहूं, जौं, चना, उड़द, मूंग, ज्वार, बाजरा, आदि अन्न, सफेद वस्तुओं तथा रसकस में गिरावट। एक मत से प्रत्येक वस्तु में मंदी का रुख दिखाई देगा। 10 जनवरी–गुरु उदित धनु राशि में रात्रि 21।33 पर-पौष मास में उदित गुरु से सभी प्रकार के धान्यों का उत्पादन उत्तम रहेगा।

माघ मास–11 जनवरी–मास पांच शनि तथा पांच रविवार युत है। पांच शनिवार से-**शनैश्च पंचकं दृष्ट्वा पाताले कम्पते फणी। ईशान देशं भंगश्च वह्निदाहो महर्घता।।'** भूकम्पों तथा अग्निकांडों से जन-धन की हानि होगी। वर्षा में कमी रहेगी। यदि वर्षा हुई भी तो बिल्कुल साधारण। कृषि की हानि से महगांई बढ़ेगी। प्रत्येक वस्तु में तेजी बनेगी। उत्तरी पूर्वी देशों में विग्रह होंगे। सत्ता परिवर्तन होगा। मास पांच रविवार युत होने से-**यत्र मासे रवेर्वारा जायन्ते पंच संततम्। दुर्भिक्षं छत्र भंग स्यात्तदास्ते च महद्भयं।।** वर्षा की कमी से कृषि उत्पादन प्रभावित होगा। जनता तथा शासन में परस्पर मतभेद बढ़ेंगे। सत्ता परिवर्तन होगा। दुर्भिक्ष का भय रहेगा। माघ मास की पंचमी, षष्ठी तथा सप्तमी में शुक्र, शनि तथा रविवार के अभाव से भाद्रपद मास में गेहूं, धान्य, मूंग में तेजी आयेगी।

11 जनवरी–सूर्य उ.षाढ़ में रात्रि 19।35 पर-गेहूं, खाण्ड, देशी शक्कर, जूट, सूत, घी, चना, सरसों, घी, तिल, तैल, चांदी, रुई तथा हल्दी में तेजी होगी। 14 दिनों में लाख, चपड़ा, पीपला मूल, मूंज, बांस, कपास, रेशम, मूंग, चावल, उड़द, सरसों, गुड़ तेज होंगे। 13 जनवरी–अस्त बुध मकर में प्रातः 11।35 पर-शुभ तथा अशुभ दोनों प्रकार के फल प्राप्त होंगे। शनि के क्षेत्र का बुध अन्न के भावों में समता बनाये रखने में मदद करेगा। बाजारों में सामान्य घटबढ़ चलेगी। सोना, चांदी तथा रुई में तेजी रहेगी। गेहूं, जौं, चना के भावों में विशेष परिवर्तन नहीं होगा। रुई, गुड़, खांड, घी, तैल के भावों में मंदा आयेगा।

14 जनवरी–शुक्र शतभिषा में मध्यान्ह 15।57 पर- स्वर्ण द्वार का शुक्र सुभिक्ष का योग बना रहा है। घी, तिल, तैल, गुड़, शक्कर, खांड, सरसों, अलसी, अरण्डी, रुई, कपास, चावल, सोना, चांदी तथा पशुओं में तेजी रहेगी। मादक पदार्थों के व्यापारियों तथा उपभोक्ताओं को कष्ट रहेगा। 15 जनवरी- सूर्य मकर में रात्रि 19।51 पर-अन्न सस्ता होगा। तैल, घी में तेजी रहेगी। 30 मुहूर्ति सूती संक्रांति में रसकस के भाव सम रहेंगे। अधिक फेरफार नहीं होगा। गुड़ का उत्पादन बढ़ेगा। घी, तैल, रुई तथा लाल वस्त्रों में तेजी आयेगी। धान्यों में कभी तेजी तो कभी मंदा रहेगा। रुख गिरावट का रहेगा।

19 जनवरी–मंगल ज्येष्ठा में मध्यान्ह 14।32 पर-चांदी में गिरावट आयेगी। रुई में घटबढ़ चलेगी। मादक पदार्थों में 12 दिनों में तेजी का योग है। 24 जनवरी-शनि मकर राशि उ.षाढ़ नक्षत्र द्वितीय चरण में प्रातः 09।56 पर-धान्यों की उत्तम उपज होगी। सभी धान्यों, घी, तैल, रसकस में मंदा आयेगा। किन्हीं स्थानों पर खाद्यान्नों में कमी अनुभव होगी। कपास, मजीठ, द्राक्ष, चन्दन में तेजी आयेगी। लेबर कॉस्ट बढ़ेगी। सूर्य श्रवण नक्षत्र में रात्रि 21।51 पर-सभी प्रकार के अन्नों में विशेषकर गेहुं में तेजी आयेगी। उड़द, मूंग, जूट, सूत, कपास, बांस, सरसों, गुड़, खांड, चीनी, रुई, कपास, सन महंगे होंगे। शेयरों में तेजी आयेगी। 14 दिनों में सोना, चांदी आदि धातु, करेंसी, अफीम आदि मादक पदार्थ अलसी, जौ, गेहूं, चावल में तेजी आयेगी।

25 जनवरी–शुक्र पू.भा. में सायं 17।07 पर-स्वर्ण द्वार का शुक्र सुभिक्ष का योग बना रहा है। रुई में 10 से 15 टके की तेजी बनेगी। गेहूं, जौ, चना आदि अन्नों में गिरावट रहेगी। अन्य मत से सट्टेबाजों को हानि होगी। 27 जनवरी-बुध उदित पश्चिम में मकर में रात्रि 01।49 पर-धान्यों तथा रस की उत्पत्ति उत्तम रहेगी। रुई, कपास, कपड़ा, धान, चांदी में 15 दिनों में मंदा होगा। घी, तैल, अरण्डी, सरसों तथा धान्यों में तेजी बनेगी। अलसी घटाबढ़ी में रहेगी। बुध उदय होने पर 10 दिन में रुई में लगभग 10 से 12 की तेजी आयेगी। 40 दिन में धान्यों में तेजी बनेगी।

31 जनवरी–बुध कुंभ में रात्रि 02।53 पर-शनि के क्षेत्र का बुध सोना, चांदी आदि धातुओं तथा अन्न के भावों में समता बनाये रखने में मदद करेगा। शुभ तथा अशुभ दोनों प्रकार के फल प्राप्त होंगे। रुई, घी, तैल, रसकस, गुड़, खांड, शक्कर में घटाबढ़ी के बाद मंदा बनेगा। सोना, चांदी, तांबा, पीतल में मंदा आकर तेजी आयेगी। अलसी, सरसों में घटाबढ़ी चलेगी। मादक पदार्थ तेज होने के बाद गिरावट में जायेंगे।

02 फरवरी–माघ शुक्ल अष्टमी में कृतिका के अभाव से आगे श्रावण मास में अनावृष्टि होगी तथा फाल्गुन मास में जौ तथा गेहूं की फसल को रोली से हानि होगी। शनि उदित मकर राशि में-लोहा, काष्ठ तथा भूसे की हानि से इनमें तेजी बनेगी। 03 फरवरी–शुक्र मीन में रात्रि 02।18 पर-खाद्यान्नों की उपलब्धता में कमी होगी। घी, रुई एवं चांदी में तेजी बनेगी। महंगाई बढ़ेगी फिर भी जनसामान्य असाधारण रूप से शांत रहेगा। सभी प्रकार के धान्यों, तैल, तिलहन, अलसी, अरण्डी, गुड़, खाण्ड में गिरावट। अन्य मत से सुभिक्ष रहेगा। जनसामान्य में सुख शांति रहेगी। धान्यों में मंदा रहेगा। रुई 25 दिनों में तेज होगी। धान में मंदा आयेगा। 05 फरवरी-शुक्र उभा. में रात्रि 21।55 पर-फसलों को रोग तथा कीटों से हानि के कारण गेहूं, जौ, चना, ज्वार, बाजरा, मोंठ, मूंग, फलों, अदरक, हल्दी, प्याज, लहसुन आदि कृषि उत्पादों तथा चौपायों में तेजी आयेगी। मूल पदार्थों में तेजी बनेगी। चांदी, मोती, ईख, गुड़, खांड, रुई, कपास, सूत, सन, चावल, नमक, कपूर, गोला, सरसों तथा अन्य तिलहनों में मंदा आयेगा। सोना के मूल्यों में समता रहेगी। दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थों, घी में घटबढ़ चलेगी। मोती, तिल, तैल में मंदा आकर तेजी बनेगी। शाक भाजी के उत्पादकों को हानि होगी।

07 फरवरी–सूर्य धनिष्ठा में रात्रि 00।57 पर-सोना, चांदी, तांबा, लोहा, रुई, चावल, कपड़ा अनाज, जौ, गेहूं, सूत, सन, गुड़, खांड, जूट, तिलहन, अलसी में तेजी आयेगी। 14 दिनों में मूंग, मसूर, नील में तेजी आयेगी। 08 फरवरी-मंगल धनु राशि मूल नक्षत्र में रात्रि 03।52 पर-सरसों, बिनौला, मूंग का उत्पादन कम होगा। मूल द्रव्यों, भूसा, काष्ठ, अदरक, हल्दी, प्याज, आलू, भूसा एवं अन्य पशु आहारों में, सभी प्रकार के अन्नों- गेहूं, जौ, चना, मटर, अरहर, ग्वार, मूंग, चावल, सोना, चांदी एवं अन्य धातुओं, सूत, पटसन, बारदाना, अलसी, सरसों, बिनोला आदि तिलहनों भूसा, भूसे वाले धान्यों तथा अन्य धान्यों तथा पशुओं में तेजी रहेगी। रुई में घटाबढ़ी से तेजी रहेगी। घी, कपास मंदे होकर तेज होंगे।

फाल्गुन मास–10 फरवरी–मास पांच सोमवार युत है। पांच सोमवार युत मास में-**सोमस्य पंच वारास्तु यत्र मासे भवति हि। धन धान्य समृद्धिः स्यात् सुखम् भवति सर्वदा।।** अच्छी वर्षा होगी। कृषि उत्पादन अच्छा रहेगा। व्यापारिक वस्तुओं में अच्छी घटाबढ़ी के साथ मंदे का रुख प्रबल रहेगा। एकाएक सभी वस्तुओं पर नियन्त्रण होगा। समय मंदी कारक रहेगा। धन-धान्य की वृद्धि होगी। उद्योग बढ़ेंगे। कृषि उत्पादन अच्छा होगा। प्रजा में सुख रहेगा।

13 फरवरी–सूर्य कुंभ में-**सोमवार के दिन कभी हो सूर्य संक्रांति। मूंगा, मोती, धान्य सब सस्ता अरु सुख शांति ।। कुंभ सूर संक्रमण में सुख समृद्धि शुभ साज। लवण तेल महंगा बिकै मन्दा रहै अनाज ।।** 30 मुहूर्ति सोमवारी सूती संक्रांति से बाजार में गिरावट आयेगी। रसकस के भाव सम रहेंगे, अधिक फेरफार नहीं होगा। मूंगा, मोती, अन्न, रुई, पटसन, बारदाना, गुड़, खांड, शक्कर, गन्ना, मक्का, ज्वार बाजरा, ऊनी रेशमी वस्त्र तथा किराने की वस्तुओं में मंदा आयेगा। नमक में तेजी आयेगी। अन्य मत से वस्त्रों में तेजी बनेगी। नमक, तैल, सरसों, मूंगफली, अलसी, राई के भावों में सामान्य तेजी आयेगी। सोना, चांदी आदि धातुओं के भाव सम रहेंगे। रुई, सूत, बिनोला, कपास में घटबढ़ चलेगी। तिल, तेल सरसों, लाही, अलसी में पहले तेजी आकर बाद में मंदा होगा। जौ, चना, गेहूं में घटाबढ़ी

के बाद तेजी आयेगी। संक्रांति अनाजों के भावों में गिरावट का योग बना रही है। कुंभ के सूर्य का शनि से पंचम त्रिकोण स्थान ... बाद तेजी बनेगी। तैल, तिल, सरसों, अरण्डी, अलसी में ... 17 मार्च–मंगल उ.षाढ़ में रात्रि 19।29 पर-कृषि उत्पादन

के बाद तेजी आयेगी। संक्रांति अनाजों के भावों में गिरावट की योग बना रही है। कुंभ के सूर्य का शनि से पंचम त्रिकोण स्थान का गोचर संसार में दुःख एवं दुर्भिक्ष का योग बना होने से उपरोक्त शुभ फलों में कमी रहेगी। कहा भी है **राहु केतु भौम रवि शनि से पंचम स्थान। एकै अथवा अधिक फल दुःख दुर्भिक्ष महान॥** सोमवारी संक्रांति से पाला पड़ने से चने की फसल को हानि होगी। गुरुवारी कुंभ संक्रांति से गुड़ तथा लाल रंग के वस्त्रों का उत्पादन बढ़ेगा। अफीम में गिरावट रहेगी। अन्न में मंदा चलेगा। रुई नमक, तिल, तैल तथा धान्यों में तेजी।

14 फरवरी–फाल्गुन कृ. षष्ठी में स्वाति के योग से दुर्भिक्ष योग बना है। 16 फरवरी–बुध वक्री कुंभ राशि में सायं 18।25 पर-बाजारों में घटबढ़ चलेगी। रसकस तथा रुई में तेजी आकर मंदा होगा। ईख, गुड, खाण्ड, शक्कर, घी, तैल, सरसों, अलसी, अरण्डी, बिनौला अन्य तिलहनों तथा कपूर में तेजी बनेगी। धान्य सस्ते होंगे। 17 फरवरी-शुक्र रेवती में प्रातः 08।03 पर-स्वर्ण द्वार का शुक्र सुभिक्ष का योग बना रहा है। सामान्य जन को राहत रहेगी। चांदी, गुड़, खाण्ड, शक्कर, रुई, कपास, चावल, सूत, चन्दन, सन, जवाहरात में मंदा रहेगा। रुई, चांदी, चावल, खांड के भावों में मंदे के झटके आयेंगे।

20 फरवरी–सूर्य शतभिषा में प्रातः 05।30 पर-सोना, गेहूं, चना, गुड़, खांड, रुई, सूत, कपास, जूट, घी, तिल, छुवारा, सोंठ, हल्दी में तेजी आयेगी। 14 दिनों में खार, सौंठ, द्राक्ष, जायफल, हींग, नील, कपड़ा, सरसों, सन, चांदी, तैल में तेजी बनेगी। पश्चिम में कुंभ राशि में सायं 17।09 पर अस्त वक्री बुध से चांदी में तेजी होकर मंदा आयेगा। शेयर्स, हैसियन, बारादाना में गिरावट चलेगी। 15 दिनों में रुई में मंदा आयेगा।

23 फरवरी-शनि उ.षाढ़ नक्षत्र तृतीय में प्रातः 06।35 पर-धान्यों में तेजी आयेगी। 24 फरवरी–फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा में शतभिषा नक्षत्र के योग से 39 प्रतिशत सुभिक्ष रहेगा। 27 फरवरी-मंगल पू.षाढ़ में मध्यान्ह 13।10 पर-दुग्ध उत्पादन में गिरावट से दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थों में कमी आयेगी। अन्न उत्पादन संतोष जनक रहेगा। घास, चारा, धान, तिल, तैल, घी, उड़द, चावल, नमक, उड़द, बादाम, खोपरा, मूंगफली, शालि, चांदी, सोना में तेजी बनेगी।

29 फरवरी–शुक्र मेष राशि अश्विनी नक्षत्र में रात्रि 01।33 पर-मेष का शुक्र छः मास तक गुड़, घी, दूध, रुई कपास में तेजी बनायेगा तथा **मंगल घर में शुक्र हो अन्न तेज तब जान** के अनुसार अन्न पदार्थों में तेजी बनायेगा। पशुओं तथा धान्यों में तेजी आयेगी। जौं, तिल, उड़द का उत्पादन कम रहेगा। रुई, कपास, ऊन के भावों में गिरावट रहेगी। सोना, चांदी, गेहूं, जौ, चना, अन्य सभी प्रकार के धान्यों तथा घी में तेजी रहेगी। सभी प्रकार के धान्यों, गुड़, शक्कर, पटसन, बारदाना में घटबढ़ के बाद तेजी बनेगी। तैल, तिल, सरसों, अरण्डी, अलसी में घटाबढ़ी के बाद मंदे का रुख बनेगा। अन्य मत से दूध, घी, चावल, चांदी में तेजी चलेगी। स्वर्ण द्वार के शुक्र से ऊन, धातु, रसकस, सोंठ, तिल, अलसी, जौ, चना, उड़द में 12 दिनों में गिरावट आयेगी।

02 मार्च–फाल्गुन शुक्ल द्वितीया में कृतिका नक्षत्र से भाद्रपद मास की अमावस्या में वर्षा का योग बना है। तथा आगे आर्द्रा में वर्षा होगी। 03 मार्च-रोहिणी युत फाल्गुन शु. अष्टमी से अल्प वर्षा, 04 मार्च-सूर्य पू.भाद्रपद में मध्यान्ह 11।42 पर-चावल, ज्वार, बाजरा, पीपल, गुड़, खाण्ड, देशी शक्कर, सरसों, तिल, तैल, कपास, सूत में तेजी आयेगी। 14 दिनों में रुई, रेशम, सोना, चांदी, पीपला मूल, गूगल, घी, चना, उड़द, गेहूं तेज होंगे। वक्री बुधोदय कुंभ राशि में मध्यान्ह 12।38 पर पूर्व दिशा में रुई में 25 दिनों तक तेजी चलेगी। चांदी में घटबढ़ी के बाद तेजी आयेगी। सोना में मंदा बनेगा। गेहूं, जौ, चना, अलसी, अरण्डी, तिल, तैल, सरसों, लाल मिर्च में तेजी आयेगी। 08 मार्च-गुरु उ. षाढ़ में प्रातः 06।11 पर-गुड़ तेज होगा। 09 मार्च-बुध मार्गी कुंभ राशि में रात्रि 21.22 पर- सोना, सुपारी, सरसों, सोंठ, लाख तथा चमड़ा में तेजी बनेगी।

चैत्र मास–10 मार्च--मास पांच मंगल तथा पांच बुधवार युत है। पांच मंगल युत मास में-लाल वस्तुओं तथा धान्यों में तेजी आयेगी। पांच बुधवार होने से-कृषि की उपज उत्तम रहेगी। सुभिक्ष रहेगा। धान्य आदि के भावों में न तो अधिक तेजी आयेगी और न ही अधिक मंदा होगा।

12 मार्च-शुक्र भरणी में प्रातः 06।18 पर-तिलों की फसल नष्ट होगी। रुई तथा भूसे वाले धान्यों में तेजी आयेगी। तैल, तिल, सरसों, गेहूं, जौ, चना, मूंग मोठ, ज्वार, श्रीफल, सुपारी, धान्य, तूअर आदि में घटबढ़ रहेगी। रुख मंदे का बनेगा। सोना, चांदी में गिरावट आयेगी। चांदी, सोना, तांबा, लाल रंग की वस्तु तथा नारियल में 12 दिनों में मंदा आयेगा। 14 मार्च-सूर्य मीन में-45 मुहूर्ति बुधवारी बैठी संक्रांति में रसकस तथा अन्न में गिरावट आयेगी। नमक, तिल, तैल तथा सभी धान्यों में तेजी बनेगी। नमक तिल तेल साधारण तेजी आयेगी। रस पदार्थों में-गुड़, खांड, सरसों, अलसी, तिल, तैल, तिलहनों में मंदा आयेगा। **बुधावार को जब कभी हो सूर्य संक्रांति। रस पदार्थ गुड़, खांड अरु तिलहन तेज नितांत॥ सर्व धान्य महंगे बिकै मीन राशि गत भानु। तेजी तिलहन नमक में साधारण अनुमानु॥** अफीम में मंदा आयेगा। रसकस में तेजी बनेगी। किराना की वस्तुओं में तेजी आयेगी। सब प्रकार के धान्य महंगे होंगे। नमक, तिल, तैल में विशेष तेजी का योग रहेगा।

17 मार्च-मंगल उ.षाढ़ में रात्रि 19।29 पर-कृषि उत्पादन उत्तम रहेगा। दुग्ध उत्पादन में गिरावट। दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थों में कमी आयेगी। तैल तथा तैलीय पदार्थों, तिल, तैल, धान, चावल, बादाम, खोपरा, सरसों, मूंगफली, सोना चांदी, तिल, शालि, उड़द में तेजी। रुई के भावों में अकस्मात् तेजी आयेगी। राई, सरसों, उड़द, मूंग साधारण तेज रहेंगे। घी में घटबढ़ चलेगी। गुड़ में मंदा रहेगा। सूर्य उ.भाद्रपद में रात्रि 20।13 पर-सोना, चांदी, रुई, गुड़, खांड, शक्कर, गेहूं, कपड़ा, अनाज, नमक में तेजी। 14 दिन में तैल, धान्य तथा रस में तेजी। 22 मार्च-मंगल मकर में मध्यान्ह 14।40 पर-सभी प्रकार के धान्यों के मूल्यों में गिरावट। घी, तैल, सोना, चांदी, रुई, कपास, अलसी, सरसों, तैल, तिल, ऊन, घी, गुड़, खांड, शक्कर, तांबा में तेजी। 03 दिन में रुई में गिरावट। 25 मार्च-शुक्र कृतिका में प्रातः 05।28 पर-सरसों, उड़द के उत्पादन में कमी आयेगी परन्तु अन्य धान्यों का उत्पादन सामान्य रहेगा। सोना, चांदी, हींग जीरा, सुपारी, रुई, सूत, कपास, कपड़ा, चावल, अन्न, सरसों, तिल, तैल सरसों में गिरावट। 11 दिनों में चांदी, रुई, सूत, कपास, रेड़ी, तिल, तैल, सरसों, हींग, खजूर, घी तेज होंगे। अन्य मत से रुई, सूत, कपास, सन, सूत, बिनोला, तिल, सरसों, तेल, चांदी, सोना, तांबा, पीतल में छः दिनों में मंदा आयेगा।

28 मार्च-शुक्र वृष में मध्यान्ह 15।38 पर-जौ, गेहूं, चना, मटर आदि अनाजों तथा धान्यों में तेजी बनेगी। सोना में घटाबढ़ी के बाद तेजी का रुख बनेगा। रुई तथा चांदी में गिरावट के बाद 15 दिनों में तेजी बनेगी। चावल, घी, शेयर्स में गिरावट आयेगी परन्तु आगे चलकर तेजी बनेगी। 31 मार्च-सूर्य रेवती में प्रातः 06।58 पर-रुई, चावल, चांदी, सरसों, अलसी, लाख, गेहूं, जौ चना, अरहर, मूंग, उड़द, लहसुन, सब्जी, चपड़ा, मोती, रत्न अन्य अनाजों तथा पशुओं में तेजी आयेगी। जलीय वस्तुओं मोती, रत्न, फल-फूल, सुगन्धित पदार्थों, नमक की हानि होगी।

कमोडिटी मार्केट का उपरोक्त संभावित रुख ग्रह गोचर पर आधारित है तथा बिना किसी पूर्वाग्रह के दिया जा रहा है। बाजार स्थानीय परिस्थितियों के अतिरिक्त वैश्विक एवं स्थानिक राजनैतिक वातावरण, केन्द्र तथा प्रदेश सरकार की नीतियों आदि पर निर्भर करता है। बाजार में काम करने व्यापार करने से पूर्व बाजार का आंकलन कर लेना हितावह है। ज्योतिषीय आधार पर किये गये व्यापार से होने वाले लाभ अथवा हानि के लिये लेखक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं होंगे। बाजार की वार्षिक, अर्द्धवार्षिक रिपोर्ट के लिये लेखक से सी- 82 वल्लभ नगर, उमा नगर सोसायटी के सामने, नोविनो तरसाली रोड, वड़ोदरा (गुजरात), पिन-390009 मो-09574337962 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

लेखकः-प्रवीन कुमार जैन, डॉ. उमा जैन

शेयर बाजार वर्ष 2019-2020 ई.

लेखक:-
प्रवीन कुमार जैन, डॉ. उमा जैन

वर्ष 2019-20 के लिये प्रस्तुत शेयर बाजार का आंकलन उन्हीं ज्योतिषीय सिद्धातों, मतों एवं परम्परा तथा ग्रह गोचर पर आधारित है जिन की गणना के आधार पर हमारा शेयर बाजार का आंकलन पूर्व में बहुचर्चित, सर्वत्र प्रशंसित तथा सराहनीय रहा है। विभिन्न संचार माध्यमों से दिन-प्रतिदिन अनेक पाठकों ने इसकी भूरि-भूरि प्रशंसा की है। पूर्व की भांति इस वर्ष भी हम इस आलेख में वर्ष के प्रत्येक मंगलवार के लिये शेयर बाजार का आंकलन प्रस्तुत कर रहे हैं, तो उसका कारण जैसा कि हम पूर्व में भी कह चुके है, मात्र इतना है कि अनेक विद्वानों ने शेयर बाजार का लग्न वृश्चिक निर्धारित किया है। अपने संशोधन तथा शोध के उपरान्त हम भी इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि मंगल ग्रह का शेयर बाजार पर सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। हमारा प्रयास सदैव शोधात्मक कार्य को प्रस्तुत करना रहा है ताकि वह अनेकानेक प्रकार से विद्वत् जनों के लिये न केवल उपयोगी हो वरन् विचारोत्तेजक भी हो तथा विद्वान् पाठकों को इस दिशा में और भी अधिक परिष्कृत रूप में कार्य करने के लिये प्रेरित करें। ध्यान रहे कि बाजार के आंकलन में प्रतिशत में बताई गई तेजी-मंदी इन्ट्राडे है, बाजार किसी दिन तेजी में जाने के उपरान्त भी पिछले दिन की तुलना में गिरकर बंद हुआ हो सकता है।

शेयर बाजार की वोलेटिलिटी एवं गिरावट-वर्ष 2019 में गुरु वृश्चिक राशि से धनु राशि में गोचर कर पुनः वृश्चिक राशि में गोचर करेंगे। 05 नवम्बर से गुरु का गोचर पुनः धनु राशि में होगा। गुरु गोचर के अनुसार नेचुरल रबर तथा रबर उत्पादों में तेजी रहेगी। बैंकिंग सैक्टर में सुधार होगा। परिवर्तित नियमों से बैंकों के एन पी ए की रिकवरी होगी परन्तु वर्षान्त में मार्च के अन्तिम सप्ताह में पुनः स्थिति विचारणीय बनेगी। पिछले वर्ष हमने बैंकिंग सैक्टर की परफारमेन्स तथा कुछ बैंक्स के परस्पर विलय की भविष्यवाणी की थी जो शत-प्रतिशत सत्य सिद्ध हुई। वर्ष 2019 में भी शनि देव के धनु राशि से गोचर में बैंक्स का परस्पर विलय होगा। माईनिंग, पैट्रोलियम, रिफाईनरीज के शेयर्स में तेजी बनेगी। शेयर बाजार नई ऊचांई छुयेगा।

अप्रैल-2019

02 अप्रैल-आज 58.31 प्रतिशत शेयर तेजी में, 16.69 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा शेष 25.00 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई डी कन्फैक्शनरी, असाई इण्डिया ग्लास, हिन्दुस्तान कॉपर, ए बी बी, हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स में तेजी रहेगी। बाम्बे डाईंग, सैन्चुरी एन्का, फार्बेस गोकाक, गार्डन सिल्क, हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा सिंन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड में गिरावट रहेगी। क्लोजिंग समय पर कोई विशेष परिवर्तन नहीं होगा।

प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, एस्सार स्टील, टाटा स्टील, प्रिज्म सीमेंट, श्री सीमेंट, टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स में गिरावट रहेगी।

09 अप्रैल-आज 58.31 प्रतिशत शेयर तेजी में, 16.69 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा शेष 25.00 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। इण्डो रामा सिन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड, एस आर एफ, वैलस्पन इण्डिया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई डी कन्फैक्शनरी में गिरावट आयेगी।

इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्डिया ग्लास, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स में गिरावट रहेगी। ए बी बी, हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, क्राम्पटन, एम्को, भारत इलैक्ट्रोनिक्स, आप्टो सर्किट के शेयर्स कमजोर रहेंगे।

16 अप्रैल-50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेंगे। 16.68 प्रतिशत शेयर गिरावट में खुलेंगे। 33.32 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, क्राम्पटन, एम्को, अशोका लैलेण्ड, बजाज आटो, आईशर मोटर्स, फोर्स मोटर्स, हीरो मोटर्स कार्प, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा, मारुती उद्योग, पंजाब ट्रेक्टर्स, स्वराज माजदा, टाटा मोटर्स, टी वी एस मोटर्स, एडलैब फिल्मस, बालाजी टेली फिल्मस तथा चाय, काफी सैक्टर्स में तेजी चलेगी। इण्डो रामा सिन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड, एस आर एफ, वैलस्पन इण्डिया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई डी कन्फैक्शनरी में गिरावट आयेगी।

23 अप्रैल-50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में, 25.00 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। बी एच ई एल, क्राम्पटन, एम्को, हैवेल्स इण्डिया, भारत इलैक्ट्रोनिक्स, आप्टो सर्किट, सीमेन्स, सोलेक्ट्रोन सैन्टम इलैक्ट्रोनिक्स में तेजी बनेगी। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड में घटबढ़ चलेगी। गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज, चाय, टी, टोबेको, तथा फार्मास्युटिकल सैक्टर्स कमजोर रहेंगे। टी, टोबेको, फार्मास्युटिकल सैक्टर्स में गिरावट रहेगी।

30 अप्रैल-50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में, 25.00 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्डिया ग्लास तथा टोबेको, चाय काफी, फार्मास्युटिकल सैक्टर्स में तेजी रहेगी। इलेक्ट्रोनिक व्हाईट गुड्स, ऐयरोस्पेश, सर्जिकल इक्विपमेन्टस एण्ड गुड्स, लोजिस्टिक एवं ट्रान्सपोर्ट शेयर्स, फिल्म इण्डस्ट्री, ऐयरेटड वाटर, एल्युमीनियम टेलीस्पैक्टर्म सैक्टर्स कमजोर रहेंगे। बाम्बे डाईंग, सैन्चुरी एन्का, फार्बेस गोकाक, गार्डन सिल्क, हिम्मत सिंगका शैदे, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई डी कन्फैक्शनरी, टाटा स्टील, उत्तम स्टील, ए सी सी सीमेंट, गुजरात अम्बुजा सीमेंट, जे के लक्ष्मी सीमेंट, मद्रास सीमेंट, प्रिज्म सीमेंट में गिरावट रहेगी।

मई-2019

07 मई-50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में, 25.00 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्डिया ग्लास, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, क्राम्पटन में सुधार होगा। हिन्दुस्तान आयल एक्सप्लोरेशन, ओ एन जी सी, एग्रोटैक फूड, जी एम डी सी, सेसा गोआ, गैमन इण्डिया, एच सी सी, आई वी आर सी एल इन्फ्रास्ट्रक्चर में गिरावट रहेगी।

14 मई-50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेंगे। 16.68 ... 25 जून-50.00% शेयर तेजी में, 25.00% शेयर गिरावट में

14 मई–50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेंगे। 16.68 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 33.32 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। एस्सार स्टील, जिन्दल स्टेनलैस, जे एस डब्ल्यू, मुकुन्द, सेल, सनलैग आयरन एण्ड स्टील, टाटा स्टील, उत्तम स्टील, ए सी सी सीमेंट, गुजरात अम्बुजा सीमेंट, जे के लक्ष्मी सीमेंट, मद्रास सीमेंट, प्रिज्म सीमेंट, अम्बुजा सीमेन्ट ईस्टर्न में तेजी चलेगी। कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्डिया ग्लास, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स के शेयर्स में साधारण कामकाज होगा। हिन्दुस्तान आयल एक्सप्लोरेशन, ओ एन जी सी, एग्रोटैक फूड, जी एम डी सी, सेसा गोआ, गैमन इण्डिया, एच सी सी, आई वी आर सी एल इन्फ्रास्ट्रक्चर, यूनीटैक, मिर्जा इन्टरनेशनल, बाटा इण्डिया, हिन्दुस्तान जिंक, स्टरलाईट इण्डस्ट्रीज, टिन प्लेट, हिन्दुस्तान कॉपर, निटको टाईल्स में गिरावट रहेगी।

21 मई–74.97 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेंगे। 25.03% शेयर साधारण रहेंगे। क्लोजिंग समय पर 58.31 प्रतिशत शेयर तेजी में, 08.37 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 33.32 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। असाई इण्डिया ग्लास, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, डा. रैडीज लैब्स, एल्डर फार्मा, एफ डी सी, फुलफोर्ड इण्डिया, ग्लैनमार्क फार्मा, ग्यूफिक बायो साईन्सेज, इंड स्विफ्ट लैब, इंड स्विफ्ट, इप्का लैब में तेजी रहेगी। बाम्बे डाईंग, सैन्चुरी एन्का, फार्बेस गोकाक, गार्डन सिल्क, प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एन्ड सिक्योरिटीज में गिरावट रहेगी। हिन्दुस्तान आयल एक्सप्लोरेशन, ओ एन जी सी, एग्रोटैक फूड, यूनीटैक, मिर्जा इन्टरनेशनल, बाटा इण्डिया, हिन्दुस्तान जिंक, स्टरलाईट इण्डस्ट्रीज, टिन प्लेट, हिन्दुस्तान कॉपर, निटको टाईल्स में साधारण कारोबार होगा। अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ, टिन प्लेट इन्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिंक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी, बैंक आफ बरोडा, बैंक आफ इण्डिया, एच डी एफ सी बैंक, आई सी आई सी आई बैंक, ओरियेन्टल बैंक आफ कॉमर्स, पंजाब नेशनल बैंक के शेयर कमजोर रहेंगे।

28 मई–58.31 प्रतिशत शेयर तेजी में, 16.69 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। एशियन होटल्स, ई आई एच, होटल लीला वैन्चर, इण्डियन होटल्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्डिया ग्लास, ओ एन जी सी तथा पेट्रोलियम कम्पनीज के शेयर्स तथा टोबेको, चाय काफी तथा फार्मास्युटिकल सैक्टर्स में तेजी रहेगी। इलेक्ट्रिकोनिक व्हाईट गुड्स, ऐयरोस्पेश, सर्जिकल इक्विपमेन्टस एण्ड गुड्स, लोजिस्टिक एवं ट्रान्सपोर्ट शेयर्स, फिल्म इण्डस्ट्री, ऐयरटेड वाटर, एल्युमीनियम, टेलीस्पैक्टर्म सैक्टर्स कमजोर रहेंगे। बाम्बे डाईंग, सैन्चुरी एन्का, हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा सिन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड में गिरावट रहेगी।

जून–2019

04 जून–50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेंगे। 25.00 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। इण्डो रामा सिन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड, एस आर एफ, वैलस्पन इण्डिया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई डी कन्फैक्शनरी में तेजी रहेगी। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड, अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ, टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिंक, गोडफ्रे फिलिप्स में गिरावट रहेगी।

11 जून–50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेंगे। 25.00% शेयर गिरावट में तथा 25.00% शेयर साधारण रहेंगे। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी, विलियमसन टी, जय श्री टी में तेजी रहेगी। प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एन्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई डी कन्फैक्शनरी, असाई इण्डिया ग्लास, हिन्दुस्तान कॉपर में गिरावट रहेगी।

18 जून–50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेंगे। 33.32 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 16.68 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, क्रॉम्पटन, एम्को, भारत इलैक्ट्रोनिक्स, अम्बुजा सीमेन्ट ईस्टर्न, बिरला कारपोरेशन, डालमिया सीमेंट (भारत), श्री सीमेंट, टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी में तेजी रहेगी। प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एन्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज, एस्सार स्टील, जिन्दल स्टेनलैस, जे एस डब्ल्यू, लायडस स्टील इण्डस्ट्रीज, मुकुन्द, सेल, सनफ्लैग आयरन एण्ड स्टील, टाटा स्टील, उत्तम स्टील, ए सी सी सीमेंट, अम्बुजा सीमेन्ट, ईस्टर्न गुजरात, अम्बुजा सीमेंट, जे के लक्ष्मी सीमेंट में गिरावट रहेगी।

25 जून–50.00% शेयर तेजी में, 25.00% शेयर गिरावट में तथा 25.00% शेयर साधारण रहेंगे। आलोक इण्डस्ट्रीज, बाम्बे डाईंग, सैन्चुरी एन्का, हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा सिन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड डा. रैडीज लैब्स, एल्डर फार्मा, एफ.डी.सी, फुलफोर्ड इण्डिया, ग्लैनमार्क फार्मा, ग्यूफिक बायो साईन्सेज, इंड स्विफ्ट लैब, इंड स्विफ्ट, इप्का लैब, जे बी कैप एण्ड फार्मा, ल्यूपिन, मार्कसेन फार्मा, मैट्रिक्स लैब्स, मर्क, नाटको फार्मा में तेजी चलेगी। प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एन्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई.आई.डी कन्फैक्शनरी में गिरावट रहेगी।

जुलाई–2019

02 जुलाई–50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेंगे। 25.00 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, क्रॉम्पटन, एम्को के शेयर्स तथा इल्केट्रिकोनिक व्हाईट गुड्स, ऐयरोस्पेश, सर्जिकल इक्विपमेन्टस एण्ड गुड्स, लोजिस्टिक एवं ट्रान्सपोर्ट शेयर्स, फिल्म इण्डस्ट्री, ऐयरटेड वाटर, एल्यूमीनियम, टेलीस्पैक्टर्म सैक्टर्स तेजी में रहेंगे। बाम्बे डाईंग, सैन्चुरी एन्का, फार्बेस गोकाक, गार्डन सिल्क, हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा, इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स में गिरावट आयेगी।

09 जुलाई–50.00% शेयर तेजी में रहेंगे। 25.00% शेयर गिरावट में तथा 25.00% शेयर साधारण रहेंगे। प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एन्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड, एस आर एफ, वैलस्पन इण्डिया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई.आई.डी कन्फैक्शनरी, असाई इण्डिया ग्लास, हिन्दुस्तान कॉपर में तेजी चलेगी। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड, टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी, विलियमसन टी, जय श्री टी में गिरावट रहेगी।

16 जुलाई–50.00% शेयर तेजी में रहेंगे। 16.68% शेयर गिरावट में तथा 08.33% शेयर साधारण रहेंगे। प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एण्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई डी कन्फैक्शनरी, असाई इण्डिया ग्लास, हिन्दुस्तान कॉपर, हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली में तेजी चलेगी। आलोक इण्डस्ट्रीज, बाम्बे डाईंग, सैन्चुरी एन्का, हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा सिन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिंक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी, बैंक आफ बरोडा, बैंक आफ इण्डिया, इण्डियन होटल्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड में गिरावट रहेगी।

23 जुलाई–50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेंगे। 25.00 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई डी कन्फैक्शनरी, असाई इण्डिया ग्लास, हिन्दुस्तान कॉपर, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, क्रॉम्पटन, एम्को, भारत इलैक्ट्रोनिक्स में तेजी रहेगी। प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी, केडिला हैल्थ केयर, सिप्ला, डाबर फार्मा, डिस्मैन फार्मा, डिव्सि लैबोरेट्रीज, डा. रैडीज लैब्स, एल्डर फार्मा, एफ डी सी, फुलफोर्ड इण्डिया, ग्लैनमार्क फार्मा, कोलगेट पामोलिव, डाबर, गोदरेज कन्ज्यूमर प्रोडक्ट, हिन्दुस्तान लीवर, मेरिको, निरमा, अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज में गिरावट रहेगी।

30 जुलाई–50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेंगे। 25.00 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। एशियन होटल्स, ई आई एच, होटल लीला वैन्चर, इण्डियन होटल्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्डिया ग्लास, ओ एन जी सी तथा पेट्रोलियम कम्पनीज के शेयर्स में तेजी रहेगी। इल्केट्रिकोनिक व्हाईट गुड्स, ऐयरोस्पेश, सर्जिकल इक्विपमेन्टस एण्ड गुड्स, लोजिस्टिक एवं ट्रान्सपोर्ट शेयर्स, फिल्म इण्डस्ट्री, ऐयरेटड वाटर, एल्यूमीनियम टेलीस्पैक्ट्र्म सैक्टर्स कमजोर रहेंगे। टोबेको, चाय काफी तथा फ़ार्मास्युटिकल सैक्टर्स में गिरावट रहेगी।

अगस्त–2019

06 अगस्त–50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेंगे। 25.00 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। चाय, टोबेको, फार्मास्युटिकल कपास, ल्यूपिन, मर्क, नाटको फार्मा, नोवार्टिस, सन फार्मा, सुवैन लाईफ साईन्सेज, टौरेन्ट फार्मा, ए बी बी, हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, क्राम्पटन में तेजी रहेगी। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड, अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ, टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिंक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी में गिरावट आयेगी।

13 अगस्त–33.32 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेंगे। 33.32 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 33.34 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। कोलगेट पामोलिव, डाबर, गोदरेज कन्ज्यूमर प्रोडक्ट, हिन्दुस्तान लीवर, मेरिको, निरमा, प्रोक्टर एण्ड गैम्बल, अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ, टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, ए बी बी, हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, जे एस डब्ल्यू, लायडस स्टील इण्डस्ट्रीज, मुकुन्द, सेल, सन फ्लैग आयरन एण्ड स्टील, टाटा स्टील, उत्तम स्टील में तेजी रहेगी। ए बी बी, भारत बिजली, बी एच ई एल, क्राम्पटन, एम्को, हैवेल्स इण्डिया, भारत इलैक्ट्रोनिक्स, ल्यूपिन, मर्क, नाटको फार्मा, नोवार्टिस, रैन्बैक्सी लैबोरेट्रीज, सन फार्मा, सुवैन लाइफ साईन्सेज, टौरेन्ट फार्मा, प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एण्ड सिक्योरिटीज में गिरावट चलेगी।

20 अगस्त–ओपनिंग समय पर 33.32 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेंगे। 25.03 प्रतिशत शेयर गिरावट में खुलेंगे। 41.65 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ, टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिंक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी, ए बी बी, हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, क्राम्पटन में तेजी रहेगी। नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड, एस आर एफ, वैलस्पन इण्डिया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई डी कन्फैक्शनरी, असाई इण्डिया ग्लास, हिन्दुस्तान कॉपर में गिरावट आयेगी।

27 अगस्त–ओपनिंग समय पर 41.65% शेयर तेजी में रहेंगे। 08.35 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 50.00 शेयर साधारण रहेंगे। टोबेको, चाय काफी तथा फार्मास्युटिकल सैक्टर्स में तेजी रहेगी। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्डिया ग्लास में तेजी चलेगी। हिन्दुस्तान आयल एक्सप्लोरेशन, ओ एन जी सी, एग्रोटैक फूड में सुधार होगा। ए बी बी, भारत बिजली, बी एच ई एल, क्राम्पटन, एम्को, हैवेल्स इण्डिया, ओ एन जी सी तथा पेट्रोलियम कम्पनीज के शेयर्स में गिरावट रहेगी।

सितम्बर–2019

03 सितम्बर–ओपनिंग समय पर 41.69% शेयर तेजी में रहेंगे। 58.31 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। टोबेको, चाय काफी तथा फार्मास्युटिकल सैक्टर्स में तेजी रहेगी। इलेक्ट्रोनिक व्हाईट गुड्स, ऐयरोस्पेश, सर्जिकल इक्विपमेन्टस एण्ड गुड्स, लोजिस्टिक एवं ट्रान्सपोर्ट शेयर्स, फिल्म इण्डस्ट्री, ऐयरेटड वाटर, एल्यूमीनियम, टेलीस्पैक्टर्म सैक्टर्स कमजोर रहेंगे। एशियन होटल्स, ई आई एच, होटल लीला वैन्चर, इण्डियन होटल्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्डिया ग्लास, ओ एन जी सी तथा पेट्रोलियम कम्पनीज के शेयर्स में गिरावट रहेगी।

10 सितम्बर–33.32% शेयर तेजी में 08.37% गिरावट में तथा 58.31 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ, टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिंक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी, ल्यूपिन, मर्क, नाटको फार्मा, नोवार्टिस, सन फार्मा, सुवैन लाईफ साईन्सेज, टौरेन्ट फार्मा तथा चाय, काफी, टोबेको, फार्मास्युटिकल, लोजिस्टिक एवं ट्रान्सपोर्ट शेयर्स, फिल्म इण्डस्ट्रीज सैक्टर्स में तेजी रहेगी। पेट्रोलियम कम्पनीज के शेयर, इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड में गिरावट चलेगी।

17 सितम्बर–ओपनिंग समय पर 33.32% शेयर तेजी में रहेंगे। 25.03% शेयर गिरावट में तथा 41.68% शेयर साधारण रहेंगें। अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ, टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिंक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी, इलाहाबाद बैंक, आंध्रा बैंक, बैंक आफ बड़ौदा, बैंक आफ इण्डिया में तेजी रहेगी। हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा सिंथैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड, एस आर एफ, वैलस्पन इण्डिया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई डी कन्फैक्शनरी, असाई इण्डिया ग्लास, हिन्दुस्तान कॉपर, ल्यूपिन, मर्क, नाटको फार्मा, नोवार्टिस, सन फार्मा, सुवैन लाईफ साईन्सेज, टौरेन्ट फार्मा तथा चाय, काफी, टोबेको, फार्मास्युटिकल में गिरावट चलेगी। टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स के शेयर्स में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होगा।

24 सितम्बर–41.65 प्रतिशत शेयर तेजी में, 25.03 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 33.32 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ, टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिंक, गोडफ्रे फिलिप्स,

आर्यभट्ट पंचांगम् 255
बाम्बे डाईंग, सैन्चुरी एन्का, फार्बस गोकाक, गार्डन सिल्क, गियर्स, थर्मैक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी, 12 नवम्बर–ओपनिंग समय पर 66.64 प्रतिशत शेयर तेजी

बाम्बे डाईंग, सैन्चुरी एन्का, फार्बेस गोकाक, गार्डन सिल्क, हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा सिन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड में तेजी चलेगी। टोबेको, फार्मास्युटिकल सैक्टर की कम्पनीज-ल्यूपिन, मर्क, नाटको फार्मा, नोवार्टिस, सन फार्मा, सुवैन लाईफ साईन्सेज, टौरेन्ट फार्मा में गिरावट रहेगी।

अक्टूबर—2019

01 अक्तूबर—ओपनिंग समय पर 41.65% शेयर तेजी में रहेंगे। 25.03% शेयर गिरावट में तथा 33.02% शेयर साधारण रहेंगे। एशियन होटल्स, ई आई एच, होटल लीला वैन्चर, इण्डियन होटल्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्डिया ग्लास, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्कैटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, ओ एन जी सी तथा पेट्रोलियम कम्पनीज के शेयर्स में तेजी रहेगी। टोबेको चाय, काफी तथा फार्मास्युटिकल सैक्टर्स में गिरावट रहेगी।

08 अक्तूबर—ओपनिंग समय पर 41.65% शेयर तेजी में, 25.00% शेयर गिरावट में तथा 25.00% शेयर साधारण रहेंगे। अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ, टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिंक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, बाम्बे डाईंग, सैन्चुरी एन्का, फार्बेस गोकाक, गार्डन सिल्क, हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा सिन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड में तेजी। बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई.आई.डी कन्फैक्शनरी, असाई इण्डिया ग्लास, हिन्दुस्तान कॉपर, प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज में गिरावट रहेगी।

15 अक्तूबर—ओपनिंग समय पर 58.31 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेंगे। 16.69 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। एशियन होटल्स, ई आई एच, होटल लीला वैन्चर, इण्डियन होटल्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्डिया ग्लास, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड, एस आर एफ, वैलस्पन इण्डिया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ओ एन जी सी तथा पेट्रोलियम कम्पनीज के शेयर्स में तेजी रहेगी। टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी, विलियमसन टी, जय श्री टी, प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज में गिरावट रहेगी।

22 अक्तूबर—50.00% शेयर तेजी में, 25.00% शेयर गिरावट में तथा 25.00% शेयर साधारण रहेंगे। अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ, टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिंक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई डी कन्फैक्शनरी, असाई इण्डिया ग्लास, हिन्दुस्तान कॉपर तथा फार्मास्युटिकल सैक्टर में तेजी रहेगी। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्डिया ग्लास, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, फार्मास्युटिकल सैक्टर्स की कम्पनीज, ल्यूपिन, मर्क, नाटको फार्मा, नोवार्टिस, सन फार्मा, सुवैन लाईफ साईन्सेज, टौरेन्ट फार्मा में गिरावट रहेगी।

29 अक्तूबर—ओपनिंग समय पर 66.64 प्रतिशत शेयर तेजी में 08.36 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। एशियन होटल्स, ई आई एच, होटल लीला वैन्चर, इण्डियन होटल्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्डिया ग्लास, ओ एन जी सी तथा पेट्रोलियम कम्पनीज के शेयर्स में तेजी रहेगी। बाम्बे डाईंग, सैन्चुरी एन्का, फार्बेस गोकाक, गार्डन सिल्क, हिम्मत सिंगका शैदे, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड, एस आर एफ, वैलस्पन इण्डिया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर तथा टोबेको, चाय काफी तथा फार्मास्युटिकल सैक्टर्स में गिरावट रहेगी।

नवम्बर—2019

05 नवम्बर—58.31% शेयर तेजी में, 16.69% शेयर गिरावट में तथा 25.00% शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ, टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिंक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी, कोलगेट पामोलिव, डाबर, गोदरेज कन्ज्यूमर प्रोडक्ट, हिन्दुस्तान लीवर, मेरिको, निरमा, प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज में तेजी। बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई डी कन्फैक्शनरी, असाई इण्डिया ग्लास, हिन्दुस्तान कॉपर इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड, बाम्बे डाईंग, सैन्चुरी एन्का, हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा सिन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड में गिरावट आयेगी।

12 नवम्बर—ओपनिंग समय पर 66.64 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेंगे। 08.36 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। एशियन होटल्स, ई आई एच, होटल लीला वैन्चर, इण्डियन होटल्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्डिया ग्लास, ओ एन जी सी तथा पेट्रोलियम कम्पनीज के शेयर्स में तेजी रहेगी। बाम्बे डाईंग, सैन्चुरी एन्का, फार्बेस गोकाक, गार्डन सिल्क, हिम्मत सिंगका शैदे में सुधार होकर तेजी आयेगी। टोबेको, चाय काफी तथा फार्मास्युटिकल सैक्टर्स में गिरावट रहेगी।

19 नवम्बर—ओपनिंग समय पर 58.31% शेयर तेजी में रहेंगे। 16.69% शेयर गिरावट में तथा 25.00% शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। क्लोजिंग समय पर 66.64 प्रतिशत शेयर तेजी में 08.36 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज, अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ, टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिंक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी, कोलगेट पामोलिव, डाबर, गोदरेज कन्ज्यूमर प्रोडक्ट, हिन्दुस्तान लीवर, मेरिको, निरमा, प्रोक्टर एण्ड गैम्बल में तेजी रहेगी। इण्डियन होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड, मद्रास सीमेंट, प्रिज्म सीमेंट, अम्बुजा सीमेन्ट ईस्टर्न, टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, सी.सी.आई प्रोडक्टस के शेयर्स गिरावट में रहेंगे।

26 नवम्बर—ओपनिंग समय पर 66.64 प्रतिशत शेयर तेजी में तथा 33.36 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज, इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयाड के शेयर्स में तेजी रहेगी। टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज, चाय, टी टोबेको तथा फार्मास्युटिकल सैक्टर्स में गिरावट रहेगी।

दिसम्बर—2019

03 दिसम्बर—ओपनिंग समय पर 50.00% शेयर तेजी में रहेंगे। 08.35% शेयर गिरावट में तथा 41.65% शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। क्लोजिंग समय पर 58.31% शेयर तेजी में तथा 41.65% शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। एशियन होटल्स, ई आई एच, होटल

लीला वैन्चर, इण्डियन होटल्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्डिया ग्लास, ओ एन जी सी तथा पेट्रोलियम कम्पनीज के शेयर्स में तेजी रहेगी। अशोका लैलेण्ड, बजाज आटो, आईशर मोटर्स, फोर्स मोटर्स, हीरो मोटर्स कार्प, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा, मारुती उद्योग, पंजाब ट्रेक्टर्स, स्वराज माजदा, टाटा मोटर्स, टी वी एस मोटर्स, इल्केट्रिकोनिक व्हाईट गुड्स, ऐयरोस्पेश, सर्जिकल इक्विपमेन्टस एण्ड गुड्स, लोजिस्टिक एवं ट्रान्सपोर्ट शेयर्स, फिल्म इण्डस्ट्री, ऐयरेटड वाटर, एल्यूमीनियम टेलीस्पैक्टर्म सैक्टर्स कमजोर रहेंगे।

10 दिसम्बर--ओपनिंग समय पर 58.31 प्रतिशत शेयर तेजी में तथा 41.69 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। बाम्बे डाईंग, सैन्चुरी एन्का, फार्बेस गोकाक, गार्डन सिल्क, हिम्मत सिंगका शैदे के शेयर तेजी में रहेंगे। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्डिया ग्लास, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एण्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज सैक्टर्स में गिरावट चलेगी। हिन्दुस्तान आयल एक्सप्लोरेशन, ओ एन जी सी, एग्रोटैक फूड, जी एम डी सी, सेसा गोआ, गैमन इण्डिया, हिन्दुस्तान कॉपर, अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ, टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिंक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होगा।

17 दिसम्बर--50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेंगे। 08.35 प्रतिशत शेयर गिरावट में खुलेंगे। 41.65 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मेक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी, प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एण्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज में तेजी रहेगी। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्डिया ग्लास में गिरावट चलेगी। इल्केट्रिकोनिक व्हाईट गुड्स, ऐयरोस्पेश, सर्जिकल इक्विपमेन्टस एण्ड गुड्स, लोजिस्टिक एवं ट्रान्सपोर्ट शेयर्स, फिल्म इण्डस्ट्री, ऐयरेटड वाटर, एल्यूमीनियम, टेलीस्पैक्टर्म सैक्टर्स कमजोर रहेंगे।

24 दिसम्बर--50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेंगे। 08.35 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 41.65 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मेक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी, टोबेको, फार्मास्युटिकल ल्यूपिन, मर्क, नाटको फार्मा, नोवार्टिस, सन फार्मा, सुवैन लाईफ साईन्सेज, टौरेन्ट फार्मा में तेजी चलेगी। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्डिया ग्लास में गिरावट चलेगी।

31 दिसम्बर–41.65 प्रतिशत शेयर तेजी में, 08.35 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 50.00 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्डिया ग्लास में तेजी चलेगी। बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई डी कन्फैक्शनरी, असाई इण्डिया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर में गिरावट रहेगी।

जनवरी–2020

07 जनवरी 2020–33.32 प्रतिशत शेयर तेजी में, 16.68 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 50.00 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। टोबेको, फार्मास्युटिकल ल्यूपिन, मर्क, नाटको फार्मा, नोवार्टिस, सन फार्मा, सुवैन लाईफ साईन्सेज, टौरेन्ट फार्मा में तेजी रहेगी। एस्सार स्टील, जिन्दल स्टेनलैस, जे एस डब्ल्यू, लायडस स्टील इण्डस्ट्रीज, मुकुन्द, सेल, सनफ्लैग आयरन एण्ड स्टील, टाटा स्टील, उत्तम स्टील, ए सी सी सीमेंट, अम्बुजा सीमेन्ट ईस्टर्न, बिरला कारपोरेशन, डालमिया सीमेंट (भारत), गुजरात अम्बुजा सीमेंट, जे के लक्ष्मी सीमेंट में गिरावट रहेगी। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एण्ड सिक्योरिटीज हिन्दुस्तान आयल एक्सप्लोरेशन, ओ एन जी सी, एग्रोटैक फूड, जी एम डी सी, सेसा गोआ, गैमन इण्डिया में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

14 जनवरी–ओपनिंग समय पर 41.65% शेयर तेजी में रहेंगे। 58.35% शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड, एस आर एफ, वैलस्पन इण्डिया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई डी कन्फैक्शनरी, असाई इण्डिया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर, एम्को, हैवेल्स इण्डिया, भारत इलैक्ट्रोनिक्स, आप्टो सर्किट, सीमेन्स, तेजी में रहेंगे। एस्सार स्टील, जिन्दल स्टेनलैस, जे एस डब्ल्यू, लायडस स्टील इण्डस्ट्रीज, मुकुन्द, सेल, सनफ्लैग आयरन एण्ड स्टील, टाटा स्टील, उत्तम स्टील, ए सी सी सीमेंट, अम्बुजा सीमेन्ट ईस्टर्न, बिरला कारपोरेशन, डालमिया सीमेंट (भारत), गुजरात अम्बुजा सीमेंट, जे के लक्ष्मी सीमेंट में गिरावट चलेगी।

21 जनवरी–50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में 16.68 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 33.32 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। एस्सार स्टील, जिन्दल स्टेनलैस, जे एस डब्ल्यू, लायडस स्टील इण्डस्ट्रीज, मुकुन्द सेल, सनफ्लैग आयरन एण्ड स्टील, टाटा स्टील, उत्तम स्टील ए सी सी सीमेंट, अम्बुजा सीमेन्ट ईस्टर्न, बिरला कारपोरेशन, डालमिया सीमेंट (भारत), गुजरात अम्बुजा सीमेंट, जे के लक्ष्मी सीमेंट में गिरावट रहेगी। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्डिया ग्लास तथा टोबेको, चाय काफी तथा फार्मास्युटिकल सैक्टर्स में तेजी रहेगी।

28 जनवरी–ओपनिंग समय पर 50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेंगे। 16.68 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 33.32 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मेक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी, विलियमसन टी जय श्री टी, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान में तेजी रहेगी। कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्डिया ग्लास, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड, एस आर एफ, वैलस्पन इण्डिया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर तथा चाय, काफी तथा फार्मास्युटिकल सैक्टर्स में गिरावट रहेगी।

फरवरी–2020

04 फरवरी–ओपनिंग समय पर 50.00% शेयर तेजी में रहेंगे। 16.68% शेयर गिरावट में तथा 33.32% शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। एम्को, हैवेल्स इण्डिया, भारत इलैक्ट्रोनिक्स, आप्टो सर्किट, सीमेन्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड, एस आर एफ, वैलस्पन इण्डिया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई डी कन्फैक्शनरी, असाई इण्डिया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर में तेजी रहेगी। प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एण्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज, एशियन होटल्स, ई आई एच, होटल लीला वैन्चर, इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्डिया ग्लास में गिरावट रहेगी।

11 फरवरी–ओपनिंग समय पर 41.65% शेयर तेजी में, 16.70% शेयर गिरावट में तथा 41.65% शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। टोबेको, चाय काफी तथा फार्मास्युटिकल सैक्टर्स तथा इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केन्टर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्डिया ग्लास में तेजी रहेगी। प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एण्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई डी कन्फैक्शनरी, असाई इण्डिया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर में गिरावट चलेगी।

18 फरवरी–ओपनिंग समय पर 41.65% शेयर तेजी में रहेंगे। 16.70% शेयर गिरावट में तथा 41.65% शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। ए.बी.बी., हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, क्राम्पटन, एम्को, भारत इलैक्ट्रोनिक्स, आप्टो सर्किट, सीमेन्स, इल्केट्रिकोनिक व्हाईट गुड्स, ऐयरोस्पेश, सर्जिकल इक्विपमेन्टस एण्ड गुड्स, लोजिस्टिक एवं ट्रान्सपोर्ट शेयर्स, फिल्म इण्डस्ट्री, ऐयरेटड वाटर, एल्यूमीनियम, टेलीस्पैक्टर्म में तेजी। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड, एस. आर.एफ, वैलस्पन इण्डिया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई.आई.डी कन्फैक्शनरी, असाई इण्डिया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर में साधारण गिरावट रहेगी।

25 फरवरी–ओपनिंग समय पर 50.00% शेयर तेजी में रहेंगे। 08.35% शेयर गिरावट में तथा 41.65% शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज टोबेको, फार्मास्युटिकल ल्यूपिन, मर्क, नाटको फार्मा, नोवार्टिस, सन फार्मा, सुवैन लाईफ साईन्सेज, टौरेन्ट फार्मा, हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, क्राम्पटन, एम्को, भारत इलैक्ट्रोनिक्स अशोका लैलेण्ड, बजाज आटो, आईशर मोटर्स, फोर्स मोटर्स, हीरो मोटर्स कार्प, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा, मारुती उद्योग, पंजाब ट्रेक्टर्स, स्वराज माजदा, टाटा मोटर्स, टी वी एस मोटर्स में तेजी रहेगी। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केन्टर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्डिया ग्लास के शेयर कमजोर रहेंगे।

मार्च–2020

03 मार्च–ओपनिंग समय पर 41.65% शेयर तेजी में रहेंगे। 16.70% शेयर गिरावट में खुलेंगे। 41.65% शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, अशोका लैलेण्ड, बजाज आटो, आईशर मोटर्स, फोर्स मोटर्स, हीरो मोटर्स कार्प, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा, मारुती उद्योग, टाटा मोटर्स, टी वी एस मोटर्स, प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज टोबेको, सन फार्मा, सुवैन लाईफ साईन्सेज, टौरेन्ट फार्मा, हैवेल्स इण्डिया में तेजी रहेगी। असाई इण्डिया ग्लास, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड टोबेको, फार्मास्युटिकल ल्यूपिन, मर्क, नाटको फार्मा, नोवार्टिस, सन फार्मा, सुवैन लाईफ साईन्सेज, टौरेन्ट फार्मा में गिरावट आयेगी। अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ, टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिंक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एंण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, सी सी आई प्रोडक्टस में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होगा।

10 मार्च–ओपनिंग समय पर 41.65 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेंगे। 08.35 प्रतिशत शेयर गिरावट में खुलेंगे। 50.00 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई डी कन्फैक्शनरी, असाई इण्डिया ग्लास, हिन्दुस्तान कॉपर, ए बी बी, हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, क्राम्पटन, एम्को, भारत इलैक्ट्रोनिक्स, आप्टो सर्किट में तेजी रहेगी। अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ, टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिंक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी, जी एम डी सी, सेसा गोआ, गैमन इण्डिया, एच सी सी, आई वी आर सी एल इन्फ्रास्ट्रक्चर, हिन्दुस्तान जिंक, स्टरलाईट इण्डस्ट्रीज, टिन प्लेट, हिन्दुस्तान कापर, निटको टाईल्स में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होगा।

17 मार्च–ओपनिंग समय पर 50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेंगे। 50.00 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई डी कन्फैक्शनरी, असाई इण्डिया ग्लास, हिन्दुस्तान कॉपर, बजाज आटो, आईशर मोटर्स, फोर्स मोटर्स, हीरो मोटर्स कार्प, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा, मारुती उद्योग, पंजाब ट्रेक्टर्स, स्वराज माजदा, टाटा मोटर्स, टी वी एस मोटर्स में तेजी रहेगी। हिन्दुस्तान जिंक, स्टरलाईट इण्डस्ट्रीज, टिन प्लेट, हिन्दुस्तान कापर, निटको टाईल्स, टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी, विलियमसन टी, जय श्री टी, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होगा।

24 मार्च–ओपनिंग समय 41.65% शेयर तेजी में, 25.03% शेयर गिरावट में, 33.32% शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा सिन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड, एस.आर. एफ, वैलस्पन इण्डिया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई डी कन्फैक्शनरी, असाई इण्डिया ग्लास, हिन्दुस्तान कॉपर में तेजी। ए.बी.बी., हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, क्राम्पटन, एम्को, भारत इलैक्ट्रोनिक्स में साधारण तेजी। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, रेडिको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केन्टर लाईन्स, ए.बी.बी., हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, क्राम्पटन, एम्को, भारत इलैक्ट्रोनिक्स में गिरावट रहेगी।

31 मार्च–41.65 प्रतिशत शेयर तेजी में, 23.35 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा सिन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड, एस आर एफ, वैलस्पन इण्डिया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई डी कन्फैक्शनरी, असाई इण्डिया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर, ए बी बी, भारत बिजली, बी एच ई एल, क्राम्पटन, एम्को, हैवेल्स इण्डिया, भारत इलैक्ट्रोनिक्स में तेजी रहेगी। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, असाई इण्डिया ग्लास, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी, यूनीटैक, मिर्जा इन्टरनेशनल, बाटा इण्डिया, हिन्दुस्तान जिंक, स्टरलाईट इण्डस्ट्रीज, टिन प्लेट, हिन्दुस्तान कापर, निटको टाईल्स में गिरावट रहेगी।

शेयर बाजार का उपरोक्त संभावित रुख ग्रह गोचर पर आधारित है तथा बिना किसी पूर्वाग्रह के दिया जा रहा है। बाजार स्थानीय परिस्थितियों के अतिरिक्त वैश्विक एवं स्थानिक राजनैतिक वातावरण, केन्द्र तथा प्रदेश सरकार की नीतियों आदि पर निर्भर करता है। बाजार में काम करने व्यापार करने से पूर्व बाजार का आंकलन कर लेना हितावह है। ज्योतिषीय आधार पर किये गये व्यापार से होने वाले लाभ अथवा हानि के लिये लेखक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं होंगे। बाजार की वार्षिक, अर्द्धवार्षिक रिपोर्ट के लिये लेखक से उनके स्थायी आवास सी- 82 वल्लभ नगर, उमा नगर के सामने, नोविनो तरसाली रोड, वडोदरा (गुजरात), पिन-390009 मो-09574337962 पर अथवा pmummy@gmail.com पर सम्पर्क किया जा सकता है।

लेखकः-प्रवीन कुमार जैन, डॉ. उमा जैन

व्यापार दिग्दर्शन बोध (तेजी-मंदी गणना) सन् 2019-20 ई.

लेखक- पं. नारायण शर्मा कौशिक

नोट-यह फलादेश ग्रह स्थिति पर आधारित है। इसका उद्देश्य पाठकों को केवल मार्गदर्शन कराना है। व्यापारी अपनी वस्तुओं का हाजिर भाव, बाजार की स्थिति देखकर सौदा करें। हानि-लाभ का दायित्व लेखक या प्रकाशक का नहीं होगा। स्व-विवेक से व्यापारिक वस्तुओं का सौदा यथोचित करते रहें।

जनवरी-2019

ता. 1 से 8 तक खाद्यान्नों में तेजी बनेगी। तिलहन, दलहन की पूर्ति का अभाव रहेगा। धातु बाजार-सोना, चांदी, तांबा में तेजी का योग। खुदरा बाजार भी तेजी में रहेगा। दिनांक 9 से 16 तक भवन निर्माण सामग्री में तेजी। खाद्यान्नों में स्थिरता रहेगी। ऊनी वस्त्रों में तेजी चलेगी। किराना सामग्री में तेजी का अच्छा योग बनेगा। ता. 17 से 24 तक ईंधन सामग्री, डीजल, पैट्रोल में तेजी का योग बनेगा। पत्थर, लोहा, सीमेन्ट, चूना, लकड़ी के भावों में उतार-चढ़ाव चलेगा। अस्थिरता रहेगी। ता. 25 से 31 तक तिलहन सामग्री, अलसी, तारामीरा, तिलों में तेजी रहेगी। ज्वार, बाजरा, मक्का, गेहूं, जौ, मूंग, मोठ के भावों में अस्थिरता का योग है। स्टॉक इस अवधि में नहीं करें। हाजिर भावों का लाभ प्राप्त करें। अस्थिरता में कुछ हानि भी।

फरवरी-2019

ता. 1 से 6 तक खाद्यान्नों में घटाबढ़ी। पत्थर, लकड़ी, चूना, सीमेन्ट में तेजी का योग बनेगा। औषधि बाजार विशेष तेजी में चलेगा। शेयर्स बाजार में अस्थिरता चलेगी। मशीनरी सामग्री में तेजी बनेगी। तरल पदार्थों में घटाबढ़ी चलेगी। ता. 7 से 14 तक लकड़ी, ईमारती पत्थर, ज्वैलरी, जस्ता, पीतल, धातुवाना बाजार में तेजी चलेगी। चना, मूंग, मोठ, बारदाना, ज्वार, ग्वार, मक्का में अच्छी तेजी चलेगी। ता. 15 से 22 तक तिलहन, दलहन, धातु बाजार, पत्थर, कोयला, वस्त्रों में तेजी का योग। किराना बाजार में उतार-चढ़ाव चलेगा। पैट्रोल में तेजी का योग। ता. 23 से 28 तक मोठ, मूंग, तिल, जौ, गल्ला, गुड़, शक्कर, चाय, कॉफी में तेजी चलेगी। बिनौला, कपास, सोना, चांदी, तांबा में भाव एकतरफा चलेगा। सौन्दर्य सामग्री में विशेष तेजी बनेगी। तिलहन बाजार में घटाबढ़ी चलेगी।

मार्च-2019

ता. 1 से 8 तक गुड़, शक्कर, मिश्री में सामान्य मंदी का योग। चांदी, सोना, तांबा में तेजी का अच्छा योग बनेगा। घी, बारदाना में परिवर्तन तेजी-मंदी दोनों योग बनेंगे। सोना, चांदी, तांबा, पीतल, स्टील, लोहा में तेजी का योग। ता. 9 से 17 तक सभी वस्तुओं में तेजी का योग बनेगा। 2 से 5 प्रतिशत तेजी बनेगी। वस्त्रों में विशेष तेजी बनेगी। फुटकर व्यापारी अवसर देखकर लाभ प्राप्त करें। तृण, घास, औषधियों में विशेष तेजी बनेगी। मशीनरी वाहनों में भी तेजी आयेगी। ता. 18 से 25 तक कपास, तारामीरा, सरसों, उड़द, चवला, मसूर की दाल, चना, मूंग, मोठ में अच्छी तेजी बनेगी। स्टॉक कर्त्ता लाभ प्राप्त करेंगे। मसाला, फल, सब्जी, मैदा में भी तेजी बनेगी। वस्त्रों में उठापटक चलेगी। तेजी भी मंदी भी चलेगी। ता. 26 से 31 तक सभी वस्तुओं में तेजी का योग बनेगा। धातु बाजार, ज्वैलरी में काफी तेजी। कपड़ा बाजार भी तेजी में चलेगा। जीरा में भी तेजी बनेगी। उड़द के भाव सम चलेंगे।

अप्रैल-2019

ता. 1 से 8 तक लहसुन, जीरा, राई, उड़द, मसूर, बादाम, काजू, किशमिश के भावों में तेजी बनेगी। ज्वार, बाजरा, जौ, चना, सरसों के भावों में घटबढ़ चलेगी। बेसन, मैदा, मेवा एवं पशु आहार में तेजी बनेगी। कपास भी तेज रहेगा। ता. 9 से 15 तक किराना सामग्री तेजी में रहेगी। पत्थर, चूना, सीमेन्ट में उठापटक चलेगी। धातु बाजार तेजी में रहेगा। दुधारू पशुओं में भी तेजी का योग बनेगा। औषधि बाजार विशेष तेजी का चलेगा। घास, तृण भी तेजी में रहेगा। ता. 16 से 24 तक शक्कर, गुड़, मिश्री का भाव एकतरफा चलेगा। ईमारती लकड़ी भी तेजी में। कपड़ा बाजार मंदा रहेगा। सोना, चांदी, तांबा, स्टील में तेजी चलेगी। औषधि बाजार विशेष तेजी का रहेगा। लोहा, मशीनरी में मंदी बनेगी। ता. 25 से 30 तक सीमेन्ट, बजरी, पत्थरों में तेजी बनेगी। पशु आहार में तेजी। चीनी के बर्तनों के भावों में उठापटक चलेगी। चप्पल-जूते भी महंगे होंगे। बिनौला, कपास, खल, औषधि में विशेष तेजी चलेगी।

मई-2019

ता. 1 से 6 तक चांदी, सोना, तांबा, गेहूं, अलसी, औषधि, फल, दूध, दवा, सूखा मेवा में तेजी चलेगी। किराना सामग्री में तेजी-मंदी चलेगी। लकड़ी के भावों में विशेष तेजी बनेगी। तिलहनों में भी तेजी रहेगी। ता. 7 से 14 तक सभी जिन्सों में तेजी का झटका लगेगा। कपड़ा बाजार में अस्थिरता रहेगी। पशुओं के भाव घटेंगे। मशीनरी बाजार में विशेष तेजी बनेगी। किराना सामग्री में भी अस्थिरता चलेगी। दलहन भी तेजी में रहेंगे। ता. 15 से 21 तक भवन निर्माण सामग्री में तेजी बनेगी। औषधियों में विशेष तेजी बनेगी। जेवराती सामग्री में अस्थिरता चलेगी। दालवाना में तेजी बनेगी। सोना, चांदी, तांबा, लोहा, स्टील के बर्तनों में अच्छी तेजी का योग बनेगा। ता. 22 से 31 तक किराना, लोहा, पत्थर, चूना, सीमेन्ट में तेजी बनेगी। खिलौना में तेजी चलेगी। कपड़ा बाजार में मंदी आयेगी। पशुओं के भावों में भी मंदी चलेगी। पशु आहार में तेजी का विशेष योग बनता है। लाभ लेवें।

जून-2019

ता. 1 से 7 तक खाद्य सामग्री में तेजी चलेगी। भवन निर्माण सामग्री में विशेष तेजी बनेगी। चाय, सब्जी, चांदी, चावल, मूंगफली, सरसों, रायड़ा के भावों में तेजी चलेगी। मशीनरी कारें, मोटरें, सामान्य वाहनों में मंदी का योग बनेगा। ता. 8 से 15 तक तिलहन, दलहनों में तेजी बनेगी। पैट्रोल, डीजल के भावों में भी उठापटक चलेगी। तांबा, विद्युत सामग्री, चूना, सीमेन्ट में तेजी बनेगी। फर्नीचर, लकड़ी का विशेष तेजी में चलेगा। खाद्यान्न भी तेजी में होंगे। ता. 16 से 23 तक कपास, बिनौला, घी, तेल, गुड़, शक्कर, दूध में अच्छी तेजी आयेगी। तिलहन, दलहन के भाव भी तेज। खाद्यान्न के भाव स्थिर रहेंगे। पत्थर, चूना, बजरी, पानी में खींचातान से भावों में तेजी आयेगी। लाभ लेंवे। ता. 24 से 30 तक सूखा मेवा के भावों में तेजी बनेगी। लाल रंग की वस्तुएं, किराना सामग्री, मिर्च, हल्दी, मसाला उद्योग में तेजी बनेगी। जेवरात के भावों में उतार-चढ़ाव चलेगा। कपड़ा बाजार मंदा रहेगा। मशीनरी के भाव स्थिर रहेंगे।

जुलाई-2019

ता. 1 से 8 तक खाद्यानों के भावों में विशेष तेजी बनेगी। जेवराती बाजार, सब्जी बाजार तथा कपड़ा बाजार मंदा चलेगा। किराना सामग्री में विशेष तेजी से जनता दुःखी हो जायेगी। असमानता भी चलेगी। ता. 9 से 16 तक चावल, चीनी, गुड़, शक्कर, चना, चूना, चांदी में तेजी चलेगी। किराना बाजार में अस्थिरता रहेगी। कपड़ा बाजार मंदा चलेगा। लकड़ी, पत्थर, मशीनरी के भावों में विशेष तेजी बनेगी। पशुओं में भाव मंदे होंगे। सावधानी बरतें। ता. 17 से 25 तक सरसों, राई, किराना सामग्री में उठापटक तेजी-मंदी अस्थिरता का योग बनता है। सोना, चांदी, चना, जेवराती सामग्री में तेजी चलेगी। भवन निर्माण सामग्री में विशेष तेजी बनेगी। पशु आहार भी तेज रहेगा। मशीनरी के भावों

में स्थिरता या मंदी का योग। ता. 26 से 31 तक किराना सामग्री में विशेष तेजी बनेगी। वर्षा की अधिकता से सभी जिन्सों, फुटकर सामग्री में विशेष तेजी बनेगी। तिलहन-दलहन की मांग-पूर्ति भी संभव नहीं होने का योग बनता है। सभी वस्तुओं में एकतरफा तेजी का योग बनेगा। कपड़ा बाजार में भी अस्थिरता चलेगी। भवन निर्माण सामग्री में तेजी का योग।

अगस्त–2019

ता. 1 से 6 तक तिलहन, दलहन में घटाबढ़ी योग। फसलों में हानि। कीट के प्रभाव से खाद्यान्नों में तेजी आयेगी। गेहूं, तारामीरा, सरसों, चना, मूंग, मोंठ के भावों में अच्छी तेजी का योग बनेगा। जेवराती सामग्री में तेजी का अच्छा योग बनेगा। ता. 7 से 16 तक घरेलू आवश्यक सामग्री में तेजी बनेगी। खाद्यान्नों में तेजी होगी। हल्दी, चना, मूंगफली, सरसों, तारामीरा, चावलों में तेजी का योग बनेगा। लकड़ी की सामग्री के भावों में परिवर्तन योग तेजी का ही बनता है। ता. 17 से 25 तक मशीनरी सामग्री में तेजी आयेगी। पैट्रोल, डीजल के भावों में भी तेजी बनेगी। किराना सामग्री में तेजी का योग एकतरफा चलेगा। तारामीरा, राई, सरसों, जीरा, कलमी घोटा भी तेजी में चलेगा। पशु आहार में तेजी का योग। ता. 26 से 31 तक किराना सामग्री में घटबढ़ योग। सोना, तांबा, पीतल, चांदी, लोहा, स्टील, नग के भावों में अच्छी तेजी का योग बनता है। हल्दी, बेसन, चाय, कॉफी, दूध, पनीर, काजू, पिस्ता, दाख, बादाम में अच्छी तेजी का योग बनता है।

सितम्बर–2019

ता. 1 से 6 तक नारियल, जायफल, घी, तेल, कपड़ा बाजार में तेजी चलेगी। चावल, चना, चांदी, सोना, तांबा, लोहा, पीतल, स्टील, नग के भावों में उठापटक चलेगी। स्टॉक नहीं करें तो ठीक रहेगा। ता. 7 से 16 तक हल्दी, दाख, काजू, बादाम, जीरा, राई, अलसी, सोना, चांदी, मजीठ, बिनौला, खोपरा, अगर-तगर के भावों में तेजी बनेगी। पशुचारा, घी, तेल, गेहूं, जौ में घटबढ़ चलेगी। सब्जी के भावों में कुछ मंदी बनेगी। दूध में भी मंदी आयेगी। ता. 17 से 21 तक कपास, सूत, कपड़ा बाजार, ऊनी वस्त्रों में मंदी आयेगी। वाहनों में तेजी। मशीनरी सामग्री में विशेष तेजी चलेगी। आलू, प्याज, लहसुन में तेजी बनेगी। चप्पल-जूते, किराना सामग्री में तेजी का योग बनेगा। भूमि भी तेजी में बिकेगी। ता. 22 से 30 तक डीजल, पैट्रोल, मिट्टी का तेल में तेजी चलेगी। खाद्यान्नों में मंदी आयेगी। औषधियां तेजी में चलेंगी। सरसों, रायड़ा, चना, जीरा, लहसुन में तेजी का योग बनेगा। गुड़ में भी तेजी का योग।

अक्टूबर–2019

ता. 1 से 8 तक भवन निर्माण सामग्री में उतार-चढ़ाव चलेगा। घास, तृण मंदा होगा। राई, जीरा, सरसों, रायड़ा में तेजी बनेगी। चावल, मक्का, बाजरा, ज्वार में मंदी बनेगी। तेल, तिल, सुपारी, सौंफ, लोहा, पत्थर, ईंटों में तेजी का योग बनेगा। ता. 9 से 16 तक रंग, चूना, सीमेन्ट, रंगीली वस्तुओं में तेजी बनेगी। पशुओं का आहार मंदा होगा। घी, तेल, खोपरा, रुई, सूती कपड़ा में तेजी चलेगी। किराना सामान में भी तेजी-मंदी का अस्थिर योग चलेगा। भूमि-भवनों में भी तेजी का योग बनेगा। ता. 17 से 24 तक प्राकृतिक आपदा का योग। सभी जिन्सों में तेजी का झटका चलेगा। किराना सामग्री के भावों में अस्थिरता का योग चलेगा। औषधि बाजार में विशेष तेजी का योग बनेगा। पशुओं के भावों में स्थिरता रहेगी। खेल सामग्री तेजी में चलेगी। ता. 25 से 31 तक खाद्यान्नों के भावों में मंदी बनेगी। रसकस, गन्ना, मिश्री में तेजी बनेगी। राई, दूध, चावल, सुपारी, सरसों के भावों में तेजी चलेगी। मूंगफली, ग्वार, ज्वार, बाजरा, मक्का, मूंग, मोंठ, तिलों के भावों में तेजी चलेगी। दूध भी तेजी में।

नवम्बर–2019

ता. 1 से 7 तक मशीनरी वाहन, विद्युत, जलीय उपकरणों में तेजी बनेगी। चांदी, सोना, तांबा, पीतल, लोहा, धातु बाजार भी तेजी में चलेगा। स्त्री संबंधी वस्त्रों के भावों में भी विशेष तेजी बनेगी। किराना सामग्री में भी उठापटक चलेगी। ता. 8 से 15 तक किराना बाजार, ज्वैलरी सामग्री, शृंगार सामग्री में तेजी बनेगी। तेल, घी, छुआरा, मिश्री भी तेजी में चलेगी। मौसमी सामग्री, फल, पुष्प, वस्त्रों में तेजी बनेगी। इस सप्ताह में सभी वस्तुओं में तेजी बनेगी। ता. 16 से 21 तक तिलहन, दलहन, रसकस, बारदाना में मंदी का योग बनेगा। वस्त्रों में तेजी। मिट्टी के बर्तनों में भी तेजी चलेगी। अचार, केरी, तिल, कपास, खोपरा तेल, सरसों तेल में तेजी आकाश छुयेगी। ता. 22 से 30 तक नारियल, किराना सामग्री, खाद्यान्नों में तेजी का योग बनेगा। मूंग, मोंठ, चावलों के भावों में स्थिरता। सब्जी बाजार विशेष तेजी में चलेगा। मसाला, प्याज, बादाम, काजू, मेंथी, मेहन्दी, सिन्दूर में तेजी का योग रहेगा।

दिसम्बर–2019

ता. 1 से 7 तक गुड़, चना, चावल, मूंग, मोंठ, ग्वार, तिल, गेहूं, मक्का में तेजी चलेगी। जेवराती सामग्री में उठापटक अस्थिरता तेजी या मंदी दोनों का योग है। कपड़ा बाजार, रेशमी-ऊनी-सूती वस्त्रों, खल, कपास, जीस, अलसी, राई में तेजी चलेगी। ता. 8 से 16 तक तारामीरा, गुड़, शक्कर, मिश्री, दाख, बादाम, काजू, गर्म मसाला, तारामीरा, सरसों, सीमेन्ट, चूना के भावों में तेजी बनेगी। दूध, घी, तेल, दही में विशेष तेजी बनेगी। किराना सामग्री में अस्थिरता का योग चलेगा। ता. 17 से 23 तक ईमारती सामग्री, भवन निर्माण संबंधी सभी में तेजी बनेगी। सुपारी, सौंफ, किराना समस्त वस्तुओं में अस्थिरता का भाव चलेगा। मशीनरी सामग्री तेजी में चलेगी। विद्युत सामग्री में विशेष तेजी का योग बनता है। ता. 24 से 31 तक वर्षा योग-हिमपात योग। ऊनी वस्त्रें में विशेष तेजी बनेगी। प्राकृतिक आपदा हिमपात से रोग बढ़ेंगे। औषधियों में तेजी का जोर चलेगा। सभी जिन्सों में एकतरफा तेजी का योग बनेगा। स्टॉक करना हानिदायक रहेगा। मौसमी रोग से जनता में परेशानी की स्थिति बनेगी। औषधियों के भाव तेजी में चलेंगे।

जनवरी–2020

ता. 1 से 8 तक सूती कपड़ा में स्थिरता। किराना समस्त सामग्री में तेजी चलेगी। चांदी, तांबा, सोना, लोहा, पीतल के भाव स्थिर रहेंगे। उड़द, तिल तेल में तेजी चलेगी। चना, चावल, चूना, चवला, जीरा, लहसुन, प्याज में तेजी का योग अच्छा बनेगा। ता. 9 से 16 तक किराना सामग्री में तेजी बनेगी। ईमारती सभी सामग्री भी तेजी में रहेगी। कपड़ा बाजार स्थिर रहेगा। ऊनी वस्त्रों में कुछ तेजी बनेगी। औषधियों में भी तेजी का योग बनेगा। जेवरात, धातु बाजार में तेजी का शुभ लाभ दायक योग बनेगा। ता. 17 से 25 तक शृंगार सामग्री, रंग, मेहन्दी, गुलाल, अबीर, गोंद, पतासा, गुड़, शक्कर में विशेष तेजी बनेगी। औषधियों के भाव आकाश छुयेंगे। पशुधन की हानि होगी। ज्वार, गुंवार, सौंठ, हल्दी में तेजी बनेगी। ता. 26 से 31 तक इस सप्ताह में सभी जिन्सों के भाव स्थिर रहेंगे। शृंगार सामग्री, वैवाहिक वस्तुओं में तेजी बनेगी। शेयर्स बाजार चमकेगा। सूखे मेवा में भी तेजी का योग बनता है। पैट्रोल, डीजल महंगा होगा।

फरवरी–2020

ता. 1 से 7 तक सभी जिन्सों के भावों में अस्थिरता यानि उठापटक का योग बनेगा। जेवरात, धातु बाजार में तेजी चलेगी। मशीनरी, तिलहन, मूंगफली के तेल में तेजी चलेगी। कपड़ा बाजार तेजी में चलेगा। खाद्यान्नों के भावों में स्थिरता रहेगी। शृंगार सामग्री में तेजी। ता. 8 से 14 तक ईमारती सामग्री में तेजी का योग बनेगा। खाद्यान्नों में काफी उठापटक अस्थिरता का योग बनेगा। औषधि बाजार में तेजी चलेगी। शेयर्स बाजार में एकाएक मंदी का झटका लगेगा। किराना सामग्री में अच्छी तेजी का योग बनता है। ता. 15 से 21 तक सूत, सरसों, रायड़ा, मूंग, मोंठ, तिल, ग्वार, ज्वार, मक्का में तेजी का योग बनता है। तांबा, सोना,

चांदी, लोहा, पीतल, स्टील सामग्री में तेजी बनेगी। किराना बाजार की सभी वस्तुओं में अच्छी तेजी का योग बनता है। विक्री करें तो लाभ होगा। ता. 22 से 28 तक तिलहन, दलहन, धातु बाजार में स्थिरता का योग बनता है। ग्वार, ज्वार, बाजरा, मक्का, मसूर में तेजी का योग बनेगा। घी, तेल, खल के भावों में भी तेजी बनेगी। विद्युत सामग्री विशेष तेजी में चलेगी। स्टौक नहीं करें।

मार्च–2020

ता. 1 से 9 तक खाद्यान्नों में तेजी चलेगी। बारदाना में मंदी का योग। तृण, घास, खल के भावों में तेजी बनेगी। मूंग, मोंठ, चना, मसूर, उड़द के भावों में विशेष तेजी बनेगी। औषधि बाजार तेजी में चलेगा। तिलहन, दलहन, मशीनरी, ईमारती पत्थर में तेजी का योग है। ता. 10 से 18 तक सभी वस्तुओं में एकतरफा भाव तेजी या मंदी का चलेगा। पुराना सटॉक हो तो तेजी में लाभ मिलेगा। मंदी में विक्रय नहीं करें। फुटकर व्यापारी अवसर देखकर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। मशीनरी सामग्री में तेजी चलेगी। ईमारती सामग्री भी तेजी में चलेगी। ता. 19 से 25 तक सरसों, रायड़ा, अलसी में मंदी चलेगी। अरहर, मसूर, चना, मूंग, मोंठ, ग्वार, ज्वार में अस्थिरता के भाव चलेंगे। ज्वैलरी सामग्री तेजी में रहेगी। मिर्च, मसाला उद्योग, जीरा, धनियां, अमचूर, चावलों में तेजी का अच्छा योग चलेगा। ता. 26 से 31 तक सभी वस्तुओं में घटाबढ़ी का योग चलेगा। सोना, चांदी, ज्वैलर्स नग, शेयर्स बाजार में तेजी का अच्छा योग चलेगा। स्टॉक कर्त्ता लाभ प्राप्त करेंगे। तारामीरा, सरसों, शतावर, सिंघाड़ा, गुड़ में तेजी का योग अच्छा रहेगा। लम्बा स्टॉक नहीं रखें तो बाजार शुभ चलेगा।

अखिल भारतीय ज्योतिषायुवेद एवं तंत्र विज्ञान शोध संस्थान, मेड़ता सिटी (राज.) द्वारा जन हितार्थ सम्पादित कार्य विवरण- 1. सभी प्रकार के यंत्र-मंत्र-तंत्र की साधना का बोध शिविर आयोजन करके कराना। 2. वेदांग ज्योति पत्रिका का प्रकाशन विगत् 35 वर्षों से नियमित सदस्यता शुल्क वार्षिक रुपये 500/-मात्र (डाक खर्च सहित)। 3. श्रीमद्भागवत महापुराण कथा वाचन तत्वार्थ संगीत मय आयोजन-इच्छुक सज्जन पधारकर व्यक्तिगत मिलकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। 4. सद्गुरु दीक्षा साधना मंत्र बोध शास्त्रीय विधि द्वारा प्रदान करना। 5. गायत्री महायज्ञ, वास्तु शांति, संतान प्राप्ति यज्ञ, देवी भागवत का पाठादि कार्य ईत्यादि।

सम्पर्क सूत्र–**ब्रह्मर्षि वैद्य पं. नारायण शर्मा कौशिक**
प्रधान सम्पादक-वेदांग ज्योति, श्री सालासर पंचांग, व्यापार दिग्दर्शन वाषिक
बेदांग ज्योति संस्थान-सारडा बाजार, मेड़ता सिटी, जिला-नागौर (राजस्थान) पिन-341510
फोन-01590-220792, मो. 09799011197, 09413930247

भारतीय मानसून एवं आकाशीय लक्षण सन् 2019 ई.

जनवरी 2019–मासारंभ में सूर्य पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 11 को उ.षा. नक्षत्र में, ता. 24 को श्रवण नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। ता. 1 को बुध सूर्य-शनि के साथ प्रतियुति करेगा। ता. 7 को बुध पूर्व में अस्त होगा। ता. 2 को मंगल उभा. नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 17 को रेवती में प्रवेश करेंगे। फलत: मासारंभ में शीतलहर का प्रकोप पूरे उत्तर व पश्चिम भारत में रहेगा। पर्वतीय प्रदेशों में हिमपात, भूस्खलन, वर्षा एवं वायु वेगाधिक्य से जन-जीवन अस्त-व्यस्त रहेगा। दक्षिण भारत के कुछ भू-भागों में सामान्य से लेकर भारी वर्षा संभावित है। ता. 2, 4, 6, 7, 9, 11, 12 को कई भू-भागों में गरज-तरज के साथ वर्षा हो सकती है। ता. 14 को मकर की सूर्य संक्रांति वरुणमण्डल में पड़ने से बूंदा-बांदी वर्षा एवं पर्वतीय क्षेत्रों में हिमपात से शीत वृद्धि हो सकती है। दूरसंचार, यातायात, इंटरनेट व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। ता. 17, 19, 22, 23, 26, 28, 29 को मौसम परिवर्तित हो सकता है।

फरवरी–मासारंभ में सूर्य श्रवण नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 6 को धनिष्ठा नक्षत्र में तथा ता. 19 को शतभिषा नक्षत्र में विचरण करेंगे। ता. 5 को मंगल अश्विनी नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 25 को भरणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। ता. 7 को बुध कुंभ राशि में प्रवेश कर, ता. 13 को पश्चिम में उदय होगा। फलत: मासारंभ में मौसम का उपद्रव होगा। विशेष तौर पर असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, बंगाल की खाड़ी एवं त्रिपुरा के कुछ भू-भागों में मौसम का उपद्रव हो सकता है। इन भू-भागों में अन्य प्राकृतिक उत्पात भी संभावित है। उत्तर भारत के कुछ भू-भागों में वायु वेग के साथ गर्जन-तर्जन से भारी वर्षा हो सकती है। जिससे आश्चर्य जनक तरीकों से ठंड का ग्राफ नीचे जा सकता है। शीत लहर का प्रकोप जारी रहेगा। व्यापक पाला पड़ने से खड़ी फसलों को नुकसान पहुंच सकता है। तिलहन, दलहन, आलू एवं किराना जिन्सों की फसल को क्षति पहुंच सकती है। ता. 1, 2, 4, 5, 7, 9, 10, 13 को मौसम का मिजाज परिवर्तित हो सकता है। ता. 13 को कुंभ की सूर्य संक्रांति अग्निमण्डल में पड़ रही है। साथ ही सूर्य-बुध की युति भी होने से मौसम में अचानक परिवर्तन दिखेगा। जिससे रुक-रुककर मौसम का उपद्रव संभावित है।

मार्च–मासारंभ में सूर्य शतभिषा नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 4 को पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में, ता. 18 को उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में तथा ता. 31 को रेवती नक्षत्र में विचरण करेंगे। मासारंभ में मंगल भरणी नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 17 को यह कृतिका नक्षत्र में विचरण करेंगे। ता. 6 को बुध वक्री होंगे। इसी तारीख को राहु-केतु राशि परिवर्तन कर राहु मिथुन में व केतु धनु राशि में भ्रमणशील रहेंगे। ता. 8 को बुध पश्चिम में अस्त होंगे। फलत: मासारंभ से ता. 5 तक मौसम का उपद्रव जारी रहेगा। जबकि बुध वक्री होकर मौसम में तेजी से परिवर्तन करेगा। जिससे वसंत ऋतु का एहसास शुरू हो जायेगा। धीरे-धीरे तापमान में वृद्धि दर्ज होगी। हालांकि पर्वतीय भू-भागों में तूफानी, वर्फीली हवाओं के कारण मैदानी भू-भागों में यदा-कदा ठंडक महसूस होगी। यत्र-तत्र बूंदा-बांदी, ओलावृष्टि भी हो सकती है। ता. 1, 2, 3, 4, 7, 9, 10, 11 को हवाओं का जोर रहेगा। ता. 14 को मीन की सूर्य संक्रांति वायुमण्डल में पड़ने से मौसम में बदलाव के कारण रात्रि के तापमान में गिरावट बनी रह सकती है। ता. 16, 18, 21, 22, 23, 24, 27, 30 को मौसम में परिवर्तन हो सकता है। राजस्थान, गुजरात, हरियाणा में मौसम का मिजाज बदल सकता है। जिससे वायु वेग के साथ वर्षा होना नुकसान दायक हो सकता है।

अप्रैल–मासारंभ में सूर्य रेवती नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 14 को अश्विनी नक्षत्र में तथा ता. 28 को भरणी में विचरण करेंगे। मंगल कृतिका नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 6 को रोहिणी नक्षत्र में तथा ता. 26 को मृगशिरा नक्षत्र में विचरण करेंगे। बुध कुंभ राशि में विचरण करते हुए ता. 11 को मीन राशि में सूर्य के साथ युति करेगा। इसी तारीख को गुरु वक्री होंगे। फलत: मासारंभ से धीरे-धीरे तापमान में वृद्धि होगी। परन्तु गुरु वक्री होने के कारण मास के उत्तरार्द्ध में अचानक वायु वेग, आंधी-तूफान का उपद्रव अधिकांश भू-भागों में दृष्टिगोचर हो सकता है। ता. 14 को मेष की सूर्य संक्रांति अग्निमण्डल में पड़ने

से तापमान में निरन्तर वृद्धि जारी रहेगी। जिससे लू के प्रकोप से जन-जीवन प्रभावित होंगे। हालांकि मौसम की अनुकूलता किसानों के लिए कुछ ठीक रहेगा। ता. 12, 13, 14, 17, 21, 26, 29, 30 को मौसम का परिवर्तन गर्मी बढ़ने और हवा में उष्णता बढ़ने से हो सकता है। जबकि ता. 11 से 21 तक मौसम के मिजाज बदले रहने से प्राकृतिक उत्पात भी संभावित है।

मई–मासारंभ में सूर्य भरणी नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 11 को कृतिका नक्षत्र में, ता. 25 को रोहिणी नक्षत्र में भ्रमणशील रहेंगे। मंगल मृगशिरा नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 17 को आर्द्रा नक्षत्र में विचरण करेंगे। ता. 3 को बुध मेष राशि में प्रवेश कर सूर्य के साथ युति करते हुए अस्त हो जायेंगे। फलत: गर्मी का प्रकोप तेजी से बढ़ता रहेगा। पश्चिम और उत्तर भारत के साथ विदर्भ, आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना के कुछ भू-भाग में तेज गर्मी और लू का प्रकोप जन-जीवन को परेशान करेगा। दक्षिण भारत के समुद्रतटीय भू-भागों में आंधी-तूफान, सुनामी लहर एवं कहीं-कहीं व्यापक वर्षा भी हो सकती है। ता. 1, 2, 3, 4, 7, 9, 11, 12 को वायु वेग, लू प्रकोप तेज होगा। ता. 15 को सूर्य की वृष संक्रांति वरुणमण्डल में पड़ने से समय-समय पर कुछ भू-भागों में ताप लहरी का प्रकोप अपनी पराकाष्ठा पर होगा। ग्रह योग के अनुसार इस वर्ष मानसून कमजोर प्रतीत हो रहा है।

जून–मासारंभ में सूर्य रोहिणी नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 8 को मृगशिरा में, ता. 22 को आर्द्रा नक्षत्र में भ्रमणशील रहेंगे। ता. 1 को बुध मिथुन राशि में प्रवेश कर मंगल के साथ युति करेगा जिससे मासारंभ में गर्मी का प्रकोप जारी रहेगा। मौसम में उष्णता बनी रहेगी। यदा-कदा उत्तर भारत में लू-बवंडर के तेज हवा के साथ उपद्रव बना रहेगा। विपरीत वायु वेग के कारण मौसम का मिजाज बदलेगा। जिससे मानसून के प्रवेश में गतिरोध की स्थिति बन सकती है। ता. 15 को मिथुन की सूर्य संक्रांति महेन्द्रमण्डल में पड़ने से मौसम के आगे बढ़ने की रफ्तार कम हो जायेगी। जिससे मानसून प्रवेश में कुछ विलम्ब हो सकता है।

जुलाई–मासारंभ में सूर्य आर्द्रा नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 6 को पुनर्वसु नक्षत्र में, ता. 20 को पुष्य नक्षत्र में गतिशील रहेंगे। मंगल जलीय राशि कर्क मे विचरण करते हुए ता. 8 को अस्त हो जायेंगे। इसी तारीख को बुध वक्री होकर वक्र अवस्था में ही अस्त हो जायेंगे। फलत: वर्षा का क्रम अपेक्षित कमजोर महसूस हो रहा है। कहीं-कहीं भू-भागों में खण्डवृष्टि होगी। उत्तर-पश्चिम भारत में मानसून की हालत कमजोर के साथ अल्पवृष्टि का योग बनता है। ता. 3, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 13 को मौसम का मिजाज बदलने से कहीं अतिवृष्टि से बाढ़ जैसे हालात् उत्पन्न हो सकते हैं। अधिकांश भू-भागों में खण्डवृष्टि से किसान चिन्तित हो सकते हैं। ता. 16 को सूर्य की कर्क संक्राति वरुणमण्डल में पड़ने से वर्षा का क्रम बाधित हो सकता है। इसी तारीख को सूर्य कर्क राशि में प्रवेश कर ता. 23 को शुक्र के साथ युति करेगा। जिससे ता. 23 के बाद व्यापक वर्षा संभावित है। कीड़े-मकोड़ें एवं विषैले सर्पो का उपद्रव हो सकता है।

अगस्त–मासारंभ में सूर्य पुष्य नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 3 को आश्लेषा नक्षत्र में, ता. 17 को यह मघा नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 31 को पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। ता. 1 को बुध मिथुन राशि में मार्गी होकर ता. 3 को कर्क राशि में प्रवेश करेगा। ता. 8 को मंगल सिंह राशि में प्रवेश करेगा। ता. 12 को गुरु मार्गी होंगे। ता. 16 को शुक्र-मंगल की युति से मानसून की हालत कमजोर स्थिति में भारत के अधिकांश भू-भागों में सक्रिय होना चाहिए। ता. 1, 3, 4, 5, 7, 9, 11, 13 को गरज-तरज के साथ सामान्य से भारी वर्षा हो सकती है। ता. 17 को सिंह राशि की सूर्य संक्रांति चन्द्रमण्डल में पड़ने से कहीं-कहीं अतिवृष्टि संभावित है। कुछ भू-भागों में खण्डवृष्टि की भी संभावना रहेगी। क्योंकि सिंह राशि में मंगल-शुक्र-सूर्य-बुध की प्रतियुति मानसून की दृष्टि से बेमेल ग्रह योग मानसून के लिए शुभ कारक नहीं माना जाता।

सितंबर–मासारंभ में सूर्य पूर्वाफाल्गुनी में, ता. 13 को उ.फा. में विचरण करते हुए ता. 27 को हस्त नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। मास के प्रारंभ में सूर्य-मंगल-शुक्र-बुध की प्रतियुति ता. 8 तक चलेगी। ता. 9 को शुक्र कन्या में प्रवेश कर ता. 10 को बुध के साथ युति करेगा। जिससे मासारंभ में उत्तर एवं पश्चिम भारत मे अधिकांश भू-भागों में मानसून सामान्य सक्रिय रहेगा। परन्तु ता. 16 के बाद अचानक मानसून की हालत कमजोर पड़ने लगेगी। हवा के रुख के कारण यत्र-तत्र छिटपुट वर्षा होगी। ता. 17 को कन्या की सूर्य संक्रांति अग्निमण्डल में पड़ रही है। जो शुक्र-बुध के साथ प्रतियुति से मौसम में बदलाव देगा। मध्य भारत, विदर्भ क्षेत्र में वर्षा का क्रम पूर्वार्द्ध में बना रहेगा। परन्तु ता. 17 के बाद बेमेल ग्रह योग की प्रतियुति मानसून के लिए शुभप्रद नहीं है। तापमान में वृद्धि से जन-सामान्य के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर दिखायेगा।

अक्टूबर–मासारंभ में सूर्य हस्त नक्षत्र में, ता. 11 को चित्रा नक्षत्र में, ता. 24 को स्वाती नक्षत्र में भ्रमणशील रहेंगे। ता. 3 को शुक्र बुध के साथ युति करेगा। बुध उदित अवस्था में चल रहा है। ता. 16 को मंगल भी उदय होगा। जिससे लौटते मानसून में सामान्य से अधिक वर्षा संभव होगी। रात के तापमान में धीरे-धीरे कमी महसूस होगी। दिन के तापमान में तेजी क्रमश: कम होती जायेगी। ता. 1, 2, 3, 4, 5, 7, 10, 11, 12 को यत्र-तत्र छिटपुट बादल वृष्टि या व्यापक वर्षा संभावित है। ता. 17 को तुला राशि की सूर्य संक्रांति वायुमण्डल में पड़ने से वायु के संचरण से मानसून की समाप्ति और शीत ऋतु प्रारंभ होगी। दक्षिण भारत के कुछ भू-भागों में अचानक वर्षा के उपद्रव से कृषक वर्ग परेशान हो सकते हैं। राजस्थान, गुजरात में कुछ प्राकृतिक उत्पात के साथ वर्षा, ओला का भी योग बनता है।

नवंबर–मासारंभ में सूर्य स्वाती नक्षत्र में, ता. 6 को विशाखा में, ता. 20 को अनुराधा में भ्रमणशील रहेंगे। बुध मासारंभ में अस्त अवस्था में चलेंगे। ता. 4 को गुरु राशि परिवर्तन कर शनि के साथ युति तथा केतु के साथ प्रतियुति से मास के प्रारंभ में पर्वतीय भू-भागों में अचानक ठंड बढ़ जायेगी। मैदानी भागों में दिन-रात के तापमान में अंतर बढ़ेगा। पूर्वोत्तर भागों एवं दक्षिण भारत के समुद्रतटीय भागों में सामान्य से भारी वर्षा हो सकती है। ता. 2, 3, 5, 7, 9, 11, 12 को पश्चिम हवा के कारण गुलाबी ठंड का एहसास होने लगेगा। ता. 16 को वृश्चिक की सूर्य संक्रांति वायुमण्डल में पड़ रही है। जिसके कारण वायु संचरण की दिशा परिवर्तित होगी। तापमान में गिरावट दर्ज होगी। ता. 17, 19, 21, 23, 25, 27, 30 को मौसम परिवर्तित रहेगा। पर्वतीय भू-भागों में प्राकृतिक उपद्रव के साथ-साथ हिमपात का योग भी बनता है।

दिसंबर–मासारंभ में सूर्य अनुराधा नक्षत्र में विचरण करते हुए ता. 3 को ज्येष्ठा नक्षत्र में, ता. 16 को मूल नक्षत्र में तथा ता. 29 को पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में विचरण करेंगे। ता. 5 को बुध सूर्य की युति, ता. 15को गुरु अस्त होने से मासारंभ में उत्तर भारत के अनेक भू-भागों में ओला-पाला, बूंदा-बांदी से ठंड जोर पकड़ेगी। जबकि पर्वतीय भू-भागों में हिमपात भी होगी। ता. 1, 3, 4, 7, 9, 11, 13 को कुछ भू-भागों पर बादल वृष्टि, कोहरा से यातायात, दूरसंचार व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। ठंड का जोर बढ़ता जायेगा। **पं. टुनटुन शास्त्री**